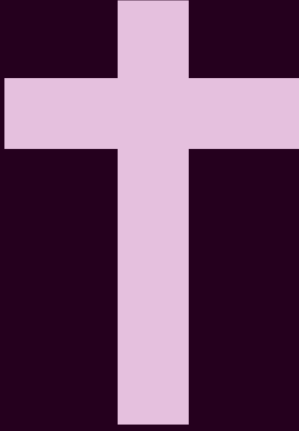


परमेश्वर को पवतिर वचन



The New Testament in the Gowlan language of India,
Devanagary script. Gowlan: परमेश्वर को पवतिर वचन (Bible)

परमेश्वर को पवित्र वचन
The New Testament in the Gowlan language of India,
Devanagary script. Gowlan: परमेश्वर को पवित्र वचन (Bible)

copyright © 2024 The Word for the World International

Language: Gowlan

Contributor: The Word for the World South Asia

परमेश्वर को पवित्र वचन

The New Testament in Gowlan Language

The Word For The World

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2025-05-03

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 2 May 2025 from source files dated 3 May 2025
a5dd5e7c-9a57-5dac-aa6f-bc7d56f8f280

Contents

मत्ती	1
मरकुस	54
लूका	88
यहून्ना	144
प्रेरित	185
रोमीयो	235
कुरिन्थियो	258
कुरीन्थियो	279
गलतिया	294
इपिसियो	302
फिलीपियो	310
कुलुस्सियो	316
1 थिस्सलुनीकियो	321
2 थिस्सलुनीकियो	327
1 तीमुथियुस	330
2 तीमुथियुस	336
तीतुस	341
फिलेमोन	344
इब्रानीहोन	346
याकूब	364
1पतरस	370
2पतरस	377
1यहून्ना	381
2 यहून्ना	387
3यहून्ना	389
यहूदा	391
प्रक्याशितवाक्य	394

मत्ती रचित यीशु मसीह का सुसमाचार मत्ती रचित यीशु मसीह को सुसमाचार पैछान

मत्ती रचित सुसमाचार यो उनवो नीयम की चार किताब मे से एक हइ जो यीशु मसीह की जिवन को वर्णन करस हइ. या चार किताब मे से हर एक किताब को सुसमाचार बोल्थो गयो हइ जोको मतलब होस हइ सुसमाचार. यीशु को स्वर्ग मे जाना का बाद या किताब मत्ती, मरकुस, लूका अरु यहून्ना ने लिखी. मत्ती रचित सुसमाचार अच्छी कब लिखी गय येकी जानकारी विद्वानहोन खे नी हइ लेकीन हम असो मानी सकस हइ की यीशु का जन्म का लकभग 60 साल बाद लिखी गय हुये. येका लिये वा खा लिखी गय येकी जानकारी हमखे नी हइ फिर भी भोतजन को माननो हइ की या किताब तकलीप मे या यरुशलैम गाव मे लिखी गय हुइ.

या किताब को लेखक मत्ती हइ जो यीशु को चेलो होन से पैयले एक चुंगी लेनवालो थो अरु ओखे लेवी नाम से भी जानो जातो थो. मत्ती बारा सेवक मे से एक थो अरु ओने यहूदीया पढानआला का लिये लिखी. येका कारण हम देखस हइ कि या किताब मे 60 से जादा संदर्भ पुराना नीयम को हइ जोका बारे मे भविष्यवाणी हइ उ मेतिदातो यीशु मसीह मे हइ यो मत्ती बतानो चातो थो. मत्ती ने परमेश्वर का राज्य का बारे मे भी भोत कुछ लिख्यो यहूदीयाहोन की या आस थी कि मसीह राज नैतिक राज्य को राजो हुये. मत्ती या बिचार खे छोडिखे परमेश्वर की अन्नत राज्य को वर्णन करस हइ.

मत्ती रचित सुसमाचार या एक अच्छी किताब हइ जोका से नवा नीयम कि सुरुवात हुइ, या किताब पुराना नीयम का तरप से बार बार हमारो ध्यान अपना तरप करस हइ या किताब पुरानो अरु नवो नीयम या दो किताबहोन खे जोडी देस हइ. विद्वानहोन को माननो हइ कि या किताब मे मत्ती मूसा का वजसे लिखी हइ नीयम शास्त्र जो पुराना नीयम कि पहली पाच किताब हइ, येको ढाचो को अनुकरण करस हइ. यीशु ने जो टेकडी पर शिक्षा दि 5 से 7 येकी तुलना हम जो नीयम शास्त्र परमेश्वर ने मूसा खे दियो ओकासे करी सकस हइ. व्यवस्था विवरन 19:3—23:25

रूप रेखा

1. यीशु को जन्म अरु ओकी सेवा की सुरुवात से मत्ती अपना सुसमाचार की सुरुवात करस हइ.
1—4
2. मत्ती यीशु कि सेवा का बारे मे अरु जो हर बात की ओने शिक्षा दी ओका बारे मे बतास हइ.
5—25
3. मत्ती रचित सुसमाचार को अन्नत भाग हइ सौ यीशु की सेवा की चरन सीमा का बारे मे मनजो ओखे भी ओका बारेमे बतानो हइ. 26—28

???? ???? ? ? ?
(???? 3:23-28)

- 1 अब्राहम को बेटो दाउद, को बेटो यीशु मसीह की वंशावली असी हइ.
- 2 अब्राहम से इसहाक पैयदा हुयो. इसहाक से याकूब पैयदा हुयो. अरु याकूब से यहूदा अरु ओको भैइ पैयदा हुयो.
- 3 यहूदा अरु तामार से पेरेस व जोरह, पेरेस से हिस्त्रोन अरु हिस्त्रोन से एराम, पैयदा हुयो.
- 4 अरु एराम से अम्मीनादाब. अरु अम्मीनादाब से नहशोन अरु नहशोन से सलमोन पैयदा हुयो.
- 5 सलमोन अरु राहब से बोआज, अरु बोआज अरु रुत से ओवेद. अरु ओवेद से यिशय पैयदा हुयो.

6 अरु यिश्शय से दाउद राजो अरु उरियाह दाउद से सुलैमान उ बय से पैयदा हुयो जो उरीय्याह की लुगेन थी.

7 सुलैमान से रहबाम, अरु रहबाम से अबिय्याह, अरु अबिय्याह से आसा पैयदा हुयो.

8 आसाफ से यहोशाफात, अरु यहोशाफात से योराम, अरु योराम से उज्जियाह पैयदा हुयो.

9 उज्जियाह से योताम से आहाज अरु आहाज से हिजकिय्याह पैयदा हुयो.

10 हिजकिय्याह से मनश्शे से पैयदा हुयो, मनश्शे से पैयदा हुयो आमोन, अरु आमोन योशिय्याह पैयदा हुयो,

11 अरु गिरपतार हुइखे बाबेल जान का टेम मे योशिय्याह से यकुन्याह, अरु ओको भैइ पैयदा हुयो.

12 गिरपतार हुइखे बाबेल पोचान जान का बाद यकुन्याह, से शालतीएल. अरु शालतीएल से जरुब्बाबेल पैयदा हुयो.

13 जरुब्बाबेल से अबिहुद. अबिहुद से एलयाकिम अरु एलयाकीम से अजोर पैयदा हुयो.

14 अजोर से सादोक, सादोक से अखीम. अरु अखीम से इलीहूद पैयदा हुयो.

15 इलीहूद से एलियाजार. एलियाजार से मत्तान. अरु मत्तान से याकूब पैयदा हुयो.

16 याकूब से यूसुफ. जो मरियम को अदमी थो, अरु मरियम से यीशु पैयदा हुयो, जो मसीह बोलस हइ.

17 यो प्रकार अब्राहम से दाउद तक सब चौदा पिडी हुइ अरु दाउद का टेम से बाबेल को गिरपतार हुइ खे पोचान जाना तक, चौदा पिडी अरु गिरपतार हुइ खे बेबीलोन खे पहुची जाना का टेम से लिखे मसीह तक चौदा पिडी हुय.

~~~~~

(~~~~~ 2:1-7)

18 यीशु मसीह को जन्म या रीती से हुय, की जब ओकी माय मरियम की मगनी यूसुफ का साथ हुय गइ, ते उनको भ्याव होना से पैयले वा पवित्र आत्मा का तरप से दिन से हुय गय.

19 येकालिये ओका अदमी यूसुफ ने जो धर्मी होन का कारण ओखे बदनाम करणो नी चाहतो थो, या इच्छा से चुपचाप छोडी देन को मन कर्यो.

20 जब उ या बात का सोच मे थो ते प्रभु को एक स्वर्गदूत ओखे दृष्टान्त मे दिखानो अरु बोलन लग्यो. हे यूसुफ! दाउद की सन्तान खे तू मरियम खे अपनी बायको बनाना से डरे मत. क्युकी जो ओका पेट मे हइ, उ पवित्र आत्मा का तरप से हइ.

21 उ बेटो पैयदा कहे अरु तोने ओको नाम यीशु रखनु. क्युकी वु अपना दुन्याहोन को उनका पाप से उध्दार कहे.

22 यो सब कुछ येका लिये हुयो की जो वचन प्रभु ने भविष्यवक्ता का वजेसे बोल्यो थो. वु पुरो हुये.

23 “देख एक कुव्वारी दिन से हुये अरु एक बेटो पैयदा, अरु ओको नाम इम्मानुएल रख्यो जाह्ये,” जेको मतलब यो हइ की परमेश्वर हमारा साथ.

24 तब यूसुफ नीद से जागीखे प्रभु का दूत की बात कि आज्ञा का जसो ओने अपनी बायको बनान खे अपना घर मे लयली.

25 अरु जब तक मरियम का पास नी गयो जब तक ओने बेटा खे जन्म नी दियो अरु यूसुफ ने ओको नाम यीशु रख्यो.

1 हेरोदेस राजा का दिन मे यहूदीया देस का बैतलहम गाव मे यीशु को जन्म हुयो, ते पूर्व दिशा से कुछ तारा को आभ्यस करण आलो ज्ञानी इन्सान यरुशलेम मे अयखे पुछन लग्या.

2 कि यहूदीयाहोन को राजो जेको जन्म हुयो हइ, वु खा हइ? क्युकी हम ने पूर्व मे ओको तारो देख्यो हइ अरु ओखे प्रणाम करण आनो हइ.

3 यो सुनीखे हेरोदेस राजो अरु ओका सात सब यरुशलेम घबरय गया.

4 तब ओने दुन्याहोन का सब प्राधन याजकहोन अरु नीयम शास्त्रिहोन खे जमा करीखे उनखे पुछ्यो, कि मसीह को जन्म खा होनु चास?

5 उनने ओकासे बोल्यो की यहूदीया देस का बैतलहम गाव मे. क्युकी भविष्यव्दक्ता का वजेसे लिख्यो गयो हइ

6 हे बैतलहम, तू जो यहूदा देस मे हइ,

तू कोय भी रीति से तू यहूदा को अधिकारीहोन मे सब से छोटो नी.

क्युकी तरा मे से एक राजो नीकले,

जो मरी जनता इस्राएल की रखवाली करें.

7 तब हेरोदेस ने तारा को आभ्यस करणवाला ज्ञानी इन्सानहोन खे चुपचाप से बुलय खे उनका से पुछ्यो, की तारो बराबर कोन सा टेम मे दिखय दियो थो.

8 अरु ओने यो बोलीखे उनखे बैतलहम भेज्यो, कि जयखे उ बच्चा का बारे मे बरोबर मालूम करीखे, अरु जब व्हा कुछ मीली जाह्यो ते मेखे खबर दे, ताकी मी भी अयखे ओखे प्रणाम कयु.

9 वे राजा की बात सुनीखे चली गया, अरु देख, जो तारो उनने पूर्व मे देख्यो थो, वु उनका आगे आगे चल्यो, अरु झा बच्चो थो. वा जगा का उपर पोचीखे रुखी गयो.

10 वु तारा खे देखी खे वे भोत खुश हुय गया.

11 उनने उ घर मे पोची खे वु बच्चा खे ओकी माय मरियम का सात देख्यो, अरु मुडा का उपर गिरीखे बच्चा खे प्रणाम कय्यो. अरु अपनी अपनी धैली खोली खे ओखे सोन्नो, अरु लोबान, अरु गन्धरस ओखे दान चडायो.

12 तब दृष्टान्त मे परमेश्वर का वजेसे या चेतावनी सुनी खे कि हेरोदेस का पास फिर नी जानु, उ दुसरी रस्ता से जय खे अपना देस मे चली गयो.

~~~~~

13 उनका चली जाना का बाद परमेश्वर को एक दूत ने सपना मे यूसुफ खे देखीखे बोल्यो, उट. वु बच्चा खे अरु ओकी माय खे लिखे मीस्र देस मे भागी जा. अरु जब तक मी तरा से नी बोलू तब तक व्हा हँनु. क्युकी हेरोदेस यो बच्चा खे दुडना पर हइ कि ओखे मारी डालस.

14 तब उ रात मे उठीखे बच्चा खे अरु ओकी माय खे लिखे मीस्र देस मे चली गयो.

15 अरु हेरोदेस का मरना तक व्हा न्हीयो. येका लिये की उ वचन जो प्रभु ने भविष्यव्दक्ता का वजेसे बोल्यो थो उ पुरो हुयो खे "मेने अपना बेटा खे मीस्र से बुलायो."

~~~~~

16 जब हेरोदेस ने यो देख्यो, की पडीतहोन ने ओका सात धोको कय्यो हइ, तब उ घुस्सा से भरी गयो अरु दुन्या खे भेजी खे पडीतहोन का वजेसे तारा देखन का टेम का जसो बैतलहम अरु ओका आस पास का सब गावहोन का सब बच्चा खे जो दो साल का या ओकासे छोटो था, मारी डाल्या.

17 तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यव्दक्ता का वजेसे बोल्यो गयो थो, उ पुरो हुयो.

18 "शमाह मे एक चित्कर, रोन सुनायो दियो,

रोनो अरु बडो विलाप

राहेल अपना बच्चा का लिये रोय री हइ

अरु शांती होनु नी चाती थी

क्युकी उ अब नी न्हीयो."

~~~~~

¹⁹ हेरोदेस का मरना का बाद को प्रभु खे दूत ने मीस्र मे यूसुफ का सपना मे दिखय दिखे बोल्यो.

²⁰ उट, बच्चो खे अरु ओकी माय खे लीखे इस्राएल देस मे चली जा. क्युकी जो बच्चा को जान लेनो चाहतो थो, उ मरी गयो.

²¹यूसुफ नीद से उठ्यो, अरु बच्चा अरु ओकी माय खे सात लीखे इस्राएल का देस मे आया.

²² पन यो सुनी खे की अरखिलाउस अपना बाप हेरोदेस कि जगा यहूदीया पर राज्य करी रोस हइ, व्हा जाना से डरीखे फिर दृष्टान्त मे परमेश्वर से सुचना लीखे गलील देस मे चली गयो.

²³अरु नासरत नामको एक नगर मे जय बठ्या. ताकि उ वचन पुरो हुये खे जो भविष्यव्दक्ताहोन का वजेसे बोल्यो गयो थो, “उ नासरी बोल्यो जाह्ये.”

3

????????? ??? ???? ?????????? ?? ?????????

¹उ दिन मे यहून्ना बपतिस्मा देनवालो अयखे यहूदीया का जंगल मे यो प्रचार करण लग्यो.

² अपना पाप से मन फिराव. क्युकी स्वर्ग को राज्यों नजीक अय गयो हइ.

3 यो उ हइ जोकी बात यशयाह

भविष्यवदक्ता का वजेसे करी गइ

“जंगल में एक पुकारन आलो को आवाज हुय रोस हइ,

की प्रभु की रस्ता तैयार कर, ओकी सडक सीधी कर."

4 यो यहून्ना उट का बाल का कपडा पेन्यो थो, अरु अपनी कमर मे चामडा को पट्टो बाध्यो हुयो थो, अरु ओको खानो टोटर अरु मोहरूस थो.

5 तब यरुशलेम का अरु सब यहूदीया, अरु यरदन नदी का आस पास का गाव का दुन्या ओका पास नीकली आया.

6 अरु अपना अपना पाप खे मानी खे यरदन नदी मे ओका से बपतिस्मा लियो.

7 जब ओने भोत सा फरीसीहोन अरु सदूकिहोन खे बपतिस्मा का लिये अपना पास आते देख्यो, ते उनसे बोल्यो, की हे साप का बच्चा तूम खे कोने बतय दियो, की आनवालो घुस्सा से भाग्यो?

8 अपना पाप से मन फिराव खे परमेश्वर तरप चली गयो असो जिवन खुद जिखे बता.

⁹अरु अपना अपना मन मे यो नी सोचनू, की हमारो बाप अब्राहम हइ. क्युकी मी तुम से बोलूस हइ, की परमेश्वर यो फत्थर से अब्राहम का लिये बच्चो पैयदा करी सकस हइ.

10 अरु कुल्हाडी झाड की जडी पर रखी हुइ हइ, येका लिये जो जो झाड अच्छा फल नी लाय, ओखे, काटचो अरु अंगार मे डाल्यो जास हइ.

11 मी तो पानी से मन फिराव को बपतिस्मा दियुस हइ, पन जो मरा बाद मे आनवालो हइ, उ मरासे भी शक्तिशाली हइ. मी ओका जुता खे उठान का योग्य नी, उ तुम खे पवित्र आत्मा अरु अंगार से बपतिस्मा देस.

¹² ओको सुपडो ओका हात मे हइ, अरु उ अपना खेत अच्छा तरीका से सपा कहे, अरु अपना गहु खे खेत मे जमा कहे, पन भूसा खे उ अंगार मे जलाहे जो बुझन की नी.

???? ?? ?????????

([Matthew 1:9-11](#); [Mark 3:21-22](#))

¹³उ टेम यीशु गलील से यरदन नदी का धरा पर यहन्ना को पास ओकासे बपतिस्मा लेन आयो.

14 पन यहून्ना यो बोलीखे ओखे रोखन लग्यो, की मखे तरा हात से बपतिस्मा लेन की जरूरत हइ, अरु त मरा पास आयो हइ?

15 यीशु ने ओखे यो उत्तर दियो, कि अब तो असो ही होन दे, क्युकी हमने या रीति से सब धार्मीकता खे पुरो करणो परमेश्वर कि नजर मे जरूरती हइ, तब ओने ओकी बात मानी ली.

16 अरु यीशु ने वपतिस्मा लिखे झल्दी पाणी मे से उपर आयो, अरु देख्यो, ओका लिये बदल खली गयो. अरु ओने परमेश्वर की आत्मा खे कबतर का जसो ओका उपर उतरते देख्यो.

17 अरु देख, या आकाशवाणी हइ, “यो मरो लाड को बेटो हइ, जेका से मी पुरी तरह खुसी हइ.”

4

~~~~~

1 जब वा टेम मे आत्मा यीशु खे जंगल मे ली गयो ताकी सैतान से ओकी परीक्षा हुय.

2 उ चालीस दिन, अरु चालीस रात, उपास हीयो, तब ओखे भोत भुख लगि.

3 जब परखनआला ने नजीक अय खे ओका से बोल्यो, अगर तु परमेश्वर को बेटो आय, ते बोली दे, कि या फत्थर रोटी बनी जाह्यो.

4 यीशु ने उत्तर दियो, “की शास्त्र मे लिख्यो हइ, इन्सान फक्त रोटी मे से नी, पन हर एक वचन से जो परमेश्वर का मुडा से नीकलस हइ जिन्दो हीये.”

5 जब सैतान बोखे पवित्र नगर मे ली गयो अरु मन्दिर का छेडा पर खडो कर्यो

6 अरु ओकासे बोल्यो, अगर तु परमेश्वर को बेटो हइ, ते अपना आप खे नीच्चे गीन्य दे. क्युकी लिख्यो हइ,

उ तरा बारे मे अपना स्वर्गदूत खे आज्ञा दिये.

अरु वे तोखे हाथो हात उठय लीहे.

असो नी होनु की तरा पाय मे फत्थर से टोकर खाये.

7 यीशु ने ओकासे बोल्यो “शास्त्र मे यो भी लिख्यो हइ, कि तु प्रभु अपनो परमेश्वर की परीक्षा नी करहे.”

8 फिर सैतान ओखे एक भोत उची टेकडी, पर ली गयो अरु जगत कि महिमा राज्य अरु ओको वैभव बतायो.

9 ओकासे बोल्यो, कि अगर तु गिरी खे मेखे प्रणाम करहे, ते मी यो सब कुछ तोखे दि दियु.

10 जब यीशु ने ओकासे बोल्यो. हे सैतान दुर हइ जा, क्युकी लिख्यो हइ, तु प्रभु अपना परमेश्वर खे प्रणाम कर, अरु फक्त ओखे उपासना कर.

11 जब सैतान ओका नजीक से चली गयो, अरु स्वर्गदूत अय खे ओकी सेवा करण लग्यो.

~~~~~

(~~~~~ 1:14; 15; ~~~~~ 4:14; 15)

12 जब ओने यो सुन्यो की यहून्ना पकडि दियो गयो, ते व्हा गलील खे चली गयो.

13 अरु नासरत खे छोडी खे कफरनहूम मे जो नदी का धुरा जबूलून अरु नपताली खे देस मे हइ जय खे हैन लग्यो.

14 ताकी जो यशायाह भविष्यवदक्ता का वजेसे बोल्यो गयो थो, उ पुरो हुये.

15 “नदी कि रस्ता से जबूलून अरु नपताली को देस,

समुद्र कि रस्ता पर, यरदन नदी का उ पार,

गैरयहूदीहोन को गलील.”

16 “जो दुन्या अंधारा मे बठ्या था,

उनने बडो उजालो देख्यो.

अरु जो मरन का देस अरु छाया मी बठ्यो थो,

उन पर उजालो चमक्यो.”

17 वो टेम से यीशु ने प्रचार करणो अरु यो बोलनो सुर्वात कन्यो, “कि हमारा पाप से मन फिराव क्युकी स्वर्ग को राज नजीक आयो हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 1:16-20; ~~~~~ 5:1-11)

18 ओने गलील की नदी का धुरापर धुमते हुये दो भैइ अगर शमौन खे जो पतरस बोलस हइ, अरु ओको भैइ अन्द्रियास खे नदी मे जाल डालते देख्यो. क्युकी वे डिम्बरहोन था.



19 अरु ओने बोल्यो, “मरा पिछे चली खे आ, मी तुम खे इन्सानहोन खे परमेश्वर का राज मे लानवाला बानाह्यु.”

20 वे झल्दी जाल खे छोडी खे ओका पिछे लिया.

21 अरु व्हा से आगे बडी खे, ओने अरु दो भेइ अगर जब्दी को बेटो याकूब अरु ओको भेइ यहून्ना खे अपनो बाप जब्दी का सात डोंगा पर अपनी जाल खे सुधारते देख्यो. अरु उनखे भी बुलायो.

22 वे झल्दी डोंगा अरु अपना बाप खे छोडी खे ओका पिछे हुय गया.

~~~~~

(~~~~~ 6:17-19)

23 अरु यीशु सब गलील मे घुमते हुयो उनका आराधनालयहोन मे उपदेस करतो थो, अरु राज को सुसमाचार प्रचार करतो थो, अरु दुन्याहोन की हर प्रकार की बिमारी अरु दुर्बलता खे दुर करतो हीयो.

24 अरु सब सीरिया देस मे ओको यश फैली गयो. अरु दुन्या सब बिमारी खे, जो दुसरी तरीका की बीमारीहोन अरु दुख मे पड्या हुया था, अरु जोमे बुरी आत्मा थी अरु मीर्गीआला अरु लखवा का रोगीहोन खे ओका पास लायो अरु ओने उन खे अच्छो क्यो.

25 गलील अरु दिकापुलीस, यरुशलैम का यहूदीयाहोन अरु यरदन नदी का पार से बडी गर्दी ओका पिछे हुय गइ.

5

~~~~~

1 उ या गदी खे देखी खे, टेकडी पर चढ़ी गयो. अरु जब बठी गया ते ओका सेवक होन ओका पास आया.

2 यीशु ने उनखे शिक्षा देनो सुरु क्यो

~~~~~

(~~~~~ 6:20-23)

3 “अच्छो हइ उ, जो आत्मा से दीन हइ,
क्योकि स्वर्ग को राज्य उनका मे हइ.”

4 “अच्छो हइ उ.” जो शोक करस हइ,
क्युकी वे दुनीया शांती पाये.

5 “अच्छो हइ उ, जो नम्र हइ,
क्योकि उ धरती को वारीस दार हुये.”

6 “अच्छो हइ उ, जो धार्मीकता को भूको अरु प्यासो हइ,
क्युकी वे तृप्त धन्य क्यो जाए.”

7 अच्छो हइ उ, जो दयावन हइ,
किक्यु उन पर दया करी जाये.

8 अच्छो हइ उ जोको मन अच्छो हइ
क्योकि उ परमेश्वर खे देखे.

9 अच्छो हइ उ जो शांती को काम करनवाला हइ;
क्योकि वे परमेश्वर का बच्चा बोल्या जाये!

10 “अच्छो हइ उ जो धार्मीकता करनआला खे सतायो जास हइ;
क्योकि स्वर्ग को राज्य उनकोय हइ!

11 “अच्छो हुये तुम जब इन्सान मरा कारन तुम्हारी मजाक उडाये अरु सताये अरु झुठ बोली खे तुम्हारा विरोध मे सब प्रकार की बुरी बात बोलस.

12 तब खुसी अरु मगन होनु, क्योकि तुम्हारा लिये स्वर्ग मे बडो प्रतीफल हइ. येका लिये कि उनने उ भविष्यवक्ता खे जो तुम से पैयले थो या रीति से सतायो थो.

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 9:50; ॥॥॥॥ 14:34,35)

13 “तुम पृथ्वी का नोन हुये. पन अगर नोन को सवाद बिगाडी जाये ते उ फिर कोय चिज से खारो कन्यो जाये? फिर उ कोय काम को नी, फक्त येखे बाहेर फेक्यो जाए अरु इन्सानहोन का पाय का नीचे खुवो जाए.”

14 तुम जगत को दिवो हुये. जो गाव टेकडी पर बस्यो हुयो हइ उ रुखी नी सकस.

15 अरु दुन्या दिवो जलयखे टोपली, नीचे नी पन दिवा खे घर पर रखस हइ, तब ओकासे घर का सब दुन्याहोन खे उजालो पोचास हइ.

16 यो प्रकार तुम्हारे उजालो इन्सानहोन का सामने चमख्ये कि उ तुम्हारे अच्छो काम खे देख्ये तुम्हारा बाप खे, जो स्वर्ग मे हइ, महिमा कन्हें.

॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥

17 “यो नी समजनु, कि मी मूसा व्यवस्था यो भविष्यवक्ता कि शिक्षाहोन खे लोप करण आयो हइ, खतम करण नी आयो, पन पुरो करण आयो हइ.”

18 क्योकि मे तुमारा से सच्ची बोलुस हइ, कि जब तक बहल अरु पृथ्वी खतम नी हइ जाह्ये तब तक व्यवस्था से एक मात्र यो टिम्बो बिना पुरो हुयो नी जाह्ये.

19 येका लिये जो कोय या छोटी सी छोटी आज्ञाहोन मे से कोय एक खे पालन नी कन्हें, अरु असो मे दुन्याहोन खे सिखास उ स्वर्ग का राज मे सबसे छोटी बोल्यो जाह्ये पन जो कोय वा आज्ञाहोन को पालन कन्हें अरु उनखे सिखाए, उ स्वर्ग का राज्य मे महान बोल्यो जाये.

20 क्युकी मी तुम से बोलुस हइ, कि अगर तुमारी धार्मीकता पंडीतहोन अरु फरीसीहोन की न्यायीपन से बडीखे नी हुये ते तुम स्वर्ग का राज्य मे कभी प्रवेश करणो नी पाये.

॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥

21 तुम सुनी चुक्या हइ, की पुरानो काल का दुन्याहोन से बोल्यो गयो थो, कि हत्या नी करणु अरु “जो कोय हत्या कन्हें उ कठोर दण्ड का योग्य हुये.

22 पन मी तुम से यो बोलुस हइ, कि जो कोय अपना भैइ पर घुस्सा कन्हें उ कोरट मे दण्ड का योग्य हुये अरु जो कोय भैइ खे नीकम्मो बोल्यो उ महासभा मे दण्ड का योग्य हुये. अरु जो कोय बोले अरे मुख. उ नरक कि अंगार को दण्ड का योग्य हुये.”

23 येका लिए अगर तु अपनी दान वेदी पर ला अरु व्हा तु याद कर, कि मरा भैइ का मन मे मरा तरप से कुछ विरोध हइ.

24 ते अपनी दान वा वेदी का सामने छोडी दे, अरु जेखे पैयले अपना भैइ से मेल मीलाप कर. फिर अयखे अपनी दान चेडानु.

25 जब तक न्याय तु अपना दुशमन का साथ रस्ता मे हइ, ओकासे झटपट मेल मीलाप करी ले खय असो नी हुये कि दुशमन तोखे डॉक्टर खे सोपे, अरु डॉक्टर तोखे सेवक खे सोपी दिये अरु तू जेल खाना मे डाली दिये जाए.

26 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ कि जब तक तु एक-एक सिक्का खे चुकय नी दे तब तक व्हा से छुटयो नी पाये.

॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥

27 तुम सुनी चुक्या हइ कि बोल्यो गया थो, व्यभिचार नी करणु.

28 पन मी तुम से यो बोलुस हइ, कि जो कोइ कोय बय पर बुरीनजर डाले उ अपना मन मे ओकासे व्यभिचार करी चुक्यो.

29 अगर तरो जवनो आख तोखे ठोकर खलाये ते ओखे नीकाली खे फेकी दे. क्युकी तरा लिये योही अच्छो हइ कि तरा आंग मे से एक नास हुये जाये अरु तरो पुरो आंग नरक मे नी डाल्यो जाये.

30 अरु अगर तरो जवनो हात तोखे ठोकर खलाये का ते ओखे काटी खे फेकी दे, क्योकि तरा लिये योही अच्छो हइ, कि तरा आंग मे से एक आंग खतम हुये जाये अरु तरो पुरो आंग नरक मे नी डाल्यो जाये.

~~~~~

31 यो भी बोल्यो गयो थो, जो कोय अपनी लुगेन खे छोडी दे, ते ओखे फरकती दे.

32 पन मी तरा से यो बोलुस हइ कि जो कोय अपनी लुगेन खे व्यभिचार का वजेसे कोय अरु करण से फरकती देस, ते उ ओकासे व्यभिचार करवास हइ. अरु जो कोय वा छोडी हुये से भ्याव कर, उ व्यभिचार करस हइ.

~~~~~

33 फिर तुम सुनी चुक्या हइ, कि पुराना जमाना का दुन्याहोन से बोल्यो गयो थो, झुठी कसम नी खानु, पन परमेश्वर का लिये अपनी कसम खे पुरी करणु.

34 पन मी तुम से यो बोलुस हइ, कि कभी कसम नी खानु. नी ते स्वर्ग की, कि क्यु उ परमेश्वर की राजगद्दी हइ.

35 नी जमीन की, कि क्यु वा ओका पाय की चौकी हइ. नी यरुशलेम की, कि क्यु उ महा राजा को गाव हइ.

36 अपना माथा की भी कसम नी खानु कि क्यु तु एक बाल खे भी सफेद या कालो नी करी सकस हइ.

37 पन तुम्हारी बात हव की हव, या नी कि नी हुये. कि क्यु जो कुछ येका से अधिक होस हइ उ बुरो मे होस हइ.

~~~~~

(~~~~~ 6:29,30)

38 तुम सुनी चुक्या हइ, कि बोल्यो गयो थो, कि आख का बदलो आख, अरु दात का बदलो दात.

39 पन मी तुमसे यो बोलुस हइ, जो तुम से बुरो व्यवहार करस हइ ओको सामनो नी करणु. पन जो कोय तरा जवनो गाल पर थप्पड मारे ते ओका तरफ दुसरो भी गाल दी देनु.

40 अरु अगर कोय तरा पर मुकद्दमो करीखे तरो कुर्ता लेनो चास ते ओखे कपडो भी लेन दे.

41 अरु जो कोय तोखे भोत दुर मजबुरी मे ली जाये ते ओका साथ दो कोस चली जा.

42 अरु जो कोय तरा से मागे, ओखे दे. अरु जो तरा से उधार लेनु चाह्ये, ओकासे मुडो नी मोडनु.

~~~~~

43 तुम सुनी चुक्या हइ, कि बोल्यो गयो थो. कि अपना पडोसी से प्रेम रखनु अरु अपना दुसमन से दुर कर.

44 पन मी तुम से यो बोलुस हइ, कि अपना दुसमन होन से प्रेम रखनु अरु अपना सतानआलो का लिये प्रार्थना करणु.

45 जेका से तुम अपना स्वर्गीय बाप, बच्चा न्हीये क्योकि उ अच्छो अरु बुरो दोय पर अपनो सुरज नीकलस हइ, अरु न्याय अरु धर्मी पन पर पाणी बरसास हइ.

46 कि क्यु अगर तुम अपनो प्रेम रखनआला हि से प्रेम रखे, ते तुम्हारा लिये लाभ हुये, चुगी लेनआला भी असो नी करस.

47 अरु अगर तुम फक्त अपना भैइहोन खे हि नमस्कार कह्ये, ते कोन सो बडो काम करस हइ? गैरयहूदिहोन भी असो नी करस.

48 येका लिये सही कि तुम पक्को बन, जसो तुम्हारो स्वर्गीय बाप पक्को हइ.

6

~~~~~

1 हुशार न्हे तुम इन्सानहोन खे देखन का लिये अपनो धार्मीकता को काम नी करस, नी ते अपना स्वर्गीय बाप से कुछ भी फल नी पास.

2 येका लिये जब तु दान कहे, ते अपनो ढिडोरो नी पिटनु, जसा कपटि राधनालयहोन अरु गल्लिहोन मे करस हइ, ताकी दुन्या उनकि महिमा कहे, मी तरा से सच्ची बोलुस हइ, कि वे अपनो प्रतीफल ली लिये.

3 पन जब तु दान कहे, ते जो तरो जवनो हात करस हइ, ओखे तरो डाखोन्या हात खे मालुम नी होन देनु.

4 ताकि तरो दान गुप्त रहीहे. अरु तब तरो बाप जो गुप्त मे देखस हइ, तोखे प्रतीफल दिये.

~~~~~

5 अरु जब तु प्रार्थना कहे, ते कपटिहोन का जसो नी हुये क्योकि दुन्याहोन खे देखन का लिये यहूदीया आराधनालय मे अरु सडकहोन, मोड पर खडो हुइ खे प्रार्थना करणु उनखे अच्छो लगस हइ. मी तरा से सच्ची बोलुस हइ, कि वे अपनो प्रतीफल ली लिये.

6 पन जब तु प्रार्थना कहे, ते अपनी झोपडि मे जा. अरु दरवाजो बन्द करी खे अपना बाप से जो चुपचाप मे हइ प्रार्थना कर. अरु तब तरो बाप जो चुपचाप मे देखस हइ, तोखे प्रतीफल दिये.

7 प्रार्थना करण का टेम गैरयहूदिहोन का जसो बक-बक नी करणु. क्योकि वे समझस हइ कि उनका भोत बोलना से उनकी सुनी जाये.

8 येका लिये तुम उनका जसो नी बन्नु, क्योकि तुम्हारो बाप तुम्हारा मागना से पैयले हि जानस हइ, कि तुम्हारी का जरूरत हइ.

9 अन्नत तुम या रिती से प्रार्थना कन्यो कहे हे, हमारा बाप तु जो स्वर्ग मे हमारा बाप हइ.

तरो नाम पवित्र मान्यो जास;

10 “तरो राज्य आयो.

तरी इच्छा जसी स्वर्ग मे पुरी होस हइ” असो पृथ्वी पर भी हुये.

11 हमारी दिन भर की रोटी आज हमखे दे.

12 अरु जो प्रकार हमने अपना गुना खे माफ कन्यो हइ,

असो हि तु भी हमारी बुराइ खे माफ कर.

13 अरु हमखे परीक्षा मे मत ला,

पन बुरोड से बचास.

क्युकी राज्य अरु पराक्रम अरु महिमा कभी भी तरी ही हइ. आमीन.

14 “येका लिये अगर तुम इन्सान को बुरो माफ कहे, ते तुम्हारो स्वर्गीय बाप भी तुमखे माफ करस.

15 अरु अगर तुम इन्सानहोन को बुरो माफ नी करस, ते तुम्हारो बाप भी तुम्हारो बुरो माफ नी कहे.”

~~~~~

16 “जब तुम उपास कहे ते कपटिहोन का जसी तुम्हारो मुडा पर उदास नी रहेनु क्योकी वे अपनो मुडो बनायो रहेस हइ, ताकी दुन्या उनखे उपास जानस. मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि वे अपनो प्रतीफल ली चुक्या.

17 पन जब तू उपास करस ते अपना माथा पर तेल लगा अरु मुडो धोयले.

18 ताकी दुन्या नी पन तरो बाप जो गुप्त मे हइ, तोखे भुको जान्यो. या दशा मे तरो बाप जो गुप्त मे देखस हइ, तोखे प्रतीफल दिये.”

~~~~~

(~~~~~ 12:33,34)

19 “अपना लिये जमीन पर धन जमा नी करणु. जेमे कीडा अरु जंग लगस हइ, अरु चोरहोन तोडफोड करी खे चोरी करस हइ.

20 पन अपना लिये स्वर्ग मे धन जमा कर, जेमे कीडा अरु जंग लगस हइ, अरु चोरहोन तोडफोड करीखे चोरी करस हइ.

21 क्योकी तरो धन हइ ओमे तरो मन भी लग्यो ज़ेस.”

~~~~~  
(~~~~~ 11:34-36)

22 “आंग को दिवो आख हइ. येका लिये अगर तरा आख अच्छा हुये ते तरो पुरो आंग भी उजालो हुये;

23 पन अगर तरा आख बुरा हुये तरो पुरो आंग भी अंधारा मे ज़ीये. येका कारण उ उजालो जो तरा मे हइ अगर अधारो हुये ते उ अधारो कसो डरवानो हुये.”

~~~~~  
(~~~~~ 16:13; 12:22-31)

24 “कोय इन्सान दो स्वामीहोन की सेवा नी करी सकस, क्युकी उ एक से दुजाभाव अरु दुसरा से प्रेम रखस, या एक से नीष्ठावान न्हिये अरु दूसरा को तिरस्कार कर्ये. तुम परमेश्वर अरु धन दोइ की सेवा नी करी सकस.”

25 येका लिये मी तुम से बोलुस हइ, कि अपना जान का लिये यो चिन्ता नी करणु कि हम का खाये अरु का पीये अरु नी अपना आंग का लिये की का पेने का जान खाना से, अरु आंग से कपडा से बडीखे नी?

26 बदल की पक्षिहोन खे देख! वे नी बोलस हइ, वे नी काटस हइ, अरु नी खेत मे जमा हइ. ते भी तुम्हारो स्वर्गीय बाप उनखे खलास हइ, तुम उनसे अधिक महत्व नी रखस?

27 तुम मे कोन हइ, जो चिन्ता करीखे अपना जिवन काल मे एक टेम भी महिमा करी सकस हइ?

28 “अरु कपडा का लिये काय बार चिन्ता करस हइ? जंगल का फुल पर ध्यान कर, कि वे कसा बढस हइ, वे नी ते महीनत करस हइ, अरु उनका कपडा बनास हइ.

29 ते भी मी तुम से बोलुस हइ, कि सुलैमान भी, अपना सब महिमा मे ओमे से कोय का जसा कपडा पेन्यो हुयो नी थो.

30 येका लिये जब परमेश्वर मैदान का घास खे, जो आज हइ, अरु कल अंगार मे डाल्यो जाये असो कपडा पेन्यो हइ, ते हे अल्पविश्वासिहोन, तुम खे योका नी पेनास.”

31 “येका लिये तुम चिन्ता करी खे यो नी बोलनु, कि हम का खाये या का पीये या का पेन्हे?

32 क्युकी गैरयहूदिहोन सब चिजहोन खे ढुढना मे ज़ेस हइ, अरु तुम्हारो स्वर्गीय बाप जानस हइ, की तुमखे या सब चिज होनु.

33 येका लिये पैयले तुम परमेश्वर का राज्य अरु धार्मीकता खे ढुढतो कर ते या सब चिज तुमखे मीली जाये.

34 आखरी कल का लिये चिन्ता नी करणु, क्युकी कल को दिन अपनी चिन्ता खुद करी लेस आज का लिये आज को ही दुख भोत हइ.

7

~~~~~  
(~~~~~ 6:37,38,41,42)

1 “दोष मत लगानु, जब की तुम पर भी दोष नी लगायो जाये

2 क्युकी जो प्रकार तुम दोष लगास हुये खे उ प्रकार तुम पर भी दोष लगायो जाये. अरु जो माप से तुम मापस हइ, ओका से तुमारा लिये भी नाप्यो जाये.”

3 “तु का अपना भैइ का आख खे तिनका देखस हइ, अरु अपना आख कि लाकडी तोखे नी सुझस?

4 जब तरा ही आख मे लाकडी हइ, ते तु अपना भैइ से कसो बोली सकस हइ, ला मी तरा आख से कचरो नीकाली दिउस.”

5 हे पाखण्डी, पैयले अपना आख मे से लाकडी नीकाली ले, तब तु अपना भैइ का आख को कचरो भली भाति देखीखे नीकाली सकस.

6 पवित्र चिज कुत्ताहोन खे नी देनु, अरु अपना किमती चिज डुक्कर का आगे मत डालनु. असो नी हुये की वे उनखे पाय का नीचे दबाये, अरु पलटी खे तुम खे फाडी डाले.

~~~~~

7 माग, ते तुम खे दियो जाये. ढुङ्गे, ते तुम खे मीले. दरवाजो बजा, ते तुम्हारा लिए खोल्यो जाये.

8 क्युकी जो कोय मागस हइ, ओखे मीलस हइ. अरु जो ढुङ्गस हइ, वे लेस हइ. अरु जो दरवाजो बजास हइ, ओका लिये खोल्यो जाये.

9 “तुम मे से असो कोन सो इन्सान हइ, कि अगर ओको बेटो ओकासे रोटी मागे, ते उ ओखे पत्थर दिये.

10 यो मंछी मागे, ते ओखे साप दिये.

11 जब तुम बुरा हइ खे, अपना बच्चाहोन खे अच्छो चिज देनु जानस हइ, ते तुम्हरो स्वर्गीय बाप अपना मागनवाला खे अच्छो चिज का नी देस”

12 येका करण जो कुछ तुम चास हइ, की इन्सान तुमारा सात करस, तुम भी उनका सात असो हि करणु. क्योकि मूसा की व्यवस्था, अरु भविष्यवक्ता कि शिक्षा यही हइ.

~~~~~

(~~~~~ 13:24)

13 “छोटा दरवाजो से प्रवेश कर, किन्तु चौडो हइ उ दरवाजो अरु सीधी हइ वा रस्ता जो विनाश का तरप ली जास हइ. अरु भोत सारा दुन्या हइ जो ओकासे आनजानो करस हइ.

14 क्योकि संकेत हइ उ दरवाजो अरु कठिन हइ वा रस्ता जो जिवन खे पहुचास हइ, अरु जरासा दुन्या ओका पास हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 6:43,44)

15 “झुटा भविष्यवक्ताहोन से हुशार रहे, जो मेढाहोन का भेस मे तुम्हारा पास आस हइ, पन अन्नत मे फाडनआलो लाडग्यो हइ.

16 उनका से तुम उनखे पैच्छानी लेस, काटा की झुडुप से अंगूर, या जंगल झाड से अंजीर तोडस हइ?

17 यो प्रकार हर एक अच्छो झाड अच्छो फल लास हइ अरु नीकम्मो झाड बुरो फल लास हइ.

18 अच्छो झाड बुरो फल नी लय सकस, अरु नी नीकम्मो झाड अच्छो फल लय सकस हइ.

19 जो-जो झाड अच्छो फल नी लास, अरु उ काटस, अरु अंगार मे डाल्यो जास हइ.

20 आखरी उनका काम से तुम झुटो भविष्यवक्ताहोन पैच्छानी लेस.

~~~~~

(~~~~~ 13:25-27)

21 “जो मरासे, हे ‘प्रभु, हे प्रभु’ बोलस हइ, ओमे से हर एक स्वर्ग का राज्य मे प्रवेश नी करस, पन वा जो मरा स्वर्गीय बाप कि इच्छा पर चलस हइ.

22 न्याय कादिन भोत दुन्या मरासे बोलस ‘हे प्रभु, हे प्रभु, हमने तरा नाम से भविष्यवाणी नी करी, अरु तरा नाम से बुरी आत्माहोन खे नी नीकली, अरु तरा नाम से भोत चमत्कार को काम नी कन्यो.’

23 तब भी उनखे खोली खे बोली दियु, मेने तुम खे कभी नी जान्यो, हे बुरो करणवाला मरा पास से जय जा.

~~~~~

(~~~~~ 6:47-49)

24 “येकालिये जो कोय मरी या बात सुनीखे उनखे करस हइ उ ओखे डिमाकआलो इन्सान का जसो बताये जेने अपनो घर पत्थर पर बनायो.

25 अरु पानी आयो, अरु पुर अय अरु हवाधुन हुइ, अरु वु घर पर टाकरा लगया, पन वु घर नी गिन्यो, क्युकी ओका पय्या पत्थर पर डाली गइ थी.

26 “पन जो कोय मरी या बात खे सुनस हइ अरु उन पर नी चलास वे उ बेडिमाक इन्सान का जसो न्हीहे जेने अपनो घर रेती पर बनायो.

27 अरु पाणी गिर्यो, अरु पुर अय, अरु हवाधुन हइ, अरु उ घर पर टाकरइ अरु वु गिरीखे सत्यानाश हुये गयो.”

~~~~~

28 जब यीशु या बात बोली दिये, ते असो हुयो की गर्दी ओका उपदेस से चकित हइ.

29 किन्तु उ उनका पंडीतहोन का जसो नी पन अधिकारी का जसो उनखे उपदेस देतो थो.

## 8

~~~~~

(~~~~~ 1:40-45; ~~~~~ 5:12-26)

1 जब यीशु वा टेकडी से उतय्यो, ते एक बडी गर्दी ओका पीछे चलन लग्यी.

2 अरु एक कोढी ने पास अयखे ओखे प्रणाम कय्यो अरु बोल्यो, “हे प्रभु, अगर तु चाये ते मेखे अच्छो करी सकस हइ.”

3 यीशु ने हात उटयखे ओखे छुयो, अरु बोल्यो, “मी चैवस हइ, तू अच्छो हइ जाये” अरु उ झल्दी कोद से अच्छो हइ गयो.

4 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “देख, कोय से नी बोलनु, पन जयखे अपना आप खे याजक खे देख्यो अरु जो दान चढायो मूसा ने रुख्यो हइ ओखे चेढा, ताकी ओका लिये गवाह हुये.”

~~~~~

(~~~~~ 7:1-10)

5 अरु जब उ कफरनहूम मे आयो ते एक रोमी सेनापति ने ओका पास अयखे ओकासे प्रार्थना करी.

6 “हे प्रभु, मरो सेवक घर मे लकवा को मारो भोट दुख पीडा मे हइ.”

7 ओने ओकासे बोल्यो, “मी अयखे ओखे अच्छो कय्यु,”

8 सेनापति ने उत्तर दियो, “हे प्रभु, मी यो योग्य नी कि तु मरा घर मे आयो, पर फक्त मुडा से बोली दे ते मरो सेवक अच्छो हइ जाये.”

9 क्युकी मी भी अधिकार इन्सान हइ, अरु सेवक मरा हात मे हइ, अरु जब एक से बोलस हइ, जा, ते उ जास हइ. अरु दुसरा खे, आ, ते उ आस हइ, अरु अपना दास से बोलस हइ, की यो कर, ते उ करस हइ.

10 यो सुनीखे यीशु ने अचम्बो कय्यो, अरु जो ओका पीछे ए रा था उनका से बोल्यो कि “मी तुम से सच्ची बोलुस हइ खे कि मेने इस्राएल मे भी असो विश्वास नी पायो.”

11 अरु मी तुम से बोलुस हइ, कि भोट सारा पूर्व अरु पश्चिम से अयखे अब्राहम अरु इसहाक अरु याकूब का साथ स्वर्ग का राज्य मे बठ.

12 पन राज को वारीस बाहेर अंधारा मे डाली दिया जाये व्हा रोनो अरु दात खे कटरनो हुये.

13 अरु यीशु ने सेनापति से बोल्यो, “जा जसो तरो विश्वास हइ, असो ही तरा लिये हुये.”

अरु ओको सेवक उ टेम अच्छो हइ गयो.

~~~~~

(~~~~~ 1:29-34; ~~~~~ 4:38-41)

14 अरु यीशु ने पतरस का घर मे अयखे ओकी सासु खे तेज बुखार मे पडी देखी.

15 ओने ओको हात पड्यो अरु ओको बुखार उतरी गयो. अरु वा उठी खे ओकी सेवा करण लग्यी.

16 जब संज्जा हइ तब वे ओका पास भोट से दुन्याहोन खे लायो जोमे बुरी आत्मा थी अरु ओने वा आत्माहोन खे अपना वचन से नीकाली दियो, अरु सब बेमारहोन खे अच्छो कय्यो.

17 ताकी जो वचन यशायाह भविष्यव्यक्ता का वजेसे बोल्यो गयो थो उ पुरो हुये “ओने खुद हमारी दुर्बलताहोन खे ली लियो अरु हमारी बेमारहोन खे उठय लियो.”

[[[22 22 22 22 22]]]
 (2222 9:57-62)

18 यीशु ने अपना चारी तरफ एक बडी गर्दी देखी खे नद्दी का वा पार जान की आज्ञा दी.

19 अरु एक पंडीत ने ओका पास अयखे ओकासे बोल्यो, “हे गुरु, तु जहा कही तू जाये वहा मी तरा पीछे-पीछे हुइ लियो.”

20 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “लाडग्याहोन को घर अरु बदल की पक्षिहोन को बसेरो होस हइ. पन इन्सान का बेटा का लिये माथो धरन की भी जगा नी हइ.”

21 एक अरु सेवक ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, मेखे पैयले जान दे, की अपना बाप खे गाडी दियो.”

22 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तु मरा पीछे हुइ ले. अरु मुर्दा खे अपना मुर्दाहोन खे गाडन दे.”

[[[22 22 22 22 22]]]
 (2222 4:35-41; 2222 8:22-25)

23 जब उ डोंगा पर चेढ्यो, ते ओका सेवक ओका पीछे हुइ लिया.

24 “अरु नदी मे एक असो बडो तुफान उठ्यो की डोंगा पानी की लहर से दुबन लगी. अरु उ सोय रो थो.

25 तब उनने ओका पास अयखे ओखे जगायो, अरु बोल्यो, हे प्रभु, हमखे बचा, हम खतम हुय रास हइ.”

26 ओने उनका से बोल्यो, “हे अल्पविश्वासिहोन, क्यु डरस हइ?” तब ओने उठीखे हवा अरु पानी खे धमकायो, अरु सब शान्त हुइ गयो.

27 अरु दुनिया खे अचम्बो करीखे बोलन लग्यो, “यो कसो इन्सान हइ, कि हवा अरु पानी भी ओकि आज्ञा मानस हइ.”

[[[22 22 22 22 22]]]
 (2222 5:1-20; 2222 8:26-39)

28 जब उ वा पार गदरेनीयो का देश मे पोच्यो, ते दो इन्सान जोमे बुरी आत्मा थी कब्र से नीकलते हुये ओखे मीली, जो येतना बलवान था कि कोय वा रस्ता से जय नी सकस हइ.

29 अरु, उनने चिल्लय खे बोल्यो, “हे परमेश्वर का बेटा, हमारो तरा से काम का तु टेम से पैयले हमखे दुख देन ह्या आयो हइ.”

30 उनसे कुछ दुर भोत सा डुक्कर को एक झुड चरी रो थो.

31 बुरी आत्माहोन ने ओकासे बोलीखे प्रार्थना करी, “अगर तु हमखे नीकलस हइ अरु डुक्कर का झुण्ड मे भेजी देस”

32 ओने उनका से बोल्यो, “जा!” अरु उ नीकली खे डुक्कर मे घुसी गया अरु पुरो झुण्ड धुरा पर से झपटिखे पानी मे जय पड्यो अरु डुबी खे मन्यो.

33 अरु चरानआला भागीगा, अरु गाव मे जयखे या सब बात अरु जोमे बुरी आत्मा थी. उनको पुरो हाल सुनायो.

34 अरु सब गाव का दुन्या यीशु से मीलन खे नीकली आया अरु ओखे देखीखे प्रार्थना करी की हमारो देश से बाहेर नीकली जा.

9

[[[22 22 22 22 22]]]
 (2222 2:1-12; 2222 5:17-26)

1 फिर यीशु डोंगा पर चेडी खे वा पार गयो, अरु अपना गाव मे आयो.

2 अरु देख, कोइ दुन्या एक लकवा को मान्यो हुया खे खटीया पर रखी खे ओका पास लायो. यीशु ने ओको विश्वास देखी खे, उ लकवे को मान्यो हुयो से बोल्यो, “हे बेटा, हिम्मत रख. तरो पाप माफ हुये गया.”

3 अरु कोय पंडीतहोन आपस मे बोलन लग्या, “यो तो परमेश्वर की नीन्दा करस हइ.”

4 यीशु ने उनका मन कि बात जानीखे बोल्यो, “तुम दुन्या अपना-अपना मन मे बुरो विचार करी रास हइ?

5 सिधो का हइ? यो बोलनो, ‘तरा पाप माफ हुया’ या यो बोलनो, ‘उट अरु चल फिर.’

6 पन तुम यो जानी ले की इन्सान का बेटा खे पृथ्वी पर पाप माफ करण को अधिकार हइ.” येका लिये ओने लखवा को मान्यो हुयो से बोल्यो, “उट, अपनी खटीया उठा, अरु अपना घर जय जा.”

7 उ उठीखे अपना घर चली गयो.

8 दुन्या यो देखीखे डरी गया अरु परमेश्वर कि महिमा करण लग्या जेने इन्सानहोन खे असो अधिकार दियो हइ.

~~~~~

(मत्ती 2:13-17; लुका 5:27-32)

9 वा से आगे बडीखे यीशु ने मत्ती नाम को एक इन्सान खे चुंगी की चौकी पर बठ्यो देख्यो, अरु ओकासे बोल्यो, “मरा पीछे हइ लियो.”

उ उठीखे ओका पीछे हइ लियो.

10 अरु जब उ मत्ती का घर मे खानो खान का लिये बठ्यो ते भोत जन चुंगी लेन आला अरु पापी अयखे यीशु अरु ओका सेवक का साथ खान बठ्या.

11 यो देखीखे फरीसीहोन ने ओका सेवक से बोल्यो, “तुम्हारो गुरु चुंगी लेनवाला अरु पापीहोन का साथ का खास हइ?”

12 यो सुनीखे यीशु ने ओकासे बोल्यो, “डाक्टर अच्छा भला खे नी पन बेमारहोन का लिये आकुल्यक हइ.

13 येका लिये तुम जयखे येको अर्थ सीखी ले, कि मी जनवर को बलिदान नी पन दया चाउस हइ. क्योकी मी धर्मीहोन खे नी पन पापीहोन खे बुलान आयो हइ.”

~~~~~

(मत्ती 2:18-22; लुका 5:33-39)

14 तब यहून्ना को सेवक ने ओका पास अयखे बोल्यो, “का कारण हइ कि हम अरु फरीसी येतना उपास करस हइ, पर तरा सेवक उपास नी करस?”

15 यीशु ने ओकासे बोल्यो “बरात जब तक दुलो उनका साथ हइ, दुख करी सकस हइ? पर वे दिन आस कि दुलो उनसे अलग, कन्यो जास, उ टेम वे उपास कहे.

16 “नवा कपडा को थंगडो पुराना कपडा पर कोइ नी लगास, क्युकी उ जोड्यो कपडा से अरु कुछ खीची लेस हइ, अरु उ जादा फटी जास हइ.

17 अरु दुन्या नवो अंगूर को रस पुराना चामडा का झोरा मे नी भरस हइ. क्युकी असो करणा से चामडा को झोरो फुटी जास हइ, अरु अंगूर को रस बोह्य जास हइ, अरु चामडा को झोरो खतम हुइ जास हइ, पन नवो अंगूर को रस नवा चामडा का झोरा मे भरस हइ, अरु उ दो बच्यो न्हेस हइ.”

~~~~~

(मत्ती 5:21-43; लुका 8:40-56)

18 उ ओकासे या बात बोली ही रो थो, कि देख, एक मुखियो ने अयखे ओखे प्रणाम कन्यो अरु बोल्यो, “मरी बेटी अभी मरी हइ. पन चडीखे अपनो हात ओका पर रख, ते वा जिन्दी हुइ जाये.”

19 यीशु उठीखे अपना सेवक का सात ओका पीछे हइ लिया.

20 अरु देख, एक बय ने जेखे बारा साल से खुन बोहायो थो ओका पीछे से अयखे ओका कपडा को कोना खे पकडी लियो.

21 क्युकी उ अपना मन मे बोलतो थो, “अगर मी ओका कपडा खे पकडी लिह्यु ते अच्छी हुइ जायु.”

22 यीशु ने पलटी खे ओखे देख्यो अरु बोल्यो, “बेटी हिम्मत रख. तरा विश्वास ने तोखे अच्छो कन्यो हइ.” फिर वा बय उ टेम मे अच्छी हुइ गइ.

23 जब यीशु उ मुखिया का घर मे पोच्यो अरु बासरी बजानवाला अरु गर्दी मे हल्लो मचाते देख्यो,

24 तब यीशु ने बोल्यो, “हटी जा, पोरय मरी नी, पर सोय हइ.” येका पर वे ओकी हसी करण लग्या.

25 पन जब गर्दी नीकाली दी गइ, ते ओने अंदर जयखे पोरय को हात पकडीखे उठायो, अरु वा खडी हुइ गइ.

26 अरु या बात की चर्चा पुरा देस मे फैली गय.

~~~~~

27 जब यीशु व्हा से आगे बढ़्यो, ते दो अंधा ओका पीछे यो बुलाते हुइ चल्थो, “हे दाउद को बेटा, हम पर दया कर.”

28 जब उ घर मे पोच्यो, ते वे अंधा ओका पास आया, अरु यीशु ने ओकासे बोल्यो “तुमखे विश्वास हइ, की मी तुमखे अच्छो करी सकुस हइ?”

ओने ओकासे बोल्यो, “हव प्रभु.”

29 तब यीशु ने ओकी आख पकडिखे बोल्यो, “तुम्हारो विश्वास का जसो तुम्हारो लिये हुइ.”

30 अरु ओका आख खुली गया अरु यीशु ने उनखे आदेस का साथ हुशार कन्यो अरु बोल्यो, “हुशार, कोय या बात खे नी जानस.”

31 पर ओने नीकली खे सब देस मे ओको समाचार फैल्य दियो.

~~~~~

32 जब वे बाहर जय रा थो, तब दुन्या एक गूगा खे जोमे बुरी आत्मा थी ओका पास लायो.

33 अरु जब बुरी आत्माहोन नीकाली दी गय, ते गूगो बोलन लग्यो. अरु गर्दी ने अचम्बो करीखे बोल्यो, “इस्राएल मे असो कभी नी देख्यो गयो.”

34 पन फरीसीहोन ने बोल्यो, “यो तो बुरी आत्माहोन का मुखिया की सहायता से बुरी आत्माहोन खे नीकालस हइ.”

~~~~~

35 अरु यीशु सब नगर अरु गाव मे फिरस ज्हेस अरु ओका आराधनालय मे उपदेस करस, अरु राज्य को सुसमाचार प्रचार करस, अरु हर प्रकार की बेमारी अरु दुर्बलता खे अच्छो करतो थो.

36 जब ओने गर्दी खे देख्यो ते ओखे दुन्या पर दया अय, क्युकी वे उ मेडा का जसो जेको कोय टाट्यो नी हइ, व्याकुल अरु भटक्या हुया खे जसो थो.

37 तब यीशु ने अपना सेवक से बोल्यो, “पीक तो भोत हइ पर मजुर जरासा हइ.

38 येका लिये खेत का स्वामी से प्रार्थना कर कि उ अपना खेत मे काम करण का लिये मजुर भेजी दे.”

10

~~~~~

(~~~~~ 3:13-19; ~~~~~ 6:12-16)

1 फिर ओने अपना बारा सेवक खे पास बुलय खे, ओने बुरी आत्माहोन पर अधिकार दियो, की उनखे नीकाल अरु सब प्रकार की बेमारीहोन अरु सब प्रकार की दुर्बलताहोन खे दुर कर.

2 ये बारा प्रेरितहोन को नाम यो हइ पयलो शमीन, जो पतरस बोलस हइ, अरु ओको भैइ अन्द्रियास. जब्दी को बेटो याकूब, अरु ओको भैइ यहूना.

3 फिलिप्पुस अरु बरतुलमै, थोमा, अरु चुंगी लेनआलो मत्ती, हलफइस को बेटो याकूब अरु तदै.

4 शमौन कनानी, अरु यहूदा इस्करियोती, जेने ओखे पकडायो.

~~~~~  
(~~~~~ 6:7-13; ~~~~~ 9:1-6)

5 ये बाराहोन खे यीशु ने यो आदेस दिखे भेज्यो, “गैरयहूदीहोन का तरफ नी जानु, अरु सामरीहोन का कोय नगर मे प्रवेश नी करणु.

6 पन इस्राएल का घरानो की ही गम्या हुया मेडा का पास जानु.”

7 अरु चलते-चलते प्रचार करीखे बोल्यो की स्वर्ग को राज्य बाहेर अय गो हइ.

8 बेमार होन खे अच्छो कर मर्या हुया खे जिन्दो कर, कोदी रोगी खे अच्छो कर, बुरी आत्माहोन खे नीकाल. तुम ने फुकट-मुकट पायो हइ, फुकट-मुकट दे.

9 अपना खीसा मे नी सोन्नो, अरु नी चादी, अरु नी तांबा का पैसा रखनु.

10 रस्ता का लिये नी थैली रखनु, नी कुर्ता को दुसरो जोड, नी जुता अरु नी लकडी ले, क्युकी मजुर खे ओको अधिकार मीलनो चाह्ये.

11 जो कोय नगर या गाव मे जाये ते पतो लगा की व्हा कोन अच्छो हइ? अरु जब तक व्हा से नी नीकले, ओका घर मे न्हेनु.

12 अरु घर मे घुसता टेम मे ओखे आशिश देनु.

13 अगर वे घर का दुन्या अच्छा हुये ते तुम्हारी शांती उन पर पोचे पन अगर वे अच्छा नी हुये ते तुम्हारी शांती तुम्हारास पास वापस आह्ये.

14 अरु जो कोय तुमखे अपनानो नी कन्हे, अरु तुम्हारी बात नी सुने, उ घर या नगर से नीकलते हुये अपना पाय को धुलो झाडि डाले.

15 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, की न्याय का दिन उ नगर की दशा से सदोम अरु गमोरा का नगर की दशा जादा सहन्यो योग्य हुये.

~~~~~  
(~~~~~ 13:9-13; ~~~~~ 21:12-17)

16 “देख, मी तुमखे लाडगा का जसो मेढाहोन का बीच मे भेजुस हइ येकालिये साप का जसो चेतावनी अरु कबूतर का जसो भोलो न्हे.

17 पन दुन्याहोन से बच्चा न्हे, क्युकी वे तुमखे आराधनालयहोन मे दिये, अरु अपना पंचायत मे तुमखे कोडा मारे.”

18 तुम मरा लिये अधिकारीहोन अरु राजाहोन का सामने उन पर, अरु गैरयहूदीहोन पर गवाह होन का लिये पोचायो जाये.

19 जब वे तुमखे पकडे ते या चिन्ता नी करणु, कि हम कोय रीति से का बोले. क्युकी जो कुछ तुम खे बोलनो हुये, उ टेम तुमखे बतायो दियो जाये.

20 क्युकी बोलनवाला तुम नी हुये पन तुम्हारा बाप की आत्मा तुम्हारा वजेसे बोलस हइ.

21 “भैइ अपना भैइ खे अरु बाप अपना बेटा खे, मरन का लिये सोपी दिये, अरु बच्चा अपना माय-बाप का खिलाब मे उठीखे उनखे मारी डाले.\*

22 मरा नाम का कारण सब दुन्या तुम से दुजाभाव कन्हे, पर जो अन्नत तक धीरज धरे ओको उध्दार हुये.”

23 जब वे तुमखे एक नगर मे सताये, ते दुसरा खे भागी जानु. मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, इन्सान को बेटो आना तक तुम इस्राएल का सब नगर मे काम खतम नी करी सखे

24 “सेवक अपना गुरु से बडो नी होस. अरु नी सेवक अपना स्वामी से.

25 सेवक को गुरु का, अरु सेवक को स्वामी का, बरोबर होना मे भोत हइ. जब ओने घर का स्वामी खे सैतान बोल्यो ते ओका घरआला खे कुछ नी बोले.”

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥ 12:2-7)

26 “येकालिये इन्सान से मत डरनु क्योकी कुछ झाख्यो नी, जो खोल्यो नी जास. अरु नी कुछ छिप्यो हइ, जो जान्यो नी जास.

27 जो मी तुम से अंधारा मे बोलुस हइ, ओखे उजाला मे बोल. अरु जो कानहोन से कान सुनस हइ, छपर पर से प्रचार कर.

28 जो आंग खे मारी सकस हइ, पर आत्मा खे अरु मन खे मारी नी सकस, ओकासे मत डरनु. पर परमेश्वर से डर, जो आत्मा अरु आंग दोग खे नरक मे नास करी सकस हइ.

29 का पैसा मे दो चिडी नी बिकस? फिर भी तुम्हारे बाप की इच्छा का बिना ओमे से एक भी जमीन पर नी गिरी सकस.

30 तुम्हारा माथा का बाल भी सब गिन्या हुया हइ.\*

31 येकालिये डरनु नी. तुम बहोत से चिडीहोन से महत्वपूर्ण हइ

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 12:8; 9)

32 “जो कोय इन्सान का सामने मेखे मानी लिये, ओखे मी भी अपना स्वर्गीय बाप का सामने मानी लियु.

33 पर जो कोय इन्सानहोन का सामने मेखे इन्कार कहे ओखे मी भी अपना स्वर्गीय बाप का सामने इन्कार कन्यु.

॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 12:51-53; 14:26,27)

34 “यो नी समझनु, की मी पृथ्वी पर मीलनो झुलनो करण खे आयो हइ, मी मीलनो झुलनो करण खे नी, पर तलवार चलान आयो हइ.

35 मी तो आयो हइ, कि बेटा खे ओका बाप से, अरु बेटी खे ओकी माय से, अरु बहू खे ओकी सासु से अलग करी दुयु.”

36 इन्सान का दुसमन ओका घर का ही दुन्या हुये.

37 जो माय या बाप खे मरासे जादा प्रेम करस हइ, उ मरो अच्छो नी अरु जो बेटो या बेटी खे मरा से जादा प्रिय जानस हइ, उ मरो अच्छो नी.

38 अरु जो अपनो कुस लिखे मरा पीछी नी चले उ मरा योग्य नी.

39 जो अपनो जान बचास हइ, उ ओखे गमास. अरु जो मरा कारण अपनो जान गमास उ ओखे पास.

॥॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥॥ 9:41)

40 जो तुमखे स्वीकार करस हइ, उ मेखे ग्रहन करस हइ. अरु जो मेखे ग्रहन करस हइ, उ मरा भेजनवाला खे स्वीकार करस हइ.

41 जो कोय भविष्यवक्ता खे भविष्यवक्ता जानीखे स्वीकार कर, उ भविष्यवक्ता को इनाम मील्हे कहे. अरु जो धर्मी जानीखे धर्मी खे स्वीकार करस, उ धर्मी खे बदलो पास.

42 “जो कोय इन छोटा मे से एक खे सेवक जानीखे फक्त एक कटोरो थण्डो पानी पीये, मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, उ अपनो इनाम कभी नी पाये.”

## 11

॥॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

1 जब यीशु अपना बारा सेवक खे शिक्षा दी रो थो, ते उ उनका गावहोन मे उपदेस अरु सुसमाचार करण खे व्हा से चली गयो.

2 यहून्ना ने बन्दिधर मे मसीह का काम को सुसमाचार सुनीखे अपना सेवक खे ओका पास भेज्यो.

3 “आनवालो तु ही हइ, या हम दुसरा कि रस्ता देखे?”

4 यीशु ने उत्तर दियो, “जो कुछ तुम सुनस हइ अरु देखस हइ, उ सब जयखे यहून्ना से बतय दे.

5 की अंधो देखस हइ अरु लंगडो चलस फिरस हइ, कोढी अच्छा करी जास हइ अरु बाहेर सुनस हइ, मुर्दा होन जिन्यो होस, अरु गरीब होन खे सुसमाचार सुनायो जास हइ.

6 अरु अच्छो हइ उ, जो मरा कारन ठोकर नी खाये.”

7 जब वे व्हा से चली गया, ते यीशु यहून्ना को बारे मे दुन्याहोन सेबोलन लगयो, “तुम जंगल मे मेखे देखन गया था? हवा से हालते हुये सरकण्डा खे?

8 फिर तुम, देखन गया था? जो अच्छा कपडा पेन्या हुया, या राजभवन मे ज्हेस हइ.

9 ते फिर क्यु गया था? कोय भविष्यव्दक्ता खे तुम देखन गया था? हव, मी तुम से बोलुस हइ, जब भविष्यव्दक्ता से भी बडि हइ.

10 यो उ हइ जेका विषय मे लिख्यो हइ की तुम देख, मी अपना स्वर्गदूत खे तरा आगे भेजुस हइ जो तरा आगे तरी रस्ता खे तैयार करस.

11 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, की जो बयहोन से जन्मो हइ, ओमे से यहून्ना बपतिस्मा देनआला से कोय बडो नी हुयो. पर जो स्वर्ग का राज्य मे ज्हेस वे छोटो से छोटो हइ उ ओकासे बडो हइ.

12 यहून्ना बपतिस्मा देनआला का दिनहोन से अभी तक स्वर्ग का राज्य मे बलपूर्वक अय रोस हइ, अरु बलवान ओखे छुडय रोस हइ.

13 यहून्ना तक सब भविष्यव्दक्ता अरु मूसा की व्यवस्था भविष्यवाणी करस ज्हेस.

14 अरु चाहा ते मानीले, एलिय्याह जो आनवालो थो उ यो हइ.

15 जेका कान हइ उ सुनी ले.

16 “मी या टेम मे ये दुन्याहोन की तुलना को का से कर? वे बच्चान का जसा हइ, जो बजार मे बठया हुया एक दुसरा से बुलयखे खे बोलस हइ.

17 हमने तुम्हारा लिये बासरी बजय, अरु तुम नी नाचे. हमने दुख कय्यो, अरु तुम ने अपनी छाती नी पिटि.

18 क्युकी यहून्ना नी खाते आयो अरु नी पीते आयो, अरु वे दुन्या बोलस हइ की ओमे बुरीआत्मा हइ.

19 इन्सान को बेटो खातो-पीतो आयो, अरु दुन्याहोन बोलस हइ की देख, यो पेट्र अरु पियक्कड इन्सान हइ उ चुंगी लेनवालो अरु पापीहोन को दोस्त! पर परमेश्वर को ज्ञान अपना कामहोन मे से सच्चो ठहरो गयो हइ.”

~~~~~

20 तब वे उ गाव मे दोष देन लग्या, जेने ओने भोत अच्छा सामर्थ्य काम कन्या था. क्युकी ओने अपनो मन नी फिरायो थो.

21 “हाय, खुराजीन! हाय. बैतसैदा! जो सामर्थ काम तुम मे कय्यो गयो, अगर वे सूर अरु सैदा मे कय्यो जास, ते ठाटी होडीखे खे राख मे बठी, खे वे अपना पाप से मन फिरास हइ*.”

22 पन मी तुम से बोलुस हइ. कि न्याय का दिन मे तुम्हारी दशा से सूर अरु सैदा की दशा अधिक सहन योग्य हुये.

23 अरु हे कफरनहूम, तु स्वर्ग तक उपर कय्यो जास? तु तो दुन्याहोन तक नीचे जाये. जो सामर्थ काम तरा मे कय्ये गयो हइ, अगर सदोम मे कय्यो जास, ते उ आज तक बन्यो ज्हेस.

24 पर मी तरा से बोलुस हइ, कि न्याय का दिन तरा देस से सदोम कि दशा अधिक सहन योग्य हुये.”

~~~~~

\* 11:21 दुख उठानो अरु रख मे बठीखे, वे अपना पाप से मन फिरावो हइ.

25 उ टेम यीशु ने बोल्यो, “हे बाप, स्वर्ग अरु पृथ्वी का प्रभु, मी तरो धन्यवाद करुस हइ, की तोने या बात खे ज्ञानीहोन अरु पढ्या लिख्या दुन्या से लुकय खे रखी, अरु बच्चाहोन पर प्रगट कन्यो हइ.

26 हव, हे बाप, क्युकी तोखे यो अच्छो लग्यो.”

27 “मरा बाप ने मेखे सब कुछ सोपी दियो हइ, अरु कोय बेटा खे नी जानस, फक्त बाप. अरु कोय बाप खे नी जानस, फक्त बेटो अरु उ जेको बेटा खे ओका पर प्रगट करणू चास.

28 “हे सब मेहनत करणवालो अरु बोज से दब्या हुया दुन्याहोन, मरा पास आ. मी तुमखे आराम दियु.

29 मरो जुवाडो अपना उपर उठच ले. अरु मरासे सीख. क्युकी मी दीन अरु मन से नम्र हइ; अरु तुम अपना मन मे आराम पाये.

30 क्युकी मरो जुवाडो सीदो हुयगो अरु मरो बोजो हलको हुयगो.”

## 12

~~मत्ती 12:1-11~~

1 उ टेम यीशु आराम का दिन खत मे से हुइ खे जय रा था, अरु ओका सेवक होन खे भुख लगी थी, अरु वे बाले तोडी-तोडी खे खान लग्या.

2 फरीसीहोन ने यो देखीखे ओकासे बोल्यो की, “देख, तरा सेवक यो काम अच्छो नी कर रास हइ, जो आराम को दिन करणो अच्छो नी हइ.”

3 ओखे बोल्यो “का तुम ने नी पढ्यो, कि दाउद ने जब उ अरु ओका साथी भूखा हुये ते का कन्यो?

4 उ कसो परमेश्वर का घर मे गयो अरु दान की रोटि खुद जेखे खइ नी ते उ अरु नी ओका साथीहोन का पर फक्त याजकहोन खे अच्छो थो?

5 यो का तुम ने मूसा की व्यवस्था मे नी पढ्यो की याजक आराम का दिन मन्दिर मे आराम का दिन कि विधी खे तोडीखे पर भी नीर्दोश ठहरस हइ?

6 पर मी तुम से बोलुस हइ कि यो उ हइ, जो मन्दिर से भी महान हइ.

7 अगर तुम येको अर्थ जानस की मी दया से सतुष्ट होस हइ, बलिदान से नी, ते तुम नीर्दोश खे दोषी नी ठहरानु.

8 इन्सान को बेटो तो आराम\* का दिन को भी प्रभु हइ.”

~~मत्ती 12:12-17~~

9 व्हा से चलीखे यीशु यहूदीया का आराधनालय मे आयो.

10 व्हा एक इन्सान जो लकवा को थो, जेको हात सुखो हुयो थो. अरु फरीसीहोन ने ओका पर दोष लगान का लिये ओकासे पुछ्यो, “की तु आराम का दिन अच्छो करणु उचित हइ?”

11 ओने उनका से बोल्यो का “तुम मे असो कोन तो इन्सान हइ, जेको एक मेंडो हइ अरु उ आराम का दिन गड्डा मे गिरी जाये ते उ ओखे पकडीखे नी नीकाले?

12 अच्छो, इन्सान को एक मेंडो मे से कतनो बढी खे हइ! येका लिये आराम का दिन भलो करणु अच्छो हइ.”

13 तब ओने उ लखवा इन्सान से बोल्यो, “अपनो हात दे.” ओने हात बढायो अरु उ फिर अपना दुसरो हात का जसो अच्छो हुइ गयो.

14 तब फरीसी ने ओखे बाहेर जयखे ओका विरोध मे विचार करीखे ओखे कोय रिती से मारी डाले?

~~मत्ती 12:18-21~~

15 यो जानीखे यीशु व्हा से चली गयो. अरु भोत दुन्या ओका पीछे चली गया, अरु ओने सब खे बेमारी से अच्छो करी दियो.

16 अरु ओने आज्ञा दी, कि मेखे प्रगट मत करणु.

\* 12:8 यहूदीया, विशाम दिन

17 कि जो वचन यशायाह भविष्यवक्ता का वज्रसे बोल्यो गयो थो, उ पुरो हुये

18 “देख, यो मरो सेवक हइ, जेखे मेने चुन्यो हइ.

मरो लाडको जेकासे मरो मन सतुष्ट हइ

मी अपनी आत्मा ओका पर डाल्यु.

अरु उ गैरयहूदीहोन को न्याय को समाचार दियु.

19 उ नी झगडो कन्ह, अरु नी धुम मचाये.

अरु नी बजार मे कोय ओको शब्द जोर से सुनाये.

20 उ कुचल्यो हुयो सरकण्डे खे नी तोडे.

अरु धुवा देस हुये बत्ती नी बुझाये

जब तक न्याय को प्रबल नी कन्ह.

21 अरु गैरयहूदीहोन सब राष्ट्र ओका नाम पर आस रखस.”

~~~~~

(मत्ती 3:20-30; मत्ती 11:14-23)

22 तब दुन्या एक अन्धो-मुको इन्सान खे जोमे बुरीआत्मा थी, ओका पास ओखे लायो. अरु ओने ओखे अच्छो कन्यो. अरु उ मुको इन्सान बोलन अरु देखन लग्यो.

23 येका पर सब दुन्या चकीत हुइखे बोलन लग्या, “यो का दाउद को बेटो हइ?”

24 पन फरीसीहोन ने यो सुनीखे बोल्यो, “यो तो बुरीआत्माहोन को मुखियो सैतान का सहायता का बिन बुरीआत्माहोन खे नी नीकालस†.”

25 ओने उनका मन की बात जानीखे उनसे बोल्यो, “जो कोय राज्य मे अलग होस हइ, उ उजडी जास हइ अरु कोय गाव या घराना मे जोमे अलग होस हइ, बन्यो नी न्हैस.”

26 अरु अगर सैतान खे निकाल्ये, ते उ अपनो ही दुश्मन हुये गयो हुये. फिर ओको राज्य कसो बन्यो न्हैस?

27 अच्छो अगर मी सैतान की सहायता से ओमे बुरीआत्मा खे नीकलुस हइ, ते तुम्हारो कुल कोय की सहायता से नीकालस हइ? येका लिये वे ही तुम्हारो न्याय करस हइ.

28 पन अगर मी परमेश्वर कि आत्मा कि सहायता से बुरीआत्मा खे नीकालुस हइ, ते परमेश्वर को राज्य तुम्हारा पास ए पोच्यो हइ.

29 या कसो कोय इन्सान कोय बलवन्त का घर मे घुसीखे ओका पुरा घर को माल लुटी सकस हइ जब तक कि पैयले उ बलवन्त इन्सान खे बांधी नी ले? अरु तब तक उ ओका घर मे घुसीखे माल चोरी नी सकस.

30 जो इन्सान मरा सात नी, उ मरो विरोध मे हइ. अरु जो इन्सान मरा साथ जमा नी करस, उ फैली जास हइ.

31 येका लिये मी तुम से बोलुस हइ, की इन्सान का सब प्रकार को पाप अरु ओकी नीन्दा माफी करी जास, पर पवित्र आत्मा की नीन्दा करस हइ ओखे माफी नी कन्यो जास

32 जो कोय यो इन्सान को बेटा का विरोध मे कोय बात बोले, ओको यो बुरो माफी कन्यो जाये पन जो कोय या पवित्र आत्मा का विरोध मे कुछ बोले नी ते यो दुन्या मे या परलोक मे माफी कन्यो जाये.

~~~~~

(मत्ती 6:43-45)

33 अगर झाड खे अच्छो बोलस, ते ओका फल खे भी अच्छो बोल, ते झाड खे नीकम्मो बोले, ते ओका फल खे भी नीकम्मो बोल. क्युकी झाड अपना फल से ही पहचानो जास हइ.

34 हे साप का बच्चा होन, तुम बुरो हुइखे कसी अच्छी बात बोली सकस हइ? क्युकी जो मन मे भन्यो हइ, उ मुडा पर आस हइ.

† 12:24 बुरीआत्मा मुखियो हइ बालजबूल

35 अच्छो इन्सान मन का भला खेत से भली बात नीकलस हइ; अरु बुरो इन्सान का मन मे बुरा भण्डार से बुरी बात नीकलस हइ.

36 “अरु मी तुम से बोलस हइ, कि जो-जो इन्सान नीकम्मी बात बोलस, न्याय का दिन हर एक बात की लेखी दिये.

37 क्युकी तू अपनी बातकरण नीर्दोष अरु अपनी बातकरण दोषी ठहरायो जास.”

~~~~~

(~~~~~8:11-12; ~~~~~11:29-32)

38 येका पर कुछ शास्त्रहोन अरु फरीसीहोन ने ओकासे बोल्यो, “हे गुरु, हम तरा से एक बडो चिन्ह देखनो चास हइ.”

39 ओने उनखे उत्तर दियो, “येका जमाना खे बुरो अरु व्यभिचार दुन्या बडो चिन्ह दुढस हइ. पन योना भविष्यवक्ता का चिन्ह खे छोडी कोय अरु चिन्ह उनखे नी दियो जास.”

40 योना तीन रात-दीन बडी मच्छी का पेट मे न्हियो, असो इन्सान को बेटो तीन रात-दिन पृथ्वी का अंदर न्हेस.

41 नीनवे का दुन्या न्याय का दिन यो जमाना का दुन्या का साथ उठीखे उनखे दोषी ठहरास, क्युकी ओने योना को प्रचार सुनीखे, मन फिरावो अरु यो उ हइ जो योना से भी बडो हइ.

42 दक्षिन की रानी न्याय को दिन येका जमाना का दुन्या का साथ उठीखे उनखे दोषी ठहरास, क्युकी उ सुलैमान को ज्ञान सुनन का लिये पृथ्वी का छोर से अयखे, अरु यो उ हइ जो सुलैमान से भी बडो हइ.

~~~~~

43 जब बुरी आत्मा इन्सान मे से नीकली जास हइ ते वा बुरी आत्मा सुखी जगा मे आराम दुढती फिरस हइ अरु नी मीले .

44 तब बोलस हइ, की मी अपना उ घर मे झा से मी नीकली थी, वापस जाह्य, अरु अयखे उ सुन्यो झाड बुहारा अरु सजा-सजायो पास हइ.

45 “तब उ जयखे अपना से अरु बुरी सात आत्माहोन खे अपना साथ ली आस हइ, अरु वे ओमे बठीखे व्हा वास करस हइ, अरु उ इन्सान की पिछे कि दशा पैयले से भी बुरी हुय जास हइ. येका जमाना का बुरा दुन्या की दशा भी असी ही हुये.”

~~~~~

46 जब उ गर्दी से बात करी ही रहो थो, ते ओकी माय अरु भैइ बाहेर खडा था, अरु ओकासे बात करणो चास हइ.

47 कोय ने ओकासे बोल्यो, “देख तरी माय अरु तरो भैइ बाहेर खडा हइ, अरु तरा से बात करणु चास हइ.”

48 यो सुनीखे ओने बोलनवाला खे उत्तर दियो, “कोन हइ मरी माय? अरु कोन हइ मरो भैइ?”

49 अरु अपना सेवकहोन का तरप हात बढय खे बोल्यो, “मरी माय अरु मरो भैइ ये हइ.

50 क्युकी जो कोय मरा स्वर्गीय बाप की इच्छा पर चलस, उ मरो भैइ, अरु भैइन, अरु मरी माय हइ.”

13

~~~~~

(~~~~~4:1-9; ~~~~~8:4-8)

1 उ दीन यीशु घर से नीकलीखे एक झील का किनारा पर जयखे बठयो.

2 अरु ओका पास असी बडि गर्दी जमा हुये की उ एक डोंगा पर चेडी खे बठी गो, अरु सब गर्दी किनारा पर ही खडि न्हि गय.

3 अरु यीशु ने उनसे दृष्टान्त मे भोत सारी बात बोली “अरु एक बोनआलो बीज बोन नीकलस.



4 बोन का टेम मे कुछ बीच रस्ता का किनारा पर गिरी जास अरु पक्षिहोन ने अयखे उनखे खय लियो.

5 कुछ बीचहोन पत्थर जमीन पर गिरी जास, झा उनखे भोट मट्टी नी मीले अरु नरम मट्टी का कारण बीजहोन जल्दी उगी जास.

6 पर बीज सुरज नीकलना पर वे जली गा, अरु जडी नी पकडना से सुखी गा

7 कुछ बीजहोन झाड़िहोन मे गिरी जास, अरु झाड़ि होन ने बढिखे उनखे दबय दियो.

8 पर कुछ बीजहोन अच्छी जमीन पर गिरस, अरु अच्छा फल लास, कोय सौ गुना, अरु कोय साठ गुना, अरु कोय तीस गुना.

9 “जोका कान हुये ते वे सूनी ले.”

?????????? ?? ?????????

(???? 4:10-12; ???? 8:9,10)

10 अरु सेवक होन ने ओका पास अयखे ओकासे बोल्यो, “तू उनका से दृष्टान्त मे का बात करस हइ?”

11 ओने उत्तर दियो, “तुम खे स्वर्ग का राज्य को भेद कि सजा दी गय हइ, पर उनखे नी.

12 क्योकी जोका पास भोट हइ, ओखे दियो जाये. अरु ओका पास भोट जादा हुय जाये. पर जो ईन्सान का पास कुच नी हइ, ओका से जो कुछ ओका पास हइ, उ भी ली लियो जाये.”

13 मी उनसे दृष्टान्तहोन मे येकालिये बात करस हइ, की वे देखता हुये नी देखस. अरु सुनता हुये नी सुने. अरु नी समझस.

14 अरु उनका बारे मे यशायाह कि या भविष्यवाणी पुरी होस हइ

तुम कानहोन से ते नी सुने, पर समझे नी

अरु आख से ते नी देखन को, पर तुमखे नी सुझे.

15 क्युकी ये दुन्याहोन को मन मे कठोर हुय गयो हइ,

अरु वे कान से उचो सुनस हइ

अरु ओने अपनी आख बन्द करी लीस हइ.

कही असो नी हुये कि

वे आख से देखस,

अरु कान से सुनस

अरु मन से समझस अरु फिरी जाये,

अरु मी उनखे अच्छो कयु.

16 “पर धन्य हइ तुम्हारी आख, की वे देखी सकस हइ. अरु तुम्हारा कान, की वे सुनी सकस हइ.

17 क्योकी मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि बहोत सा भविष्यवक्ता अरु धर्मीहोन ने चायो कि जो बात तुम देखस हइ, देख पर देख नी सकस, अरु जो बात तुम सुनस हइ, पर सुनी नी सकस.”

??? ?????? ??????????? ?? ?????????

(???? 4:13-20; ???? 8:11-15)

18 अब तुम बोनवाला को दृष्टान्त को अर्थ सुन.

19 जो कोय राज्य को वचन सुनीखे नी समझस, ओका मन मे जो कुछ बोयो गयो थो, ओखे उ दुष्ट अयखे छुडच ली जास हइ. यो उ हइ, जो रस्ता का किनारा पर बोयो गयो हइ.

20 अरु जो बीज पत्थर जमीन पर बोयो गयो हइ, यो उ हइ, जो वचन सुनीखे झल्दी आनन्द का साथ मानी लेस हइ.

21 पर अपना मे जडी नी रखन का कारण उ जरासा ही दिन को हइ, अरु जब वचन का कारण क्लेश या अंत्याचार होस हइ, ते झल्दी टोकर खास हइ.

22 जो झाड़िहोन मे बोयो गयो हइ यो उ हइ, जो वचन खे सुनी लेस हइ, पर या जगत की चिन्ता अरु धन खे धोखा वचन खे दबास हइ, अरु उ फल नी लास.

23 “जो अच्छो बीज जमीन पर बोयो गयो, यो उ हइ, जो वचन सुनीखे समझस हइ, अरु फल लास हइ कोय सौ गुना, अरु कोय साट गुना, अरु कोय तीस गुना .”

~~~~~

24 यीशु ने उनखे एक अरु दृष्टान्त दियो, “स्वर्ग को राज्य उ इन्सान का जसो हइ जेने अपना खेत मे अच्छो बीज बोयो हइ.

25 पर जब दुन्या सोय रा था ते ओका दुसमन आयखे गहु का जंगली बीज बोयी खे चली गया.

26 जब गहु को कोम नीकली अरु बाली लगी, ते जंगली दाना का झाड भी दिखय दियो.”

27 येका पर गृहस्थ का सेवक ने अय खे ओकासे बोल्यो, “हे स्वामी, का तोने अपना खेत मे अच्छो बीज नी बोयो थो? फिर जंगली का दाना का झाड ओमे खा से आयो?”

28 ओने ओकासे बोल्यो, “ह्या कोय दुसमन को कोय काम नी हइ. सेवक ने ओकासे बोल्यो, का तरी इच्छा हइ, की हम उनखे उखाडि खे फेकी दे?”

29 ओने बोल्यो, नी, असो नी हुये कि जंगली दाना का झाड जमा हुये तुम उनका साथ गहु भी उखाडी दी सकस ते.

30 “काटना तक दोय खे एक साथ बडन दे, अरु काटन का टेम मी काटन वाला से बोल्यु. पैयले जंगली दाना का झाड जमा करीखे जलान का लिये उनका गट्टा बांदी ले, अरु गहु खे मरा खेत मे जमा करी देस.”

~~~~~

(~~~~~ 4:30-32; ~~~~~ 13:18,19)

31 ओने उनसे एक अरु दृष्टान्त दियो, “अरु स्वर्ग को राज्य रइ को एक दाना का जसो हइ, जेने कोय इन्सान ने लीखे अपना खेत मे बोय दियो.

32 उ सब बीजहोन से छोटो ते हइ पर जब बडो होस हइ, तब सब बगीचो को रोप से बडो होस हइ. अरु असो झाड हुये जास हइ, की बहल की पक्षिहोन अयखे ओकी डग्यान पर अपनो घोसलो बनय खे जैन लग्या.”

~~~~~

(~~~~~ 13:20-21)

33 ओने अरु एक दृष्टान्त उनखे सुनायो, “अरु स्वर्ग को राज्य खमीर का जसो हइ जेखे कोय बय ने लीखे तीन पस आटा मे खमीर हुइ गयो.”

~~~~~

(~~~~~ 4:33,34)

34 ये सब बातहोन यीशु ने दृष्टानहोन मे दुन्या से बोली, अरु बिना दृष्टान्त उ उनसे कुछ नी बोल्यो थो.

35 की जो वचन भविष्यवक्ता का वजेसे बोल्यो गयो थो, उ पुरो हुये

“मी दृष्टान्त बोलन खे अपनो मुढो खोल्यु

मी वा सब बात खे जो जगत की उत्पत्ति से दबीखे ऱ्ही हइ प्रगट कयु.”

~~~~~

36 तब वे गद्दी खे छोडी खे अपना घर मे आया, अरु ओका सेवक होन ने ओका पास अयखे बोल्यो, “खेत का जंगली दाना को दृष्टान्त हमखे समझ्य दे.”

37 ओने उनखे उत्तर दियो, “अच्छो बीज खे बोनआलो इन्सान को बेटो हइ.

38 खेत जगत हइ, अरु अच्छो बीज राज्य को बेटो हइ, अरु जंगली बीज दुष्ट को बेटो हइ.

39 जो दुसमन ने ओखे बोयो उ सैतान हइ. काटना से जगत को अन्त: हइ अरु काटन वलो स्वर्गदूत हइ.

40 अत: जसो जंगली दाना खे जमाकरी जास अरु जलाया जास हइ असो हि जगत का अन्त: मे होस.

41 इन्सान को बेटो अपनो स्वर्गदूतहोन खे भेजस, अरु वे ओका राज्य मे से सब ठोकर का कारण खे अरु बुरो करणवाला खे जमा करस.”

42 अरु उनखे अंगार का कुव्वा मे डालस, व्हा रोनो अरु दात पिसानो हुये.

43 उ टेम परमेश्वर का धर्मी दुन्या अपना बाप का राज्य मे सुर्य का जसो चमकस. जेको कान हुये उ सुनी लेस.

~~~~~

44 स्वर्ग को राज्य खेत मे लुकायो हुयो धन का जसो हइ, जेखे कोय इन्सान ने लिखे लुकय दियो, अरु आनन्द का मारे जयखे अपनो सब कुछ बेचीखे उ खेत खे मोल ली लियो.

~~~~~

45 फिर स्वर्ग को राज्य एक धंदा आला का जसो हइ जो अच्छो मोतिहोन का खोज मे हइ.

46 जब ओखे एक बहुमूल्य मोती मील्यो ते ओने जयखे अपनो सब कुछ बेची डालयो अरु उ मोति खे मोल ली लियो.

~~~~~

47 फिर स्वर्ग को राज्य उ बडा जाल का जसो हइ, जो समुदर मे डाल्यो गयो, अरु हर प्रकार की मछलिहोन खे जमाकरी लायो.

48 अरु जब जाल भरी गइ, ते मच्छीहोन ओखे किनारा पर खीची खे लायो, अरु बैठिखे अच्छी-अच्छी बर्तन मे जमाकरी अरु बेकार-बेकार फेकी दि.

49 जगत को अन्तः मे असो ही हुये. स्वर्गदूत अयखे पापीहोन खे धर्मीहोन से अलग करी दिये,

50 अरु उनखे अंगार का कुव्वा मे डाली दिये. व्हा रोनो अरु दात पीसनो हुये.

~~~~~

51 “का तुम ये सब बात समझी गया?”

सेवक होन ने उत्तर दियो हव.

52 फिर यीशु ने उनखे बोल्यो, “येकालिये हर एक शास्त्रहोन जो स्वर्ग का राज्य का सेवक बन्या हइ, उ गृहस्थ का जसो हइ जो अपना भण्डार से नवो अरु पुरानो सामन नीकाली देस हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 6:1-6; ~~~~~ 4:16-30)

53 जब यीशु या सब बात को दृष्टान्त बोली चुक्यो, ते व्हा से चली गयो.

54 अरु अपना गाव मे अयखे उनका आराधनालय मे उनखे असो शिक्षा देन लग्यो. कि वे चकित हुइखे बोलन लग्या, “इनखे यो ज्ञान अरु बडो सामर्थ्य को काम खा से मील्यो?”

55 का यो बडो बेटो नी? अरु का येकी माय को नाम मरियम अरु येका भैइ को नाम याकूब, अरु यूसुफ, अरु शमौन अरु यहुदा नी?

56 अरु का इनखे सब भैइनहोन हमारा बीज मे नी ज्हेस? फिर इनखे यो सब खा से मालुन होस?”

57 येका प्रकार ओने ओका कारण ठोकर खइ हइ

पर यीशु ने उनसे बोल्यो, “भविय्यव्दक्ता अपना गाव अरु अपना घर खे छोडी खे अरु कोय नीरादर नी होस.”

58 अरु ओने व्हा उनका अविश्वास का कारण भोट सामर्थ्य को काम नी कन्हे.

## 14

~~~~~

(~~~~~ 6:14-29; ~~~~~ 9:7-9)

1 उ टेम गलील देस को हेरोदेस राजो थो यीशु का बारे मे चर्चा सुनी.

2 अरु अपना सेवकहोन से हेरोदेस बोल्यो, “यो यहून्ना बपतिस्मा देनवालो हइ उ मय्या हुया मे से जिन्दो उठ्यो हइ, येका लिये ओकासे सामर्थ को काम प्रगट होस हइ.”

3 क्युकी हेरोदेस ने अपना भैइ फिलिप्पुस की लुगेन हेरोदियास का कारण यहून्ना से पकडीखे बाध्यो, अरु जेल खाना मे डाली दियो थो.

4 क्युकी यहून्ना ने ओकासे बोल्यो थो, कि येका से भ्याव करणो अच्छो नी हइ.

5 अरु उ ओखे मार डालनो चातो थो, पर दुन्या से डरतो थो, क्युकी वे ओखे भविष्यव्दक्ता मानता था.

6 पर जब हेरोदेस का जन्मदिन आयो, ते हेरोदियोस कि बेटी ने उ तिवार मे नाच बतायो, अरु हेरोदेस से खुश कन्यो.

7 येका लिये ओने कसम खयखे वचन दियो, “जो कुछ तु मागे, ते मी तोखे दियु.”

8 उ अपनी माय से उकसाना से बोले, “जो यहून्ना बपतिस्मा देनआला को माथो टाटी मे उही मेखे मागी दे.”

9 राजो दुखी हुयो, पर अपनी कसम का अरु सात बठन आला का कारण, आज्ञा दी, की दी दियो जाये.

10 अरु ओने जेल मे दुन्याहोन से भेजीखे यहून्ना को माथो काटी दियो.

11 अरु ओको माथो टाटी मे लायो गयो, अरु ओकी बेटी से दियो गयो. अरु उ ओखे अपनी माय का पास लीखे गयो.

12 अरु ओका सेवक होन ने अयखे ओका मुर्दा से ली जयखे गाडी दियो अरु यीशु का सामने पुरो समाचार दियो.

####

(#### 6:30-44; #### 9:10-17; #### 6:1-14)

13 जब यीशु ने यहून्ना का बारे मे सुन्यो, ते डोंगा पर चेडीखे व्हा से कोय सुनसान जगह पर, अकेला मे चली गयो. अरु दुन्या यो सुनीखे गाव-गाव से पयदल ओका पीछे हुये लीयो.

14 ओने डोंगा से नीकलीखे एक बडी गर्दी देखी, अरु उन पर दया अयगी, अरु ओने उनका बेमारहोन से अच्छो कन्यो.

15 जब रात हुइ ते ओका सेवक होन ने ओका पास अयखे ओखे बोल्यो, “या तो सुनसान जगा हइ अरु देर हुये न्ही हइ, अरु दुन्याहोन से बिदा कन्यो जाये की वे बजार मे जयखे अपना लिये खानो मोल लायें.”

16 यीशु ने सेवक होन से बोल्यो, की उनको जानो जरूरी नी हइ! तुम ही जयखे उनका लिये खानो ला

17 ओने ओकासे बोल्यो, “की हमारा पास पाच रोटी अरु दो मंछी से छोडी से अरु कुछ नी हइ.”

18 यीशु ने बोल्यो, “उनखे मरा पास लिखे आ.”

19 तब ओने दुन्याहोन से घास पर बठन से बोल्यो, अरु वे पाच रोटीहोन अरु दो मंछीहोन से लीखे आ. अरु स्वर्ग का तरफ देखीखे धन्यवाद बोल्यो अरु रोटीहोन से तोडी-तोडीखे सेवक होन से दी, अरु सेवक होन ने दुन्याहोन से दी.

20 अरु सब खयखे मगम हुये गया, अरु ओने बचया हुया टुकडाहोन से भरी हुये बारा टोपली उठ्य.

21 अरु खानवाला बय अरु बच्चाहोन से छोडी से पाच हजार इन्सान का नजीकपास था.

####

(#### 6:45-52; #### 6:15-21)

22 अरु ओने जलदी अपना सेवक होन से डोंगा पर चडय दियो, कि वे ओकासे पैयले पार चली जाये जब तक कि उ दुन्याहोन से बिदा करी देस.

23 उ दुन्याहोन से बिदा करीखे, प्रार्थना करण से दुसरा टेकडा पर चडी गयो, अरु रात से उ व्हा अकेलो थो.

24 उ टेम डोंगो झील का बीज मे पानी की लहर से डगमगय रो थो, क्युकी सामने से हवा चालु थी.

25 अरु यीशु फजर का तीन से छे बजे का नजीकपास पानी पर चलतो हुये उनका पास आयो.

26 सेवक ओखे पानी पर चलते हुये देखीखे घबरय गा, अरु बोलन लग्या, “की उ भुत हइ,” अरु डर का मारे चिल्लान लग्या.

27 यीशु ने उनका साथ बात करीखे बोल्यो, “हिम्मत रख, मी आय. डरे मत.”

28 पतरस ने ओखे उत्तर दियो, “हे प्रभु, अगर तु ही हइ, ते मेखे अपना पास पानी पर चडीखे आन की आज्ञा दे.”

29 यीशु ने बोल्यो, “आ!” तब पतरस डोंगा पर से उतरीखे यीशु का पास जान खे पाणी पर चलन लग्यो.

30 पतरस तब हवा खे देखीखे डरन लग्यो, अरु जब डुवन लग्यो ते ओखे चिल्लय खे बोल्यो, “हे प्रभु, मेखे बचा.”

31 तब यीशु ने ओखे झल्दी हात बढ़य खे ओखे थामी लियो, अरु ओकासे बोल्यो, “हे अल्पविश्वासिहोन, तोने का सन्देस कय्यो?”

32 जब वे डोंगा पर चडी गयो, ते हवा रुखी गइ.

33 येका पर जो डोंगा पर था, ओने ओकी आराधना करीखे बोल्यो, “सचमुच, तू परमेश्वर को बेटो हइ.”

????? ?? ???? ???? ???? ???? ???? ????
(????? 6:53-56)

34 “वे छोटी नदी का पार उतरीखे जमीन पर गनेसरत देश मे पोच्या.

35 अरु व्हा, दुन्याहोन ने यीशु खे पहचानी खे ओका आस पास का सब देस मे बुलाओ भेज्यो, अरु सब बेमारहोन खे ओका पास लाया.

36 अरु ओकासे प्रार्थना करण लग्या कि उ उनखे अपना कपडा को एक कोना खे ही छिन दे. अरु जतना ने ओखे छुयो, वे अच्छा हुये गा.”

15

?????????? ?? ???? ?
(????? 7:1-13)

1 “तब यरुशलेम से कुछ फरीसीहोन अरु शास्त्रिहोन यीशु का पास अयखे बोलन लग्या,

2 तरा सेवक होन बापदादा की रितीरिवाज खे काय बर टालस हइ, कि बिना हात धोय रोटि खास हइ?”

3 ओने उनखे उत्तर दियो, “तुम भी अपना रितीरिवाज का कारण क्यु परमेश्वर कि आज्ञा खे टालस हइ?

4 क्युकी परमेश्वर ने बोल्यो, अपना बाप अरु माय को आदर करणो, अरु जो कोय बाप या माय खे बुरो अच्छो बोले ओखे मारी डाल्यो जाये.

5 पर तुम बोलस हइ, कि अगर अपना बाप या माय से बोलस, जो कुछ तोखे मरासे लाभ पोच्यो सकस हइ, उ परमेश्वर खे दान चेडय जय चुक्यो.

6 ते उ अपना बाप को आदर नी करस, येका प्रकार तुम ने अपना रितीरिवाज का कारण परमेश्वर का वचन खे टाली दियो.

7 हे कपटिहोन, यशायाह ने तुम्हारा बारे मे या भविष्यवाणी ठिक ही करी हइ!

8 “ये दुन्याहोन होठ से मरो आदर करस हइ,

पर उनको मन मरासे दुर न्हेस हइ.

9 अरु ये व्यर्थ मरी उपासना करस हइ,

उनकी शिक्षा तो फक्त इन्सानहोन ने सिखय हुइ नीयम हइ.”

?????? ???? ????
(????? 7:14-23)

10 अरु ओने दुन्याहोन खे अपना पास बुल्यखे उनसे बोल्यो, “सुन, अरु समझ.

32 यीशु ने अपना सेवक होन खे बुल्य खे बल्यो, “मेखे या गर्दी पर दया आस हइ. क्युकी वे तीन दिन से मरा साथ हइ अरु उनका पास कुछ भी खान खे नी हइ. अरु मी उनखे भुखो बिदा करणो नी चास. कही असो नी हुये की रस्ता मे थकीखे गिरी जाये.”

33 सेवकहोन ने ओकासे बोल्यो, “हमखे या जंगल मे खा से एत्ती रोटी मील्ये कि हम एत्ती बडि गर्दी खे संतुष्ट कर्या”

34 यीशु ने उनसे पुछ्यो, “तुमारा पास कतनी रोटी हइ?”

ओने बोल्यो, “सात अरु जरासी छोटी मंछी हइ.”

35 तब ओने दुन्याहोन खे जमीन पर बटन कि आज्ञा दी.

36 अरु ओने सात रोटीहोन अरु मंछीहोन खे लीखे धन्यवाद करीखे तोडि खे अरु अपना सेवक होन खे दियो गयो, अरु सेवक होन ने दुन्याहोन खे दी.

37 येका प्रकार सब खयखे संतुष्ट हुये गया अरु बच्चा हुया टुकडाहोन से भरी हुइ सात टोपलीहोन उठ्य.

38 अरु खानवाला बय अरु बच्चाहोन खे छोडी खे चार हजार इन्सान था.

39 तब उ गर्दीहोन खे बिदा करीखे डोंगा पर चेडी गयो, अरु उ मगदन देश मे आयो.

16

~~~~~ 8:11-13; 12:54-56

(~~~~~ 8:11-13; ~~~~~ 12:54-56)

1 अरु फरीसीहोन अरु सद्कीहोन ने ओका पास अयखे ओखे परखन का लिये ओकासे बोल्यो, “ताकी हमखे स्वर्ग को कोय चिन्ह दिख्यो.”

2 ओने उनखे उत्तर दियो, “संजा खे तुम बोलस हइ, कि मोसम अच्छो न्हीहे, क्युकी बदल लाल हइ.

3 अरु फजर खे तुम बोलस हइ, कि आज हवाधुन आह्यो क्युकी बदल लाल अरु झावरो हइ. तुम आकाश खे दुर लक्षण देखीखे टेमहोन को चिन्ह खे नी बतय सकस हइ?

4 या जमाना का बुरो अरु व्यभिचार दुन्या चिन्हा दुढस हइ पर योना खे चिन्ह खे छोड कोय अरु चिन्ह उनखे नी दिखय जाये.”

अरु उ उनखे छोडी खे चली गयो.

~~~~~ 8:14-21

(~~~~~ 8:14-21)

5 अरु सेवक होन नदी का वा बाजु जान का टेम रोटी लेनो भूली गया था.

6 यीशु ने उनका से बोल्यो, “देख, फरीसीहोन अरु सद्कीहोन का खमीर से हुशार न्हेनू.”

7 वे आपस मे बिचार करण लग्या, “हमने रोटी नी लैय. येकालिये उ असो बोलस हइ.”

8 यो जानीखे, यीशु ने उनका से बोल्यो, “हे अल्पविश्वासिहोन, तुम आपस मे का बिचार करस हइ की हमारा पास रोटी नी हइ?

9 का तुम अभी तक नी समझ्या? अरु उ टेम पाच हजार दुन्या खे पाच रोटी याद नी करस, अरु नी यो की खे तनी टोपली उठय थी?

10 अरु नी उ चार हजार दुन्याहोन की सात रोटी, अरु नी ह्या की खे तनी टोपलीहोन भरी खे उठय थी?

11 तुम का नी समझस कि मेने तुम से रोटी का बारे मे नी बोल्यो? पन फरीसीहोन अरु सद्कीहोन का खमीर से हुशार न्हेन खे बतायो थो.”

12 तब उनखे समझ मे आयो, की ओने रोटी का खमीर से नी, पर फरीसीहोन अरु सद्कीहोन कि शिक्षा से हुशार न्हेन का बारे मे बोल्यो थो.

~~~~~ 8:27-30; 9:18-21

(~~~~~ 8:27-30; ~~~~~ 9:18-21)

13 यीशु कैसरीया का फिलिप्पी का एक देस में अयखे अपना सेवक होन से पुछ्न लग्यो, “दुन्याहोन इन्सान का बेटा खे का बोलस हइ?”

14 उनने बोल्यो, कुछ तो यहून्ना बपतिस्मा देन आलो बोलस हइ अरु कुछ एलिय्याह, अरु कुछ यर्मियाह यो भविष्यवक्ताहोन में से कोय एक बोलस हइ.

15 ओने उनका से बोल्यो, “पन तुम मरा से का बोलस हइ?”

16 शमौन पतरस ने उत्तर दियो, “तु ही मसीह हइ जिन्दो परमेश्वर को बेटो हइ.”

17 यीशु ने ओखे उत्तर दियो, “हे शमौन, योना को बेटो, तु अच्छो हइ. क्युकी मास अरु खुन नी, पन मरो बाप जो स्वर्ग में हइ, या बात तरा पर प्रगट करी हइ.

18 अरु मी भी तरा से बोलुस हइ, कि तू पतरस हइ, अरु मी यो पत्थर पर अपनी मंडली बनाउ, अरु मरन को सामर्थ्य दुन्या का फाटक ओका पर विजय नी हुये.

19 मी तोखे स्वर्ग का राज्य कि कुंजी दियो अरु जो कुछ तू पृथ्वी पर बाधे, उ स्वर्ग में भी बाधे. अरु जो कुछ तू पृथ्वी पर खोले, उ स्वर्ग में भी खोले.”

20 तब ओने सेवक होन खे चेतावनी दी, “कोय से नी बोलनु! की मी मसीह हइ.”

~~~~~ 8:31—9:1; ~~~~~ 9:22-27

21 उ टेम से यीशु अपना सेवक होन खे बतान लग्यो, “मेखे जरुरती हइ, की मी यरुशलेम खे जाउ, अरु बापदादाहोन अरु याजकहोन अरु पंडीतहोन का हात से भोत दुख उठायु अरु मार्या डाली जायु अरु तीसरा दिन जिन्दो हुये जायु.”

22 येका पर पतरस ने ओखे अलग ली जयखे धमकान लग्यो, हे प्रभु, परमेश्वर नी करणु! तरा पर असो कभी नी हुये.

23 ओने फिरीखे पतरस से बोल्यो, “हे सैतान, मरा सामने से दुर हुय जा! तू मरा लिये ठेस को कारण हइ. क्युकी तू परमेश्वर की बात नी, पर इन्सानहोन की बात पर मन लगास हइ.”

~~~~~ 9:2-13; ~~~~~ 9:28-36

24 तब यीशु ने अपना सेवक होन से बोल्यो. “अगर कोय मरा पीछे आनो चाह्यो, ते अपना आप खे इन्कार कर अरु अपनो क्रुस उठा, अरु मरा पीछे हुये ले.

25 क्युकी जो कोय अपनो जान बचानो चाह्यो, उ ओखे गमाये. अरु जो कोय मरा लिये अपनो जान गमाये, उ ओखे पाये.

26 अगर इन्सान सब जगत खे मील्यो कन्ह ते, अरु अपना जान की हानी उठाये, ते ओखे का लाभा हुये? यो इन्सान अपना जान का बदल में का दिये?

27 इन्सान को बेटो अपना स्वर्गदूतहोन का सात अपना बाप की महिमा में आह्यो, अरु उ टेम उ हर एक खे ओका काम का अनुसार प्रतीफल दिये.

28 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ की जो ह्या खडा हइ उनमें से केतना असा हइ, की जब तक इन्सान का बेटो खे ओका राज्य में आते हुये नी देखी लिये, तब तक मरन को सवाद कभी नी चखे.”

## 17

~~~~~ 9:2-13; ~~~~~ 9:28-36

~~~~~ 9:2-13; ~~~~~ 9:28-36

1 छे दिन का बाद यीशु ने पतरस अरु याकूब अरु ओको भेड़ यहून्ना खे सात लियो, अरु ओखे अकेला में कोय उची टेकड़ी पर लीखे गया.

2 अरु व्हा उनका सामने ओको रुपांतरण हुयो ओका मुडा पर सुरज का जसो चमक्यो अरु ओका कपडा उजाल्ला का जसो उजालो हुये गयो.

3 अरु मूसा अरु एलिय्याह ओका सात बात करता हुया तीन सेवक खे दिखय दियो.



4 येका पर पतरस ने यीशु से बोल्यो, “हे प्रभु, हमारो ह्या न्हेनो अच्छो हइ. अगर तरी इच्छा हुये ते मी ह्या तीन मण्डप बनायु. एक तरा लिये अरु एक मूसा का लिये अरु एक एलिय्याह का लिये.”

5 उ बोली रो थो, की एक उज्जालो बद्दल ने उनखे झाकी लियो, अरु उ बद्दल मे से यो बोल नीकल्यो, “उ तरो लाड को बेटो हइ. जेका से मी प्रसन्न हुयो येको सुन.”

6 सेवक होन यो सूनीखे मुडा का बल गिरि गया अरु भोत डरी गा.

7 यीशु ने उनका पास अयखे पकड्यो, अरु बोल्यो, “उट, डरे मत.”

8 तब उनने अपना आख उठचखे यीशु खे छोडी खे कोय दुसरा खे नी देख्यो.

9 जब वे टेकडी से उतरी रा था तब यीशु ने उनखे या आज्ञा दि, “जब तक इन्सान को बेटो मन्या हुया मे से जिन्दो हुयो, तब तक जो कुछ तुम ने देख्यो हइ कोय दुन्याहोन से नी बोलनु.”

10 अरु ओका सेवक होन ने ओकासे पुछ्यो, “फिर व्यवस्था का शास्त्री का बोलस हइ, एलिय्याह को पैयले आनो नीश्वित हइ?”

11 ओने उत्तर दियो, “एलिय्याह तो जरुरती आह्ये अरु सब कुछ सुधारे.

12 पन मी तुम से बोलुस हइ, की एलिय्याह ए चुक्यो. अरु उनने ओखे नी पैछान्यो. पन जसो चायो असो ही ओका सात कन्यो. यो प्रकार से इन्सान को बेटो भी ओका हात से दुख उठाये.”

13 तब सेवक होन ने समझ्यो कि ओने हम से यहून्ना वपतिस्मा देनआला का बारे मे बोल्यो हइ.

[\[मती 9:14-29; लुका 9:37-43\]](#)

[\(मती 9:14-29; लुका 9:37-43\)](#)

14 “जब वे गर्दी का पास पोच्यो, ते एक इन्सान ओका पास आयो, अरु टोगन्या टेकी खे बोलन लग्यो.

15 हे प्रभु, मरा बेटा पर दया कर! क्युकी ओखे मीर्गी आस हइ, अरु उ भोत दुख उठास हइ. अरु बार-बार अंगार मे अरु बार-बार पानी मे गिरी जास हइ.

16 अरु मी ओखे तरा सेवक होन का पास लायो थो, पर वे ओखे अच्छो नी करी सक्या.”

17 यीशु ने उत्तर दियो, हे अविश्वासीहोन अरु बिगड्या दुन्याहोन, मी कब तक तुम्हारा सात न्ह्यु? कब तक तुम्हारो सहनु? ओखे ह्या मरा पास ला.

18 तब यीशु ने ओखे आज्ञा दी, अरु बुरीआत्मा ओमे से नीकली. अरु बेटो उ टेम मे अच्छो हुय गयो.

19 तब सेवक होन ने एकला मे यीशु का पास अयखे बोल्यो, “हम येखे, नी निकालीस सक्या?”

20 ओने उनका से बोल्यो, “अपना विश्वास कि कमी का कारण क्युकी मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, अगर तुमारो विश्वास रइ का दाना का बराबर भी हुये, ते या टेकडी से बोली सखे, ह्या से सरकी खे व्हा से चली जा. ते वा चली जाये. अरु कोय बात तुमारा लिये कठीन नी हुये.

21 पर या जातहोन का बिना प्रार्थना अरु उपास का बिना नी नीकलस.”

[\[मती 9:30-32; लुका 9:43-45\]](#)

[\(मती 9:30-32; लुका 9:43-45\)](#)

22 जब वे गलील मे था, ते यीशु ने उनका से बोल्यो, “इन्सान को बेटो इन्सानहोन का हात मे पकड्यो जाये.

23 अरु वे ओखे मारी डालनो चास कि अरु उ तीसरा दिन जिन्दो उठये.”

येका पर वे भोत उदास हुये.

[\[मती 9:30-32; लुका 9:43-45\]](#)

24 जब यीशु अरु सेवक कफरनहूम मे पोच्या, ते मन्दिर का लिये कर लेनवाला ने पतरस का पास अय खे ओका से पुछ्यो “तुमारो गुरु मन्दिर को कर नी दिये?”

25 ओने बोल्यो, हव देउस हइ. जब उ घर मे आयो, ते यीशु ने ओका पुछना से पैयले ओकासे बोल्यो, “हे शमीन तु का समझस?

“पृथ्वी को राजो चुंगी या कर को का से लेस हइ? अपना बेटाहोन से या दुसरा से?”

26 पतरस ने ओकासे बोल्यो?

“दुसरा से.” यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तब बेटाहोन कर देना से बची गया.

27 फिर भी हम उनखे ठोकी खे नी खलानु, तु नदी का एक किनारा पर जय खे जाल डाल, अरु जो मंछी पैयले नीकले, ओखे ला. ते तोखे ओको मुडो खोलना पर एक चादी को सिक्काको\* मील्हे, ओखे लिखे मरो अरु अपना बदल मे उनखे दी देनु.”

## 18

?????? ?? ????? ?? ??? ????  
(?????? 9:33-37; ????? 9:46-48)

1 उ टेम सेवक होन यीशु का पास अय खे ओखे पुछन लग्या, “स्वर्ग का राज्य मे बडो कोन हइ?”

2 येका पर ओने एक बच्चा खे ओका पास बुलय खे उनका बिच मे खडो कन्यो,

3 अरु तुम बोल्य, “मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, अगर तुम नी बदलनु अरु बच्चाहोन का जसो नी बने, ते स्वर्ग का राज्य मे नी जय सकी पाये.

4 जो कोय अपना आप खे यो बच्चा का जसो छोडो कहे, उ स्वर्ग का राज्य मे बडो हुये.

5 अरु जो कोय मरा नाम से एक असो बच्चा खे अपनास हइ उ मेखे अपनास हइ.

???? ?? ?? ???????  
(?????? 9:42-48; ????? 17:1; 2)

6 “पर जो कोय यो छोटा मे से जो मरा पर विश्वास करस हइ उ एक खे विश्वास मे ठोकर देस, ओका लिये अच्छो हुये की बडी चक्की को पाट ओका गला मे लटकायो जाये, अरु उ खोल समुदर मे डूबी जाये.

7 ठोकर का कारण जगत पर हाय! विश्वास मे धोको मीलनो जरुरती हइ. पर हाय उ इन्सान पर जेका वजेसे ठोकर लगस हइ.

8 “अगर तरा हात या तरा पाय तोखे विश्वास मे धोको देस, ते उनखे काटी खे फेकी दे. अरु टुटचा या लगडा हइ खे जिवन मे प्रवेश करणो तरा लिये येका से अच्छो हइ, कि दो हात या दो पाय जेहा हुये तू अनन्त अंगार मे डाल्यो जाये.

9 अगर तरा आख तोखे विश्वास मे ठोकर दिये ओखे फेकीदे, ते ओखे नीकाली खे फेकी दे, न हइ खे भी जिवन मे प्रवेश करणो तरा लिये येका से अच्छो नी हइ, की दो आख जेहेते हुये तू नरक की अंगार मे डाल्यो जाये.

?????? ???? ???? ?? ?????????  
(???? 15:3-7)

10 “देख तुम ये छोटा मे से तुच्छ नी जाननु. क्युकी मी तुम से बोलुस हइ, कि स्वर्ग मे उनका स्वर्गदूत मरा स्वर्गीय बाप को मुडो हमेशा देखस हइ.

11 क्युकी इन्सान को बेटो गम्या हुया खे बचान आयो हइ\*.

12 “तुम का समझस हइ? अगर कोय इन्सान का पास सौ मेडा हुये, अरु ओमे से एक भटकी जाये ते, नन्यानन्व खे छोडी खे अरु टेकडी पर जैखे, उ भटकी हुये खे नी दुढे?

13 अगर असो हुये की ओखे पाये, ते मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि उ वे नन्यानन्व मेडा का लिये जो भटकी नी थी अतनो आनन्द नी करस, जेतनो की या मेडा का लिये करस हइ.

14 असा मे तुमारा बाप की जो स्वर्ग मे हइ या इच्छा नी की ये छोटा मे से एक भी खतम हुये.

???? ?? ?? ?? ?? ?? ??

15 “अगर तरो भैड तरा बदल मे पाप करस, ते जा अरु येकला मे बातचीत करीखे ओखे समझा. अगर उ तरी सुने ते अपनो भैड तोखे मीली गयो.

\* 17:27 स्टोटेर शब्द शा एक चादि, सिक्का, था जिस, किमत दो झणकी चुगी, बरोबर था मीलता

\* 18:11 पुराने दस्ताविज मे नी

16 अगर उ नी सुने, ते एक दो झना खे अपना सात लिखे जा, जसो कि शास्त्र मे लिख्यो हइ कि हर एक की बात दो या तीन गवाह का मुडा से रुखी जाये.

17 अगर उ उनकी भी नी माने, ते मंडली से बोली दे, पन अगर उ मंडली कि भी नी माने का ते तू ओखे गैरयहूदिहोन का अरु चुंगी लेनवाला का जसो जानस.

~~~~~

18 “मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, जो कुछ तुम पृथ्वी पर बाधे, उ स्वर्ग पर भी बाधे अरु जो कुछ तुम पृथ्वी पर खोले, उ स्वर्ग मे भी खोले.

19 “फिर मी तुम से बोलुस हइ, अगर तुम मे से दो झना पृथ्वी पर कोय बात का लिये जेखे वे मागस, एक मन हुइ खे ते उ मरा बाप का तरप से जो स्वर्ग मे हइ उनका लिये पुरो कन्यो जाये.

20 क्युकी झा दो या तीन मरा नाम पर जमा होस हइ व्हा मी उनका बीच मे होस हइ.”

~~~~~

21 तब पतरस ने ओका पास अय खे, यीशु से बोल्यो, “हे प्रभु, अगर मरो भैइ पाप करतो न्हीये, ते मी केतना बार ओखे माफ करु, सात बार तक?”

22 यीशु ने ओकासे बोल्यो, मी तरा से नी बोलुस, की सात बार तक वरन सात बार खे सत्तर गुना तक.

23 “येका लिये स्वर्ग को राज्य उ राजा का जसो हइ, जेने अपना सेवक होन से लीख्यो लेनो चायो.”

24 जब उ लीखी लेन लग्यो, ते एक झनो ओका जसो लायो गयो जो करोड सिक्का को कर्जदार थो.

25 जब की चुकान खे ओका पास कुछ नी थो, ते ओका स्वामी ने बोल्यो, की यो अरु येकी लुगेन अरु ओका बाल-बच्चा अरु जो कुछ येकी हइ सब कुछ बेची जाह्यो अरु उ करजो चुकय दियो जाये.

26 येका पर उ सेवक ने ओका पाय पर गिरी खे ओखे प्रणाम कन्यो, अरु बोल्यो, हे स्वामी तुम धीरज धर मी सब कुछ भरी दुयु.

27 तब उ सेवक का स्वामी ने दया खय खे ओखे छोडी दियो, अरु ओको करजो माफ कन्यो.

28 “पन जब उ सेवक बाहेर नीकल्यो, ते ओका सब, सेवक होन मे से ओखे मील्या, जो ओका सौ सिक्का को कर्जदार थो. ओने ओखे पकडयो, ‘ओका गलो दबायो अरु बोल्यो, जो कुछ तरा पर कर्जो हइ भरी दे.’

29 येका पर ओका सात का सेवक होन ओका पाय पर गिरी खे, अरु ओकासे प्रार्थना करण लग्यो. कि धीरज धर मी सब भरी दुयु.

30 ओने नी मान्यो, पन जय खे ओखे बन्दीगृह मे डाली दियो. कि जब तक कर्जा खे भरी नी दिये तब तक व्हा न्हेये.

31 ओका सात का सेवक यो जो हुयो थो देखी खे उदास हुया, अरु अपना स्वामी खे पुरो हाल बतय दियो.

32 तब ओका स्वामी ने ओखे बुलय खे अरु ओकासे बोल्यो, ‘हे दुष्ट सेवक, तोने जो मरासे प्रार्थना करी, ते मेने उ तरा पुरो कर्जो माफ कन्यो.

33 येका लिये जसो मेने तरा पर दया करी, असो ही का तोखे भी अपना सात का सेवक पर दया करणो नी चातो थो?”

34 अरु ओका स्वामी ने घुस्सा मे अय खे ओखे जाल मे भेजी दियो, कि जब तक उ सब कर्जो भरी नी दिये तब तक व्हा पर न्हीहे.”

35 यो प्रकार अगर तुम मे से हर एक, “अपना भैइ खे मन से माफ नी करस ते मरो बाप जो स्वर्गीय मे हइ, तोखे भी माफ नी कन्हे.”

## 19

~~~~~

(~~~~~ 10:1-12)

1 जब यीशु ने या बात बोली दी, ते उ गलील से चली गयो. अरु यहूदीया का परदेस मे यरदन नदी का पार आयो.

2 अरु बड़ी गर्दी ओका पुछे हुये ली, अरु ओने उनखे व्हा अच्छो कय्यो.

3 तब फरीसी ओकी परीक्षा करण का लिये ओका पास अय खे बोलन लग्या, “का हर एक कोय भी कारण से अपनी लुगेन खे छोडनो अच्छो हइ का?”

4 ओने उन खे उत्तर दियो, “तुम ने शास्त्र मे नी पढ्यो, जेने उनखे बनायो ओने पैयलेसे से अदमी अरु लुगेन बनय,

5 येका करण इन्सान अपना माय बाप से अलग हइ खे अपनी लुगेन का सात जेस अरु वे दो झना एक तन हुये?

6 अतः वे अब दो नी पन एक तन हइ येका लिये जेने परमेश्वर ने जोड्यो हइ, ओखे इन्सानहोन अलग नी करस.”

7 ओने यीशु से बोल्यो, “फिर मूसा ने का यो ठयरायो की फारकती दीखे ओखे छोडी दे?”

8 यीशु ने उनका से बोल्यो, “मूसा ने तुमारा मन की कटुरता करण तोखे अपनी लुगेन खे छोडी देन की अनुमति दी, पन पैयले से पैयले असो नी थो.

9 अरु मी तुम से बोलुस हइ, कि जो कोय व्यभिचार खे छोडी खे अरु कोय करण से अपनी लुगेन खे तरास कहे ते दुसरी से भ्याव कहे, उ व्यभिचार करस हइ.”

10 सेवक होन ने ओकासे बोल्यो, “अगर अदमी अरु लुगेन का बिच मे असी बात हइ ते यो अच्छो हइ की भ्याव नी कहे.”

11 ओने उनका से बोल्यो, “सब भ्याव का बिना नी न्ही सकस, फक्त वे जेखे यो दान दियो गयो हइ.

12 क्युकी कुछ नपुसक असो हइ जो माय का पेट मे से असो जन्म लेस अरु कुछ नपुसक असो हइ, जेखे इन्सान ने नपुसक बनायो: अरु कुछ नपुसक असो हइ, जेने स्वर्ग को राज्य का लिये अपना आप खे नपुसक बनायो हइ, जो येखे अपनायो करी सकस हइ उ अपनास हइ.”

~~~~~

(मत्ती 10:13-16; मत्ती 18:15-17)

13 तब दुन्याहोन ने बच्चाहोन खे ओका पास लाया, कि उ उन पर हात रखी खे अरु प्रार्थना कर. पर सेवक होन ने उन खे धमकय दियो.

14 यीशु ने बोल्यो, “बच्चाहोन खे मरा पास आन दे, अरु उन खे मना नी करणु क्युकी स्वर्ग को राज्य इनका जसो ही हइ.”

15 अरु उ उन पर हात रखी खे व्हा से चली गयो.

~~~~~

16 अरु एक इन्सान ने ओका पास अय खे ओकासे बोल्यो, “हे गुरु मी कोन सो अच्छो काम कर कि मी अनन्त जिवन मील्हे?”

17 ओने ओकासे बोल्यो, “तू मरा से भलाइ का बारे मे पुछस हइ? अच्छो नी हइ. पर अगर तू जिवन मे प्रवेश करणो चास हइ, ते आज्ञाहोन खे मानीले.”

18 ओने ओकासे बोल्यो, “कोन सी आज्ञा?”

यीशु ने बोल्यो, “की कोय खे मारनु नी करणु, अरु व्यभिचार नी करणु, अरु चोरी नी करणु, अरु झुठी गवाही नी देनु.

19 अपना बाप अरु अपनी माय को आदर करणो, अरु अपना घर का बाजु आला से अपना जसो प्रेम रखनो.”

20 उ जवान ने ओकासे बोल्यो, “या सब खे ते मेने मानी ली हइ अब मरा मे अरु कोय बात की कमी नी हइ?”

21 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “अगर तू सिध्द होनु चास हइ. ते जा, अपनो सब कुछ बेची खे गरीबहोन खे बाटी दे. अरु तोखे स्वर्ग मे धन मीले. अरु अय खे मरा पीछे हुये ले.”

22 पन उ जवान या बात सुनीखे उदास हइ खे चली गयो, क्युकी उ भोत धनी थो.

23 तब यीशु ने अपना सेवक होन से बोल्यो, “मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि धनवान इन्सान खे स्वर्ग का राज्य मे प्रवेश करणो भोत कठीन हइ.

24 फिर मी तुम से बोलुस, कि परमेश्वर को राज्य मे धनवान इन्सान को प्रवेश करणा से उट, सूड का नाक मे से नीकली खे जानो सहज हइ.”

25 यो सूनी खे, सेवक होन भोत चकीत हइ खे बोल्यो, “फिर कोय को उध्दार हइ सकस?”

26 यीशु ने उनका तरप देखी खे बोल्यो, “इन्सानहोन से तो यो नी हुये सकस, पन परमेश्वर से सब कुछ हुये सकस हइ.”

27 येका पर पतरस ने ओकासे बोल्यो, “देख, हमने तो सब कुछ छोडी खे तरा पीछे हुये लिया हइ ते हम खे का मीले?”

28 यीशु ने उनका से बोल्यो, मी तुम से सच्ची बोलुस हइ की नवा जमाना मे जब इन्सान को बेटो अपनी महिमा का सिंहासन पर बटे, ते तुम भी जो मरा पिछे हुये लिया हइ, बारा सिंहासनहोन पर बठि खे अरु इस्राएल का बारा कुलहोन को न्यान कन्हे.

29 अरु जो कोय ने घरहोन, या भैइ, या भैइन, या बाप, या माय, या बाल-बच्चा, या खेत, खे मरा नाम का लिये छोडी दियो हइ ओखे सौ बुरो मीलस, अरु उ अनन्त जिवन को अधिकार हुये.

30 पन भोत सारा जो पैयले हइ, वे दुसरा हुये. अरु जो दुसरा हइ, वे पैयले हुये.

20

~~~~~

1 स्वर्ग को राज्य कोय गृहस्थ का जसो हइ, जो फजर खे नीकलस कि अपना अंगूर कि बाडी मे मजुरहोन को लानो.

2 अरु ओने मजुरहोन से एक दिन मजुरी पर ठहरायो, उन खे अपना अंगूर कि बाडी मे भेज्यो.

3 फिर पहर को एक दीन चढ्यो ओने नीकली खे कुछ दुन्या खे बजार मे बेकार खडो देखी खे,

4 अरु उनका से बोल्यो, तुम भी अंगूर की बाडी मे जा, अरु जो कुछ योग्य हइ, तुम खे दियु. तब वे भी गया.

5 फिर ओने दुसरा अरु तीसरा पार का बाहेर नीकली खे असो ही कन्यो.

6 अरु संज्जा का पाच बजे फिर उ नीकली खे दुसरा खे खडो देख्यो, अरु ओकासे बोल्यो तुम का ह्या दीन भर बेकार खडा ज्हेस? उनने ओकासे बोल्यो,

7 येकालिये कि कोय हमखे काम पर नी लगाय. ओने उनका से बोल्यो, तुम भी अंगूर की बाडी जा.

8 “प्रभु ने संज्जा खे अंगूर की बाडी का मालीक ने अपना मुकडदम से बोल्यो, मजुरहोन खे बुलय खे पिछला से लिखे पैयले तक उन खे मजुरी दी दे.

9 जब वे आया, जो पाच बजे ही मजुरी लगय गया था, ते उनखे एक-एक सिक्का मील्यो.

10 जो पैयले आया था, उनखे भी समझ मे आयो, की हम खे जादा मील्ले. पन उन खे भी एक एक सिक्का य मील्यो.

11 जब मील्यो, ते उ घर का मालीक पर घुस्सा हुये खे बोलन लग्यो,

12 यो पिछेआला ने एक ही घंटो काम कन्यो, अरु तोने उनखे हमारा बरोबर करी दियो, जेने दिन भर भार उठायो अरु धाम खायोस?

13 ओने उनका से एक खे उत्तर दियो, हे दोस्त, मी तरा से कुछ अन्याय नी करुस. का तोने मरासे एक चान्दी को सिक्का नी ठहरायो थो?

14 जो तरा हइ, उठ्य ले, अरु चली जा. मरी इच्छा या हइ की जेतनो तोखे, येतनो ही उ दुसरा खे भी द्यु.

15 का यो उचित नी की मी अपना माल से जो चाहू असो ही करु? का तू मरा भला होन का कारण मरा तरप बूरी नजर से देखस हइ का?”

16 उजालो जो अगलो हइ, “यो प्रकार जो आखरी अरु जो पयलो, हइ वे आखरी हुये जाये.”

~~~~~

(~~~~~ 10:32-34; ~~~~~ 18:31-34)

17 यीशु यरुशलेम खे जास हुये बारा सेवक होन खे एकात जगा मे ली गयो, अरु रस्ता मे उनका से बोलन लग्यो.

18 देख, हम यरुशलेम खे जास हइ. अरु इन्सान को बेटो मुख्य याजकहोन अरु पंडीतहोन का हात पकडि जानो अरु वे ओखे मृत्यु दण्ड का योग्य ठहरास.

19 अरु ओखे गैरयहूदीहोन का हात मे सोपे, कि वे ओखे मजाक मे उडाये जाये, अरु कोडा मारी खे, अरु कुस पर चेडाये अरु उ तीसरा दिन जिन्दो कहीं जाह्ये.”

~~~~~

(~~~~~ 10:34-45)

20 फिर जब्दी का बेटाहोन की माय ने अपना बेटाहोन का सात यीशु का पास अयखे प्रणाम कन्यो, अरु ओकासे कुछ मागन लगी.

21 यीशु ने ओकासे पुच्यो, “तु का चास हइ?”

वा ओकासे बोली, “यो बोल, कि मरा ह्या दो बेटा तरा राज्य मे एक तरा डाखो न्या तरप अरु एक तरा जवना तरप बढ्यो.”

22 यीशु ने उत्तर दियो, “तु नी जानस की का मागुंस हइ. जो कटोरो मी पीना पर हइ, का तू पी सकस हइ?” यीशु ने ओकासे बोल्यो,

“हव पी सकस हइ.”

23 ओने ओकासे बोल्यो, “तु मरो कटोरो ते पिये पर अपना डाखोरा अरु जवना कोय खे बटानो मरो काम नी, पर जेका लिये मरो बाप ने तैयार कन्यो गयो, उनका लिये हइ.”

24 यो सुनीखे दस सेवक होन ये दो भैइहोन पर घुस्सा हुया.

25 यीशु ने उन खे पास बुयल खे बोल्यो, “तुम जानस हइ, की गैरयहूदीहोन को अधिकारी उन पर प्रभुता करस हइ. अरु जो बडा हइ, वे उन पर अधिकार जतास हइ.

26 पन तुम मे असो नी हुये. पन जो कोय तुम मे बडो होनु चास, उ तुमारो सेवक होन खे बनस.

27 अरु जो तुम मे मुखियो होनु चास उ तुमारो सेवक बनस.

28 जसो की इन्सान को बेटो, उ येकालिये नी आयो की अपनी सेवा करवास, पन येकालिये आयो की सेवा कन्हे अरु भोत झना का लिये अपनी जान दिये.”

~~~~~

(~~~~~ 10:46-52; ~~~~~ 18:35-43)

29 जब यीशु अरु ओका सेवक यरीहो से नीकली रा था, ते एक बडि गर्दी ओका पीछे हइ ली.

30 अरु दो अंधा, जो सडक का धुरो पर बढ्या था, यो सुनीखे कि यीशु जय रोस हइ, “बुलय खे बोलन लग्या, हे प्रभु*, दाउद का बेटा, हम पर दया कर.”

31 दुन्याहोन ने उनखे गाली दी, खे चुप रहे, ओखे धमकय खे बोलन लग्या, हे प्रभु, दाउद का बेटा, हम पर दया कर.

32 तब यीशु ने खडो हइ खे, उनखे बुलायो, अरु बोल्यो, “तुम का चास हइ की मी तुमारा लिये का करु?”

33 उनने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, यो की हमारी आख खुली जाये.”

34 यीशु ने दया खय खे उनकी आखहोन खे पकड्या, अरु वे झल्दी देखन लग्या. अरु ओका पीछे हइ लिया.

* 20:30 कुछ दताविज मे हे प्रभु नी

21

~~~~~

(~~~~~ 11:1-11; ~~~~~ 19:28-40; ~~~~~ 12:12-19)

1 जब यीशु ओका सेवक यरुशलेम का नजीक पोच्या अरु जैतून का झाड पर बैतफगे का पास आया, ते यीशु ने दो सेवक होन खे यी बोलीखे भेज्यो,

2 अपना सामने का गाव मे जा, व्हा पोचते ही एक गधी बाधी हइ, अरु ओका सात बच्चा होन तुम खे मील्ले. उन खे खोली खे, मरा पास लिखे आ.

3 अगर तुम से कोय कुछ बोल, ते ओखे बोल, की प्रभु खे इनकी जरूरत हइ तब उ झल्दी उनखे भेजी दिये.

4 यो येका लिये हुयो, की जो वचन भविष्यव्दक्ता का वजेसे बोल्यो गयो थो का उ पुरो हुये

5 "सिष्योन कि बेटी से बोल,

देख, तरो राजो तरा पास आस हइ.

उ नम्र हइ अरु गधी पर बठचो हइ.

जब गधी का बच्चा पर".

6 सेवक होन ने जय खे जसो यीशु ने उनका से बोल्यो थो, असो ही कय्यो.

7 अरु गधी अरु बच्चाहोन खे लयखे, उन पर अपना कपडा डाले, अरु यीशु ओका पर बठी गयो.

8 अरु भोत सारा दुन्याहोन ने अपना कपडा खे रस्ता मे बिछायो, अरु दुन्याहोन ने झाड से डग्यान तोडी खे रस्ता मे बिछायो.

9 अरु जो गर्दी आगेजानआली अरु पीछे से आनवाली खे बुलय-बुलय खे बोलन लगी, "दाउद का बेटा को जय हुये. धन्य हइ उ जो प्रभु का नाम से आस हइ, बहल मे होशना."

10 जब ओने यरुशलेम मे प्रवेश कय्यो, ते सब नगर मे भाग दौड मची गइ. अरु दुन्या बोलन लग्या, "की यो कोन हइ?"

11 "दुन्याहोन ने बोल्यो, यो गलील को नासरत को भविष्यव्दक्ता यीशु हइ"

~~~~~

(~~~~~ 11:15-19; ~~~~~ 19:45-48; ~~~~~ 2:13-22)

12 यीशु ने परमेश्वर की मन्दिर मे जयखे, उन सब खे, जो मन्दिर मे लेनो-देनो करी रा था, नीकली दियो. अरु साफ का मेज अरु कबूतर खे बेचनआला खे चौकी उलटय दी.

13 अरु ओने बोल्यो, "शास्त्र मे लिख्यो हइ, अरु परमेश्वर ने बोल्यो हइ की मरो घर प्रार्थना को घर बोलस हइ. पन तुम येखे लुटेरा को अडो बनास हइ."

14 अरु अंधा अरु लगडा, मन्दिर मे ओका पास आया, अरु ओने उनखे अच्छो कय्यो.

15 पन जब प्रधान याजकहोन अरु पंडीतहोन ने यो बडो काम खे, जो ओने कय्यो, अरु लगडा खे मन्दिर मे दाउद का बेटा खे होशना, बोलते हुये देख्यो, ते वे घुस्सा हुया,

16 अरु ओकासे बोलन लग्या तू सुनस हइ की यो,

"बोलस हइ?" यीशु ने उनका से बोल्यो, "हव, तुम ने यो शास्त्र मे कभी पढ्यो नी बालकहोन अरु दूध पीता बच्चाहोन का मुडा से तोने स्तुती सिध्द करी?"

17 तब उ उनखे छोडी खे नगर का बाहेर बैतनीय्याह गाव मे गयो, अरु व्हा रात बितय.

~~~~~

(~~~~~ 11:12-14,20-24)

18 दुसरा दिन खे जब उ नगर खे लोटी रो थो, ते ओखे भुख लगी.

19 अरु अंजीर का झाड खे सडक का किनारा पर देखी खे उ ओका पास गयो, अरु पता खे छोडी खे ओमे अरु कुछ नी पय खे ओकासे बोल्यो, "अभी से तरा मे कभी फल नी लगन का," अरु अंजीर को झाड झल्दी सुखी गो.

20 यो देखी खे सेवक होन ने अचम्बो कय्यो अरु बोल्यो, "यो अंजीर को झाड झल्दी कसो सुखी गयो?"

11 यीशु ने उनसे उत्तर दियो, “मी तुम से सच्ची बोलुस हइ. अगर तुम विश्वास रखे ते, अरु दूर नी कहे. ते फक्त यो कहे, जो यो अंजीर का झाड़ से कन्यो गयो हइ. पन अगर या टेकडी से भी बोले की उसखी जा अरु समुदर मे जा पड ते यो हुये जाये.

12 अरु जो कुछ तुम प्रार्थना मे विश्वास से मागे उ सब तुम खे मीले.”

*~~~~~*  
(*~~~~~ 11:27-33; ~~~~~ 20:1-8*)

13 यीशु मन्दिर मे फिर से जयखे शिक्षा करण लग्यो, की प्रधान याजक अरु दुन्याहोन बापदादा ने ओका पास अयखे पुछ्यो, “तू यो काम कोनता अधिकार से करस हइ? अरु तोखे यो अधिकार कोने दियो हइ?”

14 यीशु ने उनसे उत्तर दियो, “मी भी तुम से एक बात पुछस हइ, अगर उ मेखे बताये ते मी भी तुमखे बतायु कि यो काम को का अधिकार से करस हइ.

15 यहून्ना को बपतिस्मा खा से थो? स्वर्ग का तरप से या इन्सान का तरप से थो?” तब वे आपस मे वाद विवाद करण लग्या,

“अगर हम बोले ते स्वर्ग का तरप से ते उ हम से बोले की फिर तुम ने ओको विश्वास क्यु नी कन्यो?”

16 “अरु अगर बोले, इन्सान का तरप से, ते हम खे गर्दी को डर हइ, क्युकी वे सब यहून्ना खे भविष्यवक्ता\* मानस हइ.”

17 अत उनने यीशु खे उत्तर दियो, “हम नी जानस.”

ओने भी उनका से बोल्यो, ते मी भी तुमखे नी बतवू, कि यो काम कोय अधिकार से करस हइ.

*~~~~~*

18 “तुम का समझस हइ? कोय इन्सान का दो बेटा था. ओने पैयला का पास जयखे बोल्यो हे बेटा आज अंगूर की बाडी मे काम कर.

19 ओने उत्तर दियो मी नी जउ पन बाद मे ओने अपनो मन बदली दियो अरु चली गयो.

30 फिर दुसरा का पास जयखे असो ही बोल्यो प्रभु ने उत्तर दियो, जी हव, जउस हइ, पन नी गयो.

31 ये दो मे से को ने बाप की इच्छा पुरी करी?

“उनने बोल्यो, पैयला ने. यीशु ने उनका से बोल्यो,

“मी तुम से सच्ची बोलुस हइ चुंगी लेनवालो अरु वेश्या तुम से पैयले परमेश्वर का राज्य मे प्रवेश करी रास हइ.

32 क्युकी यहून्ना धार्मीकता का रस्ता से तुमारा पास आयो, अरु तुम ने ओका पर विश्वास नी कन्यो पर चुंगी लेनवाला अरु वेश्याहोन ने ओका पर विश्वास कन्यो अरु तुम देखी खे बाद मे भी नी पछतायो की ओका पर विश्वास करी लेता.

*~~~~~*  
(*~~~~~ 12:1-12; ~~~~~ 20:9-19*)

33 “एक अरु दृष्टान्त सुन, एक घर थो, जेने अंगूर की बाडी लगय. अरु ओका चारी तरप बादी बाधी. अरु ओने एक रस को कुवो खोदो. अरु मचाग बनय. अरु किसानहोन खे ओको ठेको दिखे उ परदेस चली गयो.

34 जब फल को टेम नजीक आयो, ते ओने अपना सेवक होन खे ओका फल लान का लिये किसानहोन का पास भेज्यो.

35 पर किसानहोन ने ओका सेवक होन खे पकडी खे, कोय खे पीटियो, अरु कोय खे मारी डाल्यो. अरु कोय पत्थर माय्यो.

36 फिर ओने अरु सेवक होन खे भेज्यो, जो पैयले से जादा था. अरु उनने उनका से भी असो हि कन्यो.

\* 21:26 परमेश्वर, तरप से सदेस लानवालो



37 अन्नत मे ओने अपना बेटा खे उनका पास यो सोची खे भेज्यो, कि वे मरा बेटा को सम्मान कन्हें.

38 पन किसानहोन ने बेटा खे देखी खे आपस मे बोल्यो, यो तो वारिस हइ, ओखे भी मारी डालस हइ अरु ओकी सम्पत्ती ली लेवास.

39 अरु उनने ओखे पकड्यो अरु अंगूर की बाडी से बाहेर नीकाली खे मारी डाल्यो.

40 “यीशु ने पुछ्यो, येका लिये जब अंगूर की बाडी को स्वामी आये, ते ये किसानहोन का सात का कन्हें? यीशु खे आते देख्यो.

41 “उनने ओकासे बोल्यो, ‘उ वे बुरा दुन्याहोन खे जरूरत खतम कन्हें.’ अरु अंगूर की बाडी को टेको ‘अरु किसानहोन खे दिये जो टेम’ पर ओका फल दियो कन्हें.”

42 यीशु ने उनखे उत्तर दियो, तुम ने कभी पवित्रशास्त्र मे यौ नी पढ़्यो?

जो पत्थर खे राजमिस्त्रीहोन खे नी बुरो समझ्यो थो.

उ कोना का माथा को फत्तर हुइ गयो.

यो प्रभु का तरप से हुयो;

अरु हमारी नजर मे बडो हइ!\*

43 “येका लिये मी तुम से बोलुस हइ, की परमेश्वर, ‘को राज तुम से ली लियो जाये.’ अरु असी जातहोन को जसो ओको फल लास हइ.

44 ‘जो यो पत्थर पर,’ गिरी गयो उ चकनाचुर हुये जाये अरु जेका ‘पर उ गिरे, ओखे पिसी डाले.’ ”

45 प्रधान याजकहोन अरु फरीसी ओका दृष्टान्तहोन खे सुनीखे समझी गया, की उ हमारा विषय मे बोलस हइ.

46 अरु उनने ओखे पकडनो चायो, पन वे दुन्याहोन से डरी गया क्युकी वे ओखे भविष्यव्यक्ता जानता था.

## 22

~~~~~ 22 ~~~~~

(~~~~~ 14:15-24)

1 येका पर यीशु ने फिर उनका से दृष्टान्त मे बोलन लग्यो.

2 स्वर्ग को राज्य उ राजा का जसो हइ, जेने अपना बेटा को भ्याव क्यो.

3 अरु ओने अपना सेवक होन खे भेज्यो, नीवता दिया हुया दुन्याहोन खे भ्याव का खाना मे बुला. पन उनने आनो नी चायो.

4 फिर ओने अरु सेवक होन खे यो बोली खे भेज्यो नीवता दिया हुया दुन्याहोन से बोल देख कि मी खानो तैयार करी चुक्यो हइ, अरु मरा बैल अरु पाल्या हुया जानवर होन माच्या गया हइ, अरु सब कुछ तैयार हइ. भ्याव का खाना मे आ.

5 पन वे नीवता खे दिखे येका पर कोय ने ध्यान नी दियो कोय अपना खेत मे, कोय अपना धंदा मे.

6 अरु दुसरा दुन्याहोन ने जो बची रा था ओका सेवक होन खे पकडी खे उनको अपमान करी खे मारी डाल्यो.

7 तब राजा खे घुस्सा अह्ये अरु ओने अपना सेना खे भेजी खे वे खुनी होन खे खतम क्यो, अरु उनका नगर खे फुकी दियो.

8 तब ओने अपना सेवक होन से बोल्यो, भ्याव को खानो तैयार हइ, पन नीवता दिया दुन्याहोन लायक नी रुख्या.

9 येका लिये चौक मे जा, अरु जतना दुन्या तुम खे मीलस, सब खे भ्याव का खाना मे बुलव ला.

10 वे सेवक होन ने सडक पर जय खे का बुरा का भला, जेतना मील्यो, सब खे जमा क्यो. अरु भ्याव को घर मीजवान होन से भरी गयो.

11 “जब राजा मीजवानहोन खे देखन खे अंदर आयो. ते ओने व्हा एक इन्सान खे देख्यो, जो भ्याव का कपडा नी पेन्यो थो.

12 ओने ओकासे पुछ्यो, हे दोस्त. तू भ्याव का कपडा पने विना ह्या काय का लिये आयो? अरु उ इन्सान चुप हुय गयो.

13 तब राजा ने सेवकहोन से बोल्यो. येका हात-पाय बाधीखे ओखे बाहेर अंधारा मे डाली दे, उ रोन लग्यो, अरु दात पीसन लग्यो.

14 क्युकी बुलाया हुया ते भोट हइ पन चुन्या हुया जरासा हइ.”

Matthew 12:13-17; Luke 20:20-26

15 तब फरीसीहोन ने जय खे आपस मे बिचार करी, की येखे सवाल पुछी खे कसो फसावा.

16 उनने अपना सेवक होन खे हेरोदिया का सात ओका पास यो बोली खे भेज्यो, “हे गुरु, हम जानस हइ, की सच्ची हइ, अरु परमेश्वर की रस्ता सच्चाइ से सिखस हइ, अरु कोय को भेदभाव नी करस हइ, क्युकी तू इन्सान का मुंडा देखी खे बात नी करस हइ.

17 येका लिये हम खे बता तु का समझस हइ? कैसर खे कर देनो अच्छो हइ, की नी.”

18 यीशु ने उनका दृष्टान्त जानीखे बोल्यो, “हे कपटिहोन, इन्सान होन मेखे क्यु परखस हइ?

19 कर को सिक्को मेखे बता.”

तब वे ओका पास एक सिक्को लीखे आया.

20 ओने उनका से पुछ्यो, “यो चित्र अरु नाम कोको हइ?”

21 उनने ओकासे बोल्यो, कैसर को.

तब ओने उनका से बोल्यो, “जो कैसर को हइ, उ कैसर खे दे. अरु जो परमेश्वर को हइ, उ परमेश्वर खे दे.”

22 यो सुनीखे उनखे अचम्बो कन्यो, अरु ओखे छोडी खे वे चली गया.

Matthew 12:18-27; Luke 20:27-40

23 उ दीन सद्क जो बोलस हइ की मन्या हुया को पुनरुत्थान हइ की नी ओका पास आयो, अरु ओकासे पुछ्यो,

24 “हे गुरु, मूसा ने बोल्यो थो, की अगर कोय विना बेटा को मरी जाये ते ओको भेइ ओकी लुगेन का सात भ्याव करी खे अपना भेइ का लिये कुल पइदा कहे.

25 अभी हम ह्या सात भेइ था. पयलो भ्याव करीखे मरी गयो. अरु बेटा नी होन का कारण अपनी विधवा लुगेन खे अपना भेइ का लिये छोडी गयो.

26 यो प्रकार दुसरा ने अरु तीसरा ने भी कन्यो, अरु सात तक यो चलतो न्हियो.

27 सब का बाद मे वा वय भी मरी गय.

28 जिन्दो उठना पर वा वे सात मे से कोकी लुगेन हुये? क्युकी वा सब की लुगेन हुय चुकी थी.”

29 यीशु ने उनखे उत्तर दियो, “तुम पवित्रशास्त्र अरु परमेश्वर की सामर्थ्य नी जानस. यो कारण बडी भूल मे पडी गो हइ.

30 क्युकी जिन्दी उठना पर भ्याव नी कहे अरु नी भ्याव मे दियो जाये. पन वे स्वर्ग का दूत का सामने हुये.

31 पन मन्या हुया का जिन्दी उठन का विषय मेका तुम ने यो वचन नी पढ्यो जो परमेश्वर ने तुम से बोल्यो:

32 मी अब्राहम को परमेश्वर, अरु इसहाक को परमेश्वर, अरु याकूब को परमेश्वर हइ? उ मन्या हुया को नी, पन जिन्दा को परमेश्वर हइ.”

33 जब यो सुनीखे यीशु कि शिक्षा पर दुन्या चकीत हुया.

?? ?? ??? ?????

([Matthew](#) 12:28-34; [Mark](#) 10:25-28)

³⁴जब फरीसीहोन ने सुनी खे यीशु ने सद्किहोन को मुंडो बन्द करी दियो. ते वे जमा हुआ.

³⁵ अरु ओमे से एक व्यवस्था का मास्टर ने परखन का लिये ओकासे पुछ्यो,

³⁶ “हे गुरु, व्यवस्था में कोन सी सब से आज्ञा बड़ी हई?”

³⁷ ओने ओकासे बोल्यो, “तू परमेश्वर अपना जान से अपना सब मन अरु अपनी सब जान अरु अपनी पुरी दिमाक का सात प्रेम रख.

38 बडी अरु मुख्य आज्ञा ते या हइ.

³⁹ असा मे दुसरा सब से बडी आज्ञा हइ, की तू अपना पडोसी से अपना जसो प्रेम रख.

40 ये दो आज्ञा होन सब व्यवस्था अरु भविष्यव्यक्ताहोन को आधार हइ.”

□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□

([12:35-37](#); [20:41-44](#))

⁴¹ जब फरीसी जमा था, ते यीशु ने उनका से पुछ्यो,

42 “मसीह का विषय मे तुम खे समझस हइ? उ कोको बेटो हइ?”

उनने ओकासे बोल्यो,? “दाउद को.”

⁴³ “ओने उनका, से पुछ्यो,” ते दाउद आत्मा मे “हइ खे ओखे ‘प्रभु का’? बोलस हइ,

44 “प्रभु ने, मरा प्रभु से बोल्यो, मरा जवना तरप बठ जब तक की मी तरा दुसमन होन खे तरा पाय
का

नीचे नी करी दियु

जब तक मर्रा पास बठ.

45 जब दाउद ओखे प्रभु बोलस हइ, ते उ दाउद ओको बेटो कसो बन्यो?"

46 ओका उत्तर मे कोय भी एक बात नी बोली सक्यो. पन उ दिन से कोय खे फिर ओका से कुछ पुछन को साहस नी ह्यो.

23

???????? ???? ??????????? ?? ?????????

(12:38,39; 11:43,46; 20:45,46)

¹ तब यीशु ने गर्दी से अरु अपना सेवक होन से बोल्ह्यो,

² “पंडीत अरु फरीसी मूसा कि गद्दी पर बठ्या हया व्यवस्था को अर्थ बतास हइ.

3 येका लिये वे तुम से जो कुछ बोल्ये उ करणू, अरु माननु, पन ओका जसो काम मत करणु. क्यकी वे बोलस हड पर कहें नी.

⁴उ एक असो भारी बोझ खे जेखे उठानो कठीन हइ, बाधीखे उनखे इन्सानहोन का खांदा पर रखस हइ. पन तुम ओखे अपनी उगली से भी सरकानो नी चास.

5 वे अपना सब काम से दुन्याहोन से बतान का लिये करस हइ वे अपनी ताबीज से चौडी करस, अरु अपना कपडा की झालर से बडास हइ.

⁶खाना में मुख्य-मुख्य जगा, अरु आराधनालयहोन में मुख्य-मुख्य जगा,

⁷अरु बजार मे नमस्कार अरु इन्सान मे गुरु बोलनो उनखे भास हइ.

⁸पन तुम गुरु नी बोलस, क्युकी तुमारो एक ही गुरु हइ अरु तुम एक ही भैइ अरु भैइन हये.

⁹अरु पृथ्वी पर कोय खे अपनो बाप नी बोलन, क्यकी तम्हारो एक ही बाप हइ, जो स्वर्ग मे हइ.

¹⁰ अरु स्वामी भी नी बोलनु, क्यकी तमारो एक ही मास्टर हइ, यानेकी मसीह.

11 जो तम मे से बडो हय खे उ तमारो सेवक बन्ये.

12 जो कोय अपना आप से बडो बनाये, उ छोटो कय्यो जाये अरु जो कोय अपना आप से छोटो बनाये, उ बडो कय्यो जाये.

॥२३॥ २३ ॥२३३३३३ ॥२३३३३३३ ॥२३ ॥२३३३३३॥
(॥२३३३॥ 12:40; ॥२३३॥ 11:39-42,44,52; 20:47)

13 'हे कपटि पंडीतहोन अरु फरीसीहोन तुमारा पर हाय! तुम इन्सानहोन का बदल मे स्वर्ग का राज्य को दवाजो बन्द करस हइ, नी ते खुद मे ओमे प्रवेश करस हइ अरु नी ओमे प्रवेश करण आला से प्रवेश करण देस हइ.

14 हे कपटी पंडीतहोन अरु फरीसीहोन, तुम पर हाय! तुम विधवा होन का घर से जास हइ, अरु बतान का लिये बडि देर तक प्रार्थना करतो 'हेस हइ येका लिये तुमसे जादा दण्ड मील्ये.

15 'हे कपटि पंडीतहोन अरु फरीसीहोन तुम पर हाय! तुम एक जन से अपना मोत मे लान का लिये सब नदी अरु थल मे फिरस; अरु जब उ मोत मे ए जास हइ, ते उ अपना से डबल नरक का लिये बनी जास हइ.

16 'हे अंधा सेवकहोन, तुम पर हाय! 'जो बोलस हइ कि अगर कोय मन्दिर की कसम खास ते कुछ नी, पन अगर कोय मन्दिर का सोन्ना की कसम खास ते ओकासे बंधय जास.'

17 हे मुख, अरु अंधो, कोन बडो हइ, सोन्नो या उ मन्दिर जेका से सोन्नो पवित्र होस हइ?

18 फिर बोलस हइ कि अगर कोय वेदी कि कसम खाये ते कुछ नी, पन जो दान ओका पर हइ, अगर कोय ओकी कसम खाये ते बंधय जाहो.

19 हे अंधा, कोन बडो हइ, दान या वेदी जेका से दान पवित्र होस हइ?

20 येका लिये जो वेदी की कसम खास हइ, उ ओकी, अरु जो कुछ ओका पर हइ, ओकी भी कसम खास हइ.

21 अरु जो मन्दिर कि कसम खास हइ, उ ओकी अरु ओमे 'हेनआला परमेश्वर की भी कसम खास हइ.

22 अरु जो स्वर्ग कि कसम खास हइ, उ परमेश्वर की राजगद्दी की अरु ओका पर बठनआला की भी कसम खास हइ.

23 'हे कपटि पंडीतहोन, अरु फरीसीहोन, तुम पर हाय! तुम पुदीना अरु सौफ अरु जीरा को दसवा भाग देस हइ, पन तुम ने व्यवस्था की गम्भीर बात यानेकी न्याय, अरु दया, अरु विश्वास से छोडी दियो हइ. चातो थो की या बात से भी करस 'हेस, अरु वा बात से भी नी छोडनु.

24 हे अंधा अगुवाहोन, तुम माखा से ते छानी डालस हइ, पन उट से गिली लेस हइ.

25 'हे कपटि पंडीतहोन, अरु फरीसीहोन, तुम पर हाय! तुम कटोरा अरु ठाटी से उपर उपर से ते मांजस हइ पन वे अंदर से अंधारा अरु लालच से लुटी हइ बात से भरी हइ हइ.

26 हे अंधा फरीसी, पैयले कटोरा अरु ठाटी से अंदर से मांज कि वे बाहर से भी अच्छी हुये.

27 'हे कपटि पंडीतहोन, अरु फरीसीहोन, तुम पर हाय! तुम चुना से पोती हइ कब्र का जसा हइ जो उपर से ते अच्छी दिखइ देस हइ, पन अंदर मुर्दा की हड्डीहोन अरु सब प्रकार की गंदकी से भरी हइ.

28 या रिती से तुम भी उपर से इन्सानहोन से धर्मी दिखइ देस हइ, पन अंदर से कपट अरु बुरा से भन्या हुया हइ.

॥२३३३३३३ ॥२३ ॥२३३३३३॥
(॥२३३॥ 11:47-51)

29 'हे कपटि पंडीतहोन, अरु फरीसीहोन, तुम पर हाय! तुम भविष्यव्दक्ताहोन कि कब्र बनास हइ अरु धर्मीहोन कि कब्र सजास हइ.

30 अरु बोलस हइ, अगर हम अपना बापदादा का दिन मे होस ते भविष्यव्दक्ताहोन कि खुन मे उनका सात मे नी होस.

31 येका से ते तुम अपना हि खिलाप मे गवइ देस हइ, की तुम भविष्यव्दक्ताहोन से मारनआलो का बेटा हुये.

32 तुम अपना बापदादा को पाप को घडो भरी दे.

33 हे साप, अरु साप का बच्चाहोन, तुम नरक का दण्ड से कसा बच्ये?

34 येका लिये देख, मी तुमारा पास भविष्यव्दक्ताहोन अरु दिमाकआला अरु शास्त्रिहोन खे भेज्यो हइ. अरु तुम ओमे से कुछ खे मारी डाल्ये, अरु कुस पर चेदाये. अरु कुछ खे अपना आराधनालयहोन मे कोडा मार्ये, अरु एक नगर से दुसरा नगर मे भाकता फिरे.

35 जेका से धर्मी हाबिल से लेखे बिरीक्याह को बेटो जकर्याह तक, जेखे तुम ने मन्दिर अरु वेदी का बीच मे मारी डाल्यो थो, जेने धर्मीहोन को खुन जमीन पर बोहय गो थो, उ सब तुमारा माथा पर आह्ये.

36 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, या सब बात या कुटुम्ब का दुन्याहोन पर ए गीरे.

???? ?? ??????? ?? ?? ?????

(???? 13:34,35)

37 “हे यरुशलेम, हे यरुशलेम! तू जो भविष्यव्दक्ताहोन खे मारी डालस हइ, अरु जो तरा पास भेज्यो गयो, उनखे पत्थराव करस हइ केतना ही बार मेने चायो की जसा मुर्गी अपना बच्चाहोन खे अपना पंख का नीचे जमा करस हइ, असो ही मी भी तरा बच्चाहोन खे जमा करी खे, पन तुम ने नी चायो*.”

38 देख, तुमारो घर तुमारा लिये उजाड छोड्यो जास हइ.

39 क्युकी मी तुम से बोलुस हइ, की अभी से जब तक तुम नी बोले धन्य हइ उ ‘जो प्रभु नाम से आस हइ तब तक तुम मेखे फिर कभी नी देखनका.’”

24

???? ?? ??? ?? ??????? ?? ??? ??? ?? ???????????

(???? 13:1,2; ??? 21:5-6)

1 जब यीशु मन्दिर से नीकलीखे जय रो थो, ते ओका सेवक होन ओखे मन्दिर की रचना बतान का लिये ओका पास आया.

2 ओन ओकासे बोल्यो, “तुम यो सब नी देखस? मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, यो पत्थर पर पत्थर भी नी छोड्यो, जो रख्यो नी जाये.”

?????????? ?? ?????

(???? 13:3-13; ??? 21:7-19)

3 अरु जब उ जैतून की टेकडी पर बठ्यो थो, ते सेवक होन ने अलग से ओका पास अयखे बोल्यो, “हम से बोल की या बात कब हुये? अरु तरो आन को, अरु जगत को अन्तः को का चिन्ह हुये.”

4 यीशु ने उनखे उत्तर दियो, हुशार जे! कोय तुमखे फसय नी पाय.

5 क्युकी भोत सा असा हुये जो मरा नाम से अयखे बोले, मी मसीह हइ, अरु भोत झना खे बिचकय दिह्ये.

6 तुम झगडाहोन अरु झगडाहोन की बातचीत सुने. देख घबन्य नी जानु क्युकी उनको होनो जरुरी हइ, पन उ टेम खतम नी हुये.

7 क्युकी राष्ट्र पर राष्ट्र, अरु राज्य पर राज्य चेढ्या कहे, अरु जगा-जगा अकाल हुय खे अरु भूकम्प हुये.

8 या बात पीडाहोन का पैयले से हुये.

9 तब वे देन का लिये तुमखे पकड्ये, अरु तुमखे मारी डाल्ये अरु मरा नाम का कारण सब राष्ट्रहोन का दुन्या तुम से बैर रख्ये.

10 तब भोत झना ठोकर खाये, अरु एक दुसरा खे पकड्ये, अरु एक दुसरा से बैर रख्ये.

11 भोत सा झुठा भविष्यव्दक्ता उठी खे खडा हुये खे अरु भोतझना खे बिचकाये.

12 अरु बुरा का बडना से भोतझना को प्रेम ठण्डो हुइ जाये.

13 पन जो अन्नत तक धीरज धरी खे रखे, ओको उध्दार हुये.

* 23:37 नगर खे दुन्या खे

14 अरु राज्य को यो सुसमाचार पुरा जगत मे प्रचार कन्यो जाये, कि सब राष्ट्रहोन पर गवाही हुये तब खतम हुइ जाये.

~~~~~

(~~~~~ 13:14-23; ~~~~~ 21:20-24)

15 येका लिये जब तुम उ खतरनाक घुणित चिज खे जेकी बातचीत दानीएल भविष्यव्यक्ता का वजेसे हुइ थी, पवित्र जगा मे खडी हुइ देख, जो पद, उ समझ.

16 तब जो यहूदीयाहोन मे हुये वे टेकडी पर भागी जा.

17 जो घर पर छुपर हुये, उ अपना घर मे से सामन लेन खे नी उतह्ये.

18 अरु जो खेत मे हुये, उ अपना कपडा लेन खे पीछे नी आह्ये.

19 उ दिन मे जो पेट से अरु दूध पिलान आली हुये, उनका लिये दुख को दिन बोल्यो जाये.

20 अरु प्रार्थना कर. की तुमखे ठंडी मे या आराम का दिन भागनो नी पडे.

21 क्युकी उ टेम असो भी क्लेश हुये, जसो जगत का पैयलेसे अभी तक नी हुयो, अरु नी कभी हुये.

22 अरु अगर उ दिन कम नी हुय जाये, ते कोय जनवर नी बचता. पन चुन्या हुया का कारण उ दिन कम नी हुय जाये.

23 उ टेम अगर कोय तुम से बोले, की देख, मसीह यो हइ! या उ हइ! ते विश्वास नी करणु.

24 क्युकी झुठा मसीह अरु झुठा भविष्यव्यक्ता उठीखे खडा हुये, अरु बडो चिन्ह चमत्कार अरु बडो काम बताये, की अगर हुय सकस ते चुन्या हुया खे भी भयकय दे.

25 देख, मेने पैयले से तुम से या सब कुछ बोली दियो हइ.

26 येका लिये अगर वे तुम से बोल्ये देख, उ जंगल मे हइ, ते बाहेर नी नीकली जानु; देख उ खोलीमे हइ. ते विश्वास नी करणु.

27 क्युकी जसी बिजली पुर्व से नीकलीखे पश्चिम तक चमकती जास हइ, असो ही इन्सान का बेटा खे भी आनो हुये.

28 झा लाश हुये, ब्ला घुब्बड जमा हुये.

~~~~~

(~~~~~ 13:24-27; ~~~~~ 21:25-28)

29 उ दिन क्लेश का बाद झल्दी सुरज अंधारो हुय जाये, अरु चांद को ऊजालो जातो न्हीये, अरु तारा बहल से गिरी जाये अरु बहल की शक्ति हली जाये.

30 तब इन्सान का बेटा को चिन्ह बहल मे बतायो जाये अरु तब पृथ्वी का सब कुल का हुन्या छाती पीटये; अरु इन्सान का बेटा की बडी सामर्थ्य अरु महिमा का सात बहल का बहल पर आते देख्ये

31 अरु उ पिपडी का बडा बोल का सात, अपना स्वर्गदूतहोन खे भेजो, अरु वे बहल का या पार से वा पार तक, चारी दिशा से ओका चुन्या हुया खे जमा कहे.

~~~~~

(~~~~~ 13:28-31; ~~~~~ 21:29-33)

32 अंजीर का झाड से यो दृष्टान्त सीख जब ओकी डग्यान नाजुक हुय जास अरु पत्ता नीकलन लगस हइ, ते तुम जानी लेस हइ, की गर्मी को टेम पास हइ.

33 या रीति से जब तुम या सब बातहोन खे देख, ते जानी लेस, की उ नजीक हइ, पन दरवाजा पर हइ.

34 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि जब तक या बात पुरी नी हुइ जाये, तब तक या पीडी को नाश नी हुये.

35 बहल अरु पृथ्वी टली जाये, पन मरो बोल कभी नी टले.

13:32-37; 17:26-30,34-36)

(13:32-37; 17:26-30,34-36)

36 उ दिन अरु उ टेम का बारे मे कोय नी जानस, नी स्वर्ग का दूतहोन, अरु नी बेटा होन, पन फक्त बाप.

37 जसो नूह को दिन थो, असा मे इन्सान का बेटो को भी आनो हुये.

38 क्युकी जसो पानी-प्रलय से पैयले का दिन मे, जो दिन तक की नूह डोंगा पर नी चढयो थो, उ दिन तक दुन्या खाता-पीता था, अरु ओमे भ्याव शादी होस हइ.

39 अरु जब तक जल-प्रलय अयखे वे सब खे बोह्य खे ली गयो, तब तक उनखे कुछ भी मालुम नी थो. असा मे इन्सान का बेटो को भी आनो हुये.

40 उ टेम दो झना खेत मे हुय खे एक खे ली जाये अरु दुसरा खे छोडी दियो जाये.

41 दो बयहोन चक्की पिसती ऱ्ही जाये, एक ली जाये, अरु दुसरी छोडी जाये.

42 येका लिये जागता ऱ्हे, क्युकी तुम नी जानस की तुम्हारो प्रभु कोनता दिन आहो.

43 पन यो जानी ले कि अगर घर का स्वामी खे यो मालुम हुये की चोर कोनता टेम आये ते जागतो ऱ्हेस. अरु अपना घर मे चोरी नी होन देस.

44 येका लिये तुम भी तैयार ऱ्हे, क्युकी जो टेम का बारे मे तुम सोचस भी नी, उ टेम इन्सान को बेटो अय जाये.

उ विश्वासयोग्य अरु डिमाकआलो सेवक कोन हइ, जेखे स्वामी ने अपना नौकर चाकर पर

मुखियो बनायो, की टेम पर उनखे खानो दिये?

46 अच्छो हइ, उ सेवक, जेखे ओको स्वामी अयखे असो ही करतो देखे.

47 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, उ ओखे अपनी पुरी संपत्ती पर अधिकार ठैराये.

48 पन अगर उ दुष्ट सेवक सोचन लग्यो, की मरा स्वामी खे आना मे देर हइ.

49 अरु अपना सात का सेवकहोन खे मारन लग्यो, अरु पीन आला का सात मे खायो-पीयो.

50 ते उ सेवक को स्वामी असो दिन अयो, जब उ ओका टुकडा टुकडा कऱ्हे, अरु असो टेम की जेखे उ नी समजस हइ,

51 अरु उ कठोर दण्ड दिये ओको भागी कपटिहोन का सात ठैरायो जाये व्हा रोनो अरु दात पीसनो हुये.”

## 25

तब स्वर्ग का राज्य वे दस कुव्वारीहोन का जसो हुये जो अपनी मशाल लीखे दुल्हा से मिलन

करण का लिये निकली.

2 ओमे पाच मूर्ख अरु पाच समझदार थी.

3 मूर्खहोन ने अपनी मशाल तो ली, पन अपना सात तेल नी लियो

4 पन समझदारहोन ने अपना मशाल का सात अपनी सीसी मे तेल भी भरी लियो.

5 जब दुल्हा खे आना मे देर हुय, ते वे सब जपन लग्यो, अरु सोय गय.

6 आधी रात खे धुम मची की देख, दुलो अय रोस हइ, ओकासे दान करण का लिये चल.

7 तब वे सब कुव्वारीहोन उठीखे अपनी मशाल बरोबर करण लग्यो.

8 अरु मूर्खहोन ने समझदारहोन से बोल्यो. अपना तेल मे से कुछ हमखे भी दे, क्युकी हमारी मशालहोन बुझी ऱ्हीस हइ.

9 पन समझदारहोन ने उत्तर दियो की कही हमारा अरु तुमारा लिये पुरो नी हुये. ते अच्छो तो यो हइ, की तुम बेचनआला का पास जयखे अपना लिये तेल मोल ले.

10 जब वे मोल लेन खे जय ही री थी, ते दुलो ए पोच्यो, अरु जो पाच तैयार थी, वे ओका सात भ्याव का भवन मे चली गय अरु दरवाजो बन्द करी दियो.

11 येका बाद वे दुसरी कुव्वारीहोन भी अयखे बोलन लगी, हे स्वामी, हे स्वामी, हमारा लिये दरवाजो खोली दे.

12 दुल्हा ने उत्तर दियो, की मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, मी तुमखे नी पहचानुस हइ.

13 “क्यु कि जागता! न्हे, नी तुम उ दिन खे जानस हइ, नी उ टेम खे.

~~~~~

14 “क्युकी यो उ इन्सान का जसी दशा हइ जेने परदेसी खे जाता टेम अपना सेवकहोन खे बुलय खे अपनी पुरी संपत्ती उनखे सोपी दी.

15 ओने एक खे पाच सोन्ना का सिक्का, अरु दुसरा खे दो, अरु तीसरा खे एक, अगर हर एक खे ओकी सामर्थ्य का जसो दियो, अरु तब उ जन्ना पर चली गयो.

16 तब, जेखे पाच सोन्ना का सिक्का मील्य़ा था, ओने झल्दी जयखे ओने लेन-देन कन्यो, अरु पाच सोन्ना का सिक्का, अरु कमाया.

17 या रीति से जेखे दो सोन्ना का सिक्का, मील्य़ा था, ओने भी दो अरु कमाया.

18 पन जेखे एक सोन्ना को सिक्का को मील्य़ो थो, ओने जयखे मट्टी खोदी, अरु अपना स्वामी को धन लुकय दियो.

19 “भोत दिन का बाद वे सेवकहोन को स्वामी अयखे उनसे लेखो लेन लग्यो.

20 जेखे पाच सोन्ना का सिक्का मील्य़ा था, ओने पाच सिक्का, अरु लीखे बोल्यो, हे स्वामी का तोने मेखे पाच सोन्ना का सिक्का सोपी दे, देख मेने पाच सोन्ना का सिक्का अरु कमाया हइ.

21 ओका स्वामी ने ओकासे बोल्यो, धन्य हे अच्छो अरु विश्वासयोग्य सेवक का तू जरासा मे विश्वासयोग्य न्हेस. मी तोखे भोत धन पर अधिकार दियु अपना स्वामी का आनन्द मे हिस्सेदार हुये.

22 अरु जेखे दो सोन्ना का सिक्का मील्य़ा था, ओने भी अयखे बोल्यो. हे स्वामी तोने मेखे भी दो सोन्ना का सिक्का खे सोपी दिया था, देख, मेने भी दो सोन्ना का सिक्का, अरु कमाया.

23 ओका स्वामी ने ओकासे बोल्यो, धन्य हइ अच्छो अरु विश्वासयोग्य सेवक का तू जरासा मे विश्वासयोग्य न्हीहे कमी तोखे भोत धन पर अधिकार दियु अपना स्वामी को आनन्द मे हिस्सेदार हुये.

24 तब जेखे एक सोन्ना को सिक्का मील्य़ो थो, ओने अयखे बोल्यो. हे स्वामी, मी तोखे जानतो थो, की तू अच्छो इन्सान नी हइ. तू झा कही नी बोस व्हा से काटस हइ, अरु झा नी बोयो व्हा से जमा करस हइ.

25 येका लिये मी डरी गयो अरु जयखे तरा सोन्ना का सिक्का खे मट्टी मे लुकय दियो. देख, जो तरो हइ, उ यो हइ.

26 ओका स्वामी ने उनका से बोल्यो, की हे दुष्ट अरु आलसी सेवक. जब तु यो जनतो थो, की झा मेने नी बोयो व्हा से काटुस हइ. अरु झा बीज मेने बोयो नी व्हा से जमा करस हइ.

27 ते तु चातो थो, की मरो धन सफा करी खे दे, तब मी अयखे अपनो धन व्याज समेत लीयुस.

28 येका लिये उ सोन्ना का सिक्का खे येका से ली ले अरु जेका पास सोन्ना को सिक्का हइ, ओखे दी दे.

29 क्युकी जो कोय का पास हइ, ओखे अरु दियो जाये. अरु ओका पास भोत हुये ते पन जेका पास नी हइ, ओकासे उ भी जो ओका पास हइ ली लियो जाये.

30 अरु यो नीकम्मा सेवक खे बाहेर का अंधारा मे डाली दे, झा रोन अरु दात पीसनो होस.

~~~~~

31 “जब इन्सान को बेटो अपनी महिमा मे आये, अरु सब स्वर्गदूत ओका सात आये, ते उ अपनी महिमा की राजगद्दी पर बठयो हुये.

32 अरु सब राष्ट्रहोन खे ओका सामने जमा कन्यो जाये. अरु जसो चरानआलो मेंडा खे बकरी से अलग करी देस हइ, असो ही उनखे एक दुसरा से अलग करस.

33 अरु उ मेंडा खे अपना जवना तरप अरु दुसरी बकरीहोन खे डाखोन्या तरप खडी करस.



34 तब राजा अपना डाखोर्या का जवना तरप आला से बोल्ये, हे मरा बाप, धन्य दुन्याहोन, आ, उ राज्य को अधिकारी हुये जाये, जो जगत का पैयले से तुमारा लिये तैयार कन्यो हुयो हइ.

35 क्युकी मी भुको थो, अरु तुम ने मेखे खान खे दियो. मी प्यासो थो, अरु तुम ने मेखे पानी पिलायो, मी नवाडो थो, तुम ने मेखे अपना घर मे रख्यो.

36 मी नंगो थो, तुम ने मेखे कपडा पेनाया. मी बेमार थो, तुम ने मरी सुदी ली, मी बन्दीगृह मे थो, तुम मरासे मीलन आया.

37 तब धर्मी ने ओखे उत्तर दियो, हे प्रभु, हमने कब तोखे भुखो देख्यो अरु खलायो? या प्यासो देख्यो, अरु पानी पिलायो?

38 हमने कब तोखे नवाडो देख्यो अरु अपना घर मे रख्यो या नंगो देख्यो, अरु कपडा पेनाया?

39 हमने कब तोखे बेमार देख्यो या बन्दीगृह मे देख्यो अरु तरा से मीलन आया?

40 तब राजा ने उनखे उत्तर दियो, मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, की तुम ने जो मरा वे छोटा से छोटा भैइहोन मे से कोय एक का सात कन्यो, उ मरा ही सात कन्यो.

41 “तब उ डाखोर्या तरप आला से बोलस, हे श्रापित दुन्याहोन, मरा सामने से उ अनन्त अंगार मे चली जा, जो सैतान अरु ओका दूतहोन का लिये तैयार करी गइ हइ.

42 क्युकी मी भुखो थो, अरु तुम ने मेखे खान खे नी दियो, मी प्यासो थो, अरु तुम ने मेखे पानी नी पिलायो.

43 मी नवाडो थो, अरु तुम ने मेखे अपना घर मे नी रख्यो. मी नंगो थो, अरु तुम ने मेखे कपडा नी पेनाया. बेमार अरु बन्दीगृह मे थो, अरु तुम ने मरी याद नी करी.

44 तब वे उत्तर दिये, हे प्रभु, हमने तोखे कब भुखो, या प्यासो, या नवाडो, या नंगो, या बेमार, या बन्दीगृह मे देख्यो, अरु तरी सेवा टहल नी करी?

45 तब राजा उनखे उत्तर दिये, ‘मी तुम से सच्ची बोलुस हइ की तुम ने जो ये छोटा से छोटाहोन मे से कोय एक का सात नी कन्यो, राजा मरा सात भी नी करस.’

46 अरु ये सब अनन्त दण्ड भोगन का लिये ली जाये पन धर्मी अनन्त जिवन मे प्रवेश कहे.”

## 26

~~~~~

(~~~~~ 14:1,2; ~~~~~ 22:1,2; ~~~~~ 11:45-53)

1 जब यीशु या सब बात बोली चुक्यो, ते अपना सेवक होन से बोलन लग्यो.

2 “तुम जानस हइ, की दो दिन का बाद मे फसह को तिवार हुये. अरु इन्सान को बेटा कुस पर चेडायो जान का लिये पकड्यो जाये.”

3 तब मुखियो याजक अरु दुन्या का बापदादा कैफा नामका महाराजा का अंगन मे जमा हुया.

4 अरु आपस मे बिचार करण लग्या की यीशु खे धोका से पकडि खे मारी डाले.

5 पन वे बोलता था, “की तिवार का टेम मे नी. कही असो नी हुये कि दुन्याहोन मे दंगो मची जाये.”

~~~~~

(~~~~~ 14:3-9; ~~~~~ 12:1-8)

6 जब यीशु बैतनीय्याह मे शमौन कोदी का घर मे थो.

7 ते एक बय संगमरमर का बर्तन मे भोतकिमती अत्रर लीखे ओका पास पिच्छे हुयखे, अरु जब उ खानो खान खे बठ्यो थो, ते ओका माथा पर डाली दियो.

8 यौ देखीखे, ओका सेवक घुस्सा से हइ खे बोलन लग्या, “येको का सत्यानाश करी दियो?

9 यो ते अच्छा दाम पर बेचीखे सब गरीबहोन खे बाटी जय सकतो थो.”

10 यो जानीखे यीशु ने उनका से बोल्यो, की बय खे काय बर सतास हइ? ओने मरा सात अच्छो काम कन्यो हइ.

11 गरीब तुमारा सात हमेशा न्हेस हइ, पन मी तुमारा सात हमेशा नी न्ह्यु.

12 ओने मरा आंग पर जो यो अत्रर डाल्यो हइ, उ मरा गाडयो जान का लिये कन्यो हय.

13 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, की सब जगत मे झा कही यो सुसमाचार को प्रचार कन्यो जाये, व्हा ओका यो काम को वर्णन भी ओका याद मे कन्यो जाये.

~~~~~

(~~~~~ 14:10,11; ~~~~~ 22:3-6)

14 तब यहूदा इस्करियोती ने, बारा सेवक होन मे से एक थो, मुखियो याजकहोन का पास जयखे बोल्यो,

15 अरु ओने बोल्यो, “अगर मी यीशु खे तुमारा हात मे पकडि खे दियु, ते मेखे का दिये?” ओने ओखे तीस चादी का सिक्का गिनी खे दी दिया.

16 अरु ओखे उ टेम से यीशु खे पकडन को अच्छो मौको ढुढन लग्यो.

~~~~~

17 अखमीरी की रोटी को तीवार का पयला दिन, सेवक यीशु का पास अयखे पुछन लग्या, “तु का चास हइ की हम तरा लिये फसह खाना की तैयारी करस?”

18 ओने बोल्यो, “गाव मे फलाना का पास जयखे ओकासे बोल, की गुरु बोलस हइ, की मरो टेम नजीक हइ, मी अपना सेवक होन का सात तरा ह्या फसह मनाउ.”

19 सेवक होन ने यीशु की आज्ञा मानी, अरु फसह तैयार कन्यो.

20 जब संजा हइ, ते यीशु बारा सेवक होन का सात खानो खान का लिए बठचा.

21 जब वे खय रा था, ते ओने बोल्यो, “मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि तुम मे से एक मेखे पकडाये.”

22 येका पर वे भोत उदास हुया, अरु हर एक ओकासे पुछन लग्या, “हे प्रभु, का उ मी हइ?”

23 ओने उत्तर दियो, “जेने मरा सात ठाटी मे हात डाल्यो हइ, उ मेखे पकडाये.

24 इन्सान को बेटा तो जसो ओका बारे मे लिख्यो हइ, जाना मे हइ. पन उ इन्सान का लिये शोक हइ जेका वजेसे इन्सान को बेटो पकडायो जास हइ अगर उ इन्सान को जन्म नौ होस, ते ओका लिये अच्छो हइ.”

25 तब ओका पकडनवाला यहूदा ने बोल्यो, “हे गुरु, का उ मी हइ?”

यीशु ओकासे बोल्यो, “तू बोली चुक्यो.”

~~~~~

26 जब वे खय रा था, ते यीशु ने रोटी ली, अरु धन्यवाद मागीखे तोडि, अरु सेवक होन खे दीखे बोल्यो, “ले, खा. यो मरो आंग हइ.”

27 फिर ओने कटोरो लीखे परमेश्वर को धन्यावाद कन्यो, अरु उन खे देखी खे बोल्यो, “तुम सब येमे से पीनु,

28 क्युकी यो वचन को मरो उ खुन हइ, जो भोतजन का लिये पाप की माफी का लिये बोहायो जास हइ.

29 मी तुम से बोलुस हइ, की अंगूर को उ रस उ दिन तब कभी नी पीउ, जब तक तुमारा सात अपना बाप का राज्य मे नवो नी पीयु.”

30 फिर वे गानो बोली खे जैतून कि टेकडि पर चली गया.

~~~~~

31 तब यीशु ने उनका से बोल्यो, “तुम सब आज ही रात खे मरा बारे मे ठोकर खाये, क्युकी शास्त्र मे लिख्यो हइ, मी चरवाहोन खे मारी डाल्यु. अरु झुण्ड का मेंडाहोन इदर-उदर हुय जाये.

32 पन मी अपना जिन्दो उठन का बाद तुम से पैयले गलील खे जाउ.”

33 येका पर पतरस ने ओकासे बोल्यो, “अगर सब तरा बारे मे ठोकर खाये ते खाये, पन मी कभी ठोकर नी खाउ.”

34 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “मी तरा से सच्ची बोलुस हइ, की आज ही रात मुर्गा का बांग देन का पैयले, तू तीन बार मरा से मुकरी जाये.”

35 पतरस ने ओकासे बोल्यो, “अगर मेखे तरा सात मरनू भी हुये, ते भी, मी तरा से कभी नी घुस्सा हुयु.” अरु असो ही सब सेवक होन ने भी बोल्यो.

???? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?  
(???? 14:32-42; ???? 22:39-46)

36 तब यीशु ने अपना सेवक होन का सात गतसमनी नामका एक जगा मे आया अरु अपना सेवक होन से बोलन लग्यो “ह्या बटचा जे, जब तक की मी व्हा जयखे प्रार्थना करुस.”

37 अरु उ पतरस अरु जब्दी को दो बेटाहोन का सात ली गयो, अरु उदास अरु व्याकुल होन लग्या.

38 तब ओने उनका से बोल्यो, “मरो मन भोट उदास हइ ह्या तक की मरो जान नीकली जास हइ. तुम ह्या रुख, अरु मरा सात जागता जे.”

39 फिर उ जरासा अरु आगे बडिखे मुंडा का बल गिरीगो, अरु या प्रार्थना करण लग्यो, हे मरा बाप, अगर हइ सखे, ते यो कटोरो मरासे टली जाये, फिर भी जसो मी चास हइ असो नी, पन जसो तु चास हइ असो ही हुये.

40 फिर सेवक होन का पास अयखे उनखे सोते देख्यो, अरु पतरस से बोल्यो, “का तुम मरा सात एक घण्टा भर नी जागी सकस?

41 जागता जे, अरु प्रार्थना करता जे, की तुम परीक्षा मे नी पडे! आत्मा ते तैयार हइ, पन आंग कमजोर हइ.”

42 फिर ओने दुसरा बार जयखे या प्रार्थना करी, “हे मरा बाप, अगर या मरा पिना का बिना नी हटी सखे ते मरी इच्छा पुरी हुये.”

43 तब ओने अयखे उनखे फिर सोते देख्यो, क्युकी उनकी आख नीद से भरी थी.

44 अरु उनखे छोडी खे फिर चली गयो, अरु वही बात फिर बोलीखे, तीसरी बार प्रार्थना करी.

45 तब ओने सेवक होन का पास अयखे उनका से बोल्यो, “अभी सोते जे, अरु आराम कर देख, टेम ए पोच्यो हइ, अरु इन्सान को बेटो पापीहोन का हात मे दियो जाये.

46 उठ, सेवक आ चल देख मरा पकडनवालो नजिक पिच्छे हुयय गो.”

???? ? ? ? ? ? ? ? ?

47 उ यो बोली ही रो थो, की यहूदा जो बारा सेवक होन मे से एक थो, आयो, अरु ओका सात मुखियो याजकहोन अरु दुन्याहोन का बापदादा होन का तरप से बडि गर्दी, तलवार अरु लकडिहोन लिखे आया.

48 ओका पकडनवाला ने उनखे यो पतो दियो थो “जेखे मी चुमो लियु उ हइ. ओखे पकडि लेनु.”

49 अरु झल्दी यीशु का पास अयखे बोल्यो, “हे गुरु, नमस्कार!” अरु ओको चुमो लियो.

50 यीशु ने ओकासे बोल्यो,

“हे दोस्त, जो काम का लिये तू आयो हइ, ओखे करी ले.” तब ओका पास अयखे यीशु पर हात डाल्यो अरु ओखे पकडि लियो.

51 तब यीशु का साथिहोन मे से एक ने हात बडय खे अपनी तलवार खीची ली अरु महा याजक का एक सेवक पर चलय खे ओको कान काटी दियो.

52 तब यीशु ने ओकासे बोल्यो, “अपनी तलवार खे म्यान मे रखी ले क्युकी जो तलवार चलास हइ, वे सब तलवार से खतम कन्या जास.

53 का तु नी समझस, कीमी अपना बाप से प्रार्थना करी सकुस हइ, अरु उ स्वर्गदूतहोन का बारा सेवक होन का सैन्य-दल से जादा मरा पास अभी हजर करी दिये?

54 पन पवित्रशास्त्र की या बात खे असो ही होनो अच्छो हइ, कसी पुरी हुये?”

55 उ टेम यीशु ने गर्दी से बोल्यो, “का तुम तलवार अरु लकडि लीखे मेखे डाकू का जसा पकडन का लिये नीकल्या हइ? मी हर दिन मन्दिर मे बठीखे शिक्षा दियो करतो थो, अरु तुम ने मेखे नी पकड्यो.

56 पन यो सब येकालिये हुयो हइ, की भविष्यव्क्ताहोन को वचन पुरो हुये.”

तब सब सेवक ओखे छोडी खे भागी गया.

\*\*\*\*\*

57 अरु यीशु खे पकडनवाला खे ओका कैफा नामका महा याजक का पास ली गया, झा पंडीतहोन अरु बापदादाहोन जमा हुया था.

58 अरु पतरस दुर से ओका पीछे-पीछे महायाजक का घर का अंगन तक गयो, अरु अंदर जयखे अन्त देखन का लिये सेवकहोन का सात बठी गयो.

59 मुखियो याजकहोन अरु सब महासभा यीशु खे मारी डालन का लिये ओका विरोध मे झुठी गवाही की खोज मे था.

60 पन भोत सा झुठा गवाह का आना पर भी नी पासयो. आखरी मे दो झना आया,

61 अरु बोल्यो, “येने बोल्यो की मी परमेश्वर की मन्दिर खे तोडि सकुस हइ अरु तीन दिन मे बनय सकुस हइ.”

62 तब महायाजक ने खडो हूयखे ओकासे बोल्यो, “का तु कोय उत्तर नी देस? ये दुन्या तरा विरोध मे का गवाही देस हइ?”

63 पन यीशु चुप ही थो. तब महायाजक ने ओकासे बोल्यो “मी तोखे जिन्दा परमेश्वर की कसम दियुस हइ, कि अगर तु परमेश्वर को बेटो मसीह हइ, ते हम से बोली दे.”

64 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तोने खुद ही बोलि दियो. जब मी तुम से यो भी बोलुस हइ, की अभी से तुम इन्सान का बेटा खे फक्त सर्वशक्तिमान का जवना तरप बठ्यो, अरु आकाश का बहलहोन पर आते देखे\*.”

65 तब महायाजक ने अपना कपडा फाडी खे बोल्यो, “येने परमेश्वर की नीन्दा करी हइ, अभी हम खे गवाहहोन को प्रयोजन? देख, तुम ने अभी या नीन्दा सुनी हइ!

66 तुम का समझस हइ?” ओने उत्तर दियो, यो मरन को दण्ड होन का योग्य हइ.

67 तब उनने ओका मुडा पर थपड अरु घुसा मान्या, दुसरा ने थप्पड मान्यो,

68 अरु बोल्यो “हे मसीह, हम से भविष्यवाणी करीखे बोल की कोय ने तोखे मान्यो का?”

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 14:66-72; \*\*\*\*\* 22:56-62; \*\*\*\*\* 18:15-18,25-27)

69 पतरस बाहेर अंगन मे बठ्यो हुयो थो की एक दासी ने ओका पास अयखे बोल्यो, “तू भी यीशु गलीली को साथी थो.”

70 ओने सब का सामने यो बोलीखे इन्कार क्यो अरु बोल्यो, “मी नी जानुस तू का बोली न्हिस हइ.”

71 जब उ बाहेर दरवाजा मे चली गयो, ते दुसरी दासी ने ओखे देखीखे ओने जो वहा थो बोल्यो, “यो भी तो यीशु नासरी का सात थो.”

72 ओने कसम खयखे फिर इन्कार क्यो, “मी उ इन्सान खे नी जानुस.”

73 जरासा देर का बाद मे, जो व्हा खडा था, उनने पतरस का पास अयखे ओकासे बोल्यो, “सच मुच तू भी ओमे से एक हइ. क्युकी तरी बोली तरो भेद खोली देस हइ\*.”

74 तब उ कोसन अरु कसम खान लग्यो, “मी उ इन्सान खे नी जानु.” अरु झल्दी मुर्गा ने बांग दी.

75 तब पतरस खे यीशु की बोली हुये बात याद अय “अरु मुर्गा का बांग देना से पैयले तू तीन बार मरो इन्कार कर्हे.” अरु उ बाहेर जयखे फुटी-फुटी खे रोन लग्यो.

## 27

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 15:1; \*\*\*\*\* 23:1,2; \*\*\*\*\* 18:28-32)

1 जब फजर हुई, ते सब प्रधान याजकहोन अरु दुन्याहोन का बापदादा ने यीशु खे मारी डालन की योजना करी.

2 अरु उनने ओखे बांध्यो अरु ली जयखे पिलातुस राज्यपाल का हात मे सोपी दियो.

???? ?? ????  
(?????????? 1:18,19)

3 जब ओका पकडनवाला यहूदा ने देख्यो की उ दोषी ठैर्यो गयो हइ ते उ पछतायो अरु वे तीस चादी का सिक्का खे प्राधन याजकहोन अरु बापदादाहोन खे देन गयो.

4 अरु बोल्यो, “मेने नीर्दाष खे मरन का लिये पकडीखे पाप कन्यो हइ?” उनने बोल्यो, “हमखे का? तू ही देखी ले.”

5 तब उ वे सिक्काहोन खे मन्दिर मे फेकी खे चली गयो, अरु जयखे अपना आप खे फासी दी.

6 प्रधान याजकहोन ने वे सिक्काहोन खे लिखे बोल्यो, “इनखे पेटी मे रखनो अच्छो नी, क्युकी वे खुन को दाम हइ.”

7 आखरी उनने योजना करी खे वे सिक्काहोन से नवाडाहोन खे गाडन का लिये कुमार को खेत मोल लीयो.

8 यो कारण उ खेत आज तक खुन को खेत बोलस हइ.

9 तब जो वचन यिर्मयाह भविष्यव्यक्ता का वजसे बोल्यो गयो थो उ पुरो हुये “उनने वे तीस सिक्का खे अगर उ ठैरायो हुयो मुख्य खे जो इस्राएल का बेटा मे से कत्ता ने ठैरायो थो ली लीयो.

10 अरु जसो प्रभु ने मेखे आज्ञा दी थी असो ही उनखे कुमार का खेत का लिये दी दियो.”

?????? ?? ????  
(?????? 15:2-5; ???? 23:3-5; ???? 18:33-38)

11 जब यीशु राज्यपाल का सामने खडो थो, ते राज्यपाल ने ओकासे पुछ्यो “तू यहूदीयाहोन को राजो हइ?” यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तू खुद ही बोली रोस हइ.”

12 जब प्रधान याजक अरु बापदादा ओका पर दोष लगय रा था, ते ओने कुछ भी उत्तर नी दियो.

13 येका पर पिलातुस ने ओकासे बोल्यो “तु नी सुनस की ये तरा बारे मे केतना गवाही दी रास हइ?”

14 पन यीशु ने पिलातुस खे एक बात को भी उत्तर नी दियो, ह्या तक की राज्यपाल खे बडो आश्चर्य हुयो.

???? ?? ???? ?? ???? ?? ????  
(?????? 15:6-15; ???? 23:13-25; ???? 18:39—19:16)

15 अरु रोमी राज्यपाल की या रीति थी, की उ तिवार मे दुन्याहोन का लिये कोय एक बन्दी खे जेखे वे चाता था, ओखे छोड्यो दियो जातो थो.

16 उ टेम मे उनखे बन्दीगृह वरअब्बा नाम को, एक जानो मानो गुना बन्दी थो.

17 अतः जब वे जमा हुया, ते पिलातुस ने उनका से बोल्यो, “तुम कोखे चास हइ, की मी तुमारा लिये छोडी दुयु? वरअब्बा खे, या यीशु खे जो मसीह बोलस हइ?”

18 क्युकी वे जानता था की ओने ओखे धोका से पकड्यो हइ.

19 जब उ न्याय की गद्दी पर बठ्यो हुयो थो ते ओकी लुगेन ने ओखे बुलावो भेज्यो, “तू उ न्यायी का मामला मे हात नी डालनु क्युकी मेने आज दृष्टान्त मे ओका कारण भोत दुख उठायो हइ.”

20 अगर प्रधान याजकहोन अरु बापदादाहोन ने दुन्याहोन खे उकसा यो की वे वरअब्बा खे मांगी ले, अरु यीशु खे नाश करी सखे .

21 रोमी राज्यपाल ने उनका से पुछ्यो, “ये दो मे से कोखे चास हइ, की तुमारा लिये छोडी दुयु?” उनने बोल्यो, वरअब्बा खे.

22 पिलातुस ने उनका से पुछ्यो, “फिर यीशु खे जो मसीह बुलास हइ का करु?” सब ने ओकासे बोल्यो, “ओखे क्रुस पर चेडायो जाये.”

23 राज्यपाल ने बोल्यो “ओने का बुरोड करी हइ?” पन वे अरु भी चिलय-चिल्लय खे बोलन लग्या, की ओखे कुस पर चेडायो जाये.

24 जब पिलातुस ने देख्यो, की कुछ बनी नी पास पन हूल्लड कि सम्भावना हइ, ते ओने पानी लीखे गर्दी का सामने अपना हात धोया, अरु बोल्यो, मी यो न्यायी का खुन से नीर्दोष हुयु. तुम ही जानी ले.

25 सब दुन्याहोन ने उत्तर दियो, “येको खुन हम पर अरु हमारा बच्चाहोन पर हुये!”

26 येका पर ओने बरअब्बा खे उनका लिये छोडी दियो, अरु यीशु खे कोडा मारी खे सोपी दियो, की कुस पर चेडायो जाये.

\*\*\*\*\*

27 तब राज्यपाल का सिपाहीहोन ने यीशु खे किल्ला मे ली जयखे सब सेवक ओका चारी तरफ जमा कन्या.

28 अरु ओका कपडा उतारीखे ओखे चमकीला लाल कपडा पेनाया.

29 अरु काटा की टोपी गुथीखे ओका माथा पर रखी. अरु ओका जवना हात मे सरकण्डे दियो अरु ओका आगे टोगन्या टेकीखे ओकी मजाक उडान लग्या, “हे यहूदीयाहोन का राजा, को जय हुये!”

30 अरु ओका पर थुक्यो. अरु ये सरकण्डे ओका माथा पर मारन लग्या.

31 जब वे ओकी मजाक करी चुक्या, ते वे चमकीला कपडा ओका पर से उतारीखे फिर ओका कपडा ओखे पेनाया, अरु कुस पर चेडान का लिये ली गया.

\*\*\*\*\*

32 जब वे बाहर जाता हुये उनखे एक शमीन नाम को एक कुरेनी इन्सान मील्यो, उनने ओखे बेकार मे पकड्यो कि ओको कुस खे उठखे ली चल्यो.

33 अरु वा जगा पर जो गुलगुता नाम की जगा अगर खोपडी की जगा बोलता था पोचीखे.

34 उनने कडवो रस मील्यो हुयो अंगूर को रस ओखे पीन खे दियो, पन ओने चाट्यो पीयो नी.

35 तब उनने ओखे कुस पर चेडायो. अरु चिट्ठी डालीखे ओका कपडा बाटी लिया.

36 अरु व्हा बठीखे ओकी जागल करण लग्या.

37 अरु ओकी दोषचिट्ठी खे ओका माथा का उपर लगायो, की “यो यहूदीयाहोन को राजो यीशु हइ.”

38 तब ओका सात दो डाकू एक जवनो अरु डाखोन्यो बाजू कुस पर चेडायो गयो.

39 अरु आन-जानआला दुन्या माथो हलय-हलय खे ओकी नीन्दा करता था.

40 अरु यो बोलता था, “हे मन्दिर खे तोडनवाला अरु तीन दिन मे बनानवाला, अपना आपखे ते बचा! अगर तू परमेश्वर को बेटो हइ, ते कुस पर से उतरी खे आ.”

41 या रीति से प्रधान याजक भी पडीतहोन अरु बापदादाहोन का साथ मजाक करीखे बोलता था,

42 येने दुसरा खे बचायो, अरु अपना आपखे नी बचय सकस. यो तो इस्त्राएल को राजो हइ. अब कुस पर से उतरी खे आये, ते हम ओका पर विश्वास कन्हे.

43 ओने परमेश्वर को भरोसो रख्यो हइ, अगर उ येखे चास हइ, ते अभी येखे छुडाये, क्युकी येने बोल्यो थो, मी परमेश्वर को बेटो हइ.

44 यो प्रकार डाकू भी जो ओका सात कुस पर चेडायो गया था ओकी नीन्दा करता था.

\*\*\*\*\*

(मत्ती 15:33-41; मत्ती 23:44-49; मत्ती 19:28-30)

45 दुपार से लीखे तिसरा पार तक ओका सब देस मे अंधारो हइ गयो.

46 तीसरा पहर का नजीक यीशु ने बडो आवाज से पुकारी खे बोल्यो, “एली, एली, लमा शबक्तनी?” अगर “हे मरा परमेश्वर, हे मरा परमेश्वर, तोने मेखे कायबर छोडी दियो?”

47 जो व्हा खडा था, ओमे से केतना ने यो सुनीखे बोल्यो, “यो तो एलिय्याह खे बुल्य रोस हइ.”

48 ओमे से एक झलदी भाग्यो, अरु स्पंज लिखे अंगूर को कडु रस मे डुबय खे, सरकण्डे पर रखीखे ओखे पीन खे दियो.

49 भोतझना ने बोल्यो, “न्ही जा, देखस, की एलिय्याह ओखे बचान आस हइ की नी.”

50 तब यीशु ने बडा जोर से चिल्लय खे जान छोडी दियो.

51 तब, मन्दिर का परदा उपर से नीचे तक फटी खे दो टुकडा हुय गया अरु जमीन हली गय अरु टेकडी फटी गय.

52 अरु कब्र खुली गय, अरु सोया हुय पवित्र दुन्याहोन खे भोत सा मुर्दो जिन्दा उठचा.

53 अरु ओका जी उठना का बाद मे वे कब्र मे से नीकलीखे पवित्र गाव यरुशलेम मे गया, अरु भोतझना खे दिखइ दिया.

54 तब सुबेदार अरु जो ओका सात यीशु की चौकीदारी दी रा था, भूकम्प अरु जो कुछ हुयो थो, देखीखे भोत डरी गया, अरु बोल्यो, “सचमुच यो परमेश्वर को बेटो थो!”

55 व्हा भोत सी बयहोन जो गलील से यीशु की सेवा करती हुइ ओका सात मे ए थी, दुर से देखी री थी.

56 ओमे मरियम मगदलीनी अरु याकूब अरु यूसुफ कि माय मरियम अरु जब्दी की लुगेन.

~~~~~

(~~~~~ 15:42-47; ~~~~~ 23:50-56; ~~~~~ 19:38-42)

57 जब संजा हुयी ते यूसुफ नाम अरिमतियाह को एक धनी इन्सान जो खुद ही यीशु को चेलो बन्या

58 ओने पिलातुस का पास जयखे यीशु का मुर्दा खे माग्यो. पिलातुस ने यूसुफ खे मुर्दो खे ले जान की आज्ञा दी.

59 यूसुफ ने मुर्दा खे लीखे ओखे सफेद चद्दर मे गुदथो.

60 अरु ओने अपनी नवी कब्र मे रख्यो, जो ओने टेकडी मे खोदी थी, अरु कब्र का दरवाजा पर बडो पत्थर लुढ़कैय खे चली गयो.

61 अरु मरियम मगदलीनी अरु दुसरी मरियम व्हा कब्र का सामने बठी थी.

~~~~~

62 आराम को दिन जो तैयारी का दिन का बाद को दिन थो, प्रधान याजकहोन अरु फरीसीहोन ने पिलातुस का पास जमा हुइखे बोल्यो.

63 हे स्वामी, हमखे याद हइ, की उ भरमानआला ने अपना जीते जी बोल्यो थो, की मी तीन दिन का बाद जिन्दो हुयु.

64 अतः आज्ञा दे की तीसरा दिन तक कब्र की रखवाली करी जाये, असो नी हुये की ओका सेवक होन ओखे चोरी खे ली जाये, अरु दुन्याहोन से बोलन लग्या, की उ मन्था हुया मे से जिन्दो उठयो हइ, तब अगलो झुटो पैयले से भी बुरो हुये.

65 पिलातुस ने उनका से बोल्यो, “तुमारा पास चोकीदारहोन तो हइ जा, अपनी समझ से ऋब खे सुरक्षित कर.”

66 आखरी मे वे चोकीदारहोन खे सात मे ली गया, अरु पत्थर पर एक नीशान लगयखे कब्र खे पुरी रिती से सुरक्षित बन्य दी.

## 28

~~~~~

(~~~~~ 16:1-10; ~~~~~ 24:1-12; ~~~~~ 20:1-10)

1 आराम का दिन का बाद हप्ता को पयलो दिन जब फजर हुइ न्ही थी, मरियम मगदलीनी अरु दुसरी मरियम कब्र खे देखन अय.

2 तब एक बडो भूकम्प हुयो, क्युकी परमेश्वर को एक दूत स्वर्ग से उतय्यो, अरु पास अयखे ओने पत्थर खे लुडक्य दियो, अरु ओका पर बठी गो.

3 ओको रुप बिजली का जसो अरु ओका कपडा पेन्या बर्फ का जसो उज्जाला था.

4 ओका डर से पहरदार कब उठचा, अरु मन्या का जसा हुय गया.

5 स्वर्गदूत ने बयहोन से बोल्यो, “मत डर, मी जानुस हइ की तुम यीशु खे जो कुस पर चेढायो गयो थो दुदस हइ.

6 उ ह्या नी हइ, पन अपना वचन का जसो उ जिन्दो उठचो हइ. आख या जगा खे देख कि झा प्रभु खे रख्यो गयो थो.

7 अरु झल्दी जयखे ओका सेवक होन से बोल, की उ मन्या मे से जिन्दो उठचो हइ. अरु देख उ तुम से पैयले गलील खे जास हइ, उ ओको दर्शन पाये, देख का मेने तुमखे बात बोली दी.”

8 अरु वे डर अरु बडा आनन्द का सात कब्र से झल्दी लोटिखे ओका सेवक होन खे समाचार बतान का लिये भागी गय.

~~~~~

9 तब, यीशु उनखे मील्यो अरु बोल्यो, “सुख से ज्हे” अरु उनका पास अयखे अरु ओका पाय पकडीखे ओखे प्रणाम कन्यो.

10 तब यीशु ने उनका से बोल्यो, मत डर मरा “भैइहोन से जयखे बोल,” “की गलील खे चली जा व्हा मेखे देखे.”

~~~~~

11 वे जय ही री थी, की पहरदारहोन मे से केतना ने नगर मे अयखे पुरो हाल मुखिया याजकहोन से बोल सुन्यो.

12 तब उनने बापदादाहोन का सात जमा हूयखे योजना करी, अरु सिपहीहोन खे भोट चादी का सिक्काहोन दिया.

13 अरु बोल्यो, “थो बोलनु की रात खे जब हम सोया था, ते ओका सेवक अयखे ओखे चोरी खे गया.

14 अरु अगर या बात राज्यपाल का कान तक पोची जाये, ते हम ओखे समझ्य लीये अरु तुमखे चिंता से आजाद करी दिया.”

15 येका लिये उनने सिक्का लिखे जसो सिखायो गयो तो, असो ही कन्यो. अरु या बात आज तक यहूदीयाहोन मे फैली हइ.

~~~~~

(~~~~~ 16:14-18; ~~~~~ 24:36-49; ~~~~~ 20:19-23; ~~~~~ 1:6-8)

16 अरु ग्यारा सेवक गलील मे वा टेकडी पर गया, जो यीशु ने उनखे बतय थी.

17 अरु उनने ओको दर्शन लीयो ओखे प्रणाम कन्यो, पर कोय-कोय खे विश्वास नी हुयो.

18 यीशु ने उनका पास अयखे बोल्यो, “की स्वर्ग अरु पृथ्वी को सब अधिकार मेखे दियो गयो हइ.

19 येका लिये तुम जयखे सब राष्ट्रहोन खे दुन्याहोन खे सेवक बन्या. अरु उनखे बाप, अरु बेटा, अरु पवित्र आत्मा का नाम से बपतिस्मा दे,

20 अरु उनखे सब बात जो मेने तुमखे आज्ञा दी हइ, ओको पालन करणो सिखा. अरु देख, मी जगत का आखरी तक हमेशा तुमारा सात ज्हीयु.”



## मरकुस रचित यीशु मसीह का सुसमाचार मरकुस रचित यीशु मसीह को सुसमाचार पहिचान

मरकुस का अनुसार गास्पोल नवा नीयम की चार किताब मे से एक हइ जो यीशु का जीवन को वर्णन करस हइ मसीह. ओमे से हर कोय खे “सुसमाचार” बोल्यो जास हइ, जेको अर्थ हइ “अच्छी खबर” वे यीशु का बाद लिखी गइ थी मत्ती, मरकुस, लुका अरु यहून्ना का वजेसे मरनो. मरकुस का अनुसार सुसमाचार चार मे सबसे छोटी हइ सुसमाचार. यो भी मान्यो जास हइ कि सब सुसमाचार सबसे पैयले 65-70 साल का बीच लिख्या गया था यीशु मसीह को जन्म का बाद. कोइ विधवानहोन को माननो हइ कि यो रोम मे कोय उद्देश्य से गयो थो वहा रोमन ख्रिश्चन खे प्रोत्साहित करणु.

मरकुस जो यहून्ना मरकुस का नाम से भी जान्यो जास हइ, प्रेरित पौलुस अरु बरनबास को साथी थो लेकिन ओकी प्रतीष्ठा थी जब उनने मीशनरी जत्रा खे त्यागी दियो ते वे आहत हुया प्रेरित 13:13. बाद मे मरकुस ने फिर से जत्रा कि बरनबास प्रेरित 15:37-391 पतरस 5:13. हलाकि मरकुस यीशु का जीवन को चश्मदीत गवा नी थो, विधवानहोन को माननो हइ कि मरकुस ने पतरस का बारे मे भोत कुछ दर्ज कन्यो हइ गवाही अरु यही मरकुस का अनुसार सुसमाचार को आधार हइ. सुसमाचार मे, मरकुस ध्यान खे केंद्रित करस हइ शिष्यत्व अरु आखरी टेम मे यीशु कि शिक्षा.

### रूप-रेखा

1. मरकुस कि बात को पैछान अध्याय मे देस हइ. 1:1-13
2. फिर मरकुस अध्याय मे यीशु का मत्रय को वर्णन करस हइ जब उ गलील मे थो. 1:14—8:21
3. येका बाद उ यीशु का यरुशलेम जत्रा का बारे मे बतास हइ 8:22—10:52
4. मरकुस ने यरुशलेम मे यीशु का टेम का बारे मे लिखी खे अपनी बात खतम करी, जोमे ओको मरनो अरु पुनरुत्थान भी शामिल हइ. 11:1—16:8

~~XXXXXXXX XX XX XXXXXXXX XX XXXXXXX~~  
(~~XXXXX~~ 3:1-12; ~~XXXXX~~ 3:1-18; ~~XXXXXXXX~~ 1:19-28)

- 1 परमेश्वर को बेटो यीशु मसीह को सुसमाचार की सुरुवात.
- 2 जसो कि यशायाह भविष्यवदक्ता की किताब मे लिख्यो हइ  
“परमेश्वर ने बोल्यो, मी तरा आगे अपनो दूत,  
भेजुस हइ, उ तरा लिये रस्ता तैयार करे.
- 3 सुनसान जंगल मे एक पुकारनआला को  
आवाज सुनइ दि रो हइ कि प्रभु कि रस्ता तैयार कर,  
अरु ओकी रस्ता सीधी करणु!”
- 4 येका लिये यहून्ना सुनसान जंगल मे बपतिस्मा अरु शिक्षा हुया दुन्याहोन से बोल्यो, अपना पाप से दुर रहे अरु माफ का लिये. “मन फिराव को बपतिस्मा ले अरु परमेश्वर तुमारा पाप खे माफ करे.”
- 5 पुरा यहूदीयाहोन प्रदेस, अरु यरुशलेम शहर का सब जेहनआला नीकलीखे यहून्ना का पास गया, अरु उनने अपना पाप खे मनय खे यरदन नदी मे ओकासे बपतिस्मा लियो.
- 6 यहून्ना उट का बाल का कपडा पेनीखे अरु अपनी कम्मर मे चामडा को पट्टो बाध्यो हेंतो थो, अरु टोटर अरु जंगल को मोहरुस खातो थो.
- 7 अरु उ यो प्रचार करतो थो “मरा बाद उ आनआलो हइ, जो मरासे भोत बडो हइ. मी यो योग्य भी नी की झुकी खे ओका जुता की तन्नी खोली सकु.

8 मेने तो तुमखे पानी से बपतिस्मा दियो, पन उ तुमखे पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिये.”

~~~~~

(~~~~~ 3:13—4:11; ~~~~~ 3:21,22; 4:1-13)

9 उन दिन मे, यीशु ने नासरत नगर से गलील प्रदेश मे अयखे, यरदन नदी मे, यहून्ना से बपतिस्मा लीयो.

10 अरु जब उ पाणी से नीकलीखे उपर आयो ते तुरुत ओने बदल खे खुलतो अरु पवित्र आत्मा खे कबूतर का रुप मे अपना उपर उतरता देख्यो.

~~~~~

11 अरु यो स्वर्ग से एक आवाज सुन्यो “तू मरो लाड को बेटो हइ, तरा से मी भोत खुश हइ.”

12 तब पवित्र आत्मा ने ओखे तुरुत सुनसान जगा का तरफ भेज्यो.

13 अरु सुनसान जगा मे चालीस दिन अरु चालीस रात तक सैतान ने ओकी परीक्षा करी. अरु उ जंगली जनवरहोन का साथ न्हियो. अरु स्वर्गदूत ओकी सेवा करता न्हिया.

~~~~~

(~~~~~ 4:12-17; ~~~~~ 4:14,15)

14 यहून्ना खे बन्दीघर मे डाल्या जान का बाद यीशु ने गलील प्रदेश मे अयखे परमेश्वर का राज को सुसमाचार प्रचार कर्यो.

15 अरु बोल्यो “टेम पूरो हुयो हइ, अरु परमेश्वर को राज नजीक अय गो हइ, अपना पाप से मन फिरानु अरु सुसमाचार पर विश्वास करणु.”

16 जब यीशु गलील की नदी का किनारा जातो हुये ओने दो भैइ शमीन अरु ओको भैइ अन्द्रियास खे नदी मे जाल डालते देख्यो, क्युकी वे मछिआला था.

17 यीशु ने उनका से बोल्यो, मरा पिछे आ मी तुम खे परमेश्वर का राज मे लानो सीखायु.

18 वे तुरुत जाल, छोडी खे ओका पिछे चली गया

19 अरु कुछ आगे अयखे ओने जब्दी का दो बेटा याकूब, अरु ओको भैइ यहून्ना खे, डोंगा पर जाल खे सुधारते देख्यो.

20 जब यीशु ने उनखे देख्यो, अरु तुरुत उनखे बुलायो वे अपना बाप जब्दी खे मजूरहोन का साथ डोंगा पर छोडी खे यीशु का पिछे चलि गया.

~~~~~

21 यीशु अरु वोका चेला कफरनहूम शहर मे आया, अरु उ अराम का दिन मे यहूदीयाहोन का आराधनालय \* मे जय खे उपदेस देन लग्यो.

22 अरु दुन्या ओकी शिक्षा से अचम हुया, क्युकी उ उनखे धर्म शास्त्री का जसो नी, पन अधिकार से उपदेस देतो थो.

23 उ टेम मे उनको आराधनालय मे, एक इन्सान थो. जोमे एक बुरी आत्मा थी.

24 ओने चिल्लय खे बोल्यो, हे नासरत नगर को यीशु, हमखे तरा से काम? का तू हम खे खतम करण आयो हइ? मी तोखे जानुस हइ तू कोण हइ, तू परमेश्वर को पवित्र जन हइ.

25 यीशु ने ओखे धमकय खे बोल्यो, चुप न्हे अरु ओमे से नीकली जा,

26 तब बुरी आत्मा ओखे मुरगडी खे अरु बडा आवाज से चिल्लय खे ओमे से नीकली गइ.

27 येका पर सब अचम करता हुये आपस मे वाद विवाद करण लग्या, या, बात हइ? यो तो कोय नवो उपदेस हइ, “उ अधिकार का साथ बुरी आत्माहोन खे भी आज्ञा देस हइ, अरु वे ओकी आज्ञा मानस हइ.”

28 यो तरह गलील अरु ओका आस पास का हर सब प्रदेश मे यीशु को नाम जल्दी ही फैली गो.

~~~~~

(~~~~~ 8:14-17; ~~~~~ 4:38-41)

* 1:21 सिनेगो

29 यीशु आराधनालय मे से नीकलीखे याकूब अरु यहून्ना को साथ शमौन अरु अन्द्रियास का घर मे आयो.

30 अरु शमौन की सासु बुखार मे पडी थी, अरु उनने तुरुत ओका बारे मे ओकासे बोल्यो.

31 तब ओने पास जैइखे ओको हात पकडी खे ओखे उठायो. अरु ओको बुखार उतरी गयो, अरु वा उनकी सेवा करण लगी.

32 शाम का टेम जब सुरज डूबी गयो ते दुन्या सब बीमारहोन खे अरु उनमे जोमे बुरीआत्माहोन थी, यीशु का पास लानु.

33 अरु पुरा नगर का सब दुन्या दरवाजा का बाहेर जमा हुआ.

34 यीशु ने भोतझण खे अलग प्रकार की बिमार से छुडचा हुआ था, उनखे अच्छो कर्यो, अरु भोत सी बुरीआत्माहोन खे नीकाली. अरु बुरीआत्माहोन खे बोलन नी दियो, क्युकी वे ओखे पहचानता था यो कोन आय.

???? ?? ???? ?? ???????

(???? 4:42-44)

35 फजर खे दिन नीकलना से भोत पैयले यीशु उठीखे नीकली गयो, अरु एक सुनसान जंगल कि जगा मे गयो अरु व्हा प्रार्थना करण लग्यो.

36 तब शमौन अरु ओका साथी ओखे ढुढन लग्या.

37 अरु जब उ मील्यो, ते ओकासे बोल्यो. सब दुन्या तोखे ढूडी रा हइ.

38 पन यीशु ने उनका से बोल्यो, “आ. हम अरु कही आस पास का गाव मे जाये, कि मी व्हा भी प्रचार कर्यु, क्युकी मी येकालिये ही आयो हइ.”

39 अरु उ पुरा गलील मे यहूदीयाहोन का आराधनालय मे जय जैयखे प्रचार करतो अरु बुरीआत्माहोन खे नीकलतो ह्यो.

??? ?? ???? ?? ???????

40 अरु एक कोढ को रोगी यीशु का पास अयखे, ओकासे मदत मागी, अरु ओका सामने घुटना टेकीखे, ओकासे बोल्यो, “अगर तू चाहो ते मेखे अच्छो करी सकस हइ.”

41 यीशु ने ओका पर दया खैइ खे हात बढायो, अरु ओखे पकडी खे बोल्यो, “मी चाहुस हइ, तू अच्छो हइ जा.”

42 अरु तुरुत ओकी कोढ सुधरते चली गइ, अरु उ अच्छो हइ गयो.

43 तब यीशु ने ओखे कडी चेतावनी दिखे तुरुत बिदा कर्यो.

44 अरु ओकासे बोल्यो, “सुन, कोय से मत बोलनु, पन जैइखे अपना आप खे महायाजक खे बता, अरु अपना अच्छो होन का बारे मे जो कुछ मूसा ने ठैरायो हइ ओखे दान चेडा, कि उन पर गवाह हुये.”

45 पन उ इन्सान बाहेर जैइखे या बात को भोत प्रचार करण अरु ह्या तक फैलान लग्यो, कि यीशु फिर खुल्लमखुल्ला नगर मे नी जैइ सक्यो, पर बाहेर सुनसान जगा मे ह्यो. अरु चारी तरफ से दुन्या यीशु का पास आता ह्यो.

2

???? ?? ???? ?? ???????

(???? 9:18; ???? 5:17-26)

1 थोडा दिन का बाद उ फिर कफरनहूम मे आयो अरु सुन्यो गयो कि उ घर मे हइ.

2 फिर येत्ता दुनिया जमा हुआ, कि दरवाजा का पास भी जगा नी मीली. अरु उ उनखे वचन सुनय रो थो.

3 अरु दुन्या एक लखवा का रोगी खे चार इन्सानहोन से उठयखे ओका पास लि गया.

4 पर जब वे गर्दी का कारण ओका पास नी पहुँची सक्या, ते उनने उ छत खे जेका नीचे उ थो, खोली दियो अरु जब ओखे लटकै चुक्या ते ओकी खटिया खे जेका पर लखवा को मार्यो हुयो पडचो थो, उतारी दियो.

5 यीशु ने उनको विश्वास देखीखे ओखे लखवा लग्याआला खे बोल्यो, “हे बेटा तरो पाप माफ हुयो.”

6 तब कोय व्यवस्था का शिक्षक जो व्हा बठ्या था वे अपना अपना मे मन बिचार करण लग्या.

7 “यो इन्सान क्यु असो बोलस हइ? यो तो परमेश्वर की मजाक करस हइ, परमेश्वर खे छोड अरु कोन पाप माफ करी सकस हइ?”

8 यीशु ने तुरुत अपनी आत्मा मे जानी लियो, कि वे अपना मन मे असो बिचार करी रा हइ, अरु उनसे बोल्यो “तुम अपना मन मे यो बिचार क्यु करी रा हय?”

9 सरल का हइ? लखवो लगना से यो बोलनो हइ कि तरा पाप माफ हुया, यो बोलनो हइ, कि उट अपनी खटिया उठैइखे चल फिर.

10 पर जेका से तुम जानी ले कि इन्सान का बेटा खे धरती पर पाप माफ करण को अधिकार हइ, ओने उ लखवो लग्या हुया से बोल्यो.

11 “मी तोखे बोलुस हइ. उट, अपनी खटिया उठैइखे घर चली जा.”

12 उ उठ्यो, अरु तुरुत खटिया उठैइखे सब का सामने से नीकलीखे चली गयो. येका पर सब अचम हुया, अरु परमेश्वर कि महिमा करीखे बोलन लग्या, हमने असो कभी नी देख्यो.

~~~~~

(~~~~~ 9:9-13; ~~~~~ 5:27-32)

13 उ फिर नीकलीखे नदी का किनार गयो, अरु पुरी गर्दी ओका पास अय, अरु उ उनखे शिक्षा देन लग्यो.

14 जातो हुये यीशु ने हलफड को बेटो लेवी खे चुंगी की चौकी पर बठ्यो देख्यो, अरु ओका से बोल्यो, “मरा पिछे आ,” अरु उ उठीखे, ओका पीछे अय गो.

15 अरु यीशु ओका घर खाना का लिये बठौ. अरु भोत सा चुंगी लेनआला अरु पापी भी ओका अरु सेवक होन का साथ खानो खान का लिये बठ्या, क्युकी वे भोत झन था, अरु ओका पिछे अयगा था.

16 अरु व्यवस्था का शिक्षक अरु फरीसीहोन ने यो देखीखे, कि उ तो पापीहोन अरु चुंगी लेनआला का साथ खानो खै रो हइ? ओका सेवक होन से बोल्यो, “उ तो चुंगी लेनआला अरु पापीहोन का साथ खास पीस हइ?”

17 यीशु ने यो सुनीखे, उनसे बोल्यो, भलो अच्छा वैद्य की जरूरत नी, पर बीमारहोन खे हइ. मी धर्मीहोन खे नी, पर पापीहोन खे बुलान खे आयो हइ.

~~~~~

(~~~~~ 9:14-17; ~~~~~ 5:33-39)

18 यहून्ना को सेवक, अरु फरीसी उपास करता था. अन्नत उनने अय खे ओकासे यो बोल्यो. यहून्ना का सेवक अरु फरीसीहोन का सेवक क्यु उपास रखस हइ, पर तरा सेवक उपास नी रखे.

19 यीशु ने उनसे बोल्यो, “जब तक दुलो बरातहोन का साथ न्हेस हइ, उ उपास करी सकस हइ? अन्नत जब तक दुलो उनका साथ हइ, तब तक वे उपास नी करी सक्ये.

20 पर उ दिन आयै कि दुलो उनसे अलग कर्यो जाये. उ टेम वे उपास कर्ये.

21 “नवा कपडा को थेगडो जुन्ना कपडा पर कोय नी लगाय. नी ते उ थेगडो ओमे से कुछ खीची लिये, अगर नवो को पुराना से अरु उ फटी जाये.

22 नवो अंगूर को रस मडकाहोन मे कोय नी रखस, नी ते अंगूर को रस मडकाहोन खे फोडी दिये, अरु अंगूर को रस अरु मडका खे दोइ भी खतम हुइ जाये. पर अंगूर को नवो रस मडका मे भन्यो जास हइ.” अंगूर को रस चमडो का झोला मे

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 12:1-8; ॥॥॥॥ 6:1-5)

23 अरु असो हुयो की उ आराम का दिन खेतहोन मे से हुइ खे जय रा थो. अरु ओका सेवक चलते हुये भुट्टा तोडन लग्या.

24 तब फरीसीहोन ने ओकासे बोल्यो, “देख, यो आराम का दिन उ काम क्यु करस हइ जो अच्छो नी?”

25 “ओने उनसे बोल्यो का तुम ने कभी नी पढ्यो, कि जब दाउद खे जरुरत हुये अरु जब उ अरु ओका साथ भूखा हुये, तब ओने कन्यो थो?

26 ओने काय खे अबियातार महायाजक का टेम मे परमेश्वर का घर मे जय खे, दान कि रोटी खइ जेको खानो याजकहोन खे छोडी अरु कोय को भी अच्छो नी, अरु अपना साथीहोन खे भी दियो”

27 अरु “ओने उनका से बोल्यो, आराम को दिन इन्सान का लिये बनायो गयो हइ न की इन्सान अराम का दिन का लिये.

28 येका लिये इन्सान को बेटो अराम का दिन को भी प्रभु हइ.”

3

॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 12:9-14; ॥॥॥॥ 6:6-11)

1 अरु उ आराधनालय मे गयो व्हा एक इन्सान थो जेको हात सूखी गयो थो.

2 अरु ओका उपर इलजाम लगाना का लिये ओका हात मे लग्या हुया था, कि देखनु, उ आराम का दिन मे अच्छो करस हइ कि नी.

3 ओने सुख्या हाथआला इन्सान से बोल्यो, “बीच मे खडो हो.”

4 अरु उनसे बोल्यो, अराम का दिन भलो करणो अच्छो नी हइ या बुरो करणो, जान खे बचानु या मरी जानु? पर वे चुप न्हिया.

5 अरु यीशु ने मन की करता से उदास हुइ खे, उन खे घुस्सा से चारी तरफ देख्यो, अरु उ इन्सान से बोल्यो “अपनो हात बडा” ओने बढायो, अरु ओको हात अच्छो हुइ गयो.

6 तब फरीसी बाहेर जैइखे तुरुत हेरोदियहोन, का साथ ओका खिलाप मे सम्मती करण लग्या, कि ओखे कोनता वजेसे नाश करणु.

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥

7 अरु यीशु अपना सेवक होन, का साथ नदी का, तरप चली गया, गलील अरु यहूदीया परदेस से बडी गर्दी ओका पिछे नीकल्यो.

8 अरु यहूदीया, अरु यरुशलैम, अरु इदूमीया, अरु यरदन नदी का पार, अरु सूर अरु सैदा का आस पास से एक बडी गर्दी यो सुनीखे कि उ कसो अचमकाम करस हइ ओका पास अय.

9 अरु ओने अपना सेवक होन से बोल्यो गर्दी का कारन एक छोटो डोंगा मरा लिये तैयार रख जब की वे मखे घेरी नी सखे.

10 क्योकी ओने भोत झन खे अच्छो कर्यो थो. येका लिये जेत्ता दुन्या रोग से पिडीत था, ओखे छिन का लिये ओका पर गिरी पड्या था.

11 अरु बुरी आत्मा ओखे देखती थी ते ओका आगे गिरी पडी थी, अरु चिल्लय खे बोलती थी कि “तू परमेश्वर को बेटो हइ.”

12 अरु यीशु ने बुरी आत्मा खे आज्ञा दी कि, व्हा कोय खे भी नी बतातु कि व्हा कोन हइ.

॥॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 10:1-4; ॥॥॥॥ 6:12-16)

13 तब यीशु एक टेकडा पर चढी गयो, अरु जेखे व्हा चाहतो थो उनखे अपना पास बुलाया. अरु वे ओका पास चली आया.

14 तब ओने उन खे बारा झण, खे नीयुक्त कर्यो, कि वे ओका साथ न्हिये, अरु उ उनखे भेज्ये, कि प्रचार कर्ये.

15 अरु बुरीआत्माहोन खे नीकालन को अधिकार दियो.

16 अरु वे ये हइ शमौन जेको नाम ओने पतरस रख्यो.

17 अरु जब्दी को बेटो याकूब, अरु याकूब को भैइ यहून्ना, जेको नाम ओने बुअनरगिस मतलब गर्जन को बेटो रख्यो.

18 अरु अन्द्रियास अरु फिलिप्पुस, अरु बरतुलमै, अरु मत्ती, अरु थोमा, अरु हलफइस को बेटो याकूब, अरु तद्दै, अरु शमौन कनानी थो.

19 अरु यहूदा इस्करियोती जेने वोखे पकडइ दियो.

~~~~~

(~~~~~ 12:22-32; ~~~~~ 11:14-23; 12:10)

20 अरु वु घर मे आयो. अरु फिर एक असी बडी दुन्या होन एक साथ का जमा हुइ गया. की वे रोटी भी नी खय सक्या.

21 जब यीशु का कुटुब परीवार ने यो सुन्यो ते वे ओखे पकडन का लिये नीकल्या क्यु कि उनको बोलनो यो थो की ओको मन जगा पर नी थो.

22 तब शास्त्रिहोन जो यरुशलेम से आया हुया “था, बोली रा था, येमे सैतान समायोस हइ, अरु उ सैतान की बुरी आत्मा को मुखियो की मदत से बुरीआत्माहोन खे नीकालस हइ.”

23 तब वोने उन खे वो का पास बुलयखे अरु उनका से दृष्टान्त मे बोलन लगी गो, सैतान कसो सैतान खे, नीकाली सकस हइ?

24 आपस मे कोय राज्य मे फुट पडी जाह्ये, ते वू राज्य जगा पर शांत सनी न्हि सखे.

25 अगर कोइ घर मे फुट पडी जाह्ये ते, वू घर बन्यो नी न्हि सखे.

26 अरु अगर सैतान अपना खिलाफ उठी खे खडो हुये. अरु उनमे फुट पडी जाह्ये, ते वू जगा पर नी न्हि सकन को, पन वोको नाश हुये.

27 पन कोइ इन्सान से कोइ बलवान इन्सान का घर मे घुसी खे, वोकी संपत्ती नी लुटी सखे, जब तक की वु बलवान इन्सान खे बाधी नी ले. येका बाद मे वु वोका घर खे लुटी सख्ये.

28 मी तुमारा से सच्ची बोलुस हइ, इन्सान का बच्चा का सब पाप अरु नीन्दा जो वे माफ करस हइ, वे माफी मीली जाह्ये.

29 पर जो कोइ पवित्र आत्मा का खिलाप नीन्दा कन्हे, ओखे कभी माफ नी कर्ये जाये. पर उ अनन्त पाप को अपराधी ठैरायोस हइ.

30 क्यु की वे यो बोलस हइ की ओमे बुरी आत्मा हइ.

~~~~~

(~~~~~ 12:46-50; ~~~~~ 8:19-21)

31 अरु वोकी माय अरु वोको भैइ व्हा पर पहुच्या, अरु बाहेर खडा हुइ खे खबर भेजी अरु वोखे बुला.

32 अरु गर्दी वोका चारी बाजू मे बठी थी, अरु उनने वोखे बोल्यो, “देख, तरी माय अरु तरा भैइ अरु भैइन बाहेर तोखे दुडी रास हइ.”

33 ओने जवाब देते हुये उनखे बोल्यो, कोन मरी माय अरु कोन मरो भैइ?

34 अरु अपना चारी तरफ बठ्या आला दुन्या का तरप नजर घुमइ खे वोने बोल्यो, देख मरी माय अरु भैइ अरु बहीन ये हइ.

35 क्यु कि जो कोइ परमेश्वर की इच्छा पर चल्ये, उ मरो भैइ, अरु मरी भैइन, अरु मरी माय.

4

~~~~~

(~~~~~ 13:1-9; ~~~~~ 8:4-8)

1 यीशु फिर नदी का किनारा पर शिक्षा देन लग्यो अरु असी बडी गर्दी ओका पास जमा हुइ गी, की उ नदी मे एक डोंगा पर चेडी खे बठी गयो, अरु सब गर्दी जमीन पर नदी का किनारा पर खडा ढ्हीगा.

2 अरु उ उनखे दृष्टान्त मे भोत सारी बात सीखान लग्यो, अरु अपनी शिक्षा मे उन खे बोल्यो.

3 सून अरु देख, एक बोनवालो बीज बोन का लिये नीकल्यो.

4 जब बोन का टेम कुछ बीज रस्ता का किनारा मे गिरीगा, अरु पक्षिहोन ने अयखे चुनी लियो.

5 अरु कुछ बीज पत्थर का जमीन पर गिन्या गया उनखे भोत मट्टी नी मीली, अरु भोत मट्टी नी मीलना से वे झल्ट्दी उगी सक्या.

6 अरु जब सुरज नीकल्यो, ते जली गया, अरु जडी नी पकडी ते सुखी गया.

7 अरु कुछ बीज होन झाडि मे गिरी गया, अरु झाडि ने बडीखे ओखे दबय दियो, अरु उ पिक्यो नी.

8 पन कुछ बीज होन अच्छी जमीन पर गिन्या, अरु उ उगी गया, अरु बडिखे पकी गया. अरु कोय तीस गुणा, कोय साठ गुणा, अरु कोय सौ गुना पकी गया.

9 अरु उनने बोल्यो, “जेका पास सुनन का लिये कान हुये, उ सूनी ले.”

~~~~~

(~~~~~ 13:10-17; ~~~~~ 8:9,10)

10 जब यीशु येकलो ढ्ही गयो, ते ओका सात आलाहोन ने वे बारा समेत ओका से यो दृष्टान्त का बारे मे पुछ्यो.

11 ओने उनका से बोल्यो, तुम खे तो परमेश्वर का राज्य की भेद की समझ दी गय हइ, पन बाहेर आला का लिये सब बात काहानी मे होस हइ.

12 येकालिये
की वे देखेता हुये देखे

अरु उनखे देखनु नी पडे

अरु सुनते हुये सुने भी

अरु नी समझे कि असो

नी होनु कि वे फिर,

अरु माफ कर्यो जाह्ये.

~~~~~

(~~~~~ 13:18-23; ~~~~~ 8:11-15)

13 फिर यीशु उनका से बोल्यो “तुम या काहानी नी समझस? ते फिर अरु सब दृष्टान्त खे कसा समझे?

14 बोन आलो परमेश्वर वचन बोस हइ?

15 जो रस्ता का किनार को हइ झा पर वचन बोयो जास हइ, ये वे हइ, कि जब उनने सुन्यो, ते सैतान झल्ट्दी अयखे वचन खे जो उनने बोयो गयो थो, उठय ली जास हइ.

16 अरु असो ही जो इन्सान फथरेली जमीन पर बोयो जास हइ, ये वे हइ, कि जो वचन खे सुनी खे झल्ट्दी आनन्द से अपनय लेस हइ.

17 पन अपना अंदर कि जडी नी रखन का कारण वे थोडासा दिन का लिये ढ्हेस हइ, येका बाद वचन का कारण उन पर दुख या उपद्रव होस हइ, ते वे झल्ट्दी ठोकीखे खास हइ.

18 अरु जो झाडिहोन मे बीज बोयो गयो ये वे हइ जेने वचन सुन्यो,

19 अरु जगत की फिकर अरु धन को धोको अरु चीजहोन को लोभ ओमे टेम खे वचन खे दबय देस हइ अरु उ बिना फल को न्हि जास हइ.

20 अरु थोडा दुन्या अच्छी जमीन मे बोयो गयो, ये वे हइ, जो वचन सुनीखे अपनास अरु फल लास हइ, कोय तीस गुणा, कोय साठ गुणा, अरु कोय सौ गुणा.”

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 8:16-18)

21 अरु यीशु ने उन का से बोल्यो, दिवा खे येकालिये लास हइ कि टोपली अरु खटीया का नीच्चे रख्यो जाह्यो? येकालिये नी कि दिव्यो रखन कि जगा पर रख्यो जाह्यो?

22 जो कुछ भी लुक्यो हइ, ओखे बाहेर लायो जाह्यो अरु जो कुछ झाक्योस हइ, ओखे उजागर कर्यो जाह्यो.

23 अगर कोय खे कान हइ ते सुनीले.

24 फेर ओने ओखे बोल्यो, तु जो कुछ सूनन का लिये तैयार रहे. जो माफ से तुम मोजी दिहे ओखे तुमारा लिये मोजी खे दिहे, तुम खे भी जादा देना मे आह्यो.

25 क्योकी जो खे हइ, वोखे दियो जाह्यो, अरु जेखे नी हइ, वोखे हूये नी, वे भी उनका पास नीकाली लीयो जाह्यो.

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥॥

26 यीशु ने बोल्यो, “परमेश्वर को राज्य असो हइ जसो जो इन्सान ने जमीन मे बीज बोयी दियो.

27 अरु रात खे सोयो, अरु दिन मे जाग्या अरु व्हा बीज असो उगायो अरु बडिगा की व्हा नी मालुम

28 जमीन आपो आप पीक दिहे. पहीली कोम फिर बोन्ड अरु भुट्टा मे भन्याआला दाना.

29 पर जब दानो पकी जास हइ, तब उ जल्दी दराती से काटस हइ, क्योकी काटन को टेम अय गयोस हइ.”

॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥॥

30 फिर ओने बोल्यो, “हम परमेश्वर का राज्य कि तुलना कोय से करस, अरु कोय दृष्टान्त से वर्णन करणु.

31 उ रइ को दाना जसो हइ. उ जमीन मे बोन की जगा पर सब दाना मे बारीक हुये.

32 फिर भी बोना का बाद नीकली खे सब बगीचा का रोप मे बडो हूय जास हइ अरु वोमे बडी डग्यान नीकलस हइ, जेका से बदल मे उडन आली पक्षिहोन भी वोका खोरा मे घोसलो बनास हइ.”

33 उ उनखे असी कयी दृष्टान्त का वजेसे वचन सूनातो थो, जोत्ता वे समजी सकस हइ ओतो ही ओतो ही बतायो थो,

34 अरु वू दृष्टान्त का बिना उनका से कुछ नी बोलतो थो. पन एकला मे अपना सेवक होन खे सब कुछ समजातो थो.

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥ ॥॥॥॥

35 उ दिन जब संजा हइ, ते वोने वोका से बोल्यो, “आ हम व्हा जाये.”

36 अरु गर्दी खे छोडी खे उनका जसा व्हा पर था, उनखे अपना साथ डोंगा मे लि लीयो अरु व्हा वोका साथ अरु भी डोंगा होन था.

37 जब एक भयानक तूफान आयो अरु लाट डोंगा खे टकरान लगी हया तक की पाणी डोंगा मे भरन लग्यो.

38 अरु व्हा खूद पिछे का भाग मे उस्तो अरु गद्दा पर सोयो थो अरु सेवक ने ओखे उठायो अरु बोल्यो “हे गुरुजी, तुमखे चिंता नी हइ, की हमारो नाश हूय जाह्यो ते का तोखे?”

39 जब ओने उठीखे जाना का बाद वोने तूफान खे धमकयो, अरु पानी खे बोल्यो, “शान्त रहे, अरु रुखी जा” अरु तूफान रुखी गयो अरु सब कुछ शान्त हूय गयो.

40 ओने उनखे बोल्यो, तुम इत्तो डरस क्यु हइ? या कसी बात हइ की तुमारा मे विश्वास नी हइ.

41 अरु वे एक दम डरी गा अरु आपस मे बोलन लग्या, अन्नत : यो कोन आय? की येका बोलना से तूफान अरु पाणी, “लहर भी येकि बात मानस हइ!”



## 5

ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ

(ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ 8:23-27; ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ 8:22-25)

- 1 फिर वू नद्दी का आगे गेरासेनीयहोन का देश मे पहुँच्या,
- 2 अरु उ डोंगा से उतन्यो ते, तुरुत एक इन्सान जोमे बुरी आत्मा, थी, कब्र से नीकलीखे ओखे मील्यो.
- 3 उ मरगट मे न्हिया करतो थो अरु कोय ओखे साकल से भी नी बाधी सकता था.
- 4 क्युकी उ बार-बार बेडिहोन अरु साकलहोन से बाध्यो गयो थो, पर ओने साकल खे तोडी दियो, अरु बेडिहोन खे टुकडा-टुकडा करी दिया था, अरु कोय ओखे कब्जा मे नी करी सकता था .
- 5 उ लगातार रात-दिन मरगट अरु टेकडीहोन मे चिल्लाते अरु पत्थरहोन से अपना आप खे घायल करतो थो.
- 6 उ दूर से यीशु खे देखीखे दौवड्यो, अरु ओका पाय पर घुटना का बल गिर खे प्रणाम करयो.
- 7 अरु जोर से चील्लय खे बोल्यो, परम प्रधान परमेश्वर को बेटो यीशु, मेखे तरा से काम? मी तोखे परमेश्वर की कसम दिउस मेखे सजा मत दे
- 8 क्युकी उ ओका से बोली रो थो, “हं बुरी आत्मा, यो इन्सान मे से नीकली जा.”
- 9 यीशु ने ओका से पुच्छो, तरा नाम का हइ? ओने ओकासे बोल्यो मरो नाम सेना हइ. क्युकी हम भोत झन हइ.
- 10 अरु वोने वोका से गिडगीडच खे प्रार्थना करी की हमखे यो देस का बाहेर नी भेजनु.
- 11 व्हा पहाड पर एक डुक्कर होन को एक बडो धन चरीरो थो.
- 12 अरु उनने ओकासे प्रार्थना करते हुयो बोल्यो हमखे वे डुक्कर मे भेज की हम मीली जाह्ये.
- 13 येका लिये ओने उनखे आज्ञा दि. अरु बुरी आत्मा होन ओमे से नीकली खे डुक्करहोन का अंदर गइ. अरु डुक्करहोन को जो बडो झुण्ड जो नजीकपास दो हजार को थो पहाड पर से झील मे गीरी खे डुबीखे मरी गया.
- 14 उन डुक्करहोन खे चरान आला ने भागी खे नगर मे अरु गाव मे या खबर सुनय, अरु दुन्या होन जो कुछ हुयो थो वोखे देखन खे आया.
- 15 तब वे यीशु का पास आया, अरु जो इन्सान मे जो बुरीआत्मा थी जेमे सेना जमाइ थी, कपडा पेन्या अरु अच्छो बटयो देखीखे डरी गया.
- 16 जो इन्सान होन ने यो देख्यो थो ओमे बुरीआत्मा लग्यो आलो इन्सान अरु डुक्कर का बारे मे सब कुछ हूयो जो, उनखे बतायो.
- 17 फिर यीशु अरु अपना देस से जान का लिये प्रार्थना करण लग्यो.
- 18 अरु जब वु डोंगा मे चडन लग्यो ते वू इन्सान जो पैयले बुरीआत्मा थी प्रार्थना करण लग्यो कि मेखे भी तरा सात न्हेन दे.
- 19 फिर भी ओने ओखे आन नी दियो अरु वोखे बोल्यो, अपना कुटुम होन का पास घर मे जा अरु वुन खे बता की परमेश्वर ने तरा लीये कसो बडो काम कन्यो, अरु वोने तरा पर कसी दया करी.
- 20 व्हा जयखे दिकापुलीस सेवक नगर का बडा देस मे या बात को प्रचार करण लग्या कि यीशु ने मरा लिये कसो बडो काम कर्यो हइ. अरु सब दुन्या अचम्भो करतो थो.

ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ

(ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ 9:18-26; ⲙⲁⲣⲕⲱⲥ 8:40-56)

- 21 जब यीशु डोंगा से वा पार गयो, ते एक भोत बडी वोका चारी तरफ अरु एक जगा जमा हूइ गा, अरु व्हा नद्दी का किनारा पर था.
- 22 फिर आराधनालय का अधिकार मे से याइर नाम को एक इन्सान आयो अरु वोखे देखी खे वोका पाय पर गीरी गयो,
- 23 अरु यो बोलिखे ओका से प्रार्थना करिखे बोलन लगी का मरी छोटी बेटी बिमार हइ. तू अयखे ओका पर हात रख कि वा अच्छी हुइ जाय अरु जिन्दी न्हे.

24 तब यीशु ओका साथ गयो. अरु बडी गर्दी ओका पिछे चलन लगी, ह्या तक कि इन्सानहोन कि गर्दी ओका पर गिरी पडी थी.

25 एक बय थी जो बारा साल से खुन बगरन की बीमारी थी,

26 अरु जेने भोत से वैद्य से इलाज करायो, अरु अपना सब पैसा खर्च करण पर भी ओखे कुछ लाभ नी मील्यो, पर अरु भी बीमार हुइ गइ थी.

27 ओने यीशु का बारे मे सुनी खे, गर्दी मे ओका पिछे-पिछे अय अरु ओका कपडा खे छि लियो.

28 क्युकी वा बोलती थी कि मी ओका कपडा खे छि लियु ते मी अच्छी हुइ जायु.

29 अरु तुरुत ओको खुन बोहानो बंद हूयगो, अपना आंग मे सोची लियो कि मी बीमारी से अच्छी हुइ गइ.

30 यीशु ने तुरुत अपना मे जानी लियो, कि मरासे सामर्थ्य नीकली हइ, अरु गर्दी मे पीछे फिरी खे पूछ्यो, “मरा कपडा कोने छिया?”

31 ओका सेवक ने ओखे बोल्यो, तु तो देखी रो थो की गर्दी तरा पर गिरी पडस अरु तु बोलस, की मेखे हात कोने लगायो?

32 जब ओने वा बय खे जो यो कन्यो थो यो देखन खे चारी तरफ देखन लग्यो.

33 फिर भी वा बय जो कुछ वोका सात हूयो थो वु समजी खे डरस अरु कापते हुइ अय वोका सामने गीरी गय, अरु वोने सब कुछ सच्ची सच्ची बतय दियो.

34 वोने ओकासे बोल्यो, “बेटी तरा विश्वास ने तोखे अच्छो कन्योस. शांती से जा अरु अपनी बीमारी से बची रहे,”

35 उ यो बोली न्हो थो, कि आराधनालय का सरादार का घर से दुन्याहोन ने अय खे बोल्यो, “तरी बेटी तो मरी गइ. अब गुरु खे क्यु दुख देस हइ.”

36 फिर यीशु ने वा बात खे सुनी ली अरु आराधनालय का अधिकारी खे बोल्यो, डर मत पन विश्वास रख.

37 अरु वोने पतरस, अरु याकूब, अरु याकूब को भैइ यहून्ना खे छोडी खे, अरु कोय खे अपना साथ आन नी दियो.

38 अरु वे आराधनालय का अधिकारी का घर मे आया, ते दुन्या होन खे चिल्लाते अरु जोर से रोते विलापते देख्यो.

39 जब वु अंदर जइ खे वोने बोल्यो तुम काय का लिये रोय रा अरु चिल्लय रा? बेटी मरी नी, पन सोय रीस हइ.

40 अरु वे ओकी हसी उडान लग्या. पन सब खे बाहेर नीकाली खे बेटी का माय बाप अरु वोका सात आलाखे लीखे वोने उ घर मे झा बटी थी व्हा वे गया.

41 अरु बेटी को हात पकडी खे वोने वोखे बोल्यो, तलीता कुमी! येको मतलब हइ, हे बेटी, मी तोखे बोलुस हइ, उट.

42 अरु बारा साल की वा पोरय तुरुत चलन फिरन लगी, येका पर दुन्याहोन खे खुब अचम्बो हुयो.

43 फिर यीशु ने उनखे चेतावनी का साथ आज्ञा दी कि या बात कोय खे मत बतानु, अरु येखे कुछ खान खे दे.

## 6

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 13:53-58; \*\*\*\*\* 4:16-30)

1 यीशु व्हा से नीकलीखे उ अपना नासरत गाव मे आयो, अरु ओका सेवक ओका पिछे चल्या.

2 अरु जब आराम को दिन आयो ते उ आराधनालय मे शिक्षा देन लग्यो, अरु सब सुनन आला अचम हुय गया अरु बोलन लग्या, ये भोत खे या बात खा से अय गी? अरु या कसी बात हइ जो येखे दि, अरु येका हात से कसो चमत्कार को काम हुयो हइ.

3 उ बडाइ नी, जो मरियम को बेटो अरु याकूब, योसेस, यहूदा, अरु शमौन को भैइ हइ, ओकी भैइन ह्या हमारा बीच मे नी ज्हेस? येका लिये उनने ओखे नी बोली दियो.

4 यीशु ने उनका से बोल्यो, “भविष्यव्दक्ता को अपनो देस, अरु अपना कुटुम, अरु अपना घर खे छोड अरु कही भी अपमान नी होस.”

5 अरु उ व्हा कोय सामर्थ्य को काम नी करी सक्यो फक्त जरासो बिमारहोन पर हात रखीखे उनखे अच्छो कर्यो.

6 अरु ओने उनका अविश्वास पर बडो अचम हुयो, अरु उ चारी तरफ का

*~~~~~*  
(~~~~~ 10:5-15; ~~~~~ 9:1-6)

गावहोन मे उपदेस दी ज्हे थो.

7 अरु ओने बारा चेला खे अपना पास बुलैइ खे उनखे दो करीखे भेजन लग्यो. अरु उनखे बुरी आत्माहोन पर अधिकार दियो.

8 अरु ओने उनखे आदेस दी कि “रस्ता का लिये लकडी छोड अरु कुछ नी लेनु, नी ते रोटी, नी झोरो, नी थैली मे पैसा.

9 पर जूताहोन पेन्नु अरु दो कुर्ता नी पेन्नु.”

10 अरु ओने उनसे बोल्यो, झा तुमारो स्वागत हुये उ घर मे उतर्ये ते जब तक व्हा से बिदा नी होनु, तब तक उ घर मे बठछो ज्हेनु.

11 अरु झा तुमखे दुन्या अपनान, नी कन्हे या तुमारी बात नी सुने, व्हा से चलते हि अपना तरवाहोन की धूल झाडि डालनु, कि उन पर गवाही हुये.

12 अरु उनने जैइ खे प्रचार कय्यो कि अपनो मन फिरानु.

13 अरु वे भोट सी बुरी आत्माहोन खे नीकलते अरु भोट बिमारी पर तेल लगय खे उनखे अच्छो कर्यो.

*~~~~~*  
(~~~~~ 14:1-12; ~~~~~ 9:7-9)

14 अरु हेरोदेस राजा ने ओकी चर्चा सुनी, क्युकी ओको नाम फैल्यो गयो थो, अरु ओने बोल्यो, कि “यहून्ना बपतिस्मा देन आला मन्या हुया मे से जिन्दो उठचो हइ, येका लिये यो सामर्थ को काम प्रकट होस हइ.”

15 अरु दुसरा ने बोल्यो “यो एलिय्याह हइ”

पर दुसरा ने बोल्यो भविष्यव्दक्ता या भविष्यव्दक्ताहोन मे से एक का जसो हइ.

16 हेरोदेस ने यो सुनीखे बोली, “जो यहून्ना को माथो मेने कटवायो थो, उ जिन्दो उठचो हइ.

17 क्योकी हेरोदेस ने खुद अपना भैइ फिलिप्पुस की लुगइ हेरोदेस का कारन जेका से ओने भ्याव कर्यो थो, दुन्या खे भेजीखे यहून्ना खे पकडय खे बन्दीगृह मे डाली दियो थो.

18 क्युकी यहून्ना ने हेरोदेस से बोल्यो थो, की तोखे अपना भैइ की लुगइ खे रखनो अच्छो नी.”

19 येकालिये हेरोदेस ओकासे बैर रकती थी अरु यो चाहती थी की ओखे मारी डाल्ये. पर असो नी हुइ सक्यो.

20 क्योकी हेरोदेस यो समजी खे यहून्ना से डरतो थो कि वु धर्मी अरु पवित्र इन्सान हइ, अरु वोकी रक्षा करस. अरु जब वु वोकि सुनतो थो ते खुप घबरई जातो थो, फिर भी खुशी से सुनतो थो.

21 अरु बरोबर टेम पर जब हेरोदेस ने अपनो जन्मदिन पर प्रधानहोन अरु सेनापतिहोन अरु गलील का बुर्जुक दुन्याहोन का लिये मीजवानी करी.

22 अरु उ हेरोदेस खे अरु ओका साथ बठन आला खे खुस कर्यो. तब राजा ने पोर्येइ से बोल्यो, “तू जो चाह्ये मरासे माग मी तोखे दियू.”

23 अरु ओने कसम खै, “मी अपनो आधो राज तक जो कुछ तू मरासे माग्ये मी तोखे दिह्यू.”

<sup>24</sup>ओने बाहेर जइ खे अपनी माय खे पुछ्छो, मी का मागु “अरु वाने बोल्यो,” “यहन्ना बपतिस्मा देन आलो को माथो.”

<sup>25</sup> वा तुरुत राजा का पास अंदर अय ओकासे प्रार्थना करी, “मी चाहुस कि तु यहून्ना बपतिस्मा देनआलो को माथो एक ठाटी मे मेखे दे.”

<sup>26</sup> तब राजो खुप उदास हुयो, फिर भी अपनी कसम अरु मीजवान होन का वजेसे व्हा वोकी प्रार्थना अपना यो करणो नी चाहतो थो.

<sup>27</sup> राजा ने तुरंत एक जल्लाद से भेज्यो अरु बोल्यो की वोको माथो ली से आ. ओने जेल मे जइ से ओको माथो काटचो,

<sup>28</sup>अरु वोखे ठाटी मे रखी खे अरु लय खे पोरय खे दियो अरु पोरय ने अपनी माय खे.

29 जब वोका सेवक होन ने या बात सुनी ते अयखे वोकी लास खे लिखे गया अरु वोखे एक कब्र मे रख्यो.

?? ? ? ?

([\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 14:13-21](#); [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 9:10-17](#); [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 6:1-14](#))

<sup>30</sup> प्रेरित यीशु का पास अयखे जमा हुआ अरु जो कुछ वुनने कय्यो थो अरु सिकायो थो वोको सब को वर्णन कय्यो.

<sup>31</sup>वोने वुनखे बोल्यो आ अरु सुनसान मे चली खे थोडी देर आराम कर. क्युकी व्हापर भोत झन अय अरु जय रा था, ह्या तक की वनखे खानो खान को भी अवसर नी मील्यो थो

<sup>32</sup>अन्त मे वु एकलो डोंगा मे चडी गो सुनसान जगा मे चली गयो.

???? ???? ???? ????? ?? ???? ???? ???? ?

<sup>33</sup> अरु दुन्या होन ने वुनखे जाते देख्यो अरु भोत झन ने उनखे पहीचानी लीयो, अरु सब नगर अरु गाव से दुन्या होन पयदल दौवडी खे ओका पैयले वा जगा पर जइ पहच्या.

<sup>34</sup>अरु डोगापर से उतरी खे वोने एक बडी गर्दी खे देखी अरु वोखे वुनका पर दया अय क्युकी वे मेढा का जसा था जीन को कोय रख आलो नी थो. अरु व वुनखे भोत बात बतान लग्यो.

<sup>35</sup> दिन डुबी गयो ते उ, सेवक वोका पास आया अरु बोलन लग्यो, “या जगा सुनसान हइ दिन परो डुबी गो थो.

<sup>36</sup> उनसे भेज कि आस पास का खेत मे अरु गाव मे जयसे अरु अपना लिये कुछ खान का लिये मोल ला.

<sup>37</sup> “पन यीशु ने उत्तर देते हुये बोल्यो,” कि तु इनखे कुछ खान खे दिदे वुनने वोखे बोल्यो, हम एक झन खे सौ सिक्का, “की मजरी की रोटी मोल ला अरु वुनखे खान खे दे?”

38 ओने वोखे बोल्ह्यो, तरा पास केतनी रोटी हई? जय खे देखे वाने देखी खे बतायो, पाच रोटी अरु दो मंछी.

<sup>39</sup> तब यीशु उनखे आज्ञा दि, कि सब खे हरी घास पर पगत होन मे बटैइ दे.

40 अरु दन्या पचास पचास अरु सौ सौ की पगत मे बठी गा.

41 वोने पाच रोटी अरु दो मंछी ली अरु स्वर्ग का तरप करी अरु आशिर्वाद माग्यो अरु पाच रोटी तोडी अरु वोने सेवक होन खे देतो गयो की वे उनखे बाटी दे, अरु वोमे दो मंछी खे भी वुन मे बाटी दे.

42 अरु सब ने खायो अरु धन्य हया.

43 वृन्ने रोटी का तुकडा अरु मंछी से भरी हइ बारा टोपली उठइ.

<sup>44</sup>अरु खान आला की सख्या मे से सीरीप इन्सान पाच हजार था.

???? ? ? ? ? ? ? ? ?

([Matthew 14:22-33](#); [Mark 6:15-21](#))

<sup>45</sup> तब वोने सेवक होन खे झलूदी डोंगा पर चड अरु अपना से पैयले बैतसैदा की दुसरी तरप जान खे बोल्यो, जबकी व खद गर्दी खे बिदा करण लग्यो.

46 अरु जब वु वुनखे बिदा करण चुक्यो ते वु पहाड मे प्रार्थना करण गयो.

47 जब सज्जा हुइ ते डोंगा पाणी का बिच मे आयो थो, अरु ऊ येकलो जमीन पर थो.

48 जब वोने उनखे बडी मुसीबत मे देख्यो, क्योकी हवा वुन का तरप फिरी, ते रात का लग भग तिन बज्या, वु वुन का पास पानी पर चलतो हुयो आयो, अरु वोने आगे नीकली जानो चाह्यो.

49 पन जब उनने वोखे पानी पर चलते देख्यो, ते वुनखे लग्यो कि, यो भुत आयो, अरु वे चिल्लन लगया

50 क्युकी सब ने वोखे देख्यो अरु डरीगा था.

पन वोने तुरुत उनखे खुद उ उनका से बोल्यो, हिम्मत रख मी आयो, डरनु मत.

51 जब वू उनका सात डोंगा पर चडी गयो, अरु तुफान रुखी गो,

52 क्योकी रोटीहोन कि घटना से कुछ नी समझ्या था, ते उन को मन कटुर हुय गयो थो.

~~~~~

(~~~~~ 14:34-36)

53 अरु उ पार उतरीखे गनेसरत मे पहुच्या अरु डोंगा खे जमीन पर लगायो.

54 अरु जब वू डोंगा पर से उतन्यो, ते दुन्या होन ने तुरुत ओखे पइछानी लीयो.

55 झा कही कभी मसीह यीशु होतो थो, अरु दुन्या भागी भागी खे सब रोगीहोन खे खटिया पर रखीखे वो का पास जाता था.

56 अरु गाव, नगर, अरु झा एक भी वु प्रवेश करतो थो, दुन्या बिमार आला खे बजार मे रखी खे वोने प्रार्थना करी रोथो की वु उनखे अपना कपडा खे हात भी लगदे. अरु जोत नाने भी वोखे हात लगायो, ते अच्छा हुय गया.

7

~~~~~

(~~~~~ 15:1-9)

1 तब फरीसी अरु कुछ शास्त्रिहोन जो यरुशलेम से आया था ओका पास जमा हुया

2 इन्सान ने देख्यो फरीसी कि पडय का जसो हात धोनों थो, पर सेवक का बिना हात धोयो खानो खाते देख्यो.

3 क्योकी फरीसी अरु सब यहूदीया धर्म बापदादा की पुरानी रितीरिवाज को पालन करस हइ अरु विधी का जसो बिना हात धोया खानो नी खाय.

4 अरु बजार से लाये जो कोय चिज अपनी शिक्षा का अनुसार धोइ लिये, तब तक नी खानु जसो कटोरो, कप अरु ताबा, को बर्तन अरु खटीया बिछानो धोना को अलग-अलग तरीको थो.

5 येकालिये वे फरीसीहोन अरु धर्म शास्त्रिहोन ने यीशु से पृछ्यो, “तरा सेवक क्युकी बापदादाहोन की परम्पराहोन पर नी चले आ, अरु बिना हात धोया अरु जिवन कि रोटी खास हइ?”

6 यीशु ने उनसे बोल्यो, यशयाह ने तुम कपटिहोन खे बारे मे अच्छी ही भविष्यवाणी करी! जसो लिख्यो हइ

वे दुन्या होठ से ते मरो सम्मान करस हइ,

पर उनको मन मरा से दूर रेस हइ

7 वे व्यर्थ मरी उपासना करस हइ,

क्योकी इन्सानहोन का नीयम खे

परमेश्वर को नीयम हइ असो करीखे सिखास हइ.

8 “क्योकी तुम परमेश्वर की आज्ञा खे टालस हइ अरु इन्सानहोन की शिक्षाहोन को पालन करस हइ.”

9 यीशु ने उनसे बोल्यो, “तुम अपनी शिक्षाहोन खे बनाए रखन का लिये परमेश्वर की आज्ञा खे टालना मे चलाक हुय गया हइ.

10 क्योकी मूसा ने बोल्यो हइ, 'अपना बाप अरु माय को सम्मान करणु.' अरु 'जो कोय बाप या माय से बुरो बोल्ये, ओखे नीश्चित मारी डाल्यो जाए.'

11 तुम सिखास हइ कि अगर कोय अपना बाप या माय से बोल्ये, जो कुछ तोखे दान करी रोस हइ, 'यो कुरवान हइ' जेखो मतलब हइ, यो परमेश्वर को दान हइ,

12 ते असो इन्सान खे अपना बाप या माय की सेवा नी करण को बहानो मीली जास हइ.

13 यो प्रकार से तुम अपना नीयम बनय खे, परमेश्वर का शिक्षाहोन खे टाली देस हइ. अरु येका वजेसे भोत सा काम करस हइ."

~~~~~

(~~~~~ 15:10-20)

14 फिर यीशु ने इन्सानहोन खे अपना पास बुलैइ खे उनसे बोल्यो, "तुम सब मरी बात सुनु, अरु समझनु.

15 असी कोय चिज नी जो इन्सान मे बाहर से अंदर जैइ खे अच्छो नी कहे. पर जो चिज इन्सान खे अंदर से बाहर नीकालस हइ, वेमे ओखे अशुध्द करस हइ.

16 जेका कान हइ वे सुन लेनु.*"

17 जब उ गर्दी का पास से घर मे गयो, ते ओका सेवक होन ने यो दृष्टान्त का बारे मे समझय खे बोल्यो.

18 ओने उनसे बोल्यो "तुम भी असो ना समझ हुया, तुम नी समझे कि जो चिज बाहर से इन्सान का अंदर जास हइ, उ ओखे अच्छो नी करी सखे?

19 क्युकी यो तुम्हारा मन मे नी, पर पेट मे जास हइ, अरु शौच से बाहर नीकली जास हइ?" यो बोलीखे यीशु ने सब खान की चिज खे अच्छी रखिस हइ.

20 तब ओने बोल्यो, "जो बातहोन इन्सान का अंदर से बाहर नीकालस हइ, उ यो इन्सान खे अशुध्द करस हइ.

21 क्युकी अंदर से, अपना दिल से बुरो बिचार का व्यभिचार खे मारनो,

22 व्यभिचार, लालची, कपटी, इर्ष्या, घमण्डी, अरु मूर्खता

23 या सब बुरी बात अंदर से ही नीकालस हइ अरु तुमखे अशुध्द करस हइ."

~~~~~

(~~~~~ 15:21-28)

24 फिर यीशु व्हा से उठीखे सूर अरु सैदा देस मे चली गयो. अरु एक घर मे गयो अरु उ नी चातो थो कि कोय खे मालुम चले, पन उ लुक्यो नी न्ही सक्यो.

25 अरु एक बय जोकी छोटि बेटी मे बुरी आत्मा थी, यीशु कि बात सुनीखे अय, अरु ओका पाय पर गिरी गइ.

26 गैरयहूदीहोन कि बय या सुरुफिनीकी मे पइदा हुइ थी. ओने यीशु से प्रार्थना करी की मरी बेटी मे से बुरी आत्मा खे नीकाली दे.

27 पर यीशु ने बोल्यो, "पैयले बाच्चाहोन खे तृप्त होन दे, क्युकी बच्चा कि रोटि खे लिखे कुत्ताहोन का आगे डालनो अच्छो नी हइ."

28 ओने ओखे उत्तर दियो, "सच्ची हइ प्रभु. पर टेबल का नीचे कुत्ताहोन भी तो बच्चा का टुकडा टाकडा खे खास हइ."

29 यीशु ने ओका से बोल्यो, तू जय जा "तुमारा जबाब से. बुरी आत्मा तरी बेटी मे से नीकली गइ हइ!"

30 ओने अपना घर मे अयखे देख्यो कि पोरई खटीया पर सोइ देखी हइ, अरु बुरी आत्मा नीकली गइ हइ.

~~~~~

* 7:16 कुछ हस्त लेख मे यो वचन नी मील्यो

31 तब सूर अरु सैदा का प्रदेस से नीकलीखे सिदोन का रस्ता से गलील की झील पहुँची खे दिकापुलीस†

32 तो इन्सानहोन ने एक बहिरा खे जो मुको भी थो, ओका पास लायो अरु ओकासे प्रार्थना करी कि अपना हात ओका पर रखनु.

33 येकालिये उ ओखे गर्दी से अलग ली गयो, अरु अपनी उगली ओका कानहोन मे डाली, अरु धूकी खे ओकी जीभ खे छियो.

34 अरु यीशु स्वर्ग का तरफ देखीखे आह भरी, अरु ओकासे बोल्यो, “इप्फत्तह!” यानेकी खुली जा!

35 अरु इन्सान को कान खुली गया, अरु ओकी जीभ की गाठ भी खुली गइ, अरु उ सफा बोलन लग्यो.

36 तब यीशु ने इन्सानहोन खे आदेस दियो कि उ कोय से नी बोलनु. पर जोत्तो जादा ओने उनखे आदेस दियो, उत्तर मे उन्हे यो नी बतायो.

37 वे सुनीखे भोत चकित हुया, “उ खेत्ता अच्छी तरह से सब कुछ करस हइ!” उनने बोल्यो, “उ भैइ अपुन खे सुनन की, अरु गूगाहोन खे बोलन की ताकत देस हइ!”

8

~~~~~

(मरकुस 15:32-39)

1 वे दिन मे फिर जब बडि गर्दी एक जगा जमा हूय गी अरु वोका पास खान खे कुछ नी थो, ते वोने अपना सेवक होन खे बुल्य खे बोल्यो,

2 “मेखे या गर्दी पर दया आस, क्योकी ये तिन दिन से मरा साथ हइ, अरु वोका पास खान खे कुछ भी हय नी.

3 अगर मी उनखे भुको घर मे भेजी दियु, ते वे रस्ता मे गली जाह्ये अरु भोत झन दुर से आया हइ.”

4 वोका सेवकहोन ने उत्तर दियो, इन खे तुप्त करण खे यो जंगल मे कोय येत्ती रोटी खासे लाहे?

5 “वोने ओका से पुछो का तुम्हारा पास केतनी रोटी हइ?”

“वुनने बोल्यो,” सात.

6 जब वोने गर्दी खे जमीन मे बटन खे बोल्यो, अरु वे सात रोटी खे ली अरु परमेश्वर को धन्यवाद करी खे तोडि, अरु अपना चेला होन खे देतो गयो कि उनखे बाट अरु उनने दुन्याहोन का सामने बाटी दि.

7 वुनका पास कुछ छोटी मंछी भी थी ओने परमेश्वर को धन्यवाद करी खे उनखे भी दुन्या का सामने बाटन को आदेश दियो.

8 अरु वे खेय खे तुप्त हुय गा, अरु चेलाहोन ने बच्या हुया टुकडाहोन कि सात टोपलीहोन भरी खे उठइ.

9 अरु दुन्या चार हजार का नजीक पास था. तब ओने दुन्याहोन खे बिदा करी दिया,

10 अरु वु तुरुत अपना सेवक होन का साथ डोंगा पर चडी खे दलमनुता प्रदेस मे चली गयो.

~~~~~

(मरकुस 16:1-4)

11 कुछ फरीसीहोन अय खे यीशु से वाद विवाद करण लग्या, अरु वोकी परिक्षा करण का लिये ओकासे वे दुन्याहोन ने आश्चर्य कर्म करण का लिये बोल्यो कि उ स्वर्ग से परमेश्वर का तरप से कोनतो चिन्ह बताये.

12 यीशु ने आत्मा मे लंबी सास भरी खे बोल्यो, या पीडि का दुन्या क्यु चिन्ह दुबस हइ? मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, या पीडि खे कोय भी चिन्ह नी दियो जाये.

13 अरु व्हा उनखे छोडी खे फिर डोंगा पर चेड्यो अरु दुसरा किनारा पर चली गयो.

† 7:31 दस नगर, बडा शहरमे आयो

????????? ??? ???????? ?? ?????

(????? 16:5-12)

14 अरु वे रोटी लेनो भुली गया था, डोंगा मे वुन का पास फक्त एक की रोटी थी.

15 वोने वुन खे चेतावनी दी देख फरीसी यों खमीर अरु हेरोदेस का खमीर से हुशार न्हेनु.

16 अरु वे आपस मे बात करी खे बोलन लग्या, हमारा पास रोटी नी हइ.

17 यीशु ने यो जानी खे ओखे बोल्यो, तुम आपस मे बात कर रास हइ कि हमारा पास रोटी नी हइ, तुम अभी तक नी जानी सक्या हइ? का तुम्हारे मन कठोर हुइ गयो हइ.

18 का आख न्ही खे भी का तुम नी दिख्या? कान न्ही खे भी नी सुनाये अरु का तुम खे याद नी अय?

19 जब मेने पाच हजार दुन्याहोन का लिये पाच रोटीहोन तोडि, ते तुम ने टुकडाहोन से भरी केतनी टोपली उटैइ थी सेवक होन ने जवाब दियो

“बारा” टोपलीहोन.

20 यीशु ने डबल पुच्छो का तुम खे याद नी जब मेने चार हजार दुन्या का लिये सात रोटीहोन तोडि ते तुम ने तुकडा से भरी खे सात टोपलीहोन उठय थी

उनने ओका से बोल्यो सात टोपली.

21 यीशु ने उनखे बोल्यो, का तुम अभी भी नी समज्या?

????? ?? ???????? ?? ?????? ?? ?????? ?????

22 वे बैतसेदा मे आया, अरु दुन्या होन एक अंधा खे ओका पास लिखे आया, अरु वोका से प्रार्थना करण लग्या, की येखे हात लगा.

23 व्हा से अंधा को हात पकड्यो वोखे गाव का बाहेर लि गयो, अरु वोका आख पर थुक्यो अरु वोका पर हात रखी खे ओखे पुच्छो, का तुमखे दिखै दि न्हो?

24 ओने आख उटैइ खे बोल्यो, “मी इन्सान खे देखूस हइ क्युकी वे मेखे चलता हुये दिखै देस हइ जसो झाड.”

25 तब वोने फिर वोका आख पर हात रख्यो अरु बडो अच्छो दिखान लग्यो, अरु वोखे दिखान लगी गो.

26 वोने यो बोली खे घर मे भेजो, यो गाव मे पाय भी नी रखनु.

????? ?? ?????? ?????? ?? ?????? ?????? ???

(????? 16:13-20; ????? 9:18-21)

27 अरु यीशु अपना सेवक का सात कैसरीया फिलीप्पी का गाव मे गयो. रस्ता मे वोने अपना सेवक होन से यो पुच्छो मेखे बाता दुन्या मरा बारे मे का बोलस मी कोन आयो.

28 उनने बोल्यो, यहून्ना बपतिस्मा देन आलो, अरु कुछ झन ने बोल्यो एलिय्याह बोलस, अरु कुछ झन बोलस कि भविष्यवक्ता आयो.

29 अरु व्हा वोने सवाल पुचते न्हियो, पर तुम का बोलस? मी कोन आय?

पतरस ने उत्तर दिखे बोल्यो, तु मसीह हइ.*

30 तब ओने उनखे धमकय खे बतायो की वे मरा बारे मे कोय से नी बोलनु.

????? ?? ?????? ?? ?????????????

(????? 16:21-28; ????? 9:22-27)

31 अरु व्हा वु उपदेस देन लग्यो कि उ इन्सान को बेटो भोत दुख झेली रो अरु बापदादा महायाजक होन अरु शास्त्रहोन का वजेसे टुकरय खे बुरो जयखे मारी दियो जाह्ये अरु तिन दिन बाद फिर से जिन्दो हुय गयो.

32 वु या बात सपा सपा बोली रो थो. येका पर पतरस ओखे अलग लि जय खे धमकान लग्यो,

* 8:29 मसीहा का अर्थ नीयुक्त किया हुयो

33 पन वोने पलटी खे अपना सेवक होन का तरफ देख्यो अरु पतरस खे धमकय खे बोल्यो, ये सैतान, मरा आगे से बाजू हूइ जा. क्युकी तु परमेश्वर की बात पर नी पन इन्सान की बात पर मन लगास.

34 वोने गर्दी अरु अपना सेवकहोन खे अपना पास जमा हूइ खे ओकासे बोल्यो, “जो कोय मरा पिछे आनो चाह्ये, ते वु अपना आप खे त्याग कन्हे, अरु अपनो दुख उठय खे अरु मुत्यु का लिये तैयार न्हेस तब उ मरा पीछे चल.

35 क्योकी जो अपनो जान बचानु चास हइ ते वु वोखे गमय दिहे. पन जो कोय मरा तरप सुसमाचार का लीये अपनो जान गमाह्ये, वु वोखे बचाये.

36 क्योकी अगर इन्सान सब जगत खे मील्हे, अरु अपनो जान प्राप्त करन खे उठा ते वोमे का लाभ हुये?

37 अरु इन्सान अपना जान का बदला का दिये ?

38 जो कोय या व्यभिचारी अरु पापी जाती का बीच मे मरासे अरु मरी बात से लजाह्ये, इन्सान को बेटो भी जब उ पवित्र स्वर्गदूतहोन का साथ अपना बाप की महिमा का साथ आह्ये, तब ओकासे भी लजाह्ये.”

9

1 वोने वोखे बोल्यो, मी तुम खे सच्ची बोलुस, जो ह्या खडा हइ उनमे से कुछ असा हइ कि जब तक परमेश्वर को राज बडो सामर्थ्य का सात आता हुया नी देखी ले तब तक उ नी मरे.

~~~~~

(~~~~~ 17:1-13; ~~~~~ 9:28-36)

2 यीशु छे दिन का बाद पतरस अरु याकूब अरु यहून्ना खे अपना सात लीखे गयो, एक उची टेकडी पर सुनसान जगा मे गयो, अरु उनका सामने वोको दुसरो रुप आयो.

3 अरु वोका कपडा येतना चमकन लग्या अरु ह्या तक उजालो हुयो कि पृथ्वी पर कोइ भी धोबी असा नी करी सखे.

4 तीन चेलाहोन को मूसा अरु एलिय्याह दिखाइ दियो, अरु यो यीशु का सात बात करतो थो.

5 येका पर पतरस ने यीशु खे बोल्यो, हे गुरु, हमारा लिये ह्या पर न्हेनो अच्छो हइ. येका लिये हम तीन मण्डप बनाया एक तरा लीये, एक मूसा का लीये, अरु एक एलिय्याह का लीये.

6 पतरस अरु ओका सात का खुप डरी गया था. की ओखे समझ मे नी अय न्हियो थो की मी का उत्तर दिउ

7 तब एक बदल आयो अरु उनखे झाकी दियो, अरु वु बदल मे से आवाज नीकल्यो, यो मरो लाड को बेटो हइ ओकी सुनु.

8 तब वुनेने एकदम चारी तरप देख्यो, अरु यीशु खे छोडी खे अपना सात अरु कोय खे नी देख्या.

9 जब वे पहाड का नीचे उतरी रा था, ते वोने आवाज दियो, की जब तक इन्सान को बेटो मरी खे जिन्दो नी होय तब तक कोय खे नी बतावु.

10 अरु वे या बात लीखे ओका पर बात चित करण लगीगा, की मरी खे जिन्दो होन को कारण आयो.

11 अरु वे वोखे यो बोलि खे पुछन लगीगा, शास्त्रहोन का बोलस एलिय्याह का पैयले आनो नीशिवत थो.

12 ओने उनखे बोल्यो, एलिय्याह खे पहिले अय खे सब कुछ सुदारनो थो. फिर भी इन्सान का बेटा का बारे मे काय बर लीख्यो हइ की उ भोत दुख झेल्यो अरु उ बेकार गिन्यो जाह्ये.

13 पण मी तुमखे बतवूस की एलिय्याह अभी भी अय चुक्यो हइ, अरु उनका बारे मे जसो धर्मग्रन्थ मे लिख्यो हइ, उनने उनका साथ मनमानी व्यक्हार कयो.

~~~~~

(~~~~~ 17:14-21; ~~~~~ 9:37-43)

14 अरु जब वे सेवक का पास आया ते देख्यो की उनका पास चारी तरप घन्नी गर्दी हइ अरु कुछ शास्त्रिहोन ओकासे वाद विवाद करी रा था.

15 पन जब गर्दी ने ओखे देख्यो ते सब झन अचम मे पडी गया, वे दौडी खे उनका पास आया अरु उनखे प्रणाम कर्यो.

16 ओने ओकासे पुछ्यो का तुम ओका साथ वाद विवाद करी न्हा हइ?

17 गर्दी मेसे एक ने वोखे उत्तर दियो, हे गुरु तरा पास अपना बेटा खे लायो जोमे असी आत्मा घुसीस जो ओखे मेखे बनय देस.

18 अरु जब कभी वा बूरी आत्मा वोखे पकडस ते जमीन मे पटकी देस अरु वोका मुडा से फेस नीकलस अरु दात कटरन लगी जास अरु आंग कडक करण लगी जास मेने तुम्हारा सेवक खे नीकालन खे बोल्यो पन वे वोखे नी नीकाली सक्या.

19 वोने उत्तर देते हुयो बोल्यो, हे अविश्वासी दुन्याहोन मी कब तक तुमारा साथ हइ? मी कब तक तुम्हारी झेल्यु? वोखे मरा पास ला.

20 वोने पोन्या खे वोका पास लायो.

अरु जब ओने देख्यो ते तुरुत वा आत्मा ने वोखे घुमय फिरय अरु वु जमीन पर गिरी खे इधर वुधर होन लग्यो.

21 अरु वोने ओका बाप से पुछ्यो, यो कब से असो हुय रोस?

वोने उत्तर दियो बचपन से.

22 ओने ओखे खतम करण का लिये कभी अंगार अरु कभी पानी मे गिरायो. पर अगर तू कुछ करी सख्ये ते हमारा पर दया खैड खे हमारो उपकार कर.

23 यीशु ने ओकासे बोल्यो? अगर तू करी सकस हइ! या बात हइ? विश्वास करण आला को सब कुछ हइ सकस हइ.

24 पोन्या का बाप ने तुरुत लालाभासा करी खे बोल्यो, मी विश्वास करुस, मरो अविश्वास कमजोर हइ मरो विश्वास बडाना मे मरो हात भार लगा.

25 जब यीशु ने देख्यो दुन्या भागी खे गर्दी खुप बडते जय रिथी ते वोने बुरी आत्मा खे यो बोली खे डाट्यो, ये बाहरी गुंगी आत्मा! मी तोखे आदेस देउस हइ येका से नीकली जा अरु फिर कभी येमे घुसनु नी.

26 अरु वा चिल्लय खे अरु घुमय फिरय खे वोका आंग से नीकली गय. अरु वु पोन्यो मरीगो जसो हुय गयो अरु भोत झण ने बोल्यो, वु तो मरी गो.

27 पन यीशु ने वोको हात पकडी खे उठायो अरु वू उठि खे खडो हुय गयो.

28 जब वू घर मे आयो, ते वोका सेवक ने एकला मे वोखे पुछन लग्यो "हम वोखे नीकाली सक्या?"

29 "वोने वुनखे बोल्यो, या जात बिना प्रार्थना कोय अरु उपाय से निकली नि सक्ये."

[\[मरकुस 9:14-15\]](#) [\[मरकुस 9:16-17\]](#) [\[मरकुस 9:18-19\]](#) [\[मरकुस 9:20-21\]](#) [\[मरकुस 9:22-23\]](#) [\[मरकुस 9:24-25\]](#) [\[मरकुस 9:26-27\]](#) [\[मरकुस 9:28-29\]](#) [\[मरकुस 9:30-31\]](#) [\[मरकुस 9:32-33\]](#) [\[मरकुस 9:34-35\]](#) [\[मरकुस 9:36-37\]](#) [\[मरकुस 9:38-39\]](#) [\[मरकुस 9:40-41\]](#) [\[मरकुस 9:42-43\]](#) [\[मरकुस 9:44-45\]](#) [\[मरकुस 9:46-47\]](#) [\[मरकुस 9:48-49\]](#) [\[मरकुस 9:50-51\]](#) [\[मरकुस 9:52-53\]](#) [\[मरकुस 9:54-55\]](#) [\[मरकुस 9:56-57\]](#) [\[मरकुस 9:58-59\]](#) [\[मरकुस 9:60-61\]](#) [\[मरकुस 9:62-63\]](#) [\[मरकुस 9:64-65\]](#) [\[मरकुस 9:66-67\]](#) [\[मरकुस 9:68-69\]](#) [\[मरकुस 9:70-71\]](#) [\[मरकुस 9:72-73\]](#) [\[मरकुस 9:74-75\]](#) [\[मरकुस 9:76-77\]](#) [\[मरकुस 9:78-79\]](#) [\[मरकुस 9:80-81\]](#) [\[मरकुस 9:82-83\]](#) [\[मरकुस 9:84-85\]](#) [\[मरकुस 9:86-87\]](#) [\[मरकुस 9:88-89\]](#) [\[मरकुस 9:90-91\]](#) [\[मरकुस 9:92-93\]](#) [\[मरकुस 9:94-95\]](#) [\[मरकुस 9:96-97\]](#) [\[मरकुस 9:98-99\]](#) [\[मरकुस 10:1-2\]](#) [\[मरकुस 10:3-4\]](#) [\[मरकुस 10:5-6\]](#) [\[मरकुस 10:7-8\]](#) [\[मरकुस 10:9-10\]](#) [\[मरकुस 10:11-12\]](#) [\[मरकुस 10:13-14\]](#) [\[मरकुस 10:15-16\]](#) [\[मरकुस 10:17-18\]](#) [\[मरकुस 10:19-20\]](#) [\[मरकुस 10:21-22\]](#) [\[मरकुस 10:23-24\]](#) [\[मरकुस 10:25-26\]](#) [\[मरकुस 10:27-28\]](#) [\[मरकुस 10:29-30\]](#) [\[मरकुस 10:31-32\]](#) [\[मरकुस 10:33-34\]](#) [\[मरकुस 10:35-36\]](#) [\[मरकुस 10:37-38\]](#) [\[मरकुस 10:39-40\]](#) [\[मरकुस 10:41-42\]](#) [\[मरकुस 10:43-44\]](#) [\[मरकुस 10:45-46\]](#) [\[मरकुस 10:47-48\]](#) [\[मरकुस 10:49-50\]](#) [\[मरकुस 10:51-52\]](#) [\[मरकुस 10:53-54\]](#) [\[मरकुस 10:55-56\]](#) [\[मरकुस 10:57-58\]](#) [\[मरकुस 10:59-60\]](#) [\[मरकुस 10:61-62\]](#) [\[मरकुस 10:63-64\]](#) [\[मरकुस 10:65-66\]](#) [\[मरकुस 10:67-68\]](#) [\[मरकुस 10:69-70\]](#) [\[मरकुस 10:71-72\]](#) [\[मरकुस 10:73-74\]](#) [\[मरकुस 10:75-76\]](#) [\[मरकुस 10:77-78\]](#) [\[मरकुस 10:79-80\]](#) [\[मरकुस 10:81-82\]](#) [\[मरकुस 10:83-84\]](#) [\[मरकुस 10:85-86\]](#) [\[मरकुस 10:87-88\]](#) [\[मरकुस 10:89-90\]](#) [\[मरकुस 10:91-92\]](#) [\[मरकुस 10:93-94\]](#) [\[मरकुस 10:95-96\]](#) [\[मरकुस 10:97-98\]](#) [\[मरकुस 10:99-100\]](#)

([मरकुस 17:22; 23](#); [मरकुस 9:42-45](#))

30 फिर वे व्हासे नीकल्या अरु गलील मे से हुय खे जान लगिगा. वु नी चाहतो थो की कोय खे नी मालुम होन खे होनु.

31 क्युकी वु अपना सेवक खे सिखय रो थो अरु उनखे बतय रो थो इन्सान को बेटो दुन्या होन का हात मे पकडय जाह्ये, अरु वे वोखे मारी डाल्ये. पण मारी देन का तीन दिन बाद वु फिर जिन्दो हुय जाह्ये.

32 पन वे या बात खे नी समजी सक्या अरु ओका, से पुछन खे डरता था.

[\[मरकुस 9:30-31\]](#) [\[मरकुस 9:32-33\]](#) [\[मरकुस 9:34-35\]](#) [\[मरकुस 9:36-37\]](#) [\[मरकुस 9:38-39\]](#) [\[मरकुस 9:40-41\]](#) [\[मरकुस 9:42-43\]](#) [\[मरकुस 9:44-45\]](#) [\[मरकुस 9:46-47\]](#) [\[मरकुस 9:48-49\]](#) [\[मरकुस 9:50-51\]](#) [\[मरकुस 9:52-53\]](#) [\[मरकुस 9:54-55\]](#) [\[मरकुस 9:56-57\]](#) [\[मरकुस 9:58-59\]](#) [\[मरकुस 9:60-61\]](#) [\[मरकुस 9:62-63\]](#) [\[मरकुस 9:64-65\]](#) [\[मरकुस 9:66-67\]](#) [\[मरकुस 9:68-69\]](#) [\[मरकुस 9:70-71\]](#) [\[मरकुस 9:72-73\]](#) [\[मरकुस 9:74-75\]](#) [\[मरकुस 9:76-77\]](#) [\[मरकुस 9:78-79\]](#) [\[मरकुस 9:80-81\]](#) [\[मरकुस 9:82-83\]](#) [\[मरकुस 9:84-85\]](#) [\[मरकुस 9:86-87\]](#) [\[मरकुस 9:88-89\]](#) [\[मरकुस 9:90-91\]](#) [\[मरकुस 9:92-93\]](#) [\[मरकुस 9:94-95\]](#) [\[मरकुस 9:96-97\]](#) [\[मरकुस 9:98-99\]](#) [\[मरकुस 10:1-2\]](#) [\[मरकुस 10:3-4\]](#) [\[मरकुस 10:5-6\]](#) [\[मरकुस 10:7-8\]](#) [\[मरकुस 10:9-10\]](#) [\[मरकुस 10:11-12\]](#) [\[मरकुस 10:13-14\]](#) [\[मरकुस 10:15-16\]](#) [\[मरकुस 10:17-18\]](#) [\[मरकुस 10:19-20\]](#) [\[मरकुस 10:21-22\]](#) [\[मरकुस 10:23-24\]](#) [\[मरकुस 10:25-26\]](#) [\[मरकुस 10:27-28\]](#) [\[मरकुस 10:29-30\]](#) [\[मरकुस 10:31-32\]](#) [\[मरकुस 10:33-34\]](#) [\[मरकुस 10:35-36\]](#) [\[मरकुस 10:37-38\]](#) [\[मरकुस 10:39-40\]](#) [\[मरकुस 10:41-42\]](#) [\[मरकुस 10:43-44\]](#) [\[मरकुस 10:45-46\]](#) [\[मरकुस 10:47-48\]](#) [\[मरकुस 10:49-50\]](#) [\[मरकुस 10:51-52\]](#) [\[मरकुस 10:53-54\]](#) [\[मरकुस 10:55-56\]](#) [\[मरकुस 10:57-58\]](#) [\[मरकुस 10:59-60\]](#) [\[मरकुस 10:61-62\]](#) [\[मरकुस 10:63-64\]](#) [\[मरकुस 10:65-66\]](#) [\[मरकुस 10:67-68\]](#) [\[मरकुस 10:69-70\]](#) [\[मरकुस 10:71-72\]](#) [\[मरकुस 10:73-74\]](#) [\[मरकुस 10:75-76\]](#) [\[मरकुस 10:77-78\]](#) [\[मरकुस 10:79-80\]](#) [\[मरकुस 10:81-82\]](#) [\[मरकुस 10:83-84\]](#) [\[मरकुस 10:85-86\]](#) [\[मरकुस 10:87-88\]](#) [\[मरकुस 10:89-90\]](#) [\[मरकुस 10:91-92\]](#) [\[मरकुस 10:93-94\]](#) [\[मरकुस 10:95-96\]](#) [\[मरकुस 10:97-98\]](#) [\[मरकुस 10:99-100\]](#)

([मरकुस 18:1-5](#); [मरकुस 9:46-48](#))

33 फिर वे कफरनहूम मे पहुच्या, अरु जब वे घर मे था ते वोने उनका से पुछो रस्ता मे तुम का बात करी रा था.

34 पन वे चुप न्हीया, क्युकी वे रस्ता मे वाद विवाद करी रा था कि हम मे से बडो कोन हइ.

35 बटना का बाद ओने बारा सेवक होन खे बुलायो अरु उनखे बोल्यो, “अगर कोय बडो होनो चाहस ते सबसे छोटो अरु सबको सेवक बनू.”

36 तब ओने एक बच्चा खे लीखे वुनका बीच मे खडो कय्यो, अरु वोखे खोरा मे लीखे, वोने बोल्यो,

37 “जो कोय मरा नाम से कोय असो बच्चा खे अपनायो हुये ते वु मेखे अपनास, अरु जो मेखे अपनास ते, उ मेखे नी पन वोखे अपनास की जेने मेखे अपनायो हइ.”

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

(॥ ॥ ॥ ॥ 9:49,50)

38 यहून्ना ने ओखे बोल्यो, हे गुरु हमने एक इन्सान खे तरा नाम से बुरी आत्माहोन नीकलते देख्यो अरु वोखे रोखन का लीये बोल्यो किक्कु की उ हमारा साथ नी थो.

39 पर यीशु ने बोल्यो ओखे रोखे मत, क्युकी असो कोय नी जो मरा नाम से अच्छो काम कहे अरु वोका तुरुत बाद मे खे बुरो बोल्हे.

40 क्युकी जो हमारा विरुध्द नी पण हमारा साथ हइ.

41 जो कोय तुमखे मरा नाम से मसीह को होन कारण एक गिलास पाणी पिलाह्ये, ते मी तुम खे सच्ची बोलुस हइ की अपनो अच्छो फल कभी भी नी गमान को.

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

(॥ ॥ ॥ ॥ 18:6-9; ॥ ॥ ॥ ॥ 17:1; 2)

42 अरु जो कोय विश्वास करण आला खे ठोकर खलातो ते अच्छो होतो की वोने गल्ला मे चक्की को भारी पाट ओका गल्ला मे लटकायो जाय अरु उ समुदर मे डाली दियो जाये.

43 अरु तरो हात मेखे ठोकर खलाये का ते ओखे काटी खे फेकी दे. तरा लिये यो अच्छो हइ कि तु अंगहीन हुय खे जिवन मे जय खे यो प्रकार मी तरा से असी इच्छा हइ की तो खे दो हात न्हिखे भी तु नरक की अंगार मे डाली दिये जो कभी बुझन वाली नी हइ.

44 अगर तुमारा पाय तुमारा लिये पाप को कारण बनस हइ ते ओखे काट डाल अच्छो यो हइ तुम लंगडा हइ खे जीवन मे प्रवेश कहे किन्तु दो पाय का जहेते नरक मे नी डाल्यो जाये.

45 अगर तरो पाय तोखे ठोकर खलाये ते तु ओखे काटी दे. लगडो हइ खे जिवन मे प्रवेश करण खे लिये असो भलो हइ कि दो पाय जहेता हुया नरक मे नी डाली जाये.

46 अरु अगर तरी आख तोखे ठोकर खलाये ते ओखे नीकाल डाल नी हुइ खे परमेश्वर को राज्य मे प्रवेश करणो तरा लिये येका से अच्छो हइ, कि दो आख जहेता हुये तू नरक मे डाल्यो जाये.

47 अगर ओखे तरो आख तोखे पाप करण का लिये उकसायो ओका बदला मे प्रार्थना हइ ते ओखे नीकाली डाल. तरा लिये बरोबर नी हइ कि एक आख रखनो अरु नरक मे फेकन का बदला सिरीप एक आख से परमेश्वर का राज मे जानु ,

48 जहा का किडो कभी नी मरे अरु जहा कि आंगार कभी बुझे नी.

49 हर एक इन खे अंगार से अच्छो कय्यो जास. जसो बलिदान नमक से अच्छो कय्यो जास हइ

50 नमक अच्छो हइ पन नमक को सवाद का देख्यो हइ ते वोखे फिर से कसो खारो कहे?

अपना मे मीत्रता को नमक रख अरु आपस मे मेल मीलाप कहे अरु एक दुसरा से शांती से जे.

10

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

(॥ ॥ ॥ ॥ 19:1-12; ॥ ॥ ॥ ॥ 16:18)

1 फिर उ व्हा से उठीखे यहूदीया प्रदेस का पार अरु यरदन नदी का पार आयो, अरु गर्दी ओका पास फिर से जमा हुइ गइ, अरु उ अपना रीति का जसो उनखे सिखान लग्यो.

2 तब फरीसीहोन ने ओका पास अय खे ओकी परीक्षा करण खे ओकासे पूछ्यो, “यो अच्छो नी हइ, कि इन्सान अपनी लुगइ खे छोडी देन कि आज्ञा देस हइ?”

3 यीशु ने उनखे जवाब दियो कि मूसा ने तुमखे, आज्ञा दी हइ.

4 मूसा ने अनुमति दी हइ कि, “छोड चिट्ठी लिखी खे देनो अरु छोडन की आज्ञा दि.”

5 यीशु ने उनका से बोल्यो, “तुम्हारा मन कि कटुरता का कारण आज्ञा लिखी.

6 पर शास्त्र मे लिख्यो हइ सुष्टि की सुर्वात से परमेश्वर ने नर अरु नारी करीखे बनायो हइ.

7 येका लिये इन्सान अपना माय बाप से अलग हुइ खे अपनी लुगइ का साथ न्हिये.

8 अरु वे दो झन एक आंग हुये अरु वे दो नी पर एक आंग हइ.

9 येका लिये परमेश्वर ने जोड्योस ओखे कोय इन्सानहोन अलग नी कन्हें.”

10 वे जब घर गया ते सेवकहोन ने येका बारे मे यीशु से पूछ्यो.

11 ओने उनसे बोल्यो, “जो कोय अपनी लुगइ खे छोडी खे दुसरी से भ्याव कन्हें ते, उ अपनी पयली लुगय का खीलाप मे बुरो करस हइ.

12 अरु बय भी जो अपनो अदमी खे छोडी खे दुसरा से भ्याव कन्हें ते वा व्यभिचार करस हइ.”

मरकुस 10:13-15; मरकुस 18:15-17

13 तब दुन्या होन बच्चा खे यीशु का पास लान लगीगा कि उ वुनखे हात लगाये, पन सेवक होन ने उनखे धमकयो.

14 यीशु ने जब यो देख्यो ते घुस्सा हुय खे बोने बोल्यो, “बच्चा होन खे मरा पास आन दे, उन खे मना मत करणु क्युकी परमेश्वर को राज्य इन कोय हइ.

15 मी तुम से सच्ची बोलुस हइ जो कोय परमेश्वर का राज खे बच्चा का जसो अपना यो नी कन्हें, उ उन मे कभी नी अन्दर करण को.”

16 जब ओने खोरा मे लियो अरु उन पर हात रखी खे आशीर्वाद दियो.

मरकुस 19:16-30; मरकुस 18:18-30

17 जब यीशु व्हा से नीकली खे रस्ता मे जय रोथो, ते एक इन्सान ओका पास दौडते आयो, अरु ओका आगे टोंगन्या पर हुय खे ओकासे पूछ्यो, “हे अच्छो गुरु, अनन्त जिवन मीलन का लिये मी का करु?”

18 यीशु ने उनका से बोल्योस हइ? परमेश्वर खे छोडी खे कोय. भी अच्छो नी हइ.

19 तु आज्ञा खे तो जानस हइ मारनो नी करणु, व्यभिचार नी करणु, चोरी नी करणु, झुठी गवाही नी देनू, छल नी करणु, अपना बाप अरु अपनी माय को आदर करणु.

20 बोने वोखे बोल्यो, “हे गुरु, मी बचपन से या सब बात को पालन करते आयोस.”

21 वो खे देखी खे यीशु खे प्रेम आयो अरु ओने बोल्यो, “तुम मे अभी भी एक बात की कमी हइ. जा, जो कुछ तरो हइ बेची खे गरीब मे बाटि दे अरु तोखे स्वर्ग मे धन मील्ले, अरु अयखे मरा पिछे चल.”

22 उ इन्सान या बात सुनी खे ओका मुडा पर उदास हुय गयो, अरु उ दुखी हुइ खे चले गयो, क्युकी उ भोत लखपती थो.

23 यीशु ने चारी तरफ देखी खे अपना सेवक खे बोल्यो, “लकपती होन खे परमेश्वर का राज मे जानो कत्तो कठीन हइ!”

24 वे सेवक ओकी बात से अचम हुया. पर यीशु ने उन खे फिर बोल्यो, “हे बेटा, परमेश्वर का राज मे जानो कसो कठीन हइ.

25 परमेश्वर का राज मे लखपती इन्सान को जाना करण की अपेक्षा उट खे सूड का छेद से नीकलनो येत्तो सोपो हइ.”

26 सेवक होन भोत हि चकित हुइखे आपस मे बोलन लग्या, “ते फिर को को उध्दारहुयी सकस हइ?”

27 यीशु ने उनका तरफ देखी खे बोल्यो, “इन्सान का लिये असम्भव हइ, पर परमेश्वर का लिये सब कुछ सम्भव हइ.”

28 पतरस ओखे बोलन लग्यो, देख, हम सब कुछ छोडी खे तरा पीछे अय गा हइ.

29 यीशु ने बोल्यो, “मी तुम से सच्ची सच्ची बोलुस, असो कोय नी जेने सुसमाचार का लिये घर या भैइ या बय माय अरु बाप या बालबच्चा खे छोडी दियो हइ.

30 अरु वू जगत का टेम मे घर, अरु भैइ, अरु बय, अरु माय, अरु बच्चा, अरु खेत होन खे , पर साथ साथ अरु आन आला जगत मे अनन्त जिवन.

31 पन भोत से जादा हइ, अन्नत हुये अरु जो अन्नत हइ वे पैयले हुये.”

~~~~~

(~~~~~ 20:17-19; ~~~~~ 18:31-34)

32 वे यरुशलेम जाता हुया रस्ता मे था. अरु यीशु उनका आगे आगे चली न्हो थो. वे घबन्हाया हुया था, अरु जो इन्सान ओका पिछे पिछे आया था वे डरी गा. वे फिर बारा होन खे अलग लीग्यो अरु जो कुछ वोका साथ घडन आलो थो, वुनखे बतान लग्यो

33 “देख हम यरुशलेम मे जइ रास, अरु इन्सान को बेटो महायाजक बडो याजक अरु शास्त्रिहोन का हात मे पकडय जाह्यो. अरु वे वोखे जान से मारन कि सजा दिहे, गैरयहूदीहोन का हात मे करी दिहे.

34 अरु वे वोकी मजा उडयखे अरु वोका पर धुक्हे, अरु वोका पर कोडा मान्हे अरु मारी डाल्हे अरु तीन दिन बाद फिर जिन्दो हुये.”

~~~~~

(~~~~~ 20:20-28)

35 फिर जब्दी को दुसरो बेटो, याकूब अरु यहून्ना यीशु का पास आया अरु बोलन लगीगा, “हे गुरु, हम तरा से मागे, उतू हमारा लीये कन्हे.”

36 “अरु यीशु ने बोल्यो?” तुम का चाहस की मी तुमारा लीये करु.

37 वुनने वोखे बोल्यो, “तरी महिमा मे हम मे से एक तरो जवना तरप अरु दुसरो डाखोन्या मे बठये.”

38 यीशु ने उनसे बोल्यो, तुम नी जाने की का मागी रास. जो गिल्लास मे पीना का बाद का तुम पी सक्ये अरु जो बपतिस्मा मी लेना पर हइ, तुम लि सक्ये हइ?

39 अरु उनने ओखे बोल्यो, “हम करी सकस.”

अरु यीशु ने वुन खे बोल्यो, उ गिल्लास मे पीना पर तुम पिहे? अरु जो बपतिस्मा मेने लेना पर का तुम लिहे.

40 पर मरो अधिकार नी कि मी को खे चुनू कि कोन खा बठये फक्त परमेश्वर ने ओका लिये जगा तैयार कर्ये कि कोन मरा जवना अरु डाखोर्या तरप बठयै.

41 यो सुनीखे दस सेवक होन याकूब अरु यहून्ना पर जिकरय गया.

42 अन्नत मे यीशु ने ओखे पास बुलय खे वुनखे बोल्यो, तुम समजस नी की जो गैरयहूदीहोन को अधिकार जानी लेस अरु जगत पर राज करण आलो. अरु उनसे जो बडा हइ उन पर अधिकार जातास.

43 पन तुमारी बात नीराली हइ, तुम्हारा मे जो कोय खे बडो होनो हुये वुनखे तरो सेवक होन खे होनु.

44 अरु तुम मे सबसे बडो होन खे होनु, ओखे तो सबको सेवक बन्नु पडे.

45 क्युकी मी इन्सान को बेटो आयो, अरु इन्सान मरी वा करणु करीखे मी जगत मे नी आयो, ते मरासे दुन्या होन की सेवा होन खे होनु खुप पाप की सजा, लीये मरो जान देन आयो.

~~~~~

(~~~~~ 20:29-34; ~~~~~ 18:35-43)

46 फिर वे यरीहो मे पहुच्या.अरु जब व्हापर अपना सेवक अरु एक बडी गर्दी का सात यरीहो से बाहेर जइ रा थो ते बरतिमाइ नाम को एक अंधो भिकारी, जो तिमाइ को बेटो थो, सडक का किनारा मे बठयो थो.

47 जब उनने सुन्यो की यो नासरी को जेन आलो यीशु आयो पुकारी खे बोलन लग्यो, “हे यीशु, दाउद का बेटा मरा पर दया कर!”

48 भोत झण ने ओखे धमकय खे बोल्यो कि तु चुप जे पर वु अरु जादा चील्लान लग्यो, यीशु “दाउद का बेटा मरा पर दया कर”

49 तब यीशु ने रुखी खे बोल्यो, “ओखे बुला.”

अरु इन्सानहोन ने उ अंधा खे यो बोलीखे बुलायो, “हिम्मत रख, उट! उ तोखे बुलास हइ.”

50 उ अपना कपडा फेकी खे उछल पड्यो अरु यीशु का पास आयो.

51 यीशु ने जवाब देते हुये बोल्यो, “तु, चाहस की मी तरा लीये करु?”

अरु अंधा इन्सान ने ओकासे बोल्यो, “हे गुरु यो की मी देखन लग्यु!”

52 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “चली जा, तरा विश्वास ने तोखे अच्छो करी दियो.”

उ तुरुत देखन लग्यो अरु रस्ता मे ओका पीछे चली गयो.

## 11

~~~~~ 21:1-11; 21:19:28-40; ~~~~~

(~~~~~ 21:1-11; 21:19:28-40; ~~~~~ 12:12-19)

1 जब वे यरुशलेम का नजीक, जैतून पहाड का किनारा बैतफगे अरु बैतनीय्याह खे पहुच्या ते वोने अपना सेवक मे से दो खे भेजो,

2 अरु वुनखे बोल्यो अपना सामने का गाव मे जा अरु जाते ही तुमखे एक गधी को बच्चा बाध्यो ह्यो मील्हे, जेका पर अभी तक कोय बठचा नी. वोखे खोली खे ली खे आ.

3 अरु तुमखे कोय पुछ्ये, असो काय बर करस? ते तुमने बोलनू, प्रभु खे का जरुरत हइ, अरु उ तुरुत वोखे वाहा से झल्दी ह्या भेजी दिहे.

4 वे गया अरु वुनने बाहर का गल्ली मे दरवाजा का पास एक गधी का बच्चा खे बाध्यो हुयो पायो, अरु वे वोखे खोलन लग्या.

5 व्हा खडा कुछ दुन्या ने वुनखे बोल्यो, “ये का करी रास गधी का बच्चा खे क्यु खोली रास?”

6 अरु यीशु ने जसो बतायो थो वुनने वोसोय बोली दियो. तब वुनने वोखे लिजान दियो.

7 उ बच्चा खे यीशु का पास लाए अरु उपर अपना कपडा डाली दिया.

8 अरु भोत झन ने अपना कपडा रस्ता पर बिछ्य दिया, अरु दुसरा दुन्या ने खेत मे डग्यान काटी खे फेकी दी.

9 वे जो ओका आगे आगे जातो अरु पिछे पिछे चलते आता था, फुकारीखे बोली रा था होशन्ना! आशिर्वाद हइ वे जो परमेश्वर का नाम से आस!

10 हमारो बाप दाउद को आन आलो राज आशिर्वाद हइ! बदल मे हुये होशन्ना!

11 वु यरुशलेम मे प्रवेश करिखे आराधनालय मे आयो. अरु चारी तरप देखी खे बारा होन का सात बैतनीय्याह खे चली दिया, क्युकी सज्जा हुय गि थी.

~~~~~ 21:18; 19) ~~~~~

(~~~~~ 21:18; 19)

12 अरु दुसरा दिन जब वे बैतनीय्याह से नीकल्या ते वोखे भुख लगी.

13 अरु पत्ता से भन्यो एक अंजीर को झाड खे दुर से देखी खे, वु वोका पास गयो कि अचानक कुछ मीली जाह्यो. पन व्हा पहुची खे पत्ता का शिवाय कुछ भी नी था.

14 तब वोने झाड खे बोल्यो, “अब से कोय तरो फल कभी खान का नी.”

अरु वोको सेवक सूनी रो थो.

~~~~~ 21:12-27; 21:19:45-48; ~~~~~

(~~~~~ 21:12-27; 21:19:45-48; ~~~~~ 2:13-22)

15 फिर वे यरुशलेम मे आया अरु वे आराधनालय मे जय खे लेन देन करण आला खे नीकालन लग्या नीष्कलन अरु सोन्नो होन की मेज अरु कबूतर बेचन आला की चौकी उलटय दी.

16 अरु वोने कोय खे भी आराधनालय मे हुय खे बराबर लिजान खे नी बोल्यो थो.

17 अरु वू वुन खे उपदेस देन लग्यो “यो लिख्यो हइ, मरो घर सब राष्ट्रका लीये प्रार्थना को घर बोल्यो जाह्यो? पन तुमने वोखे डाकु जसो बनय खे रख्योस.”

18 अरु महायाजक अरु शास्त्रिहोन ने जब यो सुन्यो ते यीशु खे मारी डालन को बहानो दुंडन लग्या, क्युकी वे ओकासे डरता था एका लीये सब वो का सीकानासे चकित था.

19 अरु संजा होते ये गाव का बाहेर जाता था.

?????? ?? ??? ?? ??? ????
(???? 21:23-27; ??? 20:1-8)

20 फिर फजर की टेम मे जब वे उदर से जइ रा था, ते उनने वु अंजीर को झाड खे जडी तक सुकते हुयो देख्यो.

21 पतरस ने ध्यान लगय खे बोल्यो गुरु देख, यो अंजीर को झाड जेखे तोने सराप दियो थो सुखी गयो.

22 यीशु ने वोखे बोल्यो, “परमेश्वर पर विश्वास रख.

23 मी तुम से सच्ची बोलुस, जो कोय या पहाड से बोल्हे, उखडी जा अरु समुदर मे जयखे गिरी जा, अरु अपना मन मे दुर नी रखनु पन जो कुछ वुनका से बोल्यो, विश्वास कर की हुय जाह्यो ते वोका लीये हुय जाह्यो.”

24 येका लीये मी तुमखे बोलुस, कि जो कुछ तुम प्रार्थना मे मागस विश्वास कर की वोखे पय लियो, अरु वु तुमखे मीली जाह्यो.

25 अरु जब तुम खडा हुयखे प्रार्थना कहे ते तुमारा मन मे कोय का भी लिये कुछ बुरो हुये ते वोखे माफ करी देनु, जेमे तुमरो बाप जो स्वर्ग मे हइ तुमरो भी बुरो माफ कहे.

26 पर अगर तुम माफ नी करण का ते तुमरो बाप भी जो स्वर्ग मे हइ तुमरो गुन्हा खे माफ नी करण को.

???? ?? ?????? ?? ??????
(???? 21:23-27; ??? 20:1-8)

27 वे फिर यरुशलेम मे आया. अरु जब वु मन्दिर मे घुमी रो थो, ते महायाजक बडो पंडीत ने शास्त्री खे अरु बापदादा वोका पास आया,

28 वे वोखे पुछन लगीगा, “तु यो काम कोन ता अधिकार से करीरोस अरु यो काम का लीये तोखे कोने दियो?”

29 अरु यीशु ने ओखे बोल्यो, “मी तुमखे एक सवाल पुछस. तुम मेखे जवाब दे, फिर मी तुमखे बतायु की यो काम कोन ता अधिकार से करी रोस.

30 यहून्ना खे बपतिस्मा देन को अधिकार परमेश्वर का स्वर्ग तरप से थो की इन्सान का तरप से थो? मेखे जवाब दे.”

31 वे यो बोली खे आपस मे वाद विवाद करण लग्या, अगर हम बोल्हे, स्वर्ग का तरप से, ते वू बोल्हे, तुमने वोको विश्वास क्युव नी कन्यो?

32 फिर का हम यो बोला, इन्सान का तरप से वे दुन्या होन से डरता था क्युकी वे सब यो मानता था की यहून्ना सच्ची मे भविष्यवक्ता थो.

33 यीशु खे जवाब देतो हुये बोल्यो, “हम खे नी मालुम.” अरु यीशु ने उनखे बोल्यो, “मी भी तुमखे नी बतान को की यो काम कोनता अधिकार से करुस.”

12

???? ?? ??? ??? ?? ?????
(???? 21:33-46; ??? 20:9-19)

1 फिर व्हा वोने दृष्टान्त देख्यो बोलन लग्यो एक इन्सान ने अंगुर को खेत लग्यो, अरु महिमा चडय खे वोखे धेन्यो, अरु खेत का बारे मे दृष्टान्त देख्यो यो अरु अंगूर लगय, वोका आजू बाजू

दिवाल बांधी खे अंगूर मडन खे वोको रस नीकाल का लीये एक कुवो खोद्यो अरु एक मचाग भी बनय, अरु कास्ताकार होन खे तिजय से दिखे दुसरा देस मे चली दियो.

2 हगाम की टेम मे वोने एक खास सेवक खे किसानहोन का पास भेजो अरु अंगूर का खेत को अपनो हिस्सो ली खे आ.

3 पन वुनने वोखे पकडि खे पिटचो अरु वोखे खाली हात भेजी दी यो.

4 वोने उनका पास फिर एक सेवक खे भेज्यो, अरु वुनने वोको माथो फोडि दियो अरु वोको अपमान कन्यो.

5 फिर वोने अरु एक झन खे भेज्यो, वुनने वोखे मारी डालस. अरु असो करी खे असो घनय खे भी, कोय खे पिटचो अरु कोय खे मारी डाल्यो.

6 आब भेजन खे ओका पास एक अरु न्हीगो थो मनजो ओको लाडेलो बेटो थो. यो सोची खे ओने अंत मे ओखे भी भेज्यो की, वे मरा बेटा की इज्जत कन्हें.

7 पन कास्ताकार होन ने आपस मे बोल्यो, यो तो वारीस आयो. हम अयखे मारी देस ते यो खेत को मालक अपुन ही हुया.

8 अरु उनने ओखे पकडि खे मारी दियो अरु वोका आंग खे अंगूर का खेत का बाहेर फेकी दियो.

9 यो अंगूर का खेत को स्वामी का कन्हें? वु अय खे कास्ताकार होन को नास कन्हें अरु अंगूर को खेत दुसरा खे दिहे.

10 का तुमने पवित्रशास्त्र को यो वचन नी पड्यो.

जो फतर खे राज मीस्त्री ने बुरो बनय दियो थो,

उ कोनाको बडो पत्थर बन्यो.

11 यो प्रभु का तरप से हुयो

अरु हमारी नजर मे अद्भुत हइ.

12 वे वोखे पकडनो चाहता था फिर भी दुन्या से डरता था, क्युकी वे समजी गा की वोने यो दृष्टान्त हमारा खीलाफ मे बोल्योस. एकालिये वे ओखे छोडी खे चली दिया. देख रेख करणआली मचान

~~XXXXXXXXXXXX~~

~~(XXXXXXXX 22:15-22; XXXX 20:20-26)~~

13 वुनने कुछ फरीसी या अरु हेरोदिया खे ओका पास भेज्यो की ओकी बात मे ओखे य फसानो.

14 अरु वुनने अय खे बोल्यो, हे गुरु, हम जानस की तू सच्ची आयो, अरु तू कोय का प्रभाव मे नी आयो. तु तो कोय का तरप से भाग नीले, पन परमेश्वर की रस्ता पर सच्ची से सिकास. कैसर को करजो चुकानो अच्छो नी हइ की नी?

15 हम दे या नी दे ओने उनको कपट जानीखे उनसे बोल्यो मेखे क्यु परखस हइ एक सिक्का मरा पास लानु कि मेखे देखनु.

16 वे सिक्का लाया, अरु वुनखे बोल्यो, अरु यो सिक्का पर को को चित्र हइ? उनने बोल्यो कैसर को.

17 अरु यीशु उनखे बोल्यो, “जो कैसर को हइ वू कैसर खे दे, अरु जो परमेश्वर को आयो वू परमेश्वर खे दे.” अरु वे अचम.

~~XXXXXXXXXXXX XXX XXXX~~

~~(XXXXXXXX 22:23-33; XXXX 20:27-40)~~

18 फिर सद्किहोन ने भी जो बोलस हइ कि मर्या हुया को जिन्दो हइ ही नी का ओका पास अयखे ओकासे पुच्छो,

19 “हे गुरु, हमारा लीये मूसा ने एक व्यवस्था लिखस हइ की कोय को भैइ बीना बाल बच्चा को मरी जाह्ये, अरु अपना पीछे बायको खे छोडी जाह्ये ते ओको भैइ ओकी बायको का साथ भ्याव करी लीहे अरु अपनो भैइ का लीये बच्चा परदा नी कन्हें.

20 सात भैइ था. परइलो भैइ भ्याव करीखे बीना बच्चा को मरी गो.

21 तब दुसरो भैइ ने वा बायको से भ्याव कन्यो अरु बिना बच्चा को मरी गयो, अरु तिसरा ने भी असो कन्यो.

22 अरु सात झन खे कोय बच्चा नी हुया. अरु अन्नत मे वा बायको भी मरी गइ.

23 वा जिन्दी हुइ जाये ते वा को कि बायको हुये? क्युकी वा सात झन की बायको बनी गी थी.”

24 यीशु ने वुनखे बोल्यो, “का तुम यो कारन भुल मे नी पड्या की तुम नीते पवित्रशास्त्र खे समजस हइ अरु नाही परमेश्वर की सामर्थ्य खे?

25 क्युकी जब दुन्या होन मरी खे जिन्दी होस अरु वोने भ्याव करस अरु नी भ्याव मे से दियो जास क्युकी वे स्वर्गदूत का जसा हइ.

26 अरु आप डबल जन्म हुये की नी ये का बारे मे बोल्यो, ते मूसा की किताब मे जलती झाडि की काहानी का बारे मे नी पडो? की परमेश्वर मूसाखे बोल्यो, ‘मी अब्राहम को परमेश्वर आय इसहाक अरु याकूब को परमेश्वर आय.’

27 वु मुडदा खे पन जिन्दी को परमेश्वर आयो. तुम बडि भुल मे हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 22:34-40; ~~~~~ 10:25-28)

28 शास्त्रिहोन मे से एक ने अय खे ओका से वाद विवाद करते सुन्यो, अरु यो जानीखे भी ओका से खे तो अच्छा से उत्तर दियो, ओका से पुछ्यो, सबसे बडि आज्ञा कोनसी आय?

29 यीशु ने उत्तर दियो, बडि बात या आयो की इस्राएल सुन हमारो परमेश्वर एकी आयो,

30 तु अपनो प्रभु परमेश्वर से अपनी सब मन, अरु अपनो पुरो जानसे अरु अपनी पुरी दिमाक से अरु अपनी सब सकती से प्रेम करणू.

31 अरु दुसरी जरुरती बात या हइ की, तु अपना पडोसी से बराबर प्रेम करणू. येका दो कि बात से बडिखे अरु आज्ञा नी.

32 शास्त्री ने ओखे बोल्यो, “हे धर्म गुरु बिलकुल ठिक हइ, तोने सच्ची बोल्यो की वु एक्की परमेश्वर आयो. अरु वोका सिवाय दुसरो परमेश्वर कोयनी हइ”

33 अरु अपनो सब प्रेम, अरु अपनो पुरो जानसे अरु अपनी पुरी दिमाक से अरु अपनी सब सकती से प्रेम करणू, अरु अपना पडोसी से बराबर प्रेम करणू यो होमबलि से अरु बलिदान कि तुलना मे या दो बात को पालन करणू जरुरती हइ.

34 जब यीशु ने देख्यो की उनखे समजदारी से उत्तर दियो, ते ओखे बोल्यो, तु परमेश्वर का राज से दुर नी हइ, अरु येका बाद कोय खे यीशु से पुछन की हिम्मत नी हुय.

~~~~~

(~~~~~ 22:41-46; ~~~~~ 20:41-44)

35 यीशु मन्दिर मे उपदेस दि रोथो ते ओने बोल्यो, शास्त्री कसा बोलस की मसीह दाउद को बेटो हइ?

36 क्युकी दाउद ने खुद हुय खे पवित्र आत्मा मे जयखे बोल्यो,

परमेश्वर ने मरो प्रभु खे बोल्यो,

मरा उजवा हाते तरप बठ जब

तक कि मी तरो दुसमन खे तरा पाय का नीच्चे लाह्यू. जो की किम्मत नजीकपास एक पैसा का बराबर होस.

37 यीशु मन्दिर मे उपदेस दि रोथो ते ओने बोल्यो.

~~~~~

(~~~~~ 23:1-36; ~~~~~ 20:45-47)

यीशु मन्दिर मे उपदेस प्रभु दि रोथो ते ओने बोल्यो, शास्त्री कसा बोलस की मसीह दाउद को बेटो हइ?

38 अरु उ अपना उपदेस से बोली रोथो, “शास्त्रिहोन से चेतावनी ज्हेनू, जो लम्बा कपडा पेनीखे घुमनो अरु बजार मे आदर सत्कार अरु नमस्कार करनो,

39 अरु आराधनालय मे बडि जगा अरु खान का लीये टेबल मे मेन जगा पर बठनो पसंद आस.

40 वे आयो जो विधवा का घर खयलेस, अरु दिखान का लिये लंबी लंबी प्रार्थना करस हइ. इन खे बडो दण्ड मील्हे.”

????? ?? ???  
(????? 21:1-4)

41 वु आराधनालय का खजाना का समने बठी गयो अरु देखन लग्यो कि दुन्या आराधनालय कि दान कि पेटी पैसा डालता हुयो देख्यो; अरु खुब धनवान बडि बडि रक्कम डाली राथा.

42 ☆ येत्ता मे एक कंगाल विदवा ने आय खे दो तांबा का छोटा छोटा सिक्का डाल्या जो की किम्मत नजीकपास एक पैसा का बराबर होस.

43 तब यीशु ने अपना सेवक होन खे अपना पास बुलखे बोल्यो, मी तुम खे सच्ची सच्ची बोलुस “की दान की पेटी दालन आला मेसे या कंगाल विधवा ने सबसे बडिखे दाल्योस.

44 क्युकी भोत झन ने अपनी दौलत मे से जरासी दाली, पन येने अपनी गरीबी मेसे जो कुछ ओको थो अगर अपनी जीविका डाली दी.”

## 13

?????? ?? ??????? ?? ??????????  
(????? 24:1; 2; ???? 21:5; 6)

1 जब वु दिन यीशु मन्दिर का बाहेर नीकली गयो थो ते ओका सेवक मेसे एक ओखे बोल्यो खे “हे गुरु, देख कसो बडो फतर अरु कसो भव्य भवन!”

2 अरु यीशु ने उनखे बोल्यो, “तुम या बडी मन्दिर खे देख? एक फतर भी फतर पर छुटी जाह्यो जो लगय नी सकन.”

???? ???? ?? ????  
(????? 24:3-24; ???? 21:7-29)

3 जब आराधनालय, का सामने जैतून की टेकडी पर बैठयो थो ते पतरस, याकूब को यहून्ना को अरु अन्ड्रियास ने एकला मे ओखे पुछ्यो,

4 “हम खे बता की या बात कब हुये अरु जब या सब बात पुरी होना पर येको चिन्ह को हुये?”

5 अरु यीशु उनखे बोलन लग्यो, हुशार ज्हे की कोय तुमखे धोको नी दे.

6 यीशु ने बोल्यो कि ओखे मरा नाम से आये, ओखे का खबर तग करी रा? ओने तो मरा साथ अच्छो कन्योस.

7 क्युकी कगाली तो सदा तुमारा सात ज्हेस, अरु जब तुम चाह्यो तब तुम ओका सात अच्छो करस ते पन मी तुमारा साथ सदा नी रहैन को.

8 जेतनो वा करी सकती थी ओने कन्यो, ओने मेखे पैयले राज्य पैयले ओने मरा आंग पर अत्रर लगय दियो.

9 मी तुमखे सच्ची बतव्स की पुरा जगत मे झा खैय सुसमाचार को प्रचार हुये खे व्हा या वय काम की चर्चा भी ओका पर गवाही हुइ.

10 अरु यहूदा इस्करियोती जो बारा मे से एक थो महायाजक, पास गयो कि सुसमाचार खे सब जात हात मे पकडय दे.

11 अरु जब उनने यो सुन्यो ते खुस हुया, अरु ओने पैसा देन को पैयले से पवित्र वचन दियो. अन्नत मे वू यो सोचन लगयो की वोखे कसो पकडय दिव.

12 अखमीर रोटी को तीवार, पहीला दिन को जब फसह को बलि दान करता था, वे दिन ओका सेवक होन ओखे बोल्यो का अपुन फसह खानो खाया करीखे हम खा जयखे तैयारी कर असी हमारी इच्छा हइ?

13 फिर मरा नाम ओने अपना सेवक मेसे दो झन भेज ते से बतायो, की नगर मे जा अरु मनजो कोय एक इन्सान पानी को मडको लीखे जाते तुमखे मील्हे, ओका पिछे जा.

~~~~~

(~~~~~ 24:15-28; ~~~~~ 21:20-24)

14 उ अंदर जाह्ये व्हा को घर घुणित खे असो बता गुरु पुछ्स की मी मरा सेवक, साथ फसह खानो खान असी मरी उतरन की जगा खा हइ?

15 फिर वू सजी सजयो, अरु तैयार करी हुइ जो अपना घर कि छपर पर हुये, व्हा हमारा लिये तैयार मील्यो.

16 फिर सेवक नीकली खे नगर मे गया, तब वुनखे बतायो बराबर उनने फसह तैयारी करी.

17 फिर सज्जा होना पर वू बारा झन का सात आयो.

18 अरु वे बठी खे खानो खय राथा यीशु ने बोल्यो, मी तुमखे सच्ची बतवूस का तुमारा मेसे एक झन मेखे पकडय दिहे कावु मरा सात खान आलो आय.

19 वे उदास हुय खे एक हुय खे ओखे परमेश्वर से पुछ्न लग्या खे उ मी आय

20 क्युकी प्रभु झुटो भविष्यव्दक्ता अरु ओने उनखे बोल्यो का वे बारा मेसे एक आय जो मरा कटोरा मे रोटी डुव्य रोस हइ.

21 क्युकी इन्सान को बेटो का जसो ओका बारे मे लीखोस, जास पन जो इन्सान का हात से इन्सान को बेटो पकडय दियो जास, ओकी खे तनी दुर दश्या हुये वु इन्सान जन्म नी लेतो ते अच्छो होतो.

22 क्युकी झुटा मसीह अरु झुटा भविष्यव्दक्ता सेवक, साथ खानो खय राथा, ओने रोटी ली चिन्ह अरु आशिवाद मागी खे तोडी अरु उनखे बोल्यो, योले यो मरो आंग आयो.

23 फिर ओने प्यालो लियो अरु धन्यवाद प्रार्थना करी खे उनखे दियो. अरु वे सब झन ओमे से पियो.

~~~~~

(~~~~~ 26:26-30; ~~~~~ 22:14-20)

24 ओने उनखे बोल्यो, “यो वचन बनन आलो मरो खुन आय यो भोत झन, लीये बोहय दियोस.

25 मे तुमखे सच्ची बोल्यो थो, अंगूर को रस वु दिन तक नी पिह्यु, जब तक परमेश्वर स्वर्ग मे राज मे नवो नी पिनको”

26 जब दुन्या अरु इन्सान का बेटा कि सामर्थ्य अरु महिमा का बाद वे जैतून की टेकडी पर चली दिया.

27 तब स्वर्ग से यीशु ने बोल्यो, अपना स्वर्गदूतहोन खे भेजो, अरु वे बद्ल का या पार से वा पार तक, चारी दिशा से ओका चुन्या हुया खे जमा कहे.

~~~~~

(~~~~~ 24:32-35; ~~~~~ 21:29-33)

28 अंजीर को झाड से यो सिखो काहानी जब डग्यान नाजुक हुय जास, अरु पत्ता नीकलन लगस हये; ते तुम समजी लेव कि गर्मी का दिन नजीक हइ.

29 या रीति से जब तुम ओखे बोल्यो, चाह्ये सब छोडी दिहे पन मी नी छोडन को.

30 तब यीशु ने ओखे बोल्यो, मी तुमखे सच्ची बोलुस आज रात खे मुर्गा खे दो बार बांग देना से पैयले तु मेखे खुद इनकार कहे.

31 बद्ल अरु पृथ्वी खतम हुइ जास पन मरो वचन कभी नी टलस.

~~~~~

(~~~~~ 24:36-44)

32 उ दिन या उ टेम का बारे मे कोय खे कुछ पतो नी, नी स्वर्ग मे दुतहोन खे अरु नी अभी इन्सान का बेटा खे फक्त परम बाप परश्वमेर जानस हइ.

33 सावधान! जागतो जे क्युकी तुम नी जानस कि उ टेम कब अय जास.

34 अरु ओने उनखे बोल्यो, “मरो मन खुप सेवक खे अधिकार दे; अरु हर एक खे हइ ह्या तक की मी मरना पर हइ. अरु घर अरु जागते जे.”

35 तुम नी समजो कि घर को स्वामी फिर वू थोडो आगे गयो कि अरु जमीन पर गिरीखे प्रार्थना करण लगीगो की तकलीप को टेम मरा परसे टली जाह्ये.

36 अरु बोलन लगीगो, “हे पिता हे, बाप तरा से तरा सब कुछ होस हइ. यो कटोरा खे मरा पास से दुर करी ले फिर भी जसो मी चाउस हइ वोसो नी, पर जो तू चाहस हइ वोसो हुये.”

37 अरु ओने अयखे उनखे सोते मील्यो अरु पतरस खे बोल्यो, हे शमौन, तू सोय रो हइ? कातू एक टेम भी नी जागी सक्यो?

## 14

मरकुस 14:1-11

(मरकुस 26:1-5; मरकुस 22:1,2; मरकुस 11:45-53)

1 दो दिन का बाद फसह अरु अखमीर रोटी यो तिवार होन आलो थो अरु महायाजक अरु शास्त्री या बात की दुदना मे था कि ओखे कसा छल से पकडिखे मारी डाल.

2 पर बोलता था, की तिवार का दिन नी, खय असो नी हो कि दुन्या मे दंगो हुय जाह्ये.

मरकुस 14:12-18

(मरकुस 26:6-13; मरकुस 12:1-8)

3 जब वू बैतनीय्याको शमौन नाम को कोढी का घर मे खानो खान खे बढचो थो, ते व्हा एक बय अय अच्छो जटामासी को किमती अत्रर को तेल से भरी वाली कुप्पी लिखे अय; ओने फोडि खे ओका माथा पर अत्रर डाली दियो.

4 पर कुछ इन्सान अपना मन मे कुरकुरकरी खे बोलन लग्या, “यो अत्रर खे सत्यानाश क्यु कर्यो गयो.

5 क्युकी यो अत्रर आलो तेल तिन सौ सिक्का से भी जादा मे बेचीखे वे गरीब मे बाढचो जयस सकतो थो.” अरु वेवा बय खे डाटन लग्या.

6 यीशु ने बोल्यो, ओखे छोडि दे, ओखे कायबर तंग करी रा? ओने तो मरा साथ अच्छो कन्योस.

7 क्युकी कंगाली तो हमेशा तुमारा सात जेस, अरु जब तुम चाह्ये तब तुम ओका सात अच्छो करस ते पन मी तुमारा साथ हमेशा नी रहेन को.

8 जेतनो वा करी सकती थी ओने कन्यो, ओने मेखे गाडन का पैयले ओने मरा आंग पर अत्रर लगय दियो.

9 मी तुमखे सच्ची बतवूस की पुरा जगत मे झा खैय सुसमाचार को प्रचार हुये, व्हा या बय का काम की चर्चा भी ओका याद मे करी जाये.

मरकुस 14:19-25

(मरकुस 26:14-16; मरकुस 22:3-6)

10 अरु यहूदा इस्करियोती जो बारा मे से एक थो महायाजक का पास गयो कि ओखे उनका हात मे पकडय दे.

11 अरु जब उनने यो सुन्यो ते खुस हुया, अरु ओने पैसा देन को वचन दियो. अन्नत मे वू यो सोचन लगयो की वोखे कसो पकडय दिव.

मरकुस 14:26-30

(मरकुस 26:17-25; मरकुस 22:7-14,21-23; मरकुस 13:21-30)

12 अखमीर रोटी को तीवार का पहिला दिन, जब फसह का बलि दान करता था, वे दिन ओका सेवक होन ओखे बोल्यो, “तु का चाहस हइ की हम जइ के तरा लिये फसह खान की तैयारी कर्ये?”

13 फिर ओने अपना सेवक मेसे दो झन भेज ते से बतायो, की नगर मे जा अरु मनजो कोय एक इन्सान पानी को मडको लीखे जाते तुमखे मीलहे, ओका पिछे जा.

14 उ अंदर जाह्ये व्हा को घर मालक खे असो बता गुरु पुछस की मी मरा सेवक का साथ फसह खानो खान असी मरी उतरन की जगा खा हइ?

15 फिर वू सजी सजयो, अरु तैयार करी हुइ बडो कमरो दिखइ दियो, व्हा हमारा लिये तैयार मील्यो.

16 फिर सेवक नीकली खे नगर मे गया, तब वुनखे बतायो बराबर उनने फसह तैयारी करी.

17 फिर संज्जा होना पर वू बारा झन का सात आयो;

18 अरु वे बठी खे खानो खय राधा यीशु ने बोल्यो, मी तुमखे सच्ची बोलुस, तुमारा मेसे एक झन मेखे पकडय दिहे, वु मरा सात खान आलो आयो.

19 वे उदास हुय खे एक हुय खे ओखे पुछन लग्या, का उ मी आय

20 अरु ओने उनखे बोल्यो, “वे बारा मेसे एक आय जो मरा कटोरा मे रोटी डुब्य रोस हइ.

21 क्युकी इन्सान को बेटो, जसो ओका बारे मे लीखोस, जास पन जो इन्सान का हात से इन्सान को बेटो पकडय दियो जास, ओकी खे तनी दुर दश्या हुये वु इन्सान जन्म नी लेतो ते अच्छो होतो.”

~~~~~

(~~~~~ 26:26-30; ~~~~~ 22:14-20; 1 ~~~~~ 11:23-25)

22 सेवक का साथ खानो खय राधा, ओने रोटी ली अरु आशिर्वाद मागी खे. “तोडि अरु उनखे,” बोल्यो “योले यो मरो आंग आयो.”

23 फिर ओने प्यालो लियो अरु धन्यवाद प्रार्थना करी खे उनखे दियो; अरु वे सब झन ओमे से पियो.

24 ओने उनखे बोल्यो, “यो वचन बनान आलो मरो खुन आयो यो भोत झन का लीये बोहय दियोस.

25 मे तुमखे सच्ची बोल्यो थो, अंगूर को रस वु दिन तक नी पिह्यु, जब तक परमेश्वर का राज मे नवो नी पिनको”

26 भजन गान का बाद वे जैतून की टेकडि पर चली दियो.

~~~~~

(~~~~~ 26:31-35; ~~~~~ 22:31-34; ~~~~~ 13:36-38)

27 तब यीशु ने बोल्यो, “तुम सब ठोकर खाहे, क्युकी यो लीख्योस, मी चरवाहो टाटचा खे मान्हु, अरु मेढा इधर उदर हुय जाह्ये.

28 पन अपना जिन्दो होन का बाद मी तुम से पैयले गलील मे जाह्ये.”

29 पतरस ने ओखे बोल्यो, चाह्ये सब छोडि दिहे पन मी नी छोडन को.

30 तब यीशु ने ओखे बोल्यो, मी तुमखे सच्ची बोलुस आज रात खे मुर्गा खे दो बार बांग देना से पैयले तु मेखे खुद इनकार कहे.

31 पन पतरस ने मूर्खता से यो बोलते ऱ्हीयो, क्युकी मेखे तरा सात मरनु पडे ते मी तोखे इनकार नी करन को

अरु वे सब यो बोली राधा.

~~~~~

(~~~~~ 26:36-46; ~~~~~ 22:39-46)

32 अरु वे गतसमनी नाम को जगा मे आया; अरु ओने अपना सेवक खे बोल्यो, “तुम ह्या बटचा ऱ्हे, जब तक मी प्रार्थना कह्यु.”

33 अरु ओने अपना साथ पतरस, याकूब अरु यहून्ना खे सात मे लीयो अरु खुप झन व्याकुल होन लग्या.

34 अरु ओने उनखे बोल्यो, “मरो मन खुप उदास हइ ह्या तक की मी मरना पर हइ. अरु रुख अरु जागते ऱ्हे.”

35 फिर वू थोडो आगे गयो, अरु जमीन पर गिरीखे प्रार्थना करन लगीगो की तकलिप को टेम मरा परसे टली जाह्ये.

36 अरु बोलन लगीगो, “हे पिता हे, बाप तरा से तरा सब कुछ होस हइ. यो कटोरा खे मरा पास से दुर करी ले फिर भी जसो मी चाउस हइ वोसो नी, पर जो तू चाहस हइ वोसो हो.”

37 अरु ओने अयखे उनखे सोते मील्यो अरु पतरस खे बोल्यो, हे शमौन, तू सोय रो हइ? का तू एक टेम भी नी जागी सक्यो?

38 जागते अरु प्रार्थना करते जेव की परीक्षा मेनी फसी जानु. आत्मा तो तैयार हइ पन आंग छोटो हइ.

39 अरु नी ओने जयखे फिर उ शब्द मे प्रार्थना करी.

40 अरु ओने फिर अय खे उनखे सोते मील्यो क्युकी उनका आख नीद से भरी थी, अरु वे नी समजता था की ओखे का उत्तर देनु.

41 फिर ओने तिसरी बार अय खे उनखे बोल्यो, का तुम अभी तक सोय रास अरु आराम करी रास? खुप हुयगो टेम अयगी. देख, इन्सान को बेटो पापी का हात मे पकडय जास हइ.

42 उठ, आ चल देख, यो अय रो हइ मेखे धोका से पकडनवालो इन्सान.

~~~~~

(*~~~~~* 26:47-56; *~~~~~* 22:47-53; *~~~~~* 18:3-12)

43 उ यो बोली मे रो थो यहूदा, जो बारा झन मे से एक थो, अपना साथ, महायाजकहोन अरु शास्त्रिहोन अरु बापदादाहोन का तरफ से एक बडि गर्दी लइ तलवारहोन अरु लकडि होन लिया हुया तुरत अय, पहुच्यो.

44 ओखे पकडन आला ने ओखे यो बोली खे बतयो दियो थो की जोको मी चुम्मो लीह्यु वोखेय अच्छा से लीखे जानू.

45 व्हा पोची खे अरु तुरत ओका पास जयखे, ओने बोल्यो, अरु गुरु असो बोल्यो अरु चुम्मो लीयो.

46 तब उनने ओखे पकडि खे गिरफ्तार बंदी बनइ लीयो.

47 येका पर खडा दुन्या मे से एक ने तलवार खीची खे महायाजक का सेवक पर चलइ अरु ओको कान काटी दियो.

48 यीशु ने उत्तर देते हूये बोल्यो, का तुम दुन्या मखे गुना समझस जो तलवार अरु लकडि लीखे मेखे बंदी बनान का लीए आया.

49 मी तुम्हारा साथ आराधनालय मे दरोज शिक्षा देतो थो अरु तुमने मेखे नी पकड्यो, पर येका लिये हुयो की पवित्रशास्त्र को लिखनो पुरो होनखे होनु.

50 येका पर सब ने ओखे भूलीगा अरु छोडि खे भागीगा.

51 एक जवान ओका पिछे चली रोथो. वू अपना उघाडा आंग पर फक्त मलमल को कपडा को चदर होडि खे थो उनने ओखे पकड्यो.

52 पन वू मलमल को चदर छोडि खे नंगो भागीगो.

~~~~~

(*~~~~~* 26:57-68; *~~~~~* 22:54,55,63-71; *~~~~~* 18:13,14,19-24)

53 वे यीशु खे मुखियो महायाजक का ह्वा लि गया, सब बडा याजक का बापदादा अरु शास्त्री व्हा एक साथ जमा हुयगा था.

54 पतरस तो दुरी दुर से महायाजक का अंगन तक ओका पिछे पिछे गयो थो. उ रखवाली का सात व्हा बठी व्हा अंगार सेकन लगीगो.

55 महायाजक अरु सभा यीशु खे मारी डालन का लीये ओका खीलाप गवय दुदन को कोसीस करी राथा, पन उनने एक भी गवय नी मीली.

56 क्युकी भोत झन ओका खीलाप झुटी गवय दिराथा पन उनकी गवय एक दुसरा से मीली नी री थी.

57 तब ओका खीलाप खडा हुय खे गवय देन लगीगा.

58 हमने ओखे यो बोलते सुन्यो, मी हात से बनय आली मन्दिर खे तोडिखे करी दिह्यु, अरु तीन दिन मे दुसरी खडि करी दि दिह्यु, जो हात से बनय वाली नी हुये.

59 येका पर भी वोकी गवय का जसी थी.

60 फिर महायाजक ने खडा हुय खे ओने अय खे यीशु पुछ्यो, “जो गवय ये तरा खीलाप दि रास का तु उनखे उत्तर नी दे?”

61 पन वू चुप न्हियो अरु ओने कोय उत्तर नी दियो. महायाजक ने फिर ओखे पुछ्यो, “तू वू परमधन्य को बेटो आयो मसीह तु आ?”

62 यीशु ने बोल्यो, “मी आयो! अरु तुम इन्सान को बेटा खे सबसे शक्ति मान की डाखोर्या तरप बटाडस अरु स्वर्ग से बदल का सात आते हुयो देख्ये.”

63 येका पर महायाजक ने अपना कपडा फाडि खे बोल्यो, “आब हमसे अरु गवाह की का जरुरत हइ?”

64 तुम यो नीन्दा सुनी लीयो हुये

येका पर तुमारो का मतलब हइ. अरु वे सब झन ने ओखे जान से? मारन को दण्ड का योग्य दोषी ठयरय दियो.

65 तब कुछ झन वोका पर धुकन लगीगा, अरु ओका आख मे पट्टी बांधी खे बुक्की मारन लगीगा अरु वोखे बोलन लगीगा भविष्यवाणी कर! अरु रखवाली. ने पकडयो अरु ओका मुडा पर थपड माय्यो.

~~~~~

(~~~~~ 26:69-75; ~~~~~ 22:56-63; ~~~~~ 18:15-18,25-27)

66 जब पतरस अंगन मे थो, महायाजक की दासी होन मेसे एक व्हा अय,

67 अरु पतरस खे अंगार सेकते देख्यो अरु ओका पर नजर रखखे बोलन लगी, “तू भी यीशु नासरी यीशु का साथ थो,”

68 पन ओने नीबोलनो करते ह्यो बोली दियो, “मी नाही तो जानूस अरु नाही समजूस की तु का बोलीरीस.” अरु वू बाहेर परमेश्वर का पास गयो, अरु मुर्गा ने बांग दी.

69 ओखे देखी खे पास खडा आला दुन्या से वइ दासी फिर बोलन लगी गय, “यो तो ओमे से एक आयो!”

70 पन ओने नी बोल्यो. थोडि देर बाद जो नजीक खडा था

उनने फिर पतरस खे बोल्यो, “जरुर तू उनमे से एक आय, क्युकी तु भी गलील मे हइ!”

71 पन वू धिक्कारन अरु कसम खान लगीगो, “मी यो इन्सान खे जोकी तुम जेकी बात करी रास मी ओखे नी पहीचानु!”

72 अरु तुरत दूसरा मुर्गा ने बार बांग दी. तब पतरस खे यीशु ने ओखे बोली बात, ओखे समजी गयो, मुर्गा का दो बार बांग देना से पैयले तू तीन बार मरो इनकार कन्हें. अरु उ रोन लग्यो.

## 15

~~~~~

(~~~~~ 27:1,2,11-14; ~~~~~ 23:1-5; ~~~~~ 18:28-38)

1 अरु फजर होते मेका तुरत महायाजक ने बापदादा का शास्त्री अरु सब सबा का सात नीर्णय लियो, अरु यीशु खे बाधीखे लियो, अरु ओखे पिलातुस, हात मे दि दियो.

2 पिलातुस ने ओखे पुछ्यो, तू यहूदीया को राजो आयो ओने उत्तर दियो ओखे बोल्यो, तु खुद मे बोली रोस.

3 अरु महायाजक ओका पर खुप बात की इलजाम लगय रा था.

4 पिलातुस ने ओखे बोलते हूयो पुछ्छो “तू उत्तर नी दे? देख वे तरा खीलाप खेत्ता इलजाम लगय रास.”

5 पन यीशु ने कोय उत्तर नी दियो येका से पिलातुस खे आश्चर्य हूयो.

(***** 27:15-26; ***** 23:13-25; ***** 18:39—19:16)

6 तिवार, दिन दुन्या होन एखादी बन्दी खे ओका तरप छोडी देता था.

7 उ टेम बरअब्बा नाम को इन्सान बन्दीघर मे थो ,उ उन विद्रिहोहन, साथ गिरफ्तार हूयो थो, जिन्हे राजद्रोह, टेम मारनो करी थी.

8 अरु गर्दी पर जय खे ओकासे प्रार्थना करण लगी गया, की तू जसो करते आयोस तू वसो हमारा लिये कर.

9 अरु पिलातुस ने उनखे उतारी दियो “तु चाहस की मी तुमारा लीये यहूदीया को राजा खे तुमारा लीये छोडी दिव?”

10 क्युकी वू जानतो थो की महायाजक ने ओखे इपर्या कुल जबर दस्ती पकडी लीयो थो

11 पन महायाजक ने गर्दी से यो बोलन का लीये उकसायो कन्यो वू उनका बदला मे बरअब्बा खे छोडी दे.

12 पिलातुस ने फिर उत्तर दियो, “तब तुम जेखे यहूदीया को राजा बोलस का मी ओखे का कर?”

13 वे फिर चिल्लाना, “ओखे कुस पर चडा!”

14 पिलातुस ने ओखे बोल्थो, क्यु? ओने का बुरो कन्यो?

पन वे भी जोर से चिल्लाना, “ओखे कुस पर चडा.”

15 तब पिलातुस ने गर्दी खे शाती रखन की इच्छा से बरअब्बा खे ओका लिये छोडी दियो, यीशु खे मारते मारते कुस पर चडा न खे दि दियो.

(***** 27:27-31; ***** 19:2; 3)

16 सिपइ ओखे की किल्ला का अंदर का अंगन मे लीगया, अरु व्हा उनने सब रोमी सेना खे बुलय खे एक जगा जमा कन्या.

17 उनने ओखे जामडा कपडा परनायो अरु का काटा को मुकुट बाधी खे ओका माथा पर रख्यो.

18 तब वे ओको आदर करण लग्य, “हे यहूदीया को राजा तरी जय हुये!”

19 वे ओका माथा पर सरकण्डे से मारता था अरु वे ओका पर थुकता था, अरु घुटना टेकी खे वोखे प्रणाम करी राथा.

20 जब वे ओकी मजाक उडान हुयगो ते ओखे जामडा कपडा उतारीखे ओखे ओका कपडा पेनय दिया.अरु वे ओखे कुस पर चडान खे बाहेर लिखे आया.

(***** 27:32-44; ***** 23:26-43; ***** 19:17-27)

21 अरु उनने सिकंदर अरु रुफुस को बाप शमौन कुरेनी खे जो गाव से अय रोथो, ते जबर दस्ती पकडि खे यीशु कुस उठय खे लिग्यो.

22 अरु वे ओखे गुलगुता नाम, जगा मे लायो, जोको मतलब खोपडी की जगा.

23 अरु उनने मसीह यीशु गधानातो रस मील्यो आलो अंगूर को रस पिन खे देन को कोशीस कन्यो. पन ओने नी लियो.

24 तब उनने ओखे कुस पर चडायो, अरु ओका कपडा पर चिद्रिहोन डालीखे, कोखे, मील्यो, उनने बाटी लियो.

25 जब उनने ओखे कुस पर चडायो ते वा टेम मे फजर का नउ बजी गा था.

26 अरु वोकी पुरी कागज पर लीखो तो, की यो “यहूदी को राजो.”

27 उनने ओका सात दो डाकू खे भी कुस पर चढायी दियो एक खे जवना तरप दुसरा खे डाखोर्या तरप.

28 तब पवित्रशास्त्र को यो वचन पुरो हुयो जोमे बोल्यो गयो थो, वु बुरालोग का सात गिनती मे अय गयो.

29 अरु व्हासे आन जान आला ओकी नीन्दा उडन लगीगा अरु माथो हलाते हलाते बोलन लग्या “अरे! आराधनालय खे तोडन आलो अरु तीन दिन मे बनान वलो,

30 अपना आप खे बचान अरु कुस से उतरी जा!”

31 यो तरीका से महायाजक अरु शास्त्री भी साथ मे मीली खे ओकी मजाक उडाते यो बोलीरा था, “ये ने दुसरा खे बचायो पन खुद खे नी बचय सकन को.”

32 इस्राएल को राजो मसीह आव कुस पर से उतरी आह्ये कि हम देखीखे विश्वास कर्ये, अरु जो ओका साथ कुस पर चढाया गया था वे भी ओकी मजाक करस हइ.

~~~~~

33 जब दुपार का बारा बजी गा ते पुरो देस मे अधारो हुइ गयो अरु दिन का तिन बजो तक अंधारो थो.

34 अरु तिन बझना पर यीशु जोर से चिल्लाखे बोल्यो का “इलोइ, इलोइ, लमा शवक्तनी?” येको मतलब, “हे मरो परमेश्वर हे मरो परमेश्वर तोने मेखे कायबर छोडि दियो?”

35 तब जो ओका नजी खडा था उन मे से कुछ यो सुनीखे बोलन लग्या, देख, उ एलिय्याह खे पुकारी रोस.

36 अरु एक ने दौडि खे खटो रस एक स्पंज का सिरखे मे डुवायो, अरु सरकण्डे पर रखीखे ओखे चुसायो, अरु बोल्यो “रुखी जा ; देख एलिय्याह ओखे उतारन का लिये आस हइ कि नी.”

37 तब यीशु ने बडा आवाज से चिल्लैइ खे जान छोडि दियो.

38 अरु आराधनालय का परदा उपर से नीच्चे तक फटी खे दो टुकडा हुइ गया.

39 जब सुबेदार ने जो व्हा सामने खडो थो ओखे असो जान छोडते देख्यो ते बोल्यो “सच्ची यो इन्सान परमेश्वर को बेटो थो!”

40 कुछ बयहोन भी जो दूर से देखी री थी, ओमे मरियम मगदलीनी,छोटो याकूब, अरु योसेस की मरीयम,अरु सलोमी थी.

41 जब वु गलील मे थो ते ये ओका पिछ्छ चलती अरु ओकी सेवा करती थी; अरु दुसरी खुप बय होन ओका सात यरुशलेम मे अय थी.

~~~~~

(~~~~~ 27:57-61; ~~~~~ 23:50-56; ~~~~~ 19:38-42)

42 जब शाम हुइ गइ, जो तैयारी का दिन थो जो आराम दिन का एक दिन पैयले हइ.

43 अरिमतियाह का न्हेन आलो यूसुफ आयो, जो सभाको एक प्रतीष्ठीत थो. उ खुद परमेश्वर का राज्य की रस्ता देखी रोथो ओने हिम्मंत करीखे पिलातुस का आगे जय खे यीशु की लास मागी.

44 पिलातुस खे अचमवो हुयो की वू येत्ता झल्दी मरी गो, अरु ओने चौकीदार खे बुलैइ खे पुछ्यो “का ओखे मरी खे देर हुइ?”

45 फिर ओने चौकीदार से एक कपडा मे गुडि खे यूसुफ खे लास दि दि.

46 तब यूसुफ ने मलमल को कपडा मोल लियो अरु लास खे उतारी खे ओमे गुंडयो, अरु पत्थर आली जगा मे एक कब्र खोदी गइ थी, अरु एक कब्र का दरवाजा पर एक पत्थर गन्डलैइ दियो थो.

47 मरियम मगदलीनी अरु योसेस की माय मरीयम देखी रीथी की ओखे खापर रख्योस.

16

~~~~~

(~~~~~ 28:1-8; ~~~~~ 24:1-12; ~~~~~ 20:1-10)

1 जब अराम का दिन जाना पर, मरियम मगदलीनी, अरु याकूब कि माय मरियम अरु सलोमी ने गधानवाली चीज मोल लियो, की अय खे ओखे तेल मल.

2 अरु हप्ता को पहीलो दिन फजर खे, जब सुरज नीकलन का पैयले वे मरगट का पर अय.

3 अरु आपस मे बोलीरी थी, “कोण हमारा लिये मरगट का दरवाजा पर को पत्थर कोन लुन्डका ह्ये?”

4 जब उनोने आख उठइ खे देख्यो, ते पत्थर हटचो हुयो थो. उ भोत ही बडो हइ

5 वे मरगट मे अंदर गइ अरु यो देखी खे आश्चर्य-चकित न्हि गइ कि सफेद कपडा पेन्या एक नवो इन्सान दाहिनी तरफ बठी हुयो हइ.

6 “ओने उनखे बोल्यो,” चकाय मत. तुम यीशु नासरी खे कुस पर चडायो गयो थो, हुंढस हइ उ जिन्दो हुइ गो उ ह्या नी हइ देख या वा जगा आयो झा उनने ओखे रख्यो थो.

7 पर जा अरु, ओका सेवक अरु पतरस खे बोल का वु तुम से पहिले गलील मे जाह्यो अरु तुम ओखे व्हा पर देख्ये.

8 वे मरगट से नीकली अरु व्हा भागी गय, क्युकी थर थरी उनको उध्दार हुये गो थो; अरु उनने कोय खे भी कुछ नी बतायो, क्युकी वे डरी गिथी.

**मरकुस 28:9,10; लुका 24:11-18**

(मरकुस 28:9,10; लुका 24:11-18)

9 हप्ता का पैयले दिन का फजर खे उ जिन्दो हुइ खे सब से पैयले मरियम मगदलीनी खे जोमे से ओने सात बुरीआत्माहोन नीकाली थी वे दिखय दि.

10 ओने जयखे यो बात यीशु का दोस्तहोन खे बतायो, जो शोक मे डुब्या था अरु रोइ न्हा था यो समाचार बतायो.

11 अरु ओने यो सुन्यो की यीशु जिन्दो हइ अरु ओखे दिखानो ते उनखे विश्वास नी हुयो.

**लुका 24:13-35**

(लुका 24:13-35)

12 येका बाद व्हा दुसरा रूप मे उनमे से दो खे वे गाव का तरप जइ न्हा था, दिखय दियो.

13 उनने जैइखे दुसरा खे समाचार बतायो, पर उनने भी विश्वास नी कन्यो.

14 पीछे वे ग्यारा सेवक खे भी जब वे खानो खान खे बठ्या था दिखय दियो अरु अविश्वास, अरु मन की कटुरता पर डाटचो क्युकी जेने ओखे जिन्दो होना का बाद देख्यो थो इन्हे उनको विश्वास नी कर्यो थो.

15 अरु यीशु ने उनसे बोल्यो, “जगत मे जय खे पूरी सृष्टि का इन्सानहोन खे सुसमाचार प्रचार करनु,

16 जो विश्वास कन्हे अरु बपतिस्मा लिये ओको उध्दारहुये, पर जो विश्वास नी कर्ये उ दोषी ठेरायो जाये.

17 विश्वास करन आला मे यो चिन्ह हुये कि वे मरा नाम से बुरीआत्माहोन नीकाल्हे अरु नइ भाषा बोल्हे;

18 सापहोन खे उठय, लिये अरु अगर वे जहेर भी पी लिये तब भी उनकी कुछ नुकसान नी हुये; वे बीमारीहोन पर हात रख्ये, अरु वे अच्छा हुइ जाये.”

**लुका 24:50-53; मरकुस 16:7-11**

(लुका 24:50-53; मरकुस 16:7-11)

19 अन्नत मे जब प्रभु यीशु ओका से बात करी चुक्यो, थो वु स्वर्ग मे उठय लियो गयो, अरु परमेश्वर का जवना बाजू बठी गयो.

20 अरु उनने नीकली खे हर जगा मे प्रचार कर्यो, अरु प्रभु उनका साथ काम करतो रीयो अरु उन चिन्ह का वजेसे जो साथ होतो थो, वचन खे मजबुत करतो न्हियो. आमेन

## लूका रचित यीशु मसीह का सुसमाचार लूका रचित यीशु मसीह को सुसमाचार

### पैछान

लूका लेखक, रचित सुसमाचार नवो नियम को वा चार किताबहोन में से एक हइ जो में यीशु का जिवन को वर्णन हइ। ये चार किताब को सुसमाचार बोलस हइ यीशु का मरना, बाद मत्ती, मरकुस, अरु यहून्ना को वजैसे या किताब लिखी गइ लूका ने सिर्फ यीशु का जिवन की खानी नी लिखी क्युकी ओने प्रेरित, म को वर्णन अरु ओने यीशु का चेलाहोन काम जो ओने यीशु मरना, बाद कय्यो थो अरु ओका जिन्दो होना, बाद कय्या था। लूका लेखक रचित सुसमाचार खा अरु कब लिखी गइ हइ ह्या जरूरत से कोय नी जानस। पन कुछ विदवान ह्या मानस हइ कि या किताब मसीह, जन्म, बाद नजीकपास 70 साल बाद लिखी गइ हइ।

या किताब को लेखक खुद लूका हइ जो एक डॉक्टर थो। ओकी लिखन को तरीको अरु भाषा, इस्तमान से पतो चलस हइ की से यो पतो चलस हइ कि लूका एक पड्यो लिख्यो इन्सान थो। लुको चाहतो थो कि यीशु को जिवन, बरोबर रीति से वर्णन कय्यो जाये। अरु जो रीति से घटना घटी वे घटनाहोन, जसा को ओसो किताब कय्यो जास 1:1-3 उ यहूदीया नी थो कुलुस्सियो 4:10-14 ओने यो प्रकार से लिख्यो कि ताकी गैरयहूदीयाहोन भी येखे समझी सकी पाये। जो प्रकार से ओने यहूदीया रीति रिवाजहोन को वर्णन कया हइ। ओकासे यो मालुम चलस हइ 1:8 .

लूका लेखक रचित सुसमाचार में मत्ती कि किताब अरु मरकुस कि किताब से जादा बरोबरी लील्यो जास हइ। किक्वु ओने घटित घटना को एक तरासे वर्णन कय्यो हइ। ये तीन किताब में से लूका बपतिस्मा करण आला यहून्ना को जन्म, बारे में जादा ही सुरुवात से लिखस हइ। ओका सात-सात लूका माफी, बारे में 3:3; 11:4; 17:3-4,23-34; 24:47. अरु प्रार्थना, बारे में जादा प्रकार डालस हइ. 3:21; 5:16; 6:12; 17:1-12; 22:32.

### रूप रेखा

1. लूका लेखक, वजैसे अपनी किताब को पहीछान अरु ओको लिखना को ,कारण.1:1-4
2. यीशु को जन्म अरु सेवा को में, लिये ओकी तैयारी को. 1:5—2:52
3. यहून्ना बापत्सिमा देनआला कि जन सेवा. 3:1-20
4. लूका यीशु का चमत्कार का बारे में बतास हइ. 3:21—4:13
5. गलील में यीशु की जन सेवा. 4:14—9:50
6. गलील से यरुशलम तक जत्रा. 9:51—19:27
7. यरुशलम में आखरी हप्तो. 19:28—23:56
8. प्रभु को पुनरुत्थान. दिखैइ देनो. अरु स्वर्गारोहन. 24:1-53

### प्रश्न

- 1 भोत दुन्या ने हमारा बीच में बीती बात को विवरण जाने खे लिखन को प्रयत्न कय्यो.
- 2 वा या बात वे दुन्या, वजैसे बतायो गयो जो दुन्या ने पैयलेसे कम होते देख्यो, अरु जो खुसखबर को प्रचार करीरा था.
- 3 हे श्रीमान थियुफिलस, क्युकी मेने येका लिये एक अच्छो समझी लियो कि मी यो विवरण लिख्यू.
- 4 मे ने येका लिये आस करी की जो बात ,त्ती सच्ची हइ, तुमखे मालुम हुये.

~~~~~

5 वे दिन जब यहूदीया पर हेरोदेस को राज थो व्हा जकर्याह नाम को एक याजक थो, समेदाय को थो अरु ओकी लुगइ को नाम एलीशिबा तरप व्हा हारुन, परीवार की थी.

6 वे दो परमेश्वर, नजर मे अच्छो जिवन जिन वाला था प्रभु को आज्ञाहोन अरु नीयम को पुरी रीति से नीर्दोष पालन करण आलो थो.

7 उनखे कोय बच्चा नी था.क्युकी एलीशिबा बाझ थी अरु वे दो झन बुड्डा था.

~~~~~

8 जब जकर्याह, मन्डली कि मंदिर मे याजक पद, नीत्य काम बाडी थी अरु एक दिन जब जकर्याह मंदिर मे परमेश्वर अपनो याजक भी काम करी रो थो.

9 ते याजक की रीति, जसो ओका नाम पर चिट्ठी नीकली. कि प्रभु की मन्दिर मे जयखे धूप जला.

10 अरु धूप जलान को टेम आयो ते बाहेर जमा दुन्या प्रार्थना करी रा था.

11 वाइच टेम जकर्याह, सामने खडो कि प्रभु को एक स्वर्गदूत धूप की वेदी, जवना तरप खडो हुयो थो.

12 अरु जकर्याह देखी खे घबरायो अरु ओका पर भोत डरी गो.

13 पन स्वर्गदूत ने ओका से बोल्यो.हे जकर्याह. डरे मत क्युकी तरी प्रार्थना सुनी लीस हइ अरु तरी लुगय एलीशिबा से तरा लिये एक बेटो परदा हुये. अरु तू ओको नाम यहून्ना रखनु.

14 अरु तोखे खुशी अरु हर्ष हुये अरु भोत दुन्या ओका परदा होना से खुश हूये.

15 क्युकी उ प्रभु, नजर मे बडो हूयो. व्हा कभी भी अंगूर को रस अरु मदिरा कभी नी पीह्यो. अरु अपनी माय, पेट मे से पवित्र आत्मा से पुरो हुये जाह्यो.

16 अरु इस्राएल मे से भोतझन खे उनका प्रभु परमेश्वर, तरप फिरा आह्यो.

17 वू भविष्यवक्ता एलिय्याह की आत्मा जसी शक्ती अरु सामर्थ्य, सात प्रभु, आगे आगे चली. अरु बाप अरु बेटो खे फिर से एक सात कहे. व्हा आदेस नी माननआला दुन्या को असा बिचार रखस. व्हा प्रभु, दुन्या खे प्रभु, लिये तैयार कहे.

18 जकर्याह ने स्वर्गदूत से पूछ्यो. मी ह्या कसो समजु? कि यो सच्ची हइ अरु मी तो बुड्डो आय. अरु मरी बायको भी बुड्डी हुय गी हइ.

19 ते स्वर्गदूत ने ओखे उत्तर दियो. की मी जिब्राइल आय. जो परमेश्वर, सामने खडी मरियम हइ. अरु मी तरा से बात करण लगीगो अरु तोखे खुसखबर सुनान खे भेज्यो गयो थो.

20 पन मरो खबर जो बरोबर टेम पर सही सिध्द हुयो ओका पर विश्वास नी कन्यो, येका लिये तु मेको हुय जाह्योका अरु वु दिन तक नी पोची नी सकन को जो दिन तक पुरो नी होनको.

21 अरु उधर बाहेर दुन्या जकर्याह की रस्ता देखीरा था अरु अचम्बो करण लग्या की ओखे मन्दिर मे, करी रोस हइ?

22 जब बाहेर आयो.ते उनका सात बोली नी सक्यो: बाद मे समजी गया, की वोने मन्दिर मे कोय दर्शन मील्योस हइ. अरु व्हा उन से हीसारो करते हीयो. अरु मेक्को हिं गो.

23 जब ओका सेवा का दिन पुरा हुय गया. ते वू अपना घर चली दियो.

24 कुछ दिन का बाद ओकी लुगइ एलीशिबा दिन से हुइ. अरु पाच महीना तक वा सब से अल्लग च्ही.

25 अरु ओने अपना आप से बोल्यो अब आखरी मे जैख या रीति प्रभु ने मरी मदत करीस हइ, दुन्या, बीच मरी लाज रखन खे मरी याद ली.

~~~~~

26 जिब्राइल छे, महीना कि दिन से थी तब परमेश्वर, तरप से गिब्राइल स्वर्गदूत गलील, नासरत नगर मे एक कुव्वारी का पास भेज्यो गयो.

27 एक कुव्वारी का पास भेज्यो गयो.जोकी मगनी यूसुफ नाम दाउद का घराना का एक इन्सान का सात हुय थी वा कुव्वारी को नाम मरियम थो.

28 अरु स्वर्गदूत ने ओका पास अंदर अयखे बोल्यो. परमेश्वर कि शांती तरा साथ हइ, अरु परमेश्वर तरा साथ हइ अरु तोखे भोत बडो आशिष दिह्यो.

29 स्वर्गदूत कि खबर सुनीखे डरी गया अरु सोच मे पडी गया कि यो शब्द को का अर्थ हुये?

30 स्वर्गदूत ने ओकासे बोल्यो हे मरियम डरे मत. क्युकी परमेश्वर को अनुग्रह तरा पर हुयोस हइ.

31 अरु देख तू दिन से हुये अरु तरो एक बेटो परदा हुये. तोने ओको नाम यीशु रखनु.

32 वु महान हुये. अरु बडो इन्सान को बेटो बोल्यो जाह्यो अरु प्रभु परमेश्वर ओखे ओका बापदादा को राजो दाउद की राजगद्दी ओखे देस.

33 अरु उ याकूब का घराना पर युगानुयुग राज कहे. अरु ओका राज को कभी खत्म नी हुये.

34 मरियम ने स्वर्गदूत बोल्यो. यो यबर करी रोस? मी तो कुव्वारी हइ.

35 स्वर्गदूत ने ओखे उत्तर दियो. कि पवित्र आत्मा तरा पर उतरी. अरु परमेश्वर कि सामर्थ्य तरा पर उतहे, अरु येका कारण पवित्र बच्चा परमेश्वर को बेटो बोल्यो जाह्यो.

36 अरु देख तरा कुटुम वाला एलीशिबा जो दुन्याहोन बाज बोलता था पन वा खुद छे महीना की दिन से थी वा भोत डोकरी थी.

37 परमेश्वर, लिये कुछ भी असम्भाव नी हइ.

38 मरियम ने बोल्यो. जसो तोने मे, बोल्यो की मी परमेश्वर की दासी आय. मे, तरा वचन, जसो हुये जब स्वर्गदूत ओका पास से चली दियो.

~~~~~

39 ओका तुरत बाद मरियम तैयार हुयखे यहूदा टेकडा देस, एक गाव मे जती लगी.

40 अरु जकर्याह, घर मे पोची अरु वोने एलीशिबा खे नमस्कार कय्यो.

41 जोभी यो हुयो कि एलीशिबा ने मरियम को नमस्कार सुन्यो. तेय बच्चो ओका पेट मे उछल्यो. अरु एलीशिबा पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुय गी.

42 अरु वोने बडा जोरसे बोल्यो तु बय होन मे धन्य हय. अरु तरा पेट को फल धन्य हइ.

43 येतनी बडि बात मरा सात क्युव हुय, की मरो परमेश्वर की माय मरा से मीलन अय?

44 किक्यु जसो मेने तुम के अभिवाद का बोल सुनायो मरा पेट का बच्चा खुशी से उछल कुद करन लग्यो.

45 तु, धन्य हइ. वु जेने विश्वास कय्यो कि जो बात परमेश्वर का तरप से ओका से बोली गइ. वा पूरी हुयखे हिये.

~~~~~

46 जब मरियम ने बोल्यो.

मरो जान परमेश्वर की बडाइ करतो हुये.

47 अरु मरी आत्मा मरो उध्दार करणवालो परमेश्वर से आनद हुये.

48 क्युकी ओने अपनी दासी की दीनता पर नजर बतयस हइ. येका लीये देख.

आप से सब जगत, दुन्या मेखे धन्य बोलहे.

49 क्युकी वू शिक्तमान ने मरा लिये बडो काम कय्योस अरु ओको नाम पवित्र हइ.

50 अरु ओकी दया उनका पर.

जो ओकासे डरस हइ. पीढी से पीढी तक बनी हेँस हइ.

51 ओने अपनो मेहनत बतय.

अरु जो घमण्ड करतो थो.

उनखे तित्तर-बित्तर कय्यो.

52 ओने महान राजा खे उनका सिंहासन से गिरय दियो.

अरु विनम्र दुन्या खे पलटायो.

53 वो ने भुक खे अच्छो चिजहोन से तृप्त कर्यो.

अरु लकपती आला खे खाली हात नीकली दीयो.

54 हमारा बुजुंक् खे दियो गयो दया, जसो व्हा अपना सेवक इस्राएल, सात आह्यो.

55 ओखे अब्राहम अरु वोको कुल पर हमेशा दया बतान की हिये.

56 मरियम नजीकपास तीन महीना येलि का साथ हिंखे अपना घर मे वापस गइ.

~~~~~

57 फिर एलीशिबा को बच्चा खे जन्म देन को टेम आयो फिर ओका घर मे एक बेटो पइदा हुयो.

58 ओका बाजुआला अरु कुटुम्ब ने यो सुनी खे कि परमेश्वर ने ओका पर बडी दया करीस हइ.

ओका सात खुशी मना.

59 अरु असो हुयो की आठवा दिन वे बच्चा को खतनो करण खे व्हा आया वे वोको नाम वोका बाप पर जकर्याह रखन लग्या.

60 पन वोकी माय ने उत्तर दियो नी. वोको नाम यहून्ना रख्यो जाह्यो.

61 अरु उनने ओकासे बोल्यो, “पन तरा परीवार मे कोय को यो नाम नी.”

62 फिर उनने ओका बाप से हीसरो से पुछ्यो कि ओको नाम का रखनो चाहस.

63 अरु येका पर जकर्याह ने लिखन कि पाटी मागीखे लिखी दियो, कि “वोको नाम यहून्ना हइ ओने अचम कर्यो.

64 जब वोका मेडो अरु जीब तुरुत खुली गय. अरु वू बोलन लग्यो अरु परमेश्वर को धन्यवाद करण लग्यो.

65 अरु वोका आस पास का सब झन हैन आला पर डर हुय गोथो. अरु वे सब बात की बातचीत यहूदीया टेकडा देस मे फैली गी.

66 अरु सब सुनन आला ने अपना मन मे विचार करीखे बोल्यो. यो बच्चो कसो हुयगो?” क्युकी परमेश्वर को सामर्थ्य वोका सात थो.

~~~~~

67 अरु वोको बाप जकर्याह पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुगयो. अरु भविष्यवाणी करण लग्यो.

68 इस्राएल को प्रभु परमेश्वर धन्य हय.

कि वोने अपना दुन्या पर नजार करी अरु उनका छुटकारो कर्योस हइ.

69 ओने हमारा लिये अपना सेवक उध्दार दाउद, परीवार से एक रखवालो परदा क्यो.

70 जसो कि वोने भोत पैयले से अपना पवित्र भविष्यव्दक्ता,होन

, वजेसे प्रतीज्ञा को वचन दियो थो.

71 ओने हमखे हमारा दुशमन से, अरु सब

, हात से जो हम घृस्सा करतो थो हमारो छुट,रो को वचन से उध्दार दियो थो.

72 कि हमारा बाप-दादा पर दया बतानो

अपनी पवित्र वचन् खे याद कर.

73 अरु वा कसम जो उनने

हमारा बाप अब्राहम से खाय थी.

74 कि हम दुशमन, हात से छुडाये मेती कन्हे.

75 क्युकि अपना जिवन भर हर दिन वोका सामे पवित्रता अरु धर्मी

76 हे बच्चा. बडो प्रधान परमेश्वर,

भविष्यव्दक्ता बोल्यो जाह्यो.

क्युकी परमेश्वर की रस्ता तैयार करण

लीये वोका आगे आगे चल्यो.

77 वोका दुन्या खे उध्दार को ज्ञान दे,

जो उनका पाप की माफी से मीलस हइ.

- 78 यो हमारा परमेश्वर की मन कोमल दया करण एक नवो सबेरे कि पयली किरन आ,स से हमारा पर उतन्हे.
- 79 अरु उनका पर चमकन, लिये जो मरन की छाया मेजिन्दा न्हिरास हइ, ताकी हमारा पाय की शांती की रस्ता कि दिशा मील्ले.
- 80 यो प्रकार बच्चो यहून्ना, आंग मे बढते अरु इस्राएल आत्मा मे बढते गयो अरु दृड होते गयोस.

2

?????? ?? ???? ?? ????
(????? 1:18-25)

- 1 वे दिन मे बडो राजो कैसर औगूस्तुस का तरप से आज्ञा नीकली, की सब रोमी जगत का दुन्या को नाम लिखायो जाहो.
- 2 जनगनना यो पयली थी, सीरिया को राज्यपाल क्विरिनीयुस थो.
- 3 अरु सब दुन्या नाम लिखान का लीये अपना अपना गाव मे गया.
- 4 अरु यूसुफ भी गलील का देस से नासरत नगर से यहूदीया देस को दाउद राज को नगर बैतलहम खे गयो क्युकी व्हा दाउद का धरानो अरु कुल से थो.
- 5 कि अपनी मगेत्तर मरियम का साथ जो दिन से थी नाम लिखायो.
- 6 असो हुयो कि जब वे व्हा था तब बच्चा को जन्म देन को टेम अय गयो.
- 7 अरु व्हा अपनो पहिलो बेटो हुयो अरु ओखे कपडा मे गुडचो गव्हान मे रख्यो क्युकी वुन, लिये कोय भी जगा नी थी.

?????? ?? ???? ????
(????? 2:1-12)

- 8 तब व्हा वा जागा से बाहेर खेत मे थोडा टाटचा था. जो रात का टेम मे अपनो मेडा झुण्ड कि जागल करी रा था.
- 9 वा टेम मे परमेश्वर को एक स्वर्गदूत व्हा प्रगट हुयो उनका चारी तरफ प्रभु को तेज चमकी गो अरु वे भोत डरी गया.
- 10 जब स्वर्गदूत ने वुन, से बोल्यो. मत डर. क्युकी देख मी तुमखे खुप खुशी कि खुसखबर सुनउस हइ जो सब दुन्या का लिये हुये.
- 11 कि आज दाउद का नगर मे तुम्हारा लिये एक उद्धारकर्ता पइदा हुयोस. अरु मसीह परमेश्वर हइ.
- 12 अरु येका तुम्हारा लिये यो चिन्ह हइ. कि तुम एक बच्चा खे कपडा मे गुडीरास हुये अरु गव्हान मे सोयो मील्ले.
- 13 जब येता मे वू स्वर्गदूत, सात स्वर्गदूत को दल परमेश्वर की स्तुती करतो हुयो अरु यो बोलते दिखय दियो.
- 14 आकाश मे परमेश्वर की महिमा
अरु जमीन पर वे इन्सान मे जेने वु अनुग्रह हइ शांती हुये.
- 15 तब स्वर्गदूत उनका पास से स्वर्ग खे जत्ती लग्यो, ते येने आपस मे बोल्यो, आव, हम बैतलहम जयखे या बात जो हुइस हइ, अरु जेखे परमेश्वर ने हमखे बतायोस हइ, देख.
- 16 अरु उनने तुरुत जयखे मरियम अरु यूसुफ खे अरु गव्हान मे वु बच्चा खे सोयो देख्यो.
- 17 टाटचाने जब ओखे देख्यो ते जो यो बच्चा का बारे मे जोन खबर उनखे दि गय थी, ओखे उनने सब खे बतय दियो थो.
- 18 अरु सब सुननवाला ने वे बात से जो टाटचा उनका से बोल्यो आश्चर्य हुयो.
- 19 पन मरियम या सब बात अपना मन मे रखी खे सोचती हैं.
- 20 अरु उदर वे टाटचा जसा वुन, से बोल्यो गयो थो. वोसोय सब सुनी खे अरु देखी खे परमेश्वर की महिमा अरु स्तुति करते हुयो पलटि गयो.

???? ?? ???? ????
(????? 2:13-20)

21 तब आठ दिन पूरा हुआ। अरु वोको खतनो को टेम आयो। ते वोको नाम यीशु रखी दियो। जो स्वर्गदूत ने वोका पेट मे आना से पहिले बोल्यो थो।

22 अरु तब मूसा खे नीयम, जसो उन खे अच्छो होन, दिन पूरा हुआ तेवे वोखे यरुशलेम मे

लिंगया। कि परमेश्वर, सामने लायो।

23 जसो कि परमेश्वर की नीयम मे लिख्योस हइ कि हर एक पहिलो परमेश्वर का लिये पवित्र हिये।

24 अरु परमेश्वर की नीयम को वचन का जसो, एक जोड। या कबूतर का दो बच्चा लय खे बलिदान कर्यो।

25 उ दिन मे यरुशलेम मे शमौन नाम को एक इन्सान थो, अरु वु इन्सान अच्छो अरु परमेश्वर खे डरनआलो थो। अरु इस्राएल की रस्ता देखी रो थो, अरु पवित्र आत्मा वोका पर थी।

26 अरु पवित्र आत्मा से वोखे चेतावनी हुय थी, कि जब तक तू परमेश्वर को मसीह खे देख न लग्यो, तब तक कोन देखेय।

27 अरु वा आत्मा खे सिखाना से मन्दिर मे आयो। अरु जब माय बाप वु बच्चो यीशु का अंदर लायो, कि वुन, लिये वेदी, जसो काम कन्हें।

28 ते वोने वोखे अपनी खोरा मे लियो अरु परमेश्वर को धन्यवाद करीखे बोल्यो।

29 हे स्वामी। आप तू अपना सेवक खे

अपनो वादा, जसो शांती से बिदा करस हइ।

30 क्युकि मेने अपना आख से तरा उद्धार खे देख्योस हइ।

31 जेखे तोने सब देस का

दुन्या का सामने तैयार करस हइ।

32 कि वु गैरयहूदिहोन खे उजालो देन का लीये दिवो। अरु तरा अपना इस्राएल का दुन्या का लिये महिमा खे आह्ये।

33 अरु वोको बाप अरु वोकी माय या बात से जो वोका बारे मे बोली जाती थी आश्चर्य करता था।

34 जब शमौन ने उन खे आशिर्वाद दिखे। वोकी माय मरियम खे बोल्यो। देख। वुतो इस्राएल मे खुप गिरनो। अरु जिन्दो उठन का लिये। अरु एक असो चिन्ह होन का लिये ठहयरायो गयोस हइ। जेका खिलाप मे बात करी जाह्ये

35 वरना तरा जान भी तलवार से पार छेद जाह्ये येका से भोतझन को दिल का बिचार प्रकट हुये।

36 व्हा हन्नाह नाम फनूएल की आशेर एक जिन्दो भविष्यद्वक्तन थी वा खुप बूढ़ी थी, अरु अपनो भ्याव फक्त सात साल तक अपना अदमी, सात हीं।

37 वा चौयासी साल से विधवा थी अरु मन्दिर खे नी छोडती थी पर उपास अरु प्रार्थना करी खे रात-दिन परमेश्वर कि उपास करती थी।

38 अरु वु वा टेम मे व्हा अय खे परमेश्वर खे धन्यवाद करण लगी। अरु उ सब से जो यरुशलेम को छुटकारा की रस्ता देखेता था। वोका बारे मे बात करण लगी।

39 अरु जब वे परमेश्वर की नीयम, जसो सब कुछ खे वे गलील मे अपना नगर नासरत खे फिर

चली गया।

40 अरु बच्चो बढतो। अरु ताकता लो होतो। अरु दिमाक से हुशार हुय गयो। अरु परमेश्वर को अनुग्रह वोक पर थो।

41 वोका माय-बाप हर साल फसह तिहार मे यरुशलेम खे जाता करता था।

42 जब वू बारा साल को हुयो। ते वे तिहार की रीती जसो यरुशलेम मे गया।

43 अरु जब वू वे दिन खे पूरा करीखे पलट्यो. ते वु बेटा यीशु यरुशलेम मे हिंगो. अरु यो वोकी माय-बाप नी जानता था.

44 वु यो समझी खे. कि वु अरु जान आला, सात हुये. एक दिन, जान आला कासात गइ अरु वोखे अपना कुटुंब से अरु जान पहचान मे ढूढन लग्या.

45 पर जब नी मील्यो, ते ढुढते-ढुढते यरुशलेम के फेर पलटी गया.

46 अरु तीन दिन का बाद उनने वा मन्दिर मे यहूदीया शिक्षकहोन का बीच मे बठ्या. वो की सुनते अरु उनका से प्रश्न करते हुयो देख्यो.

47 अरु जोतना वोकी सुनी राथा. वे सब वोकी समझ अरु वोका उत्तर से चकित था.

48 जब वे वोखे देखी खे चकित हुया अरु वो की माय ने वोखे बोल्यो. हे बेटा. तु हमारा से क्यु असो व्यवहार करस? देख. तरो बाप अरु मी मेहनत से तोखे ढूढता था.

49 वोने वुन, से बोल्यो. तुम मेखे क्यु ढूढता था? कानी जानता था. कि मेखे अपना बाप, भवन मे हेनो जरुरती हइ?

50 पर जो बात वोने ओकासे बोली. उनने वोखे नी समज्या.

51 पर जो उत्तर उनखे दियो, वे अरु व्हा उनका सात गयो. अरु नासरत मे आयो, अरु उनका आज्ञा को पालन करण लग्या. अरु वोकी माय ने या सब बात अपना मन मे रखी.

52 अरु यीशु दिमाक अरु डील डौल मे अरु परमेश्वर अरु इन्सान, अनुग्रह मे बढतो गयो.

3

~~~~~

(लूका 3:1-12; लूका 1:1-8; लूका 1:19-28)

1 तिबिरियुस कैसर, राज्य, 15 साल मे जब फिलिप्पुस पिलातुस यहूदीया को थो. अरु गलील मे हेरोदेस नाम चौथाइ को इतुरैया. अरु त्रखोनीतिस मे. ओको भैइ फिलिप्पुस. अरु अबिलेने मे लिसानीयास चौथाइ को राजो थो.

2 अरु जब हन्ना अरु कैफा महायाजक था. वा टेममे परमेश्वर को वचन जंगल मे जकर्याह को बेटो यहून्ना को पास पहुच्यो.

3 अरु वू यरदन, आस पास सब देस मे अयखे. पाप की माफी, लिये मन फिराव की बपतिस्मा को प्रचार करण लग्यो.

4 जसो यशयाह भविष्यवक्ता, बोल्यो  
आलो वचन की किताब मे लिख्योस हइ.

कि जंगल मे एक फुकारन आला की आवाज

अय रिस हइ कि परमेश्वर की रस्ता तैयार करी. की सडक सीधी बना.

5 हर एक खाइ भर दियो जाह्ये.

अरु हर एक टेकडा अरु टेकडो सपाट कन्यो जाह्ये. अरु जो टेडो हइ सीधो.

अरु जो उच्चो आलाखे नीच्चे अरु सीधी रस्ता बनाहे.

6 अरु हर परमेश्वर, उध्दार खे देख्ये.

7 जो बडी गर्दी ओकासे बपतिस्मा लेन खे नीकली खे आती थी. उनसे वु बोलतो थो. हे साप खे बच्चा. तुमखे कोने बतय दियो. कि आन आला घुस्सा से भागो.

8 अरु मन फिराव, अच्छो फल लाव अरु अपना स मन मे या नवी सोच. कि हमारो बाप अब्राहम आय. क्युकि मी तुमा से बोलुस. कि परमेश्वर यो पत्थर से अब्राहम, लिये सन्तान परदा करी सकस हइ.

9 अरु आब या कुल्हाडी झाड की जडी पर धरीस हइ. येका लीये जो झाड अच्छो फल नी लगो. वु ,ट्यो अरु अंगार मे डाल्यो जाह्ये हइ.

10 अरु दुन्या ने वोखे पूछ्यो. ते हम का करा?

11 वोने ओखे उतर दियो. कि जेका पास दो कुर्ता हइ? व्हा ओका सात जेका पास नी हइ बाटी दे अरु जेका पास खानो हुये. वू भी असो करणु.

12 अरु पैसालेनआलो भी बपतिस्मा लेन आय. अरु ओकासे पूछ्यो. कि हे गुरु. हम का करा?

13 वोने उनका से बोल्यो. जो तुम्हारा लिये रोखो गयोस हइ. ओकासे जादा नी लेनु.

14 अरु सैनीक ने भी ओकासे यो पूछ्यो. हम, करा? ओने ओका से बोल्यो. कोय, पर जबरदस्ती नी करणु. अरु ना झूटो दोष लगानु. अरु अपनी मजुरी पर खुश हेनु.

15 जब दुन्या आस लगाया हुआ था. अरु सब अपना अपना मन मे यहून्ना को बारे मे बिचार करी राधा. कि का यो मसीह तो नी आय.

16 ते यहून्ना ने वे सब को उत्तर मे बोल्यो: कि मी तो तुमखे पानी से बपतिस्मा देस हय. पर वु आनआलो हइ. जो मरा से ताखतआलो हइ. मी तो यो योग्य भी नी. कि वोकी जुता की तन्नी खोली सकू. वु तुमखे पवित्र आत्मा अरु अंगार से बपतिस्मा दिह्ये.

17 ओको सुपडो. ओका हात मे हय. अरु वु अपनी अच्छी तराह से सपा कहे. अरु गहु खे अपना पोता मे जमा कहे. पर भूसो खे वा अंगार मे जो बुझन की नी जलय दिहे.

18 अरु वू खुप सी सजा दि दिखे दुन्या खे खबर सुनातो हिंयो.

19 पर ओने चौथाइ देस को राजो हेरोदेस खे ओको भेइ फिलिप्पुस की लुगइ हेरोदियास, बारेमे. अरु सब बुरो काम, बारेमे जो वोने कय्यो थो. दोष दियो.

20 येका लीये हेरोदेस ने वे सब से बडीखे यो बुरोकाम भी कय्यो. कि यहून्ना खे बन्दीगृह मे डाली दियो.

???? ? ? ???????

(????? 3:13-17; ?????? 1:9-11)

21 जब सब दुन्या ने बपतिस्मा लीयो. अरु यीशु भी बपतिस्मा लीखे प्रार्थना करी राधा. ते बहल खुली गयो.

22 अरु पवित्र आत्मा आंग रुप मे कबूतर, जसो वोका पर उतरते. अरु या आकाशवाणी हुय. कि तू मरो लाड बेटो आय. मी तरा से प्रसन्न हुयो.

???? ? ? ???????

(????? 1:1-17)

23 जब यीशु खुद उपदेस करण लग्यो. ते नजीकपास तीस साल की उमर को थो अरु जसो समझ्यो जातो थो यूसुफ को बेटो थो. अरु एली को.

24 अरु वू मत्तात को, अरु वू लेवी को, अरु वू मलकी को, अरु वू यन्नाई को, अरु वू यूसुफ का.

25 अरु वू मत्तित्याह को, अरु वू आमोस एस्ली को, अरु वू नहूम को, अरु वू असल्याह को, अरु वू नोगगइ को,

26 अरु वू मात को, अरु वू मत्तित्याह को, अरु वू शिमी को, अरु वू योसेख को, अरु वू योदाह को,

27 अरु वू यूहन्ना को अरु वू रेसा को, अरु वू जरुब्बाबेल को, अरु वू शालतीएल को, अरु वू नेरी को,

28 अरु वू मलकी को, अरु वू अदी को, अरु वू कोसाम को, अरु वू इलमोदाम को, अरु वू एर को,

29 अरु वू यीशु को, अरु वू इलाजार को, अरु वू योरीम को, अरु वू मत्तात को, अरु वू लेवी को,

30 अरु वू शमौन को, अरु वू यहूदा को, अरु वू यूसुफ को, अरु वू योनान को, अरु वू एलयाकीम को,

31 अरु वू मलेआह को, अरु वू मीन्नाह को, अरु वू मत्तात को, अरु वू नातान को, अरु वू दाउद को,

32 अरु वू यिशय को, अरु वू ओबेद को, अरु वू वोआज को, अरु वू सलमोन को, अरु वू नहशोन को,

- 33 अरू वू अम्मीनादाब को, अरू वू अरनी को, अरू वू हिस्नोन को, अरू वू पेरेस को, अरू उ यहूदा को  
 34 अरू वू याकूब को, अरू वू इसहाक को, अरू वू अब्राहम को, अरू वू तिरह को, अरू वू नाहोर को,  
 35 अरू वू सरुग को, अरू रऊ को अरू वू पेलेग को, अरू वू एबिर को, अरू वू शिलह को,  
 36 अरू वू केनान को, वू अरफक्षद को, अरू वू शेम को, वू नूह को, वू लेमेक को,  
 37 अरू वू मथूशिलह को, अरू वू हनोक को, अरू वू यिरिद को, अरू वू महललेल को, अरू वू केनान को,  
 38 अरू वू इनोश को, अरू वू शेत को, अरू वू आदम को, अरू वू परमेश्वर को बेटो थो.

## 4

लूका 4:1-11; लूका 1:12,13

(लूका 4:1-11; लूका 1:12,13)

- 1 फिर यीशु पवित्र आत्मा से भर्यो हुयो. यरदन मे पलट्यो. अरू चालीस दिन तक आत्मा खे सिखान खे जंगल मे फिरते हीयो.  
 2 अरू चालीस रात तक सैतान ने उनकी परीक्षा करतो ह्यो वे दिन मे वो ने कुछ नी खायो अरू जब वे दिन पूरा हुय गया. ते ओखे भूख लगी.  
 3 अरू सैतान ने ओका से बोल्यो. “अगर तू परमेश्वर को बेटो हइ. ते यो फतर से बोल्यो कि रोटी बनी जाह्ये.”  
 4 यीशु ने वोखे उत्तर दियो. कि लिखस हइ. इन्सान फक्त रोटी से जिन्दो नी हैन को.  
 5 जब सैतान वोखे ली गयो अरू वोखे जरा भर मे जगत का सब राज्य बताह्ये.  
 6 अरू ओका से बोल्यो. मी यो सब अधिकार. अरू इन को वैभव तोखे दिह्यु. क्युकी वु मेखे सोपी दियोस हइ अरू जो चाहुस हइ. ओका दि सकुस हइ.  
 7 येका लिये. अगर तू मेखे आराधना कर्हे. ते यो सब तरो हुइ जाह्ये.  
 8 यीशु ने वोखे उत्तर दियो. लिख्यो हइ. कि तू प्रभु अपनो परमेश्वर खे प्रणाम कर. अरू फक्त वो की उपासना कर.  
 9 जब वोने वोखे यरुशलेम मे ली जय खे मन्दिर का छेडा पर खडो कर्या. अरू वोका से बोल्यो. अगर तू परमेश्वर को बेटो आय. ते अपना आप खे ह्या से नीच्चे गिरय दे.  
 10 क्युकी लिख्यो हइ. कि वु तरा बारे मे अपना स्वर्गदूत खे आज्ञा दिह्ये. कि वु तरी रक्षा कर्हे.  
 11 अरू वु तोखे हातो हात उठय लिहे असो नी होय कि तरा पाय मे फत्तर से टोकर लगहे.  
 12 यीशु ने ओका उत्तर दियो. यो भी बोल्यो गयोस हइ. कि तू प्रभु अपनो परमेश्वर की परीक्षा नी करणू.  
 13 जब सैतान सब परीक्षा करी चुक्यो. तब कुछ टेम का लिये वोका पास से चली गयो.

लूका 4:12-17; लूका 1:14-15

(लूका 4:12-17; लूका 1:14-15)

- 14 फिर यीशु आत्मा, सामर्थ्य से भन्यो गलील मे पलट्यो. अरू वोकी चर्चा आस पास, सब देस मे फैली गयो.  
 15 अरू उ वा मन्दिर मे शिक्षन करता ह्यो. अरू सब वोकि महिमा करता था. ओने यहूदीया आराधनालय मे उपदेश दिया अरू सब, द्वारा स्तुती हुइ.

लूका 13:53-58; लूका 6:1-6

(लूका 13:53-58; लूका 6:1-6)

- 16 अरू वू नासरत मे आयो. झा ओको पाल्यो पोसो हुयो थो. अरू अपनी रीति, जसो आराम, दिन आराधनालय मे जय खे पडन, लिये खडो हुयो.

17 यशयाह भविष्यव्दक्ता की किताब वोखे दी गय. अरु वोने किताब खोलीखे. वा जगा नी,ली झा यो लिख्यो थो.

18 कि परमेश्वर कि आत्मा मरा पर हइ.

येका लिये कि वोने गरीब खे सुसमाचार

सुनान, लिये मरो अभिषेक कर्यो हइ.

अरु मेखे येका लिये भेज्यो हइ. कि भैइ

को छुटकारा को

अरु अन्धा खे दिखान,

लीये खबर प्रचार कहें

अरु कुचल्यो आला खे छुडाह्यु.

19 अरु परमेश्वर खे प्रसन्न

हैन को साल खे प्रचार कर्यु.

20 जब वोने किताब बंद करीखे सेवक, हात मे दि दि. अरु बठी गयो अरु आराधनालय, सब दुन्या कि नजर वोका पर लगी थी.

21 जब वु वुन से बोलन लग्यो. कि आज हि यो लेख तुमारा सामने पूरो हुयो हइ.

22 अरु सब ने वो खे प्रशसा. अरु जो अनुग्रह की बात वोका मेडा से नीकलती थी. वोका से अचम कर्यो. अरु बोलन लग्यो, यो यूसुफ को बेटो नी?

23 वोने ओकासे बोल्यो. तुम मरा पर यो खावत जरूरत बोल्हे. कि हे डॉक्टर. अपना आप खे अच्छो कर! जो कुछ हमने सुन्योस हइ कि कफरनहूम मे कर्यो गयोस हइ वोखे ह्या अपना देस मे भी कर.

24 अरु वोने बोल्यो. मी तुमारा से सच्ची बोलूस. कोय भविष्यव्दक्ता अपना देस मे मान-सम्मान नी मीले.

25 अरु मी तुम से सच्ची बोलूस. कि एलिय्याह, दिन मे जब साडे तीन साल तक बढल बंद हीयो. ह्या तक कि सब देस मे बडो अकाल पड्यो. ते इस्राएल मे भोत विधवानहोन थी.

26 पन एलिय्याह वुन मे से कोय, पास नी भेज्यो गयो. फक्त सैदा, सारफत मे एक विधवा का पास.

27 अरु इलीशा भविष्यव्दक्ता, टेममे इस्राएल मे खुप सा कोढी था. पर नामान सूरयानी खे छोड़ी उन मे से कोय अच्छो नी कर्यो गयो.

28 ये बात सुनते मे जितने आराधनालय मे थो. सब घुस्सा भरी गया.

29 अरु उठीखे वु नगर से बाहेर नीकल्यो. अरु जो टेकडा पर वुन, नगर बसयो थो. वो की छेडा पर लीखे चल. कि वोखे व्हा से नीचे गिर्य दुव.

30 पन व्हा वुन, बीच मे से नीकलीखे चले गयो.

~~~~~

(~~~~~ 1:21-28)

31 फिर वु गलील, कफरनहूम नगर मे गयो. अरु आराम, दिन दुन्या खे उपदेस दि रो थो.

32 वे वोका उपदेस से चकित हुय गया क्युकि वोको वचन अधिकार, सात थो.

33 आराधनालय मे एक इन्सान थो. जो मे बुरीआत्मा थी.

34 वु वुच्चो अवाज से चिल्लायो उट. हे यीशु नासरी. हमखे तरा से काम, तू हमारो नाश करण आयो हइ? मी तोखे जानुस तू कोन आय? तू प्रभु को पवित्र इन्सान आय.

35 यीशु ने वोखे धमकय खे बोल्यो. चुप हैं अरु वोमे से नीकली जा तब बुरीआत्मा वा बीच मे भटकन का बिना कुछ कर्यो वो मे से नीकली गय.

36 येका पर सब खे अचम हुयो. अरु वे आपस मे बात करी खे बोलन लग्या. यो कसो वचन हइ? कि वु अधिकार अरु सामर्थ्य का अच्छा से सात बुरी आत्माहोन खे आज्ञा देस हइ, अरु वे नीकली जास हइ.

37 उ क्षेत्र मे आसपास का हर कोय ओका बारे मे समाचार फेलन लग्यो.

~~~~~  
(~~~~~ 8:14-17; ~~~~~ 1:29-34)

38 वु आराधनालय मे से उठीखे शमौन, घर मे गयो अरु शमौन की सासु खे बुखार चड्यो हुयो थो. अरु उनने वोका लिये वोका से प्रार्थना करी.

39 वाने वोका नजीक खडा हिंखे बुखार खे डाट्यो अरु वोका पर से उतरी गयो अरु वा तुरुत उठीखे उन की सेवा चाकरी करण लगी.

40 सुरज डूबन, टेममे जेका जेका ह्या दुन्या अलग प्रकार की बीमारी मे पड्या हुया था. वे सब उनखे वोका पास ली आया. अरु वाने एक एक पर हात रखीखे वुनखे अच्छो कर्यो.

41 अरु बुरीआत्मा धमकय खे अरु यो बोलती हुये कि तू परमेश्वर को बेटो आय. खुपझन मे से नीकली गय पन वु वुनखे डाटतो अरु बोल नी देतो थो. क्युकी वे ओखे पहचानता था. कि यो मसीह आयो.

~~~~~  
(~~~~~ 1:35-39)

42 जब दिन नीकल्यो ते वु नीकली खे एक जंगल जगा मे गयो. अरु गर्दी की गर्दी वोखे दूडते हुये वोका पास अय. अरु वोखे रोखन लगी. कि हमारा पास से नी जानू.

43 पन वाने उनका से बोल्यो. मेखे अरु नगर मे भी परमेश्वर को राज की सुसमाचार सुनानो जरुरती हइ. क्युकि मी येका लिये भेज्यो गयोस.

44 अरु वू गलील की आराधनालय मे प्रचार करते हीयो.

5

~~~~~  
(~~~~~ 4:18-22; ~~~~~ 1:16-20)

1 एक दिन जब गर्दी वोका पर गिर पडती थी. अरु परमेश्वर को वचन सुनती थी. अरु व्हा गनेसरत की नदी, किनार पर खडा था. ते असो हुयो.

2 कि वाने नदी, किनार दो डोंगा लग्या हुया देख्या. अरु डिम्बर वोका पर से उतरीखे जाल धोय रा था

3 वे डोंगा मे से एक पर जो शमौन की थी. चडी खे. वाने वोका से प्रार्थना करी. कि किनार से थोडो जमीन हटयी ले चल. जब व्हा बठीखे दुन्या खे डोंगा पर से उपदेस देन लग्यो.

4 तब वे बात करी चुक्या ते शमौन से बोल्यो. खोल मे ली चल. अरु मंछी पकडन का लिये अपनी जाल डाल.

5 शमौन ने वोखे उत्तर दियो. कि हे स्वामी. हम ने पुरी रात मेहनत करी अरु कुछ नी पकड्यो. तेभी तरा बोलना से जाल डाल्यु.

6 जब वुनने असो कर्या. ते खुप मंछी घेरी ली. अरु वुन कि जाल फटन लगी गी.

7 येका पर वो ने अपना साथआला खे जो दूसरा डोंगा पर था. हिसारो कर्यो. कि अयखे हमखे सात दे अरु वो ने अयखे. दो डोंगा ह्या तक भरी ली कि वे डूबन लगी.

8 यो देखीखे शमौन पतरस यीशु का पाय पर गिर्यो. अरु बोल्यो. हे परमेश्वर. मरा पास से जा. क्युकि मी पापी इन्सान आय.

9 क्युकि येत्ती मंछी खे पकड्यो जाना से वोखे अरु वोका साथआला खे खुप अचम हुयो.

10 अरु वसो य जब्दी को बेटो याकूब अरु यहून्ना खे भी. जो शमौन, सात मे था. अचम हुय जब यीशु ने शमौन से बोल्यो. मत डर आब से तू इन्सान खे जिन्दो पकड्यो कहें.

11 अरु वू डोंगा का किनार पर ली आयो अरु सब जमीन मे कुछ छोडी खे वोका पीछे चलि दियो.

~~~~~  
(~~~~~ 8:1-4; ~~~~~ 1:40-45)

12 जब वू कोय नगर मे थो. ते देख्यो. व्हा कोड से भयों हुयो एक इन्सान थो. अरु व्ह यीशु खे देखी खे मेडा, उपर गिर्यो. अरु प्रार्थना करी. कि हे परमेश्वर अगर तू चाह्यो ते मेखे अच्छो करी सकस हइ.

13 वो ने हात सामे करी खे वोखे पकड्यो अरु बोल्यो मी चाहुस की तू अच्छो हुय जा अरु वोको कोड तुरुत अच्छो हुयो.

14 जब वो ने वोखे बतायो. कि कोय, से नी बोलनू. पर जय खे अपना आप खे याजक खे बता. अरु अपनो अच्छो होन, बारे मे जो कुछ मूसा ने चडावो ठयरायो हइ ओखे चडा. कि वुन पर गवइ हुये.

15 पन वो की चर्चा अरु भी फैलती गय. अरु बडी की गर्दी वो की सुनन, लिये अरु अपनी बिमारी से अच्छो होन, लिये जमा हुया.

16 पन वु जंगल मे अलग जयखे प्रार्थना कर्या करतो थो.

~~~~~

(~~~~~ 9:2-8; ~~~~~ 2:1-12)

17 अरु एक दिन असो हुयो कि वु उपदेस दि रो थो. अरु फरीसी अरु व्यवस्थापक व्हा बठचा हुया था. जो गलील अरु यहूदीया, हर एक गाव से. अरु यरुशलेम से आया था. अरु अच्छो करण, लिये परमेश्वर को सामर्थ्य वोका सात थो.

18 अरु देख कोय दुन्या एक इन्सान खे जो बिमारी को मारो हुयो थो. खटीया पर लयो. अरु वे वोखे अंदर ली जान अरु यीशु का सामने रखन को उपाय दूडता था.

19 अरु तब गर्दीकरण वोखे अंदर नी लीजय सक्यो ते वुनने छुपर पर चडी खे अरु कवेली अलग करी खे. वोखे खटीया सहीत बीच मे यीशु का सामने उतारी दियो.

20 वोने वुन को विश्वास देखीखे वोका से बोल्यो. हे इन्सान. हे पाप माफ हुया.

21 जब शास्त्री अरु फरीसी वाद विवाद करण लग्या. कि यो कोन आय. जो परमेश्वर की नीन्दा करस हइ? परमेश्वर खे छोडी कोन पाप की माफी करी सकस हइ?

22 यीशु ने वुन, मन की बात जानीखे. वुन से बोल्यो कि तुम अपना मन मे, वाद विवाद करी रास हइ?

23 सोपो का हइ? का यो बोलनु. कि तरो पाप माफ हुया. या यो बोलनु कि उट. अरु धुम फिर?

24 पन येका लिये कि तुम जान कि इन्सान को बेटो खे जमीन पर पाप की माफ करण को भी अधिकार हइ वो ने वु बिमार को मारा हुया से बोल्यो. मी तरा से बोलूस. उट अरु अपनी खटीया उठइ खे अपना घर मे जा.

25 वु तुरुत उनका सामने उठा. अरु जोका पर वु पड्यो थो वोखे उठइ खे. प्रभु की महिमा करतो हुयो अपना घर चली गयो.

26 जब सब अचम्भा हुया अरु प्रभु की महिमा करण लग्यो. अरु खुप डरीखे बोलन लग्या. कि आज हम ने नवी बात देखीस हइ.

~~~~~

(~~~~~ 9:9-13; ~~~~~ 2:13-17)

27 अरु येका बाद व्हा बाहेर गयो. अरु लेवी नाम एक पैसा लेनवालो खे चुगी की चौकी पर बठ्यो देख्यो. अरु वोका से बोल्यो. मरा पीछे चल.

28 जब व्हा सब कुछ छोडी खे उट. अरु वोका पीछे चल दिया.

29 अरु लेवी ने अपना घर मे वोका लिये बडी मेजवानी करी. अरु चुगी लेनआला अरु दुसरा तरप की जो वोका सात खान खे बठचा था एक बडी गर्दी थी. अरु ओका पिछे अयगा था,

30 अरु फरीसी अरु वु, शास्त्री वुन का सेवक से यो बोलीखे कुरकुर लग्या. कि तु चुगी लेनवाला अरु पापी, सात क्यु खास-पीस हइ?

31 यीशु ने वु खे उत्तर दियो. कि डॉक्टर अच्छा कपडा, लिये नी पन बीमार का लिये जरुरती हइ.

32 मी धर्मीहोन खे नी. पन पापी खे मन फिराव का लिये बुलान आयोस.

???? ???? ?? ???? ?

(???? 9:14-17; ????? 2:18-22)

33 अरु वुन ने वोका से बोल्थो. यहून्ना को सेवक ते बरोबर उपास रखस अरु प्रार्थना कर्या करस हइ. अरु वोसो य फरीसीहोन का भी. पन तरा सेवक तो खास पीस हइ.

34 यीशु ने वु से बोल्थो, तुम बरात से जब तक दुलो वुन, सात हँस. उपास करी सकस.

35 पन वे दिन आह्यो. जिन मे दुलो वुन से अलग कर्यो जाह्येय. जब वे वु दिन मे उपास कहँ.

36 वो ने एक अरु दृष्टान्त भी वुन से बोल्थो. कि कोय इन्सान नवा कपडा मे से फाडीखे जुनो कपडा मे थेगडो नी लगाय. नी ते नवा फटी जाह्यो अरु व्हा थेगडो जुनो मे, बराबर भी नी खाय.

37 अरु कोय नवा अंगूर को रस जुना मडका मे नी भहँते. नी ते नवो अंगूर को रस नवा मडका खे फोडीखे बोहय जाह्यो. अरु मडको भी फुटी जाह्यो.

38 पन नवा अंगूर को रस नवा मडका मे भरनो चाह्यो.

39 कोय इन्सान जुना अंगूर को रस पीखे नवो नी चाहतो क्युकि व्हा बोलस हइ. कि जुनो ही अच्छो हइ.

6

???? ???? ?? ???? ?

(???? 12:1-8; ????? 2:23-28)

1 फिर आराम का दिन व्हा खेत मे से हुयखे जयरा था. अरु ओका सेवक गहु कि उम्बी तोड तोडी खे. अरु हात से रगडी खे खाते जयरा था.

2 जब फरीसीहोन मे से कोय एक बोलन लग्यो. तुम व्हा काम क्यु करस हय जो आराम का दिन करणो अच्छो नी?

3 यीशु ने उन को उत्तर दियो “ का तुम ने यो नी पढ्यो. कि दाउद ने जब व्हा अरु ओका सात भूखा थो ते, कर्यो?

4 व्हा क्युकी परमेश्वर का घर मे गयो. अरु मीली की रोटि लिखे खैइ जो खानो याजक खे छोडी अरु कोय खे अच्छो नी अरु अपना सातआला खे भी दी.”

5 अरु वो ने वुन से बोल्थो. इन्सान को बेटो अराम को दिन को भी प्रभु हइ.

???? ???? ???? ?

(???? 12:9-14; ????? 3:1-6)

6 अरु असो हुयो कि कोय अरु एक दुसरो अराम को दिन खे व्हा आराधनालय मे जयखे उपदेस करण लग्यो. अरु व्हा एक इन्सान थो. जोको जवनो हात सूख्यो थो.

7 शास्त्री अरु फरीसी होन पर दोस लगान को अवसर दुडन का लिये वो की ताक मे था. कि देखे कि व्हा पवित्र का दिन अच्छो करतो हइ कि नी.

8 पन व्हा वुनका बिचार जानतो थो. येका लिये वोने से हाथआला इन्सान से बोल्थो. उट का बीच मे खडो हो व्हा उठी खे खडो हुयो.

9 यीशु ने वुन से बोल्थो. मी तुम से यो पूछुस कि आराम, दिन, अच्छो हइ. अच्छो करणो या बुरो करणो. जान खे बचानो कि नास करणो?

10 अरु वोने चारी तरप वे सब खे देखीखे वु इन्सान से बोल्थो. अपनो हात बडा वो ने असो य कर्यो. अरु ओको हात फिर अच्छो हुइ गयो.

11 पर वे खुद से बाहेर हुयखे आपस मे वाद विवाद करण लग्या कि हम यीशु का सात कर्ये?

???? ???? ?

(???? 10:1-4; ????? 3:13-19)

12 अरु वे दिन मे एक टेकडा पर चढी खे प्रार्थना करण खे नीकल्यो. अरु प्रभु से प्रार्थना करण मे पुरी रात बिताय.

13 जब दिन नीकल्यो. ते वो ने अपना सेवकहोन खे बुलाय वुन मे से बारा खे चुनी लियो. अरु वुन खे प्रेरित बोल्यो.

14 अरु वे यो हइ शमीन जोको नाम वोने पतरस भी रख्यो. अरु वोको भैइ अन्द्रियास अरु याकूब अरु यहूना अरु फिलिप्पुस अरु बरतुलमै.

15 अरु मत्ती अरु थोमा अरु हलफइस को बेटो याकूब अरु शमीन जो जेलोतेस बोल्यो जास.

16 अरु याकूब को बेटो यहूदा अरु यहूदा इस्करियोती. जो वोको पकडवानो बन्दे.

???? ? ? ???? ? ? ???? ???? ? ? ???? ???? ?

(???? 4:23-25)

17 जब यीशु टेकडा पर से नीच्चे उतरीखे पिलेन जगा मे खडो हुयो. अरु वो का सेवक की बडी गर्दी. अरु सब यहूदीया अरु यरुशलेम अरु सूर अरु सैदा का समुद्र का किनार से भोत सारा दुन्या. जो वो की सुनन अरु अपनी बीमारी से अच्छा होन, लिये वोका पास आया थो. व्हा थो.

18 जो उनकी सुनन अरु अपनी बीमारीहोन से अच्छो होन, लिये ओका नजीक आया था, व्हा था अरु जो बुरी आत्मा का सताया हुया दुन्या भी अच्छो कर्यो जातो थो.

19 अरु सब वोखे पकडनो चाहता था. क्युकि वोमे से सामर्थ्य नीकली खे सब खे अच्छो करतो थो.

??? ???? ?

(???? 5:1-12)

20 जब वोने अपना सेवक का तरप देखीखे बोल्यो.

धन्य हय तुम. जो गरीब हय.

क्युकि परमेश्वर स्वर्ग को राज तुम्हारो हइ.

21 धन्य हइ तुम. जो तु भूखो हय.

क्युकि तृप्त कर्यो जाह्ये.

धन्य हय तुम. जो तु रोवस हय.

क्युकि हास्ये.

22 धन्य हइ तुम. जब इन्सान को बेटा का कारण दुन्या तरो से अलग कह्ये. अरु तुमखे नीकाली दिहे. अरु तरी मजाक कह्ये. अरु तरो नाम बुरो जानीखे काटी दिह्ये.

23 वु दिन खुशी हुय खे उछल्यो. क्युकि देख. तरा लिये स्वर्ग मे बडो प्रतीफल हइ वुन को बाप-दादा भविष्यवक्ता का सात भी अलग मे कर्यो करतो थो.

24 पर तरा पर. जो लकपती हइ.

क्युकि तुम अपनी सब सुख मीली हय.

25 हय तुम पर. जो आब तृप्त हो.

क्युकि भूखा हुये हय. तुम पर.

जो आब हासस हो.

क्युकि दुख कह्ये अरु रोहे.

26 तुम खे धिक्कार हय. तुमरी प्रससा हुये क्युकि उनका बापदादा ने भी पर जब सब इन्सान तुम खे अच्छो बोल्हे, क्युकि वुन, बापदादा झूटो भविष्यवक्ता का सात भी असो य कर थो.

???? ? ? ???? ?

(???? 5:43-48)

27 पन मी तुम सुननवाला से बोलुस हय, कि अपना दुसमन से प्रेम रख. जो तुम से अलग करें. वुन को अच्छो कर.

28 जो तुमखे श्राप दे, वुन खे आशिर्वाद दे जो तुम्हारो अपमान करें. वुनका लिये प्रार्थना कर.

29 जो तरा एक गाल पर थप्पड माहें वोका तरप दूसरो भी पलटय दे. अरु जो तरी डबल छुड ली. वो को कुर्ता लेना से भी नी रोखनु.

30 जो कोय तरा से मागहे. वोखे दे. अरु तरा से कोय कुछ माह्योका ते वापीस नी मागनु.

31 अरु जसो तुम चाहस हय कि इन्सानहोन तुम्हारा सात करें. तुम भी वुन, सात वसो कर.

32 अगर तुम अपना प्रेम रखनवाला, सात प्रेम रख. ते तुम्हारी का महिमा? क्युकि पापी भी अपना प्रेम रखनवाला का सात प्रेम रखस हइ.

33 अरु अगर तुम अपनो अच्छो करणवालो येका सात अच्छो करस हय. ते तुम्हारी का महिमा? क्यु पापी भी असो करस हइ.

34 अरु अगर तु वोको उधार दे. जिन से फिर मीलन की आस रखस हय. ते तुम्हारी का महिमा? क्युकि पापी पापी खे उधार देस हइ. कि ओतनो ही फिर मील्ले.

35 पन अपनो दुश्मन से प्रेम रख. अरु अच्छो कर अरु फिर मीलन की आस नी रखनु उधार दे. अरु तुम्हारा लिये बडो फल हुये. अरु तुम बडो इन्सान को बेटो रख्यो. क्युकि व्हा वुन पर जो धन्यवाद नी कहे अरु बुरो पर भी कृपा हइ.

36 जसो तुम्हारो बाप दयावान हइ. वसो य तुम भी दयावान बनू.

~~~~~

(~~~~~ 7:1-5)

37 दोष मत लगा. ते तुम पर भी दोष नी लगाह्ये जाह्ये दोषी ने ठयरायो. ते तुम भी दोषी नी ठयरायो जाह्ये माफ कर. ते तुम्हारा भी माफ कर्यो जाह्ये.

38 दिया करणु. ते तुमखे भी दियो जाह्ये दुन्या पूरो माप दबय दबय खे अरु हलय? खे अरु बडते हुये तुम्हारा खोरा मे डाल्ले. क्युकि जो नाम से तुम मोज्हे हय. वोका से तुम्हा लिये भी मोज्यो जाह्ये.

39 फिर वोने वोका से एक दृष्टान्त बोल्यो, अन्धा को अन्धा खे रस्ता बतय सकस हइ? का दो गडा मे नी गिहें?

40 सेवक अपनो गुरु से बडो नी. पन जो कोय सिद्ध हुये. व्हा अपनो गुरु, बराबर हूये

41 तू अपना भैइ, आख को छोटो कचरो क्यु देखस हइ. अरु अपना य आख को लाकडी तोखे नी दिखे?

42 अरु जब तू अपना य आख को लाकडी नी देखस. ते अपनो भैइ से क्यु बोली सकस हइ. अरे भैइ. रुखी जा तरा आख से कचरो खे नी, नी दिव? हे कपटि. पहिले अपना आख से लाकडी निकाले. तब जो कचरो तरा भैइ, आख मे हइ. अच्छी तरासे देखीखे नीली सकस.

~~~~~

(~~~~~ 7:16-20; 12:33-35)

43 कोय अच्छो झाड नी. जो बुरो फल लाल्ले. अरु नी ते कोय बुरो झाड हइ. जो अच्छो फल लायो.

44 हर एक झाड अपनो फल से पहचान्यो जास हइ. क्युकि दुन्या झाड से अंजीर नी तोडनु. अरु नी बोयाबिज बेल से अंगूर.

45 अच्छो इन्सान अपनो मन, भयों भण्डार से अच्छी बात नी, लस हइ. अरु बुरो इन्सान अपना मन, बुरो भण्डार से बुरी बात नीकालस हइ. क्युकि जो मन मे भयों हइ उ वोका मेडा पर आस हइ.

~~~~~

(~~~~~ 7:21-29)

46 जब तुम मेरो बोलनो नी मानस. तो क्यु मेखे हे प्रभु. हे प्रभु. बोलस हय?

47 जो कोय मरा पास आस हइ. अरु मरी बात सुनीखे वोखे मानास हइ. मी तुमखे बतास हइ कि वू कोय, बराबर हइ?

48 व्हा वु इन्सान का समने हइ. जेने घर बनान, टेममे भूय खोल खोदी खे फतर की पय्यो डाली. अरु जब बडो अय तो धार वु घर पर लगी. पन ओखे हलय न सकी. क्युकि उ पक्को बन्यो था.

49 पन जो सुनीखे नी बराबर. व्हा वु इन्सान का जसो हइ जेने मट्टी का पय्यो पर घर बनायो. जब वोका पर पाणी लग्यो ते वु तुरुत गिरी पड्यो. अरु गिरीखे सत्यानास हुय गयो.

## 7

*LUKE 7:1-17*  
(LUKE 8:5-13)

1 जब उ दुन्या से या सब बात बोली चुक्यो. ते कफरनहूम मे आयो.

2 व्हा कोय सुबेदार को एक सेवक जो वोको प्रेम मे थो. बीमारी से मरना पर थो.

3 वोने यीशु की बातचित सुनीखे यहूदीयाहोन का कोय बापदादा इन्सान खे उन से ह्या प्रार्थना करण खे वोका पास भेज्यो. कि अयखे मरा सेवक खे अच्छो कर.

4 वे यीशु का पास आया ओका से बडी प्रार्थना करीखे बोलन लग्यो. कि वु यो योग्य हइ. कि तू वोका लिये ह्या कहें.

5 क्युकि वु हमारो राष्ट्र से प्रेम रखस हइ. अरु वोनेय हमारी आराधनालय खे बनयस हइ.

6 यीशु ओका सात सात चल पर जब वु घर से दूर नी थो. ते सेनापति ने वोका पास कोय दोस्त का वजसे बोलन भेज्यो. कि हे प्रभु दुख मत उठा क्युकि मी यो योग्य नी. कि तू मरी छाया का तल्ले आह्ये.

7 यो करण मेने अपना आप खे यो योग्य भी नी समझ्यो कि तरा पास अवु. पर वचन मे बोली देस ते मरो सेवक अच्छो हुय जाह्ये.

8 मी भी दुसरा को अधिकार इन्सान आय. अरु सिपय मरा हात मे हइ. अरु जब एक खे बोल्योस. जा. ते व्हा जास हइ. अरु दूसरा से बोलस कि आका तु आस हइ. अरु अपनो कोय सेवक खे कि यो कर. ते व्हा वोखे करस.

9 यो सुनीखे यीशु ने अचम कय्यो. अरु वोने मेडो पलटय खे वु गर्दी से जो वोका पीछे अय री थी बोल्यो. मी तुम से बोलुस. कि मेने इस्राएल मे भी असो विश्वास नी पायो.

10 अरु भेज्यो हुयो दुन्या ने घर पलटी खे. वु सेवक खे अच्छो पायो.

*LUKE 7:18-23*

11 थोडा दिन का बाद व्हा नाइन नाम को एक गाव खे गयो. अरु वोको सेवक अरु बडी गर्दी वोका सात जय री थी.

12 तब व्हा गाव कि फाटक का पास पहुचो. ते देख. दुन्या एक मुडदा खे बाहेर लिये जय रो थो. जो अपनी माय को येकलो बेटो थो. अरु वा विदवा थी अरु नगर का खुप दुन्या वोका सात थी.

13 वोखे देखी खे परमेश्वर खे दया अयी. अरु वो ने बोल्यो. मत रोय.

14 जब वो ने पास अयखे. अर्थी खे पकड्यो. अरु उठानआला रुखी गया. जब वो ने बोल्यो. हे जवान. मी तरा से बोल्युस. उट.

15 जब वु मुडदा उठी खे बठ्यो. अरु बोलन लग्यो अरु वो ने वोखे वो की माय खे दि दियो.

16 येमे से सब पर डर छय गयो. अरु वु परमेश्वर की महिमा करीखे बोलन लग्यो कि हमारा बीच मे एक बडो भविष्यवदक्ता उठ्यो हइ. अरु परमेश्वर ने अपना दुन्या पर कृपा दुष्टि करी हइ.

17 अरु वोका बारेमे मे यो बात सब यहूदीया अरु आस पास का सब देस मे फैली गय.

*LUKE 7:24-35*  
(LUKE 11:2-19)

18 अरु यहून्ना खे वोका सेवक ने या सब बात कि खबर दि.

19 जब यहून्ना ने अपना सेवक मे से दो खे बुलखे परमेश्वर का पास यो पुछन का लिये भेज्यो. आनवालो तू मे हइ. या हम कोय अरु दूसरा की रस्ता देखा?

20 वुन ने वोका पास अयखे बोल्यो. यहून्ना बपतिस्मा देनआला ने हम के तरा पास यो पुछन खे भेज्यो हइ. कि का आनवालो तू ही हइ. या हम दूसरा की रस्ता देखा?

21 वाच टेम वो ने भोत बीमार. अरु पीडा. अरु बुरीआत्मा से छुड़ायो. अरु भोत सा अन्धा खे आख दीया.

22 अरु वो ने वोका से बोल्यो. जो कुछ तुम ने देख्यो अरु सुन्योस. जयखे यहून्ना खे बोलीदे. कि अन्धो देखस. लगडो चली फिरी सकस हइ. कोढी अच्छो कयो जास हइ. अरु गरीब खे सुसमाचार सुनायो जास हइ.

23 अरु धन्य हइ वु. जो मरा करण ठोकर नी खाय.

24 तब यहून्ना खे भेज्यो हुयो दुन्या चली दिया. ते यीशु यहून्ना को बारे मे दुन्या खे बोलन लग्यो. तुम जंगल मेका देखन गया था? हवा से हलाते हुयो सरकण्डे खे?

25 ते तुम फिर, देखन गया था? नाजूक कपडा पेन्यो हुयो इन्सान खे? देख्यो. जो भडकीला कपडा पेन्यो अरु सुख चैन से हँस हइ, वे राजभवन मे हँस हइ.

26 ते फिर, देखन गयो थो? कोय भविष्यव्दक्ता खे? ह्या. मी तुम से बोलुस. वरन भविष्यव्दक्ता से भी बडा खे.

27 यो उ हइ. जोका बारे मे लिख्योस हइ. कि देख मी अपना दूत खे तरा आगे आगे भेजुस जो तरा आगे रस्ता सीधि कहँ.

28 मी तुम खे बोलुस कि जो बयहोन से जन्म्यो हइ. उन मे से यहून्ना से बडो कोय नी पर जो परमेश्वर का राज्य मे छोटो से छोटो हइ. व्हा वोका से भी बडो हइ.

29 अरु सब साधारण दुन्या ने सुनीखे अरु चुगी लेनवाला ने भी यहून्ना को बपतिस्मा लिखे परमेश्वर खे सच्छो मानी लियो.

30 पर फरीसीयो अरु व्यवस्थापक ने वो खे बपतिस्मा नी लिखे परमेश्वर की मनसा का अपना बारे मे टाली दियो.

31 अरु मी यो जगत की दुन्या की उपमा कोय से दिव कि कोय का बराबर हइ?

32 वु वे बच्चा का बराबर हइ जो बजार मे बठ्यो हुयो एक दूसरा खे पुकारी खे बोलतो हइ. हम ने तुम्हारा लिये बासरी बजय. अरु तुम नी नाच्या. हम ने विलाप कर्यो. अरु तुम नी रोया.

33 क्युकि यहून्ना बपतिस्मा देनवालो नी रोटी खाते आयो, नी अंगूर को रस पीते आयो, अरु तुम बोलस हय, वो मे बुरीआत्मा हइ.

34 इन्सान को बेटो खाते पीते आयो हइ, अरु तुम बोलस हय, देख कावरो अरु दारु कुट्यो इन्सान. चुगी लेनवाला का अरु पापी को दोस्त.

35 पर ज्ञान अपना सब बच्चा से सही न्यायी हीं गयो हइ.

~~~~~

36 फिर कोय फरीसी ने वोका से प्रार्थना करी. कि मरा सात खानो खा. अरु व्हा वो फरीसी का घर मे जयखे खानो खान बठ्यो.

37 अरु देख. वु गाव की एक पापी बय यो जानीखे कि व्हा फरीसी का घर मे खानो खान बठ्योस हइ. सगमरमर का वस्तु मे अत्रर लय.

38 अरु वोका पाय का पास पीछे खडी हुयखे. रोती हुय वोका पाय खे आसु से भिजान अरु अपना माथा खे बाल से पोछन लग्यो अरु वोका पाय का बार बार चूमो लिखे वु कापर अत्रर को तेल मल्यो.

39 यो देखीखे. व्हा फरीसी जेने वोखे बुलायो थो. अपना मन मे सोचन लग्यो. अगर यो भविष्यव्दक्ता होतो ते समजी जातो. कि यो जो वोखे पकडी री हइ. व्हा कोन अरु कसी बय हइ? क्युकि व्हा तो पाप नी हइ.

40 यो सुनी यीशु ने वोको उत्तर मे बोल्यो. कि हे शमौन मेखे तोरा से कुछ बोलनो हइ

व्हा बोल्यो. हे गुरु बोल.

⁴¹ कोय साहुकार का दो कर्जदार थो. एक पाच सौव. अरु दूसरो पचास चादी का सिक्का धारतो थो.

⁴² तब कि वोका पास पलटान खे कुछ नी हिंयो. ते वो ने दो खे माफ करी दियो, अरु वो मे से कोन वोका से जादा प्रेम रखेय.

⁴³ शमौन ने उत्तर दियो. मरी समज मे व्हा. जेका बडा पैसा माफ करी गयो.

“तुमने बरोबर उत्तर दियो.” मसीह यीशु ने बोल्यो.

⁴⁴ અરુ વા વચ કા તરપ ફિરીસે વોને શમૌન બોલ્યો, તૂ યા વચ સે દેસસ હૃડ? મી તરા ઘર મે આયો પન તોને મરા પાય ધોન, લિયે પાની ની દિયો. પર યે ને મરા પાય આસુ સે ભિજયા. અરુ અપના બાલ સે પોછી દિયો.

⁴⁵ तो ने मेखे चूमो नी दियो. पर जब से मी आयोस तब से ये ने मरा पाय का चूमो नी छोड्यो.

46 तो ने मरा माथा पर तेल नी मल्यो. पर ये ने मरा पाय पर अत्रर मल्यो हइ.

⁴⁷ येकालिये मी तरा स बोलुस, कि येका पाप जो खुप था, माफ हुया, क्युकि ये ने खुप प्रेम कर्यो, पर जोको थोडी माफ हयोस, व्हा थोडो प्रेम करस हइ.

48 अरु वोने बय से बोल्थ्यो, “तरा पाप माफ हुयो.”

49 जब जो दुन्या वोका सात खानो खान बठ्यो थो, वे अपना अपना मन मे सोचन लग्या, यो कोन आय जो पाप कि भी माफ करस हई?

50 पर वोने बय से बोल्यो. तरा विश्वास ने तोखे बचय लियो हइ? शांती से जय जा.

8

?? ?? ?? ??

1. येका बाद व्हा नगर नगर अरु गाव गाव प्रचार करते हुयो अरु प्रभु को राज की सुसमाचार सुनाते हुयो फिरन लग्यो

² अरु वे बारा वोका सात था अरु केतनी बयहोन भी जो बुरीआत्माहोन से अरु बीमारीहोन से छुड़ाये गया थो अरु वे यो हइ मरियम जो मगदलीनी बोली थी जोमे से सात बुरीआत्माहोन नीकली थी

³अरु हेरोदेस, भण्डारी खुजा की बायको योहन्ना अरु सूसन्नाह अरु खुप सी अरु बयहोन ये तो अपनी धन से वो की सेवा करती थी

?? ???? ? ???? ?

([\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\] 13:1-9](#); [\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\] 4:1-9](#))

⁴ तब बड़ी गर्दी जमा हुय अरु गाव गाव का दुन्या वोका पास चली आता था, ते वो ने दृष्टान्त मे बोल्योस:

⁵ कि एक बोन आलो बीज बोन नीकल्यो भोते हुयो कुछ रस्ता का किनार गिर्यो. अरु खोद्यो गयो. अरु बहल का पक्षिहोन ने वोखे चनी लियो.

⁶अरु कुछ फतर पर गिर्यो. अरु बुग्यो. पन पानी नी मीलना से सूखी गया

⁷कछुआड़ का बीच में गिर्यो. अरु झाड़ का सात सात बडीखे वोखे दबय दियो.

⁸अरु कुछ अच्छी जमीन पर गिर्यो.अरु वगी खे सौव गणा फल आया ह्या बोलीखे

वो ने वुचा आवाज से बोल्यो. जेका सुनन खे कान हयें वे सुनी ले.

????? ? ? ? ?

([13:10-17](#); [4:10-12](#))

⁹ ओका सेवक ने यीशु से “यो दृष्टान्त को मतलब पुछ्यो का हइ?”

10 यीशु ने बोल्यो, “तुम खे परमेश्वर को राज का रहस्यो को पडय तुम दुन्या खे दि गय हइ. पन दूसरा खे फक्त दृष्टान्त मील्हे. जोका से वे देखी खे भी नी देख्या अरु नी सुनीखे भी नी समज्या.”

॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 13:18-23; ॥॥॥॥ 4:13-20)

11 “दृष्टान्त को मतलब यो हइ बीज तो परमेश्वर को वचन हइ.”

12 रस्ता का किनार का गिर्या हुआ बीज वे दुन्या हइ. जिनने सुन्यो. तब सैतान अयखे उनका मन मे से वचन उठय ली जास हय. कि खय असो नी होनु कि वे विश्वास करीखे उध्दार मील्ले.

13 चट्टान पर का वे हइ. कि जब सुनय हइ. ते खुशी से वचन खे स्वीकार करस हइ. पन जडी नी पकडना से वे थोडी देर तक विश्वास रखस हइ. अरु परीक्षा खे टेम भैडकी जास हइ.

14 जो झाड़िहोन मे गिर्यो. यो वे हइ. जो सुनस हइ. पर आगे चली खे चिन्ता अरु दौलत अरु जिवन खे सुख-विलास मे फसी जास हइ. अरु उनको फल नी मील्ले.

15 पर अच्छी जमीन मे का वे हइ. जो वचन सुनीखे अच्छो अरु अच्छो मन मे सम्भाल्ले जेस हइ. अरु रूखी खे फल लास हइ.

॥॥॥॥, ॥॥॥॥ ॥॥॥॥, ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 4:21-25)

16 “कोय भी दिवो खे जलय खे नी ते ओखे बर्तन से झाकस हइ अरु नी ओखे खटीया का नीचे रखता आस हय पन ओखे दीव्वा पर रखस हइ कि घर मे आन खेनी पन दुन्या देखी सख्ये.”

17 कुछ लुक्योस नी. जो प्रगट नी होय. अरु नी कुछ लुक्यो हइ. जो जान्यो नी जाह्ये. अरु प्रगट नी होय.

18 येका लिये चतरो जे कि तुम कोय रीति से सुनस हुये? क्युकी जेका पास हइ. ओखे दियो जाह्ये. अरु जेका पास नी हइ. ओकासे उ भी ली लियो जाह्ये. जेखे उ अपनो समझस हइ.

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥ 12:46-50; ॥॥॥॥ 3:31-35)

19 ओकी माय अरु ओको भैड नजीक आयो. पर गर्दी का कारण ओकासे मीली नी सक्या.

20 अरु ओकासे बोल्यो गयो. “तरी माय अरु तरो भैड बाहेर खडो हुयो तरा से मीलनो चाहस हइ.”

21 यीशु ने ओखे उत्तर मे उनसे बोल्यो. “मरी माय अरु मरो भैड येय हइ. जो परमेश्वर को वचन सुनस अरु मानस हइ.”

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥

(॥॥॥॥ 8:23-27; ॥॥॥॥ 4:35-41)

22 फिर एक दिन वे अरु ओका सेवक डोंगा पर चेढ्या. अरु ओने उनका से बोल्यो. “आ. नदी का पार चल.” येका लिये उनने डोंगो खोली दीयो.

23 पर जब डोंगो चली रोथो. ते व्हा सोय गयो अरु नदी पर आधी अय. अरु डोंगा मे पानी से भरन लग्यो अरु वे आपत मे था.

24 तब उनने नजीक अयखे ओखे जगायो. अरु बोल्यो.

“गुरुजी! हम नाश हुया जास हइ.” तब ओने उठीखे आधी खे अरु पानी की लाट खे धमकय अरु वे रूखी गयो. अरु चुप हुय गयो.

25 अरु उनने उनका से बोल्यो. “तुम्हारो विश्वास खा थो?” पर वे डरी गया.

अरु अचम्बो हुयखे आपस मे बोलन लग्या. “यो कोन आय. जो आधी अरु पानी खे भी आज्ञा देस हइ. अरु वे ओकी बात मानस हइ?”

॥॥॥॥॥॥॥॥॥॥, ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 8:28-34; ॥॥॥॥ 5:1-20)

26 फिर वे गिरासेनीयहोन का देस मे पहुच्या. जो वा पार गलील का सामने हइ.

27 जब व्हा किनार पर उतय्यो ते जमीन उ नगर को एक इन्सान ओखे मील्यो. जोमे बुरीआत्मा थी. अरु भोत दिन से कपडा नी पेनतो थो अरु नी घर मे जेतो थो क्युकी मरगट मे जेतो थो.

28 वहा यीशु खे देखी खे चिल्लायो. अरु ओका सामने गिरीखे बडा आवाज से बोल्यो. “हे परमप्रधान परमेश्वर को बेटो यीशु! मेखे तरा से काम? मी तुम्हारा से प्रार्थना करुस हय. मेखे दुख नी देनु.”

29 क्युकी व्हा उस बुरी आत्मा खे उ इन्सान मे से नीकलन की आज्ञा दिरा था. येका लिये कि व्हा ओका पर घडी घडी प्रबल होती थी. अरु अगर दुन्या ओखे हतकडी मे अरु साकल से बाधता था. ते भी व्हा बाधी आला खे को तोडी डालतो थो. अरु बुरीआत्मा ओखे जंगल मे भगायो फिरता था.

30 यीशु ने ओकासे पूछा. “तरो का नाम हइ?”

ओने बोल्यो. “सेना.” क्युकी खुप बुरीआत्माहोन ओमे टेम मे गइ थी.

31 अरु उनने ओकासे प्रार्थना की. “हमखे यानेकी गड्डा मे जान की आज्ञा नी दे.”

32 व्हा टेकडा पर डुक्कर को एक बडो धन चरी रोथो. अरु उनने ओकासे प्रार्थना करी. “हमखे उनका सामने दे.” अरु ओने उनखे जान दियो.

33 तब बुरीआत्माहोन उ इन्सान से नीकलीखे डुक्कर मे समा गय अरु उ धन पर से झपटी नदी मे जय गिन्यो अरु डूबी मन्यो.

34 चरानआलो यो जो हुयो थो देखीखे भागहे. अरु नगर मे. अरु गावहोन मे जयखे ओको खबर बोल्यो.

35 अरु दुन्या यो जो हुयो थो ओखे देखन खे निकाले. खे अरु यीशु का नजीक अय खे जो इन्सान से बुरीआत्माहोन नीकली थी. ओखे यीशु का पास कपडा पेन्या अरु सचेत बठयो हुयो मील्यो ते वे डरी गया.

36 अरु देखनवाला ने उनखे बतायो. कि व्हा बुरीआत्मा का सताया हुया इन्सान कोय रंग अच्छा हुया.

37 तब गिरासेनीयहोन का नजीक पास का सब दुन्या ने यीशु से प्रार्थना करी. कि हमारा ह्या से जय जा. क्युकी उनका पर बडो डर हुय गयो थो. अरु व्हा डोंगा पर चडीखे वापीस गया.

38 जो इन्सान से बुरीआत्माहोन नीकली थी व्हा ओकासे प्रार्थना करण लग्यो.

कि मेखे अपना साथ न्हेन दे. पन यीशु ने ओखे बिदा करीखे बोल्यो.

39 “अपना घर मे पलटी जा अरु दुन्या से बोली दे. कि परमेश्वर ने तरा लिये कसो बडो-बडो काम कन्योस हइ”

व्हा सब नगर मे प्रचार करणे लगा. कि यीशु ने मरा लिये कसो बडो-बडो काम कन्यो.

9:18-26; 5:21-43

40 जब यीशु पलटी रोथो. ते दुन्या ओकासे दुन्या खुसी का साथ मील्ले. क्युकी वे ओका सब उसकी प्रतीक्षा करी राथा.

41 अरु देख. याइर नाम एक इन्सान जो आराधनालय को मुखियो थो. आयो. अरु यीशु का पाय पर गिरीखे ओकासे प्रार्थना करणे लग्या. “मरा घर मे चल.”

42 क्युकी ओका बारा साल की एककुलती बेटी थी.

अरु वा मरना पर थी. जब उ जय रो थो. तब दुन्या ओका पर गिरी गा.

43 अरु एक बय ने जेखे बारा साल से खुन बोहान की बिमारी थी अरु जो अपनी सब जिवन डॉक्टर का पीछे खर्चो कर चुक्या था अरु फिर भी कोय का हात से अच्छो नी हुय सकी थी.

44 पीछे से अयखे ओका कपडा को पदर खे छियो. अरु तुरुत ओको खुन बोहानो रुखी गयो.

45 येका पर यीशु ने बोल्यो. “मेखे कोने छियो?”

जब सब मुकरण लग्या. ते पतरस अरु ओका सोपती ने बोल्यो. “हे स्वामी. तुमखे तो गर्दी दबय रीस हइ अरु तरा पर गिरी पडस हइ.”

46 पन यीशु ने बोल्यो. “कोय ने मेखे छियो हइ क्युकी मेने जानी लियोस हइ कि मरा मे से सामर्थ्य नीकलस हइ.”

47 जब बय ने देख्यो. कि मी लुकी नी सकु तब कापते हुयो आयो. अरु ओका पाय पर गिरीखे सब दुन्या का सामने बतायो. कि मेने कोय करण से तोखे छियो. अरु कसी तुरुत अच्छी हुय गयो.

48 ओने ओकासे बोल्यो. “बेटी तरो विश्वास ने तोखे अच्छो कन्योस हइ. शांती से चली जा.”

49 जब उ बोली रोथो. कि कोय ने आराधनालय को बुजुक का ह्या से अयखे बोल्यो. “तरी बेटी मरी गइ गुरु खे दुःख नी देनु.”

50 यीशु ने सुनीखे ओखे उत्तर दियो. “मत डरे. फक्त विश्वास रख. ते उ बची जाह्ये.”

51 घर मे अयखे ओने पतरस. अरु यहून्ना. अरु याकूब. अरु बेटा का माय बाप खे छोडी खे अरु कोय खे अपना सात अंदर आन नी दियो.

52 अरु सब ओका लिये रोय पीटी रा था. पन ओने बोल्यो. “रोय मत. वा मरी नी पन सोय रीस हइ.”

53 वे जो जानीखे कि मर गय हइ. ओकी हसी उडन लग्या

54 पन ओने ओका हात पकड्यो. अरु फुकारी खे बोल्यो “ओ बेटी उट!”

55 जब ओकि जान पलटी गयो अरु व्हा तुरुत उठी. फिर ओने आज्ञा दी. कि ओखे कुछ खान खे दियो जाह्ये.

56 ओकी माय-बाप चमकिगो हुयो. पन ओने उनने धम नो दी. कि यो जो हुयो हइ. कोय से नी बोल्यो.

9

~~~~~

(~~~~~ 10:1-15; ~~~~~ 6:7-13)

1 फिर ओने बारा खे बुलय खे उनखे सब बुरीआत्माहोन अरु बीमारीहोन खे दूर करण की सामर्थ्य अरु अधिकार दियो.

2 अरु उनने परमेश्वर को राज को प्रचार करण. अरु बीमारी खे अच्छो करण का लिये बारा खे भेज्यो.

3 अरु ओने उनका से बोल्यो. “रस्ता, लिये कुछ नी लेनु नी ते लकडी. नी थैली. नी रोटी. नी पैसा अरु नी दो-दो कुर्ता.”

4 अरु जो कोय घर मे तुम उतन्यो. व्हा न्हेव. अरु व्हा से बिदा हुये.

5 जो कोइ तुमखे स्वीकार नी करण का ओखे उ नगर से नीकलते हुयो अपना पाय की धूलौ झाड डालो. कि उन पर गवाह हुये.

6 अरु वे नीकलीखे गाव-गाव सुसमाचार सुनाते. अरु हर एक दुन्या खे अच्छो करते हुयो फिरतो न्हे.

~~~~~

(~~~~~ 14:1-12; ~~~~~ 6:14-29)

7 अरु देस को चौथोहिस्सो को राजो हेरोदेस यो सब सुनीखे घबरा गयो. क्युकी खे तना ने बोल्यो. कि यहून्ना मन्या हुया मे से जिन्दो उठनो हइ.

8 अरु खे तना ने यो. कि एलिय्याह दिखय दियो हइ अरु ने यो. कि जुन्नो भविष्यव्दक्ताहोन मे से कोय जिन्दो होनो हइ.

9 हेरोदेस ने बोल्यो. “यहून्ना खे तो खुद मे ने मान्यो थो फिर यो इन्सान कोन आय जोका बारेमे असी बात मी सुनीरोस हय?” अरु ओखे देखन की इच्छा करी.

~~~~~

(~~~~~ 14:13-21; ~~~~~ 6:30-44; ~~~~~ 6:1-14)

10 फिर प्रेरितो ने वापीस जो कुछ उनने कन्यो थो. ओखे बताय दियो. अरु व्हा उनने अलग करीखे बैतसेदा नामक एक गाव खे लि गयो.

11 यो समजीखे गर्दी ओका पीछे चली दिया. अरु व्हा खुशी, सात ओकासे मील्यो. अरु उनका से परमेश्वर को राज की बात करण लग्या. अरु जो अच्छा होनो चाहतो थो. उनको अच्छो कन्हे.

12 जब दिन डुबन लग्यो. ते बारा ने अयखे ओकासे बोल्यो. “गर्दी खे बिदा करी. कि चारी तरप का गाव अरु बस्तिहोन मे जयखे अपना लिये ज्हेन की जगा. अरु खाना को इनतजाम कर. क्युकी हम ह्या सुनसान जगह मे हइ.”

13 ओने उनका से बोल्यो. “तुम उनखे खान खे दे.” उनने बोल्यो. “दो सौ सिक्का, रोटि अरु दो मंछी खे छोड़ी खे अरु कुछ नी. पन ह्या. अगर हम जयखे ये सब दुन्या, लिये खानो मोल ली. तो सकस हइ.”

14 क्युकी व्हा पर नजीकपास पाच हजार दुन्या था. अरु उनने अपना सेवक से बोल्यो.

उनखे पचास पचास करखे पगत मे बठय दे.

15 उनने असो य कर्यो. अरु सब खे बठय दियो.

16 तब ओने वे पाच रोटि अरु दो मंछी ली. अरु स्वर्ग का तरफ देखीखे धन्यवाद कर्यो. अरु तोड़ी-तोड़ीखे सेवक होन खे देते गयो कि दुन्या खे पोरसी दे.

17 अरु सब खाय खे तृप्त हुया. अरु बचा हुया टुकडा से बारा टोपली भरीखे उठइ ली.

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 16:13-20; \*\*\*\*\* 8:27-30)

18 जब व्हा सुनसान मे प्रार्थना करी रो थो. अरु सेवक ओका सात था. ते ओने उनसे पूछ्यो. “दुन्या मेखे का बोलस हइ?”

19 ओने उत्तर दियो. “यहून्ना बपतिस्मा देनआलो. अरु कोय-कोय एलिय्याह अरु कोय यो कि जुन्नो भविष्यवक्ताहोन मे से कोय जिन्दो उठ्यो हइ.”

20 ओने उनका से पूछ्यो. “पन तुम मेखे का बोलस हय?” पतरस ने उत्तर दियो “परमेश्वर को मसीह.”

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 8:3—9:1)

21 तब ओने उन धमकय खे बोल्यो. “यो को, से नी बोलनु.”

22 अरु ओने बोल्यो. “इन्सान को बेटा का लिये जरुरती हइ. कि उ खुप दुःख उठायो. अरु बापदादा अरु बडो याजक अरु शास्त्री ओखे बुरो समझी खे मारी डाल्यो. अरु उ तीसरा दिन जिन्दो उठ्यो.”

\*\*\*\*\*

23 ओने सबसे बोल्यो. “अगर कोय मरा पीछे आनो चाह्ये. ते अपना आप से नाकारी खे अरु दरोज-दिन अपना क्रुस उठायो हुयो मरा पीछे हुय जा.”

24 क्युकी जो कोय अपनो जान बचानो चाह्ये व्हा ओखे गमाह्ये. पन जो कोय मरा लिये अपनो जान गमाह्ये व्हा ओखे बचाह्ये. क्युकी जो कोय अपनो जान बचानो चाह्ये व्हा ओखे गमाह्ये. पन जो कोय मरा लिये अपनो जान गमाह्ये ओसो ओखे बचाह्ये.

25 अगर इन्सान सब जगत खे मील्हे कर्हे. अरु अपनो जान गमाय दे. अरु ओको नुकसान उठाये. ते ओखे का लाभ हुये?

26 जो कोय मरा से अरु मरी बात से लजाह्ये. इन्सान को बेटो भी जब अपना. अरु अपना बाप. अरु पवित्र स्वर्गदूत की, महिमा सहित आह्ये ते ओकासे लाज्हे.

27 मी तुम से सच्ची बोलुस हय. कि जो यह्या खडो हइ, उन मे से कोय-कोय असा हइ कि जब तक परमेश्वर को राज नी देखी ली तब तक मरन को सवाद नी चखन को.

\*\*\*\*\*

(\*\*\*\*\* 17:1-13; \*\*\*\*\* 9:2-13)



28 या बात खे कोय आठ दिन बाद व्हा पतरस. अरु यहून्ना अरु याकूब खे सात लीखे प्रार्थना करण खे लिये पहाड पर गयो.

29 जब व्हा प्रार्थना करी रो थो, ते ओको मेडा को रुप बदली गयो, अरु ओका कपडा उजरा हुयखे चमकन लग्यो.

30 तब. मूसा अरु एलिय्याह. यो दो इन्सान उनका सात बात कर राथा.

31 ये महिमा सहित दिखाय दियो. अरु ओका मरन की बात करी राथा. जो यरुशलेम मे होन आला थो.

32 पतरस अरु ओका सात वाला नीद से भरी थी. अरु जब अच्छी तरह जागा हुयो. ते ओकी महिमा. अरु वे दो इन्सान खे. जो ओका सात खडा था. देख्या.

33 जब वे ओका पास से जान लग्या. ते पतरस ने यीशु से बोल्थो. “हे स्वामी. हमारा ह्या न्हेनो अच्छो हइ अरु हम तीन मण्डप बनायो. एक तरा लिये. एक मूसा, लिये. अरु एक एलिय्याह, लिये.” व्हा समजती नी थी. किका बोली रीस हइ.

34 व्हा बोली रो थो कि एक बदल अय खे उनका पर छय गयो अरु बदलसे धेन्यो जानकर ते वे भोत डर गया.

35 अरु उ बादल मे से या बात नीकली. “यो मरो बेटो अरु मरो चुन्यो हुयो हइ येकी सुन.”

36 या बात होते य यीशु एकलो मीली गयो. अरु वे चुप न्हि. अरु जो कुछ देख्यो थो. ओकी कोय बात वे दिन मे कोय खे नी बोलनु.

~~~~~ 17:14-21; ~~~~~ 9:17-29

37 अरु दूसरा दिन जब वे टेकडा से उतार्यो. ते एक बडी गर्दी ओकासे अय खे मीली.

38 तब. गर्दी मे से एक इन्सान ने चिल्लाय खे बोल्थो. “हे गुरु. मी तुम से प्रार्थना करुस हय कि मरो बेटा पर कृपा दृष्टि करी. क्युकी व्हा मरो एकलौतो हइ.

39 अरु देख. एक बुरी आत्मा ओखे पकडस हइ, अरु व्हा एका एकी चिल्लय उठघोस हइ. अरु व्हा ओखे असो मुर्गडस हइ. कि व्हा मुडा मे फेस भरी लास हइ. अरु ओखे कुचलीखे तकलीफ से छोडी देस हइ.

40 अरु मे ने तरा सेवक से प्रार्थना करी. कि ओखे निकाले. पन वे नी नीकली सक्या.”

41 यीशु ने उत्तर दियो. “हे अविश्वासी अरु जिद्दी दुन्या मे कब तक तुमारा सात तुम्हारी सहु? अपनो बेटा खे यो ली आयो.”

42 व्हा अय य रा था कि बुरी आत्मा ने ओखे पटकीखे मुर्गडघो. पन यीशु ने बुरी आत्मा खे धमकय खे अरु बेटा खे अच्छो करीखे ओको बाप खे दि दियो

43 तब सब दुन्या परमेश्वर को महा सामर्थ्य से अचम हुयो. पन जब सब दुन्या वे सब काम से जो उ करतो थो.

~~~~~ 17:22-23; ~~~~~ 9:30-32

अचम्बो करी रा था. ते उनने अपना सेवक से बोल्थो.

44 “या बात तुम्हारा ,न मे पडी न्ह क्युकी इन्सान को बेटो इन्सानहोन का हात मे पकडायो जान खे हइ.”

45 पन वे या बात को न समझनो नी चाहयो नी मील्यो. अरु वे या बात का बारे मे ओकासे पुछ ना से डरता था.

~~~~~ 18:1-5; ~~~~~ 9:33-37

46 फिर उनमे यो विवाद होन लग्यो. कि हम मे से बडो कोन हइ?

47 पर यीशु ने उनका मन को विचार जानी लियो. अरु एक बच्चा खे लीखे अपना पास खडो कन्यो.

48 अरु उनका से बोल्यो. “जो कोय मरा नाम से यो बच्चा खे अपना ह्यो करतो हइ. उ मेखे अपनास हइ. अरु जो कोय मेखे अपना तो हइ. उ मरो भेजनआला खे अपनास हइ. क्युकी जो तुम मे सबसे छोटो से छोटो हइ. उ बडो हइ.”

~~~~~

49 तब यहून्ना ने बोल्यो. “हे स्वामी. हमने एक इन्सान खे तरा नाम से बुरी आत्माहोन खे नीकालते देख्यो. अरु हमने ओखे मना कय्यो. क्युकी उ हमारा सात हुइखे तरा पीछे नी हुइ लेतो.”

50 यीशु ने ओकासे बोल्यो. “ओखे मना मत कहे. क्युकी जो तुम्हारा खीलाप मे नी व्हा तुम्हारा तरप हइ.”

~~~~~

51 जब ओका उपर उठाह्यो जान को दिन पूरा होना पर थो. ते ओने यरुशलेम खे जाने को बिचार पक्को कय्यो.

52 अरु ओने अपना आगे दूत भेज्या वे सामरीहोन को एक गाव मे गया. कि ओका लिये जगह तैयार कर.

53 पन वे दुन्या ने ओखे उतरननी दियो. क्युकी व्हा यरुशलेम मे जय रा था.

54 यो देखीखे ओका सेवक याकूब अरु यहून्ना ने बोल्यो. “हे प्रभु, तू चाहस हइ. कि हम आज्ञा दिह्या. कि बहल से अंगार गिरीखे उनखे खतम करी दिह्ये?”

55 पन ओने फिरीखे उनखे धमकय अरु बोल्यो. “तुम नी समजो कि तुम कसी आत्मा, हय. क्युकी इन्सान को बेटो दुन्या का जान खे खतम करणो नी क्युकी बचान, लिये आयोस हइ.”

56 अरु वे कोय अरु गाव मे चली दिया.

~~~~~  
(लूका 8:18-22)

57 जब वे रस्ता मे चल्यो जातो थो. ते कोय ने ओकासे बोल्यो. “झा-झा तू जाह्यो. मी तरा पीछे हुय जाह्यु.”

58 यीशु ने ओकासे बोल्यो. “लाडग्या को भट अरु बहल को पक्षियो को बसेरो होस हइ. पन इन्सान को बेटा को माथो रखन की भी जगा नी.”

59 ओने दूसरा से बोल्यो. “मरा पीछे चल.” ओने बोल्यो. “हे प्रभु. मेखे पैयले जान दे कि अपना बाप खे गाडी दिव.”

60 ओने उनसे बोल्यो. “मन्यो हुया खे अपनो मेदो गाडन दे. पर तू जयखे परमेश्वर को राज की कथा सुना.”

61 एक अरु ने भी बोल्यो. “हे प्रभु. मी तरा पीछे चल ह्यु. पर पैयले मेखे जान दे कि अपना घर, दुन्या से बिदा हुय आस.”

62 यीशु ने उनसे बोल्यो. “जो कोय अपना हात हल्ली पर रखस पीछे देखस हइ. उ परमेश्वर को राज को लायक नी.”

## 10

~~~~~

1 अरु या बात का बाद प्रभु ने बाहतर अरु इन्सान चुनीलियो कि अरु जो जो नगर अरु जगा खे व्हा खुद समझना पर था. व्हा उनखे दो-दो करीखे अपना से पैयले उनखे भेज्यो.

2 अरु यीशु ने उनका से बोल्यो. पक्को खेत खुप हइ. पन मजुर थोडा हइ येका लिये खेत को स्वामी से प्रार्थना कर. कि व्हा अपना खेत काटन खे मजुर भेजी दे.

3 जाओ. मी तुमखे लाडग्या का जसो मेदाहोन का बीच मे भेजुस हय.

4 येका लिये बटुवो नी थैली. नी जुता ले. अरु नी रस्ता मे कोय को नमस्कार कर.

5 जो किय घर मे जाव. पैयले बोल. यो घर पर शांती हुये.

6 अगर व्हा कोय शांती को योग्य हुये. ते तुम्हारो शांती ओका पर रुखन को. नी ते तुम्हारा पास वापीस आह्यो.

7 उये घर मे न्हेव. अरु जो कुछ उनका से मील्ले. व्हा खाओ-पीओ. क्युकी मजुर खे अपनी मजुरी मीलन खे य होनु. घर-घर नी फिरनु.

8 अरु जो नगर मे जा, अरु वहा का दुन्या तुमके उतारे, ते जो कुछ तुमारा सामने रख्यो जाये उई खा.

9 व्हा की बीमारी खे अच्छो कर अरु उनका से बोल. परमेश्वर को राज तुम्हारा नजीक अय पहुच्योस हइ.

10 पन अगर तुम कोय नगर मे प्रवेश करणु अरु व्हा नगर आलाहोन को दरवाजा अपनायो नी कय्यो जातो थो उ नगर की गल्लिहोन मे जाय खे यो घोषणा कर.

11 तुम्हारा नगर को धुलो भी. जो हमारा पाय मे लगस हइ. हम तुम्हारा सामने झाडि देस हइ. फिर भी यो जानी ले. कि परमेश्वर को राज तुम्हारा नजिक आय पहुच्योस हइ.

12 मी तुमारा से बोलुस हय. कि उ दिन उ नगर की दशा से सदोम की दशा सहन योग्य हुये.

~~~~~

(लूका 11:20-24)

13 हाय खुराजीन! हाय बैतसैदा! जो सामर्थ्य काम तुम म कर्यो गयो. अगर वे सूर अरु सैदा मी कर्यो जातो ते टाटी होडीखे अरु राख मे बढीखे वे कब का मन फिरातो.

14 पन न्याय का दिन तुम्हारी दशा से सूर अरु सैदा की दशा जादा सहन योग्य हुये.\*

15 अरु हे कफरनहूम, का तू स्वर्ग तक उच्चो कय्यो जाह्यो? तू तो अधोलोक तक नीचे जाह्यो.

16 “जो तुम्हारी सुनस हइ. व्हा मरी सुनस हइ. अरु जो तुमखे तुच्छ जानता हइ. व्हा मेखे तुच्छ जानस हइ. अरु जो मेखे तुच्छ जानस हइ. व्हा मरो मेजनआला खे तुच्छ समजस हइ.”

~~~~~

17 वे बाहातर चेला खुशी से फिर अयखे बोलन लग्या. “हे प्रभु. तरा नाम से बुरीआत्मा भी हमारा बस मे हइ.”

18 यीशु ने उनका से बोल्थो. “मी सैतान की बिजली का जसो स्वर्ग से गिन्थो हुयो देखीरो थो.

19 मेने तुमखे दि दियो साप अरु बिच्छुहोन खे खुदन खे. अरु दुश्मन की सब सामर्थ्य पर अधिकार दियो हइ. अरु नी होन को.

20 ते भी येका से खुशी मत होनु. कि आत्मा तुम्हारा बस मे हइ. पन येका से खुशीसे हुय खे कि तुम्हारो नाम स्वर्ग पर लिखयो गयोस हइ.”

~~~~~

(लूका 11:25-27; 13:16,17)

21 मसीह यीशु पवित्र आत्मा खे खुशी से भरीखे बोलन लगीया. हे बाप स्वर्ग अरु पृथ्वी को प्रभु. मी तरो धन्यवाद करुस हय. कि तोने या बात खे ज्ञानीहोन अरु समझदार से लुकय रख्यो. अरु बच्चा पर प्रगट कय्यो ह्या. हे बाप. क्युकी तोखे यो अच्छो लग्यो.

22 मरा बाप ने मेखे सब कुछ दि दियो हइ. अरु कोय नी समज्हे कि बेटो कोन हइ. फक्त बाप अरु बाप कोन हइ यो भी कोय नी समज्हे. फक्त बेटा, अरु व्हा जेका पर बेटो ओखे प्रकट करणो चाह्यो.

23 अरु सेवक खे तरफ पलटी खे एकला मे बोल्थो. “धन्य हइ वे आख. जो तुम या बात जो तुम देखेता हुये देखस हइ.

24 क्युकी मी तुमारा से बोलुस हय. कि बहोत सा भविष्यवक्ता अरु राजाहोन ने चाह्यो कि जो बात तुम देखस हय देख अरु जो बात तुम सुनस हय ते सुन. पर नी सुनी.”

\* 10:14 योएल 3:4-8; जखयां 9:2-4



3 हमारी दिन भर की रोटी हर दिन हमसे दियो करणू.

4 अरु हमारो पाप की माफी कर. क्युकी हम भी अपनो  
हर एक अपराध से माफ करस हइ.

अरु हम परीक्षा मे नी ला.

5 अरु यीशु ने ओकासे बोल्यो. "तुम मे से कोन हइ कि ओका एक दोस्त हय." अरु व्हा आधी रात से ओका पास जयसे ओकासे बोल्यो. हे दोस्त. मेसे तीन रोटीहोन दे.

6 क्युकी एक दोस्त जन्ना मे मरा पास आयोस हइ. अरु ओका आगे रखन, लिये मरा पास कुछ नी हइ.

7 अरु व्हा अंदर से उत्तर देतो. कि मेसे दुखी नी देनु. आप तो दरवाजो बन्द हइ. अरु मरो बच्चा मरा पास बिछानो पर हइ. येका लिये मी उठीसे तोखे दि नी स.

8 मी तुमारा से बोलतो हय. अगर ओको दोस्त होन पर भी ओखे उठखेनी देनु. फिर भी ओकी लाज छोडी से मागन को करण ओखे जेतनो जरुरती हय ओतनी उठीसे आंग्या.

9 अरु मी तुमारा से बोलुस हय. कि माग. ते तुमसे दियो जाह्ये. दूढये ते तुम मीलहे. खटखटाह्ये. ते तुम्हारा लिये खोल्यो जाह्ये.

10 क्युकी जो कोय मागस हइ. ओखे मीलस हइ. अरु जो दुढतो हइ. व्हा मालुम हइ. अरु जो खटखटातो हइ. ओका लिये खोल्यो जाह्ये.

11 तुमारा मे से असो कोन बाप हुये. कि जब ओको बेटो रोटी माह्ये. ते ओखे पत्थर दे अरु मंछी माह्ये ते मंछी का बदला ओखे साप दे?

12 अरु अण्डा माह्ये ते ओखे बिच्छु दे?

13 जब तुम बुरो हुय से अपना बच्चा से अच्छी चिज देनो मालुम हय. ते तुम्हारो स्वर्गीय बाप अपनो मागनवालो से पवित्र आत्मा क्युव नी देनको.

~~~~~

(~~~~~ 12:22-37; ~~~~~ 3:20-30)

14 फिर ओने एक मेकी बुरीआत्मा से नीकल्यो. जब बुरीआत्मा नीकली गय. ते मेकी बोलन लगी. अरु दुन्या ने अचम्बो कयो.

15 पन उनमे से से तना ने बोल्यो. "ह्या तो बुरीआत्माहोन को बडो मुखियो की सैतान की मदत से बुरीआत्माहोन से नीकालतो हइ."

16 दुसरा ने ओकी परीक्षा करण का लिये ओकासे बढल को एक चिन्ह माग्यो.

17 पन यीशु ने. उनका मन की बात समजी से. उनसे बोल्यो. "जो जो राज्य मे फूट होस हइ. व्हा राज्य उजलते जास हइ. अरु जो घर मे फूट होस हइ. व्हा नास हुय जास हइ."

18 अरु अगर सैतान अपना य खीलाप हुय जाह्ये. तो ओको राज कसो बन्यो न्हिये? क्युकी तुम मरा बारे मे तो बोलस हो. कि ह्या सैतान की सहायता से बुरीआत्मा नीकालता हइ.

19 अच्छो. अगर मी सैतान की मदत से बुरीआत्मा नीकाली करस हय. तब तुम्हारा सेवक उनसे कोय की मदत से नीकल्यो करस हइ? परिणाम स्वरुप तुम्हारा चेलो तुमा पर इलजाम लगाह्ये.

20 पन अगर मी परमेश्वर की सामर्थ्य से बुरीआत्माहोन से नीकालतो हुये. ते परमेश्वर को राज्य तुम्हारा पास अय पहुच्यो.

21 जब तब इन्सान हतीयार बाध्यो हुयो अपना घर मे घुसीसे रखवाली करस हइ. ते ओकी धनदौलत बची न्हैस हइ.

22 पर जब तक ओमे से बठीसे कोय अरु ताखतआलो चलीसे करीसे ओखे जीत लेस हइ. ते ओको उ हथियार जेका पर ओको भरोसो थो. छुडय लेस हइ अरु ओकी धनदौलत चोरी से बाटी देस हइ.

23 जो मरा साथ नी व्हा मरा खीलाप मे हइ. अरु जो मरा साथ नी समटस व्हा समटस हइ.

44 हाय तुम पर! क्योंकि तुम उन लुकी खे कब्र, जसो हय. जिन पर दुन्या चलस हइ पन नी पहीचानस.

45 तब एक व्यवस्थापक ने ओको उत्तर दियो. “हे गुरु या बात खे बोलना से तू हमारी टिगल करस हइ.”

46 ओने बोल्यो. “हे व्यवस्था करणआलो तुम पर भी हाय! तुम असो बोझ जिन खे उठानो कठिन हइ. इन्सानहोन पर लादस हय पन तुम खुद वे बोझा खे अपनी एक उगली से भी नी पकडे.”

47 हाय तुम पर! तुम वे भविष्यवक्ताहोन की कब्र बनास हय. जिनने तुम्हारा बापदादा ने मारी डाल्यो थो.

48 अन्नत मे तुम गवाह हुये. अरु अपना बापदादा काम से सहमत हुये. क्युकी उनने तो उन खे मारी डाल्यो अरु तुम उनकी कब्रहोन बनास हय.

49 येका लिये परमेश्वर की दिमाक ने भी बोल्योस हइ कि मी उनका पास भविष्यवक्ताहोन अरु प्रेरितहोन खे भेज्हु. अरु वे उन मे से केत्ता खे मारी डाल्हे. अरु खेत्ता खे सताह्यो.

50 जबकी जोत्ताने भविष्यवक्ताहोन को खुन जगत की उत्पत्ति से बोहायो गयोस हइ. सब को लेख यो जगत दुन्या से लियो जाह्यो.

51 हाबिल को खुन से लिखी जकर्याह की खुन तक जो वेदी अरु सभा घर का बीच मे माच्यो गयो मी तुम से सच्ची बोलुस हय. ओको लिखो गयो टेम खे दुन्या से लियो जाह्यो.

52 हाय तुम व्यवस्थापक पर! कि तुम ने ज्ञान की कुंजी ली तो ली. पन तुम ने खुद अंदर नी कच्यो. अरु अंदर करणआलो खे भी रोखी दियो.

53 जब उ व्हा से नीकल्यो. ते शास्त्री अरु फरीसी भोत पीछे पडी गया अरु तरास देन लग्या. कि उ भोत सी बातहोन की चर्चा करें.

54 अरु ओखे मारना मे लगया न्हिये. कि ओका मेडा की कोय बात पकडये.

12

~~~~~

(~~~~~ 10:26,27)

1 येतना मे जब हजार की गर्दी लगी गय. ह्या तक कि एक दूसरा पर गिरी पडतो थो. ते व्हा सबसे पैयले अपना सेवक से बोलन लग्या. “फरीसीहोन को कपटी रुपी खमीर से हुशार न्हेनु.

2 कुछ झाक्यो नी. जो खोल्यो नी जाह्यो. अरु नी कुछ लुक्यो हइ. जो समजी नी जाह्यो.

3 येकालिये जो कुछ तुम ने अंधारा मे बोल्योस हइ. व्हा उजाला मे सुन्यो जाह्यो. अरु जो तुम ने अंदर का खोलीमे कानो कान बोल्योस हइ. व्हा छपर पर प्रचार कच्यो जाह्यो.

~~~~~

(~~~~~ 10:28-31)

4 “पन मी तुम से जो मरा दोस्त हय बोल्यो जास हय. खे जो आंग खे मारी सकस हइ अरु ओकासे ज्यादा अरु कुछ नी करी सकस. उनका से मत डरे.

5 मी तुमखे चेतावनी दिउस हय कि तुम कि कोय से नी डरनु चाह्यो. मारन का बाद जो खे नरक मे डालन को अधिकार हइ. ओका से डर. क्युकी मी तुम से बोलुस हइ ओका से डर.

6 का दो पैसा की पाच कन्डा नी बेचाय? फिर भी परमेश्वर उनमे से एक खे भी नी भूलतो

7 क्युकी तुमारा माथा का सब बाल भी गिन्या हुया हइ. मत डरनु नी. तुम भोत कन्डा बडिखे हय.

~~~~~

(~~~~~ 10:32-33; 12:32; 10:19,20)

8 “मी तुम से बोलुस हय जो कोय इन्सान का सामने मेखे मान्ये दुन्या उ इन्सान को बेटो भी परमेश्वर को स्वर्गदूतहोन का सामने मानी लिह्यो.





<sup>29</sup> अरु पूर्व अरु पश्चिम. उत्तर अरु दक्षिण से दुन्या अयखे परमेश्वर को राज को खाना मे मी मील्ह हय.

30 क्युकी जगत का अरु सभ दुन्या यो समजी लेव कि गैरयहूदीहोन खे तना पिछे हइ वे पैयले हये. ते स्वर्ग से बाप अरु खेता जो पैयले हइ पिछे हये.

<sup>31</sup> वय टेम मे खे तना फरीसीहोन ने अयखे यीशु से बोल्यो. “ह्या से नीकलीखे चली जा. क्युकी हेरोदेस का राज्य खे तोखे मारी देनो चाहस हइ.”

??????? ?? ????? ????? ?? ?????  
 (????? 23:37-39)

32 यीशु ने उकासे बोल्थ्यो. जयखे उ लाडग्या से बोल्थ्यो बाप खे दे. कि देख मी आज अरु कल बुरीआत्माहोन खे नीकालतो अरु बिमारी खे अच्छ्यो करुस हइ राज्य देन को तत्पर हइ अरु तिसरा दिन अपनो काम पुरो कन्ह.

<sup>33</sup> ते भी मेखे आज अरु कल अरु परसु चलनो जरुरती हई. क्युकी हुय नी सखे कि कोय आकाशवाणी यरुशलेम का बाहेर धन माय्यो जाह्यो.

34 हे यरुशलेम! हे यरुशलेम! तु जो मन भविष्यव्यक्ताहोन खे मारी डालनो हइ. अरु जो तरा पास भेज्यो गयो उनखे फत्तर मारस हइ. खे ता बार मेने यो चाह्यो. कि जसी मुर्गी अपना बच्चा खे अपना पख, नीच्चे येकजगा करस हइ. वसो मी भी तरा धन खे जमा करु पर तुम ने यो नी चाह्यो.

?????? ?? ???? ?????

35 तमारो घर बन्धी के हिये अरु दिव्वो जलते हिये,

<sup>36</sup> अरु तुम वे इन्सानहोन का जसा बन. जो अपना स्वामी की आनकी रस्ता देखीरास हय. कि का भ्याव से कब आहो कि जब अयखे दरवाजो ठोक्हे ते झल्दी खोल देन.

37 धन्य हइ वे सेवक . जिनखे स्वामी अयखे जगो मील्हे; मी तुम से सच्ची बोलस हय . कि क्हा कमर बाधी खे उनखे खानो खान खे बठाह्ये . अरु नजीक अयखे उनकी सेवा कन्है .

38 अगर वा रात का दुसरा बारा बजे का बाद अरु तिन बजे का बाद अयखे उनखे जागो मील्यो.  
ते वे सेवक धन्य हइ.

<sup>39</sup> पन तुम ह्या समजी रास. कि अगर घर को स्वामी समजस. कि चोर कोय टेम आह्यो. ते जागते न्हियो. अरु अपना घर मे घसन नी देनको.

40 तुम भी तैयार ज़ेब; क्यूकी जो टेम तुम सोचे भी नी. वा टेम इन्सान को बेटो अय जाह्ये.

(b)(7)(C) & (D), (b)(7)(F)

<sup>41</sup> तब पतरस ने बोल्यो. “हे प्रभु. तुमारा ह्या दृष्टान्त का जसो हमारा लिये हइ या गर्दी का लिये भी?”

<sup>42</sup> प्रभु ने बोल्यो, व्हा विश्वासयोग्य अरु दिमाक से बडो कोन हइ, जिनको स्वामी ओखे नवकर-चाकर पर मखीयो रख्यो कि उनखे टेम पर खानकि चिजहोन दे.

<sup>43</sup> अच्छो हइ उ सेवक जेखे ओको स्वामी वापीस पर ह्या करते हयो मील्हे.

44. मी तम से सच्ची बोलस हय; का ओखे अपनी सब दौलत पर अधिकारी रखे.

45 पन अगर चेलाहोन सोचन लग्या. की मरो स्वामी आना मे देर करी रोस हइ. अरु सेवक होन अरु दासीहोन खे मारन पिटन अरु खान पिन अरु पियक्कड होन लग्या.

46 ते सेवक को स्वामी असो दिन. जब उ ओका रस्ता नी करनू करी रास हय. अरु असी टेम जेखे व्हा समजो नी हय. अय गया अरु ओखे भरी दण्ड दिखे ओको भाग अविश्वासीहोन का सात रोख्यो जाह्यो.

<sup>47</sup> अरु व्हा सेवक जो अपनो स्वामी की इच्छा समजतो थो, अरु तैयार नी न्हियो अरु नी होनकि इच्छा का अनुसार चल, खप मार खायो

48 पन जो नी समजीखे मार खानको बरबर काम कन्दे व्हा. जरासी मार खाह्ये. येकालिये जेखे भोट दियो गयोस हइ. ओकासे खुप माग्यो जाह्ये; अरु जेखे खुप दि दियो गयोस हइ. ओकासे खुप लियो जह्ये.

~~~~~

49 मी पृथ्वी पर अंगार लगन आयोस हय; अरु का चाहुस हय फक्त ह्या कि अभी चती जस.

50 मेखे तो एक बपतिस्मा लेनो हइ; अरु जब तक व्हा नी हुयु तब तक मी कसी उत्साहीत मे न्हिव.

51 का तुम समजस हय कि मी पृथ्वी पर शांती करन आयोस हय? मी तुम से बोलुस हय; नी. क्युकी अल्लग करन आयो हय.

52 क्युकी आब से एक घर मे पाच झन तुमारा से विरुध रखन. तिन दो से दो तीन से.

53 बाप बेटा से. बेटो बाप से खीलाप रखह्ये; माय बेटा से अरु बेटा माय से. सासु भव से अरु भव सासु से खिलाप.

~~~~~

(~~~~~ 16:2,3)

54 अरु यीशु ने गर्दी से भी बोल्यो. “जब बहल खे पश्चिम से उठते देखस हय. ते तुरुत बोलस हय. की बारीश हुये; अरु असो य होस हइ.

55 अरु जब दक्षिणी हवा चलती देखस हय ते तुम बोलस हय कि खुप चल्ले. अरु असो होस हइ.

56 हे कपटिहोन. तुम धरती अरु आकाश का रुप मे भेद करी सकस हय. पन यो जगत का बारेमे का भेद करनू नी समज्हे?

~~~~~

(~~~~~ 5:25,26)

57 “तुम खुद यो नीर्णय नी करी ले. कि अच्छो हइ?

58 जब तु अपना मुद्दा का सात न्यायाधिश का पास जय रास हइ. ते रस्ता य मी ओकासे छुटन को इजा करी ले असो नी हुये. की व्हा तोखे न्याय का पास खीची ली जाह्ये. अरु न्याय तोखे सिपय खे बन्दीगृह दि दियो अरु सिपय तोखे बंदीघर मे डाली दे.

59 मी तुम से बोलुस हय. की जब तक तु पाइ-पाइ नी चुकय दिह्ये तब तक व्हा से छुटनो नी मील्ले.”

13

~~~~~

1 वा टेम मे कुछ दुन्या अय पहुच्या. अरु ओकासे वे गलीलहोन की चर्चा करन लग्या. जिनको खुन पिलातुस ने उन मे का बलिदानहोन का सात मील्यो थो.

2 यो सुनीखे यीशु ने उनखे उत्तर मे यो बोल्यो. “का तुम समजस हय. कि यो गलीली बाकी गलीलहोन से पापी था कि उनका पर असो पीडा मे गिन्यो?”

3 मी तुम से बोल्हु. कि नी पन अगर तुम मन नी फिराह्ये ते तुम सब भी या रिति से नास हुये.

4 अरु का तुम समजस हइ की वे अठरा जन जिन पर शीलोह को गुम्मट गिरियो अरु वे दबीखे मरी गया यरुशलेम का अरु सब न्हनवाला से जदा गुना थो?

5 मी तुमारा से बोलुस हय. कि नी; पन अगर तुम मन नी फिराह्ये ते तुम भी सब या रिति से नास हुये

6 फिर मसीह यीशु ने यो दृष्टान्त भी बोल्यो. कोय की अंगूर की बाडि मे एक अंजीर को झाड लग्यो हुयो थो, व्हा ओमे फल दुडन आयो. पन नी मील्यो.

7 तब ओने बाडी का रखवाली से बोल्यो. “देख तीन साल से मी यो अंजीर को झाड मे फल दुडन अउस हइ. पन नी मालुम. येखे काटी डाल कि यो जमीन खे भी कायबर रोखी रा?”

8 ओने ओखे उत्तर दियो. कि हे स्वामी. येखे यो साल तो अरु न्हेंन दे; कि मी येका चारी तरप खोदीखे खत डाल्हु.

9 अगर आगे फल्हे ते अच्छो. नी ते ओखे काटी देनु.

~~~~~

10 अराम का दिन व्हा एक आराधनालय मे उपदेस दि रोथो.

11 व्हा एक बय थी. जेखे अठरा साल से एक कमजोरी करनआली बुरी आत्मा लगी थी. अरु वा कुबडि हुय गय थी. अरु कोय रीति से सीधी नी हुय सकती थी.

12 यीशु ने ओखे देखीखे बुलायो. अरु बोल्थो. “हे बय. तु अपनी कमजोरी से छुटी गय.”

13 तब यीशु ने ओका पर हात रख्यो. अरु वा तुरुत सीधी हुय गी. अरु परमेश्वर की महिमा करन लगी.

14 येकालिये कि यीशु ने अराम का दिन ओखे अच्छो कन्यो थो. आराधनालय को मुखीयो रिसियाकर दुन्या से बोलन लग्यो. “छे दिन बाद हइ . जिनमे काम करनो चाहुस . येकालिये वेंय दिन मे अयखे अच्छा हुया; पन अराम का दिन मे नी.”

15 यो सुनी खे प्रभु ने उत्तर दिखे बोल्थो. हे कपटिहोन. का अराम का दिन तुम मे हर एक अपना बैल अरु गधी खे खुटासे खोलीखे पानी पिलान नी लिजाय?

16 “अरु का अच्छो नी थो. कि ह्या बय जो अब्राहम की बेटी हइ. जेखे सैतान ने अठरा साल से बांधी खे रख्यो थो. अराम का दिन या बन्धन से छुटि जास?”

17 जब मसीह यीशु ने या बात बोली ते ओका सब दुसमन लाजवाने हुय गया. अरु सब बडि वा महिमा का काम से जो व्हा करतो थो. खुशी हुय जास हइ.

~~~~~

(लूका 13:31-32; लूका 4:30-32)

18 फिर मसीह यीशु ने बोल्थो. “परमेश्वर को राज्य कोय का जसो हइ? अरु मी ओकी तुलना कोकासे दिव?

19 परमेश्वर को राज रइ का दाना का जसो हइ. जेखे की इन्सान ने लिखे अपनी बाडी मे बोयो अरु व्हा बडि खे झाड हुय गयो; अरु बदल को पक्षिहोन ने ओकी डग्यान पर बठये कि.”

~~~~~

(लूका 13:33)

20 यीशु ने फिर बोल्थो. “मी परमेश्वर को राज कि तुलना कोका से दिव?

21 व्हा खमीर का जसी हइ. जेखे कोय बय ने लिखे तिन माफ आटा मे मीलायो. अरु होते होते सब आटो खमीर हुय गयो.”

~~~~~

(लूका 7:13-14,21-23)

22 जब यीशु नगर-नगर. अरु गाव-गाव उपदेस देतो हुयो यरुशलेम का तरप जय रो थो.

23 अरु कोय ने पुच्छ्यो. “हे प्रभु. का उध्दार मीलन आला जरासा हइ? यीशु ने उनका से बोल्थो.”

24 तुमारी कोसीस या हय की तुम साकल दरवाजो से अंदर कर क्युकी मी बतय रोस हय कि भोत येमे अंदर तो चली दिया. अरु अंदर झना मे मुशकिल थी.

25 जब घर को स्वामी उठीखे दरवाजो बन्द करी चुक्योस हइ अरु तुम बाहेर खडो हुय दरवाजो ठोकिखे बोलन लग्या . हे प्रभु. हमारा लिये खोली दे कि मी तुम नी मालुम. तुम खा का आय?

26 तब तुम बोलन लगीगा. कि हमने तरा सामने खायो पियो अरु तोने हमारा बजार मे उपदेस दियो.

27 पन व्हा बोल्हे. मी तुम बोलुस हय. मी नी समजु तुम खासे हय. हे बुरोकाम करनवाला. तुम सब मरासे दुर हो.

28 व्हा रोनो अरु दात कटरनो हुये. जब तुम अब्राहम अरु इसहाक अरु याकूब अरु सब भविष्यव्दक्ताहोन खे परमेश्वर को राज मे बठी. अरु अपना आप खे बाहेर नीकली हुयो देख्ये.

29 अरु पूर्व अरु पश्चिम; उत्तर अरु दक्षिण से दुन्या अयखे परमेश्वर को राज को खाना मे मी मील्हु हय.

30 यो समजी लेव कि केतना पिछे हइ वे पैयले हुये. अरु केत्ता जो पैयले हइ पिछे हुये.

~~~~~ 23:37-39 ~~~~~

31 वय टेम मे खेतना फरीसीहोन ने अयखे यीशु से बोल्यो. “ह्या से नीकलीखे चली जा; क्युकी हेरोदेस तोखे मारी देनो चाहस हइ.”

32 यीशु ने ओकासे बोल्यो. “जयखे उ लाडग्या से बोल्यो दे. कि देख मी आज अरु कल बुरीआत्माहोन खे नीकालतो अरु बिमारी खे अच्छो करुस हइ अरु तिसरा दिन अपनो काम पुरो कन्हु.

33 ते भी मेखे आज अरु कल अरु परसु चलनो जरुरी हइ. क्युकी हुय नी सखे कि कोय भविष्यव्दक्ता यरुशलेम बाहेर माय्यो जाह्ये.

~~~~~ 23:39 ~~~~~

34 “हे यरुशलेम! हे यरुशलेम! तु जो भविष्यव्दक्ताहोन खे मारी डालनो हइ. अरु जो तरा पास भेज्यो गयो उनखे फत्तर मारस हइ; केत्ता बार मेने यो चाह्यो. कि जसी मुर्गी अपना बच्चा खे अपना पख का नीच्चे येकजगा करस हइ. वसो मी भी तरा बच्चा खे जमा करु पर तुम ने यो नी चाह्यो.

35 देख तुमारो घर तुमारा लिये उजाड छोड्यो जास हइ. अरु मी तुम से बोलुस हय; जब तक तुम नी बोलस हय. जब तक तुम नी बोल्हे. धन्य हइ व्हा. जो प्रभु का नाम से आस हइ. तब तक तुम मेखे कभी नी देख्ये.”

## 14

~~~~~ 14:1-11 ~~~~~

1 फिर व्हा अराम का दिन फरीसीहोन को मुखियो मेसे कोय का घर मे रोटी खान गयो अरु वे ओखे मारना मे था.

2 व्हा एक इन्सान ओका सामने थो. जेखे जलोदर कि बिमारी थी.

3 येका पर यीशु ने व्यवस्था करण आला खे अरु फरीसी होन से बोल्यो. “आराम को दिन अच्छो करणो अच्छो हइ. कि नी?”

4 पन वे चुप चाप ज्हिया तब ओने ओखे हात लगय खे अच्छो क्यो. अरु जान दियो.

5 अरु उनका से बोल्यो. “तुम मे से असो कोन हइ. जेको बेटो अरु बैल कुव्वा मे गीरी जाह्ये अरु व्हा अराम का दिन ओखे तुरुत बाहेत नीकाली ले?”

6 वे या बात को कुछ उत्तर नी दि सक्हे.

~~~~~ 14:11 ~~~~~

7 जब ओने देख्यो. कि बुलाय हुया दुन्या कसा बडी बडि जगा चुनी लेस हइ ते एक दृष्टान्त दिखे उनका से बोल्यो.

8 जब कोय तोखे असो नी हय. कि उनसे तरा से भी कोय बडी खे नीवता दिह्ये.

9 अरु जेने तोखे अरु ओखे दो की नीवता दि हइ. अयखे तरासे बोलस. येखे जगा दे अरु तब तोखे लाजवाने हुयखे सब से नीच्चे जगापर ही बठनो पडे.

10 पर जब तुम बुलाह्ये जाह्ये. ते सबसे नीच्चे जगा जा बठी. कि जब व्हा. जेने तरासे नीवता दिया हइ आ.ते तरासे बोल्यो हे दोस्त.आगे बडीखे बठ. तब तरा सात बठनवालो, सामने तरी आदर हुये.

11 क्युकी जो कोय अपना आप खे बडो बनाह्ये व्हा छोटो क्यो जाह्ये.

12 तब उनका से अपनी नीवता देन आला से भी बोल्हे. “जब तु दिन से रात से भेजी से. ते अपना दोस्त अरु भैइहोन अरु कुटुम अरु दुसरा आला बाजु आला से नी बुला. असो नी तोखे नीवता दि अरु तरा बदला मे हुय जाह्यो.

13 पन जब तुम खाना को इन्तजाम कन्हे ते गरीब लुलो. लगडो अरु अंधा से बुला.

14 तब तु धन्य हुये. क्युकी उनका पास तोखे बदलो देन को कुछ नी. पन तोखे धर्मी होन से जिन्दो उठना पर येको बदलो मील्हे.”

~~~~~  
(~~~~~ 22:1-10)

15 उनका सात खानो खान आला मेसे एक ने या बात सुनीखे उ,से बोली. “धन्य हइ व्हा. जो परमेश्वर को राज्य मे रोटी खयली.”

16 यीशु ने उनका से. बोल्यो “कोय इन्सान ने बडो खानो दियो अरु भोत झन से बुलायो.”

17 जब खानो तैयार हुय गयो ते सेवक का हात बुलावो दियो दुन्या से बुलखे भेज्यो आ आब खानो तैयार हइ.

18 पर वे सब का सब माफी मागन लग्या, पैयले नी ओका से बोल्यो मेने खेत मोल लियो हइ, अरु जरुरत हइ कि ओखे देखु मी तरासे प्रार्थना करुस हय, मेखे माफ करी दे.

19 दुसरा ने बोल्यो मेने पाच जोडी बैल मोल लिखे हइ. अरु उनखे पहुचान जयरोस हय. मी तरासे प्रार्थना करुस हय. मेखे माफ करी दे.

20 एक अरु ने बोल्यो. मे ने भ्याव कन्योस हइ. येका लिये मी नी अय सकु.

21 उ सेवक ने अयखे अपना स्वामी की या बात बोल सुनीयो. तब घर को स्वामी ने घुस्सा मे अयखे अपनो चेला से बोल. नगर का बजार अरु गल्लिहोन मे तुरुत जयखे गरीब लुला लगडो अरु अंधो से ह्या ली आ.

22 सेवक ने फिर बोल्यो स्वामी. जसो तोने बोल्यो थो. वोसो य कयों गयो हइ. फिर भी जगा हइ.

23 स्वामी ने सेवक से बोल्यो. गाव पर अरु रस्ता का तरफ जयखे दुन्या से अन्दर ली आ जब मरो घर भरी जाह्यो.

24 क्युकी मी तुम से बोलुस हय. कि वे बुलया दुन्या मे से कोय मरो खानो नी खानको.

~~~~~  
(~~~~~ 10:37-38)

25 अरु जब बडी गर्दी ओका सात जय री थी. ते ओने पिच्छे फिरी से ओने बोल्यो.

26 अगर कोय मरा पासाह्यो. अरु अपना अदमी अरु माय अरु लुगइ अरु बच्चा अरु भैइहोन अरु भैइन क्युकी अपनो जीवन तक से मरा से जादा प्रेम रखस हइ. ते उ मरो चेलो नी हुय सखे.

27 अरु जो कोय अपनो कुस नी उठाह्यो. अरु मरा पिच्छे नी आयो. व्हा भी मरो चेलो नी हुय सकस.

28 “तुम मे से कोन हइ कि मचाग बनानो चाहस हय. अरु पैयले बठीखे खर्चों नी जोडे. कि पुरो करण की सामर्थ मरा पास हइ कि नी?

29 कोय असो नी हुये जब पय्या दालीखे बनय नी सक्या. ते सब देखन आला ह्या बोलीखे ओको उपास कन्हे.

30 यो इन्सान बनान तो लग्यो. पन तैयार नी करी सक्यो?”

31 यो कोन असो राजा हइ. कि दुसरा राजा से वाद विवाद करण जास हय. अरु पैयले बठी खे बिचार नी करी लिह्यो कि जो बीस हजार लिखे मरा पर चडीखे आस हइ, मी दस हजार लीखे ओको जसो करी सकुस हय. कि नी?

32 नी ते ओका दुर न्हें तेय. व्हा दूत खे भेजी खे शांती करानो चाहस.

33 या रिती से तुम मे से जो कोय अपनो सब कुछ छोडी नी दे ते उ मरो चेलो नी हुय सखे.

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥ 5:13; ॥॥॥॥ 9:50)

34 "नोन तो अच्छो हइ. पन अगर नमक को सवाद बीगडी जाह्यो. ते व्हा कोय चिज से खारो कन्यो जाह्यो.

35 व्हा नी ते जमीन का अरु नी खेत का लिये काम मे आस हइ. ओखे तो दुन्या बाहेर फेकी देस हइ. जेका सुनन खे कान हुये वे सुनी ले."

## 15

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

(॥॥॥॥ 18:12-14)

1 सब चुगी लेनवाला अरु पापी दुन्या मसीह यीशु को जब कि वचन सुन्हे.

2 अरु फरीसी अरु नीयम शास्त्री खुसुर मसुर बोलन लग्या. यो तो पापीहोन से मीलस हइ अरु उनका सात खातो भी हइ.

3 तब यीशु ने उनका से यो दृष्टान्त बोल्यो:

4 "तुम मे से कोन हइ जोकी सौव मेडा होन. अरु ओमे से एक गमी जाह्यो ते नन्यानवे खे मैदान मे छोड़ीखे. वा गमी हुइ खे जब तक मीली नी जाह्यो ढुडते नी न्हिया?

5 अरु जब मीली जास ते बडी खुशी से ओखे खादा पर उठय लेस हइ.

6 अरु घर मे अयखे दोस्त अरु बाजुआला खे जमा करीखे बोलस हइ 'मरा सात खुसी कर. क्युकी मरा गम्या आला मेडा मीली गयस हइ.'

7 मी तुम खे बोलस हय. कि या रिती से एक मन फिराव आलो न्यायी, बारे मे भी स्वर्ग मे येत्तोय खुशी हुये. जोतनाकी नव्यानव असो न्यायीहोन, बारे नी होतो. जिनने मन फिरान कि जरुरत नी.

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥

8 "या कोन असी एक बय हुये. जेका पास दस चादी, दस सिक्काको हुये अरु ओमेसे एक गमी जाह्यो. ते व्हा दिवो जलय खे अरु घर झाडि झुडुप तक मीली नी जाह्यो. मन लगय खे ढुडती नी हीं?

9 अरु जब मीली जास हइ. ते व्हा अपना दोस्तहोन अरु बाजु आलाहोन खे जमा करीखे बोलस हइ. कि 'मरा सात खुशी कर. क्युकी मरो गम्यो आलो सिक्काको मीली गयोस हइ.'

10 मी तुमसे बोलस हय. कि या रिती से एक मन फिरानआलो पापी का बारे मे परमेश्वर को स्वर्गदूतहोन, सामने खुशी होस हइ."

॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥

11 फिर आने बोल्यो. कोय इन्सान, दो बेटा था.

12 उनमे से छोटा ने बाप से बोल्यो हे बाप. दौलत मे से भाग मरो हय. व्हा मेख दे दिदिह्यो. यीशु ने उनखे अपनी दौलत बाटी दी.

13 अरु भोत दिन नी बित्यो थो कि छोटी बेटो सब कुछ जमा करीखे एक दुर देस खे चली दियो अरु व्हा बुरोकरम मे अपनी दौलत उडय दी.

14 जब उ सब कुछ खर्चो करी चुक्यो. ते उ देस मे बडो एकलो हुयगयो. अरु उ गरीब हुय गो.

15 अरु उ देस का न्हनाना मे से एक, ह्या गयो. यीशु ने उनका से अपना खेत मे डुक्कर चरान का लिये भेज्हे.

16 अरु उ चाहतो थो. कि वे फिल्लिहोन से जो डुक्कर खाता था अपनो पेट भन्हे. क्युकी ओखे कोय कुछ नी देतो थो.

17 जब व्हा अपना आप मे आयो. तब बोलन लग्या. मरा बाप का केतना य मजूरहोन खे खाना से जादा रोटी मीलस हइ. अरु मी ह्या भुको मरी रोस हय.

18 मी आब उठीखे बाप का पास जाह्यु अरु ओकासे बोल्यु कि बाप जो मे ने स्वर्ग का खीलाप अरु तरा नजर मे पाप कयोंस हइ.

- 19 आब यो योग्य नी न्हियो कि तरो बेटो बोल्यो. मेखे एक का जसो रखीले.
- 20 तब व्हा उठीखे. अपना बाप खे पास चला उ अभी दुर री थो. कि ओको बाप ने ओखे देखीखे दया खै. अरु भागीखे ओखे गल्ला से लगायो. अरु खुप प्यपी ली.
- 21 बेटा ने उकासे बोल्यो. दादा. मेने स्वर्ग का खीलाप मे अरु तरी नजर मे पाप कय्योस हइ. अरु आब यो योग्य नी न्हियो. कि तरो बेटो बोल्ले.
- 22 पन बाप ने अपना सेवक से बोल्यो. झल्दी से अच्छा कपडा पेनय खे नीकलीखे ओखे. अरु ओका हात मे मुद्दी. अरु पाय मे जुता पेनाव.
- 23 अरु बडो खानो तय्यार कर जब की हम खाया अरु खुसी मनाव.
- 24 क्युकी मरो यो बेटो मरी गयो थो. आब मीली गयो हइ. अरु वे खुशी मनान लगीगा.
- 25 पन ओको बडो बेटो खेत मे थो. अरु जब व्हा आते हुयो घर का नजीक पहुच्यो. ते ओने गानो बजानो अरु नाचन को अवाज सुन्यो.
- 26 अरु ओने एक सेवक खे बुलय खे पुच्छो. यो का हुय रोस हइ?
- 27 सेवक ने बडा भैइ बोल्यो. तरो भैइ आयोस हइ. अरु तरा बाप ने अच्छो खानो तैयार कय्यो हइ. क्युकी ओखे अच्छो अच्छो दिख्यो हइ.
- 28 यो सुनीखे उ घुस्सा से भरी गयो अरु अंदर जानो नी चायो पन ओको बाप बाहेर येखे ओखे मनान लग्यो.
- 29 ओने अपना बाप खे उत्तर दियो. देक. मी येतना साल से तरी सेवा करी रो थो. अरु कभी भी तरी आज्ञा नी टाली. फिर भी तोने मेखे कभी एक बकरी को बच्चो भी नी दियो. की मी अपना दोस्तहोन का सात खुशी कर.
- 30 पन जब तरो यो बेटो. जेने तरी पुरी दौलत वेश्याहोन मे लुटय दिये हइ. अरु उ घर मे आयो. ते ओका लिये तोने बडो खानो तैयार कय्यो हइ.
- 31 ओने ओकासे बोल्यो बेटा. तू हमेशा मरा सात हइ. अरु जो कुछ मरो हइ उ सब तरो हइ.
- 32 पन अभी खुशी करणो अरु मगन होनो चास क्युकी यो तरो भैइ मरी गयो थो फिर जिन्दो हुय गयो हइ. फिर उ गमी गयो थो. अभी मीली गयो.

## 16



- 1 फिर मसीह यीशु ने अपना नवकर खे ह्या कोय लकपती को एक दानी थो. अरु दुन्या ने उनका सामने स्वामी पर दोष लगाह्यो कि उ तरी सब दौलत उडय देस हइ.
- 2 येका लिये स्वामी ने ओखे ओकासे पुछताछ करी तुमारा बारे मे मी या, लिखी दे. क्युकी तु आगे से भण्डारी नी न्हि सक्यो.
- 3 तब भण्डारी सोचन लग्या. अब मी करु? क्युकी मरो स्वामी अब भण्डारी को काम मेरा से छुडान न्हियो हइ मरो आंग येतनो बलवान नी की मट्टी खोदी नी जाय अरु भीक मागना से मेखे लाज नी आय.
- 4 मी समजी गयो कि का करु क्युकी जब मी भण्डारी काम से छुडायो जाह्यु ते दुन्या मेखे अपना घरहोन मे लि ली.
- 5 अरु ओने अपना स्वामी का देनआला मे से एक एक खे बुलय खे पैयले से पुच्छो. कि तरा पर मरो स्वामी को खेतो कर्जा हइ?
- 6 ओने बोल्यो. सौ मन जैतुन को तेल. तब ओने उनका से बोल्यो. की अपनी खाता किताब ली अरु बटीखे तुरत पचास लिखी दे.
- 7 फिर दुसरा से पुछ. तरा पर केतनो कर्जा हइ? ओने बोल्यो सौ मन गहु. तब ओने ओकासे बोल्यो. अपनी खाता किताब लीखे अस्सी लिखी दे.

8 स्वामी ने उ बुरोकाम भण्डारी खे सारा. की ओने चतुरता से काम कन्यो हइ. क्युकी यो जगत का दुन्या अपना टेम का दुन्याहोन का सात रीति-व्यवहारहोन मे उजालो का दुन्याहोन से भोत चतुर हइ.

9 अरु मी तुम से बोलुस हइ. की बुरोकाम का धन से अपना लिये दोस्त बनय ले. ताकी जब उ जातो न्हिहे. ते उ तुमखे अनन्त हँनआला मे लीखे जाये.

10 जो जरासा से जरासा मे विश्वासयोग्य हइ. उ भोत मे भी बुरो काम हइ.

11 येका लिये जब तुम जगत की दौलत मे विश्वासयोग्य नी रुख्या. ते सच्ची दौलत कोखे दि दिहो?

12 अरु अगर तुम दुसरा की दौलत मे विश्वासयोग्य नी रुख्ये ते जो तुमारो हइ. ओखे तुमखे कोन दिहो?

13 “कोय सेवक दो स्वामीहोन कि सेवा नी करी सक्हे क्युकी व्हा तो एक से मील्यो न्हिये अरु दुसरा खे कमजोर समज्हे तुम परमेश्वर अरु दौलत दो की सेवा नी करी सखे.”

~~~~~

(~~~~~ 11:12-13; 5:31-32; ~~~~~ 10:11-12)

14 फरीसी जो लोभी था. ये सब बात सुनीखे यीशु की हसी उडान लग्या.

15 यीशु ने उनका से बोल्यो. तुम तो इन्सान का सामने अपना आप खे न्यायी टेरास हय. पन परमेश्वर तुमारा मन खे समजस हइ. क्योकि जो चिज इन्सानहोन कि नजर मे बडी हइ. उ परमेश्वर का नजर मे बुरी हइ.

16 जब तक यहून्ना आयो. तब तक व्यवस्था अरु भविष्यवक्ता दबाव मे था. वा टेम से परमेश्वर को राज को सुसमाचार सुनायो जय रोस हइ. अरु हर कोय ओमे प्रबलता से अंदर करस हइ.

17 बदल अरु पृथ्वी को खतम होय जान व्यवस्था एक टिम्बो का मीनीट जाना से सहज हइ.

18 “जो कोय अपनी लुगइ खे छोडी खे दुसरी का सात भ्याव करस हइ. व्हा व्यभिचार करस हइ. अरु जो कोय असी छोडी वाली हुइ बय से भ्याव करस हइ. व्हा भी व्यभिचार करस हइ.”

~~~~~

19 “एक लकपती इन्सान थो जो जामडा कपडा अरु मलमल पेनतो अरु हर एक दिन सुख विलास अरु धुम धाम का सात न्हेतो थो.

20 अरु लाजर नाम को एक गरीब घाव से मन्यो हुयो ओका दरवाजा पर छोडी दियो जातो थो.

21 अरु उ चाहतो थो. कि लकपती कि टेबल पर कि जुठा से अपनो पेट भर. क्युकी कुत्तो भी अयखे ओका घाव खे चाटतो थो.”

22 अरु असो हुयो कि गरीब मरी गयो. अरु स्वर्गदूतहोन ने ओखे लिखे अब्राहम का खोरा मे पहुचय दियो. अरु व्हा लकपती भी मन्यो अरु गाडचो गयो.

23 अरु दुन्या मे ओने दुख मे पडचा हुयो अपनी आख उठइ. अरु दुर से अब्राहम का खोरा मे लाजर खे देख्यो.

24 अरु ओने फुकारी खे बोल्यो. हे बाप अब्राहम. मरा पर दया करीखे लाजर खे भेजी दे. जब की व्हा अपनी उगली का सिरा पाणी मे भिजय खे मरी जिब खे ठडी कर. क्युकी मी या अंगार मे तडपीरोस हय.

25 पन अब्राहम ने बोल्यो. हे बेटा याद कर. कि तु अपना जिवन काल मे अच्छी चिज मीली गइ हइ. अरु ओसो ही लाजर बुरी चिजहोन पन अब ह्या शांती मीली री हइ. अरु तू तडपी रोस हइ.

26 अरु या बात खे छोडी खे हमारा बिच एक बडी खे रखी गइ हइ कि जो ह्या से वा पार तुमारा पास जानो चाहो. वे नी जय सक्या. अरु नी कोय व्हा से या पार हमारा पास अय सक्हे.

27 ओने बोल्यो ते हे बाप मी तरासे प्रार्थना करस हुइ. कि तु ओखे मरा बाप का घर भेज.

28 क्युकी मरा पाच भैइ हइ. व्हा उनका सामने या बात की गवाही दि. असो नी हुये कि वे भी यो दुख कि जगा मे आये.



<sup>29</sup> अब्राहम ने उनका से बोल्यो. उनका पास तो मूसा अरु भविष्यव्दक्ताहोन कि किताब हइ. वे उनकी सुन्हे.

<sup>30</sup> ओने बोल्यो. नी. हे बाप अब्राहम. पर अगर कोय मय्या हुया मे से उनका पास जाह्या. ते वे मन फिराह्ये.

<sup>31</sup> यीशु ने उनका से बोल्यो. जब वे मूसा अरु भविष्यवक्ताहोन की नी सुनता. ते अगर मर्या हया मे से कोय भी जिन्दो उठचो ते भी ओकी नी मान्हे.

## 17

???

([\[?/?/?/?/?\]](#) 18:6-7,21-22; [\[?/?/?/?/?\]](#) 9:42)

<sup>1</sup> फिर यीशु सेवक से बोल्यो, “यो पक्को हइ कि वे बात जो बाप को कारण हइ, पन ह्या. उ इन्सान पर जिनको कारण वे आस हइ.”

<sup>2</sup> जो या छोटा मे से कोय एक खे ठोकर खलास हइ. ओका लिये यो अच्छो होस कि चक्की को पाट ओका गल्ला मे लटकायो जास. अरु उ समुद्र मे डाली दियो जास.

3 जागा जेव.

अगर तरो भैइ पाप कन्हे ते ओखे धमका अरु अगर पछतावो होस ते ओखे माफ कर.

४ अगर दिन भर मे व्हा सात बार तरो पाप कन्हे अरु सात बार तरा पास मेखे बोल्हे. कि मी पछतावो होस हय ते ओखे माफ कर.

???????

5 तब प्रेरितहोन ने प्रभु से बोल्यो. “हमारो विश्वास बडा.”

6 प्रभु ने बोल्यो. अगर तुम खे रइ का दाना का बराबर भि विश्वास हुये ते तुम यो शहतूत का झाड से बोलस की जडी से उखडी खे समद्र मे लगी जाते का तमारे मानी जाये.

?? ?? ?? ??

7 “मानलो तुम मे से असो कोन हइ. जोको सेवक नागर जोतस. अरु मेडा खे चरास हइ. अरु जब उ खेत मे आस. ते ओकासे बोलस. झल्दी अयखे खानो खान बठी जा?

8 का उ ओका से नी बोलस, की मरो खानो तैयार कर अरु जब तक मी खाउ पीयु तब तक कमर बाधीखे मरी सेवा कर, येका बाद मे तु भी खा अरु पी ले?"

<sup>9</sup> का क्हा ओको सेवक का धन्यवाद मागे, कि ओने यो काम कय्यो जोकी आज्ञा दी गय थी?

10 या रीति से तुम भी. जब वे सब काम खे करी चुक्या हुये जिनकी आज्ञा तुमखे दी गइ थी. ते बोल्ले. हम नीकम्मा सेवक हइ. कि जो हमखे करण खे होन थो उ कर्योस हइ.

????? ?? ? ? ??????? ?? ???? ???? ???? ?

11 फिर जब यीशु यरुशलम जय रो थोते जो सामरिया अरु गलील देस कि सीमा से हुयखे जय रा था.

12 अरु कोय गाव मे घुसनो करतो थो टेम वे दस कोढी मील्ले.

<sup>13</sup> अरु उनने दर खडो हयखे. उच्चा आवाज से बोल्यो. “हे यीश. हे स्वामी. हम पर दया कर.”

14 यीश ने उनखे देखीखे बोल्यो. “जाव. अरु अपना आपखे याजक खे बतायो.”

अरु जातेय जाते वे अच्छो हय गयो.

15 तब उनका मेसे एक ह्या देखीखे कि मी अच्छो हुय गयो हय. उच्चा आवाज से परमेश्वर की महिमा करते हयो पलटयो.

<sup>16</sup> अरु यीशु का पाय पर मुडा का उप्पर गिरीखे ओको धन्यवाद करण लग्या. अरु व्हा सामरी थो.

<sup>17</sup> येका पर यीशु ने बोल्यो. “का दस अच्छो नी हये. ते फिर वे नौ बोल्या?

18 का या परदेसी खे छोडी कोय अरु नी नीकाली. जो परमेश्वर की महिमा करतो?"

19 तब यीशु ने उनका से बोल्यो. “उठीखे चलते जा. तरो विश्वास अच्छो कन्यो हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 24:23-28,37-41)

20 जब फरीसीहोन ने ओकासे पुच्छो. की परमेश्वर को राज प्रगट रुपी मे नी आतो.

21 अरु दुन्या ह्या नी कहे. कि देख ह्या हइ. यो व्हा हइ. क्युकी. परमेश्वर को राज तुमारा बिच मे हइ.

22 अरु ओने सेवक होन से बोल्यो. “वे दिन आह्ये जिनमे तुम इन्सान को बेटा का दिन मे से एक दिन खे देखनो चाह्ये, अरु नी देखनो पाये.

23 दुन्या तुम से बोल्हे देख व्हा हइ.” यो देख ह्या हइ. पन तुम चल नी जानो अरु नी उनका पीछे हुये लेनु .

24 क्युकी जसो बिजली बहल की दुसरी तरप तक चमकी हइ. वोसो य इन्सान को बेटा भी अपना दिन मे प्रगट हुये.

25 पन पैयले यो जरुरती हइ. कि व्हा खुप तकलीप उठाय अरु यो जमाना का दुन्या ओखे बुरो रूखीजा.

26 जसो नूह का दिन मे हुयो थो. वोसो य इन्सान का बेटो का दिन मे भी हुये.

27 जो दिन तक नूह डोंगा परनी चडी ओका दिन तक दुन्या खाता पीता था. अरु उनमे भ्याव शादी होते थी तब पाणी प्रलय ने अयखे वे सब को नास कन्यो.

28 अरु जसो लुत का दिन मे हुयो थो. कि दुन्या खाता पिता लेन देन करता. झाड लगाता अरु घर बनाता था.

29 पर जिस दिन लुत सदोम से नीकल्यो उ दिन अंगार अरु गन्धक बहल से बारीश अरु सब खे नाश करी दियो.

30 इन्सान का बेटा को प्रगट होन का दिन भी असो य हुयो.

31 “उ दिन जो छपर पर हय. अरु ओका जसो घर मे हय. व्हा ओखे लेन खे नी उतन्हो. अरु वोसोय जो खेत मे हय व्हा पीछे नी पलट्यो.

32 लुत कि लुगय खे याद रख.

33 जो कोय अपनो जान बचानो चाह्ये व्हा ओखे गमाह्ये. अरु जो कोय ओखे व्हा ओखे बचाह्ये.

34 मी तुमारा से बोलुस वा रात दो इन्सान एक खटीया पर हुये एक लि लियो जाह्ये. अरु दुसरो छोडी दियो जाह्ये.

35 दो बय एक सात चक्की पिसती हुये. एक ली ली जाह्ये. अरु दुसरी खे छोडी दिह्ये जाह्ये.

36 दो झन खेत मे हुये एक ली लियो जाह्ये अरु दुसरी छोडी जाह्ये.”

37 ह्या सुन उनने ओकासे पुच्छो. हे प्रभु ह्या खा हुये. यीशु ने उनका से बोल्यो.

“झा लास हइ. व्हा घुब्बड जमा हुये.”

18

~~~~~

1 फिर यीशु ओका बारे मे कि हमेशा प्रार्थना करणु अरु साहस नी छोडनु चाहिये यो दृष्टान्त बोलीयो.

2 कोइ गाव मे एक न्याय करण आलो रेतोथो. जो नी परमेश्वर से डरतो थो अरु नी कोइ इन्सान की परवाह करतो थो.

3 अरु वु गाव मे एक विधवा भी रहती थी जो ओका पास अय अयखे बोलते न्हिथी थी. “मरो न्याय चुकय खे मेखे बदनामी से बचा.

4 ओने खे तना टेम मे तुक नी मानीयो पन मे मन मे विचार करीरो थो अगर मे ने परमेश्वर से डरुस अरु न इन्सान की कोइ परवाह करु मी.”

5 फिर भी या विधवा, वज्रसे मेखे सताती न्हीहे हइ येका लिये मी ओको न्याय चुकये. कही असो न हो कि घडी घडी अयखे अन्त मे अयखे मरी नाक मे दम कहें.

6 प्रभु ने बोलियो. सुनो कि ह्या बुरोकाम न्याय को बोलस है.

7 आखरी का परमेश्वर अपना चुन्या हुयो, न्याय न चुकय खे जो रात दिन ओकी दुवा देतो रिये अरु का वु ओका विषय मे देर करीये.

8 मी तुम से बतायु की व्हा तुरुत उनको न्याय चुकय खे पर इन्सान को बेटा जब आह्ये. ते कावु पृथ्वी पर विश्वास पाए.

~~~~~

9 अरु ओने ओखे जो अपना उपर भरोसो रखीये ते कि हम धर्मी हइ अरु दुसरा खे तुच्छ जानता हुये दृष्टान्त बोलीयो.

10 दो इन्सान मन्दिर मे प्रार्थना करण का लिये गया एक फरीसी थो अरु दुसरो चुगी लेनवालो.

11 फरीसी खडो हुइखे अपना मन मे प्रार्थना करण लगीयो. हे परमेश्वर मी तरो धन्यवाद करुस कि मी अरु इन्सान का जसो बुरो काम करणआला अन्याय अरु व्यभिचार नी अरु नी यो चुगी लेनवालो का जसो हुये.

12 मी हप्ता मे दो बार उपास करुस हय अरु अपनी सब कमय को दसवो भाग दिवस हय.

13 पन चुगी लेनवाला ने दुर खडो हुयखे. स्वर्ग का तरप आख उठान भी नी चाह्यो. क्युकी अपनी छाती ढुकी खे बोल्थो. हे परमेश्वर मेखे पापी पर दया कहें.

14 मी तरा से बोल्थो हय. कि व्हा दुसरो नी. पन ह्या इन्सान धर्मी रखनो अरु अपना घर मे गयो. क्युकी जो कोय अपना आप खे बडो बनी गया. अरु जो अपना आप खे छोटो कर्यो उ बडो कन्यो जाये.

~~~~~

(लूका 19:13-15; लूका 10:13-16)

15 फिर दुन्या अपना बच्चा खे भी ओका पास लान लग्या कि व्हा उन पर हात रख्ये. अरु सेवक ने देखी खे उन खे धमकय.

16 यीशु बच्चा खे नजीक बुलय खे बोल्थो. बच्चाहोन खे मरा पास आन दे. अरु ओखे मना नी करण क्युकी परमेश्वर को राज असो येका हइ.

17 मी तरासे सच्ची बोलुस हय. कि जो कोय परमेश्वर का राज खे बच्चा का जसो अपनायो नी कन्यो व्हा ओमे कभी अंदर करणो नी मील्यो.

~~~~~

(लूका 19:16-30; लूका 10:17-31)

18 कोय ने मुखियो ने ओकासे पुच्छ हे अच्छो गुरु अनन्त जिवन को अधिकार होन का लिये मी, कर?

19 यीशु ने ओकासे बोल्थो. “तू मेखे अच्छो का बोलस हइ? कोय अच्छो नी फक्त एक अगर परमेश्वर.

20 तु आज्ञाहोन खे तो जानस हइ व्यभिचार नी करणो मारनो नी करण को चोरी नी करणु झुटी गवय नी देनु अपनो बाप अरु अपनी माय को सम्मान करणो.”

21 ओने बोल्थो. “मी तो यो सब खे लाड को यो ह्या से समजते हुया हय.”

22 ह्या सुन. “यीशु ने ओकासे बोल्थो. तुम मे आब भी एक बात की कमी हइ. अपनो सब कुछ बेचीखे गरीब खे बाटी दे. अरु तोखे स्वर्ग मे धन मीलहे. अरु अय खे मरा पिच्छे चल.”

23 व्हा यो सुनी खे खुप उदास हुयो. क्युकी व्हा बडो लखपती थो.

24 यीशु ने ओखे देखी खे बोल्थो. “लकपती खे परमेश्वर का राज्य मे जायो करणो खेतो कठीन हइ!”

25 परमेश्वर को राज्य मे धनवान खे अंदर करणा से उट कि सुइ का नाक मे से नीकली जानो सहज हइ.

26 अरु सुननवाला ने बोल्यो. “ते फिर कोय को उध्दार हुये सकस हइ?”

27 ओने बोल्यो. “जो इन्सान से नी हुय सकस. व्हा परमेश्वर से हुये सकस हइ.”

28 पतरस ने बोल्यो. “देख.हम तो घर बार छोडी खे तरा पीछे चली दिया हइ.”

29 “ओने,” यीशु से बोल्यो, “मी तुम से सच्ची बोलुस हय कि असो कोय नी जेने परमेश्वर को राज्य का लिये घर को या लुगय का अरु भैइहोन का अरु बच्चा बच्चाहोन खे छोडी दिया हय.

30 अरु या टेम्म कोय जादा नी मील्यो अरु पयलो मे अनन्त जिवन.”

20:17-19; 20:32-34

(20:17-19; 20:32-34)

31 फिर ओने बाराहोन खे सात लिखे बोल्यो. हम यरुशलेम खे जास हइ. अरु जास हइ. अरु जेत्ती बात इन्सान को बेटा का लिये भविष्यवक्ताहोन का द्वारा लिखी गइ वे सब पुरी हुये.

32 ओखे गैरयहूदीहोन खे दि दियो जाये ओको उपहास हुय जाये ओको अपमान हुय जाये ओपर थुकियो जाये.

33 ओखे कोडो लगान का बाद उ ओखे मरी डालिये अरु वे तीसरो दिन मरे हुयो मे से जिन्दो हइ जाये.

34 बच्चाहोन खे कुछ भी समज मे नी आयो उनसे एको अर्थ लुकय खे रखियो गयो थो यो विषय मे मसीह यीशु कि कही बात बच्चाहोन की समझ से परे थी.

20:29-34; 20:46-52

(20:29-34; 20:46-52)

35 जब मसीह यीशु यरीहो का पास पहुँच्या ओखे एक अन्धो मीलीयो जो रस्ता का किनारा बठयो हुयो भिक्षा मागी रो थो.

36 अरु व्हा गर्दी कि चलन की आवाज सुनीखे पुछन लग्यो. “ह्या, हुय रोस हइ?”

37 उनने ओखे बतायो. “यीशु नासरी जय रोस हइ.”

38 तब ओने फुकारी खे बोल्यो. “हे यीशु. दाउद की सन्तान. मरा पर दया कर.”

39 जो आगे आगे जय रा था. वे ओखे धमकान लग्या कि चुप रहे पन व्हा अरु भी चिल्लान लग्या. “हे दाउद कि सन्तान. मरो पर दया कर.”

40 तब यीशु ने खडो हुयखे आज्ञा दी कि ओखे मरा पास लाव. अरु जब व्हा नजीक आयो. ते ओकासे यो पुछ्यो.

41 तु, चाहस हइ. “मी तरा लिये का करु?”

ओने बोल्यो. “हे प्रभु. यो कि मी देखन लग्यो.”

42 यीशु ने ओकासे बोल्यो, देखन लग्या. तरो विश्वास ने तोखे अच्छो करी दियोस हइ.

43 अरु उ तुरुत देखन लग्यो अरु परमेश्वर कि महिमा करतो हुयो. ओका पीछे हुयो. ओका पीछे हुय लियो. अरु सब दुन्या ने देखी खे परमेश्वर की महिमा करी.

19

19:1-10

1 व्हा यरीहो मे घुसी खे जय रो थो.

2 व्हा जक्कइ नाम एक इन्सान थो. जो चुंगी लेनवालो को मुखियो अरु लखपती थो.

3 व्हा यीशु खे देखनो चाहतो थो कि व्हा कोयन सो हइ? पन गर्दी को करण देखी नी सक्यो थो.क्युकी उ ठेगनो थो.

4 तब ओखे देखन का लिये व्हा आगे भागीखे एक गुल्लेर का झाड पर चेडी गयो. क्युकी यीशु ओकी रस्ता से समजनआलो थो.

5 जब यीशु वा जगा पहुँच्यो. ते उपर नजर करी खे ओकासे बोल्यो. “हे जक्कइ. झल्दी उतरीखे आ. क्युकी आज मेखे तरा घर मे रहेनो जरुरती हइ.”

6 उ तुरुत उतरीखे खुशी से ओखे अपना घर खे ली गयो.

7 यो देखी खे सब झन खुसुर मसुर बोलन लग्या. “व्हा तो एक पापी इन्सान का ह्या गयो हइ.”

8 जक्कइ ने खडो हुयखे प्रभु से बोल्यो. “हे प्रभु, देख मी अपनी आदी दौलत गरीब खे दिवस हय. अरु अगर कोय को कुछ भी बुरो करण खे ली लियो हइ ते ओखे चार बुरो फेरी देस हय.”

9 तब यीशु ने ओकासे बोल्यो. “आज यो घर मे उध्दार आयो हइ. येका लिये कि ह्या भी अब्राहम को एक बेटो हइ.

10 क्युकी इन्सान को बेटो गमी गोस हय खे ढुडन अरु उनको उध्दार करण आयोस हइ.”

~~~~~

(लूका 25:14-30)

11 जब वे या बात सुनी राधा, ते ओको एक दृष्टान्त बोल्यो. येका लिये कि व्हा यरुशलेम का नजिक थो, अरु वे समजतो थो. कि परमेश्वर को राज अभी प्रगट होनआलो हइ.

12 अन्नत मे ओने बोल्य. एक लखपती इन्सान दुर देस खे चल्थो जब की राजपद मीली खे पलटी आया.

13 अरु ओने अपना सेवक मे से दस खे बुलखे ओखे दस सिक्का दि दिया. अरु ओने बोल्यो. मरा पलटी के आना तक लेन देन करनु.

14 पन ओका नगर का न्हेनवाला ओकासे बुरो करता था. अरु ओकासे पिछे दूत का द्वारा बुलवो भेज्यो. कि नी चाह्यो थो. कि ह्या हम पर राज कन्हें.

15 “जब व्हा राजपद अपना सेवक खे पलटी खे आयो. ते असो हुयो कि ओने अपना सेवक को जेने पैसा दिया था. अपना पास बुलायो जब मालुम क्यो कि उनने लेन देन से का-का कमायो.”

16 तब पैयला ने अयखे बोल्यो. हे स्वामी. तरा सिक्का से दस अरु सिक्का कमाया हइ.

17 यीशु ने उनका से बोल्यो. हे अच्छो सेवक. तु धन्य हइ. तु खुप हय थोडा मे विश्वासयोग्य नीकल्यो अब दस नगर को अधिकार रख.

18 दुसरा ने अयखे बोल्यो. हे स्वामी. तरा सिक्का से पाच अरु सिक्का कमाया हइ.

19 यीशु ने ओकासे बोल्यो. तु भी पाच नगरहोन पर अधिकार रख.

20 तिसरा ने अयखे बोल्यो. हे स्वामी. देख. तरा सिक्को यो हइ. जेके मेने कपडो मे बाध्यो रख्यो थो.

21 क्युकी मी तरा से डरतो थो. येका लिये कि तु कटुर इन्सान हइ. जो तोने नी रख्यो ओखे उठय लेस हइ. अरु जो तोने नी बोयो. ओखे काटस हइ.

22 स्वामी ने उनका से बोल्यो. ओ बुरो सेवक. मी तरा य मेडासे तोखे दोस्ती रुखस हय. ते मेखे समजतो थो कि कटुर इन्सान हय. जो मेने नी रख्यो ओखे उठय लेतो. अरु जो मेने नी बोयो. ओखे काटस हय.

23 ते तोने मरा पैसा पेटीपर काय बर रख्या, क्युव नी रख्या दिया. कि मी अयखे ब्याज सम्मत ली लेतो?

24 अरु जो दुन्या नजीक खडा था. यीशु ने उनका से बोल्यो. व्हा सिक्का ओकासे ली ले. अरु जेका पास मे दस सिक्का हइ ओखे दि दे.

25 उनने ओकासे बोल्यो. हे स्वामी. ओका पास दस सिक्का तो हइ.

26 मे ने तुम से बोलुस हइ. कि जेका पास हइ ओखे अरु दियो जाह्ये. अरु जिनका पास नी. ओखे व्हा भी जो ओका पास हइ लि लियो जाह्ये.

27 पन मरा वे दुसमनहोन खे जो नी चाहतो थो कि मी उन पर राज कन्ह्यु. उनखे यो लयखे मरा सामने मारी डाल.

~~~~~

(लूका 21:1-11; लूका 11:1-11; लूका 12:12-19)

28 या बात बोलीखे व्हा यरुशलेम का तरप उनका आगे आगे चल्थो.

²⁹ अरु जब व्हा जैतून नाम टेकडा पर बैठफगे अरु बैठनीय्याह का पास पहुच्या. ते ओने अपना सेवक मे से दो खे यो बोलीखे भेज्यो.

³⁰ “सामने का गाव में जाव अरु ओमे पहुचते य एक गधी को बच्चो जेका पर कभी कोय बठचो नी. बाध्यो हयो मील्हे. ओखे खोली खे लाओ.

³¹ अगर कोय तुमारा से पुछे, कि खबर खोलस हय. ते यो बोली देनू. कि प्रभु खे येकी जरूरत हइ.”

³² जो भेज्या गया था. उनने जेखे जसो यीशु ने उनका से बोल्यो थो. वसो य मील्यो.

³³ जब वे गधी का बच्चा खे खोली राथा. ते ओको स्वामी ने उनका से पुछ्य. “यो बच्चा खे क्यु खोलस हइ?”

³⁴ उनने बोल्यो. “प्रभु खे येकी जरूरत हइ.”

35 वे ओखे यीशु का पास ली आया अरु अपना कपडा ओका बच्चा पर डालीखे यीशु खे ओका पर बटाडी दियो.

³⁶ जब व्हा जा ऱ्हीयो थो. ते वे अपना कपडा रस्ता मे बिछ्छाता जाता था.

37 अरु नजीक आते हुयो जब व्हा जैतून पहाड की छेडा पर पहुचयो. ते सेवक कि सब मंडली वे सब सामर्थ्य काम को करण जो उनने देख्यो थो. खुशी हुयखे बडा आवाज से परमेश्वर कि स्तुती करण लग्या

38 धन्य हइ उ राजो. जो प्रभु, नाम से आस हइ! बदल मे शांती अरु आ,श मे महिमा हुये!

39 तब गर्दी में से खे तना फरीसी ओकासे बोलन लग्या. “हे गुरु. अपना सेवक खे धमकय.”

40 यीशु उत्तर दिया. “भी तुम मे से बोलुस हय. अगर ये चुप न्हिये. ते फत्तर चिल्लाय उठचे.”

□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□

⁴¹ जब उ नजीक आयो ते नगर खे देखिखे ओका पर रोयो.

⁴² अरु बोल्थो “ का अच्छो होतो. कि तू. हव. तू ही. यो दिन मे शांती कि बात जानस. पन अब वे तरी आख से लुकी गया हइ.

⁴³ क्युकी वे दिन तरा पर आह्ये कि तरा दुश्मन तो बांधीखे तोखे घेरी लीह्ये. अरु चारी तरप से तोखे दबाह्ये.

44 अरु तोखे अरु तरा सात तरा बच्चाहोन खे. मट्टी मे मीलाह्यो. अरु तरा मे फत्तर पर फत्तर भी नी छोडह. क्युकी तोने उ अवसर जब तरा पर कृपानजर करी गय नी पहीछ्यान्यो.”

???? ?? ??????? ?? ?????

([20222222](#) 21:12-17; [20222222](#) 11:15-19; [2022222222](#) 2:13-22)

45 तब व्हा आराधनालय मे जयखे बेचनआला खे बाहेर नीकालन लग्या.

⁴⁶ अरु उनका से बोलन. “लिख्यो हइ. मरो घर प्रार्थना को घर हुये. पन तुम ने गुनडाहोन को घर बनय दिह्ये.”

⁴⁷ अरु व्हा दरोज आराधनालय मे उपदेस देतो थो अरु प्रधान याजक अरु शास्त्री अरु दुन्या को प्रमुख खे यीशु खे मारी डालन को अवसर द्ढतो थो.

48 पन कोय उपाय नी नीकली सक्योल. कि ह्या कोय रग कऽहे. क्युकी सब दुन्या बडी चाह से ओकी सुनता था.

20

□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□

([\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\] 21:23-27](#); [\[?\] \[?\] \[?\] \[?\] \[?\] 11:27-33](#))

¹ एक दिन जब यीशु आराधनालय में थो अरु दुन्या खे सुसमाचार दिरो थो. तब महान याजक अरु कानून को शिक्षक. बजरुक नेता का सात मीलीखे आया.

2. उनोने ओकासे पुछ्यो. की “हमखे बताव. तु यो काम कोका अधिकार से करस हइ” अरु उ कोन आय जेने तोखे यो अधिकार दियो थो,

³ यीशु ने उनसे उत्तर दियो. “अब मी एक बात पुछूस हय. मेसे बताव.

⁴ का यह नत्ता खे बपतिस्मा देन को अधिकार स्वर्ग से कि इन्सानहोन से थो?"

5 वे आपस में बात चित करण लग्या. हम का बोल्ह्या? अगर हम बोलस हइ “स्वर्ग का तरप से, उ बोल्हे का तब का तुमने योहन पर विश्वास नी क्यो?”

6 अरु अगर हम बोलूया, इन्सानहोन से, ते या पुरी गर्दी फत्तर मारहस हइ, क्युकी वे सच्ची उनखे भरोसो हइ कि यहन्ना भविष्यवक्ता मानस थो.

⁷ ये कालिये यणे उत्तर दियो. “कि हम नी जानस. की उ को का तरप से थो.”

⁸यीशु ने उनका से बोल्यो. “ते मी भी तुमखे नी बतउस की मी यो काम कोका अधिकार से करुस नइ.”

????? ?? ???? ?? ?????? ?? ??? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ???? ?

([\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 21:33-46](#); [\[?\]\[?\]\[?\]\[?\]\[?\] 12:1-12](#))

⁹ तब उ दुन्याहोन से यो दृष्टान्त का बारे मे बोलन लग्यो. की एक इन्सान ने अंगूर की बाडि लगइ. अरु किसानहोन खे ओको ठेको दी दियो अरु भोत दिन का लिये दूसरा देस मे चली गयो.

10 फल का टेम पर ओने किसानहोन का पास अपना एक सेवक खे भेज्यो. की उ अंगूर की बाडि का कुछ फल को भाग ओखे दीदे. पर किसानहोन ने ओखे मारीखे खाली हात भेजी दियो.

11 फिर ओने दुसरा सेवक खे भेज्यो. अरु किसानहोन ने ओखे भी मारीखे अरु ओको अपमान करीखे खाली हात भेजी दियो.

¹² फिर ओने तीसरा दास खे भेज्यो. किसानहोन ने ओखे भी घायल करिखे बाहेर नीकाली दियो.

¹³ तब अंगूर की बाड़ि को स्वामी ने बोल्यो. “अब मी का करु? मी अपना लाड का बेटा खे उनका पास भेज. का जाने वे ओको सम्मान कन्हे.”

14 जब किसानहोन ने ओखे देख्यो ते आपस मे बिचार बरन लग्या. यो तो वारिस हइ. आ. हम येखे भी मारी डालस. जोकासे या सम्पत्ती हमारी हये जाये.

15 अरु किसानहोन ने ओखे अंगूर की बाडि से बाहेर नीकाली खे मारी डालयो येकालिये अंगूर का बागीचा को स्वामी उनका साथ का कहे?

16 व्हा अयखे वे कास्तकार को नास कर्हे, अरु अंगूर की बाडि दुसरा खे दिदियो. यो सुनीखे उनने बोल्यो. “परमेश्वर असो नी करण.”

17 यीशु ने उनका तरप देखीखे बोल्यो.

फिर ह्या का लिख्यो हइ

જો ફત્તર સ્વે રાજમિસ્ત્રીહોન ને બુરો સમજ્યો થો.

उये कोना को आधार हय गयो.

18 जो कोय उ पत्थर पर गिरी गयो उ चकनाचुर हुये जाये. अरु जोका पर उ गिन्हे, ओखे पिसी डाल्हे.

□□□□ □□□ □□ □□□□ □□ □□□□

([Leviticus 22:15-22](#); [Leviticus 12:13-17](#))

19 वय टेम शास्त्रिहोन अरु मुखियो याजक ने ओखे पकडनो चाह्यो. क्युकी समजी गया था. कि यीश ने उनका खीलाप दृष्टान्त बोल्य. पन वे दन्या से डर.

20 अरु वे ओकी ताक मे लग्या अरु भेदिया भेज्या. कि धर्मी का भेस पेनीखे ओकी कोय नी कोय बात पकडि. कि ओखे राज्यपालका हात अरु अधिकारी ही दि दे.

²¹ यीशु ने उनका से पुच्छो “हे गुरु, समजस हइ कि तु बरोबर बोलस. अरु सिकास भी हइ. अरु कोय को पक्षपात नी करतो. क्यकी परमेश्वर कि रस्ता सच्चीइ से बतास हइ.

22 का हम कैसर से कर देनो अच्छो हइ. कि नी?"

23 यीशु ने उनकी हशारी खे फसयखे उनका से बोल्यो.

24 “एक सिक्का मेखे बताव. येका पर कोकी चित्र अरु नाम हइ?”

उनने बोल्यो. “कैसर को.”

25 यीशु ने उनका से बोल्यो. “ते जो कैसर को हइ. व्हा कैसर खे दे अरु जो परमेश्वर को हइ. व्हा परमेश्वर खे दे.”

26 वे दुन्या का सामने वा बात खे पकडि नी सक्या. क्युकी ओका उत्तर से आश्चर्य चकित हुइय खे चुप न्हि गया.

~~~~~

27 फिर सद्कि जो बोलस हइ. कि मन्या हुया खे जिन्दो उठानो हइ य नी. उनमे से कुछ ने ओका पास अयखे पुछ्यो.

28 “हे गुरु. मूसा ने हमारा लिये यो लिख्यो हइ ‘अगर कोय को भैइ ओकी लुगय से भ्याव करी ले. अरु अपना भैइ का लिये वंश परदा कन्हे.’

29 अतः सात भैइ था. पयलो भैइ को भ्याव करीखे बिना बच्चा को मरी गयो.

30 फिर दुसरा ने.

31 अरु तिसरा ने भी वा बय से भ्याव करी लियो. याय रीति से साती भी बिना बच्चा का मरी गया.

32 सब का पिछे वा बय भी मरी गय.

33 येकालिये मरी खे जिन्दी हुय खे कोय की लुगय हुये. क्युकी वा सातजन की लुगय न्हिगय थी.”

34 यीशु ने उनका से बोल्यो. “यो जगत का सन्तानहोन मे तो भ्याव होस हइ.”

35 पर जो दुन्या यो योग्य रुखहो. की उ जगत खे अरु मन्या हुया मे से जिन्दो उठनो मील्यो कन्हे. उनमे भ्याव नी हुये.

36 वे फिर मरन का भी नी. क्युकी वे वे स्वर्ग दूतका जसा हुये. अरु जिन्दो हुयो कि सन्तान होना से परमेश्वर का भी सन्तान हुये.

37 पन या बात की मर्या हुया मेसे जिन्दो होस हइ. मूसा ने भी झाडि की कानी मे बतायोस हइ. व्हा प्रभु खे अब्राहम को परमेश्वर. अरु इसहाक को परमेश्वर अरु याकूब को परमेश्वर बोलस हइ.

38 परमेश्वर तो मुडदाको नी पन जिन्दो को परमेश्वर हइ क्युकी उनका नजीक सब जिन्दो हइ.

39 तब यो सुनीखे शास्त्रिहोन मे से खेत्ता ने बोल्यो. “हे गुरु. तोने अच्छो बोल्यो.”

40 अरु उनने फिर ओकासे कुछ पुछन की हिम्मत नी हुय.

~~~~~

(लूका 21:41-46; लूका 12:35-37)

41 फिर यीशु ने उनका से पुछ्यो. “मसीह खे दाउद की सन्तान कसो बोलस हइ?

42 दाउद तुमने भजन सहिता कि किताब मे बोल्योस हइ प्रभु ने मरो प्रभु से बोल.

43 मरा जवना बठ. जब तक कि मी तरा दुसमनहोन खे तरा पाय नीच्चे कि चौकी नी करी दिव.

44 दाउद ते ओखे प्रभु बोलस हइ. ते फिर व्हा ओकी सन्तान कसो रख्यो?”

~~~~~

(लूका 23:1-12; लूका 12:38-40)

45 जब सब दुन्या सुनी राथा. ते उने अपना सेवक से बोल्यो.

46 शिक्षकहोन से चेतावनी न्हव. जिन खे लम्बा कपडा पेन्या हुया घुमनो अच्छो लगस हइ. अरु जिन खे बजार मे नमस्कार. अरु आराधनालयहोन मे बडि जगा अरु खान कि जगा मे प्रेम लगस हइ.

47 वे विधवाहोन का घर खै जास हइ. अरु दिखान का लिये घनी टेम तक प्रार्थना करता हँस हइ. इन के खुप दण्ड मील्ले!



## 21

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥ ॥॥

(॥॥॥॥ 12:41-44)

- 1 फिर यीशु ने आख उठय खे लकपती खे दुन्या दान कि पेटी मे पैसा डालता हुयो देख्यो.
- 2 अरु यीशु ने एक कंगाल विदवा खे भी ओमे दो सिक्का, डालते हुये देख्यो.
- 3 तब यीशु ने बोल्यो. मी तुम से सच्ची बोलुस हय कि या गरीब विधवा ने सबसे बडीखे दाल्योस हइ.
- 4 क्युकी वे सब ने अपनी अपनी बडती मे से दान मे कुछ डाल्योस हइ. पन येने अपनी कमी मे से अपनी सब जीवी का डाली दी हइ.

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 24:1; 2; ॥॥॥॥ 13:1; 2)

- 5 जब खेत्ता दुन्या मन्दिर का बारे मे बोली राथा.कि व्हा कसो अच्छो फत्तर अरु दि वाली चिजहोन से सिगान्यो गयोस हइ. ते यीशु ने बोल्यो.
- 6 वे दिन आह्ये. जिनमे ह्या सब जो तुम देखस हय.उनमे से ह्या कोय फत्तर पर फत्तर भी नी छुटेह्ये. जो गाड्यो नी जानको.

॥॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

(॥॥॥॥ 24:3-14; ॥॥॥॥ 13:3-13)

- 7 उनने उनका से पुछ्यो. “हे गुरु. यो सब कब हुये? अरु या बात जब पुरी होना पर हुये. ते वा टेम मे का का चिन्ह हुये?”
- 8 यीशु ने बोलयो. “सावधान न्हेव. कि फसायो नी जानको. क्युकी खुप मरा नाम से अयखे बोल्ट्हे. कि टेम नजीक अय पहुच्योस हइ तुम उनका पिछे नी चली जानु.”
- 9 जब वाद विवाद अरु दंगो कि बात सुनी. तब घबरय नी जानु. क्युकी इनका पैयले होनो जरुरती हइ. पन वा टेम तुरुत खत्म नी हुये.
- 10 तब यीशु ने उनका से बोल्यो. जात पर जात अरु राज्य पर राज्य कन्हे.
- 11 अरु बडा बडा भुकम्प हुये. अरु जगा जगा अकाल अरु माहामारीहोन पडे. अरु बढल मे भयकर बात अरु बडा बडा चिन्ह पइदा हुये.
- 12 पन या सब बात से पैयले वे मरा नामकरण तुमके पकडे. अरु सताया. अरु आराधनालयहोन मे दियो अरु बन्दीगृह मे डाल्ट्हे. अरु राजाहोन अरु राजपल का सामने ली जाह्ये.
- 13 पर ह्या तुमारी गवाही देन को अवसर हुय जाह्ये.
- 14 येका लिये अपना अपना मन मे ठानी रख देन को पैयले से उत्तर देन कि चिन्ता नी करण का.
- 15 क्युकी मी तुमखे असी बात अरु दिमाक दिह्यु. कि तुमारो सब खिलाप सामनो कर खण्डन नी करी सकहे.

- 16 अरु तुम्हारा माय बाप अरु भैइ अरु कुटुम. अरु दोस्त भी तुम पकडे. ह्या तक कि तुम मे से खेत्ता खे मारी डाल्यो.
- 17 अरु मरा नामकरण सब दुन्या तरा से बुरो कन्हे.
- 18 पन तुमारा माथा को एक बाल भी बाको नी होनको.
- 19 अपना धिरज से तुम अपना जान खे बचाह्ये रखह्ये.

॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥

- 20 जब तुम यरुशलम का सेना होन से धेय हुयो देख. ते समजी लेनू कि ओको उजड्यो जानो नजीक हइ.
- 21 तब जो यहूदीया मे हुये व्हा टेकडी पर भाग जाह्ये. अरु जो येरुशलम का बाहेर नीकली जा. अरु जो गाव मे हुये वे ओमे नी जानु.
- 22 क्युकी यो बदलो लेन को असो दिन हुये जिनमे लिखी हुये सब बात पुरी हुय जाह्ये.

23 वे दिन में जो दिन से अरु दुद पिलाती हुये. उनका लिये हय. हाय! क्युकी देस में बडो दुख अरु ये पृथ्वी पर बडो संकट हुये.

24 वे तलवार से मान्यो जाह्ये. अरु सब देस का दुन्या में भैड बढ हुयखे पहुचायो जाह्ये. अरु जब तक यरुशलेम गैरयहूदीहोन से खुन्यो जाह्ये.

~~~~~  
(~~~~~ 24:29-31; ~~~~~ 13:24-27)

25 “अरु सुरज अरु चान्द अरु तारा को चिन्ह दिखाह्ये अरु पृथ्वी पर. राष्ट्र-राष्ट्र का दुन्या खे फजित हुये. क्युकी वे समुद्र को गरझनो अरु लहर को पानी लहर से धवरय जाह्ये.”

26 अरु डर करण अरु जगत पर आनवाली घटनाहोन कि रस्ता देखते देखते दुन्या खे जान में जान नी न्हियो क्युकी बदल की शक्तीहोन हलय जाह्ये.

27 तब वे इन्सान को बेटा खे सामर्थ्य अरु बडी महिमा का साथ बदल पर आते देखे.

28 जब ये बात होन लगी. ते सिधी हुय खे अपनो माथो उप्पर उठानु. क्युकी तुमारो छुटकारो नजीक हुये.

~~~~~

29 फिर यीशु ने उनका से एक दृष्टान्त भी बोल्य. “अंजीर को झाड अरु सब झाड खे देख.

30 जो में उनकी डग्यान नीकलस हइ. ते तुम देखी खे खुद में समजी लेस हय. कि उनाला को टेम्स नजीक हइ.

31 या रीति से जब तुम या बात होते देखे. तब समजी जानु कि परमेश्वर को राज नजिक हइ.

32 मी तुम से सच्ची बोलुस हय. की जब तक या सब बात नी हुये ले. तब तक या पीडी कभी भी खतम नी होन की.

33 बदल अरु जमीन टली जाह्ये पन मरी बात कभी नी टलन की.

~~~~~

34 “येका लिये हुशार जेव असो नी हुये कि तुमारा मन नशा अरु मतवालोपन अरु यो जिवन कि चिन्ताहोन से सुस्त हुय जाव अरु उ दिन तुम पर फन्दा का जसा अचानक अय गिरे.

35 क्युकी व्हा सब जमीन का सब रेगनआला पर या रीति अय गिन्हे.

36 येका लिये जाते जेव अरु हर टेम में प्रार्थना करते जेव कि तुम या सब आनवाली घटना होन से बचनो. अरु इन्सान का बेटा का सामने खडो होन का योग्य बन.”

37 उन दिन में उ मन्दिर में उपदेश करता थो अरु रात को जैतून नामक पहाड पर रहता थो.

38 अरु फजर खे सब दुन्या ओकी सुनन का लिये मन्दिर में ओका पास आया करता था.

22

~~~~~

(~~~~~ 26:1-5; ~~~~~ 12:41-44; ~~~~~ 11:45-53)

1 अखमीर रोटी को तिवार जो फसह बोल्यो जास हइ. नजीक थो.

2 अरु बडो याजक अरु शास्त्री या बात की खोज में था कि ओखे कसो मारी डाल्हे. पर वे दुन्या से डरता था.

~~~~~

(~~~~~ 26:14-16; ~~~~~ 14:10-11)

3 अरु सैतान यहूदा में समायो. जो इस्करियोती बोल्यो जास अरु बारा सेवक में गिन्यो जातो थो.

4 ओने जेखे बडो याजक अरु पुरोहीत को मुखीया का साथ बातचीत की ओखे रिती से उनको हात पकडयो.

5 वे खुशीसे हुया. अरु ओखे पैसा देन को वादो दियो.

6 उनने मानी लियो, अरु बहानो ढुङन लग्या. कि बिना उपद्रो, ओखे उनका हात पकडय दे फसह कि तैयारी.

~~22:26-27~~ ~~22:28-29~~ ~~22:30-31~~

(~~22:26-27~~ 26:17-19; ~~22:28-29~~ 14:12-16)

7 तब अखमीरी रोटी को तीवार को दिन आयो. जो फसह को मेडा कि बलि करणो जरुरती थो.
8 अरु यीशु ने पतरस अरु यहून्ना से ह्या बोलीखे भेज्यो. “जयखे हमारो खान, लिये फसह तैयारी कर.”

9 उनने उकासे पुच्छो. “तु खा चाहस हइ. की हम तैयार करा?”

10 यीशु ने उनका से बोल्यो. “देख. नगर मे घुसी करीते य इन्सान पानी को मडको उठायो हुयो तोखे मील्हे. जो घर मे व्हा जाह्यो तुम ओका पिच्छे चली जानु.

11 अरु उ घर को प्रभु से बोल. गुरु तुम से बोलस हइ. कि व्हा मीजवान को घर खा हइ जेमे से मी अपना सेवक का सात फसह खव?”

12 फिर वू तोखे एक सजी सबरी बडी कमरो दिखइ दियो. व्हा तैयारी करणा.

13 उनने जैयखे. जसो उनने ओकासे बोल्यो थो. ओसो य मील्यो. अरु फसह तैयारी करी.

~~22:32-33~~ ~~22:34-35~~

(~~22:32-33~~ 26:26-30; ~~22:34-35~~ 14:22-26; 1 ~~22:36-37~~ 11:23-25)

14 जब घडी पहुची ते व्हा प्रेरितहोन, सात खानो खान बठयो.

15 अरु यीशु ने उनका से बोल्यो. मेखे बडी लालुच थी. कि दुख भोगनासे पैयले यो फसह तुमारा सात खव.

16 क्युकी मी तुम से बोलुस हय. कि जब तक व्हा परमेश्वर का राज मे पुरो नी हुये तब तक मी ओखे कभी नी खाह्यु.

17 तब ओने कटोरो लिखे धन्य वाद कयों अरु बोल्यो. “येखे ले अरु आपस मे बाटी ले.

18 क्युकी मी तुमसे बोलुस हय. कि जब तक परमेश्वर को राज्य नी आह्यो तब तक मी अंगूर रस आव से कभी नी पिनको.”

19 फिर ओने रोटी ली अरु धन्य वाद करी खे तोडी. अरु उनखे यो बोलते हुये दी.यो मरो आंग हइ “मरी याद का लिये यो कन्यो कर.”

20 याय रीति से उनने खान का बाद कटोरो मरो उ खुन मे जो तुमारा लिये बोहायो जास हइ नवो वचन हइ.

21 पर देख. मेखे पकडानआलो को हात मरा सात टेबल पर हइ.

22 क्युकी इन्सान को बेटो तो जसो की मी ओका लिये रोख्यो गयो. जातो हुये हइ. पर हाय उ इन्सान पर जिन का द्वारा उ पकडायो जास हइ.

23 तब वे आपस मे पुछ ताछ करण लग्या. हम मे से कोन हइ. जो यो काम कन्हें?

~~22:38-39~~ ~~22:40-41~~ ~~22:42-43~~ ~~22:44-45~~ ~~22:46-47~~ ~~22:48-49~~ ~~22:50-51~~

24 उनमे ह्या वाद विवाद भी हुय. कि हम मे से कोन बडो समझी जास हइ?

25 उनने यीशु से बोल्यो. गैरयहूदिहोन को राजा उन पर प्रभुता करस हइ, अरु जो उन पर अधिकार रखस हइ. वे उपकार बोल्योस हइ.

26 पन तुम असो नी होनु. क्युकी जो तुम मे बडो हइ. व्हा छोटो का जसो अरु जो बडो हइ. व्हा सेवक होन का जसो बन.

27 क्युकी बडो कोन हइ. व्हा जो खाना पर बठयो याव्हा जो सेवा करस हइ? व्हा नी जो खाना पर बठयो हइ पर मी तुम्हारा बीच मे सेवक का जसो हय.

28 “पन तुम व्हा हय. जो मरी परीक्षाहोन मे लगातार मरा सात न्हें.

29 अरु जसो मरा बाप ने मरा लिये एक राज्य रोख्योस हइ मी भी तुम्हारा लिये रोख्योस हय.

30 जब की तुम मरो राज्य मे मरी मेज पर खाव पिओ. क्युकी सिंहासन पर बठीखे इस्त्राएल का बारा गीत को न्याय कर.

॥२२२२॥ २२ ॥२२२२॥ २२२२॥ २२ ॥२२२२॥ २२ ॥२२२२२२२२२॥
(॥२२२२॥ 26:31-35; ॥२२२२॥ 14:27-31; ॥२२२२२२॥ 13:36-38)

31 “शमीन. हे शमीन सैतान ने तुम दुन्या खे मागी लियो हइ कि गहु का जसो फटीखे.

32 पन मे ने तरा लिये प्रार्थना करी. कि तरो विश्वास जातो नी न्है अरु जब तू फिर ते अपना भैइहोन खे रोखनु करणु.”

33 यीशु ने उनका से बोल्यो, हे प्रभु मी तरा सात बन्दीगृह जान क्युकी मरन खे भी तैयार हय.

34 ओने बोल्यो हे पतरस मी तरासे बोलुस हय कि आज मुर्गा बांग देना जब तक तु तीन बार मरो इन्कार नी कर लिह्यो कि मी ओखे नी परछानु.

॥२२२२॥ २२२२॥ २२ ॥२२२२॥

35 अरु यीशु ने उनका से बोल्यो, “जब मे ने तुमखे थैली अरु झोलो. अरु जुता बिना भेज्यो थो. ते का तुमखे कोय बात कि कमी हुय थी?”

उनने बोल्यो. कोय चिज की नी.

36 यीशु ने उनका से बोल्यो. पन आब जिन का पास थैली हय व्हा ओखे ले. अरु वसो य झोलो भी. अरु जिनका पास तलवार नी हुये वे अपना कपडा बेचीखे एक मोल लीले.

37 क्युकी तुमसे बोलुस कि यो लिख्यो हइ. “व्हा अपराधी का साथ गिन्यो गयो. ओको मरा मे पुरो होनो जरुरती हइ. क्युकी मरा बारे कि बात पुरी होना पर हइ.”

38 उनने बोल्यो. हे प्रभु. देख. ह्या दो तलवार हइ. यीशु

उन्से बोल्यो. “भोत हइ.”

॥२२२२॥ २२२२॥ २२ ॥२२२२॥ २२ ॥२२२२२२२२॥
(॥२२२२॥ 26:36-46; ॥२२२२॥ 14:32-42)

39 तब बाहेर नीकली खे अपनी रीति का जसो जैतून का टेकडा पर गयो. अरु सेवक ओका पिच्छे हुय लिया.

40 वा जगत मे पहुची खे यीशु ने उनका से बोल्यो. “प्रार्थना करणु. कि तुम परीक्षा मे नी गिरन का.”

41 अरु व्हा ओने एक ढेकलो फेकना कि दुर भरी गया. अरु घुटना टेकीखे प्रार्थना करण लग्या.

42 “हे बाप अगर तु चाह्यो ते यो कटोरा खे मरा पास से हटयी ले. फिर भी मरी नी पन तरी इच्छा पुरी हुये.”

43 तब स्वर्ग से एक दूत दिखास दियो जो ओखे सामर्थ्य देतो थो.

44 अरु व्हा खुप संकट मरा व्याकुल हुयखे अरु भी हार्दिक तखलीप से प्रार्थना करण लग्यो. अरु ओको पसीनो मानी खुन की बडि बडि थंम का जसो जमीन पर गिरी रा था.

45 तब व्हा प्रार्थना से उठ्यो अरु अपना सेवक का पास अयखे उनखे उदासी का मारे सोते देख्यो.

46 अरु उनका से बोल्यो. “का सोस हय? उट खे प्रार्थना कर कि परीक्षा मे नी पडे.”

॥२२२२॥ २२ ॥२२२२॥ २२२२॥
(॥२२२२॥ 26:47-57; ॥२२२२॥ 14:43-50; ॥२२२२२२॥ 18:3-12)

47 उ यो बोली य रोथो. कि देख एक गर्दी अय. अरु वे बारा मे एक जोको नाम यहूदा थो उनका आगे आगे अय रो थो. व्हा यीशु का पास आयो. कि ओको चुम्नो ले.

48 यीशु ने उनका से बोल्यो. “हे यहूदा का तु चूमो लिखे इन्सान को बेटा खे पकडास हइ?”

49 यीशु का साथीहोन ने जब देख्यो कि होनआलो हइ. ते बोल्य “हे प्रभु का हम तलवार चलाह्या?”

50 अरु उनमे से एक ने महायाजक सेवक पर तलवार चलखे ओका जवनो टी दियो.

51 येका पर यीशु ने बोल्यो. “अब बस कर.” अरु ओको न छीखे अच्छो कज्यो.

52 तब यीशु ने प्रधान याजको अरु मन्दिर को बडो अधिकारी अरु बापदादाहोन से. जो उ पर चडीखे आया था. बोल्हे. का “तुम मेखे डाकु समजी खे तलवार अरु लकडि लिखे नीकल्या हय?

53 जब मी मन्दिर मे हर दिन तुम्हारा सात थो. ते तुम ने मरा पर हात नी डाल्यो. पर ह्या तुमारी घडी हइ. अरु अंधारा को अधिकार हइ.”

???? ?? ????? ?? ??? ???? ?

(?????? 26:69-75; ?????? 14:66-72; ???????? 18:25-27)

54 फिर वे ओखे पकडीखे ली चल. अरु महा याजक का घर मे लायों अरु पतरस दुर मे दुर ओका पिच्छे चल्यो थो.

55 अरु जब वे अंगन मे अंगार लगय खे येकजगा बठ्या. ते पतरस भी उनका बिच मे बठी गयो.

56 अरु एक दासी ओखे उजार मे बठयो देखीखे अरु ओका तरप देखीखे बोलन लगी “यो भी तो उ सात थो.”

57 पन ओने यो बोली खे इनकार कन्यो. “हे बय मी ओखे नी परछानु!”

58 थोडा देर बाद कोय दुसरा ने ओखे देखी खे बोल्यो. “तु भी तो उनमे से हइ.” पतरस ने बोल्यो. “हे इन्सान मी नी हय.”

59 नजिक पास एक घन्टा बाद अरु इन्सान हिम्मत से बोलन लग्या. पक्को इरादो यो भी तो ओका सात थो. क्युकी यो गलील हइ

60 पतरस ने बोल्यो. “हे इन्सान मी नी समजुस कि तुम बोलस हइ?”

व्हा बोली य राधा कि तुरुत मुर्गा ने बांग देयो.

61 तब प्रभु ने घुमी खे पतरस का तरप देख्यो अरु पतरस खे प्रभु, वा बात याद अय जो यीशु ने बोली थी. “आज मुर्गा की बांग देनासे पइले तू तीन बार मरो इनकार कन्हें.”

62 अरु व्हा बाहेर नीकलीखे फुटि फुटि खे रोन लग्यो.

???? ?? ????? ?

(?????? 26:67-68; ?????? 14:65)

63 जो इन्सान यीशु खे पकड्यो हुयो थो. वे ओको उपहार करण पीटन लग्यो

64 अरु ओकी आख झाकि खे ओकासे पुच्छ. “भविष्यवाणी करीखे बात करी तोखे कोने मान्यो.”

65 अरु उनने खुप सी अरु नीन्दा कि बात ओका बारे मे बोली.

??????, ?????? ???? ?

66 जब दिन हुयो ते दुन्या का बुजुरुख अरु प्रधान याजक अरु शास्त्री एकजगा जमा हुया. अरु ओखे अपनी महासभा मे लयखे पुच्छो.

67 “अगर तु मसीह हइ. ते हम से बोली दे!” यीशु ने उनका से बोल्यो. अगर मी तुम से बोल्हु ते विश्वास नी करण.

68 अरु अगर पुच्छ ते उत्तर नी दिह्ये.

69 पन आब से इन्सान को बेटो सर्वशक्तिमान परमेश्वर का जवना तरप बठयो न्हिये.

70 येका पर सब ने बोल्यो. “ते, तु परमेश्वर को बेटो हइ?” यीशु ने उनका से बोल्यो. “तुम खुद मे बोलस. हय. क्युकी मी हय.”

71 तब उनने बोल्यो. “आब हम गवइ कि, जरूरत हइ. क्युकी हमने खुद मे उ, मेडासे सुनी लियो हइ.”

23

???????, ?????? ???? ?? ?? ???? ?

(?????? 27:11-14; ?????? 15:2-5; ???????? 18:28-37)

1 तब सब सभा उठीखे ओखे पिलातुस का पास ली गया.

2 अरु वे ह्या बोली खे ओका पर दोस्त लगान लग्या. “हमने ये दुन्या खे भैकातो अरु कैसर खे करी देना से मना करते. अरु अपना आप खे मसीह. राजो बोलते हुयो सुन्योस हइ.”

3 पिलातुस ने यीशु से पुच्छयो “तु यहूदीयाहोन को राजो हइ?” यीशु ने उत्तर दियो. तू खुद मे बोली रोस हइ.

4 तब पिलातुस ने प्रधान याजक अरु दुन्या से बोल्यो “मी यो इन्सान मे कुछ दोस्त नी देखु.”

5 पर वे अरु भी दृढता से बोलन लग्या. “ह्या गलील से ह्या तक सब यहूदीया मे उपदेस दि दिखे दुन्या खे भडकस हइ.”

6 यो सुनी खे पिलातुस ने पुच्छो “यो इन्सान गलीली हइ?”

7 अरु यो समजी खे कि व्हा हेरोदेस अधिकारी का पास भेजी दियो. क्युकी वे दिन मे व्हा भी यरुशलेम गाव मे था.

8 हेरोदेस यीशु खे देखी खे भोत मे खुश हुयो. क्युकी व्हा भोत दिन से उनखे देखनो चाहस था येका लिये कि उनखे देखनो चाहतो थो. येका लिये कि ओका बारे मे सुन्यो अरु ओको कुछ चिन्ह देखन कि आस रखेतो थो.

9 व्हा ओका से भोत सारी बात पुछतो न्हियो. पर यीशु ने ओखे कुछ भी उत्तर नी दियो.

10 अरु प्रधान याजक अरु शास्त्री खडो हुयो तन मन से उस पर दोष लगाते न्हियो.

11 तब हेरोदेस ने अपना सिपयहोन का साथ ओको अपमान करी खे उपहास कन्यो. अरु चमकदार कपडा पेनीखे ओखे पिलातुस का पास पलटय दियो.

12 उये दिन पिलातुस अरु हेरोदेस दोस्त हुय गयो येका पैयले वे एक दुसरा को दुश्मन था.

(***** 27:15-16; ***** 15:6-15; ***** 18:39—19:16)

13 पिलातुस ने प्रधान याजक अरु मुखियो अरु दुन्या खे बुलखे उनसे बोल.

14 “तुम यो इन्सान खे दुन्या, भैड कानालो रोखीखे मरा पास लास हय. अरु देख. मेने तुमारा सामने ओकि तपासनी करी. पर जो बात का तुम ओका पर दोस्त लगास हय. वा बात, बारे मे मेने ओमे कुछ भी दोस्त नी देख्योस हइ.

15 नी हेरोदेस ने. क्युकी ओने ओखे हमारा पास पलटय दियो हइ अरु देख. ओकसे असो कुछ नी हुयो कि व्हा मृत्यु को दण्ड को योग्य रोख्यो जाह्ये.

16 येका लिये मी ओखे मारी खे छोडी देस हय.”

17 पिलातुस तिवार का टेम उनका लिये एक बन्दी खे छोडना पर विकुल थो.

18 तब सब मीलीखे चिल्लय उठयो. “येको काम तमाम कर. अरु हमारा लिये बरअब्बा नाम खे छोडी दे.”

19 व्हा कोय बलवे करण जो नगर मे हुयो थो. अरु मारनो को करण बन्दीगृह मे डाल्यो गयो थो.

20 पर पिलातुस ने यीशु खे छोडन कि इच्छा से दुन्या खे फिर समजायो.

21 पर उनने चिल्लयखे बोल्यो. “ओखे कुस पर चडा. कुस पर!”

22 यीशु ने तिसरी बार उनका से बोल्यो. “क्यु ओने कोन सी बुरय की हइ? मेने ओमे मृत्यु दण्ड को योग्य कोय बात नी मील्हे! येका लिये मी ओखे मारीखे छोडी दियो हय.”

23 पन वे चिल्लय खे पिछे पडी गयो. कि व्हा कुस पर चडयो जाह्ये. अरु उनको चिल्लानो प्रबल हुयो.

24 तब पिलातुस ने आज्ञा दी.कि उनकि बिनती, जसो कन्यो जाह्ये.

25 अरु यीशु ने उ इन्सान खे जो विद्रोही अरु मारन करण बन्दीगृह मे डाल्यो गयो थो. अरु जेखे वे मागता था. छोडी दियो. अरु यीशु खे उनकी इच्छा, जसो दि दिह्ये

(***** 27:32-34; ***** 15:21-24; ***** 19:17)

26 जब वे ओखे लिखे जय रा था. ते उनने शमौन नाम एक कुरेनी खे जो गाव से अय रो थो.पकडीखे ओका पर कुस खे लादी दियो कि ओखे यीशु का पीछे पीछे ली चला.

27 अरु दुन्या की बडी गर्दी ओका पिच्छे चली अरु भोट सारी लुगय भी. जो ओका लिये छाती पीटती अरु विलाप करती थी.

28 यीशु ने उनका तरफ फिरीखे बोल्यो "हे यरुशलेम. की बेटीहोन मरा लिये मत रोय. पन अपना अरु अपना बच्चा का लिये रो.

29 क्युकी वे दिन आस हइ. जिनमे दुन्या बोल्हे 'धन्य हइ वे जो बाझ हइ. अरु वे स्तन जिनने दुध नी पिलायो.'

30 उ टेम वे टेकडा से बोलन लगेह्यो. कि हम पर गिन्यो. अरु टीलो से कि हम झाकि ले.'

31 क्युकी जब वे हरा झाड का सात असो करस हइ. ते सुख का सात का कुछ नी कन्यो जाह्ये?"

32 वे अरु दो इन्सान खे भी जो राजद्रोही था ओका साथ मारी डालन खे ली चल्यो.

33 जब वे वा जगा जेखे झोपडि बोलस हइ पहुचे. ते उनने व्हा ओखे अरु वे राजद्रोही खे भी एक खे जवना अरु दुसरा खे डाखोन्या अरु कुस होन पर चडायो.

34 तब यीशु ने बोल्यो. "हे बाप. इनखे माफ कर. क्युकी ये समजो नी कि का करी रास हइ?" अरु उनने चिट्ठी डालीखे ओका कपडा बाटी लिया.

35 दुन्या खडो खडो देखी रा था. अरु मुखियो भी उपहास करी करीखे बोलता था. "येने दुसरा खे बचायो. अगर ह्या परमेश्वर को मसीह हइ. अरु उनको चुन्यो हुयो हइ. ते अपना आप खे बचय ले."

36 सिपय भी नजीक अयखे अरु सिर, दिखे ओको उपहास करीखे बोलता था.

37 "अगर तू यहूदीयाहोन को राजो हइ. ते अपना आप खे बचान."

38 अरु उनका उप्पर एक दोस्त चिट्ठी भी लग्यो थो "ह्या यहूदीयाहोन को राजो हइ."

39 जो राजद्रोही लटकायो गयो थो. उनमे से एक ने ओकी नीन्दा करीखे बोल्यो "का तू मसीह नी? ते फिर अपना आप खे अरु हमखे बचान."

40 येका पर दुसरा ने ओखे धमकय खे बोल्हे "तू परमेश्वर से भी नी डरु? तोखे भी तो व्हा दण्ड मीली रोस हइ"

41 अरु हमखे तो न्याय जसो दण्ड मीली रोस हइ. क्युकी हमखे अपना काम खे बरोबर फल मीली रोस हइ. पर इनने कोय बुरो काम नी कन्यो.

42 तब उनका से बोल्यो. "हे यीशु. जब तू अपनो राज मे आह्यो. ते मरी याद लेनू."

43 यीशु ने उनका से बोल्यो. "मी तरासे सच्ची बोलुस हय कि आज हि तू मरा सात स्वर्गलोक मे हुये."

~~~~~

(~~~~~ 27:45-56; ~~~~~ 15:33-41; ~~~~~ 19:28-37)

44 अरु नजीकपास दुपेर से तिसरा पर तक सब देस मे अधारो हुइ गयो.

45 अरु सुरज को प्रकाशन जातो न्हियो. अरु मन्दिर को परदा का बिच मे से फटी गय.

46 अरु यीशु ने बड अवाज से बुलय खे बोल्यो. "हे बाप मी अपनी आत्मा तरा हात मे दिउस हय." अरु यो बोलीखे जान छोडी दियो.

47 सुबेदार ने जो कुछ हुयो थो देखीखे परमेश्वर की महिमा करी अरु बोल्यो. "ठानीलियो ह्या इन्सान न्यायी थो."

48 अरु गर्दी जो ह्या देखन खे जमा हुय थी. या घटना खे देखी खे छाती ठोकते पलटी गया.

49 अरु ओका सब जान्या पहीचान्या. अरु जो बय गलील से उ सात अय थी. दूर खडी हुय ह्या सब देखी थी.

~~~~~

(~~~~~ 27:57-61; ~~~~~ 15:42-47; ~~~~~ 19:28-42)

50 अरु व्हा. यूसुफ नाम खे महासभा को एक सदस्य थो. जो अच्छो न्यायी इन्सान थो.

51 अरु उनको बिचार अरु उनको यो काम से खुश नी थो. अरु व्हा यहूदीयाहोन का नगर अरिमतियाह का न्हेनवाला अरु परमेश्वर का राज कि प्रतीक्षा करणआलो था.

52 यीशु ने पिलातुस का पास जयखे यीशु कि लास मागी.

53 अरु ओखे उतारीखे मलमल कि चट्टर मे गुडचो. अरु एक मरगट मे रख्यो. जो चट्टान मे खोदी हुयी थी. अरु ओमे कोय कभी नी रख्यो जातो थो.

54 यो तैयारी का दिन थो. अरु आराम को दिन सुरवात होना पर थो.

55 अरु वे बयहोन ने जो उनका सात गलील से अय थी पिछे पिछे जयखे वा कब्र खे देख अरु ह्वा भी कि ओकी लास कोय रीति से रख्यो गयोस हइ.

56 अरु पलटी खे गधानवाली चिज अरु अत्रर तैयार कर. अरु आराम का दिन तो उनने आज्ञा का जसो अराम कन्यो.

24

~~~~~

(~~~~~ 28:1-7; ~~~~~ 16:1-8; ~~~~~ 20:1-10)

1 पन हप्ता का पैयला दिन बडा फजर खे वे उ गधानवाली चिजहोन खे जो उनने तैयार करी थी. लीखे मरगट पर अय.

2 अरु उनने फत्तर खे कब्र का दरवाजा पर से लुडक्यो हुयो लिल्यो.

3 अरु अंदर जैखे प्रभु यीशु की लास नी मीली.

4 जब वे या बात से भौचक्की हुय री थी तब. दो इन्सान चमकता कपडा पेन्या हुया उनका पास अय खडो हुयो.

5 जब वे डरी गय. अरु जमीन का तरप मुडो झुकय री. ते उनने उनसे बोल्यो. “तुम जिन्दो खे मन्या हुया मे क्यु ढुडस हय?

6 उ ह्वा नी. पन जिन्दो हइ. याद कर कि ओने गलील मे न्हेते हुये तुम से बोल्यो थो.

7 थो जरूरी हइ कि इन्सान को बेटो पापीहोन का हात मे पकडायो जाह्ये. अरु कुस पर चडायो जाह्ये अरु तीसरा दिन जिन्दो हुये.”

8 तब ओकि बात ओखे याद अय.

9 अरु कब्र से पलटी खे उनने वे ग्यारा खे अरु दुसरा सब खे या सब बात बोली सुनय.

10 जिनने प्रेरितहोन से या बात बोली वे मरियम मगदलीनी अरु योहन्ना अरु याकूब की माय मरीयम अरु उनका सात कि दुसरी बय भी थी.

11 पन उनकी बात उनने कानी का जसी लगी अरु उनने उन पर विश्वास नी कन्यो.

12 तब पतरस उठीखे कब्र पर दौडि गयो अरु झुकि खे फक्त कपडा पड्या देख्या अरु जो हुयो थो. ओकासे अचम करते हुय. अपना घर चली गया.

~~~~~

(~~~~~ 16:12-13)

13 उये दिन उनमे से दो झन इम्माउस नाम खे एक गाव खे जय रा था. यरुशलेम नगर से नजीकपास ग्यारा किलो मीटर की दूरी पर थो.

14 अरु वे सब बात पर जो हुय थी. आपस मे बातचीत करते जय रा था.

15 अरु जब वे आपस मे बातचीत अरु पुछ ताछ करी रा था. ते यीशु खुद नजीक अयखे उनका साथ हुय लियो.

16 पन उनकी आख असी बन्द करी दी गय थी. कि ओखे पहीचानी नी सक्या.

17 उनने पुछ्यो. “या का बात हइ. जो तुम चलते चलते आपस मे करस हय?” वे उदासी से खडा हिया गया.

18 यो सुनीखे. उनमे से क्लियुपास नाम खे एक इन्सान ने बोल्यो. “का तु यरुशलेम मे एकलो परदेसी हइ. जो नी पयछाने. कि यो दिन मे ओमे का का हुयोस हइ?”

19 “यीशु ने उनसे पुछ्यो कोन सी बात?” उनने ओकासे बोल्यो. “यीशु नासरी का बारे मे “जो परमेश्वर अरु सब दुन्या का नजीक काम अरु वचन मे सामर्थी भविष्यवक्ता थो.”

20 अरु मुखियो याजक अरु हमारा मुखियो ने ओखे पकडय दिये. कि ओका पर मृत्यु की आज्ञा दी जाह्ये. अरु ओखे क्रुस पर चडय दिह्ये.

21 पन हम आस थी. की ह्या इस्त्राएल खे छुटकारो दिह्ये. अरु या सब बात का सिवाय या घटना खे हुय तीसरो दिन हइ.

22 अरु हम मे से कोय वय ने भी हम आश्चर्य मे डाली दियोस हइ. जो फजर खे कब्र पर गय थी.

23 अरु जब ओकी लास नी मीली.ते ह्या बोलती हुइ अय. कि हमने स्वर्गदूत को दर्शन मील्यो.जिनने बोल्यो कि व्हा जिन्दो हइ.

24 तब हमारा सातआला मे से कोय एक कब्र पर गयो का अरु जसो वय ने बोल्यो थो. वसो हय का मील्यो पन उनखे नी देख्यो.

25 तब यीशु ने उनसे बोल्यो. “हे बिनादिमाक आला अरु भविष्यवक्ता कि सब बात पर विश्वास करणा मे मन्दमति हुये!

26 का जरुरी नी थो. कि मसीह यो दुख उठयखे अपनी महिमा मे अंदर कन्है?”

27 तब ओने मूसा से अरु सब भविष्यवक्ताहोन से सुर्वात करीखे सब पवित्रशास्त्र मे से. अपना बारे मे करी बात को अर्थ. उनने समझय दियो.

28 येतना मे उ गाव का पास पहुच्यो. झा वे जय रा था. अरु ओका ढंग से असो जानी पड्यो कि व्हा आगे बडनो चाहस हइ.

29 पन उनने यो बोलीखे ओखे रोख्यो. “हमारा सात न्है. क्युकी संजा हुय चली हइ.” तब व्हा उनका सात न्हैना का लिये अंदर गया.

30 जब व्हा उनका साथ खान खे बठ्यो. ते ओने रोटी लिखे धन्यवाद क्यो. अरु ओखे तोडिखे उनखे देन लग्यो.

31 तब उनकी आख खुली गय. अरु उनने ओखे पहीचान लियो. अरु व्हा उनका आख से लुकि गयो.

32 उनने आपस मे बोल्यो. “जब व्हा रस्ता मे हम से बात करता था. अरु पवित्रशास्त्र को अर्थ हम के समझतो थो. ते का हमारा मन मे उत्तेजना नी परदा हुइ?”

33 वे वय टेम उठीखे यरुशलेम खे पलटी गया. अरु उन ग्यारा अरु उनका साथिहोन खे जमा देख्या.

34 वे बोलता था. “प्रभु सच्ची जिन्दो उठ्योस हइ, अरु शमौन खे दिखय दियोस हइ.”

35 तब उनने रस्ता की बात उनने बतय दी अरु ह्या भी कि उनने ओखे रोटी तोडते टेम कसो पैछान्यो.

~~~~~  
(लूका 24:18-23)

36 वे या बात बोलीय रो थो. कि व्हा खुद मे उनका बीच मे अय खडो हुयो. अरु ओने बोल्यो. “तुम खे शांती मील्हे.”

37 पन वे घबरय गयो. अरु डरी गयो. अरु समझ्ये. कि हम कोय सैतान खे देखी रास हइ.

38 यीशु ने उनका से बोल्यो. “काय घबरास हय? अरु तुमारा मन मे का संदेह उठस हइ?

39 मरा हात अरु मरा पाय खे देख. कि मी व्हा हय. मेखे छिखे देख. क्युकी आत्मा का हड्डा मास नी होतो जसो मेखे मी देखतो हय.”

40 ह्या बोलीखे यीशु ने उनखे अपनो हात अरु पाय बतायो.

41 जब खुशी का मारे उनको विश्वास नी हुय रो थो. अरु आश्चर्य करता था. ते यीशु ने उनसे पुछ्यो. “का ह्या तुमारा पास कुछ खानो हइ?”

42 उनने ओखे भुजी मंछी को टुकडो दियो.

43 यीशु ने लिखे उनका सामने खायो.

44 फिर यीशु ने उनसे बोल्हो. “या मरी वे बात हइ. जो मेने तुमारा सात जेते हुयो. तुम से बोली थी. कि जरुरती हइ. कि जोतनी बात मूसा कि व्यवस्था अरु भविष्यव्यक्ताहोन अरु भजन कि किताब मे. मरा बारे मे लीखी हइ. सब पुरी हुये.”

45 तब यीशु ने पवित्रशास्त्र समझन का लिये उनकी समझ खोली दी.

46 अरु उनका से बोल्हो. “यो लिख्योस हइ कि मसीह दुख उठाह्यो. अरु तीसरा दिन मन्यो हुया मे से जिन्दो उठ्यो.

47 अरु यरुशलेम से लीखे सब राष्ट्र मे मन फिराव को अरु पाप कि माफि को प्रचार उय नाम से कन्यो जाह्यो.

48 तुम या सब बात कि गवाह हय.

49 अरु जिनकी प्रतीज्ञा परम बाप ने करी हइ. मी उनखे तुम पर उतारु हुये अरु जब तक स्वर्ग से सामर्थ्य नी मिल्यो. तब तक तुम याय नगर मे रह्यो.”

~~~~~

(लूका 16:19,20)

50 तब व्हा उनने बैतनीय्याह तक बाहेर ली गयो. अरु अपना हात उठखे उनने आशिर्वाद दीयो.

51 अरु उनने आशिर्वाद देते हुये व्हा से उनका से अल्लग हुय गयो अरु वु स्वर्ग पर उठइ लियो.

52 अरु वे ओखे आराधना करीखे बडि खुशी से यरुशलेम खे पलटी गया.

53 अरु वे घडि घडि मन्दिर मे हाजीर हुयखे परमेश्वर कि स्तुती कन्यो करता था.

यहून्ना रचित यीशु मसीह का सुसमाचार यहून्ना रचित यीशु मसीह को सुसमाचार पैछान

या यहून्ना ने लिखी हइ सुसमाचार कि किताब नवा नीयम कि चार सुसमाचार कि किताब मे से एक हइ, जो यीशु को जिवन को वर्णन करस हइ, यीशु मसीह का मरना का बाद, मत्ती, मरकुस, लूका अरु यहून्ना से या किताब लिखी गइ, या हर एक किताब को सुसमाचार कि किताब बोलस हइ, मसीह का जन्म का बाद 90 साल का आस पास यो सुसमाचार प्रेरितहोन ने लिख्यो हइ, या किताब मे असो लिख्यो नी कि 1 यहून्ना 2 यहून्ना अरु 3 यहून्ना कि लिखना से मेल खास हइ, उन दिन यहून्ना इफिसुस मे लिखी गइ असा कुछ बुजरुकहोन लिखनो मानस हइ.

यहून्ना या किताब को उद्देश साफ करस हइ कि इन्सानहोन का लिये यीशु ही मसीह हइ अरु परमेश्वर को बेटो हइ या बात पर विश्वास मीलस हइ, ओका पर विश्वास करणा से ओका नाम से हम से जिवन मीली सकस, या किताब यहूदीया अरु गैरयहूदीया का लिये लिखी गइ हइ, यहून्ना को सुसमाचार मे तीन बातहोन सुसमाचार से बातहोन अलग हइ, यीशु मसीह का कया हुया चमत्कार पर यहून्ना ध्यान करस हइ, अरु ओका बारे मे जादा नी लिख्यो गयो, यीशु को बपतिस्मो अरु सुनसान जगा मे परिक्षा कि असी घटनाहोन को यो सुसमाचार मे लिख्यो नी गयो हइ. 20:31

रुप रेखा

1. यहून्ना सुसमाचार की सुरुवात करस हइ 1:1-18
2. बाद मे उ चमत्कार होन का बारे मे लिखस हइ जो यीशु ने कया 1:19—12:50
3. उ यीशु का जिवन को वर्णन करस हइ जो ओखो मरनो अरु पुनरुत्थान का पास ली जास हइ की जन सेवा 13:1—20:31
4. यहून्ना का अध्याय मे सुसमाचार खत्म करस हइ जोमे यीशु मरना से जिन्दो हइ, इन्सानहोन से दिखैइ देस हइ अरु आखरी दिन मे अपनी किताब लिखना को उद्देश बताता हुये खत्म करस हइ. 21



- 1 सुरु मे शब्द थो, अरु शब्द परमेश्वर का साथ थो, अरु शब्द परमेश्वर थो.
- 2 यो ही सुरु मे परमेश्वर का साथ थो.
- 3 सब कुछ ओका वजेसे पइदा हुयो अरु जो कुछ पइदा हुयो हइ ओमे से कोय भी चिज ओका बिना पइदा नी हुया.
- 4 उ जिवन थो, उ जिवन इन्सानहोन को उजालो थो.
- 5 अरु उजालो अंधारा मे चमकस हइ. अरु अंधारा ने ओखे कबुल नी कन्यो.
- 6 एक इन्सान परमेश्वर का तरप से आयो उपस्थित हुयो जोको नाम यहून्ना थो.
- 7 यो गवइ देन आयो, कि उजाला कि गवइ दे, ताकि सब ओका वजेसे विश्वास लाये.
- 8 उ खुद तो उजालो नी थो, पर उ उजाला का बारेमे गवइ देन का लिये आयो थो.
- 9 सच्ची उजालो जो हर एक इन्सान से उजालो करस हइ जगत मे आनआलो थो.
- 10 उ जगत मे थो, अरु इन्सान ओका वजेसे पइदा हुया, अरु इन्सानहोन ने ओखे नी परछान्यो.
- 11 उ अपना घर मे आयो अरु ओका अपना ने ओखे कबुल नी कया.
- 12 पर जो ता ने ओखे कबुल कया, ओने उनखे परमेश्वर का बच्चा होन को अधिकार दियो, यानेकी उनने जो ओका नाम पर विश्वास रखस हइ.

13 वे नी ते खुन से, नी आंग की इच्छा से, नी इन्सान की इच्छा से, पर परमेश्वर से पड़दा हुयो हइ.

14 अरु वचन देहधारी हुयो. अरु अनुग्रह अरु सच्चीइ से परिपूर्ण हुइखे हमारा बीच जियो, अरु हमने ओकी असी महिमा देखी जसी बाप का एकलौता बेटा की महिमा.

15 यहून्ना ने ओका बारे मे गवइ दी, अरु बुलय खे बोल्यो, यो उ हइ, जोको मेने वर्णन कर्यो, कि जो मरा बाद अय रो हइ, उ मरासे बडीखे हइ, क्युकी उ मरासे पड़ले थो.

16 क्युकि ओकी परिपूर्णता से हम सब ने मील्ले कर्यो मंनजे अनुग्रह पर अनुग्रह.

17 येका लिये कि व्यवस्था तो मूसाक का वजेसे दी गवइ, पर अनुग्रह अरु सच्ची यीशु मसीह का वजेसे पहुची.

18 परमेश्वर खे कोय ने कभी नी देख्यो, एकलौतो बेटो जो बाप का खोरा मे हइ, ओने ओखे प्रगट कर्यो.

~~~~~

19 यहून्ना की गवइ या हइ, कि जब यहूदीयाहोन ने यरुशलेम से याजकहोन अरु लेवीहोन खे ओकासे पुछन का लिये भेज्यो, “तू कोन आय?”

20 ते ओने यो मानी लियो, अरु इनकार नी कर्यो, पर मानी लियो “मी मसीह नी आय.”

21 “तब ओने ओकासे पूछ्यो,” “ते फिर तू कोन आय?”

“तू एलिय्याह आय?” ओने बोल्यो,

“मी नी आय” का ते तू उ भविष्यवक्ता आय?

“ओने जवाब दियो नी.”

22 “तब ओने ओका से पूछ्यो का फिर तू हइ कोन ताकि हम अपना भेजन आला खे जवाब दे कि तू अपना बारे मे का बोलस हइ?”

23 ओने बोल्यो, “जसो यशायाह भविष्यवक्ता ने बोल्यो हइ मी जंगल मे फुकारनआला को आवाज आय खे तुम प्रभु का लिये रस्ता सीधी करणु.”

24 वे दूत जो फरीसीहोन का तरफ से भेज्या गया था.

25 उनने ओकासे यो सवाल पूछ्यो, “अगर तू नी मसीह हइ, अरु नी एलिय्याह, अरु नी उ भविष्यवक्ता आय, ते फिर बपतिस्मा क्यु देस हइ?”

26 यहून्ना ने उनखे जवाब दियो, मी पाणी से बपतिस्मा देउस हइ, पर तुम्हारा बीच मे एक इन्सान खडो हइ, जेखे तुम खे नी मालुम.

27 अगर मरा बाद आनआलो हइ, ओका जुता कि तन्नी मी खोलना का लायक नी.

28 या बातहोन यरदन नही पार बैतनीय्याह मे हुइ खे, जहा यहून्ना बपतिस्मा देतो थो.

~~~~~

29 दूसरा दिन यहून्ना यीशु खे अपना तरफ आते देखी खे बोल्यो, “देखनु, यो परमेश्वर को मेडो हइ जो जगत को पाप उठै ली जास हइ.

30 यो उ आय, जोका बारे मे मेने बोल्यो थो, कि एक इन्सान मरा पीछे आस हइ, जो मरा से बडो हइ, क्युकि उ मरासे पैयले थो.

31 अरु मी तो ओखे परछानतो नी थो, पर येका लिये मी तो पाणी से बपतिस्मा देतो आयो, कि उ इस्राएल पर प्रगट हुइ जाह्यो.”

32 अरु यहून्ना ने या गवइ दी, मेने आत्मा खे कबूतर का रुप मे स्वर्ग से उतरता देख्यो हइ, अरु उ ओ पर ठैरी गयो.

33 अरु मी तो ओखे परछानतो नी थो, पर जो ने मेखे पानी से बपतिस्मा देन खे भेज्यो, ओने मेखे बोल्यो, जोका पर तू आत्मा खे उतरते अरु रोखते देख्यो. उ पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देनालो हइ.

34 अरु मेने देख्यो, अरु गवइ दी हइ कि यो मे परमेश्वर को बेटो हइ.*

~~~~~

35 दूसरा दिन फिर यहून्ना अरु ओका सेवक मे से दो झन खडा हुया था.

36 अरु ओने यीशु पर जो जै रो थो, नजर करीखे बोल्यो, "देखनु, यो परमेश्वर को मेडो हइ."

37 तब वे दो सेवक ओकी सुनीखे यीशु का पीछे गया.

38 यीशु ने घुमी खे अरु उनखे पीछे आते देखी खे उनसे बोल्यो, "तुम को की खोज मे हइ?" उनने ओकासे बोल्यो, "हे गुरु, मंनजे हे गुरु, तू खा जेस हइ?"

39 ओने उनसे बोल्यो, "चल, ते देखी लिये" तब उनने अय, ओकी जेन कि जगा देखी, अरु उ दिन ओका साथ न्हिया. अरु यो दसवा घंटा का नजीकपास थो.

40 वे दोइ मे से, जो यहून्ना की बात सुनीखे यीशु का पीछे चली गया था, एक शमौन पतरस को भैइ अन्द्रियास थो.

41 ओने पैयले अपना सगो भैइ

शमौन से मीलीखे ओकासे बोल्यो, "हमखे ख्रिस्त अगर मसीह मीली गयो."

42 उ ओखे यीशु का पास लायो

यीशु ने ओका पर नजर करीखे बोल्यो, "तू यहून्ना को बेटो शमौन हइ, तू कैफा मंनजे पतरस कहलाये."

~~~~~

43 दूसरा दिन यीशु ने गलील खे जाना चाह्यो, अरु फिलिप्पुस से मीलीखे बोल्यो, "मरा पीछे अय जा."

44 फिलिप्पुस तो अन्द्रियास अरु पतरस को नगर बैतसैदा को नीवासी थो.

45 फिलिप्पुस ने नतनएल से मीलीखे ओकासे बोल्यो, "जेको वर्णन मूसा ने व्यवस्था मे अरु भविष्यव्यक्ताहोन ने कयौ हइ, उ हमखे मीली गयो. उ यूसुफ को बेटो, यीशु नासरत हइ."*

46 नतनएल ने ओकासे बोल्यो "कोय अच्छी चिज भी

"नासरत से नीकली सकस हइ?" फिलिप्पुस ने ओकासे बोल्यो, "चलीखे देखी ले."

47 यीशु ने नतनएल खे अपना तरफ आते देखीखे ओका बारे मे बोल्यो, "देखनु, यो सच्ची मे इस्राएल हइ येमे कपट नी."

48 नतनएल ने ओका से बोल्यो, "तू मेखे कसो जानस हइ?" यीशु ने ओखे जवाब दियो, "येका से पैयले कि फिलिप्पुस ने तोखे बुलायो, जब तू अंजीर का झाड का नीचे थो, तब मेने तोखे देख्यो थो."

49 नतनएल ने ओखे जवाब दियो, "हे गुरु, तू परमेश्वर को बेटो हइ. तू इस्राएल को महा राजो हइ."

50 यीशु ने ओखे जवाब दियो "मेने जो तरा से बोल्यो, कि मेने तोखे अंजीर का झाड का नीचे देख्यो, तू येका लिए विश्वास करस हइ? तू येका से भी बडा-बडा काम देख्ये."

51 फिर ओकासे बोल्यो "मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ कि तुम स्वर्ग खे खुल्यो हुयो, अरु परमेश्वर का स्वर्गदूतहोन खे इत्सान को बेटा का उपर उतरते अरु उपर जाते देख्ये."*

2

~~~~~

1 तीसरा दिन गलील का काना मे कोय एक का शहर भ्याव थो, अरु यीशु की माय भी व्हा थी.

2 यीशु अरु ओका सेवक भी उ भ्याव मे बुलाया था.

3 जब अंगूर को रस खत्म हुइ गयो, ते यीशु की माय ने उकासे बोल्यो, "उनका पास अंगुरकोरस नी न्हियो."

4 यीशु ने ओकासे बोल्यो, "हे बय मेखे तरा से का काम? अभी मरो टेम नी आयो."

5 ओकी माय ने सेवकहोन से बोल्यो, "जो कुछ उ तुम से बोल्ये का उ करणु."

6 व्हा यहूदीयाहोन खे अच्छो करण का लिये पत्थर का छे मडका रख्या था, जोमे दो दो, तीन-तीन मन समाता था.

7 यीशु ने उनसे बोल्यो, “मडका मे पानी भरी दे” तब उनने उनका मुडा तक भरी दियो.

8 तब ओने उनसे बोल्यो, “अरु नीकालीखे खाना का प्रधान का पास लि जा.” अरु वे लि गए.

9 जब खाना को प्रधान ने उ पानी चख्यो, जो अंगूर को रस बनी गया थो अरु नी जानतो थो कि उ खा से आयो हइ. पर जिन सेवकहोन ने पानी नीकल्या थो वे जानता था, ते खाना को प्रधान ने दूल्हा खे बुल्येइ खे ओकासे बोल्यो.

10 “हर एक इन्सान पैयले अच्छो अंगूर को रस देस हइ, अरु जब इन्सान पीखे छुकी जास हइ, तब मध्यम देस हइ. पर तोने अच्छो अंगूर को रस अभी तक रख छोड्यो हइ.”

11 यीशु ने गलील का काना मे अपनो पयलो चिन्ह देखीखे अपनी महिमा प्रगट करी अरु ओका सेवक होन ने ओका पर विश्वास कयों.

12 येका बाद उ अरु ओकी माय, ओका भैइ, ओका सेवक, कफरनहूम खे गया अरु व्हा कुछ दिन न्हिया.

~~~~~

(~~~~~ 21:12,13; ~~~~~ 11:15-17; ~~~~~ 19:45,46)

13 यहूदीयाहोन को फसह को त्योहार पास थो, अरु यीशु यरुशलेम खे गयो.

14 अरु ओने मन्दिर मे बैल, अरु मेडो अरु कबूतर खे बेचनआला का तरफ सराफाहोन खे बठौ हुया पायो.

15 तब ओने दोरकासहोन को कोडो बनैइ खे, सब मेढाहोन अरु बैलहोन खे मन्दिर से नीकाली दियो, अरु सराफाहोन का पैसा फैलय दिया, अरु मेज उलटचै दी.

16 अरु कबूतर बेचनआला से बोल्यो, “इनखे ह्या से लि जा, मरा बाप का भवन खे व्यापार को घर मत बनानु.”

17 तब ओका सेवक होन खे, “याद आयो कि लिख्यो हइ, तरी मन्दिर की धुन मेखे खैइ जाये.”

18 येका पर यहूदीयाहोन ने ओकासे बोल्यो, “तू जो यो करस हइ ते हमखे कोनतो चिन्ह दिखास हइ?”

19 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “या मन्दिर खे गियैइ दे, अरु मी येखे तिन दिन मे खडी करी दिह्यु”

20 यहूदीयाहोन ने बोल्यो, “या मन्दिर खे बनाना मे छेचालीस साल लग्या हइ, अरु का तू ओखे तीन दिन मे खडी करी दिये?”

21 पर ओने अपनो आंग पर मन्दिर का बारे मे बोलतो थो.

22 फिर जब उ मुर्दा मे से जिन्दो उठ्यो फिर ओका चेलाहोन खे याद आयो कि ओने यो बोल्यो थो. अरु उनने पवित्रशास्त्र अरु उ वचन को जो यीशु ने बोल्यो थो, विश्वास कयों.

~~~~~

23 जब उ यरुशलेम मे फसह का टम को त्योहार मे थो, ते भोतब्रान ने उ चिन्ह खे जो उ दिखातो थो देखीखे ओका नाम पर विश्वास कयों.

24 पर यीशु ने अपना आप खे उनका विश्वास पर नी छोडनु, क्युकी उ सब खे जानतो थो.

25 अरु ओखे प्रयोजन नी थो कि इन्सान का बारे मे कोय गवइ दे क्युकी उ खुद जानतो थो कि इन्सान का मन मे का हइ?

### 3

~~~~~

1 फरीसीहोन मे से नीकुदेमुस नाम को एक इन्सान थो, जो यहूदीयाहोन को मुखियो थो.

2 ओने रात खे यीशु का पास अयखे ओकासे बोल्यो, “हे गुरु, हम जानस हइ, कि तू परमेश्वर का तरफ से गुरु हुइ खे आयो हइ. क्युकी कोय इन चिन्ह खे जो तू दिखास हइ, अगर परमेश्वर ओका साथ नी हइ, ते नी दिखैइ सक्ये”

3 यीशु ने ओखे जवाब दियो, “मी तरा से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, अगर कोय नवा सिरा से नी जन्मे ते परमेश्वर को राज्य देखे नी सक्ये.”

4 नीकुदेमुस ने ओकासे बोल्यो, “इन्सान जब बुढो हुइ गयो, ते कसो जन्म लि सकस हइ? उ अपना माय का गर्भ मे दूसरी बार प्रवेश करीखे जन्म लि सकस हइ?”

5 यीशु ने जवाब दियो, “मी तरा से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, जब तक कोय इन्सान पानी अरु आत्मा से नी जन्मे ते उ परमेश्वर को राज्य मे प्रवेश नी करी सक्ये.”

6 क्युकी जो आंग से जन्म्यो हइ, वह आंग हइ, अरु जो आत्मा से जन्म्यो हइ, उ आत्मा हइ.

7 अचम्बो नी करणु कि मेने तरा से बोल्यो, ‘तोखे नवा सिरा से जन्म लेनो जरुरी हइ.’

8 हवा जिधर चलस हइ उधर चलस हइ, अरु तू ओकी अवाज सुनस हइ, पर नी जानु, कि वा खा से आस अरु किधर खे जास हइ? जो कोइ आत्मा से जन्म्यो हइ उ असा मे हइ.”

9 नीकुदेमुस ने ओखे जवाब दियो, “या बातहोन कसी हुइ सकस हइ?”

10 यो सुनीखे यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तू इस्राएलहोन को गुरु हुइखे भी का या बातहोन खे नी समझ्यो?”

11 मी तरा से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ कि हम जो जानस हइ, उ बोलस हइ, अरु जेखे हमने देख्यो हइ ओकी गवइ देस हइ, अरु तुम हमारी गवइ स्वीकार नी करस.

12 जब मेने तुम से पृथ्वी की बातहोन बोली, अरु तुम विश्वास नी कहे, ते अगर मी तुम से स्वर्ग की बातहोन बोलुका ते फिर क्यु विश्वास कर्ये?

13 कोय स्वर्ग पर नी चड्यो, फक्त उ जो स्वर्ग से उतर्यो, अगर इन्सान को बेटो जो स्वर्ग मे हइ.

14 अरु जिस तरह से मूसा ने जंगल मे साप खे उच्चा पर चढायो, चाउ रीति से जरुरती हइ कि इन्सान को बेटो भी उच्चा पर चढायो जाये.

15 ताकि जो कोय ओका पर विश्वास कर्ये उ अनन्त जिवन पाये.

16 क्युकी परमेश्वर ने जगत से असो प्रेम रख्यो कि ओने अपनो एकलौतो बेटो दि दियो, ताकि जो कोय ओ पर विश्वास कर्येका उ नाश नी हुइ खे पर अनन्त जिवन पाये.

17 परमेश्वर ने अपना बेटा खे दुन्या मे येका लिये नी भेज्यो, कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे, पर येका लिए कि दुन्या ओका वजेसे उध्दार पाये.

18 जो ओका पर विश्वास करस हइ, ओका पर दण्ड की आज्ञा नी होय, पर जो ओका पर विश्वास नी कहे, उ दोषी बनायो करी दी चुक्यो हइ. येका लिए कि ओने परमेश्वर का एकलौता बेटा का नाम पर विश्वास नी कर्यो.

19 अरु न्याय की आज्ञा करण यो हइ कि ज्योति जगत मे अय हइ, अरु इन्सानहोन ने अंधारा खे ज्योति से जादा प्रिय जान्यो क्युकी उनको काम बुरो थो.

20 क्युकी जो कोय बुरो करस हइ, उ ज्योति से बैर रखस हइ, अरु ज्योति का पास नी आय, असो नी हो कि ओका काम होन पर इलजाम लगायो जाये.

21 पर जो सच्चीई पर चलस हइ, उ ज्योति का पास आस हइ, ताकि ओका काम मे प्रगट हो कि उ परमेश्वर का तरफ से कर्यो गयो हइ.

~~~~~

22 येका बाद यीशु अरु ओको सेवक यहूदीया देस मे आया. अरु उ व्हा उनका साथ न्हिखे बपतिस्मा देन लग्यो.

23 अरु यहून्ना भी सालेम का पास एनोन मे बपतिस्मा देतो थो, क्युकी व्हा भोत पानी थो, अरु इन्सानहोन अय खे बपतिस्मा लेता था.

24 क्युकी यहून्ना वा टेम्म तक जोल खाना मे नी डाल्यो गयो थो.

25 व्हा यहून्ना का सेवकहोन का कोय यहूदीया का साथ अच्छा का बारे मे वाद विवाद हुयो.

26 अरु ओने यहून्ना का पास अयखे ओकासे बोल्यो, “हे गुरु, जो इन्सान यरदन नदी का पार तरा साथ था, अरु जोकी तोने गवइ दी हइ. देख, उ बपतिस्मा देस हइ, अरु सब ओका पास आस हइ.”

27 यहून्ना ने जवाब दियो, “जब तक इन्सान खे स्वर्ग से नी दियो जाये तब तक वह कुछ नी मीली सखे .

28 तुम तो आप मे मरा गवइ हइ, कि मेने बोल्यो, कि ‘मी मसीह नी हइ का पन ओका आगे भेजो गयो.’

29 जोकी दुल्हन हइ, उ दूलो हइ पर दूला को दोस्त जो खडो हुयो ओकी सुनस हइ, दूला की बात से भोत खुश होस हइ. अब मरी या खुशी पुरी हुइ हइ.

30 जरूरी हइ कि उ बढे अरु मी घटू.”

~~~~~

31 “जो उपर से आस हइ, उ सबसे अच्छो हइ, जो पृथ्वी से आस पृथ्वी को हइ. अरु पृथ्वी की बातहोन बोलस हइ जो स्वर्ग से आस हइ, उ सब का उपर हइ.✱

32 जो कुछ ओने देख्यो, अरु सुन्यो हइ, ओकी गवइ देस हइ. अरु कोय ओकी गवइ ग्रहण नी कहे.

33 जेने ओकी गवइ ग्रहण कर ली ओने या बात पर नीशान दि दी कि परमेश्वर सच्चो हइ.

34 क्युकी जेखे परमेश्वर ने भेज्यो हइ, उ परमेश्वर की बातहोन बोलस हइ क्युकी वा आत्मा नापि खे नी दे.

35 बाप बेटा से प्रेम रखस हइ, अरु ओने सब चिजहोन ओका हात मे दि दी हइ.

36 जो बेटा पर विश्वास करस हइ, अनन्त जिवन ओको हइ. पर जो बेटा की नी माने, उ जिवन खे नी देख्ये पर परमेश्वर की घुस्सा ओका पर रहेस हइ.”

4

~~~~~

1 फिर जब प्रभु खे मालूम हुयो कि फरीसीहोन ने सुनायो हइ कि यीशु यहून्ना से जादा सेवक बनास अरु उनखे बपतिस्मा देस हइ.

2 अगर यीशु खुद नी क्युकी ओका सेवक बपतिस्मा देता था,

3 तब उ यहूदीयाहोन खे छोडी खे फिर गलील खे चली गयो,

4 अरु ओखे सामरिया से हुइखे जानो जरूरी थो.

5 येकालिये उ सूखार नामक सामरिया का एक नगर तक आयो, जो वा जमीन का पास हइ जेखे याकूब ने अपनो बेटो यूसुफ खे दियो थो.

6 अरु याकूब को कुव्वो भी वहीं थो, यीशु रस्ता को थक्यो हुयो उ कुव्वा पर मे बठी गयो, अरु या बात नजीकपास दुपेर का टेम हइ.

7 इत्ता मे एक सामरिया बय पानी भरन खे अय, यीशु ने ओकासे बोल्यो, “मेखे पानी पिला.”

8 ओका चेलाहोन तो नगर मे खानो मोल लेन खे गए था.

9 वा सामरी बय ने ओकासे बोल्यो, “तू यहूदी हुइखे मेखे सामरी बय से पानी क्यु मागस हइ?” क्युकी यहूदी सामरिहोन का साथ कोय प्रकार को व्यवहार नी रखे.

10 यीशु ने जवाब दियो, “अगर तू परमेश्वर को वरदान खे जानती अरु यो भी जानती कि उ कोन हइ जो तरा से बोलस हइ, मेखे पानी पिला का ते तू ओकासे मागती का अरु उ तोखे जिवन को पानी देती.”

11 बय ने ओकासे बोल्यो, “हे स्वामी, तरा पास पानी भरन खे तो कुछ हइ भी नी, अरु कुव्वो खोल हइ. ते फिर उ जिवन को पानी तरा पास खा से आयो?

12 का तू हमारो बाप याकूब से बडो हइ, जेने हमखे यो कुव्वो दियो. अरु खुद ही अपना सन्तान अरु अपना जनवरहोन समेत ओमे से पीयो?”

13 यीशु ने ओखे जवाब दियो, “जो कोय यो पानी पीये उ फिर प्यासो हुये.



14 पर जो कोय उ पानी मे से पीये जो मी ओखे दियु, उ फिर पिडमपिडि तक प्यासो नी हुये. क्युकी जो पानी मी ओखे दियु, उ ओमे एक झरनो बनी जाये, जो अनन्त जिवन का लिये उमडतो न्हिये”

15 बय ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, उ पानी मेखे दे ताकिस मी प्यासी नी हुयु अरु नी पानी भरन खे इत्ता दूर आयु.”

16 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “जा, अपना अदमी खे ह्या बुलैखे ला.”

17 बय ने जवाब दियो, “मी बिना अदमी की हइ,”

यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तू ठीक बोलस हइ, मी बिना अदमी की हइ.”

18 क्युकी तू पाच अदमी करी चुकी हइ, अरु जोका पास तू अब हइ उ भी तरो अदमी नी यो तोने सच्ची बोल्यो हइ.”

19 बय ने ओकासे बोल्यो, हे प्रभु, मेखे लगस हइ कि तू भविष्यव्दक्ता हइ.

20 हमारा बाप दादाहोन ने यो टेकडा पर परमेश्वर कि आराधना करी, अरु तुम बोलस हुये कि वा जगा झा आराधना करन खे होनु व्हा यरुशलेम मे हइ.स

21 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “हे बय, मरी बात को विश्वास कर कि उ टेम आयो हइ कि तुम नी ते या टेकडि पर बाप को भजन कर्ये, नी यरुशलेम मे.

22 \*तुम जेखे नी जाने, ओको भजन करस हइ. अरु हम जेखे जानस हइ, ओको भजन करस हइ. क्युकी उध्दार यहूदीहोन मे से हइ.

23 पर उ टेम आयो हइ, क्युकी अब भी हइ, जेमे सच्चो भक्त बाप की आराधना आत्मा अरु सच्चीय से कर्ये, क्युकी बाप अपना लिये असोय भक्तहोन खे दूढस हइ.

24 परमेश्वर आत्मा हइ, अरु जरूरी हइ कि ओकी आराधना करणआला आत्मा अरु सच्चीइ से आराधना करणु.”

25 बय ने ओकासे बोल्यो, “मी जानुस हइ कि मसीह जो ख्रिस्त बोलस हइ, आनआला हइ. जब उ आहो ते हमखे सब बातहोन बतै दिये.”

26 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “मी जो तरा से बोली रो हइ , उ हइ.”

~~~~~

27 इत्ता मे ओका सेवक अय गया , अरु अचम्बो करण लग्या कि वा बय से बात करी रो हइ. फिर भी कोय ने नी पूछ्यो, “तू का चाहस हइ?” या “को का लिये ओकासे बात करस हइ?”

28 तब बय अपनो मडका खे छोडी खे नगर मे चली गइ, अरु इन्सानहोन से बोलन लगी,

29 “एक इन्सान खे देख्यो, जो ने सब कुछ जो मेने कर्यो मेखे बतय दियो का योही तो मसीह नी हइ?”

30 तब वे नगर से नीकली खे ओका पास आन लग्या.

31 इत्ता मे ओका सेवक यीशु से या प्रार्थना करण लग्या, “हे गुरु, कुछ ले.”

32 पर ओने उनसे बोल्यो, “मरा पास खान का लिये असो खानो हइ जेखे तुम नी जाने.”

33 तब सेवकहोन ने आपस मे बोल्यो, “का कोय ओका लिये कुछ खान खे लायो हइ?”

34 यीशु ने उनसे बोल्यो, “मरो खानो यो हइ, कि अपना भेजनआला की इच्छा का अनुसार चल्तू अरु ओको काम पूरो कर्यु.

35 का तुम नी बोले, ‘पीक काटना मे अब भी चार महीना बाकी हइ’ देखनु, मी तुम से बोलुस हइ, अपनी आखहोन उठैखे खेतहोन पर नजर डालनु, कि वे काटन का लिये पकी चुक्या हइ.

36 अरु काटन आलो मजुरी पास का अरु अनन्त जिवन का लिये फल बटोरस हइ, ताकि बोनआलो अरु काटन आलो दोइ झन मीलीखे खुशी मनाये.

37 क्युकी येका पर या खावत ठीक बटस हइ ‘बोनआलो अरु हइ काटन आलो अरु.’*

38 मेने तुमखे उ खेत काटन का लिये भेज्यो जोमे तुम ने मेहनत नी कर्यो दुसरा ने मेहनत कर्यो अरु तुम उनका मेहनत का फल मे हिस्सेदार हुया.”

~~~~~

39 अरु उ नगर का भोत सा सामरीहान ने वा बय का बोलना से यीशु पर विश्वास कर्यो. जो ने या गवय दी थी, कि ओने सब कुछ जो मेने कर्यो हइ, मेखे बतै दियो.

40 तब जब या सामरी ओका पास अय, ते ओकासे प्रार्थना करण लगी कि हमारा ह्या न्हे, अरु उ व्हा दो दिन तक न्हियो.

41 अरु ओका वचन का कारण अरु भी भोतझन ने विश्वास कर्यो.

42 अरु वा बय से बोल्यो, “अब हम तरा बोलना मे से विश्वास नी कन्हे. क्युकी हमने खुद ही सुनी लियो, अरु जानस हइ कि यो सच मुच ही जगत को उद्धारकर्ता हइ.”

~~~~~

43 फिर उन दो दिन का बाद उ व्हा से नीकलीखे गलील खे गयो.

44 क्युकी यीशु ने खुद ही गवय दी कि भविष्यवक्ता अपना देस मे सम्मान नी पाय.

45 जब उ गलील मे आयो, ते गलीली खुशी का साथ ओकासे मील्यो. क्युकी जोत्ता काम ओने यरुशलेम मे त्योहार का टेम मे कर्या था, उनने वे सब खे देख्यो थो , क्युकी वे भी त्योहार मे गया था.

46 तब उ फिर गलील का काना मे आयो, झा ओने पानी खे अंगूर को रस बनायो थो उ राजा को एक कर्मचारी थो जोको बेटो कफरनहूम मे बीमार थो.

47 उ यो सुनीखे कि यीशु यहूदीया से गलील मे अय गयो हइ, ओका पास गयो अरु ओकासे प्रार्थना करण लग्यो कि चलीखे मरा बेटा खे अच्छो करी दे क्युकी उ मरना पर हइ.

48 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “जब तक तुम चिन्ह अरु अद्भुत काम नी देख्ये तब तक कभी भी विश्वास नी कर्ये”✧

49 राजा का कर्मचारी ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, मरा बेटा का मरना से पैयले चल.”

50 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “जा, तरो बेटो जिन्दो हइ”

उ इन्सान ने यीशु की बोली हुइ बात पर विश्वास कर्यो अरु चली गयो.

51 उ रस्ता मे थो, कि ओका सेवक ओकासे अयखे मील्यो अरु बोलन लग्या, “तरो बेटो जिन्दो हइ.”

52 ओने उनसे पूछ्यो, “कोय घडी उ अच्छो होन लग्यो?” उनने ओकासे बोल्यो, “कल सातवा घण्टा मे ओको ज्वर उतरी गयो.”

53 तब बाप जानी गयो कि यो उ घडी हुयो जो घडी यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तरो बेटो जिन्दो हइ,” अरु ओने अरु ओका पुरा घराना ने विश्वास कर्यो.

54 यो दूसरो चिन्ह थो जो यीशु ने यहूदीया से गलील मे अयखे दिखायो.

5

~~~~~

1 या बातहान का बाद यहूदीयाहान को एक त्योहार हुयो, अरु यीशु यरुशलेम खे गयो.

2 यरुशलेम मे मेडा का फाटक का पास एक कुण्ड हइ, जो इब्रानी भाषा मे बैतहसदा बोलस हइ, अरु ओका पाच ओसरी हइ.

3 येका मे भोत सा बीमार, अंधा, लगडा अरु सूख्या आंग आला पानी का हलान की आस मे पड्या न्हेता था.

4 क्युकी चुन्या टेम पर परमेश्वर का स्वर्गदूत कुण्ड मे उतरीखे पानी खे हलायो करता था पानी हलाते मे जो कोय पैयले उतरतो, उ अच्छो हुइ जातो थो, चाह्यो ओकी कोय बीमारी क्यु नी हो.

5 व्हा एक इन्सान थो, जो अडतीस साल से बीमारी मे पड्यो थो.

6 यीशु ने ओखे पड्यो हुयो देखीखे अरु यो जानीखे कि उ भोत दिनहोन से योही दशा मे पड्यो हइ, ओकासे पूछ्यो “का तू अच्छो होनो चाहस हइ?”

7 उ बीमार ने ओखे जवाब दियो, “हे स्वामी, मरा पास कोय इन्सान नी, कि जब पानी हलायो जाये, ते मेखे कुण्ड मे उतारनु. पर मरा पहुचते-पहुचते दूसरो मरासे पैयले उतरी जास हइ.”

8 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “उट, अपनी खटिया उठा अरु चल फिर.”

9 उ इन्सान तुरुत अच्छो हुइ गयो,

अरु अपनी खटिया उठैइखे चलन फिरन लग्यो.

10 उ अराम को दिन थो, येका लिए यहूदीया ओकासे जो अच्छो हुयो थो, बोलन लग्यो, “आज तो अराम को दिन हइ, तोखे खटिया उठानो अच्छो नी.”

11 ओने उनखे जवाब दियो, “जेने मेखे अच्छो कर्यो, ओने मरासे बोल्यो, अपनी खटिया उठैइखे चल फिर.”

12 उनने ओकासे पुछ, “उ कोन इन्सान हइ, जो ने तरा से बोल्यो, खटिया उठा अरु चल फिर?”

13 पर जो अच्छो हुइ गयो थो, उ नी जानतो थो कि उ कोन हइ. क्युकी वा जगा मे गर्दी होना कारण यीशु व्हा से हटी गयो थो.

14 या बातहोन का बाद उ यीशु खे मन्दिर मे मील्यो, तब ओने ओकासे बोल्यो, “देख, तू तो अच्छो हुइ गयो हइ. फिर से पाप मत करणु, असो नी हुये कि येका से कोय भारी विपत्ति तरा पर अय पड्ये.”

15 उ इन्सान ने जैइखे यहूदीयाहोन से बोली दियो, कि जो ने मेखे अच्छो कर्यो, उ यीशु हइ.

16 यो वजेसे यहूदीया यीशु खे सतान लग्या, क्युकी उ असो-असो काम अराम का दिन करतो थो.

17 येका पर यीशु ने उनसे बोल्यो, “मरो बाप अब तक काम करस हइ, अरु मी भी काम करस हइ.”

18 येका वजेसे यहूदीया अरु भी जादा ओखे मारी डालन की कोशीस करण लग्या, कि उ नी फक्त आराम का दिन की विधी खे तोडतो, पर परमेश्वर खे अपनो बाप बोलीखे, अपना आप खे परमेश्वर का बराबर ठहरातो थो.

~~~~~

19 येका पर यीशु ने उनसे बोल्यो, मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, बेटो खुद से कुछ नी करी सकतो; फक्त उ जो बाप खे करते देखस हइ, क्युकी जो काम होन खे उ करस हइ, उनखे बेटो भी उ रीति से करस हइ.

20 क्युकी बाप बेटा से प्रेम करस हइ. अरु जो-जो काम उ खुद करस हइ, उ सब ओखे दिखस हइ. अरु उ इनसे भी बडा काम ओखे दिखाये का ताकि तुम अचम्बो करणु.

21 क्युकी जसो बाप मन्या हुया खे उठास अरु जिलास हइ, ओसो ही बेटो भी जेखे चाहस हइ, उनखे जिलास हइ.

22 बाप कोय को न्याय भी नी कहे, पर न्याय करण को सब काम बेटा खे सोपी दियो हइ,

23 येका लिए कि सब इन्सान जसो बाप को सम्मान करस हइ ओसो मे बेटा को भी सम्मान करणु. जो बेटा को सम्मान नी कहे, उ बाप खे जेने ओखे भेज्यो हइ, सम्मान नी कहे.

24 मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, जो मरो वचन सुनीखे मरा भेजनआला पर विश्वास करस हइ, अनन्त जिवन ओको हइ, अरु ओका पर दण्ड की आज्ञा नी होती पर उ मरना से पार हुइखे जिवन मे प्रवेश करी चुक्यो हइ.

25 “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, उ टेम आस हइ, अरु अब हइ, जेमे मर्यो परमेश्वर का बेटा को शब्द सुन्ये का अरु जो सुन्ये वे जीये.

26 क्युकी जो रीति से बाप अपना आप मे जिवन रखस हइ, उ रीति से ओने बेटा खे भी यो अधिकार दियो हइ कि अपना आप मे जिवन रखनु.

27 अगर ओखे न्याय करण को भी अधिकार दिया हइ, येका लिए कि उ इन्सान को बेटो हइ.

28 येका से अचम्बो मत करणु. क्युकी उ टेम आस हइ, कि जोत्ता कब्रहोन मे हइ, ओको शब्द सुनीखे नीकल्ये.

29 जेने भलाइ करी हइ, वे जिवन का पुनरुत्थान का लिये जी उठये अरु जेने बुरोइ करी हइ, वे दण्ड का पुनरुत्थान का लिये जी उठये. *

~~~~~

30 "मी अपना आप से कुछ नी करी सकु जसो सुनुस हइ, ओसो न्याय करस हइ, अरु मरो धर्मी सच्चो हइ. क्युकी मी अपनी इच्छा नी खे पर अपनो भेजन आला की इच्छा चाहुस हइ.

31 "अगर मी खुद मे अपनी गवइ दियु. ते मरी गवइ सच्ची नी.

32 एक अरु हइ जो मेरी गवइ देस हइ, अरु मी जानुस हइ कि मरी जो गवइ उ देस हइ, वा सच्ची हइ.

33 तुम ने यहून्ना से पुछ्यो अरु ओने सच्ची की गवइ दी हइ.

34 पर मी अपना बारे मे इन्सान की गवइ नी चाहु. फिर भी मी या बातहोन येका लिये बोलुस हइ, कि तुमखे उध्दार मील्ये.

35 उ तो जलस अरु चमकतो हुयो दिवो थो. अरु तुमखे कुछ देर तक ओका उजाला मे मगन होनो अच्छा लग्यो.

36 पर मरा पास जो गवइ हइ, उ यहून्ना की गवइ से बडी हइ क्युकी जो काम बाप ने मेखे पूरो करण खे सोप्यो हइ अगर योही काम जो मी करस हइ, वे मरा गवाह हइ, कि बाप ने मेखे भेज्यो हइ.

37 अरु बाप जो ने मेखे भेज्यो हइ, ओ ने मरी गवइ दी हइ तुम ने नी कभी ओकी आवाज सुन्यो, अरु नी ओको रुप देख्यो हइ.

38 अरु ओको वचन खे मन मे स्थिर नी रख्ये क्युकी जेखे ओने भेज्यो तुम ओका पर विश्वास नी कहे.

39 तुम पवित्रशास्त्र मे ढूँडस हइ, क्युकी समझस हइ कि ओमे अनन्त जिवन तुमखे मीलस हइ, अरु यो उ हइ, जो मरी गवइ देस हइ.

40 फिर भी तुम जिवन पान का लिये मरा पास आनो नी चाह्ये.

41 "मी इन्सानहोन से सम्मान नी चाहु.

42 पर मी तुमखे जानुस हइ, कि तुम मे परमेश्वर को प्रेम नी.

43 मी अपना बाप को नाम से आयो हइ, अरु तुम मेखे ग्रहण नी कहे. अगर कोय अरु अपना ही नाम से आयो, ते ओखे ग्रहण करी लिये.

44 तुम जो एक दूसरा से सम्मान चाहस हइ अरु उ सम्मान जो एकमात्र परमेश्वर का तरफ से हइ, नी चाह्ये, कि कोय प्रकार विश्वास करी सकस हइ?

45 यो नी समझनु कि मी बाप का सामने तुम पर दोस लगाह्यु, तुम पर दोस लगानआलो तो हइ, यानेकी मूसा हइ जेका पर तुम ने भरोसो रख्यो हइ.

46 क्युकी अगर तुम मूसा पर विश्वास करस, ते मरा पर भी विश्वास करस, येका लिए कि ओने मरा बारे मे लिख्यो हइ.\*

47 पर अगर तुम ओकी लिखी हुइ बातहोन पर विश्वास नी कहे, ते मरी बातहोन पर का विश्वास कर्ये?"

## 6

~~~~~

(~~~~~ 14:13-21; ~~~~~ 6:30-44; ~~~~~ 9:10-17)

- 1 या बातहोन का बाद यीशु गलील को तललाव मंनजे तिबिरियुस की तलाव का पार गयो.
- 2 अरु एक बडी गर्दी ओका पीछे हुइ गइ क्युकी जो आश्चर्य कर्म उ बीमारहोन पर दिखातो थो वे उनखे देखेता था.
- 3 तब यीशु टेकडी पर चडीखे अपना सेवक होन का साथ व्हा बठयो.
- 4 अरु यहूदीयाहोन को फसह को त्योहार पास थो.
- 5 तब यीशु ने अपनी आखहोन उठचैखे एक बडी गर्दी खे अपना पास आते देख्यो, अरु फिलिप्पुस ने बोल्यो, “हम इनखे खान का लिये खा से रोटी मोल लाह्या?”
- 6 पर ओने या बात ओखे परखन का लिये बोली. क्युकी उ खुद जानतो थो कि उ का कयें.
- 7 फिलिप्पुस ने ओखे जवाब दियो, “दो सौ सिक्का की रोटी भी उनका लिये पूरी नी हुये कि उनमे से हर एक खे थोड़ी-थोड़ी मीली जाये.”
- 8 ओका सेवक होन मे से शमोन पतरस को भैइ अन्द्रियास ने ओकासे बोल्यो ,
- 9 “ह्या एक पोयाँ हइ, जोका पास जौ की पाच रोटी अरु दो मच्छीहोन हइ, पर इत्ता दुन्या का लिये वे का हइ.”
- 10 यीशु ने बोल्यो, “दुन्याहोन कि बठचैइ दे” वा जगा भोत घास था, तब वे दुन्या जो गिनती मे नजीकपास पाच हजार था, बठी गा.
- 11 तब यीशु ने रोटीहोन लीखे अरु धन्यवाद करीखे बठन आलाहोन खे बाटी खे बाटी दी. अरु ओसो मे मच्छीहोन मे से जोतनी वे चाहता था बाटी दि.
- 12 जब वे खैइ खे मगम हुइ गया, ते ओने अपना सेवक होन से बाटी ले बोलयो, “बच्या हुया टुकडा से बारा टोपली जमा करी ले, कि कुछ फेक्यो नी जाये.”
- 13 येका लिये उनने जमा हुया, अरु जौ की पाच रोटीहोन का टुकडा जो खानआला से बची न्हि थो, उनकी बारह टोपलीहोन भरी.
- 14 तब जो आश्चर्यकर्म ओने करी दिखायो ओखे वे इन्सान देखी खे बोलन लग्या. कि “उ भविष्यवक्ता जो जगत मे आनआलो थो जरुरत योही हइ.” *
- 15 यीशु यो जानीखे कि वे ओखे राजो बनान का लिये अयखे पकडनो चाहस हइ, फिर टेकडी पर अयखेलो चले गयो.

~~~~~

(~~~~~ 14:22-33; ~~~~~ 6:45-52)

- 16 फिर जब संज्जा हुइ, ते ओका सेवक होन से झील का किनारा गया,
- 17 अरु डोंगा पर चडीखे झील का पार कफरनहूम खे बिदा करण लग्यो वा टेम अधारो हुइ गयो थो, अरु यीशु अभी तक उनका पास नी आयो थो.
- 18 अरु आधी करण झील मे लहरहोन उठन लगी.
- 19 तब जब वे खेते-खेते तीन चार मील का नजीकपास नीकली गया, ते उनने यीशु खे झील पर चलता, अरु डोंगा का पास आते देख्यो, अरु डरी गया.
- 20 पर ओने उनसे बोल्यो, हिम्मत रख मी आयो, डरनु मत.
- 21 तब वे ओखे डोंगा पर चडैइ देन का लिये तैयार हुया अरु जल्दी उ डोंगा उ जमीन पर जा पहुच्यो जहा उ जातो थो.

~~~~~

22 दूसरा दिन वा गर्दी ने जो झील का पार खडी थी, यो देख्यो, कि यो एक खे छोडी खे अरु कोय छोटा डोंगा नी थो, अरु यीशु अपना सेवक होन का साथ वा डोंगा पर नी चडयो, पर फक्त ओका सेवक मे गया था.

23 ते भी अरु छोटी डोंगाहोन तिबिरियुस से वा जगा पास अय, झा उनने प्रभु खे धन्यवाद करण का बाद रोटी खय थी.

24 जब गर्दी ने देख्यो, कि ह्या नी यीशु हइ, अरु नी ओका सेवक, ते वे भी छोटी-छोटी डोगाहोन पर चडी खे यीशु खे ढुढतो हुया कफरनहूम खे पहुच्या.

~~25 अरु झील का पार ओकासे मीलीखे बोल्यो, “हे गुरु, तू ह्या कब आयो?”~~

25 अरु झील का पार ओकासे मीलीखे बोल्यो, “हे गुरु, तू ह्या कब आयो?”
26 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, तुम मेखे येका लिए नी दूढस हइ कि तुम ने चमत्कार काम देख्या, पर येका लिए कि तुम रोटीहोन खैइ खे तृप्त हुया.

27 नाशवान खाना का लिये परिश्रम नी करणु, पर उ खाना का लिये जो अनन्त जिवन तक ठैइरस हइ, जेखे इन्सान को बेटो तुमखे दिये क्युकी बाप खे मंजजे परमेश्वर ने ओका पर नीशान करी दी हइ.”

28 उनने ओकासे बोल्यो, “परमेश्वर काम कारण का लिये हम खे करणु?”

29 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “परमेश्वर को काम यो हइ, कि तुम ओका पर जेखे ओने भेज्यो हइ, विश्वास करणु.”

30 तब उनने ओकासे बोल्यो, “फिर तू कोन सो चिन्ह दिखास हइ कि हम ओखे देखीखे तरा पर विश्वास करणु? तू कोन सो काम दिखास हइ?

31 हमारा बुजुरुखहोन ने जंगल मे मेडो खायो. जसो लिख्यो हइ, ‘ओने उनखे खान का लिये स्वर्ग से रोटी दी.’”

32 यीशु ने उनसे बोल्यो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ कि मूसा ने तुमखे वा रोटी स्वर्ग से नी दी, पर मरो बाप तुमखे सच्ची रोटी स्वर्ग से देस हइ.

33 क्युकी परमेश्वर की रोटी वाइ हइ, जो स्वर्ग से उतरीखे जगत खे जिवन देस हइ.”

34 तब उनने ओकासे बोल्यो, “हे स्वामी, या रोटी हमखे हमेशा दिया करणु.”

35 यीशु ने उनसे बोल्यो, “जिवन की रोटी मी हइ जो मरा पास आह्ये उ कभी भूखो नी हुये अरु जो मरा पर विश्वास कर्ये उ कभी प्यासो नी हुये.

36 पर मेने तुम से बोल्यो, कि तुम ने मेखे देखी भी लियो हइ, ते भी विश्वास नी कर्ये.

37 जो कुछ बाप मेखे देस हइ वे सब मरा पास अह्ये का अरु जो कोय मरा पास आह्ये ओखे मी कभी नी नीकालीयु.

38 क्युकी मी अपनी इच्छा नी क्युकी अपना भेजनआला की इच्छा पूरी करण का लिये स्वर्ग से उतर्यो हइ.

39 अरु मरा भेजनआला की इच्छा या हइ कि जो कुछ ओने मेखे दियो हइ, ओमे से मी कुछ नी खोयु पर ओखे अन्नत दिन फिर जिन्दो उठायु.

40 क्युकी मरा बाप की इच्छा या हइ, कि जो कोय बाप खे देख्ये का अरु बेटा पर विश्वास कर्यु, उ अन्नत जिवन पाये. अरु मी ओखे अनन्त दिन मे फिर जिन्दो उठायु.”

41 तब यहूदीया ओका पर कुरकुर करण लग्या, येका लिए कि ओने बोल्यो थो, “जो रोटी स्वर्ग से उतरी खे वा मी हइ.”

42 अरु उनने बोल्यो “ का यो यूसुफ को बेटो यीशु नी, जोका माय बाप खे हम जानस हइ? ते उ क्यु बोलस हइ कि मी स्वर्ग से उतर्यो हइ?”

43 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “आपस मे मत कुरकुरानु.

44 कोय मरा पास नी अय सक्ये का जब तक बाप जेने मेखे भेज्यो हइ, ओखे खीची नी ले. अरु मी ओखे अन्नत दिन फिर जिला उठायु.

45 भविष्यवक्ताहोन कि किताबहोन मे यो लिख्यो हइ वे सब परमेश्वर का तरफ से सिखाया हुया हुये खे जेखे कोय ने बाप से सुन्यो अरु सीख्यो हइ, उ मरा पास आस हइ. *

46 यो नी, कि कोय ने बाप खे देख्यो हइ पर जो परमेश्वर का तरफ से हइ, फक्त ओ ने बाप खे देख्यो हइ.

47 मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, कि जो कोय विश्वास करस हइ, अनन्त जिवन ओ को हइ.

48 जिवन की रोटी मी हइ.

49 तुमारा बुजुरुखहोन ने जंगल मे मन्ना खायो अरु मरी गया.

50 या वा रोटी हइ जो स्वर्ग से उतरस हइ ताकि इन्सान ओमे से खाये अरु नी मर्ये.

51 जिवन की रोटी जो स्वर्ग से उतरी मी आय अगर कोय या रोटी मे से खाये ते कभी भी जीवित न्हिये. अरु जो रोटी मी जगत कि जिवन का लिये दिह्यु, उ मरो मास हइ.”

52 येका पर यहूदीया यो बोलीखे आपस मे झगडन लग्या, “यो इन्सान कसो हमखे अपनो मास खान खे दि सकस हइ?”

53 यीशु ने उनसे बोल्यो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ जब तक इन्सान का बेटा को मास नी खाये, अरु ओको खुन नी पीयेका तुम मे जिवन नी.

54 जो मरो मास खास अरु मरो खुन पीस हइ, अनन्त जिवन ओ को हइ, अरु मी अन्नत दिन फिर ओखे जिन्दो उठाह्यो.

55 क्युकी मरो मास वास्तव मे खान की चिज हइ अरु मरो खुन वास्तव मे पीन की चिज हइ.

56 जो मरो मास खाये अरु मरो खुन पीस हइ, उ मरा मे स्थिर बन्यो हँस हइ, अरु मी ओमे.

57 जसो जीन्दा बाप ने मेखे भेज्यो अरु मी बाप का करण जिन्दो हइ ओसा मे उ भी जो मेखे खाये मरा कारण जिन्दो न्हिये.

58 जो रोटी स्वर्ग से उतरी या हइ, बुजुरुखहोन का जसा नी कि खायेका अरु मरी गया. जो कोय या रोटी खाये उ कभी भी जिन्दो न्हिये.”

59 ये बातहोन ओने कफरनहूम का एक आराधनालय मे उपदेस देता टेमा बोली.

~~~~~

60 येका लिये ओका सेवकहोन मे से भोतजन ने यो सुनीखे बोल्यो, “या तो कठोर शिक्षा हइ. येखे कोन मानी सकस हइ?”

61 यीशु ने अपना मन मे यो जानीखे कि मरा सेवक आपस मे या बात पर कुरकुर करीस हइ, उनसे पूछ्यो का “या बात से तुमखे ठोकर लगस हइ?

62 अरु अगर तुम इन्सान का बेटा खे झा उ पैयले थो, व्हा उपर जाता देख्ये का ते हुये?\*

63 आत्मा तो जिवनदायक हइ, आंग से कुछ लाभ नी जो बातहोन मेने तुम से बोली हइ वे आत्मा हइ, अरु जिवन भी हइ.

64 पर तुम मे से खेताने असो हइ जो विश्वास नी कन्हे” क्युकी यीशु तो पैयले मे से जानतो थो कि जो विश्वास नी कर्येका वे कोन हइ. अरु कोन मेखे पकडाये.

65 अरु ओने बोल्यो, “येका लिये मेने तुम से बोल्यो थो कि जब तक कोय खे बाप का तरफ से यो वरदान नी दियो जाये तब तक उ मरा पास नी अय सक्ये.”

66 येका पर ओका सेवक होन मे से भोत सारा उल्टा फिरी गया अरु येका बाद ओका साथ नी चल्यो.

67 तब यीशु ने उन बारा जन से बोल्यो का “तुम भी चली जानु चाहस हइ?”

68 शमीन पतरस ने ओखे जवाब दियो, “हे प्रभु, हम कोका पास जाये? अनन्त जिवन की बातहोन तो तरा ही पास हइ.

69 अरु हमने विश्वास कर्यो, अरु जानी गया हइ, कि परमेश्वर पवित्र जन तू ही हइ.”

70 यीशु ने उनखे जवाब दियो का “मेने तुम बारा झन खे नी चुनी लियो? ते भी तुम मे से एक इन्सान सैतान हइ.”

71 यो ओने शमीन इस्करियोती को बेटो यहूदा का बारे मे बोल्यो, क्युकी योही जो उन बारा जन मे से थो, ओखे पकडान खे थो.

## 7

~~~~~

1 या बातहोन का बाद यीशु गलील में फिरतो न्हियो, क्युकी यहूदी ओखे मारी डालन का शाजीस करी न्हा था, येकालिये उ यहूदीया में फिरनो नी चाहतो थो.

2 अरु यहूदीहोन कि एक तिवार झोपडिहोन को तिवार पास थो. *

3 येकालिये ओका भैइहोन ने ओकासे बोल्थो, “ह्या से कूच करीखे यहूदीया में चली जा, कि जो काम तू करस हइ, उनखे तरा सेवक भी देख्ये.

4 क्युकी असो कोइ नी हुये जो प्रसिद्ध होनो चाह्ये, अरु रुखी खे काम कर्ये अगर तू यो काम करस हइ, ते अपना आप खे जगत पर प्रगट कर.”

5 क्युकी ओका भैइ भी ओका पर विश्वास नी करता था.

6 तब यीशु ने उनसे बोल्थो, “मरो टेम अभी नी आयो. पर तुमारा लिये सब टेम हइ.

7 जगत तुम से बैर नी कर सक्ये, पर उ मरासे बैर करस हइ, क्युकी मी ओका विरोध में या गवय देउस हइ, कि ओको काम बुरो हइ.

8 तुम त्योहार में जाओ. मी अभी यो त्याहार में नी जउ, क्युकी अभी तक मरो टेम पूरो नी हुयो.”

9 उ उनसे या बातहोन बोलीखे गलील में हीं गयो.

~~~~~

10 पर जब ओका भैइ त्योहार में चली गया, ते उ खुद में प्रगट में नी, पर माननु गुप्त हुइखे गया.

11 यहूदी त्योहार में ओखे यो बोलीखे दूढ़न लग्या कि “उ खा हइ?”

12 अरु दुन्या में ओका बारे चुपखे-चुपखे भोत सी बातहोन हुइ कत्ता बोलता था, “उ अच्छो इन्सान हइ” अरु कत्ता बोलता था, “नी, उ दुन्याहोन खे भरमास हइ.”

13 ते भी यहूदीहोन का डर का मारे कोय इन्सान ओका बारे में खुली खे नी बोलतो थो.

14 अरु जब त्योहार का आधो दिन बीती गयो. ते यीशु मन्दिर में जैइखे उपदेस करण लग्यो.

15 तब यहूदीहोन ने अचम्बो करीखे बोल्थो, “येखे बिन पडी शिक्षन कसी अय गइ?”

16 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “मरो उपदेस मरो नी, पर मरो भेजनआला को हइ.

17 अगर कोय ओकी इच्छा पर चलनो चाह्ये, ते उ यो उपदेस का बारे में जानी जाये कि उ परमेश्वर का तरफ से हइ, या मी अपना तरफ से बोलूस हइ.

18 जो अपना तरफ से कुछ बोलस हइ, उ अपनी में बढाइ चाहस हइ. पर जो अपना भेजनआला की बडाइ उ चाहस हइ उ सच्ची हइ, अरु ओमें बुरोकाम नी.

19 का मूसा ने तुमखे व्यवस्था नी दी? ते भी तुम में से कोय व्यवस्था पर नी चले, तुम का मेखे मारी डालनो चाहस हइ?”

20 दुन्याहोन ने जवाब दियो “तरा में बुरीआत्मा हइ! कोन तोखे मारी डालनो चाहस हइ?”

21 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “मेने एक काम कर्यो, अरु तुम सब अचम्बो करस हइ.

22 यो कारण मूसा ने तुमखे खतना की आज्ञा दी हइ, यो नी कि उ मूसा का तरफ से हइ पर बुरुकहोन से चली अय हइ, अरु तुम अराम का दिन खे इन्सान को खतनो करस हइ. \*

23 जब अराम का दिन इन्सान को खतनो कर्या जास हइ ताकि मूसा की व्यवस्था की आज्ञा टली नी जाये, ते तुम मरा पर का येकालिये घुस्सा करस हइ, कि मेने अराम का दिन एक इन्सान का पूरी रीति से अच्छो कर्यो.

24 मुडो देखीखे धर्मी नी करणु, पर ठीक-ठीक न्याय करणु.”\*

~~~~~


25 तब कत्ताने यरुशलेम वासीहोन बोलन लग्या, “का यो उ नी, जेखे मारी डालन की कोशिश कर्यो जय रो हइ?

26 पर देखनु, उ तो खुल्लमखुल्ला बातहोन करस हइ अरु कोय ओकासे कुछ नी बोले. का मुमकीन हइ कि मुखियोहोन ने सच्ची सच्ची जानी लियो हइ. कि योही मसीह हइ?

27 येखे तो हम जानस हइ, कि यो खा को हइ. पर मसीह जब आह्ये, तो कोइ नी जान्ये कि उ खा को हइ.”

28 तब यीशु ने मन्दिर मे उपदेस देते हुये पुकारी खे बोल्यो, “तुम मेखे जानस हइ कि यो भी जानस हइ कि मी खा को हइ, मी तो खुद से नी आयो पर मरो भेजन आलो सच्ची हइ, ओखे तुम नी जाने.

29 मी ओखे जानुस हइ. क्युकी मी ओका तरफ से हइ अरु ओने मेखे भेज्यो हइ.”

30 येका पर उनने ओखे पकडनो चाह्यो ते भी कोय ने ओका पर हात नी डाल्यो, क्युकी ओको टेम अब तक नी आयो थो.

31 अरु गर्दी मे से भोतजन ने ओका पर विश्वास कर्यो, अरु बोलन लग्या, “मसीह जब आह्ये, ते का येकासे जादा चिन्ह खे दिखाये जो येने दिखाया?”

~~~~~

32 फरीसीहोन ने दुन्याहोन खे ओका बारे मे या बातहोन लुकीखे-लुकीखे करता सुन्यो. अरु मुखियो याजकहोन अरु फरीसीहोन ने पकडन खे सेवक भेज्या.

33 येका पर यीशु ने बोल्यो, “मी थोडि देर तक अरु तुमारा साथ हइ. तब अपना भेजन आला का पास चली जायु.

34 तुम मेखे दूढये का पर नी पाये अरु झा मी हइ, व्हा तुम नी अय सक्ये.”

35 यहूदीहोन ने आपस मे बोल्यो, यो खा जाये कि हम येखे नी पाये? का उ उनका पास जाये जो यूनानीहोन मे तितर-बितर हइ खे ज्हेस हइ, अरु यूनानीहोन खे भी उपदेस दिये?

36 या का बात हइ जो उनने बोली कि तुम मेखे दूढये का पर नी पाये: अरु झा मी हइ, व्हा तुम नी अय सक्ये?

~~~~~

37 फिर त्योहार का अन्नत दिन, जो मुख्य दिन हइ, यीशु खडो हुयो अरु पुकारी खे बोल्यो, “अगर कोइ प्यासो हइ ते मरा पास आनु अरु पीनु. ✱

38 जो मरा पर विश्वास कर्ये, जसो पवित्रशास्त्र मे आयो हइ, ‘ओका अंदर से जिवन कि पानी की नदिहोन बोहय नीकल्ये.’”

39 ओने यो वचन या आत्मा का बारे मे बोल्यो, जो ओका पर विश्वास करण आला पाना पर था. क्युकी आत्मा आब तक नी उतरी थी, क्युकी यीशु आब तक अपनी महिमा खे नी पहुच्यो थो. ✱

~~~~~

40 तब गर्दी मे से कोइ-कोइ ने या बातहोन सुनी खे बोल्यो, “सच मुच योही उ भविष्यवक्ता हइ.” ✱

41 दुसराहोन ने बोल्यो, “यो मसीह हइ,” पर कोय ने बोल्यो,

“क्यु? का मसीह गलील से आह्ये?

42 का पवित्रशास्त्र मे नी आयो कि मसीह दाउद का वंश से अरु बैतलहम गाव से आह्ये, झा दाउद हेतो थो?” ✱

43 अन्नत ओका कारण दुन्याहोन मे फूट पडि.

44 उनमे से कत्ताने ओखे पकडनो चाहता था, पर कोय ने ओका पर हात नी डाल्यो.

~~~~~

45 तब सेवकहोन मुखियो याजकहोन अरु फरीसीहोन का पास आह्ये, अरु उनने उनसे बोल्यो, “तुम ओखे क्यु नी लाये?”

- 46 सेवकहोन ने जवाब दियो, “कोय इन्सान ने कभी असी बातहोन नी करी.”
- 47 फरीसीहोन ने उनखे जवाब दियो, “का तुम भी भरमाया गया हइ.”
- 48 का मुखियोहोन या फरीसीहोन मे से कोय ने भी ओका पर विश्वास कर्यो हइ?
- 49 पर ये इन्सान जो व्यवस्था नी जाने “का हमारी व्यवस्था कोय इन्सान खे जब तक पैयले ओकी सुनीखे जानी नी ले कि उ का करस हइ. दोषी ठहरास हइ?”
- 50 नीकुदेमुस ने जो पैयले ओका पास आयो थो अरु उनमे से एक थो, उनसे बोल्यो,
- 51 “का हमारी व्यवस्था कोय इन्सान खे जब तक पैयले ओकी सुनीखे जानी नी ले कि उ का करस हइ; दोषी ठहरास हइ?”
- 52 उनने ओखे जवाब दियो, “का तू भी गलील को हइ? दूढ़ अरु देख, कि गलील से कोय भविष्यव्यक्ता प्रगत नी होन को.”
- 53 तब सब कोय अपना-अपना घर चली गया.

8

~~~~~

- 1 पर यीशु जेतून कि टेकडी पर गयो.
- 2 अरु फजर खे फिर मन्दिर मे आयो, अरु सब इन्साहोन ओका पास आया. अरु उ बठीखे उनखे शिक्षन देन लग्यो.
- 3 तब शास्त्री अरु फरीसी एक बय खे लैइ जो व्यभिचार मे पकडी गइ थी, अरु ओखे बीच मे खडी करीखे यीशु से बोल्यो,
- 4 “हे गुरु, या बय व्यभिचार करते पकडी गइ हइ.
- 5 व्यवस्था मे मूसा ने हमखे आज्ञा दी हइ कि असी बयहोन खे पत्थराव करणु. अन्नत तू या बय का बारे मे का बोलस हइ?” \*
- 6 उनने ओखे परखनन का लिये या बात बोली ताकि ओका पर इलजम लगान का लिये कोय बात पाये का पर यीशु झुकी खे उंगली से जमीन पर लिखन लग्यो.
- 7 जब वे ओकासे पुछता न्हिया, ते उ सीधो हइ खे उनसे बोलीखे, “तुम मे जो नीष्पाप हुये उ पैयले ओखे पत्थर मारनु.”\*
- 8 अरु फिर झुकी खे जमीन पर उंगली से लिखन लग्यो.
- 9 पर वे यो सुनी खे बापदादा से लीखे छोटा तक एक-एक करीखे नीकली गया, अरु यीशु अयखेलो न्हि गयो, अरु बय व्हा बीच मे खडी न्हि गइ.
- 10 यीशु ने सीधो हइ खे ओकासे बोल्यो, “हे बय, वे खा गया? कोय ने तरा पर दण्ड की आज्ञा नी दी?”
- 11 ओने बोल्यो, “हे प्रभु, कोय ने नी”
- यीशु ने बोल्यो, “मी भी तरा पर दण्ड की आज्ञा नी देउ. जा अरु फिर पाप नी करणु.”

~~~~~

- 12 तब यीशु ने फिर दुन्याहोन से बोल्यो, “जगत की ज्योति मी हइ. जो मरा पीछे अह्यो खे उ अंधारा मे नी चल्ये का पर जिवन की ज्योति पाये.”*
- 13 फरीसीहोन ने ओकासे बोल्यो “तू अपनी गवइ खुद देउस हइ. तरी गवइ सच्ची नी.”
- 14 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “अगर मी अपनी गवइ खुद देउस हइ, ते भी मरी गवइ सच्ची हइ, क्युकी मी जानुस हइ, कि मी खा से आयो हइ अरु खा खे जाउस हइ? पर तुम नी जाने कि मी खा से आयो हइ या खा खे जउस हइ.
- 15 तुम आंग का जसो न्याय करस हइ. मी कोय को न्याय नी करु.
- 16 अरु अगर मी न्याय कर्हु भी, ते मरो न्याय सच्ची हइ. क्युकी मी अयखेलो नी, पर मी बाप का साथ हइ, जो ने मेखे भेज्यो हइ.

17 अरु तुमारी व्यवस्था मे भी लिख्यो हइ. कि दो जनहोन की गवइ मीलीखे सच्ची होस हइ.

18 एक तो मी खुद अपनी गवइ देउस हइ, अरु दूसरो बाप मरी गवइ देउस हइ जो ने मेखे भेज्यो.”

19 उनने ओकासे बोल्यो,

“तरो बाप खा हइ?” यीशु ने जवाब दियो, “नी तुम मेखे जानस हइ, नी मरा बाप खे अगर मेखे जानस, ते मरो बाप खे भी जानता.”

20 ये बातहोन ओने मन्दिर मे उपदेस देता हुये दान घर मे बोली, अरु कोय ने ओखे नी पकड्यो. क्युकी ओको टेम अब तक नी आयो थो.

~~~~~

21 ओने फिर उनसे बोल्यो, “मी जउस हइ, अरु तुम मेखे दूढये अरु अपना पाप मे मर्ये. झा मी जउस हइ, व्हा तुम नी अय सक्ये.”

22 येका पर यहूदीयाहोन ने बोल्यो का उ अपना आप खे मारी डाल्येका जो बोलस हइ, “झा मी जउस हइ

व्हा तुम नी अय सक्ये?”

23 ओने उनसे बोल्यो, “तुम नीचे का हइ, मी उपर को हइ. तुम जगत का हइ, मी जगत को नी.

24 येका लिए मेने तुम से बोल्यो, कि तुम अपना पापहोन मे मर्ये. क्युकी अगर तुम विश्वास नी कर्ये कि मी उ हइ, ते अपना पापहोन मे मर्ये.”

25 उनने ओकासे बोल्यो, “तू कोन हइ?”

यीशु ने उनसे बोल्यो, “उ हइ जो सुरुवात से तुम से बोलतो आयो हइ.

26 तुमारा बारे मे मेखे भोत कुछ बोलनो अरु नीर्णय करणो हइ पर मरो भेजनआलो सच्ची हइ. अरु जो मेने ओकासे सुन्यो हइ, उ जगत से बोलस हइ”

27 वे नी समझे कि हम बाप का बारे मे बोलस हइ.

28 तब यीशु ने बोल्यो, “जब तुम इन्सान का बेटा खे उच्चा पर चढाये का ते जान्ये कि मी उ हइ, अरु अपना आप से कुछ नी कर्येका पर जसो मरो बाप ने मेखे सिखायो, असो ही या बातहोन बोलुस हइ.

29 अरु मरो भेजनआलो मरा साथ हइ. ओने मेखे एखलो नी छोड्यो. क्युकी मी हमेशा उ काम करस हइ, जेका से उ प्रसन्न होस हइ.”

30 उ या बातहोन बोली न्हो थो, कि भोतजन ने ओका पर विश्वास कर्यो.

~~~~~

31 तब यीशु ने वे यहूदीयाहोन से जिन्ह ओका पर विश्वास कर्यो थो, बोल्यो, “अगर तुम मरा वचन मे बन्या न्हियेका ते सच मुच मरा सेवक ठैड्यो.

32 अरु सच्चाइ खे जान्येका अरु सच्चाइ तुमखे स्वतंत्रता कर्ये.”

33 उनने ओखे जवाब दियो, “हम तो अब्राहम का वंश से हइ, अरु कभी कोय, सेवक नी हुया. फिर तू क्यु बोलस हइ, कि तुम स्वतंत्र हुये जाये?”

34 यीशु ने उनखे जवाब दियो, “मी तुम से सच्ची-सच्चीची बोलुस हइ कि जो कोय पाप करस हइ, उ पाप को सेवक हइ.

35 अरु सेवक कभी भी घर मे नी न्है. बाप हमेशा हेंस हइ. *

36 येका लिए अगर बाप बेटा खे स्वतंत्रता कर्हे ते सच्ची मे तुम स्वतंत्रता हुइ जाये.

37 मी जानुस हइ कि तुम अब्राहम का वंश से हइ. तो भी मरो वचन तुमारा मन मे जगा नी पाय, येका लिए तुम मेखे मारी डालनो चाहस हइ.

38 मी उ बोलुस हइ, जो अपना बाप खे ह्या देखस हइ. अरु तुम उ करता न्हैस हइ जो तुम ने अपना बाप से सुन्यो हइ.”

39 उनने ओखे जवाब दियो,

“हमारो बाप तो अब्राहम हइ.” यीशु ने उनसे बोल्यो,

“अगर तुम अब्राहम का सन्तान होस, ते अब्राहम का जसो काम करता.

40 पर अब तुम मेखे जसो इन्सान खे मारी डालनो चाहस हइ, जो ने तुमखे उ सच्ची वचन बतायो जो परमेश्वर से सुन्यो, यो ते अब्राहम ने नी कर्यो थो.

41 तुम अपना बाप का जसा काम करस हइ”

उनने ओकासे बोल्यो, “हम व्यभिचार से नी जन्मो, हमारो एक बाप हइ यानेकी परमेश्वर.”

42 यीशु ने उनसे बोल्यो, “अगर परमेश्वर तुमारो बाप होतो, ते तुम मरासे प्रेम रखता. क्युकी मी परमेश्वर मे से नीकलीखे आयो हइ. मी खुद से नी आयो, पर ओ ने मेखे भेज्यो.

43 तुम मरी बात क्यु नी समझे? येका लिए कि मरो वचन सुनी नी सक्ये.

44 तुम अपना बाप सैतान से हइ, अरु अपना बाप की लालसाहोन खे पूरो करणो चाहस हइ उ ते सुरुवात से खुनी हइ, अरु सच्चीचाइ पर स्थिर नी हँ, क्युकी सच्ची ओमे हइ ही नी. जब उ झूठ बोलस, ते अपना स्वभाव मे से बोलस हइ. क्युकी उ झूठो हइ, क्युकी झूठ को बाप हइ.

45 पर मी जो सच्ची बोलस हइ, येका लिए तुम मरो विश्वास नी कर्ये.

46 तुम मे से कोन मेखे पापी ठेइरास हइ? अरु अगर मी सच्ची बोलुस हइ, ते तुम मरो विश्वास क्यु नी कर्ये?

47 जो परमेश्वर से होस हइ, उ परमेश्वर की बातहोन सुनस हइ. अरु तुम येका लिए नी सुनस कि परमेश्वर की तरफ से नी हइ.”

2222 22 2222 2222 22 2222 2222

48 यो सुन्यो यहूदीयाहोन ने ओकासे बोल्यो “हम ठीक नी बोले, कि तू सामरी हइ, अरु तुम मे बुरीआत्मा हइ?”

49 “यीशु ने जवाब दियो,” मरा मे बुरीआत्मा नी. पर मी अपना बाप को आदर करुस हइ, अरु तुम मरो नीरादर करुस हइ.

50 पर मी अपनी महिमा नी चाहु का हव, एक हइ जो चाहस हइ, अरु न्याय करस हइ.

51 मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ कि अगर कोय इन्सान मरा वचन पर चले का ते उ पिडमपिडि तक मरना खे नी देख्ये.

52 यहूदीयाहोन ने ओकासे बोल्यो, “अब हमने जानी लियो कि तरा मे बुरीआत्मा हइ अब्राहम मरी गयो, अरु भविष्यवक्ता भी मरी गए हइ अरु तू बोलस हइ, ‘अगर कोय मरो वचन पर चल्ये ते उ पिडमपिडि तक मरना को सवाद नी चल्ये.’

53 हमारो बाप अब्राहम ते मरी गयो, तू ओकासे बडो हइ? अरु भविष्यवक्ता भी मरी गया, तू अपना आप खे ठेइरास हइ?”

54 यीशु ने जवाब दियो, “अगर मी खुद अपनी महिमा करु, ते मरी महिमा कुछ नी, पर मरी महिमा करण आलो मरो बाप हइ, जेखे तुम बोलस हइ, कि उ हमारो परमेश्वर हइ.

55 अरु तुम ने तो ओखे नी जान्यो पर मी ओखे जानुस हइ. अरु अगर बोलु कि मी ओखे नी जानू, ते मी तुमारो जसो झूठा ठेइरायु पर मी जानुस, अरु ओका वचन पर चलुस हइ.

56 तुमारो बाप अब्राहम मरा दिन देखन की आस से भोत मगन थो. अरु ओने देख्यो, अरु खुशी करी.”

57 यहूदीयाहोन ने ओकासे बोल्यो, “अब तक तू पचास साल को नी, फिर भी तोने अब्राहम खे देख्यो हइ?”

58 यीशु ने उनसे बोल्यो, “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, कि पैयले येका कि अब्राहम पइदा हुयो मी हइ.”

59 तब उनने ओखे मारन का लिये पत्थर उठायो, पर यीशु लुकीखे मन्दिर से नीकली गयो.

9

~~~~~

- 1 फिर जाता हुआ ओने एक इन्सान खे देख्यो, जो जन्म से अंधो थो.
- 2 अरु ओका सेवक होन ने ओकासे पूछ्यो, “हे गुरु, कोय ने पाप कर्यो थो कि यो अंधो जन्म्यो यो इन्सान ने या ओकी माय बाप ने?”
- 3 यीशु ने जवाब दियो, “नी ते येने पाप कर्यो थो, नी येका माय बाप ने पर यो येका लिए हुयो, कि परमेश्वर का काम ओमे प्रगट हुये.
- 4 जो ने मेखे भेज्यो हइ. हमखे ओका मे दिन हीस दिन मे करणो जरुरती हइ वा रात आनआली हइ जोमे कोय काम नी करी सकतो.
- 5 जब तक मी जगत मे हइ, तब तक जगत को उजालो हइ.”\*
- 6 यो बोलीखे ओने जमीन पर थूक्यो अरु उ थूक से मट्टी छासनी, अरु वा मट्टी उ अंधा का आखहोन पर लगैइखे.
- 7 ओकासे बोल्थो, “जा, शीलोह का कुण्ड मे धोइ ले” शीलोह को अर्थ भेज्यो हुयो हइ अन्नत ओने जैइखे ले, अरु देखता हुआ लौटी आयो.\*
- 8 तब पडोसी अरु जिन्हे पैयले ओखे भीख मागते देख्यो थो, बोलन लग्या “यो उ नी जो बढ्यो भीख माग्या करतो थो?”
- 9 कुछ दुन्या ने बोल्थो, “यो उ हइ,” दुसरा जन ने बोल्थो नी,
- 10 पर ओका जसो हइ ओने बोल्थो, “मी उ हइ.”
- 11 “तब वे ओकासे पूछन लग्या?” तरी आखहोन कसी खुली गइ.
- 12 ओने जवाब दियो, “यीशु नामको एक इन्सान ने मट्टी छाानी, अरु मरा आखहोन पर लगैइखे मरासे बोल्थो, शीलोह मे जैइखे धोइ ले, ते मी गयो, अरु धोइ खे देखन लग्यो.”
- 13 उनने ओकासे पूछ्यो, “उ खा हइ?”
- 14 ओने बोल्थो, “मी नी जानु.”

~~~~~

- 13 इन्सान जो पैयले अंधो थो फरीसीहोन का पास ली गयो.
- 14 जो दिन यीशु ने मट्टी छाानी खे ओकी आखहोन खोली थी उ अराम को दिन थो.
- 15 फिर फरीसीहोन ने भी ओकासे पूछ्यो. तरी आखहोन कोनता रीति से खुली गइ? ओने उनसे बोल्थो, “ओने मरी आखहोन पर मट्टी लगइ, फिर मेने धोइ लियो, अरु अब देखुस हइ.”
- 16 येका पर कइ फरीसी बोलन लग्या, “यो इन्सान परमेश्वर का तरफ से नी, क्युकी उ अराम का दिन नी मानतो” दुसरा ज्ञान ने बोल्थो,
- 17 “पापी इन्सान कसो असो चिन्ह दिखैइ सकस हइ?” अन्नत उनमे फूट पिडी.
- 18 उनने उ अंधा से फिर बोल्थो, “ओने जो तरी आखहोन खोली, तू ओका बारे मे का बोलस हइ?” ओने बोल्थो,
- 19 “यो भविष्यवद्क्ता हइ.”
- 20 पर यहूदीयाहोन खे विश्वास नी हुयो कि यो अंधो थो अरु अब देखस हइ जब तक उनने ओका माय बाप खे जोकी आखहोन खुली गइ थी, बुलैइ खे.
- 21 उनसे पूछ्यो “का यो तुमारी बेटो हइ, जेखे तुम बोलस हइ कि अंधो जन्म्यो थो? फिर अब कसो देखस हइ?”
- 22 ओका माय-बाप ने जवाब दियो, “हम तो जानस हइ कि यो हमारो बेटो हइ, अरु अंधो जन्म्यो थो.
- 23 पर हम यो नी जानस हइ कि अब कसो देखस हइ. अरु नी यो जानस हइ, कि कोय ने ओका आखहोन खोली. उ सयानो हइ. ओका से पुछी ले. उ अपना बारे मे बोली दिये.”

22 या बातहोन ओका माय-बाप ने येका लिए बोली क्युकी वे यहूदीयाहोन से डरता था. क्युकी यहूदीया एकमत हइ चुक्या था, कि अगर कोय बोल्ये कि उ मसीह हइ, ते आराधनालय से नीकाली जाये.

23 यो कारण ओका माय बाप ने बोल्यो, “उ सयानो हइ. ओका से पूछी ले.”

24 तब उनने उ इन्सान खे जो अंधो थो दूसरी बार बुलैइ खे ओकासे बोल्यो, “परमेश्वर की महिमा कर. हम तो जानस हइ कि उ इन्सान पापी हइ.”

25 ओने जवाब दियो, “मी नी जानु कि उ पापी हइ या नी मी एक बात जानूस हइ कि मी अंधो थो अरु अब देखुस हइ.”

26 उनने ओकासे फिर बोल्यो, “ओने तरा साथ का कर्यो? अरु कोनता तरीका से तरी आखहोन खोली?”

27 ओने उनसे बोल्यो, “मी तो तुम से बोली चुक्यो, अरु तुम ने नी सुन्यो. अब दूसरी बार क्यु सुननो चाहस हइ? का तुम भी ओका सेवक होनु चाहस हइ?”

28 तब वे ओखे बुरो-भलो बोलीखे बोल्या, “तू ही ओको चेलो हइ. हम तो मूसा का सेवक हइ.

29 हम जानस हइ कि परमेश्वर ने मूसा से बातहोन बोली. पर यो इन्सान खे नी जाने की खा को हइ.”

30 ओने उन खे जवाब दियो, “यो तो अचम की बात हइ कि तुम नी जाने की खा को हइ तेभी ओने मरी आखहोन खोली दी.

31 हम जानस हइ कि परमेश्वर पापीहोन की नी सुने पर अगर कोय परमेश्वर को भक्त हइ, अरु ओकी इच्छा पर चलस हइ, ते उ ओकी सुनस हइ.

32 जगत कि सुरुवात से यो कभी सुनना मे नी आयो, कि कोय ने भी जन्म का अंधा की आखहोन खोली हो.

33 अगर यो इन्सान परमेश्वर का तरफ से नी होतो, ते कुछ भी नी करी सकतो.”

34 उनने ओखे जवाब दियो, “तू तो बिलकुल पापहोन मे जन्म्यो हइ, तू हम खे का सिखास हइ?” अरु उनने ओखे भइर नीकाली दियो.

~~~~~

35 यीशु ने सुन्यो, कि उनने ओखे बाहेर नीकाली दियो हइ. अरु जब ओकासे मील्यो हइ ते बोल्यो “तू परमेश्वर का बेटा पर विश्वास करस हइ?”

36 ओने जवाब दियो, “हे प्रभु, उ कोन हइ कि मी ओका पर विश्वास करु?”

37 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तोने ओखे देख्यो भी हइ. अरु जो तरा साथ बातहोन करी न्हो हइ उ हइ.”

38 ओने बोल्यो, “हे प्रभु, मी विश्वास करुस हइ” अरु ओखे प्रणाम कर्यो.

39 तब यीशु ने बोल्यो, “मी यो जगत मे न्याय का लिये आयो हइ, ताकि जो नी देखे वे देख्ये का अरु जो देखस हइ वे अंधा हइ जाये.”

40 जो फरीसी ओका साथ था, उनने या बातहोन सुनी खे ओकासे बोल्यो, “हम भी अंधा हइ?”

41 यीशु ने उनसे बोल्यो, “अगर तुम अंधा होस ते पापी नी टैरता पर अब बोलुस हइ, कि हम देखस हइ, येका लिए तुमारा पाप बन्यो न्हैस हइ.

## 10

~~~~~

1 “मी तुम से सच्ची सच्ची बोलुस हइ, कि जो कोइ दरवाजा से मेडा कि खोली मे अंदर नी कर्ये का पर अरु कोय दुसरा से चडी जास हइ का उ चोर अरु डाकू हइ.

2 पर जो दरवाजा से अंदर प्रवेश करस हइ उ व्हा मेढाहोन को चरवाहा हइ.

3 येका लिये द्वारपाल दरवाजो खोली देस हइ, अरु मेढाहोन ओकी आवाज शब्द सुनस हइ, अरु उ अपना मेढाहोन का नाम ली लीखे बुलास हइ बाहेर ली जास हइ.

4 अरु जब उ अपनी सब मेढाहोन खे बाहेर नीकाली चुक्यो हइ, ते उनका आगे आगे चलस हइ, अरु मेढाहोन ओका पीछे-पीछे चली जास हइ. क्युकी वे ओकी आवाज पहचानस हइ.

5 पर वे दुसरा का पीछे नी जायेका पर ओकासे भाग्येका क्युकी वे दुसरा को आवाज नी पहचाने."

6 यीशु ने उनसे यो दृष्टान्त बोल्यो, पर वे नी समझे कि या बातहोन हइ जो वह हम से बोलस हइ.

~~~~~

7 तब यीशु ने उनसे फिर बोल्यो, "मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, कि मेढाहोन को दरवाजा मी हइ.

8 जोत्ता मरासे पैयले आया. वे सब चोर अरु डाकू हइ, पर मेढाहोन ने उनकी नी सुनी.

9 दरवाजो मी हइ. अगर कोय मरा वजेसे अंदर प्रवेश कर्ये ते उध्दारपाये अरु अंदर बाहर आह्ये-जाये कर्ये अरु चारो पाये.

10 चोर कोइ अरु काम का लिये नी पर फक्त चोरी करण अरु मारन खे अरु खेत्म खे आस हइ, मी येका लिए आयो कि वे जिवन पायेका अरु भोतायत से पाये.

11 "अच्छो चरानआलो मी आय. अच्छो चरानआलो मेडा का लिये अपनो जान देस हइ.

12 मजूर जो नी चरानआलो हइ, अरु नी मेढाहोन को मालिक हइ, लाडगाहोन खे आते हुया देख्यो, मेढाहोन खे छोडी खे भागी जास हइ, अरु लाडगाहोन उनखे पकडस अरु इधर-उधर करी देस हइ.

13 उ येका लिए भागी जास हइ कि उ मजूर हइ, अरु ओखे मेडाहोन की चिन्ता नी

14 अच्छो चरानआलो मी आय. मी अपनी मेडाहोन खे जानुस हइ, अरु मरा मेडाहोन मेखे जानस हइ.

15 जसो बाप मेखे जानस हइ, अरु मी बाप खे जानुस हइ, अरु मी मेडाहोन, लिये अपनो जान देउस हइ.

16 मरा अरु भी मेडा हइ, जो यो मेडा खोली की नी. मेखे उन खे भी लानो जरूरती हइ, वे मरो आवाज सुन्ये. तब एक मे झुण्ड अरु एक मे चरानआलो हुये.

17 "बाप येका लिए मरासे प्रेम रखस हइ, कि मी अपनो जान देउस हइ, कि ओखे फिर ली लियु.

18 कोय ओखे मरासे छीने नी, क्युकी मी ओखे खुद मे देउस हइ, मेखे ओखे देन को अधिकार हइ, अरु ओखे फिर लेन को भी अधिकार हइ, या आज्ञा मरो बाप से मेखे मीली हइ."

19 या बातहोन का कारण यहूदीयाहोन मे फिर फूट पडी.

20 उनसे मे भोत जन बोलन लगया, "ओमे बुरीआत्मा हइ, अरु उ पागल हइ. ओकी क्यु सुनस हइ?"

21 दुसरा ने बोल्यो, "या बातहोन असो इन्सान की नी जोमे बुरीआत्मा हइ, बुरीआत्मा अंधा की आख खोली सकस हइ?"

~~~~~

22 यरुशलम मे समर्पन त्योहार हुयो, अरु ठड को दिन थो.

23 अरु यीशु मन्दिर मे सुलेसमान कि ओसरी मे घुमीरो थो.

24 तब यहूदीयाहोन ने ओखे अय घेर्यो अरु पूछ्यो, "तू हमारा मन खे कब तक तखलीप मे रख्ये? अगर तू मसीह हइ, ते हम से सपा बोली दे."

25 यीशु ने उनखे जवाब दियो, "मेने तुम से बोली दियो, अरु तुम विश्वास कन्हे ही नी, जो काम मी अपना बाप का नाम से करुस हइ वे य मरा गवा हइ.

26 पर तुम येका लिए विश्वास नी कन्हे, कि मरा मेडाहोन मे से नी हइ.

27 मरा मेडाहोन मरो आवाज सुनस हइ, अरु मी उनखे जानुस हइ, अरु वे मरा पीछे पीछे चलस हइ.

28 अरु मी उनखे अनन्त जिवन देउस हइ, अरु वे कभी नाश नी हुये कि अरु कोय उनखे मरा हात से छीनी नी लिये.

29 मरो बाप, जो ने उनखे मेखे दियो हइ, सबसे बडो हइ, अरु कोय उनखे बाप का हात से छीनी नी सक्ये.

30 मी अरु बाप एक हइ.”

31 यहूदीयाहोन ने ओखे पत्थराव करण खे फिर पत्थर उठाया.

32 येका पर यीशु ने उनसे बोल्यो, “मेने तुमखे अपना बाप का तरफ से भोत सा भला काम दिखाया हइ, उनमे से कोनता काम का लिये तुम मेखे पत्थराव करस हइ?”

33 यहूदीयाहोन ने ओखे उत्तर दियो, “अच्छो काम का लिये हम तोखे पथर नी मारा, पन परमेश्वर की नीन्दा का कारण अरु येका लिये कि तू इन्सान हुयखे अपना आप खे परमेश्वर बनास हइ.” ✱

34 यीशु ने उनखे जवाब दियो “तुम्हारी व्यवस्था मे नी लिख्यो हइ कि ‘मेने बोल्यो, तु प्रभु हइ?’” ✱

35 अगर ओने उनखे प्रभु बोल्यो जिन का पास परमेश्वर को वचन पहुच्यो अरु पवित्रशास्त्र की बात लुकी नी हइ सक्ये.

36 ते जेखे बाप ने पवित्र ठेइरी खे जगत मे भेज्यो हइ, तुम ओकासे बोलस हइ, तू नीन्दा करस हइ येका लिए कि मेने बोल्यो, मी परमेश्वर को बेटो हइ?

37 अगर मी अपना बाप को काम नी करु, ते मरो विश्वास नी करणु.

38 पर अगर मी करस हइ, ते चाह्यो मरो विश्वास नी भी करणु, पर वे काम होन पर विश्वास करणु, ताकि तुम जान्येका अरु समझे, कि बाप मरा मे हइ, अरु मी बाप मे हइ.”

39 तब उनने फिर ओखे पकडन कि कोशीस कर्यो पर उ उनका हात से नीकली गयो

40 फिर उ यरदन नदी का पार वा जगा पर चली गयो, झा यहून्ना पैयले बपतिस्मा दिया करतो थो, अरु वही न्हियो.

41 अरु भोत सारा ओका पास अयखे बोलता था, “यहून्ना ने ते कोय चिन्ह नी दिखायो, पर जो कुछ यहून्ना ने येका बारे मे बोल्यो थो उ सब सच्ची थो.”

42 अरु उ भोतजन ने ओका पर विश्वास कर्यो.

11

~~~~~

1 मरियम अरु उसकी भैइन मार्था को गाव बैतनीय्याह को लाजर नाम एक इन्सान बीमार थो.

2 या उ मरियम थी जेने प्रभु पर अत्रर डालीखे ओका पायहोन खे अपना बालहोन से पोछ्यो थो, ओ को भैइ लाजर बीमार थो.

3 तब ओकी भैइनहोन ने ओखे बुलाओ भेज्यो, “हे प्रभु, देख, जोका से तू प्रेम करस हइ, उ बीमार हइ.”

4 यो सुनीखे यीशु ने बोल्यो, “या बीमारी मरन की नी, पर परमेश्वर की महिमा का लिये हइ, कि ओका वजेसे परमेश्वर का बेटा की महिमा हुये.”

5 अरु यीशु, मार्था अरु ओकी भैइन अरु लाजर से प्रेम रखतो थो.

6 जब ओने सुन्यो, कि उ बीमार हइ, ते जो जगा पर उ थो, व्हा दो दिन अरु ठैरी गयो.

7 फिर ओका बाद ओने सेवक होन से बोल्यो, “ओका हम फिर यहूदीया खे चल्हे.”

8 सेवक होन ने ओकासे बोल्यो, “हे गुरु, अभी तो यहूदीया तोखे पत्थराव करणो चाहतो थो, अरु तू फिर भी वही जास हइ?”

9 यीशु ने जवाब दियो “ का दिन बारा घंटा नी होय? अगर कोय दिन मे चल्यो, ते ठोकर नी खाता, क्युकी यो जगत को उजालो देखस हइ.

10 पर अगर कोय रात खे चल्ये का ते ठोकर खास हइ, क्युकी ओमे उजालो नी.”

11 ओने या बातहोन बोली, अरु येका बाद उनसे बोलन लग्यो, “हमारी दोस्त लाजर सोइ गयो हइ, पर मी ओखे जगान जउस हइ.”

12 तब सेवक होन ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, अगर उ सोइ गयो हइ, ते बची जाये.”

13 यीशु ने तो ओका मरना का बारे मे बोल्यो थो पर वे समझ्या कि ओने नीद से सोइ जाना का बारे मे बोल्यो.

14 तब यीशु ने उनसे साफ बोली दियो, “लाजर मरी गयो हइ.

15 अरु मी तुमारा कारण खुश हइ कि मी व्हा नी थो जोका से तुम विश्वास करणु. पन अब आ हम ओका पास चले.”

16 तब थोमा ने जो दिदिमुस बोलस हइ, अपना साथ का सेवक होन से बोल्यो, “ओका हम भी ओका साथ मरन खे चल्यो.”

~~~~~

17 फिर यीशु खे अयखे यो मालूम हुयो कि ओखे कब्र मे रख्या चार दिन हुइ चुक्या हइ.

18 बैतनीय्याह यरुशलेम का सामने कोय दो मील की दूरी पर थो.

19 अरु भोत सा यहूदीया मार्था अरु मरियम का पास उनका भैइ का बारे मे शांती देन का लिये आया था.

20 जब मार्था यीशु को आन को समाचार सुनैखे ओकासे मीलन खे गइ, पर मरियम घर मे बठी रहि.

21 मार्था ने यीशु से बोल्यो, “हे प्रभु, अगर तू ह्या होतो, ते मरो भैइ कभी नी मरतो.

22 अरु अब भी मी जानुस हइ, कि जो कुछ तू परमेश्वर से माग्ये परमेश्वर तोखे दिये.”

23 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तरो भैइ जी उठयो.”

24 मार्था ने ओकासे बोल्यो, “मी जानूस हइ, अन्नत दिन मे पुनरुत्थान का टेम उ जी उठये.”

25 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “पुनरुत्थान अरु जिवन मी आय, जो कोय मरा पर विश्वास करस हइ उ अगर मरी भी जाये ते भी जीये.

26 अरु जो कोइ जिन्दी हइ, अरु मरा पर विश्वास करस हइ, उ पिडमपिडि तक नी मर्येका तू या बात पर विश्वास करस हइ?”

27 ओने ओकासे बोल्यो, “हव, हे प्रभु, मी विश्वास करी चुकी हइ, कि परमेश्वर को बेटो मसीह जो जगत मे आनआलो थो, उ तू हीस हइ.”

~~~~~

28 यो बोलीखे वा चली गइ, अरु अपनी भैइन मरियम खे चुपचाप से बुलैखे बोल्यो, “गुरु ह्यही हइ, अरु तोखे बुलास हइ.”

29 यो सुनते ही जल्दी उठीखे ओका पास अय.

30 यीशु अभी गाव मे नी पहुच्यो थो, पर उ जगा मे थो झा मार्था ने ओकासे दान करी थी.

31 तब जो यहूदीया ओका साथ घर मे था, अरु ओखे शांती दि ज्हा था, यो देखीखे कि मरियम जल्दी उठीखे बाहर गइ हइ अरु यो समझी खे कि उ कब्र पर रोन खे जास हइ, ओका पीछे गइ.

32 जब मरियम व्हा पहुची झा यीशु थो, ते ओखे देखता ही ओका पायहोन पर गिरीखे बोल्यो, “हे प्रभु, अगर तू ह्या होतो ते मरो भैइ नी मरतो.”

33 जब यीशु ने ओखे अरु वे यहूदीयाहोन खे जो ओका साथ आया था रोते हुया देख्यो, ते आत्मा मे भोत मे उदास अरु व्याकुल हुयो,

34 अरु बोल्यो, “तुम ने ओखे खाहा रख्यो हइ?” उनने ओकासे बोल्यो,

“हे प्रभु, चलीखे देखी ले.”

35 यीशु रोयो

36 तब यहूदीया बोलन लग्या, “देखनु, उ ओकासे कसो प्रेम करतो थो.”

37 पर उनमे से केत्ता ने बोल्यो “का यो जेने अंधा की आखहोन खोली, यो भी नी करी सक्यो कि यो इन्सान नी मरतो?”

~~~~~

38 यीशु मन में फिर भोत में उदास हुईं कब्र पर आयो, वा एक गुफा थी, अरु एक पत्थर ओका पर रख्यो थो.

39 यीशु ने बोल्यो, “पत्थर खे उठाव” उ मर्यो हुया की भैइन मार्या ओकासे बोलन लग्यो, “हे प्रभु, अब तो ओमे से बास आस हइ, क्युकी ओखे मर्या चार दिन हइ गया.”

40 यीशु ने ओकासे बोल्यो “का मेने तरा से नी बोल्यो थो कि अगर तू विश्वास कर्येका ते परमेश्वर की महिमा खे देख्ये.”

41 तब उनने उ पत्थर खे हटायो, फिर यीशु ने आखहोन उठैइखे बोल्यो, “हे बाप, मी तरो धन्यवाद करुस हइ कि तोने मरी सुनी ली हइ.

42 अरु मी जानतो थो, कि तू हमेशा मेरी सुनस हइ, पर जो गर्दी आस-पास खडी हइ, उनका कारण मेने यो बोल्यो, जोका से कि वे विश्वास कर्येका कि तोने मेखे भेज्यो हइ.”

43 यो बोलीखे ओने बडा आवाज से पुकार्यो, “हे लाजर, नीकलीखे आ!”

44 जो मरी गयो थो, उ कफन से हात पाय बध्या हुयो नीकलीखे आयो अरु ओको मेडो कपडो से लिपटयो हुयो थो यीशु ने उनसे बोल्यो, “ओखे खोलीखे अरु जान दे”

~~~~~

(~~~~~ 26:1-5; ~~~~~ 14:1; 2; ~~~~~ 2:1; 2)

45 तब जो यहूदीया मरियम का पास आया था अरु ओको यो काम देख्यो थो, उनमे से भोत जन ने ओका पर विश्वास कर्यो.

46 पर उनमे से खे त्ता ने फरीसीहोन का पास जैइखे यीशु का काम होन को समाचार दियो.

47 येका पर प्रधान याजकहोन अरु फरीसीहोन ने मुख्य सभा का दुन्याहोन खे जमा करीखे बोल्यो, “हम कारस का हइ? यो इन्सान तो भोत चिन्ह बतास हइ.

48 अगर हम ओखे असो में छोडी दिये, ते सब ओका पर विश्वास ली आह्ये अरु रोमी अयखे हमारी जगा अरु राष्ट्रहोन दोइ पर अधिकार करी लिये.”

49 तब उनमे से कैफा नाम एक इन्सान ने जो उ साल को महायाजक थो, उनसे बोल्यो, “तुम कुछ नी जाने.

50 अरु नी यो सोचस हइ, कि तुमारा लिये यो अच्छो हइ, कि दुन्या का लिये एक इन्सान मर्ये, अरु नी यो कि पुरो जातहोन नाश हुये.”

51 या बात ओने अपना तरफ से नी बोली, पर उ साल को महायाजक हुईखे भविष्यवाणी करीखे कि यीशु वे राष्ट्रहोन का लिये मर्ये.

52 अरु नी फक्त वे राष्ट्रहोन का लिये क्युकी येका लिए भी, कि परमेश्वर की तितर-बितर सन्तानहोन खे एक करी दिये.

53 अन्नत उ दिन से वे ओखे मारी डालन की सम्मति करण लग्या.

54 येका लिए यीशु वा टेम से यहूदीयाहोन में प्रगट हुईखे नी फर्यो. पर व्हा से जंगल का नजीक पास परदेस को एप्रैम नाम का एक नगर खे चली गयो. अरु अपना सेवक होन का साथ वही न्हेन लग्यो.

55 अरु यहूदीयाहोन को फसह को तीवार पास थो, अरु भोत सारा इन्सान फसह से पैयले दिहात से यरुशलेम खे गया कि अपना आप खे अच्छो करणु.*

56 वे यीशु खे दूदन अरु मन्दिर में खडो हुईखे आपस में बोलन लग्यो, “तुम का समझस हइ? का उ त्योहार में नी आह्ये?”

57 अरु प्रधान याजकहोन अरु फरीसीहोन ने भी आज्ञा दि रखी थी, कि अगर कोय यो जाने कि यीशु खा हइ ते बतानु, कि ओखे पकडी ले.

12

XXXXXXXXXX XX XXXX XX XXXXXXX
(XXXXX 26:6-13; XXXXX 14:3-9)

1 फिर यीशु फसह तिवार से छे दिन पैयले बैतनीय्याह मे आयो, झा लाजर थो. जेखे यीशु ने मर्या हुया मे से जिन्दो लायो थो.

2 व्हा उनने ओका लिये खानो तैयार कयों, अरु मार्या सेवा करी न्हि थी, अरु लाजर उनमे से एक थो, जो ओका साथ खानो खान का लिये बठचा था.

3 तब मरियम ने जटामासी को आधो सेर बहुमूल्य अत्रर लीखे यीशु का पाय पर डाल्यो, अरु अपना बालहोन से ओका पाय पोछ्या, अरु अत्रर की सुगंध से घर सुगन्धित हूइ गयो.

4 पर ओका सेवक होन मे से यहूदा इस्करियोती नाम एक चेलो जो ओखे पकडान पर थो, बोलन लग्यो,

5 “यो अत्रर तीन सौ सिक्का, मे बेचीखे गरीबहोन खे क्यु नी दिया गयो?”

6 ओने या बात येका लिए नी बोली, कि ओखे गरीबहोन की चिन्ता थी का पर येका लिए कि उ चोर थो अरु ओका पास उनकी थैली न्हेंती थी, अरु ओमे जो कुछ डाल्या जातो थो काउ नीकाली लेतो थो.

7 यीशु ने बोल्यो, “ओखे मरा गाडचा जान का दिन का लिये न्हेंन दे.

8 क्युकी गरीब तो तुमारा साथ हमेशा न्हेंस हइ, पर मी तुमारा साथ हमेशा नी न्हियु.”

XXXX XX XXXX XXXX XX XXXXXXX

9 यहूदीयाहोन मे से साधारण दुन्या जानी गया, कि उ व्हा हइ, अरु वे नी फक्त यीशु का कारण आया पर येका लिए भी कि लाजर खे देख्ये का जेखे ओने मन्या हुया मे से जिन्दो थो.

10 तब मुखियो याजकहोन ने लाजर खे भी मारी डालन की सम्मति करी.

11 क्युकी ओका कारण भोट सा यहूदीया चली गया, अरु यीशु पर विश्वास कयों.

XXXX XX XXXXXXX XX XXXX-XXXXXX

(XXXXX 21:1-11; XXXXX 11:1-11; XXXX 19:28-40)

12 दूसरा दिन भोट सा दुन्याहोन ने जो त्योहार मे आया था, यो सुनीखे, कि यीशु यरुशलेम मे अय हों हइ.

13 उनने खारीक की डालिहोन ली, अरु ओकासे मीलन खे नीकल्या, अरु फुकारन लग्या, “होशन्ना! धन्य इस्राएल को राजो, जो प्रभु, नाम से आस हइ.”

14 जब यीशु खे एक गधी को बच्चो मील्यो, ते उ ओका पर बठयो, जसो लिख्यो हइ,

15 “हे सिय्योन की बटी,
मत डर.

देख, तरो राजो गधी का बच्चा पर चड्यो हुयो चल्यो आस हइ.”

16 ओका सेवक या बातहोन पैयले नी समझ्या था. पर जब यीशु की महिमा प्रगट हुइ, ते उनखे याद आयो, कि या बातहोन ओका बारे मे लिखी हुइ थी. अरु दुन्याहोन ने ओकासे यो प्रकार को व्यवहार कयों थो.

17 तब गर्दी का दुन्याहोन ने जो उ टेम ओका साथ था या गवइ दी कि ओने लाजर खे कब्र मे से बुलैइ खे, मन्या हुया मे से जिन्दो थो.

18 यो कारण इन्सानहोन ओकासे दान करण खे आया था क्युकी उनने सुन्यो थो, कि ओने यो आश्चर्यकर्म दिखायो हइ.

19 तब फरीसीहोन ने आपस मे बोल्यो, “सोचनु की तुम इन्सान कुछ नी करी न्हा हइ. देखनु, जगत ओका पीछे हुइ चल्यो हइ.”

XXXX XX XXXXXXX

20 जो इन्सान उ त्योहार मे आराधना करण आया था उनमे से कइ यूनानी था.

21 उनने गलील का बैतसैदा का जेहन आला फिलिप्पुस का पास अयखे स्वामी से प्रार्थना करी,
“श्रीमान हम यीशु से दान करणो चाहस हइ.”

22 फिलिप्पुस ने अयखे अन्द्रियास से बोल्यो. तब अन्द्रियास अरु फिलिप्पुस ने यीशु से बोल्यो.

23 येका पर यीशु ने उनसे बोल्यो, “वा टेम अय गइ हइ, कि इन्सान का बेटा कि महिमा हुये.

24 मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, कि जब तक गहु का दानो जमीन मे गीरी खे मरी नी जाय,
उ एकलो जेस हइ पर जब मरी जास हइ, ते भोत फल लास हइ.

25 जो अपनो जान खे प्रेम जानस हइ, उ ओखे गमइ देस हइ. अरु जो यो जगत मे अपना जान
खे अप्रिय जानस हइ. उ अनन्त जिवन का लिये ओकी रक्षा कर्ये.

26 अगर कोय मरी सेवा कर्ये ते मरा पीछे अय जा. अरु झा मी हइ व्हा मरो सेवक भी हुये. अगर
कोय मरी सेवा कर्ये ते बाप ओको आदर कर्ये.

~~~~~

27 “अब मरी आत्मा अरु मन से व्याकुल हइ, येका लिए अब मी का बोलु हे बाप का मेखे या  
टेम से बचा?” पर मी यो करण से तो मी ह्यातक पहुच्योस हइ.

28 हे बाप अपना नाम की महिमा कर,”

तब या आकाशवाणी हइ, “मेने ओकी महिमा करी हइ, अरु फिर भी कयु.”

29 तब जो इन्सान खडा हुया सुनी ज्हा था, उनने बोल्यो. कि बदल गरज्यो का दुसरा ने बोल्यो,  
“कोय स्वर्गदूत ओकासे बोल्हे.”

30 येका पर यीशु ने बोल्यो का “यो आवाज मरा लिये नी पर तुमारा लिये आयो हइ.

31 अब यो जगत को न्याय होस हइ, अब यो जगत को मुखियो नीकाली दियो जाये.

32 अरु मी अगर पृथ्वी पर से उचो पर चढायो जाये ते सब खे अपना पास खीच्यु.”

33 असो बोलीखे ओने यो प्रगट करी दियो, कि उ कसी मृत्यु से मर्ये.

34 येका पर दुन्याहोन ने ओकासे बोल्यो, “हमने व्यवस्था की या बात सुनइ हइ, कि मसीह कभी  
भी न्हिये का फिर तू का बोलस हइ, कि इन्सान का बेटा खे उचा पर चढायो जानो जरुरत हइ? यो  
इन्सान को बेटो कोन हइ?”

35 यीशु ने उनसे बोल्यो, “ज्योति अब थोड़ी देर तक तुमारा बीच मे हइ, जब तक ज्योति तुमारा  
साथ हइ तब तक चल्यो चलनु. असो नी हो कि अधारो तुमखे अय घेच्यो. जो अधारा मे चलस हइ  
उ नी जाने कि किधर जास हइ

36 जब तक ज्योति तुमारा साथ हइ, ज्योति पर विश्वास करणु कि तुम ज्योति का सन्तान बननु”  
या बातहोन बोलीखे यीशु चली गयो अरु उनसे लुक्यो न्हियो.

~~~~~

37 अरु ओने उनका सामने इत्ता चिन्ह दिखाया, ते भी उनने ओका पर विश्वास नी कर्यो.

38 ताकि यशायाह भविष्यव्दक्ता को वचन पूरो हुये जो ओने बोल्यो:

“हे प्रभु, हमारा समाचार पर कोय ने विश्वास कर्यो हइ?

अरु प्रभु को बाहुबल को पर प्रकट हुयो?”

39 यो कारण वे विश्वास नी करी सक्या, क्युकी यशायाह ने यो भी बोल्यो हइ

40 “ओने उनकी आख अंधी,

अरु उनको मन कठोर कर्यो हइ.

कही असो नी हो, कि आखहोन से देख्ये का

अरु मन से समझ्येका

अरु फिर्ये, अरु मी उनखे अच्छो कर्यु.”

41 यशायाह ने या बातहोन येका लिए बोली, कि ओने ओकी महिमा देखी. अरु ओने ओका बारे
मे बातहोन करी.

42 ते भी मुखियोहोन मे से भी भोत जन ने ओका पर विश्वास कर्यो, पर फरीसीहोन का कारण प्रगट मे नी मानता था, असो नी हो कि आराधनालय मे से नीकाली जाये

43 क्युकी इन्सानहोन की प्रशसा उनखे परमेश्वर की प्रशसा से जादा प्रिय लगती थी.

~~~~~

44 यीशु ने पुकारी खे बोल्यो, “जो मरा पर विश्वास करस हइ, उ मरा पर नी, क्युकी मरा भेजनआला पर विश्वास करस हइ.

45 अरु जो मेखे देखस हइ, उ मरा भेजनआला खे देखस हइ.

46 मी जगत मे उजालो हुइखे आयो हइ ताकि जो कोय मरा पर विश्वास कर्येका उ अंधारा मे नी न्हे.

47 अगर कोय मरी बातहोन सुनीखे नी माने, ते मी ओखे दोषी नी ठैरास, क्युकी मी जगत खे दोषी ठैरान का लिये नी, पर जगत को उध्दार करण का लिये आयो हइ.

48 जो मेखे तुच्छ जानस हइ अरु मरी बातहोन खे अपनाय नी ओखे दोषी ठैरानआला तो एक हइ यानेकी जो वचन मेने बोल्यो हइ, उ अन्नत दिन मे ओखे दोषी ठैराये.

49 क्युकी मेने अपना तरफ से बातहोन नी करी, पर बाप जेने मेखे भेज्यो हइ ओ ने मेखे आज्ञा दी हइ, कि का का बोलु अरु का का बतवु?

50 अरु मी जानुस हइ, कि ओकी आज्ञा अनन्त जिवन हइ येका लिए मी जो बोलुस हइ, उ जसो बाप ने मरासे बोल्यो हइ ओसो मी बोलस हइ.”

## 13

~~~~~

1 फसह को त्याहार से पैयले जब यीशु ने जानी लियो, कि मरी वा टेम अय पहुची हइ कि जगत छोडी खे बाप का पास जायु ते अपना दुन्याहोन से जो जगत मे था, जसो प्रेम उ रखेतो थो, अन्नत तक ओसो मे प्रेम रखेतो न्हिये.

2 अरु जब सैतान शमौन को बेटो यहूदा इस्करियोती का मन मे यो डाली चुक्यो थो, कि ओखे पकडनो हइ ते खाना का टेम मे.

3 यीशु ने यो जानीखे कि बाप ने सब कुछ ओका हात मे करी दियो हइ अरु मी परमेश्वर का पास से आयो हइ, अरु परमेश्वर का पास जउस हइ.

4 खाना पर से उठीखे अपना कपडा उतारी दिया, अरु डुप्पटा लीखे अपनी कम्मर बाधी.

5 तब बर्तन मे पानी भरीखे सेवक होन का पाय धोना अरु जो डुप्पटा से ओकी कम्मर बधी थी ओका से पोछन लग्यो.

6 जब उ शमौन पतरस का पास आयो तब ओने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, का तू मरा पाय धोस हइ?”

7 यीशु ने ओखे जवाब दियो, “जो मी करुस हइ, तू अभी नी जानु, पर येका बाद समझ्ये.”

8 पतरस ने ओकासे बोल्यो, “तू मरा पाय कभी नी धोय पाये!”

यो सुनीखे यीशु ने ओकासे बोल्ये “अगर मी तोखे नी धोयु, ते मरा साथ तरा कुछ भी भाग नी”

9 शमौन पतरस ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु ते मरा पाय ही नी क्युकी हात अरु माथो भी धोइ दे.”

10 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “जो नैइ चुक्यो हइ, ओका पाय सिवा अरु कुछ धोना को प्रयोजन नी. पर उ बिलकुल अच्छो हइ अरु तुम अच्छो हुये. पर सब का सब नी.”

11 उ ते अपना पकडनआला खे जानतो थो येका लिए ओने बोल्यो, “तुम सब का सब अच्छो नी.”

12 जब उ उनका पाय धो चुक्यो अरु अपना कपडा पेनीखे फिर बठी गयो ते उनसे बोलन लग्यो “तुम समझ्या कि मेने तुमारा साथ कर्यो?

13 तुम मेखे गुरु अरु प्रभु बोलस हइ, अरु भलो बोलस हइ, क्युकी मी उ आय.

14 अगर मेने प्रभु अरु गुरु हुइखे तुमारा पाय धोया. ते तुमखे भी एक दूसरा का पाय धोना होनु.

15 क्युकी मेने तुमखे नमूनो दिखैइ दियो हइ, कि जसो मेने तुमारा साथ कर्यो हइ, तुम भी ओसो ही कर्या करणु.

16 मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, सेवक अपना स्वामी से बडो नी. अरु नी भेज्या हुया अपना भेजनआला से.

17 तुम तो या बातहोन जानस हइ, अरु अगर उन पर चलनु, ते धन्य हुये.

18 “मी तुम सब काबारे मे नी बोलस जिन खे मेने चुनी लियो हइ, उनखे मी जानस हइ. पर यो येका लिए हइ, कि पवित्रशास्त्र को यो वचन पूरा हुये, ‘जो मरी रोटी खास हइ ओने मरा पर लात उठैइ.’

19 अब मी ओका होना से पैयले तुमखे बतैइ देउस हइ कि जब हुइ जाये ते तुम विश्वास करणु कि मी उ आय.

20 मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलस हय, कि जो मेरा भेजो हुया खे ग्रहण करस हइ, उ मेखे ग्रहण करता हइ, अरु जो मेखे ग्रहण करस हइ, वह मेरे भेजनआला खे ग्रहण करस हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 26:20-25; ~~~~~ 14:17-21; ~~~~~ 22:21-23)

21 या बातहोन बोलीखे यीशु आत्मा मे व्याकुल हुयो अरु या गवइ दी, “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, कि तुम मे से एक मेखे पकडवाये.”

22 सेवक होन यो संदेह करता हुया, कि उ को का बारे मे बोलस हइ, एक दूसरा का तरफ देखन लग्या.

23 ओका सेवक होन मे से एक जोका से यीशु प्रेम रखेतो थो, यीशु कि छाती का तरफ झुक्यो हुयो बठौ थो.

24 तब शमौन पतरस ने ओका तरफ हिसारो करीखे पूछ्यो, “बता तो, उ को का बारे मे बोलस हइ?”

25 तब ओने वा तरह यीशु की छाती का तरफ झुकीखे पूछ्यो, “हे प्रभु, उ कोन हइ?” यीशु ने जवाब दियो, “जेखे मी या रोटी को टुकडो डुबैइ खे दियु, उ हइ.”

26 यीशु ने उत्तर दियो अरु ओने टुकडो डुबैइ खे शमौन को बेटो यहूदा इस्करियोती खे दियो.

27 अरु टुकडो लेते मे सैतान ओमे समैयी गयो तब यीशु ने ओकासे बोल्यो, “जो तू करणआलो हइ, जल्दी कर.”

28 पर बठनआलाहोन मे से कोय ने नी जान्यो कि ओने या बात ओकासे काय का लिये बोली.

29 यहूदा का पास थैली जेती थी, येका लिए कोइ-कोय ने समझ्यो, कि यीशु ओकासे बोलस हइ, कि जो कुछ हमखे तिवार का लिये होनु उ मोल ले, या यो कि गरीबहोन खे कुछ दे.

30 तब उ टुकडो लीखे जल्दी बाहेर चली गयो, अरु रात को टेम थो.

~~~~~

31 जब उ बाहेर चली गयो ते यीशु ने बोल्यो, “आब इन्सान का बेटा की महिमा हुइ, अरु परमेश्वर की महिमा ओमे हुय.

32 अरु परमेश्वर भी अपना मे ओकी महिमा कर्ये क्युकी झल्दी कर्ये.

33 हे बच्चाहोन, मी अरु थोड़ी देर तुमारा पास हइ फिर तुम मेखे दूढयेका अरु जसो मेने यहूदीयाहोन से बोल्यो, ‘झा मी जउस हइ, व्हा तुम नी अय सक्ये ओसो ही मी अब तुम से भी बोलुस हइ.’

34 मी तुमखे एक नइ आज्ञा देउस हइ, कि एक दूसरा से प्रेम रखनु जसो मेने तुम से प्रेम रख्यो हइ, ओसो मे तुम भी एक दूसरा से प्रेम रखनु.

35 अगर आपस मे प्रेम रख्ये ते येका से सब जान्ये कि तुम मरा सेवक हइ.”

~~~~~

(~~~~~ 26:31-35; ~~~~~ 14:27-31; ~~~~~ 22:31-34)

36 शमौन पतरस ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, तू खा जास हइ?”

यीशु ने जवाब दियो, “झा मी जउस हइ, व्हा तू अब मरा पीछे अय नी सक्ये. पर येका बाद मरा पीछे आह्ये.”

37 पतरस ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, अभी मी तरा पीछे क्यु नी अय सक्ये? मी तरा लिये अपनो जान दियु.”

38 यीशु ने जवाब दियो “तू मरा लिये अपनो जान दिये? मी तरा से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ कि मुर्गा बांग नी दिये जब तक तू तीन बार मरो इनकार नी करी लिये.

## 14

~~~~~

1 “तुम्हारे मन व्याकुल न हुये, तुम परमेश्वर पर विश्वास रखस हइ मरा पर भी विश्वास रखनु.

2 मरा बाप का घर मे भोत सी चैन कि जगा हइ, अगर नी होती ते मी तुम से बोली देतो क्युकी मी तुमारा लिये जगा तैयार करण जउस हइ.

3 अरु अगर मी जैइखे तुमारा लिये जगा तैयार कर्यु, ते फिर अयखे तुमखे अपना ह्या ली जायू, कि झा मी न्हियु व्हा तुम भी चैन.

4 अरु झा मी जउस हइ तुम व्हा कि रस्ता जानस हइ.”

5 थोमा ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, हम नी जाने कि तू खा जास हइ. ते रस्ता कसा जान्ये?”

6 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “रस्ता अरु सच्ची अरु जिवन मी ही हइ. बिना मरा वजेसे कोय बाप का पास नी पहुचे सक्ये.

7 अगर तुम ने मेखे जान्यो होतो, ते मरा बाप खे भी जानता, अरु अब ओखे जानस हइ, अरु ओखे देख्यो भी हइ.”

8 फिलिप्पुस ने ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, बाप खे हमखे दिख्यै दे योही हमारा लिये भोत हइ.”

9 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “हे फिलिप्पुस, मी येत्ता दिन से तुमारा साथ हइ, अरु का तू मेखे नी जाने? जे ने मेखे देख्यो हइ ओने बाप खे देख्यो हइ तू का बोलस हइ कि बाप खे हमखे दिखा?

10 का तू विश्वास नी कहे, कि मी बाप मे हइ, अरु बाप मरा मे हइ? या बातहोन जो मी तुम से बोलस हइ, अपना तरफ से नी बोलु, पर बाप मरा मे न्हिखे अपनो काम करस हइ.

11 मरो ही विश्वास करणु, कि मी बाप मे हइ. अरु बाप मरा मे हइ. नी ते कामहोन का कारण मरो विश्वास करणु.

12 “मी तुम से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, कि जो मरा पर विश्वास रखस हइ, ये काम जो मी करस हइ उ भी कर्ये, क्युकी इनसे भी बडा काम कर्ये, क्युकी मी बाप का पास जउस हइ.

13 अरु जो कुछ तुम मरा नाम से माग्ये, उ मी कर्यु कि बेटा का वजेसे बाप की महिमा हुये.

14 अगर तुम मरासे मरा नाम से कुछ माग्ये, ते मी ओखे कर्यु.

~~~~~

15 “अगर तुम मरासे प्रेम रखस हइ, ते मरी आज्ञाहोन खे मान्ये.

16 अरु मी बाप से प्रार्थना कर्यु, अरु उ तुमखे एक अरु मदत करी दिह्ये, कि उ कभी भी तुमारा साथ न्हिये.

17 यानकी सच्चीइ की आत्मा खे जेखे जगत ग्रहण नी करी सक्ये, क्युकी उ नी ओखे देखस हइ अरु नी ओखे जानस हइ तुम ओखे जानस हइ, क्युकी उ तुमारा साथ हँस हइ, अरु उ तुम मे हुये.

18 “मी तुमखे अनाथ नी छोड्यु, मी तुमारा पास वापस अउस हइ.

19 अरु थोड़ी देर न्हि गइ हइ कि जगत मेखे नी देख्ये, पर तुम मेखे देख्ये, येकालिये कि मी जिन्दो हइ, तुम भी जिन्दो हिये.

20 उ दिन तुम जान्ये, कि मी अपना बाप मे हइ, अरु तुम मरा मे, अरु मी तुम मे.

21 “जेका पास मरी आज्ञा हइ, अरु उ उनखे मानस हइ, उ मरासे प्रेम रखस हइ, अरु जो मरासे प्रेम रखस हइ, ओकासे मरो बाप प्रेम रख्ये, अरु मी ओकासे प्रेम रख्यु, अरु अपना आप खे ओका पर प्रगट कय्यु.”

22 उ यहूदा ने जो इस्करियोती नी थो, ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु, का हुयो कि तू अपना आप खे हम पर प्रगट करणो चाहस हइ, अरु जगत पर नी?”

23 यीशु ने ओखे जवाब दियो, “अगर कोय मरासे प्रेम रख्ये, ते उ मरो वचन खे मान्ये, अरु मरो बाप ओकासे प्रेम रख्ये, अरु हम ओका पास आह्ये, अरु ओका साथ वास कर्ये.

24 जो मरासे प्रेम नी रख्ये, उ मरो वचन नी माने, अरु जो वचन तुम सुनस हइ, उ मरो नी क्युकी बाप को हइ, जे ने मेखे भेज्यो.

25 “या बातहोन मेने तुमारा साथ जेता हुये तुम से बोली.

26 पर मदतगार यानेकी पवित्र आत्मा जेखे बाप मरा नाम से भेज्ये, उ तुमखे सब बातहोन सिखाये, अरु जो कुछ मेने तुम से बोल्यो हइ, उ सब तुमखे याद कराये.”

27 मी तुमखे शांती दिखे जउस हइ, अपनी शांती तुमखे देउस हइ. जसो जगत देस हइ, मी तुमखे नी देउ तुमारो मन नी घबराये अरु नी डरनु.

28 तुम ने सुन्यो कि मेने तुम से बोल्यो, मी जउस हइ अरु तुमारा पास फिर अउस हइ. अगर तुम मरासे प्रेम रख्ये. ते या बात से खुश हुये, कि मी बाप का पास जउस हइ क्युकी बाप मरा से बडो हइ.

29 अरु मेने अब येका होना से पैयले तुम से बोली दियो हइ, कि जब उ हुये जाये, ते तुम विश्वास करणू.

30 मी अब से तुमारा साथ अरु भोत बातहोन कर्यु क्युकी यो जगत को मुखियो आस हइ, अरु मरा पर ओको कुछ अधिकार नी.

31 पर यो येकालिये होस हइ कि जगत जान्ये कि मी बाप से प्रेम रखस हइ, अरु जो तरह बाप ने मेखे आज्ञा दी, मी ओसो ही करुस हइ,

उठी खे ह्या से चल.

## 15

=====

1 सच्ची अंगूर कि बेल मी हइ. अरु मरो बाप किसान हइ.

2 जो डाली मरा मे हइ, अरु नी फले, ओखे उ काटी डालस हइ, अरु जो फलस हइ, ओखे उ छाटस हइ ताकि जादा फल्ये.

3 तुम तो उ वचनकरण जो मेने तुम से बोल्यो हइ, अच्छो हुये.

4 तुम मरा मे बन्या जेनु, अरु मी तुम मे जसी डाली अगर अंगूर कि बेल मे बनी नी न्हिये ते अपना आप से नी फली सक्ये ओसो ही तुम भी अगर मरा मे बन्या नी न्हिये ते नी फली सक्ये.

5 मी अंगूर कि बेल हइ तुम डालीहोन हइ. जो मरा मे बन्यो जेस हइ, अरु मी ओमे, उ भोत फल फलस हइ, क्युकी मरासे अलग हुइखे तुम कुछ भी नी करी सक्ये.

6 अगर कोय मरा मे बन्यो नी हियेका ते वा डाली का जसा फेकी दियो जास, अरु सूखी जास हइ. अरु इन्सान उनखे बटोरीखे अंगार मे फेकी देस हइ, अरु वे जली जास हइ.

7 अगर तुम मरा मे बन्या न्हिये अरु मरी बातहोन तुम मे बनी न्हिये ते जो चाह्ये मागनू अरु उ तुमारा लिये हुइ जाये.

8 मरा बाप की महिमा येमे से होस हइ, कि तुम भोत सो फल लानु, तब तुम मरा सेवक ठैइय्यो.

9 जसो बाप ने मरासे प्रेम रख्यो, ओसो मेने तुम से प्रेम रख्यो, मरा प्रेम मे बन्या न्हिये.

10 अगर तुम मरी आज्ञाहोन खे मान्ये का ते मरा प्रेम मे बन्या हिये जसा कि मेने अपना बाप की आज्ञाहोन खे मान्यो हइ, अरु ओका प्रेम मे बन्यो जेस हइ.



11 मेने या बातहोन तुम से येका लिये बोली हइ, कि मरो आनन्द तुम मे बन्यो न्हिये अरु तुमारो आनन्द पूरा हइ जाये.

12 मरी आज्ञा या हइ, कि जसो मेने तुम से प्रेम रख्यो, ओसो ही तुम भी एक दूसरा से प्रेम रखनु.

13 येका से बड़ो प्रेम कोय को नी, कि कोय अपना दोस्तहोन का लिये अपनो जान देनु.

14 जो कुछ मी तुमखे आज्ञा देउस हइ, अगर ओखे करणु, ते तुम मरा दोस्त हुये.

15 अब से मी तुमखे दास नी बोल्यु, क्युकी सेवक नी जाने, कि ओको स्वामी का करस हइ पर मेने तुमखे दोस्त बोल्यो हइ, क्युकी मेने जो बातहोन अपना बाप से सुनी, वे सब तुमखे बतैइ दी.

16 तुम ने मेखे नी चुन्यो पर मेने तुमखे चुन्यो हइ अरु तुमखे टैइरायो ताकि तुम जैइखे फल लानु. अरु तुमारो फल बन्यो न्हिये कि तुम मरा नाम से जो कुछ बाप से माग्ये उ तुमखे दिये.

17 या बातहोन की आज्ञा मी तुमखे येका लिये देउस हइ, कि तुम एक दूसरा से प्रेम रखनु.

~~~~~

18 “अगर जगत तुम से बैर रखस हइ, ते तुम जानस हइ, कि ओने तुम से पैयले मरासे भी बैर रख्यो.

19 अगर तुम जगत का होस, ते जगत अपना से प्रेम रखेतो, पर यो कारण कि तुम जगत, नी क्युकी मेने तुमखे जगत मे से चुनी लियो हइ. येका लिये जगत तुम से बैर रखस हइ.

20 जो बात मेने तुम से बोली थी, ‘सेवक अपना स्वामी से बड़ो नी होय.’ ओखे याद रखनु अगर उनने मेखे सतायो, ते तुमखे भी सताये. अगर उनने मरी बात मानी, ते तुमारी भी मान्ये.

21 पर यो सब कुछ वे मरा नामकरण तुमारा साथ कर्ये क्युकी वे मरा भेजनआला खे जाने.

22 अगर मी नी आतो अरु उनसे बातहोन नी करतो, ते वे पापी नी रोखता था पर अब उनके उनका पाप का लिये कोय बहानो नी.

23 जो मरासे बैर रखस हइ, उ मरा बाप से भी बैर रखस हइ.

24 अगर मी उनमे वे काम नी करतो, जो दुसरा कोय ने नी कर्यो ते वे पापी नी टैइरता, पर अब तो उनने मेखे अरु मरा बाप दोइ खे देख्यो, अरु दोइ से बैर कर्यो.

25 अरु येका लिये हुयो, कि उ वचन पूरा हो, जो उनकी व्यवस्था मे लिख्यो हइ, ‘उनने मरासे बेकार बैर कर्यो.’

26 “पर जब उ मदतगार अये जेखे मी तुमारा पास बाप का तरफ से भेजु, मंनजे सच्ची की आत्मा जो बाप, तरफ से नीकलस हइ, ते वा मरी गवइ दिये.

27 अरु तुम भी गवइ होनु क्युकी तुम सुरुवात से मरा साथ हइ.

16

1 “या बातहोन मेने तुम से, येका लिए बोली कि तुम ठोकर नी खानु.

2 वे तुमखे आराधनालयहोन मे से नीकाली दिये क्युकी उ टेम आस हइ, कि जो कोय तुमखे मारी डाल्ये यो समझ्ये कि मी परमेश्वर की सेवा करुस हइ.

3 अरु येका लिए कर्ये कि उनने नी बाप खे जान्यो हइ अरु नी मेखे जानस हइ.

4 पर या बातहोन मेने येका लिए तुम से बोली, कि जब उनखे पूरो होन को टेम आयो ते तुमखे याद अय जाये कि मेने तुम से पैयले ही बोली दियो थो.

~~~~~

“मेने सुरुवात मे तुम से या बातहोन येका लिए नी बोली क्युकी मी तुमहारा साथ थो.

5 अब मी अपना भेजन आला का पास जउस हइ अरु तुम मे से कोय मरासे नी पुछे, तू खा जास हइ?

6 पर मेने जो या बातहोन तुम से बोली हइ, येका लिए तुमारो मन शोक से भरी गयो.

7 फिर भी मी तुम से सच्ची बोलुस हइ, कि मरो जानो तुमारा लिये अच्छा हइ, क्युकी अगर मी नी जाउ, ते उ मदतगार तुमारा पास नी आये का पर अगर मी जाहु, ते ओखे तुमारा पास भेजी दिहु.

8 अरु उ अय खे जगत खे पाप अरु धार्मीकता अरु न्याय का बारे मे नीरुत्तर कर्ये.

9 पाप का बारे मे येका लिए कि वे मरा पर विश्वास नी कर्ये.

10 अरु धार्मीकता का बारे मे येका लिए कि मी बाप का पास जउस हइ, अरु तुम मेखे फिर नी देख्ये.

11 न्याय का बारे मे येका लिए कि जगत को मुखियो दोषी ठैरायो गयो हइ.

12 “मेखे तुम से अरु भी भोत सी बातहोन बोलनो हइ, पर अभी तुम उनखे सै नी सक्ये.

13 पर जब उ मंनजे सचाइ कि आत्मा अये ते तुमखे सब सच्चीइ कि रस्ता बताये क्युकी उ अपना तरफ से नी बोल्ये पर जो कुछ सुन्ये का उ बोल्ये अरु आनआली बातहोन तुमखे बताये.

14 उ मरी महिमा कर्ये क्युकी उ मरी बातहोन मे से लीखे तुमखे बताये.

15 जो कुछ बाप को हइ, उ सब मरो हइ. येका लिए मेने बोल्यो, कि उ मरी बातहोन मे से लीखे तुमखे बताये.

**222 2222 22 2222 2222**

16 “थोडी देर मे तुम मेखे नी देख्ये, अरु फिर थोडी देर मे मेखे देख्ये.”

17 तब ओका केता सेवक होन ने आपस मे बोल्यो, यो का हइ, जो उ हम से बोलस हइ, थोडी देर मे तुम मेखे नी देख्ये का अरु फिर थोडी देर मे मेखे देख्ये? अरु यो येका लिये कि मी बाप का पास जउस हइ?

18 तब उनने बोल्यो कि यो थोडी देर जो उ बोलस हइ का बात हइ? हम नी जाने कि का बोलस हइ.

19 यीशु ने यो जानीखे कि वे मरासे पुछनो चाउस हइ, उनसे बोल्यो तुम आपस मे मरी या बात का बारे मे पुछ-ताछ करस हइ, थोडी देर मे तुम मेखे नी देख्ये का अरु फिर थोडी देर मे मेखे देख्ये?

20 मी तुम से सच्ची सच्ची बोलुस हइ. कि तुम रोये अरु विलाप कर्ये पर जगत खुशी कर्ये तुमखे दुख हुये कि पर तुमारो दुख खुशी बनी जाये.

21 जब बय जन्म देस हइ ते ओखे दुख होस हइ, क्युकी ओको दुख की घडी अय पहुची, पर जब उ बच्चा खे जन्म दि चुकी ते या खुशी से कि जगत मे एक इन्सान उत्पन्न हुयो, वा संकट खे फिर याद नी कर्ये.

22 अरु तुमखे भी अब तो दुख हइ, पर मी तुम से फिर मील्यु अरु तुमारा मन मे खुशी हुये. अरु तुमारी खुशी कोय तुम से छुडय नी लीये.

23 “उ दिन तुम मरासे कुछ नी पुछ्ये. मी तुम से सच्ची सच्ची बोलुस हइ, अगर बाप से कुछ माग्ये का ते उ मरा नाम से तुमखे दिये.

24 अब तक तुम ने मरा नाम से कुछ नी माग्यो. माग्ये ते मील्ये जब कि तुमारी खुशी पूरी हुइ जाये.

**222 22 2222**

25 “मेने या बातहो न तुम से बुरीआत्माहोन मे बोली हइ, पर उ टेम आस हइ, कि मी तुम से बुरीआत्माहोन मे अरु फिर नी कर्यु पर खोलीखे तुमखे बाप का बारे मे बतायु.

26 उ दिन तुम मरा नाम से माग्ये, अरु मी तुम से यो नी बोलु, कि मी तुमारा लिये बाप से प्रार्थना कर्यु.

27 क्युकी बाप तो खुद मे तुम से प्रेम रखस हइ, येका लिए कि तुम ने मरा से प्रेम रख्यो हइ, अरु यो भी विश्वास कर्यो, कि मी बाप का तरफ से आयो.

28 मी बाप का तरफ से जगत मे आयो हइ, फिर जगत खे छोडी खे बाप का पास वापस जउस हइ.”

29 ओका सेवक होन ने बोल्यो, “देख, अब तो तू खुली खे बोलस हइ, कोय दृष्टान्त नी बोले.

30 आब हम जानी गया, कि तू सब कुछ जानस हइ, अरु जरूरत नी की कोय तरा से सवाल कर्ये येका से हम विश्वास करस हइ, कि तू परमेश्वर का तरफ से आयो हइ”

31 यो सुनी खे यीशु ने उनसे बोल्यो “का तुम आब विश्वास करस हइ?

32 देखनु, वा घडी आस हइ क्युकी अय पहुची कि तुम सब इदर उदर हुइखे अपना-अपना रस्ता लिये अरु मेखे अयखेलो छोड दिये फिर भी मी एकलो नी क्युकी बाप मरा साथ हइ.

33 मेने या बातहोन तुम से येका लिए बोली हइ, कि तुमखे मरा मे शांती मीले. जगत मे तुमखे दुख होस हइ, पर हिम्मत बाधनु, मेने जगत खे जीती लियो हइ.”

## 17

???? ?? ??? ?? ???? ?????????

1 यीशु ने या बातहोन बोली अरु अपनी आखहोन बढल का तरफ उठैइखे बोल्थो, “हे बाप, वा घडी अय पहुची, अपना बेटा की महिमा कर, कि बेटो भी तरी महिमा कर्ये

2 क्युकी तोने ओखे सब जनवरहोन पर अधिकार दियो, कि जिन खे तोने ओखे दियो हइ, उन सब खे उ अनन्त जिवन दे.

3 अरु अनन्त जिवन यो हइ, कि वे तोखे एकी सच्ची परमेश्वर खे अरु यीशु मसीह खे, जेखे तोने भेज्यो हइ, जाने.

4 जो काम तोने मेखे करण खे दियो थो, ओखे पूरो करीखे मेने पृथ्वी पर तरी महिमा करी हइ.

5 अरु अब हे बाप, तू अपना साथ मरी महिमा कर जो जगत की सृष्टि पैयले, मरा तरा साथ थी.

6 “मेने तरो नाम वे इन्सानहोन पर प्रगट कर्यो जिन खे तोने जगत मे से मेखे दियो वे तरा था अरु तोने उनने मेखे दियो अरु उनने तरा वचन खे मानी लियो हइ.

7 अब वे जानी गया हइ, कि जो कुछ तोने मेखे दियो हइ, सब तरा तरफ से हइ.

8 क्युकी जो बातहोन तोने मेखे पहुचैइ दी, मेने उनखे पहुचैइ दि अरु उनने उनखे ग्रहण कर्यो अरु सच्ची सच्ची जानी लियो हइ, कि मी तरा तरफ से आयो हइ, अरु यो विश्वास कर्यो हइ की तोने ही मेखे भेज्यो.

9 “मी उनका लिये प्रार्थना करुस हइ, जगत का लिये प्रार्थना नी करुस हइ पर उन्ही का लिये जिन खे तोने मेखे दियो हइ, क्युकी वे तरा हइ.

10 अरु जो कुछ मरो हइ उ सब तरो हइ. अरु जो तरो हइ उ मरो हइ. अरु इनसे मरी महिमा प्रगट हुय हइ.

11 मी अब जगत मे नी न्हियु, पर ये जगत मे न्हियेका अरु मी तरा पास अउस हइ. हे पवित्र बाप, अपना उ नाम से जो तोने मेखे दियो हइ, उनकी रक्षा कर, कि वे हमारा जसो एक समान हो.

12 जब मी उनका साथ थो, ते मेने तरा उ नाम से, जो तोने मेखे दियो हइ, उनकी रक्षा करी मेने उनकी देख-रेख करी अरु विनाश का बेटा खे छोड उनमे से कोय नाश नी हुयो, येका लिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हुये.

13 पर आब मी तरा पास अउस हइ, अरु या बातहोन जगत मे बोलुस हइ, कि वे मरी खुशी अपना मे पूरा पाये.

14 मेने तरो वचन उनखे पहुचैइ दियो हइ, अरु जगत ने उनसे बैर कर्यो, क्युकी जसो मी जगत को नी, ओसो ही वे भी जगत का नी.

15 मी या प्रार्थना नी करु, कि तुम उनखे जगत से उठै ले, पर यो कि तुम उनखे उ दुष्ट से बचैइ रख.

16 जसो मी जगत को नी, ओसो ही वे भी जगत नी.

17 सच्चाइ का वजेसे उनखे पवित्र कर तरो वचन सच्ची हइ.

18 जसो तोने जगत मे मेखे भेज्यो, ओसो मे मेने भी उनखे जगत मे भेज्यो.

19 अरु उनका लिये मी अपना आप खे पवित्र करुस हइ ताकि वे भी सच्चाइ का वजेसे पवित्र कार्या जाये.

20 “मी फक्त इन का लिये प्रार्थना नी करु, पर उनका लिये भी जो इन, वचन खे वजेसे मरा पर विश्वास कर्ये

21 कि वे सब एक हो. जसो तू हे बाप मरा मे हइ, अरु मी तरा मे हइ, ओसो ही वे भी हम मे हुये खे येका लिए कि जगत विश्वास कर्ये का कि तोने ही ने मेखे भेज्यो.

22 अरु वा महिमा जो तोने मेखे दी, मेने उनखे दी हइ कि वे असो ही एक हो जसा कि हम एक हइ.

23 मी उनमे अरु तू मरा मे कि वे सिद्ध हुइखे एक हुय जाये अरु जगत जान कि तोने मेखे भेज्यो, अरु जसो तोने मरासे प्रेम रख्यो, ओसो ही उनसे प्रेम रख्यो.

24 हे बाप, मी चाहुस हइ कि जिन खे तोने मेखे दियो हइ, झा मी हइ, व्हा वे भी मरा साथ हो कि वे मरी वा महिमा खे देख्ये जो तोने मेखे दी हइ, क्युकी तोने जगत की उत्पत्ति से पैयले मरासे प्रेम रख्यो.

25 हे धर्मी बाप, जगत ने मेखे नी जान्यो, पर मेने तोखे जान्यो अरु येने भी जान्यो कि तोने ही मेखे भेज्यो.

26 अरु मेने तरो नाम उनखे बतायो अरु बतातो न्हियु कि जो प्रेम तोखे मरासे थो, उ उनमे न्हिये अरु मी उनमे न्हियु."

## 18

~~~~~

(~~~~~ 26:47-56; ~~~~~ 14:43-50; ~~~~~ 22:47-53)

1 यीशु या बातहोन बोलीखे अपना सेवक होन का साथ किद्रोन का नाला का पार गयो, व्हा एक बारी थी, जोमे उ अरु ओका सेवक गया.

2 अरु ओको पकडनआलो यहूदा भी वा जगा जानतो थो, क्युकी यीशु अपना सेवक होन का साथ व्हा जाया करतो थो.

3 तब यहूदा सैना-दल का अरु प्रधान याजकहोन अरु फरीसीहोन का तरफ से सेवकहोन खे लीखे दीयाहोन अरु मशालहोन अरु हथियारहोन खे लिया हुया व्हा आयो.

4 तब यीशु वे सब बातहोन खे जो ओका पर आनआली थी, जानीखे नीकल्यो, अरु उनसे बोलन लगयो, "कोखे दूढस हइ?"

5 उनने ओखे जवाब दियो, "यीशु नासरी खे"

यीशु ने उनसे बोल्थो, "मी आय"

अरु ओको पकडनआलो यहूदा भी उनका साथ खडो थो.

6 ओखे यो बोलतो ही, "मी आय," वे पीछे हटीखे जमीन पर गिर पडचा.

7 तब ओने फिर उनसे पूछ्यो,

"तुम को खे दूढस हइ" वे बोल्या, "यीशु नासरी खे."

8 यीशु ने जवाब दियो, "मी तो तुम से बोल चुक्यो हइ कि मी आय, अगर मेखे दूढस हइ ते इनखे जान दे."

9 यो येका लिए हुयो, कि यो वचन पूरो हुये, जो ओने बोल्थो थो "जिन खे तोने मेखे दियो, उनमे से मेने एक खे भी नी खोयो."

10 शमौन पतरस ने तलवार, जो ओका पास थी, खीची अरु महायाजक का सेवक पर चलखे, ओको दाहिनो कान काटी दियो, उ दास को नाम मलखुस थो.

11 तब यीशु ने पतरस से बोल्थो, "अपनी तलवार मयान मे रख जो कटोरो बाप ने मेखे दियो हइ, का मी ओखे नी पीयु?"

~~~~~

12 तब सेवकहोन अरु उनका सुबेदार अरु यहूदीयाहोन का सेवकहोन ने यीशु खे पकडैखे बाधी लियो,

13 अरु पैयले ओखे हन्ना का पास ली गया क्युकी उ ओखे साल को महायाजक कैफा को सुसरो थो.

14 यो उ कैफा थो, जेने यहूदीयाहोन खे सलाह दी थी कि हमारा दुन्याहोन का लिये एक इन्सान को मरनु अच्छो हइ.

*Matthew 26:69,70; Mark 14:66-68; Luke 22:55-57*

15 शमौन पतरस अरु एक अरु चेलो भी यीशु का पीछे अय गा यो चेलो महायाजक को जाना पैछान्यो थो अरु यीशु का साथ महायाजक का अंगन मे गयो.

16 पर पतरस बाहेर दरवाजा पर खडो न्हियो, तब उ दूसरो चेलो जो महायाजक को जान्यो पहचान्यो थो, बाहेर नीकल्यो, अरु चौकीदार से बोलीखे पतरस खे अंदर ली आयो.

17 वा दासी ने जो चौकीदार थी, पतरस से बोल्यो “तू भी यो इन्सान का सेवक होन मे से हइ?” ओने बोल्यो, “मी नी आय.”

18 दास अरु सेवक ठडकारण कोयला जलय खे अंगार तापी न्हा था अरु पतरस भी उनका साथ खडो अंगार तापी न्हो थो.

*Matthew 26:59-66; Mark 14:55-64; Luke 22:66-71*

19 तब महायाजक ने यीशु से ओका सेवक होन का बारे मे अरु ओका उपदेस का बारे मे पुछ्यो.

20 यीशु ने ओको जवाब दियो, “मेने जगत से खुली खे बातहोन करी. मेने आराधनालयहोन अरु मन्दिर मे झा सब यहूदीया जमा हुया करस हइ सदा उपदेस कर्यो अरु गुप्त मे कुछ भी नी बोल्यो.

21 तू मरासे क्यु पूछस हइ? सुनानवाला से पूछ्यो कि मेने उनसे का बोल्यो? देख वे जानस हइ. कि मेने बोल्यो.”

22 जब ओने यो बोल्यो, तो सेवकहोन मे से एक ने जो पास खडो थो, यीशु खे थप्पड मारीखे बोल्यो, “का तू महायाजक खे यो प्रकार जवाब देस हइ?”

23 यीशु ने ओखे जवाब दियो, “अगर मेने बुरो बोल्यो तरे वा बुरोइ पर गवइ दे. पर अगर भलो बोल्यो, तो मेखे क्यु मारस हइ?”

24 हन्ना ने ओखे बध्यो हुया कैफा महायाजक खे पास भेजी दियो.

*Matthew 26:71-75; Mark 14:69-72; Luke 22:58-62*

25 शमौन पतरस खडो हुयो अंगार तापी न्हो थो तब उनने ओकासे बोल्यो “का तू भी ओका सेवक होन मे से हइ?”

ओने इनकार करीखे बोल्यो, “मी नी आय”

26 महायाजक का सेवकहोन मे से एक जो ओका कुटुब मे से थो, जोको कान पतरस काटी डाल्यो थो, बोल्यो, “का मेने तोखे ओका साथ बाडी मे नी देख्यो थो?”

27 पतरस फिर इनकार करी गयो अरु जल्दी मुर्गा ने बांग दी.

*Matthew 27:1,2,11-14; Mark 15:1-5; Luke 23:1-5*

28 अरु वे यीशु खे कैफा का पास से किल्ला मे खे ली गया अरु फजर को टेम थो, पर वे खुद किल्ला का अंदर नी गयो ताकि अशुद्ध नी हुये पर त्योवार खै सखे.

29 तब पिलातुस उनका पास बाहेर नीकली आयो अरु बोल्यो, “तुम यो इन्सान पर कोनती बात को इलजाम लगास हइ?”

30 उनने ओखे जवाब दियो, “अगर उ कुकर्मी नी होतो ते हम ओखे तरा हात नी सौपता.”

31 पिलातुस ने ओकासे बोल्यो, “तुम मे येखे ली जैइखे अपनी व्यवस्था का जसो ओको न्याय करणु.” यहूदीयाहोन ने ओकासे बोल्यो, “हमखे अधिकार नी कि कोइ कि जान ले.”

32 यो येका लिए हुयो, कि यीशु की वा बात पूरी हो जो ओने यो दर्शाता हुये बोली थी, कि ओको मरनो कसो हुये.

33 तब पिलातुस फिर किल्ला का अंदर गयो अरु यीशु खे बुलैइ खे, ओकासे पूछ्यो “तू यहूदीयाहोन को राजो हइ?”

34 यीशु ने जवाब दियो, “का तू या बात अपना तरफ से बोलस हइ या दुसरा ने मरा बारे मे तरा से बोली?”

35 पिलातुस ने जवाब दियो, “मी यहूदीया आय? तरी मे जाति अरु प्रधान याजकहोन ने तोखे मरा हात दियो तोने का कयों हइ?”

36 यीशु ने जवाब दियो, “मरो राज्य यो जगत को नी, अगर मरो राज्य यो जगत को होतो, ते मरा सेवक लडता, कि मी यहूदीयाहोन का हात सोपी नी जातो पर अब मरो राज्य ह्या को नी.”

37 पिलातुस ने ओकासे बोल्थो, “ते का तू राजा हइ?”

यीशु ने जवाब दियो, “तू बोलस हइ कि मी राजा आय. मेने येका लिए जन्म लियो, अरु येका लिए जगत मे आयो हइ कि सच्चाइ पर गवइ दे जो कोय सच्चाइ को हइ, उ मरी आवाज सुनस हइ.” 1 यूह. 4:6

38 पिलातुस ने ओकासे बोल्थो, “सच्चाइ हइ?” अरु यो बोलीखे उ फिर यहूदीयाहोन का पास नीकली गयो अरु उनसे बोल्थो,

[[[ 27:15-31; 28:1-7 ]]]

[[[ 27:15-31; 28:1-7 ]]] 15:6-20; [[[ 23:13-25 ]]]

मी तो ओमे कुछ दोष नी होन.

39 पर तुम्हारी या रीति हइ कि, “मी त्योवारमे तुम्हारा लिये एक इन्सान खे छोडी दियू. ते का तुम चाहस हइ, कि मी तुम्हारा लिये यहूदीयाहोन को राजा का छोडी दियो?”

40 तब उनने फिर चिलैइ खे बोल्थो, “येखे नी पर हमारा लिये बरअब्बा खे छोडी दे.” अरु बरअब्बा डाकू थो.

## 19

1 येका पर पिलातुस ने यीशु खे लिखे कोडा लगवाया.

2 अरु सेवकहोन ने काटा को मुकुट गूधिखे ओका माथा रख्यो, अरु ओखे बैगनी कपडा पेनाया,

3 अरु ओका पास अयखे बोलन लग्या, “हे यहूदीयाहोन का राजा खे प्रणाम!” अरु ओखे थप्पड मार्यो.

4 तब पिलातुस ने फिर बाहेर नीकलीखे दुन्याहोन से बोल्थो, “देखनु, मी ओखे तुम्हारा पास फिर बाहेर लउस हइ. ताकि तुम जान्ये कि मी कुछ भी दोष नी मील्हे.”

5 तब यीशु का काटा को मुकुट अरु बैगनी कपडा परन्या हुया बाहेर नीकल्यो अरु पिलातुस ने उनसे बोल्थो, “देखनु यो इन्सान.”

6 जब प्रधान याजकहोन अरु सेवकहोन ने ओखे देख्यो ते चिलैइ खे बोल्थो, “ओखे कुस पर चडा, कुस पर!” पिलातुस ने उनसे बोल्थो,

“तुम मे ओखे लिखे कुस पर चडा. क्युकी मी ओका मे दोष नी पायो.”

7 यहूदीयाहोन ने ओखे जवाब दियो, “हमारी भी व्यवस्था हइ अरु व्यवस्था का जसो उ मार्यो जान का योग्य हइ क्युकी ओने अपना आप खे परमेश्वर को बेटो बतायो.”

8 जब पिलातुस ने या बात सुनी ते अरु भी डरी गयो.

9 अरु फिर किल्ला का अंदर गयो अरु यीशु से बोल्थो,

“तू खा को हइ?” पर यीशु ने ओखे कुछ भी जवाब नी दियो.

10 पिलातुस ने ओकासे बोल्थो, “मरासे क्यु नी बोले, तू नी जाने कि तोखे छोड़ देन को अधिकार मेखे हइ अरु तोखे कुस पर चडान को भी अधिकार हइ.”

11 यीशु ने जवाब दियो, “अगर तोखे उपर से नी दियो जातो, ते तरो मरा पर कुछ अधिकार नी होतो. येका लिए जेने मेखे तरो हात पकडवायो हइ, ओको पाप जादा हइ.”

12 येका से पिलातुस ने ओखे छोड देनो चायो, पर यहूदीयाहोन ने चिल्लै चिल्लय खे बोल्यो, “अगर तू येखे छोड दिये ते तू कैसर को दोस्त नी. जो कोय अपना आप खे राजो बनास हइ उ कैसर को सामनो करस हइ.”

13 या बातहोन सुनीखे पिलातुस यीशु खे बाहेर लायो अरु वा जगह मे एक चबूत्रो थो का जो इब्रानी मे “गब्बता” बोलस हइ का अरु न्याय आसन पर बैठयो.

14 यो त्योवार को तैयारी को दिन थो अरु छे घंटा का नजीकपास थो तब ओने यहूदीहोन से बोल्यो, “देखनु, योही हइ, तुम्हारो राजो!”

15 पर वे चिल्लाया, ली जा!

ली जा! ओखे कुस पर चढा! पिलातुस ने उनसे बोल्यो “मी तुम्हारो राजा?”

“खे कुस पर चढाउ प्रधान याजकहोन ने जवाब दियो.”

“कैसर खे छोड हमारो अरु कोय राजो नी.”

~~~~~

(~~~~~ 27:32-44; ~~~~~ 15:21-32; ~~~~~ 23:26-43)

16 तब ओने ओखे उनका हात सौप दियो ताकि उ कुस पर चढायो जाये.

17 तब वे यीशु खे ली गया अरु उ अपनो कुस उठायो हुया उ जगा तक बाहेर गयो जो “खोपडी कि जगा” बोलस हइ अरु इब्रानी मे “गुलगुता.”

18 व्हा उनने ओखे अरु उ ओका साथ अरु दो इन्सानहोन खे कुस पर चढायो, एक खे इधर अरु एक खे उधर, अरु बीच मे यीशु खे.

19 अरु पिलातुस ने एक दोष चिट्ठी लिखीखे कुस पर लगै दि अरु ओमे यो लिख्यो हुयो थो, “यीशु नासरी यहूदीयाहोन को राजो.”

20 यो दोष चिट्ठी भोत यहूदीयाहोन ने पड्यो क्युकी वा जगा झा यीशु कुस पर चढायो गयो थो नगर का पास थी अरु चिट्ठी इब्रानी अरु लतीनी अरु यूनानी मे लिखी हइ थी.

21 तब यहूदीयाहोन को प्रधान याजकहोन ने पिलातुस से बोल्यो, “यहूदीयाहोन को राजो” मत लिख पर यो कि “ओने बोल्यो, मी यहूदीयाहोन को राजो हइ.”

22 पिलातुस ने जवाब दियो, “मेने जो लिखी दियो, उ लिखी दियो.”

23 जब सेवक होन ने यीशु खे कुस पर चढा चुक्या, ते ओका कपडा लिखे चार टुकडा कर्या, हर सेवक का लिये एक टुकडो अरु कुर्ता भी लियो, पर कुर्ता बिन सीअन उपर से नीचे तक सियो हुयो थो.

24 येका लिए उनने आपस मे बोल्यो, “हम येखे नी फाड्ये पर येका पर चिट्ठी डाल्ये कि उ कोको हुये” यो येका लिए हुयो,

कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो,

“उनने मरा कपडा आपस मे बाटी लिया अरु मरा कपडा पर चिट्ठी डाली.”

25 अन्नत सेवकहोन ने असो मे कर्यो, पर यीशु खे कुस का पास ओकी माय अरु ओकी माय की भैइन मरियम, क्लोपास की लुगइ अरु मरियम मगदलीनी खडी थी.

26 यीशु ने अपनी माय अरु ओका सेवक खे जोका से उ प्रेम रखेतो थो पास खडा देखीखे अपनी माय से बोल्यो, “हे बय, देख, यो तरो बेटो आय.”

27 तब ओका सेवक से बोल्यो, “था तरी माय आय” अरु उ टेम से उ सेवक ओखे अपना घर ली गया.

~~~~~

(~~~~~ 27:45-56; ~~~~~ 15:33-41; ~~~~~ 23:44-49)

28 येका बाद यीशु ने यो जानीखे कि आब सब कुछ हुइ चुक्यो. येका लिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हुये बोल्यो, “मी प्यासो हइ.”

29 व्हा एक सिरका से भयों हुयो बर्तन धर्यों थो, येका लिए उनने सिरका भिजायो हुया पनसोस्ता को जूफा पर रखीखे ओका मुडा से लगायो.

30 जब यीशु ने वह सिरकी लि खे बोल्यो, “पूरो हुय” अरु माथो झुखे खे आत्मा छोडी दियो.

~~~~~

31 अरु येका लिए कि उ तैयारी को दिन थो, यहूदीयाहोन ने पिलातुस से प्रार्थना करीखे कि उनकी टाग तोडी दि जाह्ये अरु वे उतायें जाह्ये क्युकी अराम को दिन वे क्रुस पर नी न्हिये क्युकी उ अराम को दिन बडो दिन थो.

32 येका लिए सेवक होन ने अयखे पहइले की टागाहोन तोडी तब दूसरा की भी, जो ओका साथ क्रुसहोन पर चढाया गया था.

33 पर जब यीशु का पास देख्यो कि उ मरी चुक्यो हइ, ते ओकी टागाहोन नी तोडी.

34 पर सेवक होन मे से एक ने ओको पजर बेधा अरु ओमे से जल्दी खुन अरु पानी नीकल्यो.

35 जो ने यो देख्यो, ओ ने गवइ दी हइ, अरु ओकी गवइ सच्ची हइ. अरु उ जानस हइ, कि सच्ची बोलस हइ कि तुम भी विश्वास करणु.

36 ये बातहोन येका लिए हइ कि पवित्रशास्त्र की या बात पूरी हुये, “ओकी कोय हड्डी तोडी नी जाये.”

37 फिर एक अरु जगा पर यो लिख्यो हइ, “जोका से उनने बेध्यो हइ, ओ पर दृष्टि कर्ये.”

~~~~~

(~~~~~ 27:45-56; ~~~~~ 15:33-41; ~~~~~ 23:44-49)

38 या बातहोन का बाद अरिमतियाह का यूसुफ ने, जो यीशु को चेलो थो, पर यहूदीयाहोन का डर से या बात खे लुकायो थो, पिलातुस से प्रार्थना करीखे कि मी यीशु कि लास खे ली जउ, अरु पिलातुस ने ओकी प्रार्थना सुनी, अरु उ अय खे ओको लास ली गयो.

39 नीकुदेमुस भी जो पहइले यीशु का पास रात खे गयो थो पचास सेर का लोबान मील्यो हुयो गन्धरस अरु एलवा ली आयो.

40 तब उनने यीशु को लास खे लियो अरु यहूदीयाहोन का गाडन की रीति का जसो ओखे गधानवाली चिज का साथ कपडा मे गुड्यो.

41 जगा पर झा यीशु क्रुस पर चढायो गयो थो, एक बारी थी. अरु वा बारी मे एक नइ कब्र थी. जोमे कभी कोय नी रख्यो गयो थो.

42 अन्नत यहूदीयाहोन की तैयारी का दिन थो, उनने यीशु खे ओ मे रख्यो, क्युकी वा कब्र पास थी.

## 20

~~~~~

(~~~~~ 28:1-8; ~~~~~ 16:1-8; ~~~~~ 24:1-12)

1 हप्ता, पैयले दिन मरियम मगदलीनी फजर का अधारो जेतो मे कब्र पर अय, अरु पत्थर खे कब्र से हट्यो हुयो देख्यो.

2 तब वा दौडी अरु शमीन पतरस अरु उ दूसरा सेवक का पास जोका से यीशु प्रेम रखेतो थो अयखे बोल्यो, “वे प्रभु खे कब्र मे से नीकाली ली गया हइ. अरु हम नी जानती, कि ओखे खा रखी दियो हइ.”

3 तब पतरस अरु उ दूसरो चेलो नीकलीखे कब्र का तरफ चल्यो.

4 अरु दोइ साथ-साथ दौडी न्हा था, पर दूसरो चेलो पतरस से आगे बडीखे कब्र पर पहइले पहुच्यो.

5 अरु झुकीखे कपडा पड्या देख्या ते भी उ अंदर नी गयो.

6 तब शमीन पतरस ओका पीछे-पीछे पहुच्यो अरु कब्र का अंदर गयो अरु कपडा पड्या देख्या.

7 अरु उ कपडो जो ओका माथा पर बाध्यो हुयो थो कपडा का साथ पडयो हुयो नी पर अलग एक जगा लपेटयो हुयो देख्यो.

8 तब दूसरो चेलो भी जो कब्र पर पैयले पहुच्यो थो, अंदर गयो अरु देखीखे विश्वास कर्यो.

9 वे तो अब तक पवित्रशास्त्र की वा बात नी समझता था, कि ओखे मर्या हुया मे से जी उठनो हुये.

10 तब ये सेवक अपना घर लौटी गया.

~~~~~  
(~~~~~ 28:9,10; ~~~~~ 16:9-11)

11 पर मरियम रोती हुइ कब्र का पास मे बाहेर खडी थी अरु रोते-रोते कब्र का तरफ झुकीखे,

12 दो स्वर्गदूतहोन खे सफात कपडा पेन्या हुया एक खे सिरहाना अरु दूसरा खे पाय का पास बठयो देख्यो, झा यीशु की लास पड्यो थो.

13 उनने ओकासे बोल्यो, “हे बय, तू क्यु रोस हइ?” ओने उनसे बोल्यो,

“वे मरा प्रभु खे उठै ली गया अरु मी नी जानु कि ओखे खा रख्यो हइ.”

14 यो बोलीखे वा पीछे फिरी अरु यीशु खे खडो देख्यो अरु नी पहचान्यो कि यो यीशु हइ.

15 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “हे बय तू क्यु रोस हइ? को खे दूढस हइ?” ओने माली समझी खे ओकासे बोल्यो, “हे श्रीमान, अगर तोने ओखे उठै लियो हइ ते प्रभु से बोल कि ओखे खा रख्यो हइ अरु मी ओखे ली जायु.”

16 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “मरियम!” ओने पीछे फिरीखे ओकासे इब्रानी मे बोल्यो का “रब्बूनी!” मंनजे हे गुरु.

17 यीशु ने ओकासे बोल्यो का “मेखे मत छी क्युकी मी अब तक बाप का पास उपर नी गयो, पर मरा भैइहोन का पास जैइखे उनसे बोली दे कि मी अपना बाप का अरु तुम्हारा बाप का अरु अपना परमेश्वर अरु तुम्हारा परमेश्वर का पास उपर जउस हइ.”

18 मरियम मगदलीनी ने जैइखे सेवक होन खे बतायो, “मेने प्रभु खे देख्यो अरु ओने मरासे बातहोन बोली.”

~~~~~  
(~~~~~ 28:16-20; ~~~~~ 16:14-18; ~~~~~ 24:36-49)

19 उ दिन जो हप्ता का पहइलो दिन थो, शाम को टेम जब व्हा, दरवाजा झा सेवक था, यहूदीयाहोन का डर का मारे बन्द था, तब यीशु आयो अरु उनका बीच मे खडो हुइखे ओने बोल्यो, “तुम खे शांती मील्ये.”

20 अरु यो बोलीखे ओने अपना हात अरु अपनी हतेली उनखे दिखायो तब सेवक प्रभु खे देखीखे खुश हुया.

21 यीशु ने फिर उनसे बोल्यो, “तुमखे शांती मीले. जसो बाप ने मेखे भेज्यो हइ, वसो मी भी तुमखे भेजुस हइ.”

22 यो बोलीखे ओने उन पर फूक्यो अरु उनसे बोल्यो, “पवित्र आत्मा ले.

23 जिन को पाप तुम माफी करणु वे उनका लिये माफ कर्या गया हइ. जिन खे तुम रख्ये वे रख्या गया हइ.”

~~~~~

24 पर बारा जन मे से एक इन्सान मंनजे थोमा जो दिदिमुस बोलस हइ, जब यीशु आयो ते उनखे साथ नी थो.

25 जब अरु सेवक ओकासे बोलन लग्या, “हमने प्रभु खे देख्यो हइ,” तब ओने उनसे बोल्यो, “जब तक मी ओका हाथहोन मे खीला को छेद नी देखी लूका अरु खीला का छेदहोन मे अपनी उगली नी डाली लूका तब तक मी विश्वास नी कर्यु.”

26 आठ दिन का बाद ओका सेवक फिर घर का अंदर था, अरु थोमा उनका साथ थो, अरु दरवाजो बन्द था, तब यीशु ने अयखे अरु बीच मे खडो हुइखे बोल्यो, “तुम खे शांती मीले.”

27 तब ओने थोमा से बोल्यो, “अपनी उगली ह्या लैइखे मरा हाथहोन खे देख अरु अपनो हात लैइखे मरा हतेली मे डाल अरु अविश्वासी नी पर विश्वासी होनु”

28 यो सुन्यो थोमा ने जवाब दियो, “हे मरा प्रभु, हे मरा परमेश्वर!”

29 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “तोने तो मरो विश्वास कयों हइ? धन्य हइ वे जेने बिन देख्यो विश्वास कयों.”

॥ २०:२६-२९ ॥

30 यीशु ने अरु भी भौत चिन्ह सेवक होन का सामने दिखायो, जो या किताब मे लिख्यो नी गया.

31 पर ये येका लिए लिख्यो गयो हइ, कि तुम विश्वास करणु, कि यीशु मे परमेश्वर को बेटो मसीह हइ अरु विश्वास करीखे ओका नाम से जिवन पाये.

## 21

॥ २१:१-१९ ॥

1 या बातहोन का बाद यीशु ने अपना आप खे तिविरियुस झील का किनारा सेवक होन पर प्रगट कयें अरु या रीति से प्रगट कयों.

2 शमौन पतरस अरु थोमा जो दिदिमुस बोलस हइ, अरु गलील का काना नगर का नतनएल अरु जब्दी को बेटो, अरु ओका सेवक होन मे से दो अरु जन जमा था.

3 शमौन पतरस ने उनसे बोल्यो, “मी मच्छ्छी पकडन जास हइ.” उनने ओकासे बोल्यो, “हम भी तरा साथ चलस हइ.”

येका लिए वे नीकलीखे डोंगा पर चड्या, पर उ रात कुछ नी पकड्यो.

4 फजर होते ही यीशु किनार पर खडो हुयो. फिर भी सेवक होन ने नी पहचान्यो कि यो यीशु हइ.

5 तब यीशु ने उनसे बोल्यो, “हे बच्चाहोन, तुम्हारा पास कुछ खान खे हइ?” उनने जवाब दियो, “नी.”

6 ओने उनसे बोल्यो, “डोंगा की दाहिनी तरफ जाल डाल, ते पाये.” तब उनने जाल डाली,

अरु अब मच्छ्छीहोन का कारण जाल खीच नी सक्या.

7 येका लिए वा सेवक ने जोका से यीशु प्रेम रकतो थो पतरस से बोल्यो, “यो तो प्रभु हइ” शमौन पतरस ने यो सुनीखे कि प्रभु हइ, कमर मे कपडा खे कसी लियो, क्युकी उ बिना कपडा को थो, अरु झील मे कूद पड्यो.

8 पर अरु सेवक होन डोंगा पर मच्छ्छीहोन से भरी हुइ जाल खीचते हुयो आयो का क्युकी वे किनार से जमीन जादा दूर नी कि कोय दो सौ हात पर थो.

9 जब किनारा पर जमीन पर उतर्या, ते उनने कोयला की आग का अरु ओका पर मच्छ्छी रखी हुइ, अरु रोटी देखी.

10 यीशु ने उनसे बोल्यो, “जो मच्छ्छीहोन तुम ने अभी पकडी हइ, उनमे से कुछ ला.”

11 शमौन पतरस ने डोंगा पर चडीखे एक सौ त्रिरेपन बडी मच्छ्छीहोन से भर्यो हुयो जाल किनारा अरु जमीन पर खीच्यो, अरु इत्ती मच्छ्छीहोन होना पर भी जाल नी फट्यो.

12 यीशु ने उनसे बोल्यो, “आ खानो या.” अरु सेवक होन मे से कोय खे हिम्मत नी हुयो, कि ओकासे पूछे, “तू कोन हइ?” क्युकी वे जानता था कि यो प्रभु हइ.

13 यीशु आयो, अरु रोटी लीखे उनने दी अरु ओसो मे मच्छ्छी भी.

14 या तीसरी बार हइ, कि यीशु ने मज्या हुया मे से जिन्दो उठना का बाद सेवक होन खे दर्शन दियो.

॥ २१:१-१९ ॥

15 खानो खाना का बाद यीशु ने शमौन पतरस से बोल्यो,

“हे शमौन, यहून्ना को बेटा, खे तू इनसे बड़ीखे मरासे प्रेम रखस हइ?” ओने ओकासे बोल्यो, “हव प्रभु. तू तो जानस हइ, कि मी तरा से प्रिती रखुस हइ.”

ओने ओकासे बोल्यो, “मरा मेडाहोन खे चरा.”

16 ओने फिर दूसरी बार ओकासे बोल्यो, “हे शमौन यहून्ना को बेटा खे तू मरासे प्रेम रखस हइ?” ओने उनसे बोल्यो, “हव, प्रभु तू जानस हइ, कि मी तरा से प्रिती रखुस हइ.” ओने ओकासे बोल्यो, “मरा मेडाहोन की रखवाली कर.”

17 ओने तीसरी बार ओकासे बोल्यो, “हे शमौन, यहून्ना को बेटा खे तू मरासे प्रिती रखस हइ?” पतरस उदास हुयो,

कि ओने ओखे तीसरी बार असो बोल्यो, “तू मरासे प्रेम रखस हइ?” अरु ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु तू तो सब कुछ जानस हइ तू यो जानस हइ कि मी तरा से प्रिती रखुस हइ”

यीशु ने ओकासे बोल्यो, “मरा मेडाहोन खे चरा.

18 मी तरा से सच्ची-सच्ची बोलुस हइ, जब तू जवान थो, ते अपनी कमर बाधीखे झा चाहतो थो, व्हा फिरतो थो. पर जब तू बूढ़ो हुये ते अपना हात लम्बा कर्येका अरु दूसरो तरी कमर बाधीखे झा तू नी चाह्ये व्हा तोखे ली जाये.”

19 ओने या बातहोन से दर्शायो कि पतरस कसो मरना से परमेश्वर की महिमा कर्ये. अरु यो बोलीखे ओकासे बोल्यो, “मरा पीछे अय जा.”

~~~~~

20 पतरस ने फिरीखे उ सेवक खे पीछे आते देख्यो, जोका से यीशु प्रेम रखेतो थो, अरु जो ने खाना का टेम ओकी छाती का तरफ झुकीखे पूछ्यो “हे प्रभु, तरो पकडनआलो कोन हइ?”

21 ओखे देखीखे पतरस ने यीशु से बोल्यो, “हे प्रभु, येको का हाल हुये?”

22 यीशु ने ओकासे बोल्यो, “अगर मी चाहु कि उ मरा आना तक ठैर्यो न्हिये ते तोखे? तू मरा पीछे अय जा.”

23 येका लिए भैइहोन मे या बात फैली गइ, कि उ चेलो नी मर्ये. ते भी यीशु ने ओकासे यो नी बोल्यो, कि यो नी मर्येका पर यो कि “अगर मी चाहु कि यो मरा आना तक ठैर्यो न्हिये ते तोखे येका से का?”

24 यो उ चेलो हइ, जो या बातहोन की गवइ देस हइ अरु जो ने या बातहोन खे लिख्यो हइ अरु हम जानस हइ, कि ओकी गवइ सच्ची ची हइ.

~~~~~

25 अरु भी भोत सा काम हइ, जो यीशु ने कर्या. अगर वे एक-एक करीखे लिख्या जास, ते मी समझयुस हइ, कि किताबहोन जो लिखी जास वे जगत मे भी नी समाती.

## प्रेरितयो का कामो का वर्णन प्रेरितहोन को कामहोन को वर्णन पैछान

प्रेरितहोन कि किताब चर्च कि शुरुवात की खानी हइ अरु या यरुशलेम से सामरिया अरु ओका आगे तक कसा फैलायो गयो, जसो यीशु ने अपना चेलाहोन खे स्वर्ग मे जाना से पैयले बतायो थो 1:8 येका लुक ने लिखी थी, जेने लुक, जसो सुसमाचार भी लिख्यो थो. एक डॉक्टर थो अरु एक खातो करण का लिये भोत सावधान थो उनने अपनो सुसमाचार अरु अधिनीयमहोन कि किताब थियोफिलीस खे संबोधित कयों हइ जो एक ग्रीक अरु यहूदीया दो सामील था 1:1

प्रेरित सभवता यीशु मसीह को जन्म 60-64 साल बिच लिखी गइ थी क्युकि या किताब पौलुस खे जोल से छुटन से पैयले खत्म हइ गइ थी. लुका ने भी प्रेरित पौलुस का साथ जत्रा, अरु शायद एटि ओखे शहर मे अधिक नीयम लिखी. प्रेरित लुका को सुसमाचार सदा लुका का लिये हइ अरु यीशु को स्वर्ग मे जान का साथ शुरु होस हइ. लिखन मे लुक को उध्देश ओको सुसमाचार का समान ही हइ. उ थियोफिलस चातो थो ख्रिस्थी होन की बडी सख्या से नीश्चित हइ कि ओने ओखे सिखायो गयो थो अरु येका लिये ओने यीशु को जिवन अरु ख्रिस्थी धर्म को प्रसाद को एक सटीक लेख लिख्यो.

प्रेरित कि किताब हमारा लिये प्रारम्भीक चर्च को उधाहरण प्रदान करस हइ अरु यीशु मे विश्वास खे जानन का लिये यो कसो बतातो थो. प्रेरित को उदाहरण हमने बतास हइ कि दुसरा को सुसमाचार संदेश फैलास मे पवित्र आत्मा कि शक्ति पर भरोसो कसो करणो हइ  
रूप रेखा

1. पैयले पवित्र आत्मा चेला पर आस हइ अरु चर्च बडन लगस हइ 1:1—8:1
2. येका का बाद चर्च खे सतायो जास हइ अरु यरुशलेम का बाहिर घुमन लग्यो हइ 8:2—12:23
3. ओका बाद पौलुस अपनी पयली मीशनरी जत्रा पर जास हइ. 12:24—14:28
4. नवा विश्वासीहोन की जरूरत हइ. 15:1-35
5. पौलुस अपनी दुसरी मीशनरी जत्रा पर जास हइ 15:36—18:22
6. ओका बाद उ अपनी तिसरी मीशनरी जत्रा पर जास हइ. 18:23—20:38
7. तब पौलुस खे यरुशलेम मे गिरफ्तार कय्यो गयो. 21—26
8. आखरी मे उ रोम मे ली जायो जास हइ. 27—28



1 प्रिय थियुफिलुस, मेने पयली किताब वे सब बात का बारे मे लिखी जो यीशु सुरवात से करतो अरु सिखातो न्हियो.

2 उ दिन तक जब तक उन प्रेरितहोन खे जेने उनके चुन्यो थो पवित्र आत्मा का वजेसे आज्ञा दि, उपर उठायो नी गयो.

3 ओने दुख उठाना का बाद भोत सा पक्को प्रमाणहोन से अपना आप खे उनने जिन्दो दिखायो, अरु चालीस दिन तक उ उनने दिखायो देता न्हियो, अरु परमेश्वर का राज्य की बात करतो न्हियो.

4 अरु उनसे मीलखे उनने आज्ञा दी, “यरुशलेम का नी छोडनु, परम बाप की वा प्रतीज्ञा खे पूरो होन की रस्ता देखतो न्हियो, जेकी चर्चा तुम मरा से सुन चुक्या हइ.

5 क्युकि यहून्ना ने ते पानी मे बपतिस्मा दियो हइ पन थोडा दिन का बाद तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाये.”



- 6 आखरी उनने इखट्टा हइखे ओकासे बोल्यो, “हे प्रभु का तू यो टेम इस्राएल को राज्य फेरी दिये?”

7 ओने उनसे बोल्यो, उ टेमहोन या कालहोन खे जाननो, जेका बाप ने अपना ही अधिकार मे रख्यो हइ, तुम्हारो काम नी.

8 पन जब पवित्र आत्मा तुम पर आये तब तुम सामर्थ्य पाये. अरु यरुशलेम अरु पुरा यहूदीया अरु सामरिया मे अरु पृथ्वी का आखरी तक मरा गवा हुये.

9 यो बोलीखे उ उनका देखते उपर उठै लियो गयो, अरु बु बद्दल ने ओखे उनकी आखहोन से लुके लियो.

10 ओका जाते टेम जब उ बद्दल का तरफ ताकी न्हो थो, ते देखनु दो अदमी सफेद कपडा पेन्या हुया उनका पास अय खडो हुया.

11 अरु उनसे बोल्यो, “हे गलीली इन्सानहोन, तुम क्यु खडा बद्दल का तरफ देखी रा हइ? योइ यीशु जो तुम्हारा पास से स्वर्ग पर उठै लियो गयो हइ, जो रीति से तुम ने ओखे स्वर्ग, जाता देख्यो हइ वैइ रीति से उ फिर आये.”

~~~~~

12 तब वे जैतुन नाम की टेकडी पर से जो यरुशलेम का पास एक अराम का दिन का दूरी पर हइ यरुशलेम खे लौटया.

13 जब वे वहा पहुच्या ते वा अटारी पर गया, जहा पतरस अरु यहून्ना अरु याकूब अरु अन्द्रियास अरु फिलिप्पुस अरु थोमा अरु बरतुल्मै अरु मत्ती अरु हलफइस को बेटो याकूब अरु शमौन जोलोतेस अरु याकूब को बेटो यहूदा न्हेतो थो.

14 ये सब बयहोन अरु यीशु की माय मरियम अरु ओका भैइहोन का साथ एक चित हुइ खे प्रार्थना मे लगया न्हिया.

15 अरु एय दिनहोन मे पतरस भैइ भैइन का बिच मे जो एक सौ बीस इन्सान का नजिक पास था, खडा हुइ बोलन लग्यो.

16 हे भैइहोन जरूरी थो कि पवित्रशास्त्र को उ लेख पूरो हुये जो पवित्र आत्मा मे दाउद का मुडा से यहूदा का बारे मे जो यीशु खे पकडन आलो को अगुवा था, पैयले से बोल्यो थो. *

17 क्युकि उ तो हम मे गिन्यो गयो, अरु या सेवा मे हिस्सेदार हुयो.

18 ओने अधर्म की कमइ से एक खेत मोल लियो, अरु माथा का बल गिर्यो अरु ओको पेट फटी गयो अरु ओकी सब आतडीहोन नीकली पडी.

19 अरु या बात खे यरुशलेम का सब न्हैनआला जानी गया, ह्या तक कि उ खेत को नाम उनकी भाषा मे हकलदमा मंनजे खुन को खेत पडी गयो.

20 क्युकी भजन संहिता मे लिख्यो हइ,

ओको घर उजडी जाये अरु ओमे कोय नी बस्ये
अरु ओको पद कोय दूसरो लि ले.

21 येकालिये जोत्ता दिन तक प्रभु यीशु हमारा साथ आता जाता न्हिये मंनजे यहून्ना को बपतिस्मा से लिखे ओका हमारा पास से उठायो जाना तक जो दुन्या बराबर हमारा साथ न्हिये.

22 यहून्ना अच्छो हइ कि उनमे से एक इन्सान हमारा साथ यीशु खे जिन्दो उठन को गवा हुइ जाये.

23 तब उनने दोय खे खडा कर्या, एक यूसुफ खे जो बरसब्वास बोलस हइ जोको उपनाम यूसतुस हइ, दूसरो मत्तियाह के.

24 अरु या प्रार्थना करी “हे प्रभु, तु जो सब को मन जानस हइ, यो प्रकट कर कि ये दो मे से तोने को खे चुन्यो हइ.

25 कि उ या सेवक अरु प्रेरिताइ को पद ले जेखे यहूदा छोडीखे अपना जगा खे चली गयो.”

26 तब उनने उनका बारे में चिट्ठीहोन डालीखे अरु चिट्ठी मत्तियाह का नाम पर नीकली. आखरी उ उन ग्यारा प्रेरितहोन का साथ गिन्यो गयो.

2

~~~~~

1 जब पित्तुकुस्त को दिन आयो, मनजे ते वे सब एक जगा जमा था.

2 अचानक बदल से बड़ी आधी को जसी संनसनाहट को बोल हुयो, अरु ओका से पूरो घर जहा वे बठचा था गुजी गयो.

3 अरु उनने अंगार की सी जीभ फुटती हुइ दिखइ दि अरु उनमे से हर एक पर अय ठैरी.

4 वे सब पवित्र आत्मा से भरी गया, अरु जो प्रकार आत्मा ने उनने खे बोलन की सामर्थ्य दी, वे अलग अलग भाषा बोलन लग्या.

5 बदल का नीचे की हर एक जात में से भक्त यहूदीया यरुशलेम में रहि रा था.

6 जब यो अवाज हुयो ते गर्दी हुय गइ अरु इन्सानहोन चकित हुइ गया क्युकि हर एक खे योइ सुनइ देतो थो कि ये मरा भाषा में बोली रहा हइ.

7 वे सब चकित अरु अचम्भित हुइ खे बोलन लग्या, देखनु, ये जो बोली रहा हइ सब गलीली नी.

8 ते फिर क्यु हम से हर एक अपनी अपनी जन्म भूय कि भाषा में उनकी सुनस हइ.

9 हम जो अरु मेदी अरु एलामी अरु मेसोपोटामीया अरु यहूदीया अरु कप्पदुकिया अरु पुन्तुस अरु आसिया,

10 अरु फ्रुगिया अरु पंफूलिया अरु मीस्र अरु लीबिया देश जो कुरेने का आस पास हइ, या सब देशहोन का जेनआला अरु रोमी प्रवासी.

11 मनजे यहूदीया अरु यहूदीया मत धारण करणआला, क्रेती अरु भी हइ, पन अपनी अपनी भाषा में उनसे परमेश्वर का बड़ा बड़ा काम होन की चर्चा सुनास हइ.

12 अरु वे सब चकित हुया अरु घबरेये का एक दूसरा से बोलन लग्या, “यो का हुइ रहो हइ?”

13 पन दूसराहोन ने मजाक करी खे बोल्थो, वे तो पीखे नशा में चूर हइ.

~~~~~

14 जब पतरस वे ग्यारा का साथ खडो हुयो अरु उचा अवाज से बोलन लग्यो, हे यहूदीयाहोन अरु हे यरुशलेम का सब जेनआलाहोन, यो जानी लेकी अरु न लगैइ मरी बातहोन सुननु.

15 जसो तुम समझी रहा हइ, ये दुनिया नशा में नी हइ, क्युकि अभी तो दुपार ही दिन चड्यो हइ.

16 पन या वा बात हइ, जो योएल भविष्यवक्ता का वजेसे बोली गइ हइ.

17 परमेश्वर बोलस हइ, कि आखरी का दिनहोन में असो हुये

कि मी अपनी आत्मा सब इन्सानहोन पर दिह्यु

अरु तुम्हारे बेटो अरु तुम्हारी बेटीहोन भविष्यव्दाणी कर्ये

अरु तुम्हारा जवान दर्शन देख्ये

अरु तुम्हारा बापदादा दृष्टान्त देख्ये.

18 क्युकी मी अपना दासहोन अरु अपनी दासीहोन पर भी उन दिनहोन में अपना आत्मा में से दिह्यु अरु वे भविष्यव्दाणी कर्ये.

19 अरु मी उपर बदल में अदभुत काम

अरु नीचे धरती पर चिन्ह मनजे खुन अरु आंग

अरु धुवा को बदल दिखायु.

20 प्रभु को महान अरु तेजस्वी दिन का आना से पैयले सुरज अधारो

अरु चाद खुन सो हुइ जाये.

21 अरु जो कोय प्रभु का नाम लिये उ उद्धार पाये.

22 हे इस्त्राएलियोन, या बातहोन सुननु यीशु नासरी एक इन्सान थो जोको परमेश्वर का तरफ से होन को प्रमान उन सामर्थ काम होन अरु आश्चर्य का काम होन अरु चिन्ह से प्रगट हइ, जो परमेश्वर ने तुम्हारा बीच ओका वजेसे कर दिखायो जेखे तुम खुद ही जानस हइ.

23 उ यीशु खे जो परमेश्वर की ठैर्यइ हुइ योज्ञना अरु पूर्व ज्ञान का जसो पकड्यो गयो, तुम ने अधर्मी होन का हाथ से कुस पर चड्यै खे मारी डाल्यो.

24 पन ओका परमेश्वर ने मरना को बन्धनहोन से छुडचखे जिन्दो क्युकि यो अनहोनो थो कि उ ओका कब्जा मे न्हैस.

25 क्युकि

दाउद ओका बारे मे बोलस हइ मी प्रभु,

सर्वदा अपना सामने देखतो न्हियो क्युकि उ मरा जवना तरफ हइ, ताकि मी डगमग नी होयु.

26 यो करण मरो मन आनन्दित हुयो,

अरु मरी जीभ मगन हुइ क्युकी मरो आंग भी आस मे बन्यो न्हिये.

27 क्युकि तू मरो जानहोन खे अधोलोक मे नी छोड्यु

अरु नी अपना पवित्र झन, सडन ही दिये.

28 तो ने मेखे जिवन को मार्ग बतायो हइ

तु मेखे अपनो दर्शन का वजेसे आनन्द से भर दिये.

29 हे भैइहोन, मी हमारा पूर्वज दाउद का बारे मे तुम से हिम्मत का साथ बोली सकुस हइ कि उ तो मरी गयो अरु गाड्यो भी गयो अरु ओकी मरगट आज तक हमारो विध्वमान हइ.

30 उ भविष्यवक्ता थो, उ जानतो थो कि परमेश्वर ने मरा से कसम खैइ हइ कि मी तरा वश मे से एक इन्सान का जसी राजगद्दी पर बठाड्यु.

31 ओने होन आली बात खे पैयले ही से देखी खे मसीह का जिन्दो उठना का

बारे मे भविष्यव्दाणी करी कि नी ते ओको जान अधोलोक

मे छोड्यो गयो अरु नी ओको आंग पायो.

32 यो यीशु, परमेश्वर ने जिन्दो, जेको हम सब गवा हइ.

33 यो प्रकार परमेश्वर का जवना हाथ से अच्छो पद परइ खे अरु बाप से उ पवित्र आत्मा मील्हे करी जोकी प्रतीज्ञा करी गइ थी कि ओने यो पलटय दियो हइ जो तुम देखस अरु सुनस हइ.

34 क्युकि दाउद स्वर्ग पर नी चड्यो; पन उ खुद बोलस हइ,

प्रभु ने मरा प्रभु से बोल्यो,

मरा जवना बठ.

35 जब तक कि मी तरा दुश्मन होन खे तरा पाय नीचे की चौकी नी कर दियु.

36 आखरी अब इस्त्राएल का पुरा घराना नीश्चित रुप से जानी ले कि परमेश्वर ने उ यीशु खे जेखे तुम ने कुस पर चडायो प्रभु भी ठैरायो अरु मसीह भी.

37 तब सुननआला का दिल मे छेद हुइ गोका अरु वे पतरस अरु कुछ प्रेरितहोन से पुछन लग्या, “हे भैइहोन अरु बहीनहोन हम का करणु?”

38 पतरस ने उनसे बोल्यो मन फिरानु, अरु तुम मे से हर एक अपना अपना पापहोन कि माफ का लिये यीशु मसीह का नाम से बपतिस्मा लेनु; ते तुम पवित्र आत्मा को दान पाये.

39 क्युकि यो प्रतीज्ञा तुम, अरु तुम्हारी सन्तानहोन, अरु उन सब दूर का दुन्याहोन का लिये भी हइ जिनको प्रभु हमारो परमेश्वर अपना पास बुलाये.

40 पतरस ने भोत अरु बातहोन से भी गवइ दि दिखे समझायो कि अपना खुद खे या तेडी जात से बचानु.

41 आखरी जेने ओको वचन ग्रहन कर्यो उनने मन से बपतिस्मा लियो. अरु उ दिन तीन हजार इन्सानहोन का नजीकपास उनमे मीली गया.

42 अरु वे प्रेरितहोन से शिक्षा पान अरु संगत रखन को अरु रोटी तोडनो अरु प्रार्थना करणा मे लौलीन न्हिया.

~~~~~

43 अरु सब दुन्या का मन पर डर छय गयो, अरु खुब अदभुत काम अरु चिन्ह प्रेरितहोन का वजेसे प्रगट होता था.

44 अरु सब विश्वास करणआला जमा न्हैता था, अरु उनकी सब चिजहोन हिस्सा मे थी.

45 वे अपनी अपनी सम्पत्ति अरु सामन बेची खे जसी जोकी जरूरत होती थी बाट दिया करता था.

46 वे हरदिन एक मन हुइखे मन्दिर मे जमा होता था, अरु घर घर मे रोटी तोडता हुया आनन्द अरु मन की सीधाइ से भोजन कर्या करता था.

47 अरु परमेश्वर की स्तुती करता था, अरु सब दुन्या उनसे खुश था अरु जो उध्दार पाता था.उनको प्रभु हरदिन उनमे सुल्य देतो थो.

### 3

~~~~~

1 एक दिन पतरस अरु यहून्ना तीसरा पार प्रार्थना का टेम मे मन्दिर मे जै न्है था.

2 अरु दुन्या एक जन्म का लगडा खे लै न्है था जेखे वे हरदिन मन्दिर का उ दरवाजा पर जो सुन्दर बोलस हइ बठै देतो थो कि उ मन्दिर मे जानआला से भीक मागये.

3 जब ओने पतरस अरु यहून्ना को मन्दिर मे जाते देख्यो ते ओने भीक मागी

4 पतरस ने यहून्ना का साथ ओका तरफ ध्यान से देखीखे बोल्यो, हमारा तरफ देख.

5 आखरी उ उनसे कुछ पान की आस रखता हुये उनकी तरफ ताकन लग्या.

6 तब पतरस ने बोल्यो चादी अरु सोनो ते मरा पास हइ नीका पन जो मरा पास हइ उ तोखे देस हइ. यीशु मसीह नासरी का नाम से चल फिर.

7 अरु ओने ओको जवनो हाथ पकडी खे ओखे उठायो. अरु जल्दी ओका पायहोन अरु घुटना मे बल अय गयो.

8 उ कुदिखे खडो हुइ गयो अरु चलन फिरन लग्यो अरु चलता, अरु कूदते, अरु परमेश्वर की स्तुती करता हुया उनका साथ मन्दिर मे गयो.

9 सब दुन्या ने ओखे चलता फिरता अरु परमेश्वर कि स्तुती करता देखीखे.

10 ओखे पैछान लियो कि यो उ हइ जो मन्दिर को सुन्दर फाटक पर बठी खे भीक माग्या करतो थो. अरु वा घटना से जो ओका साथ हुइ थी वे भोत अचम्भित अरु चकित हुया.

~~~~~

11 जब उ पतरस अरु यहून्ना खे पकड्या हुया था, ते सब दुन्या भोत अचम्भो करता हुया ओका ओसरी मे जो सुलैमान को बोलस हइ ओका पास दौडी आया.

12 यो देखी खे पतरस ने दुन्या से बोल्यो, “हे इस्त्राएलहोन खे तुम यो इन्सान पर क्यु अचम्भो करस हुइ कि अरु हमारी तरफ क्यु यो प्रकार देखी न्है हइ कि मानो हम ही ने अपना सामर्थ्य या भक्ति से येखे चलना फिरना योग्य बनइ दियो.”

13 अब्राहम अरु इसहाक अरु याकूब को परमेश्वर हमारा बापदादाहोन को परमेश्वर ने अपना सेवक यीशु की महिमा की जेखे तुम ने पकड्यइ दियो, अरु जब पिलातुस ने ओखे छोड देन को बीचार कर्या, तब तुम ने ओका सामने ओको इनकार कर्या.

14 तुम ने उ पवित्र अरु धर्मी को इनकार कर्या, अरु प्रार्थना करी कि एक हत्यारा, तुम्हारा लिये छोड दिया जाये.

15 अरु तुम ने जिवन को कर्ता खे मारी डाल्यो जो परमेश्वर ने मर्या हुया मे से जिन्दो. अरु या बात कि हम गवा हइ.



16 अरु ओका नाम ने उ विश्वास का वजेसे जो ओका नाम पर हइ, यो इन्सानखे जेखे तुम देखस हइ अरु जानस भी हइ सामर्थ दियो हइ. उ विश्वास ने जो ओका वजेसे हइ, येको तुम सब, सामने बिलकुल भलो अच्छो करी दियो हइ.

17 अब हे भैइहोन अरु बहीनहोन, मी जानुस हइ कि यो काम तुम ने अज्ञानता मे कर्यो, अरु वसो ही तुम्हारा सरदारहोन ने भी कर्यो.

18 पन जो बातहोन खे परमेश्वर ने सब भविष्यव्यक्ताहोन क मेडा से पैयले ही बत्तै दियो थो, कि ओको मसीह दुख उठायेका उनखे, ओने या रीति से पूरो कर्यो.

19 येका लियेका मन फिरानु अरु लौट आनू कि जोकासे का सामने से अराम का दिन आये.

20 अरु उ प्रभु यीशु खे भेज्ये जो तुम्हारा लिये पैयले हि से मसीह ठैरायो गयो हइ.

21 जरूरी हइ कि उ स्वर्ग मे उ टेम तक न्हिये जब तक कि उ सब बातहोन, सुधार नी करी ले जोकी बातचीत पुराना काल से परमेश्वर ने अपना पवित्र भविष्यव्यक्ताहोन का मेडा से करी हइ.

22 जसो कि मूसा ने बोल्यो, प्रभु परमेश्वर तुम्हारा भैइहोन अरु बहीनहोन मे से तुम्हारा लिये मरा जसो एक भविष्यव्यक्ता उठायेका जो कुछ उ तुम से बोल्येका ओकी सुनु.

23 पन हरेक इन्सान जो उ भविष्यव्यक्ता कि नी सुन्ये का दुन्या का मन मे से खत्म कर्यो जाये.

24 अरु शमूएल से लिखे ओका बाद आनआलो तक जोत्ता भविष्यव्यक्ता बोल्ये उन सब ने इन दिनहोन को सन्देश दियो हइ.

25 तुम भविष्यव्यक्ताहोन की सन्तान अरु वा वाचा को हिस्सेदार हुया, जो परमेश्वर ने तुम्हारा बापदादाहोन से बाधी, जब ओने अब्राहम से बोल्यो, तरा कुल का वजेसे पृथ्वी का पुरा घराना आशिर्वाद मील्ये.

26 परमेश्वर ने अपना सेवक खे उठैखे पैयले तुम्हारा पास भेज्येका कि तुम मे से हर एक खे ओकी बुराइहोन से फेरीखे आशिर्वाद देनु.

## 4

~~~~~

1 जब वे दुन्या से यो बोली न्हा था, ते याजक अरु मन्दिर को सरदार अरु सद्कि उन पर चड आया.

2 क्युकि वे भोत घुस्सा हुया कि वे इन्सानहोन खे सिखाता था अरु यीशु को उदाहरण दि दिखे मर्या हुया खे जिन्दो उठन को प्रचार करता था.

3 उनने उनखे पकडी खे दुसरा दिन तक हआलात मे रख्यो क्युकि संज्जा हुइ गइ थी.

4 पन वचन खे सुननआला मे से भोतझन ने विश्वास कर्यो, अरु उनकी गिनती पाच हजार का नजीकपास हुइ गइ.

5 दूसरा दिन असो हुयो कि उनका सरदार अरु बापदादाहोन अरु शास्त्री.

6 अरु महायाजक हन्ना अरु कैफा अरु यहून्ना अरु सिकन्दर अरु जोत्ता महायाजक का घराना का था, सब यरुशलेम मे जमा हुया.

7 वे उनका बीच मे खडा करीखे पूछन लग्या कि तुम ने यो काम कोका सामर्थ्य से अरु कोका नाम से कर्यो हइ.

8 तब पतरस ने पवित्र आत्मा पुरो पुरो हुइ, उनसे बोल्यो.

9 हे दुन्याहोन को सरदारहोन अरु बापदादाहोन को या दुर्बल इन्सान का साथ जो भलाइ करी गइ हइ, अगर आज हम से उनका बारे मे पूछ ताच करी जास हइ, कि उ कसो अच्छो हुयो.

10 ते तुम सब इस्राएल अरु पुरा इस्राएली दुन्या जानी ले कि यीशु मसीह नासरी का नाम से जेखे तुम ने कुस पर चढायो अरु परमेश्वर ने मर्या हुया मे से जिन्दो कर्यो यो इन्सान तुम्हारा सामने भलो अच्छो हइ.

11 यो उ पत्थर हइ

जेखे तुमने राजमिस्त्रीहोन ने तुच्छ जान्यो
अरु उ कोना को सिरा को पत्थर हुइ गयो.

12 कोइ दुसरा का वजेसे उध्दार नी. क्युकि स्वर्ग का नीचे इन्सानहोन मे अरु कोइ दुसरो नाम नी दियो गयो जेका वजेसे हम उध्दार पर सक्ये.

13 जब उनने पतरस अरु यहून्ना को हिम्मत देख्यो अरु यो जान्यो कि यो अनाडी अरु साधारन इन्सान हइ ते अचमबो कर्यो. फिर उनका पैछान्यो कि यो यीशु का साथ न्हियो हइ.

14 उ इन्सान खे जो अच्छो हुयो थो, उनका साथ खडो देखी खे वे विरोध मे कुछ नी बोली सक्या.

15 पन उनखे सभा का भैहिर जान कि आज्ञा दिखे वे आपस मे विचार करण लग्या,

16 हम ये इन्सानहोन का साथ का कर्यो? क्युकि यरुशलेम का सब जेहनआला पर प्रगट हइ, कि इन का वजेसे एक प्रसिद्ध चिन्ह दिखायो गयो हइ, अरु हम उनको इनकार नी करी सक्ये.

17 पन येका लिये कि या बात दुन्या मे अरु जादा फैली नी जाये, हम उनका धमकाये, कि वे या नाम से फिर कोय इन्सान से बात नी करणु.

18 तब उनखे बुलायो अरु चेतावनी दिखे बोल्यो, यीशु का नाम से कुछ भी नी बोलनु अरु नी सिखानी.

19 पन पतरस अरु यहून्ना ने उनका जवाब दियो, तुम हि न्याय करण; का यो परमेश्वर का पास भलो हइ कि हम परमेश्वर कि बात से बडीखे तुम्हारी बात मान्ये.

20 क्युकि यो ते हम से हुइ नी सक्ये कि जो हम ने देख्यो अरु सुन्यो हइ, वे नी बोल्ये.

21 तब उनने उनका धमक्यै छोडी दियो, खे क्युकि दुन्या करण उनखे दण्ड देन को दावो नी मील्यो, येका लिये कि जो घटना हुइ थी ओ का कारन सब दुन्या परमेश्वर कि बडैइ करता था

22 उ इन्सान का जेका पर यो अच्छो करण को चिन्ह दिखायो गयो थो, चालीस साल से जादा उम्र को थो.

~~~~~

23 वे छुटीखे अपना साथीहोन का पास आया खे अरु जो प्रधान याजकहोन अरु बापदादाहोन ने उनसे बोल्यो थो, उनका सुन्य दियो.

24 यो सुनी, उनने एक चित्त हुइ, उचो बोल से परमेश्वर से बोल्यो हे स्वामी, तू उ हइ जेने स्वर्ग अरु जमीन अरु समुद्र अरु जो कुछ उनमे हइ बनायो.

25 तोने पवित्र आत्मा का वजेसे अपना सेवक हमारो बाप दाउद का मुडा से बोल्यो.

गैरयहूदिहोन ने हुल्लड क्यु मचायो?

अरु देश का दुन्या ने बेकार बातहोन सोची

26 प्रभु अरु ओका मसीह का

विरोध मे पृथ्वी को राजाहोन खडा हुया,  
अरु शासक एक साथ जमा हुइ गया.

27 क्युकि सच्चीई तरा पवित्र सेवक यीशु का विरोध मे जेको तो ने अभिषेक कर्यो, हेरोदेस अरु पुन्तियुस पिलातुस भी गैरयहूदिहोन अरु इस्त्राएलहोन का साथ या नगर मे जमा हुया.

28 कि जो कुछ पैयले से तरी सामर्थ्य अरु मती से ठैरायो थो उ करणु.

29 अब हे प्रभु, उनकी धमकिहोन खे देख. अरु अपना सेवकहोन को वरदान देनु कि तरो वचन बडा हिम्मत से सुनाये.

30 अच्छो करण का लिये तू अपनो हाथ बडा कि चिन्ह अरु अदभुत काम तरा पवित्र सेवक यीशु का नाम से कर्यो जाये.

31 जब वे प्रार्थना करी चुक्या, ते उ जगा जहा वे जमा था हली गया अरु वे सब पवित्र आत्मा से पूरीपूर्ण हुइ गया, अरु परमेश्वर को वचन हिम्मत से सुनाता न्हिये.

~~~~~

32 विश्वास करणआला कि मंडली एक चित्त अरु एक मन कि थी, ह्या तक कि कोइ भी अपनी सम्पत्ती अपनी नी करतो थो, पन सब कुछ हिस्सेदार मे थो.

33 प्रेरित बडो सामर्थ्य से प्रभु यीशु को जिन्दो उठस कि गवा देता न्हिये अरु उन सब पर बडो अनुग्रह थो.

34 उनमे कोय भी दरिद्र नी थो क्युकी जिन का पास जमीन या घर था वे उनखे बेची खे बिकी हुइ चिजहोन को दाम लाता, अरु ओका प्रेरितहोन का पायहोन पर रखता था.

35 अरु जसी जोकि जरूरत होती थी, ओका जसो हर एक खे बाटी दिया करता था.

36 यूसुफ नाम साइप्रस को एक लेवी थो जेको नाम प्रेरितहोन ने बरनबास मनजे शांती को बेटो रख्यो थो.

37 ओकी कुछ जमीन थी जो खे ओने बेच्यो अरु दाम का रुपया लिखे प्रेरितहोन को पायहोन पर रखी दियो.

5

~~~~~

1 हनन्याह नाम को एक इन्सान अरु ओकी लुगइ, सफीरा ने कुछ जमीन बेची

2 अरु ओको दाम मे से कुछ रखी छोडो. अरु या बात ओकी लुगइ भी जानती थी, अरु ओको एक भाग लैखे प्रेरितहोन का पायहोन का सामने रखी दियो.

3 पतरस ने बोल्यो, हे हनन्याह! सैतान ने तरा मन मे या बात क्यु डाली कि तु पवित्र आत्मा से झुठ बोल्ये, अरु जमीन का दाम मे से कुछ रखी छोड्यो.

4 जब तक उ तरा पास न्हिये, का तरी नी थी? अरु जब बिकी गइ ते का तरा कब्जा मे नी थी? तो ने या बात अपना मन मे क्यु बिचारी तू इन्सान से नी, पन परमेश्वर से झुठ बोल्यो हइ.

5 या बात सुनते ही हनन्याह गिरी पड्यो अरु जान छुडची दिये, अरु सब सुननआला पर बडो डर छै गयो.

6 फिर जवानहोन ने उठै खे ओकी अर्थी बनइ अरु भैइर ली जैखे गाड दियो.

7 नजीकपास तीन घंटा का बाद ओकी लुगइ जो कुछ हुयो थो नी जानीखे अंदर अय गइ.

8 तब पतरस ने ओकासे बोल्यो, मेखे बता तुम ने उ जमीन येत्ता ही मे बेची थी? ओने बोल्यो हा येत्ता ही मे.

9 पतरस ने ओकासे बोल्यो, या का बात हइ कि तुम दो ने प्रभु का आत्मा की परीक्षा का लिये येका कर्यो? तरा अदमी का गाडनआला दरवाजो ही पर खडा हइ अरु तोखे भी बाहेर लि जाये.

10 तब उ जल्दी ओका पायहोन पर गिरी पडि अरु जान छोडी दियो अरु जवानहोन ने अंदर अयखे ओखे मर्यो पय्यो अरु बाहेर लि जैखे ओका अदमी का पास गाडी दियो.

11 पुरी मंडली पर अरु या बातहोन खे सुननआला पर बडो डर छै गयो.

~~~~~

12 प्रेरितहोन का हाथहोन से भोत चिन्ह अरु अदभुत काम दुन्या का बीच मे दिखायो जाता था, अरु वे सब एक चित्त हुइखे सुलैमान का ओसरी मे जमा हुया करता था.

13 पन अरु मे से कोय खे यो हिम्मत नी होती थी कि उनमे जय मीले. तेभी दुन्या उनकी बडाइ करता था.

14 विश्वास करणआला भोत सा इन्सान अरु बय प्रभु की मंडली मे बडि संख्या मे मीलते न्हिये.

15 ह्या तक कि दुन्या विमारहोन खे सडकहोन पर लैइ खे खटियाहोन अरु बिछानाहोन पर सोयो देता था कि जब पतरस आये, ते ओकी छाया ही उनमे से कोइ पर पडि जाये.

16 यरुशलैम का आस पास का नगर से भी भोत दुन्या बीमारहोन अरु बुरी आत्मा का सताया हुया खे लैइ लैइखे जमा होता था, अरु सब अच्छो करी दिया जाता था.

~~~~~

17 तब महायाजक अरु ओका सब साथी जो सद्कहोन का पंथ का था, जलन से भरी उठ्यो.

18 अरु प्रेरितहोन से पकडिखे बन्दिघर मे बन्द करी दियो.

19 पन रात से प्रभु का एक स्वर्गदूत ने बन्दीगृह का दरवाजा खोली से उनसे बाहेर लइखे बोल्यो.

20 “जा मन्दिर मे खडा हुइखे या जिवन की सब बातहोन दुन्या से सुनानु.”

21 वे यो सुनीखे फजर होते ही मन्दिर मे जैसे उपदेश देन लग्या. तब महायाजक अरु ओका साथिहोन ने अयखे महासभा का

अरु इस्त्राएलिहोन का सब बुजुरुखहोन से जमा कर्यो, अरु बन्दीघर मे बुलाओ भेज्यो कि उनखे लाहो.

22 पन अधिकारीहोन ने वहा पहुची से उनखे बन्दीगृह मे नी पय्यो, अरु पलटि से संदेश दियो.

23 हम ने बन्दीघर से बडि चौकसी से बन्द कर्यो हुयो, अरु राखनआलो से बाहेर दरवाजाहोन पर खडा हुया पाया. पन जब खोल्यो ते अंदर कोइ नी मिल्यो.

24 जब मन्दिर का सरदार अरु मुखियो याजकहोन ने या बातहोन सुनी ते उनका बारे मे भारी चिन्ता मे पडि गया कि उनको का हुयो.

25 इत्ता मे कोय ने अयखे उनखे बतायो कि देखनु जिन से, “तुम ने बन्दीगृह मे बन्द रख्यो थो का वे मनुष्य मन्दिर मे खडा हुया दुन्या से उपदेश दिहा हइ.”

26 जब सरदार प्यादाहोन का साथ जैसे उनखे लि आया, पन बलपूर्वक नी क्युकि वे दुन्या से डरता था कि हम पर पथराव नी करणु.

27 ओने उनखे लैइखे महासभा का सामने खडा करी दियो. तब महायाजक ने उनसे पूछ्यो.

28 का हम ने तुमखे जत्थे से आज्ञा नी दी थी कि तुम यो नाम से उपदेश नी करणु? तेभी देखनु, तुम ने पुरा यरुशलेम से अपना उपदेश से भरी दियो हइ अरु उ इन्सान को खुन हमारा गर्दन पर लानो चाहस हइ.

29 तब पतरस अरु दुसरा प्रेरितहोन ने जवाब दियो, इन्सान कि आज्ञा से बडिखे परमेश्वर कि आज्ञा को पालन करणु ही हमारो काम हइ

30 हमारा बापदादाहोन ने परमेश्वर ने यीशु से जिन्दो, जोखे तुम ने क्रुस पर लटकै से मारी डाल्यो थो.

31 ओ से परमेश्वर ने प्रभु अरु उद्धारकर्ता ठैर्यखे, अपना जवना हाथ पर उचो करी दियो, कि उ इस्त्राएलिहोन से मन फिराव की शक्ति अरु पापहोन की माफ प्रदान करणु.

32 हम या बात का गवा हइ अरु ओसो हि पवित्र आत्मा भी, जोखे परमेश्वर ने उनखे दियो हइ जो ओकी आज्ञा मानस हइ.

33 यो सुनीखे वे जली गया, अरु उनखे मारी डालनो चायो.

34 पन गमलीएल नाम को एक फरीसी ने जो व्यवस्थापक अरु सब दुन्या मे माननीय थो, कोरट मे खडा हुइखे प्रेरितहोन से थोडि देर का लिये बाहेर करी देन की आज्ञा दी.

35 तब ओने बोल्यो, हे इस्त्राएलिहोन, तुम जो कुछ ये इन्सानहोन से करणो चाहस हइ सोची समझी से करणु.

36 क्युकि यो दिनहोन से पैयले थियुदास यो बोलता हुये उठ्यो, कि मी भी कुछ हइ. अरु कोय चार सौ इन्सान ओका साथ हुइ लिया पन उ मार्यो गयो अरु जोत्ता दुन्या ओखे मानता था, सब तितर-बितर हुया अरु मीटि गया.

37 ओका बाद नाम लिखाइ का दिनहोन मे यहुदा गलीली उठ्यो अरु कुछ दुन्या अपना तरफ करी लिया. उ भी खत्म हुइ गया अरु जोत्ता दुन्या ओखे मानता था सब तितर बितर हुइ गया.

38 येकालिये अब मी तुम से बोलुस हइ इन इन्सानहोन से दुर ही जेनु अरु इन से कुछ काम नी रखनु. क्युकि अगर यो धर्म या काम इन्सानहोन कि तरफ से हुये तब ते मीटी जाये.

39 पन अगर परमेश्वर का तरफ से हइ, ते तुम उनखे कदापि मीटी नी सक्ये.

कही असो नी हुये कि तुम परमेश्वर से भी लडनआला ठैर्य,

40 तब उनने ओकी बात मानी ली. अरु प्रेरितहोन खे बुलैइ खे पिटवायो. अरु यो आदेश दिखे छोड दियो कि यीशु का नाम से फिर कोई बात नी करणु.

41 वे या बात से खुश हुइखे महासभा का सामने से चली गया, कि हम ओका नाम का लिये अपमान होन का योग्य ठैयें.

42 वे हरदिन मन्दिर मे अरु घर मे उपदेश करण, अरु या बात को सुसमाचार सुनाना से कि यीशु हि मसीह हइ नी रुख्या.

## 6

~~~~~

1 उन दिनहोन मे जब चेलाहोन की गीनती बडन लगी, तब यूनानी भाषा बोलनआला इब्रानी भाषा बोलनआला पर कुरकुर करण लग्या कि हरदिन कि सेवकाइ मे हमारी विधवाहोन कि याद नी ली जाय.

2 तब उन बाराझन ने चेलाहोन की मण्डली खे अपना पास बुलैइ खे “बोल्यो यो ठीक नी कि हम परमेश्वर को वचन छोडी खे खान पिलान कि सेवा मे न्हिये.

3 येका लिये हे भैइहोन अरु भैइनहोन अपना मे से सात सुनाम इन्सानहोन, जो पवित्र आत्मा अरु बुद्धि से परिपूर्ण हइ, चुनी ले, कि हम उनका यो काम पर ठैयें दे.

4 लेकीन हम तो प्रार्थना मे अरु वचन की सेवा मे लग्या न्हिये.”

5 या बात पुरी मंडली खे अच्छी लगी, अरु उनने स्तिफनुस नामको एक इन्सान को जो विश्वास अरु पवित्र आत्मा से परिपूर्ण थो, फिलिप्पुस, अरु पुरखुरुस, अरु नीकानोर अरु तीमोन, अरु परमीनास, अरु अन्ताकियावासी नीकुलास के जो यहूदीया मत मे अय गयो थो, चुनी लियो.

6 इन्हे प्रेरितहोन का सामने खडो कर्यो अरु उनने प्रार्थना करीखे उन पर हाथ रख्यो.

7 परमेश्वर को वचन फैलाता गयो अरु यरुशलेम मे चेलाहोन की गिनती भोत बडी गइ. अरु याजकहोन को बडो समाज यो मत खे माननआला हुइ गया.

~~~~~

8 स्तिफनुस अनुग्रह अरु सामर्थ्य से परिपूर्ण हुइ खे दुन्या मे बडा बडा अदभुत काम अरु चिन्ह दिखायो करतो थो.

9 तब उ आराधनालय मे से दासत्व - मुक्त की कैलाती थी, अरु कुरेनी अरु सिकन्दरिया अरु किलिकिया अरु आसिया का दुन्या मे से कइ एक उठैखे स्तिफनुस से वाद विवाद करण लग्या.

10 पन उ ज्ञान अरु उ आत्मा को जोकासे उ बातहोन करतो थो, वे सामना नी करी सक्ये.

11 येका पर उनने कइ दुन्या खे उभार्यो जो बोलन लग्या, “हम ने येके मूसा अरु परमेश्वर का विरोध मे नीन्दा की बातहोन बोलता सुन्यो हइ.”

12 अरु दुन्या अरु बुजुरुक अरु शास्त्रियहोन, भडकी खे चडी आया अरु ओके पकडी खे महासभा मे लि आया.

13 अरु झुठा गवा खडा कर्या जेने बोल्यो. “यो इन्सान या,” पवित्र जगा अरु व्यवस्था का विरोध मे “बोलनु नी छोड्यो.

14 क्युकि हम ने ओका यो बोलता सुन्यो हइ कि योइ यीशु नासरी या जगा खे झाकि दियो, अरु वा रीतिहोन खे बदली डाल्यो जो मूसा ने हम खे दि दियोस हइ.”

15 तब सब दुन्या ने जो सभा मे बैठचा था ओ पर नजर गडाइ ते ओको मुडो स्वर्गदूत को जसो दिख्यो.

## 7

~~~~~

1 तब महायाजक ने बोल्यो, का या बातहोन सच्ची हइ?

2 स्तिफनुस ने बोल्यो हे भैइहोन अरु बापहोन सुनु. हमारो बाप अब्राहम हारान मे बसना से पैयले जब मेसोपोटामीया मे थो. तेजमय परमेश्वर ने ओखे दर्शन दियो.

3 अरु ओकसे बोल्यो तू अपना देस अरु अपना कुटुम्ब से नीकलीखे उ देश मे जा, जेखे मेने तोखे दिखायो.

4 तब उ कसदियहोन का देस से नीकलीखे हारान परमेश्वर ने ओखे वहा से या देस मे लैखे बसायो जेमे अब तुम बसस हय.

5 अरु ओखे कुछ मीरास क्युकी पाय रखना भर की भी ओमे जगा नी दी, पन प्रतीज्ञा करी कि मी यो देस तरा अरु बाद तरा वंश का हाथ करी दियु. यध्दपी उ टेम मे ओका कोय बेटो भी नी थो.

6 अरु परमेश्वर ने यो बोल्यो, तरी सन्तान खे दुन्या दुसरा देस मे परदेशी हुये, अरु वे उनका सेवक बनाये अरु चार सौ साल तक दुख दिये.

7 फिर परमेश्वर ने बोल्यो, जो जात का वे दास हुये ओखे नी दण्ड दियु, अरु ओका बाद वे नीकलीखे या जगा मरी सेवा कर्ये.

8 अरु ओने ओकासे खतना कि वाचा बांधी. अरु यो देस मे इसहाक ओकासे पइदा हुयो अरु आठवा दिन ओको खतनो कर्यो गयो. अरु इसहाक से याकूब अरु याकूब से बारा कुलपति पइदा हुयो.

9 कुल पतिहोन ने यूसुफ से जलन करीखे ओखे मीस्र देस जानआला होन का हाथ बेच्यो. पन परमेश्वर ओका साथ थो.

10 अरु ओखे ओका सब क्लेशहोन से छुडच खे मीस्र को राजा फिरौन की नजर मे अनुग्रह अरु बुध्दि प्रदान करी, अरु ओने ओखे मीस्र पर अरु अपना पुरा घर पर हाकिम नीयुक्त कर्यो.

11 तब मीस्र अरु कनान का पुरा देस मे अकाल पड्यो. जोका से भारी क्लेश हुयो, अरु हमारा बापदादाहोन की अनाज नी मील्यो थो.

12 पन याकूब ने यो सुनीखे खे मीस्र मे अनाज हइ, हमारा बापदादाहोन खे पयली बार भेज्यो.

13 दूसरी बार यूसुफ ने खुद खे अपना भैइहोन पर प्रगट कर्यो अरु यूसुफ की जाति फिरौन खे मालूम हुइ गइ.

14 तब यूसुफ ने अपना बाप याकूब अरु अपना पुरा कुटुम्ब खे जो पचहत्तर इन्सान का मन था, बुलाओ भेज्यो.

15 तब याकूब मीस्र मे गयो. अरु वहा उ अरु हमारा बापदादा मरी गया.

16 उनको शव शेकेम मे पहुँच्यो जैखे ओखे मरगट मे रख्यो गयो, जेखे अब्राहम ने चादी दिखे हमोर की सन्तान से मोल लियो थो.

17 पन जब वा प्रतीज्ञा का पुरा होन का टेम मे पास आयो जो परमेश्वर ने अब्राहम से करी थी, ते मीस्र मे वे दुन्या बडि गया अरु भोत हुइ गया.

18 तब मीस्र मे दूसरो राजो हुयो जो यूसुफ खे नी जानतो थो.

19 ओने हमारी जाति से चलाकी करीखे हमारा बापदादाहोन का साथ ह्या तक बुरो व्यवहार कर्यो, कि उनने अपना बच्चाहोन खे फेकी देनो पड्यो कि वे जीन्दा नी न्हिया.

20 यो टेम मे मूसा पइदा हुयो. उ परमेश्वर की नजर मे भोत ही सुन्दर थो उ तीन महीना तक अपना बाप का घर मे पाल्यो गयो.

21 जब फेकी दियो गयो ते फिरौन की बेटी ने ओखे उटैइ लियो, अरु अपनो बेटो करीखे पाल्यो.

22 मूसा खे मीस्रहोन की सब विध्या पडैइ गइ, अरु उ वचन अरु कर्म दो मे सामर्थी थो.

23 जब उ चालीस साल को हुयो ते ओका मन मे आयो कि मी अपना इस्त्राएली भैइहोन से भेट कर्यु.

24 ओने एक इन्सान पर अन्याय होते देखीखे ओखे बचायो, अरु मीस्रहोन खे मारी खे सताया हुया खे बदलो लियो.

25 ओने सोच्यो कि ओका भैइहोन समझ्यो कि परमेश्वर ओका हाथहोन से उनको उध्दार कर्ये, पन उनने नी समझ्यो.

26 दूसरा दिन जब वे आपस मे लडि ज्हा था ते उ वहा अय नीकल्यो. अरु यो बोलीखे उनने मेल करण का लिये समझायो, हे इन्सानहोन, तुम तो भैइहोन हइ, एक दूसरा पर क्यु अन्याय करस हइ?

27 पन जो अपना बाजुआला पर अन्याय करी ज्हा था, ओने उनसे यो बोलीखे बाजुकरी दियो तोखे कोने हम पर डॉक्टर अरु न्याय रख्यो हइ?

28 का जो रीति से तो ने कल मीस्रिहोन खे मारी डाल्यो मेखे भी मारी डालनो चाहस हइ?

29 या बात सुनीखे मूसा भाग्यो अरु मीघान देस मे परदेशी हुइखे ज्हेन लग्यो, अरु वहा ओका दो बेटा पइदा हुया.

30 जब पूरा चालीस साल बीती गया ते एक स्वर्गदूत ने सीनै टेकडी का जंगल मे ओखे जलनआली झाडि की अंगार मे दर्शन दियो.

31 मूसा यो दर्शन देखीखे अचंभ हुय गो, अरु जब देखन का लिये उ पास गयो, ते प्रभु को यो बोल हुयो.

32 मी तरा बापदादाहोन, अब्राहम, इसहाक अरु याकूब को परमेश्वर हइ, तब ते मूसा थर थरानो, ह्या तक कि ओखे देखन को हिम्मत नी न्हियो.

33 तब प्रभु ने ओकासे बोल्थो, अपना पायहोन से जुती उतारी ले, क्युकि जो जगा तु खडो हइ, वा पवित्र जमीन हइ.

34 मे ने सचमुच अपना दुन्या की जो मीस्र मे हय कि दुर्दशा खे देख्यो हइ अरु उनकी आह अरु उनको रोनो सुन्यो हइ. येकालिये उनने छुडच लिये उतार्यो हइ. अब आ, मी तोखे मीस्र मे भेज्यू

35 जो मूसा खे उनने यो बोलीखे नाकार्यो थो तोखे कोइ ने हम पर हाकिम अरु न्याय ठैरायो हइ? ओ खे परमेश्वर ने हाकिम अरु छुडानआलो ठैर्यखे, उ स्वर्गदूत का वजेसे जेने ओखे झाडि मे दर्शन दियो थो, भेज्यो.

36 यो इन्सान मीस्र देस अरु लाल समुंदर अरु जंगल मे चालीस साल तक अदभुत काम अरु चिन्ह दिख्य देखीखे उनखे नीकाली लायो.

37 यो उ मूसा हइ, जेने इस्त्राएलहोन से बोल्थो, परमेश्वर तुम्हारा भैइहोन मे से तुम्हारा लिये मरा जसो एक भविष्यवक्ता उठाय.

38 यो उ हइ, जेने जंगल मे मंडली का बीच उ स्वर्गदूत का साथ सीनै टेकडा पर ओकासे बातहोन करी अरु हमारा बापदादाहोन का साथ थो, ओ खे जिन्दो वचन मील्यो कि हम तक पहुचायो.

39 पन हमारा बापदादाहोन ने ओकी माननो नी चायो, क्युकी ओखे हटैखे अपनो मन मीस्र की तरफ फेर्यो.

40 अरु हारुन से बोल्थो, हमारा लिये असो देवतो बना जो हमारा आगे-आगे चल्ये. क्युकि यो मूसा जो हम खे मीस्र देस से नीकाली लायो, हम नी जाने ओखे का हुयो?

41 उ दिनहोन मे उनने एक बच्चो बनी खे ओकी मुरती का आगे बलि चडचैइ, अरु अपना हाथहोन का कामहोन मे मगन होन लग्यो.

42 आखरी परमेश्वर ने मुडो मोडिखे उनखे छोडी दियो कि आकाश-गन खे पूज्ये, जसो भविष्य-वक्ताहोन की किताब मे लिख्यो हइ,

हे इस्राएल का घराना,

का तुम जंसगल मे चालीस साल तक जनवर कि बलि

अरु अनाज बलि मेखे चडाता न्हिये.

43 तुम मोलेक का झोपडि अरु रिफान देवता का तारा का लिये फिरता था,

मनजे उन मूर्तीहोन खे जेने तुम ने प्रणाम करण का लिये बनायो थो.

आखरी मे तुमखे बेबीलोन का पार ली जैइ खे बसायु.

44 गवा की झोपड़ि जंगल मे हमारा बापदादाहोन का बीच मे थी, जसो ओने ठैरायो जेने मूसा से बोल्यो.

45 ओखे झोपड़ि खे हमारा बापदादाहोन जुन्नो जमाना से परई खे यहोशू का साथ ह्या लि आया जो टेम मे कि उनने उन गैरयहूदीहोन पर अधिकार पायो जेने परमेश्वर ने हमारा बापदादाहोन का सामने से नीकाली दियो, अरु वा झोपड़ि दाउद का टेम मे तक न्हिये.

46 ओका पर परमेश्वर ने अनुग्रह कर्यो. आखरी ओने प्रार्थना करी कि उ याकूब को परमेश्वर का लिये जगा बनानु.

47 पन सुलैमान ने ओका लिये घर बनायो.

48 पन परम प्रधान हात का बनाया घरहोन मे नी न्है, जसो कि भविष्यव्दक्ता ने बोल्यो

49 प्रभु बोलस हइ स्वर्ग मरी राजगद्दी

अरु पृथ्वी मरा पाय का नीच्चे की पीड़ि हइ,

मरा लिये तुम कोइ प्रकार को घर बनाये?

अरु मरी अराम की कोन सी जगा हुये?

50 का ये सब चिजहोन मरा हाथ की बनइ नी?

51 हे हटेला, अरु मन अरु कान का खतनारहित दुन्या खे तुम हमेशा पवित्र आत्मा का विरोध करस हइ. जसो तुम्हारा बापदादाहोन करता था, ओसो ही तुम भी करस हइ.

52 भविष्य-व्दक्ताहोन मे से कोइ खे तुम्हारा बापदादाहोन ने नी सतायो? उनने उ धर्मी का आगमन का जुन्नो जमाना से सन्देश देन आला खे मारी डाल्यो. अरु अब तुम भी ओखे पकडान आला अरु मारी डालनाला हुये.

53 तुम ने स्वर्गदूत का वजेसे ठैराइ हइ व्यवस्था खे पाइ, पन ओको पालन नी कर्यो.

~~~~~

54 या बात सुनीखे वे जली गया अरु ओका पर दात पीसन लग्या.

55 पन ओने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुइखे स्वर्ग कि तरफ देख्यो अरु परमेश्वर की महिमा खे अरु यीशु खे परमेश्वर का जवना तरफ खडो हुयो देख्यो .

56 देखनु मी स्वर्ग खे खुल्यो हुयो, अरु इन्सान का बेटा खे परमेश्वर का जवना तरफ खडो हुयो देखुस हइ.

57 तब उनने बडो बोल से चिल्लय खे कान बन्द करी लिया अरु एक साथ ओ पर झपटचा,

58 अरु उ नगर का बाहेर नीकलीखे ओ पर पथराव करण लग्या. गवा ने अपना कपडा शाउल नामको एक जवान का पायहोन का पास उतारी खे रखी दियो.

59 वे स्तिफनुस पर पथराव करता न्हिया, अरु उ यो बोलीखे प्रार्थना करतो न्हिये, “हे प्रभु यीशु मरी आत्मा खे अपनइ ले.

60 फिर घुटना टेकिखे उचो बोल से पुकारनु, हे प्रभु यो पाप उन पर मत लगानु.” अरु यो बोलीखे उ सोइ गयो.

## 8

~~~~~

1 शाउल उ दिन यरुशलम की मंडली पर बडो उपद्रव सुरवात हुयो अरु प्रेरितहोन खे छोड सब का सब यहूदीया अरु सामरिया देशहोन मे तितर बितर हुइ गा.

2 कुछ भक्तहोन ने स्तिफनुस खे कब्र मे रख्यो अरु ओका लिये बडो विलाप कर्यो.

3 शाउल मंडली खे उजाडी रो थो. अरु घर घर घुसीखे अदमी अरु बयहोन खे घिसी खे बन्दीगृह मे डालतो थो.

~~~~~

4 जो तितर बितर हुया था, वे सुसमाचार सुनता हुया फिर्या.



5 अरु फिलिप्पुस सामरिया नगर मे जैखे दुन्या मे मसीह को प्रचार करण लग्यो.

6 जो बातहोन फिलिप्पुस ने बोली वे दुन्या ने सुनीखे अरु जो चिन्ह उ दिखातो थो उनके देखी देखी खे एक चित्त हइ खे मन लगायो.

7 क्युकि खुप मे से बुरी आत्माहोन बडा बोल से चिल्लाते हुयो नीकली गयो, अरु खुप सा लखवा रोगी अरु लगडा भी अच्छो कन्यो गयो.

8 अरु उ नगर मे खुशी छै गइ.

9 येका से पैयले उ नगर मे शमौन नाम को एक इन्सान थो, जो जादू टोना करी खे सामरिया का दुन्या खे चकित करतो अरु अपना खुद खे एक बडो इन्सान बतातो थो.

10 छोटो से बडा तक सब ओको सम्मान करणु बोलतो थो, “यो इन्सान परमेश्वर की वा शक्ति हइ ‘जो महान बोल्यो जास हइ.’”

11 ओने भोत दिन से उनका अपना जादू का काम होन से चकित करतो थो. येका लिये वे ओखे भोत मानता था.

12 पन जब उनने फिलिप्पुस को विश्वास कर्यो जो परमेश्वर को राज्य अरु यीशु मसीह का नाम को सुसमाचार सुनातो थो ते दुन्या, का अदमी, का बय, बपतिस्मा लेन लग्या.

13 तब शमौन ने खुद भी विश्वास कर्यो अरु बपतिस्मा लिखे फिलिप्पुस का साथ ज्हेन लग्यो. उ चिन्ह अरु बडो सामर्थ्य को काम होता देखी खे चकित होतो थो.

14 जब प्रेरितहोन ने जो यरुशलेम मे थो, सुन्यो कि सामरियाहोन ने परमेश्वर को वचन मानी लियो हइ ते पतरस अरु यहून्ना को ओका पास भेज्यो.

15 उनने जयखे उनका लिये प्रार्थना करी कि पवित्र आत्मा पाये.

16 क्युकि उ अब तक उनमे से कोय पर नी उतर्यो थो. उनने ते फक्त प्रभु यीशु का नाम मे बपतिस्मा लियो थो.

17 तब उनने उन पर हाथ रख्यो अरु उनने पवित्र आत्मा पायो.

18 जब शमौन ने देख्यो कि प्रेरितहोन का हाथ रखना से पवित्र आत्मा दियो जास हइ ते उनका पास रुप्या लयखे बोल्यो.

19 यो अधिकार मेखे भी दे, कि जो कोय पर हाथ रख्यु उ पवित्र आत्मा पाये.

20 पतरस ने ओकासे बोल्यो, तरा रुप्या तरा साथ खत्म हुये क्युकि तो ने परमेश्वर को दान रुप्या से मोल लेन को बिचार कर्यो.

21 या बात मे नी तरा हिस्सो हइ नी भाग क्युकि तरो मन परमेश्वर का आगे सीधो नी.

22 येका लिये अपनी या बुराइ से मन फिरानु प्रभु से प्रार्थना करणु, सम्भव हइ तरो मन को बिचार माफ कर्यो जाये.

23 क्युकि मी देखुस हइ कि तु पित्त की सी कडुपन अरु अधर्म का बन्धन मे पड्यो हइ.

24 शमौन ने जवाब दियो, “तुम मरा लिये प्रभु से प्रार्थना करणु कि जो बातहोन तुम ने बोली, उनमे से कोय मरा पर नी अय पड्या.”

25 आखरी वे गवा दियेका अरु प्रभु को वचन सुनीखे यरुशलेम खे लौटी गया अरु सामरीहोन को भोत सा गावहोन मे सुसमाचार सुनाता गया.

~~~~~

26 फिर प्रभु को एक स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस से बोल्यो “उट अरु दक्षिन दिशा का तरफ उ मार्ग पर जा जो यरुशलेम से गाजा खे जास हइ.”

27 उ उठी खे चली दियो, अरु देखनु कि कूश देश को एक इन्सान अय न्हो थो जो खोजा अरु कूशियहोन की रानी कन्दाका, को अधिकारी अरु खजाची थो. उ आराधना करण खे यरुशलेम आयो थो.

28 उ अपना रथ पर बठौ हुयो थो, अरु यशायाह भविष्यव्यक्ता की किताब पडते हुयो वापीस जै रो थो.

29 तब आत्मा ने फिलिप्पुस ने बोल्यो का पास “जैइखे या रथ का साथ हइ ले.”

30 फिलिप्पुस ओका तरफ दौड्यो अरु ओका यशयाह भविष्यवक्ता की किताब पडता हुया सुन्यो, अरु पूछ्यो, “तू जो पडी न्हो हइ, ओखे समझय भी हइ?”

31 ओने बोल्यो, “जब तक कोय मेखे नी समझाये ते मी कसो समझ्यु?” अरु ओने फिलिप्पुस से प्रार्थना करी कि व्हा चेडी खे ओका पास बठ्यो.

32 पवित्रशास्त्र को जो अध्याय उ पडी न्हो थो, उ यो थो उ मेडा का जसो खुन होन खे पहुचायो गयो,

अरु जसो मेडो अपना वे कतरन आला को जसो चुपचाप न्हस हइ,

वसो ही ओने भी अपना मुडो नी खोल्यो.

33 ओका दीनता मे ओको न्याय नी हुइ पायो.

ओका टेम मे दुन्या को वर्णन कोन कर्ये?

क्युकि पृथ्वी से ओको जान उटैइ लियो जास हइ.

34 ये पर खोजा ने फिलिप्पुस से पुछ्यो, “मी तरा से प्रार्थना करुस हइ यो बता कि भविष्यवक्ता यो बारे मे बोलस हइ, अपना या कोय दुसरा का बारे मे?”

35 तब फिलिप्पुस ने अपनी मुडो खोल्यो, अरु या शास्त्र से सुरवात करीखे ओका यीशु को सुसमाचार सुनायो.

36 रस्ता मे चलते चलते वे कोय पाणी का जगा पहुच्या. तब दुडन बोल्यो, “देख ह्या पाणी हइ, अब मेखे बपतिस्मा लेना मे कान रोखस हइ.”

37 फिलिप्पुस ने बोल्यो, अगर तू पुरा मन से से विश्वास करस हइ ते लि सकस हइ ओने जवाब दियो, “मी विश्वास करुस हइ कि यीशु मसीह परमेश्वर को बेटो हइ.”

38 तब ओने रथ खडो करण की आज्ञा दी, अरु फिलिप्पुस अरु खोजा दो पाणी मे उतर गया, अरु ओने खोजा खे बपतिस्मा दियो.

39 जब वे पाणी मे से नीकली खे उपर आया, ते प्रभु कि आत्मा फिलिप्पुस खे उठै लि गयो, अरु खोजा ने ओखे फिर नी देख्यो, अरु उ आनन्द करता हुया अपना रस्ता पर चली गयो.

40 फिलिप्पुस अशदोद मे अय नीकल्यो, अरु जब तक कैसरिया मे नी पड्यो, तब तक नगर नगर सुसमाचार सुनातो गयो.

9

~~~~~

1 शाउल जो अब तक प्रभु का चेलाहोन खे धमकानो अरु घात करण की धुन मे थो, महायाजक का पास गयो.

2 अरु ओकासे दमीशक का आराधनालयहोन का नाम पर या अभिप्राय की चिटिहोन मागी कि, का अदमी, का बय, जेने उ या पथ पर पाये उनका बाधीखे यरुशलेम ली आया.

3 पन चलता चलता जब उ दमीशक का पास पहुच्या, ते एक-एक बदल से ओका चारो तरफ ज्योति चमकी.

4 अरु उ जमीन पर गिरी पड्यो अरु यो अवाज सुनी, हे शाउल, हे शाउल, तु मेखे क्यु सतास हइ?

5 “ओने पूछ्यो,” हे प्रभु तू कोन हइ?

ओने बोल्यो, “मी यीशु हइ,” जेखे तू सतास हइ.

6 “पन अब उठीखे नगर मे जा, अरु जो तोखे करणो हइ उ तरा से बोल्या जाये.”

7 जो इन्सान ओका साथ थो, वे अवाक्य न्हि गयो क्युकि बोल ते सुनता था पन कोय, देखतो नी थो.

8 तब शाउल जमीन पर से उठौ, पन जब आखहोन खोल्यो ते ओखे कुछ दिखइ नी दियो, अरु वे ओका हाथ पकडी खे दमीशक मे लि गया.

9 उ तीन दिन तक देखी नी सक्यो, अरु नी खायो अरु नी पीयो.

10 दमीशक मे हनन्याह नाम को एक चेलो थो का ओकासे प्रभु ने दर्शन मे बोल्यो, हे हनन्याह ओने बोल्यो, का “हा प्रभु.”

11 तब प्रभु ने ओकासे बोल्यो उठीखे, “वा गल्ली मे जा जो सीधी बोलीजास हइ, अरु यहूदा का घर मे शाउल नाम को एक तरसुस वासी खे पूछ्यो. देख उ प्रार्थना करी न्हो हइ.

12 अरु ओने हनन्याह नाम को एक इन्सान का अंदर आते अरु अपना उपर हाथ रखता देख्यो हइ. ताकि फिर से नजर पाये.”

13 हनन्याह ने जवाब दियो, “ हे प्रभु मे ने यो इन्सान का बारे मे भोत सो सुन्यो हइ कि येने यरुशलेम मे तरा पवित्र दुन्या का साथ बडी बुराइहोन करी हइ.

14 अरु ह्या भी येका प्रधान याजकहोन का तरफ से अधिकार मील्यो हइ कि जो दुन्या तरो नाम लेस हइ, उन सब खे बाधी ले.”

15 पन प्रभु ने ओकासे बोल्यो, तू चली जा. क्युकि उ ते गैरयहूदिहोन अरु राजाहोन अरु इस्त्राएलिहोन का सामने मरो नाम प्रगट करन का लिये मरो चुन्यो हुयो पात्र हइ.

16 अरु मी ओखे बतायु कि मरा नाम का लिये ओखे कसो कसो दुख उठानु पड्ये.

17 तब हनन्याह उठीखे उ घर मे गयो, अरु ओका पर अपनो हाथ रखी खे बोल्यो हे भैइ शाउल प्रभु मंजजे यीशु जो उ रस्ता मे जेका से तू आयो तोखे दिखइ दियो थो, ओ ने मेखे भेज्यो हइ कि तू फिर नजर पाये अरु पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हुइ जाये.

18 अरु जल्दी ओकी आखहोन से छिलका से गिर्या अरु उ देखन लग्यो, अरु उठीखे वपतिस्मा लियो.

19 फिर भोजन करीखे बल पायो. उ कइ दिन वे चेलाहोन का साथ न्हियो जो दमीशक मे थो.

~~~~~

20 अरु उ जल्दी आराधनालयहोन मे यीशु को प्रचार करण लग्या कि उ परमेश्वर को बेटो हइ.

21 सब सुननआला चकित हुइ खे बोलन लग्या, का योही उ इन्सान नी हइ जो यरुशलेम मे उनका जो यो नाम खे लेता था, खत्म करता था. अरु ह्या भी येका लिये आयो थो कि उनका बाधी खे प्रधान याजकहोन का पास लि जाये?

22 पन शाउल अरु भी सामर्थी होतो गयो, अरु या बात को प्रमाण दि दि, कि मसीह योही हइ, दमीशक का न्हेनआला यहूदीयाहोन को मुडो बन्द करतो न्हियो.

23 जब भोत दिन बीती गया ते यहूदीयाहोन ने मीलखे ओका मारी डालन को षड्यन्त्र रच्यो.

24 पन उनको षड्यन्त्र शाउल खे मालुम हुइ गयो. वे तो ओखे मारी डाल्यो का लिये रात दिन फाटकहोन पर घात मे लग्या न्हेंता था.

25 पन रात खे ओका चेलाहोन ने ओखे टोपला मे बठाड्यो, अरु शहर दिवाल छेद मे से लटकि खे उतारी दियो.

~~~~~

26 यरुशलेम मे पहुँची खे ओने चेलाहोन का साथ मीली जान को कोशिश कर्यो. पन सब ओकासे डरता था, क्युकि उनका विश्वास नी होतो थो, कि उ भी चेलो हइ.

27 पन बरनबास ने ओका अपना साथ प्रेरितहोन का पास लि जैइ खे उनखे बतायो कि येने कोय रीति से मार्ग मे प्रभु खे देख्यो, अरु ओने येका से बातहोन करी. फिर दमीशक मे येने कसो हिम्मत से यीशु का नाम से प्रचार कर्यो.

28 उ प्रभु उनका साथ यरुशलेम मे आता जाते न्हियो

29 अरु नी धडक हुइ खे प्रभु का नाम से प्रचार करतो थो. अरु यूनानी भाषा बोलनआला यहूदीयाहोन का साथ बातचित वाद विवाद करतो थो. पन वे ओखे मारी डालन कि कोशिश करण लग्या.

30 यो जानीखे भैइ ओखे कैसरिया लि आयो, अरु तरसुस खे भेजी दियो.

31 यो प्रकार पुरा यहूदीया, अरु गलील, अरु सामरिया मे मंडली खे चैन मील्यो, अरु ओकी उन्नती होती गइ. अरु उ प्रभु को डर अरु पवित्र आत्मा की शांती मे चलती अरु बडती गइ.

XXXXXXXXXX XX XXXX XX XXXXX

32 फिर असो हुयो कि पतरस हर जगा फिरतो हुयो, उन पवित्र दुन्या का पास भी पहुच्यो जो लुद्दा मे रहेता था.

33 वहा ओका एनीयास नाम को लखवा को रोगी एक इन्सान मील्यो, जो आठ साल से खटिया पर पड्यो थो.

34 पतरस ने ओकासे बोल्यो, “हे एनीयास! यीशु मसीह तोखे अच्छो करस हइ. उट अपनो बिछानो बिछा.” तब उ जल्दी उठी खडी हुयो.

35 तब लुद्दा अरु शारोन को सब जेहनआला ओका देखी खे प्रभु की तरफ फिर्या.

36 याफा मे तबीता मंनजे दोरकास नाम की एक विश्वासिनी रहेती थी. वाभोट सा अच्छो अच्छो काम अरु दान कर्या करती थी.

37 उ दिनहोन मे वा बीमार हुइ खे मरी गइ. अरु उनने ओको आंग धोलेय खे अटारी पर रखी दियो.

38 येका लिये कि लुद्दा याफा का पास थो, चेलाहोन ने यो सुनी खे कि पतरस वहा हइ, दो इन्सान भेजी खे ओका से प्रार्थना करी खे हमारा पास आना मे देर नी करणु.

39 तब पतरस उठी खे उनका साथ हय लियो, अरु जब उ पहुच्यो ते वे ओका उ अटारी पर लि गया. सब विधवाहोन रोती हुइ ओका पास अय खडी हुइ अरु जो कुर्ता अरु कपडा दोरकास ने उनका साथ रहेता हुया बनायो थो, दिखान लगी.

40 तब पतरस ने सब खे बाहेर करी दियो, अरु घुटना टेकीखे प्रार्थना करी अरु लास का तरफ देखी, बोल्यो, “हे तबीता, उट” तब ओने अपनी आखहोन खोली दी. अरु पतरस खे देखीखे उठ बटी.

41 ओने हाथ दिखे ओखे उठाय खे अरु पवित्र दुन्या अरु विधवाहोन खे बुलैइ खे ओखे जिन्दो दिखइ दियो.

42 या बात पुरा याफा मे फैली गइ. अरु भोटजन ने प्रभु पर विश्वास कर्यो.

43 अरु पतरस याफा मे शमौन नामको कोय चामडा को धंदो करणआला का ह्या भोट दिन तक रहियो.

## 10

XXXXXXXXXXXX XX XXXX XX XXXXXX

1 केसरिया मे कुरनेलियुस नाम को एक इन्सान थो, जो इतालियानी नामको पलटन को सुबेदार थो.

2 उ भक्त थो, अरु अपना पुरा घराना समेत परमेश्वर से डरतो थो, अरु यहूदी दुन्या खे भोट दान देतो, अरु बराबर परमेश्वर से प्रार्थना करतो थो.

3 ओने दिन का तीसरा पार का पास दर्शन मे स्पष्ट रुप से देख्यो कि परमेश्वर को एक स्वर्गदूत ओका पास अंदर अयखे बोल्यो हइ “हे कुरनेलियुस”

4 ओने ओखे ध्यान से देख्यो अरु डरीखे बोल्यो, “हे प्रभु का हइ?”

ओने ओकासे बोल्यो, “तरी प्रार्थना अरु तरो दान याद का लिये परमेश्वर का सामने पहुच्यो हइ.

5 अरु सब याफा मे इन्सान भेजी खे शमौन खे जो पतरस कैलातो हइ, बुलये ले.

6 उ शमौन, चामडा को धंदो करणआला का ह्या मीजवान हइ, जोको घर समुंदर का किनारा हइ.”

7 जब उ स्वर्गदूत जेने ओकासे बातहोन करी थी चली गयो, ते ओने दो सेवक, अरु जो ओका पास हाजिर रहियो करतो थो उनमे से एक भक्त सिपइ खे बुलायो.

8 अरु उनखे सब बातहोन बतयखे याफा खे भेज्यो.

9 दूसरा दिन जब वे चलते चलते नगर का पास पहुंचा, ते धुपार का पास पतरस छपर पर प्रार्थना करण चड्यो.

10 ओखे भुक लगी अरु कुछ खानो चातो थो, पन जब वे तैयारी करी ज्हा था ते उ बेसुध हइ गयो.

11 अरु ओने देख्यो, कि बहल खुली गयो. अरु एक पात्र बडि चदर का जसो चारी कोना से लटकातो हुयो, पृथ्वी की तरफ उतरी ज्हे हइ.

12 जे मे पृथ्वी का सब प्रकार का चारपाय अरु रंगनआला जन्तु अरु बहल का पक्षि था.

13 ओखे एक असो बोल सुनइ दियो "हे पतरस उठ मार अरु खा,"

14 पन पतरस ने बोल्यो, "नी प्रभु कभी भी नी क्युकि मेने कभी कोय अपवित्र या अच्छो चिज नी खे हइ."

15 फिर दूसरी बार ओको बोल सुनइ दियो, जो कुछ परमेश्वर ने अच्छो ठैरायो हइ, ओखे तु अच्छो मत बोल.

16 तीन बार असो ही हुयो. तब जल्दी उ पात्र बहल पर उठै लियो गयो.

17 जब पतरस अपना मन मे दुविधा मे थो, कि यो दर्शन जो मे ने देख्यो उ का हइ सकस हइ, ते देखनु, वे इन्सान जिनखे कुरनेलियुस ने भेज्यो थो, उ शमौन का घर को पतो लगइखे दरवाजा पर अयखे खडा हुया.

18 अरु पुकारी खे पूछन लग्या, का शमौन जो पतरस कैलातो हइ, योही मीजवान हइ?

19 पतरस ते उ दर्शन पर सोची ही ज्हे थो, कि आत्मा ने ओकासे बोल्यो, "देखनु, तीन इन्सान तरी खोज मे हइ.

20 आखरी उठी खे नीचे जा, अरु नी. संकोच उनका साथ ही ले क्युकि मे ने ही उनखे भेज्यो हइ."

21 तब पतरस ने उतरीखे उ इन्सान से बोल्यो, देख्यो, जोकी खोज तुम करी ज्हे हइ, उ मी ही हइ. तुमारा आना को का कारण हइ?

22 उनने बोल्यो, "कुरनेलियुस सुवेदार जो धर्मी अरु परमेश्वर से डरन आलो अरु पुरी यहूदी जात मे सुनाम इन्सान हइ, ओने एक पवित्र स्वर्गदूत से यो नीर्देश पायो हइ कि तोखे अपना घर बुलैइ खे तरा से वचन सुन्ये."

23 तब ओने उनने अंदर बुलायो उनकी मीजवानी करी.

दूसरा दिन उ उनका साथ गयो, अरु याफा का भैइहोन मे से कुछ ओका साथ गया.

24 दूसरा दिन वे कैसरिया पहुंचा, अरु कुरनेलियुस उनकी रस्ता दिखी ज्हे थो.

25 जब पतरस अंदर अय ज्हे थो, ते कुरनेलियुस ने ओकासे दान करी खे अरु पायहोन पर गिरी खे ओखे प्रणाम कर्यो.

26 पन पतरस ने ओखे उठयखे बोल्यो, "खडो हो, मी भी तो इन्सान हइ."

27 अरु ओका साथ बातचीत करता हुया अंदर गया, अरु भोत सा दुन्या खे एकजगा देखीखे

28 उनसे बोल्यो, तुम जानस हइ कि गैरयहूदी की संगत करणो या ओका साथ ह्या जानो यहूदीहोन का लिये अधर्म हइ, पन परमेश्वर ने मेखे बतायो हइ कि कोय इन्सान खे अपवित्र या अच्छो नी बोल्यु.

29 येका लिये मी जब बुलायो गयो ते बिना कुछ बोले चली आयो. अब मी पूछुस हइ कि मेखे कोय काम का लिये बुलायो गयो?

30 हे कुरनेलियुस ने बोल्यो, या घडि खे पूरा चार दिन हुया, मी अपना घर मे तीसरा पार प्रार्थना करी ज्हे थो. ते देख्यो, एक अदमी चमकीलो कपडा पेन्या हुयो, मरा सामने अय खडो हुयो.

31 अरु बोलन लग्या, हे कुरनेलियुस, तरी प्रार्थना सुनी ली गइ हइ अरु तरो दान परमेश्वर का सामने याद कर्यो गयो हइ.

32 येकालिये कोय खे याफा भेजीखे शमौन खे जो पतरस कैलातो हइ, बुला. उ समुंदर का किनारा शमौन, चामडा को धंदो करणआला का घर मे मीजवान हइ.

33 तब मे ने जल्दी तरा पास दुन्या भेज्ये, अरु तो ने भलो कयों जो अय गयो. अब हम सब ह्या परमेश्वर का सामने हइ, ताकि जो कुछ परमेश्वर ने तरा से बोल्यो हइ ओखे सुन्ये.

~~~~~

34 तब पतरस ने बोल्यो, “अब मेखे नीश्चय ह्यो कि परमेश्वर कोय को पक्ष नी कयें.

35 क्युकी हर जात मे जो ओखे डरतो अरु धर्म को काम करस हइ, उ ओखे भास हइ.

36 जो वचन ओने इस्त्राएलहोन का पास भेज्यो, जब ओने यीशु मसीह का वजेसे जो सब को प्रभु हइ शांती को सुसमाचार सुनायो.

37 उ वचन तुम जानस हइ जो यहूना को बपतिस्मा को प्रचार का बाद गलील से सुरवात हुइखे पुरा यहूदीया मे फैली गयो.

38 परमेश्वर ने कोय रीति से यीशु नासरी खे पवित्र आत्मा अरु सामर्थ्य से अभिषेक कयों, उ भलाइ करस अरु सब खे जो सैतान का सताया हुया था अच्छो करतो फियों, क्युकि परमेश्वर ओका साथ थो.

39 हम उन कामहोन को गवा हइ. जो ओने यहूदी को देश अरु यरुशलेम मे भी कयों, अरु उनने ओखे काठ पर लटकय खे मारी डाल्यो.

40 ओखे परमेश्वर ने तीसरा दिन जिन्दो, अरु प्रगट भी करी दियो हइ.

41 सब दुन्या पर नी क्युकी उन गवाहोन पर जिन्हे परमेश्वर ने पैयले से चुनी लियो थो, मंनजे हम पर जेने ओका मर्या हुया मे से जिन्दो उठना का बाद ओका साथ खायो पीयो.

42 अरु ओने हमखे आज्ञा दी कि दुन्या मे प्रचार कर अरु गवय दे, कि यो उ हइ जोख परमेश्वर ने जिन्दो अरु मर्या ह्यो को न्याय ठेरायो हइ.

43 ओका सब भविष्यव्यक्ता गवय देस हइ कि जो कोय ओ पर विश्वास कयें, ओखे ओका नाम का वजेसे पापहोन की माफी मील्ये.”

~~~~~

44 पतरस या बातहोन बोली ही न्हो थो कि पवित्र आत्मा वचन खे सब सुननआला पर उतरी आयो.

45 अरु जिन्ता खतनो कर्या हुया विश्वासी पतरस का साथ आया था, वे सब चकित हुया कि गैरयहूदीहोन पर भी पवित्र आत्मा को दान दियो गयो हइ.

46 क्युकि उनने उनखे भाती भाती कि भाषा बोलता अरु परमेश्वर की बडाइ करता सुन्यो. ये पर पतरस ने बोल्यो.

47 का कोय पाणी की रोक खे सकस हइ कि यो बपतिस्मा नी पाये जेने हमारा समान पवित्र आत्मा पायो हइ?

48 अरु ओने आज्ञा दी कि उनने यीशु मसीह का नाम मे बपतिस्मा दिये जाये. तब उनने ओकासे प्रार्थना करी कि उ कुछ दिन अरु उनका साथ न्हिये.

## 11

~~~~~

1 फिर प्रेरितहोन अरु विश्वासी ने जो जो यहूदीया मे थो सुन्यो कि गैरयहूदीहोन ने भी परमेश्वर को वचन मानी लियो हइ.

2 आखरी जब पतरस यरुशलेम मे आयो, ते खतनो कयों हुया दुन्या ओकासे वाद विवाद करण लग्या.

3 “तो ने खतनारहित दुन्याहोन का ह्या जैइखे ओका साथ खायो.”

4 तब पतरस ने उनका सुरवात से क्रमा नुसार बोल सुनायो.

5 “मी याफा नगर मे प्रार्थना करी न्हो थो, अरु बेसुद हुइ खे एक दर्शन देख्यो कि एक बर्तन खे बडी चद्दर का समान चार कोना से लटकायो हुयो, बद्दल से उतरी खे मरा पास आयो.

6 जब मे ने ओ पर ध्यान कर्यो, ते ओमे पृथ्वी कि चारपाय अरु जंगल जनवर अरु रेगनआला जन्तु अरु बद्दल का पक्षि देख्यो.

7 अरु यो बोल भी सुन्यो, हे पतरस उट, मार अरु खा.

8 मे ने बोल्यो, नी प्रभु, नी क्युकि कोय अपवित्र या अशुध्द चिज मरा मुडा मे कभी नी गइ.

9 येको जवाब मे बद्दल से दूसरी बार बोल हुयो, जो कुछ परमेश्वर ने अच्छो ठैरायो हइ ओखे अशुध्द मत बोल.

10 तीन बार असो ही हुयो. तब सब कुछ फिर बद्दल पर खीची लियो गयो.

11 अरु देखनु, जल्दी तीन इन्सान जो कैसरिया से मरा पास भेज्यो गयो थो, उ घर पर जोमे हम था, उ अय खडा हुया.

12 तब आत्मा ने मरा से उनका साथ नी.सकोच होन खे बोल्यो, अरु ये छे. भैइ भी मरा साथ हुइ लिया. अरु हम उ इन्सान का घर गया.

13 ओने हम खे बतायो, कि ओने एक स्वर्गदूत खे अपना घर मे खडो देख्यो, जेने ओकासे बोल्यो, याफा मे इन्सान भेजी खे शमौन खे जो पतरस कैलातो हइ, बुलैइ ले.

14 उ तुम से असी बातहोन बोल्ये जिन का वजेसे तू अरु तरो पुरो घरानो उध्दार पाये.

15 जब मी बातहोन करण लग्यो, ते पवित्र आत्मा उन पर उ रीति से उतर्यो जो रीति से सुरवात मे हम पर उतर्यो थो.

16 तब मेखे प्रभु को उ वचन याद आयो. जो ओने बोल्यो थो, यहून्ना ने तो पाणी से बपतिस्मा दियो, पन तुम पवित्र आत्मा से बपतिस्मा पाये.

17 आखरी जब परमेश्वर ने उनखे भी उ दान दियो, जो हम खे प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करणा से मील्यो थो. ते मी कोन थो जो परमेश्वर खे रोकी सकतो?"

18 यो सुनीखे वे चुप रहेका अरु परमेश्वर की बडाइ करी खे बोलन लग्या, तब ते परमेश्वर ने गैरयहूदिहोन खे भी जिवन का लिये मन फिराव को दान दियो हइ.

19 जो दुन्या उ क्लेश का माय्यो जो स्तिफनुस करण पड्यो थो, तितर बितर हुइ गया था, वे घुमते घुमते फीनीके अरु साइप्रस अरु अन्ताकिया मे पहुच्या. पन यहूदीयाहोन खे छोड कोय दुसरा को वचन नी सुनता था.

20 पन उनमे से कुछ साइप्रस वासी अरु कुरेनी था, जो अन्ताकिया मे अय खे यूनानीहोन खे भी प्रभु यीशु को सुसमाचार कि बातहोन सुनान लग्या.

21 प्रभु को हाथ उन पर थो, अरु भोत दुन्या विश्वास करी खे प्रभु का तरफ फिया.

22 जब उनकी बातचित यरुशलेम की मंडली खे सुनना मे आयो, ते उनने बरनवास खे अन्ताकिया भेज्यो.

23 उ वहा पहुची खे अरु परमेश्वर को अनुग्रह खे देखी खे खुश हुयो, अरु सब खे उपदेश दियो कि तन मन लगयखे प्रभु से लिपट्यो न्हियो.

24 उ एक अच्छो इन्सान थो, अरु पवित्र आत्मा अरु विश्वास से परिपूर्ण थो. अरु दुसरा भोत सा दुन्या प्रभु मे अय मील्यो.

25 तब उ शाउल खे दुडन का लिये तरसुस खे चली गयो.

26 जब उ ओकासे मील्यो ते ओखे अन्ताकिया लायो. अरु असो हुयो कि वे एक साल तक मंडली का साथ मीलतो अरु भोत दुन्या खे उपदेश देतो न्हिया. अरु चेला सब से पैयले अन्ताकिया ही मे मसीह कैलाये.

27 उय दो मे कइ भविष्यव्दक्ता यरुशलेम से अन्ताकिया आया.

28 उनमे से अगबुस नाम को एक ने खडो हुइ खे आत्मा कि प्रेरणा से या बतायो कि पुरा जगत मे बडो अकाल पड्ये उ अकाल क्लौदियुस का टेम मे पड्यो.

29 तब सेवक होन ने नीर्णय कर्यो कि हर एक अपनी अपनी पुंजी का जसो यहूदीया मे न्हनआला भैइहोन की मदत का लिये कुछ भेजनु.

30 उनने असो हि कर्यो. अरु बरनबास अरु शाउल का हाथ यरुशलेम का बुजरुक का पास पुंजी भेजी दि.

12

~~~~~

1 उ टेम हेरोदेस राजा ने मंडली का कइ इन्सानहोन का सतान का लिये उन पर हाथ डाल्यो.

2 ओने यहून्ना को भैइ याकूब से तलवार से मरी डाल्यो.

3 जब ओने देख्यो कि यहूदीया दुन्या येका से आनन्दित होस हइ, ते ओने पतरस से भी पकडी लियो. वे दिन अखमीरी रोटी को दिन था.

4 ओने ओखे पकडी से बन्दीगृह मे डाल्यो, अरु चार चार का चार पहरेदारहोन मे रख्यो. या बिचार से कि फसह का बाद ओका दुन्या का सामने लायो.

5 बन्दीगृह मे पतरस बन्द थो. पन मंडली ओका लिये लौ लगैइखे परमेश्वर से प्रार्थना करी न्हि थी.

~~~~~

6 जब हेरोदेस पतरस से इन्सानहोन का सामने एक रात पहइले, दो साकल से बध्यो हुयो दो सिपैइहोन का बीच मे न्हियो थो. अरु दरवाजा पर बन्दीगृह की रखवाली करी न्हि था.

7 ते देखनु, प्रभु को एक स्वर्गदूत अय खडो हुयो अरु उ कोठरी मे ज्योति चमकी, अरु ओने पतरस पर हाथ मारी से ओका जगायो अरु बोल्यो, उट जल्दी कर. अरु ओका हाथ से साकल खुली से गिरी पडी.

8 तब स्वर्गदूत ने ओकसे बोल्यो, कम्मर बाध अरु अपना जूता पेनी ले. ओने वसो ही कर्यो. फिर ओने ओकासे बोल्यो, अपना कपडा पेनीसे मरा पीछे अय जा.

9 उ नीकली से ओका पीछे अयगो. पन यो नी जानतो थो कि जो कुछ स्वर्गदूत करी न्हो हइ उ सच हइ, क्युकी यो समझ्यो कि मी दर्शन देखी न्हो हइ.

10 तब वे पैयला अरु दूसरा दुपेर से नीकली से उ लोहा का फाटक पर पहुचा, जो नगर का तरफ हइ. उ उनका लिये आप से आप खुली गयो, अरु वे नीकली से एक गल्ली हइ से गया, अरु जल्दी ही स्वर्गदूत ओका छोडी से चली गयो.

11 तब पतरस ने सचेत हुइ से बोल्यो, “अब मे ने सच जानी लियो हइ कि प्रभु ने अपनो स्वर्गदूत भेजी से मेखे हेरोदेस का हाथ से छुडच लियो, अरु यहूदीया होन की पुरी आस तोडी दि हइ.”

12 यो जानी से उ उस यहून्ना की माय मरियम का घर आयो, जो मरकुस बोल्या जास हइ. वहा भोत सा दुन्या जमा हुइ से प्रार्थना करी न्हि था.

13 जब ओने फाटक की खिडकी ठोकी, ते रुदे नाम की एक दासी देखन अय

14 पतरस को बोल पैछानी से ओने खुशी का मारे फाटक नी खोल्यो, पन दौडी से अंदर गइ अरु बतायो कि पतरस दरवाजा पर खडो हइ.

15 उनने ओकासे बोल्यो, तू पागल हइ. पन वा दृढता से बोली कि असो हि हइ. तब उनने बोल्यो कि ओको स्वर्गदूत हुये.

16 पन पतरस खटखटातो ही न्हियो. आखरी उनने खिडकी खोली अरु ओखे देखी से चकित न्हि गया.

17 तब ओने उनका हाथ से हुशार करियो कि चुप न्हे. अरु उनखे बतायो कि प्रभु कोय रीति से ओखे बन्दीगृह से नीकाली लायो हइ. फिर बोल्यो, “याकूब अरु भैइहोन के या बात बतै देनु.” तब नीकली से दूसरा जगा चली गयो.

18 फजर का सिपैइहोन मे बडी हलचल मची गइ कि पतरस को का हुयो.

19 जब हेरोदेस ने ओकी खोज की अरु नी पायो, ते पहरुहोन की परख्ये करी खे आज्ञा दि कि वे मारी डाल्यो जाये.

अरु उ यहूदीया खे छोडी खे कैसरिया मे जै खे ज्हेन लग्यो.

~~~~~

20 हेरोदेस सूर अरु सैदा का दुन्या से भोत थो. येका लिये वे एक चित्त हुइ खे ओका पास आया. अरु बलास्तुस को जो राजा को एक कर्मचासरी थो, मानी खे मेल करणो चायो. क्युकि राजा का देश से उनका देश को पालन पोषण होतो थो.

21 ठैरायो हुया दिन हेरोदेस राज कपडा परनी खे राजगद्दी पर बठौ, अरु उनको व्याख्यान देन लग्यो.

22 तब दुन्या पुकार उठयो, यो ते इन्सान को नी इश्वर को बोल हइ.

23 उ टेम प्रभु को एक स्वर्गदूत ने जल्दी ओखे मार्यो, क्युकि ओने परमेश्वर कि महिमा नी दी. अरु उ किडा लगी खे मरी गयो.

24 पन परमेश्वर को वचन बडतो अरु फैलतो गयो.

25 जब बरनबास अरु शाउल अपनी सेवा पूरी करी चुक्या ते यहून्ना को जो मरकुस बोल्या जास हइ, साथ ली खे यरुशलेम से लौटयो.

## 13

~~~~~

1 अन्ताकिया कि मंडली मे कइ भविष्यव्दक्ता अरु उपदेशक था जसा बरनबास अरु शमौन जो नीगर बोलस हइ. अरु लूकियुस कुरेनी, अरु चौथाइ देश को राजा हेरोदेस को दूधभैइ मनाहेम, अरु शाउल.

2 जब वे उपास सहित प्रभु की उपासना करी ज्हा था ते पवित्र आत्मा ने बोल्यो “मरा लिये बरनबास अरु शाउल खे उ काम का लिये अलग कर्यो जोका लिये मेने उनका बुलायो हइ”

3 जब उनने उपास अरु प्रार्थना करीखे अरु उन पर हाथ रखीखे उनका बिदा दी

~~~~~

4 अत वे पवित्र आत्मा खे भेजा हुया सिलुकिया खे गया अरु वाहा से डोगापर चडिखे साइप्रस खे चले

5 अरु सलमीस मीस्र मे पहुचीखे परमेश्वर को वचन यहूदीया होन खे आराधनालयो मे सुनायो यहून्ना उनका सेवक थो

6 वे उ सारा टापु मे होते हुया पाफुस तक पहुच्या वहा उनने बारा बार यीशु नाम को एक यहूदीया जादुगर अरु झूठा भविष्यव्दक्ता मील्यो.

7 उ हाकिम सिरगियुस पौलुस का साथ थो, जो बुध्दिमान अदमी थो. ओने बरनबास अरु शाउल खे अपना पास बुल्यै खे परमेश्वर को वचन सुननो चाह्यो.

8 पन इलीमास टोन्हे ने, क्युकि योही ओको नाम को अर्थ हइ, उनको विरोध करी खे हाकिम को विश्वास करणा से रोखनो चाह्यो.

9 तब शाउल ने जेको नाम पौलुस भी हइ, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो ओका तरफ टकटकी लगैइ, देख्यो अरु बोल्यो.

10 हे पुरा दुश्मन अरु सब हुशारी से भर्या हुया सैतान कि सन्तान, सब धर्म का बैरी का तु प्रभु कि सीधी रस्ताहोन खे तेडो करणो नी छोड्ये?

11 अब देख, प्रभु को हाथ तरा पर लग्यो हइ. अरु तू कुछ टेम तक अंधो न्हिये अरु सूरज खे नी देख्ये. तब तुरन्त अरु अधारो ओ पर छै गयो

अरु उ इधर उधर टोटलन लग्यो ताकि कोय ओको हाथ पकडी खे ली चल्ये.

12 तब हाकिम ने जो हुयो थो ओखे देखी खे अरु प्रभु को उपदेश से चकित हुइ खे विश्वास कर्यो.

~~~~~

13 पौलुस अरु ओका साथी पाफुस से डोंगो खोलि खे पंफूलिया का पिरगा मे आया अरु यहून्ना उनखे छोड खे यरुशलेम का लौटी गयो.

14 पिरगा से आगे बडी खे वे पिसिदिया का अन्ताकिया मे पहुच्या अरु अराम का दिन आराधनालय मे जैइ खे बढी गयो.

15 व्यवस्था अरु भविष्यव्दक्ताहोन की किताब से पडन का बाद आराधनालय का सरदारहोन ने उनका पास बुलाओ भेज्यो, हे भैइहोन अगर दुन्या खे उपदेश का लिये तुम्हारो मन मे कोय बात हुइ ते बोलनु.

16 तब पौलुस ने खडो हुइ खे अरु हाथ से इसारो करी खे बोल्यो, हे इस्त्राएलहोन,

अरु परमेश्वर से डरनआला, सुन!

17 ये इस्त्राएली दुन्या का परमेश्वर ने हमारा बापदादाहोन खे चुनी लियो, अरु जब ये दुन्या मीस्र देस मे परदेशी हुइ खे रहेता था, ते उनकी उन्नती करी. अरु बलवन्त भुजा से नीकाली लायो.

18 उ कोय चालीस साल तक जंगल मे उनकी सयतो से न्हियो.

19 अरु कनान देश मे सात जातीहोन खे नाश करी खे उनको देस कोय साढे चार सौ साल मे इन का मीरास मे करी दियो.

20 येका बाद ओने शमूएल भविष्यव्दक्ता

तक उनमे न्याय ठैराये.

21 ओका बाद उनने एक राजो माग्यो. तब परमेश्वर ने चालीस साल का लिये बिन्यामीन का गोत्र मे से एक इन्सान. मंनजे कीश को बेटो शाउल के उन पर राजो ठैरायो.

22 फिर ओखे अलग करी खे दाउद खे उनको राजो बनायो. जेका बारे मे ओने गवइ दी मेखे एक इन्सान खे यिशय को बेटो दाउद, मरा मन का जसो मीली गयो हइ. उ मरी पुरी इच्छा पूरी कर्यो.

23 ये को कुल मे से परमेश्वर ने अपनी प्रतीज्ञा का जसो इस्त्राएल का पास एक उद्धारकर्ता, मंनजे यीशु खे भेज्यो.

24 जेका आना से पैयले यहून्ना ने सब इस्त्राएलहोन मे मन फिराव को बपतिस्मा को प्रचार कर्यो.

25 जब यहून्ना अपनी सेवा पुरी करणा पर थो, ते ओने बोल्यो, तुम मेखे का समझस हुये? मी उ नी! जब देख कामरा बाद एक आनवालो हइ, जेका पाय का जुता भी मी खोलन का योग्य नी.

26 हे भैइ, तुम जो अब्राहम को बेटो हुये. तुम जो परमेश्वर से डरस हुये, तुमारा पास यो उध्दार को वचन भेज्यो गयो हइ.

27 क्युकी यरुशलेम का न्हैनआला अरु उनका सरदार ने, नी ओखे पैछान्यो अरु नी भविष्यव्दक्ताहोन की बात समझी, जो हर अराम का दिन पडी जास हइ येका लिये ओका दोषी ठैर्येके या बात खे पूरी क्यो.

28 उनने मारी डालन का योग्य कोय दोष ओमे नी पायो, तेभी पिलातुस से प्रार्थना करी कि उ मार्ये डाल्ये जाये.

29 जब उनने ओका बारे मे लिखी हुइ सब बातहोन पूरी करी खे ते ओखे कुस पर से उतारी खे कब्र मे रख्यो.

30 पन परमेश्वर ने ओखे मर्या हुया मे से जिन्दो.

31 अरु उ उनने जो ओका साथ गलील से यरुशलेम आया था, भोत दिनहोन तक दिखाइ देतो न्हियो.

32 हम तुम खे वा प्रतीज्ञा का विषय मे जो बापदादाहोन से करी गइ थी, यो सुसमाचार सुनास हइ.

33 कि परमेश्वर ने यीशु खे जिल्येइ खे उ प्रतीज्ञा हमारी सन्तान का लिये पूरी करी. जसो दुसरा भजन मे भी लिख्यो हइ,

आज मी तरो बाप बन्यो,

तू मरो बेटो हइ.

34 अरु ओका या रीति से मर्या हुया मे से जिलाना का बारे मे भी कि उ कभी नी सडचे ओने यो बोल्यो हइ,

मी दाउद पर करी पवित्र

अरु अटल कृपा तुम पर कर्यु.

35 येका लिये ओने एक अरु भजन मे भी बोल्यो हइ तू अपना पवित्र जन खे सडन नी दिये.

36 क्युकि दाउद तो परमेश्वर की इच्छा का जसो अपना टेम मे सेवा कर खे सोइ गयो, अरु अपना बापदादाहोन मे जै मील्यो, अरु सडी भी गयो.

37 पन जेखे परमेश्वर ने जिन्दो उ सडी नी पायो.

38 येका लिये हे भैइहोन तुम जानी ले कि मूसा का वजेसे पापहोन कि माफी को समाचार तुम खे दियो जास हइ.

39 अरु जो बातहोन मे तुम मूसा की व्यवस्था का वजेसे नीदोष नी ठैरी सकतो थो, उन्ही सब मे हर एक विश्वास करणआला ओका वजेसे नीदोष ठैरस हइ.

40 येका लिये चौकस ज्हेनु, असो नी हुये कि जो भविष्यवदक्ताहोन की किताब मे आयो हइ, तुम पर अय पडचे.

41 हे नीन्दा करणआला देखनु,

अरु चकित होनु अरु मीटी जानु.

क्युकि मी तुम्हारा दिनहोन मे एक काम करुस हइ,

असो काम कि अगर कोय तुम से ओकी चर्चा कर्ये, ते तुम कभी विश्वास नी कर्ये.

42 उनका बाहेर निकलता टेम दुन्या उनसे प्रार्थना करण लग्या कि दुसरा आराम का दिन हमके या बातहोन ओका से फिर सुनाइ जाये.

43 जब आराधनालय उठी गइ ते यहूदीया होन अरु यहूदीया मत मे आया हुया भक्तहोन मे से भोत सा पौलुस अरु बरनबास का पीछे हुइ गा अरु उनने उनसे बात करी खे समझायो कि परमेश्वर का अनुग्रह मे बन्या ज्हेनु.

44 अगलो आराम का दिन नगर का प्राय खे सब दुन्या परमेश्वर को वचन सुनान खे जमा हुइ गया.

45 पन यहूदीया गर्दी खे देखी खे डाह से भरी गया, अरु नीन्दा करते हुये पौलुस की बातहोन को विरोध मे बोलन लग्या.

46 तब पौलुस अरु बरनबास ने नीडर हुइ, बोल्ये का जरुरी थो कि परमेश्वर को वचन पैयले तुम खे सुनायो जास पन जब तुम ओखे दूर अलग हइ, अरु अपना खे अनन्त जिवन का योग्य नी ठैरय ते देखनु हम गैरयहूदिहोन का तरफ फिरस हइ.

47 क्युकि प्रभु ने हम खे

या आज्ञा दी हइ मे ने तोखे गैरयहूदिहोन का लिये उजालो ठैरायो हइ,

ताकि तू पृथ्वी का छोर तक उध्दार का वजेसे हुये.

48 यो सुनी खे गैरयहूदिहोन खुश हुया अरु परमेश्वर को वचन की बडची करण लग्या. अरु जोत्ता अनन्त जिवन का लिये ठैरायो गयो थो, उनने विश्वास कर्यो.

49 तब प्रभु को वचन उ पुरा देश मे फैलन लग्यो.

50 पन यहूदीया होन ने भक्त अरु कुलीन बयहोन खे अरु नगर का प्रमुख दुन्या खे उसकायो, अरु पौलुस अरु बरनबास का विरुध्द उपद्रव कर्हे खे उनने अपनी सीमा से नीकाली दियो.

51 तब वे उनका सामने अपना पायहोन की धूल झाडि खे इकुनीयुम खे चली गया.

52 अरु चेला खुशी से अरु पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होता गया.

1 इकुनीयुम मे असो हुयो कि वे यहूदीया होन आराधनालय प्रकार बात करी कि यहूदीयाहोन अरु यूनानीहोन दो मे से भोतझन ने विश्वास कर्यो.

2 पन विश्वास नी करणआला यहूदीयाहोन ने गैरयहूदिहोन का मन भैइहोन का विरोध मे उकसायो अरु कटुरता पइदा करी दी.

3 वे भोत दिन तक वहा न्हिया अरु प्रभु का भरोसा पर हिम्मत से बात करता था. अरु उ उनका हाथहोन से चिन्ह अरु अदभुत काम करी खे अपनो अनुग्रह को वचन पर गवइ देतो थो.

4 पन नगर का दुन्या मे फुट पडी गइ थी, उकासे कत्ता तो यहूदीयाहोन की तरफ अरु कात्ता प्रेरितहोनक का तरफ हइ गया.

5 पन जब गैरयहूदिहोन अरु यहूदीया उनको अपमान अरु उन पर पथराव करण का लिये अपना सरदारहोन समेत उन पर दौड्या.

6 ते वे या बात जानी गया, अरु लुकाउनीया का लुस्त्रा अरु दिरबे नगरहोन मे अरु आस पास का प्रदेशहोन मे भागी गया.

7 अरु वहा सुसमाचार सुनान लग्या.

~~~~~

8 लुस्त्रा मे एक इन्सान बटी थो, जो पाय को नगडो थो उ जन्म ही से लगडो थो अरु कभी नी चल्थो थो.

9 उ पौलुस खे बात करता सुनी न्हो थो. पौलुस ने ओका तरफ टकटकी लगैइ खे देख्यो कि ओखे अच्छो हुइ जान को विश्वास हइ.

10 अरु उचो बोल से बोल्यो, अपना पाय का बल सीधो खडो हो. तब उ उछली खे चलन फिरन लग्यो.

11 दुन्या ने पौलुस को यो काम देखी खे लुका उनीया की भाषा मे उचो बोल से बोल्यो देवता इन्सानहोन का रुप मे हुइ खे हमारा पास उतरी आया हइ.

12 उनने बरनबास खे ज्यूस अरु पौलुस खे हिरमेस बोल्यो क्युकि उ बात करणा मे मुख्य थो.

13 ज्यूस खे वा मदिर को पुजारी जो उनका नगर का सामने थो, बैल अरु फूलहोन को हार फाटकहोन पर लैइ खे दुन्या का साथ बलिदान करणो चाहतो थो.

14 पन बरनबास अरु पौलुस प्रेरितहोन जब यो सुन्यो ते अपना कपडा फाड्या अरु गर्दी मे लुकी खे अरु पुकारी खे बोलन लग्या.

15 हे दुन्या, तुम का करस हइ? हम भी ते तुम्हारा सामन दुख सुख भोग्या इन्सान हइ, अरु तुम खे सुसमाचार सुनास हइ कि तुम इन बेकार चिजहोन से अलग हुइ खे जीवते परमेश्वर का तरफ फिरनु, जेने स्वर्ग अरु पृथ्वी अरु समुदर अरु जो कुछ उनमे हइ बनायो.

16 ओने बील्या टेमहोन मे सब जातहोन खे अपना अपना मार्गहोन मे चलन दियो.

17 तेभी ओने अपना आप खे वे गवाह नी छोड्यो. किन्तु उ अच्छो करता न्हियो, अरु स्वर्ग से बारीश अरु फलवन्त ऋतु दिके तुम्हारा मन को भोजन अरु खुशी से भरता न्हियो.

18 यो बोली खे भी उनने दुन्या खे बडी कठनाइ से रोक्यो कि उनका लिये बलिदान नी कर्ये.

19 पन कुछ यहूदीयाहोन ने अन्ताकिया अरु इकुनीयुम से अय खे दुन्या खे अपनी तरफ करी लियो, अरु पौलुस पर पथराव कर्यो, अरु मर्यो समझी खे ओखे नगर का बाहर घसीटी लि गया,

20 पर जब चेला ओका चारी तरफ अय खडा हुया ते उ उठी खे नगर मे गयो अरु दूसरा दिन बरनबास का साथ दिरबे खे चली गयो.

~~~~~

21 वे उ नगर का दुन्या को सुसमाचार सुन्ये का, अरु भोत सा चेला बन्या का लुस्त्रा अरु इकुनीयुम अरु अन्ताकिया खे लौटी आया.

22 अरु चेलाहोन का मन खे स्थिर करता न्हेनु अरु यो उपदेश देता था कि विश्वास मे बन्या न्हेनु. अरु यो बोलता था हम बडा क्लेश उठैइ खे परमेश्वर का राज्य मे प्रवेश करण खे होनु.

23 अरु उनने हर एक मंडली मे उनका लिये बुजरुक ठैरो, अरु उपास सहित प्रार्थना करी खे उनने प्रभु का हाथ सोप्यो जो पर उनने विश्वास कर्यो थो

24 तब पिसिदिया से होता हुये वे पंफूलिया पहुच्या;

25 फिर पिरगा मे वचन सुन्ये का अतलिया मे आया.

26 अरु वहा से वे डोंगा पर अन्ताकिया गया, जहा वे उ काम का लिये जो उनने पूरो कर्यो थो परमेश्वर का अनुग्रह मे सौप्या गया था.

27 वहा पहुची खे उनने मंडली जमा करी अरु बतायो कि परमेश्वर ने उनका साथ हुइ खे कसा बडा बडा काम कर्या अरु गैरयहूदिहोन का लिये विश्वास को दरवाजो खोली दियो.

28 अरु वे चेलाहोन का साथ भोत दिन तक न्हिया.

15

?????? ?? ???

1 फिर कुछ दुन्या यहूदीया से अयखे विश्वासी सीखान लग्या “अगर मूसा कि व्यवस्था पर तुम्हारो खतनो नी होतो तुम उध्दार नी परई सक्ये.”

2 जब पौलुस अरु बरनबास को उनसे भोत वाद विवाद अरु वाद विवाद हुयो ते यो ठैरायो गयो कि पौलुस अरु बरनबास अरु उनमे से कुछ इन्सान या बात का बारे मे प्रेरितहोन अरु बुजरुक का पास यरुशलेम खे जाये.

3 आखरी मंडली ने उनका कुछ दुर तक पहुचायो. अरु वे फीनीके अरु सामरिया से होते हुये गैरयहूदिहोन को मन फिराना को समाचार सुनाता गयो, अरु सब भैइ भोत खुश हुयो.

4 जब वे यरुशलेम पहुच्या, ते मंडली अरु प्रेरित अरु बुजरुक उनसे खुशी का साथ मील्यो अरु उनने बतायो कि परमेश्वर ने उनका साथ हुइ, कसा-कसा काम कर्या था.

5 पन फरीसीहोन को पंथ मे से जेने विश्वास कर्यो थो उनमे से कुछ ने उठी खे बोल्यो, “उनने खतना करणो अरु मूसा की व्यवस्था खे मानन की आज्ञा देनो चाह्यो.”

6 तब प्रेरित अरु बुजरुक या बात का बारे मे विचार करण का लिये जमा हुया.

7 तब पतरस ने भोत वाद विवाद हुइ जान का बाद खडा हुइखे उनसे बोल्यो, “हे भैइहोन अरु बहीनहोन तुम जानस हइ कि भोत दिन हुया परमेश्वर ने तुम मे से मेखे चुनी लियो कि मरा मुडा से गैरयहूदिहोन खे सुसमाचार को वचन सुन्ये विश्वास करणु.

8 मन खे पैछाननआलो परमेश्वर ने उनका भी हमारा समान पवित्र आत्मा दिखे उनकी गवइ दी.

9 अरु विश्वास का वजेसे उनको मन अच्छो करी खे हम मे अरु उन मे कुछ भेद नी रख्यो

10 ते अब तुम का परमेश्वर की परीक्षा करस हइ कि चेलाहोन की गरदन पर असो रखन जेखे नी हमारा बापदादाहोन उठै सक्या था अरु नी हम उठै सकस हइ?

11 हा, हमारा यो नीश्चय हइ कि जो रीति से वे प्रभु यीशु को अनुग्रह से उध्दार पाये; उ रीति से हम भी पाये.”

12 तब सारी सभा चुपचाप बरनबास अरु पौलुस की सुनन लग्या कि परमेश्वर ने उनका वजेसे गैरयहूदिहोन मे कसा बडा बडा चिन्ह, अरु अदभुत काम दिखाया.

13 जब वे चुप हुया ते याकूब बोलन लग्यो हे भैइहोन अरु बहीनहोन मरी सुनो.

14 शमौन ने बतायो कि परमेश्वर ने पैयले गैरयहूदिहोन पर कसी कृपादृष्टी करी कि उनमे से अपना नाम का लिये एक दुन्या बनय ले.

15 येमे से भविष्यवक्ताहोन की बात भी मीलस हइ, जसो कि लिख्यो हइ.

16 येका बाद मी फिर अयखे दाउद को गियो हुयो डेरो उठास, अरु ओका खडोरख फिर बनायु अरु

ओखे खडो कर्यु.

17 येका लिये कि कुछ इन्सान,

मनजो सब गैरयहूदीहोन जो मरा नाम खे बोलस हइ, प्रभु खे दूढये.

18 यो उ प्रभु बोलस हइ जो जगत की उत्पत्ति से इन बातहोन को समाचार देता आयो हइ.

19 येका लिये मरो विचार यो हइ कि गैरयहूदीहोन मे से जो दुन्या परमेश्वर कि तरफ फिरस हइ, हम उनका दुख नी देनु.

20 पन उनखे लिखीखे भेज्यो कि वे मूर्ती की अशुध्दताहोन अरु व्यभिचार अरु गल्यो घोट्टे हुया को मास से अरु खुन से दूर ज़ेनु.

21 क्युकि पुरानाजमान से नगर नगर मूसा की व्यवस्था को प्रचार करणआला होता चल्यो आया हइ, अरु उ हर अराम को दिन आराधनालय मे पडै जास हइ.

~~~~~

22 तब पूरी मंडली सहित प्रेरितहोन अरु बुजरुक खे अच्छो लग्यो कि अपना मे से कुछ इन्सानहोन खे चुनु, मनजे यहूदा जो बरसब्बास बोलस हइ, अरु सीलास, जो भैइहोन अरु बहीनहोन मे मुखीयो थो. अरु उनने पौलुस अरु बरनबास का साथ अन्ताकिया भेजनु.

23 उनने उनका हाथ यो लिख भेज्यो. अन्ताकिया अरु सीरिया अरु मंडलीहोन, जेनआला भैइहोन अरु बहीनहोन खे

जो गैरयहूदीहोन मे से हइ, प्रेरितहोन अरु बुजरुक भैइहोन बहीनहोन को नमस्कार.

24 हमने सुन्यो हइ कि हम मे से कुछ ने वहा जैइखे तुम खे अपनी बातहोन से घबच्यै दियो. अरु तुमारा मन उलटी दियो हइ पन हम ने उनका आज्ञा नी दी थी.

25 येका लिये हम ने एक चित्त हुइ, ठीक समझ्यो कि चुन्या हुया इन्सानहोन खे अपना प्रिय बरनबास अरु पौलुस का साथ तुम्हारा पास भेजनु.

26 यो असो इन्सान हइ जिन्हे अपनो जान हमारा प्रभु यीशु मसीह का नाम का लिये जोखिम मे डाल्यो हइ.

27 येका लिये हम ने यहूदा अरु सीलास खे भेज्यो हइ, जो अपना मेडा से भी या बातहोन बोली दियो.

28 पवित्र आत्मा खे अरु हम खे ठीक जानी पड्यो कि या जरुरी बातहोन खे छोड तुम पर अरु बोझ नी डाल्ये.

29 कि तुम मूरतो पर बलि कर्या हुया से अरु खुन से अरु गल्यो घोट्टो हुया को मास से अरु व्यभिचार से दूर ज़ेनु. येका से दूर ज़ेनु ते तुम्हारे भलो हुये आगे शुभ.

30 फिर वे बिदा हुइखे अन्ताकिया पहुची खे अरु सभा खे जमा करी का वा चिट्ठी उनखे दी दी.

31 वे चिट्ठी पडीखे वा उपदेश की बात से खुब सुख हुया.

32 यहूदा अरु सीलास भैइहोन अरु बहीनहोन खे उपदेश दिखे स्थिर कर्यो.

33 वे कुछ दिन न्हिखे भैइहोन अरु बहीन से शांती का साथ बिदा हुया कि अपना भेजनआला का पास जानु.

34 पन सीलास का वहा ज़ेनो अच्छो लग्यो

35 पौलुस अरु बरनबास अन्ताकिया मे न्हि गया. अरु दुसरा भोत सा दुन्या का साथ प्रभु को वचन को उपदेश करतो अरु सुसमाचार सुनातो न्हियो.

~~~~~

36 कुछ दिन बाद पौलुस ने बरनबास से बोल्यो, जो जो नगरहोन मे हम ने प्रभु को वचन सुनायो थो, आओ फिर उनमे चलीखे अपना भैइहोन अरु बहीन खे देख्यो कि वे कसा हइ.

37 तब बरनबास ने यहून्ना को जो मरकुस बोल्या जास हइ, साथ लेन को बिचार कर्यो.

38 पन पौलुस ने ओखे जो पंफूलिया मे उनसे अलग हुइ गयो थो, अरु काम पर उनका साथ नी गयो, साथ लि जानो अच्छो नी समझ्यो.

39 आखरी असो विवाद उठौ कि वे एक दुसरा से अलग हुइ गया. अरु बरनबास, मरकुस खे लिखे डोंगा पर साइप्रस चली गयो.

40 पन पौलुस ने सीलास खे चुनी लियो, अरु भैइहोन अरु बहीन से परमेश्वर को अनुग्रह मे सीप्यो जैइखे वहा से चली गयो.

41 अरु उ मंडलीहोन खे स्थिर करता हुया सीरिया अरु किलिकिया से होता हुया नीकल्यो.

16

~~~~~

1 14 फिर उ दिरवे अरु लुस्त्रा मे भी गयो, वहा ती तीमूथियुस नाम को मसीह विश्वासी थो ओकी माय यहूदीया विश्वासी थी जबकी ओको बाप यूनानी थो.

2 उ लुस्त्रा अरु इकुनीयुम को भैइहोन अरु बहीन मे सुनाम थो.

3 पौलुस की इच्छा थी कि उ ओका साथ चल्ये. अरु जो यहूदी इन्सान उन जगाहोन मे थो उनकारण ओने ओको खतनो कर्यो, क्युकि वे सब जानता था, कि ओको बाप यूनानी थो.

4 अरु नगर नगर जाता हुया वे उन विधीहोन खे जो यरुशलेम का प्रेरितहोन अरु बुजरुकहोन ने टैराइ थी मानना का लिये उनने पहुचाता जाता था.

5 यो प्रकार मंडलीहोन विश्वास मे स्थिर होती गइ अरु गिनती मे हरदिन बडती गइ.

~~~~~

6 वे फुगिया अरु गलातिया प्रदेशहोन मे से हुइखे गया, क्युकि पवित्र आत्मा ने उनका आसिया मे वचन सुनाना से मना कर्यो.

7 उनने मूसिया का पास पहुचोखे बिथुनीया मे जान को चायो. पन यीशु का आत्मा ने उनका जान नी दियो.

8 आखरी मे मूसिया से हुइ, त्रोआस मे आया.

9 वहा पौलुस ने रात खे एक दर्शन देख्यो कि एक मकिदुनी इन्सान खडो हुयो, ओकासे प्रार्थना करीखे बोलस हइ, “पार उतरीखे मकिदुनी मे आ अरु हमारी मदत कर.”

10 ओको यो दर्शन देखता ही हमने जल्दी मकिदुनीया जानो चायो, यो समझीखे कि परमेश्वर ने हम खे उनको सुसमाचार सुनान का लिये बुलायो हइ.

~~~~~

11 येका लिये त्रोआस से डोंगा खोलीखे हम सीधा सुमात्रा खे अरु दूसरा दिन नीयापुलीस मे आया.

12 वहा से हम फिलिप्पी मे पहुच्या जो मकिदुनी देस को मेख्य नगर मे कुछ दिन तक न्हिया.

13 अराम का दिन हम नगर का फाटक का बाहर नदी का किनारा यो समझी खे गया कि वहा प्रार्थना करण कि जगा हुये. अरु बठीखे वे बयहोन से जो जमा हुइ थी, बात करण लगया.

~~~~~

14 अरु लुदिया नाम थुआतीरा नगर का कबरा कपडा बेचनआली एक बय सुनी हिं थी. अरु प्रभु ने ओको मन खोल्यो कि जब पौलुस कि बातहोन पर मन लगाये.

15 अरु जब लुदिया ने ओने अपना घराना सहित बपतिस्मा लियो, ते ओने प्रार्थना करी, “अगर तुम मेखे प्रभु कि विश्वासिनी समझस हइ, ते चलिखे मरा घर मे न्है,” अरु वा हम खे मन्य खे लि गइ.

~~~~~

16 एक दिन हम जब प्रार्थना करण कि जगा जैइ ऱ्हा था ते हम खे एक जवान दासी मीली, जोमे भविष्य बतान आली अशुध्द आत्मा थी अरु भविष्य बताना से अपना का लिये भोत कुछ कमय खे लाती थी.

17 वा पौलुस का तरफ हमारा पीछे अयखे चिल्लान लगी, “थो इन्सान अच्छो परमेश्वर को सेवक हइ, जो हम खे उध्दार रस्ता कि कथा सुनास हइ.”

18 वा भोत दिन तक असो हि करती रही, पन पौलुस परेशान हुयो अरु पलटी खे वा आत्मा मी तोखे यीशु मसीह का नाम से आज्ञा देउस हइ, कि ओमे से नीकली जा अरु वा उ टेम मे नीकली गइ.

19 जब वा पोयंड खे स्वामीहोन ने देख्यो कि हमारी कमइ कि आस जाती हीं ते पौलुस अरु सीलास खे पकडी खे चौक मे प्रधानहोन का पास खीची खे ली गया.

20 अरु उनखे रोमन अधिकारीहोन का पास लि जैखे बोल्यो, ये दुन्या जो यहूदीया हइ, हमारा नगर मे बडी हलचल मची ऱ्हा हइ.

21 अरु असी रीति रीवाज बतैइ ऱ्हा हइ, जेखे अपनानो या माननो हम रोमीहोन का लिये ठिक नी.

22 तब गर्दी का दुन्या उनका विरोध मे सीलास अरु पौलुस जमा हुइ, चड आया,

तब शासकहोन ने उनका कपडा फाड्या, अरु उनका फटका मारन कि आज्ञा दी.

23 अरु भोत फटका लगैइखे उनने उनका बन्दीगृह मे डाली दियो अरु दरोगा खे आज्ञा दि कि उनका पक्की चैकीदारी मे रख.

24 उनसे असी आज्ञा मीलीखे उनका अंदर कि बन्दीगृह मे रख्यो अरु उनका पाय काटा मे ठोकी दियो.

25 आधी का नजीकपास पौलुस अरु सीलास प्रार्थना करता हुया परमेश्वर को भजन गय ऱ्हा था.

26 कि येतना मे अचानक एक भूकम्प हुयो, ह्या तक कि बन्दिघर को पय्यो हली गयो, अरु जल्दी सब दरवाजा खुली गया. अरु सब का बन्धन खुल गया.

27 अरु जेलर जाग उठौ, अरु बन्दीगृह को दरवाजा खुल्या देखीखे समझ्यो कि कैदी भागी गया, आखी ओने तलवार खीची खे अपना आप खे मारी डालनो चायो.

28 पर पौलुस ने उचो बोल से पुकारी खे बोल्यो, “अपना आप खे कुछ नुकसान मत पहुचा, क्युकि हम सब यही हइ.”

29 तब जेल को जेलर मशाल बनय अरु जल्दी से अंदर गयो अरु डर से कापता हुये पौलुस अरु सीलास जका सामने गिर्यो.

30 अरु उनखे बाहर लीखे बोल्यो, हे सज्जनहोन को उध्दार मीलन का लिये प्रभु ने बोल्यो मी का करु?

31 उनने बोल्यो, प्रभु यीशु पर विश्वास कर, ते तू अरु तरो घरानो उध्दार पाये.

32 अरु उनने ओखे अरु ओका सब घर का दुन्या, प्रभु को वचन सुनायो.

33 अरु रात खे उ टेम जेलर ने उनखे, ली जैइखे उनका पाय धोया, अरु ओने अपना सब दुन्या समेत जल्दी बपतिस्मा लियो.

34 अरु ओने उनखे अपना घर मे लै जैइखे उनका आगे खानो रख्यो अरु पुरा घराना समेत परमेश्वर पर विश्वास करी खे आनन्द कय्यो.

35 जब दिन हुयो तब रोमन अधिकारी का हात बुलाओ भेज्यो कि वे इन्सानहोन खे छोड दे.

36 जेलर ने या बात पौलुस से बोली, सुनइ, “शासकहोन ने तुमखे छोडी देन कि आज्ञा भेजी दि हइ, येका लिये नीकलिखे आनन्द से चली जा”

37 पर पौलुस ने अधिकारीहोन से बोल्यो, “उनने अधिकारी जो हम रोमी नागरीत्वआला दुन्या हइ, दोषी ठैराया बिना दुन्या का सामने माय्यो अरु बन्दीगृह मे डाल्यो, अरु अब का चुपचाप से नीकाली देस हइ? असो नी पर वे खुद अयखे हमखे बाहर लि जाये.”

38 सेनीकहोन अधिकारीहोन ने या बातहोन कि जानकारी रोमी अधिकारीहोन खे सुचना दि अरु जब उनने सुन्यो कि पौलुस अरु सीलास रोमन नागरीक हइ, ते वे डरी गया.



39 तब रोमन अधिकारीहोन ने अयखे नगर खेछोडी जानखे बोल्यो अरु बाहेर ली जैइखे प्रार्थना करी कि नगर से चली जा.

40 वे बन्दीगृह से नीकलीखे लुदिया का घर गया, अरु विश्वासी भैइहोन अरु बहीन से मीली खे उनखे दिलासा कि बात बोली अरु चली गया.

## 17

?????????? ?? ??

1 फिर वे पौलुस अरु सीलास अपुल्लोनीया हुइ थिस्सलुनीखे मे आया, जहा यहूदीयाहोन को एक आराधनालय थो.

2 अरु पौलुस अपना रीति का जसो आराधनालय मे गयो, अरु तीन अराम का दिन पवित्रशास्त्र से उनका साथ वाद विवाद कर्यो.

3 अरु उनको अर्थ सरल भाषा मे खोली-खोलीखे समझातो थो कि मसीह को दुख उठानो, अरु मर्या हुया मे से जी उठनो, जरुरी थो. अरु यो यीशु जोकी मी तुमखे कथा सुनउस हइ, कि मसीह हइ.

4 उनमे से केता ने, अरु भक्त यूनानीहोन मे से भोतझन ने अरु भोत कुलीन बयहोन ने मानी लियो, अरु पौलुस अरु सीलास का साथ मीली गया.

5 पर यहूदीयाहोन ने गुस्सा से भरीखे बजार दुन्या मे से कुछ आवारो इन्सानहोन खे अपना साथ मे लियो, अरु गर्दी लगैइखे शहर मे हल्लो मचान लग्या, अरु यासोन का घर पर चढाइ करी खे अरु कोशीस करण लग्या पौलुस अरु सीलास खे दुन्या का सामने लानो चायो.

6 अरु उनखे नी मीलीखे वे यो चिल्लाता हुया यासोन अरु कुछ विश्वासी भैइहोन का नगर का हाकिमहोन का सामने खीची खे लाये अरु बोलन लग्या ये दुन्या जेने जगत का मुसीबत पइदा करी दि हइ, ह्या भी आया हइ.

7 अरु यासोन ने उनने अपना घर मे ठैरायो हइ, अरु कैसर राजा की आज्ञाहोन को विरोध करस हइ.

8 जब गर्दी अरु नगर, शासकहोन ने या बातहोन सुनी खे दुन्याहोन खे भड का यो ते वे परेशान हुइ गया.

9 अरु उनने यासोन अरु बाकी दुन्याहोन खे जमानत पर छोडी दियो.

?????? ?? ?? ?? ??????? ?? ???????

10 विश्वासी भैइहोन ने जल्दी रात हि रात पौलुस अरु सीलास को बिरिया मे भेजी दियो का अरु वे वहा पहुची कि यहूदीयाहोन खे आराधनालय मे गया.

11 ये दुन्या तो थिस्सलुनीखे का दुन्या से जादा अच्छा था अरु उनने बडी लालसा से वचन ग्रहन कर्यो, अरु हरदिन शास्त्र को पडचैइ करता देख्यो कि जो पौलुस कि पुरी बात सही हइ कि नी.

12 यको परीनाम स्वरूप भोत सा यहूदीया अरु महत्व पुर्ण गैरयहूदिहोन मे से देख्यो थो भोतझन ने, अरु यूनानी कुलीन बयहोन मे से अरु इन्सानहोन मे से भोतझन ने विश्वास कर्यो.

13 पन जब थिस्सलुनीखे का यहूदीया जानी गया कि पौलुस बिरिया मे भी परमेश्वर को वचन सुनास हइ, ते वहा भी अय खे दुन्या खे भडकानो अरु दंगा करवाना मे लग्या.

14 तब विश्वासी भैइहोन ने जल्दी पौलुस कए बिदा कर्यो कि समुद्र का किनार चली जा. पन सीलास अरु तीमुथियुस क्हा हि गो

15 पौलुस का विश्वासी भैइहोन ने एथेस तक पोचय दियो, अरु सीलास अरु ती तीमुथियुस का लिये यो आज्ञा लिका बिदा हुया कि मरा पास जल्दी भेज्यो.

?????? ?? ?? ??????? ?? ???????

16 जब पौलुस एथेस अरु सीलास अरु तीमुथियुस का लिये इंतजार करी रा था, ते उ भोत परेशान थो जब ओने देख्यो कि शहर मे मूर्तिहोन से भर्यो देखी खे ओकी आत्मा जल उठयो.

17 आखरी उ यहूदीया आराधनालय मे यहूदीयाहोन अरु गैरयहूदीहोन जो परमेश्वर कि उपासना करता था, अरु चौक मे जो दुन्या मीलता था उनसे हर दिन वाद विवाद कर्या करतो थो.

18 तब इपिकुरी अरु स्टोइकी मास्टर मे से कुछ ओकासे तर्क करण लग्या, अरु कोय ने बोल्यो, यो काय बलवादी का बोलनो चाहस हइ?

पन दुसरा ने बोल्यो का उ दुसरा देवताहोन को प्रचारक मालुम पडस हइ, क्युकि उ यीशु का तरफ पुनरुत्थान को सुसमाचार सुनानो थो.

19 तब वे पौलुस अपना अरियुपगुस नगर का सभा मे लिखे गया अरु पुछ्यो, हम जानी सकस हइ नइ शिक्षा जो बतैइ न्हा हइ, का हइ?

20 क्युकि तू अनोखी बातहोन हम खे सुनास हइ, येकालिये हम जाननो चाहस हइ कि इनको मतलब का हइ?

21 येका लिये कि सब एथेस वासी अरु परदेसी जो वहा न्हेता था नइ-नइ बातहोन बोलन अरु सुनना का सिवाय अरु कोय काम मे टेम मे नी बिताथा था.

22 तब पौलुस नगर कि सभा का अरियुपगुस का बीच मे खडो हुइ खे बोल्यो का, हे एथेस का दुन्याहोन, मे देखुस हइ कि तुम हर बात मे देवताहोन खे बडा धार्मीक माननआला हुये.

23 क्युकि मी नगर मे फिरते हुये तुम्हारी आराधना करण कि जगा खे देखी न्हे थो, ते एक वेदी भी पाइ, जेका पर लिख्यो थो, अनजाना परमेश्वर का लिये येका लिये जेको तुम बिना जाने परमेश्वर कि आराधना करस हइ,

24 जो परमेश्वर ने जगत अरु ओकी सब चिजहोन खे बनायो, उ स्वर्ग अरु धरती को स्वामी हुइ खे हाथ कि बनाया हुया मन्दिर मे नी न्हे.

25 नी कोय चिज की जरूरत करण इन्सानहोन का हाथहोन कि सेवा लेस हइ, क्युकि उ तो आप ही सब के जिवन अरु सास अरु सब कुछ देस हइ.

26 ओने एक ही इन्सान का वजेसे पुरा इन्सानहोन कि नीर्मीती करी सारी धरती उनखे न्हेन का लिये बनइ. अरु ओने दुन्या को टेम ठैर्यो खे दियो अरु उनका जगाहोन खे जहा वे न्हेस हइ ओकि सिमाहोन बाधी हइ.

27 यो येका लिये कर्यो कि दुन्या परमेश्वर खे ढुडये, अरु हुइ सकस हइ वे ओका तक पहुची खे पैयले लिखे फिर भी उ कोय से दुर नी हइ.

28 क्युकि हम ओमे जीन्दा न्हेस, अरु चलता फिरता, अरु स्थिर न्हेस हइ अस्तित्व हइ यो प्रकार खुद तुम्हारा कुछ कविहोन ने भी बोल्यो हइ, हम तो ओका कुल भी हइ.

29 आखीर परमेश्वर को कुल हुइ खे हम खे यो समझानो अच्छो नी कि परमेश्वर का सोन्नो या चादी या पत्थर का जसा हइ, जो इन्सान कि कारागीर अरु कल्पना से बनायो गयो हइ.

30 येका लिये जब दुन्या परमेश्वर खे नी समझ सक्ये कि टेम मे होन पर ध्यान नी दिये, पर अब हर जगा सब इन्सानहोन खे मन फिरान की आज्ञा देस हइ.

31 क्युकि परमेश्वर ने एक दिन नीश्चित कर्यो हइ अपनो नीयुक्त कर्या गया एक इन्सान का वजेसे धार्मीकता से जगत को न्याय कर्ये, जेखे ओने ठैरायो हइ अरु ओखे मर्या हुया मे से जिलयखे या बात सब पर प्रमाणित करी दी हइ.

32 मर्या हुया खे पुनरुत्थान कि बात सुन्ये का खे ता तो मजाक मजाक उखान लग्या, पन अरु पर दुसरा दुन्या से. "बोल्यो कि या बात फिर से सुन्नु चाहस हइ."

33 येका पर पौलुस उनका बीच मे से चली गयो.

34 पन कुछ इन्सान ओका साथ मील गया, अरु विश्वास कर्यो जेमे दियुनुसियुस जो अरियुपगुस को मुखियो थो, अरु दामरीस नाम की एक बय थी, अरु उनका साथ कुछ दुन्या था.

## 18

XXXXXXXX XX XXXX

1 येका बाद पौलुस एथेस खे छोडी खे कुरिन्थुस मे आयो.

2 अरु वहा अक्विला नाम को एक यहूदीया मील्यो, जेको जन्म पुन्तुस मे हुयो थो. अरु अपनी लुगड प्रिस्किल्ला का साथ इटली से हाल ही मे आयो थो, क्युकि क्लौदियुस ने सब यहूदीयाहोन खे रोम से नीकली जान की आज्ञा दी थी, येका लिये उ उनका ह्या गयो.

3 अरु एक ही साथ जेतो थो ओको अरु उनको एक ही व्यापर थो.

4 अरु उ हर येक आराम का दिन आराधनालय मे वाद विवाद करी खे यहूदीयाहोन अरु यूनानीहोन खे भी समझातो थो.

5 जब सीलास अरु तीमुथियुस मकिदुनी से आया, ते पौलुस वचन सुनान कि धुन मे लगी खे यहूदीयाहोन खे गवइ देतो थो कि यीशु हि मसीह हइ.

6 पन जब वे विरोध अरु नीन्दा करण लग्या, ते ओने अपना कपडा झटकी खे ओकासे बोल्यो, “तुम्हारे खुन तुम्हारा माथा पर न्हिये? मी नीर्दोष हइ, तुम्हारा मरन को कारन तुम ही हइ अरु अब से मी गैरयहूदिहोन का पास जायु.”

7 अरु वहा से चली खे वहा तीतुस यूस्तुस नाम परमेश्वर को एक भक्त का घर मे आया, जोको घर आराधनालय से लग्यो हुयो थो.

8 तब आराधनालय को सरदार क्रिस्पुस ने अपना पुरा घराना समेत प्रभु पर विश्वास कर्यो. अरु भोट से कुरिन्थवासी ने संदेश सुनी खे विश्वास कर्यो अरु बपतिस्मा लियो.

9 अरु प्रभु ने रात खे दर्शन का वजेसे पौलुस से बोल्यो, “मत डर, क्युकी बोल्ये जो अरु चुप मत जेनु.

10 क्युकि मी तरा साथ हइ, अरु कोय तरा पर चडाइ करी खे तरो नुकसान नी कर्ये. क्युकि यो नगर मे मरा भोट सा दुन्या हइ.”

11 येका लिये उ उनमे परमेश्वर को वचन सिखाता हुया देड साल तक न्हियो.

12 जब गल्लिहोन अखाया देश को राज्यपाल थो ते यहूदीया दुन्या एक मत करी खे पौलुस पर चडी आया, अरु ओखे न्याय आसन का सामने लायो, अरु बोलन लग्या,

13 “यो इन्सान दुन्या खे समझास हइ, कि परमेश्वर कि उपासना असा रीति से करणु, जो हमारा व्यवस्था को विपरीत हइ.”

14 जब पौलुस बोलना पर थो, ते गल्लिहोन ने यहूदीयाहोन से बोल्यो, “हे यहूदीयाहोन अगर यो कुछ अन्याय या दुष्टता कि बात होती ते अच्छो थो कि मी तुम्हारी सुनुस.

15 पन अगर यो वाद विवाद शब्दहोन, अरु नामहोन अरु तुम्हारी खुद की व्यवस्था का बारे ते तुम ही जाननु. क्युकि मी या बातहोन को न्यायी बन्नो नी चाहुस,”

16 अरु ओने उनखे न्याय आसन का सामने से नीकाल दियो.

17 तब सब दुन्या ने आराधनालय का सरदार खे सोस्थिनेस को न्याय आसन का सामने मार्यो, पन गल्लिहोन ने या बातहोन खे कुछ भी ध्यान नी दियो.

XXXXXXXX XX XXXX

18 आखरी पौलुस भोट दिन तक कुरीन्तु न्हियो, फिर भैइहोन से विदा लिखे डोंगा से सीरिया चल पड्या तब यीशु का साथ प्रिस्किल्ला अरु अक्विला थी पौलुस ने किस्त्रिया मे येका लिये माथो मुडायो, क्युकि ओने मन्नत मागी थी.

19 अरु ओने इफिसुस मे पोचिखे उनका वहा छोड्यो, अरु खुद हि आराधनालय मे जैखे यहूदीयाहोन से वाद विवाद करण लग्यो.

20 जब वहा का दुन्या ने ओकासे प्रार्थना करी खे हमारा साथ अरु कुछ दिन न्हियो, ते ओने स्वीकार नी कर्यो.

11 पन यो बोलि खे उनसे बिदा हुयो, “अगर परमेश्वर चाह्ये ते मी तुम्हारा पास फिर आयु” तब इफिसुस से डोंगो खो लिखे चली दियो.

12 तब कैसरिया मे उतरी खे यरुशलेम खे गयो अरु मंडली खे नमस्कार करी खे अन्ताकिया मे आयो.

13 फिर कुछ दिन न्हि खे वहा से चली गयो, कुछ टेम मे बितै खे गलातिया क्षेत्र अरु फ्रुगिया मे सब चेलाहोन को विश्वास मे स्थिर करतो फिर्यो.

~~CHAPTER 21~~

14 अपुल्लोस नामको एक यहूदीया जोको जन्म सिकन्दरिया मे हुयो थो, जो विद्वान इन्सान थो अरु शास्त्रहोन को अच्छी तरह से जानतो थो इफिसुस मे आयो.

15 ओने प्रभु को मार्ग कि शिक्षा पाइ थी, अरु पुरा आत्मा से यीशु का बारे मे अच्छो अच्छो सुनातो अरु सिखातो थो, पन उ फक्त यहून्ना को बपतिस्मा कि बात जानतो थो.

16 उ आराधनालय मे नीडर हुइ खे बडबडान लग्या, पर प्रिस्किल्ला अरु अक्विला उसकी बातहोन सुनी खे ओखे अपना ह्या लि गयो अरु परमेश्वर को रस्ता ओखे अरु भी ठिक रुप से बतायो.

17 येका बाद अपुल्लोस मे आयो, अखाया का पास जान को फैसलो कर्यो, येका लिये इफिसुस का विश्वासीहोन खे लिखी खे उनकी मदत करी, जब उ आयो, ते उ वे दुन्या का लिये एक बडो मददतगार थो, जो परमेश्वर कि कृपा से विश्वास करण आला था.

18 अपुल्लोस ने अपनी शक्ति अरु कौशल का साथ यहूदीयाहोन को सार्वजनीक रुप से कर्यो पवित्रशास्त्र से प्रमाण दि दिखे कि यीशु हि मसीह हइ.

## 19

~~CHAPTER 22~~

1 जब अपुल्लोस कुरिन्थुस मे थो, ते पौलुस उपर का पुरा देश से हुइ खे इफिसुस मे आयो अरु वहा कुछ चेला मील्यो.

2 ओने उनसे पुच्छो, तुम ने विश्वास करता टेम मे पवित्र आत्मा पायो उनने ओकासे बोल्यो, “हमने तो पवित्र आत्मा कि बातचित भी नी सुनी.”

3 ओने उनसे बोल्यो “ते फिर तुम ने कोको बपतिस्मा लियो?”  
उनने बोल्यो, “यहून्ना को बपतिस्मा,”

4 पौलुस ने बोल्यो “यहून्ना ने यो पाप से मन फिराव को बपतिस्मा दियो, कि जो मरा बाद आनआलो हइ, ओ पर मनजे यीशु पर विश्वास करणु.”

5 यो सुनीखे उनने प्रभु यीशु को नाम को बपतिस्मा लियो.

6 अरु जब पौलुस ने उन पर हाथ रख्यो, ते उन पर पवित्र आत्मा उतर्यो, अरु वे अलग अलग भाषा बोलन अरु भविष्यवाणी करण लग्या.

7 ये सब बारा इन्सानहोन था.

8 अरु पौलुस यहूदीया आराधनालय मे जैखे तीन महीना तक नीडर हुइ खे बोलतो न्हियो, अरु परमेश्वर का राज्य का बारे मे वाद विवाद करतो अरु उनने समझातो न्हियो.

9 पन जब कुछ दुन्या ने कठोर हुइ खे ओकी नी मानी क्युकी दुन्या का सामने या रस्ता को बुरो बोलन लग्या, ते ओने ओखे छोडी खे चेलाहोन खे अलग करी लियो, अरु हरदिन तुरन्तुस कि यो कुल मे वाद विवाद कर्या करतो थो.

10 दो साल तक यो होतो न्हियो, ह्या तक कि आसिया का प्रात मे जेनआला, यहूदीया का यूनानी सब ने प्रभु को वचन सुनी लियो.

11 अरु परमेश्वर पौलुस का हाथ से सामर्थ का अद्भुत काम दिखातो थो.

12 ह्या तक कि दस्ती अरु डुपट्टो ओका आंग से चिपकी खे बीमारहोन पर डालता था, अरु उनकी बीमारीहोन दुर हुइ जाती थी. अरु बुरीआत्माहोन उनमे से नीकली जाया करती थी.

13 पन कुछ यहूदीया जो बुरीआत्मा नीकाल न आला फिरता था, यो करण लग्या कि जेका मे बुरीआत्मा हुये “उन पर प्रभु यीशु नाम को प्रचार पौलुस करस हइ. कामी तुम खे ओकी कसम देउस हइ.”

14 अरु सिक्का ओका नाम को एक यहूदीया प्रधान याजक को सात बेटा था, वे यइ था.

15 पर बुरीआत्मा ने जवाब दियो, “यीशु खे मी जानुस हइ, अरु पौलुस खे भी पहचानस हइ, पर तुम कोन आय?”

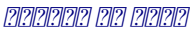
16 अरु उ इन्सान ने जोमे बुरीआत्मा थी. उन पर झपटी खे अरु उनका मे लि खे उन पर असो उपद्रव कर्यो, कि वे नंगा अरु घायल हुइ खे उ घर से नीकली भाग्या.

17 अरु या बात इफिसुस खे न्हनआला यहूदीया अरु यूनानी भी सब जानी गया, अरु उन सब पर डर छै गयो. अरु प्रभु यीशु, का नाम की बडाइ हुइ.

18 अरु जेने विश्वास कर्यो थो, उनमे से भोतजन ने अय खे अपना-अपना बुरा काम हुइखे मानी लियो अरु प्रगट कर्यो.

19 अरु जादु टोना करणआला होन मे से भोतजन ने अपनी अपनी पोथिहोन जमा करी खे सब का सामने जलै दी. अरु जब उनको दाम जोड्यो गयो, जो पचास हजार चादी, का सिक्का होन का बराबर नीकल्यो.

20 यो प्रकार प्रभु को वचन बल पूर्वक फैलतो गयो अरु मजबुत होतो गयो.



21 जब या बातहोन हुइ चुकी ते पौलुस ने आत्मा मे ठान्यो कि मकिदुनी अरु अखाया से हुइ खे यरुशलेम का जायु, अरु किधर, “वहा जान का बाद मेखे रोम खे भी देखनु जरुरी हइ.”

22 येका लिये अपनी सेवा करणआला होन मे से तीमुथियुस अरु इरास्तुस खे मकिदुनी मे भेजी खे खुद कुछ दिन आसिया मे न्हि गयो.

23 उ टेम इफियुस मे प्रभु को रस्ता का बारे मे बडो हंगामो हुयो.

24 उ दिमेत्रियुस नाम को एक सोनार थो जो अरतिमीस चादी को काम करतो थो, अरु कारीगर को भोत फायदो होतो थो.

25 ओने उनका असी चिजहोन का कारीगरहोन खे जमा करीखे बोल्यो, “हे इन्सानहोन खे तुम जानस हइ कि यो काम से खे तो धन मीलस हइ.

26 अरु तुम देखस अरु सुनस हइ कि फक्त इफिसुस ही मे नी, क्युकी नजीकपास पुरा आसिया मे यो बोलि बोलिखे पौलुस ने भोत दुन्या खे समझायो अरु भरमायो भी हइ, कि जो हाथ से बनायो गया देवहोन हइ इश्वर नी.

27 अरु अब फक्त योही एक बात को डर नी कि हमारा यो धन्धा कि प्रतीष्ठा जाती न्हिये. क्युकी ह्या कि महान देवी अरतिमीस की मन्दिर तुच्छ समझे जाये अरु जेखे पुरो आसिया अरु जगत पुजस हइ ओको सम्मान घटतो न्हिये.”

28 जब गर्दी ने सुनीखे घुस्सा से भरी गया अरु चिल्य खे बोलन लग्यो, “इफिसिहोन की अरतिमीस की देवी, महान हइ.”

29 अरु पुरा नगर मे बडो हंगामो मची गयो अरु दुन्या ने गयुस अरु अरिस्तर्खुस खे मकिदुनी, जो पौलुस का संग यात्री था, पकडी लियो, अरु एक साथ हुइ खे रंगइस्कुल मे दौडी गया.

30 जब पौलुस ने दुन्या का पास अंदर जानो चायो ते चेलाहोन ने ओखे जान नी दियो.

31 आसिया का शासकहोन मे से भी ओको कोय दोस्तहोन ने ओका पास संदेशहोन भेज्यो अरु प्रार्थना करी खे कि रगिस कुल मे जै खे जोखिम नी उठानु.

32 वहा कोय कुछ चिल्लातो थो, अरु कोय कुछ. क्युकि सभा मे बडी गडबडी हुइ न्हि थी, अरु भोत सा दुन्या तो यो जानता भी नी था कि वे को, लिये जमा हुया हइ.

33 तब उनने सिकन्दर से जोख यहूदीयाहोन ने खडो कर्यो थो, गर्दी मे से आगे बडायो, अरु सिकन्दर हाथ से इशारो करी से दुन्याहोन का सामने जवाब देनो चाहतो थो.

34 पन जब उनने जानी लियो कि उ यहूदीया हइ, ते सब एक शब्द से कोय दो घंटा तक चिल्लाते न्हियो, इफिसिहोन कि अरतिमीस देवी, महान हइ.

35 हे इफिसिहोन का दुन्या पुरा जगत मे एक असो इन्सान जो नी जानतो थो कि अरु स्वर्ग से अरतिमीस, “गडचो हुयो पत्थर हइ

36 आखरी जब कि या बातहोन को खण्डन ही नी हइ सक्येका ते अच्छो हइ, कि तुम शान्त न्हिये. अरु बीना सोचे विचार कुछ नी करणु.

37 क्युकि तुम इन इन्सानहोन का लाया हइ, जो न मन्दिर से लुटनआला हइ, अरु न हमारी देवी का नीन्दक हइ.

38 अगर दिमेत्रियुस अरु ओका साथी कारीगरहोन का कोय से वाद विवाद हुये ते कचेरी खुली हइ, अरु शासक भी हइ. वे एक दुसरा पर दोष लगाये.

39 पन अगर तुम कोय अरु बात का बारे मे कुछ पूछनो चाहस हइ, ते कानुन की सभा मे फैसलो किये जाये.

40 क्युकि आज का बलवा कारण हम पर दोष लगाया जान, डर से, येका लिये कि येको कोय करण नी, आखरी हम या गर्दी से जमा होन को कोय उत्तर नी दि सक्ये.”

41 अरु यो बोलि से ओने सभा से बिदा कर्यो.

## 20

~~~~~

1 जब दंगो थमी गयो ते पौलुस ने विश्वासीहोन से बुलैइ से होसलो, बडायो अरु बिदा हइ से मकिदुनी का तरफ चली दियो.

2 उ पुरा प्रदेश मे से हइ से अरु चेलाहोन से भोत आनन्द करी से उ अखाया मे आयो.

3 जब तीन महीना न्हि से उ वहा से डोंगा पर सीरिया का तरफ जाना पर थो, ते यहूदीया दुन्या ओकी विरोध मे शाजिस लगैइ न्हि था, येका लिये ओने ठानी लियो कि मकिदुनी हइ से लौटी जायु.

4 बिरीया को पुरुस इन्सान को बेटो सोपत्रुस अरु थिस्सलुनीसे किहोन मे से अरिस्तर्खुस अरु सिकुन्दुस अरु दिखे को गयुस, अरु आसिया प्रात को तुखिकुस अरु त्रुफिमुस आसिया तक तीमुथियुस ओका साथ हइ गा.

5 पर वे आगे जैसे त्रोआस मे हमारी प्रतीक्षा करता न्हिये.

6 अरु अखमीरी रोटी का दिन बाद फिलिप्पी से डोंगा पर चड से पाच दिन मे त्रोआस मे उनका पास पहुँचा, अरु सात दिन तक व्हापर न्हिया.

~~~~~

7 हप्ता का पैयला दिन जब हम रोटी तोडन का लिये जमा हुया, तो पौलुस ने जो दुसरा दिन चली जाना पर थो, उनसे बातहोन करी से अरु आधी रात तक शिक्षा देता न्हियो.

8 जो उपर की खोली मे हम जमा था, ओमे भोत दिवो जली दिया न्हि था.

9 यूतुखुस अरु नाम को खिडकी पर बैठचो हुयो गैरी नीद से झुकी न्हो थो, अरु जब पौलुस देर तक बातहोन करतो न्हियो ते उ नीद का झकोलामे तीसरा माली पर से गिरी पडचो, अरु मर्यो हुयो उठी गयो.

10 पन पौलुस उतरी से ओकासे लिपटी गयो, अरु गलो लगी से बोल्यो, “घबरानु नी. क्युकि ओको जान ओमे हइ.”

11 अरु उपर जैसे रोटी तोडी अरु खैइ से येत्ती देर तक उनसे बातहोन करतो न्हियो कि भोर हइ गइ. फिर उ चली गयो.

12 अरु वे उ जवान से जिन्दो ली आयो, अरु भोत शांती पाइ.

~~~~~

13 हम पैयले से डोंगा पर चडी खे अस्सुस को यो बिचार से आगे गया, कि वहा से हम पौलुस खे चडचै लिये क्युकि ओने यो येकालिए ठैरायो थो, कि खुद ही पइदल जानआला थो.

14 जब उ अस्सुस मे हम खे मील्यो ते हम ओखे चडचै, मीतुलेने मे आया.

15 अरु वहा से डोंगा खोली खे हम दूसरा दिन खियुस का सामने पहुच्या, अरु दुसरा दिन सामेस मे जा पहुच्या, फिर दूसरा दिन मीलेतुस मे आया.

16 क्युकि पौलुस ने इफिसुस का पास से हइ खे जाना की ठान्यो थो, कि कही असो नी हुये कि ओखे आसिया मे देर लग्ये. क्युकि उ जल्दी मे थो, कि अगर हइ सक्येका ते उ पिन्तेकुस्त का दिन यरुशलेम मे न्हियो.

~~~~~

17 अरु ओने मीलेतुस से इफिसुस मे बुलाओ भेज्यो, अरु मंडली का बुजरु खे बुलायो.

18 जब वे ओका पास आया, ते उनसे बोल्यो,

तुम जानस हइ, कि पैयला ही दिन से जब मी आसिया मे पहुच्यो, मी हर टेम मे तुम्हारा साथ कोनता प्रकार न्हियो.

19 यानी बडी दीनता से, अरु आसू बह्ये-बह्ये खे अरु उ परीक्षाहोन मे जो यहूदीयाहोन कि साजिस करण जो मरा पर अय पडी. मी प्रभु की सेवा करतो ही न्हियो.

20 अरु जो-जो बातहोन तुम्हारा लोभ की थी, उनखे बतानु अरु दुन्या का सामने अरु घर-घर सिखाना से कभी नी झिझकनु.

21 क्युकी यहूदीयाहोन अरु यूनानीहोन खे चेतावनी देतो न्हियो कि परमेश्वर का तरफ मन फिराव, अरु हमारो प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करणु.

22 अरु अब, मी आत्मा मे बध्यो हुयो यरुशलेम का जउस हइ, अरु नी जानतो, कि वहा मरा पर का बीत्ये.

23 फक्त यो कि पवित्र आत्मा हर नगर मे गवाही दि-दि खे मरासे बोलस हइ कि बन्धन अरु क्लेश तरा लिये तैयार हइ.

24 पन मी अपनो जा खे कुछ नी समझु कि ओखे प्रिय जानू. क्युकी यो कि मी अपनी दौड, अरु वा सेवा खे पूरी कर्यु, जो मेने परमेश्वर का अनुग्रह को सुसमाचार पर गवाही देन का लिये प्रभु यीशु से पायो हइ.

25 अरु अब मी जानुस हइ, कि तुम सब जेमे मी परमेश्वर का राज्य को प्रचार करतो फिर्यो, मरो मुडो फिर नी देख्ये.

26 येका लिए मी आज का दिन तुम से गवाही दि खे बोलुस हइ, कि मी सब का खुन से नीदोष हइ.

27 क्युकि मी परमेश्वर की पुरी योझना खे तुम्ह खे पूरी रीति से बताना से नी झिझक्यो.

28 येका लिए अपनी अरु पूरा झुण्ड की देख-रेख करणु. जेमे पवित्र आत्मा ने तुम्ह खे मुखियो ठैराया हइ कि तुम परमेश्वर की मंडली की रखवाली करणु, जेका से ओने अपना खुन से मोल लियो हइ.

29 मी जानुस हइ, कि मरा जाना का बाद फाडनआला मेदाहोन तुम मे अयखे जो झुण्ड खे नी छोड्ये.

30 तुम्हारा ही बीच मे से भी असा-असा इन्सान उठयेका जो चेलाहोन के अपना पीछे खीची लेन कि टेडी-मेडी बातहोन बोल्ये.

31 येका लिए जागते न्हेनु, अरु याद करणु कि मेने तीन साल तक रात दिन आसू बोह्ये-बोह्ये खे हर एक खे सिखायो.

32 “अरु अब मी तुम्ह खे परमेश्वर के अरु ओका अनुग्रह को सोपी देस हइ तुम उन्नती करी सकस हइ अरु तुम परमेश्वर कि दुन्या का साथ पुरी आशिष दिल्ये सकस हइ.

33 मेने कोय खे चादी, सोन्ना या कपडा को लालुच नी कर्यो.\*

34 तुम खुद ही जानस हइ कि यइ हाथहोन ने मरी अरु मरा साथिहोन की जरूरतहोन पूरी करी.

35 मेने तुम्ह खे सब कुछ करी खे दिखायो, कि या रीति से मेहनत करता हुये नीबलहोन खे सम्भालनो, अरु प्रभु यीशु की बातहोन याद रखन जरुरी हइ, कि ओने खुद ही बोल्यो हइ लेना से देनो अच्छो हइ.”

36 यो बोलि ओने घुटना टेक्या अरु उन सब का साथ प्रार्थना करी.

37 तब वे सब भोत अरु पौलुस का गल्लो मिलीखे ओखे चूमन लग्या.

38 वे विशेष करीस या बात को शोक करता था, जो ओने बोली थी कि तुम मरो मुडो फिर नी देख्ये का अरु उनने ओखे डोंगा तक पहुचायो.

## 21

\*\*\*\*\*

1 जब हमने उनसे अलग हुइ खे समुद्री जत्रा सुरवात करी खे ते सीधी रस्ता से कोस मे आया, अरु दूसरा दिन रुदुस मे, अरु व्हा से पतरा मे.

2 अरु एक डोंगा मे फीनीके को जातो हुयो मील्यो, अरु हमने ओ पर चडी खे ओखे खोल दियो.

3 जब साइप्रस दिखाइ दियो, ते हमने ओखे डाखोर्यो हाथ छोडचो, अरु सीरिया खे चलीखे सूर मे उतर्या. क्युकि वहा डोंगा को बोझ उतारनु थो.

4 अरु चेलाहोन खे पयई खे हम वहा सात दिन तक न्हियो. उनने आत्मा खे सिखायो पौलुस से बोल्यो कि यरुशलेम मे पाय नी रखनु.

5 जब वे दिन पूरा हुइ गया, ते हम वहा से चल दिया. अरु सब बयहोन अरु बच्चाहोन समेत हमखे नगर का बाहेर तक पोचाया अरु हमने किनारा पर घुटना टेकी खे प्रार्थना करी.

6 तब एक दूसरा से बिदा हुइखे, हम तो डोंगा पर चड्या, अरु वे अपना-अपना घर लौटी गया.

7 जब हम सूर से पाणी जत्रा पूरी करीखे पतुलिमयिस मे पहुच्या, अरु भैइ होन खे नमस्कार करीखे उनका साथ एक दिन न्हिया.

8 दुसरा दिन हम वहा से चलीखे कैसरिया मे आया, अरु फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक का घर मे जो सातजन मे से एक थो, जैइ खे ओका ह्या ठैइर्या.

9 ओकी चार कुव्वारी बेटीहोन थी. जो भविष्यवाणी करती थी.

10 जब हम वहा भोत दिन न्हि चुक्या, ते अगवुस नामको एक भविष्यवदक्ता यहूदीया से आयो.

11 ओने हमारा पास अयखे पौलुस को कमरबन्द लियो, अरु अपना हाथ पाय बांधीखे बोल्यो, “पवित्र आत्मा यो बोलस हइ, कि जो इन्सान को यो कमरबन्द हइ, ओखे यरुशलेम मे यहूदी या रीति से बाध्ये, अरु गैरयहूदीहोन का हाथ मे सोपि दिये.”

12 जब हमने या बातहोन सुनी, ते हम अरु वहा का दुन्याहोन ने ओका से प्रार्थना करी कि यरुशलेम खे नी जानु.

13 पन पौलुस ने जवाब दियो, “तुम का करस हइ, कि रोड-रोडखे मरो मन तोडस हइ? मी तो प्रभु यीशु का नाम का लिये यरुशलेम मे नी फक्त बाध्यो जान ही का लिये क्युकी मरन का लिये भी तैयार हइ.”

14 जब ओने नी मान्यो ते हम यो बोलीखे चुप हुइ गया, “प्रभु की इच्छा पूरी हुये.”

15 उ दिनहोन का बाद हमने तैयारी करी अरु यरुशलेम खे चली दिया.

16 कैसरिया का भी कुछ चेला हमारा साथ अयगा, अरु मनासोन नामको साइप्रस का एक पुरानो चेला का साथ ली आया, कि हम ओका ह्या टिक्ये.

\*\*\*\*\*



17 जब हम यरुशलेम में पहुंचा, तो भेइ बड़ि खुशी का साथ हम से मिल्यो.

18 दूसरा दिन पौलुस हमसे तीखे याकूब का नजीक गयो, झा सब बापदादा एक जगा था.

19 तब ओने उन्हेसे नमस्कार करीखे जो-जो काम परमेश्वर ने ओकी सेवा का द्वारा गैरयहूदीहोन में कर्या थो, एक-एक करीखे सब बतायो.

20 उनने यो सुनीखे परमेश्वर की महिमा करी, फिर ओकासे बोल्यो, “हे पौलुस भेइ, तू देखस हइ, कि यहूदीहोन में से कइ हजार ने विश्वास कर्यो हइ. अरु सब व्यवस्था का प्रती उत्साही हइ.

21 अरु उनखे तरा बारे में सिखायो गयो कि तू गैरयहूदीहोन में जेनाला यहूदीहोन से मूसा से फिर जिवन से सिखास हइ अरु बोलस हइ, कि नी अपना बच्चाहोन को खतनो करणु अरु नी रीतिहोन पर चलनु.

22 ते फिर का कर्यो जाह्यो दुन्या जरुर सुन्ये कि तू ह्या आयो हइ.

23 येकालिये जो तरा से बोलस हइ, उ कर हमारा ह्या चार इन्सान हइ, जेने मन्नत मानी हइ.

24 उनखे लिखे ओका साथ अपना आप से अच्छो कर. अरु उनका लिये खर्चा दे, कि वे बाल मुन्डायें तब सब जानी लिये कि जो बातहोन उनने तरा बारे में सिखी गइ, उनकी कुछ जड़ नी हइ पन तू खुद भी व्यवस्था से मानीखे ओका अनुसार चलस हय. \*

25 पन उन गैरयहूदीहोन का बारे में जोन्हे विश्वास कर्यो हइ हमने यो सल्लो करीखे लिखी भेज्यो हइ कि वे मुतिहोन का सामने बलि कर्यो हुयो मास से अरु खुन से अरु गलो घोटचो हुयो को मास से अरु पाप से, बच्चा जेनु.”

26 तब पौलुस उन इन्सानहोन से लिखे अरु दुसरा दिन उनका साथ अच्छो हुइखे मन्दिर में गयो, अरु वहा बतैइ दियो कि अच्छो होन का दिन अगर उनमें से हर एक का लिये चडाओ चडाय जाना तक को दिन कब पुरा हुये.

\*\*\*\*\*

27 जब वे सात दिन पूरा होना पर था, तो आसिया का यहूदीहोन ने पौलुस से मन्दिर में देखी से देख सब दुन्याहोन से भडकायो, अरु यो चिल्लय से ओखे पकड़ि लियो.

28 “हे इस्राएलहोन, मदत कर. यो उ इन्सान हइ, जो दुन्या से, अरु व्यवस्था से, अरु यो स्थान से विरोध में हर जगह सब दुन्या को सिखास है, ह्या तक कि यूनानीहोन को भी मन्दिर में लयखे ओने यो पवित्र जगत से अपवित्र कर्यो हइ.”

29 उनने ते येकासे पड़ले इफिसुस वासी वुफिमुस से ओका साथ नगर में देख्यो थो, अरु समझतो थो कि पौलुस ओखे मन्दिर में लि आयो हइ.

30 तब पुरा नगर में हल्लो मची गयो अरु दुन्या दौड़ि से जमा हुया, अरु पौलुस से पकड़िखे मन्दिर का बाहेर धीसी लायो, अरु जल्दी दरवाजा बन्द करी गयो.

31 जब वे ओखे मारी डालनो चाहता था, ते सैन्य-दल का सरदार से सन्देशो पहुंचा कि पुरा यरुशलेम में हल्लो मची जे हइ.

32 तब उ जल्दी सैनीकहोन अरु सुबेदार होन से लिखे उनका पास नीच्चे दौड़ि आयो. अरु उनने सैन्य-दल का सरदार से अरु सैनीकहोन से देखीखे पौलुस से मारनो-पीटनो रोखी दियो.

33 तब सैन्य-दल का सरदार ने पास अयखे ओखे पकड़ि लियो. अरु दो साकलहोन से बाधन की आज्ञा दिखे पृच्छन लग्यो, “यो कोन हइ, अरु एने का कर्यो हइ?”

34 पन गर्दी में से कोय कुछ अरु कोय कुछ चिल्लाता न्हिया अरु जब हल्ला का मारे ठीक सच्ची नी जानी सक्यो, ते किला में लि जान की आज्ञा दी.

35 जब उ सीड़ पर पहुंच्यो, ते असो हुयो कि गर्दी का दबाव का मारे सिपाइहोन से ओखे उटैइ से लि जानो पड्यो.

36 क्युकि दुन्या कि गर्दी यो चिल्लाता हुये ओका पीछे पड्या, “ओको अन्त करी दे.”

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥

37 जब वे पौलुस से किला में लि जाना पर था, ते ओने सैनीकहोन का सरदार से बोल्यो,  
“का मेखे आज्ञा हइ कि मी तरा से कुछ बोल्यु?” ओने बोल्यो, “का तू यूनानी जानस हइ?”

38 का तू उ मीस्रिहोन नी, जो ये दिनहोन से पइले विद्रोइ बनीखे चार हजार हथियारबंद कि बडेइ करी न्हो थो.

39 पौलुस ने बोल्यो, “मी तो तरसुस को यहूदी इन्सान हइ! किलिकिया को प्रसिद्ध नगर को नीवासी हइ, अरु मी तरासे से प्रार्थना करुस हइ, कि मेखे दुन्या से बातहोन करण दे.”

40 जब ओने आज्ञा दि, ते पौलुस ने सीडि पर खडो हुइखे दुन्या का हाथ से इशारो कयों जब वे चुप हुइ गया, ते उ इब्रानी भाषा मे बोलन लग्यो.

## 22

1 “हे मरा यहूदीया भैइहोन अरु मरी बात सुनु क्युकि मी तुम्हारा सामने अपनो बचाव करुस हइ.”

2 वे यो सुनीखे कि उ उनसे इब्रानी भाषा मे बोलस हइ, ते वे चुप हुइ गया. तब ओने बोल्यो:

3 मी तो यहूदीया इन्सान हइ किलिकिया का तरसुस मे जन्म्यो. पन यो यरुशलेम मे पल्यो बड्यो गमलीएल का पाय का पास बठी खे शिक्षा प्राप्त करी खे अरु बुजुरुखहोन की व्यवस्था भी ठीक रीति पर सिखायो गयो. अरु परमेश्वर का प्रती हइ एसी धुन लगायो थो, जसा तुम सब आज हइ.

4 मेने इन्सान अरु बय दोइ खे पकडी खे अरु कैदी बन्य के बन्दीगृह मे डाली खे यो पथ खे ह्वा तक सतायो, कि उनखे मारी भी डाल्यो.

5 खुद महा याजक अरु बुजुरुख गवा हइ. कि उनमे से भैइहोन का नाम इन से चिट्ठी भी लि थी दमीशक कि जो दुन्या या रस्ता पर चलता उनखे पकडी खे बंदीघर मे ला अरु उनखे दड दिलायु.

॥॥॥॥ ॥॥॥ ॥॥॥-॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥

(॥॥॥॥॥॥॥ 9:1-19; 26:12-28)

6 “जब मी जत्रा करी खे दमीशक का पास पहुच्यो ते असो हुयो कि दुपेर का नजीक पास अचानक एक बडी बिजली बदल से मरा चारी तरफ चमकी.

7 अरु मी जमीन पर गिर पड्यो. अरु या वाणी सुनी हे शाउल, हे शाउल, तु मेखे क्यु सतय रो हइ.”

8 मेने जवाब दियो, ‘हे प्रभु, तु कोन हइ?’ ओने मरासे बोल्यो, ‘मी यीशु नासरी हइ, जेखे तू सतास हइ.’

9 अरु मरा सोप्तिहोन ने ज्योति तो देखी, पन जो मरासे बोलतो थो ओकी आवाज नी सुनी.

10 तब मेने बोल्यो, ‘हे प्रभु, मी का करु?’ प्रभु ने मरासे बोल्यो, ‘उठी खे दमीशक मे जा, अरु जो कुछ तरा करण का लिये ठैरयो गयो हइ वहा तोखे सब बतैइ दियो जाह्ये.’

11 जब वा ज्योती का तेज करण मी अंधो हुइ गयो थो, ते मरा सोप्तिहोन को हाथ पकडी हुया दमीशक मे आया.

12 “तब हनन्याह नाम को व्यवस्था का जसो चलनआलो एक भक्त इन्सान खे जो वहा का न्हनआला सब यहूदीयाहोन को मान रखतो थो,

13 अरु खडो हुइ खे मरासे बोल्यो हे भैइ शाउल, फिर देखन लग्यो, वा घडी मरी आख खुली गइ अरु मेने ओखे देख्यो.

14 तब ओने बोल्यो, हमारा बुजरुख को परमेश्वर ने तोखे येका लिये ठैरायो हइ कि तु ओकी इच्छा खे जान्यो, अरु उ धर्मी खे देख्यो, अरु ओका मुडासे बातहोन सुनी.

15 क्युकि तु ओकी तरफ से सब इन्सानहोन का सामने वा बात होन कि गवा हुये खे जो तोने देखी अरु सुनी हइ.

16 अब क्यु देर करस हइ? उट बपतिस्मा ले, अरु ओको नाम लि खे अपना पाप खे धौइ डाल.

????? ?? ?????? ?? ??????

- 17 “जब मी फिर यरुशलेम मे अय खे मन्दिर मे प्रार्थना करी ज्हो थो. मेने दृष्टान्त देख्यो.
- 18 अरु प्रभु ने देख्यो कि मरासे बोलस हइ, जल्दी करी खे यरुशलेम से जल्दी नीकली जा. क्युकि वे मरा बारे मे तरी गवइ नी मान्ये.
- 19 मेने बोल्यो, हे प्रभु वे तो तुम जानस हइ, कि मी तरा पर विश्वास करण आला होन खे बंदीघर मे डालतो अरु जगा-जगा आराधनालय मे जैइ के पिटवातो थो.
- 20 अरु जब तरो गवा स्तिफनुस को खुन बोहायो जै ज्हो थो तब भी मी वहा खडो थो, अरु या बात मे सहमत थो, अरु ओको हत्याराहोन का कपडा कि रखवाली करतो थो.
- 21 अरु प्रभु ने मरासे बोल्यो, ‘चली जा : क्युकि मी तोखे गैरयहूदिहोन का पास दुर भेज्यु.’”
- 22 वे या बात तक पौलुस सुनतो ज्हियो. तब उचो शब्द से चिल्लायो, “असा इन्सान खे जमीन से मीटय दे. ओको जिन्दो ज्हेनु अच्छो नी.
- 23 जब वे चिल्लाता अरु कपडा फाडता अरु हवा मे धुल्लो उडाथो था.
- 24 तो रोमी टुकडी का सेनादल का सुबेदार ने बोल्यो, येखे किल्ला मे लि जाओ अरु कोडा मारी खे जाचनु, कि मी जान्यु कि यहूदीया दुन्या कोय करण ओका विरोध मे असा चिल्लय ज्हा हइ,”
- 25 लेकिन जब उनने ओखे कोडा मारन का लिये बांधी दियो ते पौलुस ने वहा खडो अधिकारी से बोल्यो, तुम्हारा लिये रोमी नागरीक खे कोडा मारनो अच्छो हइ, जो कोय को भी अपराध का लिये भी कोशिश नी करी गइ हइ.
- 26 अधिकारी ने यो सुनी खे सेनापति का सरदार का पास जैइ, बोल्यो “तू ह्या का करस हइ? यो तो रोमी इन्सान हइ.”
- 27 तब सेनादल का सरदान ने पौलुस का पास अय खे बोल्यो,  
मेखे बता, तु रोमी हइ? पौलुस ने बोल्यो, “हा.”
- 28 यो सुनी खे सेनादल को सरदार ने बोल्यो, “मेने रोमी होन को पद भोत रुपीया मे दिखे मील्यो हइ.”  
पन पौलुस ने बोल्यो, “मी तो जन्म से रोमी हइ.”
- 29 तब जो दुन्या ओखे पुछताच करण आला था, वे जल्दी ओका पास से हटी गया. अरु सेनादल को सरदार भी यो जानी खे कि यो रोमी हइ, अरु ओने ओखे बाध्यो हइ, डरी गया.

????? ?? ????? ?????

- 30 दूसरा दिन रोमी टुकडी को सेना नायक यो ठीक-ठीक जानन की इच्छा से कि यहूदीया ओ पर दोष लगास हइ, येका लिये ओको बन्दन खोली दियो. अरु प्रधान याजकहोन अरु पुरी महासभा खे इकट्ठा होन कि आज्ञा दी, अरु पौलुस खे नीच्चे लि जैइ खे उनका सामने खडो करी दियो.

## 23

- 1 पौलुस ने महासभा का तरफ टकटकी लगैइ खे देख्यो, अरु बोल्यो, हे इस्त्राएली भैइहोन, मेने आज तक परमेश्वर का लिये बिलकुल सच्चा विवेक से जिवन बितायो हइ.
- 2 हनन्याह महायाजक ने, उनका जो ओका पास खडो थो, ओका गाल पर थप्पड मारन कि आज्ञा दी.
- 3 तब पौलुस ने ओकासे बोल्यो, “हे चुन्नो फिरी हुइ दिवाल, परमेश्वर तोखे मार्येका तू मूसा का नीयम का जसो मरो न्याय करण का लिये बठयो हइ, अरु फिर व्यवस्था का विरुद्ध मेखे मारन कि आज्ञा देस हइ?”
- 4 जो दुन्या पौलुस का पास खडा था, “उनने बोल्यो, तू परमेश्वर को महायाजक खे बुरो-भलो बोलस हइ.”
- 5 पौलुस ने बोल्यो, “हे इस्त्राएली भैइहोन, मी नी जानतो थो, कि यो महायाजक हइ. क्युकि लिख्यो हइ, अपना दुन्या का प्रधान खे बुरो नी बोलनु.”

6 तब पौलुस ने यो जानी खे कि एक दल सद्किहोन अरु दूसरा फीरीसिहोन को हइ, महासभा मे पुकारी खे बोल्यो, “हे भैइहोन मी फरीसी अरु फीरीसीहोन को वंश को हइ, मर्या हुया कि आस अरु पुनरुत्थान का बारे मे मरो मेकदमो हइ न्हो हइ.”

7 जब ओने या बात बोली ते फरीसीहोन अरु सद्किहोन मे वाद विवाद होन लग्यो. अरु सभा मे फुट पडी गइ.

8 क्युकि सद्कि तो यो बोलस हइ, कि नी पुनरुत्थान हइ, नी स्वर्गदूत अरु नी आत्मा हइ. पन फरीसी यो सब खे मानस हइ.

9 तब बडो हल्लो मच्यो अरु कुछ मूसा को नीयम को शिक्षक जो फरीसीहोन को दल को थो, उठी खे यो बोलि खे झगडन लग्या, “हम यो इन्सान मे कुछ बुराइ नी पाय. अरु अगर कोय आत्मा या स्वर्गदूत ओकासे बोल्यो हइ ते फिर का”

10 जब भोट वाद विवाद हुयो, ते सेनादल को सरदार ने या डर से कि वे पौलुस का टुकडा टुकडा नी करी नी डाल्येका सेनादल खे आज्ञा दी कि उतरी खे ओखे उनका बय मे से जबरदस्ती नीकलनु, अरु किल्ला मे लि आनु.

11 उय रात प्रभु ने ओका पास अयखे खडो हइ खे बोल्यो, “हे पौलुस हिम्मत रख क्युकि जसो तोने यरुशलेम मे मरी गवइ दी, वसो ही तोखे रोम मे भी गवइ देनु पड्ये.”

\*\*\*\*\*

12 जब दिन हुयो, ते यहूदीयाहोन ने इकट्ठा हुया अरु साजीस रच्यो, अरु कसम खय कि जब तक हम पौलुस खे मारी नी डाल्ये अगर हम खाया या पीया ते हम पर धिक्कर.

13 जेने या कसम खे खाय थी वे चालीस जनु से जादा था.

14 उनने प्रधान याजकहोन का पास अय खे बोल्यो, “हमने यो ठान्यो हइ कि जब तक हम पौलुस खे मारी नी डाल्येका तब तक अगर कुछ भी खाये ते हम पर धिकार हइ.

15 अरु फिर यहूदीया समेत सेनादल का सरदार का समझानु, कि ओखे तुम्हारा पास लि अयखे मानु कि तुम ओका बारे मे अरु ओका पहुचना से पडले हि ओखे मारी डालन का लिये तैयार न्हिये.”

16 अरु पौलुस की भैइन ने सुन्यो कि वे ओखे मारी डालन कि ताक मे हइ, ते सैनीकहोन किल्ला मे जैइ खे पौलु खे सन्देशो दियो.

17 पौलुस ने सुबेदार मे से एक, “पलटन को सरदार का पास लि जानु का यो जवान ओका से कुछ बोलनु चाहस हइ.”

18 आखरी. ओने ओखे पलटन का सरदार का पास लि जैइ खे बोल्यो, बन्दी पौलुस ने मेखे बुलैइ, प्रार्थना करी खे की यो जवान खे पलटन का सरदार से कुछ बोलनु चाहस हइ. येखे ओखा पास लि जा.

19 पलटन का सरदार ने ओको हाथ पकडी खे अरु ओखे अलग लि जैइ खे पुच्छो, “तू मरासे का बोलनु चाहस हइ?”

20 ओने बोल्यो, “यहूदीयाहोन ने साजिस रची हइ, कि तरासे प्रार्थना करी कि कल पौलुस खे महासभा मे लानु, मानो तू अरु ठीक से ओकी जाच करणु चाहस हइ.

21 पन उनकी नी माननु, क्युकि उनमे से चालीस का उपर इन्सान ओको घात मे हइ, जोन्हे यो ठानी लियो हइ कि जब तक वे पौलुस खे मारी नी डाले, तब तक नी खाये अरु पीये अरु अब वे तैयार हइ अरु तरो बोलन कि रस्ता देखी न्हो हइ.”

22 तब पलटन को सरदार ने जवान खे यो बतैइ खे बिदा कर्यो, “कोय से नी बोलनु कि तोने मेखे या बातहोन बतैइ हइ.”

\*\*\*\*\*

23 फिर ओने तब दो सुबेदार खे बुलैइ खे बोल्यो, “दो सौ सैनीक का सत्तर घोड सवार को अरु दो सौ भालाआला के केसरिया जान का लिये तैयार करी रख, तू रात खे नउ बजो नीकलनु.

24 अरु पौलुस की सवारी का लिये घोडा तैयार रखनु कि ओखे फेलिक्स राज्यपाल का पास सुरक्षित पहुँचै दे.”

25 सेनापती ने यो प्रकार कि चिट्ठी भी लिखी.

26 “महाप्रतापी फेलिक्स राज्यपाल से क्लौडियुस लूसियास को नमस्कार.

27 यो इन्सान से यहूदीयाहोन ने पकडी से मार डालनो चायो, पन जब मेने जान्यो कि उ रोमी हइ, ते पलटन लिखे छुडच लायो.

28 अरु मी जाननु चाहतो थो, कि वे ओका पर कोपय करण दोष लगास हइ, येका लिये ओखे नीच्चे उनकी महासभा मे लि गयो.

29 तब मेने जानी लियो, उनकी व्यवस्था को झगडाहोन का बारे मे ओ पर दोष लगास हइ, पन मारी डाल्या जाना या बाधी जान को योग्य ओमे कोय दोष नी.

30 अरु जब मेखे बतायो गयो, कि वे यो इन्सान से मारना मे लग्या हइ ते मेने जल्दी ओखे तरा पास भेजी दियो. अरु दोश लगान आला से भी आज्ञा दी, उनका लगाया हुया दोष तरा सामने रखन.”

31 आखरी जसो सैनीकहोन से आज्ञा दी गइ थी, वसो ही पौलुस से लिखे रातो-रात अन्तिपत्रिस नजीकपास ओका पास पहुँचनु.

32 दुसरा दिन घोडसवारहोन पौलुस का साथ आगे जान, लिये परदल चलन आला सैनीकहोन ने किल्ला मे छोडी दियो.

33 उनने कैसरिया मे पहुँची, राज्यपाल से चिट्ठी दी. अरु पौलुस से भी ओका सामने खडो कर्यो.

34 ओने पडी से पृछो, “यो कोनता देश को हइ?” अरु जब जानी गयो कि किलिकिया को हइ.

35 ओने बोल्हो, जब तरा दोष लगान आला भी अयखे ते मी तरो मुकद्दमो कर्नु, अरु ओने उ हेरोदेस का किल्ला मे, पहरा मे रखन कि आज्ञा दी.

## 24

~~~~~

1 पाच दिन का बाद हनन्याह महायाजक भोत बुजरुक अरु तिरतुल्लुस नामको कोय वकील से साथ लिखे कैसरिया आयो. उनने राज्यपाला का सामने पौलुस पर इलजाम लगायो.

2 जब पौलु से बुलायो गयो ते तिरतुल्लुस पर इलजाम लगैइ से बोलन लग्यो,

“हे महाप्रतापी, फेलिक्स का साथ मे पेस कर्यो तब थो पुलीस इलजाम लगाता हुये बोल्हो हे महामहिम तुम्हारो अगुवाइ मे काफी टेम से शांती से न्हि रहा हइ, अरु तुम्हारा नजर से देश मे भोत जात को अच्छो सुधार हुयो हइ.

3 येके हम हर जगा अरु फेलिक्स हर प्रकार से येको स्वागत करस हइ अरु हम बडी गैराइ से येका लिये धन्यवादीत हइ.

4 पन येका लिये कि तोखे अरु दुख नी देनो चाउ, मी नी चाउ भोत जादा टेम मे तो प्रार्थना करुस हइ कृपया तुम मे हम से एक दो शब्द मे सुनीले.

5 क्युकि हमने इन्सान से उपद्रवी अरु जगत का पुरा यहूदीयाहोन मे वाद विवाद पइदा करणआला, अरु नासरीहोन को चालु समे को अध्यक्ष पायो हइ.

6 ओने मन्दिर से अशुध्द करनो चाह्यो, अरु तब हमने ओखे बन्दी बन्ने लियो.

7 पन पलटन का सरदार लूसियास ने अय से ओखे हिम्मत हमारा हातहोन से छीनी लियो.

8 या सब बातहोन से जिन का बारे मे हम ओका पर इलजाम लगास हइ, तू खुद ओखे परखी से जानी लिये.”

9 यहूदीयाहोन ने भी ओको साथ दिखे बोल्हो कि यो सब सच्ची थो.

~~~~~

10 जब राज्यपाल ने पौलुस का लिये इशारो कर्णों ते ओने जवाब दियो. मी यो जानी खे कि तु भोत साल से यो राष्ट्र को न्याय करस हइ, मी खुशी का साथ अपनो बचाव पक्ष तुम्हारा सामने जात रखनो चाहस हइ.

11 तूम पतो करी सकस हइ, कि जब से मी यरुशलेम मे आराधना करण खे आयो, मेखे बारा दिन से जादा दिन नी हुया.

12 यहूदीयाहोन ने मेखे नी ते कोय का साथ बहस करता नी पायो, अरु नी दुन्या कि गर्दी लगाता हुये अरु यहूदीया आराधनालयहोन मे गर्दी नी शहर मे दंगो फैलाते हुये पायो.

13 अरु नी ते वे उन बातहोन खे जिनका बारे मे वे अब मरा पर इलजाम लगास हइ, तरा सामने सच साबित करी सकस हइ.

14 पन यो मी तरा सामने मानी लेउस हइ, कि जो रस्ता खे वे झुठो बोलस हइ, ओका रीति पर मी अपना बुजुरुखहोन को परमेश्वर कि आराधना करस हइ. पन यो भी विश्वास करस हइ जो बातहोन मूसा कि व्यवस्था अरु भविष्यव्यक्ताहोन की किताबहोन मे लिखी हइ उन सब पर विश्वास करस हइ.

15 अरु परमेश्वर पर ओसो ही विश्वास रखस हइ कि अच्छा अरु बुरा दो को ही पुनरुत्थान हुये.

16 येका से मी खुद भी कोशिश करस हइ, कि परमेश्वर खे अरु इन्सान का तरफ मरो विवेक सदा नीर्दोष न्हिये.

17 भोत साल का बाद यरुशलेम मी अपना गरीब दुन्या खे पहचान, अरु दान चडान आयो थो.

18 जब मी यो करी न्हो थो, उनने मेखे मन्दिर मे पायो, शुद्धिकरण कि विधी पुरी करी न्हो थो नी व्हा गर्दी थी अरु नी सोय.

19 व्हा आसिया प्रांत का कुछ यहूदीया था, यो जरुरी था की अगर मरा विरोध मे उनका पास बात थी ते ह्या तरा सामने अय खे मरा पर इलजाम लगास.

20 ह्या यहूदीया दुन्या खुद ही बोल्यो, कि जब मी बडी सभा का सामने खडा थो, ते उनने मरा मे कोन तो अपराध पायो?

21 जब मी उनका बीच मे खडो थो, “तब मे ने उचो आवाज मे बोल्यो थो मर्या हुया मे से जिन्दो उठान का बारे मे मरा विश्वास करनो मरो न्याय हुइ न्हो हइ.”

22 फेलिक्स ने जो रीति की बातहोन ठीक-ठीक जानतो थो, यन्हे यो बोली खे टाली दियो, “जब पलटन को सरदार लूसियास आद्वे ते तुम्हारी बात को नीर्णय दियु.”

23 अरु सुबेदार खे आज्ञा दी, कि पौलुस खे कुच छुट दि खे रखवाली करणु, अरु ओका दोस्त मे से कोइ खे भी ओकी सेवा करण से नी रोखनु.

????? ?? ????????? ??? ?????????????? ?? ???????

24 कुछ दिन का बाद फेलिक्स अपनी लुगय दुसिल्ला जो यहूदीया बय थी, साथ लिखे आयो अरु पौलुस खे बुलैइ खे उ विश्वास का बारे मे जो मसीह यीशु पर हइ, ओने सुन्यो.

25 जब वा अच्छी बातहोन अरु खुद अरु आनआला न्याय का दिन की चर्चा करी न्हो थो, ते फेलिक्स ने डरी खे हुइ खे जवाब दियो, “अभी तो जा. अवसर मीलीखे मी तोखे फिर बुलायू.”

26 ओखे पौलुस से कुछ पैसा मीलन की भी आस थी. येका लिये अरु भी बार-बार बुलैइ खे बातहोन कर्णो करतो थो.

27 पन जब दो साल बीती गा, ते पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स का जगा पर राज्यपाल बनी खे आयो, अरु फेलिक्स यहूदीयाहोन खे खुश करण की इच्छा से पौलुस खे बन्दीघर मे छोडी दियो.

## 25

????????? ?? ??????? ???????

1 फेस्तुस उ देस मे पहुची खे तीन दिन का बाद कैसरिया से यरुशलेम खे गयो.

2 तब व्हा यहूदीयाहोन का प्रधान याजकहोन का प्रमुख दुन्याहोन ने, ओका सामने पौलुस पर इलजाम लगायो.

3 तब यहूदीया याजक वे फेस्तुस से प्रार्थना करी व्हा की उ कृपा पौलुस खे यरुशलेम मे बुलानु ताकी वे ओखे रस्ता मे मारी डाली सक्ये.

4 फेस्तुस ने जवाब दियो, पौलुस कैसरिया मे कैद हइ, अरु मी खुद जल्दी वहा जायु.

5 फिर बोल्हो, तुम मे से नेताहोन खे मरा साथ कैसरिया भेजनु, अरु अगर यो इन्सान ने कुछ बुरा काम कर्यो हइ, ते ओ पर इलजाम लगाये.

6 उनका बीच कोय आठ दस दिन न्हिखे उ कैसरिया चली गयो. अरु दुसरा दिन न्याय आसन पर बठी खे पौलुस खे लान की आज्ञा दी.

7 जब पौलुस आयो, ते जो यहूदीया अधिकारी यरुशलेम से आया था, उनने आस-पास खडा हुइ खे ओका पर भोट सा गम्भीर इलजाम लगाया, जिनको सबुत वे नी दि सकता था.

8 पन पौलुस ने खुद का बचाव मे बोल्हो, “मेने नी ते यहूदीयाहोन की व्यवस्था का तरफ नी मन्दिर का अरु रोमन शासक कैसर का विरुध्द कोय अपराध नी कर्यो हइ.”

9 तब फेस्तुस ने यहूदीयाहोन खे खुश करण की इच्छा से पौलुस खे जवाब दियो “चाहस हइ कि यरुशलेम का जानु. अरु वहा मरा सामने तरो यो मुकदमो तय कर्या जाय?”

10 पौलुस ने बोल्हो, मी कैसर का न्याय आसन का सामने खडो हइ. मरो मुकदमो को यो फैसलो होन खे होनु, जसो तु अच्छा तरह जानस हइ, यहूदीयाहोन का विरुध्द मे मेने कुछ अपराध नी कर्यो.

11 अगर मी अपराधी हइ अरु मारी डाल नो योग्य कोय काम कर्यो हइ, ते मरन से नी मुकरु. पन जो बातहोन को यो मरा पर इलजाम लगास हइ, अगर उनमे से कोय बात सच्ची नी ठैर्ये ते कोय मेखे उनका हाथ नी सोपी सक्ये, मी कैसर से प्रार्थना करुस हइ.

12 तब फेस्तुस ने मंत्रिहोन की सभा का साथ बिचार करीखे जवाब दियो, “तोने कैसर खे दोहाइ दी हइ, ते कैसर का पास ही जाये.”

~~EEEE EEEEEEEEE EEE EEEEE EE EEEEE EEEEE~~

13 कुछ दिन बीतना का बाद अग्रिप्पा राजो अरु बिरनी खे कैसरिया मे अय खे फेस्तुस से दान कर्यो.

14 उनका भोट दिन वहा न्हन का बाद फेस्तुस ने पौलुस का बारे मे राजा खे बतायो, “एक इन्सान हइ जेखे फेलिक्स ने बन्दी घर मे ही छोड्या गयो.

15 जब मी यरुशलेम मे गयो थो, ते प्रधान याजकहोन अरु यहूदीयाहोन का बुजरुहोन ने मी ओ पर दोषी ठैराय्ये सक्यु, कि ओका पर दण्ड की आज्ञा दी जाये.

16 लेकिन मेने उनका जवाब दियो, कि रोमीहोन की या रीति नी, कि कोय इन्सान खे दण्ड का लिये सौपी दे, जब तक दोषी खे अपनो दोष लगान आला का सामने दान अरु आरोप का खिलाप खुद को बचाव करण को मौको दियो.

17 आखरी जब वे मरा साथ ह्या अयखे ते मेने कुछ देर नी करी खे पन दुसरा ही दिन न्याय आसन पर बठी खे उ इन्सान खे कोर्ट मे लान की आज्ञा दी.

18 जब ओको दोष लगान आला खडा हुया, ते उनने असी बुरी बातहोन को दोष नी लगायो, जसो मी समझतो थो वे मी कर्यु.

19 पन अपना मत खे अरु यीशु नामको कोय इन्सान का बारे मे जो मर्या था, अरु पौलुस ओखे जिन्दो बतातो थो, अरु वाद विवाद करता था.

20 अरु मी उलझन मे थो, कि या बातहोन को पतो कसो लगायु? येका लिये मेने पौलुस से पुछ्यो, तु यरुशलेम जायेका कि वहा या बातहोन को फैसलो हुये?

21 पन जब पौलुस ने बिनती, करी मरो मुकदमा को फैसलो कैसर का ह्या हुये ते मेने आज्ञा दि, कि जब तक ओखे कैसर का पास नी भेज्यु, ओखे कैद मे रख्या जाये.”

22 जब अग्रिप्पा ने फेस्तुस से बोल्ये “मी भी उ इन्सान कि सुन्तु चाहुस हइ  
“ओने बोल्यो,” तू सुनी लिये.

23 आखरी दुसरा दिन खे अग्रिप्पा अरु बिरनी खे को बडी धुम धाम से अय खे पलटन का सरदारहोन अरु नगर का प्रमुख खे दुन्याहोन का साथ दरबार मे पहुच्या, तब फेस्तुस ने आज्ञा दी कि वे पौलुस खे लिखे आये.

24 फेस्तुस ने बोल्यो, हे राजा अग्रिप्पा, अरु हे इन्सानहोन जो ह्या हमारा साथ हुये खे तुम यो इन्सानहोन खे देखस हइ, जेका बारे मे पुरा यहूदीयाहोन ने यरुशलेम मे अरु ह्या भी चिल्ले-चिल्लय खे मेखे प्रार्थना करी, कि येको जिन्दो न्हेनु अच्छो नी.

25 पन मेने जानी लियो कि ओने असो कुछ नी कर्यो कि मारी डाले जाय, अरु जब कि ओने खुद ही कैसर से प्रार्थना करी, ते मेने ओखे रोम भेजन फैसलो कर्यो.

26 पन मेने प्रभु को बचाव काबा बरे मे कोय ठिक बात नी देख्यो कि कैसर खे लिख भेजु, येका लिये मी ओखे तुम्हारा सामने अरु विशेष करी, हे राजा अग्रिप्पा तरा सामने लायो हइ, कि परख्ये का बाद मेखे कुछ तो ओखा बारे मे लिखन खे मील्ये.

27 क्युकि बन्दी खे भेझनो अरु जो इलजाम ओका पर लगाया गया, उनने बतायो कि मेखे व्यर्थ समझ पडचो हइ.

## 26

XXXXXXXXXX XX XXXXXX XXXXXX XX XXXXX

1 अग्रिप्पा ने पौलुस से बोल्यो, “ तोखे अपना बारे मे बोलन की आज्ञा हइ” तब पौलुस हाथ बडचैइ खे जवाब देन लग्यो.

2 हे राजा अग्रिप्पा, जोती बातहोन को यहूदीया मरा पर इलजाम लगास हइ, आज तरा सामने उनको जवाब देना मे मी खुद खे धन्य समझुस हइ.

3 विशेष करी खे येका लिये कि यहूदीयाहोन खे सब प्रथाहोन अरु विवादहोन खे जानुस हइ, आखरी मी प्रार्थना करुस हइ, धीरज से मरी सुनी ले.

4 जसो मरो चाल चलन बचपन से अपना जात का बीच अरु यरुशलेम मे जसो थो का यो सब यहूदीया जानस हइ.

5 वे मेखे भोट टेम से जानस हइ अगर वे चाहता ते या बात की गवइ दि सकस हइ की मे ने फरीसी रस्ता खे एक सब से कट्टर जसो एक सदस्य का रूप मे जिवन जीयो.

6 अरु अब वा प्रतीज्ञा कि आसकरण जो परमेश्वर ने हमारा बुजुंक्होन से करी थी, मरा पर मुकद्दमो चलैइ न्हा हइ.

7 वा प्रतीज्ञा को पूरो होना की आस लगाता हुया, हमारा बारा कुल अपना पूरा मन से रात दिन परमेश्वर की सेवा करता आया हइ, हे राजा, या आस का बारे मे यहूदीया मरा पर इलजाम लगास हइ.

8 जब कि परमेश्वर मर्या हुया खे जिन्दो हइ, ते तुम्हारा ह्या या बात क्यु विश्वास का योग्य नी समझी जाय?

9 मेने भी समझो थो कि यीशु नासर का नाम का विरोध मे मी भोट कुछ कर.

10 अरु मेने यरुशलेम मे असो ही कर्यो. अरु प्रधान याजकहोन से अधिकार मीलीखे भोट सा परमेश्वर का दुन्याहोन खे बन्दीगृह मे डाल्यो, अरु जब वे अपनी सम्मती देता था.

11 अरु हर आराधनालय मे मी उनखे सजा दिलै-दिलैइ खे यीशु का विश्वास खे नाकारतो थो, उनका प्रती मरो घुस्सो उनखे नीन्दा का लिये ह्या तक मी विदेशी शहरहोन मे गयो.

XXXXXXXXXX XX XX XXXXXXXXXXXX XX XX XXXXXX

(XXXXXXXXXXXXXXXX 9:1-19; 22:6-16)



12 यो अभिप्राय से मी एक दिन प्रधान याजकहोन से अधिकार अरु आज्ञा-चिट्ठी लिखे दमीशक खे जैइ न्हो थो.

13 ते हे राजा, रस्ता मे दुपेर का टेम मे मेने स्वर्ग से सुरज को तेज से भी बडी खे एक ज्योत, अपना अरु अपना साथ चलनआला होन का चारी तरफ चमकती हुइ देखी.

14 अरु जब हम जमीन पर गिर पड्या, ते मेने इब्रानी भाषा मे, मरा से बोलता हुये या वाणी सुनी, हे शाउल, हे शाउल का तू मेखे क्यु सतास हइ? पाय पर लाथ मारनो तरा लिये मुस्कील हइ.

15 मेने बोल्यो हे प्रभु, तू कोन हइ? प्रभु ने बोल्यो, मी यीशु हइ जेखे तू सतास हइ.

16 पन तू उटी खे अपना पाय पर खडो हो, क्युकि मेने तोखे येका लिये दर्शन दियो हइ कि तोखे उन बातहोन को भी सेवक अरु गवा ठैरायु जो तोने देखी हइ अरु उनको भी जोका लिये मी तोखे दर्शन दियु.

17 अरु मी तोखे तरा अपना दुन्या यहूदीयाहोन अरु गैरयहूदीहोन से छुडखे जेका पास मी अब तोखे भेज्यु.

18 कि तू उनका आखहोन खोल कि वे अंधारा से सैतान को अधिकार उजाला का तरफ फिरनु. ताकी उनका विश्वास का वजेसे जो उन पर हइ वे उनका पापहोन की माफी अरु परमेश्वर खे चुन्या हुया दुन्या का साथ जगा पाये.

~~~~~

19 “आखरी हे राजा अग्रिप्पा, मेने उ स्वर्गीय दर्शन की आज्ञा नी टाली.

20 पन पैयले दमीशक का फिर यरुशलेम का न्हनआला का तब यहूदीयाहोन का पुरा देश मे अरु गैरयहूदीहोन का समझातो न्हियो, मन पापहोन से फिरनु अरु परमेश्वर का तरफ मन फिरी खे मन फिराव का बरोबर अच्छो काम कर.

21 या बातहोन का कारण यहूदीया मेखे मन्दिर मे पकडी खे मारी डालन कि कोशिश करता था.

22 पन परमेश्वर की मदत से मी आज बन्यो हइ अरु छोटा बडा सभी का सामने गवाही देस हइ, अरु वे बातहोन खे छोड कुछ नी बोलतो, जो भविष्यवक्ताहोन अरु मूसा ने भी बोल्यो कि होनआली हइ.

23 कि मसीह खे दुख उठानु पड्ये का अरु उ सबसे पैयले मर्या हुया मे से जिन्दो उठस अगर खे हमारा दुन्या मे अरु गैरयहूदीहोन मे ज्योती को प्रचार कर्ये.”

24 जब पौलुस अपना बचाव मे या सब बातहोन खे बोली न्हो थो, ते फेस्तुस ने उचो शब्द से बोल्यो, “हे पौलुस, तू पागल हइ, भोत ज्ञान ने तोखे पागल करी दियो हइ.”

25 पौलुस पन ओने बोल्य, “हे महाप्रतापी फेस्तुस, मी पागल नीका सच्ची अरु दिमाक कि बातहोन बोलुस हइ.

26 खुद. राजो अग्रिप्पा इन बातहोन का जानस हइ अरु मी पुरा हिम्मत का साथ या बातहोन उनसे बोली न्हो हइ क्युकि मी खुद जानुस ही कि इनमे से कोय भी बात उनखे मालुम नी असो नी हइ असो येका लिये बोली न्हो हइ कि या बात कोय कोना मे लुकी नी घटी.

27 हे राजा अग्रिप्पा, तू भविष्यवक्ताहोन को विश्वास करुस हइ? हा, मी जानुस हइ, कि तू विश्वास करस हइ.”

28 अब अग्रिप्पा ने पौलुस से बोल्यो “तू यो सोचस हइ की इत्ती सरलता से अरु कम टेम मे तू मेखे मसीह बनी सकस हइ.”

29 पौलुस ने बोल्यो, परमेश्वर से मरी प्रार्थना या हइ कि, थोडा मे का भोत मे, फक्त तू ही नी, पन जेता दुन्या आज मरी सुनस हइ, मरा इन बन्धनहोन खे छोड वे मरा जसा हुइ जा.

30 तब राजो अरु राज्यपाल अरु बिरनी खे, अरु उनका साथ बठनआला उटी खे खडा हुया.

31 अरु अलग जैइखे आपस मे बोलन लग्या, “यो इन्सान असो तो कुछ नी कर्येका जो मरन-दण्ड या बन्दीघर मे डाल्यो जान जसो हो.”

32 अग्रिप्पा ने फेस्तुस से बोल्थो, “अगर यो इन्सान कैसर की दोहाइ नी देतो, ते छुटी सकतो थो.”

27

~~~~~

1 जब यो नौश्चित हुइ गया कि हम डोंगा का वजेसे इटली जाये ते उनने पौलुस अरु कुछ दुसरा बन्दिहोन खे भी यूलियुस नामको की सेनादल को एक सुबेदार का हाथ सौपी दियो.

2 हम अद्रमुत्तियुस से एक डोंगा पर सवार हुइखे गया, जो आसिया प्रात का बंदरगाहोन का लिये तीमुथियुस रवाना होन का लिये गया, अरिस्तर्खुस नामको थिस्सलुनीखे का शहर को एक मकिदुनी हमारा साथ थो.

3 दूसरा दिन हम सैदा मे डोंगा से उतर्या, अरु यूलियुस ने पौलुस पर कृपा करी खे ओखे दोस्तहोन खे ह्या जान दियो ताकी, लगन आला जरूरत कि चिज ओखे दि सक्ये.

4 व्हा से हम समुदर रस्ता से फिर चली गया क्युकि हवाहोन हमारा विरुध्द दिशाहोन मे थी हम साइप्रस टापु का आड मे हुइ खे चल्थो.

5 अरु किलिकिया अरु पंफूलिया का पास का समुद्र मे हुइ खे लूसिया मुरा शहर मे उतर्या.

6 वहा सुबेदार खे सिकन्दरिया को एक डोंगा इटली जातो हुयो मील्यो, अरु ओने हम खे ओका पर चड्यै दियो.

7 जब हम भोत दिन तक धीरे-धीरे चली खे मुसकिल से कनीदुस का सामने पहुच्या, ते येका लिये कि हवा हम खे आगे बडन नी देती थी, हम सलमोने टापु का सामने से हुइ, क्रेते टापु का आड मे चल्थो.

8 अरु ओका किनारा मेसकिल से चली का सुरक्षित हुइ खे हारबोर बंदरगा नामको एक जगा पहुच्या का डोंगा से लसाया नगर पास थो.

9 जब हमने भोत दिन बीती गया, अरु पाणी जत्रा मे जोखिम येका लिये हुइ न्हा था, कि उपास का दिन अब बीत चुक्या था, ते पौलुस ने उनखे यो बोलि खे चेतावनी देते हुये यो बोल्थो.

10 “इन्सान, मी देखी न्हो हइ कि ह्या से हमारी जत्रा खतरनाक हुये. मालवाहक अरु डोंगा खे भोत नुकसान हुये खे अरु साथ ही जान की नुकसान भी हुये.”

11 पन सुबेदार ने कप्तान अरु डोंगा को मालिक की बातहोन खे पौलुस की बातहोन से बडी खे मान्यो.

12 सुरक्षित हारबोर यो बंदरगा ठडी काटन का लिये उ अच्छो नी थो. येका लिये जादा दुन्या ने फीनीक्स पहुचन को ठान्यो अरु फीनीक्स तक पहुचन कि कोशिश करी न्हा था, अगर संभव हुये ते क्रेते वहा सदिखे बिताना का लिये फीनीक्स दक्षिण-पश्चिम अरु उत्तर-पश्चिम दो का सामने पडस हइ.

~~~~~

13 जब दक्षिणी हवा आन लगी, ते उनने सोच्यो कि उनखे, जेकी जरूरत थी उ उनका पास थी, येका लिये लगर उठायो अरु क्रेते का किनार का डोंगा खे बडान लग्या.

14 पन थोडी देर मे जमीन का तरफ से एक उत्तर पुर्वी आधी कहलाती थी.

15 जब आधी डोंगा से टकरीई डोंगा आधीकरण हम ने कोशिश करणो छोडी दियो, डोंगा हवा का साथ जिधर जानो चाह्यो उधर जान दियो.

16 तब कौदा नामको एक छोटा सा टापू का आड मे बोहा हम मुसकिल से डोंगा खे कब्जा मे करी सक्या.

17 फिर डोंगा चलान आला ओखे उठैइ खे अनेक उपाय करी खे डोंगा का नीच्चे से बाध्यो, अरु सुरतिस का रेती पर टिकी जान, डर से पाल अरु सामन उतारी का बोहाते हुया चली गया.

18 जब डोंगा आधी से भोत हिचकी अरु धक्को खायो, ते दूसरा दिन वे डोंगा, कुछ माल फेकन लग्या.

19 अरु तीसरा दिन उनने अपना हाथहोन से डोंगा को उपकरण को सामनहोन भी फेकी दियो.

20 अरु जब भोत दिन मे सुरज देख्यो नी रात मे तारा दिखइ दिया, अरु बडी हवा आंधी चली न्हि थी, ते आखरी मे हमारो बचन की पूरी आस जाती न्हि.

21 जब वे भोत दिन तक भूखा न्हि गया, ते पौलुस ने उनका बीच मे खडा हुइ खे बोल्यो, “हे दुन्या खे अगर क्रेते से खाना होन कि सला मरी मानी होती अविनाश अरु नुकसान नी होतो.

22 लेकिन अब मी तुम खे समझउ हइ कि हिम्मत बाधनु, क्युकि तुम मे से कोय कि जान कि नुकसान नी हुये खे पर फकत डोंगा की.

23 क्युकि बिती हुइ रात जो परमेश्वर को मी हइ, अरु जेकी आराधना करुस हइ, ओको एक स्वर्गदूत मरा पास आयो.

24 हे पौलुस, मत डरनु! तोखे कैसर का सामने खडो होनो जरूरी हइ, अरु देख, परमेश्वर ने सब खे जो तरा साथ जत्रा करी न्हो हइ, उनको जिवन तरा साथ दियो हइ.’

25 येका लियेका हे सज्जनहोन, हिम्मत बाधनु. क्युकि मी परमेश्वर पर विश्वास करुस हइ, कि जसो मरासे बोल्यो गयो हइ, वसो ही हुये.

26 पन हम, कोय टापू पर जैखे टिक्यो नी हुये.”

27 जब चौदहवी रात हुइ, अरु हम भुमध्य समुदर मे भटकी न्हो था, ते आधी रात का पास मल्लाहोन अदाजा से जान्यो कि हम कोय किनारा का पास पहुची न्हो हइ.

28 येका लिये उनने येका साथ एक रेखा खे गिर्यय दियो अरु पायो कि पानी चालीस मीटर गैयरो थो. थोडी देर बाद उनने उ कयों अरु पायो कि यो तीस मीटर गैयरो थो.

29 तब पत्थरीली जगाहोन पर गीरन का डर से उनने डोंगा की पिछे चार लगर डाल्या, अरु फजर होन की काम ना करता न्हिया.

30 पन जब मल्लाह डोंगापर से भागनो चाहतो थो, अरु से लगइ से डालन का बहानो डोंगा समुदर मे उतारी दियो.

31 पन पौलुस ने सुबेदार अरु सैनीकहोन से बोल्यो, “अगर यो डोंगा पर नी न्हियो, ते तुम भी नी बची सक्ये.”

32 तब सैनीकहोन ने दोरीकास काटी खे डोंगा समुदर मे गिर्येइ दी.

33 जब फजर होना पर थी, ते पौलुस ने यो बोली खे सब खे भोजन करण की बिनती करुस हइ “आज चौदाह दिन हुया कि तुम आस देखता-देखता भूखा न्हिया, अरु कुछ खानो नी खायो.

34 मी तुम से प्रार्थना करुस हइ, फिर कुछ खानु. जिन्दो न्होन का लिये तुम्ह खे येकी जरूरत हइ, अरु तुम्हारा माथा का बाल भी नी हटचे.”

35 अरु यो बोलि खे ओने रोटी लि खे सब का सामने परमेश्वर को धन्यवाद कयों अरु रोटी तोडी खे खान लग्यो.

36 तब वे सब भी हिम्मत बाधी खे भोजन करण लग्या.

37 हम सब मीलि खे डोंगा मे दो सौ छाहत्तर झन था.

38 जब वे खानो खैइ खे तृप्त हुया, ते गहु खे समुदर मे फेकी खे डोंगा हलको लगन लग्यो.

~~~~~

39 जब दिन नीकल्यो, ते उनने उ देस खे नी पैछान्यो, पन एक खाडी देखी जेको चौरस किनारो थो, अरु बिचार कयों कि अगर हुइ सक्ये ते ये पर डोंगा खे टेक्ये.

40 तब उनने लंगरहोन खे खोलि खे समुदर मे छोडी दियो अरु उ टेम पतवारहोन को बन्धन खोली दिया, अरु हवा का सामने दुसरो पाल चडचैइ खे किनार का तरफ चलनु.

41 पर दो समुदर को सगम की जगा पडी खे उनने डोंगा खे टिक्यो अरु डोंगा को अलग हिस्सो ते धक्को खैइ खे गडी गइ, अरु हली नी सकी. पर पिछली लहरहोन का बल से टुटन लग्यो.

42 तब सैनीकहोन को यो बिचार हुयो कि बन्दिहोन खे मारी डाल. असो नी हो कि कोय तिरी खे नीकली भाग्ये.

43 पन सुबेदार ने पौलुस खे बचन की इच्छा से उनको यो बिचार से रोक्को, अरु यो बोल्यो, उलट या आज्ञा दी जो तैयारी सकस हइ, ते पैयले कुदि खे तिरी खे किनार पर अरु जमीन पर नीकली जानु.

44 अरु बाकी को पालन करणो थो, तख्तो पर या डोंगा का कुछ टुटचा हुआ टुकड़ा खे पकड़ी खे अरु येका जसो हम सब खे जमीन पर से मील्यो.

## 28

?????? ?? ????? ?? ???????

1 जब हम किनारा पर सुरक्षित पहुँचा तब मालुम हुयो की माल्टा टापु हइ.

2 अरु वहा का ज़ेनआलाहोन ने हम पर अनोखी कृपा करी. क्युकि मेंह ओस करण जो बरसी न्हियो थो अरु ठडकरण खे उनने अंगार जलैइ खे हम सब खे ठेरायो.

3 जब पौलुस ने लक्कडहोन को गट्टो खे अंगार पर रख्यो, ते एक साप ओका पास नीकल्यो अरु ओका हाथ मे गुडय गयो.

4 जब वे ज़ेनआलाहोन ने साप खे ओका हाथ मे लटक्यो हुयो देख्यो, ते आपस मे बोल्यो, “सच्ची यो इन्सान खुनी हइ, कि अगर समुंदर से बची गयो, फिर भी न्याय से बची नी पायो.”

5 तब पौलुस साप खे अंगार मे झटकी दियो, अरु ओखे कुछ नुकसान नी पहुँच्यो.

6 पन वे प्रतीक्षा करी ज़ा था कि उ सुजी जाये या एको-एक गिरी खे मरी जायेका पन जब वे भोत देर तक देखता न्हियो, अरु देख्यो कि असाधारन रुप से ओको कुछ भी नी हुयो, ते उनने बिचार बदली खे बोल्यो, यो तो कोइ “परमेश्वर हइ.”

7 वा जगा का आस-पास पुबलियुस नामको उ टापू को प्रधान कि जमीन थी. ओने हम खे अपना घर ली जैइ खे तीन दिन दोस्ती भाव से स्वागत कर्यो.

8 पुबलियुस को बाप तेज बुखार अरु पेचिश से रोगी पड्यो थो, आखरी पौलुस ने ओका पास घर मे जैइ खे प्रार्थना करी खे अरु ओ पर हाथ रखीखे ओखे अच्छो कर्यो.

9 जब असो हुयो, ते उ टापू का बाकी बीमार आया, अरु अच्छो कर्या गया.

10 उनने भोत तरी का से हमारो आदर कर्यो, अरु जब हम चलन लग्या, ते जो कुछ हमारा लिये जरुरी थो, डोगापर रखी दियो.

?????? ????? ?? ??? ?? ???

11 तीन महीना का बाद सिकन्दरिया आया हुआ डोगापर चल पड्या अरु यो डोंगा टापू मे ठडी का दिनहोन का कारण रख्यो हुयो थो उ डोगा को इश्वर बोल्यो जातो थो.

12 सुर कूसा शहर मे पहुँचा अरु तीन दिन तक न्हिया.

13 वहा से हम घुमी खे रेगीयुम मे आया. अरु दुसरा दिन का बाद दक्षिण हवा चली खे तब दूसरा दिन पुतियुली नगर मे आया.

14 वहा हम खे कुछ विश्वासी भैइ मील्यो, अरु उनका बोलना से हम उनका ह्या सात दिन तक न्हिया. अरु यो रीति से हम रोम खे चल्यो.

15 जब रोमन का ज़ेनआला भैइहोन खे हमारी सुचना मीली ते वे अप्रियुस को बजार अरु तीन सराय तक हम खे मीलन आया, जिन खे दिखी खे पौलुस ने परमेश्वर को धन्यवाद कर्यो, अरु हिम्मत बाध्यो.

?????? ??? ??

16 जब हम रोम मे पहुँचा, ते पौलुस खे एक सैनीक का साथ जो ओकी रखवाली करतो थो, एकलो ज़ेन की आज्ञा मीली गइ.

17 तीन दिन का बाद ओने यहूदीयाहोन का मुखियाहो खे बुलायो, अरु जब वे जमा हुआ ते उनसे बोल्यो, “हे इस्त्राएली भैइहोन, मेने अपना दुन्या खे या बापदादाहोन की रीतिरीवाजहो का खिलाप मे कुछ भी नी कर्यो, फिर भी मेखे बन्दी बनैइ खे यरुशलेम से रोमीहोन का हात मे दि दिये जाये.

18 उनने मेखे परख्ये खे छोडी देनो चाह्यो, क्युकि मरा मे मरन को योग्य कोय दोष नी थो.

19 पन जब यहूदीया येका खिलाप मे बोलन लग्या, फिर मेखे मजबुरी से कैसर से न्याय मागनो पड्यो, येका लिये नी की मे ने अपना दुन्या पर कोय इलजाम लगानु थो.

20 येका लिये मेने तुम खे बुलायो हइ, कि तुम से मील्यु अरु बातचीत कर्यु. क्युकि इस्राएल का दुन्या की आस का लिये मी इन्सान का लिये मी साकल से जकड्यो हुयो हइ.”

21 उनने उनसे बोल्यो, नी हमने तरा बारे मे यहूदीयाहोन से चिट्ठीहोन पाइ, अरु नी दुन्या ने अय खे तरा बारे मे जानकारी दि, अरु नी बुरो बोल्यो.

22 पन तरो विचार का हइ? उ हम तरा से सुनु चाहस हइ, क्युकि हम जानस हइ

23 तब उनने ओका लिये एक दिन ठैरायो, अरु भोत दुन्या ओका ह्या इकट्ठा हुया, अरु व्हा परमेश्वर का राज्य की गवइ देते हुये मूसा को नीयम अरु भविष्यव्दक्ताहोन कि किताबहोन से यीशु का बारे मे समझैइ का फजर से संज्जा तक वर्णन करतो न्हियो.

24 तब कुछ दुन्या ने वे बातहोन खे मानी लियो, अरु कुछ दुन्या ने विश्वास नी कर्यो.

25 येका लिये वे आपस मे असहमत हुइ गया जब पौलुस ने या बात बोली थी पवित्र आत्मा ने यशायाह भविष्यव्दक्ता का वजेसे पवित्र आत्मा ने बापदादाहोन से कत्ती अच्छी बात बोली थी.

26 जइ खे ये दुन्या से बोल

कि सुनता तो न्हियेका पन नी समझ्ये का

अरु देखता तो न्हिये पन तुम खे

नी दिखैइ दिये,

27 क्युकि ये दुन्या को मन मोटो,

अरु उनका भारी हुइ गया हइ,

अरु उनने अपनी आखहोन बन्द करी हइ,

असो नी हुये कि वे कभी आखहोन से देख्ये

अरु कान होन से सुन्या,

अरु मन से समझ्ये

अरु मरा तरफ फिर्ये

अरु मी उनका अच्छो कर्यु.

28 अरु पौलुस ने या बात से येको समापन कर्यो “की तुम जानी लेनो हुनू की परमेश्वर को यो उध्दार को संदेश गैरयहूदिहोन का पास भेजी दियो या वे येखे सुन्ये.”

29 जब ओने यो बोल्यो ते यहूदीया आपस मे भोत वाद विवाद करण लग्या अरु व्हा से चली गया.

30 अरु पौलुस पूरा दो साल अपना किराया का घर मे न्हियो अरु जो ओका पास आता था, वे सब को स्वागत करतो थो.

31 अरु पुरा हिम्मत से स्वतंत्रता से परमेश्वर को राज्य को प्रचार करतो अरु प्रभु यीशु मसीह का बारे मे सिखातो न्हियो.

## रोमीयो खे नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी रोमीयो को नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी पैछान

रोमीयो कि किताब संभव प्रेरित पौलुस का वजसे 54-58 साल का नजीक लिखी गय या यीशु मसीह को जन्म. पौलुस ए अभी तक रोम का पास नी कर्यों थो येकालिये ओने रोम का मसीहोन खे नीर्देश देन का लिये या चिट्ठी भेज्हु, यहूदी अरु गैरयहूदी दो. उनका से या चिट्ठी कुरिथी शहर से लिख्यो थो झा हिं रोथो वा टेम मे. पौलुस ने येकालिये लिख्यो क्युकि पुरा राष्ट्र यीशु मसीह पर विश्वास कर्हे अरु ओकि आज्ञा मान्हे 16:26.

रोमीयो कि किताब हर जगा अरु हर टेम मसीहोन का लिये एक जरूरी किताब हइ पौलुस सपा रुप से अरु पुरा रीति से समजास हइ कि यीशु मसीह का माध्यम से हमखे का पुन्य मील्ले. पौलुस भी यीशु मसीह को जरूरी हइ किताब मे श्लोक 1:16 हइ जो बोलस हइ, “मी सुसमाचार से लाजवाने नी हय, क्युकि यो प्रभु कि शक्ति हइ विश्वास करण वाला हर एक ज्ञन को उध्दार पहिले यहूदी का लिये फिर गैरयहूदी का लिये. रोमन को पहिलो भाग” 1—12 गन धार्मीक हइ अरु दुसरो भाग 13—15 मे मसीहोन का जिवन का लिये कोय व्यवहारिक नीर्देश हइ.

**रुप रेखा**

1. पौलुस अपनी चिट्ठि बराबर अपनो परिचय दिखे अरु यो बतय खे सुरु करस हइ कि व्हा कोखे लिखी रोस हइ 1:1-15
2. येका बद् व्हा इनसान का जात कि जगा अरु यीशु मसीह का माध्यम से सभाविक मुक्ती का बारे मे लिख्योस हइ 1:16—11:36
3. येका बाद पौलुस मसी जीवन का लिये कोय व्यवहारीक नीर्देश देस हइ 12:1—15:13
4. व्हा रोमन का मंडली मे दुन्या खे भोत शुभकामना होन दिखे रोमनहोन ख खतम करस हइ 16

~~~~~

1 पौलुस का तरफ से जो यीशु मसीह को सेवक हइ, जो परमेश्वर ने प्रेरीत होन का लिये बुलायो गयो, ताकी अरु जो परमेश्वर को वु सुसमाचार का लिये अलग कन्यो गयो.

2 जेखे ओने पैयले ही से अपना भविष्यव्यक्ताहोन का वजसे पवित्रशास्त्र मे लिख्यो गयो.

3 उ ओने अपनो बेटो हमारो प्रभु यीशु मसीह का बारे मे घोषणा करी थी, वह आंग का भाव से ते दाउद को कुल से पइदा हुयो.

4 अरु पवित्र आत्मा का भाव से मर्यों हुयो मे से जिन्दो उठन का कारन सामर्थ का सात परमेश्वर को बेटो बोल्यो गयो हइ उ यीशु मसीह अपनो प्रभु हइ.

5 ओका वजसे परमेश्वर ने हम खे अनुग्रह दियो अरु ओकी आज्ञा माननु. ताकि सभी गैरयहूदीहोन मे ओको नाम करण विश्वास कर अरु आज्ञा को पालन कर्हे.

6 येमे तुम भी शामिल हुये जो रोम मे रहेवस हइ जिन के परमेश्वर ने यीशु मसीह हो का लिये बुलायो गयो हइ.

7 वे दुन्याहोन का लिये मी लिखी रोस हइ जो रोम मे परमेश्वर को प्यान्यो हइ अरु पवित्र होन का लिये बुलायो गयो हइ, हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह का तरफ से तुमखे अनुग्रह अरु शांती मीलती रहेस.

~~~~~

8 पैयले मी तुम सब का लिये यीशु मसीह का वजसे अपना परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ, की तुम्हारो विश्वास कि चर्चा सब जगत मे हुइ रहीस हइ.

9 परमेश्वर जेकी सेवा मे अपनी आत्मा से ओको बेटा को सुसमाचार का बारे मे करुस हइ, उ मरी गवाह हइ. कि मी तुमखे कोय प्रकार लगातार याद करतो न्हेस हइ,

10 अरु नीत्य अपनी प्रार्थनाहोन मे बिनती करस हुये कि कोय रिती से अब तुम्हारा पास आनवाला की मरी जन्मा परमेश्वर कि इच्छा से सफल हुये.

11 क्युकि मी तुम खे देखन कि भोत इच्छा रखुस हइ ताकी तुम खे आत्मीक शाक्ति बाटी सकु की मी तुम खे जेकासे तुम खे आत्मीक शाक्ति मीले.

12 मनजे यो, कि जब मी तुमारा बिच मे हइ खे तुमारा सात विश्वास का वजेसे जो मरा मे अरु तरा मे हइ, एक दुसरा कि मदत कर.

13 हे भेइहोन अरु बयहोन, मी बार-बार तुम्हारा पास आनो चउस, कि जसो मेके गैरयहूदिहोन मे नवो विश्वासी को फल मीले, असो हि तुम मे भी मील्हे, पन अब तक रोख्यो गयो.

14 मी सब दुन्याहोन को कर्जदार हइ यूनानीहोन को अरु गैरयहूदीया को अरु बुध्दीमान अरु नीबुध्दीहोन को कर्जदार हुये.

15 आखरी मे तुम खे भी जो रोम नगर मे हँस हुये खे सुसमाचार सुनान भोत उत्साह से तैयार हइ.

~~~~~

16 क्युकि मी सुसमाचार से नी सरमु येका लिये कि उ हर एक विश्वास करणवाला का लिये पैयले तो यहूदीया फिर यूनानी का लिये क्युकी यो सब का लिये उध्दार लानवालो परमेश्वर कि सामर्थ्य हइ.

17 क्युकि सुसमाचार यो प्रगट करस हइ कि परमेश्वर इन्सान खे अपना प्रती सही कसो बनास हइ यो पैयले से आखरी तक विश्वास का वजेसे से ही हइ. जसो कि शास्त्र मे लिख्यो हइ विश्वास से न्यायी इन्सान जिन्दो न्हीहे.

~~~~~

18 परमेश्वर की घुस्सा ते वे दुन्याहोन को पाप अरु बुराइ पर स्वर्ग से प्रगट होस हइ, जो सत्य को बुराइ से दबय रखस हइ.

19 येका लिये कि परमेश्वर का बारे मे ज्ञान ओका मन मे प्रगट हइ, क्युकी परमेश्वर ने ओका पर प्रगट कन्यो हइ.

20 जब से परमेश्वर ने जगत कि रचना करी तब से ओका उद्देश्य विशेषता, मनजे शक्ति अरु ओकि दाइत्व स्वभाव ये दो पुरी रिती से साफ देखायो देस हइ वे उ चिजहोन खे जो परमेश्वर ने रची हइ या फिर उ जानस हइ ते यो फिर येका लिये वे दुन्याहोन का पास कोय बहानो नी हइ.

21 यो करण कि परमेश्वर खे जाना पर भी ओने परमेश्वर को महत्व बढायो अरु धन्यवाद नी कन्यो पन व्यर्थ बिचार करण लग्या, यो तक कि वे दिमाक मन अधारो हुये गयो.

22 वे अपना आप खे दिमाकवान समजी खे बदमास बनी गयो.

23 अरु अविनाशी परमेश्वर कि महिमा खे नासमन इनसान अरु पक्षिहोन, अरु चारपाय, अरु लोडनआला जन्तुहोन की चित्र का जसासे मे बदली डाल्यो.

24 येका लिये परमेश्वर ने उनने उनकी मन की वासना का जसो दुराचरण को शिकार होन दियो अरु वे एक दुसरा को आंग के अपवित्र करस हइ.

25 क्युकि उनने परमेश्वर कि सच्चाइ के बदलिके झुटो बन्य दियो, अरु बनायो हुयो चिजहोन कि भक्ति अरु सेवा खे, पन उ बनानवाला कि भक्ति नी करी जो युगानु सृष्टी कि उपासना अरु परमेश्वर का बजाये सुष्टि करी खे जेखे परमेश्वर ने बनायो हइ सुजनहार को जो हमेशा धन्य हइ. आमीन.

26 येका लिये परमेश्वर ने वुनखे नीच कामनाहोन का वस मे छोडी दियो. तक की ओकी बयहोन ने भी बरोबर व्यवहार खे, वोको जो स्वभाव का विरुध्द हइ, बदली डाल्यो.

27 वोसो ही इन्सान भी बयहोन का सात स्वभाविक व्यवहार छोड़ी खे आपस मे कामातुर हइ खे जलन लग्या, अरु इन्सान ने इन्सान का साथ नीलज काम करी खे अपनो भ्रम को बरोबर फल मील्हे.

28 जब वुनने परमेश्वर खे पचानो नी चायो, ते परमेश्वर भी वुन वोखे बुरा मन पर छोड़ी दियो. कि वे अच्छो काम कन्हे.

29 येका लिये वे सब रगेरंग को अधर्म खे अरु बुरी, अरु लोभी, अरु दुजाभाव से भरी गयो. अरु डाह, अरु मारीडाल, अरु वाद विवाद, अरु छल, अरु इष्यो से भरपुर हुय गयो, अरु चुगली खोर.

30 बदनाम करणवालो, परमेश्वर को बैरी, दुष्ट घमण्डी, अरु डींग मारन आला दुन्या हइ, वे बुराइ करणा मे चतुर हइ, माय बाप की आज्ञा नी माने.

31 बिनावुध्दी, विश्वासघात, मायारहित अरु नीर्दय हुय गयो.

32 वे तो परमेश्वर कि या विधी जानस हइ, कि असो असो काम करणवालो मृत्यु को दण्ड का योग्य हइ, तेभी नी फक्त आप ही असो काम करस हइ, जब करणवाला से प्रसन्न भी होस हइ.

## 2

???????? ?? ?????

1 जो तुम दुसरा पर इलजाम लगानआलो, तु कोय क्यु नी हुये. तु अधिकार करस हइ, क्युकि जो बात मे तु दुसरा पर इलजाम लगास हइ, वा बात मी अपना तुमखे भी दोषी ठैरास हइ येकालिये की तु जो इलजाम लगास हइ खुद ही वह का करस हइ.

2 हम जानस हइ, कि असो असो काम करणवाले पर परमेश्वर का तरफ से बरोबर दण्ड दराड कि आज्ञा होस हइ.

3 पन हे इन्सान तु जो असो असो काम करणवाला पर इलजाम लगास हइ, अरु आप उ काम करस हइ. का यो समझस हइ, की तू परमेश्वर का दण्ड से बची जाये.

4 का तु वोकी कृपा अरु सहनशीलता, अरु धिरजरूपी धन खे तुच्छ जानस हइ? का यो नी समझस की परमेश्वर कि कृपा मेखे मन फिराव का सीकास हइ.

5 पन तु अपनी हठिला मन का कारण उ दिन जब परमेश्वर की घुस्सा अरु सच्चो न्याय प्रगट हुये, अपना लिये दण्ड तैयार करी रोस हइ.

6 परमेश्वर अपना हर एक खे ओका काम का अनुसार फल दीये.

7 जो दुन्या सुकर्म मे लग्या न्ही खे महिमा, अरु आदर, अरु अमरता खे दुंड ना मे हइ, उनखे परमेश्वर अनन्त जिवन दिये.

8 पन जो स्वार्थी हइ, अरु सच्चाइ का नकारस हइ फिर बुरोकाम करी सखे असा दुन्याहोन पर परमेश्वर अपनी घुस्सा अरु प्रकोप गिरास हइ.

9 अरु डर अरु संकट हर एक दुन्याहोन का जान पर जो बुरो करस हइ, ओका पर आहो, पैयले यहूदी पर फिर यूनानी पर.

10 पर महिमा अरु इज्जत अरु कल्याण हर एक खे मील्हे, जो अच्छो करस हइ, पैयले यहूदी खे फिर यूनानी खे.

11 क्युकि परमेश्वर बिना पक्षपात कि सब को न्याय करस हइ.

12 येकालिये जेने बिना व्यवस्था पास पाप कन्यो, वे बिना व्यवस्था को खतना भी हुये. अरु जेने व्यवस्था पड़के पाप कन्यो, ओको दण्ड व्यवस्था का अनुसार हुये.

13 क्युकि परमेश्वर का यो व्यवस्था का सुननवाला धर्मी नी, पन व्यवस्था पर चलनआला धर्मी रुखी जाह्ये.

14 फिर जब गैरयहूदीहोन दुन्या का पास व्यवस्था नी हइ, पन फिर भी वे अपना आप मे व्यवस्था पर चलस हइ, यो वजा से उ अपना आप मे व्यवस्था फिर भी उनका पास मूसा कि व्यवस्था नी हइ.



15 उनको चाल चलन देखस हइ की व्यवस्था उनका दिल मे लीखी गइ हुइ अरु उनको विवेक भी उनखे बोलस हइ, कि यो सही हइ अरु येखे लिखे उनको बिचार उनखे अपराधी अरु नीरदोष समझस हइ

16 उ दिन परमेश्वर जो मे ने प्रचार कय्यो हुयो सुसमाचार का अनुसार यीशु मसीह का वजेसे इन्सान न्याय की गुप्त बात को न्याय कहे.

~~~~~

17 अगर तुम अपने आप खे यहूदी बोलस हइ, अरु व्यवस्था पर भरोसो रखस हइ, अरु अपना परमेश्वर को तोखे धमण्ड हइ,

18 अरु तोखे पतो हइ परमेश्वर तरा से का करणो चास हइ अरु अच्छी बात खे सुननो तुमने समझे नीयम शास्त्र से सिख्यो हइ.

19 अरु अपना आप पर भरोसो रखस हइ कि मी अंधाहोन को अगुवो, अरु अंधारा मे गिय्यो हुयो कि उजालो हइ,

20 अरु बदडिमाक खे सिखान आलो अरु भला दुन्या को मास्तर हइ. अरु तू नीश्चित हइ की जो व्यवस्था तरा पास हइ, ओमे पुरो सत्य अरु ज्ञान को समावेश हइ.

21 आखरी का तु जो दुसरा खे सिकास हइ, अपना आप का लिये लागु नी करस? का तु चोरी नी करण की शिक्षा देस हइ, आप ही चोरी करस हइ?

22 तू जो बोलस हइ, "व्यभिचार नी करणु," का आप ही व्यभिचार करस हइ? तू जो मूर्ती से घृणा करस हइ, का तुम ही मन्दिरहोन खे लुटस हइ?

23 तुम जो परमेश्वर कि व्यवस्था का बारे मे धमण्ड करस हइ, का वा व्यवस्था नी मानीखे परमेश्वर को अनादर करस हइ?

24 क्युकि तुमारा कारन गैरयहूदीहोन मे परमेश्वर का नाम कि नीन्दा करी जास हइ, जसो शास्त्र मे भी लिख्यो हइ.

25 अगर तु व्यवस्था को पालन करस ते खतना से लाभ हइ, पन अगर तु व्यवस्था के अलग करस हइ ते तरो खतनो बिन खतना को जसो रुखे.

26 अरु अगर गैरयहूदीहोन जेको खतनो नी हुयो हइ फिर भी व्यवस्था को पालन करस हइ, ते का ओकी खतना रहित होन को भी खतना नी गिन्यो जाये?

27 अरु आप यहूदीहोन खे गैरयहूदीहोन का वजेसे दोषी ठेरायो जास जब की तुमारा पास लिखी हइ व्यवस्था अरु खतना हुयो हइ, पन गैरयहूदीहोन व्यवस्था को पालन करस हइ जब की उनका आंग का रुप से खतना नी हुयो हइ?

28 एक सच्चो यहूदी कोन हइ जेको वास्तव मे खतनो हुयो हइ उ कोन हइ, सच्चो यहूदी उ नी, जो फक्त बाहरी रुप से यहूदी हइ जेको खतना सिर्फ आंग मे हइ.

29 पन सच्चो यहूदी उ हइ जो अंदर से यहूदी हइ. जेको दिल से खतना हुयो हइ अरु ये परमेश्वर का आत्मा को काम हइ नी की लिखीत व्यवस्था को, असो इन्सान परमेश्वर का तरप से प्रशंसा पाये नी की इन्सान का तरप से.

3

1 येकालिये गैरयहूदी का सामने तुमारो यहूदी होन को का फायदो अरु तुमारा खतना को का लाभ हुये?

2 हर प्रकार से भोत लाभ हइ. पैयले तो यो की परमेश्वर को वचन यहूदीहोन खे दियो गयो

3 अगर कुछ यहूदी विश्वास घाती नीकल्या भी ते का हुयो? का उनको विश्वास घाती होना से परमेश्वर कि सच्ची व्यर्थ रखस?

4 अगर नी! जब परमेश्वर सच्चीइ अरु हर एक इन्सान झुटो हइ सकस हइ,

जसो शास्त्र मे लिख्यो हइ “जब तु खुद खे बचाना मे बोले ते तु सही ठैरे
अरु जब तरो न्याय हुये न्याय करण टेम तू जित्ती पाये.”

5 येकालिये अगर हमारो गलत काम परमेश्वर कि अधर्म रखी देस हइ, का हम बोली सकस हइ?
की जब परमेश्वर हमखे सजा करस हइ ते का उ गलत करस हइ ते मी इन्सान कि रीति पर बोलस
हुये.

6 अगर नी! नी ते परमेश्वर कसो संसार का न्याय करस?

7 अगर मरो झुठ का कारन परमेश्वर कि सच्ची ओकि महिमा का लिये, अधिक करि खे प्रगट
हुयो ते फिर का पापी दुन्याहीन का सामने सजा का योग्य रख्यो जास हुये?

8 हम का बुराइ नी कहै की “भलाइ निकलस जसो हम पर यो दोष लगास भी जास हइ?” अरु
कुछ बोलस हइ कि ओको यो बोलनो हइ. पन असो का दोषी रखस ठीक हइ.

~~~~~

9 ते फिर का हुयो? का हम यहूदीहोन मे से अच्छो हइ कभी नी. किन्तु हम यहूदीयाहोन अरु  
यूनानीहोन दोय पर यो दोष लगय चुक्या हइ कि वे सब का सब पाप का काबु मे हइ.

10 जसो पवित्रशास्त्र मे लिख्यो हइ:

“कोय भी धर्मी नीका एक भी नी.

11 कोय समझदार नी.

कोय परमेश्वर का धुडनआलो नी.

12 सब गमी गया हइ

का सब का सब नीकम्मा बनी गया हइ.

कोय भलाइ करणवाला नी एक भी नी.

13 उनको गंलो खुली हुइ कब्र हइ,

उनने अपनी जीभ से छल कय्यो हइ

उनका होट मे साप को जहर हइ.

14 उनको मुडो श्राप अरु कडुपन से भय्यो हइ.

15 ओको पाय खुन बोहान को फुर्तीलो हइ,

16 उनका रस्ता मे नाश अरु दुख हइ,

17 ओने शांती की रस्ता नी जान्यो.

18 ओका आख का सामने परमेश्वर को डर नी.”

19 हम जानस हइ कि व्यवस्था जो कुछ बोलस हइ उन से बोलस हइ, जो व्यवस्था को अधीन  
हइ येकालिये कि हर एक मुडो बंद कय्यो जास अरु सब संसार परमेश्वर का न्याय का योग्य रखस

20 क्यूकी व्यवस्था का काम से कोय इन्सान ओका सामने धर्मी नी रखे, येकालिये कि व्यवस्था  
का वजेसे पाप की पहचान होस हइ.

~~~~~

21 पन अब व्यवस्था से अलग परमेश्वर को उ धर्मीकता प्रगट हुयो हइ, जेकी गवय मूसा की
व्यवस्था से अलग हइ अरु भविष्यव्यक्ता देस हइ,

22 अगर परमेश्वर कि वा धर्मीकता जो यीशु मसीह पर विश्वास करणा से मीलस हइ सब विश्वास
करणआलो का लिये हइ. क्यूकी कुछ भेदभाव नी.

23 येकालिये कि सब ने पाप कय्यो हइ अरु परमेश्वर कि महिमा से जेस हइ,

24 पन ओका अनुग्रह से उ छुटकारा का वजेसे जो मसीह यीशु मे सब का सब हइ, मुक्त धर्मी
रख्यो जास हइ

25 यीशु खे परमेश्वर ने ओका खुन का वजेसे एक असो प्राचित बली रख्यो, जो विश्वास करणा से
कार्य कारी होस हइ, की जो पाप पैयले कय्यो गयो अरु जेका पर परमेश्वर ने अपनी सहनशीलता
का कारन जगा नी दियो. ओका बारे मे वो अपनी धर्मीकता प्रगट करस.

26 वरन वोको टेम मे ओकी धर्मीकता प्रगट होस जेका से परमेश्वर आप ही धर्मी रख्यो, अरु जो यीशु पर विश्वास कर ओका भी धर्मी रख्यनआलो होस.

27 तरे घमण्ड करनो बोल्यो जेस ओकी तो जगत ही नी. कोनसी व्यवस्था का कारन से? का काम की व्यवस्था से? नी वरन विश्वास की व्यवस्था का कारन.

28 येकालिये हम यो परिणाम पर पोचस हइ कि इन्सान व्यवस्था का काम से अलग ही, विश्वास का वजेसे धर्मी रखस हइ.

29 का परमेश्वर फक्त गैरयहूदीहोन हि को हइ? का यहूदीहोन को नी? हा सब जात को भी हइ.

30 किन्तु एक ही परमेश्वर हइ, जो खतना आला का विश्वास से अरु खतनो कन्हस खे भी विश्वास का वजेसे रखस.

31 ते का हम व्यवस्था को विश्वास का वजेसे व्यर्थ रखस हइ? अगर नी! वरन व्यवस्था का स्थिर करस हइ.

4

~~~~~

1 येका लिये हम का बोले हमारो आंग बाप अब्राहम खे मील्ले हुयो?

2 किन्तु अगर अब्राहम काम से धर्मी ठैरायो जास ते ओको घमण्ड करस की जगा होस, पन परमेश्वर का बाहेर नी.

3 पवित्रशास्त्र का बोलस हइ? यो की “अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास कन्यो, अरु यो ओका लिये धार्मीकता गिन्यो गयो.”

4 काम करणवालो की मजुरी देनो दान नी, पन हक्क समझ जास हइ.

5 पन जो काम नी करस जब भक्तिहीन खे धर्मी रखन आलो पर विश्वास करस हइ, ओको विश्वास ओका लिये धार्मीकता गिन्यो जास हइ.

6 जेखे परमेश्वर बिना काम को धर्मी रखस हइ, ओखे खाना पर भी दाउद धन्य करस हइ

7 “धन्य हइ वे जेको अधर्म माफ हुयो,

अरु जेको पाप झाक्यो गयो.

8 धन्य हइ उ इन्सान जेखे परमेश्वर पापी नी ठहराये.”

9 ते यो धन्य वचन का खतनवालो ही का लिये हइ यो खतना रहीत का लिये भी? हम यो बोलस हइ, “अब्राहम का लिये ओको विश्वास धार्मीकता गिन्यो गयो.”

10 ते वो कसो गिन्यो गयो? खतना का भाग मे या बिना खतना का भाग मे? खतम का भाग मे नी पन बिना खतना का भाग मे.

11 ओने खतना को चिन्ह पाय को उ विश्वास को धार्मीकता प्राप्त हुयो जास जो ओने बिन खतना को भाग मे रख्यो थो, जेका से वो उ सब को बाप रख्यो जो बिन खतना को भाग मे विश्वास करस हइ ताकी वे भी धर्मी रख्यो:

12 अरु उ खतना करणु हुया को बाप हुये जो न कम खतना कन्यो हुयो हइ, पन हमारो बाप अब्राहम खे उ विश्वास क लिख पर भी चलास हइ जो ओने बिन खतना को भाग मे कन्यो थो.

~~~~~

13 क्युकी यो प्रतीज्ञा करी वो जगत को बेटो हुयो नी अब्राहम को नी ओको वस की व्यवस्था का वजेसे दी गयो थो, पन विश्वास कि धार्मीकता का वजेसे मीलस.

14 क्युकी अगर व्यवस्थावालो वारिस हइ, ते विश्वास व्यर्थ अरु प्रतीज्ञा नीफल रख.

15 व्यवस्था ते घुस्सा सबजात हइ, अरु झा व्यवस्था नी वहा ओका उल्लंघन भी नी.

16 वो कारन प्रतीज्ञा विश्वास पर आधारित हइ की अनुग्रह की रित पर होस, की वह ओका सब कुल का लिये दृढ़ हुये, नी की फक्त ओका लिये जो व्यवस्थावालो हइ जब ओका लिये भी जो अब्राहम का सामने हइ. वु तो हम सब को बाप हइ,

17 जसो लिख्यो हइ, “मे ने तो भोत सा जातहोन को बाप रख्यो हइ” उ परमेश्वर का सामने जेको पर ओने विश्वास क्यो, अरु जो मय्यो हुयो, जिलास हइ अरु जो बात हइ हि नी ओको नाम असो लेस हइ की मान वे हइ.

18 ओने नीरास मे भी आस रखी खे विश्वास क्यो, येका लिये कि उ वचन का जसो की “तरो कुल असो हुये कि” वे भोत सी जातहोन को बाप होस.

19 वो जो एक सौ साल को थो, अपनो मय्यो हुया से आंग अरु सारा का गर्भ पर मरी हइ कि भाग जानीखे भी विश्वास मे नीर्वल नी हुयो,

20 अरु न अविश्वासी हइखे परमेश्वर कि प्रतीज्ञा पर सदेस क्यो, पर विश्वास मे दृढ हइ, परमेश्वर की महिमा करी.

21 अरु नीश्चय जास की जो बात कि ओने प्रतीज्ञा करी हइ, उ ओ पुरो करण मे भी समर्थ खे हइ.

22 यो कारन यो ओका लिये धार्मीकता गिन्यो गयो.

23 अरु यो वचन, “विश्वास ओका लिये लिख्यो गयो,” नी फक्त ओका लिये लिख्यो गयो,

24 जब हमारा लिये भी जेका लिये विश्वास धार्मीकता गिन्यो जाए, अगर हमारा लिये जो ओका पर विश्वास करस हइ जेने हमारा प्रभु यीशु खे मान्या हुये मे से जिन्दो क्यो.

25 उ हमारो अपराधहोन क लिये पकडनवालो गयो अरु हमारो धर्मी रुखन का लिये जिन्दो भी गयो.

5

???????? ?? ??-????

1 अब जो हम अपना विश्वास करण परमेश्वर का सामने धर्मी हइ गया हइ हमारो प्रभु यीशु मसीह का वजेसे हम खे शांती मीली हइ ,

2 अरु अब ओका वजेसे विश्वास करण हम परमेश्वर का अनुग्रह मे जिवन जीस हइ, अरु हम खे परमेश्वर कि महीमा का वजेसे भागीदारी हइ हइ.

3 येतनो ही नी हम हमारी विपत्तिहोन पर भी घमण्ड करस हइ क्युकी हम खे मालुम हइ की हमारी विपत्ति धीरज खे पइदा करस हइ,

4 अरु धीरज से परख नो हुयो चरीत्र बन्यो हइ अरु परख्यो हुयो चरीत्र से आस पइदा होस हइ.

5 अरु आस से लाज नी होस, क्युकी पवित्र आत्मा जो हमखे दि गय हइ ओका वजेसे परमेश्वर को लाड हमारो मन मे डाल्यो गयो हइ.

6 क्युकी जब हम आशाहिन था ते उचित टेम पर हम भक्तिहीन का लिये मसीह ने अपनो बलिदान दियो.

7 कोय धर्मी जान का लिये कोय मय्यो, यो ते दुर्लब हइ. पन हइ सकस हइ कोय अच्छो इन्सान का लिये कोय मरन को भी साहस कर.

8 पन परमेश्वर हम पर अपनो लाड की अच्छो वोकी रित से प्रगट करस हइ, जब हम पापी हि था तेभी मसीह हमारा लिये मय्यो.

9 ते जब कि हम अब ओका खुन का कारन धर्मी रख्या, तो ओका वजेसे परमेश्वर को घुस्सा से नी बच्यो जाये!

10 जब हम परमेश्वर का दुश्मन था आ को मरना का वजेसे हमारा सात मेल मीलाप क्यो अरु जब हम परमेश्वर को बेटो हइ ते उ मसीह को जिवन का वजेसे भोत जादा हमारो उध्दार करस

11 फक्त यो नी, पन हम अपनो प्रभु यीशु मसीह का वजेसे, जेका वजेसे हमारो परमेश्वर का सात मेल-मीलाप हुयो हइ.

??? ?? ????? ?? ???? ?? ????? ???

12 येका लिये जसो एक इन्सान का वजेसे पाप जगत मे आयो, अरु पाप का वजेसे मय्यो आयो, अरु येका रीति से मय्यो सब इन्सान मे फैली गयो, क्युकी सब ने पाप क्यो.

13 क्युकी व्यवस्था आना से पैयले पाप थो जाना तक जगत मे थो, पन झा व्यवस्था नी उ पाप गिन्यो नी जास.

14 पन आदम से लिखे मूसा ने वे दुन्या पर राज्य कय्यो, फिर भी वे दुन्याहोन ने आदम जसो आज्ञा तोडन को मरन पाप नी कय्यो थो जेने आदम को आनवाला को नमुनो नी ठैरायो हइ.

15 अरु परमेश्वर को वरदान अरु एक इन्सान को पाप ये दो यीशु मसीह मे फरक हइ, फिर एक पापकरण दोष को कारन सब दुन्या मन्या; पन यो इच्छा से बोल्यो जादा महान हइ परमेश्वर कि अनुग्रह पन को न्याय आस एक का वजेसे भोत मीली.

16 अरु परमेश्वर जसो एक इन्सान को पाप करण को फल हुयो वोसो हि दान को भोग नी, क्युकी एक ही कारन दण्ड की आज्ञा को फैसलो हुयो, पन भोत सा अपराधी का कारन असो वरदान पइदा हुयो कि दुन्या धर्मी रख्वा.

17 क्युकी जब एक इन्सान का अपराध का कारन मन्यो उ एक ही का वजेसे राज्य कय्यो, ते जो दुन्या अनुग्रह अरु धर्मी रुपी वरदान भोतायत से पास हइ वे एक इन्सान से अगर यीशु मसीह का वजेसे जरुरी हइ अनन्त जिवन मे राज कय्यु.

18 येका लिये जसो एक अपराध सब दुन्या का लिये दण्ड कि आज्ञा कारन हुयो ओसो हि एक धर्मीकता को काम भी सब इन्सान का लिये जिवन से नीमीत धर्मी रख्यो जान का कारन हुयो.

19 क्युकी जसो एक इन्सान का आज्ञा न मारना से भोत दुन्या पापी रखस, उ कारण सब दुन्या धर्मी रख्या.

20 व्यवस्था को परिचित येका लिये हुया कि अपराध बडो हुयो पन झा पाप भोत हुया वहा परमेश्वर को अनुग्रह भी अधिक हुया,

21 कि जसो पाप ने मन्यो फैलास हइ राज कय्यो, वोसो हि हमारो प्रभु यीशु मसीह का वजेसे अनुग्रह भी अनन्त जिवन का लिये धर्मी रखस हुये राज कर.

6

~~~~~

1 ते हम अब का बोले? का हम लगातार पाप करस न्हेस की परमेश्वर को अनुग्रह भोत होस?

2 अगर नी! हम जब पाप का लिये मरी गया ते फिर येका आगे को ओमे कसो जिवन बिताये?

3 का तुम नी जानस की हम सब जेने मसीह यीशु मे बपतिस्मा लियो, ओका मरन का एकता मे बपतिस्मा लियो.

4 येकालिये उ मरन को बपतिस्मा पाना से हम ओका साथ गाडयो गयो, ताकी जसो मसीह बाप की महिमा का शक्ति का वजेसे मन्यो हुयो मे से जिन्दो हुय गयो, वसो हि हम भी नव्या जिवन से चाल चले.

5 क्युकी अगर हम ओको मरन कि समानता मे ओका साथ जुडि गयो हइ, ते नीश्चय ओको जिन्दो उठस को समानता मे भी जुडि जाए.

6 हम जानस हइ की हमारो पुरानो इन्सान ओका साथ कुस पर चेडायो गयो तेभी पाप को आंग व्यर्थ हइ जास, अरु हम आगे का पाप का दास मे नी न्हेस.

7 क्युकी जो मरी गयो, उ पाप का बन्धन से मुक्त हुइ गो.

8 येकालिये यो हम मसीह का साथ मरी गया, ते हमारो विश्वास यो हइ कि ओका साथ जिये भी.

9 क्युकी यो जानस हइ की मसीह मन्यो हुये मे से जिन्दो उठि से फिर मरन को नी, ओका पर फिर मरन को प्रभु नी होन को.

10 क्युकी उ जो मरी गयो ते पाप का लिये एक ही बार मरी गयो. पन जो जिन्दो हइ ते परमेश्वर का लिये जिन्दो हइ.

11 यो प्रकार तुम भी समझ कि तुम पाप का लिये मरी चुक्या हइ, पन प्रभु मसीह यीशु मे जिन्दो हुये.

12 येकालिये पाप तुमारो नश्वर आंग मे राज नी करस, की तु ओकी इच्छा होन का अधीन न्हैस.

13 अपनो आंग का आंग खे अधर्म कि सेवा का लिये पाप का हवाले करणू, बल्की मय्यो हुयो मे से जी उठन आला का जसो परमेश्वर का हवाले करी दे, अरु अपना आंग खे धर्मीकता कि सेवा का साधन का रूप मे परमेश्वर का हवाले करी दे.

14 तब तुम पर पाप की प्रभुता नी हुये, क्युकी तु व्यवस्था का अधीन नी पन परमेश्वर को अनुग्रह का अधीन हुये.

???????? ??

15 ते का हुयो? का हम पाप कहे क्युकी हम व्यवस्था का अधीन नी बल्की परमेश्वर का अधीन जीत्या हइ? अनुग्रह ही नी!

16 का तु नी जानस कि जेकी आज्ञा मानन का लिये तु अपना आप खे सेवक का सामने सोपि देता हुये ओको सेवक हुये चाह्ये पाप का, जेको अन्त मरन हइ चाह्ये, आज्ञा मानन खे जेको अन्त न्यायपन हइ?

17 पन परमेश्वर को धन्यवाद हइ खे तु जो पाप को सेवक थो अब मन से उ उपदेश खे मानन आलो हुये गयो, जेखे साच मे डाल्यो गयो थो,

18 अरु पाप से छुडय जानीखे धर्म को सेवक हुये गयो.

19 मी तुमारो उदाहरण दुर्बलता का कारन इन्सान की रित पर बोलस हइ. जसो तु अपनो आंग खे कुकर्म का लिये अच्छो अरु बुरो काम को सेवक करि खे सोप्यो थो, असो हि अब अपनो आंग का पवित्र का लिये धर्म को दास करी खे सोपी दे.

20 जब तु पाप को सेवक थो, ते धर्म का तरफ से स्वतंत्रत थो

21 जो बात से अब तु लज्जित होस हइ, ओने उ टेम तु का फल पातो थो? क्युकी ओका आखरी तो मरन हइ.

22 पन अब पाप से स्वतंत्रता हइ खे अरु परमेश्वर को सेवक बनीखे ते का फल मील्यो जेकासे पवित्रता मीलहे होस हइ, अरु ओको आखरी जिवन हइ.

23 क्युकी पाप की मजुरी मरनो हइ, पन परमेश्वर को वरदान हमारो प्रभु मसीह यीशु मे आखरी जिवन हइ.

## 7

???????? ???? ??

1 हे भैइ, तु नी जानस-मी व्यवस्था को जाननवालो से बोलस हुये-कि जब तक इन्सान जिन्दो न्हैस हइ, तब तक ही ओका पर व्यवस्था को अधिकार न्हैस हइ?

2 क्युकी उदाहरन का लिये एक सादीसुदा बय अपना अदमी का सात व्यवस्था का जसो तब तक बंधी हइ जब तक उ जिन्दो हइ पन अगर अदमी मरी जास हइ ते वा सादी सबधी व्यवस्था से मेल हइ जास हइ.

3 येका लिये अगर अदमी का जिते जि वा कोय दुसरा अदमी कि हुये जाए, ते व्यभिचारिणी बोलस, पन अगर अदमी मरी जाए, ते वा उ व्यवस्था से छुटी गइ, यो तक की अगर कोइ दुसरो अदमी हइ जाये तेभी व्यभिचारिणी नी रखस.

4 ओसो ही हे मरा भैइ, तु भी मसीह का आंग का वजेसे व्यवस्था का लिये मरो हुयो बनी गयो, की उ दुसरो हइ जाए, जो मय्यो हुयो मे से जिन्दो उठ्यो ताकी हम परमेश्वर का लिये फल लाए.

5 क्युकी जब हम शारीरिक था, ते पाप की लालसाहोन जो व्यवस्था का वजेसे थी काम को फल उत्पन्न करण का लिये हमारो आंग मे काम करती थी.

6 पन जेका बन्धन मे हम था ओका लिये मरी क अब व्यवस्था से असो छुटी गयो की लेख की पुरानी रीति पर नी जब आत्मा की नवी रीति पर सेवा करस हइ.

~~~~~

7 ते हम का बोलै? का व्यवस्था पाप हइ? कभी नी! पन व्यवस्था का बिना मी पाप खे नी पचानू व्यवस्था अगर नी बोलस कि का लालसा मत कर ते मी लालच खे नी जानुस.

8 पन पाप ने अवसर पालस आज्ञा का वजेसे मरा मे सब प्रकार की लालच उत्पन्न कय्यो, क्युकी बिन व्यवस्था पाप मुर्दो हइ.

9 मे तो व्यवस्था बिन पैयले जिन्दो थो, पन जब आज्ञा आह्ये ते पाप जी गयो, अरु मी मरी गयो.

10 अरु वो आज्ञा जो जिवन का लिये थो मरा लिये मरन को कारन रख्यो.

11 क्युकि पाप ने अवसर लिखे आज्ञा का वजेसे मेखे बहकायो अरु ओका वजेसे मेखे मरी भी डाल्यो

12 येका लिये व्यवस्था पवित्र हइ अरु आज्ञा भी अच्छी हइ अरु अच्छी हइ.*

13 ते का उ जो अच्छो थो मरा लिये मरन रख्यो? अगर नी! पन पाप उ अच्छा चिज का वजेसे मरा लिये मरन को उत्पन्न करणवालो हुयो की ओको पाप होना पर प्रगट हुये अरु आज्ञा का वजेसे पाप भोत हि पापमय रख्यो.

~~~~~

14 हम जानस हइ कि व्यवस्था ते आत्मीक हइ, पन मी आंग का अरु पाप का हात बिक्यो हुयो हइ.

15 जो मी नी करस हुये ओखे नी जानस क्युकी जो मी चास हूये वो नी कय्यो करस, पन जेका से मेखे घुसा आस हइ उ करस हुये.

16 अगर जो मी नी चाउस वो करस हइ ते मी मानी लीयुस हुये की व्यवस्था भली हइ.

17 ते असो भाग मे ओको करणवालो मी नी, जब पाप हइ जो मेखे बटयो हुयो हइ.

18 क्युकी मी जानस हूये की मेखे मी अगर मरो आंग मे कोय अच्छो चिज वास नी करस. इच्छा ते मरा मे हइ, पन अच्छो काम मरा से बनी नी पडस.

19 क्युकी जो अच्छो काम की मी इच्छा करस हुये खे वो ते नी करस, पन जो बोल की इच्छा नी करस, उ ही कय्यो करस हइ.

20 अत अगर मी वो करस हुये जेकी इच्छा नी करस, ते ओका करणवालो मी नी न्हु पन पाप जो मरा मे बटयो हुयो हइ.

21 ते मी यो नीयम बोलुस हइ की जब बुरो करण की मी इच्छा करस हुये ते बुरो मरा पास आस हइ.

22 क्युकी मी अंदर कि आत्मा से ते परमेश्वर कि व्यवस्था से भोत प्रसन्न न्हैस हइ.

23 पन मरा अपना आंग मे दुसरा प्रकार की व्यवस्था देखनु पडस हइ, जो मरी दिमाक की नीयम से लडतो करस हइ अरु मेखे पाप का नीयम का बन्धन मे डालस हइ जो मरा आंग मे हइ.

24 मी कसो अभागो इन्सान हुये! मरा से मरन की आंग से कोन छुडायै?

25 जो हम खे छुटकारो देस हइ उस प्रभु यीशु मसीह का वजेसे मी परमेश्वर को धन्यवाद करस. यो तरह दिमाक से ते परमेश्वर की नीयम को पन आंग से पाप की नीयम को पालन करस हइ.

## 8

~~~~~

1 येका लिये अब जो मसीह यीशु मे जिवन जिस हइ, उन पर दोष की आज्ञा नी.

2 क्युकी जिवन को आत्मा की व्यवस्था ने मसीह यीशु मे मेखे पाप कास अरु मरन की व्यवस्था से स्वतंत्रता करी दियो.

* 7:12 पुराने ने उ वचन नी मीलता हइ

3 क्युकी जो काम व्यवस्था आंग करन दुर्बल हइखे नी करी सकता ओखे परमेश्वर ने कन्यो, अगर अपनो ही बेटा के पापमय आंग को समानता मे अरु पापबली होन का लिये भेजी खे, शरीर मे पाप पर शिक्षा की आज्ञा दि.

4 येका लिये व्यवस्था की विधी हम मे आंग का जसो नी वरन आत्मा का जसो चलस हइ, पुरी करी जा.

5 क्युकी शारीरिक व्यक्ति शरीर की बात पर आत्मा लगास हइ. पन अध्यात्मीक मन की बात पर मन लगास हइ.

6 शरीर पर मन लगानो तो मरन हइ पन आत्मा पर मन लगानो जिवन अरु शांती हइ.

7 क्युकी आत्मा पर मन लगानो ते परमेश्वर से बैर रखनो हइ, क्युकी नी ते परमेश्वर की व्यवस्था का अधीन हइ अरु नी हुये सकस हइ.

8 पन जो मानविक स्वभाव मे जीस हइ, वे परमेश्वर से प्रसन्न नी करस.

9 पन जब की परमेश्वर कि आत्मा तुम मे बठस हइ, ते तु शारीरिक भाग मे नी पन आत्मीक भाग मे हइ. अगर कोय मे मसीह को मन नी ते उ ओको नी हइ.

10 अगर मसीह तुम मे हइ, ते आंग पाप का कारन मरो हुयो हइ. पन आत्मा धर्म का कारन जिन्दो हइ.

11 अगर ओ की आत्मा जेने यीशु खे मन्यो हुयो मे से जिन्दो, तुम मे बटचो हुयो हइ. ते जेने मसीह खे मन्यो हुयो मे से जिन्दो, उ तुमारो नश्वर आंग का भी अपना मन का वजेसे जो तुम मे बटचो हुयो हइ जिन्दो कहें.

12 येका लिये हे मरा भैइ अरु बहन, हम का आंग को कर्जो तो हइ पन असो नी येका जसो जिये,

13 क्युकी अगर तु आंग का जसो दिन काटस ते मरस अगर आत्मा से आंग कि कामहोन खे मरस ते जिन्दो न्हे.

14 येका लिये की जितना दुन्या परमेश्वर का आत्मा को चाल चलस हइ वे हि परमेश्वर का सन्तान हइ.

15 क्युकी तुम खे दासत्व की आत्मा नी मीली खे फिर डरानो हुयो पन परमेश्वर को बेटा कि आत्मा मील हइ, जेका से हम हे अब्बा, हे बाप बोली खे बुलास हइ.

16 आत्मा अपनो हि हमारा आत्म का साथ गवाही देस हइ, की हम परमेश्वर की सन्तान हइ.

17 अरु अगर सन्तान हइ ते वारीस भी, वरन परमेश्वर को वारीस अरु मसीह का साथ वारीस हइ, की जब हम ओका साथ दुख उठाये ते ओका साथ महिमा भी पास.

18 क्युकी मी समझस हुये की उ टेम का दुख अरु क्लेश उ महिमा का सामने, जो हम पर प्रगट होनआली हइ, कुछ भी नी हइ.

19 क्युकी सृष्टी बडी आस भरी दृष्टी से परमेश्वर को बेटा प्रगट होन की रस्ता देखस हइ.

20 क्युकी सृष्टी अपनी इच्छा से नी पर अधीन करणवाला की तरफ से व्यर्थ का अधीन या आस से करी गयो

21 की सृष्टी भी तु ही विनास खे दासत्व से छुटकारो पइखे, परमेश्वर की सन्तान की महिमा की स्वतंत्रता मली करस.

22 क्युकी हम जानस हइ की सब सृष्टी अभी तक मीली खे बोलस जसा बच्चा कि अरु तकलीप की पीडा मे जन्म लेस हइ.

23 अरु फक्त वो नी पर हम भी जेका पास आत्मा को पयलो फल हइ, तु ही अपना मे बोलस हइ. अरु बेटा होन की, अगर अपनो आंग को छुटकारा की बात करस हइ.

24 या आस का वजेसे हमारो उध्दार हुयो हइ, पन जो सामन की आस करी जास हइ, जब उ देखना मे आये ते फिर आस बोल्यो न्हेस? क्युकी जो सामन खे कोय देखी रो हइ ओकी आस कन्हे?

25 पन जो सामन खे हम नी देखस, अगर ओकी आस रखस हइ, ते धीरज से ओकी रस्ता देखस भी हइ.

26 या रीति से आत्मा भी हमारो दुर्बलता मे सायता करस हइ क्युकी हम नी जानस की प्रार्थना कोइ रीति से करणो चाहिए, पन आत्मा तु ही असो आवाज भर भरी खे जो गवा से बाहेर हइ, हमारा लिये विनती करस हइ.

27 परमेश्वर हमारा आत्मा खे जानस हइ अरु आत्मा को विचार करस ह ? क्युकी उ पवित्र दुन्या का लिये परमेश्वर की का जसो प्रार्थना करस हइ.

28 हम जानस हइ की जो दुन्या परमेश्वर से प्रेम रखस हइ, ओका लिये सब बात मीली खे अच्छो ही उत्पन्न करस हइ, अगर ओका लिये जो ओकी इच्छा का जसो बुलायो हुयो हइ.

29 क्युकि जेने ओने पैयले से जानी लियो हइ उ पैयले से रख्यो भी हइ की ओको बेटा का स्वरूप मे हुयो, जबकी उ भोत भैइहोन मे पहिलौटा रखे.

30 फिर जेने ओने पैयले से ठैरायो, ओने बुलायो भी, अरु जेने बुलायो, ओने धर्मी भी ठैरायो हइ. अरु जेने धर्म ठैरायो, उन्हे महिमा भी दि हइ.

~~~~~

31 ते हम या बात का बारे मे बोले? अगर परमेश्वर हमारा तरप हइ, ते हमारो विरोधी कोन हइ सकस हइ?

32 जेने अपना नीज बेटा खे भी नी रखी छोड्यो, पन ओको हम सब का लिये दी दियो, उ हम खे पुरा उध्दार से उ हम खे भोत कुछ देस?

33 परमेश्वर का चुन्यो हुया पर दोष कोन लगाए? परमेश्वर उ हइ जो ओको धर्मी रखनवालो हइ.

34 फिर कोन हइ जो परमेश्वर खे दण्ड की आज्ञा दिये? मसीह ही हइ जो मरी गयो जब मुर्दा मे से जिन्दो भी उठ्यो, अरु यीशु का जवना तरप हइ, अरु हमारा लिये नीवेदन भी करस हइ.

35 कोन हम खे मसीह का प्रेम से अलग करस? का कठनाइ, या संकट, या टेम, या सताव, या भुक्कारी, या गरीब, या जोखीम, या मरन?

36 जसो शास्त्र मे लिख्यो हइ

“तरा लिये हम दिन भर मान्या जास हइ.

हम वध होनवाला मेडाहोन का समान गिन्या गया हइ.”

37 पन या सब बात मे हम ओका वजेसे जेने हम से प्रेम कन्यो हइ, पुरो विजय मील्ले करी रास हइ.

38 क्युकी मी निश्चित जानुस हुये की कोय हम खे ओका प्रेम से अलग नी करी सकस मरन, नी जिवन, नी स्वर्गदूत, नी खराप शासन, नी वर्तमान, नी भविष्य, नी सामर्थ्य, नी उचो,

39 नी पृथ्वी गैरो, अरु नी कोय अरु पृथ्वी कि उचाइ, अरु नी जगत मे असी कोय नी हइ जो हम खे परमेश्वर को प्रेम से अलग करी सकस हइ.

## 9

~~~~~

1 मी मसीह मे सच्ची बोलस हय, मी झुटी नी बोली रोस अरु मरो विवेक भी पवित्र आत्मा मे गवय देस हइ

2 की मेखे बडो शोक अरु दर्द हइ, अरु मरो मन कभी भी दुखी रोस हइ,

3 क्युकी मी ह्या तक चातो थो की अपना भैइ का लिये जो आंग का भाव से मरा कुटुम्बी हइ, परमेश्वर से श्रापित अरु मसीह से अलग हुये जाए.

4 वे इस्त्राएल हइ, अरु परमेश्वर से सन्तान अधिकार अरु महिमा अरु वाचा अरु व्यवस्था अरु उपास अरु प्रतीज्ञा ओने करी हइ.

5 बुजुरुख भी ओका ही हइ, अरु मसीह भी आंग का भाव से ओका मेसे हुयो. सब का उपर परम परमेश्वर राज्य करस पिडमपिडि धन्य होस. आमीन.

6 पन यो नी की परमेश्वर को वचन नीकली गयो, येकालिये की जो इस्राएल का कुल हइ, वे सब इस्राएली नी.

7 अरु नी अब्राहम का कुल होन का कारन सब ओका बेटा रख्यो, “पन लिख्यो हइ इसहाक का वजेसे तरो कुल बोलस.”

8 अगर आंग को बेटो परमेश्वर को बेटो नी पन प्रतीज्ञा को बेटो कुल गिन्यो जास हइ.

9 क्युकि प्रतीज्ञा को वचन यो हइ “भी उचित टेम का अनुसार आयु अरु सारा को बेटो हुयु.”

10 अरु फक्त यो नी, पन जब रिबका भी एक से अगर हमारो बाप इसहाक से दो बेटा हुया,

11 अरु अभी तक नी ते बच्चा पइदा हुयो यो थो, अरु कुछ अच्छो या बुरो कन्यो थो, येकालिये परमेश्वर की मनसा जो ओका चुनी लेना का अनुसार हइ, करम का कारन नी, पन बुलान वाला पर बनी रहे

12 या बात परमेश्वर ने जन्म से पैयले अरु ओका कुछ भलो बुरो बोलन का पैयले बोली ते परमेश्वर की पसन्द ओकी बुलाहट पर नीबल हइ नी की वे दोय ने का कन्यो ओका पर ओने बोल्यो, “बडा छोटा को सेवक हुए.”

13 जसो शास्त्र मे लिख्यो हइ, “मे ने याकूब से प्रेम कन्यो, पन एसाव से प्रिय जान्यो हइ.”

14 येकालिये हम का बोला? का परमेश्वर का यो बुरो हइ? कभी नी.

15 क्युकी उ मूसा से बोलस हइ, “अरु जेका पर दया करणो चास ओका पर दया कन्यु, अरु जो कोय पर कृपा करणु चास ओका पर कृपा करणु”

16 येकालिये यो नी ते चानआला की, नी मैहनत करणवाला की पन दया करणआलो परमेश्वर पर नीभर हइ.

17 क्युकी पवित्रशास्त्र मे फिरौन से बोल्यो गयो, “मे ने तोखे येका लिये खडो कन्यो हइ की तरा मे अपनी सामर्थ्य बतायु, अरु मरो नाम को प्रचार सब पृथ्वी पर हुये.”

18 येकालिये उ जेका पर चास हइ ओका पर दया करस हइ, अरु जेखे चास हइ ओको खतना करी देस हइ.

~~~~~

19 आखरी तु मरा से बोलहे, “परमेश्वर फिर का दोष लगास हइ? कोन ओकि इच्छा को सामनो करस हइ?”

20 हे इन्सान, अच्छो तू कोन हइ जो परमेश्वर को सामनो करस हइ? का गाडचो हुयो सामन गडनवाली से बोली सकस हइ, “तो ने मेखे असो का बनायो हइ?”

21 का कुमार खे यो अधिकार नी कि उ मट्टी को एक ही लोंदा से एक बर्तन विशिष्ट प्रयोजन का लिये बनायो अरु दुसरा बर्तन साधारण प्रयोजन का लिये.

22 कि परमेश्वर ने अपनी घुस्सा बतानो अरु अपनी सामर्थ्य प्रगट करण की इच्छा से घुस्सा का बर्तन पर जो विनाश का लिये तैयार करी गयो थो, बडा धीरज से सही.

23 अरु दया का बर्तन पर जेने ओने महिमा का लिये पैयले से तैयार कन्यो, अपनी महिमा को धन खे प्रगट करण की इच्छा करी.

24 अगर हम पर जेने ओने नी फक्त गैरयहूदीहोन मे से, वरन यहूदीहोन मे से भी बुलियो.

25 जसो वावो होशे की किताब मे भी बोलस हइ,  
जो मरा दुन्या नी था

ओखे मी अपना दुन्या बल्यु.

अरु जो प्रिय नी थो,

उ प्रिय बोल्यु.

26 अरु असो हुये कि जो जगा मे ओखे यो

बोली गयो थो की

तुम मरा दुन्या नी हुये,

उ जगा वे जिवन परमेश्वर का सन्तान  
बोल्ते.

27 अरु यशायाह इस्राएल का बारे मे बुलैखे बोलुस हइ,  
“चाये इस्राएल का बेटा का गिनस  
समुद्र का रेती का बरोबर होस,  
तेभी ओमे से थोडो ही बच्चे.

28 क्युकी प्रभु अपनो वचन पृथ्वी पर पुरो  
करीखे,  
धार्मीकता से झल्दी उ सिध्द कच्चे.”

29 जसो यशायाह ने पैयले भी बोलो थो,  
“अगर सुन्ये प्रभु हमारा लिये कुछ  
कुल नी छोलस,  
ते हम सदोम का सामने हुइ जास,  
अरु गमोरा का जसो ही रखस.”

~~~~~

30 आखरी हम का बोल्हे? यो का गैरयहूदीहोन नी जो धर्मीकता खे दुडस नी धर्मीकता मील्ले
की अगर उ धर्मीकता को जो विश्वास से हइ.

31 पन इस्राएल, जो धर्म कि व्यवस्था खे दुडस उ व्यवस्था तक नी पोचे.

32 को का लिये? येकालिये कि वे विश्वास से नी, पन मानीखे कामहोन से ओखे दुडस. करस्या
ओने ओखे ठोकर का फत्थर पर ठोकर खइ,

33 जसो लिख्यो हइ,
“देख, मी सिय्योन मे एक ठोकर लगन को पत्थर,
अरु ठोकर खान की टेकडी रखस हइ,
अरु जो
ओका पर विश्वास करस उ लाजित नी हुइ.”

10

1 हे भैइ अरु बहन, मरा मन की अभिलाषा अरु ओका लिये परमेश्वर से मरी प्रार्थना हइ कि वे
उध्दार पाए.

2 मी या बात से गवइ दिउस हइ की परमेश्वर कि भक्ति मे का लिये न्हेस हइ पन उनकी भक्ति
सच्ची ज्ञान पर नीर्भर नी हइ.

3 क्युकी वे परमेश्वर की धार्मीकता से अजान हुइ, अरु अपनी धार्मीकता स्थापित करण प्रत्यन
करी खे परमेश्वर कि धार्मीकता का अधीन नी हुये.

4 मसीह ने व्यवस्था को अन्त पुरो कय्यो येका लिये धार्मीकता जो कोय विश्वास रखस हइ उ
सही रस्ता मे आस हइ.

~~~~~

5 जो व्यवस्था से मौनल आलो न्यायीपन हइ ओको वर्णन मूसा यो तरह करस हइ. “जो कोय  
व्ययवस्था कि आज्ञा मानस हइ उ जिन्दो न्हीहे.”

6 पन जो धार्मीकता विश्वास से हइ, उ यो बोलस हइ, “तु अपना मन मे यो नी बोल्लु की अगर  
मसीह खे उतारी लान का लिये स्वर्ग पर कोन चेले?”

7 अरु आधा दुन्या मे मसीह खे मय्यो हुयो मी से जिन्दो करी खे उपर लान का लिये गड्डा मे उतरे.

8 पन उ बोलस हइ? यो की “वचन तरा बाहेर हइ, तरा मन मे अरु तरा मन मे हइ,” यो उ विश्वास  
को वचन हइ, जो हम प्रचार करस हइ,

9 की अगर तु अपना मुडा से यीशु खे प्रभु जानी, अंगीकार कर्हे अरु अपना मन से विश्वास कर  
की परमेश्वर ने उ मरन हुयो मे से जलायो, ते तु स्वतंत्रता कर्यो जाये.

10 विश्वास करणा से हम परमेश्वर कि धार्मीकता का सात सही रिस्ता मे से आस हइ अरु उध्दार मुडा से कबुल करणा से मुक्ती पास हइ.

11 क्युकी पवित्रशास्त्र यो बोलस हइ, “जो कोय ओका पर विश्वास करस उ लज्जित नी हुये.”

12 यहूदीहोन अरु यूनानीहोन अरु उ सब को प्रभु हइ जो सब को भोतायत से आपिशीत करस हइ जो ओका बुलास हइ अरु अपना सब नाम लेनवाला का लिये उध्दार हइ.

13 क्युकी “जो कोय प्रभु का नाम लीये व्हा उध्दार मील्हे.”

14 फिर जेका पर ओने विश्वास नी कन्यो, पन जेने उनका पर विश्वास नी कन्यो उ मदत का लिये कसो बुलाये जेको संदेश सुन्यो नी उ पर कसो विश्वास कर? अरु प्रचार का बिना कसो सुने फिर संदेश सुननवाला भेज्या नी जाये ते कसो सुसमाचार को प्रचार कन्हें?

15 अरु अगर संदेश भेजे नी जाए, ते कसो प्रचार कन्हें? जसो शास्त्र लिख्यो हइ, “ओका पाय का ही सुवानो हइ, जो अच्छी बात की सुसमाचार सुनस हइ!”

16 पन सब ने उ सुसमाचार पर का नी लगास यशायाह बोलस हइ, “हे प्रभु कोने हमारो समाचार पर विश्वास कन्यो हइ?”

17 अरु विश्वास संदेश खे सुन से अरु सुनना से मसीह को वचन से होस हइ.

18 पन मी बोलस हुये खे ओने नी सुन्यो? सुन्यो ते अकुल्य हइ. क्युकी लिख्यो हइ, “ओका शब्द सब पृथ्वी पर, अरु ओका वचन जगत की छोर तक पोच्यो गया हइ.”

19 मी फिर बोलुस हुये खे का इस्राएल नी जानस था?

पैयले ते मूसा बोलस हइ,

“मी ओका वजेसे जो लोग नी,

तुमारो मन मे जलन नीकली जायु.

मी एक मुढ लोग का वजेसे तुम खे रिस दियु.”

20 फिर यशायाह बडो सहास का साथ बोलस हइ,

“जो मेखे नी ढुँढता था, ओने मरा पर लियो.

अरु जो मेखे पुछस भी नी थो, ओका पर मी प्रगट हुइ गयो.”

21 पन इस्राएल का बारे मे वो यो बोलस हइ, “मी सब दिन अपना हात एक आज्ञा नी माननवालो अरु बिदाइ करणवाला दुन्या का तरफ पसारें ज्हेस.”

## 11

?????? ?? ??????? ?? ???

1 येकालिये मी बोलुस हइ, का परमेश्वर ने अपनी दुन्या खे त्याग दियो? अगर नी! मी भी ते इस्राएल हुये. अब्राहम का कुल अरु बिन्यामीन का गोत्र मे से हुये.

2 परमेश्वर ने अपनी उ दुन्या खे नी त्यागा, जेने ओने पैयले हि से चुन्या. का तु नी जानस की पवित्रशास्त्र एलिय्याह का बारे मे का बोलस हइ, जब वो इस्राएल खे विरोध मे परमेश्वर से विनती करस हइ?

3 “हे प्रभु ओने तरा भविष्यद्वाक्ताहोन को घात कन्यो, अरु तरी वेदिहोन खे ढाकी दियो हइ. अरु मी ही अखे लो बच्यो हइ, अरु वे मखे मारन का लिये ढुडि रास हइ.”

4 पन परमेश्वर से उ का उतार मील्यो, मे ने अपना लिये सात हजार इन्सान खे रखी छोड्यो हइ, जेने झुटा बाल भगवान का आगे घुटना नी टेकस हइ.

5 ठिक यो रीति से यो टेम भी, अनुग्रह से चुन्यो हुयो कुछ दुन्या बाकी हइ.

6 अगर यो अनुग्रह से हुयो हइ, ते फिर काम से नी. ते अनुग्रह फिर अनुग्रह नी ज्हेस.

7 येकालिये परिणाम का हुयो? यो की इस्राएल जेकी ढुडना मे थो, उ उनखे नी मील्यो. पन चुन्या हुयो खे करी लियो, अरु बाकि दुन्या कटोर खायो गयो.

8 जसो लिख्यो हइ, “परमेश्वर ने उनखे आज का दिन तक भारी नीद मे डालिखे रख्यो हइ, अरु असी आख आत्मा दे जो नी देख्यो अरु असा कान जो नी सुनस.”

9 अरु दाउद बोलस हइ,  
“ओको खानो ओका लिये जाल अरु फंदो,  
अरु ठोकर खाय खे  
अरु दण्ड का कारन हुइ जाए.

10 ओकी आख पर अंधारो छय जाए ताकि नी देखे, अरु तू कभी भी ओका पिछ्छा झुखे खे रखे.”

11 ते मी बोलस हुये का ओने येकालिये ठोकर खाइ खे गिन्यो पड्यो? अगर नी! पन ओका गिरन का कारन गैरयहूदीहोन को उध्दार मिलस, की वे जलस हुये.

12 येकालिये अगर उनको गिरानो संसार का लिये धन अरु ओकी घटी गैरयहूदीहोन का लिये सम्पत्ति का कारण हुये, ते उनकी भरपुर से खे तनो बडो आशिवाद मिल्यो.

~~~~~

13 यो अब मी तुम गैरयहूदीहोन से बोली रोस हइ ते मी अपना काम को तु घमण्ड करस हइ. जब की मी विशेष रुप से गैरयहूदीहोन का लिये प्रेरित हुये, ते मी अपनी सेवा की बडोपनो करस हुय,

14 ताकि कोय रीति से मी अपना कुटुबहोन मे जलन उत्पन्न करी खे ओमे से कोइ एक को उध्दार कयु.

15 क्युकी परमेश्वर का वजेसे उनको अस्वीकार कन्यो जानो संसार परमेश्वर का सात मेल मीलाप होस हइ ते फिर उनखे अपनायो जाना से मन्यो हुयो मे से जिन्दो नी हुये?

16 जब भेट को पयलो भाग पवित्र रख्यो, ते पुरो खराब हुयो आटो भी पवित्र हइ. पन जब झाड कि जडी पवित्र रख्यो, ते ओकि शाकाहोन भी पवित्र हइ.

17 अरु अगर कुछ डग्यान तोडि दी गयो, अरु तू जंगली जैतून हुइखे ओका सात हुय गयो, अरु जैतून की जडी खे चिकन कि भागी हुय हइ

18 ते डग्यान पर घमण्ड नी करणु. अरु अगर तू घमण्ड कर्य ते जानी रख की तू जडी खे नी पन जडी तोखे सम्भालती न्हीहे.

19 फिर तू बोलस, “डग्यान येकालिये तोडि गयो की मी कलम करी जायु.”

20 ठिक हइ, वे ते अविश्वास का कारन तोडि गयो पन तू विश्वास से बनी न्हेस हइ येकालिये अभिमानी नी हइ, पन भैइ मान,

21 क्युकी जब परमेश्वर ने स्वाभाविका डाली खे नी छोड्यो ते तोखे भी नी छोड्यो

22 येकालिये परमेश्वर की कृपा अरु कडाइ खे देख जो गिरी गयो उ पर कडाइ पन तरा पर कृपा अगर तु ओमे बनो न्हेस नी ते तोखे भी काटी डाल्यो जाये.

23 अगर वे अविश्वास मे असमर्थ हइ ते झाडसे जोडि दिये. क्युकि परमेश्वर समर्थ हइ जो उ झाडसे जोडि देस.

24 क्युकि अगर गैरयहूदी उ जैतून से जो स्वभाव से जंगली हइ काट्यो गयो अरु स्वभाव को विरुध्द अच्छो जैतून मे जोड्यो जाये, ते ये जो यहूदी डाल्यो हइ अपनो हि जैतून मे का नी छाट्यो जाए.

~~~~~

25 हे भैइ अरु बहन, बोल असो नी हुइ की तुम अपना आप खे बुध्दमान समझस. येकालिये मी नी चास कि तु ओका भेद से अंजान रिहे की जब तक गैरयहूदीहोन पुरी रीति से प्रवेश नी कर ले जब तक ही इस्राएल का एक भाग असो ही कठोर न्हेस.

26 अरु उ रीति से सारा इस्राएल उध्दार पाए. “जसो शास्त्र मे लिख्यो हइ कि छुडानआलो सिय्योन से आहो, अरु अभक्ति का याकूब का कुल से दूर करस.

27 अरु ओका साथ मरी यो वाचा हुये जब की मी ओखे पाप का दुर करी दियु."

28 सुसमाचार का भाव से ते तुमारो लिये वे परमेश्वर का दुसमन हइ, पन चुनी लिये जान से अरु बापदादाहोन का कारण परमेश्वर प्यारो हइ.

29 क्युकी परमेश्वर अपनो वरदान से पछुतानो नी पडे अरु आशिष अटल हइ.

30 क्युकी जसो तुम ने पैयले परमेश्वर को आज्ञा नी मानी पन अभी ओका आज्ञा नी मानन से तुम पर दया हुये.

31 तुम पर जो दया होस हइ ओका कारण यहदि अब परमेश्वर कि आज्ञा नी मानी न्हैस हइ, येकालिये अब तुम पर भी वसी उन पर दया हइ.

32 क्युकी परमेश्वर ने सब खे आज्ञा नी मानन का कारण बन्दी बनय खे रख्यो ताकी वो सब पर दया कहें.

???????? ?? ?????

33 आहा! परमेश्वर को धन अरु दिमाक अरु ज्ञान का ही महान हइ! ओखे नीर्भय खे कोन स्पष्ट करी सकस हइ अरु ओकि रस्ता कसो सजी सकस हइ!

34 शास्त्र बोलस हइ

"प्रभु को मन खे कोन जानी सकस हइ

अरु ओखे कोन सला दी सकस हइ?

35 का परमेश्वर खे कोय ने कुछ दियो हइ

जेखे उ फिर से वापस कन्हें?"

36 क्युकी ओका तरफ से, अरु ओका वजेसे, अरु ओ का लिये सब कुछ हइ ओकि महिमा पिडमपिडि होते न्हैस आमीन.

## 12

???????? ?? ???? ?? ???? ?

1 येका लिये हे भैइ अरु बहन, मी तुम खे परमेश्वर की दया स्मरण दियुस, प्रार्थना करस हुये की अपना आंग होन खे जिन्दो अरु पवित्र अरु परमेश्वर का भावता हुयो बलिदान करीखे चढायो. यो तुमारो सच्चो उपास हइ.

2 यो जगत को सदृश नी बन्यो. पन तुमारो मन, नी हो जान से तुमारो चाल-चलन भी बदली जाए जेका से तुम परमेश्वर कि भली, अरु भाती अरु साधी इच्छा अनुभव से समज्हे करस न्हैस.

3 क्युकी मी ओका अनुग्रह करण जो मे, मील्यो हइ तुम मे से हर एक से बोलस हय कि जसो समझनो चातो थो ओखे बडि खे कोय भी अपना आप नी समझे. पर जसो परमेश्वर ने हर एक विश्वास परिमाण जसो बैठो दियो हइ, वोसो ही सुबुद्धि का सात अपनो समझस.

4 क्युकी जसो हमारो एक मन मे भोत जसो आंग हइ, अरु सब आंग खे एक ही सो काम नी हइ.

5 वोसो ही हम जो भोत हइ मसीह मे एक मन हुइखे आपस मे एक दुसरा को आंग हइ

6 ताकि उ अनुग्रह का जसो जो दियो गयो हइ मेखे अलक-अलक वरदान मील्यो हइ, ते जेका भविष्यव्दाणी को दान मील्यो हुये उ विश्वास को परिमाण जसो भविष्यव्दाणी कर.

7 अगर सेवा करण का दान मील्यो हुये ते सेवा मे लग्यो न्हैस. अगर कोय सिखानवालो होस, ते सिखान मे लग्यो न्हैस

8 जो उपदेशक देनवालो हइ उपदेश कन्हें जो दान देनवालो हइ उ उदाहरता से दे अरु जो अगुवाइ करणवालो हइ उ मगन का सात अगुवाइ कन्हें अरु जो दया बतान को दान हइ उ प्रसन्नता से बतास उधारी से दे. जो अगुअय कर, वो उत्साह से कर. जो दया कय्यो वो हर्ष से कय्यो.

9 प्रेम नीष्कपट होस बुरा से घुणा कर अच्छो मे लग्यो न्है.

10 भैइचारा का प्रेम से एक दुसरा से स्नेह रख्यो. परस्पर आदर करणा मे एक दुसरा से बडी चल.

11 प्रयत्न करणा मे आलसी नी हुइ आत्मीक मे उत्तसुक भय्यो न्है प्रभु कि सेवा करतो न्हैस.

- 12 आस मे आनन्दित रहे संकट मे धीरज रख. प्रार्थना मे लगयो न्हेस.
- 13 पवित्र दुन्या मे जो कुछ अवश्य हुये खे ओमे ओकि सहायता कर. मीजवान करणा मे लगयो न्हेस.
- 14 अपना सतानआला खे आशीष दे.आशीष दे श्राप नी दे.
- 15 खुशी करणवाला का साथ खुशी कर, अरु रोनवाला का साथ रो
- 16 आपस मे एक जसो मन रख्यो. अभिमानी नी हुये पन दिन का साथ सगति रख. अपनो दुष्टि मे बुद्धिमान नी हुए.
- 17 बुराइ खे कोय से बुरो नी करणु. जो बात सब दुन्याहोन का लिये अच्छो हइ, ओकि चिता कन्या कर.
- 18 जहा तक हुए सकस, तुम भरी सब इन्सान का साथ मे शांती मे न्हे.
- 19 हे प्रिय, बदलो नी लेनु, पन परमेश्वर खे घुस्सा का अवसर दे, क्युकि लिख्यो हइ, “बदलो लेनो मरो काम हइ, प्रभु बोलस हइ मी हि बदली दियु.”
- 20 पन “अगर तरा बिना भूको हुए ते ओखे खानो खलइ खे अगर दुसरो हुये ते दुश्मन खे पानी पिलय सक्यु क्युकि असा करणा से तु ओका माथा पर अगर से अंगारा को ढेर लगास.”
- 21 बुरा से नी हुया, पन भला से बुरा खे जिती ले.

## 13

~~~~~

- 1 हर एक इन्सान शासकिय अधिकाहोन का अधीन रेस क्युकि अधिकार असो नी जो परमेश्वर का मन का तरप से नी हुये. अरु जो अधिकार हइ वे परमेश्वर खे ठहरायो हुयो हइ.
- 2 येका लिये जो कोय अधिकार को विरोध करस हइ वो परमेश्वर कि विधी का सामने करस हइ अरु सामनो करणवाला खे दण्ड मीले.
- 3 क्युकि शासन अच्छो काम खे नी पन बुरो काम का लिये डरी खे करणो हइ आखरी. अगर तू अधिकारी से नीडर न्हेनो चाहिए हइ ते अच्छो काम कर अरु ओका तरप से तरी सरानो हुये.
- 4 क्युकि उ तरा भला का लिये परमेश्वर को सेवक हइ. पन अगर तु बुरो कर ते डर क्युकी वह तलवार व्यर्थ लिए हुयो नी. अरु परमेश्वर को सेवक हइ की ओकि घुस्सा का जसो बुरो काम करणवाला खे दण्ड दे
- 5 येका लिये अधीकारीहोन कि आज्ञा मान नी ते फक्त परमेश्वर कि शिक्षा का वजेसे नी लेकीन हमारो विवेक करण भी
- 6 येका लिये करी भी दे क्युकी शासन करणवाला परमेश्वर को सेवक हइ अरु सदा यो काम मे लग्यो न्हेस हइ.
- 7 येका लिये हर एक को हक्क चुकयो कर जेका से चाए ओका करी देख जेको चुनी चाए ओखे चुगी दे. जेका से डरनो चाए ओकासे डर. जेको आदर करणो चाए ओको आदर कर.

~~~~~

- 8 आपस का प्रेम खे छोड़ी अरु कोय बात मे कोय को कर्जदार नी हुये. क्युकी जो दुसरा से प्रेम रखस हइ, ओ ने व्यवस्था पुरो करी हइ.
- 9 क्युकी यो की “व्यभिचार नी करणो, मारनो नी करणो, चोरी नी करणो, लालच मत कर,” अरु इनखे छोड़ीखे अरु कोय भी आज्ञा हुये ते सब का साराश या बात मे पायो जास हइ, “अपना घर का बाजुआला से अपना समान प्रेम रख.”
- 10 प्रेम घर का बाजुआला कुछ बुरो नी करस येका लिये प्रेम करणु व्यवस्था को पालन करणो हइ.
- 11 टेम खे पइछान कर असो हि कर, येका लिये की अब तुमारा लिये नीद से जागो उठन की घडी आ पोच्यो हइ. क्युकी जो टेम हम ने विश्वास कन्यो थो, उ टेम का विचार से अब हमारो उद्धार बाहर हइ.

12 रात भोत बीती गए हइ, अरु दिन निकलना पर हइ. येका लिये हम अंधारा कामहोन खे त्याग खे ज्योति कि हथियार बाधी ले.

13 जसो दिन मे वोसो ही हम सीधो रुप से चाल चले नी की लीला-क्रिडा अरु मे नी व्यभिचार अरु लुचपन मे अरु नी वाद विवाद अरु डाह मे.

14 जब प्रभु यीशु मसीह खे पेनी ले, अरु मानव का आंग की अभिलाषाहोन खे पुरो करणा मे मत लगा हई.

## 14

**११ १११११ ११ १११ ११ १११११**

1 जो विश्वास मे नीबल हइ, ओने अपना सगत मे ली ले, पन ओकी युक्ति बिचार पर विवाद करण का लिये नी.

2 एक को विश्वास हइ कि सब कुछ खानो उचित हइ पन जो विश्वास मे नीबल हइ, उ फक्त शाकाहारी खास हइ.

3 अरु खानवाला नी खानवाला को तुच्छ नी जान अरु नी खानवाला पर दोष नी लगानु. किन्तु परमेश्वर ने ओखे ग्रहण कन्यो हइ

4 तु कोन हइ जो दुसरा सेवक पर दोष लगास हइ? ओका स्थिर रहे या गिरी जानो ओको स्वामी ही से सम्बन्ध रखस हइ. जब वो स्थिर ही करी दीयो जाए, क्युकि प्रभु उ स्थिर रखी सकस हइ.

5 का दुन्याहोन थो एक दिन खे दुसरो से बडी खे मानस हइ, अरु कोय भी सब दिन खे एक समान मानस हइ. हर एक अपनी ही मन मे नीश्चित करी ले.

6 जो कोय दि खे मानस हइ उ प्रभु का लिये मानस हइ जो खास हइ उ प्रभु का लिये खास हइ क्युकि वो परमेश्वर को धन्यावाद करस हइ अरु जो नी खास वो प्रभु, लिये नी खास अरु परमेश्वर को धन्यावाद करस हइ.

7 क्युकि हम मे से नी ते कोय अपना लिये जीस हइ अरु नी कोय अपना लिये मरस हइ.

8 अगर हम जिन्दो हइ ते प्रभु का लिये जिन्दो हइ अरु अगर मरस हइ, ते प्रभु का लिये मरस हइ. आखरी मे हम जिन्दो या मर्यो, हम प्रभु ही को हइ.

9 क्युकि मसीह येका लिये मर्यो अरु जी भी उठ्यो की उ मर हुये अरु जिन्दो दोग को प्रभु हुयो.

10 तु अपना भैड पर का दोष लगास हइ? या तु फिर का अपना भैडका पास जास हइ? हम सब खे सब परमेश्वर का न्याय राजगद्दी का सामने खडो हुये.

11 क्युकी शास्त्र लिख्यो हइ,

प्रभु बोलस हइ, मरा जिवन की सौगन्ध की

हर एक घुटना मरा सामने टिक्ये,

अरु हर एक जीभ मानी लिये की मी परमेश्वर हइ.

12 येका लिये हम मे से हर एक परमेश्वर खे अपनो अपनो लिख दे .

**११११ १११, १११ ११ ११**

13 येका लिये हम एक दुसरा पर न्याय करणो बन्द कहे अरु येका बदला मे नीश्चय कर कि अपना भैड का सामने ठोकर खे पाप मे पडन का कारन बन.

14 प्रभु यीशु मे एक होन का कारण मी जानुस हइ कि कोय सामन अपना आप से अशुध्द नी पन जो ओखे अशुध्द समझस हइ ओका लिये अशुध्द हइ.

15 अगर तरो भैड या बहन तरा खान का कारन दुखी होस हइ ते फिर तु प्रेम कि रिती से नी चलस. जेका लिये मसीह मर्यो ओखे तु अपना खाना का वजसे नष्ट नी कर.

16 जेखे तुम भलो मानस हइ ओखे कोय खे बुरो मत बोलन देनु.

17 क्युकि परमेश्वर का राज्य खानो पानी नी, पन धार्मीकता अरु शांती अरु आनन्द हइ जो पवित्र आत्मा देस हइ उ हइ.



18 जो कोय या रीति से मसीह की सेवा करस हइ, उ परमेश्वर खे भास हइ, अरु इन्सान मे ग्रहण योग्य ठैरास हइ.

19 येका लिये हम उ बात मे लग्या जेस जेका से मेल मीलाप अरु एक दुसरा की उन्नती हुये.

20 खानो का लिये परमेश्वर ने कन्यो उ खतम मत कहे, सब कुछ शुध्द तो हइ, पन उ इन्सान का लिये बुरो हइ जेखे ओको खाना से टोकर लगस हइ.

21 अच्छो ते यो हइ कि तु नी मास खाये अरु नी अंगूर को रस पाए, नी अरु कुछ असो कहे जेका से तरो भैइ या बहन ठोकर खाए.

22 तरो जो विश्वास हुये खे ओको परमेश्वर का सामने अपनो ही मन मे रख. धन्य हइ वो जो उ बात मे जेका उ ठीक समझे हइ अपना आप खे दोष नी ठैरास.

23 पन जो सन्देह कहे, खास हइ परमेश्वर को दोषी क्युकि उ विश्वास से नी खास. अरु जो कुछ विश्वाससे नी ते उ पाप हइ.

## 15

~~~~~

1 आखरी हम बलवान खे चाहस की नीबल कि नीबलताहोन मे सहायता कर कोनी की अपना आपखे प्रसन्न कर

2 हम से हर एक अपनो घर का बाजु का ओकी भलाइ का लिये प्रसन्न कर की ओकी उन्नती हुये.

3 क्युकि मसीह ने अपना आप खे प्रसन्न नी कन्यो पर जसो लिख्यो हइ “तरा नीन्दको की नीन्दा मरा पर अय पड्यो.”

4 जतनी बात पयलो से लिखी गइ वे हमारी ही शिक्षा का लिये लिखी गैय हइ की हम धीरज अरु शांती पवित्रशास्त्र का प्रोत्साहन वजेसे आस कर.

5 धीरज अरु शांती को दातो परमेश्वर तु यो वरदान दे की मसीह यीशु का अनुसार आपस मे एक मन हइ.

6 ताकि तुम एक मन अरु एक अवाज मे हमारो प्रभु यीशु मसीह को बाप परमेश्वर कि महिमा कर.

~~~~~

7 येका लिये जसो मसीह ने परमेश्वर की महिमा का लिये तुम खे ग्रहण कन्यो हइ, ओसो ही तुम भी एक दुसरा खे ग्रहण कर.

8 येका लिये मी बोलुस हइ की जो प्रतीज्ञा बापदादा खे दी गए ओने दृढ करणा का लिये मसीह कि परमेश्वर की सच्ची को प्रमाण देन का लिये खतना कन्यो हुयो दुन्या को सेवक बन्यो

9 अरु गैरयहूदीहोन भी दया करण परमेश्वर की स्तुति कर का जसो लिख्यो हइ,

“येका लिये मी जात जात मे तरी महिमा करियु का

अरु तरो नाम को भजन गायु.”

10 फिर बोल्यो हइ “हे जात जात का सब दुन्या ओका दुन्या का साथ आनन्द कर.”

11 अरु फिर हे जात जात का सब दुन्या प्रभु की स्तुति कर अरु हे राज्य राज्य का सब दुन्या ओकी स्तुति.

12 अरु फिर यशायाह बोलस हइ

“यिश्य कि एक जडी प्रगट हुये खे

अरु गैरयहूदीहोन को

हाकीम होन का लिये एक उठाये.”

13 परमेश्वर जो आस को दाता हइ तेका विश्वास करणा मे सब प्रकार को आनन्द अरु शांती से परिपूर्ण कर की पवित्र मन कि सामर्थ्य से तुमारी आस बडी जाए.

~~~~~

14 हे मरा भैइ मी खुद तुमारा विषय मे नीश्चय जानस हइ की तु भी आप ही बुरा से अच्छो अरु इश्वरी ज्ञान से भरपुर होस, अरु एक दुसरा चिन्ता सकस हइ.

15 तेभी मी ने कभी कभी याद देन का लिये तु जो भोत साहस करी खे लिख्यो. यो उ अनुग्रह कारन हुयो जो परमेश्वर ने मेखे दियो हइ,

16 की मी गैरयहूदिहोन का लिये मसीह यीशु को सेवक हइ खे परमेश्वर को सुसमाचार कि सेवा याजक का सामने क्युकि जेने गैरयहूदिहोन खे मान्यो चेड्यो जाए, पवित्र मन से पवित्र बनी खे ग्रहण करी जाए.

17 येका लिये उ बात का विषय मे जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखस हइ मसीह यीशु मे बडो कर सकुस हुये.

18 क्युकि उ बात खे छोडीखे मेखे अरु कोय बात का विषय मे बोलन को साहस नी कन्यो जो मसीह ने गैरयहूदिहोन की अधीनता का लिये वचन अरु कर्म,

19 अरु चीता अरु अदभुत काम को सामर्थ्य से परमेश्वर अरु पवित्र आत्मा का सामर्थ्य से मरा ही वजेसे कर इल्लुरिकुम तक की मी ने यरुशलेम से लिखे चोर का तरप तक मसीह को सुसमाचार को पुरो पुरो प्रचार कर.

20 पर मरो मन उमग यो हइ की जो जो मसीह को नाम नी लियो गयो, वो सुसमाचार सुनायु असो नी हुये की दुसरा की पय्या पर घर बनायु.

21 पन जसो लिख्यो हइ वोसो ही होस,
“जेने ओका सुसमाचार नी पोच्यो, वे ही देखस
अरु जेने नी सुन्यो वे समझस.”

२२२ २२२२२ २२ २२२२२ २२ २२२२२

22 येका लिये मी तुमारा पास आना से बार बार रुक्यो ज्हेस.

23 पन अब यो देश मे मरा कर्य का लिये अरु जगा नी ज्हेस, अरु भोत साल से मे खे तुमारा पास आन की इच्छा हइ.

24 येका लिये जब मी स्पेन खे जाउ ते तुमारा पास होस हुये जाए, क्युकी मेखे आस हइ की वा जत्रा मे तरा से दान हुये खे अरु जब तुमारा संग से मरा कुछ भरी जाए ते तुम मेखे कुछ दुर आगे पोचये दे.

25 पन अभी ते मी पवित्र दुन्या की सेवा करणा का लिये यरुशलेम का जास हुये.

26 क्युकी मकिदुनीया अरु अखाया का दुन्या खे यो अच्छो लग्यो की यरुशलेम का पवित्र दुन्या मे नीर्धनो का लिये कुछ जमा कर.

27 ओखे अच्छो तो लग्यो पन वे ओको कर्जदार भी हइ, क्युकी अगर गैरयहूदिहोन ओकी आत्मीक बात मै हुयो काते ओका भी उचित हइ की आंग बात मे ओकी सेवा कन्ह.

28 येका लिये मी यो काम पुरो कर्हे का अरु ओका यो चन्दा सोपी खे तरा पास होस हुये स्पेन खे जायु.

29 अरु मी जानस हइ की जब मी तुमारा पास आयु, ते मसीह की पुरी आशीर्वाद का साथ आयु.

30 हे भैइ हमारो प्रभु यीशु मसीह को अरु पवित्र आत्मा को प्रेम खे स्मरण दिलय खे मी तुम से प्रार्थना करस हइ की मरा लिये परमेश्वर से प्रार्थना करणा मे मरा साथ मीली खे लौलीन हँस

31 कि मी यहूदीया का अविश्वासिहोन से बच्यो ज्हीयु अरु करणु उ सेवा जो यरुशलेम का लिये हइ, पवित्र दुन्या खे भन्यो.

32 अरु मी परमेश्वर की इच्छा से तुमारा पास आनन्द का साथ अयखे तुमारा साथ आराम पाह्यु.

33 शांती को परमेश्वर तुम सब का साथ ज्हेस.आमीन.

16

~~~~~

1 मी तुम से फिबे का लिये जो हमारी भैइन अरु किंखिया कि मंडली सेवक हइ, प्रार्थना करस हइ  
2 कि तुम, जसो की पवित्र दुन्या खे चास, ओका प्रभु मे ग्रहण कर. अरु जो कोय बात मे ओकी तुमारा आकुल्यकता हुयो, ओकी सायता कर, क्युकि वे भी भोत की जब मरो भी उपकार करणवाली न्हैस हइ.

3 प्रिस्किल्ला का अरु अक्विला की जो मसीह यीशु मे मरो सहकर्मी हइ, नमस्कार.

4 ओने मरी जान का लिये अपनो ही जिवन जोखिम मे डाली दियो थो  
अरु फक्त मी ही नी जब गैरयहूदीहोन की सब मंडलीहोन भी ओको धन्यवाद करस हइ.

5 मंडली खे भी नमस्कार जो ओका घर मे हइ. मरो प्रिय इपैनीतुस खे जो मसीह का लिये आसिया को पहलो फल हइ, नमस्कार.

6 मरियम खे जेने तुमारा लिये भोत परिश्रम कन्यो, नमस्कार.

7 अरुन्दीकुस अरु युनीयास खे जो मरो कुटुब हइ, अरु मरा साथ कैद हइ गो अरु प्रेरित मे नाम हइ, अरु मरा से पयलो मसीह हुयो थो, नमस्कार.

8 जो प्रभु मे मरो प्रिय अमप्लियातुस खे नमस्कार.

9 मसीह मे हमारा सहयोगी उरबानुस अरु जो मसीह मे हमारो सहकर्मी हइ अरु मरो प्रिय इसतखुस खे नमस्कार.

10 अपिल्लैस खे जो मसीह मे खरो निकलस का नमस्कार. अरिस्तुबुलु का घरानो को नमस्कार.

11 मरो कुटुब हेरोदियोन खे नमस्कार. नरकिस्सुस का घराना, जो दुन्या प्रभु मे हइ, ओखे नमस्कार.

12 वुफेना अरु वुफोसा का जो प्रभु मे परिश्रम करस हइ, नमस्कार. प्रिय पिरसिस खे जेने प्रभु मे भोत परिश्रम कन्यो, नमस्कार.

13 रुफुस खे जो प्रभु मे चुन्यो हइ अरु ओकी माय, जो मरो भी माय हइ, दो खे नमस्कार.

14 असुकितुस अरु फिलगोन अरु हिमेंस अरु पत्रु बास अरु हिर्मांस अरु ओका साथ भैइ खे नमस्कार.

15 फिलुलुगुस अरु युलिया अरु नेर्युस अरु ओकि भैइन, अरु उलुम्पास अरु ओका साथ का सब पवित्र दुन्या खे नमस्कार.

16 आपस मे पवित्र चुमचवन से नमस्कार तुम मसीह की सब मंडलीहोन कि तरफ से नमस्कार.

~~~~~

17 अब हे भैइ तुम से प्रार्थना करस हइ, की जो इन्सान उ शिक्षा का विपरित खे जो तुम ने पायो हइ, फुट डालस अरु ठोकर खलान कारन होस हइ, ओने तागी लियो, अरु ओका से दुर रियो.

18 क्युकी असा दुन्या हमारो प्रभु मसीह की नी, पन अपनो पेट की सेवा करस हइ. अरु चिकनी चोपडी बात से सीधो-सादो मन का दुन्या खे भैइ भय देस हइ.

19 तुमारो आज्ञा मानन की चर्चा सब दुन्या मे फैली गय हइ येका लिये मी तुमारो विषय मे आनन्द करस हइ, पन मी यो चास हइ की तुम अच्छो, लिये बुद्धिमान पन बुरा का लिये भोलो बन्यो न्हैस.

20 शांती को परमेश्वर सैतान खे तुमारा पाच से शीघ्र कुसल देस.

हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तरा पर होस न्हैस.

21 मरी सहकर्मी तीमुथियुस को, अरु मरो कुटुबहोन लुकियुस अरु यासोन अरु सोसिपत्रुस खे तुम नमस्कार बोलस हइ.

22 मरी चिट्ठी खे लिखनवाली तिरतियुस को, प्रभु मे तो, नमस्कार.

23 गयुस जो मरो अरु मंडली की मीजवान करणवाला हइ, ओको इरास्तुस नमस्कार.

24 इरास्तूस जो नगर को भण्डारी हइ, अरु भैइ क्वारतुस को तुखे नमस्कार.

?????????? ?? ???????

25 अब जो तुम खे मरी सुसमाचार अगर यीशु मसीह को प्रचार का जसो स्थिर करी सकुस हइ, उ भेदको प्रकार का जसो जो सैतान से लुकि खे न्हैस,

26 पन अब प्रगट हुइ खे सतान परमेश्वर की आज्ञा से भविष्यव्दक्ताहोन की किताबहोन का वजेसे सब जातहोन खे बतायो गयो हइ कि वे विश्वास से आज्ञा माननवाला हुये जाए,

27 उ एकमात्र बुद्धिमान परमेश्वर कि यीशु मसीह का वजेसे पिडमपिडि महिमा होस न्हिहे. आमीन.

1 कुरिन्थियो से नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी 1 कुरिन्थियो का नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी पैछान

कुरिन्थियो का नाम पौलुस प्रेरितने यीशु मसीह को जन्म नजिक पास 55 सा बाद लिख्यो थो 1:1. ह्या हमारा पास मौजूद दो चिट्ठे मे से पहिली हइ जो पौलुस ने कुरिन्थि मे मंडली से लिखी थी. भोत बडो उनने या चिट्ठी मैसेडोनिया आन जान कि रास्ता मे कुरिन्थि की अपनी इच्छित जग्रा से पहिले इफिसुस मे हेन का टेम मे लिखी थी 16:5-9

या चिट्ठी वा रिपोर्टों की काम की हइ जो पौलुस कि मंडली से कुछ सदस्यहोन से मंडली मे भावाटनो अरु यौन अनैतिकता सात बडा सुदरन का बारे मे मीली थी. कोरिंथ शहर अपनी यौन अनैतिकता का लिये मसुर थो इसलिये यो आश्चर्य की बात नी हइ कि व्हा कि मंडली या मुद्दा का जसो करी रा था. 1 कुरिन्थियो 13 मे प्रेम पर प्रसिद्ध भी शामिल हइ

रुप रेखा

1. पौलुस कुरिन्थियो से नमस्कार करस हइ अरु उनका लिये प्रभु को धन्यवाद देस हइ 1:1-9.
2. फिर व्हा वे रिपोर्टों को बताया करता हइ जो ओका कोरिंथियन मंडली मे वाटन का लिये का बारे मे मीली थी 1:10—4:21.
3. येका बाद व्हा यौन अनैतिकता अरु एक दूसरा से अदालत मे ले जान को मुद्दा से मसुर करतो हइ 5—6.
4. ओका बाद व्हा भ्याव कि मूर्तिहोन की बलिका सार्वजनीक पूजा कि अध्यात्मीक उपहार अरु पुनरुत्थान को मामलो पर नीर्देश देस हइ 7—15.
5. आखरी मे व्हा कुछ व्यावहारीक अरु व्यक्तिगत बात का साथ अपनी बात खत्म करस हइ 16.

1 पौलुस का तरफ से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित होन का लिये बुलायो गया अरु भेइ सोस्थिनेस का तरफ से.

2 परमेश्वर की वा मंडली का नाम जो कुरिन्थुस मे हइ, मनजे उनका नाम जो मसीह यीशु मे पवित्र कर्या गया, अरु पवित्र होन का लिये बुलायो गए हइ; अरु उन सब का नाम भी जो हर जग्रा हमारा अरु अपना प्रभु यीशु मसीह का नाम से प्रार्थना करस हइ.

3 हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह का तरफ से तुमसे अनुग्रह अरु शांती मीलती न्हिये.

~~~~~

4 मी तुमारा बारे मे अपना परमेश्वर से धन्यवाद हमेशा करुस हइ, येकालिये कि परमेश्वर को यो अनुग्रह तुम पर मसीह यीशु मे हुयो.

5 कि ओमे हुइखे तुम हर बात मे मनजे पुरो वचन अरु पुरा ज्ञान मे धनी कर्या गया.

6 कि मसीह की गवइ तुम मे पक्की नीकल्ये.

7 ह्या तक कि कोय वरदान मे तुमसे कमी नी , अरु तुम हमारा प्रभु यीशु मसीह को प्रगट होन की प्रतीक्षा करता न्हैस हइ.

8 उ तुमसे आखरी तक दृढ भी कयें, कि तुम हमारा प्रभु यीशु मसीह का दिन मे नीर्दोष ठैरनु

9 परमेश्वर विश्वासयोग्य हइ. जेने तुम से अपनो बेटो हमारो प्रभु यीशु मसीह की संगत मे बुलायो हइ. ☆

~~~~~

10 हे भैइहोन अरु बहीन, मी तुम से यीशु मसीह जो हमारो प्रभु हइ ओका नाम का द्वारा प्रार्थना करुस हइ, कि तुम सब एक ही बात बोलनु अरु तुम मे फूट नी हो, पर एक ही मन अरु एक ही मत हुइखे मीलया न्हेनु.

11 क्युकि हे मरा भैइहोन, खलोए का घराना का इन्सानहोन ने मेखे तुमारा बारे मे बतायो हइ, कि तुम मे झगडा हुइ न्हा हइ.

12 मरो बोलन को मतलब यो हइ, कि तुम मे से कोय तो अपना आप खे “पौलुस को,” कोय “अपुल्लोस को,” कोय “कैफा को,” कोय “मसीह को” बोलस हइ.

13 का मसीह बढी गयो? का पौलुस तुमारा लिये क्रुस पर चढायो गयो? या तुमखे पौलुस का नाम पर बपतिस्मा मील्यो?

14 मी परमेश्वर को धन्यवाद करुस हइ, कि क्रिस्पुस अरु गयुस खे छोड़, मेने तुम मे से कोय खे भी बपतिस्मा नी दियो.

15 खय असो नी हो, कि कोय बोल्ये कि तुमखे मरा नाम पर बपतिस्मा मील्यो.

16 अरु मेने स्तिफनास का घराना खे भी बपतिस्मा दियो. इनखे छोडी खे मी नी जानु कि मेने अरु कोय खे बपतिस्मा दियो.

17 क्युकि मसीह ने मेखे बपतिस्मा देन खे नी, क्युकी सुसमाचार सुनान खे भेज्यो हइ, अरु यो भी इन्सानहोन को अवाजहोन को ज्ञान का अनुसार नी असो नी हो कि मसीह को क्रुस बेकार ठैयें.

~~~~~

18 क्युकि क्रुस की कथा खत्म होनआला का पास बेवकुप हइ, पर हम उध्दारपानआला का पास परमेश्वर की सामर्थ्य हइ.

19 क्युकि लिख्यो हइ.

“मी ज्ञानवान को ज्ञान खे खत्म कर्यु,

अरु समझदारहोन खे समझ खे तुच्छ करी दियु.”*

20 खा न्हियो ज्ञानवान? खा न्हियो शास्त्री? खा न्हियो यो संसार को विवादी? का परमेश्वर ने संसार का ज्ञान खे बेवकुप नी ठैइरायो? *

21 क्युकि जब परमेश्वर का ज्ञान खे अनुसार संसार ने ज्ञान से परमेश्वर खे नी जान्यो ते परमेश्वर खे यो अच्छो लग्यो कि यो प्रचार का बेवकुप का द्वारा विश्वास करणआला खे उध्दारदे.

22 यहूदी तो चिन्ह चाहस हइ, अरु यूनानी ज्ञान का खोज मे हइ,

23 पर हम तो उ क्रुस पर चढाया हुया मसीह को प्रचार करस हइ जो यहूदीहोन का पास ठोकर का कारण अरु गैरयहूदीहोन का पास बेवकुप हइ.

24 पर जो बुलायो हुया हइ का यहूदी, का यूनानी, उनका पास मसीह परमेश्वर को सामर्थ्य, अरु परमेश्वर को ज्ञान हइ.

25 क्युकि परमेश्वर की बेवकुप इन्सानहोन का ज्ञान से ज्ञानवान हइ. अरु परमेश्वर की बिनाताखत आलो इन्सानहोन का बल से भोत बलवान हइ.

26 हे भैइहोन अरु बहिन, अपना बुलायो जाना खे तो सोचनु कि न आंग का अनुसार भोत ज्ञानवान, अरु नी भोत सामर्थ्यी, अरु नी भोत कुलीन बुलायो गया.

27 पर परमेश्वर ने जगत का बेवकुपहोन खे चुनी लियो हइ कि ज्ञानीहोन खे लज्जित करणु. अरु परमेश्वर ने संसार का नीबलहोन खे चुनी लियो हइ, कि बलवानहोन खे लज्जित कर्यें.

28 अरु परमेश्वर ने संसार का नीचहोन अरु तुच्छहोन खे क्युकी जो हइ भी नी उनखे भी चुनी लियो, कि उनने जो हइ, बेकार ठैइराये.

29 ताकि कोय जनवर परमेश्वर का सामने घमण्ड नी करी पाये.

30 पर ओ का तरफ से तुम मसीह यीशु मे हुये, जो परमेश्वर का तरफ से हमारा लिये ज्ञान ठैइराये मनजे धर्मीकता, अरु पवित्रता, अरु छुटकारो.

31 ताकि जसो लिख्यो हइ, ओसो ही हो, “जो घमण्ड कर्ये उ प्रभु मे घमण्ड कहें.”

2

~~~~~

1 हे भेइहोन अरु बयहोन, जब मी परमेश्वर को भेद सुनाते हुयो तुमारा पास आयो, ते वचन या ज्ञान कि उत्तमता का साथ नी आयो.

2 क्युकि मेने यो ठानी लियो थो कि तुम्हारा बीच यीशु मसीह, क्युकी क्रुस पर चडाया हुया मसीह खे छोड अरु कोय बात खे नी जान्यु.

3 अरु मी नीर्बलता अरु डर का साथ अरु भोत थरथरातो हुयो तुमारा साथ न्हियो.

4 अरु मरा वचन, अरु मरो प्रचार मे ज्ञान, लुभानआली बातहोन नी. पर आत्मा अरु सामर्थ्य को प्रमाण थो.

5 येका लिये कि तुमारा विश्वास इन्सानहोन खे ज्ञान पर नी, पर परमेश्वर को सामर्थ्य पर नीरभर होनु.

~~~~~

6 फिर भी सिद्ध इन्सानहोन मे हम ज्ञान सुनास हइ पर यो जगत को अरु यो जगत को नाश होनआला हाकिमहोन को ज्ञान नी.

7 पर हम परमेश्वर को उ गुप्त ज्ञान खे बतास हइ, जेखे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा का लिये ठैइरायो.

8 जेखे यो जगत का हाकिमहोन मे से कोय ने नी जान्यो, क्युकि अगर जानता कि ते तेजोमय प्रभु खे क्रुस पर नी चडाता.

9 पर जसो लिख्यो हइ,
“जे आख ने नी देखी,
अरु काम न ने नी सुनी,

अरु जो बातहोन इन्सान खे चित्ता मे नी चढी वे ही हइ,
जो परमेश्वर ने अपनो प्रेम रखनआला, लिये तैयार करी हइ.” ✧

10 पर परमेश्वर ने उनका अपनो आत्मा का वजेसे हम पर प्रगट कर्यो. क्युकि आत्मा सब बातहोन, क्युकी परमेश्वर की रहस्यमय बातहोन भी जाचस हइ.

11 इन्सानहोन मे से कोन कोय इन्सान की बातहोन जानस हइ, फक्त इन्सान की आत्मा जो ओमे हइ? ओसो ही परमेश्वर की बातहोन भी कोय नी जाने कि फक्त परमेश्वर को आत्मा. ✧

12 पन हमने जगत की आत्मा नी मील्यो हइ, जो परमेश्वर का तरफ से हइ, कि हम उन बातहोन खे जान्येका जो परमेश्वर ने हम खे दी हइ.

13 जिन, हम इन्सानहोन कि ज्ञान की सिखइ हुइ बातहोन मे नी, पर पवित्र आत्मा की सिखइ हुइ बातहोन मे, आत्मा बात आत्मीक ज्ञान से आत्मीक बातहोन की व्याख्या करस हइ.

14 पर शारीरिक इन्सान परमेश्वर को आत्मा की बातहोन अपनइ नी कन्हे, क्युकि वे ओका नजर मे मूर्खता की बातहोन हइ, अरु नी उ उनका जान सकस हइ क्युकि उनकी परख्ये आत्मीक रीति से होस हइ.

15 आत्मीक जन सब कुछ परख्ये हइ, पर उ आप कोय से परख्ये नी जाय.

16 “क्युकि प्रभु को मन कोय ने जान्यो हइ,
कि ओखे सिखाये?”

पर हम मे मसीह को मन हइ. ✧

3

~~~~~

1 हे भेइहोन अरु बहिन, मी तुम से या रीति से बातहोन नी करी सक्यो, जसो आत्मीक इन्सानहोन से पर जसो आंग इन्सानहोन से, अरु उनसे जो मसीह मे बच्चा हइ.

2 मेने तुमखे दूध पिलायो, खनो नी खलायो. क्युकि तुम ओखे नी खैइ सक्या था. क्युकी अब तक भी नी खैइ सकस हइ,

3 क्युकि अब तक आंग हुया येकालिये, कि जब तुम मे इष्प्या अरु वाद विवाद हइ, ते का तुम आंग नी? अरु इन्सान का रीति पर नी चले?

4 येकालिये कि जब एक बोलस हइ, “मी पौलुस को हइ,” अरु दूसरो, “मी अपुल्लोस को हइ” ते का तुम इन्सान नी?

5 अपुल्लोस कोन हइ? अरु पौलुस कोन हइ? फक्त सेवक, जिनका वजेसे तुम इन्सान ने विश्वास कर्यो, जसो हर एक खे प्रभु ने दियो.

6 मेने झाड लगायो, अपुल्लोस ने सीच्यो, पर परमेश्वर ने बडायो.

7 येकालिये नी ते लगानआला कुछ हइ, अरु नी वोलनाला पर परमेश्वर जो बडानआला हइ उ सब कुछ हइ.

8 लगानआला अरु सीचनआला दोइ एक हइ. पर हर एक इन्सान अपना ही मेहनत का अनुसार अपनी ही मजदूरी मील्हे.

9 क्युकि हम परमेश्वर का सहकर्मी हइ. तुम परमेश्वर का खेत

अरु परमेश्वर की रचना हइ.

10 परमेश्वर का वा अनुग्रह का अनुसार जो मेखे दिया गयो, मेने बुद्धिमान राजमिस्त्री का समान पय्या डाल्यो, अरु दूसरो ओका पर रदो रखस हइ पर हर एक इन्सान चौकस न्हिये, कि उ ओका पर कसो रदो रखस हइ.

11 क्युकि उ पाय्या खे छोड जो पडि हइ, अरु उ यीशु मसीह हइ, कोय दूसरो पय्या नी डाली सकतो.\*

12 अरु अगर कोय यो पय्या पर सोन्नो या चादी या बहुमूल्य पत्थर या काठ या घास या फूस को रदो रख्ये,

13 ते हर एक का काम प्रगट हुइ जाये. क्युकि उ दिन ओखे बताये. येकालिये कि अंगार का साथ प्रगट हुये अरु वा अंगार हर एक का काम समज्हे कि कसो हइ.

14 जेको काम ओका पर बन्यो हुयो स्थिर न्हिये, उ मजदूरी मील्हे.

15 अरु अगर कोय का काम जली जाये, ते उ नुकसान उठाये. पर उ खुद बची जाये पर जलते-जलते.

16 का तुम नी जाने कि तुम परमेश्वर कि मन्दिर हइ, अरु परमेश्वर कि आत्मा तुम मे वास करस हइ?

17 अगर कोय परमेश्वर का मन्दिर खे नाश कर्ये ते परमेश्वर ओखे नाश कर्ये. क्युकि परमेश्वर को मन्दिर पवित्र हइ, अरु उ तुम हइ.

18 कोय अपना आप खे धोखा नी दे. अगर तुम मे से कोय यो संसार मे अपना आप खे ज्ञानी समझ्ये, ते बेवकुप बन्ये कि ज्ञानी हुइ जाये.

19 क्युकि यो संसार को ज्ञान परमेश्वर का पास बेवकुप हइ, जसो लिख्यो हइ, “उ ज्ञानीहोन खे उनकी हुशारी मे फसय देस हइ,”

20 अरु फिर, “प्रभु ज्ञानीहोन खे विचारहोन खे जानस हइ, कि बेकार हइ.”

21 येकालिये इन्सानहोन पर कोइ घमण्ड नी करणु, क्युकि सब कुछ तुमारो हइ.

22 का पौलुस, का अपुल्लोस, का कैफा, का संसार, का जिवन, का मरण, का वर्तमान, का भविष्य, सब कुछ तुमारो हइ,

23 अरु तुम मसीह का हइ, अरु मसीह परमेश्वर को हइ.



## 4

~~~~~

- 1 इन्सान हम मसीह को सेवक अरु परमेश्वर को भेदहोन को भण्डारी समझ्ये.
- 2 फिर ह्या भण्डारी मे या बात देखी जास हइ, कि विश्वासयोग्य नीकल्ये.
- 3 पर मरी नजर मे या भोत छोटी बात हइ, कि तुम या इन्सानहोन खे कोय न्यायी मेखे परख्ये का क्युकी मी खुद ही अपना आप खे नी पहीछानु.
- 4 क्युकि मरो मन मेखे कोय बात मे दोषी नी ठैइराय, पर येका से मी नीदोष नी ठैइय्ये का क्युकि मरो परखनआलो प्रभु हइ.
- 5 येका लिये जब तक प्रभु नी आय, टेम से पैयले कोय बात को न्याय नी करणु उ तो अंधारा की लुकी बातहोन उजाला मे दिखाये का अरु मनहोन को उद्देश्यहोन खे प्रगट कर्ये का तब परमेश्वर का तरफ से हर एक की प्रशसा हुये.
- 6 हे भैइहोन अरु बहीन, मेने या बातहोन मे तुमारा लिये अपना तरफ अपुल्लोस की चर्चा दृष्टान्त कि रीति पर करी हइ, येका लिये कि तुम हमारा द्वारा यो सीखनु कि लिख्या हुया से आगे नी बडनु, अरु एक का पक्ष मे अरु दूसरा का विरुध मे गर्व नी करणु.
- 7 क्युकि तरा मे अरु दूसरा मे कोन भेद करस हइ? अरु तरा पास का हइ जो तोने दूसरा से नी पायो अरु जब कि तोने दूसरा से पायो हइ, ते असो घमण्ड क्यु करस हइ, कि मानु नी पायो?
- 8 तुम तो तृप्त हइ चुक्या. तुम धनी हइ चुक्या, तुम ने हमारा बिना राज कर्यो. पर भलो होतो कि तुम राज करता कि हम भी तुमारा साथ राज करता.
- 9 मरा समझ मे परमेश्वर ने हम प्रेरितहोन का सब का बाद उन इन्सानहोन का समान ठैइरायो हइ, जिनको मरन की आज्ञा हइ चुकी हइ. क्युकि हम जगत अरु स्वर्गदूतहोन अरु इन्सानहोन का लिये एक तमाशो ठैइय्यो हइ.
- 10 हम मसीह का लिये बेवकुप हइ. पर तुम मसीह मे बुद्धिमान हइ. हम नीबल हइ पर तुम बलवान हइ तुम आदर पास हइ, पर हम नीरादर होस हइ.
- 11 हम या घडी तक भूक-प्यासा अरु बीना कपडा, हइ, अरु घुसो खास हइ अरु मारा-मारा फिरस हइ.
- 12 अरु अपना ही हाथहोन काम करहे का मेहनत करस हइ इन्सान बुरो बोलस हइ, हम आशीष देस हइ. वे सतास हइ, हम सहैस हइ.
- 13 वे बदनाम करस हइ, हम प्रार्थना करस हइ हम आज तक जगत को कचरा अरु सब चिजहोन की खुचन का समान ठैइरा हइ.
- 14 मी तुम का लज्जित करण का लिये या बातहोन नी लिखतो, पर अपना प्रिय बच्चा जानी खे तुम बतउस हइ.
- 15 क्युकि अगर मसीह मे तुमारा सिखानआला दस हजार भी होता, ते भी तुमारा बाप भोत सा नी, येका लिये कि मसीह यीशु मे सुसमाचार, द्वारा मी तुमारा बाप हुयो.
- 16 येकालिये मी तुम से प्रार्थना करस हइ, अरु मरी जसी चाल चलनु.
- 17 येकालिये मेने ती तीमथियुस खे जो प्रभु मे मरो प्रिय अरु विश्वासयोग्य बेटो हइ, तुमारा पास भेज्यो हइ, अरु उ तुम यीशु मसीह मे मरो चरित्र याद कराये खे जसो कि मी हर जगा हर एक मंडली मे उपदेश करस हइ.
- 18 खे ता तो असा फूली गया हइ, मानो मी तुमारा पास आन ही को नी.
- 19 पर प्रभु चाह्ये ते मी तुमारा पास जल्दी ही आयु, अरु उन फूल्या हुया की बातहोन खे नी, पर उनकी सामर्थ्य खे जानी लियु.
- 20 क्युकि परमेश्वर को राज बातहोन मे नी पर सामर्थ्य मे हइ.
- 21 तुम का चाहस हइ? मी लकडी लिखे तुमारा पास आयु या प्रेम अरु नम्रता की आत्मा का साथ?

5

~~~~~

1 ह्या तक सुनना मे आयो हइ कि तुम मे व्यभिचार होस हइ, क्युकी असो व्यभिचार जो गैरयहूदीहोन मे भी नी होतो कि एक इन्सान अपना बाप की लुगइ खे रखस हइ.\*

2 अरु तुम शोक तो नी कहे, जेका से असो काम कर आला तुमारा बीच मे से नीकल्या जास का पर घमण्ड करस हइ.

3 मी तो आंग को भाव से दूर थो, पर आत्मा को भाव से तुमारा साथ हुये खे मानो उपस्थिति कि दशा मे असो काम करणआला का बारे मे न्याय करी चुक्या हइ.

4 कि जब तुम अरु मरी आत्मा, हमारा प्रभु यीशु की सामर्थ्य, साथ इकट्ठा हुये खे ते असो इन्सान खे हमारो प्रभु यीशु का नाम से.

5 शरीर को विनाश का लिये सैतान खे दियो जायेका ताकि उसकी आत्मा प्रभु का दिन मे उच्चारपाये.

6 तुमारो घमण्ड करणो अच्छो नी; तुम नी जानता कि थोडो सो खमीर पूरे गुथ्या हुया आटा खे खमीर करी देस हइ.

7 पुरानो खमीर नीकाली खे अपना आप खे अच्छो कर्यो कि नवो गुथ्या हुया आटो बनी जाये. ताकि तुम अखमीरी हुये खे क्युकि हमारो भी फसह जो मसीह हइ, बलिदान हुयो हइ.

8 येका लिये आनु हम उत्सव मे खुशी मनाये का नी ते पुरानो खमीर से अरु नी बुराइ अरु दुष्टता का खमीर से, पर सिधाइ अरु सच्ची की अखमीरी रोटी से.

9 मेने अपनी चिट्ठी मे तुम खे लिख्यो हइ, कि व्यभिचारिहोन की सगति नी करणु.

10 यो नी कि तुम बिलकुल या जगत को व्यभिचारिहोन खे या लोभिहोन खे यो अंधारो करणआला काया मूर्तिपूजकहोन को सगत नी करणु; क्युकि या दशा मे ते तुमखे जगत मे से नीकली जानो ही पडस.

11 मरो कहनो यो हइ. कि अगर कोय भैइ अरु बहीन कहलै, व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्तिपूजक, या गाली देनआला, या पियक्कड, या अधारो करणआला हुये खे ते ओकी सगत मत करणु. क्युकी असा इन्सान का साथ खानो भी नी खानु.

12 क्युकि मेखे बाहेरआला को न्याय करणा से काम, तुम अंदर आला को न्याय नी कहे?

13 पर भाहेआला को न्याय परमेश्वर करस हइ

येकालिये येखे उ कुकमी खे अपना बीच मेसे नीकाली दे.

## 6

~~~~~

1 का तुम मेसे कोय खे यो हिम्मत हइ, कि जब दूसरा का साथ वाद विवाद हुये ते फैसला का लिये अधर्मीहोन का पास जाये. अरु पवित्र इन्सानहोन का पास नी जाये?

2 का तुम नी समजे खे कि पवित्र इन्सान संसार को न्याय कर्ये? अरु जब तुमखे संसार को न्याय करणो हइ, ते का तुम छोटा झगडा को भी फैसलो करण का लायक नी? *

3 का तुम नी समजे कि हम स्वर्गदूतहोन को न्याय कर्ये? ते का सांसारिक बातहोन को फैसलो नी कर्ये?

4 अगर तुमखे सांसारिक बातहोन को फैसलो करणो हुये, ते का उन खे बटाडचे जो मंडली मे कुछ नी समझे जास हइ?

5 मी तुमखे लज्जित करण का लिये यो बोलनो हइ का सचमुच तुम मे से एक भी बुद्धिमान नी मीले, जो अपना भैइहोन अरु बहीन को फैसलो करी सक्ये?

6 क्युकी भैइ-भैइ अरु बहीन मे मुकद्दमो होस हइ, अरु उ भी अविश्वासिहोन का सामने.

7 सचमुच तुम मे बडो दोष ते यो हइ, कि आपस मे मुकदमो करस हइ क्युकी अन्याय क्यु नी सेहस? अपनो नुकसान क्यु नी सहे?

8 क्युकी अन्याय करस अरु नुकसान पहुचास हइ, अरु उ भी भैइहोन अरु बहीन खे.

9 का तुम नी समजे, कि अन्याय इन्सान परमेश्वर का राज्य का वारिस नी हुये? धोखो नी खानु, नी वेश्यागामी, नी मूर्तिपूजक, नी परस्त्रीगामी, नी लुच्चो, नी इन्सानगमन.

10 नी चोरी, नी लोभी, नी पियक्कड, नी गाली देनआला, नी अंधारो करणआला परमेश्वर का राज का वारिस हुये.

11 अरु तुम मे से केत्ता असा ही था, पर तुम प्रभु यीशु मसीह का नाम से अरु हमारा परमेश्वर का आत्मा से धोया गए अरु पवित्र हुया अरु धर्मी ठैया.

~~~~~

12 सब चिजहोन मरा लिये अच्छो तो हइ, पर सब चिजहोन लाभ की नी सब चिजहोन मरा लिये अच्छो हइ, पर मी कोय बात का अधीन नी होयु.

13 खानो पेट का लिये, अरु पेट खाना का लिये हइ, पर परमेश्वर खे अरु येखे दोइ खे नाश कर्ये, पर आंग व्यभिचार का लिये नी, क्युकी प्रभु का लिये. अरु प्रभु आंग का लिये हइ.

14 अरु परमेश्वर ने अपना सामर्थ्य से प्रभु खे जिन्दो, अरु हमखे भी जिन्दो.

15 का तुम नी समजे कि तुमारो आंग मसीह को आंग हइ? ते का मी मसीह को आंग लिखे उनखे वेश्या का आंग बनायु? कभी भी नी.

16 का तुम नी समजे कि जो कोय वेश्या से संगति करस हइ, उ ओका साथ एक तन हुइ जास हइ क्युकि लिख्यो हइ, “वे दोइ एक तन हुये”<sup>\*</sup>

17 अरु जो प्रभु की संगति मे जेस हइ, उ ओका साथ एक आत्मा हुइ जास हइ.

18 व्यभिचार से बच्या जेनु जिता अरु पाप इन्सान करस हइ, वे आंग का बाहेर हइ, पर व्यभिचार करणआला अपना ही आंग का विरुद्ध पाप करस हइ.

19 का तुम नी समजे कि तुमारो आंग पवित्र आत्मा को मन्दिर हइ. जो तुम मे बस्यो हुयो हइ अरु तुमखे परमेश्वर का तरफ से मील्यो हइ, अरु तुम अपना नी हइ?

20 क्युकि दाम दिखे मोल लिया गए हइ, येकालिये अपनो आंग का द्वारा परमेश्वर की महिमा करणु.

## 7

~~~~~

1 उन बातहोन का बारे मे जो तुम ने लिखी, यो अच्छो हइ, कि इन्सान बय खे नी छीनु.

2 पर व्यभिचार खे डर से हर एक अदमी की लुगइ, अरु हर एक बय को अदमी होनु.

3 अदमी अपनी लुगइ को हक पूरो करनु; अरु ओसो ही लुगइ भी अपना अदमी को.

4 लुगइ, अपना आंग पर अधिकार नी पर ओका अदमी को अधिकार हइ. ओसो ही अदमी खे भी अपना आंग पर अधिकार नी, पर लुगइ खे हइ.

5 तुम एक दूसरा से अलग नी जेनु; पर फक्त कुछ टेम तक आपस की सम्मति से करी प्रार्थना का लिये अराम मील्ये का अरु फिर एक साथ जेनु. असो नी हो कि तुमारो असयम करण सैतान तुम खे समझ्ये.

6 पर मी जो यो बोलुस हइ उ अनुमति हइ नी कि आज्ञा.

7 मी यो चाहुस हइ, कि जसो मी हइ, ओसो ही सब इन्सान हुये पर हर एक को परमेश्वर का तरफ से विशेष वरदान मील्यो हइ. कोय को कोय प्रकार को अरु कोय खे अरु प्रकार को.

8 पर मी भ्याव नी हुयाआला अरु विधवाहोन का बारे मे बोलुस हइ, कि उनका लिये असो ही जेहो अच्छो हइ, जसो मी हइ.

⁹पर अगर वे खुद न करी सक्ता ते भ्याव करण. क्युकि भ्याव करणो कामातुर हेना से भलो हइ.

10 जिनको भ्याव हुआ गयो हइ, उनका मी नी, क्युकी प्रभु आज्ञा देस हइ, कि लुगइ अपना अदमी से अलग नी होन.

11 अरु अगर अलग भी हुइ जायेका ते बिना दूसरो भ्याव कर्या न्हेनु. या अपना अदमी से फिर मेल करी ले अरु नी अदमी अपनी लुगइ खे छोडनु.

¹² दूसरहोन से प्रभु नी पर मी ही बोलुस हइ, अगर कोय भैइ की लुगइ विश्वास नी रखस हइ, अरु ओका साथ जेना से खुश हये खे ते उ ओखे नी छोडनु.

13 अरु जो लुगइ को अदमी विश्वास नी रखस हइ, अरु ओका साथ जेना से खुश हुये. उ अदमी से नी छोडन्.

14 **क्युकि असो अदमी जो विश्वास नी रखे हइ, वा लुगइ करण अपवित्र ठैइरस हइ, अरु असी लुगइ जो अविश्वासी नी रखे कि इन्सान करण पवित्र ठैइरस हइ. नी ते तुमारा बाल-बच्चा अशुध्द होस कि पर अब तो पवित्र हइ.**

15 पर जो इन्सान अविश्वासी नी रखे, अगर उ अलग हुये खे ते अलग होन देनु, असी पाप मे कोय भैइ या बय बन्धन मे नी. पर परमेश्वर ने तो हम खे मेल-मीलाप, लिये बुलायो हइ.

16 क्युकि हे बय, तू का जानस हइ, कि तू अपना अदमी को उध्दारकर्ये लिये? अरु हे इन्सान, तू का जानस हइ कि तू अपनी लुगइ को उध्दारकर्ये लिये?

????????? ?? ??????, ??? ?????

17 पर जसो प्रभु ने हर एक, बाटयो हइ, अरु जसो परमेश्वर ने हर एक, बुलायो हइ. ओसो ही उ चल्थो अरु मी सब मंडलीहोन मे असो ही टैइरस हइ.

¹⁸ જો સતના કર્યા હયા બુલાયો ગયો હૈ, ઁ સતનારહિત ની બન્નુ જો સતનારહિત બુલાયો ગયો હૈ, ઁ સતના ની કરાયે.

¹⁹नी खतना कुछ हइ, अरु नी खतनारहित पर परमेश्वर की आज्ञाहोन, मानु ही सब कुछ हइ.

²⁰ हर एक जन जो दशा मे बुलायो गयो हइ, ओ मे न्हिये.

²¹ अगर तू सेवक की दशा में बुलायो गयो हई ते फिकर नी करणु. पर अगर तू स्वतंत्रता हुई सक्केका ते असो ही काम कर.

²² क्युकि जो सेवक की दशा मे प्रभु मे बुलायो गयो हइ, उ प्रभु, स्वतंत्रता कर्या हुया हइ अरु ओसो ही जो स्वतंत्रता की दशा मे बुलायो गयो हइ, उ मसीह, सेवक हइ.

²³ तुम दाम दिखे मोल लिया गया हइ, इन्सानहोन को सेवक नी बन्नु.

²⁴ हे भैरव, जो कोय जो दशा मे बुलाया गया हइ, उ ओ मे परमेश्वर, साथ रहिये.

????? ?????????????? ?????? ?? ??????

²⁵ कुव्वारीहोन का बार मे प्रभु की कोय आज्ञा मेखे नी मीली, पर विश्वासयोग्य होन का लिये जसी दया प्रभु ने मरा पर करी हइ, ओका जसो सम्मति देउस हइ.

26 येका लिये मरी समझ मे यो अच्छो हइ, कि आज कल क्लेश करण इन्सान जसो हइ, ओसो ही रहेन.

²⁷ अगर तरी लुगइ हइ, ते ओकासे अलग होन कि कोशिश नी करणु अरु अगर तरी लुगइ नी, ते लुगइ की ढुङ्ग नी करणु

28 पर अगर तू भ्याव भी कर्ये, ते पाप नी. अरु अगर कुव्वारी भ्याव कर्यो जाये ते कोय पाप नी. पर असा को आंग दुःख हये खे अरु मी वचानो चाहस हइ.

²⁹ हे भैइहोन अरु बहीन, मी यो बोलुस हइ, कि टेम कम करी गय हइ, येका लिये हुनु कि जेकी लगइ हइ, वे असो हये मानो उनका लगइ नी.

30 अरु रोनआला असा हये, मान्नु रोय नी. अरु खुशी करणआला असा हुये, मान्नु खुशी नी कन्हे. अरु मोल लेनआला असा हये, कि मान्नु उनका पास कछ् हइ नी.

31 अरु यो जगत का साथ व्यवहार करणआला असा हो, कि जगत ही, नी. क्युकि यो जगत कि रिति अरु व्यवहार बदलता जास हइ.

32 मी यो चाहस हइ, कि तुम खे फिकर नी हो भ्याव नी हुया इन्सान प्रभु की बातहोन की फिकर मे न्हैस हइ, कि प्रभु खे कसो खुश रख्ये.

33 पर भ्यावआलो इन्सान जगत की बातहोन की फिकर मे न्हैस हइ, कि अपनी लुगइ खे कोय रिति से खुश रख्ये.

34 भ्यावआलो अरु भ्यावनीआला मे भी भेद हइ भ्यावनीआली प्रभु की फिकर मे न्हैस हइ, कि उ आंग अरु आत्मा दोइ मे पवित्र हुये, पर भ्यावआली जगत की फिकर मे न्हैस हइ, कि अपना अदमी, खुश रखनु.

35 ह्या बात तुम्हारा ही लाभ का लिये बोलुस हइ, नी कि तुमखे फसान का लियेका क्युकी येका लिये कि जसो अच्छो हइ. ताकि तुम एक चित्त हइ, प्रभु की सेवा मे लग्या न्हैनु.

36 अरु अगर कोय यो समझ्ये का कि मी अपनी वा कुव्वारी को हक मारी न्हो हइ, जेकी जवानी जय न्हि हइ, अरु प्रयोजन भी हुये खे ते जसो चाह्ये, ओसो कर्येका येमे पाप नी, उ ओको भ्याव होन दे.

37 पर अगर उ मन मे फैसलो करस हइ, अरु कोय भोतजरुरत नी हइ, अरु उ अपनी अभिलाषाहोन खे नीयत्रित करी सकस हइ, ते उ भ्याव नी कर्यो अच्छो करस हइ.

38 ते जो अपनी कुव्वारी को भ्याव करी देस हइ, उ अच्छो करस हइ अरु जो भ्याव नी करी देस, उ अरु भी अच्छो करस हइ.

39 जब तक कोय लुगइ को अदमी जिन्दो न्हैस हइ, तब तक उ ओकासे बधी हुयो हइ, पर जब ओको अदमी मरी जायेका ते जेका से चाह्ये भ्याव करी सकस हइ, पर फक्त प्रभु मे.

40 पर जसी हइ अगर ओसी ही न्हियेका ते मरा विचार मे अरु भी धन्य हइ, अरु मी समझुस हइ, कि परमेश्वर को आत्मा मरा मे भी हइ.

8

~~~~~

1 अब मूर्ती का सामने बलि करी हइ चिजहोन का बारे मे हम जानस हइ, कि हम सब खे ज्ञान हइ ज्ञान धमण्ड परदा करस हइ, पर प्रेम से उन्नती होस हइ.

2 अगर कोय समझ्ये का कि मी कुछ जानुस हइ, ते जसो जाननो हुनु ओसो अब तक नी जान्यो.

3 पर अगर कोय परमेश्वर से प्रेम रखस हइ, ते ओखे परमेश्वर पैछानस हइ.

4 आखरी मूर्ती का सामने बलि दि हइ चिजहोन, खान का बारे मे हम जानस हइ, कि मूर्ती जगत मे कोय चिज नी, अरु एक खे छोडी खे अरु कोय परमेश्वर नी. ✧

5 क्युकि आकाश मे अरु पृथ्वी पर भोत सा इश्वर बोलस हइ, जसो कि भोत सा परमेश्वर अरु भोत प्रभु हइ.

6 ते भी हमारा पास तो एक ही परमेश्वर हइ अगर बाप जेका तरफ से सब चिजहोन हइ, अरु हम ओका लिये हइ, अरु एक ही प्रभु हइ, येकोमलब यीशु मसीह जेका वजेसे सब चिजहोन हइ, अरु हम भी ओका वजेसे हइ. ✧

7 पर सब खे या बात की ज्ञान नी. पर कुछ इन्सान होनखे मेर्ती कि येत्ती लत हइ गइ कि खे ताने ते अब तक मूर्ती खे कुछ समझना कारण मूर्ती का सामने बलि दि हइ कुछ चिज समझीखे खास हइ, अरु उनको विवेक नीबल हुये खे बेकार होस हइ.

8 खानो हमखे परमेश्वर का पास नी पहुचे अगर हम नी खायेका ते हमारो कुछ नुकसान नी, अरु अगर खायेका ते कुछ लाभ नी.

9 पर चतरो ज्हेनु, असो नी हो, कि तुमारी या स्वतंत्रता कही नीर्बलहोन का लिये ठोकर को करण हुइ जाये.

10 क्युकि अगर कोय तोखे ज्ञानी मूर्ती को मन्दिर मे खानो खाते देख्यो का अरु उ नीर्बल जन होन, ते का ओका विवेक मे मूर्ती का सामने बलि दि हुइ चिज को खान कि हिम्मत नी हुइ जाये.

11 या रीति से तरा ज्ञान करण उ नीर्बल भैइ जेखे लिये मसीह मर्यो खत्म हुइ जाये.

12 ते भैइहोन अरु बहीन का खिलाप अपराध करण से अरु उनको नीर्बल विवेक, चोट देन से तुम मसीह को अपराध करस हइ.

13 यो करण अगर खानो मरो भैइ अरु बहीन खे ठोकर खलाये का उ पाप मे गिर्येका ते मी कभी कोय रीति से मास नी खायेका नी हो कि मी अपना भैइ अरु बहीन खे ठोकर करण बन्यु.

## 9

XXXXXXXXXX 00 XXXXXXX XXX XXX

1 की मी स्वतंत्रता नी? की मी प्रेरित नी को मे ने यीशु खे जो हमारो प्रभु हइ नी देख्यो? की तु प्रभु ने मरो बनायो आला नी हय?

2 अगर मी दूसरा का लिये प्रेरित नी, तेभी तुम्हारा वास्ते ते उ; क्युकी तु प्रभु मी मरो प्रेरिताइ पर चिन्ह्यो हु

3 जो मेखे परख्ये हइ, वोका लिये यो मरो जवाब हइ.

4 का हम खान-पीन को अधिकार नी हइ?

5 का हमखे यो अधिकार नी हइ, की कोय मसीह भैइन का सात भ्याव करीखे साथ लिखे फीरनु, जसो दुसरो प्रेरित अरु प्रभु को भैइ अरु बहीन अरु कैफा करस हइ?

6 यो फक्त मेखे अरु बरनबास कोय अधिकार नी की काम करणो छोड.

7 कोन कभी अपना खर्चा से खैइखे काम करस हइ? कोन अंगूर की बाडि लगैखे ओको फल नी खाय? कोन मेडाखे पालीखे ओको दुध नी पी?

8 का मी या बात इन्सान का रीती पर बोलस हइ?

9 का व्यवस्था भी ह्या नी करी थी? क्युकी मूसा की व्यवस्था मे लिख्यो हइ, “नांगर का टेम चलाते हुये बैल को मुंडा पर मुचको नी बांधनु.” का परमेश्वर बैलहोन की चिन्ता करस हइ?

10 यो विशेष करीखे हमारा लिये बोलस हइ ह्या, हमारा लिये ही लिख्यो गयो, क्युकि अच्छो हइ कि जोतन आला आस से जोतस का अरु दावन आला हिस्सो होन का आस से दावन करणु.

11 अगर हमने तुमारा लिये आत्मीक चिजहोन बोड, ते का या कोय बडि बात हइ, कि तुमारी आंग चिजहोन की फसल काटये.

12 जब दुसरा को तुम पर यो अधिकार हइ, ते का हमारो येकासे जादा नी हुये?

पर हम यो अधिकार काम मे नी लाये. पर सब कुछ सेहस हइ, कि हमारा वजेसे मसीह को सुसमाचार की कोय रोक नी हुये.

13 का तुम नी जाने कि जो मन्दिर मे सेवा करस हइ, वे मन्दिर मे से खास हइ. अरु जो वेदी की सेवा करस हइ. वे वेदी का साथ हिस्सेदार होस हइ? \*

14 यो रीति से प्रभु ने भी ठेइरायो, कि जो दुन्या सुसमाचार सुनस हइ, उनकी जिवन का सुसमाचार से हुये.

15 पर मी इनमे से कोय भी बात काम मे नी लाये, अरु मेने तो या बातहोन येकालिये नी लिखी कि मरा लिये असो कर्यो जाये, क्युकि येकासे तो मरो मरनो ही भलो हइ. कि कोय मरो घमण्ड बेकार ठेइराये.

16 अगर मी सुसमाचार सुनायु, ते मरो कुछ घमण्ड नी. क्युकि यो तो मरा लिये जरुरती हइ. अरु अगर मी सुसमाचार नी सुनायु, ते मरा पर हाय!

\* 9:13 लेवी 6:16—6:26; व्यवस्था विवरन 18:1-3

17 क्युकि अगर अपनी इच्छा से यो करस हइ, ते मजदूरी खे मीलस हइ, अरु अगर अपनी इच्छा से नी कर्ये, ते भी भण्डारीपन मेखे दियो गयो हइ.

18 ते फिर मरी कोन सी मजदूरी हइ? यो कि सुसमाचार सुनाना मे मी मसीह को सुसमाचार सेत-मेत करी दियु ह्या तक कि सुसमाचार मे जो मरो अधिकार हइ, ओखे मी पूरी रीति से काम मे लायु.

19 क्युकि सब सबसे स्वतंत्रता होना पर भी मेने अपना आप खे सब को सेवक बनैइ दियो हइ. कि जादा इन्सान खे खीची लायु.

20 मी यहूदीहोन का लिये यहूदी बन्यो कि यहूदीहोन खे खीची खे लायु, जो इन्सान व्यवस्था का अधीन हइ उनका लिये मी व्यवस्था का अधीन नी हुये पर भी व्यवस्था का अधीन बन्ये कि उनखे जो व्यवस्था का अधीन हइ, खीची लायु.

21 व्यवस्थाहीनोन का लिये मी जो परमेश्वर की व्यवस्था से हीन नी पर मसीह की व्यवस्था का अधीन हइ व्यवस्थाहीन जसो बन्नु कि व्यवस्थाहीनहोन खे खीची लायु.

22 मी नीर्बलहोन का लिये नीर्बल जसो बन्यो कि नीर्बलहोन खे खीची लायु मी सब इन्सानहोन का लिये सब कुछ बन्यो हइ, कि कोय नी कोय रीति से कोय एक को उध्दार करायु.

23 अरु मी सब कुछ सुसमाचार का लिये करस हइ, कि दुसरा का साथ ओको सात हुइ जाये.

24 का तुम नी जाने कि दौड मे तो दौडस सब ही हइ, पर इनाम एक ही ली जास हइ? तुम असो ही दौडन का कि जीतनु.

25 अरु हर एक पइलवान सब प्रकार को उछल कुद करस हइ, वे तो एक मुरझानआला मुकुट खे पान का लिये यो सब करस हइ, पर हम तो उ मुकुट का लिये करस हइ, जो मुरझान को नी.

26 येकालिये मी तो यो रीति से दौडस हइ, पर बेठिकान नी खे मी भी या रीति से मुक्काहोन से लडुस हइ, पर ओका समान नी जो हवा पीटतो हुयो लडस हइ.

27 पर मी अपना आंग खे मारता कूटतो का अरु कब्जा मे लउस हइ. असो नी हो कि दुसरा को प्रचार करीखे खे मी खुद ही कोय रीति से नीकम्मो ठैइयुं.

## 10

???????? ?? ?????? ?? ???????

1 हे भैइहोन अरु बहीन, मी नी चाहु कि तुम या बात से अनजान ज्हेनु कि हमारा सब बुजरुक बहल का नीच्चे था, अरु सब का सब समुंदर का बीच से पार हुइ गया.

2 अरु सब ने बहल मे, अरु समुंदर मे, मूसा को बपतिस्मा लियो;

3 अरु सब ने एक ही आत्मीक खानो खायो.

4 अरु सब ने एक ही आत्मीक पानी पीयो, क्युकि वे उ आत्मीक चट्टान से पीता था, जो उनका साथ-साथ चलती थी. अरु उ चट्टान मसीह थो.

5 पर परमेश्वर उनमे से भोत जनसे खुश नी थो, येकालिये वे जंगल मे ढेर हुइ गया.

6 या बातहोन हमारा लिये उदाहरण ठैइरी, कि जसो उनने लालुच कर्यो, ओसो हम बुरी चिजहोन को लालुच नी करणु.

7 अरु नी तुम मुर्ती पूजनआला बन्नु. जसो कि उनमे से खे ता बनी गया था, जसो लिख्यो हइ, “इन्सान खान-पीन बठ्या, अरु खेलन-कूदन उठयो.”

8 अरु नी हम गलत काम करणु. जसो उनमे से केता ने कर्यो अरु एक दिन मे तेवीस हजार मरी गा.

9 अरु नी हम प्रभु खे पैछान्यो, जसो उनमे से केता ने कर्यो, अरु सापहोन का वजेसे खत्म कर्या गया.\*

10 अरु नी तुम कुडकुडनु, जो रीति से उनमे से केत्ता कुडकुडाया अरु खत्म करणआला का वजेसे खत्म कर्या गया.

11 पर या सब बातहोन खे जो उन पर पडिखे दृष्टान्त की रीति पर थी. अरु वे हमारी चेतावनी का लिये जो संसार का आखरी टेम टेम मे जेस हइ लिखी गइ हइ.

12 येकालिये जो समझस हइ, "मी जगापर हइ," उ चतरो जेनु. कि खय गिरी नी पडचे.

13 तुम कोय असी परीक्षा मे नी पडचे जो इन्सान का सहन का बाहेर हइ अरु परमेश्वर विश्वासयोग्य हइ उ तुमखे सामर्थ्य से बाहेर सेतान परीक्षा मे नी पडन दिये का परीक्षा का साथ रस्ता भी कर्ये कि तुम से सक्या.

14 यो कारण, हे मरा प्रिय भैइहोन अरु बहीन मूर्ति पूजा से बच्या जेनु.

15 मी बुद्धिमान जानीखे तुम से बोलुस हइ जो मी बोलुस हइ, ओखे तुम पैछाननु.

16 उ धन्यवाद को कटोरो, जेका पर हम धन्यवाद करस हइ, का उ मसीह का खून को संगत नी? वा रोटी जेखे हम तोडस हइ, का मसीह का आंग को हिस्सेदार नी?

17 येकालिये, कि एक ही रोटी हइ ते हम भी जो भोत हइ, एक हइ क्युकि हम सब वइ एक रोटी मे हिस्सेदार होस हइ.

18 जो आंग खे भाव से इस्राएलीहोन हइ, उनखे देखनु का बलिदानहोन का खानआला वेदी का हिस्सेदार नी?

19 फिर मी का बोलुस हइ? का यो कि मूर्ति को खानो कुछ हइ, या मूर्ती कुछ हइ?

20 नी, बस यो कि गैरयहूदी जो बलिदान करस हइ, वे परमेश्वर का लिये नी पर बुरीआत्माहोन का लिये बलिदान करस हइ अरु मी नी चउस कि तुम बुरीआत्माहोन का हिस्सेदार हुये.\*

21 तुम प्रभु का कटोरो अरु बुरीआत्मा का कटोरो दोइ मे से नी पी सक्ये! तुम प्रभु की मेज अरु बुरीआत्माहोन की मेज दोइ का हिस्सेदार नी हुइ सखे.\*

22 का हम प्रभु खे घुस्सा दिलानो चाहस हइ? का हम ओकासे शक्तिमान हइ?\*

23 सब चिजहोन मरा लिये अच्छी तो हइ, पर सब लाभ की नी सब चिजहोन मरा लिये अच्छी तो हइ, पर सब चिजहोन से उन्नति नी.

24 कोय अपनी ही भलाइ खे नी दूडनु क्युकी दुसरा की.

25 जो कुछ कस्साइहोन का ह्या बिकस हइ, उ खानु अरु विवेक का कारण कुछ नी पूछनु.

26 "क्युकि पृथ्वी अरु ओकी पुरीपुरी प्रभु की हइ"

27 अरु अगर अविश्वासिहोन मे से कोय तुमखे निवतता दिये, अरु तुम जानो चाह्ये, ते जो कुछ तुमारा सामने रख्यो जाये उ खानु अरु विवेक खे कारण कुछ नी पूछनु.

28 पर अगर कोय तुम से बोल्ये, "थो तो मूर्ती खे बलि करी हुइ चिज हइ," ते उ बतानआला का कारण, अरु विवेक का कारण नी खानु.

29 मरो मतलब, तरो विवेक नी, पर उ दूसरा को भलो,

मरी स्वतंत्रता दूसरा को बिचार से क्यु परख्ये जाये?

30 अगर मी धन्यवाद करीखे हिस्सेदार होउस हइ, ते जेका पर मी धन्यवाद करस हइ, ओका कारण मरी बदनामी क्यु होस हइ?

31 येकालिये तुम चाह्ये खाओ, चाह्ये पीओ, चाह्ये जो कुछ करणु, सब कुछ परमेश्वर का महिमा का लिये करणु.

32 तुम नी यहूदीहोन, नी यूनानीहोन, अरु नी परमेश्वर की मंडली का लिये ठोकर को कारण बननु.

33 जसो मी भी सब बातहोन मे सब खे खुश रखुस हइ, अरु अपनो नी पर भोतजन को लाभ दूबस हइ, कि वे उध्दारपाये.



# 11

1 तुम मरा जसी चाल चलनु जसो मी मसीह का जसी चाल चलुस हइ.

~~~~~

2 मी तुमारी बडाइ करुस हइ, कि सब बातहोन मे तुम मेखे याद करस हइ. अरु जो वीधी मेने तुमखे दि दियो हइ, रितीरिवाज खे कठोरता से करस हइ.

3 पर मी चाहुस हइ, कि तुम यो जानी ले, कि हर एक इन्सान को माथो मसीह हइ अरु लुगइ को माथो इन्सान हइ अरु मसीह को माथो परमेश्वर हइ.

4 जो इन्सान माथो झाक्या हुया प्रार्थना या भविष्यवाणी करस हइ, उ अपनो माथा को अपमान करस हइ.

5 पर जो बय बिना माथो झाखे प्रार्थना या भविष्यवाणी करस हइ, वा अपना माथा का अपमान करस हइ, क्युकि वा टक्कल होना का बराबर हइ.

6 अगर बय ओडनी नी ओडचे, ते बाल भी काटी ले. अगर बय का लिये बाल कटानो या टक्कल सरम की बात हइ, तो ओडनी होडनु.

7 हा इन्सान खे अपनो माथो झाकनो अच्छो नी, क्युकि उ परमेश्वर को रुप अरु महिमा हइ. रुप पर लुगइ अदमी की शोभा हइ.

8 क्युकि अदमी लुगइ से नी हुयो, पर लुगइ इन्सान से हुइ हइ.

9 अरु अदमी लुगय का लिये नी परदा कर्यो गयो, पर लुगय अदमी का लिये करी गय हइ.

10 येकालिये स्वर्गदूतहोन का कारण लुगइ को अच्छो हइ, कि अधिकार अपना माथा पर रखनु.

11 ते भी प्रभु मे नी ते लुगइ बिना अदमी अरु नी अदमी बिना लुगइ कि हइ.

12 क्युकि जसो लुगइ अदमी से हइ, ओसो ही अदमी लुगइ का वजेसे हइ. पर सब चिजहोन परमेश्वर से हइ.

13 तुम खुद ही विचार करणु, का बय खे बिना माथो झाखे परमेश्वर से प्रार्थना करणो अच्छो हइ?

14 का स्वभाविक रीति से भी तुम नी जाने कि अगर अदमी लम्बा बाल रख्ये, ते ओका लिये अपमान हइ.

15 पर अगर बय लम्बा बाल रखनु. ते ओका लिये शोभा हइ क्युकि बाल ओखे ओडन का खे लिये दिया गया हइ.

16 पर अगर कोय वाद विवाद करणो चाह्ये, ते यो जानु कि नी हमारी अरु नी परमेश्वर की मंडलीहोन की असी रीति हइ.

~~~~~

(~~~~~ 26:16-29; ~~~~~ 14:22-25; ~~~~~ 2:14-20)

17 पर या आज्ञा देता हुये मी तुमारी नी बडैइ, येकालिये कि तुमारा जमा होना से भलाइ नी, पर नुकसान होस हइ.

18 क्युकि पैयले तो मी यो सुनुस हइ, कि जब तुम मंडली मे जमा होस हइ, ते तुम मे फूट होस हइ अरु मी थोडो-थोडो विश्वास भी करुस हइ.

19 क्युकि गैरयहूदी भी तुम मे जरुरती हुये, येकालिये कि जो इन्सान तुम मे सच्चा नीकल्या हइ, वे प्रकट हुइ जाये.

20 जब तुम एक जगह मे जमा हुये ते तुम प्रभु-भोज खानो खान का लिये नी.

21 क्युकि खान का टेम एक दूसरा से पैयले अपनो खानो खैइ लेस हइ, तब कोय भूखो हँस हइ, अरु कोय मतआलो हुइ जास हइ.

22 का खान-पीन का लिये तुमारा घर नी? या परमेश्वर की मंडली खे बेकार जानस हइ, अरु जिनका पास नी हइ उनखे लज्जित करस हइ? मी तुम से का बोलु? का या बात मे तुमारी बडैइ कर्यु? मी बडैइ नी करु.

23 क्युकि या बात मेखे प्रभु से पहुची, अरु मेने तुमखे भी पहुचै दी. कि प्रभु यीशु ने जो रात पकडायो गयो रोटी ली,

24 अरु धन्यवाद करीखे ओखे तोडि खे अरु बोल्यो, “यो मरो आंग हइ, जो तुमारा लिये हइ मरी याद का लिये यो कियं करणु.”

25 या रीति से ओने बियारी का बाद कटोरो भी लियो, अरु बोल्यो “यो कटोरो मरा खुन मे नइ वाचा हइ जब कभी पीये, ते मरी याद का लिये यो कियं करणु.”\*

26 क्युकि जब कभी तुम या रोटी खाये, अरु यो कटोरा मे से पीस हइ, ते प्रभु को मरन खे जब तक उ नी आय, प्रचार करस हइ.

27 येकालिये जो कोय अच्छा रीति से प्रभु की रोटी खाये या ओका कटोरा मे से पीये, उ प्रभु का आंग अरु खुन को अपराधी ठैइयें.

28 येकालिये इन्सान अपना आप खे समज्हे अरु या रीति से या रोटी मे से खाह्ये, अरु यो कटोरा मे से पीये.

29 क्युकि जो खाता-पीता टेम प्रभु का आंग खे नी पइछान्ये, उ यो खाना अरु पीना से अपना उपर दण्ड लास हइ.

30 यो कारण तुम मे भोत सा बिना जोर अरु रोगी हइ, अरु भोत सा सोइ भी गया.

31 अगर हम अपना आप खे पहिछानता था ते दण्ड नी मील्हे.

32 पर प्रभु हमखे दण्ड दिखे हमारी ताडनो करस हइ येकालिये कि हम संसार का साथ दोषी नी ठैइयें.

33 येकालिये, हे मरा भैइहोन अरु बहीन, जब तुम खान का लिये जमा होस हइ, ते एक दूसरा का लिये ठैइरा करणु.

34 अगर कोय भूखो हइ, ते अपना घर मे खलइ ले जिका से तुमरो जमा होनो दण्ड को कारण नी हो, अरु बाकी बातहोन खे मी अयखे ठीक करी दियु.

## 12

\*\*\*\*\*

1 हे भैइहोन अरु बहीन, मी नी चाहु कि तुम आत्मीक वरदानहोन का बारे मे अनजान ज्हिया.

2 तुम समजस हइ, कि जब तुम गैरयहूदीहोन थो, ते मुक्की मूर्ती का पीछे जसो चलायो जातो थो ओसो चलतो थो.

3 येकालिये मी तुमखे चेतावनी देउस हइ कि जो कोय परमेश्वर की आत्मा की अगुअय से बोलस हइ, उ नी बोलस कि यीशु श्रापित हइ. अरु नी कोय पवित्र आत्मा का बिना बोली सकस हइ कि यीशु प्रभु हइ.

4 वरदान तो कइ प्रकार को हइ, पर आत्मा एक ही हइ.

5 अरु सेवा भी कइ प्रकार की हइ, पर प्रभु एक ही हइ.

6 अरु प्रभावशाली कार्य कइ प्रकार का हइ, पर परमेश्वर एक ही हइ, जो सब मे हर प्रकार को प्रभाव परदा करस हइ.

7 पन सब खे लाभ पहुचान का लिये हर एक खे आत्मा का उजालो दियो जास हइ.

8 क्युकि एक खे आत्मा का द्वारा बुद्धि की बातहोन दी जास हइ. अरु दूसरा खे उ आत्मा का अनुसार ज्ञान की बातहोन.

9 अरु कोय खे उ आत्मा से विश्वास. अरु कोय खे उ एक आत्मा से अच्छो करण को वरदान दियो जास हइ.

10 फिर कोय खे सामर्थ्य का काम करण की शक्ति. अरु कोय खे भविष्यवाणी की. अरु कोय खे आत्माहोन खे पछनन खे अरु कोय खे भोत प्रकार की भाषा. अरु कोय खे भाषाहोन को अर्थ बतानो.

11 पर ये सब प्रभाकुलाली कार्य उ एक आत्मा करवास हइ, अरु जेखे जो चाहस हइ उ बाटी देस हइ.

?? ????? ?? ?? ??

12 क्युकि जो प्रकार आंग तो एक हइ अरु ओका हिस्सा भोट हइ, अरु उ एक आंग का सब हिस्सा, भोट होना पर भी सब मीलीखे एक ही आंग हइ, उ प्रकार मसीह भी हइ.

13 क्युकि हम सब ने का यहूदी हइ, का यूनानी, का सेवक का स्वतंत्रता एक ही आत्मा का वजेसे एक आंग होन का लिये बपतिस्मा लियो, अरु हम सब खे एक ही आत्मा पिलायो गयो.

14 येकालिये कि आंग मे एक ही हिस्सो नी पर भोट सा हइ.

15 अगर पाय बोल्ये कि मी हात नी, येकालिये आंग को नी, ते का उ वो कारण आंग को नी?

16 अरु अगर कान बोल्ये, “मी आख नी, एकालिये आंग को नी,” ते का उ या कारण आंग को नी?

17 अगर पुरो आंग आख ही होतो ते सुन्नो खा से होतो? अगर पुरो आंग कान ही होतो ते सूचनो खा होतो?

18 पर सचमुच परमेश्वर ने हिस्साहोन खे अपनी इच्छा का अनुसार एक-एक करीखे आंग मे रख्यो हइ.

19 अगर वे सब एक ही हिस्सा होता, ते आंग खा होतो?

20 पर अब हिस्सा तो भोट सा हइ, पर आंग एक ही हइ.

21 आख हात से नी बोली सखे, “मेखे तरो प्रयोजन नी,” अरु नी माथो पायहोन से बोली सकस हइ, “मेखे तुमारो प्रयोजन नी”

22 पर आंग का वे हिस्सो जो दुसरा जन से निर्बल देखी पडस हइ, भोट ही जरूरती हइ.

23 अब आंग खे जिन हिस्साहोन खे हम कम आदरणीय समझस हइ उन्ही खे हम जादा आदर देस हइ. अरु हमारी शोभाहीन हिस्सा अरु भी भोट शोभायमान हुइ जास हइ,

24 फिर भी हमारो शोभायमान हिस्साहोन खे येको प्रयोजन नी, पर परमेश्वर ने आंग खे असो बनय दियो हइ कि जो हिस्सा खे घटी थी ओ खे अरु भी भोट आदर होनु.

25 ताकि आंग मे फूट नी पडचे, पर हिस्सा एक दूसरा की बराबर फिकर कर्ये.

26 येकालिये अगर एक हिस्सो दुख पास हइ, ते सब हिस्सो ओका साथ दुख पास हइ. अरु अगर एक हिस्सा की बडाइ होस हइ, ते ओका साथ सब हिस्सा खुशी मनसा हइ.

27 यो प्रकार तुम सब मीलीखे मसीह को आंग हइ, अरु अलग-अलग ओका हिस्सा होनु.

28 अरु परमेश्वर ने मंडली मे अलग-अलग इन्सान नियुक्त कर्यो हइ. पयलो प्रेरित, दूसरो भविष्यवक्ता तीसरो मास्तर फिर सामर्थ्य का काम करणआलो, फिर अच्छो करणआलो, अरु उपकार करणआलो, अरु मुखियो, अरु अलग प्रकार की भाषा बोलनआला.

29 का सब प्रेरित हइ? का सब भविष्यवक्ता हइ? का सब उपदेशक हइ? का सब सामर्थ्य का काम करणआला हइ?

30 का सब खे अच्छो करण को वरदान मिल्यो हइ? का सब अलग प्रकार की भाषा बोलस हइ?

31 का सब भाषांतर करस हइ? तुम बडा से बडा वरदानहोन की धुन मे न्हेनु! पर मी तुमखे

अरु भी सबसे अच्छी रस्ता बतउस हइ.

## 13

?????

1 अगर मी इन्सानहोन खे अरु स्वर्गदूतहोन की बोलिहोन बोल्यु, अरु प्रेम नी रख्यु, ते मी तो हुयो पीतल, अरु झझनाती हुइ झाझ हइ.

2 अरु अगर मी भविष्यद्वाणी करी सक्यु, अरु सब भेदहोन अरु सब प्रकार को ज्ञान खे समझ्यु, अरु मेखे ह्या तक पूरो विश्वास हइ कि मी टेकडी खे हटचे दियु, पर प्रेम नी रख्यु, ते मी कुछ भी नी.

3 अरु अगर मी अपनी पुरी संपत्ती कगालहोन खलय दियु का या अपनी आंग जलान का लिये दि दियु कि अरु प्रेम नी रख्यु कितना मेखे कुछ भी लाभ नी.

4 प्रेम धीरजवन्त हइ, अरु कृपालु हइ. प्रेम हेवो नी कन्हे. प्रेम अपनी बडाइ नी कर्येका अरु फूले नी.

- 5 नी शोभनआलो व्यवहार नी कर्येका उ अपनी भलाइ नी चाह्ये, झुझलाय नी, बुरा नी माने.
- 6 बुरोकाम से खुश नी होय, पर सच्ची से खुश होस हइ.
- 7 उ सब बातहोन सैइ लेस हइ, सब बातहोन पर विश्वास करस हइ, सब बातहोन की आस रखस हइ, सब बातहोन मे धीरज धरस हइ.
- 8 प्रेम कभी खत्म नी भविष्यद्वानीहोन हुये खे ते खत्म हुइ जाये का भाषाहोन मेको हुइ जाये. ज्ञान हुये ते मीटी जाये.
- 9 क्युकि हमारो ज्ञान अधूरो हइ, अरु हमारी भविष्यद्वानी अधूरी.
- 10 पर जब सर्व सिद्ध अउ का ते अधूरो मीटी जाये.
- 11 जब मी बच्चो थो, ते मी बच्चाहोन, जसो बोलतो थो, बच्चाहोन, जसो मन थो बच्चाहोन जसी समझ थी. पर सयानो हुइ गया ते बच्चाहोन की बातहोन छोडी दी.
- 12 अब हम खे अयना मे धुधला सो दिखइ देस हइ. पर वा टेम्स आमने-सामने देख्ये यो टेम मरो ज्ञान अधूरो हइ. पर वा टेम असी पूरी रीति से पैछान्यु, जसो मी पैछान्यो गयो हइ.
- 13 पर अब विश्वास कि आस को प्रेम ये तीनी का येमे हइ, पर इनमे सबसे बडो प्रेम हइ.

## 14

\*\*\*\*\*

- 1 प्रेम को अनुकरण करणु, अरु आत्मीक वरदानहोन का भी धुन मे जेनु खास करी, यो, कि भविष्यद्वानी करणु.
- 2 क्युकि जो दुसरी भाषा मे बातहोन करस हइ. उ इन्सानहोन से नी पर परमेश्वर से बातहोन करस हइ. येका लिये कि ओकी बातहोन कोय नी समझ्ये. क्युकि उ भेद की बातहोन आत्मा मे हुये खे बोलस हइ.
- 3 पर जो भविष्यद्वानी करस हइ, उ इन्सानहोन से उन्नती अरु उपदेश अरु शांती की बातहोन बोलस हइ.
- 4 जो दुसरी भाषा मे बातहोन करस हइ, उ अपनी ही उन्नती करस हइ. पर जो भविष्यद्वानी करस हइ, उ मंडली की उन्नती करस हइ.
- 5 मी चाहस हइ, कि तुम सब दुसरी भाषाहोन मे बातहोन करणु, पर जादा ते यो चाहस हइ कि भविष्यद्वानी करणु क्युकि अगर दुसरी भाषा बोलनआला मंडली की उन्नती का लिये भाषांतर नी कर्ये ते भविष्यद्वानी करणआला ओकासे बडीखे हइ.
- 6 येका लिये हे भैइहोन अरु बहीन, अगर मी तुमारा पास अयखे दुसरी भाषा मे बातहोन कर्यु, अरु उजालो या ज्ञान, या भविष्यद्वानी या उपदेश की बातहोन तुम से नी बोल्यु ते मरा मे तुम खे लाभ हुये?
- 7 यो प्रकार अगर नीर्जीव चिज भी जिनसे आवाज नीकलस हइ जसो बासरी या बीन, अगर उनका अवाजहोन मे भेद नी हुये ते जो फूक्यो या बजायो जास हइ, उ क्यु पैछान्यो जाये?
- 8 अरु अगर पिपडी को आवाज साफ नी हुये ते कोन लडय का लिये तैयारी कर्ये?
- 9 असो ही तुम भी अगर जीभ से साफ बातहोन नी बोल्ये का ते जो कुछ बोल्यो जास हइ? वोखे समझी जाये? तुम ते हवा से बातहोन करणआला ठैयें.
- 10 जगत मे खे ता ही रंग की भाषाहोन क्यु नी हो, पर उनमे से कोय भी बिना मतलब की नी हुये.
- 11 येका लिये अगर मी कोय भाषा को मतलब नी समझ्यु, ते बोलनआला की नजर मे परदेशी ठैयें. अरु बोलनआला मरी नजर मे परदेशी ठैइयें.
- 12 येका लिये तुम भी जब आत्मीक वरदानहोन की धुन मे हुये खे ते असी कोशीस करणु, कि तुमारा वरदानहोन की उन्नती से मंडली की उन्नती हुये.
- 13 यो करण जो दुसरी भाषा बोल्येका ते उ प्रार्थना कर्येका कि ओको भाषांतर करी सक्ये.

14 येका लिये अगर मी दुसरी भाषा मे प्रार्थना कर्यु, ते मेरी आत्मा प्रार्थना करस हइ, पर मरी बुद्धि काम नी दे.

15 ते का कारण खे हुनु? मी आत्मा से भी प्रार्थना कर्यु, अरु दिमाक से भी प्रार्थना कर्यु. मी आत्मा से गायु, अरु दिमाक से भी गायु.

16 नी ते अगर तू आत्मा ही से धन्यवाद कर्ये, ते फिर अज्ञानी तरो धन्यवाद पर आमीन क्यु बोल्यु? येकालिये कि उ तो नी जाने, कि तूका बोलस हइ?

17 तू तो भली भाति से धन्यवाद करस हइ, पर दूसरा की उन्नती नी होय.

18 मी अपना परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ, कि मी तुम सबसे जादा दुसरा भाषा मे बोलस हइ.

19 पर मंडली मे दुसरा भाषा मे दस हजार बातहोन बोलना से यो मेखे अरु भी अच्छो जानी पडस हइ, कि दुसरा खे सिखाना का लिये दिमाक से पाच ही बातहोन बोल्यु.

20 हे भैइ अरु वहीन, तुम समझ मे बच्चा नी बन्नु फिर भी बुराइ मे तो बच्चा जेनु, पर समझ मे सयानो बन्नु.

21 व्यवस्था मे लिख्यो हइ,

कि प्रभु बोलस हइ,

“मी दुसरा भाषा बोलनआला का वजेसे, अरु पराया मुडा का वजेसे

इन इन्सानहोन से बात कर्यु

ते भी वे मरी नी सुन्ये.”

22 येका लिये दुसरी भाषाहोन विश्वासिहोन का लिये नी, पर अविश्वासीहोन का लिये चिन्ह हइ, अरु भविष्यद्वाणी अविश्वासीहोन, लिये नी पर विश्वासीहोन, लिये चिन्ह हइ.

23 ते अगर मंडली एक जगह जमा हुये खे अरु सब का सब दुसरा भाषा बोल्येका अरु बाहरआला या अविश्वासी इन्सान अंदर अय जाये ते का वे तुम खे पागल नी बोल्ये?

24 पर अगर सब भविष्यद्वाणी करण लगेका अरु कोय अविश्वासी या बाहरआला इन्सान अंदर अय जायेका ते सब ओखे दोषी ठेइयो दिये अरु परखी लिये.

25 अरु ओका मन को भेद प्रगट हुइ जाये अरु तब उ मुडा का बल गिरीखे परमेश्वर खे नमस्कार कर्ये, अरु मानी लिये, कि सचमेच परमेश्वर तुमारा बीच मे हइ.

~~~~~

26 येका लिये हे भैइहोन अरुबहीन खे करण हुनु? जब तुम इकट्ठा होस हइ, ते हर एक का मन मे भजन या उपदेश या दुसरी भाषा या प्रकाशन या दुसरी भाषा को अर्थ बतानो जेस हइ सब कुछ आत्मीक उन्नती का लिये होन खे हुनु.

27 अगर दुसरी भाषा मे बातहोन करणो हइ, ते दो-दो से या भोट हो तो तीन-तीन जन बारी-बारी बोल्येका अरु एक इन्सान भाषातर कर्ये.

28 पर अगर भाषातर करणआला नी हुये, ते दुसरी भाषा बोलनआला मंडली मे शान्त न्हिये अरु अपना मन से अरु परमेश्वर से बातहोन कर्ये.

29 भविष्यद्वाक्ताहोन मे से दो या तीन बोल्ये, अरु कुछ इन्सान उनको वचन खे पैछान्ये.

30 पर अगर दूसरा पर जो बठयो हइ, कुछ इश्वरी उजालो हुये ते पयलो चुप हुइ जाये.

31 क्युकि तुम सब एक-एक करी खे भविष्यद्वाणी करी सकस हइ ताकि सब सीख्ये का अरु सब शांती पाये.

32 अरु भविष्यद्वाक्ताहोन की आत्मा भविष्यद्वाक्ताहोन कि वस मे हइ.

33 क्युकि परमेश्वर गडबड खे नी, पर शांती को कर्ता हइ.

जसो पवित्र इन्सानहोन की सब मंडलीहोन मे हइ.

34 बय मंडली की सभा मे चुप न्हियेका क्युकि उनका बातहोन करण की इजाजत नी, पर अधीन जेन की आज्ञा हइ जसो व्यवस्था मे लिख्यो भी हइ.

35 अरु अगर वे कुछ सीखनो चाह्ये, ते घर मे अपना-अपना अदमी से पूछ्येका क्युकि बय को मंडली मे बातहोन करणो लाज की बात हइ.

36 क्यु परमेश्वर को वचन तुम मे से नीकल्यो? या फक्त तुम ही तक पहुच्यो हइ?

37 अगर कोय इन्सान अपना आप खे भविष्यव्दक्ता या आत्मीक जन समझ्ये का ते यो जानी ले कि जो बातहोन मी तुम खे लिखुस हइ, वे प्रभु की आज्ञाहोन हइ.

38 पर अगर कोय नी मान्ये का ते नी मान्ये.

39 हे भैइहोन अरु बहीन, भविष्यद्वानी करण की धुन मे रह्ये अरु दुसरी भाषा बोलन से मना नी करणु.

40 पर पुरी बातहोन सभ्यता अरु क्रमा नुसार करी जाये.

15

~~~~~

1 हे भैइहोन अरु बहीन, मी तुमखे उ सुसमाचार बतउस हइ जो पैयले सुन चुक्यो हइ, जेखे तुम ने अंगीकार कर भी कयों थो अरु जेमे तुम स्थिर भी हइ.

2 ओका वजेसे तुमारो उध्दारमी होस हइ, अगर उ सुसमाचार खे जो मेने तुमखे सुनायो थो याद रखस हइ. नी ते तुमारो विश्वास करणो बेकार हुयो.

3 या करण मेने सबसे पैयले तुमखे उ बात पहुचय दी, जो मेखे पहुचैइ थी, कि पवित्रशास्त्र को वचन का जसो यीशु मसीह हमारो पापहोन का लिये मरी गयो.

4 अरु गाड्यो गयो. अरु पवित्रशास्त्र का जसो तीसरे दिन जिन्दो भी उठ्यो,

5 अरु कैफा खे तब बाराङ्गन खे दिखैइ दियो.

6 फिर पाच सौ से जादा भैइहोन अरु बहीन खे एक साथ दिखैइ दियो, जिनमे से भोत सारा अब तक वर्तमान हइ पर केत्ता सोइ गया.

7 फिर याकूब खे दिखैइ दियो तब सब प्रेरितहोन खे दिखैइ दियो.

8 अरु सब का बाद मेखे भी दिखइ दियो, जो मान्नु अधूरा दिन को जन्म्यो हइ.

9 क्युकि मी प्रेरितहोन मे सबसे छोटो हइ, क्युकी प्रेरित बोल्यो जाना का योग्य भी नी, क्युकि मेने परमेश्वर की मंडली खे सतायो थो.

10 पर मी जो कुछ भी हइ, परमेश्वर को अनुग्रह से हइ, अरु ओको अनुग्रह जो मरा पर हुयो, उ बेकार नी हुयो पर मेने उन सबसे बडी खे मेहनत भी कयों ते भी या मरा तरफ से नी हुयो पर परमेश्वर को अनुग्रह से जो मरा पर थो.

11 येका लिये चाह्ये मी हइ, चाह्ये वे हुये, हम योही प्रचार करस हइ, अरु येका पर तुम ने विश्वास भी कयों.

~~~~~

12 जब कि मसीह को यो प्रचार कयों जास हइ, कि उ मर्या हुया मे से जिन्दो उठ्यो, ते तुम मे से केत्ता क्यु बोलस हइ, कि मर्या हुया को फिर से जिन्दो हइ ही नी?

13 अगर मर्या हुया को पुनरुत्थान हइ ही नी, ते मसीह भी नी जिन्दो उठ्यो.

14 अरु अगर मसीह नी जिन्दो उठ्यो, ते हमारो प्रचार करणो भी बेकार हइ. अरु तुमारो विश्वास भी बेकार हइ.

15 क्युकी हम परमेश्वर खे झूठा गवाह ठैइन्थो. क्युकि हमने परमेश्वर का बारे मे या गवइ दी कि ओने मसीह को जिन्दो दियो फिरभी नी जिन्दो दियो अगर मर्या हुया नी जी उठे.

16 अरु अगर मुर्दा नी जिन्दो उठे, ते मसीह भी नी जी उठ्यो.

17 अरु अगर मसीह नी जिन्दो उठ्यो, ते तुमारो विश्वास बेकार हइ. अरु तुम अब तक अपना पापहोन मे फस्या हइ.

18 याने जो मसीह मे सोइ गया हइ, वे भी खत्म हुया.

19 अगर हम फक्त यो जिवन मे मसीह से आस रखस हइ ते हम सब इन्सानहोन से जादा अभागो हइ.

20 पर सचमेच मसीह मुर्दा मे से जिन्दो उठ्यो हइ, अरु जो सोइ गया हइ, उनमे परइलो फल हुयो.

21 क्युकि जब इन्सान, वजेसे मरन आयो. ते इन्सान ही, वजेसे मर्या हुया खे पुनरुत्थान भी आयो.

22 अरु जसो आदम मे सब मरस हइ, ओसो ही मसीह मे सब जिलाया जाये.

23 पर हर एक अपनी-अपनी बारी से. पयलो फल मसीह फिर मसीह का आना पर ओका इन्सान.

24 येका बाद अन्त हुये. उ टेम उ पुरी प्रधानता अरु पुरो अधिकार अरु सामर्थ्य, आखरी तक करी, राज्य को परमेश्वर बाप का हात मे दि दिये.

25 क्युकि जब तक कि उ अपना दुशमनहोन खे अपना पायहोन तल्ले नी ली अउ का तब तक ओको राज्य करणो जरुरती हइ.

26 सबसे आखरी दुशमन जो खत्म कर्या जाये उ मरन हइ.

27 क्युकि "परमेश्वर ने सब कुछ ओका पायहोन का तल्ले करी दियो हइ," पर जब उ बोलस हइ कि सब कुछ ओका अधीन करी दियो गयो हइ ते सफा हइ, कि जे ने सब कुछ मसीह का अधीन करी दियो, उ खुद अलग हिंयो.

28 अरु जब सब कुछ ओका अधीन हुइ जायेका ते बेटो खुद भी ओका अधीन हुइ जाये जे ने सब कुछ ओका अधीन करी दियो. ताकि सब मे परमेश्वर ही सब कुछ हइ.

29 नी ते जो इन्सान मर्या हुया, लिये बपतिस्मा लेस हइ, वे, कयें? अगर मुर्दा जिन्दो उठे ही नी ते फिर का उनका लिये बपतिस्मा लेस हइ?

30 अरु हम भी का हर घडी जोखिम मे पड्या ज्हेस हइ?

31 हे भैइहोन अरु बहिन, मेखे उ घमण्ड की कसम जो हमारा प्रभु मसीह यीशु मे मी तुमारा बारे मे करुस हइ, कि मी हरदिन मरुस हइ.

32 अगर मी इन्सान का रीति पर इफिसुस मे जंगल जनवरहोन से लड्यो ते मेखे का लाभ हुयो? अगर मेर्दा जिलाया नी जायेका "ते वे, खाये पीये का क्युकि कल तो मर ही जाये."

33 धोखो नी खानो, "बुरी संगति अच्छा चरित्र खे बिगाडी देस हइ."

34 जाग बठनु अरु पाप नी करण. क्युकि तुम्हे खे ता असा हइ जो परमेश्वर का नी जाने का मी तुम बेसरम का लिये यो बोलुस हइ.

?? ?? ??? ??? ??????

35 अब कोय यो बोल्येका "मुर्दा कोनता रीति से जिन्दो उठस हइ, अरु कोय आंग का साथ आस हइ?"

36 हे नीर्बुद्धि! जो कुछ तू बोस हइ, जब तक उ नी मर्या जिलाय नी जाय.

37 अरु जो तू बोस हइ, यो उ आंग नी जो परदा होनआली हइ, पर उघडो बिज हइ, चाह्ये गहु को चाह्ये कोय अरु अनाज.

38 पर परमेश्वर अपनी इच्छा खे जसो ओखे आंग देस हइ. अरु हर एक बीज का ओको खास आग.

39 सब आंग एक समान नी, पर इन्सानहोन को आंग अरु हइ, जनवरहोन को आंग अरु हइ. पंछी को आंग अरु हइ. मच्छीहोन को आंग अरु हइ.

40 स्वर्गीय आंग हइ, अरु पार्थिव आंग भी हइ पर स्वर्गीय आंग होन को तेज अरु हइ, अरु पार्थिव को अरु.

41 सूरज को तेज अरु हइ, चाद को तेज अरु हइ, अरु तारागणहोन को तेज अरु हइ, क्युकि एक तारा से दूसरा तारा को तेज मे अन्तर हइ.

42 मेर्दा को जी उठनो भी असो ही हइ आंग नाशवान दशा मे बोयो जास हइ, अरु अविनाशी रुप मे जिन्दो उठस हइ.

43 उ अनादर, साथ बोयो जास हइ, अरु तेज, साथ जिन्दो उठस हइ. बिना ताखत का साथ बोयो जास हइ. अरु सामर्थ्य का साथ जिन्दो उठस हइ.

44 स्वभाविक आंग बोयो जास हइ, अरु आत्मीक आंग जिन्दो उठस हइ जब कि स्वभाविक आंग हइ, ते आत्मीक आंग भी हइ.

45 असो ही लिख्यो भी हइ, “परइलो इन्सान, मनज्हे आदम जिन्दो जनवर बन्यो” जान अरु आखरी आदम, जीवन दायक आत्मा बन्यो.

46 पर पैयले आत्मीक नी थो, पर स्वभाविक थो, येका बाद आत्मीक हुयो.

47 परइलो इन्सान धरती से मनज्हे मट्टी को थो. दूसरो इन्सान स्वर्गीय हइ.

48 जसो उ मट्टी को थो ओसो ही वे भी हइ जो मट्टी, हइ. अरु जसो उ स्वर्गीय हइ, ओसो ही वे भी स्वर्गीय हइ.

49 अरु जसो हमने ओको रुप जो मट्टी को थो धारण कर्यो ओसो उ स्वर्ग को रुप भी धारण कर्ये.

50 हे भैइहोन अरु बहीन, मी यो बोलुस हइ कि मास अरु खुन परमेश्वर को राज्य को अधिकारी नी हुइ सक्येका अरु नी नाशवान अविनाशी को अधिकारी हुइ सकस हइ.

51 देखनु, मी तुम से भेद की बात बोलुस हइ कि हम सब तो नी सोये, पर सब बदली जाये.

52 अरु यो जरा भर मे, पलक मारते ही आखरी तुतारी फूकते ही हुये क्युकि पिपडी फुकी जाये अरु मुर्दा अविनाशी दशा मे जिन्दो उठाये जाह्ये अरु हम बदली जाये.

53 क्युकि जरुरती हइ, कि उ नाशवान आंग अविनाश से पेनी ले, अरु यो मरनहार आंग अमरता से पेनी ले.

54 अरु जब यो नाशवान अविनाश से पेनी लियेका अरु यो मरनहार अमरता से पेनी लिये तब उ वचन जो लिख्यो हइ, पूरो हुइ जाये “जय ने मरन के गिरी लिये.

55 “हे मरन तरी जय खा हइ?

हे मरन तरो डक खा न्हियो?”

56 मरन को डक पाप हइ. अरु पाप को बल व्यवस्था हइ.

57 पर परमेश्वर को धन्यवाद हुये, जो हमारा प्रभु यीशु मसीह का वजेसे हम जयवन्त करस हइ.

58 येका लिये हे मरा प्रिय भैइहोन अरु बहीन, ताखत अरु अटल न्हैनु, अरु प्रभु को काम मे सर्वदा बडता जानु, क्युकि यो जानस हइ, कि तुमारी मेहनत प्रभु मे बेकार नी हइ.

16

~~~~~

1 अब उ चन्दा का बारे मे जो पवित्र इन्सानहोन का लिये कर्यो जास हइ, जसो मेने गलातिया कि मंडलीहोन से दी, ओसो ही तुम भी करणु.

2 हप्ता का पयलो दिन तुम मे से हर एक अपनी कमय से जसो कुछ अपना पास रखी छोड बोल्यो, कि मरा आना पर पैसा जमा नी करणु पडन को.

3 अरु जब मी आयु का ते समज्हे जिनको तुम चाह्ये उनका मी चिट्ठिहोन दिखे भेजी दियु कि यरुशलैम पहुचय दे.

4 अरु अगर मरो भी जानो अच्छो हुयो, ते वे मरा साथ जाये.

~~~~~

5 अरु मी मकिदुनी हुइ, तुमारा पास आयु, क्युकि मेखे मकिदुनी हुइ, जानो ही हइ.

6 पर सम्भव हइ कि तुमारा ह्या ही टैडरी जाह्यु अरु शरद ऋतु तुमारा ह्या काटी से तब जो तरफ मरो जानो हुये से वय तरफ तुम मेखे पहुच्ये दे.

7 क्युकि मी अब रस्ता मे तुम से मीलन करणो नी चाहु. पर मेखे आस हइ, कि अगर प्रभु चाह्ये ते कुछ टेम तक तुमारा साथ न्हियु.

8 पर मी पिन्तेकुस्त तक इफिसुस मे न्हियु.

9 क्युकि मरा लिये एक बडो अरु उपयोगी दरवाजा खुल्या हइ अरु विरोधी भोट सा हइ.

10 अगर तीमुथियुस अय जाये, ते देखनु कि उ तुमारा ह्या हिम्मत से हिंये. क्युकि उ मरो जसो प्रभु को काम करस हइ.

11 येका लिये कोय ओखे बेकार नी जान्येका पर ओखे कुशल से उ तरफ पहुच्ये देनु कि मरा पास अय जाये. क्युकि मी ओकी रस्ता देखते हेंस हइ कि उ भैइहोन अरु बहीन का साथ आये.

12 अरु भैइ अरु बहीन अपुल्लोस से मेने भोट प्रार्थना करी हइ कि तुमारा पास भैइहोन अरु बहीन, साथ जाये. पर ओने वा टेम जानन की कुछ भी इच्छा नी करी, पर जब अवसर पायेका तब अय जाये.

~~~~~

13 जागते न्हेनु, विश्वास मे स्थिर न्हेनु, शुर बन्नु, ताकतवर होनु.

14 जो कुछ करस हइ प्रेम से करणु.

15 हे भैइहोन अरु बहीन, तुम स्तिफनास का घराना का जानस हइ, कि वे अखाया को पैयले फल हइ, अरु पवित्र इन्सानहोन की का लिये तैयार हेंस हइ.

16 येकालिये मी तुम से प्रार्थना करस हइ कि असा अधीन हेंनु, क्युकी हर एक का जो यो काम मे मेहनती अरु सहकर्मी हइ.

17 अरु मी स्तिफनास अरु फूरतूनातुस अरु अखडकुस का आना से खुश हइ, क्युकि उनने तुमारी घटी, पूरी करी हइ.

18 अरु उनने मरी अरु तुम्हारी आत्मा खे चैन दियो हइ येका लिये असा खे मान्नु.

19 आसिया की मंडलीहोन का तरफ से तुम खे नमस्कार. अक्विला अरु प्रिस्किल्ला का अरु उनका घर की मंडली खे भी तुम खे प्रभु मे भोट भोट नमस्कार.

20 सब भैइहोन अरु बहीन को तुम खे नमस्कार

पवित्र चुम्मा से आपस मे नमस्कार करणु.

21 मी पौलुस खे अपना हात को लिख्या हुयो नमस्कार अगर कोय प्रभु से प्रेम नी रख्ये ते उ श्रापित हुये.

22 हमारो प्रभु मे प्रेम नी रखे ते अभिश्राप मील्ले! हे प्रभु से आन आलो हइ.

23 प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम पर होतो हिंये.

24 मरो प्रेम मसीह यीशु मे तुम सब का साथ न्हिये आमीन.

## 2 कुरीन्थियो खे नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी

### 2 कुरीन्थिहोन का नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी

#### पैछान

2 कुरिन्थिहोन खे प्रेरित ने यीशु मसीह का जन्म का नजीकपास 55-56 साल बाद लिखी थी 1:1. यो हमारा पास मौजूब दो चिट्ठीहोन मे से दूसरो हइ जो पौलुस ने कोरिन्थ मे मंडली खे लिखी थी. विव्दानहोन खे माननो हइ पौलुस ने पहला किरिन्थिहोन खे एक गंभीर चिट्ठी लिखी थी. हमारा पास चिट्ठी कि कोय प्रती नी हइ जेका संदर्भ उ 2:3-4 मे देस हइ. 2 कुरिन्थिहोन खे संभवता टब लिखी गइ थी जब पौलुस मैसेडोनिया मे थो 2:13.

2 कुरिन्थिहोन यो मायना मे दूसरो हइ कि यो एक भोट ही व्यक्तिगत अरु भावनात्मक चिट्ठी हइ. पौलुस ने कुरिन्थ मे चर्च का बारे मे टाइटस से मील्हे अच्छी रिपोर्ट का बारे मे अपनी खुशी व्यक्त करी. या चिट्ठी मेखे हम नवा नीयम का परिक्ष्य से देन का बारे मे विस्तृत शिक्षा मिलस हइ, उ खंडा मे जहा पौलुस यरुशलेम मे विश्वासिहोन कि मदद का लिये धन जमा करण का नीर्पेश देस हइ 8—9. असो लगस हइ कि चर्च का कुछ दुन्याहोन कि दुश्मनी कि इस्तामाल करी रो थो. वे पलुस का अधिकार पर आंग जतय रो थो, जेने शायद ओखे 2 कुरिन्थिहोन का आखरी मे यीशु मसीह का प्रेरित का रूप मे अपना अधिकार कि दृढत से पुष्टि करस का लिये प्रेरित कन्यो.

रूप रेखा

1. पौलुस ने अपनी चिट्ठी कि शुरुआत चर्च खे नमस्कार करी खे 1:1-7
2. येका बाद पौलुस अपनी यात्रा योजनाहोन मे बदलाव अरु उनका बार मे मील्हे रिपोर्टों अरु अपनी पिछनी चिट्ठी पर उनकी प्रतिक्रिया का बारे मे बाट करस हइ 1:8—7:16
3. ओका बाद, पौलुस यरुशलेम मे विश्वासिहोन का लिये धन संग्रह का संबंध मे नीर्देश देस हइ 8:1—9:15
4. आखरी मे पौलुस अपना प्रेरितत्व का बचाव करस हइ अरु अपनी अगली यात्रा का बारे चेतावनी देस हइ 10:1—13:10

??????

1 पौलुस का तरफ से जो परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु को प्रेरित हइ, अरु भेइ अरु बहीन तीमुथियुस का तरफ से परमेश्वर की वा मंडली का नाम जो कुरिन्थुस मे हइ, अरु पुरा अखाया का सब पवित्र इन्सानहोन का नाम से.

2 हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह का तरफ से तुम खे अनुग्रह अरु शांती मिलती हिये.

????? ?? ?????????

3 हमारो प्रभु यीशु मसीह को परमेश्वर अरु बाप को धन्यवाद हो, जो दया को बाप अरु सब प्रकार की शांती को परमेश्वर हइ.

4 उ हमारा सब दुखहोन मे शांती देस हइ. ताकि हम वा शांतीकरण जो परमेश्वर हम खे देस हइ, उनका भी शांती दि सक्येका जो कोय रंग को दुख मे हइ.

5 क्युकि जसो मसीह को दुख हम खे जादा होस हइ, वसो ही हमारी शांती मे भी मसीह का वजेसे जादा हिस्सेदार होस हइ.

6 अगर हम दुख पास हइ, ते या तुमारी शांती अरु उध्दार का लिये हइ अरु अगर शांती पास हइ, ते या तुमारी शांती लिये हइ. जेको प्रभाव से तुम धीरज का साथ उन दुखहोन खे सैइ लेस हइ, जिन खे हम भी सहस हइ.

7 अरु हमारी आस तुमारा बारे मे मजबुत हइ. क्युकि हम जानस हइ, कि तुम जसा दुखहोन खे ओसो ही शांती मे भी हिस्सेदार हइ.

8 हे भैइहोन अरु बहीन, हम नी चाह्ये कि तुम हमारो उ दुख से अनजान न्हियेका जो आसिया मे हम पर पड्यो कि असो भारी बोझ से दबी गया था, जो हमारा सामर्थ्य से बाहेर थो, ह्या तक कि हम जिवन से भी हात धोइ बठ्या था.

9 क्युकी हमने अपना मन मे समझी लियो थो, कि हम पर मरन की सजा हुइ चुकी हइ कि हम अपनो भरोसा नी रख्ये का क्युकी परमेश्वर को जो मर्या हुया खे जिन्दो हइ.

10 ओ ने हम खे मरना का असो बडो संकट से बचायो अरु बचास. अरु ओकासे हमारी ह्या आस हइ, कि उ आगे खे भी बचातो न्हिये.

11 अरु तुम भी मीलीखे प्रार्थना का वजेसे हमारी मदत कर्ये कि जो वरदान भोतजन का द्वारा हम खे मील्यो कि ओका कारण भोत इन्सान हमारा तरफ से धन्यवाद करणु.

~~~~~

12 क्युकि हम अपना विवेक की या गवइ पर घमण्ड करस हइ, कि संसार मे अरु खास करी खे तुमारा बीच हमारो चरित्र परमेश्वर का लायक असी पवित्रता अरु सच्ची सहित थो का जो शारीरिक ज्ञान से नी का पर परमेश्वर को अनुग्रह का साथ थो.

13 हम तुम खे अरु कुछ नी लिखे फक्त उ जो तुम पडस या मानता भी हइ, अरु मेखे आस हइ, कि आखरी तक भी मानते न्हिये.

14 जसो तुम मे से खे ताने ने मानी लियो हइ, कि हम तुमारा घमण्ड करस हइ. ओसो तुम भी प्रभु यीशु का दिन हमारा लिये घमण्ड को करण ठैइय्यो.

15 अरु यो जरूरत मी चाहतो थो कि पैयले तुमारा पास आयु. कि तुम खे एक अरु दान मील्ये.

16 अरु तुमारा पास से हुइ, मकिदुनी खे जायु, अरु मकिदुनी से तुमारा पास आयु अरु तुम मेखे यहूदीया का तरफ कुछ दूर तक पहुच्यु.

17 येका लिये मेने जो या इच्छा करी थी तेका मेने चंचलता दिखै? यो जो करणो चाहस हइ, आंग का जसो करणो चाहस हइ, कि बात मे हाक “हा” भी कर्यु. अरु “नी भी नी” कर्यु?

18 परमेश्वर विश्वास लायक हइ, कि हमारो उ वचन मेने जो तुम से बोल्यो “हा” अरु “नी” दोइ मीली “नी जाये.”

19 क्युकि परमेश्वर को बेटो यीशु मसीह जेको हमारा वजेसे मंनज्हे मरो अरु सिलवानुस अरु ती तीमुथियुस का वजेसे तुमारा बीच मे प्रचार हुयो. ओमे “हा” अरु “नी” दोइ नी थी. पर का ओमे “हा” ही “हा” हुइ.

20 क्युकि परमेश्वर की जितनी प्रतीज्ञाहोन हइ, वे सब ओ मे “हा” साथ हइ येका लिये ओका वजेसे आमीन भी हुइ, कि हमारा वजेसे परमेश्वर की महिमा हो.

21 अरु जो हमने तुमारा साथ मसीह मे मजबुद करस हइ, अरु जे ने हमखे अभिषेक कर्यो उ परमेश्वर हइ.

22 जे ने हम पर नीशान भी करी दी हइ अरु बयान मे आत्मा खे हमारा मनहोन मे दियो.

23 मी परमेश्वर का मन से गवाह करस हइ, कि मी अब तक कुरिन्थुस मे येका लिये नी आयो, कि मेखे तुम पर तरस आती थी.

24 यो नी कि हम विश्वास का बारे मे तुम पर प्रभुता जतानो चाहस हइ. पर तुमारी खुशी मे सहायक हइ क्युकि तुम विश्वास ही से स्थिर न्हैस हइ.

2

~~~~~

1 मेने अपना मन मे यो ठानी लियो थो कि फिर तुमारा पास उदास हुइ खे नी आयु.

2 क्युकि अगर मी तुम खे उदास कर्यु, ते मेखे खुशी देन आलो कोन हुये खे फक्त उ जेखे मेने उदास कर्यो?

3 अरु मेने याही बात तुम खे येका लिये लिखी, कि कहीं असो नी हुये खे कि मरो आना पर जेने मेखे खुशी मीलन हुनु, मी उनसे उदास होयु. क्युकि मेखे तुम सब पर या बात को भरोसो हइ, कि जो मरी खुशी हइ, उ तुम सब को भी हइ.

4 बडो दुख, अरु मन, तरास से, मेने भोत सा आसू बोहे बोहेय, तुम, लिख्यो थो येका लिये नी कि तुम उदास हइ, पर येका लिये कि तुम उ बडो प्रेम जानी ले, जो मेखे तुम से हइ.

~~~~~

5 अरु अगर कोय ने उदास कर्यो हइ, ते मेखे ही नी क्युकी कि ओका साथ भोत कठीन नी कर्यु कुछ-कुछ तुम सब खे भी उदास कर्यो हइ. *

6 असा जन का लिये यो दण्ड जो भैइहोन अरु बहीन मे से भोतजन ने दियो, भोत हइ

7 येका लिये येका से यो भलो हइ कि ओको अपराध माफ करणु. अरु शांती दे, नी हो कि असो इन्सान उदासी मे डूबी जाये.

8 यो करण मी तुम से बिनती करुस हइ, कि अरु ओखे अपनो प्रेम को प्रमाण दे.

9 क्युकि मेने येका लिये भी लिख्यो थो, कि तुमखे समजी लियु, कि तुम सब बातहोन खे मानन का लिये तैयार हइ, कि नी.

10 जेखे तुम कुछ माफ करस हइ ओखे मी भी माफ करुस हइ, क्युकि मेने भी जो कुछ माफ कर्यो हइ, अगर कर्यो हइ, ते तुमारा करण मसीह की जगा मे हइ, माफ कर्यो हइ.

11 कि सैतान, हम पर दाव नी चल्ये का क्युकि हम ओकी चालहोन से अनजान नी.

~~~~~

12 अरु जब मी मसीह को सुसमाचार खे सुनान खे त्रोआस मे आयो, अरु प्रभु ने मरा लिये एक दरवाजो खोल दियो.

13 ते मरा मन मे चैन नी मील्यो, येका लिये कि मेने अपना भैइ अरु बहीन तीतुस ने आत्मीक नी पायो. येका लिये उनसे बिदा हइ, मी मकिदुनी खे चली गयो.

~~~~~

14 पर परमेश्वर को धन्यवाद हुये, जो मसीह मे सदा हम खे जय खे तिवार मे लिखे फिरस हइ, अरु अपनो ज्ञान कि बास हमारा वजेसे हर जगा फैलस हइ.

15 क्युकि हम परमेश्वर का पास उध्दारपान आलो, अरु खत्म होन आला खे दोइ खे लिये मसीह की सुगन्ध हइ.

16 केत्ता का लिये तो मरन का नीमीत मरना की गंध, अरु केत्ता का लिये जिवन को नीमीत जिवन की गंध, अरु या बातहोन का लायक कोन हइ?

17 क्युकि हम उन भोत होन का जसा नी, जो परमेश्वर को वचन मे मीलावट करस हइ. पर मन की सच्चाइ से, अरु परमेश्वर का तरफ से परमेश्वर को उपस्थित जानीखे मसीह मे बोलस हइ.

3

~~~~~

1 का हम फिर अपनी बडाइ करण लग्या? या हमखे खे त्ता का जसा सिफारिश की चिट्ठीहोन तुमारा पास लानो या तुम से लेनो हइ?

2 हमारी चिट्ठी तुम ही हइ, जो हमारा दिलहोन पर लिखी हुइ हइ, अरु ओखे सब इन्सान पैछानस अरु पडस हइ.

3 यो प्रगट हइ, कि तुम मसीह की चिट्ठी हइ, जेखे हमने सेवकहोन का जसा लिख्यो. अरु जो सय से नी, पर जिन्दो परमेश्वर का आत्मा से पत्थर की पाटिहोन पर नी, पर दिल की गोस रुप पाटलीहोन पर लिखी हइ. ✱

4 हम मसीह का वजेसे परमेश्वर पर असो ही भरोसो रखस हइ.

5 यो नी कि हम अपना आप से यो लायक हइ, कि अपना तरफ से कोय बात को विचार करी सक्ये. पर हमारी लायक परमेश्वर का तरफ से हइ.

6 जे ने हमखे नवा करार को सेवक होन का लायक भी कय्यो, वाचा का सेवक नी क्युकी आत्मा का. क्युकि अवाज मारस हइ, पर आत्मा जिन्दो हइ. ✱

7 अरु सेवा अगर मरन की नवो करार जेको अक्षर पत्थरहोन पर खोद्या गयो थो, ह्या तक तेजमय हइ, कि मूसा का मुडा पर को तेज का कारण जो घटतो भी जातो थो, इस्राएल ओका मुडा पर नजर नी मारी सकतो थो.

8 ते आत्मा को सेवा करार अरु भी तेजमय क्यु नी हुये?

9 क्युकि जब इलजाम टैरान आलो सेवा करार तेजमय थी, ते न्याय टैरान आलो सेवा करार अरु भी तेजमय क्यु नी हुये?

10 अरु जो तेजमय थो, उ भी उ तेज का कारण जो ओकासे बडिखे तेजमय थो, कुछ तेजमय नी टैर्यो.

11 क्युकि जब उ जो घटतो जातो थो तेजमय थो, ते उ जो स्थिर न्हिये, अरु भी तेजमय क्यु नी हुये?

12 येकालिये असी आस रखीखे हम हिम्मत का साथ बोलस हइ.

13 अरु मूसा का जसा नी, जे ने अपना मुडा पर पडदो डाल्यो थो ताकि इस्राएली वे कमकरन आला तेज का अन्त खे नी देखनु. ✱

14 पर वे बुद्धीहीन हुय गया, क्युकि आज तक पुराना नीयम खे पडता टेम उनका मनहोन पर उही पडदो पडि न्हो हइ. पर वे मसीह मे उठी जास हइ.

15 अरु आज तक जब कभी मूसा की किताब पडि जास हइ, ते उनका मन पर पडदो पड्यो न्हैस हइ.

16 पर जब कभी उनको मन प्रभु का तरफ फिर्यो, तब उ पडदो उठी जाये पन पडदा नीकाली सकता "जैसा कि पवित्र शात्र मूसाखे बारे मे बोलस है" जब प्रभू पडदा. ✱

17 प्रभु तो आत्मा हइ अरु जहा खय प्रभु कि आत्मा हइ वहा स्वतंत्र हइ.

18 पर जब हम सब खे उघडा चेहरा से प्रभु को प्रताप यो रंग प्रगट होस हइ, जो रंग को दिखाना मे, ते प्रभु का वजेसे जो आत्मा हइ, हम उय तेजस्वी रुप मे थोडा थोडा करी खे बदलता जास हइ.

## 4

~~~~~

1 येका लिये जब हम पर असी दया हइ कि हमखे या सेवा मीली, ते हम हिम्मत नी छोड्ये.

2 पर हमने लाजन खे गुप्त काम होन खे छोडी दियो, अरु नी हुशारी से चलता, अरु नी परमेश्वर, सामने हर एक को विवेक मे अपनी भलइ बटाडस हइ.

3 पर अगर हमारा सुसमाचार पर पडदो पड्यो हइ, ते यो खत्म होनआला ही का लिये पड्यो हइ.

4 अरु वे अविश्वासीहोन का लियेका जेकी बुद्धि यो जगत को परमेश्वर ने अंधी करी दी हइ, ताकि मसीह जो परमेश्वर को रुप हइ, ओका तेजमय सुसमाचार को उजालो उनका पर नी चमक्ये.

5 क्युकि हम अपना खे नी, पर मसीह यीशु को प्रचार करस हइ, कि उ प्रभु हइ. अरु ओका बारे मे यो बोलस हइ, कि हम यीशु का करण तुमारा सेवक हइ.

6 येका लिये कि परमेश्वर ही हइ, जे ने बोल्यो, “अंधारा मे उजालो चमक्ये,” अरु उ हमारा मनहोन मे चमक्यो कि परमेश्वर कि महिमा को पैछान को उजालो यीशु मसीह, मुडा से उजालो हो.*

7 पर हमारा पास यो धन मट्टी को बर्तनहोन मे रख्यो हइ, कि यो भोत सामर्थ्य हमारा तरफ से नी क्युकी परमेश्वर ही का तरफ से ठेयों.

8 हम चारी तरफ से दुख से भागस हइ, पर भागस हइ, पर संकट मे नी पड़े. घबरास ते हइ, लेकिन नीराश नी होय.

9 सताया तो जास हइ. पर त्याग्या नी जाय. गिराया तो जास हइ, पर खत्म नी होय.

10 हम यीशु को मरना खे अपना आंग मे हर टेम लिया फिरस हइ. कि यीशु को जिवन भी हमारा आंग मे प्रगट हो.

11 क्युकि हम जीन्दा हइ सर्वदा यीशु करण मरनहार का हात मे दियो जास हइ कि यीशु को जिवन भी हमारो मरनआलो आंग मे प्रगट हुइ जाये.

12 येको मतलब हइ कि मौत हमारा काम मे हइ, लेकिन जिवन तुमारा काम मे हइ.

13 अरु येका लिये कि हम मे उ विश्वास की आत्मा हइ, “शास्त्र बोलस हइ, कि मेने विश्वास कर्यो कि येका लिये मी बोल्यो” आखरी हम भी विश्वास करस हइ, येका लिये बोलस हइ.*

14 क्युकि हम जानस हइ, जे ने प्रभु यी खे जिन्दो, उ हमखे भी यीशु मे हिस्सेदार जानीखे जिन्दो, अरु तुमारा साथ अपना सामने हजर कर्ये.

15 क्युकि सब चिजहोन तुमारा लिये हइ, ताकि अनुग्रह भोतजन का वजेसे जादा हुइ, परमेश्वर की महिमा का लिये धन्यवाद भी बडानु.

~~~~~

16 येका लिये हम हिम्मत नी छोडये. अगर हमारो बाहेर कि इन्सानीयत खत्म भी हूइ जास हइ, ते भी हमारा अंदरुनी इन्सानीयत दिन हर दिन नवो होतो जास हइ.

17 क्युकि हमारो पल भर को हलको सो दुख हमारा लिये भोत ही महत्वपूर्ण अरु अनन्त महिमा पढदा करतो जास हइ.

18 अरु हम तो देखी हुइ चिजहोन खे नी पर अनदेखी चिजहोन खे देखते ज्ञेस हइ, क्युकि देखी हुइ चिजहोन थोडा ही दिन की हइ, पर अनदेखी चिजहोन खे हरदिन बनी ज्ञेस हइ.

## 5

~~~~~

1 क्युकि हम जानस हइ, कि जब हमारो धरती पर को डेरा जसो घर गिरायो जाये ते हमखे परमेश्वर का तरफ से स्वर्ग पर एक असी मन्दिर मीलीखे जो हाथहोन से बन्यो हुयो घर नी पर स्वर्ग हइ.*

2 येमे तो हम कनारस, अरु बडि लालुच रखस हइ. कि अपनो स्वर्गीय घर खे पेनी लें.

3 कि येखे पेनना से हम बीना कपडा नी देख्ये जाये.

4 अरु हम यो डेरा मे ज्ञेता हुया बोझ से दब्या कराहते ज्ञेस हइ. क्युकि हम उतारनो नी पर अरु पहननो चाहस हइ, जबकी उ जो मरनहार हइ जिवन मे डूबी जाये.

5 अरु जे ने हमखे या बात का लिये तैयार कर्यो हइ उ परमेश्वर हइ, जे ने हमखे बिसार मे आत्मा भी दि हइ.

6 येकालिये हम हमेशा हिम्मत बाध्या ज्ञेस हइ अरु यो जानस हइ. कि जब तक हम आंग मे ज्ञेस हइ, तब तक प्रभु से अलग हइ.

7 क्युकि हम रुप खे देखीखे नी, पर विश्वास से चलस हइ.

8 येकालिये हम हिम्मत बांध्या न्हैस हइ, अरु आंग से अलग हुइखे प्रभु का साथ न्हैनो अरु भी अच्छो समझस हइ.

9 यो कारण हमारा मन की उमंग या हइ, कि चाह्ये साथ न्हिये, चाह्ये अलग न्हिये पर हम ओखे याद करता न्हिये.

10 क्युकि जरुरती हइ, कि हम सब को हाल मसीह को फैसला जगा का सामने खुली जाये, कि हर एक इन्सान अपना-अपना भला लिये मसीह का न्याय का सामने जरुर हजार बुरा कामहोन को बदला जो ओने आंग का वजेसे कर्यो हइ मील्यो.

~~~~~

11 येकालिये प्रभु खे डर मानीखे हम इन्साहोन खे समझास हइ अरु परमेश्वर पर हमारो हाल प्रगट हइ. अरु मरी आस या हइ, कि तुमारा विवेक पर भी प्रगट हुयो हुये.

12 हम फिर भी अपनी बडाइ तुमारा सामने नी कन्है पर हम अपना बारे मे तुमखे घमण्ड करण को अवसर देस हइ, कि तुम उनखे जवाब दि सक्ये, जो मन पर नी, पर दिखावट बातहोन पर घमण्ड करस हइ.

13 अगर हम बेसुध हइ, ते परमेश्वर का लिये. अरु अगर कोमल हइ, ते तुमारा लिये हइ.

14 क्युकि मसीह को प्रेम हमखे मजबुर करी देस हइ. येकालिये कि हम यो समझस हइ, कि जब एक सब का लिये मर्यो ते सब मरी गया.

15 अरु उ या बारे मे सब खे लिये मर्यो, कि जो जिन्दो हइ, वे आगे को अपना लिये नी जीये पर ओका लिये जो उनका लिये मर्यो अरु फिर जी उठ्यो

16 यो कारण अब से हम कोय को आंग का अनुसार नी समझ्ये का अरु अगर हमने मसीह का भी आंग का अनुसार जान्यो थो, ते भी अब से ओखे असो नी जान्ये.

17 येकालिये अगर कोय मसीह मे हइ ते उ नइ दुन्या हइ पुरानी बातहोन बीती गइ हइ. देखनु कि वे सब नवी हुइ गइ.

18 अरु सब बातहोन परमेश्वर का तरफ से हइ, जे ने मसीह का वजेसे अपना साथ हमारो मेल मीलाप करी लियो का अरु मेल मीलाप की सेवा हमखे दि दी हइ.

19 अगर परमेश्वर ने मसीह मे हुइखे अपना साथ संसार को मेल मीलाप करी लियो, अरु उनका अपराधहोन खे इलजाम उन पर नी लगायो अरु ओने मेल मीलाप को वचन हमखे दि दियो हइ.

20 येकालिये हम मसीह का राजदूत हइ. अरु मान्नु परमेश्वर हमारा वजेसे समझास हइ हम मसीह का तरफ से नीवेदीन करस हइ, कि परमेश्वर का साथ मेल मीलाप करी ले.

21 जो पाप से अनजान था, ओखे ओने हमारा लिये पाप ठैइरायो कि हम ओमे हुइखे परमेश्वर की धर्मीकता बनी जाये.

## 6

1 हम जो परमेश्वर कामआला हइ यो भी समझस हइ, अरु परमेश्वर को अनुग्रह जो तुम पर हुयो का बेकार नी न्हैन दे.

2 क्युकि उ तो बोलस हइ,

“अपनी प्रसन्नता का टेम मेने तरी सुनी ली, अरु उध्दार का

दिन मेने तरी मदत् करी.”

देखनु, अभी प्रसन्नता को टेम हइ.

देखनु, अभी उध्दारको दिन हइ.✧

3 हम कोय बात मे ठोकर खान खे कोय भी अवसर नी दे, कि हमारी सेवा पर कोय इलजाम नी आह्ये.

4 पर हर बात मे परमेश्वर को सेवकहोन का जसा अपना सदगुनहोन खे प्रगट करस हइ, बडो हिम्मत से, दुखहोन से, दरिद्रता से, संकटहोन से,

5 कोडा खाना से, बन्दीगृह होना से, जादा से, मेनत से, जागता न्हेन से, उपास करणा से.

6 नीष्कपट से, ज्ञान से, धीरज से, कृपालुता से, पवित्र आत्मा से.

7 सच्चा प्रेम से, सच्ची को वचन से, परमेश्वर को सामर्थ्य से. धार्मीकता का हथियारहोन से जो जवनो, डाखोर्यो हइ,

8 सम्मान अरु अपमान से, दुर्नाम अरु सुनाम से, अगर भरमानआला, असा मालूम होस हइ ते भी सच्ची हइ.

9 अनजानहोन को सदृश्य हइ. ते भी प्रसिद्ध हइ. मरता हुआ, असा हइ अरु देखनु जिन्दो हइ. मार खानआला का सदृश हइ पर जान से मार्या नी जाय.

10 दुख करणआला, जसा हइ, पर सर्वदा आनन्द करस हइ, कंगालहोन खे असा हइ, पर भोतजन खे धनवान बनैइ देस हइ. असा हइ जसा हमारा पास कुछ नी फिर भी सब कुछ रखस हइ.

11 हे कुरिन्थिवासी हमने खुली खे तुम से बातहोन करी हइ, हमारो दिल तुमारा तरफ खुल्यो हुयो हइ.

12 तुमारा लिये हमारा मन मे कुछ संका नी, पर तुमारा ही मनहोन मे संका हइ

13 पर अपना बच्चाहोन जानीखे तुम से बोलुस हइ, कि तुम भी ओका बदला मे अपनो दिल खोली दे.

~~~~~

14 अविश्वासीहोन नी रखनआला का साथ असमान जुवाडो मे नी जोतनु क्युकि धार्मीकता अरु अधर्म को का मेल जेल? या उजालो अरु अंधारा की का संगत?

15 अरु मसीह को बलिघाल का साथ का लगाव? अरु विश्वासी का साथ अविश्वासी नी रखनआला को कोनतो नातो?

16 अरु मूर्ती का साथ परमेश्वर कि मन्दिर को नातो? क्युकि हम तो जीन्दो परमेश्वर कि मन्दिर हइ.

जसो परमेश्वर ने बोल्यो हइ

“मी उनमे बस्यु अरु उनमे चल्यो फिर्या कर्यु.

अरु मी उन को परमेश्वर हूयु,

अरु वे मरा दुन्या हुये.”*

17 येका लिये प्रभु बोलस हइ,

उनका बीच मे से नीकलनु

अरु अलग न्हेनु.

अरु अशुध्द चिज खे मत छिनु,

ते मी तुमखे ग्रहण कर्यु.

18 अरु तुमारो बाप हूयु,

अरु तुम मरा बेटा अरु बेटीहोन हुये.

सेनाधिप* परमेश्वर असो बोलस हइ.*

7

1 येका लिये प्रियजन जब कि या प्रतीज्ञाहोन हमखे मीली हइ, ते आनु, हम अपना खुद को आंग अरु आत्मा खे सब मलिनता से अच्छो कर्येका अरु परमेश्वर को डर रखते हुये पवित्रता, सिद्ध कर्ये.

~~~~~

2 हमखे अपना दिल मे जगा दे हमने नी कोय से अन्याय कर्यो, नी कोय को बिगाडचो, अरु नी कोय खे टग्यो.

3 मी तुमखे दोषी ठैरान का लिये यो नी बोलु क्युकि मी पैयले ही बोली चूक्यो हइ, कि तुम हमारा दिल मे असा बसी गया हइ कि हम तुमारा साथ मरी जीन का लिये तैयार हइ.

\* 6:16 लेवी 26:12; 1 कुरिन्थिहोन 3:16

\* 6:18 सेनाधिप परमेश्वर असो बोलस हइ.

\* 6:18 2 शमुवेल 7:14



4 मी तुम से भोत हिम्मत का साथ बोली न्हो हइ मेखे तुम पर बडो घमण्ड हइ मी शांती से भरी गयो हइ. अपनो पुरा दुख मे मी खुशी से खुब पुरो न्हैस हइ.

5 क्योकि जब हम मकिदुनी मे आया तब भी हमारा आंग खे चैन नी मील्यो पन हम खे चारी तरफ से दुख मीलतो थो. बाहेर वाद विवाद थो, अंदर डर कि बात थी.

6 ते भी दिनहोन खे शांती देनआला परमेश्वर ने तीतुस का आना से हम खे धीरज दियो.

7 अरु नी फक्तओका आना से पर ओकी वा शांती से भी, जो ओखे तुमारा तरफ से मीली थी. अरु ओने तुमारी मेखे मीलन कि इच्छा अरु डाखोर्या तुमारा दुख अरु मरा लिये तुमारा धुन को समाचार हमखे सुनायो, जेका से मेखे अरु भी खुशी हइ.

8 क्युकि अगर मेने अपनी चिट्ठी से तुमखे दुख दियो, पर ओका से पछतातो नी जसो कि पैयले पछतातो थो क्युकि मी देखुस हइ, कि ओका चिट्ठी से तुमखे शोक तो हुयो पर उ थोडी का लिये थो.

9 अब मी खुशी करुस हइ पर येका लिये नी कि तुमखे दुख पहुच्यो क्युकी येका लिये कि तुम ने ओका दुख करण मन फिराव, क्युकि तुमारो दुख परमेश्वर कि इच्छा का जसो थो, कि हमारा तरफ से तुमखे कोय बात मे नुकसान नी पहुचनु.

10 क्युकि परमेश्वर ने लायो हुयो दुख असो पश्चाताप पइदा करस हइ. जेको परिणाम उध्दार हइ अरु फिर ओकासे पछतानु नी पडे पर संसारीक दुख मरन पइदा करस हइ.

11 आखरी देखनु, या बात से कि तुमखे परमेश्वर का तरफ से आयो हुयो दुख. तुम मे केतो उत्सुकता की इच्छाखे अन्याय को डर अरु घुस्सा का आस्था अरु शिक्षा लेन को विचार पइदा हुयो? तुम ने सब प्रकार से यो सिद्ध करी खे दिखायो कि तुम या बात मे नीदोष होनु.

12 फिर मेने जो तुमारा पास लिख्यो थो, उ नी ते ओका कारण लिख्यो का जे ने अन्याय कय्यो, अरु नी ओका कारण जेका पर अन्याय कय्यो गयो, पर येका लिये कि तुमारी उमुक्ता जो हमारा लिये हइ, उ परमेश्वर का सामने तुम पर प्रगट हइ जाये.

13 येका लिये हमखे मदत मीली. अरु हमारी या मदत का साथ तीतुस का खुशीकरण अरु भी खुशी हइ क्युकि ओको जी तुम सब का कारण हरो भरो हुय गयो हइ.

14 क्युकि अगर मेने ओका सामने तुमारा बारे मे कुछ घमण्ड दिखायो, ते लज्जित नी हुयो, पर जसो हमने तुम से सब बातहोन सच्ची-सच्ची बोली दी थीं, ओसो ही हमारो घमण्ड दिखानु तीतुस का सामने भी सच नीकल्यो.

15 जब ओखे तुम सब का आज्ञाकारी होना को याद आस हइ, कि कसा तुम ने डरते अरु कापते हुये ओकासे मीलन कय्यो. ते ओको प्रेम तुमारा तरफ अरु भी बडतो जास हइ.

16 मी करुस हइ, कि तुमारा तरफ से मेखे हर बात मे भरोसो होस हइ कि मी खुश हइ.

## 8

~~~~~

1 अब हे भैइहोन, हम तुम, परमेश्वर को उ अनुग्रह को समाचार देस हइ, जो मकिदुनी की मंडलीहोन पर हुयो हइ.

2 कि दुख की बडी परीक्षा मे उनकी बडी खुशी अरु भारी कंगालपन, बडी जाना से उनकी उदारता भोत बडी गइ.

3 अरु उनका बारे मे मरी या गवइ हइ, कि उनने अपनो सामर्थ्य भर क्युकी सामर्थ्य से भी बाहेर मन से दियो.

4 अरु या दान मे अरु पवित्र इन्सानहोन की सेवा मे हिस्सेदार होन को अनुग्रह, बारे मे हम से बार-बार भोत बिनती करी.

5 अरु जसी हमने आस करी थी, ओसी नी हइ, क्युकी उनने पैयले प्रभु खे, फिर परमेश्वर, इच्छा से हम, भी अपना आप, दि दियो.

6 येका लिये हमने तीतुस, समझायो, कि जसो ओने पैयले सुरवात कर्यो थो, अरु ओसो ही तुमारा बीच मे यो दान को काम , पूरो भी करी ले.

7 पर जसो हर बात मे मंनजे विश्वास, वचन, ज्ञान अरु सब प्रकार को कोशीस मे, अरु उ प्रेम मे, जो हम से रखस हइ, बडते जास हइ, ओसो ही यो दान काम मे भी बडते जानु.

8 मी आज्ञा कि रीति पर तो नी का पर दुसरा को उत्साह से तुमारो प्रेम की सच्ची खे समज्हे, लिये बोलुस हइ.

9 तुम हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह जानस हइ, कि उ धनी हइ, भी तुमारा लिये कंगाल बनी गयो ताकि ओका कंगाल हइ जाना से तुम धनी हइ जानु.

10 अरु या बात मे मरो बिचार योही हइ यो तुमारा लिये अच्छो हइ. जो एक साल से नी ते फक्त या काम , करणा ही मे, पर या बात, चाहना मे भी पैयला हुया था.

11 येका लिये अब यो काम पुरो करणु. कि जो प्रकार इच्छा करणा मे तुम तैयार था, असो ही अपनी-अपनी पुंजी, जसो पूरो भी करणु.

12 क्युकि अगर मन कि तैयारी हुये ते दान ओका जसो ग्रहन भी होस हइ जो ओका पास हइ नी की ओका जसो जो ओका पास नी.

13 मी तुम्हारा पर बोझ डालीखे दुसरा जन खे राहत देन की कोशिश नी करी न्हो हइ. लेकिन अगर यो टेम तुमारा पास भोत कुछ हइ, येका लिये यो अच्छो हइ कि तुम जरूरतमंदहोन की मदद करणु का फिर का जब तुमखे जरूरत हुये अरु उनका पास भोत कुछ हुये खे ते वे तुम्हारी मदत करैका यो तरहा दोइ का साथ समान व्यवहार कर्यो जास हइ.

14 पर बराबरी को बिचार से यो टेम तुमारी बडती उनकी घटी मे काम आये, ताकि उनकी बडती भी तुमारी घटी मे काम आये कि बराबरी हइ जाये.

15 जसो लिख्यो हइ, “जेने भोत समट्यो ओको कुछ जादा नी नीकल्यो अरु जे ने थोडो समट्यो ओको कुछ कम नी नीकल्यो.”*

~~~~~

16 परमेश्वर को धन्यवाद हुये, जेने तुमारा लिये उ उत्साह तीतुस, दिल मे डाल दियो हइ.

17 कि ओने हमारो समझानो मानी लियो क्युकी भोत उत्साही हइ, उ अपनी इच्छा से तुमारा पास गया हइ.

18 अरु हमने ओका साथ उ भैइ, भेज्यो हइ जे, नाम सुसमाचार, बारे मे सब मंडली मे फैल्यो हुयो हइ.

19 अरु येतनो ही नी, पर उ मंडली, वजेसे ढैइरायो भी गयो कि यो दान काम , लिये हमारा साथ जानु अरु हम या सेवा येका लिये करस हइ, कि प्रभु की महिमा अरु हमारा मन की तैयारी प्रगट हइ जाये.

20 हम या बात मे सावधान न्हैस हइ, कि यो उदारता काम , बारे मे जेकी सेवा हम करस हइ, कोय हम पर इलजाम लागान को अवसर नी पाये.

21 क्युकि जो बातहोन फक्त प्रभु ही, पास नी, पर इन्सानहोन, पास भी भली हइ हम उनकी चिन्ता करस हइ.

22 अरु हमने उनका साथ अपना भैइ, भेज्यो हइ, जेखे हमने बार-बार परखी, भोत बातहोन मे खुशी पायो हइ. पर अब तुम पर ओको बडो भरोसो हइ, यो करण उ अरु भी जादा खुशी हइ.

23 अगर कोय तीतुस, बारे मे पूछयेका ते उ मरो साथी, अरु तुमारा लिये मरो एक सात अरु सहकर्मी हइ, अरु अगर हमारा भैइहोन, बारे मे पूछयेका ते वे मंडलीहोन, भेज्या हुया अरु मसीह की महिमा हइ.

24 आखरी अपनो प्रेम अरु हमारो उ घमण्ड जो तुमारा बारे मे हइ मंडलीहोन, सामने उनका सिद्ध करी, दिखानु.

9

~~~~~

- 1 अब उ सेवा, बारे मे जो पवित्र इन्सानहोन, लिये करी जास हइ, मेखे तुम, लिखनो जरुरती नी.
- 2 क्युकि मी तुमारा मन की तैयारी, जानुस हइ, जेकरण मी तुमारा बारे मे मकिदुनी, सामने घमण्ड दिखस हइ, कि अखाया, इन्सान एक साल से तैयार हुया हइ, अरु तुमारा उत्साह ने अरु भोतजन, भी उभाय्यो हइ.
- 3 पर मेने भैइहोन, येका लिये भेज्यो हइ, कि हमने जो घमण्ड तुमारा बारे मे दिखायो, उ या बात मे बे,र नी ठैइय्यो. पर जसो मेने बोल्यो. ओसो ही तुम तैयार हइ न्हा.
- 4 असो नी हो, कि अगर कोय मकिदुनी मरा साथ अउ का अरु तुम, तैयार नी मील्ये का ते, जान्येका यो भरोसा करण हम यो नी बोल्ये कि तुम फजितमे हइ.
- 5 येका लिये मेने भैइहोन से या बिनती करणो जरुरती समझ्यो कि वे पैयले से तुमारा पास जायेका अरु तुमारी उदारता को फल जे, बारे मे पैयले से वचन दियो गयो थो, तैयार करी, रखनु, कि यो दबाव से नी पर उदारता को फल, जसो तैयार हो.
- 6 पर बात तो या हइ, कि जो थोडो बोस हइ उ थोडो काटचे भी. अरु जो भोत बोस हइ, उ भोत काटचे.
- 7 हर एक जन जसो मन मे ठान्ये ओसो ही दान करणु. दुखी मन का अरु नी दबाव से, क्युकि परमेश्वर खे खुशी से देनआला से प्रेम रखस हइ.
- 8 परमेश्वर सब प्रकार को अनुग्रह तुम का अच्छा से दि सकस हइ जे,से हर बात मे अरु हर टेम, सब कुछ, जो तुम, जरुरती हइ, तुमारा पास न्हियेका अरु हर एक भला काम, लिये तुमारा पास भोत कुछ हइ.
- 9 जसो लिख्यो हइ,  
“ओने विखर्या, ओने गरीबहोन, दान दियो,  
ओकी धार्मीकता हमेशा बनी न्हिये.” ✧
- 10 अरु जो बोनआला, बीज, अरु खान, लिये रोटी देस हइ उ तुम, बीज दियेका अरु ओखे फलवन्त कर्ये. अरु तुमारा धार्मीकता को फल होन, बडाये. ✧
- 11 तुम हर बात मे सब रंग की उदारता, लिये जो हमारा वजेसे परमेश्वर, धन्यवाद करवास हइ, धनवान कर्या जानु.
- 12 क्युकि या सेवा, पूरो करण से, नी फक्त पवित्र इन्सान की घटीहोन पूरी होस हइ, पर इन्सानहोन, तरफ से परमेश्वर, भोत धन्यवाद होस हइ.
- 13 तुमारी या सेवा तुमारा मसीह पन की असलीयत को सबुत हइ यो सेव,उकरण मसीह, सुसमाचार जो तुम बडी नीष्टा से सुना ते हो अरु यहूदा प्रांतका यो को, अरु अवरो को दान दिखे जो उदारता तुमने दिखाइ उस, लियेका भोत लोग परमेश्वर की महिमा करीये.
- 14 अरु वे तुमारा लिये प्रार्थना करस हइ. अरु येका लिये कि तुम पर परमेश्वर को बडो ही अनुग्रह हइ, तुमारी लालुच करता न्हैस हइ.
- 15 परमेश्वर, ओका उ दान, लिये जो वर्णन से बाहेर हइ, धन्यवाद हो.

## 10

~~~~~

- 1 मी उ पौलुस जो तुमारा सामने अच्छो हइ, पर पीच्छा पीछे तुमारा तरफ हिम्मत करुस हइ. तुम खे मसीह की नम्रता, अरु कोमलता का करण समझुस हइ.
- 2 मी या प्रार्थना करुस हइ, कि तुमारा सामने मेझे कडक होन कि हिम्मत करणु नी पडे. जसो मी केत्ता पर जो हम, आंग, जसो चलनआला समझस हइ, वीरता दिखान को विचार करुस हइ.

3 क्युकि अगर हम आंग मे चलस फिरस हइ, ते भी अंगार का जसो नी लइ

4 क्युकि हमारी लडैइ, हथियार शारीरिक नी, पर गइ खे ढाक देन का लिये परमेश्वर का वजेसे सामर्थी हइ.

5 हम कल्पनाहोन खे, अरु हर एक उची बात खण्डन जो परमेश्वर की पैछान का खीलाप मे उठस हइ. हर एक भावना खे कैद करी मसीह कि आज्ञा करी बनैइ देस हइ.

6 अरु तैयार न्हेस हइ कि जब तुमारी आज्ञा माननो पूरी हुइ जायेका ते हर एक प्रकार की आज्ञा नी मानन को दंड मीले हे.

7 तुम या बातहोन खे देखस हइ, जो आखहोन का सामने हइ, अगर कोय को अपना पर यो भरोसो हइ, कि मी मसीह को हइ, ते यो भी जानी ले कि जसो उ मसीह को हइ, ओसो ही हम भी हइ.

8 क्युकि अगर मी उ अधिकार का बारे मे अरु भी घमण्ड दिखायु, जो प्रभु ने तुमारो बिगाडन का लिये नी पर उन्नती का लिये हम, दियो हइ, ते लजानको नी.

9 यो मी येका लिये बोलुस हइ, कि चिट्ठीहोन, का वजेसे तुम डरानआला नी ठैरायु.

10 क्युकि वे बोलस हइ, “ओकी चिट्ठीहोन ते गम्भीर अरु प्रभाकुलाली हइ. पर जब देखस हइ, ते बोलस हइ उ आंग को नीबल अरु वक्तव्य मे हलको जानी पडस हइ.”

11 येका लिये जो असो बोलस हइ, कि उ यो समझ रख्येका कि जसो पीछे चिट्ठीहोन मे हमारो वचन हइ, ओसो ही तुमारा सामने हमारा काम भी हुये.

12 क्युकि हम या हिम्मत नी कहे कि हम अपना आप खे उनका साथ गिन्या या उनसे अपना खे मील्यो का जो अपनी बडचैइ करस हइ, अरु अपना आप खे नाप तोलिका खुद को न्याय करस हइ.

13 हम तो हद से बाहेर घमण्ड कभी नी कर्येका पर वाइ हद तक जो परमेश्वर ने हमारा लिये ठैइयो दी हइ, अरु ओमे तुम भी अय गए हइ अरु ओका जसो घमण्ड भी कर्ये.

14 क्युकि हम अपनी हद से बाहेर अपना आप, बडानो नी चाह्यो का जसो कि तुम तक नी पहुचन की दशा मे होतो, क्युकी मसीह को सुसमाचार सुनाता हुये तुम तक पहुची गा हइ.

15 अरु हम हद से बाहेर दुसरा की मेहनत पर घमण्ड नी कर्ये. पर हम, आस हइ, कि जो-जो तुमारी आस बडतो जाह्ये त्यो-त्यो हम अपनी हद जसो तुमारा करण अरु भी बडता जाह्ये.

16 कि हम तुमारी हद से आगे बडी, सुसमाचार सुनायो का अरु यो नी, कि हम दुसरा की हद, अंदर बन्या बनाया काम होन पर घमण्ड कर्ये.

17 पन जसो शास्त्र मे लीखो हइ, जेखे घमण्ड करणो हइ, उ प्रभु को काम पर घमण्ड करीये. ✱

18 क्युकि जो अपनी बडचैइ करस हइ, उ नी, पर जेकी बडचैइ प्रभु करस हइ, उ ग्रहण कर्यो जास हइ.

11

~~~~~

1 अगर तुम मरी मूर्खपण सैइ लेस ते का यो भलो होतो. हा मरी सैइ भी लेस हइ.

2 क्युकि मी तुमारा बारे मे परमेश्वर धुन लगैइखे न्हेस हइ, येकालिये कि मेने एक हि इन्सान से तुमारी बात लगैइ हइ, कि तुमखे कुव्वारी का समान मसीह खे सोपी दियु.

3 पर मी डरुस हइ कि जसो साप ने अपनी हुशारी से हवा खे भैइकायो नी जाय, ओसो ही तुमारा मन वाइ अच्छाइ अरु पवित्रता से जो मसीह का साथ होनु कही भ्रष्ट नी कन्या जाये.✱

4 अगर कोय तुमारा पास अय खे, कोय दूसरा यीशु को प्रचार कर्ये, जेको प्रचार हमने नी कर्यो या कोय अरु आत्मा तुमखे मील्ये. जो पैयले नी मील्यो थो. या अरु कोय सुसमाचार जेखे तुम ने पैयले नी मान्यो थो, ते तुम सहता से सुनीलेस हइ.

5 मी तो समझुस हइ, कि मी कोय बात मे बडा से बडो “प्रेरितहोन” से कम नी हइ.

6 अगर मी बोलना मे अनाडि हइ, ते भी ज्ञान मे नी. क्युकी हमने येखे हर बात मे सब पर तुमखे दीखायो हइ.

7 का येमे मेने कुछ पाप कर्यो. कि मेने तुमखे परमेश्वर को सुसमाचार फुकट सुनायो. अरु अपना आप खे नीच्चे कर्यो, कि तुम उचो हुइ जानु?

8 मेने अरु मंडलीहोन खे लुटचो मनजे मेने उनसे मजदूरी ली, ताकि तुमारी सेवा कर्यु.

9 अरु जब तुमारा साथ थो, अरु मेखे कमी हुइ, तो मेने कोय बजन नी डाल्यो, क्युकि भइहोन ने, मकिदुन्या से अय खे मरी कमी खे पूरी करी अरु मेने हर बात मे अपना आप खे तुम पर बजन बनन से रोख्यो, अरु आगे भी रोक्खा तो न्हियु.

10 अगर मसीह की सच्ची मरा मे हइ, ते अखाया देश मे कोय मखे यो घमण्ड से नी रोख्ये.

11 कोका लिये? का येकालिये कि मी तुम से प्रेम नी रखू? परमेश्वर यो जानस हइ.

12 पर जो मी करस हइ, उ करतो न्हियु. कि जो बडो प्रेरित दाव दूढस हइ, उनखे मी दाव पान नी दियु, ताकि जो बात मे वे घमण्ड करस हइ, ओमे वे हमारा ही जसा ठैडर्ये.

13 क्युकि असा इन्सानहोन झूठा प्रेरित, अरु छल से काम करणआला, अरु मसीह का प्रेरितहोन को भेस धरनवाला हइ.

14 अरु यो कुछ अचम्भ की बात नी क्युकि सैतान आप भी तेजस्वी स्वर्गदूत को भेस धारण करस हइ.

15 येकालिये अगर ओका सेवक भी धर्मीकता का सेवकहोन जसा भेस लिये, ते कुछ बडि बात नी, पर उनको अन्त मे उनका कामहोन का अनुसार उनखे फल मील्हे.

~~~~~

16 मी फिर बोलुस हइ, कोय मेखे मूर्ख नी समझ्ये. नी ते मूर्ख ही समझी खे मरी सैइ ले, ताकि थोडो सो मी भी घमण्ड करी सक्यु.

17 यो बेधडक बडइ मे जो कुछ मी बोलुस हइ उ प्रभु की आज्ञा का अनुसार विश्वास नी पर मान्नु मूर्खता से ही बोलुस हइ.

18 जब कि भोट इन्सान जगत का अनुसार घमण्ड करस हइ, ते मी भी घमण्ड कर्यु.

19 तुम तो येतना समझदार हुइखे खुशी से मूर्खहोन की सैइ लेस हइ.

20 क्युकि जब तुमखे कोय सेवक बनैइ लेस हइ या खैइ जास हइ या फसैइ लेस हइ या तुमखे नीचे देखस हइ, अरु तुमारा मुंडा पर थप्पड मारस हइ ते तुम सैइ लेस हइ.

21 असी बात करण लिये, हम डपोक था यो मी शरमशे कबुल करस हइ पन अगर कोइ हिम्मत करस हइ,

मी मूर्खता से बोलुस हइ ते मी भी हिम्मत करस हइ.

22 का वे ही इब्रानी हइ? मी भी हइ, का वे ही इस्त्राएल हइ? मी भी हइ. का वे ही अब्राहम का वंश का हइ मी भी हइ.

23 का वे मसीह का सेवक हइ? मी पागल का जसो बोलुस हइ मी उनसे बडिखे हइ! जादा मेहनत करणा मे. बार-बार बन्दीगूह होना मे. कोडा खाना मे. बार-बार मरन को जोखिमहोन मे.

24 पाच बार मेने यहूदीहोन का हात से उनतालीस कोडा खाया.

25 तीन बार मेने बेंतहोन खाया. एक बार मरा पर पत्थराव कर्या गयो. तीन बार डोंगा जेका पर मी चडचो थो, टूटी गयो. एक रात दिन मेने समुंदर मे काटी.

26 मी बार-बार जवाहोन मे घुमायो अरु. नदिहोन का जोखिम मे. डाकुहोन का जोखिम मे. अपना जातआला का जोखिम मे. गैरयहूदीहोन का जोखिम मे. मी हीयो. उ तरह नगरहोन मे. जंगल का मे. समुंदर मे का अरु झूठा दोस्तहोन से आया मी खतरा मेसे मी गुजच्यो.

27 मेहनत अरु कष्ट मे. बार-बार जागते जेना मे. भूख-प्यास मे. बार-बार उपास करणा मे. थंड मे. बिना गरम कपडा को रियो.

28 अरु दुसरी बातहोन खे छोडी खे जेको वर्णन मी नी करु सब मंडलीहोन की चिन्ता हरदिन मेखे दबास हइ.

29 कोय को कमजोर से मी कमजोर नी हुयो? कोय का पाप मे गिरना से मखे दुख नी हुयो?

30 अगर घमण्ड करणो जरुरती हइ, ते मी अपनी कमजोरी की बातहोन पर घमण्ड कर्युं.

31 प्रभु यीशु को परमेश्वर अरु बाप जो हमेशा धन्य हइ, जानुस हइ, कि मी झूठ नी बोलु.

32 दमीशक मे अरितास राजा का तरफ से जो राज्यपाल थो, ओने मेखे पकडान खे दमीशकहोन का नगर पर परइरो बठाडिखे रख्यो थो.

33 अरु मी शहर टोपली मे बठी खे खिडकी से हूइखे दिवाल पर से उतरी गयो, अरु ओका हात से बची नीकल्यो.

12

1 अगर घमण्ड करणो ते मरा लिये ठीक नी, फिर भी करणु पडस हइ. पर मी प्रभु का दिया हुया दर्शनहोन अरु प्रकटीकरण की चर्चा कर्युं.

2 मी मसीह मे एक इन्सान खे जानुस हइ, चौदह साल हुयी कि नी जान्ये आंगसहित, नी जान्ये आंगरहित, परमेश्वर जानुस हइ, असो इन्सान तीसरा स्वर्ग तक उटैइ लियो गयो.

3 मी असा इन्सान खे जानुस हइ नी जान्ये आंगसहित, नी जान्ये आंगरहित परमेश्वर ही जानस हइ.

4 कि स्वर्गलोको पर उटैइ लियो गयो, अरु असी बातहोन सुनी जो बोलन की नी अरु जेको मुडा मे लानो इन्सान खे अच्छो नी.

5 असा इन्सान पर तो मी घमण्ड कर्युं, पर अपना पर अपनी कमजोरीहोन खे छोड, अपना बारे मे घमण्ड नी कर्युं.

6 क्युकि अगर मी घमण्ड करणो चाहु भी ते मूर्ख नी ह्यु, क्युकि सच्ची बोल्यु. ते भी रुखी जास हइ, असो नी हो, कि जसो कोय मेखे देखस हइ, या मरासे सुनस हइ, मेखे ओकासे बडी, समझ्ये.

7 अरु येका लिये कि मी प्रकटीकरण की भोतायत से फूलीनी जाये मरा आंग मे एक काटो गडायो गयो मंनजे सैतान को एक दूत कि मेखे घुसो मार्यो ताकि मी फूल नी जायु.

8 येका बारे मे मेने प्रभु से तीन बार बिनती करी, कि मरासे यो दूर हुइ जाये.

9 अरु ओने मरासे बोल्यो, “मरो अनुग्रह तरा लिये भोत हइ. क्युकि मरो सामर्थ्य कमजोरी मे सिद्ध होस हइ” येका लिये मी बडा खुशी से अपनी कमजोरहोन पर घमण्ड कर्युं, कि मसीह को सामर्थ्य मरा पर छाया करते न्हिये.

10 यो करण मी मसीह, लिये कमजोरहोन, अरु अपमानहोन मे, अरु दरिद्रता मे, अरु उपद्रव मे, अरु संकटहोन मे, प्रसन्न हइ. क्युकि जब मी कमजोर होस हइ, तभी बलवन्त होस हइ.

11 मी मूर्ख तो बन्यो, पर तुम ही ने मरासे यो मजबुर करायो तुमने तो मरी बडैइ करण होनु थो, क्युकि अगर मी कुछ भी का फिर भी वे बडा से बडा प्रेरितहोन से कोय बात मे कम नी हइ.

12 प्रेरित को लक्षण भी तुमारा बीच सब प्रकार का धीरज सहित चिन्हहोन, अरु अद्भुत काम होन का अरु सामर्थ्य काम होन से दिखाया गयो.

13 तुम कोन सी बात मे अरु मंडलीहोन से बुराइ कम था, फक्त येमे कि मेने तुम पर अपनो बजन नी रख्यो मरो यो अन्याय माफ करणु.

14 अब, मी तीसरी बार तुमारा पास आन खे तैयार हुयो अरु मी तुम पर कोय बजन नी रख्यु. क्युकि मी तुमारी सम्पत्ति नी, क्युकी तुम ही खे चाहुस हइ, क्युकि बच्चाहोन खे माय बाप का लिये धन बटोरनखे नी हुनु, पर माय बाप खे बच्चाहोन का लिये.

15 मी तुमारी आत्मा का लिये भोत मन से खर्च कर्यु, क्युकी खुद भी खर्च हुइ जायु, जेतो बडीके मी तुम से प्रेम रखुस हइ, ओत्तो ही घटी खे तुम मरासे प्रेम रख्ये?

16 असो हुइ सकस हइ, कि मेने तुम पर बोझ नी डाल्यो, पर दिमाख से तुमखे धोको दिखे फसैइ लियो.

17 भलो जिन का मेने तुमारा पास भेज्यो उनमे से कोय का उनमे से कोइ का वजेसे मेने छल करी खे तुम से कुछ ली लियो?

18 मेने तीतुस खे समझी खे ओका साथ उ भैइ खे भेज्यो, ते का तीतुस ने छल करीके तुम से कुछ लियो? का हम एक ही आत्मा को चाल नी चलनु? का एक ही चाल पर नी चलनु?

19 तुम अभी तक समजी न्हा हुये कि हम तुमारा सामने जवाब दि न्हा हइ हम तो परमेश्वर खे उपस्थित जानी मसीह मे बोलस हइ, अरु हे प्रियजन सब बातहोन तुमारी उन्नती ही का लिये बोलस हइ.

20 क्युकि मेखे डर हइ, कहीं असो नी हो, कि मी अय खे जसो चाहस हइ, ओसो तुमखे नी पायु. अरु मेखे भी जसो तुम नी चाहस ओसो पानु कि तुम मे वाद विवाद, डाह, घुस्सा, विरोध, इर्ष्या, चुगली, अभिमान अरु बखेडो हुये.

21 अरु कहीं असो नी हो कि जब मी वापस आयु, मरो परमेश्वर मेखे अपमान कर्ये अरु मेखे भोतजन का लिये फिर शोक करणु पड्ये जेने पैयले पाप कर्यो थो अरु उ गंदा काम अरु व्यभिचार, अरु लुचापन से, जो उनने कर्यो, मन नी फिरायो.

13

?????????? ??? ???????

1 अब तीसरी बार तुमारा पास आस हइ दो या तीन गवा का मुडा से "हर एक बात ठैराये जाये."

2 जसो मी जब दूसरी बार तुमारा साथ थो, ओसो ही अब दूर न्हेता हुये उन इन्सानहोन से जिन्हे पैयले पाप कर्यो, अरु दुसरा सब इन्सानहोन से अब पैयले से बोली देउस हइ, कि अगर मी फिर आयु, ते नी छोड्यु.

3 तुम तो येको प्रमाण चाहस हइ, कि मसीह मरा मे बोलस हइ, उ खे मील्हे, तुम जो तुम्हारा लिये नीर्बल नी. पन तुमे मे सामर्थी हइ.

4 उ कमजोर होन करणु क्रुस पर चढायो तो गयो, फिर भी परमेश्वर, सामर्थ्य से जिन्दो हइ, हम भी तो ओमे कमजोर हइ. पर परमेश्वर का सामर्थ्य से जो तुमारा लिये हइ, ओका साथ जीये.

5 अपना खुद खे पर, कि विश्वास मे हइ कि नी. अपना खुद खे समज्हे खे तुम अपना बारे मे यो नी जाने खे कि यीशु मसीह तुम मे हइ? नी ते तुम नीकम्मा नीकल्या हइ.

6 पर मरी आस हइ, कि तुम जानी लियेका कि हम नीकम्मा नी.

7 अरु हम अपना परमेश्वर से प्रार्थना करस हइ, कि तुम कोय बुराइ नी करणु. येका लिये नी, कि हम खरा देख पड्ये का पर येका लिये कि तुम भलाइ करणु, चाह्ये हम नीकम्मा ही ठैइय्यो.

8 क्युकि हम सच्ची का विरोध मे कुछ नी करी सक्ये, पर सच्ची का लिये ही करी सकस हइ.

9 जब हम कमजोर हइ, अरु तुम ताकतवर हइ, ते हम खुशी होस हइ, अरु या प्रार्थना भी करस हइ, कि तुम सिद्ध हुइ जाये.

10 यो करण मी तुमारा पीच्छा पीछे या बातहोन लिखुस हइ, कि हजर हुइके मेखे उ अधिकार का जसो जेखे प्रभु ने बीगाडन का लिये नी पर बनान का लिये मेखे दियो हइ, कडक से कुछ करणु नी पड्ये.

11 आखरी, हे भैइहोन अरु भैइनहोन, खुश न्हेनु. सिद्ध बनते जानु. धिरज रखनु. एक ही मन रखनु. मेल मिलाप से न्हेनु, अरु प्रेम अरु शांती को दातो परमेश्वर तुमारा साथ हुये.

12 एक दूसरा खे पवित्र चुम्मा से नमस्कार करणु.

13 प्रभु यीशु मसीह सब पवित्र इन्सान तुम के नमस्कार बोलस हइ.

¹⁴ प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह अरु परमेश्वर को प्रेम अरु पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब का साथ होती न्हिये.

गलातिया खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी गलातिया का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी पैछान

गलातिया की किताब प्रेरित पौलुस 1:1 का वजैसे लिखी गयी थी. या एक चिट्ठी थी जेने पौलुस ने यीशु मसीह को जन्म का नजीक पास 48-57 साल का बीच में गलातिया का मंडली खे लिख्यो थो. गलातियन जित रोमन देस गलातिया में हैंन वाला दुन्या था. डिमाक वाला जरूरी नी हइ कि जब पौलुस ने चिट्ठी लिखी थी तब व्हा बोलता था, लेकिन इफिसस अरु कुरिन्थियोन को शहर दोय में किताब लिखि हइ.

पौलुस ने गलातिया का मंडली में यहूदी अरु गैरयहूदी दोय मसीह होन खे बतान का लिये लिखि थी. उनने जरूरी रूप से ओखे झुठी शिक्षा को सामनो करन का लिये लिखि थी जेमे बोल्यो गयो थो कि मसिह होन खे जुन्नो नीयम को यहूदी कानून खे जरूरी करी खे खतना को पालन करन की जरूरी हइ. मसिह होन का बीच दुन्या को एक झुनड थो, जिनखे जुडाइजर बोल्यो जातो थो, जो गैरयहूदी मसिह होन को खतना करन की मांग करी रा था. उनने पौलुस प्रेरित को अधिकार पर भी सवाल चिन्ह लगायो. पौलुस ने अपनी कुछ खानी 1:11—2:14 बतयखे अपनी प्रेरितत्व को बचाव कर्यो अरु उनने यो समझय खे खुसखबर कि बचाव करी कि मुक्ती फक्त यीशु मसीह में विश्वास का वजैसे य मील्हे की जय सकस हइ 2:16 या प्रभु की दया को परिणाम हइ नी कि दुन्या जो करता हइ.

रूप रेखा

1. पौलुस ने अपनी चिट्ठी की शुरुवात गलातिया की मंडली होन खे नमस्कार करते हुए करी 1:1-5.
2. फिर पौलुस ने पदान खे अपनो अधिकार को बचाव करन का लिए अपनी जन्म भुय का बारे में कुछ बतायो अरु बतायो कि ओने कानून का अनुसार जिन की कोशिश करी थी लेकिन व्हा काम नी करी रा था 1:6—2:21.
3. आगे व्हा स्वर्ग में कानून अरु अनुग्रह की रूपरेखा का बारे में अरु बतास हइ 3—4.
4. फिर व्हा अच्छो मसीह जीवन का लिये कुछ बराबर नीर्देश देस हइ 56:10
5. पौलुस ने अपनी चिट्ठी को एक अभिवादन अरु यो याद रखन की आखरी विनती का साथ खत्म कर्यो कि परमेश्वर का वजैसे एक नवो इन्सान में बदल होनो बाहरी नीयम का जसो कि खतना होना, से कोय जादा महत्वपूर्ण नी हइ 6:11-18.



1 मेखे पौलुस कि प्रेरित अरु से जो नी इन्सान का तरप से अरु नी कोय इन्सान का वजैसे जब यीशु मसीह अरु परमेश्वर बाप का वजैसे का जेने ओखे मुर्दा में से जिन्दो क्यो प्रेरित हइ

2 अरु सब भैइ का तरप से जो मरा साथ हइ, गलातिया का मंडलीहोन का नाम:

3 हमारो परमेश्वर बाप अरु हमारो प्रभु यीशु मसीह का तरप से तोखे अनुग्रह अरु शांती मीलती रहेस.

4 ओने अपना आप खे हमारा पाप का लिये दी दीयो, ताकि हमारो परमेश्वर अरु बाप की इच्छा का अनुसार हम उ वर्तमान बुरो संसार से हमारो उध्दार करे.

5 परमेश्वर की महिमा हमेशा का लिये आमीन.



6 मेखे आश्चर्य होस हइ, की जेने तोखे मसीह का अनुग्रह से बुलायो ओकासे तु एतनो जल्दी फिर कर दुसरा प्रकार को सुसमाचार का तरप भटकी गयो.

7 पन व्हा दुसरो सुसमाचार हइ हि नी पर बात यो हइ की कतनो असो हइ जो तोखे भ्रम मे डाली देस हइ, अरु मसीह का सुसमाचार खे बिगाडनो चास हइ

8 अगर हम, यो स्वर्ग से कोय दूत भी उ सुसमाचार खे छोड जो हम ने तुम खे सुनायो हइ, कोय अरु सुसमाचार तोखे सुनास ते श्रापित होस.

9 जसो हम पैयले बोली दियो हइ, वोसो हि मी आब फिर बोलुस हइ कि उ सुसमाचार खे छोडचो जो तो ने ग्रहन कन्यो हइ अगर कोय अरु सुसमाचार सुनस हइ ते शापित होस.

10 का येकासे तोखे असो लगस हइ कि मी इन्सानहोन खे समर्थन चुस हइ यो नी की मेखे परमेश्वर को समर्थन मीले अथवा? का मी इन्सानहोन खे प्रसन्न करण खे कोशिश करी रोस हइ? अगर मी इन्सानहोन खे प्रसन्न करस हइ ते मसीह को सेवक नी बनी पातो थो.

~~~~~

11 हे भेइ अरु बहिन, मी तोखे बतउस की जो सुसमाचार मे ने सुनायो हइ, यो इन्सान को नी.

12 क्युकी उ मेखे इन्सान का तरप से नी पैचाने, अरु नी मेखे सिखायो गयो, पर खुद यीशु मसीह मेखे प्रगट कन्यो.

13 यहूदी मत मे जो पैयले मरी चाल-चलन थी ओका बारे तु सुनी चुक्यो हुये की मी परमेश्वर की मंडली खे भोत ही सतास, अरु खतम करणो चउस☆.

14 मी अपना यहूदी धर्म को पालन मे अपना युग का समकाली यहूदीहोन से आगे थो क्युकी हमारा बापदादाहोन से जो रितीरिवाज होन मेखे मीली थी ओमे मरो उत्साही आस हइ.☆

15 पन परमेश्वर ने ओका अनुग्रह ही से मरी मी माय का पेट से चुनी लियो, अरु बुलायो ताकी मी ओकी सेवा करी सकू.☆

16 जब ओने सोच्यो की मरा मे अपना बेटा खे प्रगट करी खे, मी गैरयहूदीहोन मे ओको सुसमाचार सुनायु, ते मे ने कोय इन्सानहोन का आंग से सलाह ली,

17 अरु नी यरुशलेम खे ओका पास गयो जो मरा से पैयले प्रेरित थो, पर झल्दी अरब खे चली गयो अरु फिर व्हा से दमीशक खे वापस आयो

18 फिर तीन साल का बाद मे कैफा पतरस से भेट करणा का लिये यरुशलेम गयो, अरु ओका पास पंद्रा दिन तक ऋयो☆

19 पन प्रभु को भेइ याकूब खे छोडी अरु प्रेरितहोन मे से कोय से नी मील्यो.

20 जो बात मी तोखे लिखुस हइ, देख परमेश्वर खे उपस्थित जानीखे बोलस हइ कि वे झुठ नी.

21 येका बाद मी सीरिया अरु किलिकिया का देश मे आयो.

22 पर यहूदीया की मंडलीहोन ने जो मसीह मे थो, मेखे व्यक्तिगत रुप से कभी नी देखतो थो.

23 पर तुमरा बारे यो यतनो सुन्यो थो, कि जो हमखे पैयले सतातो थो, व्हा अब उ विश्वास को सुसमाचार सुनास हइ जेखे पैयले खतम करतो थो.

24 अरु उनने मरा कारण परमेश्वर की महिमा करी थी.

## 2

~~~~~

1 चौदा साल का बाद मे बरनबास का साथ फिर यरुशलेम खे गयो, अरु तीतुस खे भी साथ ली गयो.

2 मी यो गयो, अरु मे ने गैरयहूदीहोन का बीच मे जो सुसमाचार को प्रचार करस हइ ओका सुसमाचार खे मे ने एक नीजी सभा क बीच मंडली का मुखिया खे सुनायो मी येका लिये गयो थो कि परमेश्वर ने मेखे दर्शयो थो कि मेखे यो जानो चास ताकि जो काम मे ने दुसरा दिन कन्यो थो जो मी अभी भी करी रोस हइ बेकार नी जाये.

3 पन तीतुस खे भी जो मरा सहयोगी हइ अरु जो यूनानी हइ, खतनो करणा का लिये विकुल नी कऱ्यो गयो.

4 यो उ झुठो भैइ का कारण हुयो जो चोरी से घुसी आयो थो की उ स्वतंत्रता को जो मसीह यीशु मे हम खे मील्यो हइ, भेद लिखे हम खे दास बनाये.

5 एक घडी भर का लिये भी हम ने उनको अधीन होनु स्वीकार नी कऱ्यो, येका लिये सुसमाचार की सच्चीचाइ तुम मे बनी हेस.

6 फिर जो दुन्या महत्व पुर्ण लगस हइ यो चाये जो भी हुये, मेके येका से कुछ काम नी पडस परमेश्वर कोय को बाहरी रुप देख कोय न्याय नी करस ओकासे जो अपना पान को महत्व पुर्ण दुन्या था का मे खे ओमे कुछ भी फायदो नी हुयो.

7 पन येका विपरीत ओने देख्यो की जसो खतना कऱ्यो हुया दुन्या का लिये सुसमाचार को काम पतरस खे सोपी गयो, वसो ही गैरयहूदीहोन का लिये मे सुसमाचार सुनानो सोपी गयो.

8 क्युकी जेने पतरस से खतना कऱ्यो हुयो मे प्रेरिताइ कार्य बडो प्रभाव शाहीत करवायो, ओ ने मरा से भी गैरयहूदीहोन मे शक्तीशाली कर्य कऱ्यो

9 अरु जब ओने उ अनुग्रह खे जो मेखे मील्यो थो जानी लियो, ते याकूब, अरु कैफा, अरु यहून्ना ने जो मंडली का खम्भा समझी जाता था, मेखे अरु बरनबास का संगती को डाखोऱ्यो हात दियो की हम गैरयहूदीहोन का पास जास अरु वे खतना कऱ्यो हुया दुन्याहोन का पास;

10 फक्त यो बोलो की हम गरीबहोन कि याद ली, अरु यो काम खे कारन को मी खुद भी यत्न करी रो हइ.

~~~~~

11 पर जब कैफा पतरस अन्ताकिया मे आयो ते मे ने ओका मुडा पर ओको सामनो कऱ्यो, क्युकी उ दोषी थो.

12 येका लिये की याकूब का वजेसे भेज्यो हुयो कुछ दुन्या ह्या आना से पैयले पतरस गैरयहूदीहोन विश्वासीहोन से दुर हुयो अरु उनका साथ खायो पियो करतो थो, पन जब वे दुन्या पोच्यो ते पतरस गैरयहूदीहोन विश्वासीहोन से दुर हुयो अरु उनका साथ खानो पिनो बन्द करी दियो यो ओने वे दुन्याहोन का डर से असो कऱ्यो जो चातो थो कि गैरयहूदीयाहोन को भी खतनो होनो चातो थो.

13 दुसरा यहूदीया दुन्या ने भी येका बताना मे भी पतरस खे साथ दियो ह्या तक भी यो पाखंड कारण बरनबास भी भटकी गयो.

14 पर जब मे ने देख्यो कि वे सुसमाचार की सच्चाइ पर सीधी चाल नी चली, ते मे ने सब का सामने कैफा से बोल्यो, “जब तू यहूदी हइ खे गैरयहूदीहोन का जसो चलस हइ अरु यहूदीयाहोन का जसो नी ते तू गैरयहूदीयाहोन खे यहूदीयाहोन का जसो चलन खे क्यु बोलस हइ?”

~~~~~

15 हम तो जन्म से यहूदीया हइ, अरु पाप गैरयहूदीहोन मे से नी.

16 तेभी यो जानीखे की इन्सान व्यवस्थाकाम से नी, पर फक्त यीशु मसीह पर विश्वास करणा का वजेसे धर्मी ठहरानो हइ, हम ने खुद भी मसीह यीशु पर विश्वास कऱ्यो की हम व्यवस्था काम से नी पर मसीह पर विश्वास करणा से धर्मी रूख्यो. येका लिये कि व्यवस्था का काम से कोय जनवर धर्मी नी ठेरायो.

17 हम जो मसीह मे धर्मी ठहरनो चास हइ, अगर तू हि गैरयहूदीया जसो पापी निकल्यो ते का मसीह पाप को सेवक हइ? कभी नी!

18 क्युकी जो कुछ मे ने गिरय दियो अगर ओखे फिर बनास हुयो, ते अपना आप खे अपराधी ठहरास हइ.

19 क्युकी व्यवस्था का वजेसे मी मरी चुक्यो थो ताकी परमेश्वर का लिये जीयु मी मसीह का साथ क्रुस पर चेडी गयो हइ.

20 अब मी मसीह मे जिन्दो नी रहे, पर काम मसीह मरा मे जिन्दो हइ, अरु मी आंग मे अब जो जिन्दो हुयो ते फक्त उ विश्वास से जिन्दो हुयो जो परमेश्वर का बेटा पर हइ, जेने मरा से प्रेम कन्यो अरु मरा लिये अपना आप खे दि दीयो.

21 मी परमेश्वर को अनुग्रह नी ठुकरूस. पन अगर कोय व्यवस्था का वजेसे न्यायी ठैरायो जास ते ये को अर्थ यो हइ की मसीह को मरनो व्यर्थ होस.

3

???????? ?? ????????? ?? ???? ???? ?

1 हे नीबुध्दि गलातिहोन, कोने तोखे मोह लियो हइ? तुमारो ते माने आख का सामने यीशु मसीह कुस पर साफ रीति से दिखाय गयो!

2 मी तुम से फक्त यो जाननो चास हुये कि तुमने परमेश्वर कि आत्मा खे का व्यवस्था को पालन करणा से, या सुसमाचार सुनना से अरु विश्वास करणा से मील्यो?

3 येतनो भी दुन्या मुख तू कसो हुये सकस हइ! की परमेश्वर कि आत्मा का वजेसे सुरवात करीखे अरु अपना आंग की शक्ति का वजेसे येखे पुरो करणो चास हइ?

4 का तुम ने येको दुख व्यर्थ हि उठायो? नीश्चित रुप से येको मतलब कुछ थो.

5 जो परमेश्वर तुमखे आत्मा प्रदान करस हइ, यो येकालिये करस हइ कि तुम व्यवस्था का नीयमहोन खे पालस हइ यो येकालिये कि तुमखे सुसमाचार खे सुनास अरु ओका पर विश्वास को काम करस?

6 जसो अब्राहम का अनुभव का बारे मे न्याय मे लिख्यो हइ, “ओने ते परमेश्वर पर विश्वास कन्यो अरु ओका विश्वास का कारण परमेश्वर ने ओखे न्याय गिन्यो गयो.”

7 आखरी यो जान ले कि जो विश्वास करणवाला हइ, वे हि अब्राहम कि बच्चा हइ.

8 अरु पवित्रशास्त्र ने पैयले से यो बतय दियो कि परमेश्वर गैरयहूदीहोन खे विश्वास से न्याय रूख्यो. पैयले से धर्मी मे अब्राहम खे यो सुसमाचार कि घोषणा करी दि की “तरा वजेसे सब दुन्याहोन खे आशिष मीले.”

9 अब्राहम ने विश्वास रूख्यो, अरु आशीषित हुया ओका तरप से जो विश्वास रखस हइ वे आशीष पास हइ.

10 येकालिये जतना दुन्या व्यवस्था को पालन करस हूये जितस हइ, वे सब श्राप का अधीन हइ, क्युकी जो शास्त्र मे लिख्यो हइ, “व्यवस्था को पालन नी सब बात को पालन करणा मे यो परमेश्वर का श्राप का अधीन हइ.”

11 पर या बात सफा हइ कि व्यवस्था का वजेसे प्रभु को यो कोय भी न्याय नी रखस, क्युकी शास्त्र बोलस हइ न्याय जन विश्वास से जिन्दो रहेस.

12 पर जो कोय व्यवस्था को विश्वास से कोय भी सम्बन्ध नी. क्युकी शास्त्र मे लिख्यो हइ “जो उनको करस, उ ओका कारण जिन्दो रहेस.”

13 पर मसीह हमारा लिये श्रापित बन्यो, ताकी हमखे व्यवस्था का श्राप छुडाये करी सखे, क्युकी शास्त्र मे लिख्यो हइ, “जो कोय भी झाड पर लटकायो जास हइ व्हा परमेश्वर का श्राप का अधीन हइ.”

14 यो येकालिये हुयो कि अब्राहम को आशीर्वाद मसीह यीशु मे गैरयहूदीहोन तक पोच्यो, अरु हम विश्वास का वजेसे वा आत्मा खे मीलह्ये जेकी प्रतीज्ञा परमेश्वर ने करी हइ.

???????? ?? ???? ?

15 हे भैड अरु बयहोन, मी एक इन्सान दैनिक जिवन से एक उदाहरण देन जय रोस हइ. जसो कोय दो इन्सान का वजेसे कोय करार करी दियो जाना पर नी ते ओखे रद्द करी दियो सकस हइ अरु नी ओमे से कुछ जय सकस हइ अरु नी बढायो जय सकस हइ.

16 आखरी परमेश्वर ने अब्राहम का अरु ओका वंश खे जो प्रतीज्ञा दी हइ ओका बारे मे शास्त्र यो नी बोलस “तरा वंश खे,” अगर भोत सा दुन्या, पन एक वचन जसो “तरा वंश खे” अगर तरो एक इन्सान मसीह हइ

17 पन मरो बोलनो यो हइ जो प्रतीज्ञा परमेश्वर ने अब्राहम का सात करी थी अरु वचन पैयले से मरो टेम नीश्चय करी दियो ओका चार सौ तीस साल बाद मे आनवाली व्यवस्था नी बदली सकस.

18 क्युकी अगर मी परमेश्वर को दान व्यवस्था पर आधारीत हइ ते उ प्रतीज्ञा का आधारीत नी हुइ सकस पन परमेश्वर ने यो अब्राहम का प्रतीज्ञा का आधार पर दी हइ.

19 तब फिर व्यवस्था को उद्देश का हइ? आज्ञा को उलधन को अपराध का कारण व्यवस्था खे वचन से जोडि दियो गयो थो ताकी जेका लिये वचन दियो गयो थो अब्राहम का वंश का आना तक उ ऱ्हीयो व्यवस्था एक मध्यस्थ को रुप मूसाकी सहायता से एक स्वर्गदूत का वजेसे दी गइ थी.

20 मध्यस्थ तो एक को नी होस, पन परमेश्वर एक ही हइ

परमेश्वर के प्रतीज्ञा

21 ते का व्यवस्था परमेश्वर की प्रतीज्ञा होन का खिलाप मे हइ? अगर नी! क्युकी अगर असी व्यवस्था दी जास जो जिवन दी सकस, ते सच मुच न्यायपन व्यवस्था का पालन का वजेसे मीलस हइ.

22 पन पवित्रशास्त्र ने सब खे पाप का अधीन करी दियो, ताकि उ प्रतीज्ञा जेको आधार यीशु मसीह पर विश्वास करणो हइ विश्वास करण का लिये पूरी हुइ जाये.

23 पर विश्वास का आना से पैयले व्यवस्था खे बन्दकरी हमारी रखवाली होती थी, अरु उ विश्वास का आना तक जो प्रगट होनआला थो, हम ओ का बन्धन मे ऱ्हेस.

24 हम खे मसीह तक पोचान का लिये व्यवस्था को रस्तादर्शन रोख्यो की हम विश्वास से धर्मी रूख्या.

25 अरु जब विश्वास अय गयो, ते हम अब विश्वास का अधीन नी ऱ्हेस.

26 क्युकी तु सब उ विश्वास का वजेसे जो मसीह यीशु एक होना का कारण, परमेश्वर को बेटो हुये.

27 अरु तुम मे से जेतना ने मसीह मे एक होन का लिये बपतिस्मा लियो हइ वे सब मसीह मे एक हुये गया.

28 अब नी कोय यहूदी ऱ्हीयो अरु नी यूनानी, नी कोय सेवक नी स्वतंत्रता, नी कोय बायको नी इन्सान, क्युकी तुम सब मसीह यीशु मे जुडि जान का कारण एक हुइ जा.

29 अरु अगर तु मसीह को हुये ते अब्राहम को वंश अरु प्रतीज्ञा को अनुसार वारिस भी हुये.

4

1 मी यो बोलस हुये कि वारिस जब तक बच्चा हइ, अगर सब सामनहोन को स्वामी हइ तेभी ओमे अरु गुलाम मे कोय भेद नी.

2 पन बाप को रूख्यो हुयो टेम तक संरक्षकहोन अरु प्रबन्धकहोन का बस मे ऱ्हेस हइ.

3 असो ही हम भी, जब बच्चा था, ते जगत का आदी मास्तर का बस मे हुइखे दास बन्या हुया था.

4 पन जब टेम पुरो हुयो, ते परमेश्वर ने अपनो बेटा खे भेज्यो जो बय से जन्म्यो, अरु व्यवस्था का अधीन पडदा हुयो,

5 ताकि सहम जो व्यवस्था का अधीन हइ उनखे छुडाये जेका से हम परमेश्वर का बालबच्चा बनी सकस.

6 अरु तुम जो बेटो हुये, येका लिये परमेश्वर ने अपना बेटा का आत्मा खे, जो “हे अब्बा, हे बाप” बोलीखे फुकारस हइ, हमारा दिलहोन मे भेज्यो हइ.

7 येका लिये तु अब गुलाम नी, पन बेटो हइ. अरु जब बेटो हुयो, ते परमेश्वर का वजेसे वारिस भी हुयो.

- 8 पैयले ते तुम परमेश्वर खे नी जानीके ओको सेवक थो जो स्वभाव से परमेश्वर नी,
 9 पर अब जो तुम ने परमेश्वर खे पहचान लियो जब परमेश्वर ने तुम खे पहचान्यो, ते उ नीबल अरु नीक्कमो आदी-मास्तर कि बात का तरप फिरस हुये, जेखे तुम डबल से सेवक होनु चास हइ?
 10 तुम दिन अरु महिनाहोन अरु मोसमहोन अरु साल के मानस हइ.
 11 मी तुमारा बारे मे डरुस हइ कही असो नी हुये कि जो मैहनत मेने तुमारा लिये करी हइ वो व्यर्थ रख्यो.
 12 हे भैइहोन, मी तुम से प्रार्थना करस हुये, तुम मरा जसो हुये जाये, क्युकी मी भी तुमारो जसो हुये गयो हुये. तुम ने मरो कुछ बिगाडचो नी.
 13 पर तुम जानस हुये कि पयलो-पहर मे ने आंग कि नीबलता का करण तोने सुसमाचार सुनायो.
 14 अरु तुम ने मरो आंग होन का दशा खे जो तुमारी पेपर का करण थो, तुच्छ नी जान्यो. नी ओकासे घुस्साकरी. अरु परमेश्वर का दूत जब स्वयं यीशु मसीह का समान मेखे ग्रहन कन्यो.
 15 ते उ तुमारो आनन्द मनानो बोली गयो? मी तुमारो गवइ हुये कि अगर हुये सकस ते तुम अपनी आख भी नीकाली मेके दी देता.
 16 ते का तुम से सच्ची बोलन का कारण मी तुमारो दुश्मन बनी गयो हुये?
 17 वे तुमखे दोस बनानो तो चास हइ, पर अच्छो उदेश से नी. जब तोके मरा से अलग करणो चास हइ कि तुम उनखे दोस बनय ले.
 18 पर यो भी अच्छो हइ कि भली बात मे हर टेम दोस्त बनना को प्रयास कन्यो जाये, नी फक्त उ टेम कि जब मी तुम्हारा सात न्हेस हइ.
 19 हे मरा बच्चा, जब तक तुम मे मसीह को रुप नी बनी जाये तब तक मी तुमारा लिये फिर जच्चो कि सी दुख सह्यो हुये.
 20 इच्छा तो या होस हइ कि अब तुमारा पास येका अरु हि प्रकार से बोलु क्युकी तुमारा बारे मे उलझन मे हइ.

 21 तुम जो व्यवस्था को अधीन होनु चास हुये, मेखे बता का तुम व्यवस्था कि नी सुनस?
 22 यो लिख्यो हइ कि अब्राहम का दो बेटा हुये, एक दासी से अरु एक स्वतंत्रता बय से.
 23 पन जो दासी से हुयो, उ आंग होन कि रीति से जन्यो. अरु जो स्वतंत्रता बय से हुयो, उ प्रतीज्ञा का जसो जन्यो.
 24 या बातहोन मे दृष्टान्त हइ, ये बय मान्यो दो वाचा हइ, एक ते सीनै टेकडी की जेका से गुलाम ही पडदा होस हइ. अरु उ हाजिरा हइ.
 25 अरु हाजिरा मान्यो अरब को सीनै टेकडी हइ, अरु आधुनीक यरुशलेम ओको तुलना हइ, जो अपना बेटाहोन का सात मे गुलामी मे हइ.
 26 पर उपर की येरुशलेम स्वतंत्रता हइ, अरु वो हमारी माय हइ.
 27 क्युकी शास्त्र मे लिख्यो हइ,
 “हे बाझ, तु जो नी पडदा करस ते आनन्द कर.
 तु जेको दुख नी उठाये, गंलो खोली,
 जय जयकार कर.
 क्युकी छोडचा हुया को बेटो सुहाग कि बेटा से भी अधीन हइ.”
 28 हे भैइहोन अरु भैइनहोन, हम इसहाक का जसो प्रतीज्ञा को बेटो हइ.
 29 अरु जसो उ टेम आंग का जसो जन्या हुया आत्मा का जसो जन्यो हुये खे सतातो थो, असो ही अब भी होस हइ.
 30 पन पवित्रशास्त्र का बोलस हइ “दासी अरु ओका बेटा खे नीकली दे, क्युकी दासी को बेटो स्वतंत्रता बय का बेटा का साथ वारिस नी हुये.”

31 येका लिये हे भैइहोन, हम दासी को नी पन स्वतंत्रता बय को बेटो हइ.

5

~~~~~

1 मसीह ने स्वतंत्रता का लिये हमखे हइ आखरी येमे स्थिर रहे, अरु दासत्व का जुवाडा मे फिर से नी जोता.

2 देख, पौलुस तुम से बोलस हइ की अगर खतना कन्यो करी खे तुम फिर से व्यवस्था का तरप वापस जास हुये ते तुमारा लिये मसीह से तुम खे कुछ लाभ नी हुये.

3 फिर भी मी हर एक खतना करणवालो खे समझय दिरोस हइ की ओका सब व्यवस्था मानु पडे.

4 तुम जो व्यवस्था का वजेसे धर्मी ठहरनो हइ, मसीह से अलग अरु अनुग्रह से वचित कन्या गया हुये.

5 क्युकी आत्मा का कारण हम विश्वास से आस करी हुये न्यायीपन को रस्ता देखस हइ.

6 मसीह यीशु मे एक होस हइ जब नी खतना अरु नी खतनारहित रहेस कुछ काम को हइ, पन फक्त विश्वास जो प्रेम का वजेसे प्रभाव डालस हइ.

7 तुम तो भोत अच्छा से दौड रा था. अब कोने तोखे रोकी दियो की सच्ची खे नी मान्यो.

8 असो सीख्यो तुमारो बुलानवाला परमेश्वर का तरप से नी.

9 थोडो सो खमीर सब ओसनीआले आटो खे खमीर बयन डारस.

10 प्रभु पर तुमारा विषय मे भरोसा रखस हइ की तुमारो कोय दुसरो विषय नी हुये. पन जो तोखे घबन्धे देस हइ, व्हा कोय भी ही हुये खे दण्ड पाए.

11 पन हे भैइ अरु भैइनहोण, अगर मी आज तक भी जसो की कुछ दुन्या समझस हइ की खतना करण को महत्व को प्रचार करस हइ, ते मेखे अब तक सतायो जास हइ तब भी मसीह खे कुस को प्रचार करण पइदा हुयो मरा सभी बाधाहोन खतम होनु चास.

12 अच्छो होस की जो तोखे दुखी करस हइ, वे सब रस्ता पर जाये अपनो आंग हि खे काटि डालस.

13 हे भैइ, तुम स्वतंत्रता होन का लिये बुलाया गया हइ. पन असो अपना आप खे स्वतंत्रता आंग का काम का लिये अवसर बन्यो, जब प्रेम से एक दुसरो को सेवक बन्यो.

14 क्युकी सब व्यवस्था ये एक ही बात मे पुरी हुइ जाए हइ, "तु अपना पडोसी से अपना जसो प्रेम रखस."

15 पन अगर तुम एक दुसरा खे दुख अरु चोट पोचास हइ तुम आपस मे एक दुसरा खे पुरी रीति से खतम करस हइ.

~~~~~

16 पर मी बोलुस हइ, आत्मा का जसो चल ते तुम आंग कि लालसा कोय रीति से पुरी नी कन्यु.

17 क्युकी आंग आत्मा का विरोध मे अरु मन आग का विरोध मे लालसा करस हइ, अरु ये एक दुसरा का विरोधी हइ, येका लिये की जो तुम करणो चास हुये उ नी करण पाए.

18 अरु अगर तुम आत्मा चाल चलस हइ ते व्यवस्था का आधीन नी रहेनु.

19 आंग का काम व्यभिचार, अपवित्रता, अरु भोग-विलास को काम लुचपन,

20 मूर्तिपुजा, जादुटोनों, शत्रुता, लडनो वाद विवाद, इर्ष्या, घुस्सा, स्वार्थी पन,

21 डाह, मतवालो, लिलाक्रीडा अरु येका जसा अरु-अरु काम हइ, येका विषय मे मी तुम से पैयले से बोली दिउस हुये जसो पैयले बोल्थो भी चुक्यो हुये, की असो असो काम करणवाला परमेश्वर का राज्य को वारिस नी हुये.

22 पर आत्मा को फल प्रेम, आनन्द, शांती, धीरज, कृपा, अच्छो, विश्वास,

23 नम्रता, अरु संयम हइ. असा काम का विरोध मे कोय भी व्यवस्था नी.

24 अरु जो मसीह यीशु को हड़, ओने आंग का ओकि लालसाहोन अरु अभिलाषाहोन समेत क्रुस पर चडय दीयो हड़.

25 अगर हम आत्मा का वजेसे जिन्दो हड़, ते मन का जसो चले भी.

26 हम अभिमानी नी एक दुसरा पर नी चिडचिडानो या एक दुसरा की प्रती नी इर्षा रख.

6

?? ????? ?? ??? ?????

1 हे भेइ अरु भेइनहोन, अगर कोय इन्सान कोय भी अपराध मे पकड्यो भी जाये ते तुम जो आत्मीक हुये नम्रता का साथ असा का संभाल्यो की अरु अपनी भी चौकसी रख की तुम भी सैतान परिक्षा मे नी पड्यो.

2 तुम एक दुसरा को भार उठाओ, अरु यो प्रकार मसीह की व्यवस्था खे पुरी कर.

3 क्युकी अगर कोय भी कुछ नी होना पर भी अपनो आप खे कुछ समझस हड़, ते अपना आप खे धोको देस हड़.

4 पर हर एक अपना ही काम खे जाची ले, अरु तब दुसरा का बारे मे नी पन अपना ही बारे मे समझे ओका घमण्ड करण को अवसर हुये.

5 क्युकी हर एक व्यक्ति अपनो हि बोजो उठाये.

6 जो वचन की शिक्षा पास हड़, व्हा सब अच्छो सामनहोन मे सिखानवाला खे हिस्सो दे.

7 अपना आप खे धोको मत दे परमेश्वर खे मुख नी बनय सकस, तुम यो काटस जो तुम ने ही बोयो हड़.

8 क्युकी जो अपना आग का लिये बोस हड़ व्हा आग का वजेसे खतम कि कटिन काटे. अरु जो मन का लिये बोस हड़, व्हा आत्मा का वजेसे आखरी जिवन कि कठनी काटस.

9 हम अच्छो काम करणा मे साहस नी छोडे, क्युकी अगर हम हार नी मान्या ते ठिक टेम पर कटिन काटस.

10 येका लिये जहा तक अवसर मिल्यो हम सब खे अच्छो कर, विशेष करीखे विश्वासी कुटुब का भेइ भेइन का साथ.

???? ???????? ??? ????????

11 देख, मे ने कसो बडा बडा अक्षरहोन मे तुम खे अपना हात से लिख्यो हड़.

12 जो दुन्या भारी बात को अभिमान करस हड़ अरु बडोपन करस हड़ वे ही तुमारो खतना करणा का लिये दबय डालस हड़, फक्त येका लिये की वे मसीह का क्रुस का कारन सताया नी जाए.

13 क्युकी खतना करणवाला स्वयं ते व्यवस्था पर नी चलस, पर तुमारो खतना येका लिये करणो चास हड़ की तुमारो आंग होन दशा पर घमण्ड कर.

14 पर असो नी हुये कि मी हर कोय बात को घमण्ड कर, फक्त हमारो प्रभु यीशु मसीह का क्रुस को जेका वजेसे जगत मरी नजर मे अरु मी जगत कि नजर मे क्रुस पर चढायो गयो हुये.

15 क्युकी नी ते खतना को कोय महत्व हड़ अरु नी खतनारहित को अगर महत्व हड़ ते उ नइ सृष्टी को हड़.

16 जतनो ये नियम पर चलास उनका पर अरु परमेश्वर का दुन्याहोन पर शांती अरु दया होस ज्हेस.

17 चिट्ठी खे खतम करस हड़ मी तुम से प्रार्थना करस हड़ कि अब मेखे कोय अरु दुख मत दे क्युकी अपना आंग मे पैयले से ही सीच धाव सहीनो हड़ उ बतास हड़ की मी यीशु को गुलाम हड़.

18 हे भेइ अरु भेइनहोन, हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुमारो आत्मा का साथ ज्हेस. आमीन.

इफिसियो खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी इफिसिहोन का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी पैछान

इफिसिहोन को लेखक कोन आय? प्रेरित पौलुस ने जेल से इफिसिय, लिखी. इफिसिय 60 को हासितकर्ता कोन आय? चिट्ठी सामग्री में, फी सामान्य हइ अरु येका पश्चिमी एशिया भाग में मंडली, एक परिचिट्ठी, रूप में लिख्यो हइ. 1:1 में कुछ पुरानी हस्तलिखित में इफिसिय, हासिलकर्ता, संदर्भ में कमी हइ. इफिसिय, कब्र में लिख्यो गयो हुये? पौलुस एक कैदी 3:1—4:1; 6:20 इफिसिय, लिखी गइ चिट्ठी, कुलुस्सिय चिट्ठी, संग घनीष्ट सम्बन्ध हइ. येका लिये हम यो मानी सकस हइ कि पौलुस वा जेल में होतो जब वे कुलुस्सिहोन, चिट्ठी लिखी हुये. ये का लिये सुरवात रोमन, रावा, दौरान जो आनवाला इफिसिय, लिखी हुये वा या आय. 6:21-22

इफिसिय की चिट्ठी खा लिखी हइ हुये? यहूदीया अरु गैरयहूदीहोन को धर्मान्तरित दुन्याहोन, बीच में तनाम होतो. प्रेरित 19:23-31 पौलुस यहूदीयाहोन अरु प्रभु यीशु में जो गैरयहूदीहोन उनकी एकता, बारे में लिखी हइ. इफिसिय बूरी शक्तिहोन, मूर्तिपुजा प्रतावहोन अरु तंत्र-मंत्र को खे द्र हइ.

पौलुस बूरी अरु अंधारी शक्तिहोन से मसीह में स्वतंत्रता, बारे में लिखस हइ. उ विश्वासहोन, मार्गदर्शन करस हइ की मसीह यीशु में अध्यात्मीक कवच, संग बूरी अध्यात्मीक शक्तिहोन से कसो लड़ना हइ.

रूप रेखा

1. सुरवाती नमस्कार 1:1-2
2. मसीह में उद्धार को लिये धन्यवाद 1:3—3:21
3. यहूदीयाहोन अरु गैरयहूदीहोन दो परमेश्वर से समेट 4:1—6:20
4. एक आंग में यहूदीयाहोन अरु गैरयहूदीयाहोन को रहस्य 6:21-24

~~~~~

1 पौलुस का तरप से, जो परमेश्वर की इच्छा से मसीह यीशु को प्रेरित हइ, वे पवित्र अरु मसीह यीशु में परमेश्वर का दुन्याहोन जो इफिसुस में हइ☆

2 हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह का तरफ से तुमखे अनुग्रह अरु शांती मीलती न्हिये.

~~~~~

3 हमारो प्रभु यीशु मसीह को परमेश्वर अरु बाप को धन्यवाद हुये कि वोने हम खे मसीह में एक होन का वजसे सब प्रकार की आत्मीक अरु आशीर्वाद दीयो हइ.

4 जसो वोने हमखे जगत की जगत से पैयले वोमे चुनी लीयो कि हम वोको नजर में पवित्र अरु नीर्दोष हय.

5 अरु अपनी इच्छा का अच्छो अभिप्राय का जसो हमखे अपना लिये पैयले से रुखायो कि यीशु मसीह,

वजसे हम वोने दंत्क को बेटो अरु बेटी हइ,

6 कि परमेश्वर की महीमा में अनुग्रह, लिये ओकी महिमा हुये खे क्युकी ओने ओका हम, जो ओको प्रिय बेटा, खुला दिल से दी दियो.

7 हम खे वोमे वो, खुन, वजसे छुटकारो, मंनजे गुन्हाहोन कि माफी, वोको वु अनुग्रह, जसो मील्यो हइ,☆

8 जेखे ओकी ज्ञान अरु समज, जसो मे हम पर खुप से कय्यो.

9 क्युकि वोनै अपनी इच्छा को भेद वु अच्छो अभिप्राय, जसो हमखे बतायो, जेने अपना आप मे मसीह मे स्थापित कय्यो

10 कि टेमहोन का पुरो होन को असो प्रबन्ध हये कि जो कुछ स्वर्ग हइ अरु जो कुछ जमीन पर हइ, सब कुछ व्हा मसीह मे एकजगा कन्है.

11 वोमे मी जेमे ओकी मनसा से जो अपनी इच्छा का मत का जसो सब कुछ करस हइ, पैयले से रुखायो जकयखे मीरास बन

12 कि हम, जिनने पैयले से मसीह पर आश रखी थी, वोकी महिमा की महिमा कर.

13 अरु ओमे मी तुम पर भी का जब तुम ने उध्दार को सुसमाचार अरु जेका पर तुम ने सच्ची विश्वास कय्यो का प्रतीज्ञा कय्यो हुयो पवित्र आत्मा कि छाप लगी.

14 व्हा वोको मोल लियो हुयो को छुटकारो का लिये हमारी मीरास को ब्यानो हइ, कि वोकी महिमा की स्तुती हय.

~~~~~

15 यो करण, मी भी वु विश्वास को खबर सुनीखे जो तुम दुन्याहोन मे प्रभु यीशु पर हइ अरु सब पवित्र दुन्याहोन पर तुमारो प्रेम हइ,

16 तुम्हारा लिये धन्यवाद करणो नी छोड्यो थो अरु अपनी प्रार्थनाहोन मे तुमखे याद कय्यो करस हय

17 कि हमारो प्रभु यीशु मसीह को परमेश्वर जो महिमा को वाप हइ, तुमखे अपनी पैछान मे ज्ञान अरु प्रकाशन कि आत्मा दि दिये तु ओका अच्छा से जानी सकता

18 अरु तुमारो मन की आख ज्यातिर्मय हय कि तुम समजी ले कि वोकीय बुलाहट कि आस, हइ, अरु पवित्र दुन्या मे वोकि मीरास की महिमा, धन करणु हइ,

19 अरु वोकी सामर्थ्य हम मे जो विश्वास करते हइ, तो महान हइ, वोकी शक्ति को प्रभाव को वु काम को जसो

20 जो वोनै मसीह मे कय्यो की ओको मुर्दा मे से जिन्दो हुय खे स्वर्गीय जगा मे अपनो जवना तरप\*

21 सब प्रकार को प्रधानता, अरु अधिकार, अरु हर एक नाम, उपर, चाह्यो यो जमाना, यो आन आलो जमाना खे.

22 उननै सब कुछ उनका आधीन करी दियो अरु मंडली, लिये सभ चिजहोन, शिरोमणी रोखी दियो.\*

23 मंडली, जो उनका आंग, उनकी पुरो हइ, जो सब मे सब कुछ भरी खे करस हइ.

## 2

~~~~~

1 तुम अपनो अपराधहोन अरु पाप मे मन्या हुया था,

2 जिनमे तुम पैयले यो जगत, बुरी रस्ता पर चलता था अरु बदल का अधिकार को शाशक मनंजे उ आत्मा, जसो जी रो, थो जो आत्मा अब भी आज्ञा नी मानना आला मे काम करी रास हइ

3 ये मे जब हम भी जन पैयले अपना आंग की बुरी सोच मे दिन बितय रा था, अरु आंग अरु मन की अभिलाषाहोन खे पूरी करण मे लग्यो अरु दुसरा दुन्याहोन का सामने संभव से ही घुस्सा का बच्चाहोन था

4 पन दया मी धनी परमेश्वर ने अपना उपर प्रिय को करण,

5 जब हम अपनो अपराधहोन मी मन्यो हुए थो, मसीह मी हम जिन्दो कय्यो उध्दार तुमखे अनुग्रह ही से मील्यो हुयो हइ.

6 परमेश्वर ने हम मसीह यीशु मे जिन्दो कय्या अरु स्वर्गीय राज्य मी उनका साथ बठयो.

7 कि वु आन आलो टेम मेहोन मी अपना अनुग्रह खे अच्छो धन मसीह यीशु मे हमारो लिये करी गइ कृपा ही दिखी सक्ये.

8 क्युकि अनुग्रह ही से, विश्वास का वजेसे तुम उध्दारमील्यो हुयो हइ. येका कारण तुम नी, यो परमेश्वर को वर दान हइ

9 अरु यो काम होन को प्रतीफल नी हइ कि कोय घमण्ड क्ये.

10 क्युकि हम परमेश्वर वजेसे पैयले से रोख्यो हुयो अच्छो काम का लिये यीशु मसीह मे रच्यो गयो परमेश्वर की रचना हइ कि हम या अच्छो काम को स्वभाव कन्हे.

???? ?? ??

11 येका लिये याद रख कि तुम जो अपनो जन्म से गैरयहूदि जिन खे खतनाआला दुन्या खतनारहित बोलस हइ खतना, जो आंग मे इन्सान वजेसे कन्यो जास हइ

12 याद रख तुम वा टेम जगत मे मसीह से अलग, इस्राएल की नागरिकता से नीकल्यो गया, प्रतीज्ञा की वाचाहोन से बिनासमजन नी था, आस हीन अरु परमेश्वर से रहित था.

13 एक टेम थी जब तुम दूर था, पन अब मसीह यीशु मे उनको खुन का वजसे नजीक लायो गयो हय.

14 वु खुद हमारो मीलनो हइ, क्युकि उनने अपना आंग मे दो गटहोन का बीच की दीवाल खे दय खे दो खे एक करी दियो.

15 वह उनने आदेस की व्यवस्था जिनकी आज्ञाहोन विधीहोन की रीति पर थी मीटकय दी कि इनका वजेसे वु खुद मी वे दो, जगा पर एक ननवो इन्सान खे बन खे कर मीलनो जुलनो की बटाड्यो कर

16 अरु कुस का वजेसे एक आंग मे हम दो को परमेश्वर से मीलनो जुलनो करी सकहे कि दुसमनी खतम करी जय सकहे.

17 वु आयो अरु उनने, जो दूर था अरु उनने भी, जो नजीक था, शांती की खुसखबर सुनइ.

18 क्युकि उन मे हुयखे एक ही आत्मा मे दो ही की पहुच्यो बाप परमेश्वर तक हइ.

19 येका लिये आब तुम नवाडो अरु मूसा फिर नी पन परमेश्वर, पवित्र दुन्या का साथ सब नागरीक अरु परमेश्वर को परिवार को हय,

20 अरु प्रेरितहोन अरु भविष्यव्दक्ताहोन कि पय्या पर, जो कोना को फत्तर मसीह यीशु खुद ही हइ, बनायो गयो हय.

21 जिनमे सब भवन-रचना एक साथ मीलीखे प्रभु का लिये पवित्र मन्दिर होन, लिये बडती जास हइ.

22 जिन मे तुम सब परमेश्वर का ज्हेन की जगा होन, लिये पवित्रा आत्मा वजेसे संयोजित कर्यो जातो हुये बनायो जय रो हय.

3

?????????????? ?? ????? ??

1 येका लिये मी पौलुस परमेश्वर से प्रार्थना करुस हय, तुम गैरयहूदिहोन, लिये मसीह यीशु को बन्दी हुये.

2 अगर तुम ने परमेश्वर को अनुग्रह को प्रबन्ध का बारे मे सुन्यो हइ, जो तुमारा लिये प्रदान कन्यो गयो

3 अगर वो भेद, जो मरा पर प्रकाशन का वजेसे प्रकट कन्यो गयो, जेको संक्षेप मे वर्णन मी पैयले करी चुक्यो हुये.

4 जेखे तुम पडतो समजी सकस हुये की मी मसीह मे व्हा को भेद का बारे मे खा समझ सकस हय,

5 जो मानवजात पर अन्य पीडीहोन मे या प्रकार प्रकट नी कन्यो गयो थो, जो प्रकार आत्मा अब प्रभु को पवित्र प्रेरितहोन तथा भविष्यव्दक्ताहोन पर पवित्राआत्मा प्रकट कन्यो गयो हइ

6 मंनजे ह्या की यीशु मसीह भि सुसमाचार का वजेसे गैरयहूदीहोन मसीह यीशु मे मीरास, साझो, ही शरीर को अरु प्रतीज्ञा को हिस्सेदार हइ.

7 मी परमेश्वर खे अनुग्रह को उ दान मे ओकी सक्रिया जो ओकि सामर्थ्य को प्रभाव का जसो जो मेखे दियो गयो, उ खुसखबर को सेवक बन्यो.

8 मेखे जो पवित्र दुन्या मे छोटो से भी छोटो हय, गैरयहूदीहोन मे मसीह को अगम्य धन को सुसमाचार का लिये यो अनुग्रह प्रदान कन्यो गयो

9 अरु सब पर ह्या बात सब, सामे कह्यु कि उ भेद को प्रबन्ध को हइ सब को सृजनहार परमेश्वर मे जामानासे मील्यो थो

10 ताकी अब बय मंडली का वजेसे परमेश्वर को अलग प्रकार को ज्ञान आकाशमण्डल को बडो अरु अधिकारीहोन पर प्रकट कन्यो जाये.

11 यो उ सनातन उद्देश्य को जसो हुयो, जो परमेश्वर ने मसीह यीशु हमारो प्रभु मे पुरो कन्यो थो,

12 प्रभु मे हम विश्वास, वजेसे आना का लिये हमखे साहस तथा भरोसो मीलस हुयो हइ

13 येका लिये तुमारा से मरी यो प्रार्थना हइ कि तुम उ सतान कारन, जो मी तुमारा लिये रोस हुये खे घुस्सा नी होनु. क्युकी वे तुमारी महिमा हुये.

~~~~~

14 मी यो कारन हइ की मी बाप का सामने टोगन्या टेकुस हुये खे

15 जेमे स्वर्ग अरु पृथ्वी पर हर एक कुल को नाम रख्यो जास हइ

16 की वो अपनी महिमा ओकी आत्मा से अपनी महीमा को धन का जसो तुमखे यो दान दी कि तुम ओकि आत्मा से अपना अन्दर इन्सान मे सामर्थ्य मीलीखे शक्तिहुय जाव,

17 कि विश्वास का वजेसे मसीह तुमारो दिल मे वास कर कि प्रेम मे करिखे व्हा पय्या डाली खे,

18 तुम सब पवित्र मसीह को प्रेमकि लम्बाइ, चौडाइ, उचाइ व गहराइ को भली-भाति समझ सक्यो

19 अरु मसीह को उ प्रेम को जान सक्यो, जो ज्ञान से परे हइ की परमेश्वर कि सब भरपुरी तुमने स्थापित हुये जाये

20 अब जो असो सामर्थ्यी हइ कि हमारी प्रार्थना अरु समज से कोय जादा काम करी सकस हइ, उ सामर्थ्य का जसो जो हम मे काम करस हइ,

21 हमारा मे यो टेम सक्रिय सामर्थ्य का वजेसे मंडली अरु मसीह यीशु मे ओकी महिमा बडी से बडी हमेशा-सर्वदा होस ज्हेस. आमीन.

## 4

~~~~~

1 येका लिये मी, जो प्रभु का लिये बन्दी हुये खे तरा से अरु प्रार्थना करस हय कि तुम्हारी जीवन शैली तुम्हारा बुलाना का अनुरूप हइ

2 तुम मे विशुद्ध विनम्रता, सौम्यता अरु धीरज का एक दुसरा मे प्रेम मे सहन को भाव भरी जाए.

3 अरु मेल को बन्धन मे आत्मा कि एक रखन को यत्न कर.

4 एक ही आंग हइ अरु एक ही आत्मा जेमे तुम्ह बुलायो गया था अपना बुलायो जाना से एक ही आस हइ.

5 एक ही प्रभु, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा

6 अरु सब मानवजाति, बाप हय, जो सब, उपर, सब का बीच अरु सब मे एक ही परमेश्वर हइ.

7 पन हमने से हर एक खे मसीह को वरदान को परिमाण, जसो अनुग्रह प्रदान कन्यो गया हइ,

8 येका लिये व्हा बोलस हइ,

जब व्हा सबसे उच्चा पर चडी गयो,

बन्दिहोन खे बन्दी बनय खे ली गया अरु

उनने इन्सान खे दान दियो.

9 ओका चडना से, अरु का अर्थ मील्यो जास हइ फक्त यो कि व्हा जमीन का नीच्चे कि जगा मे उताय्यो भी थो.

10 स्वर्ग से जो नीचे उतय्यो, उ हइ, जो उच्ची जगा मे बडो सम्मान का साथ चडया कि सब सृष्टि को पूरोपूरो करी दे.

11 उनने मंडली खे कुछ प्रेरित, कुछ भविष्यवक्ता का कुछ इश्वरी सुसमाचार सुनानवाआलो अरु कुछ मंडली को रखवाली उपदेशक प्रदान कय्यो

12 कि पवित्र सेवा, लिये सुसज्जित कय्यो जाह्यो का कि मसीह का आंग उन्नती बडती जाये.

13 जब तक हम सब खे विश्वास अरु परमेश्वर को बेटो खुप, भोत ज्ञान की एक उपलब्ध नी हुय जाह्यो सिद्ध इन्सान का जसो जो मसीह को सब डील-डौल हइ.

14 तब हम बच्चा नी न्हियेका जो समुद्री लहर जसो इधर-उधर उछले वु फेक्यो जाह्यो अरु इन्सानहीन की ठग विद्या की तुफान अरु इन्सान की हुशारी वजेसे बोहायो जास हइ.

15 पर सच्चय खे प्रेम पूर्वक व्यक्त करते हुयो हर एक तरप मे हमारा उन्नती उनमे होते जायेका जो प्रधान हइ मंनजे मसीह,

16 जिनका वजेसे सब आंग मे उन्नती का वजेसे जमा करीखे अरु एक साथ मीलीखे प्रेम मे काम मे होते जास हइ क्युकि हर एक आंग अपनी तय कय्यो गया काम ठीक-ठाक करते जास हइ.

REVEALING THE REVEALING

17 येका लिए मी प्रभु का साथ पुष्टि करते हुयो तुमारो विनती का साथ बोलुस हय कि अब तुम्हारो स्वभाव गैरयहूदीहोन का जसो खोकलो मन की रीति से प्रेरित नी हय.

18 उनका मन की कटुरता से अज्ञानता कारन वे परमेश्वर को जिवन से अलग हइ अरु उनकी बुद्धि अंधारो हुय गयो हइ,

19 सुन्न हुयखे उनने खुद खे लोभी से बोहय खे सब रंग की अपवित्र अरु लालुच का अधीन करी दियो हइ.

20 मसीह का बारे मे असी शिक्षा तुमखे नी दी गइ थी.

21 अगर वास्तव मे तुमने उनका विषय मे सुन्यो अरु उनकी शिक्षा को अपनय ली हय, जो मसीह यीशु मे सच्ची को अनुरूप हइ.

22 येकालिये अपनो जुन्नो चाल-चलन से प्रेरित स्वभाव खे छोडी दे, जो छल की लालुच कारन भ्रष्ट होते रह्येस हइ

23 कि तुम्हारा मन को आत्मीक नवो हुय जाये.

24 नवो स्वभाव खे पेनी लियो, जेकी रचना धार्मीकता अरु पवित्रता मे परमेश्वर को स्वरूप मे हुयो हइ.

25 येका लिये झूठ खे छोडी खे, हर एक इन्सान अपना बाजुआला से सच्ची य बोल क्युकि हम एक ही आंग को भाग हइ.

26 घुस्सा तो कर, पन पाप मत कर. सुरज डुबना तक तुम्हारी घुस्सा नी न्हन कि.

27 सैतान के कोय मौको नी दे.

28 व्हा, जो चोरी करते न्हियो हइ, अब चोरी नी कन्ह पर मेहनत कन्ह कि व्हा अपना हात से कय्यो गयो अच्छो काम का वजेसे दुसरा दुन्या की भी मदत करी सकस, जेन कोय रंग की जरुरत हइ.

29 तुम्हारो मेडा से कोय अब शब्द नी पन असो वचन निकाले, जो अवसर को अनुकूल, दुसरा का लिये उन्नती को कारण अरु सुननेवाला का लिये अच्छो हय.

30 परमेश्वर की पवित्र आत्मा खे दुख नी करणु, जिनका वजेसे तोखे छुटकारो को देना का लिये छाप दी गय हइ.

31 सब रंग की कडवी, रोष, घुस्सा, वाद विवाद, टिंगल, आक्रोश अरु दुजा-भाव खे खुद से अलग करी दे.

32 एक दूसरा, पर दयालु अरु सहृदय बन्यो रह्यो अरु एक-दूसरा खे उ रंग माफ कर जो रंग परमेश्वर ने मसीह मे तुमखे माफ कन्यो हइ.

5

~~~~~

1 परमेश्वर को लाडका बच्चा होन का नाता, तुम परमेश्वर का पीछे चलन आलो बन.

2 तुम्हारो स्वभाव प्रेम से जेह, जो रंग से मसीह ने तुमसे प्रेम कन्यो हइ. व्हा हमारा लिये परमेश्वर का सामने खुद मनमोहन गधान आलो चड्यो अरु बलि हुय गयो.

3 जसो कि पवित्र दुन्या का लिये बरोबर हइ, तुम्हारा बीच कोय भी अपवित्र रंग को लोभी को वर्णन तक नी हय.

4 अरु नी हय तुम्हारा बीच बिना लाजवाने अरु मूर्खता भरी बातचीत या असली मजाक हय, जो हमेशा ही व्यर्थ हइ पन तुम्हारा बीच धन्यवाद ही सुनायो जाह्यो

5 क्युकि तुम या अच्छी रीति से समजस हय कि कोय भी व्यभिचारी, मलिन अरु लोभी इन्सान कि जो मूर्तिपूजक ही हइ, मसीह अरु परमेश्वर का राज मे मीरास नी हइ.

6 कोय तुमखे व्यर्थ की बात की जाल मे नी फसी मील्हे क्युकि या सबको करण अनाज्ञाकारी इन्सान परमेश्वर की घुस्सा को भागी होस हइ.

7 येका लिये उनको हिस्सेदार नी बन्यो.

8 येका पयलो तुम अंधारामे था, मगर अब प्रभु मे उजालो हय. येका लिये उजाला का बच्चा का जसा चल.

9 क्युकि उजालो का धार्मीकता को फल सब रंग को अच्छो न्यायी, सदाचार अरु सच्ची मे हइ.

10 अरु ह्या देख्यो कि प्रभु खे पसन्द हइ.

11 अंधारा का महिनत काम मे सामील नी हुये क्युकी उन पर उलाहन देस.

12 व्हा उनका गुप्त काम कि चर्चा भि लाज कि बात करस.

13 पर जेतो काम पर उलाहन दियो जाये कि वे सब दिव्यो से प्रगट होस हुए क्युकि वे सब कुछ खे प्रगट करस हइ उ दिव्यो हइ.

14 येका लिये की वु बोलस हइ

हे सोन आला,

जाग उन मुर्दा मे से जिन्दो उट.

वे मसीह कि दिवा तरा पर चमकीये.

15 येका लिये ध्यान से देखनु. कि कसी चाल चलास वे बिनाबुध्दी, समान नी पर अक्कल आला, समान चलास.

16 अवसर खे किमती समझे कि क्यु दिन बुरा हइ.

17 एका लिये बिनाबुध्दी नी हो पर ध्यान से समजिओ कि प्रभु कि इच्छा का हइ.

18 अंगूर रस से मतवालो नी बनीयो क्युकि असो लुच्चोपना होस हइ, वे पर आत्मा से पुरो होते जास.

19 अरु आसपास मे भक्ती को गिद अरु आत्मीक गिद गयो कर, अरु अपनो अपनो मन मे प्रभु का सामने गातो अरु कर्तन करते जेह.

20 अरु कभी भी सब का लिये हमरो प्रभु यीशु मसीह को नाम से परमेश्वर बाप को धन्यवाद करतो जेस.

~~~~~

21 मसीह का डर से एक दुसरा का सात जेनु.

22 हे लुगेनहोन, अपना अपना अदमी को असो अधीन रेस जसो प्रभु को.

23 क्युकी अदमी लुगेन को माथो हइ जसो की मसीह मंडली को माथो हइ अरु स्वयं ही आंग को उद्धारकर्ता हइ.

24 पर जसो मंडली मसीह को अधीन हइ वोसो ही लुगेन भी हर बात में अपना अपना अदमी, सात में रेस.

25 हे लोगहोन, अपनी अपनी लुगय से प्रेम रख जसो मसीह ने भी मंडली से प्रेम कर अपना आप खे ओका लिये दि दियो.

26 कि वोको वचन का वजेसे पानी से अच्छो करीखे पवित्र बनह्यो,

27 अरु वोखे एक असी तेजस्वी मंडली बनयखे अपना पास खडो कहे, जमे नीष्कलंक, नी झुरी नी कोय अरु असो चिज हय क्युकी पवित्र अरु नीर्दोस हय.

28 यो रंग अच्छो हइ कि लोग अपनी अपनी लुगय से अपनी आंग का जसो प्रेम रख. जो अपनी लुगय से प्रेम रखस हइ, व्हा अपनो आप से प्रेम रखस हइ.

29 क्युकि कोय ने कभी आंग से फरक नी रख्यो क्युकि ओको पाल्यो पोषण करस हइ, जसो मसीह भी मंडली को करस हइ.

30 येका लिये कि हम ओकी आंग को भाग हइ.

31 यो कारन इन्सान अपना माय बाप खे छोडी खे अपनी लुगय से मील्यो न्हियो, अरु वे दो एक जान हया.

32 यो भेद बडो हइ, पर मी यो मसीह अरु मंडली, बारे में बोलस हय.

33 पर तुम में से हर एक अपनी लुगय से अपना सामने प्रेम रख, अरु लुगय भी अपनो लोग को डर माननु.स

6

~~~~~

1 हे बच्चाहोन प्रभु में अपना माय बाप का आज्ञाकारी बन कि क्यु यो सही हइ.

2 अपना माय अरु बाप को आदर करणु पहिली आज्ञा हइ जेका साथ प्रतीज्ञा भि हइ.

3 कि तरो अच्छो हुये अरु तु जमीन पर भोत दिन जिन्दो रीये.

4 हे बच्चावाला, अपना बच्चा के त्रास नी दिलातु पन प्रभु कि शिक्षा अरु चेतावनी देते हुये उनको पालन पोषण करणु.

~~~~~

5 हे सेवकहोन जो लोगहोन यो जगत में तुम्हारा स्वामी हइ, अपना मन की सीधाई से डरस अरु कापते हुयो, जसो मसीह की वसो हि उनकी भी आज्ञा माननु.

6 इन्सान के प्रसन्न करणवालो का समान दिखन का लिये सेवा मत करणु पर मसीह का सेवक का समान मन से परमेश्वर की इच्छा पर चलनु.

7 अरु वा सेवा होन के इन्सान की नी पन प्रभु के जानीके सच्चा दिल से करणु.

8 कि क्यु तुम जानता हुये कि जो कोइ जसो अच्छो काम करीये चाह्यो सेवक हुये चाह्यो स्वतंत्रता, प्रभु से वसो ही मील्ये.

9 हे स्वामीहोन, तुम भी धमकिहोन देनो छोडी खे उनका साथ वोसो ही व्यवहार करणु. कि क्यु तुम जानता हये कि उन को अरु तुम्हारे दोय को स्वामी स्वर्ग में हइ अरु वे कोय को भाग नी लिये.

~~~~~

10 येका लिये प्रभु में अरु ओकी शक्ति का प्रभाव में बलवान बनानु.

11 परमेश्वर का सब हथियार बाधी लेनु कि तुम सैतान कि युक्तिहोन का सामने खडो हेंनु सिखनु.

12 क्युकि हमारो यो मल्ल वाद विवाद खुन अरु मास से नी पन प्रधानहोन से, अरु अधिकारीहोन से, अरु यो जगत के अंधारा का शासकहोन से, अरु वा बुरी आत्मीक सेनाहोन से हइ जो बदल में हइ.

13 येका लिये परमेश्वर को सब हथियार बाधीक ले तुम बुरो दिन मे सामने खे सब खे, अरु सब कुछ पुरो करीखे थामी न्हिखे सब.

14 येका लिये सच्ची से अपनी कमर कसीखे, धार्मीकता की झिल पेनी खे,

15 अरु पाय मे मैल को सुसमाचार कि तैयारी कि जुता पेनी खे.

16 अरु या सब का सात लिखे रुख्यो न्हे जेम्मे तुम वा बुरो सब जलते हुयो तीरी खे बुझय सक्हे.

17 अरु उध्दार कि टोपी, अरु आत्मा कि तलवार, जो परमेश्वर को वचन हइ, लि ले.

18 हर टेम अरु हर रंग से आत्मा मे प्रार्थना, अरु प्रार्थना करते न्हे.

19 अरु मरा लिये भी कि मेखे बोलन का टेम एसो प्रबल वचन दियो जाह्यो कि मी साहास का सात सुसमाचार को भेद बतय सकू,

20 जेका लिये मी साकल से जकडय हुयो राजदूतहय. अरु यो भी कि मी वोको बारे मे जसो मेखे होनु साहासे बोल्हु.

??????????

21 तुखिकुस, जो प्रिय भैइ अरु प्रभु मे विश्वासयोग्य सेवक हइ, तुम सब बात बताह्यो कि तुम भी मर दशा जानी कि मी कसो न्हियु हइ.

22 उनखे मे ने तुम्हारा पास येका लिये भेज्योस हइ कि तुम मरी दशा खे समजनु, अरु व्हा तुम्हारो मन कि शांती दे.

23 परमेश्वर बाप अरु प्रभु यीशु मसीह की तरप से भैइहोन खे शांती अरु विश्वास सहीत प्रेम मील्हे.

24 जो हमारो प्रभु यीशु मसीह से सच्ची प्रेम रखस हइ, वे सब पर अनुग्रह होतो न्हे.



## फिलीपियो खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी फिलीपियो का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी पैछान

जेल से लिखी गइ, फिलिप्पिहोन मे कुछ सब से उत्साहजनक रस्ता हइ जहा उ मसीह, बारे मे अपनो उत्साह, बारे मे बात करस हइ, बीच मे ओकी खुशी, अरु मरन, सामने ओको आत्मविश्वास दिखास. फिलिप्पिहोन को लेखक कोन आय? लेखक खुद हइ पौलुस 1:13 को रुप मे पहचान देस हइ. हालाकी कविता 1 मे पौलुस, संग ती तीमुथियुस भी हइ उल्लेख करस हइ, पर उ फक्त बधाइ देनआला, रुप मे हइ. बाकी को भागहोन मे पौलुस पैयले व्यक्ति एक वचन को उपयोग करस हइ, साफ रुप से हिसारो देस हइ कि वा चिट्ठी को लेखक आय. फिलिप्पियहोन कब लिखी गयो हइ? पौलुस जेल मे हइ. सम्राट कि सेवक अरु ओको रक्षक ओका संग या ओकी मंडली को सदस्य हइ. उनको मरनो तय हइ. इन तथ्यहोन, देखस हुये हमखे यो तय करण को जरूरत हइ कि पौलुस खा जेल मे हइ खानी कि पौलुस तीन अलग-अलग शहरहोन जेल मे हइ. उ शहर कैसरिया, इफियुस अरु रोम ही आय. उपर दिया मेढा मे रोम सब, प्रशंसनीय स्पष्टीकरण दी रोस हइ असो दिखय देस हइ. या चिट्ठी रोम मे ओका दो साल, मदत मे दियो गयो होनू. प्रेरित 16

फिलिप्पिहोन मे खानी लिखी गइ हइ? पौलुस ने कही करण से फिलिप्पिहोन, लिखी फिलिप्पिहोन, यो बताव लायो कि ओकी वर्तमान परेशानी खुशी, करणो हइ 4:10-19. एकता को आग्रह करणो लायो. मंडली, कतरा, बारे मे एक चेतावनी जारी करस, उनका यो सुचित करणो लिये कि इफ्रुदीतुस अब अच्छी तरह से हइ, उनको समर्थन को लिये उनका धन्यवाद देन लिये. अरु बताव लायो ती तीमुथियुस, उनका बाहर खान की उनकी इच्छा को वजह 2:19-30.

रुप रेखा

1. उद्घाटन नमस्कार अरु धन्यवाद 1:1-2
2. पौलुस को रावास पौलुस अरु सुसमाचार को लिये संभावना 1:3—2:30
3. मंडली मे विनम्रता अरु एकता को लिये अपील 3:1—4:9
4. फिलिप्पी कि जत्राहोन भविष्य कि योजना 4:10-23

1 मसीह यीशु को दास पौलुस अरु ती तीमुथियुस का तरफ से सब पवित्र दुन्या का नाम जो मसीह यीशु मे एक हइ, फिलिप्पी मे हैंस हइ, मुखियो अरु सेवकहोन समेत.\*

2 हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह का तरफ से तुमखे अनुग्रह अरु शांती मीलती हिये.

~~~~~

3 मी जब जब तुमखे याद करस हइ, तब तब अपना परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ.

4 अरु जब कभी तुम सब का लिये प्रार्थना करस हइ, ते सदा का साथ प्रार्थना करस हइ.

5 येका लिये कि तुम पैयला दिन से लिखे आज तक सुसमाचार, फैलाना मे मरा हिस्सेदार हिया हइ.

6 मेखे या बात को भरोसो हइ कि जेने तुम मे अच्छोकाम सुरु कयों हइ, उ ओने यीशु मसीह का दिन तक पुरो कयें.

7 अच्छो हइ कि मी तुम सब का लिये असो हि बिचार कयें, क्युकि तुम मरा मन मे अयखे बस्यो हइ, अरु मरी बन्धन मे अरु सुसमाचार का लिये उत्तर अरु प्रमाण देना मे तुम सब मरा सात अनुग्रह मे सातीदार हुये.

8 येमे परमेश्वर मरो गवा हइ कि मी मसीह यीशु कि करुना प्रेम से करीखे तुम सब की लालसा करस हइ.

* 1:1 प्रेरित 16:12

9 मी या प्रार्थना करुस हइ कि तुम्हारो प्रेम ज्ञान अरु सब प्रकार खे विवेक सहित अरु भी बडतो जाए,

10 ह्या तक कि तुम अच्छा से अच्छा बातहोन खे प्रिय जाननु कि अरु मसीह को दिन तक समज्हे सच्चा बन्या हेंनु अरु ठोकर नी खानू.

11 अरु उ धार्मीकता को फल से जे यीशु मसीह, वजेसे होस हइ, भरपुर होता जानु जेका से परमेश्वर की महिमा अरु स्तुती होती न्हिये.

???? ? ? ? ? ?

12 हे मसीह भैइ, मी चाउस हइ कि तुम यो जानी ले कि मरा पर जे बीत्यो हइ, ओकासे सुसमाचार ही की बढती हुइ हइ.

13 ह्या तक कि कैसर का राजभवन कि पुरी पलटन अरु बाकी सब दुन्याहोन मे यो प्रगट हुइ गया हइ कि मी मसीह, लिये बन्धन हइ.*

14 अरु प्रभु मे जे मसीह भैइ हइ, उन मे से जादा मरा कैद होनाकरण, हिम्मत बांधी खे परमेश्वर को वचन बेधडक सुनान को अरु भी हिम्मत करुस हइ.

15 कुछ जलन अरु झगडा से मसीह को प्रचार करस हइ अरु कुछ भली इच्छा से.

16 कोय एक ते या जानी, कि मी सुसमाचार का लिये जवाब देन को ठेरायो गयो हइ, प्रेम से प्रचार करस हइ.

17 अरु कोय एक ते सीधा से नी पर विरोध से मसीह की कथा सुनास हइ, यो सोची खे कि मरी बन्धन खे मरा लिये दुख पडदा करणु.

18 ते का हुयो? फक्त यो कि हर प्रकार से, चाउ बहानो से चाउ सच्ची से मसीह की कथा सुनाइ जास हइ अरु मी येमे से खुश हइ अरु, खुश न्हियु भी.

???? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

19 क्युकि मी जानुस हइ कि तुम्हारी प्रार्थना बिनती का द्वारा, अरु यीशु मसीह की आत्मा को दान का द्वारा येको प्रतीफल मरो उध्दार हुये.

20 मी तो यो लालुच अरु आस रखस हइ कि मी कोय बात मे लज्जित नी हुयु, पर जसो मरा मजबुत हिम्मत का वजेसे मसीह की बड्धी मरा आंग का द्वारा सदा होती न्हिये हइ वसी ही अब भी हुये, चाउ मी जिंदो न्हियु या मरी जाउ.

21 क्युकि मरा लिये जिन्दो न्हेंनु मसीह हइ, अरु मरी जानु लाभदायक हइ.

22 पर अगर आंग मे जिन्दो न्हेंनु ही मरो काम का लिये लाभदायक हइ ते मी नी जानु कि कोखे चुनू.

23 क्युकि मी दो, बीच आधा मे लटक्यो हइ. जी तो चास हइ कि कुच करी खे मसीह का पास जैइ खे न्हियु, क्युकि यो भोत ही अच्छो हइ.

24 पन आंग मे न्हेंनु तुम्हारा करण अरु जरूरी हइ.

25 येका लिये कि मेखे येको भरोसो हइ आखरी मी जानुस हइ कि मी जिंदो न्हेंनु, क्युकी तुम सब का साथ न्हेंनु जेकासे तुम विश्वास मे मजबुत होते जानु अरु ओका मे खुश न्हेंनु.

26 अरु घमण्ड तुम मरा बारे मे करस हइ, उ मरा फिर तुम्हारा पास आना से मसीह यीशु मे अरु भी बडी जाए.

27 फक्त इत्तो करणु कि तुम्हरो चाल-चलन मसीह का मन से सुसमाचार को योग्य हुये कि चाउ मी अय खे तुमखे देख्यु, चाउ न भी आयु, तुम्हारा बारे मे योय सुन्यो कि तुम एक आत्मा मे स्थिर हुये खे अरु एक चित्त हुइ, सुसमाचार को विश्वास का लिये मेहनत करता न्हैस हइ.

28 अरु कोय बात मे विरोधिहोन से डर नी खाये. यो उनका लिये अविनाश को स्पष्ट नीशानी हइ, पन तुम्हारा लिये उध्दार को अरु यो परमेश्वर का तरफ से हइ.

29 क्युकि मसीह करण तुम पर यो अनुग्रह हुयो किन फक्त ओ पर विश्वास करणु पर ओका लिये दुख भी उठानु.

30 अरु तुमखे ओसो ही करणो हइ, जसो तुम ने मेखे करते देख्यो हइ अरु अब भी सुनस हइ कि मी ओसो हि करुस हइ.*

2

~~~~~

1 आखरी अगर मसीह मे कुछ शांती, अरु प्रेम से सांत्वन अरु आत्मा को हिस्सेदार, अरु कुछ करुणा अरु दया हइ.

2 ते मरी या खुशी पूरी करणू कि एक मन हैंनु, अरु एक ही प्रेम एक ही चित्त, अरु एक ही मन सा रखनु.

3 स्वार्थी या झुट्टी बडइ का लिये कुछ नी करणू, पर दीनता से एक दूसरा खे अपना से अच्छो समझनु,

4 हर एक अपना ही हितका नी, क्युकी दूसराहोन का हित की भी चिन्ता करणू.

5 जसो मसीह यीशु को स्वभाव थो वसो ही तुम्हरो भी स्वभाव होनु.

6 ओका पास हमेशा परमेश्वर को रूप थो, जो अपना रूप मे यदपी परमेश्वर को स्वरूप थो, ओका समान जेनु लाभ हइ लौलिन असो ओने मान्यो नी.

7 क्युकी अपना आपखे असो शून्य करी दियो,  
अरु सेवक को स्वरूप धारन कर्यो.

8 अरु इन्सान का रूप मे प्रगट हुइ, अपना आप खे दीन कर्यो,  
अरु ह्या तक आज्ञाकारी न्हियु कि क्रुस कि मृत्यु भी सइ लियो.

9 यो करण परमेश्वर ने ओका उचो से उची जगा पर से उठायो,  
अरु ओखे उ नाम दियो जो सब नाम होन मे उचो हइ.

10 कि जे स्वर्ग मे अरु पृथ्वी पर अरु पृथ्वी का नीचे हइ,  
वे सब यीशु मसीह का नाम पर घुटना टेकै.

11 अरु परमेश्वर बाप कि महिमा,  
लिये हर एक जीभ अंगीकार कार करी ले कि यीशु मसीह ही प्रभु हइ.

~~~~~

12 येका लिये हे मरा प्रिय, जो प्रकार तुम सदा आज्ञा मानते आया हइ, ओसो ही अब भी नी फक्त मरा साथ हैंता हुये पर विशेष करी खे अब मरा दूर जेना पर भी डरस अरु कापते हुये अपना अपना उध्दार को कार्य पुरो करता जानु.

13 क्युकि परमेश्वर ही हइ जेने अपनो प्रेम को काम खे पुरो करण का लिये विचार डाल्यो हइ ओका जसो, बल भी देस हइ.

14 सब काम बिना कुरकुर अरु बिना झगडा को किर्या करणू.

15 ताकि तुम नीर्दोष अरु भोला हुइ, तेडा अरु हटेला इन्सानहोन का बीच परमेश्वर को नीष्कलंक सन्तान बन्या जेनू, जिनका बीच मे तुम जिवन को वचन लियो हुयो संसार मे जलतो दियाहोन का समान दिख्ये देस हइ.

16 कि मसीह का दिन मेखे घमण्ड करण को कारन हुये कि नी मरो दौडनु अरु नी मरी मेहनत करणू बेकार हुयो.

17 अगर मेखे तुम्हरो विश्वास रुपी बलिदान अरु सेवा का साथ अपना खुन भी बहानू पडचे का तेभी मी खुश हइ अरु तुम सब का साथ खुशी करस हइ.

18 वसो ही तुम भी खुश होनु अरु मरा साथ खुशी करणु.

?? ?????????? ??? ?????????????

19 मेखे प्रभु यीशु मसीह मे आस हइ कि मी तीमुथियुस खे तुम्हारा पास जल्दी भेजू, ताकि तुम्हारी दशा सुनी खे मेखे दिलासो मील्ये

20 क्युकि मरा पास असो प्रभाव का कोय नी जो शुध्द मन से तुम्हारी चिन्ता कर्हे.

21 क्युकि सब अपना स्वार्थी की खोज मे हैंस हइ, नी कि यीशु मसीह कि.

22 पर ओखे तो तुम ने परख्यो अरु जानी भी लियो हइ कि जसो बेटा का साथ करस हइ, वसो ही ओने सुसमाचार खे फैलाना मे मरा साथ मेहनत कर्यो.

23 येका लिये मेखे आस हइ कि जोही मेखे जान लिये कि मरी का हालत हुये खे ते ही मी ओखे जल्दी भेजी दियु.

24 अरु मेखे प्रभु मे भरोसो हइ कि मी तुम भी जल्दी आह्यु.

25 पर मे ने इपफ्रुदीतुस खे जो मरो मसीह भैइ अरु सहकर्मी अरु संगी योध्दो अरु तुम्हारे जासुस अरु जरूरी बातहोन मे मरी सेवा टहल करणआला हइ, तुम्हारा पास भेझनो जरूरी समझ्यो.

26 क्युकि ओको मन तुम सब मे लग्यो हुयो थो, यो करण उ व्याकुल ज्हेतो थो क्युकि तुम ने ओकी बीमारी को हाल सुन्यो थो.

27 नीश्चय ही उ बीमार ते हइ गयो थो ह्या तक कि मरना पर थो, पन परमेश्वर ने ओ पर दया की, अरु फक्त ओ ही पर नी पर मरा पर भी कि मेखे शोक पर शोक नी हुये.

28 येका लिये मे ने ओखे भेजन को अरु भी कोशीस कर्यो कि तुम ओकासे फिर मेला कात करी, खुश हुइ जानू अरु मरो भी शोक घटी जाए.

29 येका लिये तुम प्रभु खे ओकासे भोत खुशी का सात मेला कात करणो, अरु असा को सम्मान कियो करणू.

30 क्युकि उ मसीह काम का लिये अपनो जान पर तकलीफ उठैखे मरन का पास अय गो थो ताकि जो कमी तुम्हारा तरफ से मरी सेवा मे हुइ ओखे पुरो कर्ये.

3

????? ?????????

1 येका लिये हे मरा भैइ प्रभु मे खुश हैंनु. उ हि बातहोन तुम बार बार लिखना मे मेखे ते कोय मैनत नी होय, अरु येमे तुम्हारी कुशलता हइ,

2 कुत्ताहोन से हुशार हैंनु वे बुरा काम करणवाला से हुशार हैंनु वे काट कुट करणवाला से हुशार हैंनु

3 क्युकि खतनो करणआला ते हम भी हइ जो परमेश्वर कि आत्मा कि बड्ची से उपास करस हइ, अरु मसीह यीशु पर घमण्ड करस हइ अरु शरीर पर भरोसो नी रख्ये.

4 पर मी ते आंग पर भी भरोसो रखी सकुस हइ अगर कोय दुसरा को आंग पर भरोसो रखन को खयाल हुये खे ते मी ओकसे भी बडी खे रखी सकुस हइ.

5 आठवा दिन मरो खतनो हुयो, इस्त्राएल, बंस अरु बिन्यामीन का गोत को हइ. इब्रानीहोन को इब्रानी हइ. व्यवस्था का बारे मे अगर बोल्ये ते फरीसी हइ.

6 उत्साह का बारे मे अगर बोल्ये ते मंडली खे सतानआला. अरु व्यवस्था कि धार्मीकता, बारे मे अगर बोल्ये ते नीर्दोष थो.

7 पन जो जो बातहोन मरा लाभ की थी, उनने खे मेने मसीह करण नुकसान समझी लियो हइ.

8 क्युकी मी अपना प्रभु मसीहा यीशु खे पैछान खे उत्तमता को करण सब बातहोन को नुकसान समझस हइ. जेकरण मे ने सब चिजहोन खे नुकसान उठैइ, अरु उनका कुडो समझस हइ, जेकासे मी मसीह खे हासील कर्यु.

9 अरु ओने पायो जायु. नी कि अपना वा धार्मीकता का साथ का जो व्यवस्था से हइ क्युकी वा धार्मीकता का साथ जे मसीह पर विश्वास करण हइ अरु परमेश्वर का तरफ से विश्वास करणा पर मीलस हइ.

10 ताकि मी ओखे अरु उनखे कि सामर्थ्य खे अरु ओका साथ दुखहोन मे हिस्सेदार होना को मर्म खे जान्यु, अरु ओको पुनरुत्थान की समानता कि मील्ले कयुं.

11 कि मी कोय भी रीति से मर्यां हुयो मे से जी उठन का पद तक पहुच्यो.

?????? ?? ??? ???????

12 यो मतलब नी कि मी परय चुक्यो हइ, यो सिध्द हुइ चुक्यो हइ, पर उ चीजखे पकडना का लिये भागीखे जय जास हइ. जेका लिये मसीह यीशु ने मेखे पकड्यो थो.

13 हे मसीह भैइ मरी भावना या नी कि मी पकडय चुक्यो हइ. पन फक्त यो एक काम करस हइ कि जे बातहोन पिच्छे ऋीं गइ हइ उनका भुलि खे आगे कि बातहोन का तरफ बढतो हुयो.

14 नीशाना का तरफ दौवडी चलि जास हइ, ताकि यो इनाम पाये जेका लिये परमेश्वर ने मेखे मसीह यीशु मे उपर बुलायो हइ.

15 हम मे से जेत्ता सिध्द हइ, यो बिचार रख्ये अरु अगर कोय बात मे तुम्हारा अरु ही बिचार हुये ते परमेश्वर ओखे भी तुम पर प्रगट करी दिये.

16 येका लिये जहा तक हम पहुच्या हइ, ओका जसो चलनु.

17 हे मसीह भैइ अरु भैइन तुम सब मीलिले मरी जसी चाल चलनु, अरु उनका परछानी खे रखनु जो या रीति पर चलस हइ जेको उदाहरण तुम हम मे पास हइ.

18 क्युकि भोत सी अशी चाल चलस हइ, जेकी चर्चा मे ने तुम से बार बार करी हइ अरु अब भी रोइ खे बोलुस हइ कि वे अपनी चाल चलन से मसीह का कुस का दुश्मन हइ.

19 उनको आखरी अविनाश हइ, उनको इश्वर पेट हइ, वे अपना लाज की बातहोन पर घमण्ड करस हइ अरु पृथ्वी कि चिजहोन पर मन लगैइ हँस हइ.

20 पर हमारो स्वदेश स्वर्ग पर हइ. अरु हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह खे वहा से आना कि रस्ता देखी रा हइ.

21 उ अपनी शक्ति का प्रभाव का जसो जेका वजेसे उ सब चीजहोन खे अपना कब्जा मे करी सकस हइ, हमारी दीन-हीन आंग को रुप बदली, अपनी महिमा की आंग को अनुकूल बन्यी दिये.

4

??????

1 येका लिये हे मरा मसीह भैइ अरु बयहोन जेमे मरो जी लग्यो हँस हइ, जो मरा खुशी अरु मुकुट हुये, हे प्रिय भैइहोन, प्रभु मे यो प्रकार स्थिर हँनु.

2 मी यहूदीया का भी समझुस हइ अरु सुन्तुखे, भी कि वे प्रभु मे एक मन हँनु.

3 हे सच्चा सहकर्मी, मी तरा से भी प्रार्थना करुस हइ कि तू उन बयहोन की मदत कर, क्युकि उनने मरा साथ सुसमाचार फैलाना मे, क्लेमेस अरु मरा दुसरा सोप्तीहोन समेत काम कयों, जिनको नाम जिवन की किताब मे लिख्यो हुयो हइ.

4 प्रभु मे सदा खुश हँनु. मी फिर बोलुस हइ, खुश हँनु

5 तुम्हारी कोमलता सब इन्सानहोन पर प्रगट हुये प्रभु का पास हइ.

6 कोय भी बात कि चिन्ता मत करणू. पन हर एक बात मे तुम्हारो नीवेदन, प्रार्थना अरु प्रार्थना का वजेसे धन्यवाद का सात परमेश्वर का सामने उपस्थित कयों जाए

7 तब परमेश्वर खे शांती जो सब समझ परे हइ मन अरु तुम्हारा बिचारहोन को मसीह यीशु मे हिपाजत से रख्ये.

8 येका लिये मसीह भैइ जो जो बातहोन सच्ची हइ अरु जो जो बात आदरणीय हइ, अरु जो जो बात अच्छी हइ, अरु जो जो बात पवित्र हइ, अरु जो जो बात सुहावनी हइ, अरु जो जो बात मनभावनी हइ, मनजे जो भी सदगुण अरु प्रशंसा की बात हइ उन पर ध्यान लगाया करणू.

9 जो बात तुम ने मरा से सीखी, अरु ग्रहन करी, अरु सुनी, अरु मरा मे देखी, उनी को पालन कन्यो, जब परमेश्वर जो शांती को दूत हइ तुम्हारा साथ न्हिये.

222, 2222 2222222

10 मी प्रभु मे भोत खुश हइ कि अब इत्ता दिनहोन का बाद तुम्हारी चिन्ता मरा बारे मे फिर जागृत हइ हइ. नीश्चय तुमने सुर्वात मेभी येको विचार थो, पर तुमखे मौको नी मील्यो.

11 यो नी कि मी अपना कमी करण यो बोलूस हइ. क्युकि मे ने यो सीख्यो हइ कि जे दशा मे हइ. ओका मे खुश कर्यु.

12 मी लीन होनु भी जानुस हइ अरु बडनो भी जानुस हइ. हर एक बात अरु सब दशाहोन मे मेने मगन होनु, भुको न्हेनु, अरु बडनो घटनो सीख्यो हइ.

13 जे मेखे शक्ति देस हइ ओमे मी सब कुछ करी सकुस हइ.

14 तेभी तुम ने भलो कयों कि मरो क्लेश मे मरा हिस्सेदार हुया.

15 हे फिलिपिहोन तुम भी जानस हइ कि सुसमाचार प्रचार को सुर्वात मे, जब मी मकिदुनी से बीदा हुयो तब तुमखे छोडी खे अरु फक्त मंडली ने लेनो देना का बारे मे मरी मदत नी करी.

16 यो प्रकार जब मी थिस्सलुनीखे, मे थो, तब भी तुम ने मरी कमी पूरी करण का लिये एक बार का क्युकी दो बार कुछ भेज्यो थो.

17 यो नी कि मी दान चाउस हइ पन मी असो फल चाउस हइ जो तुम्हारा लाभ का लिये बडतो जास.

18 मरा पास सब कुछ हइ, क्युकी भोत से भी हइ. जे चिजहोन तुम ने इपफुदीतुस का हात से भेज्यो थो उनका मीलीखे मी मगम हूइ गयो हइ, उ तो सुखदायक सुगन्ध ग्रहन करणा योग्य बलिदान हइ जे परमेश्वर खे भास हइ.

19 मरो परमेश्वर भी अपना उ धन का जसो जे महिमा सहित मसीह यीशु मे हइ, तुम्हारा हर एक घटी खे पूरी कर्ये.

20 हमारो परमेश्वर अरु बाप की महिमा पिडमपिडि होती हिये. आमीन.

2222 2222222

21 हर एक पवित्र इन खेजे प्रभु यीशु मसीहा मे हइ नमस्कार बोलनु. जे मसीह भैइ मरा साथ हइ, तुमखे नमस्कार बोलस हइ.

22 सब पवित्र इन्सान, विशेष करीखे जे कैसर का घराना का हइ, तुमके नमस्कार बोलस हइ.

23 हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुमारी आत्मा का साथ न्हिये.

कुलुस्सियो खे नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी कुलुस्सियहोन का नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी पैछान

कुलुस्सियहोन का नाम पौलुस चिट्ठी 1:1 वजेसे लिखी गय थी. जब उ अंदर था तब उने चिट्ठी लिखी यीशु मसीह को जन्म का नजिकपास 60 साल बाद संभव रोम मे बन्दी. कुलुस्सियहोन, इफिसिहोन का साथ मीलखे अरु फिलेमोन को बन्दी मे हँतो हुये लिख्यो थो. उन ने लिख्यो कुलुस्से शहर का च खे चिट्ठी. पौलुस ने कुलुस्से मे मंडली कि सुरुवात नी की, जसो कि ओने उल्लख कर्योस हइ 2:1 लेकिन येका लिये कुछ जिम्मेदारी महसुस करी हुये. ह्या संभव हइ कि इपफ्रास ने तब से मंडली कि स्थापना करी हुये व्हा कुलुस्से से थो.

पौलुस कुलुस्से कि मंडली मे कुछ झूठी शिक्षाहोन से चिन्ता मे था. उनने चिट्ठी का अधिकांश भाग खर्चो कर्यो येका बारे मे लिखी रोस हय. हुय सकस हइ कि यहूदी मसीहोन का एक झुंड हिंयो हय जो दोसरा पद दबाव डालन कि कोशिश करी रास मसीहोन को जुन्नो नीयम को यहूदी कानून को पालन करणो चाहस, विशेषेकरी खे खतनो. पौलुस लिखस हइ विशेष रुप से मसीहोन खे प्रभु व्दरा स्वीकारी लियो जान का लिये मसीह का बजाय कोय अरु चिज कि जरूरी नी हइ 1:15-20 अरु मानविय तर्क पर नीरभर शिक्षाहोन बेकार हइ 2:8.

रुप रेखा

1. पौलुस ने चिट्ठी कि सुरुवात कुलुस्से मे मंडली खे प्रनाम करीखे कि 1:1-2 .
2. फिर व्हा विशेष रुप से झूठी शिक्षा को जवाब मे मसीह की बडाइ का बारे मे लिखतो हइ कुलुस्से 1:3—3:4 .
3. जसो कि पौलुस का कोय चिट्ठी मे होतो हुये खे व्हा चिट्ठी को उत्तर कुछ काम की बात बताना मे बितास हइ अच्छो खानोबना वाला को जीवन का लिए नीर्देश 3:5—4:6 .
4. पौलुस ने चिट्ठी खे दुसरा मंडली मे जोर से पढन जान का लिए अभिवादन अरु नीर्देशो का साथ खतम कर्यो 4:7-18

??????

1 पौलुस का तरप से जो परमेश्वर कि इच्छा से मसीह यीशु को प्रेरित हइ, अरु भैइ ती तीमुथियुस का तरप से,

- 2 मसीह मे वे पवित्र अरु विश्वासी भैइहोन को नाम जो कुलुस्से मे न्हेस हइ हमारो बाप परमेश्वर का तरप से तुमखे अनुग्रह अरु शांती मीलती होती न्हिये.

?????? ?? ?????????

3 हम तुम्हारा लिये सदा प्रार्थना करीखे अपनो प्रभु यीशु मसीह को बाप यानी परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ,

4 क्युकि हम ने सुन्यो हइ कि मसीह यीशु पर तुमारो विश्वास हइ, अरु सब पवित्र दुन्याहोन से तुम प्रेम रखस हय.

5 वा आस कि चिज को करण जो तुमारा लिये स्वर्ग मे रखी हुयो हइ, जेको वर्णन तुम उ सुसमाचार कि सच्चो वचन मे सुनी चुक्यो हय,

6 जो तुमारा पास पहुच्यो हइ, अरु जसो संसार मे भी फल लास अरु बडते जास हइ, वोसो य जो दिन से तुम ने ओको सुन्यो अरु सच्ची से परमेश्वर को अनुग्रह पहिचाननो हइ, तुम मे भी असो य करस हइ.

7 ओकि शिक्षा तुम ने हमारा प्रिय सहकर्मी इपफ्रास से मील्यो, जो हमारो लिये मसीह को विश्वासयोग्य सेवक हइ.*

8 ओ ने तुम्हारो प्रेम कि जो आत्मा मे हइ हमारा पर प्रगट कय्यो.

9 येका लिये जो दिन से यो सुन्यो हइ, हम भि तुम्हारो लिये यो प्रार्थना अरु प्रार्थना करणो नी छोड़ुस कि तुमने सब आत्मीक ज्ञान अरु समझ सहित परमेश्वर कि इच्छा कि पैछान मे परिपूर्ण हुय जाव.

10 ताकि तुम्हारो चल-चलन प्रभु, योग्य हय अरु वे सब प्रकार से प्रसन्न हुये, अरु तुम से हर प्रकार का भला काम का फल लगह्यो, अरु तुम परमेश्वर की पैछान मे बडते जाव.

11 ओकी महीमा की शक्ति का जसो सब प्रकार को सामर्थ्य से ताकत होते जाये, ह्या तक कि आनन्द, साथ हर प्रकार से धीरज अरु सहनशीलता देखी सक्यो.

12 अरु बाप को धन्यवाद करता रिये, जेने हमके यो योग्य बनायो कि दिवो मे पवित्र लोग का साथ मीरास मे शामिल हुये.

13 ओ ने हम खे अन्धर का कुल से छुड़ाये लिखे प्रिय बेटा का राज्य मे प्रवेश करायो.

14 जे मे हमखे छुटकारो मंनजे पाप कि माफी मीलस हइ.*

~~~~~

15 व्हा तो अदृश्य परमेश्वर को प्रतीरुप अरु सब सृष्टि मे पयलो हइ.

16 क्युकि ओ मे सब चिजहोन की सृष्टि हुय, स्वर्ग कि हय अथवा पृथ्वी की, देख्यो यो बिनादेख्यो, राजगद्दी, प्रभुताहोन, अधिकार, सब चिजहोन ओका वजेसे अरु ओका लिये सृजी गय हइ,

17 व्हा सब चिजहोन मे पयलो हइ अरु सब चिजहोन वो मे रख्यो जेती थी.

18 उ आंग का मंनजे मंडली को माथो हइ. व्हा अगर हइ, अरु मन्यो हुयो मे से जिन्दो उठनआला मे पयलो कि सब बात मे व्हा प्रधान रोख्ये.\*

19 क्युकि बाप कि प्रसन्नता ये मे हइ कि ओमे सब परिपूर्णता से वास कन्ह,

20 अरु ओका कुस पर बोहायो हुयो खुन खे वजेसे मीलजुलीखे करीखे, सब चिजहोन, ओका वजेसे से अपना सात मीली खे ली, समजो वे पृथ्वी पर की हुये चाह्यो स्वर्ग मे की.

21 तुम जो पैयले बुरा काम करण मन से दुर था.

22 ओने आब ओका शारीरिक आंग मे मरना का वजेसे तुमरो भी मीली लियो जबकी तुमखे अपना समने पवित्र अरु नीष्कलंक, अरु नीर्दोश बनयखे हजीर कर.

23 अगर तुम विश्वास को पय्या पर पक्को बन्यो न्हिये अरु उ सुसमाचार कि आस खे जो तुम ने सुन्यो हइ नी छोड़, जिनको प्रचार बढल का नीच्चे की सब सृष्टि मे कय्यो गयो, अरु जेको मी, पौलुस, सेवक बन्यो

~~~~~

24 अब मी वे दुख को करण खुसी करस हय, जो तुम्हारो लिये उठस हय अरु मसीह कि पिडा कि कमी ओका आंग का लिये, मंनजे मंडली का लिये, अपनो आंग मे पुरो करस हय.

25 जिनको मी परमेश्वर को उ प्रबन्ध का जसो सेवक बन जो तुमारा लिये मेखे दियो गयो जबकी मी परमेश्वर को वचन खे पुरो प्रचार कन्ह.

26 मंनजे उ भेद खे जो टेमहोन अरु पिडीसे लुकयखे न्हियो, पन आब उनको वे पवित्र दुन्या पर प्रगट हुयोस हइ.

27 जिन पर परमेश्वर ने प्रगट करणो चाह्यो कि उनने समज्यो कि गैरयहूदीहोन मे वा भेद कि महिमा को मोल हुये खे हइ, अरु व्हा यो हइ कि मसीह जो महीमा कि आस हइ तुमारा मे जेस हइ

28 जिनको प्रचार करी खे हम हर एक इन्सान खे सिखास हइ कि हम हर एक इन्सान खे मसीह मी सिध्द करीखे उपस्थित कन्ह.

29 येका य लिये मी ओकी वा शक्ति का जसो जो मेखे सामर्थ्य का सात प्रभाव डलतो हइ, तन मन लगयखे अराम भी करस हय.

2

1 मी चाहुस कि तुम समजी ले कि तुम्हारो अरु उनका लिये जो लौदिकिया मे हइ, अरु वे सब का लिये जिनने मरो आंग मुडो नी देख्यो, मी कसो अराम करस हय,

2 जबकी उनको मन मे शांती हइ अरु वे प्रेम से आपस मे जुडी खे न्हिया, अरु वे पुरो समज को सब धन हासील कन्ह्यो अरु परमेश्वर बाप को भेद खे मनजे मसीह खे पहीछानी लिये.

3 जिनमे डिमाक अरु समज को सब धन भण्डार लुक्या हुयो हइ.

4 यो मी येका लिये बोली रोस हय कि कोय इनसान तुमखे झुटी तरीका कि बात से धोको नी दे.

5 अगर मी आंग का रूप से नी तुमारा से दुर हय, तेभी आत्मीक भाव से तुम्हारानजिक हय, अरु तुम्हारो बराबर जिवन खे अरु तुम्हारो विश्वास की, जो मसीह मे हइ, दृढता देखीखे खुश होस हय.

~~~~~

6 आखरी जसो तुम ने मसीह यीशु खे प्रभु करीखे ग्रहण करी लियो हइ, वोसोय वोमे चलास न्हव.

7 अरु ओमे य जडी पकडते अरु बडते जाव. अरु जसौ तुम सिखायो गयो अरु ओसो य विश्वास मे दृढ होते जाव, अरु जादा से जादा धन्यवाद करते न्हव.

8 हुशार न्हव कि कोय तुमखे उ तत्व ज्ञान अरु व्यर्थ धोका वजेसे अपनो अहेर नी बनय ले, जो इन्सान की रितीरिवाज अरु जगत की सब पयली शिक्षा का जसो तो हइ, पर मसीह को जसो नी.

9 क्युकि ओमे परमेश्वर कि सब परिपूर्णता आंग वास करस हइ.

10 अरु तुम ओमे भरपुर हुय गयो हय जो सब प्रधानता अरु अधिकार को शिरोमणी हइ.

11 ओमे तुम्हरो असो खतनो हुयो हइ जो हात से नी होय, मनजे मसीह को खातनो, आंग उतार दीयो जास हइ,

12 अरु ओका सात बपतिस्मा मे गाड्यो गयो अरु ओमे य परमेश्वर की सामर्थ्य पर विश्वास करीखे, जिन खे मन्यो हुया मे से जिन्दो, ओका सात जिन्दो भी हुयो.

13 ओने तुम्हारो भी, जो अपराधहोन अरु अपना आंग की खतनहित दशा मुर्दो थो, ओका सात जिन्दो, अरु हमरो सब अपराधहोन माफ कन्यो,

14 अरु विधीहोन की जो व्हा लिख्यो जो हमरो नाम पर अरु खिलाप मे थो मीटकय दिया, अरु ओखे क्रुस पर खिल्ला से जडकय सामने से बाजु करी दियो हइ.

15 अरु ओने प्रधानहोन अरु अधिकार का उपर से उतरीखे उनको खुल्लमखुल्ला नाटक बनायो अरु क्रुस का वजेसे उन पर जय जयकार की आवाज सुनी.

16 येका लिये खान पिन का पैयले यो नवो चाद अरु अराम का बारे मे तुमारो कोय फैसलो नी कन्हे.

17 क्युकि ये सब आनआली सब बात कि छाय हइ, पर किमती चिज मसीह कि हइ.

18 कोय इन्सान आत्मा हिनता अरु स्वर्गदूतहोन की पुजा करीखे हुयो दौडी खे प्रतीफल से बाहेर नी करु. इन्सान देख्यो हुयो बात मे लग्यो न्हस हइ अरु अपना शारीरिक समज पर व्यर्थ फुलस हइ,

19 अरु उये शिरोमणी खे पकडन को नी न्हेतो जेकासे सब आंग अरु पट्टा का वजेसे पालन पोसन मीलिले अरु एक सात मीलीखे, परमेश्वर कि तरप से बडते जास हइ.

~~~~~

20 जब कि तुम मसीह का सब जगत कि पयली शिक्षा का तरप से मरी गया हय, ते फिर का उनका सामने जो जगत को हइ जिवन बितस हय? तुम असो विधीहोन का बस मे कायबर न्हस हय,

21 कि यो नी पकड्यो, ओखे नी चाट्यो, अरु ओखे हात नी लगानु?

22 यो सब चिजहोन काम मे लाते खतम हुय जाह्ये क्युकि ये इन्सान की आज्ञाहोन अरु शिक्षाहोन का जसो हइ.

23 या विधीहोन मे या इच्छा का जसो गडी वालि भक्ति कि रीति, अरु आत्मा हीनता, अरु शारीरिक योगभास को भाव से ज्ञान को नाम तो हइ, पन आंग लालुचहोन खे रोखना मे येका से कुच भी फायदो नी होतो.

3

1 आखरी मे जब मसीह का सात जिन्दो कन्यो गयो, ते स्वर्गीय चिजहोन कि दुडना मे जेव जहा मसीह विघमान हइ अरु परमेश्वर का जवना तरप बठयोस हइ.

2 जमीन पर की नी पन स्वर्गीय चिजहोन पर ध्यान लगाव,

3 क्युकि तुम तो मरी गया अरु तुमारो जिवन मसीह का सात परमेश्वर मे लुक्यो हुयो हइ.

4 जब मसीह जो हमारो जिवन हइ, प्रगट हुये तब तुम भी ओका सात महिमा सहित प्रगट कह्ये जाह्ये.

येकालिये अपनो व आंग खे मारी डाल्हे जो पृथ्वी पर हइ, मनजे व्यभिचार, अच्छो, दुष्कामना,

बुरी लालुच अरु लोभी खे जो मूर्तिपुजा का बराबर हइ.

6 येका कारण परमेश्वर को घुस्सा आज्ञा नी माननवाला पर पडस हइ.

7 अरु तुम भी, जब या बुराय मे जिवन बिताता था ते इनका अनुसार चलस हइ.

8 पर अब तुम भी या सब खे, मनजे घुस्सा, रोस, दुजाभाव, टिंगल अरु मुडा से गाली नीकलनो या सब बात छोडी दे.

9 एक दुसरा से झुटी मत बोलनू, क्युकि तुमने जुन्ना इन्सान खे ओका काम का सात मे उतारी दियोस हइ.

10 अरु नवो इन्सान खे पेनी लियो हइ, जो अपनो सृजनहार का रुप का अनुसार ज्ञान मील्हे करण का लिये नवो बनायो जास हइ.

11 ओमे नी ते यूनानी मे ज्हियो नी यहूदी, खतना नी खतनरहित, नी जंगली, नी स्कूती सेवक अरु मसीह सब मे हइ.

12 येकालिये परमेश्वर को चुन्यो हुयो का जसो जो पवित्र अरु प्रिय हइ, जो बडि दया, अरु अच्छो, अरु दिनता, अरु नम्रता, अरु सहनसीलता खे पेन्या कर,

13 अरु अगर कोय पर कोय खे दोस देन को कारण हुये, ते एक दुसरा की सहि ले अरु एक दुसरा को अपराध माफ कर. जसो प्रभु ने तुमारो अपराध माफ कन्यो, वसो तुम भी कर.

14 यो सब का उपर प्रेम को जो सिध्दन्ता को कटिबन्ध हइ बाधी ले.

15 मसीह की शांती जेका लिये तुम एक आंग हुयखे बुलायो भी हइ, तुमारा प्रेम मे राज कहे अरु तुम धन्यवादी बन्यो जेव.

16 मसीह को वचन को खुद प्रेम मे जादासे से जेन दे अरु सिध्द ज्ञान सहीत एक दुसरा खे सिकाव अरु बताव, अरु अपना मन मे महिमा का सात परमेश्वर का लिये भजन अरु स्तुतिगिद अरु आत्मीक गिद गा.

17 वचन मे यो काम मे जो कुछ भी कर सब प्रभु यीशु को नाम से कर, अरु ओका वजेसे परमेश्वर बाप को धन्यवाद कर.

हे लुगयहोन, जसो प्रभु मे अच्छो हइ, वसो य अपना अपना अदमी का अधीन जेव.

18 हे इन्सानहोन, अपनी अपनी लुगय से प्रेम रख, अरु उनसे कटुर मत कर.

20 हे बच्चाहोन, सब बात मे अपना माय बाप की आज्ञा को पालन कर, क्युकि प्रभु येमे खुस होस हइ.

21 हे बच्चाआला, अपना बच्चाहोन खे तंग नी करणू नी हय कि उनको साहस टुटी जाह्ये.

22 हे सेवकहोन, जो आंग का अनुसार तुमारो स्वामी हइ, सब बात मे उनकी आज्ञा को पालन कर, इन्सान खे खुस करणआला का जसो दिखान का लिये नी, पन मन की सीधाइ अरु परमेश्वर को डर से.

23 जो कुच तुम करस हय, तन मन से कर, यो समझी खे कि इन्सान का लिये नी पन प्रभु का लिये करस हय.

24 का तुम मलुम हय कि तुमखे येका बदला प्रभु से मीरास मील्ले. तुम प्रभु मसीह कि सेवा करस हय.

25 क्युकि जो बुरो करस हइ व्हा अपनी बुरोय को फल मील्ले, व्हा कोय को पछतावो नी.

4

1 हे स्वामीहोन खे अपनो सेवक का सात न्यान अरु ठिक ठीक व्यवहार कर, यो समझी खे कि स्वर्ग मे तुमारो भी एक स्वामी हइ.

??? ???????????

2 प्रार्थना मे लग्यो जेहव, अरु धन्यवाद, सात ओ मे जागा जेहव.

3 अरु सात ही सात हमारा लिये प्रार्थना सुनन को असो दरवाजो खोली दे, कि परमेश्वर हम मसीह को वु भेद को वर्णन करी सकस जेको कारन मी कैदी मे हय,

4 अरु ओखे असो प्रगट कर, जसो मेखे करणो अच्छो हइ.

5 अवसर खे किमती समजीखे बाहेरवाला, सात दिमाकआला से व्यवहार कर.

6 तुमारो वचन सदा अनुग्रह सहीत अरु सलोनो हय कि तुम हर इन्सान खे अच्छी रीति से उत्तर देनो अय जाह्ये.

????? ????????

7 प्रिय भैइ अरु विश्वासयोग्य सेवक, तुखिकुस, जो प्रभु मे मरो सहकर्मी हइ, मरी सब बात तुमखे बतय दिव.

8 ओखे मे ने येका लिये तुमारा पास भेज्यो हइ कि तुमखे हमारी बात मालुम हुय जाह्ये अरु व्हा तुमारा दिल खे शांती दे.

9 उनका सात मे ने उजेसिमुस खे भी भेज्यो हइ जो विश्वासयोग्य अरु प्रिय भैइ अरु तुम ही मेसे हइ. या तुमखे ह्या की सब बात बतय दिह्ये.

10 अरिस्तर्खुस, जो मरा सात जेल मे हइ, अरु मरकुस जो बरनबास को भैइलगस हइ जेका बारे मे तुमने आज्ञा मीली थी कि अगर व्हा तुमारा पास आया, ते ओकासे अच्छा से व्यवहार करणु,

11 अरु यीशु जो यूस्तुस बोल्यो जास हइ, तुमखे नमस्कार बोल्योस हइ. खतना कन्यो हुयो दुन्या मे से फक्कत यो य परमेश्वर का राज्य का लिये मरो सहकर्मी अरु शांती को करण ज्हीयो हइ.

12 इपफ्रास, जो तुम परमेश्वर मे से हइ अरु मसीह यीशु को सेवक हइ,

13 मी ओको गवइ हइ कि व्हा तुमारा लिये अरु लौदिकिया अरु हियारापुलिस आलो, लिये बडो काम करतो जेस हइ.

14 प्रिय डॉक्टर लुका, अरु देमास खे तुमारो नमस्कार.

15 लौदिकिया का भैइखे, अरु नुम्फा अरु उनका घर की मंडली खे नमस्कार बोलनू.

16 जब यो बेटो तुम्हारा ह्या पडी लियो जाह्येका अरु व्हा चिट्ठी जो लौदिकिया से आह्ये ओखे तुम भी पडनू

17 अरु अरुखिप्पुस से बोलनू कि जो सेवा प्रभु मे तुमखे सौपिदी गय हइ, ओखे सावधानी का सात पुरो करणू.

18 मेखे पौलुस को अपना हात से लिख्यो हुयो नमस्कार. मरी हतकडी खे याद रखनु.

तुमारा पर अनुग्रह होतो जेह.

1 थिस्सलुनीकियो खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी 1 थिस्सलुनीकिहोन का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी

पैछान

थिस्सलुनीखे किहोन की चिट्ठी पौलुस बीच में मीशनरी अरु पादर का रूप में महान अंतरदृष्टि प्रदान करस हइ। 1:1 उ थिस्सलुनीखे किहोन में एक थोड़ो टेम में मंडली की स्थापना करस हइ अरु येको विकास अरु मंत्रालय का बारे में प्रार्थना अरु चिंता करणो जारी रखस हइ। उ इमानदारी से सुसमाचार की घोषणा करस हइ 51 साल धर्मान्तरित दुन्याहोन की परवाह करस हइ उनकी प्रशंसा करस हइ मार्गदर्शन करस हइ अरु उपदेश देवस हइ। उ उनकी उन्नती से खुश होस पर उ प्रमान से नीराश होस जेका पर तैयार हुयो हइ। या चिट्ठीहोन में पौलुस खुद को अरु मंडली को मसीह को एक उत्साही को प्रेमपूर्ण सेवक अरु एक छोटो उत्साही का पर नवी मंडली, प्रेरित 17:1-10 रूप में प्रस्तुत करस हइ। दो विश्वास लायक हइ, दो परमेश्वर का वजसे उपयोग करयो जास हइ।

अरु दो ने एक-दूसरा को मसीह का जसी सेवा करी, जो परमेश्वर कि दुन्याहोन का बीच में पायो जास हइ। शैली सामग्री प्रकार कथाहोन की शैली बापदादा नैतिक निर्देश की हय, कयी नीम्नलिखित करणो सी ग्रीक-रोमन अभिभाषक परंपराहोन की कोइ विशेषतावों को प्रदर्शित करस हइ या चिट्ठी कोइ तरह का विशेष कर देशवासिहोन का बाहर विरोध बावजूद अपनो नवो विश्वास अरु आचरण बनायो रखन का लिये अभिभाषहोन सूचित करस हइ। या उनकी चुनी हुई स्थिति को विश्वासिहोन आत्मा विश्वास दिलास हइ अरु विश्वास में उनको पहलो पदचिन्ह अरु पौलुस खे प्रसन्न करस हइ, यो जोर देस हइ कि पौलुस की शिक्षा परमेश्वर से हइ, नी कि फक्त मानव से अरु येका लिये उनका ये में मजबूत रहनो चास 5:6-8

रूप रेखा

1. पौलुस अपनी चिट्ठी कि सुरुवात अरु मंडली को नमस्कार करखे अरु परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए करता है 1
2. पौलुस का अपने काम अरु तिमथियो ने लाये हुये समाचार खे विषय मेचरचा करता है 2—3
3. उसखे बाद पौलुस यीशु का दुसरी बार आन का टेम में मसीह तैयारी करणे खे लिये मसीह में कसो जिवन जिना होनु। 4:1—5:15
4. पौलुस चिट्ठी कि अन्त मंडली खे फिर से नमस्कार अरु उनने बताता है कि ह्या चिट्ठी पढतो होनु है 5:16-28

पैछान

1 पौलुस का सिलवानुस अरु तीमुथियुस का तरफ से थिस्सलुनीखे किहोन कि मंडली को नाम जो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह में स्थित परमेश्वर को अनुग्रह अरु शांती तुम खे मीलती हेस.*

पैछान

2 हम हमेशा अपनी प्रार्थनाहोन में तुम खे याद करस हइ हम हमेशा तुम सब का बारे में परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ

3 अरु अपना परमेश्वर अरु बाप का सामने तुमारो विश्वास को काम, अरु प्रेम की मेहनत, अरु हमारो प्रभु यीशु मसीह में तुमारी दृढ़ की आशा खे याद करस हइ।

4 हे विश्वासी भैइहोन हम जानस हइ, की परमेश्वर तुमारा से प्यार करस हइ अरु ओने अपनो होन का लिये तुम खे चुन्यो हइ।

* 1:1 प्रेरित 17:1

5 क्युकी हमारो सुसमाचार खे विवरन तुमारा पास मात्र शब्द मे नी पोचास हइ पन सामर्थ्य अरु पवित्र आत्मा का अरु गहन सत्य का सात पोच्यो हइ. तुम जानस हइ, कि हम जब तुमारा सात था तुमारा लाभ का लिये कसो जिवन जिये.

6 खुद पवित्र आत्मा का वजेसे दिया गया आनन्द का सात हमारो अरु प्रभु को अनुकरण करस हुये प्रभु को वचन खे भोत दुख का सात स्वीकार कय्यो.*

7 ह्या तक की तुम मकिदुनी अरु अखाया का सब विश्वासिहोन का लिये तुम उदाहरण बन्या.

8 क्युकी तुम से प्रभु को सन्देश गुज उठ्यो अरु न फक्त मकिदुनी अरु अखाया सुनी गइ बलकी परमेश्वर को विश्वास से सब जान्यो मान्यो गयो, ते हम खे कुछ भी बोलन कि आकुल्यकता नी हइ.

9 क्युकी वे आप ही हमारा बारे मे बतास हइ, कि तुमने हमारो कसो स्वागत कय्यो थो जब हम मील्यो था. अरु तुम खे मूर्ती होन से दुर हइ खे परमेश्वर का तरप से फिरी गया कि जिन्दो अरु सच्चा परमेश्वर कि सेवा करण लग्या.

10 अरु ओको बेटो यीशु हइ, का स्वर्ग से आन को इंतजार करस हइ जो मन्या मे से जिन्दो अरु जो परमेश्वर को आनवाला घुस्सा से हम खे बचास हइ.

2

XXXXXXXXXX XX XXXXX XX XXX

1 हे विश्वासी साथिहोन, तुम खुद ही जानस हइ कि तुम से भेट करण का लिये हमारो आनो व्यर्थ नी हुये

2 जसो कि तुम खुद हि जानस हइ, कि फिलिप्पी नगर मे दुख उठान अरु उपद्रव सहना पर भी हमारा परमेश्वर ने हम खे असो धिरज दियो, कि हम परमेश्वर को सुसमाचार भारी विरोध होतो हुये भी तुम खे सुनायो साहस मील्ले हुयो.

3 हमारी प्रार्थना येका आधर पर नी हइ, कि हमारो खराब उद्देश अरु येका लिये भी नी हइ कि दुन्याहोन को छल को जतन करस हइ.

4 पर जसो परमेश्वर ने हम खे सुसमाचार को प्रचार करणा को योग्य समज्यो हइ, क्युकी इन्सानहोन कि प्रसन्नता का लिये नी पन परमेश्वर का नाम जो हमारा मन खे तपास हइ.

5 यो तो तुम खे अच्छी रीति से मालुम हइ कि नी ते हमारी बात मे चापलूसी थी, अरु नी लोभ लुकान को बहानो करस हइ, परमेश्वर हमारो गवाह हइ.

6 हमने दुन्याहोन से कोय भी मान सम्मान भी नी चायो नी तुम से अरु नी कोय अरु मसीह को प्रेरित होन का कारण तुम से सहायता लेन को हमारो अधिकार थो, फिर भी हम इन्सानहोन से सम्मान लेन की भी कोशिश नी करी, नी तुम से, नी कोय अरु से.

7 अच्छो ही हम मसीह को प्रेरित होन का कारण हम तुम से माग करता था, पन हम तुमारा सात रहता था जसो एक माय अपना बच्चा खे दुध पिलाते हैस हइ.

8 हम ने तुमारा प्रती नम्रता मन को अनुभव कय्यो येका लिये परमेश्वर से मील्यो सुसमाचार से क्युकी तुम हमारा प्रिय हइ गया हइ.

9 क्युकी हे मरा विश्वासी साथिहोन, तुम नीश्चित ही यो याद रख कि हमारी मेनहत अरु तकलीप जब की हम परमेश्वर को सुसमाचार खे सुनता हुये तुम पर बोझ नी बने.

10 तुम खुद ही गवाह हइ, अरु परमेश्वर भी गवाह हइ कि तुम विश्वासी दुन्याहोन मे हमारो व्यवहार कसो पवित्र अरु न्यायी अरु नीदोष हैस.

11 क्युकि तुम जानस हइ कि जसो बाप ओका बच्चा का सात व्यवहार करस हइ, असो ही हम ने तुमारा सात व्यवहार कय्यो थो.

* 1:6 प्रेरित 17:5-9

12 हम ने खुद से प्रोत्साहित क्यो हम ने खुद से दिलासो दीयो अरु तुमारा से लगातार प्रार्थना करस हइ कि असो जिवन जी जो परमेश्वर से प्रसन्न कर्हे जेने तोखे अपनो खुद को राज अरु महिमा मे हिस्सेदार होन का लिये बुलायो हइ.

13 येका लिये हम भी परमेश्वर को धन्यवाद नीत्य करस हइ. कि जब हमारा पास से परमेश्वर को सुसमाचार को वचन तुमारा पास पोचास, तब तुम उ इन्सान को नी पन परमेश्वर को वचन समझे, अरु सच मे यो असो ही खुद ने ग्रहन क्यो हइ. अरु यो तुम जो विश्वास करस हइ परमेश्वर ओमे काम करस हइ.

14 हे विश्वासी साथिहोन, वा सब बात जो तुमारा सात घटी हइ जो यहूदा को परमेश्वर का वा मंडली का सात घटी, जो मसीह यीशु मे था तुम ने अपना सात भैदहोन से असो यातना झेली हइ जसो उनने वे यहूदीया येका हात से झेली थी.

15 जेने प्रभु यीशु मसीह अरु भविष्यवक्ताहोन से भी मारी डाल्यो अरु हमसे भी सतायो, अरु परमेश्वर उनसे खुसी नी हइ, अरु वे सब परमेश्वर से प्रसन्न नी करस हइ अरु वे पुरा मानवता को विरोधी हइ.

16 वे गैरयहूदीहोन को सुसमाचार कि शिक्षा देना मे बाधा डालस हइ कि कही वे दुन्याहोन को उध्दार नी हइ जाये या बात मे वे हमेशा अपना पाप को घडो भरतो न्हेस हइ अरु आखरी मे अब परमेश्वर कि घुस्सा पुरी तरह से पोची हइ.

~~~~~

17 हे विश्वासी साथिहोन, जब हम कुछ टेम का लिये मन मे नी पन आंग मे तुमारा से दुर हइ गयो थो, ते हम भोत उतावलो हइ गया था पन फिर से मीलन का लिये भोत कठिन प्रयास क्यो.

18 हम तुम से फिर से मीलन का लिये भोत जतन करी रहा था, मी पौलुस ने हर बार प्रयत्न क्यो कि सैतान ने बाधा डाली.

19 ये सब से बाहर जान कि हमारी आस हइ, हमारो उत्लास या आनन्द या हमारो मुकुट जेका पर हम से गर्व हइ? का तुम से गर्व नी होय कि हमारो प्रभु यीशु डबल से आना पर हम उपस्थित हुये?

20 सच मे घमण्ड अरु गौरव अरु आनन्द तुम ही हइ.

### 3

~~~~~

1 या बात जब हम भी धीरज नी न्ही गयो, ते हम ने यो ठहरायो, की एथेस नगर मे अखे लो न्हेनो अच्छो हुये.

2 अरु हम तीमुथियुस से जो मसीह को सुसमाचार मे हमारो साथिहोन का अरु परमेश्वर को सहकर्मी हइ, येका लिये भेज्यो कि तुम से मजबुत कर्हे अरु तुमारा विश्वास का बारे मे तुम से प्रोत्साहित कर्हे.

3 क्युकी कोय यो दुख से पिछे जाये का क्युकी तुम खुद से जानस हइ कि हम येका लिये ठैराया गया हइ.

4 वास्तव मे जब हम तुमारा पास था, ते तरा से बोलतो थो, की हम पर सताव आनवालो हइ ते ठीक असो ही हुयो अरु तुम भली भाती जानस हइ जेका से घटित हुयो.

5 येका लिये क्युकी मी जादा रस्ता नी करी सकु अरु तुमारा विश्वास का विषय मे तीमुथियुस से भेजी दियो क्युकी मेखे डर थो सैतान ने तुम से लुभय से हमारो कठिन मेहनत बेकार नी करी दियो.

6 पन अभी तीमुथियुस ने जो तुमारा पास से हमारा ह्या अभी तुमारा पास से हमारा पास आयोस हइ, विश्वास अरु प्रेम को सुसमाचार सुनायो, ओने हम से बतायो कि तुम हमारा बारे मे हमेशा सोचता न्हेस हइ तुम हम से मीलन से भोत लालुच हुये के असो ही जसो हम तुमसे मीलन.

7 येका लिये हे विश्वासी साथिहोन, हमारी सभी पिडाहोन मे तुमारा विश्वास कारण हमारो उत्साह भोत बडो हइ.

8 क्युकी अब फिर जिवन जी सकीरा हइ क्युकी हम जानी गया हइ कि प्रभु मे तुम खे पंको खडो हइ.

9 अब हम आप करण हमारो परमेश्वर को धन्यवाद देस हइ ओकी उपस्तिथी मे ओका कारण हम उनको धन्यवाद देस हइ?

10 जब हम रात दिन एक मन हइ, प्रार्थना करता जेस हइ, कि तुमारो मेडो देखेखे अरु तुमारा विश्वास कि कमी पुरी कहे.

11 अब हमारो परमेश्वर अरु बाप अरु मसीह यीशु खे हमारो प्रभु तुम तक पोचना मे हमारी रस्ता देखी हुये

12 अरु प्रभु एक दुसरा का प्रती तथा सब का लिये तन मे ओकी बडोत्री कर तुमारा लिये जसो तुमारा लिये प्रेम बरसास हइ.

13 ताकि उ तुमारा मन खे असो स्थिर कहे, कि जब हमारो प्रभु यीशु अपना सब पवित्र दुन्याहोन का सात अय खे उ हमारो परमेश्वर अरु बाप का सामने पवित्रता मे नीर्दोष रख्यो.

4

~~~~~

1 येका लिये हे विश्वासी साथिहोन, हम तुम से प्रार्थना करस हइ, अरु तुम खे प्रभु यीशु मे प्रोत्साहित करस हइ, कि जसो तुम ने हमारा सात योग्य चाल चलनो, अरु परमेश्वर को सवाल करणा का बारे मे जो प्रकार को नीर्देश मील्हे कन्यो थो, अरु जसो तुम चलस भी हइ, असो ही अरु भी अधिक उन्नत होतो चले जा अरु असो ही तुम बडतो जा.

2 क्युकी तुम जानस हइ, कि जो प्रभु यीशु का अधिकार से हमने तुम खे कोन-कोन सो नीर्देश दियो हइ.

3 क्युकी परमेश्वर की इच्छा या हइ, कि तुम पवित्र हइ जयखे अरु व्यभिचार से पुरी रीति से मेत हइ जा.

4 अरु तुम मे से हर एक जन पवित्र अरु आदर से खुद कि लुगेन का सात कसो जिवन जीये उ जानो.

5 अरु यो काम अभिलाषा से नी, अरु नी गैरयहूदीहोन का जसो कि इन खे परमेश्वर को ज्ञान नी हइ.

6 या बात मे कोय अपनो विश्वासी भैइ का प्रती अपराध नी कहें या कोय अनुचित काम नी करणू क्युकी ये सब पाप का लिये प्रभु दण्ड दिये कि जसो कि हमने तुम खे बतय चुक्या हइ अरु तुम खे सावधान भी करी चुक्या हइ.

7 परमेश्वर ने हमारो बुलावो अपवित्रता का लिये नी पन पवित्र होन का लिये बुलायो हइ.

8 येका लिये जो कोय शिक्षा खे नकारस हइ उ कोय इन्सान खे नी नकारस हइ बलकी परमेश्वर खे ही नकारस हइ जो अपनी पवित्र आत्मा को प्रदान करस हइ.

9 भैइचारा का बारे मे मेखे कुछ भी लिखन कि जरूरत नी कि मी तुमारा पास कुछ लिखू, क्युकी आपस मे प्रेम रखनो तुम ने खुद ही परमेश्वर से सीख्यो हइ.

10 अरु वास्तव मे तुम अपनी सब मकिदुनी असो ही करस हइ किन्तु भैइहोन हम तुम से असी ही प्रार्थना करस हइ कि असो अधिक करस हइ.

11 अरु जसो हमने तुम खे बतायो हइ, शांती पुर्ण जिवन जिन को उद्देश खे अपना काम खे अपनो जिन का लिये खुद कमा.

12 येका से जो विश्वास नी करस हइ वे तुमारी जिन को ढंग को आदर करस तुम का कोय दुसरा पर नीर्बर नी जेनु पडे.

~~~~~

13 हे भैइहोन अरु बहीनहोन खे हम नी चास, कि तुम उनका बारे मे अनजान न्हेस, जो मरना मे सोय गया. असो नी होनु कि तुम दुन्याहोन का समान शोक कन्हे जेखे आस नी.

14 क्युकी विश्वास करस हइ कि यीशु मय्यो हुइ अरु उ जिन्दो हुये खे ते यो प्रकार जेने भी परमेश्वर मे गयास हइ, ओका सात लिजाह्ये,

15 पर जो हम खुद खे सिखय रहा हइ कि उ प्रभु शिक्षा हइ अरु जो हम प्रभु का आना तक जिन्दा न्हेस जब हम मय्या हइ उनका से आगे नी जाये.

16 क्युकी प्रभु खुद ही स्वर्ग से उतरे. उ टेम पर बडो अवाज हुये खे अरु प्रधान स्वर्गदूत को शब्द को आवाज सुन्यो जायेका अरु परमेश्वर कि पिपडी फुकी जायेका अरु मसीह मे जो मय्या हइ, वे पैयले जिन्दा उटे.

17 तब हम जो जिन्दा अरु बच्चा न्हीहे, ते उनका सात हवा मे बंढल पर उठचो लिये जायेका कि आकाश मे प्रभु से मीले, अरु अतः हम हमेशा प्रभु का सात मे न्हीहे.

18 येका लिये यो आवाज का सात एक दुसरा का सात प्रोत्साहित कर.

5

~~~~~

1 पर हे विश्वासी साथिहोन, येकी कोय जरूरत नी कि टेम अरु तारीक का बारे मे तुमारा लिये कुछ लिखन कि जरूरत नी.

2 क्युकि तु भोत अच्छा से जानस हइ कि चोर रात खे चुपचाप से आस हइ, असो ही प्रभु को दिन आन को हइ.

3 जब दुन्या बोली रास हुये खे जब सब शांती हइ, अरु सुरक्षित हइ, ते उन पर एक-एक विनाश ए गिरस, जो प्रकार दिन से हुय बय पर दुख. अरु वे कोय रीति से नी बचे.

4 पर हे विश्वासी साथिहोन, तुम अंधारा मे वास हुये खे कि उ दिन तुम पर चोर का जसो चुपचाप से आये.

5 तुम सब तो ज्योति का दुन्या हइ, जो दिन को हइ, हम रात का अरु नी अधारो से समध्दित हइ.

6 येका लिये हम बाकिहोन का जसा सोते हुये नी, पन जागता अरु सावधान न्हेस.

7 क्युकी वे जो सोस हइ, रात मे सोस हइ, अरु जो मतवाला होस हइ, वे रात मे मतवाला होस हइ.

8 पन जो हम दिन को हइ येका लिये हम खे अपना आप मे कबजो रखनो हइ, आ विश्वास अरु प्रेम कि झिलम धारण करणो हइ कवच अरु उध्दार कि आस मुकुट धारण करीखे तैयार न्हेस.

9 क्युकी परमेश्वर ने हम खे घुस्सा का लिये नी पन येका लिये रोख्यो हइ कि हमखे हमारा प्रभु यीशु मसीह का वजेसे उध्दार मील्हे हुये ओकी घुस्सा का लिये नी.

10 ओने हमारा लिये जान त्यागी दियो हइ हम जिवन या मय्या हुया हइ जब उ फिर आये तब हम ओका सात जिन्दो न्हीया.

11 अरु एक दुसरा को प्रोत्साहित कर अरु दुसरा कि मदत कर जसो कि तुम अभी करी रास हइ.

~~~~~

12 हे विश्वासी साथिहोन, तुमसे हमारी प्रार्थना हइ कि जो तुमारा बिच मे मेहनत करस हइ, अरु जो मसीह जिवन मे तुमारा लिये मार्गदर्शन करस हइ अरु तुम खे शिक्षा देस हइ उनको आदर कर.

13 उनका काम ध्यान मे रखता हुये उनका प्रेमपूर्वक उचो सम्मान दे, अरु आपस मे शांती बनय रख.

14 अरु हे विश्वासी साथिहोन, हम तुमसे प्रार्थना करस हइ कि जो बिगड्या दुन्याहोन खे चेता मन से दुखी दुन्याहोन को प्रोत्साहित दे, अरु जो नीबलहोन खे संभाल्ये सब का सात सहनशीलता से न्हे.

15 यो ध्यान मे रख कि कोय भी बुराइ को बदलो बुराइ से नी लेन्यो पाये. पर हमेशा भलाइ करणा पर प्रयास कऱ्हे अरु आपस मे सब से भी भलाइ ही की चेष्टा कर.

16 हमेशा खुशाल ऱ्हे

17 प्रार्थना लगातार कन्या कर

18 हर परिस्थिती मे परमेश्वर को धन्यावाद कर, की मसीह यीशु की एकता को जिवन मे परमेश्वर तुमारा से योही चास हइ.

19 पवित्रा आत्मा खे नी बुझानु.

20 भविष्यद्वाणिहोन खे तुच्छ नी समझनु.

21 सब बात खे समजे अरु जो अच्छी हइ ओखे ग्रहण कर.

22 सब प्रकार कि बुराइ से बच्या ऱ्हे.

23 शांती को परमेश्वर खुद ही तुम खे पुरी रीति से पवित्र कहें, अरु तुमारी आत्मा खे अरु जान अरु आंग हमारो प्रभु यीशु मसीह का आना तक नीर्दोष अरु सुरक्षित रख.

24 तुमारो बुलानवालो विश्वास योग्य हइ, अरु उ असो ही कऱ्हे.

25 हे विश्वासी साथिहोन, हमारा लिये भी प्रार्थना कर.

26 हे विश्वासी साथिहोन, ओखे पवित्र हात जोडी खे नमस्कार कर.

27 मी तुम खे प्रभु का अधिकार से प्रार्थना करुस हइ की विश्वासी साथिहोन मे से पकडी खे सुनायो जाये.

28 तुम पर हमारो प्रभु मसीह यीशु कि अनुग्रह तुमारा सात बनी ऱ्हीहे.

2 थिस्सलुनीकियो खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी 2 थिस्सलुनीकिहोन का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी

पैछान

थिस्सलुनीखे कीहोन की दुसरी चिट्ठी प्रेरित पौलुस का वजसे लिखी गइस हइ 1:1 उनखे या चिट्ठी पहीली थिस्सलुनीखे कीहोन को थोड टेम का बाद यीशु का जन्म का नजीकपास 51 साल बाद लिखी थी. जब ओने या चिट्ठी पौलुस कुरिन्थ मे तब भी थो जब ओने थिस्सलुनीका मे मंडली खे या चिट्ठी लिखी थी, एक मंडली जेने ओने अपनी दुसरी मीशनरी जत्रा पर स्थापित कन्यो थो प्रेरितहोन को प्रेरित 17:1-10 या प्रेरित कि किताब मे बोल्यो गयो हइ कि मंडली कुछ यहूदीयाहोन अरु कोय यूनानीहोन से बनी थी.

थेसालोनीयन मंडली को अत का अरु यीशु को दुसरो आना से संबंध जेहो हुये खे क्युकी पौलुस ने थिस्सलुनी खे की होन खे लिखी अपनी चिट्ठी मे येका बारे मे भोत कुछ लिख्यो हइ. नजीकपास 2 थिस्सलुनी खे की होन को नजीकपास आधो टेम खतम होस हइ. पौलुस ने आलसी का खिलाब चेतावनी भी दी थी. प्रत्येक इन्सान का अपनो खानो 3:6-10 का लिये करणो चास.

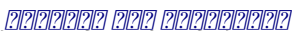
रूप रेखा

1. पौलुस ने अपनो अरु अपना साथिहोन खे पैछान देतो हुये चिट्ठी कि सुरुवात करी 1:1-2
2. तब उ थिस्सलुनीक मे मंडली का लिये प्रभु को धन्यवाद करस हइ अरु उनका लिये प्रार्थना करस हइ 1:3-12
3. अध्याय मे पौलुस अत टेम का बारे मे बोलस हइ 2
4. फिर उ आलसी अरु काम करण को आकृत्यकता का खिलाप बोलस हइ 3:1-15
5. पौलुस फिर से मंडली खे नमस्कार करीखे खतम हुइ गयो 3:16-18



1 पौलुस अरु सिलवानुस अरु तीमुथियुस का तरफ से हमारो परम बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह मे बन्या हइ जो हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह मे हइ.*

2 हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह मे तुमखे अनुग्रह अरु शांती मीलती जे.



3 हे हमारा विश्वासी साथिहोन, तुम्हारा बारे मे हमखे हर टेम परमेश्वर को धन्यवाद करणो चास हइ, अरु यो उचित भी हइ येका लिये कि तुम्हारो विश्वास भोत बडतो जास हइ, अरु आपस मे तुम सब मे प्रेम भोत ही बढतो जास हइ.

4 ह्या तक कि हम खुद परमेश्वर की मंडली मे तुम्हारा बारे मे गर्व करस हइ, कि जेतनो उपद्रव अरु दुख तुम सहस हइ, वे सब मे तुम्हारो धीरज अरु विश्वास प्रगट होस हइ.

5 यो परमेश्वर को सच्ची न्याय को सपा प्रमाण हइ कि तुम परमेश्वर को राज का योग्य टैन्या जेका लिये तुम सब ओका लिये दुख उठाता जेस.

6 परमेश्वर उ कहे जो अच्छो हइ अरु जो तुमखे दुख देस हइ, बदला मे उनखे दुख दियो जाये.

7 अरु तुम जो दुख उठच रास हुये उनका उ टेम विसराम दियो जाये प्रभु यीशु अपनो सामर्थ्य स्वर्गदूत का सात को स्वर्ग मे भडकती अंगार मे प्रगट हुये.

8 जेने परमेश्वर को नकान्यो अरु हमारा प्रभु यीशु को सुसमाचार को पालन नी कन्यो उनका दण्ड दियो जाये.

9 तथा उनका प्रभु अरु ओका महिमा मय शक्ति से बाजु दियो जाये अरु उनका दण्ड दियो जाये.*

10 अरु ओमे तुम दुन्या भी शामिल हुये क्युकी हमने ओका बारे मे जो गवाही साक्षी दी थी तुम ने ओका पर विश्वास कन्यो.

11 उ जिवन का लिये योग्य समझ जेखे तुमने जिवन का लिये बुलायो गयो, प्रार्थना अरु अच्छो उ तुमारी हर उतम इच्छा खे पुरी कर अरु हर उ काम की उ सफल बना जो तुम विश्वास को परी नाम हइ,

12 यो प्रकार कि हमारो प्रभु यीशु को नाम महीमा पास अरु तुम ओका वजेसे महीमा पास ये सब कुछ हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह से हुये.

2

~~~~~

1 हे विश्वासी साथिहोन, अब हम अपना प्रभु यीशु मसीह का फिर आन की, अरु ओका सात परसपर जमा होन की प्रार्थना करस हइ.

2 कि तुम आसानी से अपना विवेक खे कोय भविष्यवाणी का अलावा कोय असो पत्र खे नी आत्मा जेखे हमारा वजेसे लिख्यो गयो तथा मेजवान रुप से बतायो गयो हइ प्रभु को दिन ए चुक्यो हइ नी होनु.

3 तुम अपना आप खे कोय का भी वजेसे कोय प्रकार से कोय खे भरमाना नी दे, क्युकी वह दिन उ दिन तक नी आये जब तक कि आखरी विद्रह अरु बुरी शक्ति प्रगट नी हुये उ इन्सान की नीयती तो नरक हइ.

4 उ अपना आपखे हर चिज का उपर बोले अरु उनको विरोध कर्हे असा चिज जो परमेश्वर को हइ, जो परमेश्वर कि पुज्जनीय हइ ह्या तक की परमेश्वर कि मन्दिर मे जयखे राजगद्दी पर बठी खे यो दावा करस कि उ परमेश्वर हइ.

5 का तुमखे याद नी की जब मी तुम्हारा ह्या थो, ते तुम से या सब बात बोलतो थो.

6 अरु अब तुम तो जानस हइ, कि ओखे रोकी रास हइ ताकि उ उचित टेम आना पर प्रगट हुइ जाये.

7 क्युकी अन्याय को भेद पैयले से ही हइ पन जो कुछ जब तक नी जब तक रहश्य मय बात कर्हे.

8 जब अधर्मी प्रभु यीशु आये उ ओखे मारी डाले अपना मुडा का फुक से अपनो वैभवी उपस्ती आत्मीक खतम कर्हे.

9 उ दुष्ट को आनो सैतान कि शक्ति से हुये तथा उ भोत बडि शक्ति झुटो सामर्थ्य अरु अर्चाय चिन्ह का काम से गया.

10 अरु नास होनआला का लिये अधर्म सब प्रकार का दुष्ट छल प्रपन्च को इस्तमाल करी खे उ इन को उपयोग ये इन्सान पर करस जेने सत्य से प्रेम नी कन्यो जेका से उनको उध्दार नी हुये.

11 अरु येका कारन परमेश्वर उन मे एक भटकान देनआली सामर्थ खे भेज्यो कि वे झुट पर विश्वास कर्हे.

12 ताकि जेतना दुन्या सत्य पर विश्वास नी करस, पन झुट पन खे प्रमानीत करस हइ, वे सब दण्ड मील्हे.

~~~~~

13 पर हे विश्वासी साथिहोन, प्रभु का प्रिय दुन्या कि तुम्हारो बारे मे हमेसा परमेश्वर को धन्यवाद करस ऱ्हीहे, कि आत्मा का वजेसे पवित्र बनीखे, अरु सत्य पर विश्वास करीखे उध्दार पाये.

14 जेका लिये ओने तुमारो सुसमाचार का प्रचार का वजेसे बुलायो हइ, कि तुम हमारा प्रभु यीशु मसीह कि महिमा धारण करी सखे .

15 येकालिये, हे विश्वासी साथिहोन, स्थिर रहे. अरु जो परम्पराहोन तुमने हमसे मुख्य रुप से अरु चिट्ठी का वजेसे मील्हे हइ.

16 अब खुद हमारो प्रभु मसीह खुद ही, अरु हमारो बाप परमेश्वर जेने हमारा से प्रेम रख्यो, अरु अनन्त प्रोत्साहित अरु अच्छी आस दी हइ.

17 तुमरो मन मे प्रोत्साहित दे अरु तुमखे हर एक अच्छो काम अरु शब्द मे तुमखे दृढ कहें.

3

1 पन हे मरा विश्वासी साथिहोन हमारा लिये प्रार्थना कर की प्रभु को संदेश ताखत से फैले खे अरु महिमा का सात स्वीकार योग्य हुये खे जसो तुम दुन्याहोन का बिच मे हुयो हइ.

2 प्रार्थना कर कि हम दुष्ट अरु बुरा दुन्याहोन से बच्चा न्हिहे क्युकी सब दुन्या प्रभु, सन्देश पर विश्वास नी हुये.

3 पन प्रभु विश्वासयोग्य हइ. उ तुमखे पक्को अरु स्तिर कहें अरु ओका दुष्ट से बचाये.

4 अरु हम खे प्रभु मे तुम पर आत्मा विश्वास हइ अरु येका लिये हम निश्चित हइ कि जो आज्ञा हम तुम खे देस हइ उनका तुम मानस हइ अरु लगातार मानता न्हिहे.

5 परमेश्वर को प्रेम अरु मसीह को धिरज का तरफ प्रभु तुम्हारा मन कि अगु अय कहें.

6 हे हमारा विश्वासी साथिहोन हे हम तुम खे अपना प्रभु यीशु मसीह को नाम से आज्ञा देस हइ कि हर एक असा विश्वासी दुन्याहोन से दुर न्हे का जो आलस जिवन जिस हइ, जो हमने दीयो नीर्देश को पालन नी करतो हुये.

7 क्युकी तुम खुद अच्छी रीति से जानस हइ. कि तुम खे हमारो अनुकरण कसो करणो चास कि क्युकी हम तुमारा बिच मे था आलसी नी कन्यो.

8 अरु कोय की रोटी फुकट मे नी खे पर मेहनत अरु काम रात दिन करी रा था क्युकी तुम मे से कोय पर बोझो नी बन.

9 असो नी कि हम ने तुम से साहयता लेन को अधिकार नी बलकी येका लिये कडी मेहनत करस हइ कि तुम ओको अनुकरण करस हइ.

10 अरु जब हम तुम्हारा ह्या आज्ञा तुमखे देता था, कि जो काम नी करस उ खानो भी नी खाय.

11 हम सुनस हइ, कि कतना दुन्या तुमारा बिच मे आलसी जिवन जिस हइ. अरु दुसरा मे कावट करस हइ.

12 असो हम प्रभु यीशु मसीह मे आज्ञा देस अरु प्रार्थना करस हइ, कि शान्ती का साथ अपनी कमाइ की रोटी खाय खे

13 पन तुम विश्वासी साथिहोन कि जहा तक तुमारी बात हइ भलाइ करीखे थखे मत.

14 या चिट्ठी मे लीखी हुइ शिक्षा नी माने कि ते ओका पर नजर रख. अरु ओका संग मे नी न्हेनु कि जेका से उ लज्जित हुये.

15 पन ओका सात मे दुश्मन जसो व्यवहार मत कर बलकी ओका भैइ का जसो समजायो.

16 अब प्रभु जो शांती देनवालो परमेश्वर हइ उ खुद ही तुम खे हमेशा सब प्रकार कि शांती देकी प्रभु तुम सब का सात न्हेस.

17 मी पौलुस खुद अपनी लिखावट मे यो नमस्कार लिखी रोस हइ. मी यो प्रकार हर चिट्ठी पर हस्तक्षर करस हइ मरी लिखन कि शैली यही हइ.

18 हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम सब पर होतो न्हिये.

1 तीमुथियुस का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी 1 तीमुथियुस का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी

पैछान

तीमुथियुस की कि किताब प्रेरित पौलुस द्वारा अपने चेला तीमुथियुस से लिख्यो गइ एक चिट्ठी ह। 1 तिमोथी संभवत यीशु को जन्म का नजीक पास 62-64 साल बाद लिखा गया था। ये होता पौलुस को जीवन का आखरी का बाहेर थो। पौलुस को तीमुथियुस का साथ नजीक संबंध थो अरु व्हा ओको उल्लेख करतो थो एक बेटा का रूप मे खे त्ता बार फिलेमोन 2-22; 1 तिमोथी 1:2—1:18

ह्या पौलुस का चार चिट्ठी मे से एक हइ जो मंडली का बजाय कोय इन्सान खे बतायोस हइ। दुसरी तीन चिट्ठी 2 तीमुथियुस, तीतुस अरु फिलेमोन हइ 1 तीमुथियुस मे भोत सारी शिक्षाहोन हइ मंडली की पूजा पर 2:1-15 मंडली को नेताहोन का लिए योग्यता 3:1-13 का अरु चुनोती का खिलाफ झूटी शिक्षक 1:3-11; 4:1-5; 6:2-5. यो बतास हइ कि पौलुस तिमोथी को एक नेता बनन का लिए कसो शिक्षन करी रा था मंडली का बीच. 1 तीमुथियुस मे कोय सिद्धान्त शामिल हइ जो हमारी मंडली को नेताहोन की मदद करी सकस हइ क्य कि मंडली का मंत्रालय को अधिकार करण का दिन.

रूप रेखा

1. पौलुस ने तीमुथियुस से प्रनाम करीखे शुरुआत करी 1:1-2.
2. फिर व्हा तीमुथियुस से झूटा शिक्षक का खीलाप चेतावनी देस हइ 1:3-11.
3. पौलुस यो समझाते हुये आगे बडते हइ कि व्हा यीशु मसीह का लिए खे तो आभार हइ 1:12-19
4. येका बाद व्हा तीमुथियुस से पूजा अरु मंडली को नेताहोन का बारे मे निर्देश देतस हइ 2—3.
5. पौलुस ने तीमुथियुस से कुछ आखरी निर्देश दिखे अपनी चिट्ठी खत्म करी 4—6.



1 पौलुस का तरप से जो हमारो उद्धारकर्ता परमेश्वर को अरु हमारी आस मसीह यीशु की आज्ञा से मसीह यीशु को प्रेरित.

2 ती तीमुथियुस को नाम जो विश्वास मे मरो सच्चो बेटो हइ बाप परमेश्वर को अरु हमारो प्रभु मसीह यीशु का तरप से तोखे अनुग्रह दया खे अरु शांती मीलती है.*



3 जसो मे ने मकिदुनी खे जान का टेम्प तो समझायो थो, कि इफिसुस मे न्हि खे कुछ दुन्याहोन खे आज्ञा दि की झूटी प्रकार कि शिक्षा नी देनु,

4 अरु वा कानहोन अरु अनन्त पुरखजहोन पर मन नी लगायेका जेकासे वाद विवाद होस हइ, अरु परमेश्वर को उ प्रबन्ध का जसो नी, जो विश्वास से सम्बन्ध रखस हइ. असो मेय फिर भी बोलुस हइ.

5 आज्ञा को सारांश यो हइ कि सपा मन अरु अच्छो विवेक को अरु नीष्कपट विश्वास से परदा प्रेम होस.

6 इनखे छोडी केतना दुन्या बेकार बात मे भटकी गया हइ.

7 अरु वे व्यवस्थापक शिक्षक तो होनो चास हइ, पर जो बात बोलस अरु जेको

दृढता से बोलस हइ, उनका समझस भी नी.

8 पर हम जानस हइ की अगर कोय नीयम खे अच्छी रीति पर काम मे लगाये ते उ अच्छो हइ

9 यो जानी, कि धर्मी जन खे नीयम लिये नी अधर्मीहोन खे नीरंकुश भक्तिहीन पापिहोन, अपवित्र अरु अशुध्दकाम माय बाप मारनवालो, खुनी,

10 व्यभिचारी खे इन्सान गामीहोन, इन्सान खे बेचन आलो को झूट बोलनवालो अरु झुटी करम खानआलो का अरु इनखे छोडीखे स्क्वी शिक्षा को सब खिलाप खे लिये रोख्यो गयो हइ.

11 यो परमधन्य परमेश्वर कि महिमा को उ सुसमाचार का जसो हइ जो मे का दियो गयो हइ.

12 अरु मी अपना प्रभु मसीह यीशु को जेने मे खे सामर्थ्य दी हइ, धन्यवाद करुस हइ कि ओने मे, विश्वासयोग्य समझी खे अपनी सेवा का लिये ठयरायो.

13 मी तो पैयले नीन्दा करणवालो खे अरु सतानवालो खे वाद विवाद करणवालो थो. ते भी मरा पर दया हइ, क्युकी मे ने अविश्वास करण बिना समजे मेने यो सब कय्यो थो.*

14 अरु हमारो प्रभु को अनुग्रह उ विश्वास अरु प्रेम का सात जो मसीह यीशु मे हइ भोतायत से हुयो.

15 या बात सची अरु हर प्रकार से मानन, योग्य हइ, की मसीह यीशु पापिहोन को उध्दार करण का लिये जगत मे आयो कि जेमे सबसे बडो पापी मी हइ.

16 पर मरा पर येका लिये दया हइ कि मी सबसे बडो पापी मे यीशु मसीह अपनी पुरी सहनशिलता बतय, कि जो दुन्या ओका पर अनन्त जिवन का लिये विश्वास करस कि उनका लिये मी एक आदर्श बनू.

17 अब सनातन राजा मनजे अविनाशी कि अनदेखी अद्वैत परमेश्वर कि इज्जत अरु महिमा हमेशा होस ज्हेस.

18 हे बेटा ती तीमुथियुस! उ भविष्यव्दाणीहोन का जसो कि जो पैयले तरा बारे मे करी गय थी किमी या आज्ञा दियुस हइ, कि तु उनका जसो अच्छो झगडा को झगरतो न्हीहे,

19 अरु विश्वास अरु उ अच्छा विवेक खे पकड्यो रख का जेखे दुर करण करन खे तना को विश्वास रुपी डोगो डुबी गयो.

20 उनका मे से हुमीनयुस अरु आलेक्झांडर हइ, जिनको मे ने सैतान खेदि दियो कि नीन्दा करणो नी सी.

2

1 अब मी सब से पैयले यो आग्रह करुस हुये खे कि बिनती का अरु प्रार्थना को अरु नीवेदन को अरु धन्यवाद सब इन्सानहोन कालिये कन्यो जाये.

2 राजाहोन अरु सब उच्चा पदआलो खे नीमीत येका लिये कि हम अराम अरु चैन का सात परमेश्वर कि भक्ति अरु गरिमा से जिवन बितास.

3 यो हमारो उद्धारकर्ता परमेश्वर खे अच्छो लगस अरु भास भी हइ.

4 जो यो चाहस हइ, कि सब इन्सानहोन को उध्दार हुये. अरु वे सत्य कि ज्ञान कि भली-भाति पैच्छानी ले.

5 क्युकी परमेश्वर एक मेय हइ, अरु परमेश्वर अरु इन्सानहोन का बिच मे भी एक मेय बिचवइ हइ, अगर मसीह यीशु जो इन्सान हइ.

6 जेने अपना आप खे सबको छुट कारा को दाम मे दि दियो कि ताकी ओकी गवइ अच्छा टेम पर दि जाये.

7 मी सच्ची बोलुस हुये खे झुटी नी बोलुका कि मी यो उद्देश्य से प्रचार अरु प्रेरित अरु गैरयहूदीहोन का लिये विश्वास सत्य को शिक्षक ठहरायो गयो.

8 येका लिये मी चास हइ, कि हर उपासना कि जगा अदमी बिना घुस्सा अरु विवाद खे पवित्र हातहोन खे उठय प्रार्थना करस हुये.

* 1:13 प्रेरित 8:3-9-4-5

9 असो मेय बयहोन भी संकोच अरु धीरज का सात सुहावने कपडा से अपना आप खे सजास. नी की बाल गूथनो, सोनो, मोतिहोन खे अरु किमति कपडाहोन से.

10 पन अच्छा काम होन से क्युकी परमेश्वर कि भक्ति करनवाली बयहोन खे यो अच्छो भी हइ.

11 अरु बय खे चुपचाप से पुरी अधीनता मे न्हिखे सिखनो चास.

12 सिकव पन मी बोलुस हइ, कि बय नी शिक्षा दे अरु नी अदमी पर अधिकार चलाये का पन चुपचाप न्हिये.

13 क्युकी आदम पैयले को ओका बाद हवा बनय गय.

14 अरु आदम भैकायो नी गयो कि पर बय भैइकया मे एक गुना हइ.

15 ते भी बय बच्चा जन्म का वजेसे उध्दार पायेका अगर वा धीरज का सात विश्वास को प्रेम का अरु पवित्र मे स्थिर न्हिहे.

3

~~~~~

1 या बात सची हइ कि मुखियो को पद होनो चास हइ, ते उ अच्छा काम कि इच्छा करस हइ.

2 यो आकुल्यक हइ की मुखियो नीर्दोष, अरु एक मेय बायको को अदमी, संयमी, सुशील, सभ्य, अतिथी-सत्कार करणवालो, अरु सिखाना मे नीपुण हुये.

3 पियक्कड या मारपीट करणवालो नी होनु. पन नाजुक होनु, अरु नी झगडा लुका अरु नी धन को लोभ होनु.

4 अपना घर को अच्छो प्रबन्ध करस हुये खे अरु अपनो बाल बच्चा का सब गम्भीरता से अधीन मे रखस हुये.

5 जब कोय अपना घर मेय को प्रबन्ध करणो नी जानस हुये खे ते परमेश्वर कि मंडली की रखवाली कसो कन्हें.

6 फिर यो कि नवो विश्वासी नी होनु का असो नी हुये की अभिमान करी कि सैतान का जसो दण्ड पाये.

7 अरु मंडली का बाहेरवाला मे भी ओको सुनाम हुये असो नी हुये कि नीन्दित हुइखे सैतान का जाल फन्दा मे फसी जाये.

~~~~~

8 असो मेय सेवक को जसो होनु चायेका दो मेडाको का अंगूर को रस पियक्कड खे अरु बेइमान कि लोभी नी होनु.

9 पर विश्वास को भेद खे अच्छा विवेक से सुरक्षित रखे.

10 अरु ये भी पैयले समज्हे जायेका तब अगर नीर्दोष नीकले ते सेवक को काम कन्हें.

11 यो प्रकार से बयहोन खे भी गम्भीर होनु चाये दोष लगानवाली नी होनु, पर धीरज अरु सब बातहोन मे भरोसोयोग्य हुये.

12 सेवक एक मेय बय को अदमी हुये अरु बाल बच्चा अरु अपना घर को अच्छो प्रबन्ध करणो जानस हुये.

13 क्युकी जो सेवक को काम अच्छा तरीका से करी सकस हइ वे अपना लिये अच्छो पद उ विश्वास मेका जो मसीह यीशु पर बडो साहस मील्हे करस हइ.

~~~~~

14 मी तरा पास झल्दी आन की आस रखना पर भी या बात तोखे येका लिये लिखुस हुये

15 अगर मरा आना मे देर हुये ते तू जानी ले की परमेश्वर का घराना मे जो जिन्दी परमेश्वर कि मंडली हइ कि अरु जो सच को खबो अरु पय्यो हइ; कसो बरताव करणु चास हइ.

16 अरु येमे आंग नी कि भक्ति को भेद गम्भीर हइ:

अगर उ जो आंग मे प्रगट हुयो,

आत्मा मे न्यायी रुख्यो कि स्वर्गदूतहोन खे दिखाइ दियो,  
 गैरयहूदीयाहोन मे ओको प्रचार हुयो,  
 जगत मे ओका पर विश्वास कन्यो गयो,  
 अरु महिमा मे उपर उठायो गयो.

## 4

???? ???? ? ? ?

1 पवित्र आत्मा सपा से बोलस हइ कि आनवालो टेम मे कतना दुन्या भटकन आली आत्माहोन खे अरु बुरी आत्माहोन कि शिक्षाहोन पर मन लगय खे विश्वास से भैइकी जाये.

2 यो वु झूटा इन्सान को कपट करन हुये खे जेको विवेक मानो जलता हुया लोखोड से दबायो गयो हइ

3 जो भ्याव करणा से रोख्या अरु खान कि कुछ चिजहोन से दुर जेन की आज्ञा दिखे जेने परमेश्वर ने येका लिये सुजा की विश्वासी अरु सच पहचानआलो उनका धन्यवाद का साथ खाये.

4 क्युकी परमेश्वर कि सृजी हुइ हर एक चिज अच्छी हइ अरु कोय चिज अस्विर करण का योग्य नी पर यो कि धन्यवाद का साथ खाय जाये हइ.

5 क्युकी परमेश्वर को वचन अरु प्रार्थना का वजेसे से शुध्द हुये जास हइ.

???? ???? ? ? ?

6 अगर तू भैइहोन खे या बात की याद दिलातो जेस काते मसीह यीशु को अच्छो सेवक ठैहरे. अरु विश्वास अरु वा अच्छी शिक्षा की बात से जो तू मानतो आयो हइ, तरो पालन पोषण होतो न्हीहे.

7 पर अशुध्द अरु डोकरीहोन कोनसी खानीहोन से अलग जेस. अरु भक्ति मे खुद को प्रशिक्षित कहे.

8 क्युकी आंग की साधना से कम लाभ होस हइ, पर भक्ति सब बात का लिये लाभदायक हइ, क्युकी यो टेम को अरु आनवाला जिवन की भी वादो येका लिये हइ.

9 या बात सची अरु हर प्रकार से मानन का योग्य हइ

10 क्युकी हम मेहनत अरु यत्न येका लिये करस हइ की हमारी आस उ जिन्दो परमेश्वर पर हइ, जो सब इन्सानहोन खे अरु विशेष रुप से विश्वासीहोन को उद्धारकर्ता हइ.

11 या बात की आज्ञा दिखे अरु सिखातो जे.

???? ? ? ? ? ?

12 कोय तरी जवानी को तुच्छ नी समझ पाये. पर वचन को चाल चलन को अरु प्रेम का अरु विश्वास को अरु पवित्रता मे विश्वासिहोन का लिये आदर्श बनी जास.

13 जब तक मी नी अव तब तक पडन अरु उपदेस देन अरु सिखाना मे लौलीन जे.

14 उ वरदान से जो तरा मे हइ, अरु भविष्यद्वाणी का वजेसे बुजुरुख होन खे हात रखते टेम तोखे मील्यो थो, नीश्चिन्त मत जे

15 वा बात खे करतो जे अरु येमे मी अपनो ध्यान लगायो जे, ताकी तरी उन्नती सब पर प्रगट हुये.

16 अपनी अरु अपना उपदेस मे सावधानी रख. या बात पर स्थिर जे का क्युकी अगर असो करतो न्हिहे, ते तू अपना खे अरु अपना सुननवाला खे लिये भी उध्दार को करण हुये.

## 5

???????????? ? ? ?

1 कोय बापदादा के नी गाली देनु का पर ओका बाप जानी खे समझ्य देनु का अरु जुवान खे अपनो भैइ समझनु.



2 डोकरी बयहोन खे माय जानी खे समझनु खे अरु जुवान बयहोन खे पुरी पवित्रता से बहन जानी खे समझय दे.

3 वे विधवाहोन जो सचमेच विधवा हइ इज्जत कर.

4 अरु अगर कोय विधवा को बच्चा या नाती पंती हुये खे ते वे पैयले अपना घराना का सात खिती धर्म का जसो जबाबदारी नीभान को अरु अपना माय बाप अरु आजी बाबा, समाली के उनको उपकार फेडे क्युकी यो परमेश्वर खे अच्छो हइ.

5 जो सचमेच विधवा हइ, अरु ओको कोय नी कि वा परमेश्वर पर आस रखस हइ, अरु रात दिन विनती अरु प्रार्थना मे लौलीन न्हस हइ.

6 पर जो भोग विलास मे पड गइ, वा जीते जी मरी गइ हइ.

7 दुन्याहोन यो सुचना कर कि ताकि कोय उन पर नीदोष नी लगानु.

8 पर अगर कोय अपना रिश्तेदारहोन की विशेष रुप से अपना परिवार की चिन्ता नी कन्हे, ते उ विश्वास से मुकरी गयो हइ अरु अविश्वासी से भी बुरो बनी गयो हइ.

9 वा विधवा को नाम लिख्यो जाये जो साठ साल से कम की नी होनु कि अरु एक मेय अदमी कि लुगेन न्हि हुये खे

10 अरु अच्छो काम मे सुनाम न्हि हुये खे जेने बच्चाहोन को पालन पोषण क्यो हइ. मीजवानहोन की सेवा करी हइ, पवित्र दुन्याहोन का पाय धोया हइ, दुखहोन की मदत करी हइ, अरु हर एक अच्छा काम मे मन लगायो हइ.

11 पर जुवान विधवाहोन को नाम नी लिखनु, क्युकी जब वे सुख विलासकरण भ्याव करणो चास हइ ते मसीह के चलस हइ

12 अरु दोष ठचरस हइ, क्युकी उनने अपनी पहली प्रतीज्ञा खे छोडी दि हइ.

13 अरु येका सात मे सात वे घर घर फिरी खे आलसी होन खे सीखस हइ, अरु फक्त आलसी पर बगवग करस न्हस हइ अरु दुसरा काम मे हात भी डालस हइ अरु अनुचीत बात बोलस हइ.

14 येका लिये मी यो चाहस हुये कि जुवान विधवाहोन भ्याव कन्हे, अरु बच्चा परदा अरु घरदार सवाले, अरु कोय विरोधीहोन खे बदनाम करण को अवसर नी दे.

15 क्युकी कोइ एक तो भैकी खे सैतान का पिछे हुये गइ हइ.

16 अगर कोय विश्वासिनी खे ह्या विधवा हुये खे ते वा उनकी मदत कन्हे कि मंडली पर बोज नी हुये खे ताकि वा उनकी मदत करी सके जो सचमेच विधवा हइ.

17 जो बुजरुक अच्छो प्रबन्ध करस हइ, विशेष करीखे वे जो वचन सुनानो अरु सिखाना मे मेहनत करस हइ, दो गुना आदर को योग्य समझी जाये.

18 क्युकी पवित्रशास्त्र बोलस हइ, “दावनआला बैल को मुडो नी बाधनू.” क्युकी “मजुर अपनी मजुरी को हक्कदार हइ.”

19 कोय दोष कोय बुजरुक पर लगायो जाये ते बिना दो या तीन गवाह का बिना ओखे स्वीकार नी करणु.

20 पाप करणवाला खे सब का सामने समझय दे, ताकि दुसरा दुन्या भी डरे.

21 परमेश्वर खे अरु मसीह यीशु खे अरु चुन्या हुया स्वर्गदूतहोन कि उपस्थित जानी खे मी तोखे चेतावनी दियुस हइ कि तु मन खोली खे या बात खे मानीखे अरु कोय काम पक्षपात से नी कन्हे.

22 प्रभू सेवा खातीर कोय पर हात नी रखीखे प्रार्थना करण का लिये झल्दी मत करणू अरु दुसरा का पाप मे भागी नी होनु. अपना आप खे पवित्र बनायो रख.

23 भविष्य मे फक्त पाणी खे पिनवालो नी न्हिहे, पन अपना पेट खे अरु अनो घडी घडी बिमार होन का कारण थोडो थोडो अंगूर को रस भी लियो कर.

24 कुछ इन्सानहोन को पाप प्रगट हुइ जास हइ, अरु न्याय का लिये पैयले से पोची जास हइ, लेकीन दुसरा को पाप बाद मे दिखय जास हइ.

25 असा कुछ अच्छा काम भी प्रगट होस हइ. अरु जो प्रगट नी होस, वे भी लुकी नी सखे .

## 6

1 जेतना दास गुलाम का नीचे हइ, वे अपना अपना स्वामी को बडो सम्मान का योग्य जानस, ताकि परमेश्वर को नाम अरु शिक्षा की नीन्दा नी हुये.

2 अरु जेको स्वामी विश्वासी हइ, उनका वे भैइ अरु बहीन होन कारन कम नी जाने. जब उनकी अरु भी सेवा कर, क्युकी येका से लाभ उठानआला विश्वास अरु प्रेम हइ.

~~~~~

या बात की शिक्षा कन्यो कर अरु समझातो न्हैस.

3 अगर कोय अरु ही प्रकार को सिध्दान्त शिकास हइ अरु हमारो प्रभु यीशु मसीह बोलीखे अरु हमारी धर्मीक शिक्षन खे नी मानस,

4 ते उ अभिमानी हइ अरु कुछ नी जानस. जब उ वाद विवाद अरु बोल पर तर्क करण को रोग हइ, जेखे से डाह, अरु वाद विवाद, अरु नीन्दा की बात, अरु बुरो बुरो सन्आंग,

5 अरु वे इन्सानहोन मे व्यर्थ रगडो वाद विवाद परदा होस हइ, जेकी डिमाक बिगडी गय हइ अरु वे सच्ची से दुर हुये गय हइ, जो समझस हइ, कि भक्ति बडी कमय को सादन हइ.

6 पर सन्तोष सहित भक्ति बडी लाभ हइ.

7 क्युकी नी हम जगत मे कुछ लास हइ अरु नी कुछ ली जय सकस हइ.

8 अरु अगर हमारा पास खानो अरु पेनन को हइ, ते इनका पर सन्तोष करणो चास.

9 पर जो धनी होनु चास हइ, वे असी पेपर खे अरु जाल का फन्दा अरु भोत सा व्यर्थ अरु हानी खे लालसाहोन मे फसस हइ, जो इन्सानहोन, बिगाडी देस हइ अरु विनास का समुदर मे डुबय देस हइ.

10 क्युकी पैसा को लोभ सब प्रकार की बुराइहोन कि जडी हइ, जेखे मील्हे करण को प्रयत्न करस हुये कतना ने विश्वास से भटकी खे अपना आप खे दुसरा प्रकार को दुख से दिल खे तोडचो हइ.

~~~~~

11 पर हे परमेश्वर को जन, तू या बात से भाग. अरु न्यायी जिवन, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धिरज, अरु नम्रता को पीछो कर.

12 विश्वास की अच्छी कुश्ती खेल. अरु उ आखरी जिवन खे धरी ले जेका लिये तु बुलायो गयो, अरु भोत गवाहोन का सामने अच्छो अंगीकार कन्यो थो.

13 मी तोखे परमेश्वर को जो सब खे जिन्दो रखस हइ, अरु मसीह यीशु की गवइ करीखे जेने पुन्तियुस पिलातुस का सामने अपना विश्वास को अच्छो अंगीकार कन्यो, या आज्ञा देस हुये.

14 कि तु हमारो प्रभु यीशु मसीह को प्रगट होना तक या आज्ञा खे नीष्कलंक अरु नीर्दोष रख,

15 जेखे उ अच्छा टेम पर दिख्यो, जो परमध्यन अरु एकमात्र उ अधिकारी अरु राजाहोन को राज अरु प्रभुहोन को प्रभु हइ,

16 अरु अमरता फक्त वोकि हइ, अरु उ अगम्य ज्योति मे न्हैस हइ, अरु नी उ कोय इन्सान ने देख्यो अरु नी कभी देखी सकस हइ. ओकी प्रतीष्टा अरु राज्य जमाना सेज मानो न्हिये. आमीन.

17 यो जगत का पैसावाला खे आज्ञा दे कि वे अभिमानी नी हुये अरु अनीश्वित धन पर आस नी रखे, पन परमेश्वर पर जो हमारो सुख का लिये सब कुछ भोतायत से देस हइ.

18 अरु अच्छो करीखे अरु अच्छा काम मे धनी बनीखे अरु उदार अरु सहायता देना मे तत्पर हुये खे

19 अरु आनवाला जिवन का लिये एक अच्छो पय्यो डाल्यो रखीखे कि सच्ची जिवन खे जिती ले.

20 हे तीमथियुस या धरोहर की रखवाली कर. जो तोखे दी गइ हइ अरु बेवकुब बात से अरु विरोध खे तर्क जो झुठो ज्ञान बोलस हइ, दुर न्हैस.

21 केतना यो ज्ञान खे अंगीकार करीखे विश्वास से भटकी गया हइ. तुम पर अनुग्रह होस न्है.

## 2 तीमुथियुस खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी 2 तीमुथियुस का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी परछान

तीमुथियुस का नाम पौलुस प्रेरित कि दूसरी चिट्ठी 2 तीमुथियुस कि किताब प्रेरित पौलुस का दुसरो शिष्य ती तीमुथियुस का लिये दुसरी चिट्ठी हइ। 2 तीमुथियुस पौलुस को जिवन को आखरी मे लिख्यो गयो थो। या टेम्स रोम ओका बंदी कन्यो गयो थो 1:16. पौलुस ने ती तीमुथियुस का सात धन्यो रितो रख्यो अरु अक्षर उनखे एक बेटा का रुप मे संदर्भित कन्यो फिलीपियो 2:221 तिमोथी 1:2; 1:18

यो पौलुस का चार बेटाहोन मे से एक हइ जेकी मंडली का बजाय कोय इन्सान खे संबोधित कन्यो जास हइ. दुसरी तीन असी चिट्ठी 1 तीमुथियुस, तितुस, अरु फिलेमोन हइ. उ टेम का दौरान 2 तीमुथियुस लिखी गइ थी, रोमन सांराज्य मे मसीहोन खे सतायो जैय रो थो. जायद यो करण थी कि पौलुस ठाना मे थो अरु ती तीमुथियुस को दुख को सामनो करण को नीर्दश दि रो थो. 1 तीमुथियुस, मे पौलुस ने ती तीमुथियुस झुटो मास्तरहोन का बारे मे कोय चेतावनी दी 1 तिमोथी 1:16-18. व्हा ती तीमुथियुस खे बतास हइ कि आगे अच्छो टेम्स हुये 3:1

### रुप रेखा

1. पौलुस तीमुथियुस 1:1-2 अभिवादन से सुरु होस हइ अरु फिर ओखे प्रोत्साहित करस हइ 1:3-18
2. तब व्हा तीमुथियुस खे सहन करण का लिये चुनौतीहोन देस हइ 2:14-26
3. हर टेम्स व्हा ओखे कुछ बराबरी मे नीर्दश देस हइ 3:1-2-8
4. पौलुस ती तीमुथियुस, लिये कुछ खुद, टिप्पणी, साथ खतम हुयोस हइ 4:9

### ??????

1 पौलुस का तरप से जो उ जिवन कि प्रतीज्ञा का जसो जो मसीह यीशु मे हइ, परमेश्वर कि इच्छा से प्रेरित हइ,

2 प्रिय बेटो तीमुथियुस का नाम परमेश्वर बाप अरु हमारो प्रभु मसीह यीशु का तरप से तोखे अनुग्रह अरु दया अरु शांती मीलती ऋहे.\*

### ?????????? ???? ???? ?????

3 जो परमेश्वर की सेवा मी अपना बापदादाहोन कि रीति पर अच्छा विवेक से करस हइ, ओको धन्यवाद हुये की अपनी प्रार्थनाहोन मे रात दिन तोखे लगातार याद करस हुये.

4 अरु तरा आसुहोन की याद करीखे तरा से मीलन की आस रखुस हइ, कि आनन्द से भरी जायु.

5 अरु मी तरा उ नीष्कपट विश्वास कि याद आस हइ, जो पैयले तरी आजी लोइस, अरु तरी माय यूनीखे मे थी, अरु मेखे नीश्चय हुयो हइ, कि तरा मे भी हइ.\*

6 येका करण मी तोखे याद दिलास हुये खे कि तु परमेश्वर को उ वरदान खे जो मरा हात रखना का वजेसे तोखे मिल्यो हइ प्रज्वलित कर.

7 क्युकी परमेश्वर ने हमखे भय की नी पर सामर्थ्य, अरु प्रेम, अरु संयम की आत्मा दी हइ.

### ?????? ?? ???? ??????? ???? ???? ?

8 येका लिये हमारा प्रभु कि गवाही देना से अरु मरा से जो ओको कैदी हुये खे इज्जत नी हइ, पर उ परमेश्वर कि सामर्थ्य का जसो सुसमाचार का लिये मरा साथ दुख उठा.

9 जेने हमारो उध्दार कन्यो अरु पवित्र बुलाहट से बुलायो अरु यो हमारा काम जसो नी. पर अपनी मनसा अरु यो अनुग्रह का जसो हइ. यो यीशु मसीह मे अनादि काल से हम पर हुयो हइ,

10 पर अब हमारो उद्धारकर्ता मसीह यीशु को प्रगट होन, वजेसे प्रकाशन हुयो हइ. ओने मरन खे खत्म कन्यो कि अरु जिवन अरु अमरता को उ सुसमाचार का वजेसे प्रकाशन मान करी दियो.

11 जेका लिये मी प्रचारक का अरु प्रेरित, अरु मास्तर भी रूख्यो.\*

12 येका कारण मी ये दुख खे भी उठास हइ, पर सरमे नी, क्युकी जेका पर मे ने विश्वास रूख्यो हइ कि जानस हइ. अरु मेखे नीश्चय हइ की उ मरी धरोहर की उ दिन तक रखवाली करी सकस हइ.

13 जो अच्छी बात तोने मरासे सुनी हइ उनका उ विश्वास अरु प्रेम का साथ जो मसीह यीशु मे हइ, अपनो आदर्श बनी खे रख.

14 अरु पवित्र आत्मा का वजेसे जो हम मे बटचो हुयो हइ का या अच्छी धरोहर की रखवाली कर.

15 तू जानस हइ की आसिया आला सब मरा से फिरी गया हइ, जेमे फूगिलुस अरु हिरमेगिनेस हइ.

16 उनेसिफुरस का घराना पर प्रभु दया करी कि क्युकी ओने भोट बार मरा जी प्रोत्साहित कन्यो कि अरु मरी साकल से लज्जित नी हुनु.

17 पर जब उ रोम शहर मे आयो का ते बडा यत्न से ढुडि कि मरा से मीलायो

18 प्रभु कर की उ दिन ओका पर प्रभु की दया हुये. अरु जो-जो सेवा ओने इफिसुस मे कि हइ उनका भी तू अच्छा से जानस हइ.

## 2

~~~~~

1 येका लिये हे मरा बेटा तुम उ अनुग्रह से जो मसीह यीशु मे हमारो हइ, बलवन्त हुये जा.

2 अरु जो बात तोने भोट गवाहहोन का सामने मरा से सुनी हइ, उनका विश्वासी इन्सानहोन खे सोपी दे. जो को भी सिखान का योग्य हुये.

3 मसीह यीशु को अच्छो सैनीक का समान मरा सात दुख उठा.

4 जब कोय सैनीक लडाइ पर जास हइ, ते येका लिये की अपनी बडो अधिकारी को प्रसन्न कहे का अपना आप खे जगत काम मे नी फसास.

5 जो रस मे नी दौड उ अगर विधी का जसो नी दौड ते उ बकसीस नी ले.

6 जो किसान मेहनत करस हइ, फसल को हिस्सो पडले ओका मीलनो चास.

7 जो मी बोलस हुये खे ओका पर ध्यान देको अरु प्रभु तोखे सब बात की समझय दिये.

8 यीशु मसीह खे याद रख, जो दाउद का कुल से हुये खे अरु मन्या हुया मे से जिन्दो उठचो अरु यो मरा सुसमाचार का जसो हइ.

9 जेका लिये मी कुकमी का समान दुख उठउस हइ ह्या तक की कैदी भी हुये. पन परमेश्वर को वचन कैद नी कन्यो जय सकस.

10 यो करण मी चुन्यो हुया दुन्या का लिये सब कुछ सय लियुस हइ, कि वे भी उ उध्दार को जो मसीह यीशु मे हइ आखरी महिमा का साथ पास.

11 या सच्ची बात हइ, कि अगर हम ओका साथ मरी गया हइ, ते ओका साथ जीये भी.

12 अगर हम धीरज से सहते न्हेस का ते ओका साथ राज भी करस.

अगर हम ओको इनकर कहे का ते उ भी हमारो इनकर कहे.

13 अगर हम अविश्वासी भी हुये खे ते भी उ विश्वास योग्य बन्यो न्हेस हइ, क्युकी उ खुद अपनो इन्कार नी करी सकस हइ.

~~~~~

14 या बात की याद उनका देका अरु प्रभु का सामने चेतावनी दे की बोल पर तर्क-वितर्क नी कन्यो करी खे जेकासे कुछ लाभ नी होये जब सुननवाला खतम हइ जास हइ.

15 अपना आप खे परमेश्वर खे ग्रहण योग्य अरु असो काम करणवालो ठेरान को प्रयत्न करी खे जो अपना काम से लज्जित नी होय कि अरु जो सत्य का वचन के अच्छी रीति से काम मे लातो रहे.

16 पर अशुध्द बातचीत से बच्यो रहे, क्युकी असा दुन्या अरु भी अभक्ति मे बडता जाये,

17 अरु उनको वचन सडयो धाव का जसो फैली जास हुमीनयुस अरु फिलातुस उन मे से हइ,

18 जो यो बोली की पुनरुत्थान हुये गयो हइ अरु विश्वास भटकी गयो हइ “अरु कतना को विश्वास खे खतम करी देस हइ.”

19 ते भी परमेश्वर की पक्को पय्यो बन्यो रहेस हइ अरु ओका पर यो छाप लगास हइ “प्रभु अपना आला खे सिनस हइ” अरु “जो कोय प्रभु को नाम लेस हइ वो बुरो काम से बच्यो रहे.”

20 बडा घर मे नी फक्त सोनो-चादी ही को पर लकडी अरु मट्टी का बर्तन भी होस हइ. कुछ खास अवसर उपयुग का लिये अरु कुछ सामान्य काम का लिये.

21 अगर कोय अपना आप या बुरी बात से अच्छो करीखे ते उ खास अवसर का उपयुग का लिये अरु कुछ साधारण उपयुग का लिये हइ.

22 जवानी की इच्छाहोन से भागन को अरु जो अच्छो मन से प्रभु को नाम लेस हइ ओका साथ धर्म, अरु विश्वास अरु प्रेम अरु मेलमीलाप को पीछो कर.

23 पर मूर्खता अरु नी समझदार को विवाद से अलग रहेस का क्युकी तू जानस हइ की येका से वाद विवाद होस हइ.

24 प्रभु को गुलाम झगडालु नी होनु चाह्यो येका पर उ सब का साथ दयालु सहनशील अरु शिक्षक हुये.

25 उ खिलाप करणवाला को नम्रता से समझासक्ता जाने परमेश्वर ओको मोको दे कि वे अपना पाप से मन फिराव को मन फिरानो वे भी सत्य के पोचास,

26 अरु हुइखे सैतान को जाल से छुटी जाये जेने ओने ओकी इच्छा पुरा करण का लिये बन्दी बनायो.

### 3

*~~~~~*

1 पर यो याद रखी खे आखरी दिन मे कठिन टेम आस.

2 क्युकी इन्सान स्वार्थी, लोभी बडाइ करण वाला, अभीमान, नीन्दक, माय बाप की आज्ञा, टालनआला, हरामखोर, अपवित्र,

3 बिना दया को, बिना कृपा को, चुगल लगानआलो मन पर काबू नी रखनवालो, ढीठ रहेनवालो, अच्छा काम खे नी पसंद करणवालो

4 विश्वासघाती, ढीठ, घमण्डी, अरु परमेश्वर को प्रेम नी जब सुखविलास, चानआला हुये.

5 वे भक्ति को भेस धन्यु, पर ओकी शक्ति के नी मान्यु. असा से दुर रीहे.

6 येमे से वे दुन्या हइ जो घर मे दब्या पाय घुसी जास हइ अरु वे दुर्बल बयहोन के वस मे करी लेस हइ जो पाप का दोस से दब्यो अरु हर प्रकार की अभिलाषाहोन का प्रभाव मे हइ,

7 अरु हमेशा सीखस ते रहेस हइ पर सत्य कि ज्ञान तक कभी नी पोचस.

8 जसो यन्त्रेस अरु यन्त्रेस ने मूसा को विरुध कन्यो थो, असो ही ये भी सत्य को विरोध करस हइ ये असो इन्सान हइ जेकी डीमाक खराब हुये गइ हइ अरु वे विश्वास का विषय मे नीकम्मो हइ.

9 पर वे येका से आगे नी बडी सकस, क्युकी जसो ओको मूर्खता सब इन्सानहोन पर प्रगट हुइ गयो थो, असो ही येको भी हुइ जाए.

*~~~~~*

10 पन तो ने उपदेश, चालचलन, मनसा, विश्वास, धीरज, प्रेम, सहनशीलता.

11 अरु असो दुख मे भी जो अन्ताकिया अरु इकुनीयुम अरु लुस्त्रा मे मरा पर पड्यो थो, अरु आखरी दुख मे भी जो मेने उठायो हइ यो सब तू जानस हइ, पन प्रभु ने मेखे उ सब से छुडय लियो.

- 12 पर जतनो मसीह यीशु मे भक्ति मे जिवन जिनो चास हइ वे सब के सतायो जाए;  
 13 पन दुष्ट अरु बैखानआला धोको देस हुये अरु धोको खाते हुये, बिगडयो चल्थो जास.  
 14 पर तू उ बात पर जो तोने सीख्यो हइ अरु विश्वास कन्यो हइ यो जानीखे दृढ बन्यो जेस की तोने उनका कोनता दुन्या से सीख्यो हइ,  
 15 अरु बचपन से पवित्रशास्त्र तरो जान हुयो हइ, जो तोखे यीशु मसीह पर विश्वास करणा से उध्दार करण का लिये डीमाकआलो बनी सकस हइ.  
 16 सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रच्यो गयो हइ अरु मास्तर, अरु गलती बतानु, अरु सुधारस, अरु न्यायीपन कि शिक्षा का लिये लाभदायक हइ,  
 17 ताकि परमेश्वर को दास सिध्द बन्यो, अरु हर एक अच्छो काम कास लिये तत्पर हुये जाए.

#### 4

- 1 परमेश्वर अरु मसीह यीशु की गवाही करिके जो जिवन अरु मन्यो हुयो को न्याय करस, अरु ओको प्रगट होनु अरु राज्य की याद दिलास मी तोखे आदेश देस हइ  
 2 कि तू वचन को प्रचार कर, टेम अरु अटेम तैयार जेस, सब प्रकार कि सहनशीलता अरु शिक्षा का साथ उलानो दे अरु डाट अरु पोस्ताहन दे.  
 3 क्युकी असो टेम आस जब दुन्या खरो उपदेश नी सय सकस पर कान का खुजान का लिये अपनी अभिलाषाहोन खे जसो अपना लिये भोत सा उपदेशक जामाकरी लिये.  
 4 अरु अपनो कान सत्य से फेर कथा का हानीहोन पर लगास.  
 5 पर तू सब बात मे सावधान जेस दुख उठयखे सुसमाचार प्रचार को काम कर, अरु परमेश्वर कि सेवक होन को नातासे तरी जवाबदारी पुरी कर.  
 6 क्युकी अब मी खुद खे डालनो करण को टेम अयगो.  
 7 मी अच्छी कुशती लडयो चुक्यो हुये मेने अपनी दोड पुरी करी ली हइ मेने विश्वास मे बन्यो हिये.  
 8 अब मरा लिये न्यायी पन कन्यो टोपी रख्यो हुयो हइ जेखे प्रभु जो न्यायी हइ मेखे उ दिन देस, अरु मेखे ही नी जब उ सब खे भी ओको प्रगट होन को प्रिय जानस हइ.

~~~~~

- 9 मरा पास झल्दी आन को प्रयत्न कर.
 10 क्युकी देमास ने यो जगत को प्रिय जानीखे मेखे छोडी दियो हइ अरु थिस्सलुनीखे का लिये चली गयो हइ. केसेन्स गलातिया को अरु तीतुस दलमतिया खे चली गयो हइ.
 11 फक्त लुका, मरा साथ हइ. मरकुस खे लीखे चली आयो. क्युकी सेवा का लिये वो मरा भोत काम को हइ.
 12 तुखिकुस खे मेने इफिसुस भेज्यो हइ.
 13 जो झगा मे त्रोआस मे करपुस खे यो छोडी आयो हइ, जब तू आस ते उ अरु किताब का बारे मे करीखे पेपर खे लिखे आनू.
 14 अलेक्झेडर ठठरे ने मरा से भोत बुरो कन्यो हइ. प्रभु उ ओका मे जसो बदलतो देस.
 15 तू भी ओकासे सावधान जेस, क्युकी ओने हमारा संदेश को भोत ही विरोध कन्यो हइ.
 16 मरा पैयले प्रतिवाद को टेम कोय ने भी मरो साथ नी दियो, जब सब ने मेखे छोडी दियो थो. अच्छो हुये की येको उनके लिख्यो नी देनू पडस!
 17 पन प्रभु मरो साहयतो जेस अरु मेखे सामर्थ्य दे, ताकि मरा वजेसे पुरो पुरो प्रचार हुये अरु सब गैरयहूदीहोन सुनी ले. मी सेर का मुडा से छुडायो गयो.
 18 अरु प्रभु मेखे हर एक बुरा काम से छुडाये, अरु अपनो स्वर्गीय राज्य मे सुरक्षा पोचय दिये. ओकी महिमा पिडम्पिडि से जानो जेस. आमीन.

~~~~~

19 प्रिस्किल्ला का अरु अक्विला को अरु उनेसिफुरुस का घर के नमस्कार.

20 इरास्तुस कुरिन्थुस मे ऱ्हैयो गयो, अरु युफिमुस को मे ने मीलेतुस मे बेमार छोड्यो हइ.

21 ठंड से पैयले चलीखे आना को प्रयत्न कर. यूबूलुस, अरु पूदेस, अरु लीनुस अरु क्लौदिया, अरु सब भैइ अरु बहन खे तोखे नमस्कार.

22 प्रभु तरा आत्मा का साथ ऱ्हैहे. तरा सब पर परमेश्वर को अनुग्रह ऱ्हैस.

## तीतुस से नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी तीतुस का नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी पैछान

तीतुस की चिट्ठी से हइ? 1:1 शैली साहित्यक प्रकार 1 तिमेथियूस अरु 2 तिमेथियूस की तरह तीतुस से लिखी चिट्ठी एक आश्चर्यजनक दस्तावेज हइ मेय लक्ष्य समेदाय से येका अंदर का विभिन्न गटहोन अरु येका नेताहोन से प्रोत्साहित करस हइ व्यवहार का कुछ तरी का होन अपनानो या जारी रखनो अरु बाकी होन से बचनो आगे का लिये जानकारी 1 तिमेथियूस अरु 2 तिमेथियूस कि फाइल से देख.

पौलुस ने टाइटस से क्रेते व्दिप पर मौजूद चर्चहोन का नेतृत्व करण को नीर्देश दियो थो. पौलुस ने या चिट्ठी लिखी चर्च का नेताहोन को चयन अरु प्रशिक्षण पर टाइटस से नीर्देश देन को आदेश दियो गयो. उनने अपना मे असो ही नीर्देश दियो तीमुथियूस की चिट्ठी उनकी चिट्ठी बतास हइ कि कसी चर्च का नेताहोन का उच्चा मानक पर रख्यो जानो चास. चर्चहोन अरु चर्च का नेताहोन का आज नेतृत्व करण का लिये आकुल्यक मानकहोन पर सावधानी पूर्वक ध्यान देनो चास.

### रूप रेखा

- 1 पौलुस ने मसीह अगुवा की नीवड करण का लिये तीतुस को नीर्देश दियो 1:1-16
2. फिर वे दुन्या से मसीह जिवन जिन का लिये तैयार करण का लिये भी नीर्देश देस हइ 2:1—3:11
- 3 आखरी मेखे पौलुस अपनी कुछ योजनाहोन से साझा करीखे अरु अभिवादन भेजना से खतम होस हइ 3:12-15

1 पौलुस जो परमेश्वर को सेवक का तरप अरु यीशु मसीह प्रेरित हइ. मेखे येका लिये चुन्यो गयो अरु भेज्यो गयो की

मी परमेश्वर का चुन्यो हुया दुन्याहोन से उनका विश्वास मे मदद करी अरु सत्य कि पहचान तक ली जाये जो हमारो शास्त्र सिखास हइ.

2 उ अनन्त जिवन की आस पर खडो हइ, अरु जो झुठ नी बोले उ परमेश्वर ने टेम कि सुरवात का पैयले से यो जिवन का बारे मे वचन दियो हइ,

3 अरु सही टेम पर ओने यो जिवन ओका संदेश मे प्रगट कन्यो हइ, यो संदेश मेखे सोप्यो गयो हइ अरु हमारो उद्धारकर्ता परमेश्वर ओकी आज्ञा का जसो मी ओको प्रचार करुस हइ.

4 तीतुस का नाम, जो विश्वास को सहभागिता का विचार से मरो सच्चो बेटो हइ परमेश्वर बाप अरु हमारो उद्धारकर्ता मसीह यीशु का तरप से तोखे अनुग्रह अरु शांती मीलती हिये.\*

### \*\*\*\*\*

5 मी येका लिये तोखे क्रेते मे छोडी आयो थो कि तू कुछ बातहोन से सुधरनु कि अरु मरी आज्ञा का जसो नगर नगर मंडली बापदादा से चुनु.

6 जो नीर्दोष अरु एक ही लुगइ को अदमी हुये जेखे बच्चा विश्वासी हुये अरु अनुशासन हिनता को दोष उन पर नी लगायो जय सक्ये तथा वे कानुन तोडन आला नी हुये.\*

7 क्युकी मंडली का मुखियो के परमेश्वर को कार्य को नीरक्षक होन का कारण उ नीर्दोष होन से हुनु ओका नी हेतवादी नी जल्दी घुस्सा, नी करनाआलो पियक्कड नी मारपीट करण आला, अरु पैसाहोन को लोभी नी होनु,

8 पर अतिथि सत्कार करण आला को भलाइ को चाहस आलो, संयमी, न्यायी, पवित्र अरु अनुशासीत होनु.



9 ओखे उ जो दी हइ शिक्षा का विश्वासयोग्य वचन पर धुद ड जेनवालो यो तरीका से उ सच्ची शिक्षा से दुसरा को पोस्तहन दी सखे अरु विरोधी हइ ओको खंडन करी सक्ये.

10 क्युकी भोत सा दुन्या कानुन खे नी मानन आला, बकवास करण आला अरु धोखो देन आला हइ. विशेष करीखे यहूदीया मे से आयो हुयो हइ.

11 यो जरूरी हइ कि इनको मुडो बन्द करण खे हुनु. क्युकि ये दुन्या नीच कमाइ का लिये अनुचित बात सिखे घर का घर मे बिगाडी देस हइ.

12 उन मे से एक केते, ही भविष्यवक्ता ने अपना दुन्या का बारे मे खुद बोल्यो हइ, केते खे जेन आला सदा झूट बोलस हइ, दुष्ट जनवर, अरु आलसी पेटु होस हइ.

13 या गवइ सच्ची हइ, येका लिये उनका कठोरता से चेतावनी दिये की वे विश्वास मे पक्को हइ जाये.

14 अरु यहूदीयाहोन की कथा खे नासहोन अरु वे इन्सान की आज्ञाहोन पर मन नी लगास जो सच्चाई खे इन्कार करस हइ.

15 शुध्द दुन्या का लिये सब चिजहोन शुध्द हइ, पर भष्टचरी अरु अविश्वासीहोन का लिये कुछ भी शुध्द नी, क्युकी ओकी बुध्दि अरु विवेक दो भष्टचारीस हइ.

16 वे बोलस हइ कि हम परमेश्वर का जानस हइ. पर अपना काम से ओको इन्कार करस हइ. क्युकि वे घृणित अरु आज्ञा नी मानन आला हइ, अरु कोय अच्छो काम करन का योग्य नी.

## 2

~~~~~

1 पर तू असी बात बोली खे जो सच्ची सिध्दान्त का जसो हइ.

2 मंनजे बूडो इन्सान सालिन का सचेत अरु गम्भीर अरु खुद हुये अरु ओको विश्वास अरु प्रेम अरु धीरज पुरो सहनसिल हइ.

3 यो प्रकार बूडो बयहोन को चाल-चलन पवित्र दुन्या जसो हइ. वे नींदक नी बन्नु दाखमधु पिन की लत उनके नी हुये पर अच्छी बातहोन सिखान आली हुये.

4 ताकी वे जवान लुगइहोन खे शिक्षा देस हइ कि अपना इन्सानहोन खे अरु बच्चाहोन से प्रेम रखस.

5 अरु खुद नीयत्रीत पवित्र, अपना घर को देखभाल करण आली, अरु अपना अदमी का अधीन जेन आली बन्नु, ताकि कोय भी परमेश्वर का तरफ से आन आलो वचन की नीन्दा नी करणु.

6 असो ही अरु जवान इन्सान खे भी समझायो करणु की खुद नीयत्रीत हुये.

7 सब बातहोन मे अपना आप खे अच्छो आचरन को नमूने बन्नु. तरी शिक्षा मे प्रामीनीक, अरु गम्भीरता जे,

8 अरु असी खराइ पाये जाये की कोय भी ओका आलोचना नी करी सक्ये तरा दुश्मन लाजवाने हुये क्युकि तरा विरोधी मे बुरो नी बोल्यो अरु कुछ नी हुये.

9 सेवक समझा की अपना-अपना स्वामी का अधीन जेस अरु सब बात मे तुमने प्रसन्न रख. अरु उलटी खे जबाब नी देस.

10 चोरी चपाटी नी कहे, खुद खे हमेशा भरोसा का लायक दिखाये कि वे सब बात मे हमारो उद्धारकर्ता परमेश्वर उपदेश कि शोभा बडास.

11 क्युकी परमेश्वर को उ अनुग्रह प्रगट हइ, जो सब इन्सान को उध्दार करस हइ,

12 अरु यो अनुग्रह हमखे चेतास हइ कि हम अभक्ति अरु सांसारिक अभिलाषाहोन से मन फेरीखे यो युग मे संयम अरु धर्म अरु भक्ति से जिवन बितास.

13 अरु उ धन्य आस की मंनजे अपना महान परमेश्वर अरु उद्धारकर्ता यीशु मसीह की महिमा को प्रगट होन कि रस्ता देखस हइ.

14 जेने अपना आप खे हमारा लिये दि दियो की हम हर प्रकार बुरो काम से छुड़ाये अरु अच्छो करीखे अपना लिये एक असा पवित्र दुन्या बनय ले जो अच्छा-अच्छा काम होन करण का लिये तैयार रहेस.

15 पुरो अधिकार का साथ या बात सिखानु, अरु समझा जसो तु तरा सुनन आला खे डाटस अरु प्रोत्साहित करस हइ कोय भी तोखे तुच्छ समझनु नी पाये.

3

1 दुन्या खे याद दिलय खे वे शासक अरु अधिकारीहोन का अधीन हिये अरु ओकी आज्ञा को पालन कर्ये अरु हर एक अच्छो काम का लिये तैयार हिये.

2 उनखे बता कोय का बारे मे बुरो नी बोलनु, पन शांतीप्रिय अरु दोस्त से रहेनु. अरु सब का साथ मूसा कोमलता व्यवहार रखनु.

3 क्युकि हम भी पैयले नीबुध्दि, अरु आज्ञा नी मानन आला का अरु गलत था अरु कुछ प्रकार की अभिलाषाहोन अरु सुखविलास का चाहत मे था, अरु बैर भाव, अरु डाह करणा मे जिवन बिता था अरु घृणित थो, अरु एक दुसरा घृणा करतो थो.

4 पर जब हमारो उद्धारकर्ता परमेश्वर कि भलाइ अरु प्रेम प्रगट हुयो

5 ते ओने हमारो उध्दार कन्यो. अरु यो अच्छा न्याय होन का वजेसे नी, जो हम ने खुद कन्यो पन ओकी दया से हम खे बचायो पवित्र आत्मा का वजेसे जो हम खे नवो जन्म देस हइ अरु धौइ खे हम नवो जिवन देस हइ.

6 परमेश्वर ने हम पर पवित्र आत्मा को उद्धारकर्ता यीशु मसीह का वजेसे हम पर भरपुरी से उडनो हइ.

7 अपना अनुग्रह का वजेसे ओका साथ धर्मी ठेरायो हइ ताकी हम जेकी आस उत्तरधिकारी खे पई सक्ये.

8 सच बोल्या गयो हइ,

अरु मी चौउस हइ कि तु या बातहोन का बारे मे दृढता से बोल्ये येका लिये कि जेने परमेश्वर पर विश्वास कर्यो हइ वे अच्छा-अच्छा काम होन मे लग्या हैंन को ध्यान रखस. या बात अच्छी अरु हर इन्सान का लिये लाभदायक हइ.

9 पर मूर्खता, विवादहोन, अरु वंशावलिहोन, अरु विरोध अरु झगडाहोन से जे व्यवस्था का बारे मे हुय खे बच्यो हिये. क्युकि वे निष्फल अरु बेकार हइ,

10 जो फुट डालस हइ ओखे कम से कम दो बार चेतावनी दे, अरु फिर ओका साथ अरु जादा कुछ मत करणु.

11 क्युकि तुम जानस हइ कि असा दुन्या भ्रष्ट हुइ चुक्या हइ अरु उनको पाप उ गलत होन को प्रमाण देस हइ.

12 जब मी तरा पास अरतिमास या तुखिकुस खे भेज्ये ते मरा पास नीकुपुलीस नगर मे आन कि कोशिश करणु, क्युकि मेने उ ठंड का टेम को ठानी लियो हइ,

13 जेनास वकील अरु अपुल्लोस कि कोशिश करीखे आगे उच्चो अरु देख कि उनखे कोय चिज की घटी नी हुये

14 हमारा दुन्या भी अच्छो काम करणो सिखन खे हुनु ताकी जो जरूरत हइ ओकी पूर्ति हुइ सक्ये अरु बेकार को जिवन नी जीये.

15 मरा सब साथीहोन खे तोखे नमस्कार जो विश्वास करस हम से प्रेम रखस हइ, उनखे नमस्कार तुम सब पर परमेश्वर अनुग्रह होतो हिये

फिलेमोन खे नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी फिलेमोन का नाम पौलुस प्रेरित कि चिट्ठी

पैछान

अनुवाद होन का लिये अवलोक अरु दिशा निर्देश फिलेमोन कि चिट्ठी हइ? फिलेमोन पौलुस 1:1, अब चिट्ठीहोन मे सबसे छोटो अरु सबसे व्यक्तिगत हइ. पौलुस ओखे लिखस हइ प्रिय दोस्त फिलेमोन एक महत्वपूर्ण मामला का बारे मे उनेसिमुस को गुलाम हइ फिलेमोन, पौलुस से मील्यो हइ, जो रोमन गिरफ्तार को अधीन हइ अरु ओने उनेसिमुस को धर्म परी वर्तन कन्यो हइ 10. रोमी व्यवस्था का जसो पौलुस उनेसिमुस खे ओका स्वामी फिलेमोन का पास वापस भेजी रोस हइ. रोमन कानून ने दासहोन खे कडी सजा दी. पौलुस ने फिलेमोन को प्रोत्साहित कन्यो उनेसिमुस वापस भैइ का रुप मे स्वीकार करनु 61 साल अरु फिलेमोन खे सुझाव देन खे उ भेजस हइ उनेसिमुस वापस पौलुस का पास गयो अरु शायद ओखे छोडी दियो.

पौलुस पिच्छे हुयकालो नी लिखस हइ लेकिन तीमुथियूस से जुडा हुयो हइ. अरु चिट्ठी संबोधित हइ फक्त फिलेमोन बल्कि अप्फीया अरु अर्किप्पुस कि भी चिट्ठी येका लिये हइ साधारण चिट्ठी अरु बडो दर्शकहोन का लिये सार्वजनीक चिट्ठी बीच पडस हइ किताब कि संरचना फिलेमोन कि चिट्ठी सामान्य पौलुस अक्षर संरचना को अनुसरन करस हइ एक उद्घाटन का सात, एक घन्यवाद एक नियम, अरु एक समापन. पैछान मे पौलुस खुद का रुप मे मसीह यीशु खे कैदी रुप मे पहचानस हइ तीमुथियुस का सात, “हमारो भैइ.” चिट्ठी फिलेमोन का संबोधित हइ, सात मे अप्फीया जो फिलेमोन कि लुगेन हुइ सकस हइ, अरु अर्खिप्पुस की चिट्ठी को मुख्य भाग मे चार खंड होस हइ मरो बेटा उनेसिमुस का लिये फिलेमोन से अपील की दुसरो खंड का पौलुस समझस हइ कि उ उनेसिमुस खे वापस भेजी रोस हइ 1:13-14.

रुप रेखा

1. पौलुस मे फिलेमोन को स्वागत करस हइ. 1:1-3
2. तब पौलुस ने उनेसिमुस का तरप से प्रार्थना करी फिलेमोन ओखे एक यीशु भइ का रुप मे स्वीकार कन्यो. 1:4-21
3. पौलुस ने जत्रा करण का अपना इरादा कि घोषणा करी अरु शुभकामना भेजिखे अपनी बाट खतम करी. 1:22-25 .

परिचय

1 हमारो भैइ तीमुथियुस अरु मी पौलुस का तरप से जो प्रभु यीशु मसीह का लिये बन्दी बन्यो, हमारो प्रिय दोस्त सहकर्मी फिलेमोन,

2 अरु भैइन अफफिया, अरु हमारो साथ योध्दो अरखिप्पुस अरु फिलेमोन का घर मे जमा होन आली मंडली खे *

3 हमारो बाप परमेश्वर अरु प्रभु यीशु मसीह का तरप से अनुग्रह अरु शांती तुम खे मील्ले.

परिचय

4 भैइ फिलेमोन, कभी भी परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ. अरु अपनी प्रार्थनाहोन मे भी तोखे याद करस हइ.

5 क्युकी मी परमेश्वर का प्रती तुम्हारो प्रेम अरु प्रभु यीशु मसीह मे तुम्हारो विश्वास का विषय मे सुनस हइ,

6 मी प्रार्थना करुस हइ कि तुम खे विश्वास का बाटना मे तत्पर बन्यो रीहे जेका से यीशु मसीह मे हमारी एकता का वजेसे सब अच्छी बात कि तुम खे पुरी रिती से ज्ञान हुये.

7 क्युकी हे भैइ काम से तरा प्यार से भोत खुशी अरु प्रोत्साहन मीलस येका लिये की तरा से पमेश्वर कि दुन्या को मन आनन्दित हुइ गयो हइ.

~~~~~

8 येका लिये की मेखे मसीह मे भैइ होन को नातो जो तुम खे करणु चाहिये उ बतान कि हिम्मत से बतान को अधिकार मरा मे हइ.

9 फिर भी यीशु प्रेम करना मे अगर पौलुस का लिये जो अब मसीह का लिये कैदी हय यो ठिक जानी पड्यो की अरु तरा से प्रार्थना कर.

10 ते मी उनसिमुस का तरप से तरासे प्रार्थना करस हुये खे जो मसीह मे मरो बेटो हइ अरु जब मी जेलखाना का टेम मे मी ओको आत्मीक बाप बन्यो.\*

11 उ ते पैयले तरा कुछ काम को नी थो, पर अब तरा अरु मरो दोय को सुप मदत करणु हइ.

12 ओखे जब जो मरो दिल को टुकडो हइ मेने ओखे तरा पास लोटय दियो हइ.

13 ओखे मी अपना हि पास रखनू चातो थो कि तरा तरप से उ बन्धन मे जो सुसमाचार करस हइ, तरा जगत पर मरी सेवा कर.

14 पर मेने तरी इच्छा का बिना कुछ भी करणु नी चायु, कि तरी या कृपा दबाव से नी पर इच्छा से हुये.

15 शायद वा तरा से कुछ दिन तक का लिये यो कारण अलग हुयो कि सदा तरा पास न्हैस.

16 पन अब से गुलाम जसो नी, जब गुलाम से भी अच्छो काम अत्यन्त प्रिय भैइ का समान न्हैस, जो आंग मे भी अरु अधिक तरा प्रभु मे भी मरो हुये.

17 येका लिये अगर तु मेखे हिस्सेदार समझस हइ, ते ओखे यो प्रकार ग्रहण कर जसो मेखे.

18 अरु अगर ओने तरा कुछ हानी कन्यो हइ यो ओका उपर तरी कुछ आस हइ ते मरा नाम पर लिखी ले.

19 मी पौलुस अपना हात से लिखस हुये कि मी खुद भरी दियु. अरु मेखे यो कुछ बतान की आकुल्यकता नी कि तु तो मरो जिवन भर का लिये मरो कर्जदार हइ.

20 हे भैइ काम खे तरा से यीशु मसीह मे यो लाभ मील्यो हुये की मरा दिल खे ताजगी मीलस.

21 मी नीश्चित हइ ये तो लिखस हुये जो मेने तोखे करण का लिये बोल्यो उ तु कर. अरु यो जानस हुये कि जो कुछ मी बोलुस हुये ते तू मरा से कही बडीके कर.

22 अरु यो भी मरा लिये रखन की जगा तैयार रख. मेखे आस हइ की तुमारी प्रार्थनाहोन का वजेसे मी तुमखे दी दियो जास.

~~~~~

23 इपफ्रास खे जो मसीह यीशु मे मरा साथ कैदी हइ*,

24 अरु मरकुस अरु अरिस्तर्खुस अरु देमास अरु लुका जो मरो सहकर्मी हइ येखे तो नमस्कार.*

25 हमारो प्रभु यीशु मसीह को अनुग्रह तुम आत्मा पर बन्यो न्हैस.

* 1:10 कुलुस्सियो 4:9 * 1:23 कुलुस्सियो 1:7; 4:12 * 1:24 प्रेरित 12:12-25; 13:13; 15:37-39; कुलुस्सियो 4:10-14; प्रेरित 19:29; 27:2; कुलुस्सियो 4:10-14; 2 तिमोथी 4:10

इब्रानीयो खे नाम चिट्ठी इब्रानीहोन का नाम चिट्ठी पैछान

यीशु जुन्ना नीयम खुप भविष्यवानी कसी करतो थो यो बतानवाला इब्रानीहोन कि चिट्ठी हय एक धिरज देन वाली किताब हइ, एक उपदेस का बरोबर इनकी गिनती करणा मे अय. भविष्यवानी अरु यहूदी मुख्य याजकहोन कर्तव्य यीशु मसीह कसी पुरी करीस हय सपा दिखान वाली साट से जादा जुन्ना नीयम का बारे मे या किताब हइ, ह्या कारण से या किताब यहूदी दुन्या का लिये प्रोत्साहित देनआला असो मानन लग्या हइ. याजक होन ह्या से आगे यज्ञ करण की गरज नी हय यीशु पवित्रशास्त्र कसी पुरी करतो थो येका पर से या किताब सपा कन्यो गयो हइ. सब पाप का लिये एक बार अरु सब काल यज्ञ असो यीशु हुइ गो. या किताब मे से हमखे असो समजस की, यीशु मसीह प्रभु पर विश्वास करणा मे हमारा लिये बरोबर करुस. 12:2 असी रिती से यो जमाना मे हम मसीह विश्वासीहोन या किताब बडी प्रोत्साहित हइ. हम उनका पर भुली रास हय.

इब्रानीहोन का नाम चिट्ठी कोने लिखी हुये हमखे मालुम नी तेभी कुछ पडनवाला को मानणो हइ की वे प्रेरितो पत्रस लुका अरु बार्णबास असा प्रभु खे सेवकहोन ने लिखी हुये. ओसोय या किताब कब लिखी गय हय याभी हमखे मालुम नी का तेभी खुप अभ्यास असो मानस कि जभी यरुशलेम शहर मे 70 वा साल खत्म करणा मे आयो तेभी या किताब मे यरुशलेम को वर्णन असी रितीसे करणा मे आयो हइ कि जसो कुछ तो खत्म हुयोय नी थो या किताब खुप मंडलीहोन मे फिरीखे पडचो गयो असो. ते रोम शहर मेसे लिखी हुये 13:24.

रूप रेखा

1. लेखक असो बतय देस की यीशु यो प्रभु को खबर अरु स्वर्गदूत येकासे बडो हइ 1:1—4:13.
2. येका बाद मे असो बताह्ये की , जो याजक यरुशलेम कइ मन्दिर मे सेवा करस ओकासे जादा यीशु बडो हइ 4:14—7:28
3. मूसा खे दि वाली आज्ञा का वजेसे जो जुन्ना नीयम प्रभु ने उनका दुन्या करी वाली ओका सभी यीशु कि सेवा बडि हइ 8:1—10:31.
4. यीशु ह्या हर एक बात मे बडो हइ ह्या सपा करणा का बाद लेखक जादा दिन मे व्यवहार का बारेमे सुचना कहे 10:32—13:17
5. आखरी मे कुछ बोध अरु हाजीर करीखे लेखक या चिट्ठी बतायो करतो थो 13:18-25

~~~~~

1 पैयले का जमाना मे परमेश्वर ने बापदादाहोन से थोडो-थोडो करीखे अरु तरह-तरह से भविष्यवक्ताहोन का वजेसे बात करी.

2 यो आखरी दिनहोन मे हम से बेटा का वजेसे बातहोन करी. जेने ओने भोत चिजहोन को वारिस टैरायो अरु ओका वजेसे ओने पुरी जगत की रचना करी हइ.

3 उ परमेश्वर की महिमा को उजालो अरु ओका तत्व को चिन्ह हइ. अरु सब चिजहोन खे अपनो सामर्थ्य को वचन से संभालस हइ. उ इन्सान जात का पाप खे धौइ खे माफ दिखे स्वर्ग मे जैखे महामहिम का जवना जगा बैठ्यो.

~~~~~

4 या प्रकार बेटा स्वर्गदूत से महान बन्यो गयो उ प्रकार जसो परमेश्वर ने ओखे स्वर्गदूत से उत्तम नाम दियो.

5 क्युकि परमेश्वर ने कोय भी स्वर्गदूत से असो नी बोल्यो.

“तु मरो बेटो हइ.

आज भी तरो बाप बन्यो हइ”
अरु नी कोय स्वर्गदूत से बोल्यो हइ.

“मी तरो बाप बन्यु
अरु तू मरो बेटो हुये?”

6 पन जब परमेश्वर ओका पइलो जन्मे बच्चा खे जगत मे भेजस हइ,
परमेश्वर का सब स्वर्गदूत ओकी उपासना
करस.

7 अरु स्वर्गदूत का बारे मे यो बोल्यो हइ,
“व्हा अपना दुत खे हवा,
अरु अपना सेवकहोन कि आत्मा भकभक अंगार
बनस हइ.”

8 पन परमेश्वर बेटा का बारे मे बोलस हइ,
हे परमेश्वर. तरी राजगद्दी पिडमपिडि न्हिये;
तरो शासन तरा दुन्याहोन पर न्याय का साथ न्हिये.

9 तो ने सच्ची से धार्मीकता अरु बुरो काम से दुर रख्यो;
यो कारण परमेश्वर. तरो परमेश्वर ने
आनंद का तेल से अभिषेक करन का वजेसे तरा सोप्तीहोन से बडीखे चुन्यो.

10 परमेश्वर यो भी बोलस हइ.
हे प्रभु सुरुवात मे तो ने धरती को पय्यो डाल्यो,
अरु स्वर्ग तरा हाथहोन को कारीगर हइ.

11 वे तो खतम हुइ जाये, पन तु बन्यो न्हिहे:
परमेश्वर बोलस हइ. “उ अपना दूतहोन खे हवा मे उडास.
अरु अपना सेवकहोन खे भगभग अंगार बनास हइ✧.”

12 हे भैइ अरु बहीन हुशार हँनु कि तुम मे असो बुरो
अरु अविश्वासी लम्बा मन नी होनु, जो तुमखे जिन्दो
परमेश्वर से दुर हटन खे लि जाये.

13 अरु स्वर्गदूत मे से परमेश्वर ने कोका से कव
बोल्यो, तु मरा जवना बठ,
जब तक “कि मि तरा बैरिहोन के तरा पायहोन का
नीचे को पिडो नी बनय दियो”✧

14 क्युकि हम मसीह कि आत्मा से सेवक हुया हइ, अगर हम अपना पैयला भरोसा पर आखरी तक
मजबुत से बन्या न्हिये.

2

???? ???? ?

1 यो कारण होनु कि हम उन सच्ची बातहोन पर जो हम ने सुनी हइ, अरु भी चेतावनी से मन
लगाए, असो नी हुये कि भैयकी खे उनसे दुर चली जाये .

2 जो सुसमाचार हमारा बापदादा का स्वर्गदूत से मिल्यो उ सच्चो जेन्हे ओको अनुकरन नी कन्यो
उनखे अच्छी शिक्षा मिली.

3 ते हम कसा बची सकस हइ अगर हम महान उध्दार पर हमारो ध्यान नी जेका बारे मे हमखे
पैयले प्रभु ने बतायो, अरु जेने ओखे सुन्यो ओने हमखे यो साबित कर्यो कि उ उध्दार सच्चो हइ.

4 अरु साथ ही परमेश्वर भी अपनी इच्छा का अनुसार चिन्होने, अरु अदभुत कामहोन का अरु नाना प्रकार का सामर्थ्य का कामहोन अरु पवित्र आत्मा का वरदानहोन खे बाटन का वजेसे येकी गवय देतो न्हियो.

????? ?????????????? ????????

5 परमेश्वर ने उ आन आला जगत की जेकी बातचीत हम करी न्हा हइ, स्वर्गदूत का अधिकार मे नी कर्यों.

6 क्युकी कोय ने बोली खे या गवय दी हइ, ते इन्सान को हइ कि तू ओकी याद करस हइ या इन्सान को हइ कि तू ओकी चिन्ता करस हइ.

7 तोने ओखे स्वर्गदूत से कम कर्यों; तो ने ओका पर महिमा अरु आदर को मुकुट रख्यो. भजन 8.6

8 तोने ओखे अपना हाथहोन का कामहोन पर अधिकार दियो.

येकालिये जब कि ओने सब कुछ भी रखी नी छोड्यो जो ओका अधीन नी हइ. पर हम अब तक सब कुछ ओका अधीन नी देखे.

9 पर हम यीशु मसीह खे जो स्वर्गदूत से कुछ काम कर्यों गयो थो, मरन को दुख उठान का कारण महिमा अरु आदर कि टोपी पेनी हुयो हइ ताकी परमेश्वर को अनुग्रह से उ हर एक इन्सान का लिये मन्यो.

10 यो परमेश्वर का लिये सही लग्यो जेने सब बातहोन खे बनय खे सब सम्भाल्यो यीशु खे भी दुखहोन का वजेसे ताकि भोत सो सनातन ओकी महिमा मे भागी हुये क्युकि यीशु हि उ एक हइ उनका उध्दार का तरफ लीखे आस हइ.

11 उ इन्सानहोन खे पापहोन से पवित्र करस हइ अरु उ जो पवित्र कर्या हुया सब को बाप एक हि हइ येकालिये यीशु उनखे अपनो परिवार बोलना से नी लाजु.

12 उ परमेश्वर बोलस हइ “मी तरो नाम अपना भैइ अरु बहीन खे सुनायु मंडली का बीच मे मी तरी प्रशंसा कर्यु.”

13 अरु उ यो भी बोलस “मी मरो विश्वास परमेश्वर पर रख्यु.” अरु मी ह्या परमेश्वर ने दिया हुया “सन्तान का साथ हइ.”

14 येकालिये जब कि दुन्या मास अरु खुन का हिस्सेदार हइ, ते उ तुम भी उनका समान उनको मीलन हुइ गयो. ताकि मरन का वजेसे ओखे जेखे मरन पर शक्ति मीली भी, मनजे सैतान खे खत्म करी दे.

15 अरु जेत्ता मरन को डर का कारण जिवन भर गुलामी मे फस्या था, उनखे छुडच लेनु.

16 क्युकि यो स्पष्ट नी हइ कि स्वर्गदूत खे नी क्युकी अब्राहम का बस खे मदत करस हइ.

17 यो कारन उनखे होनु थो, कि सब बातहोन मे अपना भैइ का जसा बन्नु; जेकासे वे बातहोन मे जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखस हइ, एक दयालु अरु विश्वासयोग्य महायाजक बन्नू ताकि दुन्या का पापहोन कि माफी का लिये प्रायश्चित्त बन्नु.

18 क्युकि जब सैतान ने परिक्षा की हालत मे दुख उठायो, ते उ ओकि भी मदत करी सकस हइ जेकी परिक्षा होस.

3

????? ???? ? ? ?

1 अरु मरो पवित्र भैइहोन तुम जो स्वर्गीय बुलाना मे साती दार हुये, उ प्रेरित अरु परमेश्वर का द्वारा बुलाया गया हइ, तुम अपनो ध्यान यीशु पर लगैइ खे रखनु.

2 उ जने ओखे चुन्यो वहा परमेश्वर का प्रती विश्वास योग्य थो ठिक असो जसो मूसा ने अपना काम का प्रती परमेश्वर का घराना मे विश्वास-लायक थो.

3 जसो घर बनानआलो एक इन्सान घर से अधिक खुद आदर को पात्र होस हइ उ रीति से यीशु भी मूसा से अधिक आदर को पात्र मान्यो गयो.

4 क्युकि हर एक घर खे कोय न कोय बनान आलो होस हइ, पन जेने सब कुछ बनायो उ परमेश्वर हइ.

5 मूसा तो परमेश्वर का पूरा घर मे सेवक का समान विश्वासयोग्य हीयो कि जो बातहोन को वर्णन होन आलो थो, उन की गवय दे. ओने वा बातहोन बोली जो भविष्य मे परमेश्वर का द्वारा बोली जान आली थी.

6 पन मसीह बेटो होन का नातासे परमेश्वर को घर को अधिकारी हइ; अरु परमेश्वर को घरनो हम हइ, अगर हम हिम्मत पर अरु अपना आस का घमण्ड पर आखरी तक मजबुत से हिया.

?????????? ?? ??????????? ?? ?????

7 येकालिये जसो पवित्र आत्मा बोलस हइ,

“अगर आज तुम परमेश्वर की अवाज सुन्ये,

8 ते अपना मन खे कटोर नी करनु,

जसो तुम्हारा बुजुरुखहोन ने

जब उनकी मरुस्थल मे परीक्षा हुइ री थी परमेश्वर का खिलाफ बगावत करी थी

9 परमेश्वर बोलस हइ वहा उनने मरी परीक्षा का तरफ परख्यो अरु मरा कामहोन खे देख्यो जेखे मेने चालीस साल तक देख्यो.

10 यो कारण भी उ टाइम का दुन्याहोन से गुस्सा हियो,

अरु बोल्यो इनको मन हमेशा से ही प्रमाणित

अरु मरी आज्ञा खे ठुकरान आला

या मरी रस्ता समजे नी हइ.

11 तब मेने गुस्सा मे अयखे कसम-खैइ,

वे मरा आराम स्थान मे कभी प्रवेश करी नी सखे.”

12 हे भैइ अरु बहीन, चौकनय हँनु कि तुम मे असो बुरो अरु अविश्वासी मन नी होनु, जे तुमखे जिन्दो परमेश्वर से दुर हटैखे लि जाये.

13 येका बदला जब तक “आज का दिन” बोल्यो जास हइ, तुम हर दिन एक दूसरा खे प्रोत्साहित न्हिया, असो नी हुये कि तुम मे से कोय झन पाप का छल मे अय-खे कटोर हुइ जाये.

14 क्युकि हम मसीह का भागीदारी हुया हइ, अगर हम अपना पैयला भरोसा पर आखरी तक मजबुत से बन्या न्हिये.

15 जसो शास्त्र बोलस हइ,

“अगर आज तुम ओको बोल सुन्ये ते अपना मन खे कटोर नी

करनु, जसो कि बगावत का दिनहोन

मे तुम्हारा बुजुरुखहोन ने कर्यो थो.”

16 भलो कोन हइ जेने परमेश्वर की वाणी सुनी अरु उनका खिलाफ बगावत कर्यो? का वे कोन था, जेने मूसा ने मीस्र से बचैइ खे नीकाल्यो थो?

17 अरु परमेश्वर चालीस साल तक कोनता इन्सान से घुस्सा न्हियो? का उन से जेने पाप कर्यो, अरु उनकी लाश जंगल मे पडि न्हिये?

18 अरु परमेश्वर कोखा लिये कसम खैइ कि तुम मरा आराम स्थान मे प्रवेश नी करी सखे ? का फक्त उनसे जेने आज्ञा नी मानी?

19 यो प्रकार हम देखस हइ कि वे अविश्वासी का कारण आराम कि जगा पर प्रवेश नी करी सक्या.

4

1 येका लिये जब कि उनका आराम प्रवेश करण की प्रतीज्ञा अब तक हइ ते हम डरन खे होनु असो नी हुये कि तुम मे से कोय झन बाहेर न्हि जाये.

2 क्युकि हम भी जसो सुसमाचार सुन्यो जसो उन्ने सुन्यो थो जो संदेश उन्ने सुन्यो थो उनका लिये कोइ किमत नी थी, क्युकि उन्ने सुन्यो तब विश्वास से स्वीकार नी कर्यो.

3 हम जो विश्वासी हइ उ आराम खे जेखे परमेश्वर ने प्रतीज्ञा करी थी ओखे हम याद करता शामिल नी हइ पाये ओने यो बोल्यो थो, जबकी जगत कि नीर्मीती करण का बाद ओको काम पुरो हइ गयो थो, जसो कि परमेश्वर ने बोल्यो हइ मेने घुस्सा मे येका पर कसम लिखे बोल्यो थो कि ओने यो बोल्यो.

4 क्युकि सातवा दिन का बारे मे ओने शास्त्र मे बोल्यो हइ कि “परमेश्वर ने अपना पुरा काम होन खे खत्म करी खे सातवा दिन मे आराम कर्यो.”

5 अरु या प्रकार फिर यो बोलस हइ “वे मरा आराम स्थान मे प्रवेश करी नी पाये.” जेखे मेने उनखे देन को ठैरायो हइ.

6 ते अब या बात बाकी हइ कि खे तनो अरु हइ जो वा आराम मे प्रवेश कर्ये अरु जिनको पैयले सुसमाचार सुन्यो थो किक्यु उनन्हें विश्वास नी कर्यो किक्यु उनने विश्वास नी थो क्युकि दुसरा का लिये आराम करण का वजसे अभी भी खुल्यो हइ,

7 येका लिये उ कोय खास दिन खे ठैरय खे

इत्ता दिन का बाद दाउद की किताब मे ओखे. आज को दिन बोलस हइ. जसो पैयले बोल्यो गयो, “अगर आज तुम ओको बोल सुन्ये ते अपना मन खे कठोर नी करणू.”

8 अगर यहोशू उनखे आराम दिन मे लि गयो जेकी प्रतीज्ञा करी थी, ते परमेश्वर का बाद मे कोइ दिन का बारे मे उ बोलस.

9 ते जो भी जसो परमेश्वर सातवा दिन आराम करस हइ वसो हि परमेश्वर का दुन्याहोन का लिये व्हा आराम बाकी हइ.

10 क्युकि जे कोय भी परमेश्वर मे प्रतीज्ञा कर्यो हुया आराम मे प्रवेश करस हइ, उ ओका काम होन मे आराम पाये ये वैइ प्रकार जसो परमेश्वर ने ओका काम होन से आराम पायो हइ.

11 येका लिये हम वा आराम मे प्रवेश करण की कोशीस करणु कि असो नी हुये कि कोय ज्ञान उनका ओका जसा विश्वास कि कमी का वजसे गिरी पड्या.

12 क्युकि परमेश्वर को वचन जिन्दो अरु क्रिया शील खे अरु हर एक दोधारी तलवार से भी भोत तेज हइ. अरु जान अरु आत्मा को अरु जोड़-जोड़ खे अलग करी खे आर-पार हइ अरु मन की भावना अरु बिचार जानस हइ.

13 सृष्टी की कोय चिज परमेश्वर का आख का सामने जेखे हम खे हिसाब किताब देनो हइ हर चिज बीना आवरन कि खुली हइ हइ अरु कुछ भी ओझ ल नी हइ.

~~~~~

14 येका लिये जब हमारो असो बडो महायाजक हइ जो स्वर्ग से हइ खे गयो हइ, मंनजे परमेश्वर को बेटो यीशु ते ओको हम अपना विश्वास हमने मीली कर्यो हइ दृढता से थामे ज्हेनु.

15 क्युकि हमारो असो महायाजक नी जो हमारो नीर्बलताहोन मे हमारा साथ सैतान को दुख नी हइ सकस क्युकी उ सब बातहोन मे हमारा जसा परख्यो गयो तेभी नीष्पाप निकल्यो.

16 येका लिये आनू कि हम अनुग्रह को राजगद्दी का पास मे हिम्मत बाधी खे चल्यो की हम पर दया होस अरु उ अनुग्रह पाये जो गरज का टेम मे हमारी मदत करणू.

## 5

1 क्युकि हर एक महायाजक इन्सानहोन मे से नीयुक्त कर्यो जास हइ कि उनको प्रतीनीधित्व करीखे परमेश्वर कि सेवा करीखे पाप दान को अर्पन करी सक्ये.

2 वे अनाडीहोन अरु भूल्या भटक्या का साथ नमी से व्यवहार करी सकस हइ येका लिये कि उ तुम भी नीर्बलता से घेर्यो हइ.

3 येका लिये ओका होनु कि जसा इन्सानहोन का लिये ओसो ही अपना लिये भी पाप बलि चढायो करस.

4 यो मुख्य याजक का आदर को पद कोय अपना आप नी लिखे जब तक कि हारुन का सामने परमेश्वर का तरफ से ठैरायो नी जाये.

5 ओसो ही मसीह ने भी महायाजक को आदर को पद अपना आप नी लियो बल्की

“परमेश्वर ओखे बोलस हइ  
तु मरो बेटो हइ

आज मी तरो बाप बन्यो हइ.

6 यो प्रकार उ दूसरा जगा मे भी बोलस हइ,  
तू मलिकिसिदक कि रीति

पर पिडमपिडि का लिये याजक ठेरैये.”

7 यीशु ने अपना आंग मे जेहन का दिनहोन मे उचो बोल मे रोइखे अरु आख से आसु बोहय-बोहय  
खे ओका से जो मरन से बच्यै सकतो थो, प्रार्थनाहोन अरु प्रार्थना करीखे अरु भक्ति अरु नम्रताकरण  
ओकि सुनी गइ.

8 बेटो होना पर भी ओने दुख उठैखे आज्ञा को पालन करणो सिख्यो.

9 अरु सिध्द बनी अपना सब आज्ञा मानन आला का लिये सनातन को उध्दार हुइ गयो.

10 अरु ओखे परमेश्वर का तरफ से मलिकिसिदक की रीति पर महायाजक को पद मील्यो.

~~~~~

11 येका बार मे हम खे भोट सी बातहोन बोलनू हइ, पन जेको वर्णन करणो कठिन हइ क्युकि तुम
समझना मे भोट धिमे हुया.

12 टेम का बिचार से ते तुम मास्तर हुइ जान खे होनु थो, तेभी यो जरुरी हुइ गयो हइ कि कोय तुम
खे परमेश्वर का वचन खे आदि शिक्षा फिर से सिकइ. तुम ते असा हुइ गया हइ कि तुमने अनाज
खान का बजाय तुम खे अभी अब तक दूध पीनु पडस हइ.

13 क्युकि दूध पिनआला बच्चा ही हइ अरु ओखे सही गलत को कोय धार्मीकता को अनुभव नी
होय.

14 पर ठोस खानो समझदारहोन का लिये हइ, उनने अपना अनुभव करन को अच्छा बुरा को ज्ञान
करणो सीखी लियो हइ.

6

1 येका लिये आओ मसीह की शिक्षा की सुरवात की बातहोन खे छोडी खे हम सिध्दन्ता का तरफ
आगे बडता जाए, अरु मर्या हुया काम होन से मन फिराव को अरु परमेश्वर पर विश्वास करणु.

2 अरु बापत्सिमा अरु हात रखनु, अरु मर्या हुया, पुनरुत्थान होना पर, अरु आखरी न्याय की
शिक्षा रुपी पायो फिर से नी डालनु.

3 अगर परमेश्वर चाये ते हम योही कर्यै.

4 क्युकि जेने एक बार उजालो देख्यो हइ, अरु जे स्वर्गीय वरदान को स्वाद चकी चुक्या हइ अरु
पवित्र आत्मा को भागीदार हूइ गया हइ

5 अरु परमेश्वर को उत्तम वचन को अरु आन आलो जगत का सामर्थ्य को स्वाद चकी चुक्या हइ.

6 अगर वे विश्वास से भटकी जाए ते उनका फिर से मन फिराव का लिये वापस लानो असंभव
हइ. क्युकि वे परमेश्वर को बेटो अपना लिये फिर कुस पर चडास हइ अरु प्रगट मे ओका पर कलंक
लगास हइ.

7 क्युकि जो जमीन बारीश का पानी खे जोओ पर बार-बार गीरस हइ, पी पी खे जो इन्सानहोन
का लिये उ जोतन-बोन आला खे उपयोगी फसल प्रदान करस हइ उ परमेश्वर को आशीर्वाद पास
हइ.

8 पर अगर वा झाडि अरु काटा उगास हइ, ते नीकम्मी अरु स्थापित होना पर हइ, अरु ओको
अन्त जलायो जानो हइ.

9 पर हे प्रिय दोस्त पन हम या बातहोन बोलस हइ तेभी तुम्हारा बारे मे हम येका से अच्छी अरु
उध्दार वाली बातहोन को भरोसो करस हइ.

10 क्युकि परमेश्वर अन्यायी नी कि तुम्हारो काम अरु उ प्रेम खे भुली जायेका जो तुम ने ओका
नाम का लिये या रीति से दिखायो कि मसीह इन्सानहोन की सेवा का तरफ करी भी रो हइ.

11 पर हम भोत चाहस हइ कि तुम मे से हर एक जन आखरी तक पूरा विश्वास का लिये असो ही कोशीस करतो हिंया.

12 हम नी चाहस कि ताकि तुम आलसी नी हुइ जानु, क्युकी उनको अनुकरण करणू जो विश्वास अरु धीरज का वजेसे प्रतीज्ञाहोन को वारिस होस हइ.

~~~~~

13 परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतीज्ञा करता टेम जब कसम खान का लिये कोय खे अपना से बडो नी पायो ते अपनी ही कसम खय खे बोल्यो.

14 “भी सचमुच तोखे भोत आशिर्वाद दियु, अरु तरी सन्तान खे बडाते जायु.”

15 अरु या रीति से अब्राहम ने धीरज धरी खे परमेश्वर ने करी हुइ प्रतीज्ञाहोन को फल प्राप्त कय्यो.

16 इन्सान तो अपना से कोय बडा की कसम खाया करस हइ, अरु उनका हर एक विवाद को फैसलो आखरी कसम पक्को कर्यो जास हइ.

17 येका लिये जब परमेश्वर ने प्रतीज्ञाहोन का वारिसहोन पर अरु भी सफा रीति से प्रगट करणो चाहस कि ओको उद्देश बदली नी सक्ता ते कसम खे बीच मे लय.

18 ताकि दो बीना बदल बातहोन का वजेसे जेका विषय मे परमेश्वर खे झुठो ठैरानो अनहोनो हुये दुढता से हमारो हिम्मत बंधी जाये जो पाय पडन लेन का येका लिये दौड्या हइ कि ओकी आस खे जे सामने रखी हुइ हइ मील्ले करणु.

19 उ आसा हमारो जिव मन का लिये असो लंगर हइ जो स्थिर अरु दृढ हइ अरु परदा का अंदर तक पहुचस हइ.

20 जहा यीशु ने मलिकिसिदक की रीति पर पिडमपिडि को महायाजक बन्यो हइ.

## 7

~~~~~

1 यो मलिकिसिदक शालोम को राजा थो, अरु परमप्रधान परमेश्वर को याजक थो. जब अब्राहम राजा खे युध्द से पराजित करीखे वापस अय रो थो तब उ अब्राहम से मील्यो अरु ओखे आशिर्वाद दियो.

2 अब्राहम ने सब चिजहोन को दसवो भाग भी दियो. यो पैयले अपना नाम का अर्थ का जसो धर्म को राजा अरु फिर शालोम पन शांती को राजो हइ.

3 ओका बाप का माय का अरु बुर्जुकहोन को कोय इतिहास नी मीलस हइ, ओका जिवन अथवा मरन को भी कोय उल्लेख नी हइ पन परमेश्वर को बेटा खे जसा ही हमेशा का लिये याजक बन्यो हँस हइ.

4 अब येका पर ध्यान करणू कि उ कसो महान थो जेको कुल पति अब्राहम ने लूटीखे अच्छा से अच्छा माल को दसवो भाग दियो.

5 लेवी की सन्तान मे से जो याजक को पद पास हइ, उनखे आज्ञा मीली हइ कि इन्सानहोन मनंजे अपना इस्राएली भैड से चाये वे अब्राहम का आंग से क्यु नी जन्मो हइ, व्यवस्था का जसो दसवो हिस्सो ले.

6 पर मलिकिसिदक ने जो लेवी को वंश को भी नी थो, अरु उ अब्राहम खे आशिर्वाद दियो जेका पास परमेश्वर की प्रतीज्ञाहोन थी.

7 येमे कोय शक नी कि जो आशीर्वाद देस हइ उ आशिर्वाद लेन आला से बडो होस हइ.

8 अरु ह्या तो मनहार इन्सान दसवो भाग लेस हइ पर वहा उ लेस हइ, जेकी गवइ दी जास हइ, कि उ जिन्दो हइ.

9 ते हम यो भी बोली सकस हइ कि लेवी ने भी जो दसवो हिस्सो लेस हइ, अब्राहम का वजेसे दसवो हिस्सो दियो.

10 क्युकि जो टेम मलिकिसिदक ने ओका बाप से भेंट करीखे उ टेम उ अपना बाप का आंग मे थो.

11 अगर लेवीय याजक पद का वजेसे सिध्द मील्ले हइ सकस जेका सहारा इन्सानहोन खे व्यवस्था मीली थी ते फिर जरूरत थी कि दुसरो याजक मलिकिसिदक कि रीति पर खडो होनु, अरु हारुन कि रीति खे नी बोल्योह्ये?

12 क्युकि जब याजक को पद बदल्यो जास हइ, ते व्यवस्था को भी बदलनो जरूरती हइ.

13 क्युकि जो हमारा प्रभु का बारे मे या बात बोली जास हइ कि उ दूसरा गोत को हइ, जेमे से कोय ने वेदी की सेवा नी करी.

14 ते प्रगट हइ कि हमारो प्रभु यहूदा को गोत मे से जन्म लियो हइ, अरु या गोत का बारे मे मूसा ने याजक पद की कुछ बातचित नी करी.

~~~~~

15 हमारो दावो अरु भी पुरा सफा तराह से प्रगट हइ जास हइ, जब मलिकिसिदक का समान एक अरु याजक पइदा हइ जास हइ.

16 जो आंग की आज्ञा से अरु नीयमहोन का जसो पर अविनाशी जिवन की सामर्थ्य का जसो नीयुक्त हुयो हइ.

17 क्युकि ओका बारे मे या गवइ दी गइ हइ, “तू मलिकिसिदक कि रीति पर पिडमपिडि याजक हइ.”

18 यो प्रकार पयली आज्ञा रद्द दियो गयो क्युकि उ नीबल अरु कोय काम को नी थो.

19 येका लिये कि क्युकि मूसा की व्यवस्था ने कोय कि बात की पुरी सिद्धि नी करी सक्यो अरु अब ओका जगा पर एक अशी उत्तम आस रखी गइ हइ जेका वजेसे हम परमेश्वर का सामने जैय सकस हइ.

20 मसीहा की नीयुक्ति परमेश्वर कि कसम का वजेसे हइ, बल्की दुसरा कि कसम का बिना ही याजक बनायो गयो थो.

21 पन यीशु परमेश्वर की कसम का साथ ओका

तरफ से जेने ओका बारे मे बोल्यो,

“प्रभु ने कसम ली हइ अरु उ अपनो मन कभी नी बदल्ये तु पिडमपिडि का लिये याजक ठैर्ये.”\*

22 अरु या बदलाव यीशु एक उत्तम वाचा को हामी बनी गयो

23 असा भोत सा याजक हुया करता था, पन मृत्यु ने उनका अपना पदवी पर कायम नी हँन दियो.

24 पन यीशु अमर हइ अरु ओको याजक को काम भी पिडमपिडि का लिये बन्यो जेन आलो हइ.

25 येका लिये जे ओका वजेसे परमेश्वर का पास आस हइ, उ उनको पूरो उध्दार करणा मे समर्थ हइ, क्युकि यीशु उनका लिये प्रार्थना करण खे हमेशा जिन्दो हइ.

26 असो ही महायाजक हमारा जरूतहोन खे पुरो करी सकस हइ. उ पवित्र हइ, उ नीर्दोश हइ, अरु ओमे कोय पाप नी की जो पापिहोन से अलग हँस हइ स्वर्ग से भी ओखे उचो उठायो गयो हइ.

27 वे महायाजक का समान ओखे जरूरी नी कि हर दिन पैयले अपना पापहोन अरु फिर इन्सानहोन का पाप का लिये बलिदान चड़ाये. क्युकि ओने अपना आपखे बलिदान चडैय, एक ही बार मे पूरो करी दियो.

28 मूसा कि व्यवस्था ते अधुरो इन्सान खे महायाजक नीयुक्ति करस हइ, पन परमेश्वर की प्रतीज्ञा ओका कसम का साथ बनी गइ हइ, या प्रतीज्ञा ने प्रमुख याजक का रुप मे बेटा होन खे नीयुक्त कर्यो हइ, जो पिडमपिडि का लिये परिपुर्ण बन्यो हँस हइ.

## 8

~~~~~

1 जो कुछ करी ज्हा हइ उनकी मुख्य बातहोन या हइ. नीश्चित ही हमारा पास असो महायाजक हइ, जो स्वर्ग मे महामहिम को जवना हात सिंहासन पर विराजमान हइ.

2 अरु पवित्र जगा मे मंनजे सच्चा झोपडि मे जेखे परमेश्वर ने स्थापना करी थी नी इन्सान ने वा जगा महायाजक को काम करस हइ.

3 क्युकि हर एक महायाजक दान अरु बलिदान परमेश्वर से चडान का लिये ठैरायो जास हइ, यो करण जरूरी हइ कि या याजक का पास भी कुछ चडान का लिये हुये.

4 अगर उ धरती पर होतो ते कभी याजक नी होतो, क्युकि उ पैयले से ही असो याजक हइ जो यहूदीया व्यवस्था का जसो दान चडान आला हइ.

5 जो येमे हइ ओकी एक छाया अरु झलक हइ, यो असो प्रकार हइ जब मूसा पवित्र झोपडि को निर्माण करण आलो हि थो तब परमेश्वर ने ओखे बोल्यो थो “ध्यान रहे कि तु हर चिज ठिक उ प्रतीरूप का जसो बनानु कि जो तोखे पहाड पर दिखायो गयो थो.”

6 पर अब जो याजक पन कि सेवा यीशु से मीली हुइ हइ, उ उनकी सेवा कार्य से बडी हइ क्युकि उ जो वाचा को मध्यस्थ हइ, उ पुराना वाचा से अच्छो हइ, क्युकि यो अच्छो चिजहोन कि प्रतीज्ञाहोन पर आधारित हइ.

7 क्युकि अगर उ पयली वाचा नीदोष मे कोय गलती नी होती ते दुसरा वाचा कि जरूरत नी होती.

8 पन परमेश्वर से वे इन्सानहोन मे दोष मील्यो अरु उ बोलस हइ,

प्रभु बोलस हइ, देखनु वे दिन आस हइ

कि मी इस्राएल का घराना का साथ,

अरु यहूदा का घराना का साथ नवी वाचा बाध्यु.

9 यो प्रभु वाचा का समान नी हुये खे

जो मेने उनका बापदादाहोन का साथ वा टेम बाधी थी,
जब मी ओको हात पकडी खे उनखे मीस्र देस से नीकाली लायु.

क्युकि वे मरी वाचा से विश्वास योग्य नी हिंये जेखे मेने उनका साथ बाधी थी,

येका लिये मेने उन पर ध्यान नी लगायो.

10 फिर प्रभु बोलस हइ, कि जो वाचा मे

उ दिनहोन का बाद इस्राएल

का घराना का साथ बाध्यु उ

यो हइ कि अपनो व्यवस्था का उनका मन मे डाल्यु,

अरु ओखे उनका हृदय पर लिख्यु

अरु मी उनको परमेश्वर ठैरू

अरु वे मरा इन्सान ठैर्ये.

11 अरु हर एक अपना दोस्तहोन खे

अरु अपना भेइ अरु बहीन खे या शिक्षा नी देनु,

कि तू प्रभु खे पहिचान

क्युकि छोटा से बडा तक मेखे जानी

लिये.

12 क्युकि मी उनका बुरोकाम का बारे मे

दयावन्त हुयु

अरु कभी उनको पाप याद नी

रख्यु.

13 पयली आत्मा खे जुन्नो करी दियो या वाचा खे बोली खे पयली वाचा खे जुन्नी करी दियु अरु जो जुन्नो अरु जिर्ण हुइ जास हइ उ ते फिर जल्दी ही मीटी जास हइ.

9

???????? ??? ????????? ???????

1 वा परइली वाचा मे भी उपास करण को नीयम थो, तथा एक पवित्र जगा थी.

2 क्युकि एक झोपडि खडी करी गय थी, पैयले खोलि मे दिवो अरु मेज खे अरु जेका पर दान की रोटीहोन थी. अरु वा पवित्र जगा कैलातो थो.

3 दूसरा परदा का पीछे एक अरु झोपडि थी, जो परम पवित्र जगा बोल्यो जातो थो.

4 येमे सुगंधित धूपदानी का लिये सोन्ना की वेदी अरु सोन्ना से मडचो हुयो वाचा को सन्दूक मे सोन्ना को बन्यो मन्ना को पात्र थो, अरु हारुन की वा लकडी जेमे अंकुर उगायो थो तथा दो पत्थर जेका पर आज्ञाहोन लिखी हुइ थी था.

5 ओका उपर दो तेजमय करुब था, जो प्रायश्चित का झाकना पर छाया कर्या हुया था. इन का एक-एक करीखे वर्णन करण को अवसर नी हइ.

6 सब कुछ यो प्रकार ठिक हुइ जाना पर अपना सेवा को काम पुरो करतो थो, या चिजहोन या रीति से तैयार हुइ गया. उ पैयले झोपडि मे याजक हर टेम प्रवेश करीखे सेवा को काम खत्म करस हइ.

7 किन्तु परदा का अंदर कि दुसरी छपरी मे फक्त प्रमे खे महायाजक साल भर मे एक बार जास हइ, अरु बिना खुन का वजेसे प्रवेश नी करतो थो बिना समझ मे कर्यो गयो पापहोन को परमेश्वर खे दान चढायो करतो थो.

8 येका का वजेसे जब तक पयली झोपडि खडी हइ तब परम पवित्र जगा कि रस्ता खुली नी गय थी प्रगट नी हुयो.

9 या झोपडि वर्तमान टेम का लिये एक बुरो हइ जेका से असी दान अरु बलिदान चढायो जास हइ जेका से आराधना करण आला खे विवेक दृष्टान्त से सिध्द नी हुइ सकस हइ.

10 क्युकि वे फक्त खान पीन का चिजहोन अरु थोडो-थोडो स्नान-विधी का आधार पर आत्मा को नीयम हइ, जो नवी टेम तक का लिये नीयुक्त कर्यो गयो हइ.

11 पन जब मसीह आन आलो अच्छी अच्छी चिजहोन को महायाजक का रूप मे आयो, ते ओने अरु भी बडा अरु सिद्ध झोपडि से हइ खे जो हात को बनायो हुयो मनजे या सृष्टि को नी.

12 अरु बकराहोन अरु पिल्लाहोन का खुन का वजेसे नी पर अपना ही खुन का वजेसे एक ही बार पवित्र जगा मे प्रवेश कर्यो अरु सनातन काल को छुटकारो मील्ले.

13 क्युकि जब बकराहोन अरु बैलहोन को खुन अरु पिल्ला कि राख खे अपवित्र इन्सानहोन पर छिडक्यो जानो आंग की अच्छा का लिये उनखे पवित्र करस हइ.

14 ते मसीह को खुन जेने अपना आप खे सनातन आत्मा का वजेसे परमेश्वर का सामने नीर्दोष चढायो, तुम्हारा विवेक खे मार्या हुया काम होन से क्यु नी अच्छो कर्ये ताकि तुम जिन्दो परमेश्वर की सेवा करणू.

15 यो करण ताकी पयली वाचा को मध्यस्थ हइ, ताकि ओको मरना का वजेसे जो पयली वाचा को अधीन कर्यो गयो पापहोन से छुटकारो मिलन का लिये हुयो हइ, बुलाया हुया दुन्या प्रतीज्ञा का अनुसार फिरोती पैसा उ अपनो जान दि सक्ये.

16 जहा तक वसीहत नामा को सवाल हइ वहा तक जेने ओखे बनायो गयो हइ ओकी बुध्द खे बनानो जरुरती हइ,

17 क्युकि कोय वसीहत नामो तेभी लिखन आला मरना पर पक्को हुयो हइ, अरु जब तक लिखन आला जिन्दो न्हैस हइ उ कभी प्रभावी नी होय.

18 येका लिये पयली वाचा भी बिना खुन को इस्तेमाल का वजेसे प्रभावीत ठैर्या.

19 पैयले मूसा सब दुन्या कि व्यवस्था कि किताब की हर एक आज्ञा सुन्ये चुक्यो ते ओने बैल अरु बकराहोन को खुन लिखे पानी अरु लाल उन अरु जूफा का साथ वा किताब पर अरु सब दुन्याहोन पर छिडकी दियो,

20 अरु बोल्यो, उ वाचा को खुन हइ, जेकी आज्ञा परमेश्वर ने तुम्हारा लिये दियो हइ,

21 अरु या रीति से ओने झोपडि अरु सेवा खे सब आराधना कि चिज पर खुन छिडक्यो,

22 वास्तव मे व्यवस्था का जसो खुन से नजीकपास सब चिजहोन अच्छो कर्यो जास हइ, अरु बिना खुन बोहाए पापहोन से माफ नी कहें.

~~~~~

23 येका लिये जरूरी हइ कि स्वर्ग मे की चिजहोन का जसो यो बलिदानहोन का वजेसे अच्छो कर्यो जाये पर स्वर्ग मे की चिजहोन खुद इनका से उत्तम बलिदान का वजेसे शुध्द कर्यो जास,

24 क्युकि मसीह ने परमेश्वर का हात से बनायो हुया पवित्र जगा मे जो सच्चा पवित्र जगा को नमूनो हइ, प्रवेश नी कर्यो पर स्वर्ग ही मे प्रवेश कर्यो, ताकि हमारा लिये अब परमेश्वर का सामने दिखाइ देनू,

25 यो नी कि उ अपना आप से बार-बार चडायो, जसो कि महायाजक हर साल दूसरा को खुन लिये पवित्र जगा मे प्रवेश कर्यो करस हइ,

26 नी ते जगत की रचना से लिखे बार-बार दुख उठानु पडस. पर अब युग का आखरी मे उ एक ही बार प्रगट हुयो हइ, ताकि अपना ही बलिदान का वजेसे पाप से दूर करी दे,

27 अरु जसो इन्सान का लिये एक बार मरनो अरु ओका बाद न्याय को होनो नीयुक्त हइ,

28 ओसो हि मसीह भी भोत पाप से उठै लेन का लिये एक बार बलिदान हुयो. अरु जो ओकी रस्ता देखस हइ उनका उध्दार का लिये पर अब दूसरी बार प्रगट हुये ते पापहोन को वहन करण का लिये नी पाप से दुर करण की जो ओकी रस्ता देखी रा हइ उनखे उध्दार देन का लिये.

## 10

~~~~~

1 क्युकि व्यवस्था से जेमे आन आली अच्छी चिजहोन को छाया हइ पर उनको असली स्वरुप से येका लिये वे एक ही रंग को बलिदान का वजेसे जो हर साल अचूक चडाय जास हइ, पास आन आला से कभी भी सिध्द नी करी सक्ये.

2 नी ते उनको चडानो बन्द क्यु नी हइ जाय? येका लिये जब सेवा करण आला एक ही बार अच्छो हुइ जास, ते फिर उनको विवेक से उनका पाप नी ठैराय.

3 पन उनका वजेसे हर साल पाप से याद कर्यो जास हइ,

4 क्युकि यो अनहोनो हइ कि बैलहोन अरु बकराहोन को खुन पाप से दूर कर्येका

5 या कारनउ जगत मे आतो टेम बोलस हइ,
बलिदान अरु भेंट तोने नी हुनु,

पर मरा लिये एक आंग तैयार कर्यो,

6 होम-बलिहोन अरु

पाप-बलिहोन से तू खुश नी हुयो,

7 तब मे ने बोल्यो, देख मी अयगो हइ,

पवित्र-शास्त्र की किताब मे मरा बारे मे लिख्यो हइ,

ताकि हे परमेश्वर, तरी इच्छा पूरी करण का लिये आयो हइ,

8 उपर ते उ बोलस हइ, “नी तोने बलिदान अरु भेंट अरु होम-बलिहोन अरु पाप-बलिहोन से चायो, अरु नी उनसे प्रसन्न हुयो” अगर या बलिदान ते व्यवस्था का जसो चडायो जास हइ,

9 फिर यो भी बोल्यो हइ, “देख मी अयगो हइ, ताकि हे परमेश्वर तरी इच्छा पूरी करण का लिये आयो हइ,”

10 परमेश्वर कि इच्छा से हम यीशु मसीह को आंग से एक ही बार बलिदान चडाय जान का वजेसे पवित्र कर्यो गयो हइ.

11 हर एक याजक का रुप मे खडो हइ, हरदिन सेवा करस हइ, अरु एक ही प्रकार को बलिदान, जो पाप से कभी भी दूर नी करी सखे बार-बार चडास हइ,

12 पन यो इन्सान तो पाप को बदलो एक ही बलिदान सदा का लिये चडचैइ, परमेश्वर का जवना तरप जयखे बटौ,

13 अरु वा टेम मे से ओकी रस्ता देखस हइ, कि ओका दुशमनहोन ओका पाय का नीचे को पीडो बन्ये का

14 क्युकी ओने एक ही चडा ओका वजेसे उनका पवित्र कर्यो जास हइ, सदा का लिये सिध्द करी दियो हइ,

15 अरु पवित्र आत्मा भी हम खे या गवइ देस हइ. क्युकी ओने पैयले बोल्यो थो,

16 “प्रभु बोलस हइ कि जे वाचा मी
वा दिनहोन खे या बात उनसे बाध्यु उ यो हइ कि

मी अपना नीयमहोन खे उनका दिल पर लिख्यु
अरु मी उनका मन मे डाल्यु,”

17 फिर उ यो बोलस हइ, “मी उनका पाप को अरु उनका अधर्म काम होन खे फिर कभी याद नी कर्यु,”

18 अरु जब उनकी माफ हइ गइ हइ, ते फिर पाप को बलिदान नी हियो.

???????? ?? ??

19 येका लिये हे भैइ अरु बहीन जब हम, यीशु को खुन का वजेसे उ नवी अरु जीवते मार्ग से पवित्र जगा मे प्रवेश करणा को हिम्मत हइ गयो हइ,

20 जो ओने परदा मनजे अपना आंग मे से हइ का हमारा लिये अभिषेक कर्यो हइ,

21 अरु येका लिये कि हमारो असो महान याजक हइ, जे परमेश्वर खे घर को अधिकारी हइ,

22 ते ओका हम सच्चा मन अरु पूरा विश्वास का साथ खे अरु विवेक को दोष दूर करण का लिये दिल पर लिखे अरु आंग खे शुध्द पाणी से धोइखे परमेश्वर का सामने जायेका

23 आओ हम अपना आस खे अंगीकार खे रख मजबूत से थाम्येका क्युकि जेने प्रतीज्ञा करी हइ, उ विश्वासयोग्य.

24 अरु प्रेम अरु भला काम होन मे ओका खे नख लिये हम एक दूसरा की चिन्ता कर्या करणू,

25 अरु एक दूसरा का साथ जमा होनु नी छोडनु, जसो कि केत्ता कि रीति हइ, पर एक दूसरा को प्रोत्साहित करणु तुम देखी रा कि प्रभु को दिन पास अय रो हइ.

26 क्युकि सच्ची कि पैछान मील्हे करण का बाद अगर हम जानी बूझी खे पाप करता न्हिये का ते पापहोन का लिये फिर कोय बलिदान बाकी नी,

27 सजा को एक भयानक रस्ता देखनू अरु अंगार कि जलन बाकी हइ न्याय जो विरोधीहोन खे भस्म करी दियेका

28 जब मूसा की व्यवस्था खे नी माननआला खे दो या तीन झन की गवाह होन पर बीना दया को मारी डाल्यो जास हइ,

29 ते सोची ले कि उ केतना अरु भी भारी सजा को योग्य ठैरीयेका जेने परमेश्वर का बेटा का पाय से रौदो अरु वाचा का खुन खे जेका वजेसे उ पवित्र ठैरायो गयो थो, अपवित्र जान्यो हइ, अरु अनुग्रह की आत्मा खे अपमान कर्यो,

30 क्युकि हम जानस हइ, “जेने बोल्यो, बदलो लेनो मरो काम हइ, मी ही बदलो दियु”; अरु फिर यो कि “प्रभु अपना इन्सानहोन को न्याय कर्यु.”

31 जिन्दा परमेश्वर का हातहोन मे पडनो भयानक बात हइ,

32 पन उ पिछला दिनहोन खे याद करणू, जे मे तुम उजालो देखे, दुखहोन का बडा संघर्ष मे स्तिर न्हैनु,

33 कभी कभी ते यों कि तुम नीन्दा अरु क्लेश सैता हूये तमाशो बन्ये का अरु कभी यों कि तुम उनका हिस्सेदार हूये जेकी दुर्दशा करी जास हइ,

34 क्युकि तुम कैदिहोन का दुख मे भी दुखी हइ, अरु अपनी दौलत भी खुशी से लुटय दि. यो जानी कि तुम्हारा पास एक अरु भी उत्तम अरु सदा का लिये बनी न्हिये.

35 येका लिये अपनी हिम्मत नी छोडनु क्युकि ओको प्रतीफल बडो हइ,

36 क्युकि तुम खे धीरज धरनो जरुरी हइ, ताकि परमेश्वर कि इच्छा खे पूरी करीखे तुम प्रतीज्ञाहोन को फल पाये

37 “क्युकि वचन बोलस हइ,

भोत जल्दी जेखे आनो हइ उ

जल्दी आहो उ देर नी लगाय.

38 पर मरो धर्मी इन विश्वास से जिन्दो न्हियेका

अरु अगर उ पीछे हटी जाये ते

मरो मन ओका से प्रसन्न नी ह्ये”

39 पर हम बाजु आला को नाश हूइ जाये पर विश्वास करण आला हइ कि जान खे बचानु.

11

??????

1 विश्वास आस करी हइ चिजहोन को नीश्चय खे अरु अनदेखी चिजहोन को प्रमान हइ.

2 क्युकि यो करण वुजरुक दुन्या को उनको परमेश्वर कि सहमती करी थी.

3 विश्वास ही से हम जानी जास हइ कि पुरी जगत की रचना परमेश्वर का बोल का वजेसे हइ हइ, पर ह्या जो बातहोन दिखइ देस हइ उ बिना देखे चिजहोन बनइ गइ हइ.

4 विश्वास ही से हाबिल ने परमेश्वर खे कैन से अच्छो बलि चडायो थो, अरु ओका विश्वास का वजेसे हि धार्मीक इन्सान होना का दान से परमेश्वर से सहमती मीली थी क्युकि परमेश्वर खुद ही उनको दो कि सहमती देस हइ. येको मतलब हाबिल आज विश्वासकरण आज भी बोलस हइ यदापि उ मरी चुक्यो हइ.

5 विश्वास ही से हनोक उठै लियो गयो कि मरन खे नी देखनू, अरु ओको पतो कोय खे नी मील्यो क्युकि परमेश्वर ने ओखे उठै लियो थो, अरु ओखे उठैइ जाना से पैयले ओकी या गवइ दि गइ थी कि ओने परमेश्वर खे प्रसन्न कर्यो हइ.

6 अरु विश्वास से परमेश्वर का बिना ओखे प्रसन्न करणो अनहोनो हइ. क्युकि परमेश्वर का पास आन आला को विश्वास करण खे होनु कि परमेश्वर को अस्तित्व उनने खे प्रतीफल देस हइ जो ओखे खोजस हइ.

7 विश्वास हि से नूह ने वा बातहोन का बारे मे जो उ टेम मे देखइ नी दियो थो चेतावनी मीलीगी-भक्ति का साथ अपना घराना का बचाव का लिये डोंगा बनायो, अरु ओका वजेसे ओने जगत खे दोषी ठैरायो अरु उ धर्म को वारिस हुयो जो विश्वास से होस हइ.

8 विश्वास ही से अब्राहम जब बुलायो गयो ते आज्ञा मानीखे असी जगा नीकली गइ जेमे मीरास मे लेन आला था. अरु यो नी जानतो थो कि मी किधर जायु हइ.

9 विश्वासकरण ही जो धरती खे वचन देन को ओका पर ओने एक अनजाना पर देस का समान अपनो घर बन्य खे मण्डप कर्यो, उ झोपडिहोन मे ओसो हियो जसो इसहाक अरु याकूब हिया था जो ओका साथ परमेश्वर कि उ प्रतीज्ञाहोन उत्तरा अधीकारी हिया था.

10 अब्राहम वा जगापर पय्या नगर कि रस्ता देखी रो थो, जेखे परमेश्वर ने आखे आकार दिखे बनायो सदा दूड हँन आली पायो डाल्यो.

11 विश्वास से करना अब्राहम जो बुद्धो हुइगो थो सारा जो बांझ थी फिर भी माय बाप बन्या. ओने परमेश्वर कि प्रतीज्ञा मे तुम पर भरोसो कर्यो.

12 येका करना अब्राहम से ही जे मर्या जसा था, आकाश का तराहोन अरु समुदर की रेत का जसो अनगिनत वंश पइदा हुया.

13 विश्वास का मन मे लिये ये पुरा दुन्या मरी गया उनने प्रतीज्ञाहोन करी हूइ चिजहोन नी पाइ, पर उनने दुर से देख्यो अरु उनको स्वागत कर्यो तथा उनने यो मानी लियो वे धरती पर परदेशी अरु बाहरी हइ.

14 वे दुन्या जो असी बातहोन बोलस हइ, वे दिखास हइ कि वे असा देश कि खोज मे हइ की जो अपनी हइ.

15 अगर वे देश का बारे मे जेखे वे छोडी चुक्या हइ उनको लोटन को हँतो पर भि असो नी सोचता था.

16 पन वे एक अच्छो मनजे स्वर्गीय देश को अभिलाषी हइ. येका लिये परमेश्वर उनको परमेश्वर कैलाना मे उनसे नी लाजे, क्युकि ओने उनका लिये एक नगर तैयार कर्यो हइ.

17 विश्वास ही से अब्राहम ने, परख्यो जाना का टेम मे इसहाक खे बलिदान चढायो, अरु जेने प्रतीज्ञाहोन खे सच मान्यो थो.

18 अरु जेका से यो बोल्थो “गयो थो कि इसहाक का वजेसे वंस कैलाये” उ अपना एकलौता खे चढान लग्यो.

19 अब्राहम ने सोच्यो थो परमेश्वर इसहाक खे भी जिन्दो सकस हइ असो दे की जाये कि एक प्रकार से अब्राहम ने मरन का दृष्टान्त से फिर वापस आयो.

20 विश्वास ही से इसहाक ने याकूब अरु एसाव खे आन आली बातहोन का बारे मे आशिर्वाद दियो.

21 विश्वास ही से याकूब ने मरता तटेम यूसुफ का दो बेटा मे से एक एक खे आशिर्वाद दियो, अरु अपना लकडी का माथा पर सहारो लिखे नमस्कार कर्यो.

22 विश्वास ही से यूसुफ ने जब उ मरना पर थो, ते इस्राएल की सन्तान खे नीकली जान की चर्चा करी, अरु अपनी अस्तीहोन का बारे मे आज्ञा दी.

23 विश्वास ही से मूसा का माय बाप ने ओखे पइदा होन का बाद तीन महीना तक लूकायो रख्यो, क्युकि उनने देख्यो कि बच्चो सुन्दर हइ अरु वे राजा की आज्ञा से नी डरनु.

24 विश्वास ही से मूसा ने सयानो हूइ, फिरौन की बेटो को बेटो बोलना से इनकार कर्यो.

25 येका लिये कि ओखे पाप मे थोडा दिन को सुख भोगना से परमेश्वर का दुन्याहोन का साथ दुख भोगनो जादा अच्छो लग्यो.

26 ओने मसीह का वजेसे नीन्दित होना को मीस्र का भण्डार से बडो धन समइयो, क्युकि ओकी आखहोन फल पान की तरफ लगी थी.

27 विश्वास ही से राजा की गुस्सा से नी डरी, ओने मीस्र खे छोडी दियो, क्युकि उ अनदेख्यो मान्यो देखते हूये मजबूत न्हियो.

28 विश्वास ही से ओने फसह अरु खुन छिडकना की विधी मान्यो, कि पहिलौठा खे खत्म करण आलो इस्राएलीहोन पर हात नी डालनु.

29 विश्वास ही से वे लाल समुदर का पार असो उतरी गा कि जसो सूखी जमीन पर से. अरु जब मीस्रहोन ने वसो हि करण चाह्यो ते सब डूबी मर्या.

30 विश्वास ही से यरीहो का शहरपनाह, जब वे सात दिन तक ओको चक्कर लगायो, ते इस्राएलीहोन गिरी पडी.

31 विश्वास ही से राहाब वेश्या आज्ञा नी मानन आला का साथ खत्म नी हूइ, येका लिये कि ओने भेदिहोन खे कुसल से रख्यो थो.

32 अब अरु बोल्थो? क्युकि टेम नी न्हियो कि गिदोन को, अरु बाराक, अरु शिमशोन, अरु यिफतह, अरु दाउद, अरु शमूएल, अरु भविष्यव्दक्ताहोन को वर्णन कर्नु.

33 उनने विश्वासका वजेसे राज्य को धर्म काम कर्यो. प्रतीज्ञाहोन करी हूइ चिजहोन मीली कर्हे. सेर को मुडो बन्द कर्यो.

34 धदकति अंगार की लपट खे शांत कर्यो. तलवार की धार से बची नीकल्या. नीर्बताहोन मे बलवान हूया खे झगडा मे वीर नीकल्या. विदेशिहोन कि सैनीकहोन पर विजय मीली गइ.

35 बयहोन ने अपना मर्या हूया खे फिर जिन्दो पायो. केत्ता ते मार खाते खाते मरी गया अरु छुटकारो नी चाह्यो, येका लिये कि अच्छो पुनरुत्थान को भागी हूया.

36 कोय एक मजाक मे उडाये जाये अरु कोडा खाना क्युकी बांधी जायेका अरु बन्दीगृह मे पडना का वजेसे परखे गया.

37 उन पर पत्थर मार्ये जाये. चीरी खे दो भाग करी दिया गया. उनकी तलवार से मार्ये गया. वे कंगाली मे अरु क्लेश मे अरु दुख भोगता हुये मेडाहोन अरु बकरीहोन की खालहोन ओडचे हुया इधर-उधर मारे मारे फिर्ये.

38 अरु जंगलहोन, अरु टेकडीहोन, अरु गुफाहोन मे अरु धरती की दरारहोन मे भटकता फिर्या. जगत उनका योग्य नी थो.

39 विश्वास का वजेसे या सब का बारे मे अच्छी गवइ दि गइ, तेभी उनने प्रतीज्ञाहोन करी हुइ चिज नी मीली.

40 क्युकि परमेश्वर ने हमारा लिये पैयले से एक अच्छी बात ठैराइ, कि वे हमारा बीना सिध्दता खे नी पहुच्या.

12

~~~~~

1 यो कारन जब कि गवाह होन को असो बडो बढल हम खे घेर्यो हुयो हइ, ते ओका हर एक रोखन आली चिज अरु उलझान आला पाप खे दूर करी खे उ दौड जेमे हम दौडनु हइ धीरज से दौडनु.

2 अरु विश्वास को कर्तो अरु सिध्द करण आला यीशु का तरफ ताकता न्हियेका जेने वा खुशी का लिये जो ओने आगे धर्यो थो, लाज की कुछ चिन्ता नी करी खे कुस को दुख उठायो, अरु परमेश्वर का राजगद्दी का जवना तरफ जयखे बढी.

3 येका लिये ओ पर ध्यान करणू, जेने अपना विरोध मे पापीहोन को येतनो विरोध सह लियो कि तुम नीराश मन हुइ, हिम्मत नी छोड देनू.

4 तुम ने पाप से लडते हुए ओका से एसी मतभेद नी करी कि तुम्हारा खुन बोहायो.

5 अरु तुम वा उपदेश खे जो तुम खे बेटाहोन का समान दियो जास हइ, भूली गा हइ? "हे मरा बेटा प्रभु को ताडनना की हलकी बात नी जानी खे अरु जब उ तोखे घुटना से साहस नी छोडनु.

6 क्युकि प्रभु जेका से प्रेम करस हइ, ओकी ताडनो भी करस हइ, अरु जेखे बेटो बन्यइ लेस हइ, ओखे कोडा भी लगास हइ."

7 तुम दुख खे ताडनो समझी खे सैडले. परमेश्वर तुम खे बेटो जानी खे तुम्हारा साथ बर्ताव करस हइ, उ कोन सो बेटो हइ जेखे ताडनो बाप नी करस?

8 अगर उ ताडनो जेको भागीदार सब होस हइ, तुमारी नी हुये ते तुम बेटो नी पर व्यभिचार का बच्चा ठैर्ये.

9 फिर जब कि हमारा शरीर पर बाप भी हमारो ताडनो करस हइ अरु हमने उनको सम्मान कर्यो, ते आत्मा को बाप, अरु भी अधीन नी न्हिये जेका से जिन्दो न्हिये?

10 वे तो अपनो अपनो समझी खे जसो थोडा दिन का लिये ताडनो करतो थो, पर उ तो हमारा भला का लिये करस हइ, कि हम भी ओकि पवित्रता को हिस्सेदार हुय जाये.

11 वर्तमान मे हर प्रकार कि ताडनो खुशी कि नी पर दुख ही कि बातहोन दिखाइ पडस हइ. तेभी ओखे सहते सहते पक्को हुइ गयो हइ कि बाद मे उनखे शांती का सात धर्म को प्रतीफल मील्योस हइ.

~~~~~

12 येका लिये ढीला हात अरु नीर्बल घुटना खे सीधो कर,

13 अरु अपना पाय का लिये सीधी रस्ता बनानु कि लंगडाहोन भटक नी जाये पर अच्छो भलो हुइ गया.

14 सब का साथ शांती का साथ न्हेनु अरु पवित्र जिवन जीन का लिये हर प्रकार क्युकि येका बीना प्रभु खे देख नी सक्ये.

15 अपना आप कि चौकसी करणु ताकी कोय परमेश्वर का झाड का जसा बडनु क्युकि ओका विश से तंटा परदा नी हुये.

16 अनैतिक अरु अधर्मीक एसाव का जसो अधर्मी हुये जेने एक बार का खाना का बदला अपनो बडो बेटो होन को पद ओने बेची डाल्यो ओका बाद तुम जानस हइ की जब ओने अपना बाप से रोइखे पानो ते अयोग्य कर्यो गयो.

17 तुमखे जानस हुये कि बाद मे जब ओने आशीर्वाद पानो चाह्ये ते अयोग्य गिन्यो गयो, अरु आसु बोह्य बोह्य खे दुडना पर भी मन पर भी मन फिराव को मौको ओखे नी मील्यो.

18 अब अंगार का जसो इस्राइली दुन्या गय था असो अब जलस हुये टेकडी का पास जेखे महसुस कर्यो जैइ सकतो थो नी अंधारो अरु नी ते उदास अरु नी ते आंध का पास आह्ये तुम ते,

19 अरु पिपडी की आवाज अरु बोलन आला को असा बोल का पास नी अउ जेखे सुनन आला ने प्रार्थना करी कि आब हम से अरु बात नी करी जाये.

20 क्युकि वे ओको ज्ञान खे नी सही सक्या "अगर कोय जनवर भी टेकडा खे पकडचे ते ओका पर फत्तर मार्यो जाह्ये."

21 अरु उ दर्शन असो डरावनो थो कि मूसा ने बोल्यो, मी खुप डरस अरु कापुस हइ.

22 पर तुम सिय्योन का टेकडा का पास अरु जिन्दो परमेश्वर का नगर मे स्वर्गीय येरुशलेम का पास लाखो स्वर्गदूत का पास अय पोच्यो हइ.

23 अरु वे पैयला बोल कि साधारण सभा अरु सब मंडली जेको नाम स्वर्ग मे लिख्यो हुयो हइ, अरु सब को न्याय परमेश्वर का पास अरु सिद्ध कर्यो हुयो धर्मीहोन की आत्मा.

24 अरु जो नवी वाचा को मध्यस्थ यीशु अरु छिडकाव को उ खुन का पास आया हइ, जो हाबिल को खुन से उत्तम बातहोन बोलस हइ.

25 सावधान न्हेनु, अरु वे बोलन आला से मुडो नी फेरनू, क्युकि वे दुन्या जब धरती पर का चेतावनी देन आला से मुडो मोडी खे नी बची सक्ये ते हम स्वर्ग पर से चेतावनी देन आला से मुडो मोडीखे कसा बची सक्ये.

26 उ टेम ते उनका बोल ने धरती खे हलय दियो, पर अब ओने या प्रतीज्ञा की हइ कि एक बार फिर मेने फक्त पृथ्वी का बदल खे हलय दियू.

27 अरु यो बोल खे एक बार फिर या बात खे प्रगट करस हइ कि जो चिज हलायो जास हइ, वे सृजी हुइ चिजहोन हानीकारण टली जाये. ताकि जो चिजहोन हलायो नी जाये वे अटल बनी न्हिये. हागै 2.6

28 यो कारण हम यो राज्य खे परइ जो हलन को नी कृतज्ञ हुये कि अरु भक्ति अरु डर सहित परमेश्वर की असी आराधना कर्ये जेका से उ प्रसन्न होस हइ.

29 क्युकि हमारो परमेश्वर भस्म करण आलो अंगार हइ.

13

XXXXXXXX XX XXX XXX XXXX

1 एक दुसरा मे विश्वासी भेइहोन को प्रेम बन्यो न्हेनु.

2 मीजवान-सत्कार करणु नी भूलनु. क्युकि येका वजेसे कुछ दुन्याहोन अनजाना मे स्वर्गदूत को आदर-सत्कार कर्यो हइ.

3 कैदिहोन कि असी याद लिखे मान्यो उनका सात तुम भी कैदी हइ, अरु जिनका सात बुरो बर्ताव कर्यो जास हइ, उनखे भी यो समजीखे याद दियो करणु कि हमारो भी आंग हइ.

4 भ्याव सब मे आदर कि बातहोन समझी जा अरु अदमी लुगइ विश्वास योग्य न्हिये क्युकि परमेश्वर व्यभिचार पापिहोन को न्याय कर्ये.

5 तुम्हारो प्रभाव लोभ रहित हुइ खे अरु जो कुछ तुम्हारा पास हइ, ओका पर मगन करणु. क्युकि ओने खुद हि बोल्यो हइ, “मी तोखे कभी नी छोडचु, अरु नी कभी त्याग्यु.”

6 येका लिये हम नीडर हुइ खे बोलस हइ,

“प्रभु मरो मदतगार हइ,

मी नी डर्यु इन्सानहोन मरो का करी सकस हइ.”

7 जो तुम्हारो मुखीया थो, जेने तुमखे परमेश्वर को वचन सुनायो हइ, उनखे याद रखनु. अरु ध्यान से उनका चाल चलन को अन्त देखीखे उनको विश्वास को अनुकरण करणु.

8 यीशु मसीह कल अरु आज अरु पिडमपिडि एक जसो हइ.

9 नाना प्रकार को अनजान शिक्षा से दुर न्हेनो भलो हइ, यो अच्छो हइ कि यो परमेश्वर को अनुग्रह का नियम होन का खिलाप विचित्र उपदेशहोन से नी भरमाये जाये क्युकि मन को अनुग्रह से मजबुत न्हेनु भलो हइ, नी कि वा खान की चिजहोन से जेका से काम रखनआला का कुछ लाभ नी हुयो हइ.

10 हमारी एक असी वेदी हइ जेका पर से खान को अधिकार वे दुन्याहोन खे नी जो झोपडि कि सेवा करस हइ.

11 क्युकि जो जनवरहोन को खुन महायाजक पाप-बलि का लिये महा पवित्र जगा मे लीखे जास हइ, उनका जनवरहोन आंगार कि झोपडि कि छाया का बाहेर जलायो जास हइ.

12 यो कारण यीशु ने भी दुन्याहोन खे अपनो ही खुन का वजेसे पवित्र करण का लिये फाटक का भैहिर दुख ओका पास से नीकली चलनु.

13 येका लिए ओकि नीन्दा अपना उपर लिये हुयो छाया खे भैहीर जनवरहोन का पास नीकल्यो चल्यो.

14 क्युकि यो हमारो कोय स्थाइ नगर नी क्युकि हम एक आन आला नगर का खोज मे हइ.

15 येका लिए हम ओका वजेसे स्तुतिरूपी बलिदान का मनजे वा होठहोन को फल जो उनका नाम को अंगीकार करस हइ, परमेश्वर खे यीशु का वजेसे चढायो करणु.

16 भलाइ करणु अरु एक दुसरा कि मदत करणु दिखानु नी भूलनु, क्युकि परमेश्वर असी बलिदान से प्रसन्न होस हइ.

17 अपना मुखीयाहोन की आज्ञा मानु अरु उनका आदेशहोन पर चलनु, क्युकि वे उनका समान तुम्हारा जान का लिये जागता न्हेस हइ जिन खे हिसाब देनू पडचे वे यो काम खुशी से कर्येका कि ठंडी सास लिखे क्युकि या दशा मे तुमखे लाभ नी होनु.

18 हमारा लिए प्रार्थना करता न्हिये क्युकि हम का विश्वास हइ कि हमारो विवेक शुध्द हइ. अरु हम सब बातहोन मे अच्छी चाल चलनो चाहस हइ.

19 प्रार्थना करण का लिये मी तुमसे अरु भी उत्साहित करुस हइ, ताकि मी जल्दी तुमारा पास फिर अय सक्यु.

~~~~~

20 अब शांती दाता परमेश्वर जो हमारो प्रभु यीशु को मेडाहोन को महान रखवालो हइ सनातन वाचा को खुन का गुन से मर्या हुया मे से जिलाय खे लि आयो.

21 तुम खे हर एक अच्छी बात मे सिध्द कर्ये जेका से तुम ओकी इच्छा पूरी करणु, अरु जो कुछ ओका पास हइ ओखे यीशु मसीह का वजेसे हम मे पइदा कर्येका ओकी महिमा पिडमपिडि होती न्हियेका आमेन.

22 हे भैइ मी तुम से प्रार्थना करुस हइ अरु प्रोत्साहन को संदेश धिरज का साथ सुनु कि यो जादा लंबो नी हइ.

<sup>23</sup> तुम खे यो याद न्हिये कि तीमुथियुस खे हमारो भैइ छुटी गया हइ अरु अगर उ जल्दी अय गयो थो मी ओका साथ तुम से भेंट कर्यू.

<sup>24</sup> अपना सब अगुओं अरु सब पवित्र दुन्याहोन खे नमस्कार बोल्यो. इटली आला तुम खे नमस्कार बोल्यो हइ.

<sup>25</sup> तुम सब पर अनुग्रह होतो न्हिये. आमेन

## याकूब खे नाम चिट्ठी याकूब का नाम चिट्ठी पैछान

याकूब की किताब को याकूब नामको कोय ने लिख्यो थो. यो संभवत याकूब यीशु को भैइ खे जो जल्दी बात मे एक नेतो थो अरु यरुशलेम परिषद प्रेरित 15:13 खे तकलीप थी. प्रेरित पौलुस ने ओकी गलतिया 2:9 मे बात कोय स्तंभ भी बोल्यो थो. डिमाकवाला खे माननु हइ कि यीशु मसीह को जन्म को नजीकपास 50 साल बाद याकूब की किताब लिखी गइ थी. चुकी याकूब यरुशलेम मे बात को एक नेतो थो, वो शायग किताब लिखीखे जब की वो जेस हइ. याकूब बारा राज्य का बिच मे गिन्यो गैरयहूदी 1:1 का लिये अपनी किताब को पतो नी. याकूब मे पाठ सब यीशु पर लागु होस हइ, लेकिन बोल को उपयोग “बारा गैरयहूदी” यो संभव हइ कि याकूब यहूदी यीशु का लिये सीधो लिखी रो थो बनस हइ. क्युकी यो किताब पाठ को एक धंदो मंडली तक पोचन को मतलब थो, यो कोय का बारे मे रितो कय्यो. याकूब विश्वास अरु काम का बिच रिता पर ध्यान खे द्र करस हइ. सच्ची आस 2:17 क्रिया मे दिखायो जाये. ओने यो भी लकपती दुन्या 2:1-4को पक्षपात बतान का खिलाप चेतावनी देस हइ अरु हमखे बतास हइ कि हम का बोलस हइ 3:1-12 का बारे मे सुधारनो जेस हइ. अपना पाठको को बधाइ देस हइ.

रूप रेखा

1. अलग वो यीशु खे प्रोत्साहित करण का लिये यो दृढ जेस जब वे पीडा 1:2-27.
2. फिर ओखे बोलनो हइ कि आस का लिये यो जरूरी हइ कि काम का माध्यम मे से दिखयो जाये 2:1-26.
3. ओका बाद वे बोलस हइ कि कसो ताखतआलो बोल हुइ सकस हइ 3:1-12.
4. तब याकूब बतास हइ कि कसो परमेश्वर को ज्ञान दुन्या को ज्ञान से अलग हइ 3:13—4:10.
5. अगलो वो घमण्ड होन का खिलाप अपना पाध खे चेतास हइ 4:11—5:6.
6. याकूब मे कुछ टेम नीर्दोष देखी खे अपनी किताब खास 5:7-20.

??????

1 परमेश्वर का अरु प्रभु यीशु मसीह को सेवक याकूब का तरप से उन बारा गोत खे जो तितर-बितर हुया हइ उनखे नमस्कार. ☆

?????? ???? ???? ?

2 हे मरा भेइहोन, अरु भेइनहोन जब तु अलग प्रकार की परीक्षाहोन मे पलनु, ते ओखे अपना आप खे आनन्द कि बात समझस.

3 यो जानी खे की तुम्हरो विश्वास खे समज्यो जाना से धीरज पइदा होस हइ.

4 पर धीरज खे अपनो पुरो काम करण दे की तु पुरो अरु सिध्द हुइ जास, अरु तुम मे कोइ बात की घटी नी जेस.

5 पर अगर तुम मे से कोय खे दिमाक की कमी हइ ते परमेश्वर से माग, जो बिन दोस दियोस सब खे उधारता से देस हइ, अरु ओखे दि जाये.

6 पर विश्वास से माग, अरु कुछ सन्देह नी कर, क्युकी सन्देह करण आलो समुदर की लाट का बराबर हइ जो हवा से बोहास अरु उछलस हइ.

7 असो इन्सान यो नी समझस की मेखे प्रभु से कुछ मीलस,

8 उ इन्सान दोचित्त हइ अरु अपनी बात मे चलाक हइ.

~~~~~

9 गरीब विश्वासीहोन जब परमेश्वर अपनो उचो पद पर खुश न्हेनु,

10 अरु धनवान अपनी नीच रस्त पर. किक्कु उ घास का फूल का समान जसो रीहे.

11 क्युकी सुरज नीकलन का टेम्प मे कडकड घाम गिरस हइ अरु झाड खे सुखय देस हइ, अरु वोका फूल झरी जास हइ अरु ओकी शोभा खतम हुइ जास हइ. यो प्रकार धनवान भी अपनी रस्ता पर चलते चलते खतम हुइ जाए.

~~~~~

12 धन्य हइ उ इन्सान जो परीक्षा मे स्थिर न्हेस हइ, क्युकी उ अच्छो नीकली खे जिवन की वा टोपी लेस जेकी प्रतीज्ञा प्रभु ने अपना प्रेम करण आला से करी हइ.

13 जब कोय की परीक्षा हुये, ते उ यो नी बोले की मरी परीक्षा परमेश्वर का तरप से होस हइ. क्युकी नी ते बूरी बात से परमेश्वर की परीक्षा हुइ सकस हइ, अरु नी उ कोय की परीक्षा खुद करस हइ.

14 पन हर एक व्यक्ति अपनी बुरी अभिलाषा से खिची खे अरु फसी खे परीक्षा मे पडस हइ.

15 फिर बुरी अभिलाषा गर्भवती हुइ खे पाप खे जन्म देस हइ अरु जब पाप पुरी रीति से बढी जास हइ ते मरन खे परदा करस हइ.

16 हे मरो प्रिय भैइ, धोको नी खानु.

17 क्युकी हर एक अच्छो वरदान अरु हर एक अच्छो परिपूर्ण उपहार स्वर्ग से आस हइ, अरु उ परमेश्वर का वजेसे जेने स्वर्गीय उजाला के बनायो हइ, नीचे लास हइ, उ हमेसा बदलस न्हेन वाली छाया का जसो नी बदले हुनु.

18 ओने अपनी इच्छा से हमखे सच्ची को वचन का वजेसे पइदा कन्यो, ताकि हम ओकी सृष्टी की हुयो सामानहोन मे से एक प्रकार को पयलो फल हुये.

~~~~~

19 हे मरो प्रिय भैइ अरु भैइन, या बात तु जानी ले हर एक इन्सान सुनन का लिये झल्दी अरु बोलना मे धीर अरु घुस्सा मे भी धीमो हुये,

20 किक्कु इन्सान की घुस्सा परमेश्वर खे धर्मीकता खे मील्हे नी सकस.

21 येकालिये सब मलिनता अरु दुजा भाव को बडस खे दुर करी खे, उ वचन खे नम्रता से ग्रहम करी ले जो दिल मे बोहय गयो अरु जो तुम्हारो जान को उध्दार करी सकस हइ.

22 पन वचन पर चलन आलो बन्यो, अरु फक्त सुनन आलो नी जो अपना आप खे धोखो देस हइ लेकीन चलन आलो बन्हे.

23 किक्कु जो कोय भी वचन खे सुनन आलो हुये अरु ओका पर चलन आलो नी हुये, ते उ इन्सान का समान हइ जो अपनो स्वभाविक मुडो अयना मे देखस हइ.

24 येकालिये कि उ अपना आप खे देखी खे चली जास अरु झल्दी भुली जास हइ की मी कसो थो.

25 पर जो इन्सान स्वतंत्रता की सिध्द व्यवस्था पर मन करी न्हेस हइ, उ अपना काम मे येकालिये धन्यवाद पाए की सुनी खे भुलस पर वोसो ही काम करस हइ.

26 का कोइ अपना आप खे धर्मी समझस हइ? अरु अगर तु अपनी जीभ खे लगाम नी करी सकस ते अपना आप खे धोखो दी न्हेस हइ, ते ओकी भक्ति बेकार हइ.

27 हमारो परमेश्वर अरु बाप का नजीक अच्छो अरु नीर्मल धर्मीकता या हइ की अनाथ अरु विधवाहोन खे दुख मे ओकि याद आस का अरु अपना आप खे संसार से पापिहोन नी न्हिहे.

2

~~~~~

1 हे मरो भैइ, हमारो महिमा युक्ता प्रभु यीशु मसीह पर तुम्हारो विश्वास पक्षपात का साथ नी हुइ.



2 समज अगर एक धनवान इन्सान सोन्नो को छल्लो अरु अच्छा कपडा पेन्यो हुयो तुमारी मीटींग मे आये, अरु एक गरीब भी खराप कपडा पेनीखे आयो,

3 अरु तु उ अच्छो कपडा आला को मुडो देखी खे बोल्यो, “तू क्हा अच्छी जगामे बठ्यो,” अरु उ गरीब से बोल्यो, तु ह्यापर खडो न्है, “यो मरो पाय का पास बठ्यो.”

4 ते का तो ने आपस मे छोटो बडो नी कन्यो अरु बुरी बीचार से न्याय करण आलो नी रख्यो?

5 हे मरो प्रिय भैइ, सुन का परमेश्वर ने यो जगत का गरीबहोन खे नी चुनी कि विश्वास मे धनी अरु उ राज्य को अधिकारी हुयो, जेकी प्रतीज्ञा ओने ओकासे करी हइ जो ओकासे प्रेम रखस हइ?

6 पर तुम ने वु कन्यो. का दुसरा आला दुन्या तुम पर अत्याचार नी करस अरु का वे तोखे कोरट मे खीची-खीची खे नी ली जाये?

7 का वे यो नी हइ, जो उत्तम नाम की मजाक नी करस जो तोखे दियो गयो हइ?

8 तब भी अगर तुम पवित्रशास्त्र को यो वचन का अनुसार कि “तू अपनो बाजुआला से अपना समान प्रेम रखस” सच मुच उ राज व्यवस्था को पुरो करस हुये, ते अच्छो करस हइ.

9 पर अगर तुम दुन्या का बाहर दुसरा देखीखे व्यवहार करस हुये ते तुम पाप करस हइ. अरु व्यवस्था तोखे व्यवस्था तोडन आलो ठहरास हइ.

10 किन्वु जो कोय भी सब व्यवस्था का पालन करस हइ पन एक बात मे चुकी जाए ते वा सब बात मे दोष ठहन्यो चुक्यो हइ.

11 येकालिये कि जेने यो बोल्यो, “तू व्यभिचार नी करणु ओ ने यो भी बोल्यो,” “तो ने माय्यो नी करणु,” येकालिये अगर तो ने बुरी बिचार ते नी कन्यो पर मारन की तब भी तू व्यवस्था को उल्लंघन करण आलो रख्यो.

12 तु वे दुन्या का समान वचन बोल अरु काम भी कर, जेको न्याय नियम जो हमखे स्वतंत्रता करस हइ.

13 येकालिये जो दयालु नी हइ ओको लिये परमेश्वर को न्याय बिन दया को हुये पन दया न्याय पर विजय हइ.

~~~~~

14 हे मरो भैइहोन, अगर कोय भी बोले की मेखे विश्वास हइ पर उ कर्म नी बोलस हय, ते यो का लाभ? का असो विश्वास कभी ओकासे उद्धार करी सकस हइ

15 अगर कोय भी भैइ या भैइन कम कपडा हइ अरु उनखे हर दिन खाना की घटी हुये

16 अरु तुम मे से कोय भी ओकासे बोले, खुशी से जा तु तुमारी भलय का काम नो करस हुय तुम खुद न्हैस अरु, “अच्छा से खयखे मन शांत हँव,” पर जो चीजहोन मन का लिये जरुरती हइ क्हा उनखे नी दे ते का लाभ?

17 वोसो विश्वास भी, अगर कर्म सहित नी होस ते अपनो स्वभाव मे मय्यो हुयो हइ.

18 क्युकी कोय भी बोली सकस हइ “तोखे विश्वास हइ अरु मी कर्म करस हय.” तू अपनो विश्वास मेखे कर्म बिना ते दिख्यो. अरु मी अपनो विश्वास अपना काम का वजेसे तोखे बतायु.

19 तोखे विश्वास हइ की एक परमेश्वर हइ? तू अच्छो करस हइ. बुरीआत्मा भी विश्वास रखस, अरु थरथरास हइ.

20 पर हे नीकम्मा इन्सान, का तू यो भी नी जानस की कर्म बिना विश्वास व्यर्थ हइ?

21 जब हमारो बाप अब्राहम ने अपनो बेटो इसहाक खे वेदी पर चढायो, ते का उ काम से धर्मी नी रख्यो थो?

22 अगर तो ने देख्यी लियो कि विश्वास ने ओको काम का साथ मीली खे प्रभाव डाय्यो हइ, अरु काम से विश्वास सिध्द हुयो,

23 अरु पवित्रशास्त्र को यो वचन पुरो हुयो “अब्राहम ने परमेश्वर को विश्वास कन्यो, अरु ओका लिये न्याय मे गिन्यो गयो,” अरु उ परमेश्वर को दोस्त बुलायो गयो.

24 यो प्रकार तु ने देखी लियो कि इन्सान फक्त विश्वास से ही नी कि जब धर्मी काम से भी न्याय टैडरस हइ.

25 ओसो हि राहाब वेश्या भी, जब ओने दुतहोन खे अपना घर मे उताय्यो अरु दुसरा रस्ता से बिदा कय्यो ते का काम से धर्मी नी ठहय्यो?

26 अगर जसो आंग आत्मा बिना मन्यो हुयो हइ, ओसो हि विश्वास भी कर्म बिना मन्यो हुयो हइ.

3

~~~~~

1 हे मरो भैइ, तुम मे से भोत शिक्षक नी बन्या, किक्कु जानस हुये कि हम शिक्षक को जादा कडाइ से न्याय कय्यो जाये.

2 येकालिये कि हम सब भोत बार चुकी जास हइ. जब कोय भी ओका बोलना मे नी चूकस हइ ते उ एक सिद्ध इन्सान हइ अरु सब आंग पर भी ताबो करी सकस हइ.

3 जब हम अपना कुल मे करण का लिये घोडा का मुडा मे लगाम लगैय खे इधर उदर भी घुमय सकस हइ

4 सोच डोंगा भी असो बडो होस हइ अरु भोत बडि हवा से चलय जास हइ, ते भी एक छोटी सी पतवार का वजेसे डोंगा चलानआला की इच्छा का अनुसार घुमास जास हइ.

5 ओसो जीभ भी एक छोटी सो आंग हइ अरु वा बडि-बडि बात मारस हइ.

देख, थोडो सो अंगार से खे तनो बडा जंगल मे अंगार लगी जास हइ.

6 जीभ भी एक आंग हइ. जीभ हमारो संसार अंग मे अधर्म कि एक दुन्या हइ. अरु सब अंग पर कलंक लगस हइ, अरु जीवनगति मे अंगार लगैय देस हइ, अरु नरक कुण्ड कि अंगार से जलती ज्हेस हइ.

7 किक्कु हर प्रकार का जंगल का जनवर पक्षि अरु चारपाय आला किडा अरु जलचर ते इन्सान जात का वस मे हुइ सकस हइ अरु हुइ भी गयो हइ,

8 पर जीभ खे इन्सानहोन मे से कोय भी वंस मे नी करी सकस. वा एक असी बला हइ जो कोय भी रखस भी नी कि उ जिवन नाशक जहेर से भय्यो हुयो हइ.

9 ओकासे हम प्रभु अरु बाप कि स्तुती करस हइ, अरु ओकासे इन्सानहोन खे जो परमेश्वर को स्वरुप मे पइदा हुइखे शाप देस हइ.

10 एक हि मुडा से धन्यवाद अरु शाप देनो निकलस हइ. हे मरो भैइ असो नी होनु चाहिए.

11 का सोता को एक मुडा से मीटो अरु खारो पानी देनो निकलस हइ?

12 हे मरो दोस्त का अंजीर का झाड मे जैतून या अंगूर की डग्यन मे अंजीर लगी सकस हइ? ओसो खारो झरना से मीटो पाणी नी नीकली सकस.

~~~~~

13 तुम मे दिमाकआलो अरु समझदार कोन हइ? जो असो हुये उ अपना काम खे अच्छो चाल चलन से उ नम्रता सहित प्रगट कय्यो जो ज्ञान से उत्पन्न होस हइ.

14 पर अगर तुम अपना-अपना मन मे जलन, कडुपनो, स्वातिपन रखस हुये, ते अच्छा का बदल मे घमण्ड नी करणु, अरु नी ते झुट बोलनु.

15 यो ज्ञान उ नी जो स्वर्ग से उतरस हइ, जब सांसारीक अरु आंग अरु सैतान हइ.

16 क्युकी झा जलन अरु स्वार्थीपन होस हइ, उ अव्यवस्था अरु हर प्रकार की बुरी बात होस हइ.

17 पर जो ज्ञान उपर से आस हइ उ पहिले ते पवित्र होस हइ फिर मीलनसार, कोमल अरु पुरी शांती अरु दया अरु अच्छो फल से लायी हुयो अरु पक्षपात अरु नीष्कपट ज्हेस हइ.

18 शांती प्रस्थापित करण आलो दुन्या कोही धर्मीक जिवन को फल मील्हे अगर ओखे शांती पुर्ण वातावरन मे बोयो गयो हइ.

4

~~~~~

1 तुम मे लडाइहोन अरु वाद विवाद बोलना से अय गो? का उ सुख-विलास से नी जो तुमारो आंग होन मे लगास हइ

2 तुम लालुच करतो हुये, अरु तुमखे मीले नी. येकालिये तुम मारस. तुम पुरी रिती से इच्छा रखस हुये, अरु कुछ मील्हे नी करी पास. ते तुम झगडस अरु लडता हुये. तुमखे येकालिये नी मीले की तुम परमेश्वर से मागे नी.

3 तुम मागे हुये अरु पास नी येकालिये कि बुरी इच्छा से मागंस हुये, ताकि अपनो सुख-विलास मे उड्य दे.

4 हे व्यभिचारणी हीन दुन्या का तुम नी जानस कि संसार से दोस्ती करणो परमेश्वर से बैर करणो हइ जो कोय संसार को दोस्त होनु चाहिए हइ उ अपना आपखे परमेश्वर को दुसमन बनास हइ.

5 का तुम यो समझस हुये कि पवित्रशास्त्र व्यर्थ बोलस हइ, “जो आत्मा को ओने हमारो बाजु बढाड्यो हइ, का वो असो लालच करस हइ जेको प्रतीफल जलन हुये.”

6 वो तो अरु भी अनुग्रह देस हइ. ओका कारण यो लिख्यो हइ, “परमेश्वर अभिमानीहोन को विरोध करस हइ, पर दिन पर अनुग्रह करस हइ.”

7 येकालिये परमेश्वर का अधीन हुये जाए अरु सैतान को सामनो कर, ते वो तुमारा पास से भाग निकलस.

8 परमेश्वर का बाहेर आओ ते उ भी तुमारा पास आह्ये. हे पापी खे अपना हात धोय ले. अरु हे पाखंडिहोन, अपना दिल खे पवित्र कर.

9 दुखी हुये, अरु शोक कर, अरु रोस. तुमारो हासनो शोक मे अरु तुमारो आनन्द उदास मे बदली जास.

10 प्रभु का सामने नम्र बन्यो ते वो तुमखे उचो कहे.

~~~~~

11 हे भैड को एक दुसरा कि बदमासी नी कर. जो अपनो मसीह भैड कि बदमासी करस हइ यो मसीह भैड पर आरोप लगास हइ, उ व्यवस्था कि बदमासी करस हइ अरु व्यवस्था पर न्याय करस हइ. अरु अगर तू चलन आलो नी पर उ डॉक्टर रख्यो.

12 व्यवस्था देन आलो अरु न्याय करण आलो ते एक हि परमेश्वर हइ. उ अखे लो बचय सकस हइ. आप मसीह भैड को न्याय करन आलो कोन होस?

~~~~~

13 सुन जो यो बोलस हइ, “आज या कल हम कोइ अरु नगर मे जै खे उ एक साल बितास, अरु धदो करी खे लाभ कमास.”

14 अरु यो नी जानस कि कल का हुये. सुनी तो ले, तुमारो जिवन हइ हि का तुम ते भाप का सामन हुये जो जरासो देर दिखय देस हइ फिर लोप हुये जास हइ.

15 ओकासे उलटो तुमखे यो बोलनो चाहिए, “अगर प्रभु चाह्ये ते हम जिन्दो रहेस, अरु यो उ काम भी करस.”

16 पर अब तुम अपना डिग मारना पर घमण्ड करस हुये. असो सब घमण्ड बुरो होस हइ.

17 येकालिये जो कोय भी अच्छो करणो जानस हइ अरु नी करस, ओका लिये यो पाप देस हइ.

## 5

~~~~~

1 हे लखपति, सुनी तो ले, तुम अपना आन आलो विपत्तीहोन पर रोस अरु उच्चो आवज से विलाप कर.

2 तुम्हारो धन सडि गयो हइ अरु तुम्हारो कपडाहोन खे किडाहोन खय गा हइ.

3 तुम्हारा सोनो-चांदी में जंग लगी गयो हइ. अरु वा जंग तुमारा पर गवय देस, अरु अंगार का सामने तुम्हारो मास खय जास. तोने आखरी जमाना में धन जमा कय्यो हइ.

4 देख, जो मजुरहोन ने तुम्हारो खेत काटयो, सदोम कि वो मजदुरी जो तुम ने धोको दी खे रखी ली हइ चिलास हइ, अरु काटन आला की दोहाइ सर्वशक्तिमान प्रभु का कान तक पोची गइ हइ.

5 तु पृथ्वी पर भोग विलास में लग्यो ह्येस अरु बडो हि सुख भोग्यो. तोने यो खुन का दिन का लिये अपनो दिल को पालन पोषण करी खे ओखे मोटो-ताजो कय्यो.

6 तुम ने धर्मी खे दोष रखी खे मारी डाय्यो, उ तुम्हारो सामनो नी कहें.

2222 222 222222222

7 येकालिये हे भैइहोन, प्रभु का आगमन तक धीरज रख. देख, किसान पृथ्वी की किमत पीक की आस रखस हुयो पयलो अरु आखरी साल होना तक धीरज धरस हइ.

8 तु भी धीरज रख. अरु अपना आस खे बनायो रख, क्यूकी प्रभु को आनो बाहेर हइ

9 हे भैइहोन, एक दुसरा का प्रती शिकायत मत कर, ताकि परमेश्वर अपनो न्याय नी करस. देख, न्यानधिस प्रगट होना पर हइ.

10 हे भैइहोन, जो भविष्यव्यक्ताहोन ने प्रभु का नाम से बात करी, ओखे दुख उठन को टेम ओको धेय को आदर्श समझ.

11 देख, हम धीरज धरन आला खे धन्य बोलस हइ. तुम ने अय्युब का धीरज का बारे में ते सुन्यो हइ, अरु प्रभु का तरफ से जो ओको प्रतीफल हुयो ओखे भी जानी लियो हइ, जेकासे प्रभु कि अत्यन्त करुना अरु दया प्रगट होस हइ.

12 पर हे मरा भैइहोन, सब से अच्छी बात या हइ कि कसम नी खानु, नी स्वर्ग की, नी पृथ्वी की नी कोइ अरु सामन की. पर तुमारी बातचीत होस, अरु नी होस, की तुम परमेश्वर का न्याय का योग्य नी रख्यो.

13 का आप में कोय विपत्ती में पड्यो हइ? ते ओने प्रार्थना करनु. का आप में कोय आनन्दित हइ, ते ओने स्तुती को भजन गनो चाहिये.

14 का तुम में कोय रोगट हइ, ते ओने मंडली का बुजरुहोन खे बुलास की वे प्रार्थना कर उन पर प्रभु को नाम में तेल लगास,

15 अरु विश्वास की प्रार्थना का वजेसे रोगट बची जाए अरु प्रभु ओखे डबल से अच्छो आंग प्रदान कय्यु. अरु अगर ओने पाप भी कय्यो हइ, ते ओकि भी माफ हुइ जाए.

16 येकालिये तुम आपस में एक दुसरा का सामने अपनो-अपनो पाप खे मानी ले, अरु एक दुसरा का लिये प्रार्थना कर, जेकासे अच्छो हुइ जाए धर्मी झन कि प्रार्थना का प्रभाव से भोत कुछ हुइ सकस हइ.

17 एलिय्याह भी ते हमारा सामने दुख-सुख भोग्यो इन्सान थो. अरु ओने गिडगिडी खे प्रार्थना करी पाणी नी गिन्यो. अरु साडे तीन साल तक जमीन पर पाणी नी गिन्यो.

18 फिर ओने प्रार्थना कि, ते बदल से पानी गिन्यो हुयो, अरु जमीन फलवन्त हुयो.

19 हे मरा भैइहोन, अगर तुम में कोय अच्छी कि रस्ता से गमी जाए अरु कोय ओखे फिर लाए,

20 ते उ यो जान ले कि जो कोय भी कोय गमी हुयो पापी खे ओखे गलत रस्ता से फेर लाह्यो, उ पाणी खे जान से मरना से बचास अरु ओको अनेक पाप को माफ कय्यो जान को कारण बनस.

1 पतरस की चिट्ठी

1 पतरस की चिट्ठी

पैछान

पतरस की पहली चिट्ठी 1 पतरस की चिट्ठी प्रेरित पतरस का वज्रसे लिख्यो गयो थो. पतरस ने यो बोलीखे अपनी चिट्ठी सुरु करी कि व्हा कोन थो अरु ओको लिये व्हा लिख्यो हिंयो थो. वे व्हा सब मसीह भैइय खे चिट्ठी संबोधित कन्यो जिनने उनने 1:1; 1:17; 2:11 बोल्यो. उनने अपना पतरस खे यो तरीका से कोय का बारे मे रिस्ता कन्यो क्युकि वे दुसरा-दुसरा देशहोन मे फैल्या हुयो था. क्युकि या चिट्ठी कोय तरीका से इफिसियों खे पौलुस कि चिट्ठी जसी दिखस हइ, कोय दुन्या मानस हइ कि मसीह को जन्म का 65 साल बाद इफिसिहोन का बाद 1 पतरस लिख्यो गयो था. पतरस ने रोम से या चिट्ठी लिखी थी जेखे ओने बाबुल बोल्यो 5:13.

पतरस बोलस हइ कि उनने या चिट्ठी खे “तुमखे प्रोत्साहित करण अरु यो प्रमाणित करण का उद्देश्य से लिख्यो कि यो परमेश्वर की सच्ची कृपा हइ” 5:12. 1 पतरस 2:11—3:7, इपिसियो 5:18—6:9, अरु कुलुस्सियो 3:18—4:6, बीच कोय बरोबरी हइ. या तीन शास्त्र भाग मे पारीवारीक रिश्ता अरु अधिकारीहोन खे पालन करण का बारे मे नीर्देश मीलस हइ. व्हा देखन खे दुख होना पर दृढता से प्रोत्साहित करस हइ क्युकि आखरी नजीक हइ. 4:1 .

रूप रेखा

1. अपना पतरस का सम्मध मे करण का लिये पतरस खुद खे सामने करस हइ 1:1-2 .
2. फिर व्हा उध्दार का लिये परमेश्वर को धन्यवाद करस हइ कि वे सभी समझाते हैंस हइ अरु येको अर्थ उनखे जिवन का लिये हइ 1:3—2:10 .
3. हर टेम्म विश्वासीहोन को नीर्देश देस हइ कि कसा दुन्या मे अच्छी तरी का से हैंनो हइ अरु अदमी अरु बायको अरु गुलाम अरु गुरु 2:11—4:11 का बीच नजीकी रिश्ता खे संबोधित करस हइ.
4. ओको बाद पतरस दुख को टेम्म उनने दृढता से प्रोत्साहित करस हइ 4:12—5:11.
5. तब व्हा अपनी चिट्ठि बंद कर देस हइ 5:12-14.

~~~~~

1 पतरस का तरप से जो यीशु मसीह को प्रेरित हइ, वे परदेसीहोन का नाम जो पुन्तुस, गलातीया, कपदुकिया, आसिया अरु बिथुनीया मे इदर उदर हुय खे रेहस हइ.

2 तुम बाप परमेश्वर खे पुरो उद्देश का जसो चुन्या गया हय अरु ओकी आत्मा का वज्रसे पवित्र दुन्या रूखा गया येका लिये जेने आज्ञा मानन अरु यीशु मसीह का खुन का छिटा जान का वज्रसे पवित्र रूखी जानी लिये.

तुम पर कृपा अरु शांती भोत से होती न्हिये.

~~~~~

3 हमारो प्रभु यीशु मसीह का परमेश्वर बाप खे धन्यवाद दे, जेने यीशु मसीह खे मज्यो हुया मे से जिन्दो हुय खे उठन का वज्रसे अपनी बडी दया से हमखे जिन्दी आस का लिये नवो जन्म दियो.

4 अगर एक अविनाशी अरु नीर्मल, अरु अमर वारीस का लिये जो तुम्हारा लिये स्वर्ग मे रखी हइ.

5 जो विश्वास का वज्रसे सुरक्षित हइ परमेश्वर की सामर्थ्य का वज्रसे लिये वु उध्दार का लिये जो आखरी टेम मे प्रगट होन आला का लिये तैयार हइ.

6 येका लिये तुम भोत भोत खुशी हिंये का अगर अब कुछ थोडा टेम का अलग तरीका की परीक्षाहोन का कारन दुख उठानु.

7 अरु येका लिये हइ कि तुमारा देख्यो हुयो भरोसो जो समज्हे अंगार से तपायो हुयो नाशमान सोन्ना से भी कुछ जादा मोल हइ, जब यीशु मसीह प्रगट हुये तुमखे प्रशंसा को अरु महिमा का अरु इज्जत मील्ले.

8 तुम ओकासे प्रेम करस हय अरु तुमने बिना देखे भी विश्वास करीखे जब की तुमने अभी देख्यो नी ते तुम खुशी से खुश हुये जो बात से बतायो नी जय सखे .

9 तुमारो मन होन को उध्दार यो जो तुमारो विश्वास को उध्देश तुमखे ओकासे मील्लो हय.

10 या उध्दार का बारे मे वे भविष्यवक्ताहोन ने ध्यान से ढुडढांड अरु छान बिन करी खे जेने ओका अनुग्रह का बारे मे जो तुमारा पर होन को थो, भविष्यवाणी करी थी.

11 वे नबिहोन ने मसीह की आत्मा से वे बात खे ढुडीखे नीकालन की कोशिश की मसीह पर आनआलो दुख को टेम अरु परिस्थितिहोन अरु उ महिमा जो यो दुख का बाद प्रगट हुये

12 परमेश्वर ने वे भविष्यवक्ताहोन पर प्रगट कर्यो गयो कि वे अपनी खुद की नी क्युकी तुम्हारी सेवा का लिये या बात बोली थी, जेकी खबर अब तुमारा उनका वजसे मील्लो जिनने पवित्र आत्मा से जो स्वर्ग से भेज्यो गयो, तुमखे खबर सुनय. अरु या बात खे स्वर्गदूत भी ध्यान से समजान की लालुच रखस हइ

~~~~~

13 यो कारण अपनी दिमाग खे काम करण का लिये तैयार कर. खुद पर काबु रखनु, जब यीशु मसीह प्रगट हुये तब जो आशीर्वाद तुमखे मीलन को हइ, ओका पर अपनी आस पुरा मन से लगय खे रखनु

14 अज्ञाकारी बच्चाहोन का जसो उ टेम की बुरी इच्छाहोन का जसो अपना आप खे मत झाकनु जो तुम मे पैयले थी, जब तुम अनाडी था.

15 पन जसो तुम्हारो बुलानआलो पवित्र हइ, वोसोय तुम भी अपना सब चाल-चलन मे पवित्र बननू.

16 क्युकि शास्त्र मे लिख्यो हइ, कि पवित्र बनीखे क्युकि मी पवित्र हय.\*

17 अरु अगर तुम हे बाप बोलिखे एक काम होन का जसो भेद भाव करीखे न्याय करण आलो परमेश्वर खे प्रार्थाना मे यो बाप बोलीखे बुलास हइ, ते या जमीन पर नवाडो हुये, परमेश्वर आदर देस हुये डर का सात जिवन जी.

18 क्युकि तुम जानस हइ, कि तुम्हारो बेकार चाल-चलन बापदादा से चलते आस हइ, ओकासे तुम्हारो छुटकारो चांदी सोन्नो मणजे खतमहोन आली चिजहोन का वजसे नी हुयो.

19 क्युकि भोत मोल को मसीह खे अर्पण का वजसे जो एक नीर्दोष अरु नीषपाप मेडा का खुन जसो थो.

20 संसार को नीर्माण का पैयले परमेश्वर का वजसे मसीह खे चुन्यो गयो थो पन तुमारा लिये या आखरी दिन मे ओखे प्रगट कर्यो गयो.

21 उ मसीह का वजसे तु उ परमेश्वर पर विश्वास करस हय, जेने ओखे मर्या हुया मे से जिन्दो कर्यो अरु महिमा दि खे जबकी तुम्हारो विश्वास अरु आस परमेश्वर पर टिक्यो ज्हेनु.

22 अब तोने सच्ची को पालन कर्यो हुयो सच्ची भयचारो का प्रेम का नीष्कपट करण का लिये अपना आप खे पवित्र करी लियो हइ, ते पुरा दिल का सात आपस मे एक दुसरा से प्रेम करणु.

23 क्युकि तुम ने नाशमान नी पर अविनाशी बीज से परमेश्वर खे जिन्दो अरु कभी भी रुखन आलो वचन का वजसे नवो जन्म मील्लो हइ.

24 क्युकि जसो शास्त्र मे लिख्यो हइ, हर एक जनवर

घास का जसो हइ, अरु ओकी सब सोबा

जंगल का फूल जससो हइ अरु

घास सुकी जास हइ अरु फुल झाडि जास हइ\*.

25 पन प्रभु को वचन पिडमपिडि स्थिर न्हिये अरु योइ सुसमाचार को वचन हइ जो तुम खे सुनायो गयो थो.

## 2

~~~~~

1 येका लिये सब प्रकार को बुरो अरु छल अरु कपट यो अपमान करण को अपना आप से नीकाली दे,

2 नवो जन्म हुया बच्चा का जसो सदा नीर्मल आत्मीक दूध को प्यासो न्हनु येका लिये येका पिन का वजेसे तुम्हारी विकास अरु उध्दार बढते जाये.

3 जसो कि शास्त्र मे लिख्यो हइ, अपना आप का लिये जानी लियो की प्रभु खे तनो अच्छो हइ.

4 प्रभु का नजीक अयखे, उ जिन्दो फत्तर जो दुन्याहोन का वजेसे नीक्कमो जानीखे ओखे नी बोल्यो गयो पन जो ओका लिये भोत किमती हइ ओका परमेश्वर का वजेसे चुन्यो गयो थो.

5 तु भी सजीव फत्तर का जसो एक आत्मीक मंडली मे बनायो जो न्हेस हइ जबकी एक असो पवित्र याजक मंडली मे सेवा करी सख्ये जेको कर्तव्य असो अध्यात्मीक बलिदान समर्पित करतो हइ जो यीशु मसीह का वजेसे परमेश्वर खे ग्रहण योग्य हय.

6 यो कारण पवित्रशास्त्र मे भी लिख्यो हइ.

“मेने एक भोत-किमती फत्तर चुन्यो हइ

जेखे मी सिय्योन का कोन को फत्तर करी खे रखी रोस हय.

जो कोय वोका पर विश्वास करये वु कभी भी नीरास नी हुये.”

7 तुम विश्वासीहोन का लिये यो फत्तर खुप मोलको हइ. पन जो विश्वास नी कहे वु फत्तर जेखे राजमिस्त्रीहोन ने नीक्कमो समज्यो थो

“उ फत्तर सब का लिये महत्वपूर्ण कोना को फत्तर बनी गयो,”

8 अरु शास्त्र मे यो भी लिख्यो हइ,

“यो उ पत्थर हइ जो दुन्या खे टेस पोचाये के

यो चट्टान जो दुन्या खे ठोकर दिखे गिराये.”

उ ठोकर खाह्ये क्युकी उ परमेश्वर का वचन पर विश्वास नी कहे अरु यो उनका लिये परमेश्वर की इच्छा थी.

9 पर तुम एक चुन्या हुया कुल का राजो पद धारी का याजक कि जात कि पवित्र दुन्या, अरु परमेश्वर का खुद का दुन्या हुये येका लिये कि जेने तोखे अंधारा मे से अपनी अदभुत ज्योती मे बुलायो हइ, ओका बडा काम की घोषणा कर.

10 एक टेम मे तुम परमेश्वर का दुन्या नी था, पन अभी तुम ओका दुन्या हुये एक टेम थो. कि तुम पर परमेश्वर की दया नी हुय थी पर अभी तुम पर दया हुय हइ.

~~~~~

11 हे प्रिय दोस, मी तुम से यो जगत मे नवाडा का रुप मे हय, प्रार्थना करुस हय, कि उ अपना आप नवाडो अरु समझी खे, रुप मे हय जानीखे वु जगत अभिलाषा से जो आत्मा से वाद विवाद करस हइ.

12 गैरयहूदीहोन का बिच मे अपनो व्यवहार अतनो अच्छो बनायो रख कि चाह्ये वे अपराधी का रुप तुम्हारी बुराइ कर किन्तु तुमारो अच्छो काम होन को परिणाम स्वरुप ओका आन का दिन उ परमेश्वर कि महिमा प्रदान कहे.

13 प्रभु का लिये अपना आप खे हर मानव अधिकारी का अधीन न्हेस शासन का आधीन येकालिये की उ सब पर राज करस हइ,

14 अरु शासक एक क्युकि वे बुरो करण खे दण्ड देनो अरु अच्छो काम करण आला खे बडाइ का लिये ओखे भेज्यो हुयो हइ.

15 क्युकि परमेश्वर तुमसे यो चास हइ कि तुम अपनो अच्छो कर्यो मुख दुन्याहोन कि अज्ञानता कि बात खे बंद करी दे.

16 अपना आप खे प्रभु स्वतंत्रता सेवक का समान जिवन बिता. किन्तु अपना येका स्वतंत्रता.

17 सब को सम्मान कर, अपना दुसरा भैइ से प्रेम रख, परमेश्वर को सम्मान का साथ से डर राजा को सम्मान कर.

~~~~~

18 हे सेवक, अपना आप खे स्वामी का सामने रख अरु उनका पूरी रीति से सम्मान देस का नी फक्त उनका जो अच्छो हइ अरु दुसरा का लिये चिता करस हइ क्युकी उनका भी जो कठोर हइ.

19 क्युकि पैयले कोय परमेश्वर को बिचार करीखे दुसरा से दुख उठास हुयो इजा सहस हय, ते यो सुहावनो हय.

20 क्युकि अगर तोने अपराध करिखे घुस्सा खायो अरु धिरज रख, ते येमे कि बात हय? पर अगर अच्छो काम करीखे दुख उठास हय अरु धिरज रखस हय, ते यो परमेश्वर खे समजस हय.

21 अरु तुम पर तुम खे परमेश्वर ने येका लिये बुलायो हइ, असो करीखे हमारा मसीह का लिये एक उदाहरण छोड्यो हइ ताकि हम ओका पद-चिन्हा पर चले.

22 नी ते ओने पाप नी क्यो. अरु नी वोका मुंडा से छल कि कोय बात नीकली.

23 जब उ अपमान हुयो तब ओने कोय को अपमान नी कर्यो, जब ओने दुःख झेल्यो, ओने कोय कि धमकी नी दी, क्युकि उ सच्चो न्याय करण आलो परमेश्वर का आगे अपना आप खे अर्पन करी दियो.

24 मसीह तरो यो हमारो पाप खे अपना आंग पर लियो हुयो कुस पर चडय दियो, जेखे हम पाप का लिये मरी खे धार्मीकता का लिये जिवन बितायो वोकोय मार खाना से तुम अच्छा हुयो.

25 क्युकि तुम पैयले भटक्या हुया मेडा का जसा था, पन अब अपना जान खे राखनआलो अरु अध्यक्ष का पास फिर आयो गयो हय.

3

~~~~~

1 या रित से हे लुगइहोन अपना तुम खे अपना अदमी का अधीन रहे, अगर कोय परमेश्वर को वचन पर विश्वास नी कहे ते व्हा तुम्हारो व्यवहार से विश्वास करण का लिये जीत्यो जाह्ये येका लिये तुमखे ओकासे कोय बात करण की भी जरूरत नी हइ,

2 क्युकी वे देख्ये की तुम्हारो स्वभाव कसो अच्छो अरु भक्तिपुरो हइ.

3 अपना आप खे साजरी करण का लिये बाहेर सझनो सवरनो खे इस्तेमाल नी क्यो, जसो की बाल गुथीले, या फिर सोना को बर्तन पेनन, या अच्छा अच्छा कपडा पेननो,

4 जब की तुम्हारी साजरी तुम्हारो अंदरुनी व्यकतीत्व बनस हइ, नाजुक व अविनाशी सजावट से साजरी न्हियेका परमेश्वर की नजर मे जो मोलको हय.

5 पैयले युग कि पवित्र लुगइ भी जो परमेश्वर पर आस रखती थी, अपना आप खे या रिति से सवारती अरु अपना अपना इन्सानहोन का अंदर रहेती थी.

6 जसो सारा अपनो अदमी अब्राहम की आज्ञा मे रहेती अरु वोको स्वामी बोलती थी यो प्रकार भी अगर अच्छो करीखे अरु कोय प्रकार को डर से डरनु नी हुये ते सारा की बेटिहोन रख्ये.

7 वसो य हे इन्सानहोन तुम भी समझदारी से लुगइ का साथ जिवन बिताव, अरु बय खे कमजोर समजी खे वोको सम्मान कर, यो समजीखे कि हम दो जिवन को वरदान मे उनखे अपनो सय उत्तराधिकारी मान्यो जबकी तुमारी प्रार्थनाहोन मे बाध्यो नी पड्यो.

~~~~~

8 आखरी मे तुम सब का सब एक मन अरु कुपामय भावना अरु भयचारा से की प्रेम रखन आलो, अरु दयालु से, अरु एक दूसरा से नम्र बन.

9 बुरा का बदल बुरो मत कर. अरु नी श्राप का बदल श्राप दे. जबकी बदला मे आशिर्वाद दे क्युकि आशीर्वाद हइ जो परमेश्वर ने तुमखे देन को वचन दियो थो जब तुमखे बुलायो थो.

10 जसो शास्त्र मे लिख्यो हइ,

अगर तुमखे अपनी जिवन को प्रेम लेनो हइ

अरु अच्छा दिन की इच्छा रखस हइ ते,

अरु ओखे होनु कि छल कि बात बोलना से रोख्ये

अरु झुट बोलनो बन्द कन्हे.

11 व्हा बुरा को साथ छोड अरु अच्छो कर.

व्हा पुरा दिल से शांती मीलन का लिये प्रयास कन्हे.

12 क्युकि प्रभु की आखहोन धर्मीहोन पर लगी रहेस हइ,

अरु वोका कान वोकि प्रार्थना बिनती का तरप लगी रहेस हइ,

पन प्रभु बुरो करण आला का बदलामे मुडो फेरी लेस हइ.

13 अगर तुम अच्छो करणा का लिये तैयार न्ही ते तुम्हारी बुइय करण आला फिर कोन हइ?

14 अगर तु सच्ची कारन दुख भी उठायेका ते धन्य हइ. पर दुन्या का डराना से मत डरो, अरु नी घबरानु .

15 पन अपना मन मे मसीह का लिये श्रद्धा रख अरु ओखे प्रभु जानीखे आदर दे. अरु अगर कोय तुमसे तुमारी आस का बारे मे जो तुमारा मे हइ समजान खे बोल्हे ते ओखे उत्तर देन का लिये कबिभी तैयार न्हियेका

16 पन यो विन्नमता अरु इज्जत का सात ही कर अरु अपनो विवेक खे शुध्द रखन का जबकी यीशु मसीह अच्छी चाल चलना मे तुम्हारो अपमान करता हुयो लाजनू.

17 क्युकि अगर परमेश्वर की या इच्छा हय कि तुम अच्छो करण का कारन दुख उठायेका ते यो बुरो करण का बदलामे दुख उठाना से खुप अच्छो हइ.

18 येका लिये मसीह ने भी सब पापिहोन का लिये येक ही बार मर्न्यो यानेकी वु जो नीर्दोष थो हम पापीहोन का लिये एक बार मरी गयो की हम परमेश्वर खे नजीक लीखे जाये. आंग का भावसे ते वु मरी गयो पर आत्मा का भाव जीगयो.

19 अरु वोकी आत्मा की स्थिति मे जैखे वे बन्दीगृह आत्माहोन खे खबर दि.

20 यो आत्माहोन हइ जो वा टेम्स मे परमेश्वर की आज्ञा खे मन से नी मानन वाली थी, जब नूह को डोंगा बनायो जय रो थो अरु परमेश्वर धिरज का सात प्रतीक्षा खे न्हियो थो वु डोंगा मे थोडा दुन्या यानेकी आट झन पाणी का वजेसे बची गया.

21 यो बपतिस्मा का जसो हइ जेका से अब तुमरो उध्दार होतो हइ, येमे आंग को मैल धोनु नी जबकी एक अच्छो विवेक का लिये परमेश्वर से कसम हइ, अब तो तुमखे यीशु मसीह को पुनरुत्थान बपतिस्मा का वजेसे बचास हइ.

22 व्हा स्वर्ग पर जय खे परमेश्वर का जवना तरप बठी गो. अरु स्वर्गदूत अरु अधिकारी अरु सामर्थ्य वोका आधीन कर्यो गयो हइ.

4

~~~~~

1 येका लिये जब कि मसीह ने आंग मे हय खे दुख वुठायो ते तुम भी मनसा खे हतीयार का जसो पेनी ले, क्युकि जेने आंग मे दुख उठायो. व्हा पाप से छुटी गयो,

2 अब से आगे, तुमरो बच्चयो हुयो जमीन पर को जिवन मानवीय इच्छाहोन का जसो नी क्युकि परमेश्वर कि इच्छा का जसो जिवन जी.

3 क्युकि मूर्तिपूजक, इच्छा का जसो काम करण, अरु लुच्चोपन कि बुरी अभिलाषाहोन मतवालोपन, लीलाक्रीडा रंगरेली, अरु धृणित मूर्तिपूजक मे जहा तक हम ने पहीला टेम गमायो, उ खुप हुयो.

4 येका से वे अचम्भो करस हइ, कि तुम असो भारी गिरनो, अरु लापरवाही को जिवन जिनामे वु सात नी होय. अरु येका लिये वे तुम्हारी नीन्दा करस हइ.

5 पन जो मय्या हुया मेसे जिन्दो अरु मर्यो हुयो को न्याय करण खे तैयार हइ, वु परमेश्वर खे वु खुद अपनो व्यवहार को लेखो झोको दिये.

6 येका लिये वे अविश्वासी खे उपदेस दियो गयो थो. कि शारीरीक रुप से जानीले ओको मानविय स्तर पर हय पन आत्मीक रुप से परमेश्वर का जसो जिन्दो न्हियो.

~~~~~

7 सब बात कि खतम तुरुत होन आलो हइ. येका लिये खुद हुय खे प्रार्थना का लिये जागा न्है.

8 सब मे बडि बात या हइ कि एक दुसरा से प्रेम रख. क्युकि प्रेम भोत पाप खे झाकि देस हइ.

9 बिन चुगली बताये एक दुसरा का मीजवान को स्वागत कर्ये.

10 जेखे जो वरदान मील्योस हइ, व्हा ओखे परमेश्वर खे अलग तरीका को अनुग्रह को अच्छो देख रेख करण आला का जसो एक दुसरा की सेवा मे लगायो.

11 जो कोय प्रचार कन्है. वे परमेश्वर को प्रचार कन्है. जो कोय सेवा कन्है, ते व्हा वु शक्ति से कर जो परमेश्वर देस हइ. येका लिये सब बात मे यीशु मसीह का वजेसे, परमेश्वर खे बडो नाम मील्है. महिमा अरु साम्राज्य पिडमपिडि से वोकीय हइ. आमीन.

~~~~~

12 हे प्रिय, दोस तुम पर खुप बडो संकट आस हइ अरु तुम्हारी पेपर होस हइ तब एक नवाली बात देखीखे अचम्भो मत होय.

13 पन जसो जसो मसीह का दुख मे हिस्सेदार होस हय, खुशी मनाव कि जेका से वोकि महिमा प्रगट होन टेम भी तुम खुशी से भरी जाह्यो.

14 फिर अगर मसीह का नाम का लिये तुमारी टिगल करी जास हइ, ते तु धन्य हुये क्युकि महिमा कि आत्मा मे वे महिमा मय परमेश्वर कि आत्मा की तरा पर छांय करस हइ.

15 तरा मे से कोय इन्सान हत्यारो या चोर या बुरो काम होन को या दुसरो काम मे हात दालन करण दुख नी मील्यो.

16 पन अगर मसीह होन का कारण दुख मील्यो ते लाजवाने नी होनु पन या बात का लिये परमेश्वर खे धन्यवाद दे क्युकी तुमने महिमा नाम धारण कन्यो.

17 क्युकि न्याय करण कि सुरवात को टेम अय पहुची हइ, कि पयलो परमेश्वर का दुन्या को न्याय खे जगाह्यो. अरु जब कि न्याय को सुवात हमारा से हुये ते वोकोय आखरी हुये जो परमेश्वर की सुसमाचार खे नी माने.

18 असो पवित्रशास्त्र मे लिख्यो हइ,  
अगर अच्छो इन्सान ही कठीन से उध्दार मील्है,  
ते भक्तिहीन अरु पापी को का हुये?

19 येका लिये जो परमेश्वर कि इच्छा का जसो मन से दुख उठास हइ, वे अच्छो करस हुये खे अपना अपना खुद खे विश्वासयोग्य सुजनहार का हात मे दि देनु

## 5

~~~~~

1 तरा मे जो बापदादा हइ, वोका जसो बापदादा अरु मसीह को दुख की गवाह अरु प्रगट होन वाली महिमा मे शामिल हुयखे वोखे यो समजास हय.

2 कि परमेश्वर कि वु झुण्ड की, जो तुमारा बीच मे हइ राखनआलो कर, अरु दबाव से नी पन परमेश्वर का जसो खुसी से, अरु कमय का लिये मन लगय खे.

3 जो दुन्या देख रेख का वास्ते तुमखे दियो गया पर शासन मत कहे, जबकी झुण्ड का लिये एक जिम्मेदार बन.

4 जब प्रधान रखवालो प्रगट हुये खे ते तुमखे महिमा को मुकुट दियो जाह्येका जिकी सोबा कभी कम नी हुये.

5 या रीति हे नवजुवान खे तुम भी धर्म बापदादा का अधीन हँव का तुम एक दुसरा की सेवा को करण का लिये विनमता धारण कर क्युकि शास्त्र करस हइ. परमेश्वर अभीमानीहोन को विरोध करस हइ, पन दीन पर अनुग्रह करस हइ.

6 येका लिये परमेश्वर खे मजबुत हात का नीचे दीनता से हँव, जेमे से व्हा तुमखे उचित टेम पर बढायो.

7 अपनी सब चिन्ता वोका पर डाली दे, क्युकि वोखे तुम्हारी ध्यान हइ.

8 सचेत हुये अरु जागा हँव, क्युकि तुम्हारा विरुध सैतान एक गर्जन आलो सेर का जसो या इदर उदर घुमते हुयो या तक मी रेस हइ कि कोय खे फाडी खाये.

9 विश्वास मे दृड हुयखे अरु यो जानीखे वोको सामनो कर, कि तुम्हारो भैइ जो जगत मे हइ, असो दुख भोगि रोस हइ.

10 अब परमेश्वर जो पुरो अनुग्रह को दातो हइ, जेने तुमखे मसीह मे अपनी अनन्त महिमा का लिये बुलायो, तुम्हारी थोडी देर तक दुख उठन का बाद आप ही तुमखे सिध्द अरु स्थिर अरु बलवान कहें.

11 ओको सामराज पिडमपिडि से रिह्यो आमीन.

~~~~~

12 मे ने तुमखे एक सिदा से चिट्ठी सिलवानुस का मदत से लिखीखे जेखे मी विश्वास लायक मसीह भैइ मान्यो हय. मी तुमखे प्रोत्साहित करणो चाहुस हय अरु मरी गवइ देस हइ की परमेश्वर की सच्ची अनुग्रह हइ, येमे रुखी हँव.

13 जो बेबीलोन की मंडली मे जो भहीन परमेश्वर का वजेसे चुन्या गयो हइ, वे तुमखे नमस्कार करस हइ अरु मसीह मे मरो बेटो मरकुस तुमखे नमस्कार करस हइ.

14 एक दुसरा खे मसीह मे पिरिम पुरो भाव से गल्ला मीलीखे स्वागत सत्कार कर

तुम सब जो मसीह मे हय, शांती मीलती रहे.

## 2 पतरस कि चिट्ठी 2 पतरस कि चिट्ठी पैछान

पतरस की दूसरी चिट्ठी पैछान मे बोल्यो गयो हइ कि यो प्रेरित पतरस का वजेसे लिख्यो थो, लेकिन कोय विद्वान आज नी सोचतो कि यो सच्ची हइ. संभव हइ कि कोय अरु ने पतरस का तरफ से यो लिख्यो हय. लेखक को बोलनो हइ कि व्हा यीशु को जिवन का लिये एक गवय थी अरु विशेष रुप से बदलाव 1:17-18 का लिये एक अगर पतरस चिट्ठी लिखी या संभावना हइ कि रोम मे 65-69 साल का बीच मसीह को जन्म का बाद लिख्यो थो, पतरस येका से पैयले कि व्हा मन्थो गयो. पतरस भी यो अपना दूसरी चिट्ठी 3:11 भी बोल्यो पतरस चिट्ठी का बाद लिखन की तारीक रखन बोल्यो हइ. उनने सब मसीहोन खे चिट्ठी लिखी खे नाम लीखे बोलनु कन्यो.

पतरस खे या चिट्ठी लिखी हइ जबकी विश्वासिहोन खे अच्छो जिवन जीन का लिये प्रोत्साहित करण का लिये अरु वे झूटा मास्तर खे पालन नी चेतावनी दी. उनने वे दुन्या का नजर अंदाज करण का लिये प्रोत्साहित कन्यो जो बोली रो हइ कि जेका से वापस आना मे खुप लंबी टेम लगय रो हइ. येका अलावा उनने बोल्यो कि भगवान आराम से चलास नी हइ, लेकिन सभी को बचायो जानो चाहस हइ 2 पतरस 3:8-9 यो एक करण का लिये एक अच्छो जिवन 3:14-हेस हइ.

### रुप रेखा

1. पतरस खुद पैछान अरु अपना पतरस पते. 1:1-2
2. तब व्हा उनने अच्छी जिंदगी जीन की याद दिलास हइ क्युकी परमेश्वर ने हम येका लिये माफि करीस हइ 1:3-21.
3. बावजुत व्हा झूटा मास्तर का खिलाफ चेतावनी देस हइ अरु बोलस हइ कि आखरी मे झूटो मास्तर को हुये. 2:1-22
4. ओका बाद कि पतरस यीशु का लिये विश्वासिहोन खे प्रोत्साहित करण का अच्छो जिवन जीन को उकसास हइ 3:1-17

### ??????

1 शमीन पतरस का तरप से जो यीशु मसीह को चेलो अरु प्रेरित हइ वे दुन्या को नाम जिनने हमारो परमेश्वर अरु उध्दार करण यीशु मसीह की धार्मीकता का वजेसे हमारो सेवक जसो भोतकिमती विश्वास मील्यो हइ.

2 परमेश्वर अरु हमारो प्रभु यीशु कि पैछान का वजेसे अनुग्रह अरु शांती तरा मे भोत जादा से बडते जाये.

### ?????? ?? ?????

3 क्युकी परमेश्वर की इश्वरी सामर्थ्य ने सब कुछ जो जिवन अरु भक्ती से समन्ध रखस हइ, हम वोकी पैछान का वजेसे हइ, जेने हमखे अपनी य महिमा अरु सदगुण का जसो बुलायोस हइ.

4 जेका वजेसे वोने हम खुपमोल अरु भोत बडी प्रतीज्ञा दी हइ ताकी इनका वजेसे तुम वा भटाचार से छुटकारो जो जगत मे बुरी अभिलाषाहोन से होस हइ, इश्वरी स्वभाव को हिस्सेदार हुइ जाव.

5 येका लिये तुम सब रंगेरंग कि इजा करीखे, विश्वास पर सदगुण, अरु सदगुण पर समज!

6 अरु तुमखे ज्ञान मे आत्मा खुद कि भक्ति, अरु आत्मा खुद मे धिरज, अरु धिरज मे परमेश्वर की भक्ति खे भक्ति.

7 अरु तुमारो परमेश्वर की भक्ति मे मसीह भैइचारा मे प्रेम कि भक्ति.

8 ये सब गुन की तुमखे जरूरत हइ अरु अगर ये गुन तुममे अगर भोतायत से हइ ते यो तुमखे हमारो प्रभु यीशु मसीह कि ज्ञान मे नीकम्मी अरु प्रभाकुलिल बनावो.

9 पन अगर तुमखे या बात नी, ते तुमखे दूर नीगा नी तुम अन्धो हय, तब तुम भुल चुक हुये की तुमखे पैयले का पाप खे धोयो गयो हइ.

10 येका लिये हे भैइहोन, अपनो बुलायो जानो, अरु चुनी लियो जानो, सिध्द करण को भली भाती इजा करते जाव, क्युकी अगर असो कहें ते कभी भी टोकर नी खानको.

11 क्युकी या रीति से तुम हमारो प्रभु अरु उद्धारकर्ता यीशु मसीह का सदा राज मे बडो सम्मान का सात प्रवेश करण मील्हे.

12 येका लिये तुम या बात जानस हय, अरु जो सच्चीहोन वचन तुमखे मील्योस हइ, वोमे बन्या हेंव, तेभी मी तुमखे या बात की याद दिलान खे कभी भी तैयार हींयु.

13 मी या अपना लिये अच्छो समजुस हय, की जब तक मी यो आंग मे जिन्दो हय, तब तक तुमखे यो बारे मे याद प्रेमा तो हींयु.

14 क्युकी यो जानुस हय, कि खुप झल्दी मे अपनो नाशवान आंग छोडन आलो हय. जसो कि हमारो प्रभु यीशु मसीह ने मेखे बतायो थो.

15 येका लिये मी अपनो पुरो जोर लगाह्यु कि मी मरी जाना का बाद भी तुम या सब बात खे कभी भी याद करी सकस.

~~~~~

16 क्युकी जब हमने तुमखे अपना प्रभु यीशु मसी कि सामर्थ्य को अरु आन कि खबर दि थी ते व्हा हुशारी से गाडी वाली खे नीहोन को अनुकरण नी थो जब हमने खुद हि वोकी महानता खे देख्यो थो.

17 क्युकी जब ओको परमेश्वर वाप से सम्मान को अरु महिमा मीली अरु वु प्रतापमय महीमा मे से या बात अय, यो मरो प्रिय बेटो हइ, जेका से मी प्रसन्न हय*.

18 जब हम वोका सात पवित्र टेकडा पर था, अरु बहल से अय या वाणी सुनी.

19 हमारा पास जो भविष्यवक्ताहोन को वचन हइ, व्हा या घटना से बडी रुख्यो. तुम यो अच्छो करस हय जो वोका पर ध्यान करस हय, की व्हा एक दिवो हइ, जो अंधारा जगा मे वा टेम्म तक उजालो देतो रेस हइ जब तक कि उजालो नी नीकल्यो, अरु फजर को तारो तुमारा मन मे नी चमकी उठ्यो.

20 सब से बडी बात या हइ कि तुमखे यो समजी लेन होनु कि पवित्रशास्त्र कि कोय भी भविष्यवाणी को भविष्यवक्ता का नीजी से दियो गयो स्पष्टिकरण नी हइ

21 क्युकी कोय भी भविष्यवाणी इन्सान का इच्छा से कभी नी हुयो पन भक्त इन पवित्र आत्मा का वजेसे जय खे परमेश्वर की तरफ से बोलतो थो.

2

~~~~~

1 जसो जो भुतकाल का दुन्या का बिच मे लुच्चो भविष्यवक्ता थो भटकन आलो अच्छो सिध्दात खे लाहे, अरु वु स्वामी खे नी बोल्हे जेने वोखे छुडयो असो कहें, अपना तुरुत विनास खे नियत्रन दिहे.

2 फिर भी घनय दुन्या वुनकी रस्ता पर चल्ले. अरु क्युकी जो वे करस हइ, दुसरी बुरी बात खे सच्ची चाय की जगा बोल्हे.

3 वे लोभी का लिये बात खे तुमखे अपनो लाभ को कारण बनाह्ये अरु जो दण्ड कि आज्ञा वुन, पर पैयले से हुय गिस हइ, वोको आना मे कुछ भी देर नी, अरु वोको विनास नी.

4 क्युकी जब परमेश्वर ने स्वर्गदूत खे जिनने पाप कयों, वुन खे भी नी छोड्यो पन नरक मे भेजी खे अंधारा कुण्ड मे दाली दियो, क्युकी न्याय का दिन तक बन्दी रीयो.

\* 1:17 मत्ती 17:1-5; मरकुस 9:2-7; लूका 9:28-35

5 अरु पैयला युग का जगत भी नी छोड्यो. जब भक्तिहीन जगत पर बडो पाणी को प्रलय मेञ्यो, पन धर्म को प्रचार करण आलो नूह समेत आठ इन्सान खे बचय लीयो.

6 अरु सदोम अरु गमोरा का नगर खे अंगार से डण्ड दिखे, अंगार से भस्म करीखे ताकि वे आन आलो भक्तहीन दुन्या कि शिक्षा का वास्ते एक दृष्टान्त बन्हे.

7 अरु धर्मी लुत खे जो धर्मीहोन खे अनैतिक चालचलन से खुप दुख थो छुडय दियो.

8 क्युकी व्हा धर्मी वुन का बीच मे हेतो हुयो, अरु वुन का अधर्म काम खे देखी देखी खे, अरु सुनी सुनी खे, हर दिन अपनो सच्चा मन खे कसोय करतो थो.

9 ते प्रभु भक्त खे पेपर मे से नीकाली लेनू अरु अन्यायहोन खे न्याय का दिन तक डण्ड की दशा मे रखनो भी जानस हइ.

10 खास करी खे वोखे जो बुरी अभिलाषाहोन का पीछे आंग का जसो चलते, अरु प्रभुता खे तुच्छ जानस हइ

वे ढीठ अरु जिद्दी हइ, अरु उचो पद आला खे बुरो अच्छो बोलना से नी डरे, अरु वोकी मजाक करतो रहे.

11 तेभी स्वर्गदूत जो शक्ति अरु सामर्थ्य मे झुटो मास्तरहोन से बडो हइ, प्रभु का सामने वोखे बुरो अच्छो बोली खे दोस नी लगातो थो.

12 पन ये दुन्या बिना दिम्माक जनवर का जसो हइ, जो पकड्य जानो अरु नास होन का वास्ते पइदा हुयो हइ. अरु जो बात खे समजे नी, वोका बारे मे अरु बुरो अच्छो बोलस हइ, वे जंगल का जनवर का जसो खतम करी दिह्ये जाह्ये.

13 दुसरा को बुरो करण का बदल वोको बुरो हुये वोखे दिन दुपार भोग विलाप करणो अच्छो लगस हइ. यो कलंक अरु दोस हइ जब वे तुमारा सात खाते-पीस हइ, ते अपना तरफ से पिरम खाना खे, भोग विलाप करस हइ.

14 बुनकी आख मे व्यभिचारणी बसी हुयोस हइ, अरु वे पाप कर्यो बिना रुखी नी सका वे कमजोर दुन्या खे जाल मे फसय लेस हइ. वोका मन खे लोभी करण को अभ्यास हुय गयो हइ, वे परमेश्वर की श्राप मे हइ.

15 वे सीधी रस्ता खे छोडी खे भटकी गया हइ. अरु बओर को बेटो विलाम कि रस्ता पर अय गयो हइ. जेने बुरो काम कि मजबुरी खे लाड जान्यो.

16 अरु वोखे वोका पाप का बारे मे वोखे डाट पड्यो, ह्या तक कि अबोल गधी ने इन्सान की बोली से वु भविष्यवक्ता खे ओका बचपना से रोख्यो.

17 ये दुन्या सुको कुव्वा अरु तूफान खे उडाते हुये बदल हइ, परमेश्वर ने वोका वास्ते खुप खोल अन्धर रूखी गया हइ.

18 वे व्यर्थ धमंड की बात करी करी खे अनैतिक काम का वजेसे वोखे दुन्या खे आंग पर अभिलाषाहोन मे फसय लेस हइ.

19 वे वोखे स्वतंत्रता करण कि प्रतीज्ञा ते करस हइ, पन आप मेय ही भटता को सेवक हइ कि क्युकी जो इन्सान जेकासे हारी गयोस हइ का उ वोको दास बनी जास हइ.

20 जब वे प्रभु अरु उद्धारकर्ता यीशु मसीह की पैछान का वजेसे जगत की दुसरा रंग की अशुध्दता से बची नीकल्या, अरु फिर वोमे फसी खे हरी गया, ते जुनी दशा पैयले से भी बुरी हुय गय हइ.

21 क्युकी धर्म का मार्ग खे नी जाननु ही वोका वासते यो अच्छो होतो, कि वोखे जानी खे, वु पवित्र आज्ञा से फिर जातो जो वोखे सोपी दीस गय थी.

22 उन पर या खावत बरोबर बटस हइ, कि कुत्तो अपनी उल्टी का तरफ अरु नहलाइ हय सुअरनी चिखल मे सोना का वासते फिर चली जास हइ.

1 हे प्रिय दोस, अब मी तोखे या दूसरी चिट्ठी लिखुस हय, अरु दो मे याद दिखे तुमारो शुध्द मन खे जागृत करुस हय,

2 कि तुम वा बात खे जो पवित्र भविष्यव्यक्ताहोन ने पैयले से कुछ हइ, अरु प्रभु उद्धारकर्ता कि वा आज्ञा खे याद करस जो तुमारा प्रेरित का वजेसे दियो गयो थो.

3 सब से पैयले यो समजी ले कि आखरी दिन मे हसी उडान आलो आयोस जो अपनी या अभिलाषाहोन का जसो चल्थो

4 अरु बोल्यो, “वोने आन कि प्रतीज्ञा करी थी, बोल्यो हइ वु? हमारो बापदादा से पैयले से मरी चुक्यो हइ, पर जबसे सृष्टि बनय हइ सब बात वसी की वसी चली अय रही हइ.”

5 वे तो जानी बुजी खे यो भुली गयो कि परमेश्वर का वचन का वजेसे बदल पैयले काल से बनय गयो हइ अरु पृथ्वी भी पाणी मे से बनी अरु पाणी मे रूखोस हइ,

6 यो कारण वु युग को जगत पाणी मे डुबी खे खत्म हुय गा.

7 पन बदल अरु पृथ्वी जो आज अस्तित्व मे हइ वोका आदेश का वजेसे अंगार का वजेसे खतम होन का लिये सुरक्षित हइ येखे वु दिन का लिये रख्यो जय रो हइ जब अन्यायी दुन्या को न्याय हुये अरु वे खतम करी दियो जाह्ये.

8 हे प्रेम दोस, या एक बात खे मत भुलनु की प्रभु कि नजर मे एक दिन हजार साल मे कोय फरक नी हइ. वोका लिये यो दिन भी बराबर हइ.

9 प्रभु अपनी प्रतीज्ञा का बारे मे देर नी कर्हे जसी कुछ दुन्या समजस हइ. पन तुमारा बारे मे धिर धरस हइ, अरु नी चाह्ये, कि कोय खतम हुये. क्युकी यो सब को मन फिराव को अवसर मील्ले.

10 पन प्रभु को दिन चोर का जसो अय जाह्येका वु दिन बदल गर्झना का सात नी दिखानो हुय जाह्ये वो का बाद बदल कि सब चिज पानी खे खतम हुय जाह्ये अरु पृथ्वी अरु वोका पर की बात गायब हुय जाह्ये.

11 जब कि ये सब चिजहोन, या रीति से खतम होन वाली हइ, ते तुमखे कोय रंग का दुन्या जिवन पवित्र अरु परमेश्वर का तरप समर्पित होनो चाह्यो.

12 अरु परमेश्वर को वु दिन कि रस्ता कोय रीति से देखनो चाह्यो अरु वोखे झल्दी आन का लिये कोय इजा करणो चाह्यो, जो कारण बदल अंगार से खतम कन्यो जाह्येका अरु बदल की सब चिजहोन खुप गरम से तपीस खे गली जाह्ये.

13 पन वोकी प्रतीज्ञा का जसो हम एक नवो बदल अरु नवी पृथ्वी की आस देखस हइ जेम्मे धार्मीकता वास कन्हे.

14 येकालिये का हे लाड दोस, जब कि तुम वु दिन को इनतजार करी रा हय, ते अपनी तरप से पुरी कोशिश कर कि तुम शांती से परमेश्वर की नजर मे नीष्कलंक अरु नीर्दोष रखनु.

15 हमारो प्रभु, धिरज खे वुनको उध्दार देन का लिये दि गय संधी समझ, जसो हमारो लाडेलो भैइ पौलुस ने ज्ञान से जो परमेश्वर ने वोखे दियो थो वोको इस्तमाल करीखे लिख्यो थो.

16 वोसो य वोने अपनी सब चिट्ठीहोन मे भी या बात लिखी हइ. जो थोडी बात असी हइ, जिन खे समझनो कठीन हइ, अरु अनपढ़ अरु चंचल दुन्या वुन को अर्थ खे भी पवित्रशास्त्र की दूसरी बात का जसी खीचा तानी खे अपनो य नास को कारन बनस हइ.

17 येका लिये हे लाडला तुम दुन्या पैयले से या बात खे जानी खे हुशार न्हैव ताकि अधर्मीहोन को भ्रम मे फस खे अपनी स्थिरता खे कोय हात से गमय नी दे.

18 पन हमारो प्रभु अरु उद्धारकर्ता यीशु मसीह का जसो अरु ज्ञान मे बडते जाव. वोकीय महिमा अब भी हुये खे अरु पिडमपिड होते न्हिये. आमीन.

## 1 यहून्ना की चिट्ठी

### 1 यहून्ना की चिट्ठी

#### पैछान

1 यहून्ना की चिट्ठी प्रेरित यहून्ना द्वारा मसीह को जन्म का बाद 50 अरु 100 साल का बीच लिखी थी यहून्ना खुद लेखक रूप में पैछान नी हइ लेकिन अरु यीशु को जी उठन का लिये एक गवाह हइ 1:1-3 यहून्ना की लिखक शैली यहून्ना रचित सुसमाचार जसो लेखन शैली जसो दिखस हइ असो मान्यो जास हइ कि यहून्ना जसो लिख्यो थो यहून्ना अरु चिट्ठी 1 यहून्ना 2 यहून्ना का अरु 3 यहून्ना जबकी इफिस में रहेस हुये तीन चिट्ठी हइ

यहून्ना एक टेम में सभी मसीह होन खे या चिट्ठी लिखी थी जब चर्च दुन्याहोन को समेत से परेशानी हइ न्हि थी बुलायो ज्ञान मान आला ये दुन्या खे मानतो थो कि यीशु पूरी रीति से भगवान थो लेकिन उ वास्तव में मास अरु खुन को एक आंग का सात एक इन्सान नी थो, जबकी धरती पर यो करण का लिये यहून्ना यीशु का जिवन का लिये एक गवाह मान्यो जास हइ अरु उ अपना ही हात यीशु 1:1-3 खे छिन का बारे में लिखस हइ अपनी खुशी पुरो करण का लिये पाप से विश्वासीहोन रक्षा करण का लिये कयों गयो थो, अरु विश्वासीहोन कि वे बची न्हिया हइ विश्वास दिलायु हइ 5:13.

रूप रेखा

1. यहून्ना अपनी चिट्ठी कि पैछान देस हइ अरु येखे लिखन को एक उद्देश्य बतास हइ 1:1-4
2. फिर उ बतास हइ कि कसो परमेश्वर को उजालो हइ अरु हमखे यीशु का जसो जीवन जीनो चास 1:5—3:10
3. येका बाद उ हमखे एक दूसरा से प्रेम करण का आज्ञा कि याद दिलास हइ 3:11—5:12
4. उ अपनी चिट्ठी में खतम करस हइ 5:13-21

???? ? ? ? ?

1 उ जिवन को वचन का बारे में हम लिखस हइ जो पड़इले से थो, जेखे हम ने सुन्यो अरु जेखे अपना आख से देख्यो, जेखे हम ने ध्यान से देख्यो अरु हात से छियो✧.

2 यो जिवन प्रगट हुयो अरु हम ने ओका देख्यो अरु ओकी गवइ देस हइ अरु तुमखे अनन्त जिवन को समाचार देस हइ जो बाप का साथ थो अरु हम पर प्रगट हुयो✧.

3 जो कुछ हम ने देख्यो अरु सुन्यो हइ ओको समाचार तुम खे भी देस हइ येका लिये कि तुम भी हमारा साथ हिस्सेदार हो अरु हमारो यो मीलन बाप का साथ अरु ओको बेटो यीशु मसीह का साथ हइ.

4 अरु या बातहोन हम येका लिये लिखस हइ कि हमारो आनंद पुरो हइ जाये.

???????? ? ? ? ? ? ?

5 जो समाचार हमने ओकासे सुन्यो अरु तुमखे सुनास हइ उ यो हइ कि परमेश्वर उजालो हइ अरु ओमे कुछ भी अन्धारो नी.

6 अगर हम बोल्ये कि ओका साथ हमारो हिस्सेदार हइ अरु फिर अंधारा में चलीये ते हम झुटा हइ अरु सच्ची पर नी चलीये.

7 पर अगर जसो उ ज्योति में हइ असो हम भी ज्योति में चलिये ते हम एक दुसरा का साथ हिस्सेदार रखस हइ अरु ओको बेटो यीशु मसीह को खुन हम खे सब पाप से अच्छो करस हइ.



8 अगर हम बोल्ये कि हमारा मे पाप नी हइ ते हम अपना आप खे धोको देस हइ अरु हमारा मे सच्चाइ नी हइ.

9 अगर हम अपना पापहोन खे मानी ले ते उ हमारा पापहोन खे माफ करस अरु हम खे सब अधर्म से अच्छो करणा मे विश्वास योग्य अरु न्यायी हइ.

10 अगर हम बोल्ये कि हम ने पाप नी करीयो ते ओखे झुटो ठैरास हइ, अरु ओको वचन हम मे नी हइ.

## 2

????? ?????? ??????

1 हे मरा बच्चाहोन मी या बातहोन तुमखे येका लिये लिखुस हइ कि तुम पाप नी करणु. अरु अगर कोय पाप कर्ये ते बाप का पास हमारो एक मदतगार हइ अगर धर्मी यीशु मसीह

2 अरु हमारो पापहोन का बदला उ मर्यो हइ, अरु फक्त हमारो ही नी क्युकी पुरा संसार को पाप को भी.

3 अगर हम ओकी आज्ञा खे मान्ये ते येमे हम जानी लिये कि हम ओखे जानी गो हइ.

4 जो कोय यो बोलस हइ मी ओखे जानी गो हइ अरु ओकि आज्ञा खे नी माने उ झुटो हइ अरु ओमे सच्ची नी आय.

5 पर जो कोय ओका वचन पर चलस ओमे सच मेच परमेश्वर को प्रेम सिध्द हुयो हइ येमे से हम जानस हइ कि हम ओमे एक हइ.

6 जो कोय यो बोलस हइ कि मी ओमे बन्यो न्हियु हइ ओको होनु कि तुम भी ओसो ही चल्थे जसो यीशु मसीह चलतो थो.

?? ?????

7 हे मरा मसीह भैइ मी तुम खे कोय नवि आज्ञा नी लिखुस पर उ पुरानी आज्ञा जो पहिले से तुम खे मीली हइ या पुरानी आज्ञा हि वचन हइ जेखे तुम ने सुन्यो हइ.

8 फिर भी मी तुम खे नवि आज्ञा लिखुस हइ अरु यो ओमे अरु तुम मे सत्य ठैरी हइ, क्युकि अन्धर नीकली जास हइ अरु सच्चीइ की ज्योति चमकन लगी हइ.

9 जो कोय यो बोलस हइ कि मी ज्योति मे हइ अरु अपना भैइ से बैर रखस हइ उ अब तक अन्धार मे ही हइ.

10 जो कोय अपना भैइ से प्रेम रखस हइ उ ज्योति मे न्हैस हइ अरु कोय को ठोकर को करण नी बने.

11 पर जो अपना भैइ से बैर रखस हइ उ अन्धार मे हइ अरु अन्धार मे चलस हइ अरु नी जाने कि कितर जास हइ क्युकि अन्धार ने ओकी आखहोन अन्धी करी दी हइ.

12 हे बच्चाहोन मी तुमखे येका लिये लिखुस हइ कि ओका नाम से तुम्हारा पाप माफ हुया हइ.

13 हे पितरो मी तुमखे येका लिये लिखुस हइ कि जो पइले से हइ तुम ओखे जानस हइ. हे जवानहोन मी तुम खे येका लिये लिखुस हइ कि तुम ने उ पापी पर विजय पायो हइ हे जवानहोन मी तुमखे येका लिये लिखुस हइ कि तुम बाप खे जानी गा हइ.

14 हे पितरो मेने तुम खे येका लिये लिखुस हइ कि जो पइले से हइ तुम ओखे जानी गा हइ हे जवानहोन मी तुमखे येका लिये लिखुस हइ कि तुम बलवान हइ, अरु परमेश्वर को वचन तुम मे बन्यो न्हैस हइ अरु तुमने उ पापी पर विजय पायो हइ.

15 तुम नी संसार से अरु नी संसार मे चिजहोन से प्रेम रखस. अगर कोय संसार से प्रेम रखस हइ, ते ओमे बाप को प्रेम नी हइ.

16 क्युकि जो कुछ संसार मे हइ अगर आंग की अभिलाषा अरु जीवि को घमण्ड उ बाप का तरफ से नी पन संसार हि का तरफ से हइ.

17 संसार अरु ओकी अभिलाषाहोन दोय मीटी जास हइ पर जो परमेश्वर की इच्छा पर चलस हइ उ हमेशा जिन्दो न्हिये.

2222-222222

18 हे पोयांहोन, यो आखरी टेम हइ. अरु जसो तुमने सुन्यो हइ कि मसीह को विरोधी आन आलो हइ, ओका जसो अब भी भोत से मसीहा विरोधी उठी खे खडा हुआ हइ येमे हम जानस हइ कि यो आखरी टेम मे हइ.

19 वे नीकल्या ते हमारा मेसे पर हम मे का थो नी. क्युकि अगर वे हमारा मे का था ते हमारा साथ जेता पर नीकल्या येका लिये गया कि यो प्रगट हुयो कि सब हम मे का नी.

20 पन तुम्हारो तो उ पवित्र से अभिषेक हुयो, हइ अरु तुम सब कुछ जानस हइ.

21 मे ने तुम खे येका लिये नी लिख्यो कि तुम सच्चाइ खे नी जानस पर येका लिये कि ओखे जानस हइ का अरु येका लिये कि कोय झूठ, सच्चाइ का तरफ से नी.

22 झूठो कोन हइ? फक्त उ जो यीशु मसीहा नी अरु मसीह को विरोधी उ हइ, जो बाप को अरु बेटा को इनकार करस हइ.

23 जो कोय बेटा को इनकार करस हइ ओका पास बाप भी नी. जो बेटा खे मानी लेस हइ, ओका पास बाप भी हइ.

24 जो संदेश तुम ने पडले से सुन्यो हइ अगर उ तुम मे बन्यो न्हिये ते तुम भी बेटा मे अरु बाप मे बन्या न्हिये.

25 अरु जोकी ओने हम से प्रतीज्ञा करी उ अनन्त जिवन हइ.

26 मे ने या बातहोन तुम खे उनका बारे मे लिखी हइ जो तुमखे भरमास हइ.

27 पन तुम्हारो उ पवित्र आत्मा जो ओका तरफ से कर्यो गयो तुम मे बन्यो जेस हइ. अरु तुम खे येको जरुरत नी. कि कोय तुम खे सिकाये क्युकी जसो उ पवित्र आत्मा जो ओका तरफ से कर्यो गयो तुमखे सब बातहोन सिखातो हइ अरु उ सत्य हइ अरु झूठो नी आय. अरु जसो ओने तुमखे सिखायो हइ ओसो ही तुम ओमे बन्या जेस हइ.

28 अब हे बच्चाहोन ओमे बन्या जेनु कि जब उ प्रगट हुये ते हम खे धीरज हो अरु हम ओका आना पर ओका सामने सरमीन्दा नी हुये.

29 अगर तुम जानस हइ कि उ न्यायी हइ, ते यो भी जानस हइ कि जो कोय सही काम करस हइ उ ओकासे जनम्यो हइ.

### 3

22222222 22 22222 22

1 देख बाप ने हम से कसो प्रेम कर्यो हइ कि हम परमेश्वर कि सन्तान बोल्यो. अरु संसार मे हम भी ओने ओखे भी नी जान्यो

2 हे मरा मसीह भेइ अब हम परमेश्वर की सन्तान हइ, अरु अभी तक यो प्रगट नी हुयो कि हम खे कुछ हुये इत्तो जानस हइ कि जब उ प्रगट हुये ते हम ओका जसा हुये क्युकि ओका ओसो ही देख्यो जसो उ हइ.

3 अरु जो कोय ओका पर आस रखस हइ, उ अपना आप खे ओसो हि पवित्र करस हइ जसो उ पवित्र हइ.

4 जो कोय पाप करस हइ उ व्यवस्था को बुरो करस हइ. अरु पाप ते व्यवस्था को बुरो हइ.

5 तुम जानस हइ कि उ एका लिये प्रगट हुयो कि पाप खे हराये ओका प्रभाव मे पाप नी आय.

6 जो कोय ओमे बन्या जेस हइ उ पाप नी कन्हे. जो कोय पाप करस हइ, ओने ते ओखे देख्यो हइ अरु न ओखे जान्यो हइ,

7 हे बच्चाहोन कोय का भरम मे नी आनू जो दुन्या सही काम करस हइ उ ओका सामने न्यायी हइ.

8 जो कोय पाप करस हइ उ सैतान का तरफ से हइ क्युकि सैतान पहिले हि से पाप करतो आयो हइ परमेश्वर को बेटो एका लिये प्रगट हुयो कि सैतान काम होन खे नाश करस.

9 जो कोय परमेश्वर से जन्मे हइ उ पाप नी कऽहे क्युकि ओको बीज ओमे बन्यो न्हैस हइ अरु उ पाप करी ही नी सखे क्युकि परमेश्वर से जनम्यो हइ.

10 येका से ही परमेश्वर की सन्तान अरु सैतान की सन्तान जानो जास हइ. जो कोय धर्म को काम नी कऽहे उ परमेश्वर से नी अरु उ जो अपना भैइ से प्रेम नी रखे.

~~~~~

11 क्युकि जो समाचार तो ने पहिले से सुन्यो उ यो हइ कि हम एक दुसरा से प्रेम रख.

12 अरु केन का जसो नी बन्नु जो उ पापी से थो अरु जेने अपना भैइ को खुन कर्यो अरु ओका कोनता कारण से यो करण कि ओका मे बुरा था, अरु ओका भैइ को काम सही थो.

13 हे भैइहोन अरु भैइनहोन अगर संसार तुम से बैर करस हइ ते अचम्भ नी करणु

14 हम जानस हइ कि हम मरन से पार हुय खे जिवन मे पोच्या हइ. क्युकि हम अपना भैइ से प्रेम रखस हइ जो प्रेम नी रखस उ मरन कि दशा मे न्हैस हइ.

15 जो कोय अपना भैइ भैइन से बैर रखस हइ उ हत्यारो हइ. अरु तुम जानस हइ कि कोय हत्यारो मे अनन्त जिवन नी न्है.

16 हम ने प्रेम येमे ही जान्यो कि ओने हमारा लिये अपनो जान दि दियो हइ. अरु हम खे भी अपना भैइ भैइन का लिये जान देन खे हुनु.

17 पर जो कोय का पास संसार कि दीलत हइ अरु अपना भैइ खे कन्नाल देखी, ओका पर तरस नी खाये, ते ओमे परमेश्वर को प्रेम कसो बन्यो न्है सकस हइ.

18 हे बच्चाहोन हम वचन अरु जीभ से ही नी पर काम अरु सच्ची का वजेसे भी प्रेम कर्ये.

~~~~~

19 येमे से हम जान्ये कि हम सच्ची का हइ. अरु जो बात मे हमारो विवेक हम खे दोष दिये ओका बारे मे हम ओका सामने अपना अपना मन खे हिम्मत दि सकीये.

20 क्युकि परमेश्वर हमारा मन से बडो हइ अरु सब कुछ जानस हइ.

21 हे मरा मसीह भैइ अगर हमारा मन मे दोष नी दे ते हमखे परमेश्वर का सामने हिम्मत होस हइ.

22 अरु जो कुछ हम मानस हइ उ हम खे ओका से मीलस हइ, क्युकि हम खे ओकि आज्ञा खे मानस हइ अरु जे ओखे भास हइ उ करस हइ.

23 ओकी आज्ञा या हइ कि ओको बेटो यीशु मसीहा का नाम पर विश्वास करस अरु जसो मसीह ने हम खे आज्ञा दी हइ ओका जसो आपस मे प्रेम रखस.

24 जो ओकी आज्ञा खे मानस हइ, उ ओमे एक बन्यो न्हैस हइ अरु येमे से मनजे उ आत्मा से जो ओने हम खे दियो हइ हम जानस हइ कि उ हम मे बन्यो हँस हइ.

## 4

~~~~~

1 हे प्रियो हर एक आत्मा पर विश्वास नी करणु क्युकी आत्माहोन खे समज्हे कि वे परमेश्वर का तरफ से हइ कि नी. क्युकि भोत सा झुठा भविष्यव्यक्ताहोन पर जय मील्हे करी लियो हइ.

2 परमेश्वर को आत्मा तुम या रीति से पहचानी सकस हइ. जो आत्मा मानी लेस हइ कि यीशु मसीह शरीर मे हुइखे आयो हइ उ परमेश्वर का तरफ से हइ.

3 अरु जो आत्मा यीशु मसीह खे नी माने उ परमेश्वर का तरफ से नी. अरु उ ते मसीह की विरोधी की आत्मा हइ जेकी चर्चा तुम सुन्या चुक्या हइ उ आन आलो हइ अरु अभी संसार मे हइ

4 हे बच्चाहोन तुम परमेश्वर का हइ, अरु तुम ने ओका पर जय पायो हइ. क्युकि जो तुम मे हइ उ ओकासे जो संसार मे हइ, बडो हइ.

5 वे संसार का हइ, येका कारण वे संसार की बात बोलस हइ, अरु संसार उनकी सुनस हइ

6 हम परमेश्वर का हइ जे परमेश्वर खे जानस हइ उ हमारी हइ. जो परमेश्वर खे नी जाने उ हमारी नी सुने यो प्रकार हम सच्ची की आत्मा अरु भ्रम की आत्मा खे पहचानी लेस हइ.

???????? ???? ??

7 हे मरा मसीह भैइ हम खे आपस मे प्रेम रखनु. क्युकि प्रेम परमेश्वर से हइ. जो कोय प्रेम करस हइ. उ परमेश्वर से जन्मे हइ अरु परमेश्वर खे जानस हइ.

8 जो प्रेम नी रखे उ परमेश्वर खे नी जाने क्युकि परमेश्वर प्रेम हइ.

9 जो प्रेम परमेश्वर हम से रखस हइ उ येका से प्रगट हुयो कि परमेश्वर ने अपनो एकलो तो बेटा खे संसार मे भेज्यो हइ कि हम ओका वजेसे जिवन पाये.

10 प्रेम ये मे नी कि हम ने परमेश्वर से प्रेम कर्यो, पर येमे हइ कि ओने हमसे प्रेम कर्यो अरु हमारो पापहोन को प्रायश्चित्त का लिये अपनो बेटा खे भेज्यो.

11 हे मरा मसीह भैइ जब परमेश्वर ने हम से असो प्रेम कर्यो ते हम खे भी आपस मे प्रेम रखन खे होनु.

12 परमेश्वर खे कभी कोय ने नी देख्यो अगर हम आपस मे प्रेम रख्ये ते परमेश्वर हम मे बन्यो न्हैस हइ, अरु ओको प्रेम हम मे पुरो हइ गो हइ.

13 येमे से हम जानस हइ कि हम ओमे बन्या हइ, अरु उ हम मे. क्युकि ओने अपनी आत्मा दि हइ.

14 हमने देखी भी लियो अरु गवइ देस हइ कि बाप ने बेटा खे संसार को उद्धारकर्ता करीखे भेज्यो हइ.

15 जो कोय यो मानी लेस हइ कि यीशु मसीह परमेश्वर को बेटो हइ परमेश्वर ओमे बन्यो हँस हइ अरु उ परमेश्वर मे.

16 जो प्रेम परमेश्वर हम से रखस हइ ओखे हम जानी गा अरु हम खे ओको विश्वास हइ. परमेश्वर प्रेम हइ,

अरु जे प्रेम मे बन्या हँस हइ उ परमेश्वर मे बन्यो हँस, अरु परमेश्वर ओमे बन्यो हँस हइ.

17 येमे से प्रेम हमारा मे पुरो हुयो कि हमखे न्याय खे दिन हिम्मत हुये. क्युकि जसो उ हइ ओसो ही संसार मे हम भी हइ.

18 प्रेम मे डर नी न्है अगर सिध्द प्रेम को डर दुर करी देस हइ. क्युकि डर को सम्बन्ध दण्ड से होस हइ, अरु जो डर करस हइ उ प्रेम, मे पुरो नी हुयो

19 हम येका लिये प्रेम करस हइ, कि पडले ओने हम से प्रेम कर्यो.

20 अगर कोय बोल्ये कि मी परमेश्वर से प्रेम रखस हइ अरु अपना भैइ से बैर रखस ते उ झुठो हइ. क्युकि जो अपना भैइ से जेखे ओखे देख्यो हइ प्रेम नी रख्ये ते उ परमेश्वर से भी जेखे ओने नी देख्यो प्रेम नी रखी सक्हे.

21 ओकासे हमखे या आज्ञा मीली हइ, कि जो कोय परमेश्वर से प्रेम रखस हइ उ अपना भैइ अरु भैइन से भी प्रेम रख्ये.

5

??? ? ? ? ? ?

1 जेको यो विश्वास हइ कि यीशु हि मसीह हइ, उ परमेश्वर से पडदा हुयो हइ. अरु जो कोय पडदा करण आला से प्रेम रखस हइ उ ओकासे भी प्रेम रखस हइ जो ओकासे पडदा हुया हइ.

2 जब हम परमेश्वर से प्रेम रखस हइ अरु ओकी आज्ञा खे मानस हइ, ते येका से हम जानस हइ कि हम परमेश्वर की सन्तानहोन से प्रेम रखस हइ.

3 क्युकि परमेश्वर का बच्चाहोन प्रेम रखनो यो हइ कि हम ओकि आज्ञा खे मानस अरु ओकि आज्ञाहोन कठिन नी.

4 क्युकि जो कुछ परमेश्वर से पडदा हुया हइ उ संसार पर जय मील्ले करस हइ. अरु उ विजय जेका से संसार पर जय मील्लो होस हइ हमारो विश्वास हइ.

5 संसार पर जय पान आलो कोन हइ? फक्त उ जेको यो विश्वास हइ कि यीशु मसीह परमेश्वर को बेटो हइ,

॥॥॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

6 यो हइ उ जो पानी अरु खुन का वजेसे आयो थो अगर यीशु मसीह उ फक्त पानी का वजेसे वरण पानी अरु खुन दोय अरु वा आत्मा का वजेसे आयो थो.

7 अरु जो गवइ देस हइ, उ आत्मा हइ. क्युकि आत्मा सच्ची हइ.

8 गवइ देन आला तीन हइ आत्मा अरु पानी, खुन. अरु तीनी एक ही बात से सेह मत हइ.

9 जब हम इन्सान की गवइ मानी लेस हइ, ते परमेश्वर की गवइ ओकासे बडीखे हइ. अरु परमेश्वर की गवइ या हइ कि अपना बेटा का बारे मे गवाही दी हइ.

10 जो परमेश्वर का बेटा पर भरोसो करस हइ उ अपना ही मे गवइ रखस हइ जेने परमेश्वर पर भरोसो नी कर्यो ओने ओखे झुठो ठहरायो, क्युकि ओने वा गवइ पर विश्वास नी कर्यो जे परमेश्वर ने अपना बेटा का बारे मे दि हइ.

11 अरु वा गवइ या हइ कि परमेश्वर ने हम खे अनन्त जिवन दियो हइ, अरु यो जिवन ओका बेटा मे हइ.

12 जेका पास बेटो हइ, ओका पास जिवन हइ अरु जेका पास परमेश्वर को बेटो नी, ओका पास जिवन भी नी.

॥॥॥॥ ॥॥॥॥

13 मे ने तुमखे जो परमेश्वर का बेटा का नाम पर विश्वास करस हइ येका लिये लिख्यो हइ कि तुम जाननु कि अनन्त जिवन तुम्हारो हइ.

14 अरु हमखे ओका सामने जो हिम्मत होस हइ वा या हइ. कि अगर हम ओकी इच्छा का जसो कुछ मागस हइ ते उ हमारी सुनस हइ.

15 जब हम जानस हइ कि जो कुछ हम मागस हइ उ हमारी सुनस हइ ते यो भी जानस हइ कि जो कुछ हम ओकासे मागस उ पायो हइ.

16 अगर कोय अपना भैइ भैइन खे असो पाप करता देख्ये जेको फल मरण नी हुये ते बिनती करणु अरु परमेश्वर ओखे उनका लिये जेने असो पाप कर्यो हइ जेको फल मरणो नी हुये जिवन दिये. पाप असो भी होस हइ जेको फल मरण हइ. ओका बारे मे मी प्रार्थना करण का लिये नी बोलु.

17 सब प्रकार को अधर्म तो पाप हइ, पण असो पाप भी हइ जेको फल मरण नी.

18 हम जानस हइ कि जो कोय परमेश्वर से पइदा हुयो हइ उ पाप नी कन्हे. पर जो परमेश्वर से पइदा हुयो, ओखे उ बच्य रखस हइ अरु उ दुष्ट ओखे छि नी पाये.

19 हम जानस हइ कि हम परमेश्वर से हइ अरु पुरो संसार सैतान का कब्जामे पडचो हइ.

20 हम यो भी जानस हइ कि परमेश्वर को बेटो अय गो हइ अरु ओने हमखे समझ दि हइ कि हम ओकी सच्चाइ खे पइछान्ये. अरु हम ओमे जो सच्ची हइ अगर ओको बेटो यीशु मसीह मे हँस हइ सच्चो परमेश्वर अरु अनन्त जिवन यो हइ.

21 हे बच्चाहोन अपना आप खे मूर्ती से बचय रखनु.

2 यहून्ना की चिट्ठी

2 यहून्ना की चिट्ठी

पैछान

1 यहून्ना की दूसरी चिट्ठी मसीह का जन्म का बाद 50 अरु 100 साल का बीच प्रेरित यहून्ना ने लिखी थी. यहून्ना खुद की लेखक का रूप में पड़छान नी हइ येका बजाय उ खुद को बडो बोलस. यहून्ना कि सामग्री जसो दिखस हइ. यो विशेष रूप में तरह से उ यीशु का आदेश पर जोर देस हइ स्पष्ट हइ एक दूसरा से प्रेम हइ जो तरह अपना आदेश नीमलिखित 1:5-6 यहून्ना 15:9-10 का साथ प्रेम यीशु समानता में असो मान्यो जास हइ कि यहून्ना का जसो सुसमाचार लिख्यो थो यहून्ना अरु तीन चिट्ठी 1 यहून्ना 2 यहून्ना 3 यहून्ना जबकी इफिसुस में रहेस हइ.

यहून्ना ने या चिट्ठी, “चुनी हुइ श्री अरु ओका बच्चाहोन.” को संबोधित कर्यो. उ संभावता एक चर्च से जिज्ञास कर्यो गया थो. या चिट्ठी का लिखना में यहून्ना को उद्देश्य चर्च से प्रोत्साहित करणो अरु उनसे झूठा मास्टर की चेतावनी देनो थो. रुपरेखा यहून्ना यो बोलस हइ कि येका लिये हइ अरु ओखे मील्हे कर्ताहोन
रूप रेखा

1. यहून्ना ने चिट्ठी कि पैछान यो बोलिखे दियो कि येका लिये हइ अरु येखे मील्हे कर्ता से अभिवादन करस 1:1-3
2. फिर वा चर्च से प्रोत्साहित करस हइ अरु उनसे सबसे बडी आज्ञा कि याद दिलास हइ 1:4-6
3. येका बाद उ वे झूठा शिक्षकहोन का बारे में चेतावनी देस हइ 1:7-11
4. यहून्ना जो चर्च में हइ वहा का विश्वासिहोन से शुभकामना दिखे अपनी चिट्ठी खतम करस हइ 1:12-13

1 मेखे बुजरुक का तरफ से वा चुनी हुइ बय अरु ओका बच्चाहोन को नाम जेका से मी सच्ची प्रेम रखुस,

अरु फक्त मी नी क्युकी वे सब भी प्रेम रखस हइ जो सच्चीखे जानस हइ.

2 वा सच्ची जो हमारा में स्थिर रहेस हइ अरु हमेशा हमारा साथ रहिये.

3 परमेश्वर बाप अरु बाप को बेटो यीशु मसीह का तरफ से अनुग्रह अरु दया अरु शांती सच्चीचाइ अरु प्रेम सहित हमारा साथ रहिये.

~~~~~

4 मी भोत खुश हुयो कि में ने तरा कुछ बच्चाहोन से वा आज्ञा का जसो हम से बाप का तरफ से मीली थी सच्चीचाइ पर चलता हुये पायो.

5 अब हे प्रिय बय, मी तोखे कोय नइ आज्ञा नी पर उ जो पड़ले से मीली हइ मी तुम से एक दुसरा से प्रेम करण का लिये हमारा पास हइ, लिखुस हइ. अरु तरा से प्रार्थना करुस हइ कि हम एक दुसरा से प्रेम रखुस\*.

6 अरु प्रेम यो हइ कि हम ओकि आज्ञाहोन का जसो चलनु. या वा आज्ञा हइ जो तुमने पड़ले से सुन्यो हइ अरु तुमसे येका पर प्रेम पूर्वक जिवन जीन हुनु.

7 क्युकि भोत सा असो भरमान आला संसार में नीकली आया हइ कि उ यो नी माने कि यीशु मसीह आंग में हुइ से आयो भरमान आलो दुन्या अरु मसीह को विरोधी योही हइ.

8 अपना बारे में चौकन्या रहिये कि जो परिश्रम हमने कर्यो हइ ओकी तुम गवड नी देनु, क्युकी ओको पूरो प्रतीफल पानु.

\* 1:5 यहून्ना 13:34; 15:12; 17

9 जो कोय मसीह कि शिक्षा से आगे बड़ी जास हइ अरु ओमे बन्यो नी न्हे, ओका पास परमेश्वर नी जो कोय ओकि सजा मे स्थिर हैंस हइ ओका पास बाप भी हइ अरु बेटो भी.

10 अगर कोय तुम्हारा पास आह्ये अरु योही सजा नी दे ओखे न ते घर मे आन दे अरु न नमस्कार करणु.

11 क्युकि जो कोय असा झन के अभिवादन करस हइ उ ओका बुरा काम होन मे हिस्सेदार होस हइ.

~~~~~

12 मखे भोत सी बातहोन तुमखे लिखनु हइ पर कागज अरु सइ से लिखनु नी चाहु पर आस हइ कि मी तुम्हारा पास आयु अरु आमने-सामने बातचीत कर्यु जेका से तुम पूरी तरह से खुश हुये.

13 ओका मंडली कि एक चुनी हइ बय का बच्चा का तरफ से तोखे नमस्कार करस हइ.

3 यहून्ना की चिट्ठी

3 यहून्ना की चिट्ठी

पैछान

यहून्ना कि चिट्ठी मसीह को जन्म का बाद ५० अरु १०० साल का बीच प्रेरित यहून्ना ने लिखी थी. यहून्ना खुद का लेखक का रूप में पैछान नी हइ, लेकिन येका बजाय खुद से बडो 1:1 बोलस हइ. उ 2 यहून्ना 1:1 में उ करस हइ. असो मान्यो जास हइ कि यहून्ना का जसो सुसमाचार लिखी थी यहून्ना अरु तीन चिट्ठी 1 यहून्ना, 2 यहून्ना, अरु 3 यहून्ना जबकी इफिसुस में रहेस हइ.

यहून्ना ने गयुस नाम को एक नास्तिक से या चिट्ठी लिखी थी. उ एक दोस्त का रूप में गयुस अरु नीर्दोश ओखे ख्रिस्ती भैइहोन जो देस हइ माध्यम से जन्ना करी न्हा हइ मीजवानी हुये.

रूप रेखा

1. यहून्ना ने अपनी चिट्ठी किताब करी 1:1

2. फिर उ गयुस से प्रोस्ताहित करस हइ अरु ओखे भइहोन से आतिथ्य सत्कार करण को नीर्दोश देस हइ 1:2-8

3. येका बाद उ दो हर इन्सानहोन से दियुत्रिफेस अरु डेमेट्रियस का बारे में बाट करस हइ 1:9-12

4. आखरी में उनने अपनी चिट्ठी खतम करी 1:13-14

1 बुजरुक यहून्ना का तरफ से

प्रिय गयुस का नाम जेका से मी सच्चो प्रेम रखुस हइ*.

2 हे प्रिय दोस्त, काम मरी या प्रार्थना हइ कि जसो तु आत्मीक मन से उन्नती करी रो हइ, ओसो तु सब बातहोन में उन्नती कर अरु भलो अच्छो रहे.

3 क्युकि जब अपना भैइ ने अय, तरी वा सच्चीचाइ कि गवइ दी जेका पर तु सच्ची में चलस हइ ते मी भोत खुश हुयो.

4 मेखे येका से जादा अरु कोय खुश नी कि मी सुनीखे मरा बच्चा सच्चीचाइ का रस्ता पर चलस हइ.

~~~~~

5 हे प्रिय, दोस्तहोन जो तुम विश्वास योग्यता को कार्य जो मसीह भैइहोन का लिये करस हइ, ओमे विश्वास योग्य हुये जब कि वे तुम्हारा लिये बिना समजे हइ.

6 जो प्रेम तुम ने उनका पर दर्शायो हइ उनने मंडली का सामने तरा प्रेम की गवइ दी हइ. उनकी जन्ना का बनाय रखन का लिये कृपया उनकी या प्रकार इनकी मदत करणु जेका से परमेश्वर प्रसन्न हुये.

7 क्युकि वे मसीह की सेवा की जन्ना पर नीकल पड्या हइ तथा गैरयहूदिहोन से कुछ मदत नी ले.

8 येका लिये हम मसीहोन ने असो दुन्या कि मदत करी सक्ये हम भी सच्चाइ का काम में उनका सहकर्मि हुया,

~~~~~

9 या चिट्ठी मंडली का भी लिखी थी पर दियुत्रिफेस जो उनमें मुखीया बननो चाहस हइ हम से ग्रहन नी कर्ये.

* 1:1 प्रेरित 19:29; 16:23; 1 कुरिन्थिहोन 1:14

10 येका लिये जब भी आयु ते ओका काम होन खे जो उ करी रो हइ, याद दिलायु, कि उ हमारा बारे मे बुरी-बुरी बातहोन करस हइ. अरु हमारा बारे मे झुठी बातहोन करस हइ पन येतनो ही ओका लिये काफी नी उ मसीह अपना भैइ खे ग्रहन नी कर्ये जब वे आस हइ अरु उनखे भी रोखस हइ जो स्वीकार करणो चौउस हइ अरु पूरी कोशिश करस हइ कि उनका मंडली से बाहेर नीकाली देस हइ.

11 हे प्रिय दोस्तो, बुराइ का नी पर भलाइ का अनुयायी होनु. जो भलाइ करस हइ, उ परमेश्वर का तरफ से हइ. पर जो बुराइ करस हइ, ओने परमेश्वर खे नी देख्यो.

12 दिमेत्रियुस का बारे मे सब ने क्युकी सच्चाइ ने भी आप ही गवइ दी. अरु हम भी गवइ देस हइ अरु तु जानस हइ कि हमारी गवइ सत्य हइ.

??????????

13 मेखे तोखे भोत कुछ लिखनो थो पर सइ अरु कलम से लिखनो नी चौउ.

14 पर मेखे आस हइ कि तरा से जल्दी मील्यु, तब हम आमने-सामने बातचीत कर्या.

15 तोखे शांती मीलती हिंयेका ह्या, तरा दोस्त तोखे नमस्कार.

वे मरा साथिहोन खे भी नमस्कार बोल देनु

यहूदा की चिट्ठी यहूदा की चिट्ठी पैछान

तीतुस का पैछान तीतुस की किताब पौलुस से चार अक्षरहोन मे से एक हइ कि एक इन्सान का बजाय 1 चर्च को संबोधित कर रहा हइ. तीन चिट्ठी हइ अरु फिलेमोन पौलुस तीतुस से लिखी रहा था, लेकिन उनने ह्या भी लिख्यो थो जसो कि चिट्ठी सार्वजनीक रुप से जोर से पडी जै सकस हइ. हम ह्या मालुम करी सकस हइ क्युकि वे 1 प्रेरित का रुप मे अपनी योग्यता बतास हइ, कुछ हइ कि तीतुस पैयले से जान्यो जास हइ. पौलुस शायद 60 साल का बीच कुछ टेम मसीह को जन्म का

बाद या चिट्ठी लिखी थी. पौलुस तीतुस का लिये चर्चहोन कि क्रेते का द्वीप पर था नेतृत्व हिदायत दी थी. पौलुस ने या चिट्ठी लिखी हइ ताकि चर्चित मुखियाहोन को चयन अरु प्रशिक्षण पर तीतुस निर्देश दियो जै सक्ये. उनने तीमथियुस से अपनी चिट्ठीहोन मे यो तरह से निर्देश दियो थो. उनका चिट्ठी को वर्णन कसा चर्च का मुखियाहोन से एक उच्च स्तर पर आयोजित कर्यो जान होनु. चर्चहोन अरु मंडली मुखियाहोन आज को नेतृत्व मे उनका लिये जरूरी इन्सान का प्रती सावधान ध्यान देन. **रुपरेखा**

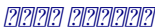
1. झुड सबसे पैयले अपना पाठकहोन से संबोधित करस हइ 1—2
2. येका बाद उ लिखन को अपनो कारण बतास हइ जो उनखे झुटा शिक्षकहोन का खिलाप चेतावनी देस हइ 3—4
3. ओका बाद उ पुराना नीयम मे दुन्याहोन अरु घटनाहोन को उदाहरन देस हइ 5—16
4. फिर उ ओखे बतास हइ कि चेतावनी पर उनकी प्रतिक्रिया को होनु चास 17—23
5. आखरी मे उ इश्वर कि स्तुती करता हुये चिट्ठी से खतम करस हइ 24—25



1 यहूदा का तरफ से जो यीशु मसीह का सेवक अरु याकूब को भेइ हइ

उनखे बुलायो हुया को नाम जे परमेश्वर बाप मे प्रिय अरु यीशु मसीहा का लिये सुरक्षित हइ.✱

2 दया अरु शांती, अरु प्रेम तुमखे भोतायत से मीलहे होस हिये.



3 हे प्रिय दोस्तहोन, जब मी तुमखे वा उध्दार का बारे मे लिखना मे भोत मेहनत से कोशीस करी रो थो जेमे हम सब मीलिल से हइ, ते मेने तुम खे लिखनो अरु प्रोत्साहित करण कि जरूरत मैसुस कर्यो कि तुम उ विश्वास का लिये कोशिश करता हेनु जेखे परमेश्वर ने अपना दुन्याहोन से दियो हइ.

4 क्युकि कत्ता असो इन्सान चुपचाप से हमारा पंचायत मे अय मीलया हइ, वे दुन्याहोन को दण्ड का बारे मे शास्त्रहोन ने भोत पइले से लिख्यो गयो थो. ये दुन्या भक्तिहीन हइ, अरु हमारो परमेश्वर को अनुग्रह से दुन्याहोन ने परमेश्वर का अनैतिक रस्ताहोन को बहानो बनइ डाल्यो हइ, तथा असो हमारो प्रभु यीशु मसीह एकमात्र स्वामी अरु प्रभु ओखे इन्कार करस हइ.

5 पर मंनजे तुम सब बात एक बार जानी गा हइ, तेभी मी तुमखे या बात की याद दिलानु चाउस हइ कि प्रभु ने इस्राएल से मीस्र देस से छुडाना का बाद विश्वास नी लान आला से खतम करी दियो.✱

6 तुम खे यो भी याद दिला नु चाउस हइ जो स्वर्गदूत ने अपनी सत्ता खे बन्य खे नी रखी सक्या पन अपना नीज नीवास खे त्यागी दियो, ओने उनकी भी वा कठिन दिन खे न्याय का लिये अन्धारा मे जो सदाकाल का लिये हइ, बन्धनहोन मे रख्यो हइ.

7 जेका रीति से सदोम अरु गमोरा अरु उनका आस पास का नगर खे जो स्वर्गदूतहोन का जसा व्यभिचारी हुइ गया था अरु अनैतिक बुरा काम का पीछे लगी गया था, अंगार खे अनन्त दण्ड मे पडी खे तुम खे यो भी याद दिला नु चाउस हइ जो दूतहोन ने अपनी सत्ता खे बन्य खे नी रखी सक्ये पन अपना नीजी नीवास खे त्यागी दियो, ओने उनकी भी वा कठिन दिन को न्याय का लिये अन्धारा मे जो सदा काल का लिये हइ, बन्धनहोन मे रख्यो हइ चेतावनी ठैर्यो हइ✧.

8 वा रीति से या स्वप्नदर्शी भी अपना-अपना आंग कि अशुध्द करस, अरु प्रभुता खे तुच्छ जानस हइ, अरु उचो पद आला खे बुरा भला बोलस हइ.

9 पन प्रधान स्वर्गदूत मीखाइल ने जब सैतान से मूसा खे मर्या आंग का बारे मे वाद-विवाद कर्यो, ते ओखे बुरो-भलो बोली खे मीखाइल ने दोष लगाता हुये अपमान जनक बोलन कि हिम्मत नी कर्यो लेकिन बोल्यो, “प्रभु तोखे डाटये✧.”

10 पन ये दुन्या वा बातहोन कि आलोचना करस हइ जिनखे यो समझे हि नी ये दुन्या बुध्दि हीन जनवरहोन का जसा जो बातहोन से सरल रीति से परिचीत हइ ये बातहोन या हइ जेका से उनको नाश होन आलो हइ.

11 उन पर हाय! क्युकि वे कैन की जसी चाल चल्ये अरु मजुरी का लिये बिलाम का जसा भ्रष्ट हुइ गा हइ, अरु कोरह का, जसा विरोध करीखे खतम हुया हइ✧.

12 ये दुन्या तुम्हारे सात प्रीती भोज मे घातक हइ वे लुकी हुइ चट्टन का जसा हइ वे सीफ अपना मेय स्वार्थी, हि चिन्ता करस हइ. वे बिना पानी का बद्दल का जसा हइ, वे पतझड को असो झाड हइ कि जिन पर फल नी आयो वे दोबार मर्या हुया हइ, उनका जड से उखाडि जै चुक्या हइ.

13 उ संमुद्र को भैयानक लाटहोन जसी हइ जो अपना लाज पुरो कार्यहोन खे फेस देखते हैंस हइ, वे भटकता तारा जसी हैंस हइ, जिन का लिये परमेश्वर ने पिडमपिडि का लिये घोर अन्धारो रख्यो हइ.

14 हनोक ने भी जो आदम से सातवीं पीडी मे थो, इन का बारे मे या भविष्यवाणी करी, “देखनु, प्रभु अपना हजारो पवित्र स्वर्गदूतहोन का साथ आयो✧

15 कि सब को न्याय कर्ये, अरु सब की भक्तिहीनहोन खे उनकी अभक्ति का सब काम होन का बारे मे जो उनने भक्तिहीन कन्यो हुइ, कर्यो हइ, अरु उन सब कठोर बातहोन का बारे मे जो भक्तिहीन पापीहोन ने उनका विरोध मे बोल्यो हइ, दोषी ठैहराए,”

16 ये दुन्या चुगल खोर अरु दुसरा पर दोष लगान आला हइ, ये दुन्या अपना मे बुरी लालचहोन पर चलन आला हइ उ अपना बारे मे अहेमर करस हइ, अरु अपना लोभी का लिये दुसरा की चापलुसी करस हइ.

?????? ???? ???? ?

17 पर हे प्रिय दोस्त, तुम वा बातहोन खे याद रखनु जो हमारो प्रभु यीशु मसीह का प्रेरित पइले बोली चुक्या हइ.

18 वे तुम से बोल्यो करता था अन्त का दिनहोन मे असा दुन्या प्रगट हुये जो करण आला हुये वे दुन्या अपनी अभक्ती की बुरी लालसा का जसो चल्ये✧.

19 ये वे हइ जो फुट डालस हइ. वे उनका आंग कि इच्छाहोन खे नीयत्रन मे हइ, जेका पास आत्मा नी हइ.

20 पर हे प्रिय, तुम अपना अति पवित्र विश्वास मे उन्नती करता हुये अरु पवित्र आत्मा मे प्रार्थना करता हुया.

✧ 1:7 उत्पत्ति 19:1-24 ✧ 1:9 दानिएल 10:13,21; 12:1; प्रकाशन 12:7 ✧ 1:11 उत्पत्ति 4:3-8; गिनती 22:1-35

✧ 1:14 उत्पत्ति 5:18-21-24 ✧ 1:18 2 पतरस 3:3

²¹ अपना आप खे परमेश्वर का प्रेम मे बनय खे रखनु. अरु अनन्त जिवन का लिये हमारा प्रभु यीशु मसीह कि दया कि रस्ता देखते हैंनु.

²² उन पर जो शंका मे हइ दया करणु.

²³ अरु भोतझन खे अंगार मे से झपटी खे नीकालनु. अरु भोतझन पर डर का साथ दया करणु, पर उ कुर्ता से भी घृणा करणु जिन पर पाप पुरा मेत को धब्बा लग्या हुया हइ.

???? ?

²⁴ अब ओका प्रती जो तुमखे गीरना से बचैइ सकस हइ, अरु अपनी महिमा मय उपस्तिथी मे नीर्दोष करीखे खडा करी सकस हइ,

²⁵ उ एकमात्र परमेश्वर हमारा उद्धारकर्ता की महिमा अरु गौरव अरु पराक्रम अरु अधिकार खे हमारा प्रभु यीशु मसीह का वजेसे जसो जगत काल से हइ, अब भी हुये अरु पिडमपिडि हिये. आमेन.

यहून्ना को मीला हुयो प्रक्याशित वाक्य यहून्ना खे मील्यो हुयो प्रक्याशित वाक्य

पैछान

प्रकाशितवाक्य की या किताब नवा नीयम कि आखरी किताब हइ. ओसीय वा आखरी मे लिखनामे अय प्रेषित यहून्ना ने यीशु मसीह का जन्म का बाद उ. स. वी 95 का नजीक पास वा लिखनामे अय यहून्ना 1:1 अरु उनने यहून्ना कृत सुसमाचार अरु यहून्ना की पयली, दुसरी अरु तीसरी चिट्ठी लिखि ह्या यहून्ना का दुन्या “यीशु की जेका पर प्रीति होस” हुये करी खे पैछानस हइ यहून्ना 13:23 यीशु मसीह कि खबर का वजेसे पवित्रआत्मा नाम बेटा पर जब शिक्षा भोगतो हुये वाटेम मे ओने या किताब लिखी निर्गमन 1:9

या किताब लिखना का पिच्छे यहून्ना को उद्देश होतो कि मरा पलनआला यीशु, अविश्वासी जेन, लिये प्रोत्साहन द्वारा अरु यीशु खे डबल आनो नजीक जेन का लिये ओका पास आस निर्माण करणू 1:3—22:7 ओने सब विश्वास करण या चिट्ठी लिखन पन खास करीखे वे सात मंडली लिखी जेको उल्लेख अध्याय दो अरु तिन मे मीलस हइ. 2:3 यहून्ना खुद कि लिखावट खे परमेश्वर का तरप से आयो हुयो खबर की भविष्यवानी असी बतास हइ अरु जो बात वा बात कि वर्णन वह अलंकारीक भाषा मे लिखस हइ. या जो किताब हइ या जुन्ना नीयम का कुछ मीलतो जुलतो विशेषता जखर्या 6:1-8 ये आयात से उनका जसा हइ वसो सात तुतारी सात कटोरी ह्या परमेश्वर मिस्र पर लयआली पिडा की जसी हइ, निर्गमन 7:9 प्रकाशितवाक्य आखरी का दिनहोन को वर्णन करते. आखरी यीशु विजय कसो हुये अरु उनको विश्वास रखन आलो उनका सात कसा जिन्दा न्हिये असो वे बोलस हय या किताब होन तुमखे चेतावनी मील्ले अरु यीशु खे फिर से आन का बारे मे तुमखे आस मील्ले रुप रेखा

1. यहून्ना सुवांत मे खुद कि पछान करीखे उनको भविष्य वाणी कसी मील्ले हइ या बतय खे सुरवात करस हइ. 1:1—1:20
2. यीशु, तरप से सात मंडली खे प्रत्येक्ष मील्यो हुयी खबर यहून्ना देस हइ. 1:1—3:22
3. फिर वहा सात सिक्का, को उल्लेख करतो हइ. 4:1—11:19
4. येका लिये यहून्ना एक छोटा बच्चा सात माथा आला साप से कसो लडय करस हइ ह्या बतास हइ. 12:1—14:20
5. येका बाद यहून्ना घुस्सा को कटोरा बाद यहून्ना, बारे मे लिख्यो हइ. 15:1—16:18
6. येका बाद परमेश्वर उनका बदल को दुश्मन पर कसो विजय मीलस हइ या बात हइ 17:1—20:15
7. जो नवो स्वर्ग अरु पृथ्वी आखरी मे आह्ये ओको वर्णन करस हइ 21:1—22:21

पैछान

¹ यीशु मसीह को प्रकाशन जो वोखे परमेश्वर ने येका लिये दियो कि अपनो सेवकहोन खे वे बात खे जेको तुरुत होनु जरुरती हइ दिखाये अरु वोने अपनो स्वर्ग दूतखे भेजीखे वो का वजेसे अपनो दास यहून्ना खे बतायो.

² यहून्ना ने परमेश्वर को वचन अरु यीशु मसीह की गवय खे अगर जो कुछ ओने देख्यो थो ओकी गवइ दी.

³ धन्य हइ वु जो या किताब, खे पडस हइ कि धन्य हइ भविष्यवाणी का वचन खे सुनस हइ कि अरु जो लिखस हइ अरु ओका जसो चलास हइ सुनस हइ क्युकि या सब बात घटित होन को टेम नजीक हइ.

॥॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥॥

4 यहून्ना का तरप से का खे देस का सात मंडलीहोन को नाम उ परमेश्वर का तरप से जो हइ, अरु जो थो अरु जो आनवालो हइ

अरु वे सात आत्माहोन का तरप से जो वोको राजगद्दी का सामने हइ*,

5 अरु यीशु मसीह का तरप से जो विश्वासयोग्य गवाह अरु मन्यो हुया मे से जिन्दो उठनआला मे पयलो अरु जमीन को राजाहोन को अधिकारी हइ, तुमखे अनुग्रह अरु शांती मीलती रहे. जो हमारा से प्यार से रखस हइ, अरु जेने अपना खुन का वजेसे हम पाप से छुड़ायो हइ*,

6 अरु हम एक राज अरु अपना बाप परमेश्वर का लिये याजक भी बनय दियो. यीशु मसीह अरु प्राक्रम पिडमपिडि न्हिये. आमीन*.

7 देख, वु बदल का साथ आनवालो हइ, अरु हर एक आख वोखे देख्ये का क्युकी जिनने वोखे गडचो थो वे भी वोखे देख्ये का अरु जमीन का सब दुन्या वोखे करन छाती ठोक्हे हुये*. आमीन.

8 “प्रभु परमेश्वर,” जो हइ अरु जो थो अरु जो आनवालो हइ, जो सर्व शक्तिमान हइ, ह्या बोल्योस हइ, मी ही पयलो अरु आखरी हय*.

॥॥॥॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥ ॥॥ ॥॥॥॥॥॥

9 मी यहून्ना, को जो तुमारा भैइ अरु बहीन यीशु को बडो दुख अरु राज अरु रुखना मे तुमारा सात हय, परमेश्वर को वचन अरु यीशु की गवय कारन पतमेस नामको टेकडो मे थो.

10 मी प्रभु को दिन आत्मा मे अय गयो, अरु अपना पिछे पिपडी का जसो बडो अवाज यो बोलते सुन्यो,

11 “जो कुछ तु देखस हइ वोखे किताब मे लिखीखे साथ मंडलीहोन का पास भेजी दे, अगर इफिसुस अरु स्मरुना, अरु पिरगमुन, अरु थुआतीरा, अरु सरदीस, अरु फिलदिलफिया, अरु लौदिकिया खे.”

12 तब मे ने वोखे, जो मरासे बोली रो थो, देखन का लिये अपनो मुडो फिरायो अरु पिछे घुमीखे मे ने सोना का साथ दिव्वा को वोडो देख्यो,

13 अरु वे दिव्वा को वोका बिच मे इन्सान को बेटो सदृश एक इन्सान खे देख्यो, जो पाय तक का कपडा पेन्या अरु छाती पर सोन्ना को पट्टो बांधी खे हुयो थो*.

14 वोका माथो अरु बाल उजरा बाल अरु पाला का जसा उजालो थो, अरु वोकी आख अंगार का भडकती अंगार का जसी चमकती थी*.

15 वोको पाय अच्छो पीतल का जसो थो, जो मान भट्टी मे तपायो गयोस हय, अरु वोको बात खुप पाणी का बात का जसो थो*.

16 उ अपना जवना हात मे सात तारा लिये हुयो थो, अरु वोका मुडा से धार दोधारी तलवार नीकालती थी. वोको मेडो भर धुपार मे नीकल्यो हुयो सुरज का जसो चमकतो थो.

17 जब मे ने वोखे देख्यो ते वोको पाय पर मुद का जसो गिरी गयो. वोने मरा पर “अपनो जवनो हात रखी खे बोल्यो, मत डरे. मी पयलो अरु आखरी हय*.

18 मी जिन्दो हय मी मरी गयो थो, अरु आप देख मी हमेशा हमेशा जिनदो हय; अरु मन्यो पर अरु मरन का सब जगत पर मरो अधिकार हइ.

19 येका लिये जो बात तो ने देखी हइ अरु जो बात हुय री हइ अरु जो बात येका बाद होनआली हइ, वे सब खे लिखी ले.

20 अगर वे सात तारा को भेद जेने तो ने मरा जवना हात मे देख्यो थो, अरु वे सात सोन्ना को गुच्छो को भेद: वे सात तारा सात मंडलीहोन का दूत हइ, अरु वे सात दिव्वा को वोडो सात मंडली हइ.

* 1:4 निर्गमन 3:14; प्रकाशन 4:5 * 1:5 भजन संहिता 55:4 * 1:6 निर्गमन 19:6; प्रकाशन 5:10 * 1:7 दानिएल 7:13; मत्ती 24:30; मार्कुस 13:26; लूका 21:27; 1 थिम्सलुनीकियों 4:17 * 1:8 प्रकाशन 22:13; निर्गमन 3:14
* 1:13 दानिएल 7:13; 10:5 * 1:14 दानिएल 7:9 * 1:15 दानिएल 10:6; निर्गमन 1—24 * 1:17 भजन संहिता 44:6—48:12; निर्गमन 22:13

2

~~~~~

1 “इफिसुस कि मंडलीहोन को दूतखे यो लिख्यो:

“जो सात तारा अपना जवना हात मे लिये हुयो हइ,

“अरु सोन्ना की सात दिव्वा का वोडा का बिच मे फिरस हइ, व्हा यो बोलस हइ कि.

2 जो तोने कन्यो, अरु तरो मेहनत खे अरु तरा रखना खे समजस हय. अरु यो भी कि तू बुरा दुन्या खे देख्ये नी सकस, अरु जो अपना आप खे प्रेरित बोलस हइ, अरु नी वोखे तो ने ढुडीखे झुट्टी मील्यो.

3 तू धिर धरस हइ, अरु मरा नाम का लिये दुख उठाते उठाते थक्यो नी.

4 पन मेखे तरा खिलाप यो बोलनो हइ कि तो ने अपनो पैयले जसो प्यार छोडी दियो हइ.

5 येका लिये याद कर कि तू खा से गिर्योस हइ अरु पाप से नी मन फिरायो ते मी तरा नजीक अयखे तरो दिव्वा को वोडा खे ओकी रस्ता से बाजु करी दिह्यु.

6 पन ह्या, तरा मे या बात तो हइ कि तू नीकुलइयों को काम से जलन करस हइ.

7 “जेका कान हुये वे सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलस हइ.

“जो जय मील्हे, मी वोखे वु जिवन को झाड मे से जो परमेश्वर को स्वर्गलोक मे बडन आला मे हइ, फल खान को अधिकार दिह्यु.

~~~~~

8 “स्मरुना कि मंडली को दूत खे यो लिख्यो

“जो पयलो अरु आखरी हइ, जो मरी गयो थो अरु अब जिन्दो हुय गयो हइ, व्हा यो बोलस हइ कि.

9 मी तरा दुख अरु गरीब खे जानुस हय; पन तु लकपती हइ, अरु जो दुन्या अपना आप खे यहूदीया बोलस हइ पन वे हइ नी, अरु तरा बारे मे जो आराधनालय बुरी बात बोलस हइ, वोखे भी समजुस हय अरु वे सैतान का हइ.

10 जो दुख तोखे हि झेलनु हुये वोका से मत डर. देख, सैतान तुम मे से कोय खे जेलखाना मे डालन आला हइ क्युकि तुम पैछानी जाह्यो. अरु तुम दस दिन तक दुख वुठानु पड्ये. जान देना तक विश्वासी न्हेव, ते मी विजय जिवन को मुकुट दिह्यु.

11 “जेका कान हुये वे सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलस हइ.

“जो विजय मील्हे, वो खे दुसरो मरना से तकलीप नी पहुच्चे.

~~~~~

12 “पिरगमुन कि मंडली को दूतखे यो लिख:

“जेका पास दोधार अरु धार तलवार हइ, व्हा यो बोलस हइ कि

13 मी यो जानुस हय कि तू व्हा न्हेतो हइ जहा सैतान को राजगद्दी हइ. तू मरा साथ सच्चो हइ, अरु मरा नाम पर विश्वास करणा से वे दिन मे भी पिच्छे नी हुयो जेमे मरो विश्वासयोग्य गवाह अन्तिपास, तुमारा बिच वा जगा पर घात कन्यो गयो जहा सैतान न्हेस हइ.

14 पन मेखे तरा विरुध्द कुछ बात बोलनो हइ, क्युकि तरा ह्या कुछ असो हइ, जो बिलाम कि पडय खे मानस हइ, जेने बच्चा खे इस्त्राएलहोन का आगे ठोकर को कारन रखनो सीखायो कि वे मूर्तिहोन पर चढायो गय चिज खै अरु व्यभीचार कर.

15 वसो य तरा ह्या कुछ असो हइ जो नीकुलइयों कि पडय खे मानस हइ.

16 आखरी मे पाप से मन फिरय, नी ते मी तरा पास झल्दी अयखे अपना मुडा कि तलवार से वुन का सात झगड्यु.

17 “जेका नी हुये वे सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलनो हइ. जो विजय मील्हे, वोखे

“मी चुपचाप मन्ना मे से दिह्यु, अरु वोखे एक उजरो फतर भी दिह्यु. अरु वु मेसे हे एक फतर पर एक नाम लिख्यो हुयो हुये खे जेखे वोखे मीलनवाला का सिवाय अरु कोय नी जान्हे.

~~~~~

18 “धुआतीरा की मंडली को दूतखे लिख्यो

“परमेश्वर को बेटो जेको आख अंगार का जसो हइ, व्हा यो बोल्योस हइ कि

19 मी तरा काम, तरा प्यार अरु विश्वास अरु सेवा अरु धिरज, खे जानुस हय अरु यो भी कि तरा जुना काम पैयले से बडीखे हइ.

20 पन मेखे तरा विरुध्द यो बोल्योस हइ कि तू वा बय इजेबेल नाम कि वा बय खे सय न्हेस हइ जो अपना आप खे परमेश्वर की खबर बतानालो भी बोलती हइ, अरु मरा शिक्षा को सेवक खे बुरोसंबध करणो अरु मुर्तिहोन खे सामे चड अगर गयो जिनुस खानु व्दरा मरी सेवा खे गलत गवय करस हइ.

21 मे ने वोको पाप से मन फिरान का लिये मौको दियो, पन वु अपना व्यभिचार से मन फिरनो नी चाह्ये.

22 अरु मी वोखे दुख पर डालुस हय. अरु जो वोका सात व्यभिचार करस हइ अगर वे भी वोका काम से मन नी फिराह्ये.

23 मी वुनखे अनुयायी खे मारी डाह्यु. तब सब मंडलीहोन समजी लीह्ये कि दिल अरु मन खे पैछाननवालो मीय्य हय, तरा से हर एक को वोका काम जसो बदलो दिह्यु.

24 “पन तुम धुआतीरा का बाकी दुन्या से जेतनी या पडय खे नी माने अरु वे बात खे जेखे सैतान की गयरी बात बोलस हइ नी जाने, यो बोलस हय कि तुम पर अरु बोझो नी डाह्यु.

25 पन ह्या, जो तुम्हारा पास हइ वो खे मरा आना तक रुखी खे रखनु.

26 जो विजय मील्ले अरु मरा काम का जसो आखरी तक करते न्हेस कि मी ओखे व्हय अधिकार दिह्यु जो मरा बाप से लियो थो.

27 मी उन खे राष्ट्र पर अधिकार व्हा लोखड को राजदण्ड लिये हुयो वोका पर लकडी कन्हे का जो रंग कुम्हार को मट्टि को बर्तन खे चकना चूर करी दे.

28 अरु मी बाप वोखे फजर को तारा भी दिह्यु.

29 “जेका कान हुये वे सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलस हइ.

3

~~~~~

1 “सरदीस की मंडलीहोन को दूत खे यो लिख्यो

“जेका पास परमेश्वर का सात आत्माहोन अरु सात तारा हइ, व्हा यो बोलस हइ कि मी तरा काम खे जानुस हय दुन्या, बोलनो हइ कि तु जिन्दो हय पन व्यवस्था मे मन्यो हुयो हइ.

2 येका लिये उठी जा, अरु ओखे सद्द कर कि कुछ बाकि हइ अरु जो मीटकान खे हइ, वुनखे मजबुत खे क्युकी मे ने तरा कोय काम खे अपनो परमेश्वर का नजर से पुरो नी मील्यो.

3 येका वासते याद कर कि तोने कोय पडय अपनय करी अरु सुनी थी, अरु वोमे बन्यो न्हे अरु मन फिरा. अगर तू हुशार नी न्हेन को ते मी चोर का जसो अचानक अय जाह्यु, अरु तू कभी भी नी जानी सक्हे कि मी कोय टेम्म तरा पास आस.

4 पन ह्या का सरदीस मे तरा ह्या कुछ असा दुन्या हइ जिनने अपना अपना कपडा अच्छा रख्ये वे उजरा कपडा पेन्या हुया मरा सात घुम्हे, क्युकि वे यो योग्य हइ.

5 जो जय मील्ले वोखे यो रंगेरंग उजरा कपडा पेन्याया जाह्ये का अरु मी वोको नाम जिवन की किताब मे से कोय रीत से नी काट्यु. पन वोको नाम अपनो बाप अरु वोको स्वर्गदूतहोन का सामे मानी लिह्यु.

6 “जेका नी हुये वु सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलस हइ.



०००००००००० ०० ०००

7 “फिलदिलफिया की मंडली का दूतखे यो लिख्यो

“जो पवित्र अरु सच्चो हइ, जो दाउद की चावी रखस हइ, जेखे खोल्या आला खे कोय बन्द नी करी सकस अरु बन्द कय्य हुयो खे कोय खोली नी सकस का व्हा यो बोलस हइ की

8 मी तरा काम खे जानुस हय. देख, मे ने तरा सामने एक दरवाजो खोली खे रख्योस हइ, जेखे कोय बंद नी करी सकस तरी सामर्थ्य जरा सी अरु ह्या समजी ले कि मे ने तरा पाय पर गिरीखे अरु यो वचन को पालन कय्योस हइ अरु मरो नाम खे मना नी कय्यो.

9 देख मी सैतान वे आराधनालय खे तरा कुल मे करी दिह्यु जो यहूदीया बनी बठ्योस हइ पर नी क्युकि झुट्टी बोलस हइ देख, मी असो कन्हु कि वे अयखे तरा पाय पर गीरीखे कि अरु यो जानी लिह्ये कि मे ने तरा पाय पर गिरीखे अरु यो समजी ले एक दुसरा से प्यार रख्युस हइ.

10 क्युकि तो ने मरा थामन को वचन खे रोख्यो हइ, येका वासते मी भी तोखे पेपर का वा टेम बच्यो हिये जो जमीन पर ज्हेनवाला खे पैछानन का वासते सब जगत पर आनवालो हइ.

11 मी झल्दी ही आनवालो हय. जो कुछ तरा पास हइ वोखे रोखी खे जे कि कोय तरो मुकुट नी छुडय ले.

12 जो विजय हुये वोखे मी अपना परमेश्वर कि आराधनालय मे एक खबो बनाह्यु, अरु व्हा फिर या आराधनालय से बाहेर नी निकाले. अरु मी अपनो परमेश्वर को नाम अरु अपनो परमेश्वर को शहर को नाम नवो येरुशलेम खे लिख्यु जो मरो परमेश्वर का पास से उन पर मी अपनो नवो नाम लिख्यु.

13 “जेक न हुये वे सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलस हइ.

०००००००० ०० ०००

14 “लौदिकिया की मंडली को दूतखे यो लिख:

“जो आमीन अरु विश्वासलायाक अरु सच्चो गवाह हइ, अरु परमेश्वर कि सुष्टि को मेन करण हइ, व्हा यो बोलस हइ कि

15 मी तरा काम खे जानुस हय कि तू नी ते ठंडो हइ अरु नी गरम अच्छो होतो कि तू ठंडो या गरम होतो.

16 येका वासते कि तू कुनकुनो हइ अरु नी ठंडो नी गरम, मी तोखे अपना मुडा मे ओगलना पर हय.

17 तु बोलस हइ कि मी लकपती हय अरु लखपती हुय गयोस हय अरु मेखे कोय जिनुस की कमी नी. अरु यो नी जाने कि तू अभागो अरु बुरो अरु कंगाल अरु अंधो अरु बिना कपडा को हइ.

18 येका वासते मी तोखे सलो देस हय कि अंगार मे तप्यो हुयो सोन्नो मरा से मोल ले कि तु लकपती हुय जाह्येका अरु उजरो कपडा ली ले कि पेनीखे तोखे अपना नंगापना कि लाज नी हुये खे अरु अपनी आख मे लगान, लिये सुर्वो ले कि तू देखन लग्यो.

19 मी जेखे जेका से प्यार करुस हय, वे सब खे उल्लास अरु दुख देस हय. येका लिये सरद गरम हुये अरु पाप से मन फिराव.

20 देख मी डट्टा पर खडो हुयो खटखटास हय. अगर कोय मरो अवाज सुनीखे दरवाजो खोलहे का ते मी वोका पास अंदर अयखे वोका सात खानो खाह्यु अरु उ मरा सात.

21 जो विजय मील्हे मी वोखे अपना सात अपनी राजगद्दी पर बठ्यु, जसो मी भी विजय मीलीखे अपना बाप का सात वोखे राजगद्दी पर बठी गयो.

22 “जे कान हुये वे सुनी ले कि आत्मा मंडलीहोन से का बोलस हइ.”

०००००० ०० ००००००००

1 या बात का बाद जो मे ने नजर की तु का देखस ह्य कि स्वर्ग मे एक दरवाजो खुल्लो हुयो हइ अरु जेखे मे ने पयली पिपडी की बात से अपना सात बात करते सुन्यो थो का उ बोलस हइ, ह्वा उपर अय जा. अरु मी वा बात तोखे दिखाह्यु जेखे या बातहोन का बाद पुरो होनू जरूरी हइ.

2 फिर मी तुरुत आत्मा ने मरापर नीयत्रण कय्यो. मे ने देख्यो की मरा सामने स्वर्ग मे राजगद्दी अरु ओका पर कोय बठ्यो नी थो.

3 जो वोखे बठ्यो पर व्हा यशब अरु माणिक्य का फत्तर का जसो दिखयो देस हइ, अरु वु राजगद्दी का चारी तरप मरकत जसो एक मेघ धणुष दिखय देस हइ.

4 वा राजगद्दी मे से बिजली कि चमक अरु बद्ल को गरझनो नीकली रोथो अरु या राजगद्दी पर चौबीस बापदादा दुन्या उजरो कपडा पेनीखे हुयो बठ्योस था का अरु वोका माथा पर सोना को मुकुट थो.

5 वा राजगद्दी मे से बिजलीहोन अरु गरझनो नीकलस री थी अरु राजगद्दी का सामने अंगार का सात दिव्वो जली रोस थो वे परमेश्वर की सात आत्माहोन हइ.

6 अरु भी राजगद्दी का सामने मान पारदर्शी काच का स्फटिक सागर जसो फैल्यो थो का राजगद्दी मे का ठिक सामने अरु ओका उनका दो अरु चार जनवर था, उनका आगे पिच्छे, आख ही आख थी.

7 पयलो जनवर सेर का जसो थो, अरु दुसरो जनवर बैल का जसो हइ, तिसरो जनवर को मेडो का जसो हइ, अरु चौथो जनवर तिन हुयो घुब्बड का जसो थो.

8 चार जनवर का छे पंग. अरु चार तरफ अरु अन्दर आख था अरु वे रात दिन बिना अराम करीखे यो करते न्हैस हइ.

“पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेश्वर सबसेशक्तिमान का जो थो अरु जो हइ अरु जो आनवालो हइ.”

9 जब वे जनवर वोकी जो राजगद्दी पर बठ्योस हइ, अरु जो हमेशा हमेशा जिन्दो हइ, महिमा अरु सम्मान अरु आशीर्वाद करी न्ही था.

10 वे चौबीसो बापदादा दुन्या राजगद्दी पर बठनवाला खे साम्हे गिरी पडे ह्ये का अरु वोको जो हमेशा हमेशा जिन्दो हइ सबुत करख्ये. अरु वे अपना मुकुट डाल देस हइ अरु बोलस हइ,

11 “हे हमारो प्रभु अरु परमेश्वर खे तु ही महिमा अरु आदर अरु सामर्थ्य मीलन का योग्य हइ. क्युकि तोने य सब चिजहोन बनय अरु वे तरी य इच्छा से वे अस्तित्व मे अय थी अरु जिन्दो हइ.”

## 5

????? ??? ???? ?

1 जो राजगद्दी पर बठ्यो थो का मे ने वोका जवना हात मे एक किताब देखी जो अंदर अरु बाहेर लिखी थी, अरु व्हा सात सिक्का लगय खे बन्द करी दि थी.

2 फिर मे ने एक ताखत आलो स्वर्गदूत खे देख्यो जो बडा बात से यो प्रचार करतो थो, “या किताब खे खोलनो अरु सिक्का तोडन का योग्य कोन हइ?”

3 पन नी स्वर्ग मे, नी का नीच्चे कोय वा किताब खे खोलनो या वोका पर नजर डाली की योग्य कोय नी नीकल्यो.

4 तब मी फूटी फूटीखे रोन लग्यो का क्युकि वा किताब खे खोलनो या वोका पर नजर डालन को योग्य कोय नी मील्यो.

5 येका पर वा बापदादाहोन मे से एक ने मरा से बोल्यो, “मत रोय. देख का यहूदा को गोत का वु सेर दाउद किताब खे खोलनो अरु वोकी सात सिक्का तोडन का वासते जिन्दो हुयोस हइ.”

6 तब मे ने देख्यो मेडो राजगद्दी का बिच खडो हइ अरु चारी जनवरहोन अरु वे बापदादा होन का बीच मेको मान एक खुन कय्यो हुयो मेडो खडो देख्यो. वो, सात सींग अरु सात आख था. यो परमेश्वर कि सात आत्माहोन हइ जो सब पृथ्वी पर भेज्यो गयो थो.

7 वोन अयखे वोका जवना हात से जो राजगद्दी पर बठ्यो थो, वा किताब ली ली.

8 जब वोने किताब ली ली ते वे चार जनवर अरु चौबीसों बापदादा दुन्या ने मुडा का सामने घुटना टेक गिरी पड्या वोमेसे हर एक का हात मे जबान अरु अंगारो का जो पवित्र दुन्या की प्रार्थनाहोन हइ, से भन्या हुया सोना को कटोरा था.

9 वे यो नवो गिद गान लग्या,

“तु या किताब खे लेन का

अरु येकी सिक्का को खोलन का योग्य हइ.

क्युकि तोने खुन हुयखे अपनो खुन से हर एक कुल

अरु भाषा अरु दुन्या अरु जमात मे से परमेश्वर को दुन्या खे हर जास से अरु सब गोत्र से सब राष्ट्र मोल लियोस हइ.

10 अरु वुन खे हमारो परमेश्वर की सेवा करण का लिये एक राज अरु मंत्री बनायो. अरु वे पृथ्वी पर राज करस हइ.”

11 फिर से मे ने स्वर्गदूत कि आवाज सुन वे सिंहासन जनवर अरु वे बापदादा खे चारी तरप खुप से स्वर्गदूतहोन की बात सुनी जिन कि गिनती लाख अरु करोडो कि थी,

12 अरु वे वुच्चा अवाज से यो गित गाते बोलतो थो,

“खुन कन्यो हुयो मेडो ही सामर्थ्य अरु धन अरु ज्ञान अरु शक्ति अरु इज्जत अरु महिमा अरु धन्यवाद का योग्य हइ.”

13 फिर मे ने स्वर्ग मे अरु पृथ्वी पर

अरु का नीचे अरु समुद्र कि सब हुय चिजहोन खे अरु सब कुछ खे जो वुनमे हइ,

यो बोलते सुन्यो, “जो राजगद्दी पर बठ्यो हइ वोका अरु मेडो को अरु सम्मान कि महिमा अरु राज हमेशा हमेशा न्हिये.”

14 अरु चार जनवरहोन ने आमीन बोल्यो कि अरु बुजरु क दुन्या ने गिरीखे पायपड्या.

## 6



1 फिर मे ने देख्यो कि मुडा ने वे सात सिक्का खे मे से एक खे खोल्यो. अरु वे चार जनवरहोन मे से एक खे गरझनो को जसो बात सुनी, “आ!”

2 मे ने नजर करी अरु देख्यो, एक उजरो घोडो हइ, अरु वोका उपर बठीखे तिर लिखे हुयो हइ. अरु वोखे एक मुकुट दियो गयो, अरु व्हा विजय करते हुयो नीकल्यो कि अरु भी जय लिखे आह्यो.

3 जब मुडाने दुसरो सिक्काको खोल्यो का ते मे ने दुसरो जनवर खे यो बोलते सुन्यो, “आ!”

4 फिर एक अरु घोडो नीकल्यो जो लाल रंग को थो. ओका पर बठी खे यो अधिकार दियो गयो कि पृथ्वी पर से शांती छुडय लेका अरु दुन्या से एक दुसरा को मारन करीखे. अरु वोखे एक बडी तलवार दी गय.

5 जब वोने तीसरो सिक्का खे खोल्यो का ते मे ने तिसरो जनवर खे यो बोलते सुन्यो, “आ!” मे ने नजर करी अरु देख्यो का एक कालो घोडो हइ, अरु वोका पर बठी खे हात मे एक तराजु हइ.

6 अरु मे ने चार का बिच मे एक अवाज खे बोलते सुन्यो, “आना को सेर भर गहु, अरु आना का तीन सेर जेका पर एक अरु अंगूर का बगीचा खे नुकसान नी करणू.”

7 जब वोने चार सिक्काको खोल्यो, ते मे ने चार जनवर कि बात यो बोलते सुन्यो, “आ!”

8 मे ने नजर करी, अरु देख्यो, एक पिलो जसो घोडो हइ. अरु वोक उपर को नाम मरनो हइ, अरु मृत्यु लोक वोका पिछे पिछे था. अरु वुनखे जमीन कि एक चार भाग पर यो अधिकार दियो गयो कि तलवार, अरु अकाल अरु मन्या अरु जमीन का जंगल जनवरहोन का वजसे दुन्या खे मारी डाल.

9 जब वोने पचवो सिक्काको खोल्यो, ते मेने वेदी का नीच्चे वुनको आत्माहोन खे मन से देख्यो जो परमेश्वर को वचन को यानेकी अरु गवय का यानेकी जो वुनने दी थी माज्यो कन्यो गयो थो.

10 वुनने बडी बात से फुकारी खे बोल्यो, “हे सर्वशक्तिमान स्वामी, हे पवित्र अरु सच्चो परमेश्वर, तु कब तक न्याय नी करण को? अरु जमीन का ज्हेनवाला से हमारो खुन को बदलो कब तक नी लेनको?”

11 वोमेसे से हर एक खे उजरो कपडा दियो गयो, अरु वोने बोल्यो गयो कि अरु थोडा देर तक अराम कर, जब तक कि तुम्हारा संग सेवक अरु भैइ जो तुम्हार जसा मरन होनवालो हइ वुनकी भी गिनती पुरी नी हुय ली.

12 जब मेडा साववो सिक्काको खोल्यो, ते मे ने देख्यो कि एक बडो भुकम्प हुयो, अरु सुरज जसो कालो अरु पूरो चाद खुन का जसो लाल हुय गयो.

13 बहल को तारो जमीन असा गिरी पड्या जसी बडी हवा धुनद से हल्यखे अंजीर का झाड मे से कच्चो फल झडस हइ.

14 बहल असो सरकी गयो जसो किताब गुडनना से सरकी जास हइ. अरु हर एक टेकडी अरु छेडा, अपना अपना जगा से चली गया.

15 जब जमीन को राज को अरु प्रधान को अरु सरदार अरु पैसाआलो अरु ताखतवाला दुन्या अरु हर एक सेवक हर एक आजाद टेकड खोरा मे अरु फत्तरमे जखे लुक्यो,

16 अरु टेकडा अरु फत्तर से बोलन लग्या, “हमारा पर गिरी पड्या. अरु हम वोका से जो राजगद्दी पर बठ्योस हइ, अरु मेडो को डर से लुकी गो.

17 क्युकि वो को डर को भयानक दिन अय पहुच्यो हइ, आब कोन हइ जो ओका जसो करस हइ?”

## 7

?????????? ?? ???????????

1 येका बाद मे ने जमीन का चारी कोना पर चार स्वर्गदूत खडो देख्यो. वे जमीन का चारी हवाहोन खे रोखी थी जबकी जमीन या नंदी या कोय झाड पर हवा नी चली.

2 फिर मे ने एक अरु स्वर्गदूत खे जिन्दो परमेश्वर की सिक्काको लिखे होते पुरब से वुपर का तरप आते देख्यो. वोने वे चार स्वर्गदूत से जिन खे जमीन अरु नंदी की नुकसान करण को अधिकार दियो गयो थो, वुच्ची अवाज से फूकारी खे बोल्यो,

3 “जब तक हम अपनो परमेश्वर का सेवकहोन को माथा पर सिक्का को नी लगय दे, तब तक जमीन कि नंदी का झाड खे नुकसान नी पहुचानु.”

4 जेका पर सिक्का को दीया मेने वुन कि गिनती सुनी, अगर इस्राएल का बच्चाहोन का सब गोत्र मे से एक लाख चौआलीस हजार पर सिक्का को दियो

5 यहूदा का वंशमे से बारा हजार पर सिक्का को दियो गयो. रुबेन का गोत मे से बारा हजार पर, गाद को गोत मे से बारा हजार पर.

6 आशेर का गोत मे से बारा हजार पर, नप्ताली को गोत मे से बारा हजार मनश्शे गोत पर,

7 शमीन को गोत मे से बारा हजार पर, इसाकार लेवी को गोत मे से बारा हजार पर,

8 जबूलून का गोत मे से बारा हजार पर यूसुफ का गोत मे से बारा हजार पर, अरु बिन्यामीन को गोत मे से बारा हजार पर सिक्का को दीयो गयो.

?? ??? ?????

9 येका बाद मे ने नजर करी देख्यो, हर एक कुल अरु गोत्र अरु दुन्या अरु भाषा मे से एक असी बडी गर्दी, जेखे कोय नी गीनी सकतो थो, उजरो कपडा पेन्या अरु अपना हात खारीक की डांग लिये हुयो राजगद्दी का सामने अरु मुडा का सामने खडो हइ,

10 अरु बडा जोर से पुकारी खे बोलस हइ, “उध्दार जो राजगद्दी पर बठ्यो हइ हमारो परमेश्वर का तरपसे अरु मुडा का तरप से जय जयकार हुये!”

11 अरु सब स्वर्गदूत वा राजगद्दी अरु बापदादा अरु चारी जनवरहोन का चारी तरप खडो हइ अरु वे राजगद्दी का आगे मुडा पर गिरी पड्यो अरु परमेश्वर का पायपड्यी खे बोल्यो,

12 “आमीन! स्तुती अरु महिमा अरु ज्ञान अरु धन्यवाद पडे अरु सम्मान अरु सामर्थ्य अरु शक्ती पिडमपिडि से हमारो परमेश्वर को हइ”

13 येका पर बापदादा मे से एक ने मरा से बोल्थो, “थे उजरा कपडा पेन्या आलो कोन हइ? अरु से आयोस हइ?”

14 “मे ने ओकासे बोल्थो, हे स्वामी तुय जानस हइ.” वोन मरा से बोल्थो,  
“ये वे आय, जो वु बडी संकट मे से नीकलीखे आयोस हइ. इनमे अपना अपना कपडा मुडा को खुन मे धोयखे उजरा कर्यास हइ.

15 येका वजेसे वे परमेश्वर कि राजगद्दी का सामे हइ, अरु वोकि आराधनालय मे दिन रात वोकि सेवा करस हइ, अरु जो राजगद्दी पर बठ्यो हइ, व्हा खुद अपनी रक्षा कन्हें.

16 वे फिर कभी फिर भुका अरु प्यासा नी हुये. अरु वुन का जिवन पर धाम, नी कोय तपनखे पडे.

17 क्युकि मेडा जो राजगद्दी का बीच मे हइ वुनकी रखवालो हुये खे अरु वुनखे जिवन रुपी पाणी का सोत्रो का पास ली जाह्यो कन्हें. अरु परमेश्वर वुनकी आख से सब पानीपोछी डाल्हे.”

## 8

~~~~~

1 जब वोन सातवो सिक्काको खोल्थो, ते स्वर्ग मे आदा घण्टा तक सन्नाटो हुय गयो.

2 तब मे ने वे सात स्वर्गदूतहोन खे देख्यो जो परमेश्वर का सामने खडो न्हैस हइ, अरु वुनखे सात तुरहीहोन दि गय.

3 फिर एक अरु स्वर्गदूत सोन्ना को धुपारनो लिये हुयो, अरु वेदी का नजीक खडो हुयो. अरु वोखे खुब धुप दियो गयो कि सब पवित्र दुन्या की प्रार्थनाहोन का सात सोन्ना कि वा वेदी पर का जो राजगद्दी का सामने चेढ्यो.

4 वु धूप को धुवो पवित्र दुन्या कि प्रार्थनाहोन का बराबर स्वर्गदूत का हात से परमेश्वर का सामे पहुँची गयो.

5 फिर स्वर्गदूत ने धुपारनो लिखे वोमे वेदी कि अंगार भरी अरु जमीन पर डाली दी. अरु गर्जन अरु बात अरु बिजलीहोन अरु भुकम्प होन लग्या.

~~~~~

6 तब वे सात स्वर्गदूत जिनका पास सात पिपडीहोन थी वुनखे फुकन कि तैयारी हुय.

7 पयलो स्वर्गदूत ने पिपडी फुकी, अरु खुन से मील्यो हुयो गिलो अरु अंगार पड्डा हुय, अरु जमीन पर डाली गय. अरु झाड की एक तिहाइ जली गयो, अरु सब हरो घास भी जली गयो.

8 दुसरो स्वर्गदूत ने सयनय फुकी, ते मान अंगार जसो जलते हुयो एक बडी टेकडो नंदी मे डाली गयो. अरु नंदी को एक पिपडी खुन हुयगो,

9 अरु नंदी को एक तिहाइ जनवर का मन से मरी गया, अरु एक तिहाइ डोंगो खतम हुय गो.

10 तीसरा स्वर्गदूत ने तुम्हारी पिपडी फुकी अरु एक बडो तारो जो मशाल टेम्मा, जसो जलतो थो बदल से टुट्यो, अरु नंदी का एक तिहाइ पर अरु पाणी का स्रोत पर अय गिन्यो.

11 वु तारा को नाम नागदौना हइ. अरु एक तिम ही पाणी नागदौना जसो कडवो हुय जाना से मरी गो.

12 चौथो स्वर्गदूत ने पिपडी फुकी, अरु सुरज कि एक तरा ही अरु चन्दा कि एक तिसरो अरु तारा कि एक तिहाइ पर फजित अय, ह्या तक कि वुनको एक तिसरो आंग अंधारो हुय गयो अरु दिन की एक तिसरो उजालो नी न्हियो, अरु वैसे ही रात मे भी.

13 जब मे ने फिर देख्यो, ते बदल का बिच मे एक घुब्बड खे वुडते अरु वुच्चा बात से यो बोलते सुन्यो, “वे तीन स्वर्गदूतहोन की तिसरा कि बात खे करन, जिन को पिपडी फुकनो अभी बाकि हइ, जमीन पर न्हैन वालापर दुख ही दुख हुये!”

## 9

1 जब पाच स्वर्गदूत होनकी पिपडी फुकी, ते मे ने स्वर्ग से जमीन पर एक तारो गिरते हुयो देख्यो, अरु वोखे अथाह कुण्ड की कुंजी दी गय.

2 फिर उ तारा ने वा कुंजी अथाह कुण्ड खे खोल्यो, अरु ओमे से असो धुवो नीकल्यो जसो बडो भट्टी को धुवो नीकल्योस हइ, अरु कुण्ड को धुवा से सुरज अरु हवा काली हुय गय.

3 वु धुवा से जमीन पर टोटर नीकली, अरु वुनने जमीन खे बिछुहोन का जसी शक्ती दि गय.

4 वुनका से बोल्यो गयो कि नी जमीन की घास खे, नी कोय झाड खे तकलीप पवचानु का फक्त वे इन्सान खे तकलीप पवचानु जिन का माथा पर परमेश्वर को सिक्काको नी हइ.

5 टोटर खे नीर्देश दियो गयो कि अरु वे दुन्या खे मारी डालन को ते नी का पर पाच महीना तक दुन्या खे दुख देन को अधिकार दियो गयो. अरु उनकी तखलीप असी थी, जसी बिच्छु का डंक मारना से इन्सान खे होस हइ.

6 वे पाच महीना मे इन्सान मरना खे ढुडिरोस अरु नी मील्ले. अरु मरन कि लालुच कहे अरु मरनो उन से भागेह्यो.

7 वे टोटर को अयखे लडयो का लिये तैयार कन्यो हुयो थो घोडो का जसो थो, अरु उनको माथा पर समजो सोन्ना को टोपी थो का वुनको मेडो इन्सान का जसो थो.

8 वुनका बाल बय का बाल जसा था अरु दात सेर का दात जसा था.

9 उनका छाती चिलकत से झाकि हइ थी अरु वे आंग मे जसो लोहा का जसी कवच से झाक्यो हुयो थो. वुनका पंग की अवाज एसी थी, जसी लडय मे खुप घोडा ज्योत्या हुया दौडते रथ कि होस हइ.

10 वोकी पुस्टी बिच्छु को डंक का जसी थी अरु वुनकी पुस्टी मे ही दुन्याहोन खे पाच महीना तक दुख देन की सहन करी थी.

11 अथाह कुण्ड को दूतहोन पर राजो थो. वो को नाम इब्रानी मे अबहोन, अरु यूनानी मे अपुल्लयोन हइ.

12 पयली विपत्ति बिती गयस, देख, आब येका बाद दो विपत्तिहोन अभी बाकी हइ.

13 जब साव्यो स्वर्गदूत ने पिपडी फुकी ते मेने परमेश्वर, सामे वेदी हइ वो, सिंगपर मे से असी बात सुनी,

14 समजनु कोय साव्यो स्वर्गदूत से, जेका नजीक पिपडी थी बोली रोस हइ, “वे चार स्वर्गदूत खे जो बडी नंदी फुरात का नजीक बाध्यो हुयो हइ, खोली दे.”

15 वे चार दूत खोली दियो गयो जो जो वा टेम अरु दिन अरु महीनो, अरु बरस का वास्ते इन्सान कि एक तिसरा मे मारी डाली खे तैयार करी दियो थो.

16 वुनकी फोज कि सवार गिनती बिस करोड थी. मे ने वुनकि गिनती सुनी.

17 मेखे यो दर्शन मे घोडो अरु वुन का सवार दिखान दियो जिनको पाणी मे अंगार, अरु धुम्रकान्त अरु गन्धक का जसी थी अरु वे घोडा का माथा सेर जेका माथा का जसो थो. अरु वोका मुडा मे से अंगार, धुवौ अरु गन्धक नीकलतो थो.

18 ये तीन महामारीहोन अगर अंगार अरु धुवौ अरु गन्धक से, जो वुनका मुडा से नीकलतो थो इन्सान को एक तिसरो मारी डाल्यो गयो.

19 क्युकि वे घोडा कि सामर्थ्य वुनको मुडो अरु वुन की सेपटी मे थी. येका वास्ते कि वुनकी सेपटी साप जसी थी, अरु वु सेपटी का माथा भी थो अरु वुनने सेवा दुख पवचातो थो.

20 बाकि इन्सान ने जो वे मरीया से नी मन्यो थो, अपना हातकाम से मन नी मन्या था बुरीआत्माहोन की अरु चादी अरु पित्तल अरु फत्थर अरु काठ कि मूर्ती होन कि पुजा नी करनु जो नी देख्ये का सुनी नी सकती हइ.

21 अरु जो खून, अरु टोना, अरु व्यभिचार, अरु चोरी वुन ने करी थी, वुनका से मन फिरयो.

## 10

XXXXXXXX XXX XXX XXXX

1 फिर मेने एक अरु शक्तीशाली स्वर्गदूत खे बदल होडचो हुयो स्वर्ग से वुतरते देख्यो. वोका माथा पर मेघ धनुष थो वोको मेडो सुरज का जसो अरु वोक पाय अंगार को खब्बो का जसो थो.

2 वोको हात मे एक छोटी सी खुल्ली वाली किताब थी. वोने अपनो जवनो पाय नंदी पर अरु डाखो-न्यो पाय जमीन पर रख्यो.

3 अरु असो बडा जोर से चिचानो, जसो सेर गरजस हइ. अरु जब चिलायो ते गर्जन का सात बात सुनय दि.

4 जब सात गर्जन कि बात सुनय हइ “वुनखे मगम रख का अरु मत लिखे.”

5 जो स्वर्गदूत खे मे ने नंदी अरु जमीन पर खडो देख्यो थो, वोने अपनो जवनो हात स्वर्ग का तरप उठायो,

6 अरु जो पिडमपिडि से जिन्दो हइ, अरु जेने जमीन अरु स्वर्ग खे अरु जो कुछ वोका पर हइ, अरु नंदी खे अरु जो कुछ वोमेसे हइ सुजा, वोकि कसम खय खे बोल्यो, “आब तो देर नी होन कि.

7 क्युकि सतवो स्वर्गदूत कि पिपडी फुकी पर होन आलो बात को दिन मे परमेश्वर को मोगम मनोगत वा खबर का जसो जो वोने अपनो सेवक भविष्यवक्ताहोन खे दियो, पूरो हुयगो.”

8 जो बात खे मे ने स्वर्ग से बोलते सुन्यो थो, व्हा फिर मरो बात करण लग्यो, “जो, जो स्वर्गदूत नंदी अरु जमीन पर खडो हइ, वोका हात मे की खुल्ली वाली किताब ली ली.”

9 मे ने स्वर्गदूत का नजीक जय खे बोल्यो, “या छोटी किताब मेखे दे.” वोने मरासे बोल्यो, “ले येखे खे ले. ह्या तरा पेट मे कडवो तो कहे, पर तरा मुडा मे मवरुस का जसी मीटो लगहे.”

10 आखरी मे व्हा छोटी किताब वा स्वर्गदूत का हात से लिखे खे लियो. वु मरा मुडा मे मवरुस जसो मीटो तो लगहे, पर जब वोखे खे लियो, ते मरो पेट कडवो हुय गयो.

11 तब मरा से यो बोल्यो गयो, “तोखे खुप जसा दुन्या, अरु जातहोन, अरु भाषाहोन अरु राजाहोन का बारे मे फिर भविष्यव्दाणी करणु हय.”

## 11

XX XXX

1 फिर मेखे मोजन का लिये लकडी दि गय, अरु कोय ने बोल्यो, “वुठ का परमेश्वर कि मन्दिर अरु वेदी, अरु मंदीर मे आराधना उ करण आलो कि गिनती करी ले.

2 पन मन्दिर का बाहेर को अंगन छोडी दे; वो खे मत मोजे क्युकि वु गैरयहूदिहोन खे दियो गयोस हइ, अरु वे पवित्र नगर खे बेचालीस महीना तक खुघो दिह्ये.

3 अरु मी अपनो दो गवा खे खुल्ली छोडी दे एक हजार दो सौव आठ दिन तक भविष्यवाणी करी वे उनका बोर का कपडा होडचा हुया जे खे दुख प्रदूषित करता था.”

4 ये वे ही जैतून का दो झाड अरु दो ओडा हइ जो जमीन को प्रभु का जसो खडो न्हेस हइ.

5 अरु अगर कोय वुनखे दुख पहुचानो चाहस हइ, ते दुशमन मुडा मे से अंगार नीकालीखे उनका दुसरा खे राख करस हइ. अरु अगर कोय वुनखे कोय दुख पहुचानो चाह्ये का ते जरुरत या रीति से मारी डाल्यो जाह्ये.

6 वुनखे अधिकार हइ कि बदल खे बन्द कहे, कि वुनकी भविष्यव्दाणी का दिन मे झरना को पाणी नी गिन्ये. अरु वुन खडा सब पाणी का झरना पर अधीकार हइ कि वोखे खुन बनाह्ये का अरु जब जब चाह्ये तब तब जमीन पर हर तरीका कि विपत्ती लाह्ये.

7 जब वे अपनी गवय दि चुक्या, ते यथाह जनवर कुण्ड मे से निकाले, वोने वाद विवाद करीखे वुनखे जितन का अरु वुनखे मारी डालह्ये.

8 वुनकि लास वा बडा नगर का चौक मे पड्या न्हियेका जो आत्मा का रुप से सदोम अरु मीस्र बोल्यो जास हइ, जहा वुनको प्रभु भी कुस पर चड्यो गयो थो.

9 सब दुन्या अरु भाषाहोन अरु जातहोन का दुन्या वोकि लाश खे साडे तिन दिन तक देखते न्हियेका अरु वोकि लाश मरगट मे रखन नी देन.

10 जमीन पर न्हेन आला खुशी अरु मगम हुये खे अरु एक दुसरा का नजिक दान भेज्यो, क्युकि ये दो भविष्यव्दक्ताहोनने जमीन का न्हेनवाला खे सतायो थो.

11 पन साडे तिन दिन का बाद परमेश्वर का तरप से जिवन कि सास बोमे घुसिगो, अरु वे अपना पाय का वुपर खडो हुय गयो, अरु वुनका देखनआला पर बडो डर हुय गो.

12 जब वुन खे बदल से एक बडो आवाज आयो "ह्या उपर!" ह्या सुनीखे वे बदल पर चेडी खे अपना दुसरा खे देखते देखते स्वर्ग पर चडयो गयो.

13 फिर वायच टेम एक बडो भुकम्प हुयो, अरु नगर को दसवो भाग गिरी गयो. अरु वु भुकम्प से सात हजार दुन्या मरी गया, अरु बाकी डरी गया अरु स्वर्ग को परमेश्वर कि महिमा करी.

14 दुसरो विपत्ती बिती चुक्यो; देख्यो, तिसरो विपत्ती झल्दी आनवालो हइ.

~~~~~

15 जब सातवा दूतने पिपडी फुकी, ते स्वर्ग मे या बारेमे खे बडो राज हमारो प्रभु को "अरु वोकि मसीह को हुय गयो, अरु व्हा पिडमपिडि से राज कन्हें."

16 तब चौबीस सौ बुजरुक जो परमेश्वर का सामने अपना अपना राजगद्दी तरप बठया था का मुडा का पर गिरीखे परमेश्वर खे प्रणाम कय्यो.

17 यो बोलन लग्यो
"हे सर्वशक्तीमान प्रभु परमेश्वर,
जो हइ अरु जो थो,
हम तरो धन्यवाद करस

हइ की तो ने अपनो बडा सामर्थ्य काम मे लयखे राज करणो सुरु कय्योस हइ.

18 जातहोन ने घृस्सा कय्यो, पर तरो घुस्सा अय पड्यो,
अरु व्हा टेम अय पहुच्यो हइ कि मन्या के दुसरो कय्यो जाह्योका अरु तरो सेवक

भविष्यव्दक्ताहोन

अरु पवित्र दुन्या खे

अरु वे छोटा बडा खे जो तरा नाम से डरस हइ

बदली दियो जाह्यु

अरु जमीन खे बिगाडनआलो खतम कय्यो जाह्यो."

19 तब परमेश्वर कि मन्दिर स्वर्ग मे हइ, व्हा खोल्यो गयो, अरु वोकि मन्दिर मे उनकी वाचा को संदूक दिखाय दियो; बिजलीहोन अरु आवाज अरु गर्जन अरु भुकम्प हुयो अरु बडी गार गिय्यो.

12

~~~~~

1 फिर स्वर्ग मे एक बडो चिन्हो दिखय दियो अगर एक बय जो सुरज होडयो हुयो थो, अरु चाद वोका पय तल्ले थो, अरु वोका माथा पर बारा तारा को मुकुट थो.

2 व्हा दोजिव हुये खे अरु चिल्लाती थी क्युकि प्रसव कि दुख मे थी.

3 एक अरु स्वर्ग मे दिखय दियो, एक बडो लाल अजिगर थो, जेका सात माथा अरु दस सींग था अरु वोका माथा पर सात राजमुकुट था.

4 वोकि सेपटी ने बदल का एक तिसरा को खिचिखे जमीन पर डाली दियो. व्हा अजिगर वा बय का सामने जो सनज्यो थो, खडो हुयो कि जब बच्चो देते ही वु बच्चा खे गिली लियो.

5 व्हा बेटो हुयो जो लोखण्ड को राजदण्ड लिये हुयो सब जातहोन पर राज करणा पर थो, अरु व्हा बच्चो एका एक परमेश्वर का पास अरु वोकी राजगद्दी का पास लकडी पहुचय दियो गयो.



6 अरु वा बय वा जंगल मे भागी गय, झाहा परमेश्वर की तरफ से वोका वासते एक जगा तैयार कर्या गइ थी कि व्हा वु एक हजार दो सौ साठ दिन तक पाल्य जाह्ये.

7 फिर स्वर्ग मे वाद विवाद हुयो, मीखाइल अरु स्वर्गदूत अजिगर से झगडन खे नीकल्या. अरु अजिगर अरु वोको दूत वुनखे झगइहे,

8 पन प्रबल नी हुयो, अरु स्वर्ग मे वुनका वासते फिर जगा नी न्ही.

9 जब व्हा बडो अजिगर, अगर उ जुन्नो साप जो इब्लीस अरु सैतान बोल्ह्यो जास हइ अरु सब जगत को भरमानवालो हइ जमीन पर गिरय दियो गयो, अरु वोको दूत वोका सात गिरय दिया गया.

10 फिर मे ने स्वर्ग से यो उच्चो आवाज आते हुयो सुन्यो, “आब हमारो परमेश्वर को उध्दार अरु सामर्थ्य अरु राज अरु वोकि मसीह को राज को अधिकार प्रकट हुयोस हइ, क्युकि हमारो भैइहोन पर दोष लगानवालो, जो दिन-रात हमारो परमेश्वर का सामने वोका पर दोष लगायो करतो थो,

11 वे मुडा को खुन कारन अरु अपनी गवय को वचन को का रन वोका पर जयवन्त हुयो, अरु वुनने अपना जान खे लाड नी जान्यो, ह्या तक कि मृत्यु भी सय लियो.

12 यो करन हे स्वर्ग अरु वोमे न्हेन आलो, मगम हुय. हे जमीन का अरु नदी का तुन पर हाय! क्युकि सैतान बडा घुस्सा का सात तुमारा पास आयो तुम तक पहुची गयो हइ. वह बडो हइ क्युकि जन्यो हइ कि वोको जरा सी टेम अरु बाकि हइ.”

13 जब अजिगर ने देख्यो कि मी जमीन पर गिरय दियो गयो हय, ते वा बय खे जो बेटो परदा होते ही सतायो.

14 पन वा बय खे बडा घुब्बड का दो पंग दिया गया कि साप का सामने से उडीखे जंगल मे वा जगा पहुची जा व्हा एक टेम अरु टैम, अरु आदा टेम तक पच्यो जाये.

15 अरु साप ने वा बय का पीछे अपनो मेडो से नंदी का सामने पानी बोहानो कि वोखे नंदी से बोहय दे.

16 पन जमीन ने वा बय कि मदत करी, अरु अपना मेडो खोलीखे वा नंदी खे जो अजिगर ने अपना मुडा से बोहायो थो पी लियो.

17 जब अजिगर बय पर घृस्सा हुयो, अरु वोकि शेष सन्तान से, जो परमेश्वर कि आज्ञाहोन को मानस अरु यीशु कि गवय देन पर रुख्यो हइ, झगडन खे गयो

18 अरु वु नदी कि रेती पर खडो हुयो.

## 13



1 तब मे ने एक जनवर खे नदी मे से नीकलते हुयो देख्यो जेखे दस सींग अरु सात माथो थो. सिंग पर दस राजमुकुट, वोका माथा पर परमेश्वर की टिंगल को नाम लिख्यो हुयो थो.

2 जो जनवर मे देख्यो वु चिता का जसो थो. अरु वोका पाय भालू का जसा अरु मेडो सेर का जसो थो. अरु अपनी राजगद्दी जसी अरु बडो अधिकार वोखे दियो.

3 मे ने वोका माथा मे से एक पर असो बडो घाव लग्यो देख्यो जसो कि वु मरना पर हइ, फिर वोको जानजाना को घाव अच्छो हुय गयो, अरु सब जमीन का दुन्या वु जनवर का पिछे पिछे अचम्बो करते हुये चल्या.

4 दुन्या ने अजिगर कि पुजा करी क्युकि वोने जनवर खे अपनो अधिकार दि दियो थो, अरु यो बोलीखे जनवर कि पूजा करी “यो जनवर का जसो कोन हइ? कोन येका से वाद विवाद करस हइ?”

5 बडी बात अरु टिंगल करण का वासते वोखे एक मेडो दियो गयो, अरु वा बेचालीस महीना तक काम करण को अधिकार दियो गयो.

6 तब वोने परमेश्वर कि टिंगल करण का वासते मेडो खोल्ह्यो कि वोको नाम अरु वोकि झोपडि मंनज्हे स्वर्ग का हैनआला कि टिंगल कन्हे.

7 वोखे यो भी अधिकार दियो गयो कि पवित्र दुन्या से झगड अरु वोका पर जय मील्हे का अरु वोखे हर एक थोडा अरु दुन्या अरु भाषा अरु जात पर अधिकार दियो गयो.

8 जमीन का वे सब जेहनवालो, जेको नाम वोखे मेडा का जिवन कि किताब मे लिख्यो नी गयो जो जगत कि उत्पत्ति का टेम से घात हुयो हइ, वु जनवर कि पुजा कर.

9 जे कान हुये वे सुन.

10 जेखे कैद मे गिन्यो हइ व्हा कैद मे गिरीयो. जो तलवार से मान्यो गयो, जरुरती हइ व्हा तलवार से मार्यो जाह्यो. पवित्र दुन्या को धीरज अरु विश्वासये मे हइ.

11 फिर तब मेने एक जनवर खे जमीन मे से नीकलते देख्यो ओका मुडा का से दो सिंग थो, अरु व्हा अजिगर का जसो बोलतो थो.

12 व्हा पयलो जनवर को सब अधिकार ओका सामे काम लातो थो. अरु जमीन अरु ओका जेहनवाला से उ पयलो जनवर को जेको जान बडो घाव अच्छो हुइ गयो थो, पुजा करतो थो.

13 व्हा बडो-बडो चिन्हो दिखा तो थो यो जब की इन्सान का सामने स्वर्ग से पृथ्वी पर अंगार गिरय देती थी.

14 उ चिन्हो करण जेने उ जानवर का समाने देखन को अधिकार ओका दियो गयो थो, व्हा पृथ्वी का जेहनवालो खे भरमाता तो अरु पृथ्वी खे जेहनवालो से बोलतो थो की जो जनवर का तलवार लगी थी व्हा जी गयो हइ, ओकी मूर्ति बनायो.

15 ओका उ जनवर की मूर्ति मे जान डालना को अधिकार दियो गयो कि जनवर की चित्र बोलन लग्यो अरु जेत्ता दुन्या उ जनवर कि मूर्ति की पुजा नी कर, ओने मरी डाल्यो.

16 ओने छोटा बडा लकपती गरीब खे आजाद सेवक सब को जवनो यो अरु ओका माथा पर एक सिक्का मारी दियो,

17 कि ओका छोड जेका पर सिक्का मनजे उ जनवर को नाम यो ओको नाम को अंक हुये दुसरा कोय लेनो-देनो नी करी सुकु.

18 ज्ञान ये मे हइ. जेको दिमाक हुये व्हा वे जनवर को अंक जोडी ले, क्युकि व्हा इन्सान को अंक हइ, अरु ओको अंक छे सौ छैसट हइ.

## 14

???? ???? ???? ???? ???? ?

1 फिर मे ने नजर करी, अरु देख्यो, व्हा मेढो सिय्योन टेकडा पर खडो हइ, अरु ओका हात मे एक लाख चौरचालीस हजार झन हइ, जेको माथा पर वोको अरु वोको बाप को नाम लिख्यो हुयो हइ.

2 अरु स्वर्ग से तोखे एक असी बात सुनय दियो जो पानी कि खुप धारहोन अरु बडो गरझनो को जसो आवाज थो अरु जो आवाज मे ने सुन्यो व्हा असो थो समजो बानी बजानवाली बानी बजय रास हय

3 वे राजगद्दी का सामे अरु चारी जनवर अरु बापदादा खे सामने एक नवो गिद गय राथा. वे एक लाख चौरचालीस हजार जान को छोडी जो पृथ्वी पर से मोल लिये गयो थो, कोय भी वा गिद नी सीख सकतो थो.

4 ये वे हइ जो बयहोन का साथ अशुध्द नी हुयो, पन कुव्वारो हइ. ये वे ही कि बोली जास हइ, वे ओका पीछे चलीदे हइ. ये तो परमेश्वर को नियम पैयले होन का लिये इन्सान मे से मोल लियो गयो हइ.

5 ओका मुडा से कभी झुठ नी नीकल्यो थो, वे नीर्दोष हइ.

???? ???? ???? ???? ?

6 फिर मे ने अरु स्वर्गदूत का बदल का बीच मे उड्यो हुयो देख्यो, जेका पास पृथ्वी पर का जेहनवालो की हर एक जात, अरु कुल, अरु भाषा, अरु दुन्या, सुनन का लिये सनातन सुसमाचार थो.

7 ओने बडो शब्द से बोल्यो “परमेश्वर से डर्यो, अरु ओकि महिमा कर क्युकि ओको न्याय करण को टेम आयो हइ. अरु ओको भजन कर, जेने स्वर्ग अरु पृथ्वी अरु समुदर अरु पाणी कि स्रोत बनायो.”

8 फिर येका बाद अरु, एक दुसरो, स्वर्गदूत यो बोल्यो हुयो आयो, “गिरी गयो, वा बडो बेबीलोन गिरी पड्यो, जेने अपनो व्यभिचार को कोपमय मदिरा सब जातहोन खे पिलायो हइ.”

9 फिर येका बाद एक अरु तीसरो, स्वर्गदूत बडो बोल से यो बोलतो आयो, “जो कोय भी उ जनवर अरु ओकी मूर्ति कि पुजा कर, अरु अपनो माथो यो अपनो हात पर ओकी छाप ले

10 वा परमेश्वर को डर को मदिरा का जो बिना मीलावट को क्रोध को कटोर मे डल्यो गयो हइ, पीस अरु पवित्र स्वर्गदूत का सामने अरु मेडा का सामने आंग अरु गन्धक का पीडो मे पडे.

11 ओको दुख को धुवो पिडमपिडि से उठ्यो न्हेस, अरु जो उ जनवर अरु ओकि मूर्ति कि पुजा करस हइ, अरु जो उनको नाम को छाप लिये हइ, ओखे रात दिन चैन नी मीलस.”

12 पवित्र दुन्या को धीरज येमे हइ, जो परमेश्वर को आज्ञाहोन खे मानस अरु यीशु पर विश्वास रखस हइ.

13 फिर मी ने स्वर्ग से यो बोल सुन्यो, “लिख जो मृतक प्रभु मे मरस हइ, वे आब से अनाज हइ.”

आत्मा बोलस हइ, “व्हा, क्युकि वे अपनो सब परिश्रम से आराम पास, अरु ओको कर्य ओका साथ लीस हइ.”



14 मे ने नजर के, अरु देख, एक उजालो बढल हइ, अरु उ बढल पर इन्सान को बेटो सरीखो कोय भी बैठ्यो हइ, जेका पर सोना को मुकुट अरु हात मे दराती हइ.

15 फिर एक अरु स्वर्गदूत ने मन्दिर मे से नीकलीखे ओका से, जो बढल पर बठ्यो थो, बडो बोल से पुकारी खे बोल, “अपनो लगय खे लवनी कर, क्युकि लवने को टेम आ पोच्यो हइ, येका लिये की पृथ्वी को खेत पकी गयो हइ.”

16 आखरी जो बढल पर बठ्यो थो ओने पृथ्वी पर अपनो हसायु लगायो, अरु पृथ्वी को लवनी को गयो.

17 फिर एक अरु स्वर्गदूत उ मन्दिर मे से नीकल्यो जो स्वर्ग मे हइ, अरु ओका पास भी अच्छो हस्यो थो

18 फिर एक अरु स्वर्गदूत का जेका आंग पर अधिकार थो, वेदी मे से नीकल्यो अरु जेका पास अच्छो हस्यो थो ओका से उचो बोल से बोल्यो, “अपनो अच्छो हस्यो लगय खे पृथ्वी को दाख को गुच्छो खे काटि ले, क्युकि ओकी अंगूर पकि गयइगस हइ.”

19 तब उ स्वर्गदूत ने पृथ्वी पर अपनो हसायु लगयो अरु पृथ्वी को अंगूर को फल काटिखे अपनो परमेश्वर का दुख का बडो रसकुण्ड मे डाली दियो.

20 अरु नगर का बाहेर उ रसकुण्ड मे देख्यो गयो, अरु रसकुण्ड मे से येतनो खुन निकल्यो की घोडा की लगाम तक पोच्यो, अरु कोन तक बोहय गो.

## 15



1 फिर मे ने बढल मे एक अरु बडो अरु अद्भुत चिन्ह देख, अगर सात स्वर्गदूत जे पास सात आखरी विपतिहोन थो, क्युकि ओका खत्म हुए जाना पर परमेश्वर को दुख, आखरी हइ.

2 फिर मेने काच का जसो समुदर देख्ये दियो जेमे समजो अंगार मीली हुये. अरु मेने देख्यो की जिनने जनवर कि मेर्ती पर अरु ओको नाम पर विजय मीली हइ काच को समुदर पर खडो हइ नजिक परमेश्वर कि वाणीहोन दि.

3 अरु वे परमेश्वर को सेवक मूसा को गीद कि अरु मुडा को गीद गय खे बोलता था ,

“हे सर्वशक्तिमान प्रभू परमेश्वर,

तरो कर्य महान अरु अद्भुत हइ.

हे राष्ट्र को राजो कि

तरी चाल ठिक अरु सच्ची हइ.”

4 “हे प्रभु

कोन तरा से नी डरे अरु तरो नाम को महिमा करस?

क्युकि फक्त तु पवित्र हइ.सब जातहोन अयखे तरा सामने आराधना करस कि क्युकि तरो न्याय काम प्रगट हुए गयो हइ.”

5 येका बाद मेने देख्यो कि स्वर्ग मे झोपडि मे प्रतीज्ञा को तम्बु कि मन्दिर खोल्यो गयो.

6 अरु वे सात स्वर्गदूत जे, पास विपतिहोन थोकाम लमल को शुध्द अरु चमकदार कपडा पेन्यो अरु छाती पर सोना को पट्टो बाधी दियो मन्दिर से नीकल्यो.

7 तब उ चार जनवरहोन मे से एक ने उ सात स्वर्गदूत, परमेश्वर, जो हमेशा हमेशा जिस हइ, दुख से भन्यो हुए सोना को सात कटोरो दियो.

8 अरु परमेश्वर कि महिमा अरु ओकि सामर्थ्य कारन मन्दिर खुसी से भरी गयो, अरु जब तक उ सात स्वर्गदूत कि सात विपतियो खतम नी हुयो जब तक कोय भी मन्दिर मे नी जय सक्यो.

## 16

XXXXXXXX XX XXXXXX XX XXX XXXXX

1 फिर मे ने मन्दिर मे कोय को उचो बोल से उ सात स्वर्गदूत से यो बोलते सुन्यो, “जा, परमेश्वर खे दुख का सात कटोरा खे पृथ्वी पर पलटय दे.”

2 पयलो दूत अरु अपनो कटोरो पृथ्वी पर उंडय दियो. अरु वे इन्सान खे जेका पर जनवर को चिन्ह थो जो ओकि पुजा करतो थो, उन एक पर भयानक दुख आलो छालो नीकली गयो.

3 दुसरा ने अपनो कटोरा समुद्र पर पलटय दियो, अरु वा मरो हुयो इन्सान का मन से खुन जसो बनी गयो, अरु समुद्र मे को हर एक जीव धारी मरी गयो.

4 फिर तीसरा ने नदीहोन अरु पानी अपना कटोरा का धबधबा पर उलटय दियो, अरु नदी अरु धबधबो खुन बनी गया.

5 अरु मेने पानी को स्वामी स्वर्गदूत खे यो बोलते सुन्यो, “हे पवित्र जो हइ अरु असो, तु न्यायी हइ अरु तोने यो न्याय बरोबर कन्यो हइ.

6 क्युकि ओने परमेश्वर का दुन्या अरु भविष्यव्दक्ताहोन को खुन बोहायो थो, अरु तोने उनखे पिन खे खुन यी दियो, क्युकि वे येका योग्य हइ.”

7 फिर मे ने वेदी से यो बोल सुन्यो, “हुयो, हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर तरो नीर्णय ठिक अरु सच्चो हइ.”

8 स्वर्गदूत ने अपनो कटोरा सुरज पर उंडल दियो, अरु उ इन्सान का आंग से झुलसो देन को अधिकार दियो गयो.

9 अरु इन्सान भयानक गर्मी से झुलस गए, अरु परमेश्वर का नाम को जेको ये विपतियो पर अधिकार हइ, नीन्दा का पर ओकि महिमा करण का लिये मन नी फिरायो अरु नी महीमा करी.

10 पाचवो स्वर्गदूत ने अपनो कटोरा उ जनवर का राजगद्दी पर दियो, अरु ओको राज पर अन्धेरा हुय गयो. दुन्या दुख कारण अपनी जीभ चाबन लग्या,

11 अरु अपनी पडायो अरु फोडो करण स्वर्ग परमेश्वर को नीन्दा को पर अपनो अपनो काम से मन नी फिरायो.

12 साव्वो स्वर्गदूत ने अपनो कटोरा महानदी फरात पर उंडल दियो, अरु ओको पानी सुख गयो को पूर्व दिशा से आन आला राजाहोन का लिये रस्ता तैयार हुय जाए.

13 फिर मे ने उ अजिगर का मुडा से अरु उ जनवर का मुडा से, अरु उ झुठ भविष्यव्दक्ता को मुडा से तीन अशुध्द आत्माहोन खे मेढको का रुप मे नीकलते देख्यो.

14 ये चिन्ह चमत्कार दिखन आली बुरी आत्मा हइ, ये तीन आत्माहोन जो सब जगत का राजाहोन का पर नीकलीखे येका लिये जीत्यो हइ कि ओने सर्वशक्तिमान परमेश्वर का उ बडा दिन की लडाइ का लिये जमा कर.

15 “देख मी चोर का जसो अउस हइ. धन्य वा हइ जो जागो न्हैस हइ, अरु अपना कपडा को देखरेख करस हइ कि नंगो नी फिरस अरु दुन्या ओखे लाजवाने होते नी देख्ये का”

16 फिर वा बुरी आत्मा वा जगा कन्यो जो इब्रानी मे हरमनीदोन बोलस हइ.

17 सातवो स्वर्गदूत अपनो कटोरा हवा पर दियो, अरु मन्दिर राजगद्दी से वा बडो बोल हुयो, “हइ चुक्यो!”

18 फिर बिजली चमकस, अरु बदल अवाज गर्जन हुए, अरु एक असो भयानक भूकम्प हुयो कि जब से इन्सान को उत्पत्ति पृथ्वी पर हुयो, तब से असो भयानक भूकम्प कभी नी अयो थो.

19 येका से उ बडो नगर का तीन टुकडो हुय गयो अरु सब राष्ट्र को नगर गिरी गयो. अरु बडो बाबेल को स्मरण परमेश्वर बडो बाबेल खे दण्ड देन का लिये याद हुयो, ही वा अपनो घुस्सा की जलजलाहाट को मदिरा उ पिलायो.

20 अरु हर एक टुकडो अपनी जगा से टल गयो, अरु पात नी चल.

21 बदल से इन्सान पर मन-मन भन्यो, बडो गार का अरु येका लिये को यो विपत्ति बोल ही भारी थो, दुन्या ने आलो कि विपत्ति करन परमेश्वर को नीन्दा को.

## 17

???????? ?

1 येका बाद जो सात स्वर्गदूत का पास वे सात कटोरो थो, ओमे से एक ने अयखे मरासे यो बोल्यो, “इधर आ, मी तोखे वा बडी वेश्या को दण्ड दिखायु, जो भोत से पानी पर बैठी हइ,

2 जेका साथ पृथ्वी का राजाहोन ने व्यभिचार कन्यो. अरु पृथ्वी का न्हैन आला ओको व्यभिचार की मदिरा से नशामे चुर हइ गया था.”

3 मेखे पुरीरीतसे आत्मा ने कबजो कन्यो फिर स्वर्गदूत मेखे जंगल, ले गयो, अरु मी ने लाल रंग, जनवर पर जो नीन्दा का नाम से भरी थो, एक बैय खे बठी हइ देख्यो.

4 यो बैय बैंगनी अरु लाल रंग, कपडा पेनी थी, अरु सोनो अरु बहुमूल्य रत्नो मणिहोन अरु मोतिहोन से सजी हइ थी, अरु ओका हात मे एक सोना की कटोरो थो जो बुरा सामनहोन से अरु ओका व्यभिचार को अशुध्द सामनहोन से भन्यो हुयो थो.

5 अरु ओका माथा पर यो नाम लिख्यो थो, “भेद-बडो हे बेबीलोन जमीन की सब वेश्याहोन अरु बुरा चिजहोन की माय.”

6 मेने वा बैय खे पवित्र दुन्या को खुन

अरु यीशु कि गवाही खे पीने से मस्त देस: उ देखीखे मी गयो.

7 “तब उ स्वर्गदूत ने मरा से बोल्यो,” तू चकित हुयो? मी ये बैय अरु उ जनवर को जेका पर वा सवार हइ अरु जेका सात माथा अरु दस सिग हइ, वा भेद बतास हय.

8 जो जनवर तोने देख्यो हइ, उ पैयले तो थो पर अब नी हइ, अरु अथाह कुण्ड से नीकलि खे खतम हुय जास. अरु पृथ्वी का न्हैनवाला जेको नाम जगत की उत्पत्ति को टेम से जिवन को किताब मे लिख्यो नी गयो, ये जनवर को यो दशा देखी, को पैयले थो अरु अब नी हइ अरु आ जास, अचम्भा करस.

9 उ बुद्धि का लिये जेमे ज्ञान हइ जेका पर वा बैय हइ.

10 अरु उनमे से पाच राजा भी हइ, पाच ते हुए चुक्यो हइ, अरु एक अभी हइ, अरु एक अब तब आयो नी अरु जब अयो ते कुछ टेम तक ओको न्हैस भी अवश्य हइ.

11 जो जंगली जनवर से पैयले थो, अरु अब नी हइ, उ अब आठवो हइ अरु उ सात मे से उत्पन्न हुयो अरु खतम हइ जाये.

12 “जो दस संगी तो ने देख्या वे दस राजा हइ जेने अब तक राज्य नी पायो, पर उ जंगल जनवर, साथ घडी भर, लिये राजाहोन को अधिकार पास.

13 ये सब एक मन हुए, अरु वे अपनी अपनी सामर्थ्य अरु अधिकार उ जनवर, देस.

14 वे मेडा से लडस अरु मेढो उनका पर जय पाये, क्युकि उ प्रभुहोन को प्रभु अरु राजाहोन को राजा हइ, अरु जो बुलाया हुआ अरु चुन्या हुआ अरु विश्वास हइ वे ओका साथ हइ. वे भी जय पाये.”

15 फिर ओने मरा से बोल्यो, “जो पानी तो ने देख्यो जेका पर वेश्या बठी हइ, वे तो दुन्या अरु गर्दी अरु जातहोन अरु भाषाहोन हइ.

16 जो दस संग तो ने देखा, वे अरु जनवर उ वेश्या से अरु ओका मास खइ जये, अरु ओखे अंगार मे जलय दिये.

17 अपनो परमेश्वर ओको मन मे जब तक परमेश्वर, वचन पुरो नी हुये तब तक एक मन कोय खे अपनो अपनो राज्य जनवर खे दिह्ये.

18 “वा बैय खे जेखे तोने देख्यो हइ, वाहा बडो नगर हइ जो पृथ्वी का राजाहोन पर राज्य करस हइ.”

## 18

XXXXXXXX XX XXX

1 येका बाद मे ने एक अरु स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देख्यो, जेखे बडो अधिकार मीलीगो थो. अरु पृथ्वी ओको तेज से चमकी उठी.

2 ओने उच्चो बोल से फुकारी खे बोल्यो, गिरी गयो, बडो बेबीलोन गिरि गयो हइ! वा बुरी आत्मा होन को नीवास, अरु हर एक अशुध्द आत्मा को अंडो, अरु हर एक अशुध्द अरु घृणित चिडी को अंडो हुइ गयो.

3 क्युकि ओको व्यभिचार को भयानक मदिरा का कारण सब जात गिरि गयो हइ, अरु पृथ्वी का राजाहोन ने ओका साथ व्यभिचार कन्यो हइ, अरु पृथ्वी का बेपारी ओको सुख-विलास को भोताकय कारण धनवान हुयो हइ.

4 फिर मे ने स्वर्ग से एक अरु बोल सुन्यो,

हे मरा दुन्या ओमे से नीकली के

आयो कि तुम ओका पाप मे हिस्सेदार नी हुये,

अरु ओकि विपत्तिहोन मे से कोय भी तु पर नी पड्यो.

5 क्युकि ओको पाप को ढिग स्वर्ग तक पहुँची गयो हइ, अरु ओको अधर्म परमेश्वर का स्मरण आयो हइ.

6 जसो ओने तोके दियो हइ असो ही ओका दे,

अरु ओका काम का जसो उ

डबल बदली दे. जेक कटोर मे ओने भरी दियो

थो ओमे ओका लिये डबल भरी दे.

7 जतनी ओने अपनी बडाइ कन्यो

अरु सुख विलास कन्यो, येतनो ओका दुख

अरु शोक दे. क्युकी वा अपनो मन मे बोलस हइ,

मी रानी हुइ बठी हइ विधवा नी.

अरु शोक मे कभी नी गिन्यु.

8 येका कारन एक हि दिन मे उ पर विपत्तिहोन अय गिरे, अगर मरनो,

अरु भस्म करी दियो जास,

क्युकी ओको न्यायी प्रभु परमेश्वर शक्तिमान हइ.

9 पृथ्वी को राजो जेने ओका साथ व्यभिचार अरु दुख-विलास कन्यो, जब ओको जलन को धुवो देख्यो, ते ओका लिये रोस अरु छाती पीटस.

10 ओका दुख डर मार बडि दुर खडो हुइ बोलस, “हे बडो नगर,वेबीलोन! हे द्द नगर खे हाय हाय! घडि भर मे हि तोखे दण्ड मीलि गो हइ.”

11 पृथ्वी को बेपारी ओका लिये रोस अरु कलपलाह्ये, क्युकी अब उनकी चिज कोय मोल नी लिह्ये.

12 अगर सोना, चांदी, रत्न का मोति, अरु मलमल, अरु बैजनी, रेशमी,अरु लाल रंग, कपडा,अरु हर प्रकार को सुगन्धित, अरु हत्ती को दात को हर प्रकार को सामन अरु खुप किमती अरु पीतल अरु लोहो अरु संगमरस को सब भाति को सामन,

13 अरु दालचीनी काम सालो, धूप, अत्रर, लोबानकाम दिरा, तेल का मैदा, गहु, गाय बैल का मुडा बकरीहोन, घोडो, रथ, अरु चेलो, अरु इन्सान, आंग, मन.

14 अब तरो मन भावने फल तरा पास से जाते न्हैस,अरु सुख दुख अरु वैभव की सामन तरा से दुर हुयो हइ,अरु वे फिर कदापि नी मीलस.

15 येका सामनहोन को बेपारी जो ओका वजेसे धनवान हुइ गय था,ओकि पीडा, डर, मारी दियु खडो हुए, अरु रोस अरु विलाप हुयो बोलस.

16 “हाय हाय यो बडो नगर जो मलमल, अरु बैजनी अरु लाल रंग का कपडा पेन्यो थो,अरु सोनो अरु मोतिहोन से सजायो थो.

17 घडी भर मे ही ओका असो भरी धन खतम हुइ गयो.हर एक माझी अरु”

यात्री अरु मल्लाह, अरु जतनो समुदर से कमास हइ सब दुर खडो हुयो,

18 अरु ओको जलन को धुवो देख्यो हुयो फुरीखे बोलस, “कोन सो नगर येका बडो नगर, सामने हइ.”

19 अरु अपना अपना माथा पर धुलो डालस, अरु रोतो हुयो “अरु विलाप करते हुयो चिल्ले चिल्लय खे बोलस हाय हाय यो बडो नगर जेकी सम्पति का वजेसे समुदर का सब डोंगा आला धनी हुइ गा था, घडि भर मे ही उजडी गयो.”

20 हे स्वर्ग, अरु हे पवित्र दुन्या, अरु प्रेरित, अरु भविष्यव्दक्ताहोन, ओका पर आनन्द कर, क्युकि परमेश्वर ने न्याय करीखे ओकासे तुमरो बदलो लियो हइ!

21 फिर एक बलवन्त स्वर्गदूत ने बडी चक्की, पाट, सामने एक पत्थर उठायो, अरु यो बोलिखे समुदर मे फेकी दियो, बडो नगर बाबेल असा य बडा बल से गिरायो जाह्ये अरु फिर कभी ओको पतो नी चल्यो.

22 वीणा बजानवाला, अरु गायक, अरु बंसी बजानवाला, अरु पिपडी फुकनवाला, अरु कोइ बोल फिर कभी तरा मे सुनायो नी दे अरु कन्यो उघम को कोय भी, “रागीर भी फिर कभी तरा मे नी मीलस अरु चक्की, चलन को बोल फिर कभी तरा मे सुनायो नी दे.

23 अरु दिवा को उजालो फिर कभी तरा मे नी चमकस अरु दुलो अरु दुलिन को बोल फिर कभी तरा मे सुनइ नी देनकी; क्युकी तरा बेपारी पृथ्वी, प्रधान था, अरु तरा तोटा से सब जातहोन भरमइ गइ थी.”

24 भविष्यव्दक्ताहोन अरु पवित्र दुन्याहोन, अरु पृथ्वी पर सब घात कन्यो हुया को खुन ओमे मे मीली गयो.

## 19

?????? ?? ????????? ?? ???????

1 येका बाद मे ने स्वर्ग मे आनो बडी गर्दी खे उच्ची आवाज से यो बोलते सुन्यो, “हल्लिलुयाह! उध्दार अरु महिमा अरु सामर्थ्य हमारो परमेश्वर ही कि हइ.

2 क्युकि वीने नीर्णय बरोबर अरु ठीक हइ.वीने वा टेम वेश्या को, जो अपनो व्यभिचार से जमीन खे भ्रष्ट करती थी, न्याय कन्यो अरु ओकासे अपनो सेवक खुन खे पलटयो लीयो हइ.”

3 फिर दुसरी बार वुनने बोल्यो परमेश्वर कि स्तुती हुये “वोका जलना को धुवो पिडमपिडि से रुखस हइ!”

4 तब चौबीसी सौ बापदादा अरु चार जनवरहोन ने गिरीखे परमेश्वर खे कयों, जो राजगद्दी पर बठ्यो थो. अरु बोल्यो, “आमीन, परमेश्वर कि स्तुती हुये!”

\*\*\*\*\*

5 तब राजगद्दी मे से एक आवाज नीकल्यो, “हे हमारो परमेश्वर से सब डरनवालो सेवक छोटो खे बडो. तुम सब वोकि स्तुती कर.”

6 फिर मे ने बडी गद्दी को जसो अरु खुप पानी को जसो आवाज, अरु गरझनो का जसो बडो आवाज सुन्हे “हाल्लेलूयाह! क्युकि प्रभु हमारो परमेश्वर को सर्वशक्तिमान राज करस हइ,

7 ओका हम खुशी अरु मगन हुये खे अरु वोकि स्तुती कहे क्युकि मेढो को भ्याव अय पहुच्यो हइ, अरु वोकि दुलीन ने अपना आप खे तैयारी करी ली हइ.

8 वोखे अच्छो अरु उजरो चमकदार महीन मलमल पेनन को अधी दियो गयो” क्युकि वु महीन मलमल को अर्थ पवित्र दुन्या को धर्म को काम हइ.

9 तब परमेश्वर से स्वर्गदूत ने मरा से बोल्यो, “यो लिख्यो कि धन्य हइ, जो मेडा को भ्याव का खाना मे बुलायोस हइ.”

10 तब मी वोखे दण्डवत करण का वासते वोका पाय पर गिरी गयो वोन मरा से बोल्यो, देख असो मत कहे, “मी तरा अरु तरो भैइय को जसो सेवक हय जो यीशु कि गवय देना पर रुख्यास हइ. परमेश्वर खे प्रनाम कहे.”

क्युकि यीशु की “गवय भविष्यवाणी की आत्मा हइ.”

\*\*\*\*\*

11 फिर मे ने स्वर्ग खुल्लो हुयो देख्यो का अरु देखुस हय कि एक उजरो घोडो हइ. अरु वोका पर एक सवार हइ, जो विश्वासयोग्य अरु सच्ची बोल्यो जास हइ. अरु व्हा न्यायीपन का साथ न्याय अरु वाद विवाद करस हइ.

12 वोको आख अंगार कि आच हइ अरु वोका माथा पर खुप से राजमुकुट हइ. वोका पर एक नाम लिख्यो हइ, जेने वोखे छोड्यो अरु कोय नी समजे.

13 व्हा खुन मे डुबायो हुया कपडा पेन्यास हइ, अरु वोको नाम परमेश्वर को बात हइ.

14 स्वर्ग की सेना उजरो घोडा पर सवार अरु उजरो अच्छो मलमल पेन्या हुयो वोका पीछे पीछे था.

15 जात जात खे मारन का वासते वोन एक चोख्खी तलवार नीकलस हइ. व्हा लोखनड को राजदण्ड का वासते हुयो वे पर राज कर्ह्यो का अरु सर्वशक्तिमान परमेश्वर को भयानक प्रकोप की पाणी की मदिरा को गडो मे अंगुर रोवे.

16 वोन कपडा झाग पर यो नाम लिख्योस हइ “राजाको राजो अरु प्रभु को प्रभु.”

17 फिर मे ने एक स्वर्गदूत को सुरज पर खडो हुयो देख्य. वोन बडो आवाज से पुकाच्यो बहल का बिच मे से उडनआला सब चिडी होन से बोल्यो आओ, परमेश्वर को बडो खाना का वासते जमा हुया,

18 जेक से तु राजा को मास अरु सरदार को मास अरु शक्तिमान इन्सान को मास, अरु घोडा को अरु वुनको सवार को मास को “अरु का स्वतंत्रता का सेवक का छोटो का बडो सब दुन्या को मास खा.”

19 फिर मेने वु जनवर, अरु जमीन को राजाहोन अरु वोकि सेनाहोन खे वु घोडा खे सवार अरु वोकि सेना से झगडन का वासते जमा देख्यो.

20 व्हा जनवर, अरु वोका सात झूटी भविष्यव्दक्ता पकडय गयो जेने वोका सामने असो चिन्ह को दिखायो थो जेका वजेसे वोन वोखे भरमायो जिनका पर वा जनवर कि छाया थी अरु जो वोकि मेति कि पुजा करतो थो. यो दो जिते जी वा अंगार कि नंदी मे, जो गन्धक से जलस हइ, डाल्हे गयो.



21 बाकि का सैनीक वु घोडो को सवार की तलवार से जो वोको मुडा से नीकलती थी, मारी डाल्यो गया. अरु सब चिडी वोको मास से तृप्त हुय गयो.

## 20

???? ?

1 फिर मे ने एक स्वर्गदूत खे स्वर्ग से उतरते देख्यो, जेका हात मे अथाह-गड्डा कि कुंजी अरु एक बडी साकल थी.

2 वोने वु अजिगर, अगर जुन्नो साप खे जो इब्लीस अरु सैतान हइ, पकडी खे हजार बरस का वासते बाधी दियो,

3 अरु वोने अथाह-गड्डा मे डालीखे बंद करी दियो अरु वोका पर सिक्का को लगय दियो कि व्हा हजार बरस खे पुरो होना तक जात जात, दुन्या खे फिर नी भरमायो. येका बाद जरुरती हइ कि व्हा थोडा देर का वासते फिर खोल्यो जाह्ये.

4 फिर मे ने राजगद्दी देख्ये अरु नी वो, पर दुन्या बठी गया, अरु वुनको न्याय करण को अधिकार दियो गयो. मे ने वुनकी आत्माहोन खे भी देख्यो जे, माथा यीशु मसीह की गवय देन अरु परमेश्वर को वचन को करन काटचो गयो थो, अरु जिनने नी वे जनवर होन कि अरु नी वोकि मूर्ति की पूजा करी थी, अरु नी वोको सिक्का को अपनो माथो अरु हात पर ली थी वे जिन्दो हुय खे मसीहा का हजार बरस तक राज करते न्हियो.

5 जब तक हजार बरस पुरा नी होय जब तक शेष मन्यो नी जिन्दो हुयो. यो ते पयलो डबल जन्म हइ.

6 धन्य अरु पवित्र हइ, जो या पयलो पुनरुत्थान को भागी हइ. असा पर दुसरो मरना का थोडा भी अधिकार नी, पन वे परमेश्वर अरु को मसीह याजक हुये अरु वोका हात हजार बरस तक राज कन्हे.

???? ?

7 जब हजार बरस पुरा हुइ गा ते सैतान बन्दीगृह से छोडी दियो जाह्ये.

8 सैतान जातहोन खे जो जमीन का चारी तरप हुये खे अगर गोग अरु मागोग खे जेकी गिनती नन्दी की रेती का बराबर हुये अरु भरमाखे लडय का वासते जमा करण खे नीकल्या.

9 वे सब जमीन पर फैली खे पवित्र दुन्या छाय अरु लाडेलो नगर खे घेरी लीह्ये. अरु अंगार स्वर्ग से उतरी खे उन खे खत्म करी दिह्ये.

10 वो को भरमानवालो सैतान अंगार अरु गन्धक की वु नाला मे जेमे वु जनवर अरु झुटो भविष्यव्यक्ता भी हुये डाली दिह्ये जाह्ये. अरु वे रात दिन पिडमपिड से दुख मे तडपते न्हिये.

???? ?

11 फिर मेने एक बडो उजरी राजगद्दी अरु वोखे जो वोका पर बठचो हइ, देख्यो वोका सामने से जमीन अरु बहल भागी गया, अरु वुनका वासते जगा नी मीली.

12 फिर मे ने छोटो बडा सब मन्या हुया खे राजगद्दी का सामने खडो हुयो देख्ये का अरु किताब खोली गय. अरु फिर एक अरु जसो वे किताब मे लिख्यो हुयो थो, वोसो य वुनको काम का जसो मन्यो हुयो को न्याय कन्यो गयो.

13 नद्दी ने वोमे मन्यो खे जो वोमे थो दि दियो, अरु मरनो अरु अधोलोक ने वे मन्या हुयो खे काम का जसो वुन सब को न्याय कन्यो गयो.

14 मृत्यु अधोलोक अंगार को नाला मे डाल्यो गयो. यो अंगार की नालो दुसरी मरनो हइ.

15 अरु जो कोय, नाम जिवन की किताब मे लिख्यो हुयो नी मील्यो, व्हा अंगार का नाला मे डाल्यो गयो.

## 21

~~~~~

1 फिर मे ने नवो बद्दल अरु नवी जमीन खे देख, क्युकि पयलो बद्दल अरु पयली जमीन जाते हेती थी, अरु समुद्र भी नी न्हि.

2 फिर मेने पवित्र नगर को नवो येरुशलेम खे स्वर्ग से परमेश्वर पास से उतरते देख्यो. व्हा वा दुलीन का सामे थी जो अपनो अदमी का वासते सिंगरी गय हुये.

3 फिर मे ने राजगद्दी मे से कोय खे जोरसे बोल्हो से यो बोलते हुयो सुन्यो, “देख्यो परमेश्वर को डेरो इन्सान का बिच मे हइ. व्हा वुनका सात डेरो कन्हे, अरु वे वोका दुन्या हुये खे अरु परमेश्वर आप वुन, सात न्हिये अरु वुनको परमेश्वर हुये.

4 व्हा वुनकी आख से सब आसु पोछी डाल्हे. अरु येका बाद मरन को नी न्हियेका अरु नी शोक नी विलाप को नी पीडा न्हिये पयली बात जाती न्हैस.”

5 जो राजगद्दी पर बठयो थो, वोने बोल्हो, “देख, मी सब कुछ नवो करी दियो हय.” फिर वोने बोल्हो, “लिखी ले, क्युकि यो वचन विश्वास का योग्य अरु सच्ची हइ.”

6 फिर वोने मरा से बोल्हो, “था बात पुरी हुय गी हइ. मी अल्फा अरु ओनेगा, पैयले अरु आखरी हय. मी प्यासा खे जीवन को पाणी को पाजर मे से सेंट-मेत पिलाह्यु.

7 जो जय पाह्ये उ या जिनुसहोन को वारीस हुये खे अरु मी वोको परमेश्वर हुये अरु व्हा मरो बच्चा हुये.

8 पन डरफोक, अरु अविश्वासीहोन, अरु घिनौनो, अरु हत्यारो, अरु व्यभिचारिहोन, अरु टोन्हो, अरु मूर्तिपूजक खे, अरु सब झूटी को भाग वु नाला मे मील्हे जो अंगार अरु गन्धक से जलती न्हैस हइ या दूसरो मरनो हइ.”

~~~~~

9 फिर जो सात स्वर्गदूतहोन, पास सात आखरी विपत्तिहोन से भन्यो सात कटोरा था, वोमे से एक मरा पास आयो, अरु मरा सात बात करीखे बोल्हो, “इदर अकमानी तोखे दुलीन अगर मुडाकि बायको दिखाह्यु.”

10 तब व्हा मेखे आत्मा मे एक बडो अरु उच्चो टेकडो पर ले गयो, अरु पवित्र नगर येरुशलेम खे स्वर्ग से परमेश्वर, पास से वुतरते दिखानो.

11 परमेश्वर की महिमा वोमे थी, अरु वोकि उजालो खुप ही खुप किमती गोदो, अगर बगडी का जसो यशब का जसो अच्छोय थो.

12 वोकि नगर पनाह बडी उच्चो थी, अरु वोकि बारा फाटक अरु फाटकहोन पर बारा स्वर्गदूत था अरु वे फाटक पर उत्तर, तरप तीन इस्राएलिहोन का बारा गोत को नाम लिख्यो थो.

13 पुरब का तरप तीन फाटक, अरु उत्तर दिशा, तरप तीन फाटक, अरु तीन फाटक दक्षिण, तरप फाटक, अरु पश्चिम का तरप तीन फाटक थो.

14 यो नगर की शहरपनाह की बारा पय्या था, अरु मुडाको बारा प्रेरितहोन का बारा नाम लीख्यो थो.

15 जो मरा सात बात करते न्हैतो थो वोका पास नगर अरु फाटक अरु वोकी शहरपनाह खे मोजन का वासते एक सोन्ना को जगत थो.

16 व्हा नगर वर्गाकार बठयो थो अरु वोकि लंबडोय चवौवडा का बराबर थो. अरु वोने वु जगत से नगर खे मोज्यो ते साढे सात सौ कोस को नीकल्यो वोकि लंबय अरु चवौडोय अरु उच्चो बराबर थो.

17 वोने वोकि शहर पनाह खे इन्सान, अगर स्वर्गदूत को माप से मोज्यो ते एक सौ चौरचालीस हात नीकल्यो.

18 वोकि शहरपनाह यशब की बनी थी, अरु नगर असो हइ अच्छो सोन्ना को थो जो अच्छी काच का जसी हुये.

19 वु नगर की पय्यो हर रंगेरंग की खुप किमती गोदो से सजायो हुयो थो. पयलो पय्यो यशब कि, दुसरी नीलमणी कि तीसरी लालडी कि चौथी मकरत की,

20 पाचवो गोमेदक कि छे, माणिक्यकी सातवी पीतमनी की, आठवी पेरोज की, नव्वी पुखराज की, दसवी लहसनिए की, ग्यारावी धूम्रकान्त, तरप बारावी याकुत की थी.

21 बारा फाटक बारा मोती का था एक एक फाटक एक एक मोती को बनायो थो नगर की सडक अच्छी काच का जसी चोखी सोन्ना कि थी.

22 मे ने वोमे कोय मन्दिर नी देखी, क्युकि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर अरु मेढो वोकि मंदीर हइ.

23 वु नगर मे सुरज अरु चाद का उजार की जरूरत नी. क्युकि परमेश्वर को तेज से उजार हुय न्हिस हइ, अरु मेढो वोको दिव्वो हइ.

24 जात जात, दुन्या वोकि प्रकाशन मे चलते फिरते, अरु जमीन को राजो अपनो अपनो तेज का जसो वोमे लग्यो.

25 नगर कि फाटक दिन मे कभी बन्द नी हुये खे अरु रात व्हा नी हुये.

26 दुन्या जात जात को तेज अरु वैभव को जसो वोमे लाह्ये.

27 पन वोमे कोय अपवित्र चिजहोन बुरा काम करणवालो, या झुटी को गाडनआलो कोय रीति से घुस्सा नी कन्यो, पन नी करण को पन फक्त वे दुन्या जेको नाम मुडाको जिवन की किताब मे लिख्यो हइ.

## 22

~~~~~

1 फिर वोने मेखे बगडी का जसी झलकन हुयो, जान को पाणी कि नंदी दिखानो, जो परमेश्वर अरु मेडा खे राजगद्दी से नीकलीखे

2 वा नगर कि सडक, बिचो बिच बोहाती थी. नदी का यो पार अरु वा पार जान को झाड थो. वोमे बोहय खे रेगेरंग को फल लगतो थो, अरु व्ह हर महीना मे फल आतो थो. अरु वु झाड को पत्ता से जात जात, दुन्या अच्छा होता था.

3 फिर श्राप नी हुये खे अरु परमेश्वर वोको मुडा का सिंहासन वोकि सेवक कन्हे.

4 वे वोका मुडो देख्ये

अरु वो को नाम वोका माथा पर लिख्यो हुयो हुये.

5 फिर रात नी होनकी, अरु वुन खे दिव्वो अरु सुरज को उजाला की जरूरत नी हुये खे क्युकि प्रभु परमेश्वर वुन खे उजाला दिह्योका अरु वे पिडमपिडि से राज कन्ह्ये.

~~~~~

6 फिर वोने मरा से बोल्यो, “या बात विश्वास का योग्य अरु सच्ची हइ प्रभु ने, जो भविष्यव्दक्ताहोन आत्माहोन को परमेश्वर हइ, अपनो स्वर्गदूत खे येका वासते भेज्यो कि अपनो सेवक खे वे बात, जिनको झल्दी पुरो होनो जरूरती हइ, दिखाये.”

7 “देख मी” झल्दी. “आनवालो हय! धन्य हइ उ, जो यो किताब कि भविष्यवाणी की बात मानस हइ!”

8 मी उ यहन्ना हय, जो या बात सुन्ह्ये अरु देखतो थो. जब मे ने सुन्यो अरु देख्यो, ते जो स्वर्गदूत मेखे या बात दिखातो थो, अरु मी वोको पाय पर दण्डवत करण का वासते गिरी गयो.

9 पर वोने मेखे बोल्यो, “देख, असो मत कन्हे. क्युकि मी तरो अरु तरो भेइय भविष्यव्दक्ताहोन, अरु या किताब कि बात माननवाला, संग सेवक हय. परमेश्वर ही खे दण्डवत कर.”

10 फिर वोने मरासे बोल्यो, “या किताब कि भविष्यवाणी कि बात मोगम मत कन्हे. क्युकि टेम नजीक हइ.

11 जो अन्याय करस हइ उ अन्याय ही करतो न्हियो. अरु जो मीलनो हइ, व्हा मीलनो न्हिये. अरु जो धर्मी हइ व्हा मीलनो बन्यो न्हिये. अरु जो धर्मी बन्यो न्हियो. अरु जो पवित्र हइ, व्हा पवित्र बन्यो न्हिये.”

12 यीशु ने बोल्यो, “देख मी” झल्दी. आनवालो हय. “अरु हर” एक को काम का जसो बदलो देन का वासते प्रतीफल मरा पास हइ.

13 मी अल्फा अरु ओनेगा पयलो अरु आखरी, पयलो अरु खत्म हुयो.

14 धन्य वे हइ का जो अपना कपडा धोय लेस हइ, क्युकि वोखे जिवन को झाड का पास आन नको अधिकार मीलहे का अरु वे फाटक से हुय खे नगर मे घुसी गो.

15 पर कुत्तो, अरु टोन्नो, अरु व्यभिचारी, अरु हत्यारो अरु मूर्तिपूजक अरु हर एक झूठ खे प्रेम करस आलो अरु गाडनआलो बाहेर न्हिगो.

16 “मी यीशु ने अपनो स्वर्गदूत खे येका वासते भेज्यो कि तुम्हारा आगे मंडलीहोन का बारे मे या बात कि गवइ देस मी दाउद को किमती अरु कुल, अरु फजर को चमकते हुयो तारो हय.”

17 आत्मा अरु दुलीन दो बोलस हइ, “आ” अरु सुनन आलो भी बोलह्ये का “आ” जो प्यासो हुये व्हा आयो,

अरु जो कोय चाह्ये व्हा जिवन को पाणि सेत मेत ली.

*[P/P/P/P]*

18 मी हर एक खे, जो या किताब की भविष्यवाणी की बात सुनतो हइ, गवइ देतो हय अगर कोय इन्सान या बात मे कुछ बडह्ये ते परमेश्वर वे विपत्तिहोन खे, जो या किताब मी लिखी हइ, वोका पर बडाह्ये.

19 अगर कोय या भविष्यवाणी कि किताब मे से कुछ नीकली दिह्ये का ते परमेश्वर वा जिवन को झाड अरु पवित्र नगर मे से, जेको वर्णन या किताब मे हइ, वोको भाग नी काली दिह्ये.

20 जो या बात कि गवइ देस हइ व्हा यो बोलस हइ,

“हा, मी झल्दी आनवालो हय.” आमीन. हे प्रभु यीशु आ!

21 प्रभु यीशु को अनुग्रह परमेश्वर का दुन्याहोन का सात न्हिये, आमीन.